Hitch an University Che Gazette of India

प्राधिकार से प्रकाशित PUBLISHED BY AUTHORITY

सं• 45] नई विस्ती, शनिवार, नवम्बर 9. 1985 (कार्तिक 18, 1907) No. 45) NEW DELHI. SATURDAY, NOVE VISER 9, 1985 (KARTIKA 18, 1907)

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या वी जाती है जिससे कि यह अलग संकलत के रूप में रखा जा सके (Separate paging is given to this Part in order that it mary be file As a separate compilation)

भाग III—खण्ड 1 [PART III—SECTION 1]

उन्च न्यायालयों, नियम्बक और महारोजापरीज्ञक, संय लोक सेवा आयोग, रेल विभाग और भारत सरकार के संलग्न और अधीन कार्यालयों द्वारा जारी की गई अधिसूचनाएं (Notifications issued by the High Courts, the Comptroller and Auditor General, the Union Public Service Commission, the Indian Government Railways and by Attached and Subordinate Color of the Povernment of India)

संघ लोक सेवा आयोग

संदर्ध नियंति की

नई पिल्ली-110011, दिनोक 11 सितन्बर 1985

सं० ए० 32014/1/85-प्रशा०-III-- संघ लो ह सेवा भाषीग के के स० से० संवर्ग के निम्नलिखित धनुभाग भिद्यारियों को राष्ट्रपति द्वारा उनमें से प्रत्येह के सामने निर्विष्ट भविष्ठ के लिए अथवा भाषामी भिदेशों तह, जो भी पहले ही, संघ लोक सेवा भाषीय के लये सहर्ष नियुक्त भविष्ठारों के पद पर कार्य करने के लिये सहर्ष नियुक्त करते हैं:--

कम् स० गाग			भ्रम्ब भ्रमि	
सर्वेश्रो				
1. ग्राए० पी० सरीज	1−9∽85 से	31-1	0-85	तक
2. राम प्रवसार	1-9-85 से	31-1	085	सं 5
3. सृदेण कुमार	1-9-85 सें	31-1	0−85	त ह
4. एन० पी० एस० गजरास	1-9-85 से	31-10	-85	तह
5. কুলা ভাল—II	6985 से	31~1	0-85	स 5
6. यमपाल डबास	6985 सें	31-1	085	तक
7. ग्रनिल कुमार	2-10-85 से	31-1	083	तह
8. राजिन्द्र सिंह	6-9-85 से	15-1	0-85	त₹
9. घोठ पी० कोटिया	6~9~85 से	1-10	-85	नक

के उपर्युषत अधिनारी नामिन और प्रशासनिक सुधार विभाग के कार आर संर 12/1/74-सीर एसर दिनांक 11-12-1375 की भर्ती के अनुसार 75/- गर प्ररुपार की धर से विशेष वैद्यान प्राप्त करोंगे।

दिनां ह 27 सिलम्बर 1985

सं० ए० 32018/4/83-प्रणा०-II--उन कार्यालय की समतंब्यक प्रविस्वता दिना क 4-4-85 के प्रतुक्रम में प्राप्त संघ लोक सेवा प्रायोग, एउट्डाम संघ लोक सेवा प्रायोग के कार्यालय के निम्निलिखिल प्रोग्राम सहायक-सह-क्रितील प्राप्तेटरों को 1-10-85 से 31-12-85 सक तीन महीने की प्राप्ती प्रविध के लिये प्रयवा प्राणामी प्रादेशों तक, जो भी पहले हो, संघ लोक सेवा ध्रायोग के कार्यालय में प्रोग्रामर के पद पर त्रदर्य प्राधार पर नियुक्त करते हैं:--

- ो. थों: डी० मार० मानन्द
- 2. श्रो बी० कै० बीउरा
- 3. श्रीमती रोता तुलस्ने

प्रोग्रानर के पद पर ये नियुक्तियां पूर्णतः तदयं माधार पर हैं श्रीर इपने इन्हें उक्त ग्रेड में नियमित नियुक्ति मयत्रा वरिष्टता का कोई हक नहीं मिलेगा।

en ein

धार

दिनांक 30 सिक्ष्म्बर 1985

सं० ए० 32014/1/85-प्रशा०-III--इस कार्यालय की भिष्युवना सं० ए० 32014/1/85-प्रशा०-III दिनांकः 11-9-1985 द्वारा भिष्युवित भी के० एल० गुलाटी की 6-9-85 से 20-10-85 सक्त की प्रविध के लिये भनुभाग अधिकारी के पव पर सदर्थ नियुक्ति एत्युक्तरा रह की जाती है।

दिनांक 1 श्रक्तूबर 1985

सं० ए० 32011/2/85--प्रशा०-I--संघ लोक सेवा ग्रायोग के मध्यक्ष संघ लोक सेवा ग्रायोग विनियम, 1958 के नियम 7 में निहित शक्तियों का प्रयोग करते हुए संघ लोक सेवा ग्रायोग के के० स० स्टें० से० के स्थायी ग्रेड 'क' ग्राधकारी श्री एम० सी० खुराना, जो इस समय निर्जा सचिव के पद पर कार्यरत ह, को 16-9-85 से तीन महोने की ग्रवध के लिये भण्या ग्रागामी ग्रादेशों तक, जो भाषहिल हो, के० स० से० के ग्रेड-I में ग्रवस् सचिव के पद पर लदयं ग्राधार पर स्थानापन्न रूप से कार्य करने के लिये निमुक्त करते हैं।

दिनांक 4 मन्तूबर 1985

सं० ए० 32014/1/85-प्राधा०-III- संघ लोक सेवा आयोग के के० स० से० संवर्ग के स्हायव श्री बी० बी० साहनी को राष्ट्रपति द्वारा 3 श्रम्यूवर, 1985 से 16 नवम्बर, 1985 तक संघ लोक सेवा आयोग के कार्यालय में तबर्थ आधार पर श्रमुभाग सिवकारी के पद पर सहर्थ नियुक्त किया जाता है।

एम० पी० जैंने भवर सचिव (का० प्रणा०) संघ लोक सेवा श्रायोग

केन्द्रीय सतर्कता मायुक्त नई दिल्ली, दिनांक 7 मक्तूबर 1985

सं० 5-एल० पी० धार० एस०-064-केन्द्रीय सतर्कता धायुक्त एतद्द्वारा इस धायोग में श्रीमती ज्योत्सना धीश (भारतीय डाक सेवा) वर्तमान उप सचिव को निदेशक के पद पर 10-6-85 से (वेसनमान ६० 2000-2250) में नियुक्त करते हैं।

स० ५-एल० पी० आर० एस०-115-केन्द्रीय सतर्कसा आयोग में उनकी अवगुर्ती प्रवावधि समाप्त होने पर, श्री राजेन्द्र प्रसाद माथुर (एम० ई० एस० 428001) रक्षा मंत्रालय, जो कि आयोग में प्रतिनियुक्ति के आधार पर तक्तोकी परीक्षक (सिविल) के पद पर कार्यरत हैं, को कार्यभार से मुक्त किया जाता है और उनकी स्वायें 7 अक्तूबर, 1985 (अपराह्म) से रक्षा मंत्रालय (ई० एन० सी० बीच, सेना मुख्यालय को सौंपी जाता हैं।

दिनांक 11 भक्बतूर 1985

सं० 2/2/84-प्रशासन-- फेन्द्रीय सतर्कता आयुक्त एतद् हारा श्री प्रेम नाय, कार्यपालक इंजीनियर (विद्युत) केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग को इस आयोग में, प्रतिनियुक्ति के आधार पर तमनीकी परोक्षक (विद्युत), के पद पर वेतनमाम ६० 1100-50-1600 के आतिरिक्त 200/- के० विशेष वेतन प्रतिमाह में 1 अन्तूबर, 1985 (पूर्वाह्न) से श्रगले आदेश तक स्थानापन्न रूप से नियुक्त करते हैं।

दिनांक 14 ग्रस्तूबर 1985

सं० 2/22/85-प्रशासन—केन्द्रीय सतर्कता श्रायुक्त एतद्-हारा इस आयोग में स्थायी सहायक, श्री वृष्ण कुमार ग्रोवर, को सदर्थ रूप से भनुभाग श्रीधकारी के पद पर 14--10-85 से 30-11-85 सथवा भगले श्रादेश तक, जी भी पहले हो, नियुक्त करते हैं।

दिनांक 15 भ्रक्तूबर 1985

सं० 2/8/85-प्रशासन—केन्द्रीय सतर्कता आयुष्त एतद-द्वारा केन्द्रीय सतर्कता आयोग में श्री एस० प्रवीप कुमार नायह् (आई० ए० एस०: ए० थो०: 73) को विभागीय जांच आयुष्त के पद पर वेतनमान ६० 1500-60-1800-100-2000 के अतिरिक्त 300/६० विशेष वेतन प्रतिमाह में 4 प्रक्तूबर, 1985 (पूर्वाहन) से अगले आदेश तक स्थानापन रूप से नियुषत करते हैं।

> क्रुप्ण लाल मल्होता ग्रवर समित्र (प्रशासन) कृते केन्द्रीय सलर्कता आगुक्त

प्रवर्तन निदेशालय विदेशी मुद्रा विनियमन प्रधिनियम नई दिल्ली, दिनांक 14 प्रवसूबर 1985

पत्न सं० ए-11/1/78--श्री ए० डी० नारायणन, सहायक प्रवर्तन ग्रिधकारी, मद्रास क्षेत्रीय कार्यालय को दिनांक 9-1-1978 से ग्रंगले धादेशों तक के लिये प्रवर्तन निदेशालय के बंगलीर यूनिट में प्रवर्तन श्रिधकारी के पद पर स्थानापन्न रूप से नियुक्त किया जाता है।

के० विजयन उप निदेशक (प्रशासन)

का० और प्रशिक्षण प्रशा० सु० लोकशिकायत तथा पेंशन मंत्रालय कामिक एवं प्रशिक्षण विभाग केन्द्रीय श्रन्वेषण ब्यूरो

नई दिल्ली-110003, दिनांक 14 अक्तूबर 1985 सं० ए० 19036/3/75-प्रशा०-5--श्री डी० एम० राव, पुलिस उपाधीक्षक, के० ग्र० ब्यूरो, सी० श्राई० यू० (सी०), नई दिल्ली केन्द्रीय सिविलि सेवा पेंशन नियमा-, वली, 1972 के नियम 48-क के ग्रन्तगैत 30 सितम्ब^र 1985 (ग्रपराह्म) को स्वेष्छा से सेवा-निवृक्त हो गए।

सं० ए० 19020/1/82~प्रशासन-5--प्रत्यावर्तेन होने पर, श्री ए० एस० बल, भा० पु० सेवा (मध्य प्रवेश-1963) पुलिस उप महानिरीक्षक, केन्द्रीय श्रन्थेषण ब्यूरो, विशेष पुलिस स्थापना की सेवायें दिनांक 20 मई, 1985 (श्रपराह्म) से मध्य प्रदेश सरकार को सौंप दी गई थीं।

सं० ए० 19036/11/83-प्रभासत-5-प्रत्यावर्तन हो पर, गुजरात राज्य पुलिस से केन्द्रीय श्रन्वेषण ब्यूरो में प्रतिनियुक्ति पर प्राए श्री डी० बी० भेंडे, पुलिस उपाधीक्षक की सेवायें, 30 सितम्बर, 1985 (ग्रपराह्न) से, गुजरात सरकार की सींप दी गई थी।

सं० 3/34/85-प्रशासन-5---राष्ट्रपति, श्री एम० एल० कुमावत, भा० पु० सेवा (ग्रा० प्र०-1972) को 18 सितम्बर, 1985 (पूर्वाह्न) से ग्रगले ग्रादेश होने तक केन्द्रीय ग्रन्वेषण ब्यूरो, विशेष पुलिस स्थापना में प्रतिनियुक्ति पर पुलिस श्रधीक्षक के रूप में नियुक्त करते हैं।

सं० 3/35/8 5-प्रशासन~5—निदेशक, केन्द्रीय ग्रन्वेषण ड्यूरो तथा पुलिस महानिरीक्षक, विशेष पुलिस स्थापना, रेलवे सुरक्षा बल (मध्य रेलवे) के श्री एस० पी० पलाडीया, ए० एस० श्री० को दिनांत 23 सितम्बर, 1985 (पूर्वाह्न) से ग्रगले ग्रादेण होने तवा केन्द्रीय ग्रन्वेषण ड्यूरो में प्रतिनि-युक्ति पर स्थानापन्न पुलिस उपाधीक्षक के रूप में नियुक्त करते हैं।

केन्द्रीय न्याय वैषयक विज्ञान प्रयोगणाला दिनांक 16 श्रक्तुवर 1985

सं० 1-17/84-सी० एफ० एस० एल०/8446-राष्ट्रपति जी, ने श्री डी० ग्रार० रोहिला, वरिष्ठ वैज्ञानिक
सहायक (डाक्मैंट) को वैज्ञानिक ऐड यूनिट, केन्द्रीय
भन्वेषण ब्यूरों, मद्रास शाखा, मद्रास में सदर्थ ग्राधार पर
६ माह के लिये वरिष्ठ वैज्ञानिक ग्रधिकारी ग्रेड-II को
(भगराह्म) 4-10-1985 से ग्रगले ग्रावेश तक के लिये
तब तक तियुक्त करते हैं जब तक कि इस पद को स्थायी रूप
से नहीं भर लिया जाता।

सं० 1-27/81-सी० एफ० एस० एल०/8447—
केन्द्रीय भन्वेषण ब्यूरी की अधिमुखना सं० 1-27/81-सी० एफ० एस० एल०, केन्द्रीय न्याय वैदयक विज्ञान प्रयोग-पाला के दिनार 3-9-1985 के कम में राष्ट्रपति, केन्द्रीय न्याय वैदयक विज्ञान प्रयोगशाला के वरिष्ठ वैज्ञानिक सहायक डा० एस० के० लहरी (सूठ अभिज्ञापक) को केन्द्रीय न्याय वैदयक विज्ञान प्रयोगशाला में वरिष्ठ वैज्ञानिक अधिकारी (ग्रेड-II) (सूठ अभिज्ञापक) के रूप में तदर्थ आधार पर 6 माह के लिये 1-10-1985 (अपराह्म) से भगले आदेश त्रक के लिये तब तक नियुक्त करते हैं जब तक कि इस पद को स्थायी रूप से नहीं भर सिया जाता।

> भार० एस० नागपाल प्रशासकीय भधिकारी (६०) केन्द्रीय भन्वेषण ब्यूरी

गृह मंत्रालय पुलित अनुसंधान एवं विकास न्यूरो नई दिल्लो, दिनांक 14 प्रक्तूबर 1985

सं० 6/14/80-प्रशा०-I-महानिदेशक, पुलिस अनु-संधान एवं विकास ब्यूरो, श्री एस० के० मुखोपाध्याय, कनिष्ठ वैज्ञानिक श्रीधकारी, को 5-5-83 से इस ब्यूरो के श्रवीन केन्द्रोय न्यायिक विज्ञान प्रयोगशाला, कलकत्ता में कनिष्ठ वैज्ञानिक अधिकारी के मूल पद पर स्थायी रूप से नियुक्त करते हैं।

> डी० मजूमदार सं० सहा० निदेशक

महानिदेशालय, केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल नई दिल्ली, विनांक 15 प्रक्तूवर 1985

सं० पो० सात-5/85-स्था०-I--राष्ट्रपति जी निम्नलिखित अधिकारियों भी उनके पदोक्षति फलस्वरूप आगामी आवेश जारी होने तक के० रि० पु० बल में उपमहानिरी-क्षक के पद पर अस्थायी रूप से सहर्षनियुक्त करते हैं:-

- 1. श्रो एन० के० तिवारी
- 2. श्री पी० बी० सुबाराव
- 3. श्री बो० अन्नवर्ती
- 2. इन्होने उपमहानिरोक्षक के पद पर निगुक्त होने . पर, इस पद का कार्यभार दिनांक 20-9-85 (ग्रपराह्न) . से ग्रहण कर लिया है।

डी॰ डी॰ गुप्ता उपनिदेशक (स्थापना)

ं मई दिल्ली, दिनांक ं 16 अक्तूबर 1985

सं० ग्रो० दो० 901/77-85-प्रधा०-3---केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल के श्री कृपाल सिंह ग्रानुभाग अधिकारी को दिनांक 30-9-85 (पूर्वाह्न) से संयुक्त सहायक निदेशक (लेखा)/ लेखा परीक्षक अधिकारी के पद पर पदोन्नत किया गया है।

सं० ग्रो० दो० 7/85-प्रशासन-3-केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल के श्री सागरमल, सूबेदार मेजर (कार्यालय अधीक्षक) को बल के महानिदेशालय में दिनांक 30 सितम्बर, सन् 1985 (पूर्वाह्म) से अनुभाग अधिकारी के पद पर पदोन्नस किया गय है।

सं भी वीर्ं 5/85-प्रशासका-3—किसीय रिगर्व पुलिस बल के श्री अजी। जिह, सूबेदार मेजर (कार्यालय अधीसक) को बल के महानिदेशालय में दिलांक 16 जिलकार, सन् 1985 (पूर्वास्त्र), से अनुमान अधिकारी के पर पर परीक्षत किया गर्यों है।

> कियान लाल उपनिवेशक (प्रशःसन)

नई दिल्ती-110003, दिए ह । 11 अस्तूबर 1985

सं० ग्रो० दो॰ 109 अं 73 स्वासा — के दि० पु० व ल के नियम 43 (दी) के अवसीत, स्वेक्ट पूर्वत सेवा-नियन होने के फतवारा, श्री सीत्र कित्र ने पुलित उप-प्रधीक्षक, 37 वाहिसी, के पर का कार्यभार दिवाक 1-4-1985 (पूर्वाल) को त्याग दिया है।

सं० ओ० दी० 2122/85-स्था०--महानिदेशक, कें रि० पु० बल ने डा० तका शेखरी को दिनांक 3-9-85 (पूर्वास्त्र) से 23-9-85 (पूर्वास्त्र) तक के लिए कविष्ठ (बिक्टिया अग्रिकारी के पर पर तर्थ रूप से सहर्थ नियुक्त किया।

सं० दी॰ एफ०-27/85-ज्यापना-1--श्री एम० एस० सेठी, सहायक कमाउँछ, केन्द्रीन रिजर्ज पुलित बल, ग्रुप केन्द्र, दीमापुर को सेनायें दिशंक 31-8-85 (आराह्म) से पंजाब सरकार को जिन्नुटेसा अकार पर सोंगी जाती हैं।

सं० घो० दो० 2003/85—स्यानता—महानिदेश ह, के० रि० पु० बत ने डा० एत० सिद्धार्थ राव को के०रि० पु० बल में दिनो है 7-9-85 (पूर्विह्स) से केवल 3 माह के लिए अथवा उस पर पर नियमित नियुक्ति होने तह, इनमें से जो भी पहले हो, उब असीब असे होन्छ निर्मात अविकासी के पद पर स्वर्ष रूप से सहर्व नियुक्त किया।

संव ओव दोव 2047/85 त्यापा — नहानिदेश ह, केन्द्रीय रिजर्व पुनित बत ने डाक्टर दिनेग चन्द्र गोल्यामी को दिनां के 16-9-85 (पूर्वीह्र) से केन्द्रीय रिजर्व पुनित बन में किन्छि विकित्ता अधिकारी के पर पर केन्न नी। माह के निए अथवा उस पर पर निनित्त हो। तह हो से जो भी पहले हो। उस तारीब तह तह के का दर्भ से सहने निन्का किया है।

एम० अशोक राज सिहायक निवेशक (स्यापना)

महातिदेशालन, केन्द्रीय ग्रीधीगिक सुरक्षा अस अर्थ दिस्ती-110003, दित्तीक 15 अक्तूबर 1985-

सं • ई-32015(4)/83/85-ऋमिक-1—प्रतितियुक्ति पर स्थामांतरण होने पर, श्री एन० चबाह मे 13 सिसम्बर, 1985 के आ प्रह्म से के॰ ग्रो॰ सु॰ ब॰ यूनिट एल इत्ता पोर्ट दूरण कल हेता के सहायक कमांक्रिय के पर का कार्यभार संभाव किया ।

> (ह०) ग्रन्ठनीय महानिवेशक कि भेर भूर सुरु बरु

भारत के महारजिस्ट्रार का कार्यालय

मई दिल्ली-110011, दिनोक 6 प्रक्तूबर 1935

सं० 10/44/82-प्रशा०-I--राष्ट्रपति, केन्द्रीय सचित्रालय तेना, गृह मंत्राला के प्राृताग अधिकारी और इस समय भारत के महाराजिस्ट्रार का कार्यालय, नई दिल्ली में सहायक निदेशक के पद पर तदर्थ आधार पर प्रतिनियुक्ति पर स्थानान्तरण हारा कार्यरत श्री प्रार० सी० सचदेव को तारीख 1-10-1985 से अगले अ देशों तक नियमित आधार पर प्रतिन्यिक्त पर स्थानान्तरण हारा उसी कार्यालय में सहायक निदेशक के पद पर सहर्ष नियुक्त करते हैं।

2. श्री सचदेव का मुख्यालय नई विल्ली में होगा।

सं० 11/8/84-प्रमा०-ां--राष्ट्रपति, उप तिदेश स जनगणना वार्य के ग्रेड में कार्यरत निम्नलिखित अधिकारियों
को उनके नामों के रामने बालम 3 में दिशास सारीख से
प्रमित प्रदेशों तक प्रोक्षित द्वारा 1300--50--1700 छ०
के वेतनमान में नियमित प्राधार पर प्रस्थायी क्षमता में संयुक्त
निदेश स जनगणना कार्य के ग्रेड में सहर्य नियुक्त करते हैं।
उनकी तैनाती, उसी कार्यातय में, जहां वे उप निदेश के जनगणना कार्य के पद पर कार्य कर रहे हैं, की जाती है धीर
उनका मुखालन भी बढ़ी रहेगा जो इस समय है जैसा कि
नीवे विने गर्ने विनरम के कालम 4 में दिशात है:--

ऋ०सं० भ्रोबं कारी का संयुक्त निवेशक कार्यात्रय का नाम जहा नाम जनगणना कार्य कार्यरत/तैनास हैं के ग्रेड में नियुक्ति की सारीख

1 2 3 4 1. श्रां जे॰ सी॰ वालरा 24--9-85 जनगणना वार्य निदेशक

(पूर्वाह्म)

का कायलिय, पंजा**ब**, ' चण्डीगढ़,

2. श्री एस० ग्रार०

लुह्*।* इया

24-9-85 जनगणना कार्य निवेशक (पूर्वाह्म) का कार्यात्रय, राजस्थान, जयपुर।

2. उनत प्रधिकारी 2 वर्ष के लिये परिवीक्ताधीन रहेंगे-।

> वी० एस० वर्षा भारत के महार्थाअस्ट्रॉप

राष्ट्रीय नागारिक सुरक्षा महाविधालय,

नागपुर-440001, दिनांक 24 दितम्बर 1985

सं० 2205/टो० ए०---श्री प्रहिलाव सिंह, एडहाक प्रणासकीय श्रीधरारी, राष्ट्रीय नागरिक सुरक्षा महाविद्यालय, नागपुर को विभागीय प्रदोश्चीत समिति की सिंकारिण पर दिनांक 1--8--85 से स्थानापत्र प्रणासकीय श्रीधकारी के पद पर नियुक्त किया जाता है । जय तक श्री एस० के० श्रीवास्तव, स्थामी प्रणासकीय श्रीधकारी डेपुटेणन समाप्त करके इस कार्यालय में वापस नहीं श्राते।

ए० कि० घोष ्निदेश र

श्रम एंग पुनर्वास मंत्रालय

धम विभाग (ध्रम ब्यूरां)

शिगला-171004, दिनाक 1-11-1985

संस्था 23/3/85-सी पी आई. — सितम्बर, 1985 में बौद्योगिक श्रमिकों का अधिल भारतीय उपभोक्ता मृत्य सूच्यांक (आधार वर्ष 1960=100) अगस्त, 1985 के स्तर 618 से एक अस बढ़ कर 619 (छ: सो उन्नीस) रहा। सितम्बर, 1985 माह का सूचकांक (आधार वर्ष 1949=100) पर परिवर्तित किए जाने पर 752 (सात सौ बावन) आता है।

जितेन्द्र नाथ सर्मा निद्रेशक श्रम ब्यूरो, शिमला-171004

वित्त मंत्रालय ग्राधिक कार्य विभाग चलार्थ पत्न मुद्रणालय

नासिक रोड, दिनांक 12 प्रक्तूबर 1985

सं० ई० एस० सी०→1-10/13560---महाप्रबन्धक, घलायं स्व मुद्रणालय, नासिक रोड, नियंत्रण विभाग के निम्न निरोक्षकों को उप नियंत्रण अधिकारी के पद पर (वर्ग "ख" राजपित्रत) हपये 650--30-740--35-310-द० रो०--35--800--40-1000 का वेतन श्रेणी में नियमित प्राधार पर दिनांक 19--9--1935 (पूर्वाह्न) से श्रगला श्रादेश नेकलने तक नियुक्त करते हैं।

- 1. श्री एस० वी० चाफेदर
- 2. श्री व्ही० ए, पेठार
- 3. श्री एस० एस० व्ही० के० राव (प्रोकार्मा पंदोप्रति)
- 4. श्री यू० व्ही० सप्रे
- 5. श्री बी० व्ही० रायनिस
- वे दो वर्ष की भवींध के लिये परिवीक्षाधीन रहेंगे।

सु० द०े इडगुजी० महाप्रदेश्यक चलार्च पत्र मुद्रणालये भारत सरकार टकसाल

धम्बई, दिनों र 14 धक्तू गर 1985

करांक 173→-श्रो एउ० डो० वामले, स्थानापक्ष धातुनरोक्षण अवोक्षण (राजगीवत) को दिनांक 1-10-1985 से उनको उनके सहायक धातू परोक्षक (अराजपन्नित) के मूल पद पर प्रथायाँतित किये गए।

> (ह०) **भ**पञ्जीय महाप्रयम्भज

कार्यालय निदेश ह लेखा परीक्षा, केन्द्रीय राजस्य नई विल्ली-110002, विनांश 15 अन्तूबर 1985 सं०/प्रशासन का० था० संख्या 273---निदेश न, लेखा परीक्षा केन्द्रीय राजस्त्र-I इस कार्यात्रय के निम्तलिखन स्थानायत लेखा परीक्षा भ्रायकारियों को 840-1200 रूपने के समयमान में विनांश 1-10-1935 से भ्रास्थायी रूप से नियुक्त कारते हैं: ---

- 1. एस० के० गुप्ता
- 2. श्री प्रेमानव्द

दिनां त 18 अन्तूबर 1985

सं० प्रशासन-1/कार्यातय आदेश सं० 277--िनदेशकः सेडा परीक्षा केन्द्रीय राजस्व, नई दिल्ली, अनुभाग अधिकारी और सुरिन्दर पाल सिंह वालिया को सहायक लेखा परीक्षा भोधिकारी (ग्रुप "बी") राजपितत के रूप में 1 अनत्वर, 1985 (पूर्वाह्म) से 650-30-740-35-880-ई० वी०-40-1040 रूपने के वेतनमान में अगले आदेशों तक नियुक्त करते हैं।

(हः) श्रपठनीय उप निवेशका, लेखा परीक्षा (प्रशा०)

महालेखाकार का कार्यातय, भारध्र प्रवेश हैदराबाद, दिनांश 14 अस्तूपर 1985

सं० प्रशा०-1 /8-132/85-86/III---श्री एन० प्रभा-करराव, लेखा परीक्षा श्रीधशारी, महालेखाकार का कार्यालय (लेखापरीक्षा), श्रान्ध्र प्रदेश, हैंदराबाव दिनांक 30-9-85 (श्रापात) को सेवा-निवृक्त हुए।

> (ह०) अपठनीय वरिष्ठ उप महालेखादार प्रशासन

महालेखाकार का कार्यालय, जम्मू व कश्मीर श्रीनगर, दिनांक 9 भक्तूबर 1985

सं प्रशाल-I|लेखा तथा श्रधिनःरण/60(19)/85→86/ 3236--- महालेखानार, जम्मू व नाशमीर में निम्नलिखिष मनुभाग अधिकारियों को प्रत्येक के साथ विणव तिथियों से भन्य आनेश होने तक स्थानायन्त धारिता में 840-40-1000-द० रो०-40-1200 र० के वेतनमान में लेखा अधिकारियों के रूप में नियुक्त किया है

उनकी परस्पर वरिष्ठता निम्न वणित कम के धनुसार ही होगी।

1. श्री बी० एल० रैना 26-4-83 (इस तिथि से नोशनल रूप में प्रोध्नत किये गये किन्तु वास्तिबक रूप में 7-6-85 (पूर्वीह्म) से कार्य-भार संभाला।

2. श्री एस॰ गी॰ गुष्ता 16-12-83 इस तिथि से नोशनल आधार पर प्रीक्षत किये गये किन्तु वास्तविक रूप में 5-8-85 (पू॰आ॰) से कार्यभार संभाला

3 श्री राहर खान 3-7-85 (अ० आर)

- 4. श्री विद्यायर शर्मा 8~7—85 (पू० आ०)
- 5. श्री मोग जी दासी 16-7-85 (अ॰ आ॰)

ए० के० प्रार्म बरिष्ठ उप महालेखाकार (लेखा तथा अधिकरण)

महालेखाकार का कार्यालय (लेखा परीक्षा) उत्तर प्रदेश

ं इलाहाबाद, दिनां हा प्रक्तूबर 1985

सं० ए० जी० (ए० पू०) I/प्रगा० 13-7/1443:---निम्तिजिति कार्याबाह, लेखा-परीक्षा अधिकारियों को 1-8-85
मे कार्याजा महालेखाकार (ले० प०) (उ० प्र०) इलाहाबाद
में स्थायी लेखा परीक्षा अधिकारी के रूप में नियुक्त किया
गया है:--

श्री उमा शंकर भट्ट श्री दुलाल चन्त्र भौधरी

> एम॰ चटर्जी वरिष्ठ उप महालेखाकार (प्र०)

रक्षा मंत्रालय

भारतीय आर्डनेन्स फैक्टरियां सेवा आर्डनेन्स फैक्टरी बोर्ड

सलकसा, दिनांक 14 अक्तूबर, 1985

सं 40/जी/85—नाधेक्य निवृत्ति आयु प्राप्त कर श्रो ए० के बामु, स्यानापन्न एस० ग्रो० (मीलिक एवं स्थायो सहायक) दिनोक 30 सितम्बर, 1985 (अपराह्म) से सेवा-निबृत्त हुए।

> वी॰ के॰ मेहता उप महानिवेशक/स्थापना

आपूर्तिः व बस्त्र मंत्रालय

वस्त्र विभाग

हथकरषा विकास आयुक्त का कार्यालय

नई दिल्ली, दिनांक 8 अक्तूबर 1985

सं० 19001/36/85-ही० सी० एष०/प्रशासन I— राष्ट्रपति, श्रीमती रंजना सिन्हा, भारतीय प्रशासन सेवा अधिकारी (महाराष्ट्र: 75) को वाणिज्य मंत्रालय, बस्त्र विभाग, हथकरथा विकास आयुक्त के कार्यालय में 7 अक्तूबर 1985 के पूर्वाह्न से संयुक्त बिकास आयुक्त (हथकरघा) के पद पर नियुक्त करते हैं।

> प्रबीर कुमार दत्त अपर विकास आयुक्त (हथकरणा)

वाणिज्य मन्नालय

विकास आयुक्त (हस्तशिल्प) का कार्यालय नई दिल्ली-110066, दिनांक 15 अक्तूबर 1985

सं० 34/14/83-प्रणा० '--राष्ट्रपति, संयुक्त विकास आयुक्त (उप सचिव स्तर) के पद पर का ग्रेड बडाकर अपर विकास आयुक्त (हस्तिशिल्प) (निदेशक स्तर) के ग्रेड में, श्रीमती नीरा यादव, भारतीय प्रणासनिक सेवा (उत्तर प्रदेश-1971) को, जो इस समय संयुक्त विकास आयुक्त (हस्तिशिल्प) के पद पर कार्य कर रही हैं, उनके वैयन्तिक हैसियत से केन्द्र में उनकी श्रेष अवधि के लिए अगले आदेश तक अपर विकास आयुक्त (हस्तिशिल्प) (वेतनमान रू/2000-2250) के पद पर नियुक्त करते हैं।

शिरोमणि शर्मा विकास आयुक्त (हस्तशिल्प)

उद्योग भीर कम्पनी कार्य मंत्रालय

श्रीद्योगिक विकास विभाग विकास आयुक्त (लघु उद्योग) का कार्यालय नई दिल्ली, विनांक 10 अक्तूबर 1985

सं० ए- 19018 (785) /85 /प्रशा ० (रा०) --- राष्ट्रपति, श्री पी० डी० तथोरिंग को लबु उद्योग सेवा संस्थान, गुवाहाटी के अधीन शाखा लधु उद्योग सेवा संस्थान, शिलांग में 31 मई, 1985 (पूर्वाह्म) से अगले आवेशो तक, सहायक निदेशक ग्रेड-! (आधिक अन्वेषण) के पद पर नियुक्त करते हैं।

सं० दिनांक 16 अन्तूबर 1985 सं० ए-19018(788)/85-प्रशा० (रा०)---राष्ट्रपति, श्री समरेन्द्र साहु को 1-6-1985 (पूर्वाह्न) से अगले आदेखों तक, लघु उद्योग सेवा संस्थान, अहमदामाद, में सहायक निदेशक ग्रेड—I, के पद पर नियुक्त करते हैं।

सं० ए-19018(392)/79-प्रशा० (रा०)--राष्ट्रपति, लबु उद्योग सेवा संस्थान, मद्रास के अधीन विस्तार केन्द्र, मद्रुरई के श्री एन० ए० रामाकृष्णन, सहायक निवेशक ग्रेड- I (तकनीकी) को केन्द्रीय सिविल सेवा (पेशन) नियम, 1972 के नियम 48ए के अन्तर्गत, विनांक 3-9-1985 (पूर्वाह्न) से सरकारी सेवा से स्वैच्छिक श्रधार पर सेवा-निवृत्त होने की अनुमत्ति प्रदान करते हैं।

सं० ए-19018(786)/85-प्रमा० (रा०)--राष्ट्रपति, श्री जगजीत सिंह सोनी को 31-5-1985 (पूर्वाह्न) से अगले आदेशों तक, लयु उद्योग सेवा संस्थान, गुवाहाटी के अधीन शाखा लघु उद्योग सेवा संस्थान, ईटानगर में सहायक निदेशक ग्रेड-I (आर्थिक अन्वेषण) के पद पर नियुक्त करते हैं।

सं० ए-19018 (585)/82-प्रशा० (रा०)---राष्ट्रपति, श्री अशोक बुमार झा को 18-9-1985 (पूबाह्र) से, अगले आदेशीं तक, लघु उद्योग सेवा संस्थान, कानपुर में महायक निदेशक क्रेड-I (कांच एवं मृत्तिका) के पर पर नियुक्त करते हैं।

> सी० सी० राय उप निवेशक (प्रशा०)

पूर्ति तथा निपटान महानिवेशालय

(प्रशासन अनुभाग 6)

नर्ष दिल्ली-110001, दिनाक 24 सितम्बर 1985

सं० ए-17011/39/72-प्र०-6-उप-निदेशक, निरीक्षण, हैवराबाध के कार्यालय में स्थामी, सहायक निरीक्षण अधिकारी (अभि०) श्री के० सुन्नामध्यम, मूल नियम 56 (जे०) के अधीन, 31 अगस्त, 1985 के अपराह्म से सरकारी सेवा से निवृत्त कर दिए गए है।

दिनांक 4 अक्तूबर 1985

सं० ए-17011/43/72/ए-6—िनिरीक्षण निदेशक कलकत्ता के कार्यालय में स्थाई सहायक निरीक्षण अधिकारी (अभियांत्रिकी) श्री सिद्धेश्वर मुखर्जी निवर्तन आयु प्राप्त होने पर दिनांक 31-8-1985 के अपराह्म से सेवा-निवृक्त हो गए।

आर० पी० माही उप निवेशक (प्रशासन) कृते महानिदेशक, पूर्ति तथा निपटान इस्पात, खान और कोयला मंत्रालय (खान विभाग)

भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण

कलकत्ता दिनांक 17 सितम्बर 1985

सं० 9377 बी/ए-19012(1-बी० के० टी०)/84/
19ए:--भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण के महानिदेशक, भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण के महानिदेशक, भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण के वरिष्ठ तकनीकी सहायक (भूविज्ञान), श्री वी० के० टिक्कू को सहायक भूवैज्ञानिक के रूप में उसी विभाग में नियमानुसार 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 रू० के वेतनमान के वेतन पर स्थानापन क्षमता में आगामी आदेश होने तक 6 अर्जल, 1985 के पूर्वाह्म से पद्योगित पर नियुक्त कर रहे हैं।

दिनांक 16 अक्तूबर 1985

सं० 9750 बी/ए- 19012 (3-डी० एस० एस०) /85/19बी-भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण के महानिदेशक, भारतीय भू-वैज्ञाभिक सर्वेक्षण के वरिष्ट तकनीकी सहायक श्री देव मुनि सिंह को सहायक रसायनज्ञ के पद पर भारतीय भ्वैज्ञानिक सर्वेक्षण में नियमानुसार 650-30-740-35-810-द०-रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 द० के वैतनमान के वेतन पर, अस्थाणी क्षमता में, आगामी आदेश होने तक, 22 अगस्त, 1985 के पूर्वाह्न से पदोक्षति पर

> षमित कुषारी निदेशक (कार्मिक) भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण

भारतीय खान ब्यूरी

नागपुर, दिनीक 11 अक्टूबर 1985

सं ए-19011(357)/84-स्था ए---राष्ट्रपति, संघ लोक सेवा ग्रायोग की सिफारिश पर श्री तहीन रे को भारतीय खान ब्यूरों म सहायक खान नियंत्रक के पद पर स्थानापन्न रूप में दिनांक 20 सितम्बर, 1985 के पूर्वाह्न से श्रागामी ग्रादेश तक सहर्ष नियुक्त करते हैं।

> जी० सी० शर्मा, सहायक प्रणासन, अधिकारी भारतीय खान ब्यूरी कृते महानियंत्रक

नागपुर, दिनांक 11 धक्तूबर 1985

सं० ए-19011 (25)/85-स्था० ए--विभा-गीय पदोन्नति समिति की सिफारिश पर, श्री एस० सी० नेभानी, सहायक श्रयस्क प्रसाधन श्रधिकारी को भारतीय खान अ्यूरो में स्थानापन्न रूप में उपश्रयस्क प्रसाधन श्रीक्षकारी के पद पर दिनांका 13 स्तिम्बर, 1985 (पूर्वाह्म) हे प्राणामी श्रादेश तक पदीलित प्रदान की गई है।

दिनां स 14 मन्तूबर 1985

सं० ए० 19012(193)/33-स्था० ए०:---संघ ल ेषः क्षिया प्रायोग की विफारिश पर श्री एस० एस० सपनाल की भारतीय खान ब्यूरो में स्थानापन्न रूप में सहायक खनन अभियस्ता के पद पर दिनों । 17-9-1985 के पूर्वाल से नियुक्ति प्रदान की गई है।

पी० पी० धावी, प्रशासन ग्रीस तरी कृते महानियंद्रक भारतीय खान क्यूरो

विज्ञान एवं प्रीबोगिकी मंत्रालय

भारत मौतम विज्ञान विभाग

नई दिल्ली-10, दिनांक 1 अक्तूबर 1985

स० ए-38019/11/83-स्था० रिः --भारत मौसम विज्ञान विभाग के निम्नलिखित घाधिकारी ध्रपने नामों के सामने दो गई तारीख को धार्धकय ध्रायु पर पहुंचने पर सर्ारी सेवा से निवृत्त हो गये:

ऋ सं०	नाम	पद		निवृत्तन	दिनोक
1. প্রী	के० फ्रांर०	नारायणन	सहायज्ञ मौदम विज्ञानी	31-5-	1985
2. শ্বী	भार० स्रश	াকি ধাৰ	वही	30-6-	-1995
3. શ્રો	क्षे ० के ० जु	रगो।	वही	31-7-	-1985
4. श्री	'पो० सी०	पण्ड न	व हीं	31-7-	-1985
5. শ্ব	'पो'० ए० व	(म्बते	वहाँ।	31-7-	1935
6. कु न	गरी जे० जे	० मोर-			
÷	स्यानी 		ब ही	31-7-	1985

सं० ए-38019/11/83-स्था० 1--डा० वी० वेंबटेश-बरलू, निदेश ह, मौतन केन्द्र, हैदराबाद, अन्तर्गत प्रादेशिक भौतम केन्द्र, मदास, भारत मौतम विज्ञान विभाग, सेवा निवृत्ति की आयु प्राप्त कर दिनांक 31-5-1985 की सरकारी सेवा से निवृत्त हुए।

> के० मृखर्जी, मीसम विज्ञानी (स्थापना) कृते मौसम विज्ञान के महानिदेशक

भागामवाणी महानिवेशालय

नई दिल्ली, दिनां हे 14 फ्रस्तूबर 1985

सं० 4(30)/60-एए०-एए- श्रीमती श्रवीता राजकुमार, कार्यक्रत निष्नादक, श्राहाणवाणी भोगाल का 29 वितम्बर, 1935 की देहारत हो गराई।

> भ्राई० ए स० गोधी, -प्रशासन उप निदेशक कृतै महानिदेशक

सूचना और प्रवारण मंत्रालय विज्ञापन ग्रीर वृथ्य प्रचार निदेशालय

नई दिल्ली, दिनांक 16 अक्तूबर 1985

सं० ए०-12026/4/35-स्था०--विज्ञापन भीर दृश्य प्रचार निदेशालय के तदर्थ वरिष्ठ लेखाकार श्री एए० एस० भग्नवाल की 10 अक्तूयर 1985 के पूर्वाह्म से, प्रगले शादेश तक, इसी निदेशालय में तदर्थ आधार पर स्थानापन रूप से लेखाविकारी नियुक्त किया गया है।

> शहना हैदर, निदेशक

स्वास्थ्य रात्रा महानिदेशालय

नई दिल्ली, दिनों हे 14 प्रक्तूबर 1935

सं० ए०-19020/15/31-प्रणासन-1/एम० (एफ० एण्ड एस०):---स्वास्थ्य ीया महानिवेश ह ने श्री ए० दोनादारण का 1 जुलाई, 1931 श्रवराह्म से जवाहर साल स्नातकोत्तर चितिरसा शिक्षा एवं श्रव प्रयोग संस्थान, पांडिवेरी से वरिष्ठ वैज्ञानिक श्रीध्यारी के पद संस्थान पत्न मंजूर कर लिया है।

> थी के० घई उप निदेशक प्रशासन (सी० एड बी०)

ं परमाणु ऊर्जी विभाग क्रय शीर भण्डार निदेणालय

बम्मई-40001, दिनांत 11 धनतुबर 1985

सं० क मा ति/41/3/35- प्रशाः०/27321:-- परमाणु ऊर्जा विभाग, कम घोर भण्डार निदेशालय के निदेशक ने स्थाई सहायक लेखायाल तथा स्थानापक लेखायाल, श्री प्रतिल माधव परूले हर, को इसी निदेशालय दिनां । 17-6-1985 (पूर्वाह्म) से 9-9-1985 (प्रपराह्म) तक 650-30-740 35-830-द० रो०-40-960 रूपये के वेतनमान में सहायक लेखा प्रधिकारों के पद पर तदर्थ ग्राधार पर स्थानापक रूप ही नियुक्त किया है।

दिनांक 16 भ्रम्तूबर 1985

मं० कभ नि/21/(5)/82-प्रणा० /7000:--परमाणु ऊर्जा विभाग, कथ श्रीर भण्डार निदेणालय के निदेशक ने स्थाई कम महायक, श्रीके० टी० लक्ष्मणन को इसी निदेशलय म दिनोच 7-10 1985 (पूर्वाह्म) स 31-12-1985 (ग्रपराह्म) तक या श्रागामी श्रादेश नक पहले समाप्त होने भाली श्रवधि नक के लिये 650-30-740-35-810-द०रो०-35-880-40-1000-द० रो०-1200 रूपये के वेतनमान में एहायक कम श्रिकारो के पद पर नदर्य श्राधार पर स्थानापन कर ने नियुक्त किया है।

पी० गोपालन, प्रणासन श्रधिकारी

परमाणु खनिज प्रभाग

हैदराबाद-560027, दिलांक 15 अस्तूबर 1985

सं० प ख प्र-1/9/82-भर्ती→ितदेश त परमाणु खिनिज्ञ प्रभाग, परमाणु उर्जा विभाग एतद्दारा मध्य रेलवे के स्थाता-पन्न अनुभाग अधिकारी (लेखा श्री ए० चलापति राघ को परमाणु खिनिज प्रभाग में 7 श्रगस्त, 1985 के पूर्वाह्म से अगले श्रादेश होने तह प्रतिनियुक्ति पर सहायक लेखा श्रीधकारी नियुक्त करते हैं।

सं० प ख प्र-16/8/85-भर्ती--निदेशक, परमाणु खनिज प्रभाग, परमाणु ऊर्जा विभाग एतद्हारा परमाणु खनिज प्रभाग के स्थाई उच्छ श्रेणी लिपिक एवं स्थानापन्न लेखापाल, श्री राम नाथ को उसी प्रभाग में श्री श्राई० एस० मोखा, सहायक लेखा श्रीधकारी के छुट्टी पर जाने पर 19 श्रगस्त, 1985 से 20 सितम्बर, 1985 तक तदर्थ का में स्थानापन्न सहायक लेखा श्रीधकारी नियुक्त करते हैं।

> एस० पदमनाभन वरिष्ठ प्रगासन एवं लेखा ऋधिकारी

भारी पानी परियोजनाएं

बम्बई-400008, दिनां ह 15 प्रक्तूबर 1985

सं० भा० पा० प/भ-4/स्था० पदो/3817—भारी पानी परियोजनाओं के प्रमुख हार्यहारी, भारी पानी संयंत्र (तूतीकोरिन) के जन तम्पर्क अधिकारी श्री श्रार० गणेशन को इसी कार्यालय में 17 मार्च, 1984 (पूर्वाह्न) से 20 जून, 1985 (अपराह्न) तह के लिये अस्थाई रूप में तदर्थ श्राधार पर स्थानापन्न श्रम तथा इल्याण अधिकारी नियुक्त करते हैं।

श्रीमती के० पी० कल्याणीकुट्टी प्रणासन ऋधिकारी

श्रन्तरिक्ष विभाग

विकस साराभाई श्रन्तरिक्ष केन्द्र

तस्यन्तपुरम--695022,दिनांक 8 श्रष्तूबर 1985

सं० वी० एस० एस० सी०/स्था०/ए/85/1247— निदेशक, वी० एस० एस० सी० अन्तरिक्ष विभाग के विक्रम साराभाई अन्तरिक्ष केन्द्र तिरूचननपुरम में निम्निलिखिन कर्मचारियों को त्रैजानि 8/2जीनियर ''एस बी'' के पद पर 650-30 740-35-810-40 रो० -35-880-40-1000 दे रो० 40-1200 के ग्रेड में उनके नामों के सामने दिये हुए तारीखों से केवल अस्थाई रूप में आगामी आदेश तक नियुक्त करते हैं।

क सं० नाम	प्रभाग	नियुधित की तारीख
श्री/श्रींमती/कुमा०	en, and	
 जी० मत्यनारायणा 	ग्राई० एस० ग्राई०	15-5-85
2. के० ओरोप्रेम	ई०एन० एम०	23-5-85
3. वी० श्रीधर	ई० एस० श्राई०	19-7-85
4. राजाराम नायक	म्राई० एस० म्राई०	15-7-85
5. के० एम० मणी	एस भार० ओ०	5-8-85
	एस० एस०	
 पी० चिनोद 	ई० एला० एस०	7-8-85
7. वीं० पीं० जोई	सीं० जी० डी०	5-8-85
8. यू० एम० श्रीनिधासन	। सी० मी० जी०	13-8-85
 एच० कुमार 	ग्राई० पी० डी०	5-8-85

जी० मुरुलीधरन नायर प्रशासन श्रधिकारी~II(स्था) कृते निदेशक--- वी० एस० एस० सी०

महानिदेशक नागर विमानन का कार्यालय नई दिल्ली, दिनाँ ३ 11 श्रमतूबर 1985

सं० ए० 12026/2/82-ई० ए५०--महानिदेशक नागर विमानन श्री चन्द्र पाल णर्मा की प्रधानाचार्य, नागर विमानन प्रणिक्षण केन्द्र, इलाहाबाद के कार्यालय में हिन्दी श्रविकारी के पद पर प्रतिनियुक्ति की अवधि दिनांक 2-9-85 में और एउ वर्ष बढ़ाने की मंजूरी प्रदान करते हैं।

एम० भट्टाचाजी, उप निदेशक, प्रशासन कते महानिदेशक ना० वि०

़नई दिल्ली, दिनांक 11 अन्तूबर 1985

सं० ए०-32014/4/84-ई० सी०--महानिदेश नागर विमानन निम्हेल्खिन सहायक संचार श्रधिज्ञारियों की नागर

घिमानन ' सामने दी हैं:	विभाग में की गई गई श्रवधि के ि	ंतदर्थ नियुक्ति प्रस्येक के नाम के लिये बढ़ाने की संभूरी प्रदान करने
 ऋसं०	नाम	बढ़ाई गई तदर्थ नियुक्ति की ग्रवधि

	भग श्रपाय		
74	्रे	तक	
सर्वेष्टी		·	
1. जे० एच नायर	1-7-84	2-1-85	
2. श्रार० पी० जोशी	, ,	,,	
 बलबीर सिंह 	11	1,	
4. के० एस० एन० भ्रस्यर	,,	"	
5. डी० एन० हलदर	1)	,,	
 श्रार० ग्ररूल प्रकाशन 	7.3	,,	
7. पी० के० दास	11	17	
8. जी० एरन्ना	,,	,,	
9. जे० बी'० कृष्णन	,,	,,	
10. ए० एस० शिवारामकृष्णन	11	31-1-85	
11. एम० एम० सिंघल	,,	1 1	
1.2. पी० बोम	*1	28-2-85	
13. एस० ए० सन्धु	J 1	31-3-85	
14 बीं० एम० गुलाटी	11	313-85	
1.5. एस० पी० बासवड़ा			
16 कौर सिंह	22-8-84	31~5~85	
17. जे० एस० बेदी	1-7-84	7,	
18. जी० घोष	11	30-6-84	
19, जगदीश चन्द	1-3-85	,,	
20 जी० एन० नेत्रवाल	2-1-85	,	
21. सी० एल० सेन चौधरी	1-7-84	, t	
22 भ्रार० के० बियारीं	3 3	,,	
23. जी० एल० चाचला	,,	15-7-85	
24. डी० एस० करमालकर) j	15-7-85	
25. ए० के० विक्वास	,,	,,	
		**	

बी० जयचन्द्रन, उग निदेशक (प्रणयन)

नई दिल्लो, दिनांक 8 प्रक्तूबर 1985

सं० ए० 31013/1/81-ई० एस०—-राष्ट्रपति, निम्त-लिखिन 16 श्रधि जारियो को नागर विमानन विभाग में उड़नयोग्यता श्रधि कारी के ग्रेड में उनके नाम के सामने दी गई कारीख से स्थाई क्षमता में नियुक्त करते हैं:---

ा श्रीजय सिम्हा (डी०पी०)	12-1-1978
2 श्री भ्रार० सी० गुप्ता (ভা০ স্নাर০)	5-3-1979
3. श्री एस्०एस० नाट (ভী০ সাং০)	17-6-1979

4. श्री एस० एउर० बोहरा (डी० पो०)	17-6-1979
5 श्रीएस०एन०बासु (डी०पी०)	बह <u>ी</u>
6. श्री [।] एस० ए० कुनेर (डी० श्रार०)	वर्ह् ।
7- श्री ग्रन्पम बागर्च। (ভী৹ দী৹)	25-1-1982
৪. श्री पो० एम० गोयल (डी० श्रार्०)	वहो
9- श्री: एस॰ मजुमदार (ভী॰ पी॰)	वही
10 श्री एच० एम० फूल्ल (डी० पी०)	वही~
11 श्री मोहम्मद मूस्तका (डो० आर०)	वही~
12 श्री एल० ए० महालियम (डी०पी०)	बही
13. श्री देवा प्रसन्ता घोष (डी०पी०)	वही <i></i> -
14. श्री हरिहर प्रसाद (डी० श्रार०)	बही
15. श्री एम० एम० माथूर (डी० पी०)	वही
16 श्री डी०पी०घोष (डी० ग्रार०)	वही
	वेद प्रकाश
ਤਖਰਿ	नदेशक, प्रशासन
कृते महानिदेशक	नागर विमानन

वन ग्रनुसन्धान एवं महाविद्यालय देहरादून, दिनांक 17 श्रक्तूबर 1985

सं ० 16/442/85-स्थापत -1--संघ लोक सेवा आयोग की सिफारिण, पर अध्यक्ष, वन अनुसन्धान संस्थान एवं महा-विद्यालय, वेहरादूत डा० कुलराज सिंह कपूर को अनुसन्धान संस्थान एवं महाविद्यालय, वेहरादून, के अन्तर्गत अनुसन्धान अधिकारी के पद पर दिनां के 2-9-85 की पूर्वाह्न से आगामी आदेश होने तक अस्थाई रूप से सहर्ष नियुक्त करते हैं।

> जे० एन० सक्सेना उप कुलसचिव वन ग्रनुसन्धान संस्थान एवं महाविद्यालय

निरीक्षण महानिदेशालय

सीमा शुरुक्त व केन्द्रीय उत्पादन शुरूक नई दिल्ली, दिनोंक 16 ग्रक्त्वर 1985

मं० 25/85 सी॰सं०1041/77/85 — श्री टी० के० साहा ते, जो पहले कलकत्ता में सहायक समाहर्ता (सीमा मुल्क) के पद पर तैनात थे, नि० महा निदेशक मी० मू० के० उ० मू, नई दिल्ली में सीमा मुल्क, उत्पादन गुलक तथा स्वर्ण (नियंत्रण) अवीलीय अधिकरण की दिल्ली पीट में स्थानान्तरण हो जाने पर मंत्रालय के दिनां । 9-7-85 के पत्र फा० मं० ए 22012/42/85 — प्रमा० धि दारा जारो आदेश मं० 98/85 के अनुसार नि० म० निर्दे सी० शृ० व केन्द्र उप श०, नई दिल्ली में दिनां । 9-9-85 (पूर्वात्न) से मीमा मुल्क, उत्पादन गुला तथा स्वर्ण (नियंत्रण) अपीलीय अधिकरण

की दिल्ली पीठ के लिये कुठ विठ प्रति प्रूप "क" के पद का कार्यभार संभाल लिया ।

ए० सी० सल्डाना निरोक्षण महानिदेणक

नौवहन और परिवहन मंत्रालय नौवहन महानिदेशालय

बम्बई--500038, दिनांक 14 श्रक्तुबर 1985

संव II-टी आरव (4)/85—नाष्ट्रवित, श्रा बिचन कृष्ण राय को दिनां रु 26/6/1985 (पूर्वाह्न) से आगामां) आदेशों तक, तदर्थ आधार पर अमुद्रा इंजोनियरिंग प्रशिक्षण निदेशालय, अल 5त्ता में इंजीलियर अधिशारी ये क्य में नियुक्त करते हैं।

श्रमिताभ चन्द्र, नौबहन उप महानिदेशक

केन्द्रीय जल श्रायोग नई दिल्ला, दिनांव 15 श्रक्तुबर 1985

मं० ए० 19012/1(39)/85-स्था० 2-एक संघ लोक भेवा आयोग होरा उत्तरा जयत होने पर श्रध्यक्ष, केन्द्रीय जल आयोग, श्री श्रको 5 कुमार को केन्द्रीय जल आयोग में अिहारिकत सहायक निदेशक (जल मौसम विज्ञान) के पर पर 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000 द०री-40-1200 क्ष्पये के वेतनसान में 27-3-1985 से स्थानापन्न क्षमता में नियमित श्राधार पर नियुवत करते हैं। 2, श्री अशोश कुमार 27-3-1985 में दो वर्ष कर्य श्रविद्योक्ष। पर रहेंगे।

एस॰ महादेव **ग्र**य्यर श्रवर सचिव

उद्योग और कम्पनी कार्य मंत्रालय (कम्पनी कार्य विभाग) कम्पनी विधि बोर्ड कम्पनियों के रिजस्ट्रार कार्यालय

कम्पनी ग्रधिनियम, 1956 और बी० के० फोम्स प्राइवेट लिमिटेड के विषय में

बेंगलुर, दिनाँक श्रवतूत्रर 1985

मं० 3844/560/85-86--कम्पनी श्रिधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण में एसद्वारा सुचना दी जाती है कि बीठ केठ फोम्नम प्राइवेट लिमिटेड का नाम आज रजिस्टर से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विधरित हो गई है।

कम्पनी ग्रधिनियम, 1956 श्रीर हलकी कृषि उद्यम प्राइवेट लिमिटेड के विषय में

बंगलुर, दिनाँक श्रक्तूबर 1985

मं० 4208/460/85-86--कम्पनी श्रिधिनयम. 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के श्रनूसरण में एतद्दुरण सूचना दी जानी है कि हलकी कृषि उद्यम प्राइवेट लिमिटेड का नाम श्राज रजिस्टर में काट दिया गया है श्रीर उक्त कम्पनी विधटित हो गई है।

कम्पनो अधिनियम, 1956 और दामोदर भाग प्राह्वंट लिमिटेड के विषय में

बैगलुर, दिनां ह 17 प्रक्तूबर, 1985

मं० 2507/560/85—न्यस्पर्ना ग्रिधिनियम 1956 का धारा 560 को उपधारा (3) के श्रनूसरण में एतद्हारा यह सूचना दो जाती है कि इस दिनाँक से तीन मान के श्रवसान पर दामोदर भाग प्राइवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकुल कारण दिश्वत न किया गया तो रिजस्टर से काट दिया जायेगा और उक्त कम्पनी विधटित कर दी जायेगी।

कमानी अधिनियम, 1956 और एल०वी० मुदोल एण्ड सन्स रोलर फ्लोर सिल्सु प्राइवेट लिमिटेड के विगय में

वंगलूर, दिनांक 17 प्रक्तूबर 1985

मं० 6362/560/85-86-कम्पनीः श्रिधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के श्रनुसरण में एत्स्द्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस दिनाँक से तीन मास के श्रवसान पर एल वा मुसील एण्ड सन्स रोक्षर फ्लोर मिल्स् प्राइवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकुल कारण दिश्त न किया गया ती रिजस्टर से बाट दिया आयेगा श्रीर उक्स कम्पनी विघटिस कर दी जायेगी।

कम्पनी अधिनियम, 1956 और फोरटेक इंजीनियर्स प्राई-बेट लिमिटेड के विषय में

बेंगलुर, दिनाँक 18 स्रक्तूबर 1985

सं० 3677/560/85-86—कम्पनी श्रिधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनूसरण में एतद्-द्वारा सूचना दी जाती हैं कि फोरटेक इंजीनियर्स प्राइवेट लिमिटेड का नाम श्राज रिजस्टर में काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विवटित हो गई है।

कम्पनी ग्रधिनियम, 1956 और शोभा कैमीवल्स प्राइवेट लिमिटेड के विषय में

मं० 3047/560/85-86-कम्पनी श्रिधिनियम. 1956 की धारा 560 की उपबारा (5) के श्रनुसरण में एनद्वारा सुचना की जाती है कि शोभा के केमीकल्स पादवेट लिमिटेड का नाम आज रजिस्टर से काट दिया गया है श्रीर जन्मत कम्पनी विधटिन हो गई है।

> वी० एस० राज् कम्पनियों का रजिस्ट्रार

प्रस्थ आई. टी. एन. एस. ------

श्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, पूना

पूना, दिनाँक 9सितम्बर,1985

निर्देश सं० 37ईई/37जी/58/85-86-अतः मुझे अनिल कुमार

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

और जिसकी संव प्रापर्टी सर्वे नंव 30ए, दस्क नासिक में स्थित है (और इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय सब रजिस्ट्रा नासिक में रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (का 16) के श्रिधीन, तारीख अप्रैल 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के रूपमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास रने का कारण है

कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्त्रह प्रतिशत से अधिक हैं भीर अंतरित (अंतरितियों) के भीच एसे अन्तरण के लिए हय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित मुंडी किया गया हैं:—

- (क) अन्तरण से हर्द्द किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बच्चाने में सृविधा के सिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृतिधा के लिए;

नतः अन्, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तिसयों, अर्थातः :— श्री गुलाम हुसन गुलाम राहुल खान के० गो० कोधना कुश्रापरिटव हार्जीसंग सोसायटी लि० नासिक रोड़, जिला नासिक।

(भ्रन्तरक)

2. मैसर्स येग्ररमन कोयना कोश्रापरिटव हाउसिंग सोसायटी लि० दस्क नासिक रोड़, जिला नासिक। (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जरें भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोदत्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास तिखित में किए जा सकोंगे।

स्पब्दीकरण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो जक्त अधिनियम, के अध्याम 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याम में दिया गया है।

मनुसूची

जैसा कि रजिस्ट्रीकृत कु० 37ईई/58/85-86 जो अप्रेल 1985 को सब रजिस्ट्रार नासिक के प्राफिस में लिखा गया है।

> श्रनिल कुमार सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजन रेंज, पूना

तारीख: 9-9-1985

प्रकल बार्षः, टी., धुन्,, पुत्तः, ------

भावकर विभिन्तियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के विभीत सूचना

मारुव चंडुकार

कार्याजय, सहायक आयकार नामुक्त (विर्वाजन)

म्रर्जन रेंज, पूना

पूना, दिनाँक 13 शितम्बर, 1985

निर्देश सं० 37ईई/10995/६4-85-श्रतः मुझे श्रनिल क्मार

कार्यकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रकात 'उक्त अधिनियन' कहा गया हैं), औ भारा 269 स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00000/-रु. से अधिक हैं

और जिसकी सं० सी० एस० प्लाट नं० 19/2, सी० एस० नं० 2209/1, 2, 3 बातन नगर कालोनी, नेलगाँव दामीड ता० मावल जिला पूना क्षेत्रफल 745 चौ० फुट है नथा जो पूना में स्थित है (और इसमे उपाबद्ध प्रनुसूची में और पूर्ण रूप में विणित है), रिजस्ट्रीयिनी ग्रिधिकारी के कार्यालय म सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त निरीक्षण प्रजीत रेंज, रिजस्ट्रीकरण प्रिधिनयम, 1908 (1908 रा. 16) के ग्राधीन तारीख मार्च 1985

को पूर्वेक्श संपत्ति के उभित बाजार मूल्य से कम के रश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई

है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंत-रक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंत-रण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) बन्तरण से हुई सिसी लाग की बाबत, उत्ता अधिनियम की अधीन कर दोने को बन्तरक को दायित्व में कमी करने या उससे बचले में सुविधा को लिए; और/या
- (ध) इसी किसी बाय या किसी भन या अन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय आयकर अभिनियम, 1922 (1922 की 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर ऑधिनियम, 1957 (1957 की 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए था, खियाने के सुविधा के लिए;

बत. भव, उक्त अभिनियम की भारा 269-ग की अनुसरण बो, मो, धक्त अभिनियम की भारा 269-व की उरभारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीत् :--- श्री पी० सी० नायडू गीर ग्रन्थ पोस्ट कामसेट, ता० मावल, जि० पूना।

(भ्रन्तरक)

2. श्री एस० एम० चतुर्वेद्री बी० 16 माबल जि० पूना प्लाट नं० 5, मोलदीना रोड़ पूना। (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वेक्त बम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

जनस सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोइ" भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अवधि या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, को भी विस्थान में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति हुवाण;
- (क) इस सूभना के राजपक में प्रकाशन की तारीक हैं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावह सम्पत्ति भ हित्बद्धभ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पाक निविद्य में किए जा सकोंगे।

भाष्यीकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उक्त विधिन्यम के अध्याय 20-क भे परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गथा है:

अनुसूची

जैसा की रजिस्ट्रीकृत कि 37ई=10995=184-=85 जो मार्च 1985 को सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त निरीक्षण ग्रर्जन रेंज पूना के दफ्तर में लिखा गया है।

श्रनिल कुमार सक्षम प्राधिकारो सहायक श्रायक्तर श्रायुक्त (निर्राक्षण) श्रजैन रेंज, पूना

तारीख: 13-9-1985

प्रका नाही, दी, एन. एस.,-----

नामकार निधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के नभीन सुधना

नारत सरकार

कार्शासय, सहायक भाषकर नायकत (निरीक्तक) श्रर्जन रेंज, पूना

पूना, दिनाँक 13 सितम्बर, 1985 निर्देश सं० 37ईई/2023/84-85-ग्रतः मुझे ग्रनिस

हुमार

बावकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रथात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का स्नारण हैं कि स्थावर संपति, जिसका उपित बाजार मुख्य 1,00,000/- रहे. से अधिक हैं

और जिसकी सं बहमा दर्शन, प्लाट नं 16, दूसरा मंजला ओसबाल पार्क, शिवाजीनगर, पूना (क्षेंत्रफल 750 चौ ॰ फुट) है तथा जो पूना में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण अर्जन रेंज में, रजिस्ट्रीकरण अर्धिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख अगस्त 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रहयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभ्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उशके रहयथान प्रतिफल से एसे रहयमान प्रतिफल का बन्द्रह प्रतिकात से अधिक है और बंतरक (बंतरकों) और बंतरिती (बंतरितिकों) के श्रीच एसे बंतरम के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्हिलीखत उद्वोध्य से उच्त बंतरम सिचित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) बलाएण वेहुई किसी बाब की बाबध, बला विधित्वन के बधीन कर दोने के बन्तारक के बाबिएय में कभी करने वा बत्तते बचने में सुविधा के बिए; बाँड/मा
- (व) ऐसी किसी नाथ या किसी भन या नत्य जास्तियों को जिन्हों भारतीय नायकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उच्त निधिनियम, या वनकार निधिनियम, या वनकार निधिनियम, या वनकार निधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तिरती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया वा वा किया जाना वाहिए का, कियाने में सुविधा के लिए;

जत: अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण कॅं, कॅं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के वर्धान, निस्निवित व्यक्तिकों, वर्षात् क्र— 1. श्री ब्रह्मा बिल्डर्स 10 ओसबाल पार्क, शिवाजी नगर, पूना।

(भ्रन्तरक)

2. श्री शाँती कुमार जैन और श्रन्य 585/14, इंद्रायणी वर्णन, चर्च के पास देह रोड़, पूना।

(अन्तरिती)

को यह सूचना धारी करके पूर्वीक्त संपत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुन्।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी सवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्वींक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थानार संपत्ति में हितनद्भ किसी जन्म न्यमित द्वारा नभोहस्तानरी के पास निवास में किए जा सकरें।

स्पष्टीकरणः--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उपत नियम, के सध्याय 20-क में परिभाषित हैं वहीं वर्ष होगा वो उस सध्याय में दिवा ववा है।

अनुसूची

जैसा कि रजिट्रीकृत ऋ० 37ईई/2023/85-86 जी अगस्त 1985 की सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण क्रर्जन रेंज, पूना के दफ्तर से लिखा गया है।

श्रनिल कुमार सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, पूना

तारीख: 13-9-1985

प्रकृप बाह्र'. टी. एव. एत. ------

श्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन मुचना

भारत सरकार

कार्यानय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्सण) श्रर्जन रेंज, पूना

पूना, दिनाँक 13 सितम्बर, 1985

निर्देश सं० 37ईई/1763/85-86---श्रतः मु**झ श्र**निल कुमार

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचाह् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं) की धारा 269-ज के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विषयास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

और जिसकी सं० प्लाट नं० 32, सर्वे नं० 129, सी०टी० एस० एस० नं० 803 कोष्यक्ष गाँव (क्षेत्रफल 11631 चौ० फुट) है तथा जो पूना में स्थित है (और इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में और पूर्ण क्य से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय सहायक आयकर ग्रायुक्त निरीक्षण श्रर्जन रेंज में, रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख जुन 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित नाजार मूल्य से कम के इश्यमान प्रतिकक्ष के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके इश्यमान प्रतिकल से, ऐसे इश्यमान प्रतिकल का पन्छह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिचित उद्वदेय से उक्त अन्तरण सिचित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) बन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत, उक्त अधिनियम की अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; बौर/या
- (क) ऐसी फिसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 को 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्योजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था किया जाना कोहए था, छिपाने में स्विधा के लिए:

अत अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण भै. मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उएधारा (1) के केशीन, निस्तिसिंस व्यक्तियों, संपति ध्-- श्रीमती शाँताबाई एम० नाम्हलकर और श्रन्य 4/53, विशाल प्रसाद कोपरटिव हाउसिंग सोसायटी विल्ले पार्ले बम्बई।

(भ्रन्तरक)

2. मैंसर्म श्रन्तरकर श्रन्ड केसोसियटस 8/11, स्फुर्ती सोसायटी, बम्बई, पूना रोड़, पूना-3।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्ष सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियों करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन को तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में सभाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इवारा;
- (च) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबहुध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे

स्यव्यक्तिरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परि-भाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

नगसची

जैसा की रजिस्ट्रीकृत ऋ० 37ईई/1763/85-86 जो जून 1985 को महायक श्रायकर श्रायुक्त निरीक्षण श्रर्जन रेंज पूना के दफ्तर सें लिखा गया है।

> श्रतिल कुमार सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निर्देक्षण) सर्जन रोज, पुना

नारीख: 13-9-1985

धक्य बार्से . ती. एन. एवं

अध्यक्षत्र अधितियम्, 1961 (1961 का 43) की अध्य 260-म (1) के अभीन स्वना

भारत सरकार

फार्चालय, सहायक आयकर आ**यक्त (निरीक्षण)**

श्रर्जन रेंज, पूना

पुना,दिनांक 13 सितम्बर, 1985

निर्देण सं० 37ईई/256४/85-86----श्रतः मुझे, ग्रनिल कुमार

आयकर अधिनियम, 1961 (1931 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रवात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्तम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उजित बाजार मृल्य 1.90,090/- रा. से अधिक है

और जिसकी सं० बनाइः नं० 7, प्लाट नं० 15, सर्वे नं० 694/2 की विबवेबाई। पूना (क्षेत्रफल 1032 चौ० फुट) हैं तथा जो पूना में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसुची में और पूर्ण का में विणित है), रिजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के दार्यान्य महायदा आवकर आयुक्त निरीक्षण अर्जन रेंज में, रिजिस्ट्रीकरण अधियनयम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, नारीख जून 1985

फो प्वोंक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्वोंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिखत से अधिक है और सन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिति (अनिरितियों) के दीच एमें अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निक्निलिखित उद्देष्य से उक्त अन्तरण लिखित में अस्तिक कप में किथन नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आयः की बाबत, उक्त गो की सम्बद्ध ने अभीन कार दोने के अन्तरक हैं के कार में बाजने का उससे अचने में स्थिए के ंग्यु: आर्थिया
- (प्रो एसी किसी नाय या किसी धन या बन्य बास्तयाँ की, जिन्हों भारतीय नाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कार अधिनियम, या धन-कार अधिनियम, विशेष १०५७ का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया असा का किया अना नाहिए था, किया में सुविधा को लिए;

अतः जब, उक्त अधिनियम की धारा 269 म के अनुसरंग में, भी उक्त अधिनियम की धारा 269 प्रकी उपधारा (1) के उक्षा, निम्निसिंहत व्यक्तियों, अधिह :—

- अधि दत्तात्रय अप्पार्जा पार्टाल ब्लाक नं० 25 सर्वे नं० 41 अर्वेशगर, हीिशण सीक्षायटी पूना-29। (अन्तरक)
- 2. श्रीमती निर्मेला एन कानेड 61, मधुशिरी अपार्ट-मेंट्स, 408 पायन ट्राम्बे राष्ट्र, चेम्बूर, बम्बई। (अन्तरिता)

को ग्रह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्परित के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप:~-

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, को भीतर प्रविष्ट व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति तुवारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में कितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अथाहरू अरी के पार निवित में किए जा सकींगे।

स्थानकरण: -- प्रसमें प्रयूक्त शब्दों और नवीं का, जो उत्तव अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया स्था हैं।

वनुसूची

ंजैसा की रिजर्स्ट्रीकृत ऋ० 37ईई/2568/85-86 जो जून 1985 को महायक आयकर आयुक्त निरोक्षण अर्जनरेज पूना के दफ्तर में निखा गया है।

> स्रतित कुमार गन्नम प्राधिकारी बहायक स्रायाक स्रायुक्त (निर्दाक्षण) स्रजीन रोज, पूना

तारीख: 13-9-1985

मोहरः

प्ररूप आर्ड्: डी. एन. एस. -----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आय्क्त (निरीक्षण) भ्रार्जनरोज, पूना

पूना,दिनांक 13 सितम्दर, 1985

निर्देण सं० 37ईई/1104/85-86⊸--श्रतः मुझे श्रनिलः

कुमार

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उकत अधिनियम' वहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मूल्य 1,00,000/- रह. से अधिक है

श्रीर जिसकी सें० अमीन और इसा त 503/वा, नारायणपट पूना है तथा जो पूना में स्थित है (श्रीर इसने उपावड अनुसूची में और पूर्ण रूप में विणय है), रिजस्ट्री कर्मा श्रीवारी के वार्यात्य सहायन श्रायपर श्रापुरत निरीक्षण श्राजन रेंज में, रिजस्ट्रीकरण श्रीधिनियम, 1908 (1908 ा 16) के अधीन, नारीख जुलाई 1985

को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचिन बाजार मृल्य से सम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गर्ड है और ममें यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वीकत सम्पत्ति को उजित बाजार मृल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल में, एसे दृष्टमान प्रतिफल है पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तर्थ के निर्माण का नामा प्रतिक्त , निम्मलिवित उद्देश्य से उन्तर मन्तरण स्थितन में अन्तिक कप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हर्इ किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के उन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी बार या किसी धन या अन्य आस्तियाँ की, जिन्हों भारतीय आयकर अधिस्थम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिस्थम, या धनकर अधिनाम, या धनकर अधिनाम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती द्वारा प्रयट नहीं किया गया था या किया जाना नाहिए था, स्थिति में मूक्षिण के लिए;

ङतः अब, उक्त अधिनियम की धारा ?6०-ग के अन्सरण के जैं उक्त अधिनियम की भारा 269-घ की उपधारा (1) के प्रभीन, निष्वतिमित व्यागनयों, प्रथीतः :---3---316GI[84 संडक्रेक्सर विश्यु दे त्यात 593/दो, नारायणपठ प्रत-30।

(भ्रत्यरक)

 भेष र बीठ बीठ पर साती। एण्ड प्रसोसीएट्स 1112, रादाणिवपेठ पु स-30।

(ग्रन्तरिती)

ं को <mark>सह सुभनर जारी कर हे प्वे</mark>क्ति सम्√क्ति के **पत्रन को लिए** कार्यवाहित्यों करता नुं।

सकत संगीत की अजें राते संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना त स्विपा ने प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन की अवधि ए: तत्संगंधी व्यक्तियों पर सूचना की दामील से 39 दिन की अवधि, जो भी अवधि के काद में समाप होती हो, के भीतर पूर्वेक्स वर्णनाणों में सं किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस स्वता के राज्यत्र में प्रकाशन की तारीख सैं 45 दिन के जीतर अवत स्थावर संपत्ति में हितबद्वभ जिले बन्ध प्रियत ज्ञाल अधोत्स्वाक्षरी के पर्ण जिलित के जिए जा बन्धेंगे।

सम्बद्धिकरणः - पर्यो प्रथवत बाल्यों और एवाँ का, जो उक्त पर्विकास, को अभ्याय 20-का मीं परिभाषित भी, बद्धी वर्ष हारेग में उस ब्रध्यार मीं दिया समा हारे

प्रनुसुचे।

जैसा को प्रशिस्ट्रीपृत क० 37ईई/1104/85-86 जो 985 को सहाराज आपाप आयुक्त विरीक्षण अर्जन रोज पूना के दफ्तर में किया गया है।

र्म्यानल कुमार नक्षम प्राधिकारी सहायः आष्ट्रायपुक्त (तिरीक्षण) श्रर्जन रोज, पूना

तारीख: 13-9-1985

प्ररूप आहूर.टी. एन. एस. -----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालयः रहायक आयकर आयुक्त (निज्ञीक्षण) श्रजेनरेज, पूना

पूना, दितां त 6 ितम्बर, 1985

आयकर जिथिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परधान् 'उकत अथिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह बिक्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्भीत, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रहा. से अभिक्र है

और जिसकी सं० सर्वे नं० 689/1, विबवेवाडी पूना है तथा जो पूना में स्थित है (और इस्ते उपावद्ध अनुसुची में और पूर्ण क्प से विणित है), रिजिस्ट्रोकर्ता अधिकारी के दार्यालय राहायक आयार आयुक्त निरोक्षण अर्जन रेंज में, रिजस्ट्रीकरण अधिनयम 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख फरवरी 1985

को पूर्विकल सम्पत्ति के उचित वाजार मूल्य से कम के रूर्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण हूँ कि प्रथापूर्विक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे रूर्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया, प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं कया गया है है—

- (क) अन्तरण में हुई किसी आय की बाबत, उक्स अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व मों कभी करने या उससे बचने में सृविधा दायित्व के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियाँ को जिन्हों भारतीय आयन्त-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिधी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मुविधा के सिए;

बत: अब, उक्त विधिनियम की धारा 269-ग के बनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-य की उपधारा (1) के अधीन: 'गम्नीलीखत व्यक्तियां, अर्थात् :---- श्रीमती श्रनुस्यादाई जी गायलवाड़ और श्रन्य विश्ववे-वाड़ी, पूना ।

(अन्तरक)

 मेसर्स अगताप बदर्स 23/5, प्रेमनगर पूना सातारा रोड पूना 9 ।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हो।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :----

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख न 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों प स्थान की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भं अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक् व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख र 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति मो हित बद्भ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्साक्षरी व पास लिखित मो किए जा सर्कोंगे।

स्पष्टीकरणः - इसमें प्रयुक्त पन्दों और पदों का, जो उक्त अधिमियम, के अध्याय 20 क में परिभाषि। है, वहीं अर्थ होगा. जो उस अध्याय में दिय गया है।

बन्स्ची

जैसा की रिजस्ट्रोहित क० 37ईई/10303/84-85 जो फरवरी 1985 को सहायक आयार आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, पूना के दफ्तर में निखा गया है।

> श्रुतिय कुमार तम गांधि अरो सहाय इ प्राप्तकार श्रायुक्त (निरोक्षण) श्रार्जन रोंज, पूना

तारीख: 6-9-1985

प्ररूप **भाइं**. टी. एन, एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ध (1) के अधीन मुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रजैनरेंज 2, कन्यता

कलकत्ता, दिनांक 27 सितम्बर 1985

निर्देश सं० ए० गी.० 48--प्रतः मुझे शेख नईमुद्दीत शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'एकत अधिनियम' कहा गमा है), की धारा 269-क के अपीन सक्षम प्राधिकारी का यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित शायार मृत्य 1,00,000/- रह. से अधिक है

स्रोर जिसकी सं० 10/1/ई है तथा जो डाईमण्ड हारदार रोड़ तत्रकत्ता में स्थित है (और इस्ते उपाबद्ध अनुसूचों में और पूर्ण रूप के विणित है), राजिस्ट्रोलित स्थिलिया, 1908 (1908 का 16) के स्थान, नारीख 12 फरवरी 1985

को पूर्वित सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित को गई है और मूक्त यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विकत सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके एश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिकात से अधिक है और अंतरिक (अंतरितीं) और अंतरितीं (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखत उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में यास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अतरण स हुइ किसी आयं को बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्य में काश करने या उससे बच्चने में मुनिधा के 195, अरिधा
- (क) एसी किसी बाय या किसी धन या बन्य बास्तियाँ को जिन्ह भारतीय बायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्ने अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

बतः जन, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-व की उपधारा (1) के अभीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात :--

- मेशर्स ग्रिनउईच होलांडः प्राइवेट लि॰ । (श्रन्तरङ)
- 2. श्रीमती कृष्ना ढेभि भाईया ग्रीर ग्रन्य। (ग्रन्तरिता)

का यह सुचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए क र्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध मां कोई भी जाक्षेप :----

- (क) एक स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियां पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्तियां द्वारा,
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं वर्ष होंगे जो उस अध्याय में दिया

श्रनुसूचो

221.19 वर्ग मि० प्लाट नं० 10/1/ई, डाईमन्छ हारकार रोड़ कलकता 27 थाना झालिपुर, प्लाट नं० 4 बी में अवस्थित हैं। सक्षम प्राधि हारों के पार 12-2-85 तारीख में राजिस्ट्री हुआ। राजिस्ट्री हुए कमिक संख्या 34।

> शेख नईमृहीन सक्षम प्राधिकारी सहायक प्रायक्त (निरीक्षण) प्रकृत रोंज 2, करास्ता

तारीख: 27-9-1985

प्रारूप आईं.टी.एन.एस.-----

1. थी तारक नाथ साहा।

(श्रन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269घ (1) के अधीन सूचना 2 श्री संतोप चन्द्र साहा और अन्य

(भ्रन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालयः, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) क्षर्जन रोप-2 प्रायक्त

श्वकत्ता, विभी 👙 अक्तूबर 1935

निर्देश सं० ए० से :50/रे :- / : १४5-४६----- प्रनः

मुझे शेख नईमुहीन

भायकर धिर्धानयम, 1961 (1961 की 43) (विसे इसर्वे इसके पश्चात् 'उन्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ह के अधीन सक्षम प्राधिकारों को यह विदेशस करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मुल्य 1,00,000/- 55 स अधिक ही

अभैर जिलकी सं० 62/3 है तथा के महात्मा गांधी रोह, कालकत्ता में रिथत हैं ((अल इन्हें उपाबद अन्यूची में और पूर्ण रूप में विभिन्न हैं), 'जिलकूंत के अक्षात्मां के मार्थात्य एस० श्राप्त अतिपुर में, र्जिस्ट्राल ए श्राधात्यम, 1900 (1908 का 16) के अधीत, जरीख 13 फल्करों 1985

का पूर्वोक्त सम्परित को जोित बाजार मृत्य संकाम क दश्यम न प्रतिफल को लिए अतरित की गर्द है आर मुक्ते यह विश्वास करने का

कारण है कि यथापूर्वेक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके रूप्यमान प्रीप्रकार में जैसे उपयमान प्रीप्रकार का पन्ह प्रतिशत सं अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एमं अन्तरण के लिए तो पाया समा प्रतिफल, निम्निलिखित उद्बेश्य से उक्त अन्तरण विश्वित वो शस्तिक रूप से कांधित नहीं किया गया है ---

- (क) बन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-विवय के ब्रधीन कर दोने के अन्तरभ के दायित्य भी कमी करने या उपने ब्रमुप में सुविधा को खिट; ब्रोड्र/या
- (ख) ऐसी किसी जाय या किसी धन या जन्य आस्तियां का, जिन्हों भारतीय आय-कार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उकत अधिनियम, या धन- कर अधिनियम, या धन- कर अधिनियम, या धन- कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के अधीवनार्थ जन्सीरवी ध्वारा प्रकट प्रश्नी किया गरा था वा किया जाना जाहिए था, छिपान में सुविजा है सिए;

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए अर्वाजनाहर्यों काता हुँ

उक्त सम्पर्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप ६---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीब से 45 दिन की अविधि या तत्सम्यन्थी व्यक्तियों पर भूजना का तासील ने 30 दिन को अर्वार, जो भी अर्दाष्ट्र हों का प्रकार होती हों, के भीसर पृत्रांकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति हुवारा;
- (ख) इस स्थना के राजपत्र में प्रकाशन की शारीब सं तक दिन के बीतर उक्त रखावर संपरित में फ़ित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के कर्म किसी की किए का सकत्रो।

स्थयनीकारणः -- इसमी प्रयास्य शब्दों और पदों का, जो जबस अधिनियम के अध्याय 20-क मीं परिभाषित हैं, कही कर्ष हाना जो उस अध्याय मीं दिया भगा है

अनुसूची

2.201 कठा जमीन का साथ मकान 62/3 महात्मा गार्न्था रोड़ थाना ठाकुरपुकुर, कलकत्ता-32 में अवस्थित हैं। देल्लि संख्या-एस० आर० प्रालिपुर का 1985 वा 1087।

> णख नईसुद्दीन सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रोज-2, इलकस्ता

णतः जणा, अवतं अधिनियम को घारा 269 ग के अन्तरः को, मी, उपते अधिनियम की घारा 269 घ की उपधारा (:) को अभीन, निम्हितिखित व्यक्तिस्ता, स्थिति हु—

अरि^{श्व}: 7-10-19**85**

माहर 🔅

श्रस्य बार्च . टी . एन . एस . -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की बारा 269-व् (1) के ब्रधीन स्वरा

श्रारत् सरकार

वालय, सहायक आयकार नागुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज-4, कलकत्ता -

इलकत्ता, दिनाँक 31 जुलाई, 1985

निर्देश सं० ए० मो० ७/रेज-४/कल/1985-86-म्रतः मुझे शंकर कें० बनर्जी

कायकार अभिनेत्रयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसकी पश्चात् 'उयत अधिनियम' कहा गया है'), अर्थ भाग 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी भो, यह विश्वास करते का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, असका उचित बाजार मृत्य 1,00,000 / - रा. से क्षिक हैं

ग्रौर जिसकी सं० है तथा जो वर्धमान में स्थित है (क्रार इपसे उताबद्ध अनुसूची में क्रार पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय श्रासानसील में रजिस्द्रीकरण श्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के भ्रधीन तारीख 8 फरवरी 1985

को पूर्वीक्त सम्पत्ति को उचित बाजार मुल्य से कम के कथमान प्रतिफल को लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विष्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों क्स संपत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके परयमान प्रतिकर्ल से एसे परयमान प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्धेरेय से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है :--

- (क) अभारण से हुन्दी किसी जाब की बाबश, उपर कि भिनियम के अभीन क्यु दोने के जन्तरक औ शियत्य में कभी कारने या उत्तसं यक्त में सुविधा वे लिए **और**/गा
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तिया को, जिन्ही भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

श्रीमतं मिनतः मुख्यो।

(ग्रन्तरक)

2. श्री काली किंकर चट्टोपाध्याय।

(श्रन्तरितः)

को बहु सुबना जारी सरके पूर्वाक्त सन्मास्ट के वर्बन का निक् कार्यवाहिया शरू करता है।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सुचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सुचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जां भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पर्वोक्त ज्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के रास निश्चित में किए आ सर्वेगे।

स्पद्धीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20 क में परिभाषित इं, बहु अर्थ क्षांगा लो अध्याय में विया गया है।

अनुस्ची

जमीन 10 कटा जमीन का साथ मकान। पता-मोजा रईडा, थाना---कृततो, जिला बर्धमान, दलिल सं० 1985 का 799।

> एन० के० बनर्जी सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-4, कलकत्ता

अत: एव, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण , 🕷 अञ्चल अधिनिषम की भारा 269-ম দ্যী ওলভাবা (1) को अधीन, निम्नलिखिन व्यक्तियों, अर्थात् :---

तारोख: 31-7-1985

मांहर:

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सूरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरोक्षण)

श्रर्जन रेंज-2, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनाँक 24 जुलाई 1985

निर्देश सं० ए० मो०-3.4/रेज-II / हल/ 85-86--अतः मुझे शेख नईमृहीन

बायकर बिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परकात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हो, की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हु' कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1.00,000/- रा. से अधिक है

श्रीर जिसकी मं∘ 8/2ए है तथा जो श्राव्यितुरपार्क रोड़, कलकत्ता में स्थित है (और इसमे उपाबद्ध अनुसूची में आर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रोकर्ता अधिकारं। के कार्यालय कलकत्ता में, सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में, रिजर्म्द्राकरण भ्रिधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 12 फरवरी 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वाक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मुल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत स पिथक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अतिरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नुलिखित उद्देश्य से उस्त अक्षरण जिल्लित में नास्तविक रूप से करियत नहीं किया गया है.---

- (क) बन्तरण ६ हुई किसी बाय को बाबत, उवह वार्थानयम क अधीन कार दान के असरक के वायित्व मं कभी करने वा उन्नतं बच्हे में सुविधा क निए; भार/मा
- (अ) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियो का, जिन्हें भारतीय बायकर बीभीनयम, 1922 (1922 का 11) या उक्त विधिनियम, या भन-कर विभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जंतरिती दुवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने या स्विभा के सिए;

वतः वब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के बन्सरण में, में उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की जपधारा (1) के अधीन, निम्नलिक्ति व्यक्तियों, अभात् : 🖚

प्रकृष वार्द् .टी. पुन. पुस. ------ 1. मिस लिला ज० शाहानी।

(ग्रतरक)

2 श्रो ए० गुप्त।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी बाक्षेप ह—-

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस स 45 विन की अवधि या तत्सम्बन्धी स्थिक्तयों पर स्चना की तामील सं 30 दिन की अविध, आ भी वनिभ बाद में समाप्त हाती हो, के भीतर पूर्वेक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबदध किसी अन्य व्यक्ति इवारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये था सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त सन्दौं और पदों का, आं उक्त अधिनियम् क अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, ही कि होगा को उस मध्याय में दिया

अनुसूची

1560 वर्ग फुट फाट 8/3ए, आलिपुर पार्क रोड़ कलकत्ता-27 में अवस्थित है। सक्षम प्राधिकारी के पास 12-2-85 तारीख में र्राजस्ट्वी हुन्ना। रिजस्ट्वी का क्रमिक संख्या 37।

> शेख नईमुद्दीन स्थम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-2, कलकत्ता

तारीष: 24-7-1985

प्रकप आई.टी.एन.एस. -----

जाबकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) कौ शाया १२ ৮-४ (1) । ব কথীৰ শ্ৰম

शाहत सरकार

कार्यालयः, सहायक् आयकार आग्रक्त (निरक्षिण)

अर्जन रेंज, बंगलूर बंगलूर, दिनौंक 26 जुलाई 1985

निर्देश सं० 987/85-86—अनः मुझे आर० भारद्वाज

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पत्नान 'तहा अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सभम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्णेक्त संपत्ति हा उिष्ण बाजार मृत्य 1,90,000/- रह. से अधिक है

अौर जिसकी सं० 23 और 24 है, तथा जो पणजी में स्थित है (और इतमे उपावद्ध श्रम्भूची में अंग्रपूर्ण रूप से विणित है) रिजर्मी वरण श्रीशियम 1908 (:968 का 16) के श्रधीन तारीख 26 फरवरी 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्रायमान प्रतिफल को लिए रिजस्ट्रीकर्ता विलेख के अनुसार अंतरित की गई हैं और मुफे यह विश्वास करने का कारण हैं कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके द्रायमान प्रतिफल से, एसे द्रायमान प्रतिफल के पन्द्र प्रतिज्ञत से अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखत में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया हैं:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्स अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्य में कभी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (च) एसी किसी आय का किसी धन या अन्य आस्तियां करें, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम; या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रवोजनार्थ अन्तिरिटी ब्यारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना जाहिए था, छिपाने में मिविधा खे खिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग क अन्सम्म में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (१) है अधीर पिस्तिसित व्यक्तियों, अर्थात् :---

- 1. श्री मुरक्ष अनन कामल श्रीर श्रीमती ऊषा सुरेश कामन चर्चियू, पणजी, गोवा-403 001। (अंतरक)
- 2 पाम ग्रोब कोआ (रहीव सैन्ग मोसायटी पाम ग्रोब श्रापर्टमीट टेका, करापलीम गोवा-403002। (अंतरिती)

को यह सृचना जारी करके पृत्रोंक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्वता के राजपत्र में प्रकाणन की तारी है कै 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तासील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन को तारी सं से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास सिशित में किए जा सकेंगे।

स्यष्टोकरण: ---इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, को अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं कर्ष होगा जो उस अध्याय में दिया भगा है।

वनस्थी

(दस्तावेज सं० 176/210ना० 26/2/1985) ये सम्मति पाम ग्रांव पणजी में है। इमका क्षेत्रफल 550 एम० 2, 475 एम०2 और 570 एम०2 है। इमका नं० 22, 23 और 24 है।

> आर० भारद्वाज सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, बंगलर

तारील : १८-७-1985

महिर:

प्ररूप बार्ड टी.एन.एस., ------

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) का धारा 269-व (1) के अधीन सुचना

नारत सरकार

कार्यालय. सहायक आयकर आयक (निरीक्षण)

सहायवः आध्वार आयुक्त (निरीक्षण) श्रजंन रेंज, बंगल्र

निर्देश सं० 1008/85-86—ग्रतः मुझे आर० भारहाज बायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पद्मवात् 'उकत अधिनियम' कहा गया हो), की धारा 269-इ के अधीन सक्षम प्राप्तिकारी को यह विकास करने का कारण ही कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मून्य 1,00,000/- क से अधिक हो

और जिसकी सं० सी० एस० नं० 4805/6 है, तथा जो शियाजी नगर बेलगाँम में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनु-गृची में और एणे रूप से वर्णित है), रिकर्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 वा 10) के के धर्मन तारीख 23 फरवरी 1985

को पूर्विश सम्पत्ति के उचित नाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रितफल के लिए अन्तरित की गर्ने हैं और मुक्ते यह विषवास करने का कारण है कि या गर्ने हैं। यो प्रित का उचित बाजार पूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे प्रमान प्रतिफल का पन्नह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पावा गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से अवत अन्तरण लिखित के वास्तिथिक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण में हुई किसी बाय की बावत उक्त बीभिनियम के अभीन कर दोनें के बन्तरक के धायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एमी किसी बार या किसी धन वा अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन- कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनाथं अन्तरिक्षों द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना आहिए था, स्त्रिपाने में सुविधा के सिए।

बत: इ.व., उक्त अधिनियम की धारा 269-त की अनुसरण कों, मीं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ते की उपधारा (1) के स्तान निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ह श्रीमती मेरी मैकेल परैरा श्रजामानगर कन्प्राली कन्प्राली रोड़ बेलगाम

(भ्रह्यरह)

 श्रीमती जानाबाई मारूती एंजल हेड क्वारटर्स रोड़, शिवाजीनगर बेलगाम।

(भ्रन्तिरती)

को यह स्चना जारी करके प्रबंक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शूरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप ए---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामीक से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक व्यक्तियों में में जिसी व्यक्ति इंदारा:
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीस में 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपर्तित में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वाय अधोहस्ताक्षरी के पाण लिक्ति में किए का सकोंगे।

स्पथ्यीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20 के में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया। गया है।

अनुसूची

(दस्तावेज सं० 439 ता० 23-2-85) सम्पत्ति है जिसका सं० सो० एस० सं० 4805/6 श्रीर जिसका नापना 780 स्क्कवेयर फीट जो शिवाजी नगर बेलगाम में स्थित है।

> आर भारक्षाज सक्षम प्राधिकारी महायंक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, बंगलूर

नारीख": 30-9-1985

प्रकप् बाह्रे. टी. एन्. एस. ----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के सभीन स्थाना

भारत तुरकाह

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निराक्षण)

श्रर्जन रेंज, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 1 श्रक्तूबर, 1985

निदेश सं० डीं० श्रार०-224/37 ईई/84-85--श्रतः मुसे श्रार० भारताज

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें समके पदकात 'उकत अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-इस के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पति, जिसका उचित वाजार मुख्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

और जिपकी सं० 458 एन्ड 459 है, तथा जो गागोल मारगोरा में स्थित हैं (और इससे उपाद्य अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से क्ष चिंगत हैं) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दारवाड में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधींन दिनांक 5-2-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के द्रियमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य उभके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथ पाया भया प्रतिफल निम्निचित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में गम्निचिक रूप से किथत नहीं किया गया है है—

- (क) अन्तरूप चे हुई किसी बाय की बाबत, उपर किसिन्द्र के बंधीय कर दोने के बन्तरक के दाजित्य में कभी करने या उपसे बचने में सुविधा के निए; भीर/वा
- (क) एसी किसी आम या किसी धन या अन्य बास्तियों को जिन्हों भारतीय आम-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर विधिनियम, 1957 (1957 का 27) जे अयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था दा किया आमा बाहिए था, कियाने में मिनियम के लिए।

- श्री कृष्ण नारायण कारे,
 श्री पभा नारायण कारे,
 श्री निवास नारायण कारे,
 और श्री सदानन्द नारायण कारे,
 नं० 17, ओल्ड मारकेट, मारगोवा, गोवा।
 (श्रन्तरक)
- 2. मैं सर्भ भ्रालकान रियल इस्टेट, प्राईवेट लिमिटेड, वेलहो बिस्डिंग, पनजी, गोवा ।

(श्रन्तरितीं)

का वह सूचना पारी करके पूर्वोक्त सम्मत्ति के अर्जन् के जिए कार्यवाहिमां करता हो।

जनत सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी अक्षेप ा--

- (क) इस स्वान के राजपत्र के त्रकाशन की तारीब के 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर स्वान की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्त ध्यक्तियाँ में से किसी व्यक्ति द्वार;
- (क) इस सुचना के प्रकार में प्रकारन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थार सम्पत्ति में हित्रब्ध किसी जन्य स्थानत द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किस बासकोंगे।

स्थाब्दीकारणः ----इसमें प्रयुक्त शब्दों जीट पदों का, को उक्त जींधनियम के अध्याय 20-क में परिशादित है, वहीं अर्थ होगा वो उस अध्याय में दिया यथा है।

अनूसूची

(दस्तावेज सं० 139/84-85, दिनांक 5-2-1985) सम्पत्ति गगोला, में श्राधा पोरणन, और सम्पत्ति गगोला में 1/3 पोरणन, जो भूमि पंजीकिरण कार्यालय, सं० 458और 459 जो गगोल मारगोबा में स्थित है।

> ग्रार० भारद्वाज, सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) स्रजैन रौज, बेगलूर

दिनांक 1-10-85

मोहर ः

मुक्त बाहु ् टी. पुत्र प्रस्कानगणनावाव

नायकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारत 269-म (1) जे नभीन सुमना

भारत स्रकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्नर्जन रेंज, बंगलूर बंगलूर, दिनांक 1 श्रक्तूबर, 1985

निर्देश सं० 1009/85-86— श्रतः मुझे श्रार० भारद्वाज अयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा १६९ - के बभीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विक्वास करने के कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृन्य 1.00,000/- रा. से अधिक हैं

और जिसकी सं० 195, 196, 246, 247, 248, 249 और 253 है, तथा जो भूरला बिचोली गोवा, में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध ग्रानुसूची में और जो पूर्ण रूप से चर्णित है) रिजस्ट्रींकर्ती श्रधिकारी के कार्यालय, विचोलिम, में रिजस्ट्रींकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन दिनांक फरवरीं, 1985

का पूर्विक्त सम्पत्ति के उपित बाजार बृत्य से कम के द्रायमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई और मुभ्ते यह विश्वास करने का कारण है कि सभाप्त्रेक्ति सम्पत्ति का उजित बाजार मृत्य, उसके द्रश्यमान प्रतिफल से, एसे द्रश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिकात से अध्वि है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंत-रितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्वेश्य से उन्त अंतरण निखित में वास्तिषक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त शीधिनयम के वधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अचने में सुविधा वीरित्य में कमी करने या उससे अचने में सुविधा
- (श) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों कों, भिन्हों भारतीय आयक र सिधीनयम, 1922 (1922 का 11) या उन्तर सिधीनयम, या धनकर सींचीन्त्रम्, 1957 (1957 का 27) के प्रवोचनार्थ मन्दौरती द्वारा प्रकट नहीं किया बना वा किया जाना चाहिए वा किया में सुनिया से सिए;

अत: अत, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनूसरण कों, मीं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) को अधीर निम्नलिकित व्यक्तियों, अर्थात :—— श्री श्रनन्त दत्ताराम सुरलाकर, श्रालियान भास्तर उत्तम सिताय मुरलाकर और उनकी पत्नी श्रीमती, रतन श्रनन्त मुरलाकर, सुरला गोवा, विचोलिम, तालुक।

(भ्रन्तरक)

 बिलेज पंचायत श्राफ सुरला, उनके प्रतिनिधिः चेयरमैन/सरपंच,श्रीं गारारण केशव घाड़ी, है. सुरला बिचोलिम, गोवा।

(ग्रन्तरिती)

को मह सृचना आरी कारळे पूत्राँक्त सम्पत्ति के कर्चन के लिए कार्यवाहियों करता हुं।

क्षमत् कुम्पत्ति की वर्णन की सम्बन्ध गाँ कोर्ड भी आश्रीय :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी है से 45 दिन की अविध या तरसंबंधी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध शव में समाप्त होती हो, के भीतर पृथे किल व्यक्तियों में में किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्दंश किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोतस्ताक्षरी के पाम लिक्ति में किए जा सकरेंगे

स्पष्टोकरणः — इसमें प्रयूक्त शब्दों और पदौं का, जो उक्स विभिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं:

ग्रनुसूची

(दस्ताक्षेज सं० 487/84 दिनांक फरवरीं, 1985)

ृषि सम्पत्ति, जिसका नापना 34500 स्क्वायर मीटर्स है जो सुरला विचीलिम गोषा में स्थित है।

> श्रार० भारद्वाभ सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, बंगलूर

दिनांक 1-10-1985 मोहर :

क्ष्म आहें हो एन एस् .-----

भाषकर विभिनियम्, 1961 (1961 का 43) की भाष भारा 269-व (1) के सभीन स्वमा

भारत सरकार

कार्यात्य, सहायक वायकार भागकत (निरीक्षण)

सहायक स्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजन रेंज, बगलूर बगलूर, दिनांक 1 श्रक्तूवर, 1985

निवेण सं 1110/85-86—- अतः मुझे आरं भारताज बायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परजात् 'उक्त अभिनिजन' कहा गया हैं), की धारा 269-च के अभीन सक्तम प्राधिकारी को यह विक्वास करने का कारज हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाबार मुख्य 1,00,000/- रहे. से अधिक हैं

और जिसकी संव पीवटीव शीट नंव 109, िटीं सर्वे नंव पनजी है, तथा जो बादुलेम, पतजी में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से पणित हैं) रिजस्ट्रींकर्ता अधिकारी के कार्यालय, इनहास पनजी में रिजस्ट्रींकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 4-2-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्सि के उधित नाबार मून्य से कम के द्रायमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की नहीं हैं और मुक्ते यह निकास करने करने का कारण है कि संथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उधित नाजार मून्य, उसके व्यवमान प्रतिफल से, एसे व्यवमान प्रतिफल का पल्द्रह प्रतिकृति से स्थिक हैं और नंतरक (नंतरकों) और नंतर रती (जंतरितियों) के बीच एसे नंतरण के लिए स्थ गाया गया मृतिफल निक्निलिंदित उद्वेषय से उन्त वन्तरण निचित्त में अस्तिक रूप से अधित नहीं किया गया हैं:---

- (क) संतरण वे हुवं किसी भाष की शावड, उक्त जिल्लीम् के वंदीय कार दोने के अंतरक के दामिल्य में कभी कारने या उसते त्याने में मृतिभा के सिहर; और/मा
- (थ) एसी किसी जाय वा किसी भन वा जन्य वास्तियों को, चिन्हें भारतीय वायकर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अभिनियम, वा भन-कर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया भया था या किया थाना चाहिए था, स्थिपाने में हुन्था के विद्;

आतः अथः, उपत विधिनियम की भारा 269-ए के निवृत्तरण में, में, उपत विभिनियम की भारा 269-ण की उपभारा (1) के अभीन, निम्मसिचित व्यक्तित्वों, जर्मात् ३—

- (1) मिस एन० फेमिया, कसोलिना रोसा, श्रिलिका रैंबेरो डी सनताना, फोनटनहो पनजीं, गोषा।
 - (2) श्रीं अल्फंड किटियानो पिटागोरस,
 रैंबेरोडीं सनताना और उसकी पत्नी
 श्रीमती मेरिया लिरा श्ररटिमिसिया डीं० सी रैंबैरो बम्बई-600 05
 - (3) श्री मेरियो सींजर केन्डिको रैंबेरो डीं॰ सनताना फोनटनहास, पनजी गोवा ।
 - (4) श्रीं रूपी प्रलवरो फ्रान्सिसको, रैबेरो डी० सनताना और उसकी पस्ती जोनोबिया दयाना बीद्रिज; डाकास्टा, ग्रजारेडो ई० रैबेरो डी सनताना, सनगैन बिल्डिंग, जनरल बरनाड, गेडेंस रोड, पनजीं, गोषा ।

(भ्रन्तरक)

 श्री नरेन्द्र दामोदर नायक करमाली, काकोरा, करकोहेम, गोवा।

(भ्रन्तरितीं)

कारे बहु सुच्या चार्टी कारुको पृथींबत सम्मत्ति के वर्षन के जिए कार्यवाहियां करता हो।

उपके सम्बन्धि के भवाँन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेत्र :---

- (क) इस स्वारा को राज्यक में प्रकाशन की तारीय से 45 दिन की अवीध या तत्संबंधी व्यक्तियाँ पर स्वारा की सामील से 30 दिन की जबधि, जो भी वक्तीथ बाद वाँ समान्त होती हो, को भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से फिसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के बन्दनन में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के बीदार अन्य स्थावड स्थाविक में दिवसप्र विकास क्या क्यांका इसाडा, नभोहस्ताकारी के पास निविका में भिन्ने वा सकों ने 1

स्वाकरण :---इसमें प्रमुक्त सुक्यों जीर पदों का, जो उक्त वरिष्ठीनमुग के नध्यान 20-क में परिभावित ही, यही न्य होगा को उत्त नध्याय में दिमा क्या ही है!

बन्सूची

(दस्तावेज सं० 78, दिनांक 4-2-1,985)

सम्पत्ति है जिसका सं० 1 और जिसका नापना 49375 स्ववायर मीटर्स, जो "भ्राराडी" या "बाटेलेम" नाम से परिचित है, जो बाटेलम, गोवा में स्थित है।

> ग्रार० भारद्वाज सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, बंगलूर

दिनांक 1-10-1985 मोहर:

प्रसम्बद्धाः हो एन एस

मामकर मिनियम, 1961 (1961 का 43) की पारा 269-म (1) के मेमीन सूचना

भारत पुरुवार

कार्यालय, सहायक कायकर वाक्क्क (निरौक्षक)

श्चर्जन रेंज, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 1 श्रक्तूबर, 1985

निर्देश सं० 11.11/85-86---श्रतः मुझे श्रार० भारद्वाज आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि: स्थावर संपरित जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी डब्ल्यू नं० 9डी नं० 78 है, तथा जो होस्पेट में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से विणत है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हासपैट में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 ा 16) के अधीन दिनांक 6-2-1985

को पूर्विक्त संस्पत्ति के उणित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान शितफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह निश्वास करने का कारण है कि संभाष्यों मत संपत्ति का अचित बाजार बृस्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का बन्द्रह प्रतिस्ति से अधिक है और संतरक (संतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के निए तय पाया गया प्रति-कस निश्तिमित उद्देश से उन्तरण के निए तय पाया गया प्रति-कस निश्ति से साम्तिक क्ष्य से सम्तिक क्ष्य से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) जन्तरण सं हुई किसी नाम की बावध सक्त स्विध नियम को स्थीप कर दोने के सम्बद्ध को शांतरण के कमी करने या स्वदंश कुमने में सुनिधा को लिए; बाँड/वा
- (च) एसी किसी बाद वा किसी धन या अन्य बास्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्ति अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) जो प्रयोगार्थ अन्तिहिती ब्लाय प्रकट नहीं किया नया भा या किया जाना आहिए था, कियाने में मुनिधा के सिए;

जतः जब, उक्त जिंभिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण मं, मं, उक्त अधिनियम की भारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्मलिखित व्यक्तियों, वर्षात् :--- मोहम्मद काका, सुपुत्र श्री सैयद काका सथा श्राली ग्रमल्ड बस स्टैन्ड, होसपैट, बेल्लारी, डिस्ट्रिक्ट बेल्लारी।

(अन्तरक)

 श्री के० एन० जनदिन एय्यन्गार, ओल्ड बस स्टैन्ड होसपैट, डिस्ट्रिक्ट बिल्लारी।

(भ्रन्तरितीं)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां कारता हुं।

उक्त सम्परित के मर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस स्थान के स्थापन में प्रकाशन की तारीय से 45 विन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 विन की अवधि, यो भी अवधि वाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रविक्ष व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति हो,
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन के भीतर उक्स स्थावर संपौता में हितः बद्ध किसी अन्य स्थावत ब्वाय अभोहस्ताक्षरी खें पास लिखित में किए जा सकता।

स्पञ्जोकरण: ----इसमें प्रमुक्त शब्दी और पर्धों का, जर उन्हर अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, बहुी अर्थ होगा को उस अध्याय भें दिया प्या ही।

बन्स्ची

(दस्तावेज सं० 21, दिनांक 6-2-1985) सम्पत्ति हैं जिसका सं० 78 जोकि वार्ड नं० 1, ओल्ड बस स्टैन्ड, होसपैट, में स्थित हैं।

> ग्नार० भारद्वाज पक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, बेंगलूर

दिनांक]: 1-10-1985

त्रक्य कार्युः दी. एतः एसः-----

अध्यक्षपु विभिनियम्, 1961 (1961 का 43) की वारा 269-च (1) के सभीय सूचमा

भारत तरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, बगलूर बगलूर, दिनांक श्रक्तूबर, 1985

निदेश स० डी श्रार० 37ईई/84-85—श्रतः, मुझे, श्रार० भारताज

नायकर विधितयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त व्यथितियम' कहा गया है कि भारा 269-च के नधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विस्तास करने का काइक है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित नावार मूक्य 1,00,000/- रह. से अधिक है

और जिसकीं स० 158, 546, ऑफ पुस्ताक बि-2 और 3 है तथा जो कारजिटटेम, ऑफ कंडोला, घलेज में स्थित है (और इससे उपाबद्ध प्रतुसुची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्री-कर्ता श्रधिकारी के आर्यालय, इलहास में रजिस्ट्रीकरण भ्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनांक 2-85 को पूर्वोक्त सम्परित के जिल्हा बाबार मूल्य से कम के अध्यमान अन्तरित प्रतिफल की लिए की गर्ह विष्वास करने का कारण . पुर्नोक्त राम्पत्ति का उपित बाजार मृत्य, उसके खरमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिकल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और बन्तरक (अध्यरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे **अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिकित उद्दे**क्य से उस्त अन्तरण निश्चित में वास्तविक रूप से कव्यत नहीं किया गया है ६---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या
- (थ) ऐसी किसी बाय या किसी धन या बन्य बास्तियों की. चिन्हां अगरतीय जाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त जीधिनयम, या बन-कर जीधिनयम, या बन-कर जीधिनयम, या बन-कर जीधिनयम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना जाहिए था., क्रियाने में नृष्यिभा की किए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपभारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

- 1. श्री लूइम विमेंट मंताना, पेर रा और कुछ लोग। (ग्रन्तरक)
- मैसर्स श्राल: न रियल एस्टेट्स प्रा० लि० , बेलहो बिल्डिंग, पनिज गोषा-403001 ।

(भ्रन्तिस्तीं)

को यह सुचना जारी करके पृथोंकत सन्परित के धर्षन *छे* लिए कार्यवाहियां **पुरू** करता हुं।

उक्त सम्मत्ति के सर्वन में सम्बन्ध में कीई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि जो भी अविध वाद में समाण्य कोती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र मो प्रकाशन की तारीख रा 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति मों हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी,के पास लिखित मों किए जा सकोंगे।

स्मव्यक्तिरणः---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त जिभिनयम, के जभ्याय 20-क मा परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विशा पया है।

अनुसूची

(दस्तावेज सं० दिनांक 2-85) सम्पत्ति जो कारजिटेम, नाम से परिचित हैं जो कंडोला विलेज, पोंडा, तालुक, गोवा डिस्ट्रिक्ट, में स्थित है।

> ग्रार० भारद्वाज सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेज, बंगलूर

दिनांक 1-10-1985

इक्ट बार्ड्स की , एवं , ६व , अञ्चल

नायकर जीभनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के नभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यस्य, सहायक कामकर कायुक्त (निरीक्षण) सहायक भायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, बेंगलूर बेंगलुर, दिनांक 1 श्रक्तुबर 1985

निदेश सं० 1112/85-86 :--- अतः ,मुझे, आर० भारवाज, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000 ∕- रह. से अधिक हैं और जिसकी सं० एल. आर०नं० 255 है, तथा भर्वे नं० 278 हैतथा जो नुवेम तालुका, सालसेट में स्थित है (और इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्रीं कि ग्रधिकारी के कार्यालय, भारगोचा गोग में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के प्राधीन दिनांक फरबरी, 1985 को पूर्वोक्त सम्पत्ति क उचित दाजार मृत्य में कम के दृश्यकात प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके रूपभान प्रतिफल से, एसे रूपमान प्रतिफल के पंदह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंत-रितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नासिक्ष उद्दारम सं उक्त अंतरण निष्ठित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण ते हुई किसी आय की बाबस, उक्स अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचाने में सुविधा के सिए; बॉर/या
- (क) एसी किसी बाब या किसी धन या जन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिसी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया बाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए,

वतः वन, उक्त विभिनियम की धारा 269-त्व के अनुसरक में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-त्र की उपधारा (१) के अभीतः निम्मितियस व्यक्तियाँ, अर्थादः — श्री पी० डी० एल० कैरो, कैरो नगर, नावेलिम, साला सेट, गोधा।

(भ्रन्तरक)

 श्री डामिनिल सान्ताना कास्टा, बलसावो, फलबडुो, पीं० ओ०, कनसौलिम, सालसेट, गोघा। (श्रम्तरितीं)

को यह सूचमा जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के सिष् कार्यवाहियां करता हुं।

चक्त संपत्ति के मर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध नाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति स्वारा;
- (वा) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निचित्त में किए वा सकतेंगे।

स्यव्यक्तिरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों मौर पदों का, जो उक्त अभिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिका गया है।

मनुसूची

(दस्तालवेज सं० 73, दिनांक फरघरी, 1985) सम्पत्ति हैं जिसका सं० 1, जो "हैंबे, ध्रपार्टमेन्ट्स" नाम से परिचित बिल्डिंग ग्राउन्ड फ्लोर, में हैं, और जिसका नापना .75 स्थवायर, मींध्रर्स, जो प्लाट नं० 2, विलेज पन्चायत नुवेम में स्थित है।

> ग्रार० भाग्द्वाज सक्षम श्राधिकारी सहायक ग्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, बंगलूर

दिनांक 1-10-1985 मोहर:

प्रक्य आर्ड. टी. एम. एस. -----

ब्रायकर व्यभिनियस, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के व्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यानय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) सहायकं श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजीन रेंज, बंगलूर

बगलूर, दिनांक 1 श्रक्तूबर 1985

निर्देश सं० 1113/85-86—ग्रतः, मुझे धार०, भारद्वाज, बायकर किविनयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० ग्रार० एस० नं० 28/1 है, तथा जो सौन्दलीं, डिस्ट्रिक्ट, बलगांम, मे स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुभूची मे और जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता ग्राधिकारी के गार्यालय, सौन्दलीं मे रजिस्ट्रीकरण ग्राधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्राधीन दिनांक 11-3-1985

को प्लांक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के इश्यमान प्रतिफल को लिए उन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने के कारण है कि यथाप्चोंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल को पंचह प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरका) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निलिखत उद्देष्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत, उक्त विधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के सिए; बौर/वा
- (क) ऐसी किसी बाप या किसी धन या बच्य आस्तियों करें, जिन्हें भारतीय बायकर बिधिनयम, 1922 (1922 का 11) या उकत अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था. छिपाने में सुविधा के लिए:

अतः भवः, उक्तः अधिनियमं की धारा 269-गं के अनुसरणं में, मैं अक्तं अधिनियमं की धारा 269-वं की उपधारा (1) के अधीनः, निम्निलिविक व्यक्तियों, अर्थातः :---

 श्री गन्गघा ग्रिडिवेघा जिल्गी, सौनदत्ती, डिस्टिश्ट, जेलगाम ।

(भ्रन्तरक)

- श्री रेणुका इन्डस्ट्री, मीन्दत्ती, । मैनेजिंग पार्टनर: श्री प्रवाण रबाजघा, सोनवालकर, मीन्दत्ती, डिस्ट्रिक्ट, बेलगाम.
- मुडालगी तालुका, गोकाक, डिस्ट्रिक्ट, बेलगाम ।

(भ्रन्तरितीं)

को यह सूचना जारी कुकरके पूर्वोक्स सम्पत्ति के अर्धन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपत्ति के वर्णन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र मों प्रकाशन की तारी सा सं 45 दिन की अविधिया तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि के बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वे किंद व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इवारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच कें 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपीत में हितबब्ध किसी बन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पत्र किसी बन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पत्र किसी कें किए जा सकोंगे।

मन्स्ची

(दस्तावेज सं० 849, दिनांक 11-3-1985) सम्पत्ति है जिसका नापना 1 एकड, और 7 गुन्टास जो सौन्दत्ती, डिस्ट्रिक्ट, बेलगाम में स्थित है।

> श्रार० भारद्वाज सक्षम प्राधिकारी सहायक श्राय⊹ंग श्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजेंत रज, बेंगलूर

दिनांक 1-10-1985 मोहर : त्ररूप आइ.टी.एन.एस-----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, स**हायक अव्यक्तर आयुक्त (निरीक्षण)** महायक प्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण) प्रजन रेंज, बेंगलूर

बेगलूर, दिनाँइ 1 श्रक्तूबर, 1985

निदेश मं० 1114/85-86---श्रतः मुझे, श्रार०ः भाग्द्वाज, क्षायकर बाधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया ही), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण ही कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रु. से अधिक ही और जिसकी सं० 1-527/बी है, तथा जो स्टेणन बजार, गल्वरंगा, मे स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में और जो पूर्ण रूप से बाणित है) रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनियम 1908(1908

(के भ्रधीन ता० 30-3-85

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार भूल्य से कम के दरयमान् प्रतिफल के लिए बन्तिरह की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दरयमान प्रतिफल से, एसे दरयमान प्रतिफल के पन्सह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण निधित में बास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कभी करने वा उससे अधने में सृविधा के लिए; और/या
- (स) एरेसी किसी भाग या किसी भन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भनकर अधिनियम, या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूविधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की बारा 269-घ की उपधारा (1) क १४ीन, निम्नसिकिन ध्यक्तियों, अधितः— श्रीमती पुराली बेगम पत्नीं श्री मोहम्मद, णारद्धदींन जेवरगी रोड, गुलबरगा,

(भ्रन्तरक)

श्रीमती फतीमा बी०,
 पत्नी स्टेशन बाजार, गुलबदगा।

(भ्रन्मरिती)

का यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्त के कर्जन के लिए कार्यनाहियां करता हुं।

उक्त संपत्ति को अर्जनुको संबंध में कोई भी आक्षोप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तस्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विकत व्यक्तियों में किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राज्यत्र में प्रकाशन की तारीं से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितदक्भ किसी अन्य व्यक्ति व्यारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पन्तीकरणः — इसमें प्रयुक्त कर्नो और पदों का, जो उक्त जिथिनियम, के अध्याय 20 क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गगा है।

अनुसुची

(दस्तावेज सं० 3052, दिनांक 30-3-1985) सम्मत्तिहै जिसका नापना 1290 स्क्वायर फींट, जो स्टबन बाजार, गुलबरगा में स्थित है।

> आर० भारद्वाज मक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) प्रजैत रेंजे, बेंगलुर

विनांक 1-10-1985 मोहर:

प्रकृष कार्य : हो : युन् : एष्: -------

भागकर निभिन्नियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत बरकार

कार्यालय, सहायक वायकर बायकर (निरक्षिक) सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षग्र) ग्रर्जन रेंज, बेंगलूर बेंगलूर, दिनांक 3 ग्रक्तूबर 1985

निदेश सं० 1115/85-86---श्रतः मुझे ग्रार० भारताज,

आयंकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें असके पश्चात् 'उसते अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा कि के अधीन मधाम प्राधिकारी को, यह विश्वास कारने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित आजार मुख्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० सी० टी० एस० नं० 22990 है, तथा जो सिरसी में स्थित हैं (श्रीर इससे उपायत श्रनुसूची में श्रीर जो पूर्ण रूप ने विणत है) रिजस्ट्रीकर्ता श्रीधकारी के कार्यालय सिरसी में रिजस्ट्रीकरण श्रीधनियम 1908 (1908 का 16) के श्रीधीन दिनांक 18-3-1985

कां प्वोंकत संपरित के उचित बाजार मुख्य से कम के इस्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का फारण है कि यथापूर्वोंक्त संपरित का उचित बाजार अन्तर, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे इश्यमान प्रतिफल का पन्तर प्रतिफल के पन्तरकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितिपों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निसिसत उद्देश्य से उक्त अन्तरण निम्नित में बास्त- निम्निस क्षेप स कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, अक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरक के वायित्व में कनी करने या उससे वचने में सुविधा के लिए; और/या
- (भ) एसी किसी बाब वा किसी भन वा बस्य वास्तियों करों, चिन्हों भारतीय वायकार विभिन्नियम, 1922 (1922 का 11) या उत्तत वीधिनियम, वर चनकार विभिन्नियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्व वस्तरिसी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था ग किया जाना शाहिए था, छिपाने में म्विधा के लिए

कतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अध्यक्षरण गं, मं, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग उपभारा (1) * अर्थात्र चिन्निवित व्यक्षितवी, अर्थात है—— 5 —316GI/85 श्री श्रनिल कुमार वरदाराजा भ्राचारयी। मारिगुडि गल्ली, सिरसी, डिस्ट्रिक्ट, कारवार।

(भ्रन्तरक)

 मुकुन्द गोविन्द पै, रायर गल्ली, सिरसी, डिस्ट्रिक्ट कारवार।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पृथेक्ति सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुई।

उच्छ राम्परित के नर्जन के सम्बन्ध में कोई जी बाबोप ध---

- (क) इस सूचना के राज्यक में प्रकाबन की सारीख से 4.5 दिन की जबिध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की जबिध, जो भी जबिध बाद में समन्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी क्यक्ति ब्वारा;
- (च) इक् सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारीच तें 45 दिन के मीतर उसत स्थाबर सम्पत्ति में हिल-बब्ध किसी बन्य व्यक्ति व्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास सिचित में किए का स्कॉने।

रवज्यक्तिरणः — इसमें प्रयुक्त सम्बाँ मौर पर्दों का, को समस् व्यक्तित्वम, के अध्याय 20-क में परिभाविद्य हैं, वहीं अर्थ होंगा को उस अध्याय में दिया व्या हैं।

ग्रनुमुची

(दस्तावेज सं० 1932, विनांक 18-3-1985) सम्पत्ति है जिसका सं० नं० 22990, श्रीर जिसका नापना 686 1/9, स्वावायर यार्डस, जो सिरसी में स्थित है।

> श्रार० भारद्वाज सक्षम प्राधिश्रारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, बेंगसूर

विनांक 3-10-1085 मोहर: शक्त नार्द्र, दी. एन, एवं _र

मार्कर मर्थितियम, 1961 (1961 का 43) की पाछा 269-म (1) के स्थीप कृत्या

पारतं चरकार

कार्यासय, सहायक भावकर नावक्त (निद्रांक्रण)

श्रर्जन रेंज; बेंगलूर

बेंगलूर, दिनांक 3 श्रक्तूबर 1985 निदेश सं० 1116/85-86—यतः मुझे स्नार० भारद्वाज,

बायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उथत अभिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-व के अभीन सक्षम प्राभिकारों को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाबार मृक्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

म्रीर जिसकी सं० म्रार० एस० नं० 11/सी /1/2 है, तथा जो सौन्वत्ती, डिस्ट्रिकट बेलगाम में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध मनुसूची में ग्रीर जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ता मधिकारी के कार्यालय, सौन्दत्ती में रिजस्ट्रीकरण प्रधिनियम; 1908 (1908 का 16) के भ्रधीन दिनांक 24-4-1985

को प्वांक्त सम्मित के अभित बाजार मून्य ते कम के द्रायमान बितप्रस के मिद्द अन्वरित की वहाँ हैं और बुके वह विश्वास करने का कारण है कि यचाप्योंक्त कम्बत्ति का उपित बाजार एन्य उसक द्रायमान प्रतिफल से, एसे द्रायमान प्रतिफल का पन्द्रक प्रतिकात से अभिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्दरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तस पाग गया प्रतिक स निम्मितिक उद्योक से सक्त कक्दरण कि बित में पास्तीक रूप से किथत नहीं किया गया है है---

- (क) अन्तरक ते हुई किसी भाय की बाबत, उक्त अधिनियम के जभीन कर दोने के अन्तरक के यावित्व में कमी कहने वा उत्तसे वचने में सुनिधा के लिए; और/या
- (श) ऐसी किसी काय या किसी भन या जन्य जास्तियों को, चिन्हों भारतीय जायकर अभिनियम 1922 (1922 का 11) दा उच्च वृद्धिनयम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तरिती क्षारा प्रकट नहीं किया नवा वा विकास वाचा वाहिए वा, कियाने में स्विभा की विकास

बतः बंब, उक्त विधिनियम, कौ भारा 269-न चै अनुसरक कौ, उक्त अधिनियम की भारा 269-म की उपभारा (1) ब्रभीनः किन्निलिसित व्यक्तियों, अर्थात् :---

- 1. (1) श्री शिवप्सा,
 - (2) श्री नागेश श्रम्बी, सौन्दत्ती, डिस्ट्रिक्ट बेलगाम।

(भ्रन्तरक)

 श्री चन्द्र शेखर, सुपुत्र श्री मिल्लिकार जुनप्पा ममानी, सौन्दत्ती डिस्ट्रिक्ट, बेलगाम ।

(भ्रन्तरिती)

को बहुस्थना भारी करके प्रशिवत संपृत्ति के वर्षन के निष् कार्यनाहियां करता हुं।

उच्छ क्लरित में अर्थन के क्लान्त में सोई वी बाधोद:--

- (क) इस स्वना के रावपन में प्रकाशन की तारीय सं 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी अयिक्तयों पर कृषका की तानील से 30 दिन की बनिध यो भी स्वृतिक कक्क में सबान्य क्षेत्री हो, के नीतर पृत्रों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति स्वारा;
- (क) इब स्वान के राजवन में प्रकाशन की तारीव से 45 दिन के भीतर जक्त स्थावर संपत्ति में हितबह्थ किसी बन्य व्यक्ति द्वारा, वभोहस्ताक्षरी के पहल जिक्ति में किए जा सकोंगे।

स्पव्यक्तिरण: — इसमें प्रवृक्त शब्दों और पर्वों का, जा उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित इं, वहीं अर्थ होगा अने उस अध्याय में दिया क्या इं।

जन्स्ची

(दस्तावेज सं० 88, दिनांक 24-4-1985)

कृषि सम्पत्तिर जिसका नापना 3 एकर, जो सौन्दत्ती डिस्ट्रिक्ट, बेलगाम में स्थित है।

> श्रारं० भारद्वाज मक्षम प्राधिकारी स**हायक श्रायकर श्रायुक्त** (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, बेंग**लू**र

दिनांक 3-10-85 मोहर[ं]: मुक्त बार् ्टी. एव .पुर्व .-----

नायकर निर्मान्युन, 1961 (1961 का 43) व्यक्ति पारा 269-व्(1) के न्यीन कुक्त

शासा करकार

कार्यालय, सहायक जायकर आयुक्त (निरीक्षण)

ध्रर्जन रेंज, बेंगलूर

बेंगलुर, विनांक 1 भक्तूबर, 1985

निदेश सं० 1117/85-86--- अतः मुझे, आर० भारहाज आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उकत अधिनियम' कहा गया ही, जी धारा 269-स के अधीन सकत्र प्रधिकारी को, यह विस्वाध करने का कारण है कि स्थाभर संचित्त जिसका उपित वाजाद मुख्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० श्रार० एस० नं० 27 है, तथा जो सौन्दत्ती विलेज, बेलगाम में स्थित है, (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर जो पूर्ण रूप से विणित हैं) रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय मौन्दत्ती में रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनांक 29-5-1985

कां पूर्वेक्त सम्पत्ति के <mark>अधिक वाकार मृक्य से कम के र</mark>हयमान प्रतिकास के सिष् अन्तरित की गड़ी

हैं और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि सथा-पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाचार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रति-कल से, देसे क्यमान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिफल से अधिक हैं और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफस, निम्निचित्रत उक्केश्य से उक्त अंतरण सिचित में नास्तिक्क क्य से किंग्स नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी वाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर वोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने वा उससे बचने में सुविधा के सिए; और/वा
- (व) ऐसी किसी बाव वा किसी भन या जन्य आसिएकों को जिन्हों भारतीय जायकर विभिन्नियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त विभिन्नियम, या भन-कद विभिन्नियम, या भन-कद विभिन्नियम, 1957 (1957 का 27) के प्रकोशनार्थ कन्तिहरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया का विभा वाना वार्षिय था, कियाने में वृतिभा के विद्

जतः अथ, उक्त जीभीनयमं की भारा 269-ए की अनुसरण काँ, मीँ, उक्त जीभीनयमं की भारा 269-ए की उपभारा (1) हो ज्ञाभीन, निम्नसिचित स्पिक्तमों, नर्भात् ः-— श्रीमती लक्ष्मण्या, पत्नि श्री गइगेप्पा बिज्जूर, सौन्दली डिस्टिकट बेलगाम।

(म्रन्तरक)

 श्री विष्पाक्ष्णा, सुपुत्र श्री करेवसप्पा ममानी, तालुका सौन्दत्ती जिस्ट्रिक्ट, बेलगाम।

(ग्रन्तरिती)

का बहु सूचना बारी करके पूर्वीकत सम्पत्ति के वर्षन के लिए कार्यवाष्ट्रिया करता हु"।

उन्नत सभ्यक्ति से क्षर्यंप के सम्बन्ध के कोई भी आक्षरे :---

- (क) इस स्थान के राज्यन में प्रकासन की शारीस से 45 विश्व की समीच मा तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थान की तालीस से 30 दिन की समीच, को भी तनिय का में समान्य होती हो, के भीतर पूर्वोक्स का का का को से सिक्ती का कि द्वारा;
- (व) इस सूचना के राज्यमा में प्रकाशन की तारीच से 45 विश के भीतर उक्त स्थानर संपत्ति में द्वित-बक्ष निवधी अन्य कारित सूचारा नशोहत्साकारी के पास सिवित में किए वा क्कोंगे ।

रप्तांकरण ह— बुसमें प्रमुक्त कर्षा करि पर्यो का, को उपस व्यक्तित्वम् के सभ्याम 20-क में परिभाषिक हैं, यही अर्थ होगा को उस स्थाय में खिका सम्बद्धाः

अनुसूची

(वस्तावेज सं० 257/85-86, दिनांक 29-5-1985) कृषि सम्पत्ति है जिसका सं० भ्रार० एस० नं० 27, भ्रौर नापना 3 एकरस 15 गुन्टास, जो सौन्दत्ती, डिस्ट्रिक्ट बेलगाम में स्थित है।

ग्नार० भारबाज सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्नायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्नर्जन रेंज, बेंगसूर

दिनांक 1-10-1985 मोहर :

इक्प. बाइं. टी. एत. एत. ----

अध्यक्षतर अभिनियय, 1961 (1961 का 43) की तस 269-प (1) के वृ**धीय बृद्दा**

शारत संरक्षांच

कार्यालय , सहायक भावकर बाब्बल (निरीक्रक)

भ्रर्जन रेंज, बेंगलर बेंगलर, दिनांक 3 10-1985

निदेश सं० 1118/85-86---ग्रतः मुझे, ग्रार० भारद्वाज, नायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चार् 'उक्त अधिनियम' कहा गमा है'), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/-रड. से अधिक है और जिस की सं० 365-367 है तथा जो सीबिनाकट्टे एक्सटेंगन नीर्ताहरिल टाउन, शिमींगा, डिस्ट्रिक्ट में स्थित है (ग्रीर इसमे उपाबद्ध अनुसूची में भ्रोर जो पूर्ण रूप से वर्णित है। रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी के कार्यालय, णिमोगा में रजिस्ट्रीकरण भ्रिधिनियम 1908 (1908.का 16) के श्रधीन दिनांक 14-2-1985 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उष्मित याजार मूल्य से कम के इध्यमान प्रतिफल को लिए बण्तरित की गई है और मुक्ते यह निरंबन्त करने का कारण है कि यथापुर्विक्त संस्पेति का उचित बाजार मुल्य, उसके धरयमान प्रतिफल से, एसे दरयमान प्रतिफल का रन्द्रह प्रतियक्ष से अधिक है और अंतरक (अंतरकाँ) और अंतरिती (कन्ता रात्यों) के बीच ऐसे कन्तरण के लिए तय पामा गया अ. अफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में शस्तिविक रूप से किंचित नहीं किया गया है।

- (क) अलारण से हुई किसी बाय की बाब्त, उबस अधित्यम की संधीय कर बोने के शुम्हरक की शायित्व में कभी करने वा उससे अच्छे में सुविधा के लिए; बॉर/या
- (क) एंसी किसी आय या किसी धन या अस्य आस्सियाँ को, जिल्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनियम, का धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

नतः शव उक्त विधिनियम की धारा 269-व की वम्बरच में. में. उक्त लिभिनियम की धारा 269-व को उपधारा (1) के वधीन, जिम्नीलिबित व्यक्तियों, वधीत क्र-- श्री बी० एच० स्रक्टुल रजाक, ुदांजिज रोड, नीरताहिल्ल टाउन, श्रिमोगा डिस्ट्रक्ट ।

(भ्रन्तरक)

 श्री एम० वी० कृष्णप्पा, श्राणपति, टेंपल स्ट्रीट, ∫होसनगरा टाउन, श्रिममोगा डिस्ट्रिक्ट।

(श्रन्तरिती)

को यह सुचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अजन के लिए, कोर्सवाहियाँ करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के नर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप :---

- (क) इस स्वान के राजपन में प्रकाधन की तारीं से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वान की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी विद्या बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्ड व्यक्तियों में में चित्री व्यक्ति होता,
- (क) इस स्वना के राजपंत्र में श्रकाशन की तारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के गास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्थिकरण :----इसमों प्रयुक्त शम्बों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही वर्ष होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

नप्त्यी

(दस्तावेज सं० 488/84, दिनांक 14-2-1985) सम्पत्ति है जिसका सं० 365-367 जो सीधिनाकट्टे, एक्स-टेंशन, नीरताहल्लि, टाउन, णिमोगा, डिस्ट्रिक्ट में स्थित है।

> श्रार० भारताज सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, बेंगलर

दिनांक 3-10-1985 मोहर:

प्रकप आई.टी.एन.एस.-----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 की 43) की धारा 269-व (1) के वैभीन सूचना

भारत चरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज, **है**दराबाद

हैदराबाद, दिनांक 19 सितम्बर, 1985

निर्देण सं० श्रार० ये० सी० नं० 373/85-86-श्रतः मुझे एम० जगन मोहर

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पहचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृख्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं इमारत है, जो रेलपेटा गुंहर स्थित है (और इन्से उपाबद्ध अनुमूची में और पूर्ण रूप से चेणित है), रजिस्ट्री-कर्ता ग्रधि तरी के ार्यालय गुंट्र में रजिस्ट्रकरण अधिस्थिम, 1908 (1908 रा 16)के अधीन जुलाई 1985 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के रूपमान लिए अन्तिरत गध्र हैं व्यक्तिकल के की विश्वास करने का कि यथा पूर्वीक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे उपयमान प्रतिकल के पन्द्रह प्रतिकत से अधिक है बौर अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से काश्रित नहीं किया गया है:---

- (क) बन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (का) एसी किसी आय गा किसी भग या अन्य आस्तियों का, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उकर अधिनियम, या भनकर अधिनियम, या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्ति (ती व्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया आना भाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के उनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) ह अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्रीं सोमरेलु वीर शेखर राष पिता वीर राधवयय रेलपेटा, गुंटूर

(भ्रन्तरकः)

(2) श्री देवु राम मोहन राष, पिता देवु सुज्जारायु 2. श्री उमा महेल्बर राव, 3. श्री हरीं प्रसाद राघ, रामचन्त्र पुरा श्रग्रहारम, गुंटुर

(श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्प्रत्ति के अर्जन के लिए. कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपर्ि के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस तुक्ता के राजपंत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की अवधि या तत्सवधी व्यक्तियों पर सुचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में किसी व्यक्ति व्यक्ति होता;
- (क) इस सूचना के राज्यन में प्रकासन की सारीय से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंग।

स्यष्टिकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अभिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

इसारत नं० 9/9/9, रेलपेट, गुंटूर (चिस्तीर्ण 1839 घ० ग०) रिजस्ट्रीकृत विलेख नं० 6999/7/85, रिजस्ट्रीकृती श्रिधिकारी, गुंटूर ।

एम० जगन मोहन सक्षम अधिकारी सहायक ग्रायकर अध्युक्त (निरीक्षण) श्रजन रेंज, **ह**दराबाद

तारीख: 19-9-1985

प्रकृष् नाइ.टी.एन.एस.------

धाअकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के जुधीन सूचना

नारत् ब्रुकाः

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रजन रज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 7 प्रक्तूबर, 1985

निर्देश सं० ग्रार० ये० सीं० नं० 74/85-86-श्रतः मुझे एम० जगन मोहन

नायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके ध्रश्यात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269 आ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह निश्वास करने का कारण हैं कि स्थाधर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1.00,000/- रा. से अधिक हैं

और जिसकी सं० भूमि इमारत है, जो पंजागृट्टा बंजारा होलस स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय हैक्साबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन फरवरी 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार म्ल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरका) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में बास्तीविक रूप में किथत नहीं किया गया है:—-

- हुँक) नंतरथ से हुई किसी बाद की दावत, उक्त विधितियम के वधीन कर योगे के वंतरक के दायित्व में कशी करने या उससे वथने में सुविधा के निए; वरि√या
- (य) एसी किसी जाय वा किसी भन या जन्य जास्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अभिनियम, या बन-कर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जंतरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में स्विधा के लिए;

कतः कव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण व", व्रॉ, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (।ू) व्रो वर्णानः निम्मतिकित क्यिन्तरों, अर्थात् क -- (1) मैं सर्स सी० निला सूबिया पति ए० एम० सी० डी० सूबिया, और श्रन्य दो, नं० 40, नेवेली रोड, सीविलीयन यरीया, बंगलोर-1

(भ्रन्तरक)

(2) भैसर्स सोल हीस्पीटल्स प्रा० लि०, और ग्रन्य दो, 6-3-348, द्वारका पुरी कालनी, पंजागुट्टा, हैदराबाद-4

(श्रन्तरिती)

का यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख़ स 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन कें भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अश्वोहस्ताक्षरी के पास सिखित में किए जा सकोंगे।

स्वकाकित्व : ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के जध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

वगत्तर्वी

इमारत और जमीत, विश्व हारीटकलचर और बिस्तीर्ण 5044 चौ० गज, घर तं० 6-3-348, पंजाग्ट्टा, बंजारा हिल्द, हैदराबाद, रजिस्ट्रीकृत विलेख तं० 1293/85, रजिस्ट्री-कर्ता अधिकारी हैदराबाद ।

> एम० जगन मोहन नक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख: 7-10-1985

प्रारूप आईं.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालयः, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेज, हैवराबाद

हैदराबाद, दिनांक 17 अक्तूबर, 1985

निर्देश मं० आर० ये० सीं० नं० 375/85-86-यतः मुझे एम० जगन मोहन

नायकर अभिनियम, 1/961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पदचात् 'उक्ट अभिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-च के अभीन सक्षम प्राधिकारों को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूस्व 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

और जिसकी मं० फ्लट है, जो कांतींशिकारा प्रपार्टमेन्ट, पंजागुटा में स्थित है (और इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में और पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रींकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय हैंदराबाद में भारतीय रिजस्ट्रकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन फरवरीं 1985

को प्योंक्त सम्परित के उचित वाकार मृत्य से कम के अस्मान प्रतिपाल के लिए बन्तरित की गई है और मुफ्ते कह विकास करने का कारण है कि मधाप्योंक्त बंचरित का उचित वाकार मृत्य, उसके कावनान प्रतिपाल का पंत्रह प्रतिचत से अधिक है और बंचरक (बंचरकों) और बंचरित का प्रतिपाल का पंत्रह प्रतिचत से अधिक है और बंचरक (बंचरकों) और बंचरिती (अंतरितियों) के बीच एवं बंचरच के लिए तब चंका कवा प्रतिच फल, निम्नितिवित उच्चरेय से उक्त अन्तरण सिचित में वास्त- विक क्य से कथित नहीं किया गया है हि—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की शासत, उक्त अभिनियन के अभीन कर देने के अंतरक के बावित्य में कनी करने या उचने स्थाने में तृर्दिशा से सिए; बाँड/वा
- (अ) प्रसी किसी अाथ वा किसी अन या अस्य आस्तिओं को, जिन्हों भारतीय नायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती बुवारा प्रकट नहीं किया गया था था किया जाना चाहिए था, कियाने में सुविधा के सिए;

अत. अत, उक्त विधिनियम, की धारा 269-य के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिचित व्यक्तियों, अर्थात्:— (1) मैसर्स त्रिरगो कन्स्ट्रक्शन, बाइ मैनेजिंग पार्टनर श्रींबी० एन० रेड्डीं बंजाराहिल्स, हैदराबाद

(भन्तरक)

(2) श्रीमती शांतीं मुर्ती पति वीं० एषा० मुर्ती डीं० जी० पोलीम रोड, रोड नं० 11, बंजारा हिल्स, हैदराबाद

(श्रन्तरिती)

की यह स्थाना जारी करके प्रजेक्त अस्परित के अर्थम के तिए कार्यवाहिमां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई वाक्षेप :----

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी के 45 दिन की बविध मां तत्सवंभी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी स्थित ध्वारा;
- (क) इस ब्रुचना के राज्यन में प्रकायन की तारीय से 45 विकृष्टे मीतर उक्त स्थायर सम्मत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वक्षाकरणः — इसमें प्रयुक्त सन्दों और पर्वों का, जो उक्त विधिमियम, के बध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं वर्ष होगा, वो उस बध्याय में दिव चया है।

असम्ब

फ्लैट नं 16, चौथा मंजला, कांतींशिकारा श्रपार्टमेन्टस, पंजागुट्टा, हैदराबाद, रजिस्ट्रींकृत विलेख नं 753/85, रस्जिट्रीं-कर्ता श्रीधकारी हैदराबाद।

> एम० जगत मोहन प्यस श्रिधकारी सहायक श्रायक्षर श्रायुक्त (िरीक्षण) श्राजैन रोंग, हैदराबाद

तारीख: 7-10-1985

प्रस्थ आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज, **हेव**राबाद

हैदराबाद, दिनांक 17 अक्तूबर, 1985

निर्देश सं० आर० ये० सीं० नं० 376/85-86-अत: मुझे एम० जगन मोहन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य

1,00,000/- रु. से अभिक हैं और जियकी सं० फ्लैंट के जो

और जियकी सं० फ्लैट है, जो कांतींशिकारा अपार्टमेन्टस पंजागुटा स्थित है (और इससे उपाबद अनुसूची में और पूर्ण क्ष से विणित है), रजिस्ट्रीरती अधिकारी के नायलिय हैदराबाद में भारतीय रजिस्ट्रवरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन फरवरी 1985

को पूर्वेक्त सम्पत्ति के उभित बाजार मूला से कम के इश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्ति संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितियों) के बीज ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निसित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/मा
- (च) एसी किसी बाय या किसी भन या बन्य बास्तियां कां, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, किपाने में नृतिथा के मिल्;

अतः अवः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) मैसर्स विश्या कन्स्ट्रक्यानस, श्राड मैनेजिंग पार्टनर श्रीविंगएन० रेड्डी, वंगाय हिल्स, हैंदराबाद

(भ्रन्तरकः)

(2) श्रीमती एम० श्रीरंगाचायकम्मा पति एम० वक्टेण्वर राव, घर नं० 6-3-354/8/7, हादीनगर, बंजारा हिस्स, **हैद**राक्ट

(प्रश्तरितो)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां गुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थान के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस त्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियां पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्योक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उकत स्थावर सम्मत्ति में हित- ब्राय किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टिकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उपह अधिनियम के बच्चाय 20-क में परिभावित हाँ, वारी वर्ष होगा जो उस अध्याय में दिया सवाडी।

अनुसूची

पर्नेट नं० 6, बना 5-इ, क्रांतींशिकारा श्रपाटेमेन्टम, पंजा-गुट्टा, हैदराबाद, रजिस्ट्रीकृत चिलेख नं० 751/85, रजिस्ट्री-कर्ता श्रीधकारी हैदराबाद।

> एम० जगन मोहन सक्षम ग्रीध प्रारी सहायक ग्रायकर ग्रायकन (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख: 17-10-1985

प्ररूप आई.टी. एन. एस. -----

नायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अधीन स्वना

भारत सरकार

कार्यातवः, सहायक जायकर वायुक्त (निर्दोक्तक) श्रर्जन रेज, हैदराबाध

हैदराबाद, दिनांक 7 श्रक्तूबर, 1985 निर्देण मं० श्रार० य० सी० नं० 377/85-86-श्रतः मुझे एम० जगनमोहन

भाषकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'डक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का फारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

और जिसकी सं० फ्लैंट है, जो कांतीणंगरा श्रपार्टमेन्टम पंजा गृद्दा में स्थित है (और इसमें उपाबद श्रनुसूची में और पूर्णच्या संचिणित है), रिजिस्ट्री कृती श्रिधिशारी के कार्यालय हैदराबाद में भारतीय रिजिस्ट्रनरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन फरवरी 1985

को पूर्वोक्त सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की नई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि बथापूर्वाक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक अंतरकों; और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्वरिय से उक्त अंतरण लिखित में बाल्यक कप से कथित नहीं किया गवा है :----

- (क) अंतरक से हुई किसी जाय की बाबत, उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोनें के अंतरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सृतिधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या जन्य जास्तियों की जिन्ही भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए चा, खिपाने में सुविभा खेलिए।

बतः स्नश्न, उक्त विधिनियम की भारा 269-ग के अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग की उपभारा (1) के शक्ति, निम्निकिस्ति काक्तियों, अभात :—
6—316GI/85

 मैसर्म विरम कल्प्ट्रकम (न, बाह श्री बी० एत० रेड्डी, बंजारा हिल्म, हैदराबाद

(अस्तर्ध)

(2) श्री अरोफ मोहम्मद अक्ष्वील अन्यारी पिता लेट श्ररीफ मीहम्मद अब्दुल हकीम अन्यारी, फ्लैंट नं० 4, ब्लाक नं० सी० कांतीणिकारा अपार्टमेन्टस पंजासुट्टा, हैदराबाद

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पृथेक्ति सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीश से 45 दिन की अग्रीधि या तत्संबंधी क्यिक्तयों पर सूचना मूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त ध्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति व्यक्ति हो।
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पार लिसित में किए जा सकेंगे।

स्पन्धीकरण: इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदौं का, जो उक्त आयकर अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, नहीं नर्थ होगा जो उस अध्याय में दिक नवा है।

अनुसुची

फ्लैंट नं० 4, ब्लाक् कांतीणिकारा श्रपार्टमेन्टम, पंजा-गृट्टा, हैदराबाद, रजिस्ट्रीकृष चिलेख नं० 754/85, रजिस्ट्री-कर्ता श्रिकारी हैदराबाद।

> एम ज़गन मोहन नक्षम श्रधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजैन रोज, **है**दराबाद

तारीख: 7-10-1985

प्रकार नार्द्धाः दी , एकः, एवः , ० - - ०००

नायकर निधिनियन, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के नधीन स्थान

मारत सहकार

कार्याजय, सहायक जायकर क्षायुक्त (निरक्षिण) श्रर्जन रोंज, हैदरावाद

हैक्राबाद, दिनांक 7 अक्तूबर 1985

निर्देश सं० श्रार० ये० मीं० नं० 378/85-86---श्रतः मुझे एम० जगन मोहन

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-जा के अभीन सक्षम प्राधिकारों को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका सचित बाजार मृस्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैट है, जो कांनीणिकारा प्रपार्टमेन्टस पंजा-गुट्टा स्थित है (और इससे उपाबद्ध प्रमुस्चीं में और पूर्ण रूप से बणिन है), रजिस्ट्रींकर्ता अधिकारीं के कार्यालय हैदराबाद में भारतीय रजिस्ट्रक्षरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन फरवरी 1985

को पूर्णेक्ट सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के उत्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह् प्रतिचत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितिया) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखिल में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) कलरण ने हुई किया बाव की नावतः, उपक निर्माणसभ के नधीन कर दोने के जलारक के वासित्व में कभी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए भीर/या
- (क) एंसी किसी नाय या किसी धन या अन्य जास्तियों का. जिन्हों भारतीय जाथ-कर लांधनियम, 1922 (1922 का 11) या उनता अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-नार्थ अन्तरिती द्वार प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था छिपाने में सूविभा के सिष्ह

जतः जयः, उन्त अधिनियम की भारा 269-न के अनुसरक में, में, उन्त अधिनियम की भारा 269-च की उपभारा (१) के अधीर, निम्नसिचित व्यक्तियों जथांतु ह— (1) सैनर्स विरगो ान्स्ट्रम्यनस्, बाइश्री घी० एन० रेड्डी, बंगाराहिल्य, हैदराबाद

(ग्रन्तरक)

(2) श्रीं ए० नारायणमुर्ती पिना ए० बी० श्रार० **एल**० भूजेगराव, 2-2-1137/3, सी, बल्नाकूंटा, हैदराबाद

(अन्तरिती)

को यह सुभाना भारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के वर्णन के लिए कार्यवाहिया शुरु करता हूं।

क्ष्मत सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी काक्षेप :- --

- (क) इस स्वना के राजपन में प्रकाशन की तारीच च 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में शे किसी व्यक्ति व्यक्ति व्यक्ति
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी स्र 45 दिन के भीत, र उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिता बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए का सर्वोंगे।

स्वध्दिक्षरण --- इसमें प्रयास्त लब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होंगा, जो उस अध्याय में दिया न गया में

अनुसूची

फ्लीट नं ० 14, दूसरा मंजला, ब्लाब डी० दांतीशिकारा आम्प्लीक्स, पंजागुट्टा, हैदराबाद, रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० ७५२/४५,रजिस्ट्रीयार्ता ग्रधिकारी हैदराबाद

> ्र एम० जगत मोहन सक्षम प्रधिकारी यहायक आयदार आयुक्त निरीक्षण अर्जन रेज, हैदराबाद

नारीख: 7-10-1985

प्ररूप बाइं.टी.एन.एस. ----

बायकर ब्रॉभुनियम्, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अभीन सुमना

मार्व सरकाड

कार्यांसय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, हैदराबाद

हैसराबाद, दिनांक 7 भ्रष्ट्वर 1985

निदेश सं० ग्रार० य० सी० नं० 379/85-86--श्रतः मुझे एम० जगन मोहन

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रथात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है'), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूख्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

डौर जिसकी सं ० फ्लेट हैं, तथा जो अरुण अपार्टमेंटस, रेड हील्म, हैंदराबाद में स्थित हैं (गौर इसमें उपाबद अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित हैं) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय हैंदराबाद में रिजस्ट्री-उरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन नारीख फरवरी 1985

का प्योक्त सम्पत्ति के उचित वाजार मृत्य से कम के दरयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृत्रों यह विश्वास कश्ने का कारण है कि यथापूर्वों कत संपत्ति का उचित वाजार मृत्य, उसके दरयमान प्रतिफल से, एसे दरयमान प्रतिफल के फह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के भीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फज, निम्नसिश्चित उद्योध्य से उचत अन्तरण लिखित में बास्त- विक रूप से कथित नहीं किया गया है —

- (क) अन्तरण संधूर्य किशी शास की नायतः, उसस निभित्तियम के अभीन कर दोने के अन्तरक की वासित्य में कामी करणे वा उससे वचने में सूचित्रा के लिए; बॉर्ड/श
- (स) एसी किसी जाय या किसी धन या जन्य आस्तियाँ की, जिन्हों भारतीय जाय-कड अधिनियम, 1922 (1922 का 11) था उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया पर्या था किया जाना जाहिए था, कियाने में सुनिया की किया।

जतः जव, धक्त जीधीनयम की धारा 269-ए के जनुसरण मं, मंं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निस्तिसिक्क व्यक्तिकाँ, वर्षात् ध—— (1) मेसर्म सनगइज बिल्डर्स,मकान नं० 11-5-308, रेड हील्स,हैदराबाद ।

(भ्रन्तरक)

(2) श्रीमती वरगेलिया चन्द्रपाल, रेस्ट हाउस रोड़, भीमावरम, इस्ट गादावरी, जीला ।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वों कत सम्पर्हित के वर्षन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उन्स संपत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी वाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच हैं 45 दिन की जबिंध वा तत्संबंधी व्यक्तियों प्रमु सूचना की तासीस से 30 दिन की अवस्थि, को भी जबिंध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सृष्ना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपरित में हितबक्ष किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निविद्य में किए जा सकोंगे।

स्पष्टिकरणः इसमें प्रयुक्त शब्दों और पूर्वों का, जो उत्तर अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, यही अर्थ होगा को उस अध्याम में दिया गया है।

मनसर्ची

फ्लेट नं० 208, ग्ररण ग्रपार्टमेंटस, रेड हील्स, **है**दराबाद रिजस्ट्रीकृत विलेख नं० 1165/85, रिजस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी हैदराबाद।

> एम० जगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजन रेंज, **है**दराबाद

दिनांबः : 1--10--1985

प्ररूप बार्च् टी. एन. एस.,------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अधीन स्वना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) स्रर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांकः 7 श्रष्ट्बर 1985

निदेश सं० श्रार० ये०सी०नं० 380/85-86---श्रतः मुझे एम० जगन मोहन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 194,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी मं० फ्लेट हैं, तथा जो कार्ताशवारा ग्रमार्टमेंटम पंजामूटा हैंदराबाद में स्थित हैं (और इसमे उपाबंब अनुसूचीं में और पूर्ण रूप में बर्णित हैं) रिजस्ट्रींकर्ता ग्रधिकारीं के टार्याचय हैंदराबाद में रिजस्ट्रींकरण श्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधींन तारीख फरवरी 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के रहयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मुक्ते यह विहवास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पात्त का उचित बाजार मृल्य उसके रहयमान प्रतिफल से, एसे रहयमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अंतरक (अंतरकों) और और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिश्तित उद्देश्य से उक्त अन्तरण रण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया हैं:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय का बाबत, उक्त अभिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अचने में सुविभा के लिए; और/या
- (व) एसी किसी जाब या किसी थम या नम्ब बास्तिकों का, चिन्हें भारतीय जाब-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती बुवारा प्रकट नहीं किया चया वा या किया चाना शाहिए बा, किया चिन्हों।

बर्ध वन उन्त निविधन की भारा 269-न के वश्वरम में, में, उन्त निधिम की भारा 269-म की उपभारा (1) के अभीन, निस्तिविद व्यक्तिकों, नभीत् ह—— श्री एम० पी० पुरषोतम,
 18/31, साइनगर, तींच्मलगीरीं,
 ग्रालवाल, सिकन्दराबाद ।

(भ्रन्तरक)

(2) श्रीमती एम० राजलक्ष्मी, 28, जनता फ्लेटस, पंजागूटा, हैंदराबाद । (श्रन्तरिती)

का यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति को अर्थन को संबंध में कोई भी अरक्षेप :---

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की सर्वीध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध नाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- वर्ध किसी जन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया गया है।

प्रमुसुची

फ्लेट नं० 47, छेटचा मंजला, ब्लाक नं० डीं० कांतीशिकारा श्रपार्टमेंटस, पंजागूटा, हैदराबाद, रिजस्ट्रींष्ट्रत विलेख नं० 1190/85, रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी हैदराबाद ।

> एम० जगन मोहन सक्षम प्राधिकारीं सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजन रेंज, हैदराबाद

दिनाक : 7-10-1985

प्रकप **आर्ड** टी. एन. एम.

भागकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भाग 260-भ (1) के मधीन स्चना

बार्ड वरकार

कार्याभव, तहायक नायकार नायुक्त (निरोक्सण्)

श्रजन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांग 7 प्रम्तूबर 1985

निदेश मं० ग्रार० ये० मीं० नं० 3.81/85--86----श्रतः मुझे एम० जगन मोहन

बायकर विभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसकें इसकें परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-क थी अभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थायर सम्पत्ति. विश्वका उचित वाचार मृत्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

और जिसकी सं० भूमि है तथा जो वेंक्टपुरम विलेज. मैलावरम तालूक में स्थित है (और इससे उपाबद्ध श्रनुसूर्वी में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजिस्ट्रीशर्ता श्रिधिकारी के कार्यात्वय मैलावरम में रिजस्ट्रीकरण अधिकियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख फरवरी 1985

को प्रवेक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के ध्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्षे यह विश्वाम करने का कारण है कि यथापृतिकत संपत्ति का उचित बाजार मृत्या, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का अन्तरह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे बन्तरण के लिए तब पाया गया प्रतिक्षित जिम्मिलित उद्देश्य से उक्त बन्तरण में निचित शस्तिव्य क्ष

- (क) अन्यास्य सं हुद्दं विकास आय की बावत उपक अधिनियम को सभीत कर दोने को जनसरक को कावित्य में कभी करने या उत्तरे वचने में सुनिभा को लिए; और√या
- (वा) एसि किसी वाव वा किसी धन वा बन्ध वास्तियों की, जिन्हों भारतीय जाय-कर विधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त विधिनियम, वा धन-कर विधिनियम, वा धन-कर विधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्याजनार्ध बन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किसर गया था या किया जाना शाहिए वा, जिसाने में सुविधा के लिए;

नतः अत्र , उक्त निभिनियमं की भारा 269-ग के निन्तरण हैं, भैं, उक्त निभिनियमं की भारा 269-म की उपभारः (१) के निभनित्र निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :— (1) श्रीं जीं० नरिसम्हा राष पिता राम,लू श्रींमती जीं० नागरत्नम्मा पित रामूलू, ग्रम्मासेट्रींचारीं स्ट्रींट, चिजयवाडा-1।

(ग्रन्तरक)

(2) श्रीमतीं एस० जलूक्ष्मा पति वेकटस्वामीं, ब्राह्मण स्ट्रीट, विजयवाडा -1

(भ्रन्तरितीं)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्णन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई आक्षेप :----

- (क) इस स्वान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अवित्र या तत्सम्बन्धी स्थितत्वों पर स्वान की तामील से 30 दिन की अवित्र को भी वित्र में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त स्थिता में से किसी स्थित इतिहा,
- (क) श्रम कृषना के राज्यम में प्रकाशन की ठारीय के 45 दिन के जीतर जनत स्थायर सम्मत्ति में हितबद्ध किया निवास के वाह निवास में किए का सकेंगे।

वप्स्ची

1/9 णर इतब्राय लान्ड गौर 1/9 गर इन राइस मींल, एन्ड मीसनरीं, कटपुरम, वेमयलावरम तालूक कृष्णा जींला, रिजस्ट्रीकृत विलेख नं० 116/85, रिजस्ट्रीकृती ग्रधिकारीं, मैं लेवरम ।

> एम॰ जगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजन रेंक, हैदराबाद

दिनांचः : 7-1.0-1985

गोहर:

प्रारूप आइं.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) ग्रर्जन रेंज, हैंदराबाद

हैवराबाद, दिनांक 7 ग्रक्तूबर 1985

निवेश सं० श्रार० य० सी० ने० 382/85-86--श्रतः मुझे एम० जगन मोहन

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचास् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाबार मूख्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं। अप जो कातर

और जिसकीं सं० भूमि और इमारत है तथा जो कानूर ऊपुर तालूक में स्थित है (और इससे उपाबड प्रनुसूची में और पूर्ण रूप से चिंगत है) रिजस्ट्रीती अधिकाकरीं के कार्यालय विजयवाडा में रिजस्ट्रींकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन नारींख फररवरीं 1985

को पूर्वोक्त सम्परित के उचित बाजार मूल्य सं कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुम्में यह विश्वास करने का तारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तब पाया यया प्रतिफल, निम्निलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखत में बास्तविक रूप से कांश्यत महीं किया गया है:—

- (क) जन्तरण से हुइ किसी आय कीं, वाबत, सक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दासित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी नाय या किसी भन या अन्य नास्तियाँ को जिन्हें भारतीय नायकर निभिन्यम, 1922 (1922 का 11) या उक्त निभिन्यम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया नाना जाहिए था, कियाने में सुविधा केलिए;

अतः अब, उस्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण को, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, वर्धात् :---

(1) ए० कूटम राख पिता राममोहन राख, ओर म्रन्य, ऊयुरू।

(भ्रन्तरक)

(2) जीं॰ वेंकटस्वर पिता नरसिम्हा राव, ऊयुरू।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करको पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पूरित के अर्थन के तंत्रंथ में कोई भी जाक्षेप :---

- (क) इस सूचना करे राजपत्र में प्रकाशन की तारीक श्रें 45 दिन की अविधिया तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि शाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में किसी व्यक्ति ह्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अस्य स्थानित व्यास अधोहम्ताक्षरी के पास सिकित में किस का सकरी।

स्मच्छीकरण: — इसमें प्रयुक्त कव्यों और पवाँका, को उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया हैं:

अनुसूची

इमारत भ्रार० एस० नं० 202/3, कानूरु, विजयवाडा तालुक, रजिस्ट्रीकृत विलख नं० 854/85, रजिस्ट्रीकर्ता भ्राधिकारी विजयवाडा ।

एम० जगन मोहन मक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, हैंदराबाद

दिनांक: 7-10-1985

प्रकथ नाही, टी. एन । एक 🖯

नाथकर विधिनियस, 1961 (1961 का 43) कौ भारा 269-भ (1) के नभीन सुभाना

भारत सरकार

कार्यालया, सहायक आयंकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 8 श्रक्तूबर 1985

निदेश सं० श्रार० ये० सी० नं० 383/85-86--श्रतः मुझे एम० जगन मोहन

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269- क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल 1,00,000/- रह. से अधिक है

और जिसकीं सं० भूमि है तथा जो चीकडपनद्धी, हैदराबाद मेंस्थित है (और इससे उपाद अनुसूची श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय हैदरा दि मे रजिस्ट्रीकरण श्रंधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख फरवरी 1985

को प्वोंक्त संपर्ति के उचित बाजार मृस्य से कम के क्यामान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गर्द है और मृझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृस्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का बन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया पवा प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य हे उन्त अन्तरण जिलिखत में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) बन्तरकृतं हुइं किसी बाय की बायतः, उक्त बिधिनयम के अधीन कर दोने के अन्तरक के बायित्व में कमी करने या उससे अचने में सुविधा के लिए; बाँड/या
- (क) एसं किसी आय या किसी धन या कृन्य आस्तिबों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उनत अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्यांजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अवः, उक्तः अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरकः ॣर्ने, मैं तक्त अधिनियम की धारा 269-भ की उपधारा (/;) के क्योन निम्नि**सिठ स्यीक्तयों . सर्थात** १/—— (1) श्री राधवरेड्डा ए० घर नं० 3-4~526/2/3/सा, बरकतपूरा, हैदराबाद

(भ्रन्तरक)

(2) श्रीमती एस० रत्नवेना, घर नं० 3-4-526/2/3/बा, बारकतपूरा, हैदराबाद।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्विक्स सम्पर्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन् के सम्बन्ध में कोई भी आर्थप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की बविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की सविध, जो भी सविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रविकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपुत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद् किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पाए लिखित में किए बा सकेंगे।

स्प्रद्भिकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परि-भाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

विस्तार्ण 665 चौ गज, चीइकडपल्ला, हैदराबाद, रजिस्ट्रोकृत विलेख नं० 143/85, रजिस्ट्रीकना प्रधिकारी चीस्कस्डपब्ली

> एम० जगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) भर्जन रेंज, हैदराबाद

दिनांक : 7-10-1585

प्ररूप आहूर.टी.एन.एम. -----

भागकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद दिनांक 7 ग्रक्तूबर 1985

निवेश सं० श्रार०ये०सी०नं० 384/85-86--श्रतः मुझे एम० जगन मोहन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पदचात् 'उक्त अधिनिम' कहा गया हाँ), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मृल्य

1,00,000 / - रु. से अधिक हैं

और जिसकी सं० भूमि है तथा जो पैदा काकानो गंटूर में स्थित है (और इसमे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है) रजिस्ट्रोकर्ता अधिकारी के कार्यालय गंटूर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1898 का 16) के अधीन तारीख फरवरी 1985

को पूर्वोक्स संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के एर्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूफ्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्स संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्वेष्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अंतरण से हुर्इ किसी आय की साबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरफ के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/वा
- (ख) ऐसी किसी जाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयक्तर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ख्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिभाने में सुविधा के लिए।

जतः अस, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण भें, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्नीलिखित व्यक्तितयों, अर्थात् :— (1) श्री एल० जगपती राज पिता नागय्या। पेदा काकानी, गंटूर।

(ग्रन्तरक)

(2) श्रीमती डा० टी० नागमनी पित डा० सी० एच हरीप्रसाद, चंद्रमाली नगर, गूटूर ।

(भ्रन्तरिती)

को <mark>यह</mark> सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति को अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त मंपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधिया तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख़ में 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बव्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास निश्चित में किए जा सकोंगे।

स्पट्टीकरण:—-इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, यही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि विस्तीर्ण नं० 1.78, एकड़ पेदा काकानी गूंटूर जीला, रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 771/85, रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी गूटूर ।

> एम० जगन मोहन सक्षम प्राधिकारी महायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

दिनांक : 7-10-1985

महिर 📜

प्ररूप भाइ⁵. टी. एन. एस. --- ----

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-न (1) के अधीन स्चना

भाउत करका

कार्यालय, सहायक अध्यकर आयुक्त (निरक्षिण)

श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 7 ग्रक्तूकर 1985

निदेश सं० श्रार० ये० सी० नं० 385/85-86-श्रतः मुझे एम० जगन मोहन

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परकार 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-इ के अधीन सक्षम प्राधिकारों की, यह विश्वस्य करने का कारण हैं कि स्थावर संपर्तित जिसका उचित बाजार मृन्य 1.00,000/- रु. से अधिक हैं

और जिसकी सं० भूमि है तथा जो आटामाटा विजयवाडा में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय विजयवाडा में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख फरवरी 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए जन्तरित की गई है जौर मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरित्यों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निस्तित हो सम्मित्वक मूप से कथित नहीं किया गया है

- (क) जन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत उक्त बर्षि-नियम के बधीन कर शेने के जन्तरक के दायित्व में कमी करने या उच्चे बचने में सुविधा वे किए. प्रीर/यर
- (क) ऐसी किसी आय या जिसी भन वा जन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय आयकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या भन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तरिती द्वार प्रकट महीं किया गया था या किया आना चाहिए था, छिपाने में सुविधा असे लिए;

जर अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्नरण मों, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ः—— 7—316GI/85 (1) के० श्रक्तिनिडू पिता रघुरामया, और श्रन्य सिद्धार्ता नगर विजयावाडा → 10

(ग्रन्तरक)

(2) डा० संनकरा भस्करा राव पिता लक्षमय्य , सिद्धार्थ नगर विजयवाडा → 10

(श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करुको पूर्वोक्त सभ्यत्ति के अर्थन के सिए कार्यवाहियां करता हुं॥

उक्त सुम्पत्ति के अर्थन् के सम्बन्ध में कोई भी नाक्षेष् :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होता हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपर्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गुवा है।

नग्स्ची

भूमि श्रार० एस० नं० 13/1, पाटामाटा विजयवाडा, 0.50 सेंटस, रजिस्ट्रीकर्ता विलेख नं० 1062/85, रजिस्ट्री- कर्ता श्रीधकारी विजयवाडा ।

एम० जगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

दिनाक : 7-1--1985

प्ररूप भाइ. टी. एन. एस.-----

भाषकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अधीन सुचना

सारत तरकार

क्षार्यासय, सहायक बायकर बायुक्त (विद्रीक्षण)

म्रर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबद, दिनांक 7 ग्रक्तूबर 1985

निर्देश सं० ग्रार० ये० सी० नं० 386/85-86--ग्रतः मुझे एम० जगन मोहन

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-च के अधीन सक्षण प्रधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मुस्च 1,00,000/- क. से अधिक हैं

और जिसकी मं० भूमि है तथा जो रामावरपाडू विजयवाडा में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारों के कार्यालय विजयवाडा में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख फरवरों 1985

को पूर्वोक्त सम्मित के उचित बाजार मृत्य से कम के इस्यमान प्रतिफल के लिए रिजस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके उद्यमान प्रतिफल से, होसे इस्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिकास से अधिक है और भत्तरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफन, निम्नसिखत उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तिविक रूप से किथत नहीं किया गया है:----

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्य में कमी करने या उससे अधने में सुविधा के लिए; और/वा
- (स) ऐसी किसी बाय या कसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें अप्रतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सृथिधा के किए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) को अधीयः निम्ननि**रित व्यक्तियों वर्षात ⊪**— (1) डी० हारोन्द्रा, पिता डो० रामाराव, विजयवाडा ।

(श्रन्तरक)

(2) रामचन्द्रा विश्रम टूम्बरू, पिता विश्रम ग्रत्भाराम टूम्बरु, गृतदला, विजयवाडा ।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना कारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हुई।

उक्त सम्पत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी साक्षेप 🗁 🕶

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्वान की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी को पास जिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टिकरणः इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया

अनुसूची

भूमि श्रार० एस० नं० 128, रामावर पाडू विजयवाडा सालूक, विस्तीर्ण 1420 चौ० घर की भूमि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 655/85, रजिस्ट्रीकर्ती श्रधिकारी विजयवाडा ।

एम० जगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, हैदराबाद

विनांक : 7- 10-1985

प्ररूप **वार्** . टी., एन., एस<u>ः</u> वरण्यान

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भाडा 269-घ (1) के अभीन स्चना

भारत जरकार

कार्यालय, सहायक वायकर वायुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनाँक 7 अन्तूबर 1985

निदेश सं० ग्रार० ये० सी० नं० 387/85-86—ग्रतः मुझे एम० जगन मोहन नायकर गीधनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परधात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख को अधीन सक्षम प्राधिकारों को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं और जिसकी सं० घर हैं तथा जो चीनकडपल्ली हैदराबाद में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध चन्यूची में और पूर्ण रूप वर्षात हैं) रजिस्टोकर्ती ग्राधिकारों के अध्यालय चेंक्य हैं

मे स्थित हैं (और इससे उपाबंड चनुसूची में और पुण क्य बिणत है) रिजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के आर्यालय चे कि इन्हें-पल्ली सें रिजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के क्यमान अतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एस अन्तरण के लिए तथ पावा गया प्रतिफल, निम्निलिसित उद्वेष से उक्त अन्तरण किचित में नास्तिक रूप से किचत नहीं किया गया है क्ष्म

- (क) अन्तरण से हुई किसी आव् की बाबत, डेक्स अधिनियम के अधीन कर दोने में अन्तरक में दायित्व में कभी करने वा उससे वचने में सुनिधा के लिए; और/वा
- (क) ऐसी किसी बाय या किसी भन या बन्य ब्रास्तियों की जिन्हों भारतीय बायकर अधिनियम, 1922 । 1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-र अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना बाहिए था, ख्रियाने में सृविधा व ित्सा

अतः जब, उक्त अधिनियम की भारा 269-म के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नीलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

(1) श्री एम० वेंकटराव पिता वेंकटेम्बर राव,
 प्लाट नं० 10, श्रार्रावदनगर,
 श्रशोकनगर एक्सटेंशन, हैदराबाद ।

(भ्रन्तरक)

(2) श्रीमती एस० मनीप्पा पति एस० राडी रेड्डी, जोगीपेट, मेढक जिला ।

(श्रन्तिरती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी म्यक्ति इवारा;
- (क) इस स्वान के राजपत्र में प्रकाशन की तारी कसे 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिलबद्ध किसी जन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पब्दीकरणः — इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

वन्स्ची

भूमि विस्तीर्ण 267 चौ गज, डी० नं० 1-1-336/108, चीक्कडपल्ली, हैदराबाद रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 211/85, रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी चीक्कडपल्ली ।

एम०जगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजेन रेंज, हैदराबाद

दिनाँक : 7-10-1985

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनाँक 7 अक्तूबर 1985

निदेश मं० श्रार० ये० मी० नं० 388/85-86---श्रतः मझे, एम० जगन मोहन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी मं० फ्लेट है तथा जो चीक्कडपल्ली, हैदराबाद में स्थित है (और इससे उपाबड प्रनुसूची में और पुर्ण रूप से विणित है) रिजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय चीक्कड-पल्ली में रिजिस्ट्रीकरण प्रधितियम 1908 (1908 का 16) के प्रधीन नारीख फरवरी 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) जार अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तब पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्दंश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुइ किसी आध की, बावत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क्ष) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिसी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, भ¹, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, नर्थात्:—

- (1) श्रीमती के० शकुंतला पति श्रार० रामूल, 1-8-556/3, चीक्कडपल्रली, हैदराबाद । (श्रन्तर्क)
- (2) श्री सी० एच० वेंकटराव पिता विरभद्मय्या, 1-8-340/10, चीक्कडपल्ली, हैदराबाद।

(भ्रन्तरिती)

को यह स्वना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्णन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक्ष से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास तिखित में किए जा सकीं।

स्पष्टीकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है:

अनुसूची

पलेट नं० 2, प्रथम तल, घर नं० 1~8~556/5, चीक्कड-पल्ली, रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 235/85, रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी चीक्कडपल्ली ।

> एम० जगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर घ्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

दिनाँक : 7-10-1985

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

नामकर विभिन्नियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के बभीन स्थान

भारत सरकार कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनाँक 7 श्रक्तूबर 1985

निदेश सं० ग्रार्०ये० सी० नं० 389/85-86--ग्रतः मुझे, एस० जगन मोहन,

नायकर अिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (चिसे इसर्वे इसर्वे पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार कृत्व 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लेट है तथा जो वेंकर्टक्रुपा श्रपार्टमेंटस, दोमलगूडा में स्थित है (और इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है) रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय चीक्कडपल्ली में रिजस्ट्रीकरण श्रधितियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन नारीख फरवरी 1985

करें प्रोंक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृस्य से कम के स्ववान प्रींतफल के जिए अन्तरित की गई है और मृक्षे वह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विक्त संपत्ति का उचित बाजार मृस्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे स्वयमान प्रतिफल का नन्त्रह प्रतिकृत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तब बाबा नवा ब्रीह-फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त-विक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- 4क) अन्तरण से हुइ किसी बाय की बावस, अवक अभिनियम के अभीन कर दोने के बन्तरक के दाविस्य में कमी करने वा उत्तरे बचने में बृविभा के हैं तर्; और/भा
- (क) एंसी किसी जान वा किसी धन वा वत्त्र वास्तियों को, विलहें अरतीय बासकर विधीनवन, 1922 (1922 का 11) या उन्हर विधीनवन वा धनकर विधीनवन, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना वाहिए वा, कियाने वें स्विधा के सिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्ः—

- (1) मेसर्स एमके एसोनिएटस,
 वाई श्री वी० वी० कामत,
 1-2-24, गगन महल रोड, हैदराबाद।
 (श्रन्तरक)
- (2) श्रीमती एम० मुशीला पति डा० एम० के० मेनन, फ्लेट नं० 105, डी० नं० 1-2-24, दोमलगूडा, हैदराबाद।

(भ्रन्तरिती)

को वह त्वना वारी करके पूर्वोक्त संपर्ति के वर्जन को सिक्ष कार्वनाहियां करता हो।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 विच की बनीभ या तत्सम्बन्धी स्यामतयां पर सृजन। की ताबीस से 30 दिन की बनीभ, का भी बयीभ वास में तबापत होती हो, के भीतर पूर्वाचत स्थापता में किसी व्यक्ति द्वारा;
- (सं) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में दिल्ल-वस्प किसी जन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के वास निवित वे किए वा सकेंगे।

स्पष्टिकरण: --इसमें प्रयुक्त कव्यों और पर्यों का, जो उक्त विभिन्नमें, के अध्याय 20-के में परिभाषित हैं, वहीं वर्ष होंगा को उस अध्याय में दिया गया है।

वन्स्ची

फ्लेंट नं० 105, वेंकटकुपा श्रपार्टमेंटम दोमलगूडा डी० नं० 1-2-24, हैदराबाद रिजस्ट्रीकृत घिलेख नं० 264/85 रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी चीक्कडपल्ली ।

एम० जगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर स्रायुक्त (निरीक्षण) स्रर्जन रेंज, हैदराबाद

दिनांक : 7~10-1985

इक्ष् बाइं . टी . एव . एक् .,-----

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अभीन सुचना

बाउन चडकांड

कार्यस्य, सहायक भायकर भायकत (विरोधान)

भ्रर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनाँक 7 ग्रक्तूबर 1985

निदेश सं० भ्रार० ये० सी० नं० 390/85-86--अतः मुझे, एम० जगन मोहन

नायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अभिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-के के अभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का आपण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मृस्थ 1,00,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लेट है तथा जो साइबाबा टेंपल पाटामाटा में स्थित हैं (और इस उपाबड अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय विजयवाड़ा में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख फरवरी 1985

का पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, इसके दश्यमान प्रतिफल से, एमं दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निश्चत में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की नायत, अन्त त बर्शिनियन के अभीन कर दोने के अन्तरक के बावित्य में कमी करने या उत्तरे ब्लने में सुविधा के सिए; और/वा
 - (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) को प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में द्विया के विष्:

कतः जब, उन्द त अभिनियम की भारा 269-व के अनुसरण में, में, जकत अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियाँ अर्थात् :--- (1) श्री वी० प्रभु किशोर और श्रन्य एक मेसर्स कान्टीनेंटल विल्डर्स रिंग रोड, विजयवाडा।

(भन्तरक)

(2) श्री कें बापीराज, पिता कृष्णा राजू, फ्लेट नं बी-11, शाँती श्रपार्टसेंटस, पाटामाटा, विजयवाडा ।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना वारी करको पूर्वोक्त सम्पत्ति को वर्षन को तिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

बस्त बन्दरित के वर्षन के बन्दरभ वो कोई भी नालर :----

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं से से 45 विन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वार;
- (क्ष) इस स्कान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीत से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित्यवृथ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के दास लिखित में किए जा सकोंगे।

भ्यष्टोकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों जार पदाँ का, जो उक्स अधिनियम, को अध्याय 20-क में यथा परि-भाषित हीं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

ए फ्लेट नं० बी०-11 साइबा बा टेंप्स पाटामाटा, विजयवाडा विस्तीर्ण 1050 चौ फुट रिजस्ट्री कृत विलंख नं० 946/85, रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी विजयवाडा ।

एम० जगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (रिक्षिण) श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

दिनाक : 7-10-1985

प्रस्प बाहै.टी.एन.एस------

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर आयुक्त (निरीक्षण) प्रजीन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनाँक 7 प्रक्तूबर 1985

सं० धार० ए० सी० नं० 391/85-85:--- प्रत मुझे, एम० जगन मोहन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-का के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विक्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उच्चित बाजार मृत्य 1,06,000/- रु. से अधिक है

ग्रोर जिसकी संख्या फ्लैट है जो श्रारूणा बिल्डर्स भागलारजपुरम में स्थित है श्रोर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रोर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्त्ता श्रधिकारी के कार्यालय, विजयवाड़ा में भारतीय रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का का 16) के श्रधीन, तारीख फरवरी, 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफाल के लिए अन्त्रित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपिति का उचित बाजार मूल्य असर्ज दश्यमान प्रतिफाल का पन्त्रह अति दश्यमान प्रतिफाल का पन्त्रह अति दश्यमान प्रतिफाल का पन्त्रह अति ते से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफाल, निम्नीनिवात उन्हें किया नवा कि हम्मीनिवा को सास्तिक रूप से कियाद नहीं किया नवा कि हम्मीनिवा को सास्तिक रूप से कियाद नहीं किया नवा कि

- (क) जन्तरण से हुइ किसी आय जी बाबत उक्त अभिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक को वायित्य में कमी करने या उससे अचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) एंसी किसी जाय या किसी धन या जन्य जास्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था वा किया जाना चाहिए था, खिपाने में सृविधा के लिए;

सत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मं, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की तण्धारा (1) के अधीन, निम्नलिखिस व्यक्तियमों. अर्थात् ध--- मैं गर्म श्रारूणा विल्डर्म, बाई० पार्टेनर, श्रो व्ह् एप० पाँड्रंगाराजू, भोगलराजपुरम, विजयवाड़ा।

(श्रन्तरक)

 श्री के० राघवेन्द्रा राव पिता ग्रंजनेयावरा प्रसाद बिडाघावेलू, वेरट गोदावरी जिला।

(भ्रन्तरिती)

न यह स्थता भारी करकें प्याक्त सम्प्रोस्त के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

तकन सम्पन्ति को अजन को सम्बन्ध मा का**हा भी वालेप:--**

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियाँ पर स्चना की तामीस से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र मों प्रकाशन की तारीख से 15 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति मों हितबद्ध किसी जन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिचित मों किए या सकेंगे।

स्पच्छीकरणः ----इसमें प्रयुक्त संख्यों और उदों का, बा उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ क्रोगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

नन्स्वी

एफूलैंटआरूण बिल्डर्स, भागल राजपुरम, विजयवाड़ा, विस्तीर्ण 615 चौ० गज, रिजस्ट्रीकृत, विलेख नं० 1163/85 रिजस्ट्रीकर्त्ता अधिकारी, विजयवाड़ा।

> एम० जगन मोहन सक्षम प्राधिकारी सहायक ब्रायकर ब्रायुक्त (निरीक्षण) ब्रजीन रोज, हैदराबाद

तारीख: 7-10-1985

मोहर ः

प्रस्थ्य आर्ड. टी. एन. एच.----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन स्चना

भारत सरकाड

कार्यालय, सहायक जायकर जायकत (निरक्तिक) श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 7 ध्रक्तूबर, 1985

सं० प्रार० ए० सी० नं० 392/85-86--ग्रतः मुझे, एम० जगन मोहन,

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसके परवात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), भी भारा 269- व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वात करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित संखार मृस्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

ग्रीर जिसकी संख्या फ्लैट है जो बब्नीपेट, विजयवाड़ा में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबड़ ग्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्त्ता ग्रिधिकारी के कार्यालय, विजयवाड़ा में भारतीय रजिस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन, तारीख फरवरी, 1985

करे पूर्वोक्त सम्पत्ति के अचित बाजार मूल्य से कम के क्षयमान इतिफल के लिए अन्धिरत की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार भूल्य, उसके क्षयमान प्रतिफल से, एसे क्ष्यमान प्रतिफल के पन्त्रह प्रतिकृत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे बन्तरण के लिए तय वाबा गया प्रति-फल निम्नलिबित उद्योग्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिकक क्षत्र के किथत नहीं किया गया है है—

- (क) जंतरण से हुई कियों शाय की शायत, उसत अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दावित्व में कमी करने वा उससे वचने में द्विशा के विद; शरि/या
- (क्ष) प्रेमी किसी कान ना किसी थन ना जन्म नास्तियों को जिन्हों भारतीय नायकर निर्धानयम, 1922 (1922 का 11) या उनत निर्धानयम, ना धन-कार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के अनोशभार्य जन्मदिती ब्वाहा प्रकट नहीं किया बना या किया जाना चाहिए ना, कियाने में सुनिया के शिक्षए;

बतः सब, उक्त अधिनियम की धारा 269-न के अनुसरण कों, सी, उक्त अधिनियम की धारा 269-न की उपधारा (1) के अधीन, निश्नितिकित व्यक्तियों, अर्थात् ः ⊬

- श्री डी० ग्रप्पलाराज् पिता वेंकटराजू, कवितम, नरसापूर, तालुक, वेस्ट गोदावरी। (श्रन्तरक)
- श्रीमती कामूपली विजयालक्की पति जोमीबाबू, बब्नीपेट, विजयवाड़ा।

(ग्रन्तरिती)

को बहु सूचना जारी करके पूर्वोक्त संस्थिति के वर्जन के जिए कार्यवाहियां करता हुं ।

उक्त उम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में करेड़ों भी बाह्येय:---

- (क) इस नुवना के रावपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 विन की जनिथ या तत्संबंधी व्यक्तियों दर वृचन की दामीस से 30 दिन की व्यक्ति, को बी वनिथ नाद में समाप्त होती हो, के भीतर वृचांबद व्यक्तियों में से विस्ती व्यक्ति ब्वारा;
- (स) इस सूचना के राज्यत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पन्ति में हित- किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोइस्ताक्षरी के बाब जिल्ला में किए या सकेंगे।

स्वयाधिकरणः --- इसमें प्रयुक्त कथ्यों और पद्यों का, यो उक्क विभिन्नियम, के ब्रुथाय 20-क में परिभाकित है वहीं सर्थ होगा जो उन प्रवयाय में दिया गया है।

नमुस्ची

फ्लैट दूसरा मंजला, वित्तीर्ण 900 चौ० फुट, बिनीपेट, वार्ड नं० 11, ब्लाक नं० 4, विजयवाड़ा रिजस्ट्रीकृत विलेख नं० 762/86, रिजस्ट्रीकर्त्ता श्रिधकारी, विजावाड़ा।

> एम० जगन मोहन, सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख: 7-10-1985

मोहरः

प्रकृष जाहरी, दी, एन , एस

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सुचना

नारत तरकार

कार्यासय, सहायक आयकर बायुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन, रेंज, हैदराबाद

हैदराबद, दिनाँक 7 दिसम्बर 1985

सं० श्रार० ए० सी० नं० 393/85→86——श्रतः मुझे, एम० जगन मोहन,

हायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है'), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का जारण है' कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मृन्य 1,00,000/- रा. से अधिक है'

ष्रौर जिसकी संख्या भूमि है जो बालागा विलेज, श्रीकाकूलम जिला में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध ध्रनुसूची में ध्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्त्ता श्रधिकारी के कार्यालय, श्रीकाकूलम में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, नारीख फरवरी, 1985

(1908 का 16) के श्रधीन, तारीख फरवरी, 1985 का पूर्वोक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूर्फे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपोक्त का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का बन्द्रह प्रतिक्षत स अधिक है और अंतरिक (अंतरिकों) और अंतरिक्षी (अन्तरित्यों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्मलिखित उद्वश्य से उक्त अन्तरण लिकित में में अम्तरिक रूप से कि दिन नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या अक्त ग्रीधीनयम: गः धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया ग्राप्त था का काना चाहिए चा, सिगाने में अधिका की विषय

मत: अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अन्धरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीत :----8---316GI/85 श्रीमती पी० सत्यनारायण पम्सा पति आपाराय, बालगा विलेज, शोकाकूलम जिला।

(मन्तरक)

2. श्री रेईं। राममूर्ति, पिता शिवनारायण बालगा विलेज, श्रीकाक्षम जिला।

(भ्रन्तरिती)

को यह स्वना जारी करके पूर्वाक्त सम्पत्ति के अर्कन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के वर्षन् के सम्बन्ध में कोई भी नालोग :---

- (क) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीं से 45 दिन की जबिंध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की जबिंध, जो भी जबिंध बाद में समाप्त होती हो, को भीतर प्रवेक्त स्वित्यों में से किसी स्वित्त द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-वद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताकारी के पास निवित में किए जा सकरें।

स्पष्टीकरण:---हसमें प्रयुक्त सब्दों और पदों का, जो उसत जिभिनियम, के जभ्जाय 20 क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस जभ्याम में दिया गवा है।

नगुसूची

्मि विस्तीर्ण 1.01 एकड और 1/2 मेंटम, बालगा विलेज श्रीकाकू म, जिला, रिजस्ट्रीकृत विलेख त० 446/85, रिजस्ट्रीकर्त्ता ग्रिधिकारी, श्रीकाकूलम।

एम० जगन मोहन, सक्षम प्राधिकारी, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (िरीक्षण) श्रर्जन रेंज, हैदराक्षाद

तारीखा: 7-10-1985

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालया, सहायक आयकर आय्वत (निरक्षिण) ग्रजीन रेंज, हैश्राबाद

हैदराबाद, दिनाँक 7 प्रक्तबर 1985

मं० श्रार० ए० मी० नं० 394/85-86:----ग्रतः मुझे, एम० जयन मोहन,

भागकर मिभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिले इसमें इसके परवात् 'उक्त अभिनियम' कहा गया है), की धारा 269-वा के अभीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पन्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,,00,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी संख्या भूमि है जो वाल्टीयवार्ड रामनगर, वैझाग, स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण कर से विणित है), रिजस्ट्रीकर्त्ता ग्रिधिकारी के कार्यालय, कैलाग में भारतीय रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन, तारीख फरवरी, 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उषित बाबार मूल्य से कम के स्रयमान प्रतिफल के लिए अस्तरित की गई है और मूझे ग्रह विश्वास करने का आरण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उपित बाजार मूक्य, उसके द्रयमान प्रतिफल से एसे द्रयमान प्रतिफल का कंक्ट प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकाँ) और अंतरिती (अन्तरितिवाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पामा गया प्रतिफल निम्निलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में पास्तीवक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आयः की बाबता, उक्त अधिनयम के अधीन कर घोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (का) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अबः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्मरण मैं, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्लीसिंखत व्यक्तियों, अर्थात्:— श्री कोडी सूबा राव पिता के विरम दूंडु, 10-7-73, रामनगर, विधाखायटनम ।

(भन्तरक)

2. श्रीमत बिमना देविची रारीता, पति श्री पी० मी०, जारारीया श्रीर अस्प घर नं० 10-38-21 ए, विशाखापटनम। (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्स सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस राचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्मम्बन्धी व्यक्तिमों पर सुचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होता हो, के भीतर प्रविक्त व्यक्ति यों में से किसी व्यक्ति द्वाराः
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थाबर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति ह्वारा अधेहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः --- दसमें प्रयूवत शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियमा, के अध्याय 20-क में परिभाषित हों, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हो।

अनुसूची

भूमि विस्तीर्ण 480 ची० गाः, बान्टीयर वार्ड, रामनगर, विणाखापटनम, रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 1460/85, र्राजरहीकर्ता ग्रिधिकारी।

> एम० जगन मोहन सक्षम प्राधिकारी, गहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

नारीमा: 7-10-1985

प्रक्रम आह्र', टी. एन. एक ,------

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सुचना

भारत तरकार

कार्यां नय, सहावक शायकर गायुक्त (निरक्षिण)

भ्रर्जन रेंज, हैटराबाद

हैदराबाद, दिनाँक 7 श्रक्तूबर 1985

सं० मार० ए० सी० नं० 395/85 86ः -- श्रन मुझे, एम० जगन मोहन,

वायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चाद 'उकत अधिनियम' कहा गया है"), की धारा 269 ज के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विकास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उजित बाजार मृत्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

श्रौर जिसकी संख्या फ्लैट है जो मेधता श्रपार्टमेंट्स सिकन्दरा~ बाद स्थित है (श्रौर इसमे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रिजिस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय, गारेडपल्ली में भारतीय रिजिस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, नारीख फरवरी, 1985

को पूर्वेक्ति सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्ति सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल के पंत्रह प्रतिकत से अधिक है और अंतरिक (अंतरिकों) और अंतरिकी (अंतरितियों) के बीच एसे बंतरण के लिए तथ पाथा गया प्रतिफल, निम्निकित उद्देश्य से उक्त अंतरण निकित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है —

- (क) विकरण से हुई किसी शाय की वाबत, उक्त अभिनिवय के अभीन कर दोने के बन्तरक औ दायित्व में कभी अपने या उससे वचने में सुविधा के सिए। बॉर/बा
- (क) ऐसी किसी जाय का किसी भन या अन्य जास्तियों की, जिन्ही भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनयम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) की प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, डिपानी में सुविधा के लिए।

ं जतः जन्न, उक्त जिभिनियम की धारा 269-ग के अनुसरक में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (१) क अधीर, निक्सीतिक्ति व्यक्तियों, अधीरः--- मैं सर्स मेघना कन्स्ट्रश्यान,
 225/ए, त्रिपनी, गारेडपल्ली, रोड,
 सिकन्दराबाद-26।

(भ्रन्तरक)

श्री ग्रशोक चावला श्रीर
 श्रीमती मिनकाचावला,
 फ्लैंट नं० 11, मेघना ग्रपार्टमेंटस,
 वेस्ट मारेडपल्ली,
 सिकन्दराबाद-26।

(भन्तरिती)

का गह स्चना जारी करके पूर्वांक्स सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहिया शुरू करता हूं।

जनत सम्परित के नर्जन के संबंध में कोई भी नाक्षेप ६---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पद सूचना की तामील से 30 विन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबह्रभ किसी जन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरेंगे।

धनुसूची

फ्लैंट प्लं० 11, मेघना अपार्टमेंटस, वेस्ट मारेडपल्ली, सिकन्दराबाद, रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 481/85 रजिस्ट्री कर्त्ता अधिकारी गारेडपल्ली।

> एम० जगन मोहन सक्षम प्राधिकारी, सहायक आयकर प्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, **हैदराबाद**

तारीखं: 7-10-1985

प्ररूप आहे. टी. एन. एस.-----

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च के अधीन सूचना

भारते सरकार

कार्यालया, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

म्पर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनाँक 7 प्रक्तूबर 1985

स॰ ग्रार ए० सी० न० 396/85-86:—-ग्रत मुझे, एम० जगन मोहन,

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारों को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार म्ल्य 1,,00,000/- रु. से अधिक हैं

ग्रीर जिसकी संख्या भूमि है, जो चन्दूलाल बावलो विलेज में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्त्ता ग्रिधिकारी के कार्यालय गारेड पल्ली से भारतीय रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन, तारीख फरवरी, 1985

न्ये पूर्वावित समपत्ति के जीवत नाजार मृस्य से कम के अवस्थान प्रतिकाल के लिए रिवास्ट्रीकृत विसंच के अनुसार अन्त-रित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का नगरण है कि यथापृत्तीकत संपत्ति का उपित नाजार मृत्य उसके कामनान प्रतिकाल से एंसे रस्यमान प्रतिकाल का पन्त्रह प्रतिवात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (जन्सी रितियों) के नीच एसे अन्तरण के लिए तम पामा ममा प्रतिकाल, निस्तिवित उपुरुषेय से उस्त अन्तरण निकित में नाजिस कम से कथित नहीं किया कना है कि

- (क) अन्तरण से हुई जिल्ही बाब की वाबक, उपल अधिनियम के अधीन कर दोने के जन्मरक को दाक्तिया में क्यी करने वा असबे बाबने में सुविधा के तिह; और/वा
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्यारा प्रकट नहीं किया गया था किया जाना शाहिए था, छिपाने में सूविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मैं, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ण की उपभारा (1) के अधीन, निम्नोलिक्त व्यक्तियों, अर्थात् :—

श्री मती के० व्ही० उकम्मा
पित के० वेंकट रेड्डी भीर श्रन्थ
चन्दूलाला बावली सीख विलेज,
सिकन्दराबाद।

(अन्सरक)

2. श्री द्वी० संजीवय्यनगर को० श्रापरेटिव हाउसिंग सोसायटी, 103, जयन्ती अपार्टमेंटस, चन्द्रलोक काम्पछेक्स, सिकन्दराबाद।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना चाड़ी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्वन के जिस् कार्यवाहियां शुरू करता हुई।

हक्क सम्मारित के बर्चन के सरवस्थ में कोई भी बाईएं.---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारिख धं 45 दिन की अविधि या तस्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोकः व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ब) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीब ने 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति इवाग अधोहस्ताक्षरी के पास निवित में किए था सकेंगे।

स्पर्वाकरण हि—इसमें प्रयुक्त सब्दों नीर पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसुची

भूमि विस्तीर्ण 2 एकड़, एस० नं० 25, चन्दूलाल बावली, सीखिवलेज, सिकन्दराबाद, रिजस्ट्रीकृत विलेख नं० 340/85, रिजस्ट्रीकर्त्ता प्रधिकारी गारेडपल्ली।

> एम० जगन मोहन, सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीखा: 7-10-1985

प्रकमः भार्*्टी स्वर्ध्य हु-----

बाबकर जिथिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के सभीन सूचना

भारत सरकार

कार्थासय, सहायक आयकर आयुक्त (निर्दालक)

श्चर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनाँक 7 भ्रम्तूबर 1985

सं० श्रार० ए० सी० नं० 397/85-86:--श्रत मुझे, एम० जगन मोहन,

धायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसर्जे इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी करें यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

भौर जिसकी संख्या हमारत है जो पेडीमोटलाबारी स्ट्रीट, गबहरनरपेट में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में भौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्त्ता श्रीधकारी के कार्यालय, विजयवाड़ा में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के स्रधीन, तारीख फरवरी, 1985

को पूर्विकत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृष्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विकत सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृष्यमान प्रतिफल से एसे दृष्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिकत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरक के लिए तब पाया गया प्रतिफल, निम्नलिकित उद्वरेय से उक्त अन्तरक दिल्ला में वास्तिक रूप से कथित महीं किया ग्या है:---

- (क) अन्तरण संहुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियत के अधीन कर वने के अंतरक के बाबित्थ में कमी करने या उससे वचने में सुविधा के सिष्टु; और/या
- (च) एसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों का, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती ध्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुविभा के सिए;

बतः वंव, उक्त विधिनियम की धारा 269-व के बनुसरक वो, वो, उक्त विधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के विधीन, निम्मिनिवत व्यक्तियों, वर्षात् एक्स श्री के॰ रामकृष्णा राव पिता सीता रामय्या श्रीर श्रन्य सूर्यारावपेट, विजयवाड़ा।

(अन्तरक)

 श्री ई० मोतीराव पिता नूका राजू, सूर्यारावपेट, विजयवाड़ा।

(श्रन्तरिती)

का यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्णन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति को अर्जन को संबंध में कोई भी काक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त स्थितयों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य विक्त द्वारा अधोहस्त्याकारी के पास निवित्त में किए जा सकोंगे।

स्पव्यक्तिकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनिवसं, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

भ्रनुसूची

घर नं० 27-17-28, पेद्रीमोटबालारी स्ट्रीट, म**म्ह**हरनर पेट, विजयबाड़ा, रजिस्ट्रीकृत, विलेख नं० 702/85, रजिस्ट्री कर्त्ता श्रिधकारी विजयबाड़ा।

> एम० जगन मोहन मक्षम प्राधिकारी महायक श्रायकर श्रायुक्त (निरोक्षण) श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख: 7-10-1985

माहर 🤫

प्रकृष भाष्ट्री, टी., प्रमृत् पुर्वात-ना-ना

बायकर विभिनियन, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के बभीन स्चना

भारत परकार

कार्यासय, सहायक बायकर बाब्क्स (निरक्षिण)

श्चर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनाँक 7 प्रक्तूबर, 1985

ं मं० ग्रार० ए० सी० नं० 398/85-86:--ग्रत मृक्षे, एम० जगन मोहन,

नायकर निधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसकें इसके परजात 'उनत अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-व के नधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वाद कड़ने का कारण है कि स्थावर संपीच, जितका शक्रित बाबार मून्य 1,00,000/- रु. ते निधक है

स्रोर जिसकी संख्या प्रेमीसेस है, जो खुश्री मंजिल ए० सा० गार्डन, स्थित है (ग्रीर इसमे उपावद अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रोकर्त्ता ग्रिधकारी के कार्यालय, हैदराबाद सें भारतीय रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन, तारीख फरवरी, 1985

को पूर्वाक्त सम्मित्त के उपित बाजार मूल्य से कन के स्वमान प्रतिपत के लिए क्विरित की गई है और मुझे यह विश्वन करने का कारण है कि स्थान के स्वाद कमित का उपित वाजार मूल्य, उसके स्वमान प्रतिपत्त से, ऐसे स्थानन प्रतिपत्त का गंद्रह प्रतिप्रत से अधिक है और अंतरक (अंवरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के भीच ऐसे अन्तरण के निए तय पावा गया प्रतिपत्त, निम्निविच उपविच्य से उसत अप्युण विचित्त में वास्त्रीयक रूप से कथित नहीं किया गया है कि

- (क) नजरण से हुई किसी कान की नायक, उपल स्थितियम से अधीत कड़ दोने के सन्तरक में सामित्य में कानी कड़ने ना उन्नचे न्यूने में सुनिया में लिए; नौत/ना
- (क) एसी किसी नाय या किसी धन या किसी नास्तियों को, जिल्हों भारतीय नाम-कर निधिनयम, 1922 (1922 का 11) या उनते निधिनयम, 1922 भन-कर निधिनयम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोद्यार्थ वृष्यों क्या नवा वा किया जाना जाहिए ना, जिनाने वें नृद्धिया के किए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 209-ग के अनुतरण, औं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उनुभारा (1) के अधीन, निस्नितिखित व्यक्तियों, अर्थात् ः—

श्रीमती ए० सूभद्रम्मा
पति ए० मत्यनारायणा राजू,
तौबलो चौकी, हैदराबाद।

(भ्रन्तरक)

मैसर्स रासी सीमेंट लि० बाई०
 श्री ए० व्ह० एन० के० शास्त्री
 ग्रॉफिस एट घर न० 1-10-125,
 ग्रसोक नगर, हैदराबाद-20।

(भ्रन्तिरती)

को सह सूचना बारी करके पूर्वोक्त संपर्तित के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

जनव संपृत्ति के वर्षम के तंबंध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 बिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूजना की वाणीख से 30 बिन की जविध, यो भी नुक्षि बाद में समाप्त होती हो, से भीतर प्रवेदन व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्कूबना के राज्यत्र में प्रकाशन की तहरीय से 45 दिन के भीतप उक्त स्थावर संगत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वास्य अधोहस्ताक्षरी के पास सिचित में किए जा सकत्ये।

रमक्कीकरण: --- इसमें प्रयुक्त सब्बों और पवी का, भी उक्त निमिन्सम् के मध्याय 20-क में परिभान्यत इ, बही वर्ष होना, भी उस मध्याय में दिवा सवा हैं।

arrest.

श्रविभाजित गोर प्रेमीसेस, घर नं० 11-4-646, श्रौर सेपरेटली मार्कड एज 11-4-646/एफ० विस्तीर्ण 475 चौ० गज, रजिस्ट्रीकृत त्रिलेख नं० 1194/85 रजिस्ट्री कर्त्ता ग्रिधकारी हैदराबाद।

> एम० जगन मोहन, मक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख: 7-10-1985

प्ररूप बार्ड , टी. एन्. एस्.,=--=---

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक बायकर बायुक्त ([वर्राक्रण]

अर्जन रेंज हैदराबाद

हैदराबाद, दिनाँक 7 ग्रक्तूबर 1985

निदेश सं० श्रार० ए० सो० नं० 399/85-86:--श्रनः मुझे एम० जगन मोहन

बायकर विभिन्नियम, 1961 (1961 का 43) (विसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अभिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ख के अभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रा. से अभिक हैं

श्रौर जिसकी संख्या प्रेमीसेस है जो खसरूमंजिल ए० सी० गार्डस सइफाबाद में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणित है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय हैदराबाद में भारतीय रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख फरवरी 1985

को पूर्वेक्ति सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूक्षे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित वाजार मूल्य,, उसके दृश्यमान प्रतिफल में, एसे दृश्यमान प्रतिफल का बन्द्रह प्रतिशत से आधक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में शास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) जन्तरण में हुई किसी आय की वायस, उक्त विधिनयज के ज्यौन कर दोने के जन्तरक के वागित्व में कमी करने या उससे वचने में सुविधा के लिए; जॉर/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिस्हु भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर विधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया बाना वाहिये था, कियाने में सविधा की सिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित अस्वितयों, अर्थात् :— 1. श्रीमती वि० वूची राजा पति श्री बी० व्ही निर्मानम्हा राजू कुमझ वली भीमावरम तालुक जिला बेस्ट गोदावरी।

(ग्रन्तरक)

 मैंसर्स रासी सीमेंट लि० प्राफिस एट घर नं० 1-10-125 श्रशोकनगर हैदराबाद-20।

(श्रन्तरिसी)

का यह सूचना जारी करके पृशेषत संस्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी ब्राक्षेप :---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की जगीं या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अविध, को भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन को सारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थानर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसिन में किए आ सक्तिये।

स्पष्टीकरण : ----इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उपत अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

अनुसूची

श्रविभाजित भाग प्रेमी सेस घरनं० 11-4-646 श्रीर सेपरेटली मार्कड एज 11-4-646/एफ० विस्तीर्ण 475 चौ गज खुश्री मंजिल, ए० सी० गार्डस, साइ फाबाद, हैंदराबाद, रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 1239/85 रजिस्ट्रीकर्ता श्रीधकारी हैदराबाद।

> एम० जगन मोहन, यक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायकः (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज,हैदराबाद

नारीख: 7-10-1985

माहर .

प्रारूप आई¹.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-भ के अधीन सुभना

भारत सरकार

कार्यालया, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनाँक 7 अक्तूबर, 1985 -

निवेश मं० श्रार० ए० सी० नं० 400/85-86--श्रनः मुझे, एम० जगन मोहन

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम।' कहा गया है), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचितः बाजार मूल्य 1.,00,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी संख्या सीने थेटर है, जो राजमपेट विलेज कडण्या जिला में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुभूची में श्रीर पूर्ण पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजर्ष्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय, राजमपेट में भारतीय रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनयम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन, तारीख फरवरी, 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उजित बाजार मूल्य से कम के रहयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूट्य, उसके रहयमान प्रतिफल से एसे रहयमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्घेष्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिबक रूप से किथत नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आयः की बाबतः, उक्तः नियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में स्विधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (गे के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:---

 श्री सयद घौसमाही उद्दीन, 12/312, क्रष्टूर गंगय्या स्ट्रीट, गडप्पा।

(भ्रन्तरक)

 श्री शेक खाजा नवाब पिना श्रब्दुल समद येगावगडा स्ट्रीट, राजमपेट, जिला पि औठ जिला कडप्पा।

(ग्रन्सरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर मूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास तिस्ति में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

धनुसूची

30% गेर इन पार्टनर सीप फर्म मैसर्स रजनक थेटर्स, राजममेट, टाउन, कडणा जिला, रजिस्ट्रॉकृत, विलेख नं० 155/85, रजिस्ट्रीकर्ला श्रिधकारी राजमपेट।

> एम० जगन मोहन, मक्षम प्राधिकारी, नहायक ग्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण) प्रजीन रेंज, हैदराबाद

तारोख: 7-10-1985

मोहर 🛭

प्रकप आई.ही.एन.एस.-----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-भ (1) के बभीन सुचना

भारत सरकार

कार्यासय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 7 श्रम्तूबर, 1985

निदेश सं० श्रार० ए० सी० नं० 401/85-86:-- ग्रतः मुझे, एम० जगन मोहन,

नायकर सिंपियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात 'उक्त अधिनियम' कहा गवा है), की भारा 269-ख को अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्भात, जिसका उचित बाजार मून्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

ग्रौर जिसकी संख्या घर है, जो गगनमहल रोड, हैदराबाद में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रोकर्ना अधिकारी के कार्यालय, चौपड़पल्ली सें भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 वा 16) के श्रधीन, तारीख फरवरी, 1985

को पूर्वायत सम्मत्ति के जीवत याचार मूल्य से काम के सरमान् प्रतिफन के लिए बंसरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास कारने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्मत्ति का उत्थित बाबार मल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का उन्दृह प्रतिमत से विश्वक है और बंतरक (बंतरकों) और जंतरिती (बंतरिशियों) के भीच ऐसे जंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निकालिचित उद्वेश्य से उक्त बंतरण लिचित में बास्त-विक रूप से कमित नहीं किया गया है ---

- (क) अंतरण से हुए किसी आय की बाबत, उक्त बीचिन्यम के बाधीन कर दोने के अंत्रक के बाबित्य में कानी करने वा उसचे बचने में सुविधा के लिए; और/स
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हों भारतीय आगणाएं आंश्रीतरम, १९९७ (1922 का 11) ना उपत अधिनयम, दा अनु-कार अधिनयम, १९६७ (1957 का 27) के प्रपारण प्रभावती स्थान एका होती प्रभाव गया सा किया जामा चाहिए आ, छिपाल में सरिवधा अ जिए:

बतः, बद, उद्भतं अधिनियमं की धारा 269-गं के अन्मरण में, भें अकत अधिनियमं की धारा 269-घं की उपधारा (1) में अधील क्रिक्टिसिस व्यक्तियों, बर्भात् :— 9—316GI/85 श्री एम० लक्ष्मीनारायणा पिता लेट ब्रह्माय्य श्रीर श्रन्य, 1-2-42, गगन महल, रोड, हैदराबाद।

(ग्रन्तरक)

 डा० खुर्शीद भ्रत्ली, पिता मीरफजल भ्रली भौर भ्रन्य 22-4-218, कोटला अलीजा, .हैदराबाद।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी कारके पूर्वीक्त सम्पत्ति में नर्वन के लिए कार्यनाहियां करता हुई।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना को राजपण में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अनिध या तत्सम्बन्धी स्यक्तियों पर सूचना की सामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, को भीतर पूर्वोक्त स्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख है 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बहुभ किसी मन्य स्थितत द्वारा वधोद्धस्ताक्षरी के पास निविद्य में किए वा सकेंगे।

स्थळीकरण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, को उक्क जिथिनियस के अध्यास 20-क में परिआवित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्यास बें दिया गया है।

बन्स्ची

घर नं ० 1-2-42, विस्तीर्ण 160 **चौ गज, गगन महैल** रोड, हैदराबाद, रिजस्ट्रीकृत विलेख न० 168/85, रिजस्ट्री कत्ती अधिकारी चीक्कांप्रस्ति।

> एम० जगन मोहन, सक्षम प्राधिकारी सहायक स्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख: 7-10-1985

प्रकार कार्यः ती, एन, एस.,----

भायकर अर्घपनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अभीत सुचना

भारत सरकार

कार्यालय,, सहायक आयकार बायुक्त (निर्दीक्सण)

ग्रर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनौंक 7 ग्रक्तूबर, 1985

निदेश सं० श्रार्० ए० सी०नं० 402/85-86:--अतः मुझे, एम० जगन मोहन,

नायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिले इसमें इसके प्रकार 'उक्त अधिवयम' साहा गया हुं), की धारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह निश्तास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उजित बाजार मूल्य 1.00.000/- रा. से अधिक है

भ्रोर जिनकी संख्या प्लाट है जो अमिस्तात पुर हैदराबाद में स्थित है (श्रीर इसमें उपाबद अनुसूची में और पूर्ण रूप में विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, चीक्कड-पल्ली, में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख फरवरी, 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रहयमान इतिफल के लिए अंतरित की गई है और भभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उपके दश्यमान प्रतिफाल से, एसे दश्यमान प्रतिफाल का पद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तिरितियों) के बीच ो अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिक्रक निम्निलिसित उद्दे है उक्त अन्तरण मिसित में अभ्निक क्ष्य से कथ्य नद्वी क्रिका गया है क्ष्य

- (क) संधरण से हुद्दं कियां बाद की बावतः, उसके बीधिनियम के बधीन कर धेने के बस्तरक के बादित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के जिए; नार/या
- (च) एमी किसी काय या किसी घर या अस्य अस्तिया है। एमी किसी आप तेस पाला पितिया है। 1922 का 11) या उकत अधिनियम, या वर्त-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के इसोजनार्थ अंहरिती इतारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना भाहिए था, स्थिपने में सुविका के लिए:

जतः वस, उक्त अधिनियम की धारा 269-स क्रं अन्मरण जै. मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-स की उपधन्त (1) जै जधीन, निम्नलिकिट व्यक्तिवों, अर्थात अ⊸∞ श्री के० वेंकटरतन सर्मा,
 3-6-145, हीमायतनगर,
 हैदराबाद।

(भ्रन्तरक)

 श्री डी० टी० कृष्णामूर्ति,
 5-8-510/1, चीरागग्रल्ली लेन, हैदराबाद।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वेक्त सम्परित के अर्थन के लिए कार्यथाहियां शुरू करता हुं।

उपत बुम्यति के अर्थन के संबंध में कोई भी नाक्षंप :--

- (क) इस स्थाना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी अ्यक्तियों पर स्वान की तामील से 30 दिन की वविध, या भी अविध बाद के समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी स्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं का स् 45 दिन के भीतर अक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी क पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गवा है।

मगस भी

प्लाट नं० 14, घर नं० 1-7-145, जमीस्तानपुर, मूमीराबाद, हैदराबाद, विस्तीर्ण 257 चौ गज, एजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 261/85 रजिस्ट्रीकर्त्ता ग्रिधिकारी चीक्कड्यल्ली।

> एम जगन मोहन, सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख: 7-10-1935

मोहरः

प्रकार नाहाँ हो . एन . एस ्नान्यान

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के जधीन स्वना

भारत सरकार

कार्याश्चयः, महायक नायकर नायुक्त (निरीक्तन)

म्रर्जन रेंज, **है**दराबाद

हैदराबाद,दिनांक 7 प्रक्तूबर 1985

निदेश सं० श्राप्त यें० सी० सं० 403/85-86---यतः मुझे, एम० जगन मोहन,

कारकार विभिनियम, 1961 रां 961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रचलात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का फारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जितका उचित बाजार मून्य 1,00,000/- रुट. संअधिक है

श्रीर जिसकी स० घर है, जो महेन्द्रा हिल्स, जिसन्दराबाद में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद श्रनुसूची में श्रीर पूर्णरूप से वर्णित है), रिजस्ट्री कर्ता श्रीध हारी. के कार्यालय, मारेडपल्ला में भारतीय रिजस्ट्री करण श्रीधनियम, 1908 (1908 हा 16) के श्रीधीन, दिनांक 2/85,

को पूर्वो कर सम्परित को उचित बाजार मूल्य सं कम के स्वयंमान अतिफल को लिए अन्तरित की गई है और मुभ्ने यह विश्वास करने का कारण हां कि यथाप्नांकत सम्परित का उचित बाजार मूल्य, ससके दशामान प्रतिफल मं, एक रध्यमान प्रतिफल का पन्तरह प्रतिस्ति से प्रथिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरित (अन्तरितियों) को बीज एसे अन्तरण के लिए तय पाया प्रयाप्रतिफल, निम्नलिखित उद्वरिय से उक्त अन्तरण निकित बें वास्तिक रूप से कियत नहीं किया प्रया है ५—

- (क) बन्धरम के हुई किसी बाद की बाद छ उपत जिमिनियम के जभीन कर दोने के बन्धरक के बादित्य में कमी करने या उडके बच्चने में सुनिभा के जिएल कर्डर/वा
- (थ) एसी किती नाय या किसी भन ना नमः व्यक्तियाँ को जिन्हों भारतीय वायकर अधिनियम, 1922 (1.922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर निधिनियम, 1957 (1957 का 27) से अवोजनार्थ जन्तरिती चुनारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, फिपाने जें सृतिभा से सिक्

नतः जन, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण क, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग की उपभारा (1) अं अभीन, रिन्निविक्त स्वरिक्तनों, समित् क्रिले (1) श्रः एम० भादाचार्या 11-5-306, रेड हिल्स, बामार घाट, हैदराबाद ।

(अन्तरक)

(2) श्री मोहम्मद वर्मीव्हीन ग्रांत अन्य एक घर नं० 5-9-841 गनफाउण्ड्री, हैदराबाद (अन्तरिती)

को यह सूचना चारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति का अर्जन का लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के वर्षन के संबंध में कोई भी आक्षंप ----

- (क) इत धूचना के एकपत्र में प्रकाशन की तारील सं 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामील सं 30 दिन की अविध, जांभी विधी बाद में समाप्त हांशी हो, के भीतर पूर्वेक्ति जिल्ली व्यक्ति द्वारा;
- (ष) इस सूचना के राजपत मां प्रकाशन की तालां से 45 विन के भीतर जकत स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्दम किसी अन्य व्यक्ति इकारा अधोहस्ताक्षरी के पास निष्टित में किए जा सकीं।

अनुसूची

घर प्लाट नं० 85 सर्वे नं० 74/12 महेन्द्राहील्स, इस्ट मारेडपल्ली सिकन्द्राबाद रिजस्ट्रीकृत विलेखं नं० 264/85, रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी गारेडपल्ली

ं एम० जगन मोहन प्रक्षम प्राधिकारी सहायक आयक्तर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, हैदराबाद

दिनांक : 7--10--1985

प्रकृष कार्यः द्वी . धून . पृथः -------

जायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) कौं भारा 269-च (1) के अभीन सुचना

भारत तरकार

कार्यासय, सहायक भायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 27 सितम्बर 1985

निदेश सं० अमृतसर/85-86/29-यत: मुझे, जे० प्रसाद, आई० आरं० एस०,

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसम इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-ख के अधीन सक्ष्म प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1.00,000/- रा. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० एक प्लाट है तथा जो कालेज रोड, पटानकोट में स्थित है (श्रीर इसमें उपाजह अनुसूर्वी में श्रीर पूर्ण कर में वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय पठानकोट में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक फरवरी 1985

को पूर्विक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृख्य से कम के दृश्यमान प्रतिष्वत के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कव्रण है कि यथापूर्वीक्त सम्पत्ति का उगित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से,

एसे रूपमान प्रतिफल के पब्रह प्रतिशत से अधिक है और अंत-रक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंत-रण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्निसित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं गया है ---

- (क) अन्तरण सं हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के जातरण के वाियर में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के सिए; और/या
- (क) ऐसी किसी जाय या किसी भर या अन्य जास्तियों को, जिन्हें भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या जक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

भतः अब. उक्त अधिनियम की धारा 269-म्ब के अनुसरण भी, भी, उक्त अधिनियम की धारा 269-म्ब की उपधारा (1) के अधीन, निस्तिलिखत व्यक्तिसयों, अर्थात् —

- (1) श्री लक्षमन सिंह पुत्र श्री ईशरदास कालेज रोड पठानकोट । (श्रस्तरक)
- (2) श्री इन्द्रजीत सिंह पुत्र श्री लक्ष्मण सिंह कालेज रोड, पठानकोट (श्रन्तरिती)
- (3) श्री जैसा कि क्षम नं 2 पर है और किरायेदार ध्रगर कोई है। (वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में संपत्ति हैं)
- (4) श्रीर कोई

(वह व्यक्ति जिनके बारे में अधो-हस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबढ़ है)

को यह स्वना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त संपत्ति के अर्थन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की जारीस से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पड़ सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृत्रों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्ष किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पद्धीकरण :---इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विमा गया है।

प्रनुसूची

एक प्लाट जो कि कालेज रोड पठान कोट में है जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी पठानकोट के सेलडीड नं० 2858 दिनांक 8-2-85 में दर्ज है ।

> जे० प्रसाद, आई० आ४० एस० सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, अमृतसर

दिनांक : 27-9-85

प्रस्प बाद . टी. एन. एस. ******

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर बाबूक्त (निरक्षिण)

अर्जन रेंज, अमृतसर अमृतसर, दिनांक 11 अस्तूबर 1985

निदेश सं० अमृतसर/85-86/30---यतः मुझे दिवजोत कोहली, आई० आर० एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें असके पण्यात है), की आरा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

स्रीर जिसकी सं० एक जायदाद, जो शक्र्रपूरा, बटाला में स्थित है (स्रीर इसवे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्णस्प में विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के ार्यालय, बटाला में रिजस्ट्रीकरण प्रधितियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनक फरवरी 1985,

को पूर्वेक्ति सम्परित के उचित बाजार मृल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त सम्पर्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिबक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) जन्तरण से हुई किसी जाम की वावत, उक्त जिभिनियम के जभीन कर देने के जन्तरक के दायित्व में कभी करने या उत्तसे वचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) देसी किसी साय वा किसी धन या अन्य शास्तियों करे. जिस्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) में प्रयोजनार्थ हुन्तिरती द्वारा प्रकृट नहीं किया गया था या किया बाना चाहिए था, स्थिपने में सुविधा के निए:

बत: अब, उक्त विभिनियम को भारा 269-ग के बनुसरण मो, मी, उक्त अधिनियम की भारा 269-म की उपभारा (1) की बजीन जिस्साबि विद्यासिक्तकों, अवस्ति ॥—— (1) श्री प्रेम नाथ मलहम मार्फत श्री चानन मल, सिनमा रोड, बटाला

(अन्तरक)

(2) श्री सुरिन्दर सिंह पुत्न श्री जैसल सिंह रूड किला, जिला सुन्दर गढ (उड़ीसा) मार्फत इलैंक्ट्रिक इजीनियरस, कराची रोड, रूड़ किला ।

(अन्तरिती)

(3) जैसा कि ऋ० सं० 2 पर है और किरायेदार अगर कोई है।

(वह ब्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

(﴿) ग्राँर कोई (वह ब्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबढ़ है)

को यह स्थान जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां गुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी अक्षेप :---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारी करें 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वान की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्वें किस व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (वा) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संस्पत्ति में हितबब्ध किसी सन्य व्यक्ति स्वारा अधोहस्ताक्षरी के पाच निवित्त में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा पट्टिन आषित हाँ, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याद में दिया गया है।

यनस्**ची**

एक जायदाद डेरा बाबा नातक रोड. शकूरपुरा, तहसील बटाला जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी बटाला के सेलडीड सं० 4205/ निथि 4-2-85 में दर्ज है ।

> दिवजोत कोहली, आई० आर० एस० सक्षम प्राधिकारी सहायक आयक्त आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रोंज, अमृतसर

दिनांक : 11-10-85

प्रकल नार्च .टी .एन .एस ..-----

कार्यकर सभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अभीन सूचना

भारत सरकार

कार्याजन, तहानक नावकड नावकत (निर्दाक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनाक 11 अन्तूबर 1985

निदेश सं० अमृततर/85-86/31---यतः मुझे, दिवजोतः कोहली, आई० आर० एस०,

शायकर श्रीधनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है"), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उणित बाजार मृत्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

ग्रीर जिसकी सं० खेती की जमीन है तथा जो गांव पालासार तरततारन में स्थित है (ग्रीर इसमें उपाबद अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप में वर्णिन है), र्जिस्ट्रीकर्ना अधिकारी के कार्यालय तरत तारत में रिजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनाक फरवरी 1985,

को पूर्वोंक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृह्य से कम के दृश्यमान प्रांतफल के लिए अन्तरित की गई है और मृझे यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृह्य, इसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिदात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंत-रिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गमा प्रतिफल निम्नलिशित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिशित में वास्तविक रूप से कृथित नहीं किया गया है:—

- (क) अंतरण से हुइ किसी आय की नायत, उक्त विभिनियन के अभीन कर देने के अंतरक के समित्य में कभी करने या उससे क्यने में सुविधा के निष्; बौर/वा
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आंस्तयों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, १९२२ (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, १९२२ या अनकर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोजनार्थ अंतीरती द्वारा प्रकट नहीं किया त्या था या का किया जाना वाहिए था छिपाने में स्विका के लिए;

वराः प्रव, उक्त अधिनियम की भारः 269-ग के अनुसरण भो, मी, उक्त अधिनियम की भारा 269-च की उपभारा (1) अ वभीक शिक्तिशिक स्वीक्त्यों, स्वांक् (1) श्री दलीपा पुत्र श्री लभ् गांव पालमपुर तहमील तरन तारन, जिला--अमृतसर ।

(अन्तरक)

(2) श्री मोहेल सिह पुत्र तेजा सिह गांव—पालासार तहसील तरनतारन जिला—अमृतसर ।

(अन्तरिती)

- (3) जैसा कि क्रम मं० 2 पर है, ग्रीर किरायेदार अगर कोई है।
- (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)
 (4) ग्रौर कोई
 (वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता

हैं कि वह सम्पत्ति में हितबड़ है)

को वह स्थान धारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां कडता हूं।

उक्त संपरित के कर्जन के सम्बन्ध में कोई भी माक्षेप ह-

- (क) इस स्थान के रायपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में स्थाप्त होती हो, के भीतर प्योंक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इतारा;
- (क) इस स्वता के रावपण में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थाभर सम्पत्ति में दित- के भीतर उक्त स्थाभर सम्पत्ति में दित- के पास लिखित में किए जा सकींगे।

स्वाक्षीक दुण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त विभिन्नियम के अध्याय 20 क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गवा है।

भ्रनुसूची

खेती की जमीन जो गांव पालासार तहसील तरनतारन में हैं जैसा कि र्राजस्ट्रीकर्ता अधिकारी तरनतारन के मेलडीड सं० 3872 दिनांक 26-2-85 में दर्ज हैं।

दिवजीत कोहली आई० आर० एस० सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षणण) अर्जन रेंज, अमृतसर

दिनांक: 11-1085

प्ररूप बाइ . टी. एन. एव.-----

शायकः, अधिनियम्,, 1961 (1961 को 43**) की भारा** 269-भ (1) **की अभी**न सुभाना

भारत सरकार

कार्यालय, स्हायक नायकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेंज, ग्रमृतसर

भ्रमृतसर, दिनांक 11 भ्रक्तूबर 1985

निदेश मं० श्रमृतसर 85-856/32--यतः मुझे, दिखजोत कोहली, श्राई० श्रार० एम०,

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मुस्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

श्रौर जिसकी सं ० एक जायदाद है तथा जो गांव श्रानन्दपुर, पठान-कोट में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रौर पूर्णस्प मे विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय, पठानकोट में रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन, दिनांक मार्च 1985

को प्रोंक्त संपरित के उचित बाधार मृस्य से कम के इत्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथा प्रवेक्त सस्मित का उचित बाजार मृत्य, उसके इत्यमान प्रतिफल से, एसे द्व्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं पाया गया हैं:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी जाय या जिसी पन था अन्य आस्तियों हो, जिल्हों भारतीय अहर-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्नारा प्रकट नहीं किया गया था या किया शाना बाहिए था, हिस्सान भी सामिश के लिए;

अतः अधः, उक्त अधिनियमं की धारा 269-ग के अनुसरणः में, मैं, उक्त अधिनियमं की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिसित व्यक्तियों, अर्थातः :--- (1) श्रीमती चन्द्र कान्ता पत्नी श्री प्रचारसी दास श्रमनौर, नहसील पठासकोट ।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री सतीण कुमार पुत्र श्री किंदार नाथ वासी पठानकोट, शहसील, पठानकोट ।

. (श्रन्तरिती)

(3) जैसा कि क्रम सं० 2 पर है थ्रौर कोई किरायेदार श्रगर कोई है।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

(4) श्रीर कोई

(वह व्यक्ति, जिनके बारे में श्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

का यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां १-रू करता हा ।

उनत सम्पत्ति के अर्जन के रांबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्थान के राज्यत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी क्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अवधि, वो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर एवोंक्स व्यक्तियों में से किसी क्यक्ति द्वारा;
- (ब) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्वभ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अभोहस्ताक्षरी के पास सिवित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: ---इसमें प्रयुक्त कान्दों और पदों का, को उक्त जिथिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

1/5 हिस्सा जायदाद में जा कि श्रानदपुर तहसील पठानक कोट में है, जैसा कि राजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी पठानकोट के सेलडीड 391 तिथि 27-3-85 में दर्ज है।

> दिवजोत कोहली, ग्राई० ग्रार० एस० सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजैन रेंज, ग्रम तसर

दिनांक : 11-10-85

प्रकृष बार्ध .टी .एन .एस . -----

नायकर ना'धनियभ, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अधीन स्थना

भारत बरकाय

कार्यालय, सहारक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, ग्रमृतसर

भ्रमृतप्तर, दिनांक 11 भ्रम्तूबर 1985

निदेश सं० ग्रमृतसर 85-86/33---यतः मुझे, दिवजीत कोहली, ग्राई० ग्रार० एम०,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है'), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्रधिकारी को, यह विश्वास करने का आरण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित वाजार मृस्य भं,00,000/-रु. से अधिक हैं

भीर जिसकी मं० एक जायदाद है तथा जो गांव स्नानन्दपुर तहसील पठानकोट में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध स्ननुसूची में श्रीर पूर्ण रूप में विणित है), रिजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, पठानकोट में रिजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, दिनांक मार्च 1985

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सक्यिति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रोतिश्वत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितिगों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निस्नलिखित उद्देश्य मे उक्त अन्तरण लिखिठ में बास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है।——

- (क) जन्तरण संहुद्धंियसी बाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अस्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय जाय कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उदल अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के अयोजनार्थ अस्मिरिती त्वारा प्रकट नहीं किया गया था हा किया गाना चालिए था, छिषाने में सुविधा के लिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातु :-- (1) श्री वेद मित्र पुत्र श्री लभू राम वासी इन्द्रा कालोनी, पठानकोट द्वारा श्री जगदीश राज पुत्र श्री दीवान चन्द, तारागढ़ पठान कोट ।

(भ्रन्तरक)

(2) श्रीमती माती देवी पत्नी श्री दीवार नाथ पुत्र श्री श्रमर मल, गांधी नगर, पठान कोट ।

(ग्रन्तरिती)

(3) जैसा कि क्रम सं०2 पर है श्रौर कोई किरायेदार श्रगर कोई है ।

> (वह व्यक्ति, जिसके श्रधिभोग में सम्पत्ति है)

(4) श्रीर कोई।

(वह व्यक्ति, जिनके बारे में प्रधी-हस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हिनबद्ध है)

को ग्रह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियों करता हुं।

हक्त सम्पत्ति के बर्बन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप:---

- (क) इस स्वरं उराज्यत में प्रयापन की तारीख से 45 वित का प्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियी पर सूचता की तामील से 30 दिन की सर्विष्ठ; को भी प्रविध बाद में समाप्त होती हो; के भीखर पूर्णिक
 - (ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिवित में किये जा सकेंगे।

स्वकारण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उन्द अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिवा गया है।

ग्रनुसूची

2/5 हिस्सा जायदावें में जो कि श्रनन्दद्युपुर तहसील पठान-कोट में है जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी पठानकोट में रजिस्ट्री डीड सं० 3185 दिनांक 27-3-85 में दर्ज है।

> दिवजोत कोहली, (ब्राई० ग्रार० एम०) सक्षम प्राधिकारी महायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, श्रमृतसर

दिनांक: 11-10-1985

प्रक्रम आध् . टी. ५१ . एस . -----

स्माकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अभीन सुमना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, श्रमृतसर

भ्रम्तमर, दिनांक 11 ग्रक्त्वर 1985

निरेश यं० समृतपर 85-86/34-स्वतः मुझे, दिवजोत कोहली, श्राई० श्रार० एस०,

कायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उनत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह निश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका एचित बाजार मूल्य 1,00 000/- राज्य से तिसका री

श्रीर जिसकी सं० एक जायदाद है तथा जो गांव श्रानन्दपुर, पठानकोट में स्थित है (श्रीर इस्ते उपावत अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता स्थिकारी के कार्यालय पठानकोट में रजिस्ट्रीकरण श्रिधितयम, 1908 (1908 का 16) के श्रिथीन, दिनांक मार्च 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उवित बाकार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए जन्मिए। की गर्श ही और मध्ये प्रह किश्तास करने का कारण के एक पान पान के सम्पति का लिए का लिए का निकल का प्रनिष्ठ किश्तास मूल्य, उसके दृश्यमान प्रित्तिक को संतरक (अंतरकार) और अंतरिती (अंतरितिकों) के लिए का पान के लिए के लिए का पान प्रतिकार, निम्नीसित उद्देश्य से उक्त अंतरण मिसित वा वास्तिक कर रो किश्त कर रो किश्त का

- (क) अन्तरण संहुई किनी थाय का अपन, जुल धरिषाम के अभीन कर दोने के अन्तरक है बाजित्व में कमी करने या उससे पचने जे सुविधा के रिम्पु; बीड/या
- (क) एसी किसी काय वा त्रिसी घन या अन्य आस्तियों की जिन्हों भारतीय आय कर अधितिश्यम, 1922 (1922 का 11) या उन्ते ब्राधानण्या, या बन- कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना कार्य था, जियाने यो मुस्ति ।

कत अब, उपत अधितियम, की पाग 21,1-ए त बङ्ग्रहण में थी, जबत अधिनियम की धारा ्ा या की जाउपाया (1) में मधीन, निम्मिसिकित व्यक्तियों, संमृति क्र-क 10—316GI/85 (1) से बेय निज भुत्र मां त्यू राम भाषी दृद्धा का ताली पठानकोट द्वारा आ जगदीण राज पुत्र श्री दीवानचन्द, कारायद, गठानाहोट ।

(ग्रन्तरक)

(2) श्रोमना मंगोरत अप्रताय पत्नी श्री नरेन्दर कुमार श्रमवाल प्राप्ती भाषी नगर, पठानकोट ।

(भ्रन्तरिती)

(3) जैता कि कम सं० 3 पर है और कोई किरायेदार प्राप्त को विहें)। (वह व्यक्ति, जिसके श्रिधिभोग में सम्बन्धि है)

(4) पीर कोई
(उह व्यक्ति, जिनके **बारे में अधी**-हस्तक्षिणे जानता है कि वह सम्पत्ति के हिल्मक है)

को यह राजना अपरे अस्के प्रतित सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्रिवर्गतालों अस्ता हो।

- (क) इस स्चनः के राजपण में प्रकाशन की तारीख में 45 दि। की उन्नीप या तत्यम्बन्धी व्यक्तियों पर एवन की उमील में 30 दिन को अनिध जो भी जन्मिया के किया के स्वाप्त में उन्होंने किया के भीतर एवों कर के किया के भीतर एवों कर
- (स) इस वार्क करा के प्राप्त की जारीका से 45 किया के श्वीतर के जा त्याकर प्रमासित माँ हितबक्ष किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभाहस्ताक्षरी के णक सिक्ति को किए अध्यक्ति १

स्थब्दीकरण :---दारा १०,३० १० वर्षर पद्माँ का, श्री उस्क अभिनियम के अभ्याय 20-क में परिभाषिक ली, अली कर्य हारेख को तस्थ सभ्याय में दिस्स पत्म और

धनस्की

2/5 हिन्छ जाणदात में जो कि अनन्दपुर, तहसील पठानकोट में जारा कि क्षिम्प्रीक में स्विका में पठानकोट के सेलडीड संब 3390 विधि 27-3-85 में दर्ज है ।

> दिवजोत कोहना (क्राई० चार० एम०) नक्षम प्राधिकारी महायक धायकर प्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजन रेंज, स्मृतसर

दिनांक: 11-10-85

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आधकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) ऋर्जन रेंज, श्रमतसर

श्रम्तसर, दिनांक 27 मितम्बर 1985

निदेश सं० भ्रमृतसर/85-86/35-यतः मुझे, जे० प्रसाद, भ्राई० भ्रार० एस०,

आयवार अभिनियन, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें पश्चात् (उक्त अधितियम कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राप्तिकारी को, यह विशास करते का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित वाजार मृल्य

1,00,000/- रा. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० एक जायदाद हैं तथा जो जवाहर नगर, बटाला रोड, अमृतसर में स्थित है (धौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्णरूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय. अमृतसर में रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनांक मार्च 1985

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्मान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूझे यह बिश्वास करने का कारण है कि प्रशापयोंक्त संपत्ति का उचित हाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अन्तरकों) और उन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक्क रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे दचने में स्विधा के लिए। और/या
- (क्ष) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) गा उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सियधा के लिए।

अतः अबः, उक्त अधिनियमं की धारा 269-ग के अनुसरक में, में, उक्त अधिनियमं की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीनः, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातः :—— (1) श्री राधे णाम अहूजा पुत श्री गोविन्सम श्रहूजा बृहम नगर, लारेंभ रोड, श्रमृतसर ।

(ग्रन्तरक)

(2) मै० राकेण टैक्सटाईल मिल्ज बटाला रोड, भ्रमृतसर ।

(भ्रन्तिरती)

(3) जैसा कि ऋ० सं० 2 पर है स्त्रीर किरायेदार स्नगर कोई हैं।

> (वह व्यक्ति, जि**स**ः श्रजिमोग में सम्पत्ति है)

(4) ग्रीर कोई।

(बह व्यक्ति, जिनके **प**रे में ग्रधो-हम्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितवड़ है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्वाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि श्राद में नमाप्त होती हों, के भीएण पर्वाकत क्यक्तियों में से किसी व्यक्तित द्वारा:
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पाप लिकिट में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उकत अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

अन्सची

एक जायदाद जवाहर नगर बटाला रोड, ध्रमृतसर में जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता ध्रक्षिकारी अमृतसर के सेलडीड सं० 9827 दिनांक 29–3–85 में दर्ज है ।

> जे प्रसाद, रूप्प प्राधिकारी सहायक ग्राय हर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, ग्रमृतसर

दिनांक : 27-9-85

प्ररूप आर्इ.टी.एन.एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय , सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेज, अमृतसर

अमृतसर्विताह 12 अक्तूबर 1985

निदेश सं० अमृत १२/85-86/36--यनः मुझे दिवजोत कोहली, प्राई० ग्रार० एस०

बायकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परपात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के र्ित सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रह. से अधिक है

और जिसकी सं० एक जमीन का प्लाट है तथा जो तहसील पठानकीट में स्थित है (और इनमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में विणित है). र्यास्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय पठानकीट में रिजर्स्ट्रीकरण अधिनियम. 1908 (1908 का 16) के अश्रीन दिनों हमार्च 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृत्रों यह विश्वास करने का कारण है कि यथापुर्वोक्त सम्पत्ति का उाचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिश्वत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण विश्वित में गिरित हम में किया गया है:—

- (कः) अन्तरण से हुई फिसी आय की शासत, उक्त अधिनिया के अधीन कर दाने के अनुसक के दायित्व में कमी करने या उससे अचने में सुविधा के लिए, और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों का, जिन्हें भारतीय आयकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया यहा था या किया जाना बाहिए था, छिपाने अन्तरिक्षी की जिए;

अतः अबः, उक्त आधिनियम की धारा 269-ग के अनुपरण मा, मा, उक्त अधिनियम की धारा 269-**घ की उपभारा (1)** अके अधीत, 'नम्नलिखित व्यक्तियों, अधित् :——

- (1) श्रो प्रणोक कुमार पुत्र श्री किदारनाथ वासी—सुजानपुर तहसील पठानकोट । (ग्रन्तरङ)
- (2) श्रो श्रणनोल कुमार मक्कड पुत्र श्री कृष्णलाल मकःड़ वासा—डॉगूरोड पटानकोट । (अन्तरितं≀)

(3) जैसा कि क्रम सं० 2 पर है और कोई किरायेदार श्रगर कोई है।

(बह व्यक्ति जिसके श्रधिभोग में सम्पत्ति है)

AND THE STREET, 12

(4) श्रौर कोई (बह व्यक्ति जिनके बारे मे श्रधो⊶ हस्तक्षिरो जानता है कि वह सम्पत्ति-हितवब है)

को वह सूचना चारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के नर्चन् के लिए कार्यवाहियां करता हो।

उक्त सम्पत्ति के जर्जन के संबंध में कोई भी जाक्षेप ::---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त क्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध कियी अन्य न्यक्ति द्वारा, अभोहस्ताक्षरी के पाड़ निश्चित में किये था सकेंगे।

स्वाधिकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उकरें अधिनियम, को अध्याय 20-क में परिभाषिक हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विधा स्वा हैं।

अ**्स्ची**

एक जमीन का प्लाट 1440 स्केयर फुट जो गाँव समाली तहसील पठानकोट में जैसा कि रिजिस्ट्रो क्वी श्रधि कारी पठानकोट के सेलडीड सं० 3222 दिनौँक 12-3-85 में दर्ज है।

दित्रजोत कोह्लो सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, अमृतसर

विनाँक : 11--10-85

प्ररूप आर्थः हो। एनः एस------

भागम्बर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-थ (1) के अभीत सुधना

भारत उरकार

कार्यालय, सहायक आयजर आयुक्त (मिरोक्षण)

यर्गानेज, स्रमृतार

श्रम्तातरः, वितर्केत 11 अवसूषर 1985

निदेश मं० अमृरार/85-86--3/--पतः मुझे, दिवजीत कोहली, आई० आर० एउ०

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसं इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हो, की भार 269-स के अधीन सम्माम प्राधिमारी जो यह विश्वास करने का कारण हो कि स्थावर सम्मान, विश्वास विश्वास मूल्य 1,00,000/- रू. से अधिक हो

भौर जिसकी सं एक जमीन ता प्लाट है नथा जो नहसील पठानकोट में स्थित है (प्रांग इसने उधायद्ध प्रतिस्ति में श्रीर पूर्ण रूप में विणत है) रिजिन्द्रीकर्ती अभिकारी के कार्यालय पठानकोट में रिजिस्ट्रीकरण अधितियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनौंद्र सार्व 1985

को पूर्वाक्ति संपत्ति को उचित गाजार मृद्य सं कम हो दश्यमार प्रतिफल को लिए रिजस्ट्रीकृत जिलेश को अनुसार अंतरित कीगई। है और मुक्ते यह विश्वास करने का आरण हो कि यह पूर्वेक्ति पूर्वेक्ति सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल के पन्त्रह प्रतिशत सं अधिक हे और अन्तरक (अन्तरकों) और बन्तरिती (अन्तरितियां) को बीच एसे अन्तरण के निए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्योषेय से उन्तर अन्तरण जिलिस के बास्तिक रूप से कीण नहीं किया गया ही :--

- (क) अन्तरण में हुई किसी आय की बायत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक कें दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी बाय या किसी धन या जंगा जास्तियों को, जिन्हों भारतीय अध्यक्षर अधिनिवस, 1922 (1922 की 155 में किस लिखिनेयम, या धन-कार विकेश के किस किस क्या प्रा के प्रयोजनाई कार्य के दूरिया किस भाषा बा या किसा जाना चाहिए था, खिपाने में मुविधा के लिए;

जसः जब, उक्त अधिनियम को धारा 260-म के अनुसरक जै, भै, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपचारा (1) को अभीन, निम्नलिखिल व्यक्तियों, अर्थात :--- (1) श्री इन्प्रजीत पुत श्री कियार नाय वार्तः गुक्तानपुर तहसील पटानकोट जिला---ग्रदासपुर ।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री अधनःल धुमार सक्षाइ पुत्रश्री द्वरणलाल मक्कड़ वासीं चंडाँगू रोड पठानकोट ।

(भ्रन्तरिती)

(3) जैसा कि कम सं० 2 पर हे और कोई किरायेदार श्रगर कोई हैं।

> (बहु व्यक्ति जिपके ग्रधिभोग मे सम्पत्ति है)

(4) और कोई

(बहु व्यक्ति जिनके बारे में अधी-हुआक्षरी जलता है जिवह सम्पत्ति में हिनबढ़ है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त सप्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हो।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्वा के राज्यात्र में प्रकाशन की तारीस में 45 दिन की सर्वीध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वान की तामील में 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में भाषत कोती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (ख) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बह्ध किसी बन्य क्यवित द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त पार्क्यों और पर्वों का, जो उक्स अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं कर्थ होगा, चो उस अध्याय में विमा गया है।

अनुसूची

एक जमीन का ज्वाट 1440 स्केयर फुट जो कि गाँव संमाती तहसील पठावकोट में जैवा कि रजि॰ट्रो क्वि अधिकारी पटानकोट में रजिस्ट्री डीड मं० 3224 दिनाँक 14-3-85 में दर्ज है।

> दिबजोत कंहिली नक्षम प्राधिकारी महायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजंन रेंज, श्रमृतसर

दिनाँक: 11 / 0-85

प्ररूप बाह् टी.एन.एस.--

भागकर विभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, ग्रम्तसर

श्रमृतगर, दिनाँक 11 अक्तूबर 1985

निदेश सं० प्रमृतयर/85-86/38--यनः मुझे, दिवजीत कोहली, ग्राई० ग्रार० ए४०,

नायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचार् उपत् जीधीनयम कहा गया हैं), की भारा 269 ख क अधीन सक्षम प्राधिकारों को, यह जिल्लास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित नाजार मृष्ण 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

श्रोर जिसकी सं० एक जमीन का प्लाट है तथा जो तहसील पटान-कोट में स्थित है (श्रार इससे उपाबड श्रनुसूची में श्रोर पूर्ण रूप में वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय पटानकोट में रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनाँक मार्च 1985

को पृथिसत सम्पत्ति के उचित बाजार मृन्य से कम के रहयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृशे यह विश्वास कर ने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृन्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से कथिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिथी (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय गया ग्रां प्रतिफल, रिम्मिसित उद्देश्य से उक्त अन्तरण । लिखन में नास्तिक रूप से किशत नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दाने के अनरक क दायाच स कभी कार्न या उमसे बचने के सिविधा के लिए; औद्व/पा
- (क) श्रेसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्स अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने भें सुविधा के लिए;

बतः श्रव, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के बम्सरक भाँ, माँ, उक्त अधिनियम की भारा 269-घ की जणधारा (1) ग्रधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्ः- (1) श्रोमतो नालम पुत्रा श्री भगवानदास वासी---दोरिमाला तहसील श्रीर जिला---गुरुवानपुर

(भ्रन्तरक)

(2) श्री प्रशनील कुमार मक्कड़ पुत्र श्री कुष्णलाल मक्कड़ डाँगु रोड. पठानकोट ।

(श्रन्तरिती)

(3) जैसा कि क० मं० 2 पर है और कोई किरायेदार श्रगर कोई है।

> (बहु व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

(4) श्रीर कोई

(बह व्यक्ति जिनके बारे में श्रधी-हस्ताक्षरों जानता है कि बह सम्पत्ति में तिबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पृथीयल सम्पत्ति के अर्जन के निष् कार्यशाहिया करता हो।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस ब्यना के राजपत्र भें प्रकाशन की तारांख से 4.5 दिन की भवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तिस्यों पर स्वच्छ की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी जनिंश बाद में समाप्त होती हो. के शितर वृजीवद्य व्यक्तियों में से किसी क्याविस द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की ताराध्य सं 45 दिश के भीतर उनल स्थायर संपरित र्र हित-वद्य किसी शन्य व्यक्ति द्वारा सभोहस्ताक्षरी के पान निकित में किए का राज्या

स्वकाकिश्लः --- इसमें प्रयोक्त अञ्चा और पदों का, जा उनक जिपिनयम् के अध्याय 20-क में परिभाषित हाँ, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्यास में विका पना हाँ।

ननुमुभी

एक जमीन का प्लाट 1620 वर्ग फुट जो कि गाँव समालो तहसील पठानकोट में जैंगा कि रजिल्ट्रो कर्ता ग्राधिकारी पठान-कोट के सेलडीड सं० 3223 तिथि 13-3-85 में दर्ज हैं।

> दितकोत काहली नक्षम प्राधिकारी सहायक स्रायकर स्रायुक्त (निरोक्षण) स्रजैन रेंज, स्रमृतनर

दिनाँक : 11-10-85

प्ररूप बाद', टी. एन्, एस्,-------

कायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की शास 269-व (1) के अधीन स्थान

भारत सरकार

कार्यालय. सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्वन २ेंज, श्रमृतवर

श्रमृतसर, दिनाँक 11 श्रक्तूबर 1985

निदेश सं० अपृतातर/85-86/39-स्यतः मुझे, दिवजोत कोहलो, आई० आर० एत०,

अधिकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चास् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मृन्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं । एक जायदाद है तथा जो टैगोर कालोनी अमृततर में स्थित हैं (श्रोर इग्ले उगाबद श्रृत्यू में श्रीर पूर्ण- रूप में विणिय है), प्रजिस्ट्रां क्रिती श्रीध ग्रापों के कार्यालय श्रमृतगर, में रिजिस्ट्रां करण श्रीधिवयम, 1908 (1908 का 16) के श्रीम दिनाँक श्रप्रैल 1985,

का पृथांकत सपोत्त के उचित बाजार मृल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं। और एक यह विश्वाम करने का कारण हैं कि यथापूर्वोक्स संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल सं, एमें दृश्यमान प्रतिफल का पन्दह प्रतिस्त में अधिक हो और अतरक (अंतरिकों) और बन्तरित (अन्तरितया) के बांच एमें बन्तरण के रिलए तय पाम क्या प्रतिफल, निम्निसित उद्देश्य से उउत अन्तरक लिंड से में वास्तिबित इंद्रेश में अस्तरिक में अस्तरिक में वास्तिबित इंद्रेश से उउत अन्तरक

- (क) अभागण मं शहर भिन्ती जाय की वाबत उबस अधिनियम है अधीन कार वाने के बन्तरक की बाधित्य मां कमी कारचे या उसमें बचने भा सृष्यिभ। को लिए; बारि/या
- (थ) एसी किसी जाय या किसी पन या अन्य आस्तियी को जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनिध्म. 1922 (1922 का 11) या उत्तर अधिनिध्म. या धन-कर अधिनिध्म, या धन-कर अधिनिध्म, 1957 (1957 का 27) क प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

बत: लध, उक्त औधीनयम की धारा 269-ग के अन्सरण में, में, ज़क्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (१) के अबीन, रेनम्निलिखित व्यक्तियमों, स्थिन उन्न

- (1) श्री इन्द्रजोत जिह पुत्र श्रो सुलखत जिह सूह टैगेर कालोना माल रोड श्रमृतसर। (श्रन्तरक)
- (2) श्री पुदर्णन कुमार विग पुत्र श्री दौलत राम विग मारफत कुमार बूलन एण्ड सिल्ह मिल्ज प्रताप नगर श्रमृतसर।

(भ्रन्तरिती)

(3) जैमा कि कि संव 2 पर है और किरायेदार स्नगर कोई है।

> (बह् व्यक्ति जिनके श्रिक्षिभोग में सम्पत्ति है)

(4) ग्रोर कोई

(वह व्यक्ति जिनके बारे में अधी-हस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितवद्ध है)

कां यह सूचना आरो करके पत्राक्त संपाति व अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हा।

उक्त संपत्ति के अजन के संबंध में कार्ड भी आक्षेप :---

- (क) इस सूधना के राजपत्र मा प्रकाशन की लागांख से 45 दिन की अविधि या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन को अविधि, जो भी अविधि याद या समाने होते हो, के भीतर प्रविकत व्यक्ति हैंगां के प्रतिकत व्यक्ति हैंगां के स्वीकत
- (स) इस सूजना के राजपत्र मो प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाह-साक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरेंगे।

स्पष्टिंशिकरणः — इसमें प्रयानत शब्दों और पदों का, जो उनत आयकर नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुम्बा

एक जायदार सं० 5 जो कि टैगोर काचानी प्रमृतनार में है जैया कि रजिन्द्रीकर्ता ग्रिश्चिकारी ग्रमृतार के मेलडीड सं० 758 तारोख 17-4-85 में दर्ज है।

> टिकनोत् कोहली पक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरोक्षण) ग्रर्जन रेंज, श्रमृतसर

दिनाँ: 1 (·· 10 - 85

माहर :

प्रकल बार्ड. टीं एतः ऐसः ल्लान

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के अधीन स्चनः

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

श्चान रेंड, श्रम्नगर

श्रमृतसर, दिनाँक 11 श्रम्तूबर 1985

निदेश सं० अमृनगर/85-86/40--यतः मृझे, दिवजीत कोहली, भ्राई० ग्रार० एग०,

अरायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चातु 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269 या को अधीन सभाग प्राधिकारी को यह विकास करने का कारण है कि स्थावर संपन्ति, जिसका अखित बाजार मृत्य ! . 0(0 . 0(00 / - २३ . से आधिक हैं।

श्रीर जिप्तकी सं० एक आयदाद है तथा जे। टैगोर कालोनी, श्रम्तयर में स्थित है (ग्रीर इन्से उपायद अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विभिन्न है), एकिन्द्रिक्ति प्रधिकारी के कार्यालय, प्रमृतसर में . रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनौक फरवरी 1985,

को पर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के धरयमान प्रतिकास को लिए अस्तरित की गद्द है योग सभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्पत्ति का उचित आजार मुस्य, असको सम्यामान प्रतिकात लोगानी सम्यामान परिफाल का वन्द्रह प्रतियात सं अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्ति पतियाँ) के बीच एसे अन्तरण है लिए तय पाया भया प्रतिकार, निम्नोलिसित उथ्दोहर भे उक्त अन्तरण निस्तित मो नाम्लीकक मरा से किथित नहीं किया गरा है ---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, अभिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक दासिल्य में अभी करने या उसके अपने हैं बुविधा क जिल्हा और/बा
- (स) एोसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) को प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में रोबका के निष्;

अप्तः अप्त, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपभारा (1) के अधीन, विक्लानियद अयिक्टयों, 'स् :--

- (1) श्री इन्दरजीत निहं पुत्र श्री मूलखनमिह मूद टैगोर कालोनी, माल रोड, श्रम्दार
- (2) श्री मुदर्शन कुमार विज पुत्र श्री दौलत राम वासी--प्रताप बाजार मारफत कुमार वृलन एण्ड सिल्क मिल्ब, श्रम्तसर । (श्रग्दरिती)
- (3) जैसा कि त्रम सं० 2 पर है और कोई किरायदार अपगर कोई है। (बह व्यक्ति, जिसके प्रधिभोग में सम्पत्ति है)
- (4) श्रीर कोई (वह व्यक्ति, जिनके बारे में श्रधी-हस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हिनगढ़ है)

का यह सूचना जारी कारक प्राक्त सम्पात य अभव के लिय कार्यवाहियां शरू करता हो।

- (क) इस सुचना के राजधन में प्रकाशन की तारीख में 45 दिन की अवधिया तत्मबंधी व्यक्तियो पर सुचना की हाभील से 30 दिन की अवधि, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, को भीतर वर्वोकर म्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (दि) इस सूच्या के राजपत्र में प्रकायन की तारीच धे 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित **बत्य किसी अन्य स्यक्ति** युवारा, अभा**ह**स्ताकारों के पात जिम्बित में जिल्ला भा सकीं वे।

ल्पकाकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदाँ का, वो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित 🗗, वहाँ अर्थ हारेगा, जो उस अभ्याय में दिया गरेश

भ्रत्भूची

एउ बाब सद सं० 5 जो कि टैगेर कालोबो श्रम्तवर में जैपा कि रजिप्योक्ति अधिकारी अनृतसर के रजिप्टर डीड सं० 8203 दिनौंक 13-2-85 में उर्ज है।

> दिवजां काहला, नक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन हैं।, अमृतंसर

दिनौंक: 11-10-85

भोहर :

प्रकृप नाहाँ, दी. एवं, एस.,- - - ----

आधकर ग्रीपनियम, 1961 (1961 का 43) की शरा 269-च (1) के अधीन सुचना

भारत चरक्षान

कार्यासय, सहायक कायकर जामुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनौँक 15 श्रक्तूबर 1985

निदेश गं०/ए० पी० मं० 5871—यतः मुझे, जे० एल० गिरधर.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें प्रमके परवात जिसे इसमें प्रमके परवात जिसे इसमें कहा गया है), की भारा कि के को को मिला स्थान मध्यम प्राधिकारी को यह विश्वाम करने का कारण है कि स्थावर संस्पत्ति, जिसका उचित बाजार मुल्य ...00,000/- रह. से अधिक है

प्रीर जिसकी मं० ौरा प्रनुसूची में लिखा है) तथा जो ग्ररबन इस्टेट में स्थित है (ग्रीरइपमें उपाबद प्रनुसूची में ग्रीर पूर्णक्प में पणित है), रिकस्ट्रीहर्ती ग्रिधिकारी के कार्यालय, जालन्धर में रिजस्ट्रीकरण श्रिधितियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रजीन, दिनाँक फरवरी 1985,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित नाजार मूल्य से कम के रूरयमान वितिष्ठल को लिए अन्तरिक की गई है और मुभ्ने यह विश्वास करन का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित नाजार मूल्य, उसके रूरयमान प्रतिष्ठल से, एसे रूर्यमान प्रतिष्ठल का पन्द्रह प्रतिष्ठत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिति (अन्तरितियों) के नीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिष्ठल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निम्नलिखित में प्राक्ष्मिक रूप से कियत नहीं किया गया है उन्न

- (ध) बन्तरण है हुन्दे किसी बाय की बाबत, उदस वृभिनियम के बधीन कर दोने के अन्तरक की वाजित्य में कमी करने के उससे उचने में बृजिधा के निग; और/या
- (क) एसे किसी जाय या किसी धन या जन्य जास्तियों को, जिन्हों भारतीय जायकर जिभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनाथ अन्तरिती युवारा प्रकट नहीं किया गया धर या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

भवः जब, उक्त जीपनियम की धारा 269-य के जब्बरण को, भी, उक्त जिल्लियम की धारा 269 म भी उपभरण (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् हु—-

- (1) श्री जुगल किशोर पुत्र शाम लाल वासी—-ई-63 इण्डस्ट्रियल एरिया, जालन्धर । (ग्रन्तरक)
- (2) श्री जगदीश सिंह पुत्र हरी सिंह ग्रीर रघुवीर कौर पत्नी जगदीश सिंह, वासी—गाँव सूर सिंह डाकखाना भिन्नी विण्ड, सहसील व जिला-श्रमृतसर । (श्रन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के सिए कार्यवाहियां गुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी साक्षप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इसरा;
- (ख) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीश में 45 दिन के भीतर उकत स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निस्थित में किए जा सकारों।

स्पष्टीकरण : इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिमिसम, के अध्याय 20 क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

बन्स्ची

सम्पत्ति नथा व्यवि : शैंगा कि विलेख सं० 5006, दिनौँक फरवरी 85 को राजिस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी जालन्धर ने लिखा।

> जे. एलं. गिरधारी सक्षम प्राधिकारी सहायक शास्त्रक आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रॉज, जालन्धर

दिनौं स्: 15-10-8**5**

प्ररूप बाइं.टी.एन.एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

मारत् सरकाड

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनौंक 15 श्रक्तूबर 1985

निदेश सं० ए०पो० सं० 5872--यतः मुझे, जे०एन० गिरधर,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वाद करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

भौर जित्तों सं० शैना भ्रमुस्नों में लिखा है) तथा जो जालन्धर में स्थित है (भ्रोर इतो उनावद्ध भ्रमुस्नों में भौर पूर्ण रूप सें विजिल है), रिजस्ट्रें स्त्री भ्रिधिकारी के कार्यालय, जालन्धर में रिजिल्हों हरण भ्रिधितम्म, 1908 (1908 का 16) के भ्रधीन, दिनौंक फरवरी 1985,

के पूर्वोवत सम्पन्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्वयमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई और मुक्ते यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोकि सम्पन्ति का उचित बाजार मूल्य उसके स्वयमान प्रतिफल से, एसे स्वयमान प्रतिफल का पन्द्रह् प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितिया) के बीच एसे अन्तरण के लिए तम पामा गमा प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्यों से उक्त कन्तरण निचित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गमा है:—-

- (क) अन्तरण से हुई किसी बाय की बावत, उक्त कथिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; ब्रॉंट/या
- (क) तम किसी शय या किसी पन या अन्य अस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, १९५७ (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वार प्रकट नहीं किया गया था किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूविधा के लिए;

अत: अय, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मै, अक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के क्यीय जिल्लामा अधित म्यान विकास क्यों क्यांत म्यान विकास क्यों क्या क्यों क

- (1) श्रो सतीय कुमार कोहली पुत्र गोविन्दराम 616—श्रार माडल टाउन, जालन्धर। (भ्रन्तरक)
- (2) श्रीमती श्रीतमकौर पत्नी श्री हर भजन सिंह और रिवन्द्र कौर पत्नी श्री मनमोहन सिंह, 227-श्रार माडल टाउन, जालन्धर। (श्रन्तरिती)
- (3) जैसा कि ऊपर सं० 2 में है (बह व्यक्ति जिसके श्रिधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी कारके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां गुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक के 45 दिन की अविधि या तत्सेवंधी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकालन की तारीख से 45 दिर के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी बन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रस्थत कब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

नगुजुनी

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसाकि विलेख सं० 4649 दिनांक फरवरी 85 को रजिस्ट्रोकर्ती अधिकारी जालन्धर ने लिखा।

> जे० एल० गिरधर सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजन रेंज, जालन्धर

दिनौक: 15-10-85

मोहर 🏗

स्क्य बार्ड , टरे , एन् , एस् , प्रमाननम्बन्धनम्बन्धन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (१) कं अभीन स्**प्**रा

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक क्षायकर **वायक्त (निरीक्षण)** श्रर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनाँक 15 ध्रमतुबर 1985

ौनदेश सं० ए०पी० सं० 5873—यतः मुझे , जे० एल० ौगरधर,

अ। थकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्रधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सस्यत्ति, जिसका उचित बाजार ब्रह्म 1.00,000/- का से अधिक है

और जिनको मं० जैना प्रनुस्त्री में लिबा है, तथा जो कपूरणला में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद श्रनुस्ची में श्रीर पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय, कपूरणला में रजिस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन दिनौंक फरवरी 1985,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार सूल्य से कम के इवसमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और भूभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके इवसमान प्रतिफल से, एसे इवसमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से ब्रिधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीध एसे अंतरण के लिए तम पामा गया प्रतिफल, निम्न-लिखिन उद्देश्य से उवन अंतरण निस्ति में वास्तविक रूप से क्रिथित नहीं किया गया है :——

- (क) जनतरण सं शुद्र किसी शाय की बारत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के जन्तरक के बायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा से लिए; और/सा
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या बन्य जास्तियों करें, जिन्हें भारतीय वायकर अधिनियम, 1922 1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या बनस्य अधिनियम, या बनस्य अधिनियम, 1987 (1987 का 27 के प्रयोजनार्थ बन्तरिती व्यारा प्रस्थ नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में स्विधा के सिए:

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मः, मंं, उत्तत अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् १——

- (1) श्री जैंगोपाल पुत्र लहं। री लाल भीर श्रीम तिसरं। ज बाला पत्नी जैंगोपाल , वासो — मोहला, कसावाँ, कपूरणला । (भग्तरक)
- (2) 1. श्री पृथपाल सिंह पुत्र हरबन्स सिंह
 2. श्रीमती इकबाल कौर परती हरबन्स सिंह
 3. श्री गुरविन्द्र कौर पत्नी पृथपाल सिंह
 गुरू नानक नगर रायपुर (एम० पी०)
 (भ्रम्तरिती)

को यह स्वना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्वन के निए कार्यवाहियां करता हुं।

अक्त तम्परित के कर्चन के सम्बन्ध को कोई भी वाकोप ह—-

- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीय वे 45 दिन की सर्वीध या तत्सम्बन्धी व्यक्तिकों वद सूचना की तामील वे 30 दिन की बचीध, को की अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवेक्त स्वविद्यों में वे किसी स्वविद्य ह्वारा;
- (क) इस स्वना के राज्यक में प्रकाशन की शारीचा है 45 विन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हिटवव्य किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अवोहस्ताक्षरी के पास सिवित में किए का सकेंगे।

स्यव्यक्तिरणः — इसमें प्रयुक्त जन्मों नीर पर्यों का, यो उस्त निधिनियम, के अध्याय 20-क में परिश्रापित हैं, वहीं वर्ष होगा यो उस अध्याय में विशा नवा है।

बन्त्जी

सम्यत्ति तथा व्यक्ति जैसाकि विलेख सं ० 2331 विनीक फरवरी 85 को रजिस्ट्री कर्ती मधिकारी कपूरथला ने लिखा।

> जे ० एस० गिरधर संसम प्राधिकारी सहायक भायकर भायुक्त (निरीक्षण) भर्जन रेंज, जासम्बर

दिनौक: 15-10-85

भोहर:

प्रका बाई.टी.एव.एस.-----

बावकर विधिनवस, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के बधीन सुचनः

भारत सरकार

कार्यासय, सहायक सायकर बायुक्त (निरीक्षण) भर्जन रेंज, जालन्धर जालन्धर, दिना ह 15 शक्तबर 1985

निर्देश सं०ए०पी० नं० 5874---यतः मुझे जे० एल० गिरधर

वायकर विभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रवचात् 'उक्त विभिनियम' कहां गया है), की भारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रु. से विधिक है

श्रीर जित्रको सं० जैसा अनुसुनी। में लिखा है तथा जो जालन्छर में स्थित है (श्रीर इसते उनायद्ध अनुसूनी) में श्रीर पूर्ण रूप में विणित है), रिजस्ट्री एसी श्रीधकारी के कार्यालय जालन्छर में रिजस्ट्रीकरण श्रीधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रीधन, दिनांक फरवरी 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के सम्यमान प्रितिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि सथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृस्य, उसके सम्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिश्वत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और बन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के निए तंव वाचा गया प्रतिफल, निम्मिलिशत उद्वोच्य से उक्त अन्तरण सिविशत में वास्तविक रूप से कथित नहीं कथा गया है ।——

- (क) जन्तरण से हुई किसी शाय की वासरा, उनरा अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दाबित्य में कभी करने या उससे बचाने में सुविधा दाबित्य के सिए; और/वा
- (क) एसी किसी जाव या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, का धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया जा या किया जाना चाहिए था, क्रियाने में स्विधा के लिए;

बत: बद, उक्त अधिनियम की पारा 269-म के अमृतरण में, में उक्त अधिनियम की भारा 269-च की उपभारा (1) के अधीन निम्मतिचित्र, व्यक्तियों, अधीत् ह— (1) श्रो संदोप निस्दा पुत्र रिजिस्द निस्दा, 1/1, प्रीत नगर, लाडांबालो रोड़, जालस्थारद्वारा मुख्तयार रिजिस्द निस्दा।

(ग्रन्तरकः)

(2) श्रोमतो हरजीत कौर पत्नी कुनवंत निह्न श्रौर रोमी मोंगा पत्नी हरजीत सिंह श्रौर हरपीत सिंह पुन्न जीगन्ब सिंह, मनजीत सिंह पुन्न श्रीतम सिंह, वासी 128 शहीद उद्यम सिंह नगर, जालन्धर ।

(अन्तरिती)

को यह सुचमा चारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के सिए कार्यवाहियां सुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षप :---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख ई. 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (च) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 विन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हित- वद्भ किसी अन्य व्यक्ति व्वारा, अधाहरूनाक्षरी के पास चिकित में किए जा सकेंगे।

स्पव्योकरण :---इसमें प्रयूक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया या हैं।

वन्स्ची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख नं० 4757 दिनांक फरवरी 1985 को रिजस्ट्रीक्ति श्रिधिकारी जालन्धर में लिखा है।

जे० एल० गिरधर सक्षम त्राधि गरी सहायक स्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) स्रर्जन रेंज, जालन्धर

विनांक: 15-10-1985

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के बधीन स्थान

भारत सरकार

भार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) श्रर्जन रेंज, जालन्छर

जालग्धर, दिनां ३ 15 धम्तूबर 1985

निर्देशसं०ए०पी०नं० 5875---यतः मुझे, जे० एल० गिरधर,

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्जात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हां, की धारा 269-व की वर्शन सक्षम प्रांतनायों को एक कि स्थानर सम्पत्ति जिसका उधिह बाजार मृस्व 1,09,000/- रा. से अधिक है

भौर जिसकी सं० जैसा अनुसूची में लिखा है तथा जो जालन्यर में स्थित है (श्रीर इसी जपाबड़ अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप में विजित है) 'रिजिस्ट्री कि श्रीयारी के कार्यालय जालस्थर में रिजिस्ट्रीकरण श्रीयित्यम, 1908 (1903 का 16) के भयीन, विनांक फरवरी 1985

को प्रयोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के इश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वाक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, असके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया फल निच्चितित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक में वास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है :——

- (क) बन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के बन्तरक के दावित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एमे किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उचल आंधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृविधा के किए;

अतः अधः, जकत अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं अक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन. निम्मिलिखित व्यक्तियों, अर्थातः— (1) श्री अध्यापाय के उसी पुत्र सक्षमण दारा द्वारा श्री समाव े उसी वासी--170 न्यू जवाहर नगर जान्त्यर।

(प्रकारत)

(2) श्रीमती मंजू जैन पत्नी नरेख कुमार एन० जे० 253 मिठा बाजार, जालत्वर।

(भ्रन्तरिती)

की यह स्वता बारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्बन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हु।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी ह सं 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवेक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीका क 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्ष किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अथोहस्ताक्षरी के पास निक्षित में किए जा सकरी।

स्पन्धीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त निध-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वह नर्थहोगा, जो उस कथ्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि क्लिख नं० 4946 दिनीक फरवरी 1985 को राजस्ट्रीकर्त्ता छाधकारी जालन्धर ने लिखा है।

> ज० एल० गिरघर सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजंन रेंज, जालन्यर

विनांब: 15-10-1985

प्ररूप बाई. टी. एन. एस.-----

बायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अभीन स्थाना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर नाय्क्त (निरीक्षण) अर्जन रेंग, जालस्थर

जातायार, दिनां र 15 श्रम्बूबर 1985 निर्देश सं० ए० पी० नं० 53**7 ६---**यतः **मुझे, जे० एल०** गिरधर

कायकर रुधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके दक्षात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-ख के अधीन रक्षम प्राधिकारी का यह विश्वास करने का कारण है कि स्थापर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूख्य 1,00,000/- रु. स अधिक हैं

मीर कि की सं ० जैसा अनुसूची में लिखा ई तथा जो आवन्धर में विषय है (भीर इसोर उपायक अनुसूची में भीर पूर्ण रूप में विस्ति है), रिजिस्ट्रीतर्सी अधिकारी के कार्यक्रिय आवश्यर में रिजिस्ट्रिकरण अधिनियम, 1903 (1908 का 16) के अधीन, दिनीक फारवरी 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के प्रयमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और गुभी यह विश्वास करने का कारण है

कि यथा पुनेक्ति सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके स्वमान
अतिफल से, एसे स्वयमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिकात से अधिक हैं
और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के
बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निसिंखित
उद्देश्य से उक्त बन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित
महीं किया गया है :—

- (कः) बन्दरण से हुई किसी बाय की बाबत, धक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के बन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; अरेर/या
- (क) एसी किसी बाय या किसी धन था अन्य बास्तियों बर्दे, जिन्हों भारतीय बायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना थाहिए था, छिपाने में सुविधा के सिए;

जत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के कनुसरण हो, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

(1) श्रीमती पुष्पा के त्री पत्नी संस्थापाल के त्री 173, न्यू जयहर नगर, जालक्षर ।

(ब्रस्तरह)

(2) श्रीमती िरन जैन परती मनील कुमार, एन० जे०-253, मिठा बाजार, जालन्धर।

(अभ्यतिसी)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोंक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उन्त संपति के अर्थन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :--

- (का) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की अविधिया तत्संबंधी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में सभाप्त होती हो, के भीतर पूर्वाक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (का) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्थ किसी अन्य स्थावत द्वारा अधिहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्वक्रीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त बीधनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, नहीं अर्थ क्षोगा, जो उस अध्याय मे दिया गया है।

वनुस्ची

सम्मितिया व्यक्ति जैसा निविशेष नं ० 4947 दिनों क फरवरी 1985 को रिजिल्ड्रोक्सी मोधकारी जालस्थर ने लिखा।

> जे ० एल० गिरधर सञ्जन प्राप्ति गरी सहायक भायगर भायुक्त (निरीक्षण) भजेन रेंग, जालम्बर

दिनांक: 15-10-1985

मोहर ः

प्ररूप आर्ष. टी. एन. एस.-----

भावकार विभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) को अभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यासय, सहायक भागकर नायुक्त (निर्दोक्तन)

धर्जन रेंज, जालम्धर

जालन्धर, विनांक 15 प्रम्तूबर 1985

निर्देश सं०ए०पो०नं० 5877---पतः मुझे जे० एल० गिरधर

भाषकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा नया हैं), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मून्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

भीर विसर्का संवजैसा अनुसूका म विका है तथा जो जावत्य मे विवत हैं (भीर इसरे: उपायक अनुसूका में भीर पूर्ण रूप से रिक्त हैं), रोवरट्रं कसी अधिकारी के बार्यावय जावल्य से में रिक्ट्रियारण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, विनांत फरवरी 1985।

को पर्वोक्त सम्पन्ति के उचित बाजार मुख्य से कम के उपयमान मह* तिए **मन्त**िस्त ५ दिफल ची मुभ्ते विश्वास करने का है कि बचा-यह कारण पूर्वीवस सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके रूपमान प्रति-फल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिसत से अधिक हैं भौर अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियाँ) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त बन्तरण लिबित में बास्तियक रूप से कथित नहीं किया गया है ६--

- (क) अन्तरण से धुर्व किती बाव की बावत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी कड़ने या उसते बचने में नावधा के जिल्हा बीड/बा
- (य) ऐसी किसी आय या किसी भन या जन्य जास्तियों की, जिन्हीं भारतीय जायकर जिभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, धा भन-कर विधिनियम, धा भन-कर विधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया नवा वा सा किया जाना जाहिए था, क्रियान से स्विधा के लिए;

अतः अव, जन्त अधिनियम की भारा 269-म की, अनुसरक अं, मं, उक्त अधिनियम की भारा 269-म की उपभारा (1) के अधीन, निग्मसिवित व्यक्तियों, अर्थात्:— (1) श्रो सरवापात राहरी पुत्र लक्ष्मण वास 178-स्यू जवाहर नगर, जालन्वर।

(अन्तरक)

(2) श्री किशोरी साल पुत्र राम जी दास वासी-एन० जे० 253, मिठा बाजार, जालन्छर।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के सिये कार्यवाहियां सूक करता हूं।

उक्त संपत्ति के कर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकासन की तारीच से 45 दिन की बविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध वाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियाँ में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीका से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवबूध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा वधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकनें।

स्यव्यक्तिरण :--इसमें प्रयुक्त खड्यों और पर्यों का, जो उक्त व्यक्तियन, के बच्चाम 20-क में परिभाविद्य ही, वहीं अर्थ होंगा को उस बच्चाम में विका गना ही।

यनुसूची

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख नं० 4993 दिनौक फरवरी 1985 को रजिस्ट्रोकर्त्ता प्रधिकारी जालस्थर ने लिखा।

> जे ० एल० गिरघर सक्षम प्राधिकारी सहायक भायकर प्रायुक्त (निरीक्षण) भजन रेंज, जालम्बर

विनोक: 15-10-1985

वक्ष बार्च .टी. एन . एस . ------

कारकार विभिन्नियम, 1981 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के बधीन स्वमा

भारत सरकार

कार्यालयः, तहायक भायकर बायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्छर, दिनौंक 15 भक्तूबर 1985

निर्देश सं० ए० पी० नं० 5878--यतः मुझे जे० एल० गिरघर

बावकर मिथिनियम, 1961 (1961 का 43) (विवा इसमें इसमें इसमें प्रकार, 'अक्त मिथिनियम' कहा नवा है'), की थाए 269-व के अभीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, विसका उचित बाजार मुख्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

भौर जित्तकी सं • जैसा भनुसूची सें लिखा है तथा जो जालन्धर मैं स्थित है (भौर इससे उपाबद भनुसूची में भौर पूर्ण रूप सें बॉणत है), रिजरद्रीय को भविकारी के वार्यालय जालन्धर म रिजरद्रीय रण भवित्यम, 1908 (1908 वा 16) वे श्रधीम, दिनौंक फरवरी 1985

को पूर्वीक्त सम्पत्ति को उचित बाजार मृत्य से कम को क्षयजान अतिफल को लिए अन्तरित की गई है जौर अभी यह निकवास करने का कारण है कि यथाप्योंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य उसके दृश्यमान प्रतिफल का कन्यह प्रतिम्नत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितयों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नतिचित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निम्नतिचित में वास्तिक कम से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) बन्तरण धे हुइ किसी बाब की बाबत सकत निधिविद्यम के सधीन कर दोने के बन्तरक के द्यायित्य में कमी करने या उद्यक्त बचने में सुविधा के लिए; बार/या
- (क) ऐसी किसी नाय या किसी भन या जन्य जास्तिवों को, जिन्हों भारतीय नायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या जनकर अधिनियम, या जनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तिरती इवाय प्रकट नहीं किया गया वा या किया जाता वाहिए था, कियाने में शृतिका के विद्युः

जतः जब, उक्त विधितियम की धारा 269-ग के अनुसरक में, में, धक्त अधितियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, जिम्लिसिक स्योक्तियों, अधीत् :---

- (1) श्री हरजोत तिह पुत्र गुरबचन तिह, 611-माडल टाऊन, जालन्धर द्वारा मुख्तयार--स्तनाम तिह । (प्रन्तरक)
- (2) श्री संतलाल पुत्र केसर दांस 92--- नारायण नगर, जालन्धर।

(भ्रन्तरिती)

को यह स्थान बारी करके पूर्वोक्त सन्यत्ति के वर्षन के सिध् कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सुचवा के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 विन की संविध या सत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी बन्य व्यक्ति द्वारा अभाहस्ताकारी के पास सिक्षित में किए जा सकोंगे।

पनुसूषी

सम्पत्ति तथा व्यक्ति जैसा कि विलेख मं० 4794 दिनौं क फरवरी 1985 को रिजस्ट्रोक्ता भिधकारी जालन्धर ने लिखा है)।

> जे ० एल० गिरधर सक्षम प्राधिकारी स**हायक ग्रायकर ग्रायुक्त** (निरंक्षण) ग्रर्जन रेंज, जालन्धर

विनौक : 15-10-1985

जरूप बाई.टी.एन.एस.-----

बायकर व्यधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक जायकर जायकत (निरीक्षण) धर्जन रेंज, मदुरै मदुरै, दिनौक 7 अक्तूबर 1985

निदेश सं० ६5|फरवरो। 85|मदुरैं---श्रतः मुझे, श्रीमती एम० सामुबेल,

कायकर मिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमे इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-- ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का अधि हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाबार मूल्य 1.00.000/- रु. से अधिक हैं

भीर जिल्ला सं अगर एस० सं 160/7, प्लाट सं 351 के के के नगर, महुरै में स्थित हैं (भीर इससे उपाधक भागुमुको में भीर पूर्ण का से बाँगत है), रजिल्लोक प्रिक्ष प्रिकारी के कार्यालय, जे ० एन० भार०—I, महल महुरै (दस सं 0 629/85) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण घिधनियम, 1908 (1908 का 16) के मधीन, दिनौक फरवरी 1985

को पूर्वोक्त सम्परित को उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल को लिए अन्तरित को गई है और मूम्हें यह विकास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और जन्तरिती (अन्तरितयाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तब बाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देष्य से उक्त अन्तरण कि बित से स्थान में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) बन्तरण से हुई किसी बाय की वाबत, जक्त अभिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (व) ऐसी किसी या किसी धन या अन्य आस्तियां को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृविधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) अ अधीय निम्निजित व्यक्तियों, सर्थात्:---

- (1) श्री पी० भ्रब्दुल रहमान भीर पी० भ्रतान गनी (भ्रन्तरक)
- (2) श्रीमती एम० पूनगायी

(ग्रन्तरिसी)

को यह स्थाना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्थन के लिए कार्यवाडियां करता हुं।

जक्त सम्पत्ति को अर्थन को संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की सर्वीध या तत्सम्बन्धी स्थितियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी सबिध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स स्थितियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति व्यक्ति स्थान
- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब ते 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी बन्य व्यक्ति द्वारा अर्थाहस्पाक्षरी के पास सिवित में किये जा सकी।

स्पद्धीकरणः -- इसमें प्रयुक्त क्षव्यां और पर्यों का, जो उसस अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, यही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया यया हैं।

ग्रन्भुवो

भूमि भीर निर्माग—आर० एत० सं० 160/7, प्लाट सं० 351, ईस्ट असरा कास स्ट्रेंट, के० के० नगर, मबुरे। जे० एस० भार०⊶I, महल, मबुरे। दस० सं० 629/85

> श्रीमती एम० सामुवेल सक्षम प्राधिकारी सहायक भायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) भर्जन रेंज, मतुरै

विनौंक: 7-10-1985

मोहर ध

प्रकृप आई. ही. एन. एस. -----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भायक्त (निरक्षिक) श्रर्जन रेंज, मदुरै

मदुरै, दिनौंक 7 श्रक्तूबर 1985

निदेश सं० 95ए/फरवरी/85/मदुरै---श्रतः मुझे, श्रीमती एम० सामुबेल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ल के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर नम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० श्रार० एस० सं० 160/7, प्लाट सं० 351, में के० के० नगर मदुरै स्थित है (श्रौर इसमे उपाबद्ध श्रमुस्ची में श्रौर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्त्ता श्रीधिकारी के कार्यालय, जे० एस० श्रार०— \hat{I} , महल, मदुरै (दस सं० 630/85) में भारतीय रिजस्ट्रीकरण श्रीधिनयम, 1908 (1908 का 16) के श्रीधीन, दिनौंक फरवरी, 1985

को पूर्विकत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्विक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूक्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल के पंत्रह् प्रतिणत से अधिक है और अंतरिक (अंतरिकों). और अंतरितीं (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरिण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिस उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) जन्तरण से हुंडूँ किसी जाम की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अभारक के दायित्य में कमी करने या उससे अभने में सृविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना आहिए था, छिपाने में स्विध के लिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपभारा (1) के अधीन, नियनिविस्ति व्यक्तियों, अर्थात्:—

12 -- 316GI/85

- (1) श्री पी ० अब्दुल रहमान और पी ० श्रसान गनी । (श्रन्तरक)
- (2) श्री एस० मणीमारन

(ग्रन्तरिती)

का यह सूचना बारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवादियां करता हुं।

उक्त संपत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क्क) वस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं ु दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी वसिध बाद में समाप्त हार्येती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति स्वारा;
- (बा) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पार्श लिक्ति में किए जा सकेंगे।

स्पक्तीकरणः - इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त व्योधनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

यमसर्व

भूमि श्रौर निर्माण श्रार० एस० सं० 160/7, प्लाट सं० 351 ईस्ट उसरी कास स्ट्रीट, के० के० नगर, मदुरै। जे० एस० श्रार० I, महल, मदुरै। दस सं० 630/85

> श्रीमती एम० साम् वेल सक्षम प्राघिकारी सहायक स्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, मदुरै

विनाँक: 7-10-1985

प्ररूप भाइ", टी. एन, एव.,----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारां 269-घ (1) के अधीन स्वना

भारत सरकार

कार्यासय, सहायक वायकर वायुक्त (निरक्तिक)

ग्रर्जन रेंज, भदुरै

मदुरै, दिनाँक 8 श्रक्तूबर 1985

निवेश सं० 5_l फरवरी $_l$ 1985——श्रतः मुझे, श्रीमती एम० सामुवेल

भायकर बिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (िषसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), अर्थ भारा 269-ज के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रह. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० टी० एस० सं० 1805/2 मी० श्रीनिवास नगर 5वाँ स्ट्रीप्ट है तथा जो० श्रीरंगम, तिरुच्छी में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्सा श्रीधकारी के कार्यालय, श्रीरंगम दय० सं० 271/83 में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रीधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, दिनाँक फरवरी 1985

को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के क्ष्यमान प्रीत्मकल के लिए अन्तरित की गर्ड है और मूझे यह विश्वास करने का कारण ही कि यथापूर्वीक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, शतक ख्यमान प्रीत्मक्त से, एसे क्ष्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिवात से अधिक ही और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एमें अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्दोश्यों से उक्त अन्तरण जिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) बन्तरण से हुई किसी शाय की वावत, उक्त अणिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उत्तत्ते बचने में सुविधा के लिए; बोद/या
- (क) ऐसी किसी जाय या किसी धन था अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया प्या था या किया जाना वाहिए था, किपाने में सर्विधा के सिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण मा, मी, उक्त अधिनियम की भारा 269-म की उपभारा (1) च अभीन, निम्नसिंख व्यक्तिकार्यों सर्वात् म— (1) श्री एम० भीमगुन्धरम पिल्लै

(ग्रन्तरक)

(2) श्री ग्रार० गृन्स्वामी

(ग्रन्तरिती)

को यह स्वना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुई 🗓

उक्त सम्पन्ति के अर्जन के मध्य में काहां भी आक्षंप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि से तत्सम्बन्धी ध्यक्तियों पर स्वाचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी सविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त स्थिकारों में से किसी ध्यक्ति बुवारा;
- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबव्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के एम निवत में किए का सकों में।

स्पष्टिकरण :--इसमें प्रमृक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क को परिकार्षण ही, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गवा है।

अनुसूची

भूमि ग्रीर निर्माण टी० एस० सं० 1805/2 मी० 5 वाँ काम स्ट्रीट, श्रीनिवास नगर, तिक्च्ची-4 (द० सं० 271/85)

> श्रीमती एम० सामुबेल सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर घायुक्त (निरीक्षण) क्रर्जनरेंज, मदुरै

दिनौक: 8-10-1985

प्ररूप बाइं.डी.एन.एस.------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अधीन स्वना

भारत सरकार

कार्यालय, महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
______श्चर्जन रेंज, मदुरै

मदुर , दिनाक 8 क्तूबर 1985 निर्देश सं० 19/फरवरी/1985—-प्रतः मुझे, श्रीमती० एम० सामुवेल

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विद्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिस्का उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- क. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० टी० एस० सं० 2080, ब्लाक सं० 39 वार्ड सं० 2, रामचन्द्रपुरम है तथा जो तेन्तूर, तिरूचिरापल्ली में स्थित है (श्रीर इसमें उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रिजन्द्री क्ली श्रीस ारी के दार्यालय, ग्रीरियूर दस सं० 681/85 में भारतीय रिजस्ट्रीकरण श्रीधिनयम, 1908 (1908 का 16) के श्रीधीन, दिनांद फरवरी 1985

को पूर्वोक्त सम्मत्ति के उभित बाजार मृत्य से कम के द्रश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विद्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्मत्ति का उभित क्यार मृत्य, उसके द्रश्यमान प्रतिफल से, ऐसे द्रश्यमान प्रतिफल का प्रमुद्ध प्रतिणत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) बार अंतरिती (अंतरितियों) के बीभ ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से कि भत नहीं कि बा गवा है :---

- (क) बन्तरण से शुरू फिसी आय तरी बाबर, उक्त व्यक्तियम् के बचीन् कर दोने के बन्तरक से स्वतित्व में कमी करने या उससे वचने में श्रुविधा के सिए; जोट्र/वा
- (क) एंचे किसी बाय का किशी थन या अन्य नाम्लिकां को जिन्हां भारतीय नायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त विधिनियम, या कक्-कर निधिनियम, 1957 (1957 का 27) वी प्रयोजनार्थ कन्द्रिती द्वाय प्रकट नहीं किया नया वा किया जाना चाहिए था, कियाने में सूनिया से किया

बराध जब. उक्त बीधीनवम की धारा 269-न के जनुमरण की, मी, उक्त जिधीनयम की धारा 269-व की उपधारा (1) के जधीन, निम्नलिवित व्यक्तियों, जधीत् :---

(1) श्री एस० मनिवेल ग्रीर प्रन्यों

(भ्रन्सरक)

(2) श्री एस० कुंचितपात्तम

(अन्तरिती)

की सह सूचना बारी करके प्रवीकत सम्पत्ति के वर्षन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उपत सम्पत्ति के बुर्वन के सम्बन्ध में कोई भी नाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारींस सं 45 दिन की मुनिभ या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अमिष, जो भी अविध आद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति सुवाय;
- (था) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की हररीय ६ 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी जन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पद्धीकरणः ---- इसमें प्रयुक्त बन्दों और पर्यो का, को उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिशाणित है, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया प्रया है।

श्रनु**सूची**

भूमि और निर्माण टी० एस० सं० 2080, ब्लाक सं० 39 वार्ड सं० 2, रामचन्द्रपुरम, तेन्नूर, तिरूची (द० सं० 681/85)

> श्रीमती एम० सामुवेल सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, मदुरै

¹दनोक: 8--10--1985

मोहर 🖫

साम्बेल,

प्रारूप आहो.टी.एन.एस.

आयकर अधिनियम. 1961 (1961 का 43 को धारा 269 घ (1) के अधीन स्वना (1) श्रीवी० रगराजन

(भ्रन्सरक)

(2) श्रीमती कामाक्षी अम्माल

(भ्रन्तरिती)

भारत तरकार

कार्यासन, सहायक जानकर जानकत (निर्देशक)

श्रर्जन रेंज, महुरै मदुरै, दिनांक 8 श्रक्तूबर 1985 निर्देण स० 28/फरवरी । 1985---श्रतः मुझे, श्रीमती एम०

आमकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (निस्ते इसमें इसके पश्चात् 'उनते अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-क के अधीन सक्ष्य प्रधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्परित, जिसका उपित बाबार सूस्य 1,00,000/- का से अधिक हैं

भीर जिसकी संवटी व एरावस्य 6 8/1, तोन्तूर है तथा जो तेन्तूर में स्थित है (श्रीर इसके उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप के विणित है), राजिस्ट्रीकर्त्ता अधिकारी के कार्यालय, श्रीरियूर (दस संव 353/85 में भारतीय रिजस्ट्रीकरण श्रीधिनियम, 1908) (1908 का 16) के अधीन जिनांच फरवरी 1985

(1908 का 16) के अधीन, दिनांव फरवरी 1985 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से काम के दृश्यमान पतिकल के निष्ण अनुसंदित की पद्दी ही और मुम्में यह विद्यास करने का कारण ही कि यशपूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार पूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे ध्यममान प्रतिफल का गन्त्रह प्रतिशत से जिथक ही और अन्तरक (अन्तरकों) और गंतरिती (अंतरितियों) के नीच एसे अन्तरण के सिष्ट सम पाना प्रतिफल, निम्नतिचित उद्विष्य से उनत अन्तरण निचित को नास्तिक रूप से कियत महीं किया गना है :—— को बह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्मति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करवा हूं ।

उनत सम्परित के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी नाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की टारीश से 45 दिन की वादीश या तस्त्रम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की टाबीश से 30 दिन की अमिथ, यो भी वादीश वाद में सवादा होती हो, के भीतर प्रवेक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यवस्थ;
- (व) इस तृचना के राजपत्र में प्रकाबन की तारीच है 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी जन्म व्यक्ति द्वारा, अभोहस्ताक्षरी के पास विकित में किए जा सकोंगे।

स्पाका किरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं है, वहीं अर्थ होगा जो उसे अध्याय में दिया गया है।

(क) अन्तरण ते हुन्न किसी लाव की बाबत उक्त अधि-नियम को अधीन कर दोने के अन्तरक को दासित्व मीं कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/वा

(य) ऐसी किसी बाब वा किसी अन वा बन्च कारितवाँ की, जिन्हें नारतीय नायकर निधिनयम, 1922 (1922 को 11) या उक्त निधिनयम, या धन-कह अधिनियम 1957 (1957 को 27) के प्याजनाथं अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, क्रियानं में सुविधा के निए: अनुसूची

भूमि श्रौर निर्माण तेन्तूर गांव, आई मं० 3, बनाक टी० एस० 68/1

(दस सं० 353/85)

श्रीमती एम० सामुबेल सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, मदुरै

कतः वर्व, उक्त अभिनियम की धारा 269-ग के अनुसर्फ कों, कों, उस्त अधिनियम की धारा 269 घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नीलेखित व्यक्तियों, अधीत्:---

दिनांक :8 -10-1985

प्ररूप आई.टी.एस.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)

को धारा 269 घ (1) के अधीम सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, मदुर

मदुरै, दिनांबः 8 ग्रन्तूबर 1985

निर्देश पं० 35/फरवरी/1985⊸-ग्रतः मुझे, श्रीमती एम० सामुवेल,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (चित्र इसके इसके पश्चातः 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं)।, की भारा 269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सप्पत्ति, जिसका उचित वाबार मृत्व 1,00,000 / - रत. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी संबन्धारवण्यक 470/2 तथा जो मडकुलम, मदुर में स्थित है (ग्रोर इसस उपाबद्ध ग्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप अ वर्णित है), राजप्रोहत्ती अधिकारी के कायलिय, (द०वं० 3166/84) में भारतीय राजस्ट्रीवारण प्रधिनियम, 1908 (1908 ता 16) के अधोन, दिनाक फरवरी 1985

को पूर्वोक्त सम्पन्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दक्यबान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उपित कावार मुल्य,, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान असीतफस 🕏 विक्र प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) **और अंत**-रैरती (अंर्तारतियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया शितफल निम्नलिश्वित उद्दश्य स उस्त अंतरण निश्वित में शस्तिविक रूप से कथित नहीं किया गया 🗗 :---

- (क) बन्दरम वे शुद्र भिन्दी नाम की बाब्द , कन्द विधिनियम के अधीन कर दोने के बन्तरक की वायित्व में कमी। करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी कार वा किसी धन वा कवा बाहिएकों को, जिन्हें मारतीय नाय-कार मधिनियम, 1922 (1922 को 11) या उक्त अधिनयम, या अन-कर विधिनियम, 1957 (1957 का 27) वे प्रयासनार्थ अन्तर्रारती प्रवारा प्रकट नहीं किया नवा था या किया बाना चाहिए था, क्रियाने में सुविधा ब्राव्या में स्मित्,

बतः वनः, उत्त वीपनियम् कौ पारा 269-न के वन्तर्य , में, उक्त अधिनियम की भारा 269-व की उपभारा (1) 😘 अधीतः, निम्नसिधित व्यक्तियम्, अवति ६----

(1) श्री डेबिड जानैय्या पोतिराजुल

(ग्रन्सरक)

(2) श्री एम० फलोरन्स राबिन्सन

(अन्तरिती)

को बहु सूचना जारी करके पूर्वोक्त तक्ष्मीत्व के वर्षन के तिय .कार्यवाहियां शुरु करता हुई ।

ब क्या सम्बद्धि के बर्बन के संबंध में कोई भी आक्रोप हुन्न

- (क) इस स्थना के राजपन में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की जनभि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सुचना की तामीस से 30 दिन की अविध, जो भौ अविभ बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (क) इस सुमना के राज्यक्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हिसबद्ध किसी जन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के गास तिसित में किए जा सक मे।

स्पच्छीकरण:----इसमें प्रयुक्त धब्दों और पदों का जो उक्त अधिनियमं के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं वर्ष होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

म्रार० एस० सं० 4702, मङ्कुलम गांव, मदुरै भूमि (दस० स ० 3166/84)

> श्रीमती एम० सामुबेल सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (तिरीक्षण) अर्जन रेंज, मदूर**ै**

दिनांक: 8→10-1985

प्रकल बाह्र . टी. एन. एस. -----

माधकर अधिनियम. 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के वधीन सुचना

भारत सरकार

फार्यालय, सहायक सायकर आयुवत (निर्काक)

ग्रर्जन रेंज, मदुर मदुरै, दिनांक 8 ग्रक्तूबर 1985

निर्देश सं० 39/फरवरी/1985-- अतः मुझे, श्रीमती एम० सामुवेल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/-रु. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० सर्वे वार्ड सं० 2 सुक्रमन्यपुरम 4वां स्ट्रीट कार मुक्कडी में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबक श्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीत क्तीं श्रीधकारी के कार्यालय, कार मुक्कडी (द० सं० 195/85) में भारतीय र्राजर्स्ट्राव प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्राधीन, दिनांव फरवरी

को पूर्वेक्ति सम्परित को उचित बाजार भूस्म ते कम के ज्यमान प्रतिकास को लिए अंतरित की नहें हैं और मुक्ते यह विद्वाध करने का कारण है कि अभापूर्वेक्ष्त सम्परित का उचित बाजार मुन्य, उसके दश्यमान प्रतिकास से, एक दश्यमान प्रतिकास का प्रमुद्ध प्रतिवात से मधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिति (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए सप पाया यहा प्रतिकात, निम्नतिवित उद्देषम से उच्च कम्बद्ध विवस में पास्कृतिक कम से स्वित्व मुद्देरिक गुन्द हैं हैं—

- (क) बन्तरण से हुए भिन्नी काथ की वावत, उक्त विभिन्निय के नधीन कर दोने के बन्तरक के शायत्व में अमी करन या उससे वचने में स्विधा के लिए; बीर/या
- (बा) एसी किसी बाय या किसी धन या जन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कार अधिनियम या धन-कार अधिनियम या धन-कार अधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में सुविधा वै किए?

(1) श्रीमती वी० रामलक्ष्मी ग्रौर अन्यों

(ग्रन्तरक)

(2) श्रीमर्ताजी ज्यार्वती ग्राच्वी

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी कारके पर्वोक्त संपत्ति के वर्जन के निष् कार्यवाहियां कारता हूं।

उक्त सम्पत्ति के बर्धन के संबंध में कोई भी आक्षेप---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि नाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति सुवारा;
- (क) इस सूचना के राजपन में प्रकासन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के काम किसा में किए जा सकींगे।

स्पष्टीकरण —-इसमे प्रयास्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क मे परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया

वनसर्ची

भूमि स्रौर निर्माण मुक्रमन्यपुरम 4वां स्ट्रीट का क्कुडी (इ० सं० 195,85)

> श्रीमती एम० सामुबेल सक्षम प्राधिकारी महायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजन रेंज, मदुरी

कतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के बन्सरण मीं, मीं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

すれて: 8·10-1985

महिर 🔅

प्ररूप बार्ड ही एव एस ,----

धावस्था विभिन्नितम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के विभीन वृष्या

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक वायकर वायक्त (निरक्षिण) श्रजन रेंज, मदुर

मदुरै, दिनांक 8 ग्रन्तूबर 1985

निर्देश सं० 40/फरवरी/1985-----ग्रतः मुझे, श्रीमती एम० साम्बेल

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया ही, की धारा 269-स के अधीन सक्तम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने को कारण ही कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मृत्य को पूर्वोक्त सम्पन्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान 1,00,000/- रह. से अधिक ही

श्रीर जिसकी सं० सर्वे बार्ड सं० 3 सेक्वालैकोट्टै गांव, कार्येक्कुडी में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणत है), रिजिस्ट्रीकर्ना श्रिधकारी के कार्यालय, जे० एस० श्रार०—H, कार्येक्कुडी द० सं० 210/85 में भारतीय रिजिस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 1,6) के श्राधीन, दिनांक फरवरी 1985

को प्रवेक्ति सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापुनों जन सम्परित का उचित्त बाजार अल्ला, उसके दृश्यमान प्रतिफल ने एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्तृह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तक पावा क्या ब्रह्मिक निम्निविच उच्चेक्य के उन्त अन्तरण विविच्न के बालायिक क्या के विश्वास की कार्या की कार्य कार्य की कार्य

- (क) बन्तरण से हुई किसी बाय का बाबत, उक्त नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दावित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; बौड/वा
- (क) एंनी किसी जान ना किसी वर्ण ना अन्य नास्तिनों की, जिन्हें बारतीय नायकर निधिनियम, 1922 (1922 का 11) वा उन्त निधिनियम, या वर्ण-क्य निधिनियम, या वर्ण-क्य निधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रक्षेत्रवार्ण बन्तरिती ह्यारा प्रकट नहीं किया गया था वा किया वाना वाहिए वा, कियाने में निव्धा ने तिव्या निव्या ने तिव्या निव्या निव

बतः अब उक्स अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण हैं, बैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) किश्रीत निकासिकत स्पक्तियों अर्थात् :— (1) श्रीमनी करतूरी अम्माज

(भ्रन्तरक)

(2) श्री एस० टी० पी० एल० के० श्रार० क्रम्पन चेट्टियार (श्रन्तरिती)

को यह सूचना चारी करके प्वॉक्ट संगीतः के वर्षन के तिस्स कार्यग्रीहर्स करता हूं।

उस्त बन्गरित के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी बार्बंप 🎞

- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीब ते 45 विस की नविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तासीस से 30 दिन की नविध, को भी अवधि नाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी न्यक्ति इवारा;
- (ख) इस सूचना को राजपत्र मों प्रकाशन की तारीख स 45 बिन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति मों हित-बब्ध किसी अन्य प्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पुष्ट में विश्वास मों किए का सकोंगे ।

स्वयनिकरणः - इसमें प्रयुक्त सब्दों और पर्दों का, यो जन्मत व्यविनियम् के अध्याय 20-कं में परिभाषिक हैं, वहीं वर्ष होगा को उस कथ्याय में विशा नदा है।

अनुसूची

भूमि ग्रौर निर्माण सर्वे वार्ड 3, सेक्कालैकोर्ट्ट गांव, कारैक्कुडी (द० मं० 219/85)

> श्रोमती एम० गामुवेल मक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रुजैन रैंज, मदुरी

दिनांक: 8-10-1985

मोहर

प्रकप भाइं.टी.एन.एस.-----

बायकर জনিবিষদ, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्थालय , सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, मद्दरै

मदुरै, दिनांक 8 अक्तूबर 1985

निर्देश मं० 44/फरवरी/1985---श्रनः मुझे, श्रीमती एम० सामुबेल

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके परचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विस्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रह. से अधिक है

स्रौर जिसकी सं० ए० पी० एस० सं० 312,7, है तथा जो विष्वनातम गांव सिवकासी में स्थित है (ग्रौर इससे उपावद अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकस्त्री प्रधिकारी के कार्यालय, सिवकाणी द० सं० 274,85 में भारतीय रजिस्ट्री-करण ऋधिनियम, 1908 (1908 का 16) के स्रधीन, दिनांक फरवरी 1985

को प्वेंकित सम्पत्ति के उचित वाजार मृत्य से कम के खरमान प्रतिफान के लिए अन्तरित की गर्छ है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वेक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफाल से, एसे खरमान प्रतिफाल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है करेर अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के भीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफान, निम्निलिवत उच्चरेप से उकत अन्तरण सिवित में वास्तविक रूप से कवित नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की वाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अम्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुविधा से लिए;

अस. अब. उक्त अधिनियम की धारा 269-**ग के अनुसरण** कैं. मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-**ग की उपधारा (1)** के मधीत भिमनिवक्षित व्यक्तियों, अर्थात् ः— (1) श्री टी० के० नरसिम्हन

(भ्रन्तरक)

(2) श्रीमती जे० सौन्दरवल्ली

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ज) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति ह्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पव्यक्तिरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, ओ उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

वन्त्रन

भूमि और निर्माण ए० पी० एस० सं० 312/7; विश्वनातम गांव, सिवकाशी (द० सं० 274/85)

श्रीमती एम० रामुवेल गक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, मदुरें

दिनांक : 8-10-1985

नायकर निधित्यम, 1961 (1961 का 43) काँ भाग 269-च (1) के नभीन सुचना

भारत नरकार

कार्यातय, सहायक जायकर जायुक्त (निरक्षिक) श्रर्जन रेंज, मदुरै

मदुरै, दिनांक 8 श्रवसूबर 1985

निर्देश मं० 62/फ^{रवरी}/1985--श्रतः मुझे, श्रीमती एम० सामुवेल

नायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (चिसे इसमें इसके पश्चात् 'उकत अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-च के अधीन सक्षत्र प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

स्रीर जिसकी सं० 68. 69, 70 स्रीर 67 स्रीर 80 है तथा जो पुदूर गांव, भेनकोट्ट में स्थित है (स्रीर इससे उपाबद्ध स्नुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विभिन्न है), रिजस्ट्रीकर्त्ता स्रिधकारी के कार्यालय, भेनकोट्ट दन्न में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के स्रधीन, दिनांक फरवरी 1985

करें प्वोंक्क सम्पत्ति के उचित बाबार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तिन्ति की गई है और मुक्ते यह विद्वास करने का कारण है कि यथाप्वोंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्दश्रीतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंकरिती (अंतरितियों) के सीच ऐसे अंतरक के लिए तम पामा गया प्रतिफल निम्नीनिचित उद्योग्य से उच्च अंतरण लिचित वो बास्तियिक है से कीचन नहीं किया गया है है

- (क) बन्तरण वे हुई किसी बाव की वाबस, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने में अन्तरक बी दायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के किए; बीर/मा
- (च) ऐसी किसी नाय वा किसी धन या जम्य जास्तियाँ को, जिन्हों भारतीय यायकर जिधनियम, 1922 (1922 का 11) या उचत मिश्रानियम, या धन-कर्ं खिलिबम; 1957 (1987 का 27) के प्रयोजनाय मन्दरिती द्वार्थ प्रकट नहीं किया गया वा या किया जाना चाविए वा: कियाने में भूकिया से बिए।

जतः अव. उपत विधिनियम की भारा 269-म के बन्तरज में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यिक्तियों, अर्थाह् :-- (1) श्री प्रार० हरिहर रामसुत्रमन्यम

(प्रन्तरक)

(2) श्री ग्रन्तोनिस्वामी

(भ्रत्मरिती)

को यह सूचना पारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति को वर्षन के सिश्र कार्यवाहियां करता हुं।

सकत संपति के अर्जन की संबंध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूजना के राजपत्र में प्रकाणन की तारीच से 45 वित की संवधि या तस्सेवीयी व्यक्तियों पर सूचना की सामील से 30 दिन की संवधि, जो भी संवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में स किसी व्यक्ति दारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारील से 45 विन के भीवर उक्त क्यावर अम्पत्ति में दिवसक किसी अम्प क्यक्ति द्वारा, अझोइस्ताक्तरी के पास विकित में किसे जा सकेंसे

स्वन्धीकरण !---इसमें प्रयुक्त शब्दों ग्रीर पद्दों शा; जो उक्त पश्चि नियम ने अध्याप 20-र में परिभाषित है, बड़ी ध्यं होगा, जो जम ग्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि पुदूरगांव, शेन्कोट्टै (द० सं० 175 से 181 तक)

श्रीमती एम० सामुबेल सक्षम प्राधिकार सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण श्रजेत रंज, मदुरै

दिनांक: 8-10-1985

महिर 🛭

प्ररूप आई.टी.एग.एस.-----

क्षायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन मुचना

भारत सरकार

कार्यालपः, तहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, मदुरै

मदुरै, दिनांक 8 अक्तूबर 1985

निर्देश मं० 79|फरवरी। 1985--- ग्रतः मुझे, श्रीमती एम० साम्बेल

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परकात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-रू के अधीर सक्षम प्राधिकारी को यह विध्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्थ 1,00,000/- रू से अधिक है

ग्रीर जिसकी मं० टी० एस० सं० 2791/1-2, तल्लाकुलम, है तथा जो महुरँटीन में स्थित है (ग्रीर इसमे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्णरूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ला ग्रिधिकारी के कार्यालय, तल्लाकुलम दस० सं० 534/85 में भारतीय रिजस्ट्री-करण ग्रिधिनियम 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन, दिनां क फरवरी 1985

को पूर्वाक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्रश्यमान प्रतिफल है लिए अन्तिरत की गर्ड है और मुक्ते यह विकास फरने यह कारण है कि यथापुर्वोक्त संपत्ति को उचित बाजार मल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का गन्दह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तिरती (अन्तिरतियों) के बीच एसे अन्तरण के सिए तय पाया गया विकास , निम्मिलिसित उद्वोध्य से उक्त अन्तरण निविद्यं के सामाधिक रूप से कथिस नहीं किया गया है

- (का) जन्तरण से हुई किसीं आय की बाबत, उक्त जिथिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे अचने में सृविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आब या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्ही भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर जिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वार प्रकट रहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, स्थिपने में सुविधा के लिए;

शत. अथ, उक्त अधिनियम की धारा 269-य की अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-य की उपधारा (1) के अधीन, निम्मलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ६—- (1) श्री ग्रार० ग्रन्तामलै

(ग्रन्तरक)

(2) श्रीभवानी दयानेश

(अन्तरिती)

का यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन की अविभि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति स्वारा;
- (ख) इस स्वता के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख़ से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकींगे।

स्पव्यक्तिरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भृमि टी॰ एस॰ सं 27°1 1~2, तल्लाकुलम, मदुरै (दस॰ सं॰ 534/85)

श्रानती एक० सामुबेल नक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, मदुरी

दिनांक: 8-10-1985

मोहर 🔻

प्रकार बार्ड्, ह. एम्. एक. - - ---

भारत विभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के नधीन सुचना

भारत तरकाह

कार्याज्ञ , सङ्गायक जायकर आयुक्त (निद्धीकर्ण)

अर्जन रेंज, मदुरै

मद्रै, धिनांक 8 अक्तूबर 1985

निदेश सं० 80/फरवरी/85--श्रतः मुझे, एम० सामुबेल,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त विधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने के कारण ही कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उपित वाजार मृन्य 1,00,000/- रा. से अधिक ही

ग्रीर जिसकी संग्रहीं एसंग्रहीं संग्रहीं 934/2, 827/3, 934/1, 934/2, 934/4, 934/10, ग्रीर 934/12, डोर संग्रह, है तथा जो रेस कीसे रोड, सदुर में स्थित है (ग्रीर इसने उपाबद्ध श्रन्सुची में ग्रीर पूर्णस्प से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधिकारी के कार्यालय, तल्लाभुलम (दसन् संग्रहीं 543/85) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण ग्रिधिनयम, 1908 (1908 हा 16) के ग्रधीन, नारीख 16 फरवरी, 1985,

को प्रोक्त सम्पत्ति के उचित नाजार मूल्य सं कम के स्थमान शितफन के लिए कन्तरित की गई हैं जोर शुम्हें वह विस्वास करने का कारण हैं कि युधापुर्वोक्त कमिति का उचित वाजार मूल्य, उसके स्वमान शिकस सं, एसे स्वयान शितफल का पन्तह प्रतिशत से अधिक ही और नम्तरक (अन्तरका) और बन्दिरती (जन्तरितियों) के बीच एसे नन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्निलिया उद्देश्य से उकत अन्तरण जिकित यें नास्तिक रूप से कथिश नहीं स्थित गया है :---

- (क) अन्धरण सं हुई किसी आयं की बाबत उक्त अभिक्रिया के ज्ञीन कर की के अम्बरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) पाँची किसी जाम या किसी जम या जन्म शासिन्थों की जिन्हों नारारीय नामकर निधिन्यम्, 1922 (1922 का 11) या उसरा निधन्यम्, या धन-कर किसिन्यम्, या धन-कर किसिन्यम्, या धन-कर किसिन्यम्, 1957 (1957 का 27) वे क्रकोचनार्थं बन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया वा सा किया जाना नाहिए था, कियाने में ब्रिया के सिए;

बतः अभ, उक्त अधिनियम की भाष 269-न के बनुसर्थ को, की, उक्त अधिनियम की भारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निल्लीमीबत व्यक्तियों, अभात क्र— (1) मेसर्स मदुरा कोट्स लि०।

(भ्रन्परक)

(2) मेसर्स इण्डियन ब्राह्न कारपोरेशन

(भ्रन्तिर्तः)

को यह सूचना वादी करके पूर्वोच्छ सम्पत्ति के वर्णन के शंसए कार्यवाहियां भूक करता हूं।

रमत सम्पत्ति के वर्षन के सम्मन्य में कोई भी वालेंग :---

- (क) इस स्वना के राज्यका में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की सर्वीध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियां पर स्वाना की तामीस से 30 दिन की स्वीध, को भी क्रमीस साम में समस्य होती हो, के मीतर प्रवित्त स्वासः
- (ब) इस सूचना के राजपत्र को प्रकाशन की तारीस से 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर संस्थित को हित- बद्ध किसी अन्य क्यक्ति द्वारा अधिहस्ताक्षण को पास निविद्यत को किए जा सकीं है।

त्वष्टीकरण :- -इप्तर्म प्रयुक्त शब्दों और प्रया का, जो उक्त अधिनियमः के अध्यात्र 20-क मा परिकाणित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विका नया है।

भूमि श्रीर निर्माण-देश एस० सं० 927/2, 927/3, 934/1, 934/2, 934/4, 934/10 श्रीर 934/12, सं० 2, रेस कोर्प रोड, मदुरै (दस० सं० 543/85)।

एम० पामवेल सक्षम प्राधिकारः [सहायक श्राय कर श्रायुक्त (निराक्षण) श्रजीन रेंज, मदुरी

नार्थ्य : 8-10-1985

प्ररूप आर्ह.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 ष (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सङ्घायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, मदुरै

मदुरै, दिनां हे 8 श्रक्तूबर 1985

निदेश सं० 82/फरवरा/85--श्रतः मुझे, श्रीमति एम० सामवेल,

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम'क हा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाबार मृभ्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

श्रीर जिसका संव डोन संव 9-3-26, 9-3-27, 9-3-28, 9-3-29 श्रीर 9-6-6-, वार्ड है, तथा जो संव 9, पल्लेत्र गांव, पसु-स्पोन मृतुरामिल्लम जिला में स्थित है (श्रीर इसमे उपावड अन्सूत्रा में श्रीर पूर्ण एक से विणित है), रिजस्ट्रोर हर्ता श्रीधानारी के कार्यालय, जेव एसव अगरव-11, उत्तर महास (दमव मंव 541/85) में भारताय रिजस्ट्रानरण श्रीधनियम, 1908 (1908 जा 16) के श्रिशन ताराल्य 16 फरवरा, 1985.

- को पूर्वोक्षत संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रूपयान श्रीतफल के लिए अंतरित को गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके रूपयान प्रतिफल से एसे रूपयान प्रतिफल का पन्यह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियां) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेष्य से उच्त अन्तरण लिखित भें बास्तविक रूप से कायत नहीं किया गया है क्षान
 - (क) अन्तरण ते हुई किती थाय की बावस, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के जन्तरक के बाबित्य में कमी करने या उत्तसे अवने में सुविधा के ग्रेस्ट, बीर/बा
 - (ख) ऐसी किसी भाय या किसी धन या कम्य आहिस्तयों कां, जिन्हों भारतीय जाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) वा उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम या धन-कर अधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिता व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया असी चाहिए था, किया में सुविधा भी हिस्स;

कतः जब, उस्त अधिनियम की धारा 269-ग के बन्सरण में, में उबत अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्निविखित व्यक्तियां, अर्थात् :--- (1) मेससं चेटिटनाडू कम्पनी प्रा० लि०। प्रारं प्रन्य।

(अन्तर ह)

(2) श्रामित बल्लियम्मै ग्राच्चा ग्रीर अन्य ।

(भ्रन्तरिती)

की यह स्वता कारी कर्क प्रॉक्त सम्मित्त के वर्षन के लिए कार्यवाहिमां करता हो।

उन्त तस्परित के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी नाक्षप :---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सी भी स्थितकों पर स्थान की तामीस से 30 दिन की व्यक्ति यो भी व्यक्ति बाद में समाप्त होती हो, के भी पर प्रवेक्त स्थान से से किसी स्थित द्वारा;
- (ब) इत सूचना के राजवत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विस के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बव्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधाहस्ताक्षरी के क्या लिखित में किए का मकोंने।

स्पष्टिकरणः --- इसमें प्रमुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहां अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि और निर्माण-होर सं० 9-3-62, 9-3-27, 9-3-28. 9-3-29, और 9-6-6 पल्लतूर गांव, पसुम्पोन मुत्तुरामलिन्गम जिलाद० सं० 541/85)।

> ्म० सामुबेल गक्षम प्राधिकारो सहायक स्रायकर स्रायुक्त (निरीक्षण) स्रर्जन रेंज, म**दुरै**

राग्?ख: 9-10-1985

प्रसम्ब **भार्यः, दी., एव**ं, **एव**ं, स्वान्यस्थान

बाजकर सभिनियम, 1961 (1961 का 43) की पाछ

भारत सरकार

कार्यासय, तहायक भागकर नामृत्य (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, महुरे

मदुर, दिनां 8 श्रक्तूबर, 1985

निदेश मं० 8 में प्रतियमं । 85--- प्रतः मुझे श्रीमती एम० सामुवेल नायकर अधिनियमं , 1961 (1961 का 43) (जिन्हें इसमें इसके पहचाल 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), अर्थ भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को , यह विद्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति , जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी संव देशव एसव संव 231, 232, 233, 234, श्रीर 235 एक हाले रोड है तथा जो जटिकुड्डी में स्थित है (श्रीर इसमे उपाबड़ श्रमुस्बंद में श्रीर पूर्ण रूप में विषक्त है), रिजस्ट्राक्ती श्रीधार के अर्थालय, जेव एसव श्रारवना, कोटैकुड्डी में (दव संव 50/85)में पारताथ रिजस्ट्रा जरण श्रीधिनयम, 1908 (1908 रा 16) के श्रीसीन, तारोख 16 प्रस्तरा, 1985,

को पूर्व वित सम्पन्ति के उधित आजार मूल्य म कम के स्थमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है जौर मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्व कित सम्पत्ति का उधित बाजार भृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिकृत से अधिक है और जन्तरक (अंतरका) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एमें जन्तरण के लिए तय पाया गया शिकास, निम्निलिखत उद्देश्य से उसत बंतरण लिखित में बास्तिक रूप से कांधित नहीं किया गया है ---

- (क) जन्तरण वे हुए किया थान की नानत, उपत विधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दासित्व मों कभी करने या उद्यस व्यन में सुविधा के लिए; वरि/ना
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हां भारतीय बायकर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अभिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए या कियाने में सुविधा के निए;

सक्त अब उपल जीभीनवन की भारा 269-व के अवृक्रस्थ में, में, उक्त अभिनियम की भारा 269-व की उपधारा '1) के अभीन, निम्नलिखित व्यक्तिता, अथित 3--- (1) श्री एन • ए० मारिमुस् पिल्ले।

(ग्रन्सरक)

(2) श्री निर्मल कुमार एन० मेहतः।

(प्रन्मरितंः)

का वह सूचना भारी करके पुत्रोंकत सम्परित क अर्थन के विष कार्यवाहियां करता हूं।

बक्त सम्परित के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप :---

- (क) इस स्वमा के राजपत्र में प्रकाशन की वारीय से 45 दिन की बनीय या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्वान की वासीय से 30 दिन की बनीय, कां भी विषयि नाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति प्राप्त;
- (क) इस स्वान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मत्ति में हितवक्ष किसी बन्य व्यक्ति द्वारा नघोहस्ताक्षरी के पास निवित में किए वा सकति।

स्वाचीकरणः ----इसमें प्रयुक्त सन्दों और पदों का, जो उक्त जिम्मित्रम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, कही वर्ष होगा को उस अध्याय में दिया नवा हैं।

अनुसूची

टी॰ एस॰ सं॰ 232, सं॰ 7, सेक्काले कोट्टे गांव, काटै॰ कुडी, भुमि श्रीर निर्माण। दस॰ सं॰ 50/85-1 जे॰ एस॰ श्रार-।, कारीकुडी)।

> ्म० सामुबेल नक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरोक्षण) श्रर्जन रेंज, महुरै

सारीख: 8-10-1985

असम् बार्च स्थे स्थ एस -----

बायकर विधिनियस, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) में वधीन स्वना

नारत धरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरोक्षण)

श्रर्जन रेंज-2, मद्रास

मद्रास, दिनांक 8 श्रक्तुबर 1985

निर्देश सं० 2/फ़प्बरः/85---श्रतः मुझे, श्रीमिति एम० सामुबेल,

कायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त समिनियम' कहा गया हैं), की भाष 269-च के मुक्षीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वात करने का जारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मुख्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

ग्रीर जिसको सं० 222, ब्लाइ सं० 17, ग्रामिश्र हिस्सा 9 51000 ग्रलगण्यचेट्यार रोड है, जो पुरशवाक्कम में स्थित्व है (ग्रीर इससे उपावड ग्रनुसूर्या में ग्रीर पूर्णस्प से विणित है), रिजस्ट्रोकर्ता ग्राधकारी के दार्यालय, मद्रास उत्तर छेख सं० 288/85 में भारतीय रिजस्ट्रीकरण ग्राधिनयम ,1908 (1908 का 16) के ग्राधीन तारीख प्रस्वरी, 1985

को प्वेंक्ति तम्मित के जियत काणार मृत्य से कम के क्रथमाम प्रतिकल के लिए जन्तरित की गई और मृत्रे यह विश्वास करने का करण है कि यथापूर्वेंक्त सम्मित्त का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से, एसे दश्यमान प्रतिकल का बंबह प्रतिवात से जीभिक ही जौर अंतरक (अंतरकों) जौर अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए सम पावा गया प्रतिकल निम्मितिचित उह्रदेश्य से उचक कर्तरण जिला में वास्थिकक कम के किंगुत नहीं किया गया है क्ष्रे-

- (क) बन्तरण ने धुर्द किसी बाय की वावत, उपक विभिनियम के बभीन कर दोने के अम्बर्क के धामित्व में कवी करूने था उससे वसने में वृत्तिका क नित्; सीरं∕या
- (थ) एसी किसी बाब मा किसी भन या अस्य बास्तियों की बिन्हुं भारतीय जाय-कर विभिन्नियम, 1922 (1922 का 11) मा उक्त अधिनियम, या अज-कार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के एसोजनार्थ अन्तिरिय (विश्व अकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपानं मं सुविभा के लिए;

जतः अब, उक्त अभिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण भ्रों, भ्रों, उक्त आधिनियम की भारा 269-व की उपभारा (*) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात :---- (1) श्री म्रालसूर राजेन्द्रन ।

(ग्रन्सरक)

(2) श्रंति अखिला कृष्णन्

(अन्तरितंत)

को यह स्थान वारी करके पूर्वोक्त सम्मत्ति के वर्षन के किय् कार्यवाहियां गुरू करता हुं।

उक्त सम्मृतिः के वर्षम् के संबंध के कोई भी वाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की सविभ या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की सविभ, जो भी बद्धि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकन व्यक्तियों में से किसी स्वक्ति इवारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारिस में 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

'यख्टीकरण --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पवाँ का, था उक्त अभिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हाँ, यही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिशा गवा हाँ।

प्रनुसूची

ण्लाट- श्रभिन्न हिस्सा भूमि में 962/51000 87, डा॰ श्रलगण वेट्टियार रोड, मद्रास-84 मद्रास-उत्तर/लेख सं० 288/85।

> एम० सामूबेल सक्षम प्राधिकारो सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरोक्षण) श्रर्जन रेंज, मद्रास

सारोग्न : 8-10-1985

प्रकल अस्त्, टी. इन. एत.....

बाब्कार विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारत 269-म (1) के बजीन स्माना

नारव चंडकार

कामांनव, बहुत्वक नामकर नावृत्त (निहासक)

ग्रर्जत रेंज-2, मद्रास

मद्रास, दिनांक 8 श्रक्तूबर 1985 निदेश सं० 3/फरवरी/85—श्रत: मुझे, श्रीमती एम० साम्बेल,

बावकर बीधनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवाह 'उक्स अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के अधीन बताम श्राधिकारी को, वह विश्वास करन का कारण है कि स्थाबर सम्पत्ति, जिसका छाँचत लगर उत्तर 1,00,000/- रा. से अधिक ही

श्रीर जिसकी सं० ए० पी० श्राण्य स्ट्रीट रामनगर श्रम्बतूर है, जो मद्रास में स्थित है (श्रीए इससे उपाबद्ध श्रमुसुची में श्रीए पूर्ण रूप से विणत है), रिनस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, मद्रास उत्तर लेख सं० 895/25 में भारतीय रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908) 1908 का 16) के श्रधीन फरवरी 85

को पूर्वोक्त संस्थित के जीवत बाउपर सत्य भे काम के व्यवसाय शित्यक के विष्ट् अप्याप्ति की यहाँ ही ग्रीर अभी यहाँ विश्वसाय अपने सा कारण ही कि सथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित शाकार सृष्य, उसके दिवसान प्रतिकता ने, एंसे व्यवसान प्रतिकत का प्रविद्य प्रतिकता ने, एंसे व्यवसान प्रतिकत का प्रविद्य प्रतिकता ने, एंसे व्यवसान प्रतिकत का प्रविद्य प्रतिकता ने अपित के विष्य प्रतिकता ने अपने के स्वत्य प्रतिकता निव्य पाया प्रति क्षा का तिस्ति स्वति प्रतिकता के विषय प्रति के का प्रतिकता का विषय प्रतिकता का विषय का विष

- (क) जन्यरण से हुन्द जिस्ती जाय की शासता, अनस समितिकास के जमीन कर होने के कलाएक के काजित्य मों कसी करने या उससे क्याने मों मितिधा का प्रताप: और/या
- (व) एंके किया भाव वा किया भव वा भव्य अवस्थियों को, विक्त भारतीय नामकर विभिन्नियम, 1922 (1922 का 11) वा उक्त विभिन्नियम, या भनकर विभिन्नियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती बगरा प्रकट नहीं किया गया था वा किया जाना वाहिए था, स्थित में स्विष्ट के लिए;

अतः अब्, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुमरण में, गें, उक्त अधिनियम की भारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिसित व्यक्तियों, अर्थात् क्ल

- (1) श्रीमती हैमलनः गोपिनाथ ग्रौर ग्रन्थों (ग्रन्तरक)
- (2) श्री ए**स**० ए० मूर्मि (ग्रन्तरिती)

कां वह सूचना बारी कर्के पूजींक्त संपरित के अर्थन के सिष् कार्यवाहियां करता हुं।

इन्द सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी बाखेंप :---

- (फ) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीय से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तानील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि नाय में समाप्त हांती हों, के भीतर पूर्वेक्ट का (का को करी। व्यक्ति ववारा;
- (ज) इस स्वना के राजपत्र मों प्रकाशन की दारीच से 45 दिन के भीतर उस्त स्थानर सम्मति मों हित्रबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के शास ेल्डिक में सिरा का असेंगे ।

स्यव्यक्तिकरण :---इसमें प्रयुक्त कक्ष्यें और वर्षे आहे. जी उक्क किंपियक के अध्याद 20-क में विशासित हैं, बहु अर्थ द्वीगा को उन अध्याद में विशा नक्ष वृहें।

अनसर्ची

भूमि ग्रीर मकान श्रम्बस्र मद्रास-मद्रास उत्तर लेख सं० 295/85

> श्रीमती एम० सामुबेल सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुकर (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-2, मद्रा

ता**रीख: 8-10**-

प्रकल कार्डाः टीः, एमः, एवः नगण्यनसम्बन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की अपरा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यांसय. सहायक जायकर बायक्स (निर्वाधिक) श्रर्जन रेंज-2, मद्रास मद्रास, दिनांक 8 श्रक्तूबर 1985

निदेश मं० 14/फरवरी 85⊸⊸श्रन : मुझे, श्रीमती एम० सम्बद्धाः

साम् वेल, बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (किसे इसमें इसके पक्कात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विकास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मूख्य

: . 00 , 000/- रत. से अधिक **ह**ै

श्रीर जिसकी मं० 2 केल्लीस लेन कीलपास है, जो मद्रास10 में स्थित है (श्रीर इसमे उपाबद्ध श्रनुसुची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, पुखावाककम लेख मं० 174/85 में भारतीय रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन फरवरी 85

को श्वोंकण सम्पत्ति के उपित बाजार मूल्य से कम के दरममान श्रांसद्ध है निए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विख्वास करन का अरण है कि यथापूर्वोक्स सम्पत्ति का उपित बाजार मूल्य, उसके दरममान प्रतिफल से एमें दरममान प्रतिफल का बन्तह प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरित (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिकाल निम्निलिश्वित उद्योदय से अक्त अंतरण किश्वित में बास्तिक क्या से किश्वत महीं किया गया है हि—

- (का) अंतरण ते हुइ किती जाब की बावत, उपत अभिनियम के जभीन कार दोने के अंतरफ की वायित्व में क्षमी कदने या उसने वचने में सुविधा के लिए, और/या
- (क्) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हों भारतीय जायकर जिधिनयम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मृतिधा से सिक्ट?

अतः लक् उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, मैं, क्या अधिनियम की धारा 269-ग की उपभारा (1) के अधीत, चनम्निलखत व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्रीमती पार्वती वर्मा ग्रौर श्रन्यों रिप्रेसेन्टिड बाई पवर एजन्ट श्री पी० वी० मेनन

(भ्रन्सरक)

(2) श्रीमती जे॰ एक्जेसर भ्रम्माल

(ग्रन्तरिती)

के वह सूचनर बारी करके पूर्वीवत सम्पत्ति के अर्थन के सिर्थ कार्यवाहिया शुरू करता हुं।

इन्द्र सम्परित के जर्बन के सम्बन्ध में को**र्ड भी आक्षेप** :-----

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविध : रस्तक्रवणी व्यक्तियों पण सूचना की तामील; से 30 विन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हों के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति तारा:
- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख में 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हिसजद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकों।

रनक्कित्यकु --- इसमें प्रशुक्त सब्दों शीर पदों का, जो उक्त गणिनियम के अध्याय 20-क मी परिभाषित हाँ, वहीं अर्थ होंग शास्त्र अंतर में किस् नवा है।

वतसची

भूमि श्रीर मकान मद्रास-10 पुरुशावलकम लेख सं० 174/85

> श्रीमती एम० सामुबेल जलम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-2, मद्रास

तारीख: 8-10-1985

मोहर 😲

प्ररूप लाहरी, तं एन एस. ----

• •

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)
अर्जन रें:- 2, मद्रास
मद्राग, दिनां: 8 श्रक्तूदर 1985

निदेण नं० 18/फन्बरी/85---प्रतः मुखे, श्रीमती एग० सामुबेल,

वायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है'), की धारा 269-स के अधीन सक्ष्य अधिक राग के वह विद्यास करने का कारण है 'क स्थावर अप्यत्ति, जराका उन्यतः बाजहर अल्या 1,00,000/- रु. से अधिक है

श्रीण जिपकी संव टीव एसव संव 35 वीव तंव 53 पुलियूर गांव एमोर है, जो तुंगमदानदात में हिंथल है (श्रीप इसेसे उपादक अनुमुची में श्रीप पूर्ण रूप दे विशित है), रिलस्ट्री-एती श्रीश्रदारी के अर्थात्य, घोडम्बाक्यल लेख संव 253/ 85 में भारतीय रिलस्ट्रीकर श्रीश्रतियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन फरवरी 1985

को पूबे। बंध मंप्तित के अखित बाजार एत्य में अस के इध्यमान प्रतिफाल के लिए अन्तरित की गर्ध हैं आर गुके यह विषयाम करने का कारण हैं कि यभाष्यों कत संपत्ति का उवित बाजार मृख्य, उभके दृश्यमान प्रतिफाल से एसं श्रथ्यमान प्रतिफाल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अन्तरिक (अन्तरिका) और अतिरिती (अंतरितियों) के बीच एते अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफाल निम्मालिखित उद्देश्य से उबत अंतरण लिखित में वास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण में हुई जिसी ए.स की नायत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दर्न के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उसमें बधने में मृतिधा के लिए: और/या
- (स) ऐसी किसी जाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय जाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उथन अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-नार्ध अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मृथिधा के लिए;

(1) थान्ती चेदिना

(भ्रन्तरक)

(2) था टॉ० ब्रार० रगनाथन्

(भ्रन्तरिती)

का यह स्थाता अप कार्या वेरिक शक्तिक के अर्जन के लिए संस्थितिहरू करता है।

्चन संभावित के शास के संवय में काई भी आक्षेप :--

- (स) इस पूर्वा की सामाण भी प्रकाशन की सारीख से गर्वे की की किस का तर मस्पति मी हितबहुध किसी अन्य व्यक्ति प्याग अभोहस्ताक्षरी के पास विकास किए आ सक्तेंचे।

स्थान्त्रीकरण १२ --१५०० १८५६न गाउस लौग पद्यो छा, **आं उक्त** अधिनियण को अध्याम 20-क मीं प**रिभाषित** जुँ की शर्व भीति। यो गाय अध्याम में **दिया** २०४४ १ ।

अन्स्**यो**

भूमि-पुलियूर गांव एग्मोर तुंगम्ब्राक्यम ताल्क कोडम्बाक्कम लेख सं० 253/85

> श्रांभिती एम० सामुवेल संक्षम प्राधिकारी सहायाः आयाग्य आयुक्त (ति**रीक्षण)** प्रकृत रेंज-2, **मद्रा**स

तार^(खा: 8-10-1985)

प्रारूप आईं.टी.एन.एसं.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज-2, मद्राम

मद्रास, दिनांक 8 श्रक्तूबर 1985

निदेश सं० 29/फरवरी/85→न्ध्रन: मुझे, श्रीमती एम० साम्बेल,

कारकर कि भिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसकें इसकें परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं) की धारा 269 के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उण्वित बाजार मृल्य 1,06,000/-रु. से अधिक हैं

द्यौर जिस्की सं० 40 डा० ए० एन० मृदलियार रोड़ के० के. नगर है, जो मद्रान: में स्थिन है (ग्रौर इनमे उपाबद्ध अनुसूचो में ग्रौर पूर्ण रूप ने विण्य है), रिजर्द्री ति ग्रिधितारी के कार्यालय विरूगम्बाव में लेख सं० 275/85 में भारतीय रिजर्द्रीकरण श्रिधित्यम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीत फरवरी 85

फां पूर्वित सम्पत्ति के उचित बाजार मृन्य से कम के दश्यमान प्रिक्त के लिए अन्तरित की गई है और मुभे, यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वित सम्पत्ति का उचित बाजार मृन्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एमे दृश्यमान प्रतिफल का चंद्रह प्रतिकृत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्यरितियों) के बीच एमें अन्यरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निसिशत उद्देश्य से उक्त उन्तरण निस्तित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण स हाई किसी बाय की बाबत, उकत बिधिनियम के अधीन कर दोने के बन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; बीर/बा
- (स) देशी किसी बाब वा किसी भन वा अन्य बास्तिकों करें, जिल्हों भारतीय. बाय-अंद बिभिनियस, 1922 (1992 अस्ट १) या जनन अधिनियस, या अन-अंद विभिनियस, या अन-अंद विभिनियस, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्यारा प्रकट नहीं किए। ज्या वा या किया जाना चाहिए था, कियाने वी निया के किए।

जिल अक, उक्त अधिनियम की धारा 209-म के अनुसरण हैं, में, शक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन जिम्मिलिखिक स्थितसभी, अर्थान :---

(1) श्रं। सी० बी० गांविन्दराजन

(भ्रन्तरक्)

(2) श्रीमनी नेगी लारन्स

(अन्तरिती)

को यह सूचना धारी करके पूर्वीक्त सम्पति के अर्जन के िल क् कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध मा कोई भी बाक्येप :---

- (क) इस स्वता के राजपत्र में प्रधापत की तार्षि के 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी स्थापितकों क्ष स्वता की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी क्षपि नाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति कृतानः
- (ख) इस स्वता के राजपत्र में प्रकाशन की टारीख रं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधीहः उक्ति के पास किसित में किए था सकों है।

स्पद्धीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि और मकान के० के० नगर मद्रास-विरूगम्बाकसम लेख सं० 275/85

> श्रीमिती एम० हामुवेल राजम प्राधिनारी सहायक प्रायकार ग्रायका (निरीक्षण) ग्राजन रेंग--2, मद्रास-6

नारीख: 8-10-1985

प्रकप आहें.टी.एन.एस------

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन स्**च**ना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन गेंज-2, महाव

मद्रान,दिनौंक 7 अन्तूबर 1985 निदेश सं० 23/फण्बरी 85--श्रतः मुझे, श्रीमती एम० साम्बेल,

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की भार 269- क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विद्यास करने का स्नारण है कि स्थावर सम्पीत, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

श्रीर जिपकी सं० डोर नं० रामेइन रोड, कलेक्टेट कालनी श्रीमन्जी करें है जो मदान-29 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है) रिजिन्ट्रोकर्ता श्रिधिकारी के कार्यालय कोयम्बतूर लिख सं० 391/85 में भारतीय रिजिन्ट्रीकरण श्रिधिन्यम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन फरवरी 1985

करे पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूभ्के यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके रश्यमान प्रतिफल से, ऐसे रश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरक्यें) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित मे

- (क) अन्तरण संहुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक को दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्त आस्त्रियों कां, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उनत अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयाजनार्थ अन्तीरती द्वारा प्रकट नहीं किया गय। या या किया जाना चाहिए था, कियाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम को शरा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम को धारा 269-घ की उपधारा (1) इं अधीन, निम्निलिसित व्यक्तियों अधीत:— (1) श्री ए० एंगस्वामि नायइ।

(श्रन्तरक)

(2) श्रीमती सम्बूर्णम मणि।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वांक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाह्यां गुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी बाक्षीप :---

- (क) इस सूचना के राज्यत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना को तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त हो, के भीतर पूर्वोकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख ए 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति मे हित-वष्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखिन में किए या नकेगे।

ल्बच्टीकरण:--इसम प्रयुक्त अब्दो और पदी का, जा उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है. वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया गया है।

अनुसूची

भूमि और मणान-४1 मेन रोड कलेक्टरेट कालनी श्रमिनजीकर मद्रास-29

> श्रीमती एम० सामुबेल स्मक्षम प्राधि गरी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, मद्रास ।

तारीख : 7-10-85

मोहरः

प्ररूप आई. टी. एन. एस्.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन भूचना

भारत सरकार

कार्यालय., सहायक आयकर आय्वत (निरीक्षण) श्रर्जन रेज-2, मद्रान

मद्रास दिनाँ ३ अवन्त्वर 1985 निदेश मं० 31/फरवरी 85—-प्रदः मृक्षे, श्रीमती एम० सामुबेल,

अधिकर अधिनियमं, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन मक्षण प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिपका उित्त वाजार सूच्य 1,00,000/- रह. से अधिक है

भौर जिनकी सं ० एम० नं ० 233 हिए पास ० वि० नगर है जो के० के० नगर में स्थित है (बोध देउन उताबद्ध पन्तुची वे शीर पूर्ण रूप में विणित है). रिजन्द्र एती श्रीत तथी के स्वर्ण विषय विषयम्बाकरम लेख सं ० 347/85 में भारतीज रिव को उत्तर । श्रीवित्यम 1908 (1908 का 16) के श्रार्थान फरवरा 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बायार मूल्य वं कम के दरमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मूझे यह विश्वाम करने का कारण है कि यथापृशीक्त सम्पत्ति का उचित वाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अंतरिक (अंतरिकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीब एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में सास्तिक रूप से कथिस नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त नियम के अधीन कर दोने के अधीरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हों भारतीय आयक्तर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, धा धनकर अधिनियम, धा धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) की प्रयोजनार्थ प्रयोजनार्थ अन्तिरिती इवारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मैं, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन,, निम्नलिसित व्यक्तियां, अर्थात् :--- (1) ओ एच० मा० श्रनंतनारायणन्

(ग्रन्तरक)

(2) बेठुरी सुन्दर राम सूनि

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यगिहियां करता हां।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूनमा के राजपत्र मों प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अनिध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तासील से 30 दिन की अविध , जो भी अविध नाद मों सम्पन्त होता हो , के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों मों से फिसी व्यक्ति दुवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र मों प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति मों हितबद्ध किसी अन्य व्यवित द्वारा अधे हस्ताक्षरों के पास लिखित मो किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:---इसमो प्रयानत शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियमा, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होशा जो उस अध्याय में दिया गया है।

भनु*मु*ची

लेख सं > 347/85 ो। शाह्यूल में द्वी हुई सम्पत्ति लेख सं > 847/85 विम्हणस्वातकम

श्रीमाते एमा सामुदेल सक्षम प्राधि तारी सहायक प्रायकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज 2 मद्रास ।

तार⁴ ख: 8-10-85

माहर :

प्रारूप आई.टी.एन.एस्.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्याल्य, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) अर्जन रेंज-2 मद्राम

मद्रास दिनौंक 7 स्रक्तूबर, 1985

निदेश सं ० 33/फरवरो 1985—-ग्रतः मुझे, श्रीमती एम० सामुबेल,

नायकर जिभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके नश्चात् 'उप्त अधिनियम' कहा सम हो, की धारा 269-क के अधीन अक्षम प्राधिकारी का यह विश्वास करने का कारण हो कि स्थानर अप्यस्ति, जिसका उपित बाजार मृत्य 1,00,000/- रा. से अधिक ही

श्रीर जिनकी सं० डोर सं० 22/409 पुराना टी० एस० सं० 6/1300 नया टी० एस० सं० 6 है तथा जो 1416 श्रीर 1417 श्रोधनक हार स्ट्रीट श्रीर राजा स्ट्रीट कोयञ्जतूर टाउन में स्थित हैं (श्रीर इतसे उनाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विजित हैं) रिज-स्ट्री हिंदी शिक्ष के अविकास से किया है कि श्री किया है किया है कि श्री किया है कि श्री किया है कि श्री किया है किया है कि श्री किया है किया है कि श्री किया है कि

कां पृत्तिकत संगत्ति के उचित बाबार भूक्य से कम के क्ष्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि स्थापनिकत तंग्पत्ति का उचित का प्रतिक इसके क्ष्यमान प्रतिफल से, एचे क्वमान प्रतिफल का प्रतिक प्रतिक्षत से मिनक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्धरिती (अन्तरितिक्षों) के बीच एसे अन्तरक के लिए सब पाया भग्न प्रतिफल , निम्नलिखित उच्चेच्य से उच्च अन्तरण किवित भी बास्त्विक क्ष से क्षित नहीं किया प्रसा है है----

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय को बायत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के यारियत्य मों कभी करने या उससे ब्यने मों सुविधा के लिए; और/या
- (य) ऐसी किसी जाम या किसी धन वा बन्ध वास्तियी की, जिन्हों भारतीय अध्यक्तर निधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्नत अधिनियम, या धन नक्ष अधिनियम, विभिन्न विभिन्न विभिन्न विभिन्न विभिन्न विभिन्न विभिन्न विभन्न व

शत: अब. उक्त अधिनियम की भाग 260-ए से जन्सक। वो, वे उक्त अधिनियम की भारा 269-व की उपभारा (1) वो अधीन, निस्तिलिखित स्पेतितयों. अर्थीत :--- (1) श्री ए० रवीन्द्र मोहन श्रीरपी० महेन्द्रमोहन

(श्रन्तरः)

(2) श्रीमती के० एन० फरदानाबीगम्

(ग्रन्तरितो)

का बहु ्ष्ना जारी कारके पूर्वोक्त सम्पत्ति के श्रेजन् के लिए कार्यवाहियां क्ष्यता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं व ने 45 दिन की अवधि या तत्वंबंध, व्यक्तियों पर स्वना की तासील से 30 दिन की अवधि, सो अर्थ क्षिण बाद वो संमाप्त होती हो, के भीतर प्रोंक्ड व्यक्तियों में से किजी व्यक्ति स्वारा;
- (क) इस सूचना को राजपण मों प्रकाशन की तारीक से 45 जिल को ने एक स्थावर सम्मित मों हिसबद्ध किली व्यक्तिक द्वारा, अभोहस्वाक्षणी को पाक
 तिसिक मों किए वा क्योंगे।

श्वण्डीक इण: --- इसमें प्रवृक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त जीश्रीनयम, के कश्याय 20-क में परिभाषित हैं, कहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विधा शबा ही।

मगुसुची

भूमि श्रीर मकान—-22/439 पुराना टी० एस० सं० 6/1300 नया टी० एस० सं० 6/1300 नया टी० एस० सं० 6/1416 और 1417 श्रीयनकार स्ट्रोट श्रीर राजा स्ट्रोट कं।यभ्बतूर टाउन में कीयम्बत् नेव सं० 553/85

श्रीमती एम० नाम्वेल सक्षम प्राधि कारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) भैग्रर्जन रेंज-2 मद्रास

तारीख: ?~10-85

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अभीन मुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक बायकर वाय्वत (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-2, मद्राक्ष

मद्राः, दिनाँक 8 प्रक्तूबर 1985

निदेश सं० 56/फरवरी 85--- प्रतः मुझे श्रीमती एम० सामुवेल,

बायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इनके परमात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है।, की धारा 269-ख को अधीन संभाग प्राधिकारी को यह विख्वास करने का कारण हैं। कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00000/-रुपयं से अधिक हैं।

ग्रीर जिसकी मं० ग्रानैमलै--पोल्लाच्ची तिरुपुर है जो तिरुपुर भे स्थित है (ग्रार इससे उपावड श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्द्रीकर्ता ग्रधि हारी के कार्यालय श्रानैभलै लेख सं० 21 0/85 में भारतीय रेजिस्ट्री हर ग श्रिधिनियम 1908 (1908 का 16) के स्रवीत फरवरी 85

का पूर्वाक्त भम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य में कम के इइयमान प्रतिफल के लिए बन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीवत सम्पत्ति का उचित वाजार मुल्य, उसके सरमान प्रतिफल सं, एसं दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिगत से अभिक हैं और अन्तरक (कन्तरकों) और अन्तरिही (अन्तरितियाः) के बीच पुरा अन्तरभ क लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देष्य से उक्त अन्तरण जिल्लित वास्तविक रूप भ कथित नहीं किया गया है '---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-अधिनियम को अधीन कर दाने को अन्तरका को दावित्व में कमी करने या उससे अचने में सुविधा को लिए, अंद/ स
- (क) एेसी किसी अगय या धन या अन्य आस्तियाँ को, जिन्हें भारतीय अधिकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिली युवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा को लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम को धारा 269-ग के अनुसरण में, में, ज्युत अधिनियम की धारा १६०-घ की उपधारा (१) को अधीर, रिस्टीक्सिक्स व्यक्तियां,, अर्थात :---

- (1) श्री एप०सो० भ्रमुक्धुस्वामि गींडर
- (भ्रन्तरः)
- (2) श्री जगना थन् ग्रीर ग्रन्यों

(श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करको पूर्वाक्ति सम्पत्ति को अर्जन को लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आओप :---

- (क) इस स्थना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की सामील सं 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाइ में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियाँ मों से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी का सी 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिलिन में सिंग्जा सकींगे।

स्पष्टीकरणः --इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदौ का,, আ ডক্ক अधिनियम को अध्याय 20-क में परिभाषित ही, यही अर्थ हरेगा. जो जास अध्याय मी दिया गण्य हुई।

अन्यपुर्धी

कृषि खेती--प्रानैमलै पोल्लाच्ची तिरुपुर, प्रानैमलै लेख सं० 210/85।

> श्रीमधी एम० नामयेल सक्षम प्राधिकारी महायक भागा रा यायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2, मद्राय

तारीख: 8-10-85

मोहर .

प्रकृष बाइ .टी. एन. एस. -----

बावकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज-2, मद्रास मद्राप. दिनॉक 9 अक्तूबर 1985

निदेश सं० 69/फरवरी 85—-ग्रतः मुझे, श्रीमती एम० सामुबेलः

शायकर अधिनियम, 1061 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परकात 'उकत यिपिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269--क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विख्यास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/-रा. से अधिक हैं

भौर जिसकी सं ० तेक्कमपट्टा गाँव है जो कोयम्बतूर में स्थित है (श्रीर इससे उपावड अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्रीयर्ता श्रीधवारी के तार्यालय मेहुघालयम लेख सं ० 321/85 में भारतीय रिजस्ट्रीवरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रीन फरवरी 1985

को प्वींक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मत्य से बाम के श्रमान प्रतिफल को लिए अन्तरित की गई है और मुफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्वोंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार प्र्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाग गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उकत अन्तरण लिखित में बास्तविक सप से कथित नहीं किया भया है :---

- (क) अन्तरभ से हुइ किसी जाय की बायत, उपक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक और दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुमिशा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य व्यक्तियों को जिन्ह भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मृतिधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के, अनुसरण कें, में, उक्त किधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्री ग्रार० बी० ग्रनंत कुष्ण ग्रप्यर ग्रीर ग्रन्थों प्रनी श्रीमती विशालाश्री ग्रम्माल

(भ्रन्तरक)

(2) श्री कें जलामण पेम्ब्माल

(अन्तरिती)

को यह स्थना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के निष् कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख है 45 दिन वेती अर्थीय का तत्त्वस्त्राची व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील में 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृथींक्य व्यक्तियाँ में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचता के राखपात्र मं। अक्षाधात की तारीस सं 45 दिन के भीतर क्षेत्रत स्थानर संपत्ति मो हित्तबहुध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास विभिन्न में जिस्सार स्थानिक

स्पष्टीकरण :---ध्समे प्रयुक्त गव्दों और पदों का, जो उन्तर किधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित इं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया गया है।

अनुसूची

भूमि मेठुघालयम तेक्कम्पट्टा गाँव कोयम्बत्र मेठुघालयम लेख सं० 321/85

> श्रीमतो एम० सामुबेल सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायकत (निरीक्षण) ग्र**जन रेंज-2, मद्रा**स

नारिका: 7-10-85

माहर द

प्ररूप आई.टौ.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

यार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) शर्जन रेज-2, मद्रास

मद्रास, दिनांक 8 ग्रक्तूबर 1985

निदेश सं० 76/फरवरी 85---प्रतः मुझे, श्रीमती एम० साम्बेल

आयकर अधिनिम्म, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें सभीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्वादन संपीत जिसका उचित बाजार मूल्य

1,00,000/- क. में अधिक **ह**ै

और जिसकी मं० 350/2 टी० एस० सं० 12104/1 संगतूर है, जो कोबन्बत्र; निया है (और इसने उनाबद्ध में और हैंपूर्ण ख्य से विभिन्न है), रिजिस्ट्री हर्ना खिबिकारी के कार्यात्रय गांधीपुरम लेख सं० 351/85 में भारतीय रिजिस्ट्रीकरण खिबित्यम, 1908 (1908का 16) के खबीन फरवरी 1985

को पूर्वोक्ट संम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के अवसान प्रितिपत के लिए अतिरित की गर्ह है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण हो कि रुथाए वें ला संपित्त का उचित बाजार पूर्य, उक्षक, स्थ्यमान प्रतिफल गो, एग्से स्थ्यमान प्रतिफल का वेंद्रह प्रतिकार से अपिक है और अंतरक (अन्सरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल कि निम्तीनिस्त उस्तियं से उस्त अन्तरण कि सित में वास्तविक लप से कथित नहीं किया गया है :--

- (क) अंतरण सं हुइ किसी आय की बाबस, उक्त आधीनयम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में लमी करने दा उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों करा, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उवत् अधिनियम, मा धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के अयलनाथ अन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, कियाने में गिध्धा के लिए।

बतः अब, उन्तस अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसर्य मो, मो, उन्त अधिनेयम जी धारा 269-च की उपधारा (1 के अधीन, नियमीयस्ति स्वितमों, अर्थात् :-- (1) श्री आर० पल्लिनिवेलु

(ग्रन्तरक)

(2) श्री एम० जयकुमार

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना आरो करके पूर्विक्स संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख ते 45 दिन की असिंध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर अवस्था की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवस्थि अक्ट में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचला की राजपन में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन को भीतर उच्त स्थावर सम्पत्ति में हिंत-बद्ध किसी अन्य न्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के शक्ष लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पद्धितिक्ष्ण:—-इसमें प्रमुक्त सन्धों और पर्वो का, जो उन्स अधिनियम, के अध्याय 20-के में यथा परिभा-है, यही अर्थ होगा जो उस अध्याम में दिया गया है।

भम्सूची

भूमि—-टी० एस० नं० 12/104/1 वी एस० एफ० सं० 350/2 संगनूर गांव कोयम्बतूर गांवीपुरम लेख मं० 35/85।

श्रीमती एम० मानुत्रेल सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्राजैन रेंज-2, मदास

नारीख: 8~10~85

प्ररूप बाई.टी.एन.एस.,-----

भायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज:-2, मद्रास

मद्रास, दिनांकः 8 भ्रम्तूबर 1985

निवेश सं० 86/फरवरी 85---- खतः मुझे, श्रीमती एम० सामुवेल,

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पर्यात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-श के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार जून्य 1,00,000/- रह. से अधिक हैं

स्रोर जिसकी सं० 4 टी-प्रपार्टमेन्टस सी ब्लाकः— चं थीपलोर है, जो अनुग्रह एन० एच० रोड, महास-34 में त्यित हैं और इससे उपायत में और पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रिकिस्ट्रीयर्जी अधिकारी के कार्यालय थोसन्डलेटस लेख सं० 41/85 में भारतीय रिक्स्ट्री-करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन फरवरी 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाज़ार मूल्य से कम के दृश्यमान जित्रकल के लिए अन्तरित की गई और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार स्वस्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल का वन्तह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एमें अन्तरण के लिए तय वाबा गया प्रतिफल, निम्नलिक्ति उद्दोष्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्टिविक रूप से किश्त मही किया गया है :—

- श्रीक) अन्तरण से हुइ किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरण के दायित्व में कमी करने या उससे अचने में सुविधा के सिए; और/या
- (क) ऐसी किमी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय जाय-कर अधिनिथम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) की प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया दश था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

(1) श्री गलीचन्द्र मोहन बानर्जी

(भ्रन्तरक)

(2) श्रीमती बी० भार० पुष्पवति देवी (भन्सरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी बाध्येप ह---

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारी ब 4 45 दिन की अविधि या तत्समंभी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (त) इस स्थान के राजपत्र में प्रकारन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थानर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोइस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाष्ति है, वहीं अर्थ होगा. जो उस अध्याय में दिया गंधी

अनुसूची

महात और भूमि--तूगम्बाक्कम हेरोड मदास 34 थौस डर्नेटस लेख सं० 41/85

> श्रीमती एम० सामुवेल सक्षम प्राधिकारी सहायक धायकर धायुक्त (निरीक्षण धर्जन रेंज-2, मद्रास

तारीखा: 8-10-85

प्रकप बाइ . टी . एम . एस . -----

(1) श्री जी० गणेशन

(भन्तरक)

(2) श्री बी० पणमुगम्

(मन्तरिती)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा भारा 269-म (1) के सभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यांशय, सहायक आयकर काय्क्त (निरीक्षण)

ध्रजेन रेंज-2, मद्रास

मद्रास, दिनांक १ श्रम्तूबर 1985

- निदेश सं० 93/फरवरी 85---श्रतः मुझे, श्रीमती एम० साम्वेल

कायकर जीभानगम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात 'उक्त अधिनियय' कहा गया हैं), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकरी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संस्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/-रु. से अधिक हैं

और जिसकी सं० 67ए, मत्तगीड़ गांव स्ट्रीट, सत्तगाड़ू गांव है, जो कालडी पेठ मद्रास-19 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध में और पूर्ण रूप मे विणत है), रिजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय तिरुवद्वपूर लेख सं० 481/85 में भारतीय रिजिस्ट्रीकरण ग्रधि-

नियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन फरवरी 85 को पर्नेक्ट मनानि ने जिल्ला काजप मन्य में कम के रुष्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुन्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृष्य, उसके रुथ्यमान प्रतिफल से, ऐसे रुथ्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तर रिती (अन्तरिनियें) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफालनीम्नलिखित उद्विष्य में उक्त अन्तरण लिचित में बास्तिक रूप से कथिन नहीं किया गया है :——

- (क) श्रम्लरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्स विभिन्निएम के अधीन कर दोने के बनारक के दायित्व में कमी करने या उससे बचाने में सृविधा के लिए; और/या
- (स) एँमी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्ह³ भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 था 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) को प्रयोजनाथे उन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या गिरा जाना चाहिए था, ख्याने में सुविधा के लिए;

लतः अस, उद्यक्त मीर्धीनयम की धारा 269-ग के बनुसरक मैं, मैं भक्षक अधिनियम की धारा 269-श की उपधारा (1) के जन्में क्षेत्र स्थानिसम स्थानितमों, अर्थात् :--- को यह स्वन जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

दक्त संपत्ति के वर्जन के संबंध में काई भी बासेच :--

- (क) इस स्वता के राजपत्र में त्रकाशत की नारी हैं से 45 दिन की सबीध या तत्सम्बन्धी व्यक्तिकों पर स्वता की तामील से 30 दिन की सबीध, को भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृबेक्ट व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वाय;
- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख है 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिश्यव्य किसी अन्य व्यक्ति द्वारा मधोहस्ताक्षरी के वास लिखित में किए वा सकोंगे।

स्पष्टीकरण:---श्समें प्रयुक्त धक्यों और पदाें का, जो उन्हें अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, यही कर्य होगा को उस कथ्याय में विका गया है।

बन्स्चीं

जमीन और मकान:-डोर मं० 67 A, सायनगाडू गांवएसन्द्री, साथनगाडू कालाटीपेट, मद्रास--19 **धीकवोटी**यार/ डाक् नं० 481/85

> श्रीमती एम० सामुबेल सञ्जम प्राधिकारी सहायक भायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) भर्जन रेंज-2, मद्रास

तारीख: 9-10-85

प्रकप आर्थ. ही. एन. एस. ------

बावकड विभिन्नियम, 1961 (1961 का 43) की भारत 269-व (1) के सभीन ब्याना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

धर्जन रेंज-2, मद्रास मद्रास, दिनांक 8 श्रक्तूबर, 1985 निदेश सं० 97/फरवरी 1985---श्रतः मुझे, श्रीमती एम० सामुवेल ,

बायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रचात् 'उक्य अभिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ध के अभी∽ सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित जिसका उचित बाबार मृल्य

1,00,000/- ं से बिधिक हैं
और जिसकी सं लेख सं अ 486/85 की गोडल में दी हुई
सम्पत्ति है, जो मद्रास में स्थित है और इससे उपाबद्ध
में और पूर्ण रूप से बिणत है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय
कोडम्बाक्कम लेख सं अ 486/85 में भारतीय रिजस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन फरवरी 1985
को पृष्णिक सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के स्वयमान
अतिकल को लिए जन्तरित की गई है और मुभे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
कृष्य, उसके स्वयमान प्रतिफल से, एसे स्वयमान प्रतिफल के पंडह
प्रतिकत से अधिक है जोर अंतरक (अंतरका) और अंतरिती
(जंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल,
निम्निक कित उद्वेश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तिक
कप से कथित नहीं किया गया है है—

- (क) अभ्वरण से हुइ किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरक के दायित्य में कमी करने या उससे अवने में सुविधा के सिए; आंद्र/या
- (च) एंसी किसी आय या किसी धन या अस्य आस्तियों को., जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भरकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

् इतः मुख्यः, उद्येश विभिन्नम की धारा 269-ग के अनुसरण भी, भी, उसत अधिनिवम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नसिचित व्यक्तियों, अर्थात् :---

(1) श्री टी॰ मुनुस्वामि

(भ्रन्तरक)

(2) मैसर्स वासन बदर्स

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी आक्षोप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन की अविधिया तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की लारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर एंपीत में हितबहुध किसी अन्य व्यक्ति स्वारा अपोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा मकेंगे।

सिष्डीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, औ उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिशाधित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

लेख सं॰ 486/85 की शेडूल में दी हुई सम्पत्ति कोडम्बाक्कम लेख सं॰ 486/85

> श्रीमती एम० सामुबेल सक्षम प्राधिकारी (सहायक भ्रायकर आ्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-2, मब्रास

सारीख: 8-10-85

प्ररूप. नार्ष. टी. एन. एस्. ----

बायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अभीन स्चना

भारत सरकार

कार्यांनय, सहायक जायकर नायक्स (निरीक्षण) धर्जन रेंज-2, मद्रास

मद्रास, दिनांक 8 श्रक्तूबर 1985

निवेश सं० 104/फरवरी 85--म्प्रतः मुझे, श्रीमती एम० सामुबेल,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा पया है, की धार 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

भौर जिसकी सं० डा० सुन्धरायनगर फस्ट स्ट्रीट, मद्रास-24 है, (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारा के कार्यालय कोडम्बाक्कम लेख सं० 533/85 में भारतीय रजिल्द्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन फरवरी 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इत्यसान श्रीतफल के सिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार बृस्य, उसके ध्रयमान प्रतिफल से, ऐसे ध्रयमान प्रतिफल का बन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंत-रिती (अंतरितियाँ) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया श्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिख्य में बास्तविक कप से कथित नहीं किया यथा है द—

- (क), बन्तरण से हुई कियी बाय की बावब, उक्त विभिन्नियम के अभीन कार दोने के बन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविभा के लिए; और/या
- (च) ऐसी किसी जाय या किसी भन या अन्य आस्तियों का, जिन्हें भारतीय आयकर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अभिनियम, या भनकर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने अन्तियों के लिए;

जतः जब, उक्त डीधनियम की भारा 269-ग के जनुसरण के. में. उक्त अधिनियम की भारा 269-म की उपभारा (।)। के सभीतः निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ः--- (1) श्री इन्दुरी संबंधा

(मन्तरक)

(2) डा॰ ए॰ ग्रार॰ श्रीनिवासन और मन्य

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के सिए कार्यवाहिया करता हु।

टक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की बवधि, को भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्तिय इसारा;
- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच वै 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारः स्थाहस्ताक्षरी के पास निविद्य में किए का सकते।

स्वध्दीकरण :---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, वो अक्त अधिनियम, के मध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, वो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि और मकान डा॰सुब्यारायनगर 1 स्ट्रीट, मद्रास-24 कोडम्बाकम लेखसं० 533/85 ।

> श्रीमती एम० सामुवेल सक्षम प्राधिकारी सहायक प्रायकर भायुक्त (निरीक्षण) पर्जन रेंज-2, मद्रासः।

सारीख: 8-10-85

प्ररूप भाइ. टी. एंन. एस,-----

बायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म से अभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालयः, सहायक बायकर आयुक्त (निरीक्षण) मर्जन रेंज-2, मदास

महात, विकेट 8 पत्त्वाय 1905

िदेग सं∘ 114/क तारी 1985 -- अतः मुझे श्रीमती एम० साम् बेर.प

बायकर व्यथिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रचात् 'उथत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- व के शंधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उपितः वाजार मृस्य 1.,00,000/- रा. से अभिक है

अति जि.की सं० ए ३० एफ० सं० ४६/1 प्रधिक्ति हान् गोच िता हिन्तु है, जो कोतस्पत्त में स्थित है (और इत्ते उपायद में और पूर्ण कर से वर्गित है), अध्यक्तियों अधिकारी के अर्थाक िमालक्षा लेख सं० 441/05 में भारतीय विवर्धात्रण अधि जिल्म, 1908 (1906 /T 16) ये भवीय फासरी 05

को पृथ्वित सम्पत्ति के उचित बाजार मृख्य से कम के दश्यमान प्रतिकत के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्पत्ति का उचित बाजार ्मृत्यः, अस्थौ दरस्मान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पेंद्रहारिक्षल स अधिक ही और अंतरक (अंतरकॉ) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एंसे अन्तरण के लिए तय पाया गया धितफल निम्नलिकित उद्देश्य से उस्त अन्तरण किहित में बास्तविक रूप से कथित महीं किया गया है :---

- (क) जन्तरण से हुई फिसी बाद की बादत, नियम के अधीम कर इने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने या सुविधा के सिएह बीर/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी भन या बन्य आस्तियों को जिन्ह भारतीय आयकर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) की प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्यारा प्रकट नहीं किया गया थाया किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के सिए;

जत: १व, उक्त विभिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण , मैं, उक्त अभिनियम की धारा 2.69-मंकी उपधारा (1) के ब क्षेत्र, निम्हसिनित व्यक्तियों, वर्षात् ः---

(1) श्री केंश्र लड़की सहस्म

(紹訂:11)

(2) श्री श्राप्तः जयदेवतः

(भ्रय्वाक्ति)

को यह सूचना कारी अरके पूर्वीक्त सम्पत्ति को अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हु।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस समाना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सी 45 दिन को अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अविधि बाद मी समाप्त होता हो, के भीतर पूर्वीक्त ष्यक्तियां मं से फिसी व्यक्ति प्रवास;
- (स) इस सूचना को राज्य अपने प्रकाशन की तारीख से 45 दिन को भौतर उक्त स्थावर सम्पत्ति माँ हितदद्वध िकसी अन्य व्यक्ति द्यारा अधेहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्यव्यक्तिरणः -- इसमें प्रयुक्त कथ्यों और पर्वो का, जो उक्त अधिरियमः, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ हांगा जो उस अध्यात में दिया गया है।

अनुसु**ची**

भूमि और माप्त-एत० एफ० सं० 46/1, दिनाल्लर प्रधिवित्रासय गांच कोटन्यतूर दिगतल्लूर लेख सं० 441/051

> श्रीनती एम० सामुबेल सक्षम प्राधिक री, सहायक भायकर भायुक्त (तिरीक्षण) पर्जन रॉज 2, मदात - G

तारींख: 2--10--85

मोहर 🛭

श्ररूप बाह्रं.टो.एन.एस.------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) कौं 269-घ(1) के अधीर स्चरा

भारत सरकार

कार्यालय , सहायक बायकर बायुक्त (निरीक्षण)

धर्जन रोंज-2, मद्राक्ष

मद्राज, दिनो 🔊 🤊 ध्रम्तूबर 1985

िदेश सं० 11/फ घरीं 05---भ्रतः मुझे, श्रीमती एम० सामुबेटः,

श्रीयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें सके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भार >69-ख के अधीम सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का शिरण है कि सन्धावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूस्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

र्आ: जि ति ति सं वार्ड 3 ब्या तसं 5 डोर सं 293 वस्ता धा पपुत्म है, जो पा पपुत्म हरोड में विश्व है (और इत्रेष्ठ उपाबक अनुसूची में और पूर्ण कर से विभिन्न है), रिकर्टी ति अधि गरी के वार्यी :: पारापुरम लेख सं 270/05 में भारतीय रिवर्टी रिण अधि-रिवर्म, 1908 (1908 का 16) के अधीन फ अरीं 65

करें पूर्वोक्त सम्पत्ति की उजित बाजार मूल्य से कम को स्वयमान प्रशिक्षल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उजित बाजार मूल्य, उसके स्थ्यमान प्रतिफल से, एसे स्वयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिफल से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकार) और अंतरिती (अन्तरितिया) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्क अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे क्चने मा सुरवक्त के लिए; और/या
- (का) ऐसी किसी आग या किसी धन या अन्य आस्तियों कां, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 की 11) या उन्तर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 की 27) कें प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृतिभा कें लिए;

कतः जब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग को अनुसरण मों, मों, उक्त अधिनियम की धारा 269-में की उपभारा (1) को अधीन, निम्नलिखित अधिनयों, अर्थात् :—

- (1) श्री के॰ गोविन्यस्वामि गौंडर और उनके पुत (धःतरह)
- (2) श्री एम० श्रीधर

(भ्रग्तरिती)

का यह स्वना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के मर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुई।

उक्त सम्पत्ति के नर्जन के संबंध में काई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी खंध 45 दिन की अधिक या तत्सम्बन्धी व्यक्तियां पर सूचना की बामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वो कर क्यां करायों में से किसी क्यां कर बुबाए;
- (त) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पन्धीकरणः - इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया

अनुस्थी

भूमि और महान-धार्ड सं० 3 बनाह सं० 5 डोर सं० 293 इसका दारापुरम हरोड दारापुरम लेख सं० [470/85]

श्रीनती एम॰ सामुवेल सक्षम प्राविकारी संस्थायक भ्रायकर भागक्त (निरीक्षण) भ्रजन रेंज-2, मद्रास

तारीख: 7-10-85

्रक्य बार्ड. टी. एनं ए**ड**. - ५ ५ - ५-

बायकार विधितियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन तुचना

भारत सरकार

कार्यासय, सहायक सायकर सायक्त (निरक्षिण)

प्रजैन रेंज-2, मद्रास

मद्रा 🖫 2, विशी 🖰 8 ग्रम्तूबर 1985

िवेश सं० 122/फ प्रती 85--- झतः मुझे, श्रीमती एम० सामुबेल,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्ष्म प्राधिकारी को यह विख्वास गरने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उपित बाजार सूच्य 1,00.000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० ए० के० एजामी नगर 3 स्ट्रींट है, जो कु कालाक म मजा 110 में स्थित है (और इसके उपावद अनुसूची में और पूर्ण रूप से वणित है), प्रतिस्ट्रीं जो अधिकारीं के कार्यात्स, मजास (पक्षिण) लेख सं० 402/05 में भारतीं कि किस्ट्रीं एण अधिनियम, 1900 (1908 का 16) से अधीन फल्यरीं 1985 •

को प्वेंक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के रूपमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास का कारण है कि यथाप्वोंक्त सम्बक्ति को उचित बाजार मृत्य, इसके रूपमान प्रतिफल से, एसे रूपमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिकृत में अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एमें अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिसित उद्वेष्य से उक्त अन्तरण लिसित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुइ किसी बाय की बाबत, उक्त विधिनियम के बधीन कर दोने के अन्तरक के वादित्व को कमी करने या उससे वचने में जुनिधा को जिए: वरि/या
- (क) एसी किसी आव वा किसी धन था अन्य जास्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1921 (1922 का 11) वा उक्त जिधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के जवाजनार्थ जन्तरिती द्वार प्रकट नहीं किया गया भा वा किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मे, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) को अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्री वी० बार:बद्रन

(श्रस्तरः)

(2) श्रीबासः ज्ञान

(भग्तिःती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में करेड़ भी वाक्षेप :--

- (क) इस सुचना के राजपत्र में प्रकाशत की तारील से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, को भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाणन की तारीक 4.5 वित के भीतर उक्स स्थावर सम्पत्ति में हितवद्यक्ष किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिक्किट हो किए का सकतेंगे।

स्पष्टोकरण: --- इसमें प्रयुक्त सब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया स्या है।

धनुसूची

भूमि और मकान--ए० के० स्वामि त्याः III स्ट्रींट मद्रास-10 पु त्वावाक.म मद्रास साउथ लेखासं० 402/05।

> श्रीमती एम० सामुबेल सक्षम प्राधिकारी सहायक भायकर भायुक्त (निरीक्षण) भर्जन रोंच-2, मद्रास

तारींख: 8--10--B5

में हर :

प्रकृष बाहु • टी॰ एन॰ एस॰---

माएकर संपिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अभीन स्पना

भारत सरकार

व्ययालिया, सहायक बायकर भायकत (निरीक्षण) श्रजेन रह-2, मद्रास

मद्राप्त, पिनोप 8 अफ्तूबर 1905

आएकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रकार 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भाग 260-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विकास करने के कारण है कि स्थावर सम्पन्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00.000/- रा. से अधिक है

की: ि की सं० 6, परान ध्रम्भाग एकींट हैं, जो दिल्लिकेंट महा -5 में भिवार हैं (और इ.) उम्बद्ध अनुस्वी में और पूर्ण की से धर्मित हैं), प्राप्तिकीं हिंधितारी के रामितिक दिखिकेंट लेख सं० 76/05 में भारतीक पिट्टिक्ट प्राप्त बिंबिक्स, 1903 (1908 राम 10) के अवीर फारारी 1905

को प्रांटल सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्वयमान प्रतिफल के लिए उन्तरित की गई है और मूझे यह विकास कर गा कारण है कि यथाप्योंकत सम्पत्ति का उचित सालप का मृत्य तस्के स्वयमान प्रतिफल को पंदह प्रतिकात स अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच पोसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नतिक्षित उद्देष्ट्य में उक्त अन्तरण लिक्ति में धान्तियस सप स द्रांधत गही किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उसत अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के निए; बौर/वा
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों अपित्र आपतिया अग्यकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या पनकार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया नयः था या किया जाना शाहिए था, जिएाने में सुविधा के लिए;

अश अब. उक्त अधिनियम को धारा 269-ग के अवसरण में. में. टक्त अधिनियम की धारा 269-य की उपधारा (1) के अधी, निम्नलिखित ध्यवितयों, अर्थात् (1) श्री एउ० प्राइषावीयम भीर प्रत्यी

(भ्रस्तदर)

(2) श्री एत० एम० के० मुहमः पती जिला

(ध्रयाति)

को यह स्वना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के विष कार्यवाहियां करता हुई।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी खंधे 45 दिन की अविध या तत्सवंधी अयक्तियां पर स्वना की तामीन से 30 दिन की अविध . जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृबंक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इवार;
- (वा) इस समान की राजपत्र में प्रकाशन की तारीब के 4.5 दिन की भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में जितक्षध किसी अन्य स्थावित इवारा वधोहस्ताक्षरी की वाल लिखत में किए जा सकींगे।

स्थव्यक्तिरण :--- इस्से प्रयुक्त शब्दों और पर्यों का, को उत्थर अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषिष्ठ ही. यहा अर्थ होगा को उस अध्याय में विका गया ही।

का सर्ची

भूमि और मारार--७, वस्तत श्रत्रशास स्ट्रीट, द्विष्टिकेन महा :-5 द्विष्टिकेट लेखसं० 76/85

> श्रीमती एम॰ सामुबेल सक्षम प्राधिकारी सहायक बायकर बायुक्त (निरीक्षण) बर्जन रेंज-2, मद्राक्ष

तारीख: 8-10 -85

प्ररूप आईं.टी.एन.एस.-----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, महाराक आयकर आयकत (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-2 मद्रास

मद्रास, दिनांक 7 अक्तूबर 1985

निदेश सं० 141/फरवरीं 85—मतः मुझे, श्रीमतीं एम० साम्वेल,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्यात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मुल्य 1,00,000/- रहा को अधिक है

और जिसंकीं सं० 77 और 78, H हार्ष कुम्बकोण्म है, तथा जो स्थित है (और इसमें उपाबद्ध भ्रमूसूची में और पूर्ण हम से विणित है) रिजिस्ट्रीं एती अधिवारी के वार्यारण गद्धार गाउथ लेख सं० 381/85 में भारतीय रिजिस्ट्रीं रण अितियम, 1908 (1908 सा 16) के अधीन फरवरीं 85

को पूर्वीवत सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफ्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीवत संपत्ति का रुचित बाजार मृल्य, उनके दश्यमान प्रतिफल से, एपे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्ररिश्वत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के दीच एसे अन्तरण के लिए तब पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से एक्त अन्तरण लिखित में वास्तिविक रूप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की, बाबत, उक्त रुधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व मों कमी करने या एससे बचने मों सृविधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-प की उपधारः (1) के अधीन, कि ोखित व्यक्तियों ्र थित :—
16—316GI/85

- (1) शी ए क महारिक्षम चेर्टियार और मैनर्स (प्रन्तरह)
- (2) श्री वें रटेश रामगाथन रैनर्स रिकेटेड बार्ड फादर एण्ड गाडियन टी० एन० राक्तोपाल।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

- (क) इस स्चना के राजपत्र मों प्रकाशन की तारील से 45 दिन की श्विध या तास्वंधी व्यक्तियों पर स्वाप की तार ल से ३० दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्ति व्यक्ति समें से उसी व्यक्ति दुवारा;
- (ख) इसार्चना के राजपव मं प्रकाशन की तारीस से 4.5 दिन के भातर उक्त स्थावर संात्ति मो हितबद्ध किया अधिहाराक्षरी के पास लियित मों दिए जा सकरी।

स्पंध्दोकरण: — इसमें प्रयक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अधाय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अन्सूची

भूमि और म.14-H.दाई $^{\prime\prime}$ ैर 78 कुम्बकोणम मद्रास दक्षिण लेख सं० 381/85

श्रीमती एम० सामुवेल संत्रम प्राधि तरेः सहायक ग्रायार ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज 2, मद्रास

तारीष्ड : 7--10--85 . मोहर ः प्ररूप बाई. टी. एन. एस.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

भारत सरकार

भारा 269-घ (1) के अधीन स्चना

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-2, मद्राम

मद्रास, दिनां । 8 शक्तुवर 1985

कारकर प्रतिनियम, 1961 (1961 का 42) (जिसे इसमें स्माने का का क्ष्मिक प्रतिनियम स्माने का गण ही, की धारा १६०-व के गणीन सक्षम प्रतिकारी की, यह विक्वाम करने का कारण ही कि स्थावर सम्प्रिका किएका उचित बाबार भून्य 1,00,000 /- रा. से श्रीशक ही

और शिक्षों सं० घर तिमासार रोड है, जो मद्राः 17 में स्थित है (और इनने उपायक में और पूर्ण कर मे राणित है), रहिण्ट्री-राती कथि तरीं के तार्याच्य मद्राः सेंट्राः लेख सं० 131/85 में शाकीर परिस्ट्रीं त्या कथिनियम, 1908 (1908 हम 16) के क्रवीन फरवरीं 85

को स्टीरा सम्पत्ति के शंचन एजार शहर में कम ये इस्थमान शित्र ले किए जन्मित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का राज्य में किए एजार्गक्त सम्पत्ति का उचित बाबार एका जन्म का प्रतिकृत में एजे देश्यमान प्रतिकृत का पंत्र प्रतिकृत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंति जिलें) में की एजे पंत्र के लिए तथ पाया गया प्रतिकृत (अंतरिकों) विशेष एजे अंतरित के किए तथ पाया गया प्रतिकृत (अंतरिकों) किया गया है :—

- (कई बन्तरण से दुई किसी अध्य की बाबत , तकन अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के कपिएव में कमी करने या एमसे बचने में मृति के लिए; और/धा
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, शा धनकर अधिनियम, शा धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए। था, दिल्पाने को यांचिया को निवए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अन्सरण मं, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निमालिखित व्यक्तियों, अधीन, --

(1) मैं अं पुरेण आद्

(अन्तर∵)

(2) श्रीं एम० शंटाहर

(भ्रन्तरिती)

को बहु सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के बर्जन के लिख कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

जक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई ना वाक्षेप:--

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की लिख से 45 दिन की अर्जाध या तत्रांत्रंगी जंकतयों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समान्त होती हो, के भीतर पूर्वों कत व्यवितर्यों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र मो प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थादर न्यान में 165 बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अथाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरें।

स्पब्दीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में गिर्मियत है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

ग्रन्सू वी

भूमि सर त्यागराया रोड टीं० नगर मद्राप 17 मद्राप क्षेन्द्रत लेख सं
० 131/85

एम० प्रामुवेल प्रश्नम प्राधि प्रारं सहायक ग्रायक्त ग्रायुक्त (िरीक्षण) प्रार्वन रेंद्र-2, मद्राव

तारीख: 8-10-85

षक्य बार्ड्, टी. एत<u>. ए</u>स_{..}-----

आधकर मीधनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के मधीन स्चना

भारत सरकार

भार्यात्तय, सहायक आयकर अन्युक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंजना मद्रास

मद्रास, दिनांदा 7 श्रक्तूबर 1985

निदेण सं० 164/फरपरी, 85——प्रतः मुझे, श्रीमती एम० माम्बेल,

बायकर अधिनवन, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परधाद 'उक्त अधिनियम' कहा गया हों), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विख्यास करने का कारण हों कि स्थानर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मन्य 1.00,000/- रू. से अधिक हो

ब्रीर िसकी सं० भूमि 1569 स्कवायर फोट, डार सं० 20 बेस्ट एण्ड स्ट्रोट, तथा जो गोवा पुरम, मद्रास-86 में स्थित हैं (ब्रीर इसने उपादद अनुभूची में ब्रीए जो पूर्ण रूप ने वर्णित हैं) र्याजस्ट्रानती आहे तरा के सामित्र, मद्रास सेन्द्रन, लेख सं० 188/85 में रिनस्ट्री तरण अधिनियम, 1908 (1908) ति ब्रोधीन दिनों के फर्यरों, 1985

को पूर्वनित समात्ति के उन्तत याजार मूल्य म कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की नद्ध हो। और मूण यह विश्वास भरने का कारण है। कि यथापूर्वकित सम्पत्ति का उचित बाजार भूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का भन्द्रह प्रतिश्वास से अधिक है। और अन्तरिक (अन्तरिकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरिण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित भी वास्तविक रूप संक्षित नहीं किया एया है।

- (क) अन्तरण सं हर्इ किनी आय की बाबत, उक्त अभिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दासित्व में कमी करने या उससे बचाने में सृणिधा के लिए; और√या
- (भ) ए.सी किसी बाय या किसी भन या बन्य अस्तियों का, जिन्हें भारतीय आयंकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उनत अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रवोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था वा किया बाना चाहिए.था, छिपाने में सुविभा के निष्;

ा. श्री के० एस० नारत्यणन

(अन्तरक)

2. श्री एस० रेंगराज।

(भ्रन्तरिती)

का यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति क अजन के लिए कार्यवाहियां गुरू करता हु।

उक्त संपत्ति के अर्जन की मंबंध मा कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र मं प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध बा तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर मूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्छ व्यक्तियों में म किसी व्यक्ति द्वार;
- (स) इस सूचना के राजपत्र मों प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उदल स्थायर सम्पत्ति मो हितब इस किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अश्रोहस्ताक्षरी के पाम लिखित मो किए जा सकेंगे।

स्पर्काकरणः -- इसमी प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याप 20-के मी परिभाषित ही, वहीं अर्थ होंगा भी उस अध्याय मी दिया गया ही।

अनुसुची

भूमि 20, वेस्ट एण्ड स्ट्रीट, गोपालपुरम, मदाय-86, मदास सेन्द्रल लेख सं० 183/85 ।

> एम० सामुवेल सक्षम प्राधिकारी महायक स्नायकर श्रायुक्त (निरोक्षण) स्रर्जनरोज-11, मद्वास

अंक: अब, उक्त अभिनियंग की भारा 269-ग के अनुसरण ८. में उक्त अभिनियंग को भाग 269-थ की उपधास (1) के अवीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

दिनांक : 7-10-85

मं(हर:

व्यवस्था के द्रास्ता 📖

बायकर बिधिनियम, 1961 (1961 का **43) की** भार 269-म (1) के बीन मुचना

न रह सरकर

कार्बीवर. सहायक राधकात क मुक्त विका**क्षण)** श्रर्जन रोग-II, ग्रहास

मद्रापः, वि १: 8 धनतुबर 1885

निदेश सं० 165/फण्यणं, 1965 --अवः मुझे, श्रीमती एम० सामुवेल,

आयकर अधिनियम, 196 (196) का 43) (जिसे इसतों, इसके पश्चात् जिल अधिनियम जिल गर्म हों), की धारा 269-छ के अधीन सक्षम प्राधिकारी मो यह विवास करने का कारण ही कि स्थावर सम्पत्ति जिल्ला राजिए, राजार भूजा 1,00,000/- रु. से अधिक ही

ग्रीर जिसकी सं० 37 एल, न्यू सं० 00, भद्रता-32, प्याट सं० 98, 7 वार्ड, प्रडपाए भें अंति है, या भवार में स्थित है (ग्रीर इसमें उपावद्ध ग्रामुक्त में फ्रीए का पूर्व हम है (ग्रीर कार्त श्रीक्षण है) प्रकार में फ्रीए का पूर्व हम है (ग्रीर है) प्रकार कार्त श्रीक्षण ही कार्य कार्य में कार्य कार

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचि । बाजार मूल्य से कम के दरयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफ्ते यह विश्वास करने का कारण एँ कि १० १० १० १० १० १० १० विकास प्रतिकात से अधिक है और महिक अनुक (अंतरका) और अंतरिती रिती (अन्तरितियां) के बीच एस अन्तरिण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नी लोकत १५६२ में उन्हें अ स्टरण निधित मूँ वास्तविक रूप से किया नहीं कि रा गया है :——

- (क) जन्तान्क सं हुइ निश्नी प्राय को बाबत, उपत अधिनियम के अधीन व देने क अन्तरक के दायित्व में का। करने ए उससे व्यने में सुविधा के लिए; और/का
- (म) एसी किसी आप का किसी धन या अस्य आस्तियों करों, जिन्हों भ रतीय अस्य अर और नियम, 1922 (1922 का 11) पा उस्त अर्थि यम, या धर गर अस्थि यम, या धर गर अस्थि यम, या धर गर अस्थि नियम, 1 157 (1957 का 275 के प्रयोजनार्थ अन्ति तो द्वारा प्रयोग नहीं स्वारा प्रयोग नहीं स्वारा धरिक्या आना चाहिए था किया।

बत्र बब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के नाधीन, निम्निलिय का क्लायों, अधितः —

- श्री ए० एम० प्रतिव प्रास्तित, ग्रीर 4 श्रान्यों, (ग्रान्यक)
- 2. मद्रायः फटिनाइजर्स, निमिटेड। (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पृवोंक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कामनिर्देश करता हो ।

उक्त सम्पन्ति के अर्जा के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं
 4 िदन को अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
 सूचना की तमील से 30 दिन को अविध, जो भी
 अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्ट
 व्यक्तियों में में किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ह) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं ह ते 4. दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किमी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिक्षित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टोकरण:—इसमो प्रयक्त शब्दों और पदों का, जो उनत अधिनियम के अध्याय 20-क मो परिभाषित ही, बजी को जोगा, जो उस अध्याय में जिला गया ही।

अनुसूची

भूमि और मकान 37एन, न्यू सं० 96, मद्रास-32 प्नाट सं० 98, नय गाई जैदाीठ, मद्रासं, सेन्ट्रन, लेख सं० 189/85 ।

> एम० सामुवेल सक्षम प्राधिकारी ' सहायह स्रायकर स्रापुक्त (निरीक्षण) • प्रकृत रोज-II, मद्रास

दिनांक : 8-10-1985

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालयः, सहायक आयकर आय्वत (निरीक्षण) श्रर्जनं रेंज-II, मद्रास

मब्राप, दिनां र 8 ग्रक्तूबर 1985

निदेण मं० 167,फरवरी/1985--ग्रातः मुझे, श्रीमती एम० सामुबेल;

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम,' कहा गया है), की भारा 269- के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचिता बाजार मूल्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

स्रोर जिसकी सं ० प्लाट सं ० 1 8 2, श्राप्त एस० 436 है, जो मद्रास में स्थित है (श्रोर इपल उपादक अनुभूजी में श्रोर जो पूर्ण छा के विभिन्न है) रिजस्ट्रीकर्ता श्रीधनारी के बार्यालय श्रालंदूर, लेख सं ० 200/85 में रिजस्ट्रीकरण श्रीधनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनांग फरवरी, 1985

को पूर्विकत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्रश्यमान प्रतिफल के लिए उन्तरित की गई है और मझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विकत सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उमके द्रश्यमान प्रतिफल से एसे द्रश्यमान प्रतिफल का पद्रह रित्रात में अधिक है और अंतरक (अंतरकाँ) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देष्ट्रिय से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त नियम के अधीन कर दोने के अंतरक के बायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सिवधा के लिए;

अत: उब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नीलीखत व्यक्तियों, अर्थात :----

1. श्री नीतम्मा दिस्तात विश्वपा,

(ग्रन्तरकः)

2. श्री जीसक, जार्झ बेल्यताद्वम् ।

(असरिको)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्धन के लिए कार्यवाहियां करता \mathbf{g}_1^2 ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी खंसे 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होता हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किभी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र मो प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति मो हितबद्ध किसी अन् निवित द्यारा अधे हस्ताक्षरी के पास लिखित मो किए जा सकेगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दो और पदों का, जो उसत अधिनियगः, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बहो अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गण ही।

अन्सुची

भूमि और मकान घार० एस० सं० 436, प्लाट सं० 18 2, मदाद, ब्रालन्दूर, लेख सं० 167/85।

> एउ० सामुबेल सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजेन रोज-^II, मद्रास

दिनांक: 8-10-1985

माहर :

प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) श्रजंन रेंप-11, मदास

मद्रास, दिनांवः 8 प्रवतूबर 1985

निदेश सं० 168/फरवरो. 85---ग्रतः मुझे, श्रीमती एम० सामुबेल

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके रश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

स्रीर जिसकी सं० 12, बोनण्या, मुदलो, गाईन, स्ट्रोट, तेनाम्पेठ, है, जो महारा-13 में स्थित है (स्रीर इ.ल. उपायद्ध स्नुसूची में स्रीर जो पूर्ण रूप ने विधात है) प्रक्रिस्ट्रोट्स प्रिधात है जार्यात, मैं तपूर, लेख पेंग 109/85, में जिस्होत प्रण स्रीधानम्म, 1908 (1908 ज 16) के स्रधीन दिलंक फरवरी, 1985

को पूर्वेक्ति सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के स्थमान प्रतिफार को लिए उन्तरित की गई है और मृसे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत स अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है:--

- (कं) अन्तरण में हुई किसी आयः की बाबत, उक्त नियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मैं, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) क अधीन, जनम्नालोखन व्यक्तियां, अधातः :--

- श्री टी० एइ० जानकी श्रम्मालग्रीर दूसरे। (श्रन्तरक)
- श्रीमती सी० इन्द्रा ।

(भ्रन्तरिती)

का यह सूचना जारी वरके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अजिय या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होता हो, के भीतर पूर्विक्त व्यक्तियों में में किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधे हस्ताक्षरी के पास लिखित में किए आ सकेगे।

ग्रनुसूची

भूमि श्रौर महान 12, भूमिण्णमुदली, गार्डन स्ट्रीट, नेनाम्पेठ, महारा-18, मैलापूर लेख संव 109/85 ।

> एम० सामुबेल सक्षम प्राधिधारी सहायर श्रायहर श्रायुक्त (हिरीक्षण) स्रर्जन रोज-11, महास

हिनांक 3-10-1085 माह्य अरूप काई. टी. एव. एव. 🛪 - - ----

बायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की थाए 269-म (1) के अभीन सुभना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरोक्षण) श्रर्जन रेज-II मद्रास

मद्रास, दिनाँ र 8 अन्तुवर 1985

निदेश सं० 195/फ जरी 1985—प्राप्त नुषे, श्रीमती एम० सामुबेल

भायकर जो दो सम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चान 'उकत अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 2'69-स के अधीन मक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित आजार मृत्य 7,00,000/- रा से अधिक हैं

और जिसकी सं० प्लाट सं० एच-II फ्लोर 29 रामसामि स्ट्रीट हैं जो टी० नगर मद्वास-17 में स्थित हैं (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर जो पूर्ण रूप से विणित है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय टो० नगर लेख सं० 24/85 में रिजस्ट्रीकरण श्रिधितियम 1908 (1908 का 16) वे श्रिधी⊬ दिनौंक फरवरी 1985

को पूर्वेक्ति सम्पर्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतिरित की गर्ड है और म्फेयह विश्वास करने का कारण है

कि यथापविधान संपीति का तिचन वाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान पिताउल के पन्द्रह प्रतिश्त से अधिक हैं हैं और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखिन उद्देश्य से उकत अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं थिना गया हैं ---

- (क), अन्तरण संहाडी किसी शास कार्ड शासल, उत्कल स्थितिकार में शासि कर राति में अवनराध के दार्थिक मीं कार्ड कार्यका उसमें तक्षयों में सिवका के लिए शीर/खा
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियाँ की. जिन्हों भारतीय लाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उत्तन अधिनियम, या धनकर निधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-नार्थ करियों इंडाल प्राप्त नहीं किया गया था या जिया लाग लाहिए धर लियाने में सुविधा के लिए;

बत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुनरण मो, मी उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) को अधीर, निम्नलिधित व्यक्तियों, अर्थीत् :--- श्रोमती एच० कमलादेवी

(अन्तरक)

2. श्री सी० एम० बालक्रणन श्रीर सुशीला बालक्रणन (श्रन्तरिती)

कां यह स्थाना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के कर्जन के लिए कार्यवाहियां खुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी के स 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों अप सूचना की तामील में 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस मूचना के राजपत्र में राष्ट्राशन की नारीक स 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्यारा अधारुस्ताक्षरी के पास निकास में किए जा सकरेंगे।

स्पब्दीकरण — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त किश्वितयम के अध्याय 20-क में पीरभाषित है, वहीं अर्थ होंगा, जो उस अध्याय में दिया नया है।

अनुसुची

प्लाट 29. राम स्वामी स्ट्रीट टी० नगर मद्रास-17 III.प्रलोर, टी० नगर, लेख मं० 224/85।

> एम० सामुवेल नक्षम प्राधिकारी महायक स्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) स्रर्जन रेंज-1 मद्राय

दिनों : 8-10-1985

प्रकल बाइ"्टी. एव. एस.

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) कीं भाग 269-च (1) के अभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक बायकर बायकत (निरीक्षण)

श्चर्जन रेंज-II मद्रास मद्राम दिनौंक 8 श्रक्तूबर 1985

निदेश सं ० 196/फरवरी 1985—-प्रतः मुझे श्रीमती एम० सामुबेल

भागका अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिस इसमें इसमें प्रकार जिल्ला अधिनियम कहा गया हो. की धारा 269 में के लक्षीन सक्षम प्राधिकारी को, यह पाल्वास कारने का कारण ही कि स्थावर सम्परित, जिसका उजित बाजार मृल्य 1,00,000/- रा. से अधिक ही

भीर जिसकी संव 20 है तस्त्रीया रेड़ी स्ट्रीट वेस्टमाम्बलम है जो मद्रास-33 में स्थित है (श्रीर इसमें उपाबड़ अनुसूची में श्रीर जो पूर्ण रूप में विगत है) रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधिकारी के कार्यालय टीव नगर लेख संव 230/85 में रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनयम 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन दिनाँक फरवरी 1985 को पर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गृहें है और मृभे यह विश्वास करने का कारण ही कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य ; उपके दृश्यमान प्रतिफल में, एमे दृश्यमान प्रतिफल का भंद्र प्रतिकात से अधिक ही और अंतरिक (अंतरिकार) और अंतरिती (अन्तरितिया) के बीच एसे अन्तरण के लिए तम पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक स्प से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) बन्तरण सं हुई किसी बाय की बाबत, उक्त अधिनियम के बधीन कर दोने के बन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/बा
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियां को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उपत अधिनियम ये: धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रकोदनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सिकिशा के नि

1. श्रीमती श्रार० बसुमति।

(अन्तरक)

2. श्री टी० राम लिंगम ।

(भ्रन्तरिती)

की यह स्पना चारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्षन के विश् कार्यवाहियां शास्त्र करता हूं।

उक्त सम्पत्ति हो अर्जन को सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस मुभ्भा के राजपत्र में प्रकाशन की क्षारीस सं 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिउचप्य किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभाहस्ताक्षरी के पास निस्ति में किए जा सकोंगे।

स्वच्छीकरण:---इतके अयुक्त शब्दों आर पदों का, जो अक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभावित हीं, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय मे दिया क्या है।

ग्रनुसूची

भूमि श्रीर मकान 20 पुराना सं० 18 तंबैया रेड्डी स्ट्रीट दक्षिण माम्बलम, मद्रा:-33 टी० नगर लेख सं० 230/85 ।

> एम० सामुबेल सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज—11 मद्रास

कतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुवरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) क अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

दिनांक: 8-10-1985

मोहर 🤢

आरूप आर्ड्, टी. एन. एस.

मायकर अधिनियम, 1981 (1981 का 43 की धारा 269 घ (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयंकर आयंक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-II मद्रास

मद्रास, दिनाँक 7 ध्रक्तूबर 1985

निदेश सं० 211/फरवरी 1985--अतः मुझे, श्रीमती एम० मामुवेल

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पक्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ख को अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विष्यास करने का कारण है कि स्थादर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मुख्य 1,00,000/- रु. से अधिक **ह**ै

श्रीर जिसकी सं० बल्लम्पुदूर है तथा जो बल्लम में स्थित है (ग्रीर इपसे उपायद्ध अनसूची में ग्रीर जो पूर्ण रूप मे वर्णित है) रजिस्द्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय बल्लम लेख सं० 290/85 में रजिस्ट्रीकरण प्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के प्रधीन दिनाँक फरवरी 1985

को एउँकिः सार्यान के अभित जाजार मुख्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गईं और मुझे यह विस्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित गाजार म्रुय, उसके ४ श्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उस्त अन्तरण सिक्षित में वास्तविक रूप से कथित नहीं कया गया 💅 🖰 🚃

- (क) बनारक से हुई किसी बाब की बाबस, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तर्क दो वानित्य में कमी कहने या उसने बचने में सुविधा के किए; बर्डि/वा
- (का) एँसी किसी अपय या किसी धन या अन्य आस्तियाँ को जिन्ही भारतीय आयक-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, का धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुनिधा के सिहः

अतः जय, इक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपभाग (1) लं अधीन निम्तनिसित् व्यक्तियाँ, अर्थात् :---17 - 316GI/85

श्रीमती सीत भ्रय्यो ।

(अन्तरक)

2. श्री जी० श्रीनिवासन ।

(भ्रन्ति)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्मत्ति के अर्जन के लिए कार्यबाहियां शुरू करता हुई।

जबत सम्पत्ति के बर्बन के संबंध में कोई भी आओप ह-

- (का) इस सुचना के राजपत्र में त्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थाना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी बंबिध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवेकित व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्वाराः
- (क) इस स्थाना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 जिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-क्यूभ किसी अन्य व्यक्ति व्वारा, अधोष्ट्रस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

व्यवस्थितरण:---इसमें प्रयुक्त सन्धों और पर्यों का, जो उक्त सर्भिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा. जो उस अध्याय में विया मबाहै।

भूमि श्रीर मकान बल्लम्पुबूर, बल्लम एम० सं० 74/8ए एंड 74/8 बी. बल्लम, लेख मं० 290/85 ।

> एम० साम्बेल मक्षम प्राधिकारी सप्तायक श्रायकर श्रायकत (निर्नाक्षण) श्रर्जन रेंज-11. मद्रास

विनाम : 7-10-1985

प्ररूप भाइं. डी. एन. एस. - - --

भायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-थ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयंकर आयंक्त (निरीक्षण) अर्जनरेंज-II. मद्रास

मद्रास, दिनाँक 9 श्रक्तूबर 1985

निदेश सं० 8/फरवरी 1985—मतः मुझे, श्रीमती एम० सामुवेल

शायक र कि धिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसमें परवात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है कि धारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वात करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, विश्वका उचित वाजार मृस्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

घौर जिसकी सं० सर्वे सं० 32/22 घौर 32/23 पहुक्कोठ्ठै हैं जो तन्जाबूर में स्थित हैं (धौर इससे उपायद्ध घनुसूची में घौर जो पूर्ण रूप से विणित हैं) रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय मद्रास नार्थ लेख सं० 437, 438 में रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम 1908 (1908 का 16) के प्रधीन फरवरी 1985

को पूर्वोम्स सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफाल के लिए अन्तरित की गई है और बुक्रे, यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्योंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफाल से, एसे दृश्यमान प्रतिफात के पन्द्रह प्रतिशत में अधिक है और अंतरक (अंतरका) और अंतरिती। । अंतरितियाँ। के बीच एमें अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिक् कल निम्नलिखित उद्वोध्य से उक्त अन्तरण तिखित में वास्तबिक अप में किथत नहीं किया गवा है '****

- (क) नंतरण से हुई कि बी नाम की बाबत, उनत अभिनियम के संबीध कर दोने में अंतुहुक के यायित्व में कमी करने या उसते वचने में तृतिभा के सिए; बरि/बा
- (ख) ए'सी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गय. भा या किया बाना काहिए भा, कियाने में सुविधा के लिए:

बतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण वा, मी, अक्त विधिनियम की धारा 269-ज की उपधारा (1) वो सधीन, निम्नसिचित व्यक्तियाँ। अर्थात् क्षान्स श्रीमती म्स्क्कण्णमाल ।

(भ्रन्तरक)

 म सर्स गोकरन ट्रेडिंग प्राइवेट लिमिटेड । (श्रन्सरिती)

को यह सूचना जारी करके पृथोंक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उस्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी गाक्षेप:---

- (क) इस स्थान के द्रावपन में प्रकाशन की तारीय है 45 दिन की जबिध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ब) इस सूचना को राजपन में प्रकाशन की तारीख ने 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर सम्परित में हित बहुध किसी जन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षणी के पास सिवित में किए जा सकीये।

वनस्वी

भूमि भ्रौर मकान 5 जिन्नैया स्ट्रीट पठ्ठुक्कोठ्ठै कस्पा तंजाबूर मद्रास नार्थ विलेख सं० 437 एन्ड 438/85 ।

> एम० साम् वेल सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-11 मद्रास

दिनौंक: 9-10-1985

मोहरः

प्रस्य वार्षः टो. एन् प्रस_्र-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन स्वना

मारव दरकार

कार्यासय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-11, मद्रास

मद्रास,, दिनांक 9 अन्त्वर, 1985

निदेश स॰ 90/फरवरी, 1985--अतः मुझे श्रीमती एम॰ सामुबेल

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चाल 'उन्स अधिनियम' कहा गवा हैं), की भारा 269-च के अभीग सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाबार मृत्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

ग्रीर जिसकी सं० 2/37, विलेज, रोले, नगम्बाक्कम रोड है तथा जो मदास-34 में स्थित हैं (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर जा पूर्ण एप से विणित हैं), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय यौसन्डलैंड्स, लेख सं० 53/85 में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक फरवरी, 1985.

को पूर्वे विस्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्रश्यमान प्रिक्तिन के निया कन्ति को गए हैं और मूक्ते यह विद्वास करने का कार्ण हैं कि स्थाप्तों के सम्पत्ति का उपित बाजार मूल्य, उसके द्रश्यमान प्रतिकल से, एसे द्रश्यमान प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अंतरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरित्वों) के नीच ऐसे अन्तरण के लिए स्थ पाया गया प्रतिकल, निम्नी अधिक नहीं किया गया है :----

- (क) बन्दरूप से हुई किसी बाय की गांबस, उक्स विधिन्त्रम के अभीत कर दोने के बन्दरूक को वाजिए में कुछ करने वा उन्नचे बच्चे में सुविधा के शिष्क बाँड/वा
- (अ) एसी किसी जाय या किसी क्या या जन्य जास्तियों का जिन्हां भारतीय काय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उनता अधिनियम, या ध्य-कर अधिनियम, या ध्य-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनाथं जन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया नया या विक्या काना जाहिए था, किया स्विका के सिए॥

कतः कथ, उक्त निधिनियम की भारा 269-ग के नन्सरण क्रें, क्रें, उक्त अधिनियम की भारा 269-थ की उपधारा (1) क्रें कथीन, निम्नलिकित व्यक्तिकां, नर्भात् क्ष— (1) श्रीमति शक्तला।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री एन० राममूर्ति ।

(भन्तिंगती)

को नह स्थाना बारी करके पूर्वोक्स सम्मित्त के वर्धन के लिए कार्यवाहिमां करता हूं।

जनत सम्मित् के कर्जन के संबंध में कोई भी वार्क्षण :----

- (क) क्षा चुक्क के ट्रांभक्य में प्रकाशन की तारीत से 45 विव की अविध या तत्त्रम्था व्यक्तियों पर स्कान की तापीत से 30 विन की अविध, जो भी वविध साद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति सुवारा;
- (च) इस सुचना के राजपक्त में प्रकाशन की तारीस से 45 विन से भीतर उचन स्थावर सम्पत्ति में दित- बुध्य किसी बन्य स्थावत ब्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पात सिसित में किए जा सकेंचे।

स्पक्कीकरण :— इसमें प्रमुक्त शस्त्रों और पदों का, को उक्क अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है. बज़ी अधे हागा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

गन्म्वा

प्लाट नं. ।।, फ्लोर, डार सं. 2/37., बिल्लेज, राहरी, नेगन्बाक म, मन्नास-34 में तौसन्डलैस, लेख सं. 53/85।

> श्रीमती एम० सामुबेल सक्षम प्राधिकारः सहायक श्रीयकर श्रीयुक्त (निरीक्षण) ग्रजैन रेन, II मदाग

वारीख: 9-10-19**8**5

मोहर 🗓

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म के अधीन सूचना

कार्यालयः, सहायक आयकर आय्क्त (निरीक्षण) श्रजन रेज-II, मद्रास

भारत सरकार

मद्रास, दिनांक 9 श्रक्तूबर, 1985

निवेश सं० 91/फरवरी, 1985--श्रतः मुझे श्रीमती एम० साम्बेल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1.,00 000/- रु. से अधिक है

त्रीर जिसकी सं 2, विस्तेज, रोड, नुगम्बाक्सक्स रोड है, न्या जो सद्राज में स्थित है (श्रीर इसने उपाबद्ध श्रन्सूर्ज में श्रीर जो पूर्णका में विण्य है), रिल्ट्रिज़ी अधिकारों के कार्यालय, योगन्ज के विष्य सं 59/85 में रिजिस्ट्रिक ए श्रिधिनियम 1908 (1908 जा 16) के श्रश्रात दिनौत फरवरी, को पूर्वित सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए उन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, असकी दश्यमान प्रतिफल से ऐसे दश्यमान प्रतिफल का गुद्ध प्रतिशत में अधिक है और अंतरक (अंतरका) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिवक रूप से किथा नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आयः की बाबत, उक्त नियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दावित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के सिष्; और/या
- (ख) ऐसी किसी जाय या किसी धन या जन्य आस्तियों को जिन्ह भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 19 57 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में स्विधा के लिए;

1. श्रोमती एम० शकुन्तला।

(प्रन्तरक)

2. श्री ए० मदिवाणन ।

(श्रन्तरितो)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी ख से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति सुवारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टिकरणः — इसमें प्रमुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याद 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

वनस्ची

फ्लाट टो०-4, सं० 2, विल्लैज रोड, नुगम्बाक्कम रोड है मद्रास-34, थौसन्डलैंडस, लेख सं० 59/85 ।

> श्रीमती एम० साम्बेल सक्षम प्राधिकारी सहायक प्रायकर श्रायक्त (निरीक्षण) ग्रजैन रेंज-11, महास

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए के अनुसरण भें, में., उक्त अधिनियम की धारा 269-अ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नीलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :——

दिनाँक: 9-10-1985

प्रकार वार्ड, दी. यन . ऐस . . ------------

1. श्री सो० के० ग्रमरनाथ ।

(ग्रन्तरक)

2. तो के० एस० लक्ष्मीः ।

ग्रन्त(रता)

नायकर विधिनियस, 1961 (1961 का 43) की भद्रा 269-व (1) के नधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)
प्रजीन रेंज-II, मद्रास
मद्रास, दिनांक 9 श्रक्तुबर, 1985

निदेश तं ० 92/ फ़रवरी, 1985—श्रतः भुक्षे श्रामती एम० सामवे**ल**,

भायकार मिथिनयम, 1961 (1961 का 43) (जिले इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-के के अधीत सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उजित बाबार मुख्य 1,00,000/+ रह. से अधिक हैं

और जिसकें। मं० ष्लाट 37, पालमूल, क्वष्णानगर, उत्तर उसमान रोड़ के नजद ः, है, तथा जो महालिंगपुरम, मद्राल-34 में स्थित है {और इसमें उपाबद्ध अनसूब, में और जो पूर्ण रूप में विणित है), रजिस्द्रों जो अधिकार के जार्यालय, थींसन्डलैंडस, लेख सं० 64/85, भें रजिस्द्रा करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनों है करवरी, 1985,

का पृथिका जम्पित के उचित बाखार मृत्य से कम के ध्यवमान प्रतिफल के लिए भन्तिरित की गई हैं और मृत्रे यह विश्वास कारने का कारण हैं कि सथाएगों क्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दूरमान प्रतिफल से एसे दूरयमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरकों) और अतिरती (अतीरितियों) के बीच के एसे अन्तरण के जिल् अब पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्योध्य से उक्त अन्तरण कि स्वर्भ के सरकारण के सिक्त अन्तरण

- (क्ष) अन्तरण सं हुन् कियौ अय की बाहत, जन्म अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उसते वैकेन में दिविधा के लिए: और/वा
- (क) एसी किसी नाय या किसी धन या कच्य जास्तियों को, जिन्हों भारतीय नायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के अयोजनार्थ जन्तिरती ब्जारा प्रेकट नहीं किया नवा जा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा खेनिए।

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम को धारा 269-श की उपधार (1) के अधीन. निम्नीलियत व्यक्तियों, अर्थात् :--

को बहु सूचना जारी करके पूर्वोक्स संपरित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हों]।

अक्त संपत्ति को कर्जन को संबंध में कोई भी काक्षेप:---

- (क) इस स्वथा के राजपण में प्रकाशन की तारीक सं
 45 विन की वर्गीं या नत्संबंधी लिक्तिमों कर
 स्वना की तामीन से 30 दिन की अविधि, को भी
 बनिध बाद में समाप्त होती हो, से मीनर पूर्वे कर
 व्यक्तियों में से किनी व्यक्ति त्याराः
- (क) इस सुचना के राजपत्र मों प्रकाशन की नारीका सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति मों हितबद्ध किभी जन्म व्यक्ति द्वारा अधाहरू (१०००) तहे पास निवित्त मो किए का संबंधित

स्वकारणः -- इसमें प्रयुवक शब्दों और पदां का, जो उसता विकास के अध्याय 20-का में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा को बस अध्याय में दिया गणा हो।

अनुसूची

भूमि प्लाट सं० 37, पाल मूस् कृष्णानगर, उत्तर उस मान रोड, के बाजु, महालिगपुरम, मद्रास-34, में थौसन्डलैंडस लेख सं० 64/85 ।

श्रीमती एम० सामूबेल संशम ाधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायूक्त (निरोक्षण) श्रर्जन रोज-II, मद्रास

दिनांक 9-10-19**8**5 मोहर: प्रकल बाह्ये, दी. एवं. एवं, -----

बायबः ८ जिभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ज (1) के जंभीन सुचना

HISS SENS

कार्यानम्, सङ्ग्यक मामकर नायुक्त (निरीक्सण)

भ्रजन रेंज-II, मद्रास

मदास, दिनांक 9 श्रक्तूबर, 1985

निदेश सं० 93/फ़रवरी, 1985—प्रतः मुझे श्रीमती एम० सामुबेल,

मानकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), जो कि भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर अम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

भ्रौर जिसकी संववेंकटेण्वरा नगर, बलसरवाक्कम, गांव, है, तथा जो मद्रास में स्थित है (भ्रौर हजल उपाबद अनूसूची में भ्रौर जो पूर्ण रूप में बणित है) रजिस्ट्रीकर्ता म्रधिकारी के कार्यालय, विरूगाम्बाक्कम, लेख संव 352/85, वें रजिस्ट्रीकरण भ्रधिनियम, 1908 1908 का 16) के मधीन दिनांक फरवरी, 1985,

को पूर्वोक्त सम्मित के उचित बाजार मूस्य से कम के इस्यमाम शितफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह व्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्मित्त का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के बीच तय पाया गया प्रविक्ष्मन, निम्नलिक्ति उक्वोश्य से उक्त संहरण चिकित में बास्क-विक कप से क्रिंशत नहीं किया गया है :--

- (क) अन्तरण से हुद्दं विश्वी बाय की बावत, अक्ट अधिवियम के अधीन कर दोने के अन्तरक से क्यित्य में कमी करने या उक्क क्यने में स्विधा के लिए; और/वा
- (ख) एसी किसी नाय वा किसी भन वा नव्य धारितवाँ को, जिन्हें भारतीय नाय-कर निधिनयम, 1922 (1922 का 11) या उक्त निधिनयम, या भनकर निधिनयम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोध-नार्थ नन्तरिसी ब्नारा प्रकट नहीं किया गया था या किसी भाग वाहिए था कियाने में सुविधा के लिए;

बतः वय, उनत किमिनियम की भारा 269-ण खे बन्तरक में, में, उनत अधिनियम की भारा 269-व की उपधारा (1) है जधीन, निक्तिसिवित व्यक्तियों कथाते, हि—

1. श्री एस॰ एस॰ हनीका।

(भन्तरक)

2. श्रोसती हजिया ए० अमीना बीवी।

(मन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पृथींक्त सम्मित के अर्थन के सिष् कार्यवाहियां करता हुं।

उनत सम्पत्ति के नर्जन के संबंध में कोई भी नाक्षेप हु---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख पं 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की व्यक्ति, जो औ व्यक्तियों में समाप्त होती हो, के भीतर पृथें कथ व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्तिया;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी जन्म व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिक्ति में किए जा सकोंगे।

स्पव्यक्तिरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याव 20-के में परिभाषिक हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में किया गमा है।

मनु सूची

भुमि ग्रीर **प**कान प्लाट सं० 2, बेंकटेश्वरा नगर, विरूगम्बामकम, लेख सं० 352/85 ।

> श्रीमती एष**ः** सामूबेल सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायूक्त (निरीक्षण) सर्जन रेंज-II, मद्रास

दिनांक 9-10-1985 **बोहर**ः

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की की भारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

भारतं सरकार,

कार्यासयः, सहायक बायकर बायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-II

मद्रास दिनांक 9 श्रक्तूबर, 1985

निदेश सं० 98/ फरवरी 1985--श्रनः मझे, श्रीमती एम० सामुवेल,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की आरा 269-ख के अधीन सक्तम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्परित, जितका उचित बाजार मून्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० 18. नागार्जुना नगर II स्ट्रीट रंगराजपुरम है जो कोडम्बाक्कम मद्रास-29 में स्थित है (श्रीर इससे उपाश्रद्ध अनुसूची में ग्रीर जो पूर्ण रूप से वर्णिन है) रिजस्ट्रीकर्ता श्रीधकारी के कार्यालय कोडम्बाक्कम लेख सं० 505/85 में रिजस्ट्रीकरण श्रीधनियम 1908 (1908 का 16) के श्रीधीन दिनॉक फरवरी 1985

को पूर्वोक्त संस्थित के उचित बाजार मृत्य से कम के रूर्यमान प्रतिफल के लिए बंतरित की गर्ड है बीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके क्यमान प्रतिफल से, एसे क्यमान प्रतिफल का पन्नह प्रतिकृत से प्रविच्न है बीर सन्वरूप (अन्तरकों) पीर प्रन्तरिकों (पन्तरितियों) के बीच ऐसे सन्वरूप के लिए तब पावा नवा प्रति-च्य विश्वविद्यात होस्य ते उनत अन्तरूप विचित्त में बास्तविक नम से कींचत नहीं किया गया है:---

- (क) जंतरण ते हुई किसी बाव की वाक्त, क्यत जिभिनियम के जभीन कर योगे के जंतरक के दावित्य में कमी करने या उससे वचने में सुविधा के बिए; वीर/वा
- (क) एसी किसी नाय या किसी धन वा जन्य बास्तियाँ को; जिन्हें भारतीय धायकर समितियम; 1922 (1922 का 11) या उत्तत समितियम; वा सन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती बुवारा प्रकट नहीं विकासिया वा या किया चाना चाहिए वा; कियाने हा सुविका के जिए।

चतः सक्षः, तक्ष्यं क्षीभिन्यमं कौ भारा 269-ग के बग्हरण सौ, सौ, उक्तं अभिनियमं की भारा 269-म की उपशास (1) चै अभीन, निस्तीसीचतं स्थीनतयों, अभीतं कूल श्री एन० पी० सूर्यं कृमार और श्रीमती एम० ईप्वर।

(ग्रन्तरक)

2. श्रीमती बी० वेंकटरामन।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पृत्रोंक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सृथना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियाँ कर सृथना की ताजीस से 30 दिन की अवधि, को भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवेक्ति व्यक्तियाँ में से किसी व्यक्ति इवारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 विन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हित-बब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्यव्यक्तिरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त विधित्यम, के अध्याय 20-क में यथा परिभाषत ही, वहीं वर्थ होगा जो तम अध्याय में किया गवा है।

बनुसूची

भूमि श्रीर मकान 18 नागार्जनानगर II स्ट्रीट रंगराजपुरम कोडम्बाक्कम मद्रास-24 कोडम्बाक्कम लेखसं० 505/85

> एम० सामुबेल सक्षम प्राधिकारी सड़ायक श्रायकर श्रायुवत (निरीक्षण श्रर्जनरेंज-II मद्रास

विनौक 9-10-1985 मो**इ**र: प्रकल् कार्यः, टी. एए., एस.,-----

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भाछ। 269-म (1) के सभीन सुचना

नारद बुरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (विरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-II

मद्रास दिनाँक 9 श्रक्तूबर 1985

निदेश सं० 103/फरवरी 1985—म्प्रतः मु**से, श्रीभती एम०** साम्वेस,

धायकर अधितियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रकृत्त (त कत अधितियम कहा गया है), की भारा 269-ल के अधित सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित माजार मूल्य 1,90,0.00/- रा. से अधिक है

धौर जिनकी सं० 13 डा० सुक्बाराय नगर II स्ट्रीट है जो कोडस्वाककम मद्राय-24 में स्थित है (भौर इससे उपाबद्ध ध्रम्सूची में भ्रीप जो पूर्ण रूप से विणित है) रिजस्ट्रीकर्ता श्रीधकारी के भार्यालय कोडस्वाक्कम लेख सं० 524/85 में रिजस्ट्री-करण श्रीधिनियम 1908 (1908 का 16) वे श्रिधीन दिनाँक फरवरी 1985

को पूर्वेशिक सरपित को उषित भाषार मल्य से कम के क्यमान प्रिकाल के लिए अन्तरित की गई है और मूफे यह विश्वास करने का कारण ही कि यथापूर्वेशिक सम्मत्ति का उषित बाजार मूल्य, असके क्ष्यमान प्रतिकल से, एसे क्यमान प्रतिकल का कन्द्रह प्रतिकृत से अभिक है और अंतरक (जन्तरकों) और कन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरक भें किए वर्ष कारण गया प्रतिकल निम्निलिखित उद्देश्य से उस्त अंतरण जिल्ला में वास्तविक कप से कथित नहीं किया नया है है——.

(क) बन्तरण से हुइ किसी जाय की बाबत, उक्त ध्रीभिनियम के सभीन कर दोने के जन्तरक के दाधित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; बॉर/या

ापी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 मा 922 का 11) या उक्त अधिनियम, मा धनकर अधिनियम, मा धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती दवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जान जान जान साहिए था, खिशाने में सुविधा के लिए;

अतः धव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में में, उक्त अधिनियम की धारा-269-च की उपभारा (1) के अधीन किन्निलिखित क्लिक्कों, वर्षांद्व क्षा 1. श्री एय० एम० श्रमीना बीवी।

(भ्रन्तरक)

2. श्रीमती कें एम० ग्रजीता बीवी।

(म्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी काहुक पृथींक्त सम्पत्ति के वर्षन् के जिए निए कार्यवाहियां करता हुँ।

उक्त सम्पत्ति के वर्षन के संबंध में कोई भी नाक्षेप अ-

- (क) इस स्वान के द्वावपन में प्रकाशन की तारीय से 45 दिन की अपिश या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वान की तामील से 30 दिन की अवधि, यो भी अवधि वाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रविक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (क) इतं सूचना के राजपत्र में प्रकाशित की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बब्ध किसी अन्य व्यक्ति ब्वारा, अधोहस्काक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

धनुष्यी

भूमि और मकान 13: डा० सुब्बाराय नगर: II स्ट्रीट-कोडम्बाक्कम मद्राय-24- कोडम्बाक्कम लेख सं० 524/85 ।

> एम० सामुवेल सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरोक्षण) श्रर्जन रेंज-11: मद्रास

दिनॉक 9-10-85 मोहर : प्रकृप आहु" दी. एन . एस . -----

बावकैंट्र बीधीनयम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के बधीन सुचना

शारत सरकार

कार्यातय, सहायक जायकर आयुक्त (निरीक्षण) धर्जनरॅज-!!:

महास, विनांक १ धक्तूबर 1985

निवेंश सं० 156/फरवरी, 1985—श्रतः भृते,श्रीमती एम०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रकात् 'उक्त निधिनयम' कहा गया हैं), की भारा 269-च के नभीन सक्तम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार म्ह्य 1,00,000/-छ. से अधिक हैं

भौर जित्तकी सं० 48, सीराष्ट्रा नगर, 9 स्ट्रीट, फुलियार गाँव, हैं जो चूलें मेड, महान-94 में स्थित हैं (श्रीर इतने उताबढ़ अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विज्ञत हैं) रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधिकारी के कार्यालय, महात, सेन्ट्रल, में रिजस्ट्रीकरण श्रिधितयम 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन दिनौंक फरवरी, 1985

औं पूर्वोक्स सम्पांत्त के उचित बाबार मृत्य से कम को ख्यमान प्रतिफल को लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथा-पूर्वोक्स सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितिगों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल कि निम्नलिकित उद्वेषय से उक्त अन्तरण लिकित में बास्सविक इप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) बन्तरल ने हुई किसी नाम की बाबल उक्त अधि-रियम के अधीन कर दोने के बन्तरक के दायित्थ में कमी करने वा उखसे बचने में सुविभा के सिए; बॉर/या
- (ख) एसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-ऋर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के अयोजनार्थ अन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया एका था विकास का या किया का वाहिए था कियाने में मृविधा के सिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के बन्तरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अभीन . निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--18 -- 316GI/85

1. श्रीमती गाँति जी

(भ्रन्तरक)

2. श्रीमती पीन्नी ।

(ग्रन्तरिती)

की यह भूचना जारी करके पृत्रींबल सम्प्रित के अर्जन के सिप् कार्यवाहियां करता हो।

उक्त तम्पत्ति के अर्वन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप अ-

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब तें 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील में 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, जे भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्वता के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच कैं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में दित-सद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए मा सकीयो।

स्पद्धींकरणः इसमें प्रयुक्त पत्थों और पदों का, जो उपित अधिनियम, जे अध्याय 20-क में परिभाषित हो, वहीं अर्थ कोशा, जो उस अध्याय में दिका पत्र हों।

नन्स्प

भूमि धोर मकान फुलियार गाँव मद्रास-94, मद्रास सेन्ट्रल, लेख सं० 122/85

> एम० साम्बेल सक्षम प्राधिकारी महायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-11, मद्रास

दिनौंक 9-10-1985 गाहर ध प्ररूप आहें. टी. एन. एस.-----

आधकर लोधनियम, 1961 (1961 का 43) की भाडा 269-घ (1) के अधीन सुचना

जारः भरकार

य किलाय , महायक आयकर वायक्क (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज-

मद्रास, दिनौंक 9 श्रक्तूबर, 1985

निवेश सं० 157/फरवरी, 1985---- ग्रतः मुझे श्रीमती एम० सामुवेल

अप्रवाद अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके एउना के क्षिण कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का आरण हो थि। स्थापन संस्थित जिसका तिचल ग्राजर मून्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० 819/84289 (श्रिभिन्नहिस्सा भूमि में) है, जो नुंगम्बावकम, मैलापूर में स्थित है (श्रीर इपमे उपाबद्ध श्रन्सूची में और जो पूर्ग कर ने विभिन्न है) रिजिस्ट्रोकर्ता श्रिभ कारी के कार्यालय मद्रास नेन्द्रल, लेख सं० 117/85 में रिजिस्ट्रोकरण श्रिधिनयम, 1908 (1908 जा 16) के श्रधीन दिनौंक फरवरी, 1985

1908 (1908 जा 16) के अधीन दिनाँक फरवरी, 1985 का प्राक्त सम्मिन के जिल्ला अवार मन्य मा अभ के स्थ्यमाम प्रतिपत्त के लिए अविरित की गई है और मुभे यह विश्वास अर्तन का कारण हा कि प्रधापनावन सम्पन्ति का रचिन बाजार मूल्य, उसके स्थ्यमान प्रतिपत्त में, एसे स्थ्यमान प्रतिपत्त कर पन्त्रह प्रनिश्त में अधिक हा और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिपत्त, निम्हानिसत उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखित में वात्रित रूप में किया गया है.

(का) गन्तरण सं हुई किसी शाम की बाबत, उक्क अधिनियम के अधिन कर दोने के अस्तरक के दारियम में कमी करने या एसमें बचर्स में सुविधा के लिए; और/या

जीता . १ की आय या किसी धन या अस्य क्रास्तियों को . जिन्हों भारतीय आयक र अधिनियम , 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकार गिधिनियम या धनकार गिधिनियम , 1957 (1967 का 27) के एकोजिए असीरती दनगा एका मही किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में प्राथाय में निकार

अतः अब., उक्त अधिनियम, की धारा 269-च के अनुसरण कें, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन निम्निविकत व्यक्तियों, अधीत :--

- मैसर्स पासन फाउन्डेशन एंड इंजीनियरिंग कम्पनी, । (भ्रन्तरक)
- 2. श्रीमती ऊषा रेड्डी ।

(भ्रन्तरिती)

को यह स्चना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्णन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में में किसी व्यक्ति द्वारा:
- (स) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-ब्रह्भ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा स्कोंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पढ़ों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया क्या है।

भ्रनुसूची

्लाट 819/84-280 श्रिभिन्न हिस्सा, 35 ग्रो॰डस, एंड 181 वर्ग फीट, भूमि में श्रीर एस० सं०-3/1 (हिस्सा), डी० एस० सं० 3045, नुंगम्बाक्कम, मद्रास, सेन्ट्रल खेखा सं० 117/85 ।

> एम० सामुवेल सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) सर्जनरेंज-II, महास

दिनौंक 9-10-1985 मोहर: प्रकृष बार्ड . टी . एन . एन . - -----

आगकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) भारा 269-च (1) के अभीन स्वना

भारत सरकार

कार्यालग, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज II, मद्रास

मद्रान, दिनाँ र १ प्रम्टूबर, 1985

िदेश सं० 159/फ अरी 85--- अतः मुझे, श्रीमती एम० साम्बेल,

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे एसमें इसके पहचात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित शाजार मृल्य 1,00,000/-रु. से अधिक है

श्रीर जिन्हीं सं० श्राप्त० एस० सं० 3839/6 िस्ता है तथा जो महान में विवत है (ऑट इन्हें) उपायद्ध अनुसूची में और पुर्ण रूप से पाणित है), रिक्ट्री ति श्रिध तरी के ार्याच्य महात सेंट्री जोब सं० 100/85 में भारतीय पिल्ट्री-इट्रिण श्रिधिन्यम, 1908 (1904 का 16) के श्रिधीन है दिनों 1 फरवरी, 85

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार कृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल के क्तरह प्रतिक्त से अधिक हे और अन्तरक (अन्तरका) और अतिरती (अंतरितिया) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया क्या प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित, अर्थ काथत कर्तरण सिकत,

- (क) बन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत, उक्त अभिनियम के अभीन कर दोने के बन्तरक के बाबित्व में कभी करने या उससे बचने में बृध्धिया के बिद्ध; औड़/या
- (क) एसी किसी बाय या किसी भन या अन्य जास्तियों की जिन्हों भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्यारा प्रकट नहीं किया गया वा किया जाना वाहिए था, खिपाने में स्विधा के लिए।

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण औ, भी, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपभारा (1) अ अधीन निम्बलिसित व्यक्तियों, अर्थात अ— (1) श्रीं प्रार० एम० कृष्णस्यामी

(श्रन्धरक)

(2) श्रीं गौण्डमणि

(भ्रन्तरितीं)

को यह सुचना आरी करके पृत्रोक्त सम्पत्ति के अर्जन के जिए कार्यवाष्ट्रियां करता हो।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की ताराँच सं
 45 दिन की अविधि या निस्सम्बन्धी त्यक्तियाँ पाः
 सचना की तामील सं 36 दिन की जाति, की भी
 अविधि बाद में समाप्त होती हो, की भीतार पृष्टीकर
 व्यक्तियाँ में में किसी व्यक्ति दशाराः
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के मीलर इक्त न्यानर सम्बद्ध किसी जन्य न्यांका द्वाराण के प्रकाशन के पास नेमानत ने जिल्हा का प्रकाशन

स्पन्धीकरणः — इसमें प्रयुक्त कान्यों और पर्या का, जो उपन अधिनियम के अध्याय 20-के में परिभाषित हैं बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विद्या गया हैं!!

नगरान्त्री

भूमि भ्रार० एस० सं० 3839/6 हिस्ता मद्रास सँद्रल लेख सं० 106/85

> श्रीमती एम० सामुबेल सक्षम श्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (शिक्षण) श्रजीन रोजना, मन्नास

दिनांक: 9-10-1985

प्ररूप बाइं.टी.एन.एस.------

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-थ (1) के अधीन सुधना

भारत सरकार

कार्यासय, सहायक शायकर बाग्कत (निरीक्षण) भर्जन रेंक-II, महास

मद्रात, दिनोत 9 धन्दूबर 1985

निदेश सं० 161/फरवरी, 85---श्रतः मुझे, श्रीमती एम० साम्बेल

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण ह' कि स्थावर सम्पन्ति, जिसका उचित बाजार सून्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी सं० 601 मीण्ठ रोड महास, भ्रार० एस० सं० 3/10, 3/11 में स्थित हैं (और इस ने उपाबद्ध शतु-सूत्री में और पूर्ण रूप से विणत हैं), रिज्यून हर्ती श्रिध-प्रिकारी के प्राथितिया, महात सेन्द्रल लेख सं० 172/85 में भारतीय रिजस्ट्रोकरण श्रिधिनयम, 1908 (1908 या 16) के प्रधीन, 1 फरपरी, 85

को पूर्वोक्त सम्पत्ति को उचित नाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल को लिए अन्तरित को गई है और मूझे यह विद्यास करने का कारण है कि प्रथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित नाजार मूल्य, उध्ये दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का मन्द्रह प्रतिकात से अभिक हैं और मन्तरक (मन्तरका) और मन्तरिती (मन्तरितियाँ) को बीच एसे अन्तरण के लिए तय नामा गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त कन्तरण दिवित में नास्तविक रूप से कथित नहीं किया ग्या है :—

- (क) बन्तरण सं हुए किसी जाय की बाबत, उक्त बाधिनियम के बधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; बार/वा
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, धिन्हें भारतीय आयकर अधिनियभ, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियभ, या धनकर अधिनियभ, 1957 (1957 का 27) के अयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना आहिए था, छिपाने में सुविधा से सिए;

बर्कः वन, क्यत नीयनियम की थारा 269-ग को अनुसरण वी, भी, उक्त नीयनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) वी नधीन, निम्निसिंक न्यांतियों, नथीत् :--- (1) श्री एतः बालसुप्रमणियम और (पुत्र) मैनर बी० श्रीनियासन

(प्रश्तरक)

(2) जैमिनी पिक्च ते संरक्ष्यूट प्राइवेट िसिटेड (अन्तरिती)

को यह स्थना बारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के सिए कार्यवाहियां करता हूं।

उस्त सम्पत्ति के अर्थन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीय वे 45 दिन की व्यथि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की खबिध, जो भी नवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त स्थिकतयों में से किसी स्थिकत द्वारा;
- (क) इस सूचना की राजपत्र में प्रकाशन की तारी के 4.5 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वच्छीकरण: इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, थी उक्छ जिथिनियम, के अध्याद 20-क में परिभावित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

मन्सूभी

भूमि और महान .601 मीण्ठ डोड़, महास-6 महात सेंद्रा लेख सं० 172/65

> श्रीमती एम० सामुबेल सक्षम प्राधि:गरी सहायस श्रायसण श्रायुषत (निरीक्षण) श्रुजैत रॉज-11 मद्रास

दिनो ह: 9-10-1905

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269- घ के अभीत सुचना

भारत सरकार

कार्यां नग, सहायक वायकर वायकत (निरीक्षण) अर्जन रेंज, मद्रथस

मदात, विनां ६ 9 अक्तूबर 19B5

िदिश सं० 106/फलरी 1985--धनः मृसे, श्रीमती एम० साम्बेल

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इतमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारों को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृस्य 1.,00,0(0/- रा. से अधिक हैं

बाँद जिस्की सं० 24, गण्यति लगानी है तथा जो मदास-18 में स्थित है (और इन्ते उपाबक्ष अनुसूनी में बीए पूर्ण रूप से चाँगत है) दिकड़ोत्ता श्रीवदारी के एग्यांत मदास सेंद्रा नेव सं० 193/05 में दिकड़ी एक श्रीविदाम 1908 (1908 एम 16) के श्रावीत सारीख फासरी 1965

को पर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिकृत के लिए उन्तरित की गई हैं और मृत्रे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उद्युक्त दृश्यमान प्रतिकृत का पंद्रह प्रतिवात में अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकृत निम्नलिक्ति उद्युक्त से उक्त अन्तरण कि हिसा में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई फिसी आरं की बाबता, उक्त नियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सूबिधा के लिए; और/वा
- (प) ऐसी किसी जाव या किसी अन या कप्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अनकर अधिनियम, या अनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती दवारा प्रकट नहीं किया गया था किया जाना शाहिए था, छिपाने में सूबिधा के लिए;

जतः स्व, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मैं, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के संधीन, निम्ननिवित व्यक्तियों, अर्थात :— (1) पी॰ एव॰ नारायणन और पी एस पाधू श्रीमती राजम मंदनारायणन

(प्रस्तरह)

(2) भार० राममूर्ति और श्री जी स्वामिनायन । (भ्रस्तरिती)

को यह प्चना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्मीत के वर्जन के सम्बन्ध में कीई भी जाक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक्ष से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में स्थाप्त होता हो, से भीतर पूर्वीक्त स्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितजब्ध किसी अन्य व्यक्ति स्वारा अधिहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

-बनुसूची

भूमि और मकान 24, गगरति राजनी, मदास-18 मदास सेंट्रज खेंख सं० 193/65

> एम० सामुवेल समम प्राधिकारी सहायस भागकर भागुक्त (निरोक्षण) सर्वेन रैंज-2, महास

ধিলীর : 9-10-1985

प्ररूप कार्य : टी. एन. एस. -----

बायकार बिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की वारा 269-व (1) के बधीन स्वता

भारत सरकार

भर्यासय, सञ्चायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) धर्जन रेंज-2, मद्रास

मद्राप्त, विनां । 9 अक्तूबर 1985

िदेश सं० 169/फ परी 1985---श्रतः मुझे, श्रीमती एम० सामवेल

बाधकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हो, की भारा 269-अ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वात करने अब आरण हो कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित वाजार मूक्ष 100,000/- रा. से अधिक है

और ि की सं० 17, धारिबर रोड, मैक्सपुर है तथा जो महात 4 में स्थित है (ऑह. इ.के उपाबड अनुसूची में और पूर्ण इन से परिता है) रिश्की की अबितारी के कार्यात में तपुर खेज सं० 111/05 में रिश्की तरिख फायरी 1908 (1908 जा 16) के अबीन तारीख फायरी 1985

का प्वक्ति अम्पत्ति के उधित बाजार मृन्य से कम के दरयमान ग'तफल के लिए अन्तरित कः गई है और मझे यह विश्वास करने का का ण है कि यथाप्यों कित समपित का उचित बाजार मृन्य , उसके दरयमान प्रतिफल सं., एसे दरयमान प्रतिफल का पन्दह शितमात सं अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और बतरिती (बन्ति शितमों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-चन्न निम्निसित उद्दश्य से उसते अन्तरण सिनिस में बास्यक्रिक व्यास कि शिरा नहीं किया गया है:—

- (क) जन्तरण से हुइ किसी नाय की बाब्त, उन्छ विधिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक औ शायित्व में क्मी क्रून या उससे बचने में सुविधा के लिए; ब्रीट्र/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्ह भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर आधिनियम, 1957 (1957 का 27) भी प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया जा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधः के प्रयोजनार्थ

बतः वब उक्त विधिनियम की भाषे 269-म की अन्तरभ ब, भ, उपत विधिनियम की भारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्रीनती कानेता एउ० सीइन ग्रंख ।

(भन्तरह)

(2) श्री जी० रामस्त्रामी।

(घरतरिती)

स्त्रे यह श्वना बारी करने प्वानित सम्मित्व से वर्जन के किए कार्यनाहियां करता हुई।

हकत सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की सविभि सा तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पूर स्वान की तानीन से 30 दिए की सविभि, को भी बदिध बाद में तमाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों का व्यक्तियाँ में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सजता के राजपत्र में प्रकाशन की तारीन है 45 दिन के भीतर बनत स्थावर सम्मत्ति में हितबबुध किती अन्य अधिक द्वारा अधोहस्ताक्षरों के पास निवस में किए जा सकेंगे।

स्वाचीकरणः — इसमें प्रवृक्ष बन्दों और पदीं का, जो उनक् निधिनियम, के अध्यास 20-क में परिभावित हैं, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्यास में दिया प्याही।

प्रनुसूची

भूमि और 2 प्लाटस सं० 17, श्रालिवर रोड, मैलापुर मदार-4,मैलापुर लेख सं० 111/85

> एम० सामुबेल संसम प्राधिकारी सहायक द्यायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) सर्जन रेंग-2, मुद्रास

दिनों सः 9-10-1985

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालयः, सहायक आयकर आयुष्टत (निरीक्षण) धर्जन रेंज्-2, मद्रास

मद्रान, दिनाँ छ। श्रक्तूबर 1985

निदेश सं० 176/फायरीं 1985---श्रतः, मुझे, श्रीनती एम० सामुबेस

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हो), की धारा 269 स के लधीन कक्षम लाधिकारी की, यह विज्वास करने का कारण हो कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00.000/- रा. से अधिक ही

अति विक्रि सं० पुत्र त सं० 72/3 न्यू सं० 24, पूर्व धालि धामनुत्र है तथा जो मैं अपुः महा ५-४ में विक्र है (अवि इसि उत्तिबंद प्रमुखी में अति पूर्व का से धावित है) विव्यक्ति प्रमुखी में अति पूर्व का से धावित है) विव्यक्ति से धावित में अपुर लेख सं० 134/05 में प्रिव्हित्यण धादि प्रम 1908 (1908 प्र 16) के अविक तारीख फारारी 1905

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्वयमान भीतफल को लिए उन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास कर्म का कारण है कि यथाप्योंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृन्य, उत्तके स्वयमान प्रतिफल को पंचह प्रतिकल का पंचह प्रतिकास से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक खप से कथित नशीं किया गया है:--

- (कं) अन्तरण से हुई किसी आरं की बाबत, उक्त नियम के अधीन कर;दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया का या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग को अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म को उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

(1) श्रीमती ऐंग्जरेन एमिलि ।

(ऋगरक)

(2) श्रीं पी० एस० सुब्रमणियम ।

(श्रन्तरितीं)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप !--

- (क) इस सूचना के राजगत्र में प्रकाशन की तारोख से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृश्कित व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीक में 45 दिन के भीतर उक्त स्थाबर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी उन्य व्यक्ति द्धारा उद्याहस्ताक्षरी के पास किरित में किए जा सकेगे।

स्पष्टोकरणः -- इस्में प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, को अध्याम 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा को उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि और मग़ान मैलापुर लेख सं० 134/05

एम० सामुबेस पंजन प्राविकारी सहावार श्रावहर श्रायुक्त (िरीक्षण) श्रजी रेंग-2, मदास

保付票: 9-10-1985

महिरः

प्रक्य नाही. टी., प्रन., एस., -----

बायकार विभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के बधीन सुचना

मारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज--II, मद्रास मद्रास, दिनांक ९ अम्तूकर 1985

निरेशः सं० 177/फरवरी 1985--मतः मुझे, स्रीमती

ए म० सामुबेल,

हायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परकात 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृख्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

मीट जिसकी सं 0 10, नार्टन I, स्ट्रीट मन्दविधि है तथा की महास 28 में स्थित है (मीट इस्टी उपायद अनुसूची में मीट पूर्ण इस ने परिवत है) की नस्ट्रीहरती प्रीधकारी के कार्यालय मैं अपूर लेख सं 0 155/35 में क्षित्रहो अर्थ प्राधितियम 1908 (1903 स 16) के अबीत तारीख फक्करी 1985,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति को उचित बाजार मृत्य से कम को दश्यमान । तिफल को लिए अन्तरित की गर्ध हैं और मुफो यह विश्वास वरन का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार भ्ल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक हैं और मन्तरक (अन्तरकों) और मन्तरित (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरित के लिए तय पाया गया। प्रतिफल, निम्नलिखित उच्चेष्य से उक्त बन्तरण निचिध पे वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया हैं •--

- (क) बन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत, उक्त बिधिनियम के बधीन कर दोने के जन्तरक से दायित्व में कमी करने या उक्क वचने में सुविधा के निए; और/या
- (क) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-नार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नशी किया गया था था किया बाता बाहाए था छियाने में स्विधा के लिए?

जत. अज, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के जनसरण गं, मी लक्त अधिनियम की धारा 269-य की उपधारा (1) अ अधीन, निम्नीलिंक्त व्यक्तियों, अर्थात् :—— (1) श्री ए०पी० शास्त्राम्बाल।

(ग्रन्तरम)

(2) श्री एस० राधा हुण्णत्।

(भन्तरिती)

को थह सूचना चारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति कं वर्षन के विष् कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी वाक्षेप ४---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीचा चै 45 दिए की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों एव सूचना की तामील से 30 दिन की सबिध, जो औं सबिध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्स स्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इंशाय;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थापर सम्पति में हितकक्ष किसी बन्य व्यक्ति द्वारा संधोहस्ताक्षरों के पाक निवित में किए जा सकींगे।

स्थव्यक्तिकरणः — इसमें प्रयुक्त सब्दों और पदों का, भी अवस विधिनियम के अध्याय 20-कं में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिशा यमा हैं।

मनुसूची

भूमि और मकान चनत्यवेतो महासमीनापुर **लेखसं०** 155/85 ।

> श्रीमती एम० सःमुवेल संज्ञम प्राधिकारी सह्यक भायकर श्रायुष्त (निरीक्षण) ग्रजैन रेंज-II, महास्र

বিশিকি : 9→10→1935

मेहिर:

पुरुष बाहु . टी. एन. एस. ------

भायकर निधिनियम्, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म् (1) के नधीन स्थना

भारत सरकार

कार्यास्य, सहायक भावकार बाय्क्स (निर्दालक)

ष्रजैन रेंज-12, महास महारा,विनांक 9 प्रक्तूबर 1985

निवेश सं० 190/फरवरी 1985--प्रतः **मुझे, श्री**मती

एमं० सामुबेल

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्स अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं . के स्थावर संक्ष्यति, जिसका उचित बाजार क्ष्य 1,00,000/-रा. से अधिक हैं

भीर जिल्लो सं० वनाय सं० 137, टी० एस० सं० 6263 भीर 7576 है तथा जो में स्थित है (भीर इसले उपायद अनुभुवी में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है) रिजस्ट्री इती अधि तरी के कार्या नय टी० नगर लेख सं० 149/85 में रिजस्ट्री इरण अधिनियम 1903 (1908का 16) के अधीन तारीख फरवरी 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार जूल्य से कम के दश्यमान प्रिपेफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मुफ्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापृवाक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मुख्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिकृत से अधिक है और अंतरक (अंतरका) और अंतरिती (अंतरितयों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण कि बित में वास्तिक रूप में कथित नहीं किया गया है :---

- (क) बन्तरण ते हुई किसी जाय की बाबत, उक्त बिधिन्यम के बंधीन कर दोने के बंदारक के बायित्य में कमी करने या उसते बचने में स्विधा के लिए; बीर/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धव-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के अयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया वा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के शिए;

अंतः अव, उक्त अधिनियमं की धारा 269-ग को अनुदर्श भें, में उक्त अधिनियम की धारा 269-य की उपधारा (1) औं अभीन नियमित्रवित व्यक्तियों, अधीन 19—316GI/85 (1)श्री जीव गर्गेशन।

(भ्रन्तरकः)

(2) श्रीधार० भरतन।

(भग्तिरती)

को यह स्चना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के निग् कार्यवाहियां सुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोर्ड भी आक्षंप 🚈

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच वं 45 दिन की मनिध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो औ मनिध कर्यों में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोंक्ड व्यक्तियों में से फिली व्यक्तिय पूर्वारा;
- (व) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन के भीतर उसत स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी व्यक्ति द्वारा, जभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पन्नीकरण:----इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जा उच्छ स्थितियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं सर्थ होगा, जो उस अध्याय से दिया गया है।

धनुसूची

बताया स० 137,टी० एस० स० 6263 **पाँ।र 7576,टी०** नगर-लेख सं० 149/35

> श्रीमती एम० सामुवेल सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) शर्जन रेंजें - 2, महास

विनों ३ : 9-10-1985

मोहर १

प्रकृष बार्याः ठी , रम् , एव ,------

बावकर वॉधिनियन, 1961 (1961 का 43) की बारा 269-ए (1) के ननीन त्यना

भारत सरकार

कार्वाभय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण)
प्रार्जन रेज-2, मद्रास '

मद्रास, दिनांक 9 शक्तूबर 1985

निदेश सं० 191,फरवरी 1985--अतः मुझे, श्रीमती एम० सामृवेल

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसमें इसमें इसमें कहा गया है), की भारा 269- के अभीन सक्षम प्राधिकारों को, यह विश्वास करने कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मृत्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

मोर जिसकी सं० 2, 2ए (नया) और 2वी, मांडली रोड़, है तथा जो टी॰ नगर मद्रास में स्थित हैं (भीर इससे उपाबद्ध भनुसुची में भीर पूर्ण रूप संवर्णित हैं) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय टी॰ नगर लेख सं० 159,85 में रजिस्ट्रीकरण अधिनित्यम 1908 (1909 द्या 16) के अधीन तारीख फरवरी 1985

की पूर्वोक्त रूपित के उचित बाजार मृत्य से कम के द्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विकास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, इसके ख्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंत-रिती (अंतरितियों) के अधि एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल कियान विकास के विस्त के वास्तिक है कोर अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल कियान के वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) बलाइक वे हुई कियो बाव की वायत , उपत विविद्य के व्यक्ति कह दोने के बनाइक के वादित्य में क्यों करने वा उपवे वचने में सुविधा के विष्; ब्रोह/वा
- (च) इसी किसी नाम ना किसी भन या नन्य नास्तियों की, चिन्हें भारतीय नायक र निभिन्न में, 1922 (1922 का 11) या उचत निभिन्न में, या भनकर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ नन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या किया जाना चाहिये था, छिपाने में युनिशा से निस्;

बक्कः जब, सक्त अभिनियम की भारा 269-व में अनुसरण में, में, उक्त अभिनियम की भारा 269-व की उपभारा (1) श्रृ वभीत, किमोलिकित व्यक्तियों, अभात ह— (1) श्रीपी० कण्णन।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री एम० गणेशन।

(भन्तरिती)

को यह सूचना बारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के वर्जन के जिए कार्यवाहियां करता हूं।

उन्द सन्गरित के सर्वन के सम्बन्ध में कोई भी बालेप 🗘

- (क) इस सूच्या के राज्यम में प्रकाशन की तारीं वें 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की ववधि, वां भी बच्चि नाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्य व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति हुवारा;
- (थ) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीच स 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवक्ष किसी कन्य व्यक्ति द्वारा मधोहस्ताक्षरी के पाव लिखित में किए का सकति।

म्पूर्व

भूमि और मकान--माडली रोड़, टी० नगर, मद्रास-टी० नगर, लेख सं० 159/85

> श्रीमती एम० सामुवेल सक्षम प्राधिकारी स**हा**यक प्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण) धर्णन रेज-2, मद्राम

दिनांक : 9-10-1985

मोहर 🕫

प्ररूप बाह्र . टी. पुन , पुस. -------

बायकर विभिनियम, 1961 (1961 का 43), की भारा 269-म (1) के बभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेंज-2, मद्रास मद्रास, दिनांक 9 श्वक्तूबर 1985

निदेश सं० 199/फरवरी 1985—मतः मुझे, श्रीमती एम० साम्बेल

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-त के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह निश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूस्व 1,00,000/- रु. से अधिक हैं श्रीर जिसकी संव प्लाट नंव 42/9, मोतीलालस्ट्रीट हैं तथा जो टीव नगर मद्रास में स्थित हैं (श्रीर इससे उपाबद

अनुसुवी में और पूर्ण रूप से विणित है) रिजस्ट्रोकती श्रिधिकारी के कार्यालय टी॰ नगर लेख सं 235/85 में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन तारीख फरवरी 1985

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित आजार मूल्य से क्या के क्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पन्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का क्या प्रतिफल के क्या प्रतिकत से अधिक है और बन्तरक (अन्तरका) और बन्तरित (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तब श्या गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्वरिय से उक्त अन्तरण कि बात मन्तरण के लिए तब श्रा गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्वरिय से उक्त अन्तरण कि बात में वास्तिवक क्या से क्षिण नहीं किया गया है :—

- (क) अंतरण से इन्हें किसी जाब की बाबत, उक्त बर्धि-नियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कभी करने या उक्कत बचने में सुविभा के सिए; सर्द्र/भा
- क) ऐसी किसी आय या किसी भन वा जन्य जास्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अभिनियम, या भनकर अभिनियम, या भनकर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती व्नारा प्रकट नहीं किया गया था वा किया जाना चाहिए था, एक्पाने में सुविधा के सिए;

जतः वथः, उक्त विधिनियमं की भारा 269-ग को वनुसरण में, में, उक्त विधिनियमं की भारा 269-व को उपभाष (1) के वधीन, निम्नलिखित व्यक्तिमों, अर्थात् रुं

- (1) श्री लाल चन्द एन० नंदवाणी भीर दूसरे (भ्रन्तरक)
- (2) श्रीमती कांति सुन्दरम । (स्रन्तरिती)

का यह स्थान जारी करके पूर्वोक्त सम्मत्ति के अर्जन के निष् कार्यवाहियां सुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेष ::---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाखन की सारीच के 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तिकों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी हा से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

रनक्कीकरणः --- इसमें प्रयुक्त कब्दों और पदों का, जा उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित्र हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लाट नं ० 42/9, मोतीलाल स्ट्रीट, टी० नगर, मद्रास, टी० नगर लेख सं० 235/85

> श्रीमती एम० सामुवेल सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुत (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-2, मद्रास

दिनोंक : 9-10-1985

प्रकृप बार्च, टी. एन. एस., ------

बायफर व्यथिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-न (1) के अभीत सुचना

भारत चरुकाड

कार्यालय, सहायक आयकर आय्क्त (निरक्षिण)

श्रर्जन रेंज-∙2, मद्रास मद्रास, दिनांक ९ भृक्तूबर 1985

निवेश सं० 238/85 फर्यरो--धतः मुझे, श्रीमती एम० साम्बेल,

आयंकर सिंधिनवम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसमें प्रकार पंजान विधिनियम' कहा प्रमा है), की भारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह जिस्तास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उपित बाजार मृत्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

भीर जिसकी सं 9टी एस० नं० 4738 गीकुलम फालोनी कृष्णा कीयला एट्रीट है तथा जी टी० नगर मद्रास्न 17 में स्थित है (भीर इसी उपायद्व अनुसुर्वा में भीर पूर्ण इसी विवास है) रिक्ट्री विवास अधितारी के कार्यात्व टी नगर लेख सं० 165/85 में रिक्ट्रीसरण श्रीविनयम 1908 (1902 का 16) के भवीन तारीख फरवरी 1935

का पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृस्य से कम के द्रायमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृक्य, उसके द्रायमान प्रतिफल से, एसे द्रायमान प्रतिफल का बंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफस, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है —

- (क) वंतरण ते हुई किसी बाय की बायत, अवत बिधिन्यम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्य में कभी करने या उससे अवने में सुविधा के सिए; और/या
- (च) ऐसी किसी बाय वा किसी धन या जन्य जास्तियों को, जिन्हें भारतीय जायकर जिथिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर जिथिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तरिनी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा खेलए;

बतः जब्द जक्त जिथिनियम की भारा 269-ग के जनुतरक हो, मी, जक्त जिथिनियम की भारा 269-म की उपधारा (1) के सभीन, निम्निनिवित व्यक्तियों, जथित (1) श्री कै० की० रामत ।

(भन्तरक)

(2) श्रामती पार्वती पार्वसारयी भीर एम० जी० पार्वसारयी।

(अन्तरिती)

की बहु सूचना जारी कारको पूर्वीक्स सम्मास्स के नर्वान के जिल्ह कार्यकाहियां कारता हुई।

बक्त स्मात्ति के कर्षन् के सम्बन्ध में कार्य भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की असीभ या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की जनभि, को भी असीभ बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवेचल कावित्यों में से किसी व्यक्ति ब्याय;
- (ब) इत स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीव सं 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवक्ष किसी बन्ध व्यक्ति व्वारा, अभोहस्ताक्षरी के वास सिवित में किये जा सकेंगे।

स्पच्छीकरण: — इसमें प्रयुक्त सम्बाँ मीर पदां का, जो उनल अधिनियम के बच्चाय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं क्यें होया को उन्ह बच्चाय में विका वना हैं।

अनुसूची

भूमि 9, टी० एस० सं० 4738, कृष्णा कोयला स्ट्रीट गोकुल वास्त्रोती, ती० नगर, महास-17, टी नगर लेख सं० 165/85

> एम० सामुनेल सक्तम प्राधि गारी सहायक प्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण) धर्जन रेंज- 2, महास

विमंपिर : 9-10-1488

मोष्टर:

प्ररूप बाइ . टी. एव. एव. -----

बाबकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) कौं भारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यांनय, सहायक बायकर बायकत (निरीक्षक) प्रजीत रेश-2, महास

मद्रास, दिनांवः 10 श्रम्तूबर 1985

निदेश सं० 7/फरवरी 1985--श्रतः मुझे श्रीमती एम० सामुबेल

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

भीर जिन्ही सं० सर्वे 250/2 सं० भीर 250/1 भीर 249/1 भी 2 है तथा जो वेशवेरी महाप में स्थित है (भीर इस्तं उपादक अनुसुची में भीर पूर्ण कर दिवित है) रिजस्ट्रीयति भिष्यारिय महास नार्थ लेख सं० 397/85 में रिजस्ट्रीयरण अधिनियम 1908 (1908 ना 16) के अधीन सारीख फरवरी 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के इत्यमान प्रतिफल के लिए अन्सरित की गई है और मुक्ते यह विक्वास करने का कारण है

कि यथापूर्विकत सम्पिति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृष्य-मान प्रतिफल से, एसे दृष्टमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से बाधक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निभ्न-लिखित उद्दोष्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तिबक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) जन्तरण से हुई किसी जाप की बाबत, उक्त जिथिनियम के जभीन कर दोने के अन्तरक के समित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (था) ऐसी किसी आय या किसी धन या अस्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय जाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-नार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया यया भा या किया जाना चाहिए था छिपाने में स्विभा को निए;

नक अब, उनत अधिनियम की धारा 269-ए की अमृत्वरण अ, में उनत अधिनियम की धारा 200-ए की उपधारा (1) की अर्थभ, निस्निमिक्त व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्री एम० राजू नायश्रद और 13 अस्य

(अंतरक)

(2) सदर्न पेट्रो केनिकल इन्डस्ट्रीज कार्पोरेशन लिए (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

जनत सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप ह---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की दारी का 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों प्रस् स्थान की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी जबिध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रविक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुशारा;
- (व) इस स्वता के पाजपत्र में प्रकाशन की तारीब सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिल्बद्ध किसी अन्य व्यक्ति इवारा अधोहस्ताक्षरी के पाछ लिखित में किए जा सकों ने ।

स्पष्टिकरण :---इसमें प्रयूक्त शब्दों और पदों का, को उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क मा परिभाषित हैं वहीं अर्थ होंगा, को उस अध्याय में दिया गया हैं।

मन्सू की

भूमि सर्वे नं० 250/1, 249/1ब(2, 250/2, वेजनेरी साव सेंग्र.पेठ, येंगताठ, मद्रास नार्थ लेख सं० 556/35 फ्रीर 397/85

> एम० सामुवेल सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरोक्षण) श्रजन रेंज-2, मद्रास

विनोक : 10-10-1985

प्ररूप बाइं.टी.एन.एस.------

बायकर किंधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के बधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक जायकर आयुक्त (निरीक्षण) धर्जन रेंज-2, मद्रस मद्रास, विनोक 10 प्रक्तुबर 1985

निदेश सं० 99/फरवरी 1985--मतः मुझे श्रीमती एम० सामुबेल

षागक ए अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसमें इसमें प्रवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ध के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

मीर जिसकी सं० 65, कोडाम्बनाम गांव है तथा जो मद्रास में स्थित है (और इससे उपाबद्ध धनुसुधी में और पूर्ण रूप से विणत है) रिजस्ट्रीवार्ता घधिवारी के वार्यालय कोडाम्बाक्कम लेख सं० 510/85 में रिजस्ट्रीवारण घधिनियम 1908 (1908 का 16) के प्रधीन तारीख फरवरी 1985

को प्रंकित सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्वयमान प्रोतफर के लिए उन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके स्थ्यमान प्रतिफल से एसे स्थ्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिहत्त से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नोलिखित उद्वेष्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक एस से कथित नहीं किया गया है :——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आयः की बाबत, उक्त विधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के वासित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के सिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय आधकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्धारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

(1) कोलड विदिवेल्

(ग्रन्तरक)

(2) राजमन्तार एन्ड शीमती सीतालक्ष्मी । (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्मत्ति के सर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपत्ति के बज्जीन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी व्यक्ति द्वारा, अधोद्दस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण : --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो जनत अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

मन्स्ची

भूमि 65,टी० एस० नै० 39, कोडाम्बावशम गाँव, कोडा-बाक्काम लेख सु० 510/85

> एम० सामुवेल सक्षम प्राधिकारी सहायक घायकर घायुक्त (निरीक्षण) धर्जन रॅज−2, मद्रास

जतः इतः, उत्तर अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मैं, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन... निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

दिनोक: 10-10-1985

मॉहर 👍

क्ष्म बाह्य हो अस्य स्टब्स

बावकड वृधिनिव्स, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के व्योग ब्याना

STATE STATE

काशांसय, सहायक वायकर वायुक्त (निरक्षिक) धर्जन रेंज-2, मदस

मद्रास, दिनांक 10 अक्तूबर 1985 निदेश सं० 121/फरवरी 1985---- झतः मुझे श्रीमसी एम० सामवेल

नायकर मिपिनयन, 1961 (1961 का 43) (विसं इसमें इसमें पश्चात् 'उन्त निपिनयम' कहा गया हैं), की भारा 269-च के नभीन समूज प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्भावर सम्पत्ति, विसका उचित वाजार मूम्ब 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

भौर जिसकी सं० 5, ही एस० सं० 17, हिस्सा ब्लाक सं० 20, बेलच्चेरी गांव है तथा जी श्रीवापेठ में स्थित है (भीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में भीर पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्रीक्ती भिधिवारी के कार्यालय शैंदापेठ लेख स० 125/85 में रिजरट्रीकरण प्रधितियम 1908 (1908 का 16) के प्रधीन तारीख फरवरी 1985

को प्रामित सम्मत्ति के जिन्त नाकार नृत्य में कम के क्यमान् वितिकत के सिक् नृत्ति की गृद्दे हैं और नृत्ते यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थाप्नोंकत सम्पत्ति का जीवत बाजार नृत्य, इसके क्यमान प्रतिकत से एसे क्यमान प्रतिकत का पंद्रह् प्रतिकत से मिथक हैं और मन्तरक (मृत्तरकों) और मन्तरिती (मन्दरितियों) के बीच एसे बन्तरण के सिक् तब पाना क्या प्रतिकत, निम्निमित्ति उद्योक्ष के उत्तर बन्तरण विविद्य में वास्तविक क्य से कथित नहीं क्या ग्या है =---

- (क) अन्तरण से हुई किसी बाव की बावत उपस विश्वित्र से वृशीद कर योगे में बन्तर से समिरण में कमी करने वा उससे वचने में सुविधा से विष्: सृष्टि/वा
- (थ) एंडी किसी नाव या विश्वी थ्य या वृत्य वास्तिकों को, चिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या वृत्यू विश्वीन्यम, या वृत्यू विश्वीन्यम, 1957 (1957 का 27) के प्रवोधनार्थ जन्तिरती यूनाय प्रकट नहीं किया वृत्या या विश्वा वा वा किया वाना चाहिए चा कियाने में वृत्यिक्ष वे विश्व;

जतः अत्र, उक्त अधिनियम की धारा 269-च के अन्सरण में, में, अक्त विधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) चे क्थीन, निम्नतिधित व्यक्तियों, वर्षात् मुन्य (1) दि मद्रास पोलो और रैडर्स क्लब की प्रेसीडेंट श्री ए० सी० मृतैया।

(भन्तरक)

(2) मेसर्स इस्ट कोस्ट कन्स्ट्रवशन एनड इन्डस्ट्रीज बाई पार्टनर श्री ए० एम० सैयद अब्दुल कादर। (अन्तरिती)

का बहु सृचना जारी करके पृश्वेंक्त संपरित के मर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुए।

उथक संपरित के कर्षन के संबंध में कोई भी काक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपंत्र में प्रकाशन की तारील स 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की सामील से 30 दिन की क्षि का भी बन्धि बाद में समान्त होती हो, के भीतर प्रविक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वाए;
- (क) इस सूचना के राजपंत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्थ किसी अन्य व्यक्ति द्यारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिसिट में किए जा सकेंगे।

स्पष्टिकरणः --- इसमें प्रयुक्त सन्दों और पदों का, जो उक्तः, अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं वर्ष होगा, जो उस अध्याय में विधा गता।

अमुसूची

भूमि वेलच्चेरी गांव टी॰ एस॰ स॰ 7, हिस्सा ब्लाक 20,

एम० सामुवेल सक्षम प्राधिकारी सहायक भायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) भर्जन रेंज-, मन्नास

दिनांक: 10-10-1985

.श्रक्ष नाह^रे ही, एस_ा एस.------

कावकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के बधीन सुवना

बार्व सरकाउ

कार्यासय, सहायक भागकर नामुक्त (निर्दाक्षक)

भाजन रेंग्र→2, महास महास, दिनांक 9 भवतुबर 1985

निदेश सं॰ 136/फरवरी 1985—श्रतः मुझे, श्रीमती एम॰ सामुबेल

बायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रधात 'उकत अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारों को, यह विश्वास करने का सारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाबार मृस्व 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

मंदर जिल्ली सं ० 24, जा ० राधाल ज्यान माले, है तथा जो मदार जिल्ली सं ० 24, जा ० राधाल ज्यान माले, है तथा जो मदार जिल्ली सं ० 24, जा ० राधाल ज्यान मुनुनो में भीर पूर्ण क्यां विध्यत हैं। रिजर्मी जिल्ला मिला में भीर पूर्ण क्यां विध्या हैं। रिजर्मी ज्या मिलापुर कोख सं ० 229/35 में रिजर्मी जारी 1935 को पूर्व प्राप्त को उचित बाजार मृत्य में कथ के दश्यमान पितफान के जिल्ला बाजार मृत्य में कथ के दश्यमान पितफान के लिए अन्तरित की गई हैं और मुके यह विश्वास करने के कारण हैं कि यथापूर्व कि संपित का जिल्ला का जिल्ला का जार मृत्य क्यां के कारण हैं कि यथापूर्व के संपित का जिल्ला का जन्द भित्रात सं अधिक हैं सीर अन्तरिक (अंतरिकों) जीर अतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसं अन्तरिक के लिए तय पाया जमा

मतिफस निम्नलिधित उद्देश्य सं उल्त मन्तरण सिधित

थ" वास्त्रापिक रूप से कवित नहीं किया गवा है ह——

- (क) बन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत, उन्तर अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने रू शुविधा के किए; बॉर/बा
- (वा) ऐसी किसी बाव या किसी धन या अन्य आस्तिबाँ को, जिन्हुं भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम वा धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट महीं किया क्या था या किया जाना चाहिए था, क्रियाने में सुविधा के सिए।

कतः अव, उकत विधिनियम की धारा 259-ग के अनुसरण मों, भों, उकत अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के जधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात :--- (1) श्रीमती कहराकमला।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती अहिल्या बाई भीर दूसरे।

(भ्रम्तिरती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के सिए कार्यवाहियां करता हुं।

अबत् सम्पत्ति के वर्जन् के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप् :----

- (क) इस स्वान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब वें 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वान की तामील से 30 दिन की अविध, को भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्वॉब्त व्यक्तियों में से किमी व्यक्ति बुवारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र मों प्रकाशन की तारीब वै 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पन्ति मों हिनकक्ष किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास सिखित मों किए जा सकोंगे।

स्पाकित्व :---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उस्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परि-भाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याद में दिया गया है।

बन्स्ची

भूमि भीर मकान 24, एडवर्ड एतियङ्ग रोड्, मैलापुर, मदास-4, भयदा डा० राधाकृष्णन् शाले, मैलापुर, मदास-4

> एम० सामुबेल सक्षम प्राधिशारी सहायज्ञ ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्राजन रेंज- 2, महास

বিদাক : 10-10-1985 °

प्ररूप भाष्टं.टी.एन.एए.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ए (1) के अभीन सचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज-2, मदास मदास, निवंव 10 श्रनतुवर 1935

निदेश स॰ 138/फरवरी 1985---श्रतः मुझे, श्रीमती एम॰ साम्बेल

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रकात 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पतित, जिसका उचित वाजार मूल्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

ष्ठीर जिसकी स० एसट सं० 94, बाका क्षेत्र बाजनी है तथा जो तिरवानियूर, मद्रास में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध ष्रनुसुची में श्रीर पूर्ण रूप ने विगत है) रिक्ट्रीटर्सी अधिवारी के बार्याच्य मद्रास दक्षिण लेख सं० 275/85 में रिक्ट्री-बारण श्रीधनियम 1903 (1903 का 16) के श्रवीत तारीख फरवरी 1985

को पर्वोक्त सम्पत्ति के उचित भाजार मन्य में कम के दश्यमान प्रितिकास के लिए अंतरित को भई है और मुक्ते यह विश्वास करने हरने का कारण है कि युग्णाओं कर मंपील का निक्स आधार भृत्य, उभके दश्यमान प्रतिफल में, एमें दश्यमान प्रतिफल का यन्दह प्रतिकास से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एमें अंतरण के लिए त्य पाया गया प्रति-क्त निम्नलिकित उद्वेष्य में उच्त अंतरण लिक्ति में वास्तिकक क्य के किथत नहीं किया गया है दन्न

- (क) अन्तरण से हर्ष किसी आय की बाबत, उकत अधिनियम की अधीन कर दोने के अन्तरक की दामित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के फिए; और/वा
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या बन्य बास्तियाँ को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थं अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन: निम्नालिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---20---316GI/85 (1) श्रांमती सीव एउ० उमा महेरवरी मदास- 41

(ग्रन्तरक)

(2) श्रीमती एम० एन० उमा महेग्वरी श्राश्रम, भलतानुसुरिच्ची दक्षिण, श्रारसाट हें अस्ट्रेक्ट

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी काक्षंप :---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारी दें 45 दिन की अविधि या तत्मम्बन्धी व्यक्तियों पद स्थान की तामील से 30 दिन की अविध , जो भी अविध शाद में समाप्त हांती हों, के धीतर प्रविक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी के 45 दिन के भीतर उक्त स्थादर सम्पत्ति में हितकक्ष किसी बन्स व्यक्ति द्वारा अभाहस्ताक्षरी के गांध लिखित में किए जा सकरेंगे।

स्परतीकरणः — इसमें प्रयुक्त बन्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम दे अध्याम 20-क में परिभाविष्ठ है, वही अर्थ होगा. जो उस अध्याय में दिया गया ही।

अनुसूची

भूमि श्रीर मशान 94, बला क्षेत्र वालोनी, तिरवानमियूर गांव मदास ।

> एम० सामुबेल सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज- 2, मद्रास

दिनांक : 10-10-1985

८ वस्य आव^र. टी. एवं. एवं. -----

भावकार अधिनिधम, 1961 (1961 का 43) की शहर 269-न (1) के अधीन स्पना

भारत ब्रह्मर

कार्यालय, महायत्र अध्यकर आयुक्त (निरीक्षण) धर्जन रेंज-2, भद्रास

मद्राय, दिनौंक 9 श्रक्तूबर 1985

निदेश सं० 155/फरवरी 1985—श्रतः **मुझे, श्रीमती** एम० साम् ॉल

भागकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) (चिस इनकें इसके पश्चात 'तक्त विधिनियम' कहा गया हैं), की गाय 269-4/ के विधीन सक्षम प्राधिकारी की वह विश्वास करने का धररण है कि स्थावर सम्मतित, जिसका उचित बाबार मृस्व 1.00.000/-रः से अभिक हैं

ग्रीर जिसकी सं० प्लाट नुंगस्वाक्कम 819/84280 ध्रिमिन हिस्सा भूमि में है तथा जो 35 ग्रेन्डिस ग्रीर 281 फुट में स्थित है (ग्रीर इसने उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणित है) रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी के कार्यालय मन्नास सेंट्रल लेख सं० 118/85 में रिजस्ट्रीकरण ध्रिधिनियम 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन फरवरी 1985

जो प्यंक्ति सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम से कम स्वयमान गितफान के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वाम करने अरण है यह पूर्वाक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य, उसके क्यमान प्रतिफल से, एसे इश्यमान प्रतिफल के पन्तह प्रतिचात ं अधिक है और अंतरक (अंतरका) और अंतरिती अन्तरितियों) के बीच एमें अन्तरण के लिए तय पाया ग्या शितफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में शस्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- रीकः) प्रध्यनम्भ भं अपूर्ण रिका**णी आय करी बाग्यसः, उत्पर्धः** विभागित्रणात् की **अभीतः कार बांगे को अस्तरकः की** वाणित्रक्त की कामी कारणे या शक्तमे बच्चमे मी स्वीतकार का श्लापः वरिश्वा
- (क) एसी किसी बाय या किसी धन या कत्य कास्तियों की. जिन्हीं भारतीय बाय-कर बिधिनियम, 1922 1922 का 11) वा उक्त बिधिनियम, या सन-कर बिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना बाहिए था, छिपान में सुविधा को बिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के बनस्टर हो. मी. उत्ते अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (१) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, उर्थात् :---

- (1) मेसर्स प्रसम्म फाउन्डेशन एन्ड इंजीनियरिंग कंव् (भ्रम्यरक)
- (2) श्रीमती एम**ं सुचिता ।** (प्रस्तरिती)

को यह स्वाना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्षन के निष् कार्यवाहियां करता हूं ।

उनत सम्पत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में काई भी नाक्षेप :---

- (क) इंड स्थान के राज्यन में प्रकाडन की तारीख ते 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की व्यक्ति को भी व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इवारा;
- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में दिलबद्द किसी जन्म व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पान विवित में किए वा सकेंवे।

स्पच्छीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में परिशादित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

नन्स्ची

प्लाट सं० 819/84280 मिभन्न हिस्सा भिम में 35 ग्रेम्बस 281 फिट भार एस सं0 3/1 (हिस्सा) औ॰ एस० नं० 3045 नुंगबाक्कम मैलापुर तालूक मद्रास, सेंट्रल सेख सं॰ 118/85

> एम० सामुबैन सक्षम प्राधिकारी सहायक घायकर घायुक्त (निरीक्षण) ग्रजैन रेंज-2, प्रदास

तारीख: 9-10-1985

मोहर 🤊

श्रस्य , बाइ', डी, एन, एस.-------

(1) श्रीमती कांचा एस० सोहनलाल।

(ग्रन्सरक)

बाबक ९ मीपनिय्म, 1961 (1961 का 43) की पाच 269-म (1) के बचीन स्मना

(2) श्री जै० श्री राम।

(भ्रन्तरित)

बार्य बरकाइ

कार्यालय, सहायक नायकर नायकत (निरीक्षण) धर्जन रेंज-2, महास

महास , विनांक 10 भक्तूबर 1985

बायकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसमें प्रचात प्रचात कियान कियान कहा गया हैं), की भारा 269- व के अधीन सक्षम प्रमिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उजित बाजार मूल्य 1,00,000/- स. सं अधिक हैं

भौर जिसकी सं० 17, भालिकर रोड़, मैलापुर मझास है, तथा जो मझास में स्थित है (श्रीर इससे उपाबस श्रनुसूची में भौर पूर्ण रूप से विणित है) रिजस्ट्रीकर्ता भिधकारी के कार्यालय मैलापुर सेख सं० 112/85 में रिजस्ट्रीकरण भिधिनयम 1908 (1908 का 16) के भिधीन तारीख फरवरी 1985

को पूर्वोक्त सम्मित के उचित बाजार मून्य से कम क दश्यमान श्रीतफस के सिए बन्तरित की नई हैं और मुक्ते यह निश्वात करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्मित्त का उचित बाजार बृब्ध, असके क्यमान प्रतिफल से, एसे क्यमान प्रतिफल का बन्द प्रतिकत से बाजार क्ष्म प्रतिकत से बाजार क्ष्म प्रतिकत से बाजार क्ष्म प्रतिकत से बाजार का विद्या से विद्या से बाजार की किए तय पाया वजा प्रतिकत निम्मितिया स्वाप से अंतरण के लिए तय पाया वजा प्रतिकत निम्मितिया स्वाप से अंतरण के लिए तय पाया वजा प्रतिकत निम्मितिया स्वाप से अंतरण के लिए तय पाया वजा प्रतिकत निम्मितिया स्वाप से अंतरण के लिए तय पाया वजा प्रतिकत निम्मितिया स्वाप से अंतरण के लिए तय पाया वजा प्रतिकत निम्मितिया स्वाप से अंतरण के लिए तय पाया वजा प्रतिकत से से अध्या नहीं किया गया है ।

- (क्ष्) क्लारण के हुई कियाँ आन की वानत, उक्त विधियम के न्वीत कर बंगे के क्लारक के व्यक्ति में कृती करने या उससे बचने में सुविभा के लिए; वार्/वा
- (च) एंडी किसी बाथ या किसी धन या बन्य बास्तियों को, जिन्हों भारतीय बायकर विधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर बिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ बन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया बाना बाहिए था, छिपाने में सुविधा के निए;

को यह स्थना जारी करके पूर्वाक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरु करता हुं।

रक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्वना के गजपत्र में प्रकाशन की लारीक है 45 दिन की अवधि मा तत्संबंधी ज्यक्तियों पर स्वना की तामील में 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हों, जे भीतर प्रोंध्य व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति सुवारा;
- (क) इस स्वान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक्ष हो 45 दिन के भीतर उक्त स्थावण स्थान के हिन-बब्ध किसी अन्य व्यक्ति व्यारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

धनुसूची

प्लाट सं ० 17, प्रालिवर रोड, मैलापुर मद्रास-4, मैलापुर (लेख सं ० 112/85)

> एम० सामुवेल सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर छाएक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रैंज़-2, मद्रास

सत्त तथ, सक्त वीधीनयम की धारा 269-न के बनुसरक वं, वं, सक्त वीधीनयम की धारा 269-च की उप्धादा (1), सं वधीय, निम्नसिविद व्यक्तियों त्र वर्षाद्य द्र—

सारीख: 10--10-1985

अहर 🦠

प्रकथ आहे. टी. एत्. एसं. -----

बायकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के बभीन सुचना

माउत सरकार

कार्याल्य, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जनरीज-2, मद्राम

मद्रास, विनांक 9 अनत्वर 1985

निर्देश सं० 180/फरवरी/85—यतः, मुझे, श्रीमती एम० सामुवेल

नायकर धाष्तियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रथात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की धार 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

भौर जिसकी सं० टी० एस० नं० 13/253-हिस्सा (ब्लाक 21) ऊरूर गांव है तथा जो अजयार में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप संविणत है) रिजस्ट्री-कर्ता अधिकारों के कार्यालय अजयार लेख सं० 293, 294, 295/85 में रिजस्ट्रोकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख फरवरी 1985

को पूर्णेक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान ।तिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरिक (अंतरिकों) अगर अंतरिती (अंतरितियों) को बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वर्षय से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त्विक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत, उक्त बिभिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक की दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ध) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियां का, जिन्हों भारतीय जाय-कार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्हां अधिनियम, वा धन-कार अधिनियम, वा धन-कार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया बाना शाहिए था, खिपान में सुविका के लिए;

बतः अव, उन्त अधिनियम कौ भारा 269-ए वौ अनुसरक कौ, मैं उन्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) (1) श्री पदमनाव दास राम वर्मा।

(धन्तरक)

(2) श्री बालन कनूड पीरिस धौर धन्य।

(अन्तरिती)

को यह स्थना जारी करके प्योंक्त स्प्पृत्ति के अर्थन के लिए कार्यशाहियां करता हूं।

जनत संपत्ति के वर्षन के संबंध में कोई भी वासीए :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 विन की नवीं या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की नविध, जो भी बबीध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों वस स्थक्तियों में में किसी व्यक्ति हुवारा:
 - (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन को भीतर उक्त स्थानर संपत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो अवस् अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याम में विका गवा है।

अन<u>ु</u>स्ची

मूमि टी॰ एस॰ सं॰ 13/253 हिस्सा ब्लाक 21, ऊरर गोव ग्रडपार, गीदापेठ, ग्रडपार लेख सं॰ 293, 294 **पीर** 295/85

> एम० सामुबेल सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायक्त (निरीक्षण) अर्जन रोज-2, मन्नास

तारीख: 9-10-1985

मांहर 🙎

प्रकृप बाइ . टी. एन. एस. -----

बायकर विभिनियम, 1961 (1961 का 43) की बारा 269-ज (1) के व्यक्ति स्वाना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकार आयुक्त (निरीक्षण) ग्रजन रेंज-2, मद्रास

मद्रास, विनांक 9 श्रनतूबर 1985

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पर्धात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-इस के अधीन सक्षम प्राधिकारी का यह विद्यास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रहः से अधिक है

भोर जितको सं० बलाक 21, श्रहर गांव, श्रहपार है तथा जो गैशपेठ मदास में स्थित है (भीर इसने उपाबद श्रनुसूची में भीर पूर्ण रूप से बणित है) रिजस्ट्रीकर्ता श्रीधकारी के कार्यांत्र श्रहपार लेख सं० 296/85 में रिजस्ट्रीकरण प्रधि-नियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख फरवरी

को पूर्वोक प्रस्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के इश्यमान प्रतिफल के लिए कन्तरित की गई है और मुक्ते यह किश्वास क्ष्यने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार मृत्य उसके इश्यमान प्रतिफल से, एसे इश्यमान प्रतिफल का बन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरिरायों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल जिन्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निवित से बास्तिक कम से कृपित नहीं किया ग्या है —

- (क) जन्तरण संहुद्धं किसी बाय को घावल, अक्त अधिनियम के नधीन कर दोने के अन्तरक के दासित्य में कभी करने या उद्दर्श द्वाने में सुविधा के लिए; बार/वा
- (ब) ऐसी किसी नाय या किसी भन या नन्य आस्तियाँ काँ, जिन्हों भारतीय नाय-कार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, धा भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के के प्रयाजनार्थ अन्तरिती ह्वारा प्रकट नहीं किया गया वा या किया जाना चाहिए था, कियाने में सूब्धि के सिए;

बतः अब, उबत विधिनियम की धारा 269-ग की, बनुसरण भी, भी, उबत विधिनियम की धारा 269-य की उपभारा (1) है बभीन जिल्लीविस स्वीक्तकों, विधित्र--- (1) श्री पवमनाभ दास रामा वर्मा । महाराना श्राफ ट्रावनकूर ।

(भन्तरक)

(2) मेसर्स दिनकरन प्राइवेट लिमिटेड ।

(ग्रन्तरितो)

को यह सूचना कारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के सिए कार्यगीहियां करता हुं।

जनत सम्परित के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी बं 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पद स्चना की तामील से 30 दिन की अविध. औं भी अविध बाद में सभाप्त हाती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (व) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब क्ष' 45 दिन के भीतर जकत स्थावर संपत्ति में हिल-बव्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी वे पास सिवित में किए जा सकोंगे।

्रवच्दीकरणः चन्द्रसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो अक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभावित हैं, वहीं अर्थ हुएंगा, जो उत्त अध्याय में दिया वक्षा हैं।

मन्सूची

ब्लाक 21, प्रहर गांव, प्रख्यार, श्रौदापेठ, प्रख्यार लेख सं॰ 296/85

> ्एम० साम्बेल सत्ता गावि गरो सहायक मामकर म्रायुक्त (निरोक्षण) मर्जन रेंज-2, मदास

दिनांक : 9-10-1985

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अभीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) धर्जन रेंज-1, मद्रास

मत्रात, दिनांक 7 श्रक्तूबर 1985

निरेश सं० 9/करवरी 1985—मृतः मुझे, श्रीमतो एम० सामुबेल

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-अ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का का का कारण है कि दशापनोंकत संपरित का उचित बाजार 1,00,000/- क. से अधिक है

भीर जित्तको सं० प्ताट सं० र्~2, 116 सं० 12, है तमा जो 6 ईस्ट कास स्ट्रीट, गोधी नगर विच्छुर गांव में स्थित है (धीर इससे उपाबद्ध धनुसूची में धीर पूर्ण रूप से विणित है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यास्य काटपाडी कि चिच्र गांव दस० सं० 561/85 में रिजस्ट्रोकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के ध्रायोग तारीख फरवरी 1985

को पूर्वीकत सम्पत्ति को उचित बाजार मूल्य सं कम को द्रश्यमान प्रतिकल को लिए अन्तरित की गई है और मुक्के यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वीकत सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके द्रश्यमान प्रतिकल से पंद्रह प्रतिक्षत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्निल कित उद्देश्य से उक्त अंतरण सिकित में बास्तविक कप से कथित नहीं किया गया है ।——

- (गः) अन्तरण से हुई किसी नाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व मों कमी अरने या उससे बचने मों सुविधा के अस्ट्रंग, अदि/या
- (अ) ऐसी किमी काय या किसी धन या अस्य आस्तियों अं, जिन्ह भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनाथ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना आहिए था, खिपाने में सुविधा के लिए;

बतः कव, उक्त सधिनियम की धारा 269-ग के बनुबरण जो, मी, उसत अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निसिंखित स्वितयों, अधीत् हु---

(1) श्री एन० गोपाला कृष्णामूर्ति ।

(मन्तरक)

(2) श्री डी॰ देईवसिगामणि चेटीयार।

(मन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के सिष्ट्र कार्यवाहियां करता हूं।

अक्त संपत्ति के वर्षन के संबंध में कोई भी वाक्षेप हु--

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकादन की तारीश है 45 दिन की सर्वाध या तत्संबंधी व्यक्तियाँ दर सूचना की तामील से 30 दिन की खर्वाध, को भी सर्वाध बाद में समाप्त हांती हो, के भीटद्र पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इवारा;
- (व) इस सूचना को राजपत्र मों प्रकाशन की तारीब से 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर संपत्ति मों हितदबुध बद्ध किसी अन्य व्यापत द्यारा, वधोहस्ताक्षरी को पास विविद्य मों किए वा सकोंगे।

मन्त्ची

ब्रिं भूमि मारानमाण-डार स० 12, 6वा ईस्ट कास है, रोड, ब्रें गोधी नगर, देलबूर-6, एस० मार० उ० काटपाडी बस० सं० व 561/85 क्रिंडिं

> एम० सामुबेस सक्षम प्राधिवारी, सहायक सायवार झायक्त (निरीक्षण) सर्जन रॉज,-2, महास्

तारीख: 7-10-1985

प्ररूप नाइं. टी. एन्. एस. -----

बायकर मिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के मधीन सुमना

भारत सरकार

कार्याभय, सहावक बायकर भावन्त (निरीक्षण) धर्जन रेंज-2. मदास

मद्रास दिनौंक 7 प्रवसूबर 1985

निरेश सं० 11/करवरी 1985--- मतः मुझे श्रीमती एम० सामुवेल

षायकर शिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परधात् 'उथत विधिनयम' कहा गया हैं), की धारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

ग्रीर जितकी सं० 54 ग्रार० एस० सं० 166/4 श्रलगापुरम गाँव है लथा जो में स्थित है (ग्रीर इस उपावद मन्द्रचो में ग्रीर पूर्ण रूप से विजितहै) रिस्ट्रीवर्सा ग्रीधकारी के वार्याक्य सुरमंगलभ (दस० सं० 281/85) में रिस्ट्रिवरण मिधिनियम 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन तारी क फरवरी

करे पर्वाकः सम्पत्ति के उचित बाजार मूला से कम के दश्यमान प्रतिश्वक को निग कम्मिरित की गर्ड हैं और मध्ये ग्रह निग्नाम का कारण हैं कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य उसके राध्यमान प्रतिश्वल से, एसे दश्यमान प्रतिश्वल को पंदह प्रतिक्रल से कथिक है और कन्तरक (अन्तरकाँ) और कन्तरिती (अंतरितियाँ) के बीच एमें अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-श्वल, निम्निविश्वित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है है---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के बाबित्य के कभी करने वा समझे दचने में सुविधा के बिए: बीर/बा
- (ता) एसी किसी बाय या किसी धन या बन्य बास्तियों को, जिन्हों भारतीय बायकर विधिनयम, 1922 (1922 का 11) वा उत्तत विधिनयम, वा धनकर विधिनयम, वा धनकर विधिनयम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोजनार्थ बन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया थाना थाहिए था. स्थिनाने में इतिथा के बिए;

जत: जब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण को, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) को अधीर नियमिनियम व्यक्तियों अर्थत क्रान्स

- (1) श्री अर्जूनन घोर 3 घन्य। (धन्तरक)
- (2) श्री भी । जयकुमार ग्रीर ची कार्सिक्षिगम । (ग्रस्तरिक्ती)

का यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्मित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविधि जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रकारत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस तं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिनवड्स किसी अन्य व्यक्तित द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकी गै।

स्वव्यक्तिरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दी ओर पर्दों का. श्री उक्त अधिनियम, से सध्याय 20-क में परिभावित ही, वहीं सर्थ होगा वो उस सध्याय में विश्वा पना ही।

मन्सूची

कृषि मूमि सं० 54 (मार० एस० सं० 166/4) भलगापुरमपुदुरगौव सेलम एस० मार० ऊ०-सुरमंगलम. (दस० सं० 281/85)

> एम० सामुवेल स्क्षम प्राधिनारी सहायक बायकर बायुक्त (निरीक्षण) बर्जन रेंज 2. मद्रास

सारीख: 7-10-1985

माहर :

प्ररूप बाइं.टी.एन.एस.-----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-भ (1) के अधीन स्वना

भारत सरकार

कार्यांसय, सहायक आयंकर आयंक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-2 मंत्रास

मद्रात दिनौक 7 प्रक्तूवर 1985

निरेश सं॰ 30/करवरी 1985--- प्रतः मृ**ते श्रीमती** एम० साम्बेल

षायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पत्रचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), का धारा 260- के अधीन सक्ष्म प्रधिकारी को, यह विकास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उजित बाजार मृस्य 1.00.000/- रा. से अधिक है

भीर निकासं कोर सं ० 452 जियो मेंईन रोड़ गुर्ग सेलम टाउन है नथा जो मदा को स्थित है (और इसते उताबद अनुसूकी में भीर पूर्ण रूप से विजित है) रिजस्ट्री कर्ता अधिकारी के कार्यालय टाडगपट्टी (दस० सं० ए 600/85) में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 वा 16) के अधीन दारीख फरवरी 1985

को पत्रोंकत सम्पत्ति को उचित बाजार मन्य से कम को क्रयमान प्रतिफल को लिए अम्तरित की गई है और मझे यह विक्रवास करने का कारण है कि यथापूर्वोंकत सम्पत्ति का उचित बाजार म्न्य, उसके क्रयमान प्रतिफल से, ऐसे क्रयमान प्रतिफल का पन्दह प्रतिषत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और बंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण को लिए तय पाया गया। तिफल निम्नलिखित उद्देष्य मे उक्त अन्तरण निवित्त में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :——

- (क) सम्तरण से हुई कियी बाय की बाबत, उक्ट बिधिनियम के सधीय कार दोने के बल्तरक की वायित्य में कमी करने या उन्तर्श वर्णने में तरिका की सिए;
- चं) एंसी किसी आय या किसी धन या बन्य आस्तिमों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) को प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुत्रिधा बै बिए:

(1) श्री एस० सीन्द्रराजन।

(भन्तरक)

(2) श्री एम० भार० मोहनसुन्दरम ।

(भन्तरिवी)

को यह स्चना जारी करके पूर्वीक्स सम्पत्ति के वर्जन के निए कार्यवाहियां करता हो।

सन्त संपत्ति के कर्जन के संबंध में कोई भी कासरे :----

- (क) इसं स्वाना को राजपत्र में प्रकाशन की शारी से से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर! स्वाना की तामील में 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इवारा;
- (क) इस स्चना के राज्यत्र में प्रकाशन की तारी का कि के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिंह-धर्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए. जा सके गे।

स्पष्टीकरणः ---- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, वा उक्त अधिनियम के अध्यार 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया स्या है ।

पन् रुको

भूमि थ्रौर निर्माण डोर सं० 452. विची मेईन रोड़. गुगै. सेलम टाउन एस० थ्रार० ऊ: टाडगपट्टी दस० सं० 600/85

> एम० सामुवेस संक्षम प्राधि (१२०) सञ्जय अध्यक्त (निराक्षण) प्रजैन रैंज-2. मशाः

णतः अधा, उक्त मधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण ते, मी, उक्त आधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) े अधीन, निम्नलिखित स्यन्तियाँ, सर्थात् :---

सारीख: 7-10-1985

मोहर 🗯

प्रथम् वाह्ये<u>ः</u> द्यो । प्रमु_ः एष्

बायकात्र अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के बधीन स्वना

शाउट सडका

कार्यान्य, सहास्क आयकर काय्क्त (तरीक्षण)

श्रर्जन रेंज-1, मद्रास

मद्रास, दिनांक 9 श्रयतूबर 1985

निर्देश सं० 31/करवरी/85---प्रतः मुझ, श्रीमती एम० सामुदेल,

आयकर ब्रांभीनयम. 1961 (1961 का 43) (जिस इसमें इसके परचाल इंकत अधिनयम कहा नया हैं), की धारा 269-च के जभीन शक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाचार मूल्य 1,00000/- रन. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० 69 श्राए० एस० सं० 69/2 श्रीर सर्वे नं० 69/3 टाइगपट्टी गाँव है तथा जो येलम िला में स्थित है (श्रीर इससे जपायत श्रन्युचंत में श्रीर पूर्ण रूप से विणत है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय टाइगपट्टो सेलम. (दस० सं० 553/85) में रिजस्ट्रीकरण श्रीकृतियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 26-7-1984

को पृषेवित सम्पत्ति के उचित बाजार मुका से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई और मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिश्रम से अधिक है और अन्तरिक (अन्तरकां) बार अन्तरिती (अन्तरित्यों) के बीध ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल. निम्नलिखित उद्देश्यों से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से किथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (अ) एंसी किसी काम या जिसी धन या अन्य बारिसमी अने निरुटी भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 की 11) या उसत अधिनियम, वा भनकर अधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रसोजनार्थ जन्मदिती प्वारा प्रकट नहीं किया गया था या पिना जाना व्यक्तिए था विक्याने से सुनिया के लिखा।

(1) 1. श्री चिथात 2. श्रीमतो नावित्री 3. श्रीमतो एत० लक्ष्मी ।

(अन्तरक)

(2) श्रो के० रामसामि गौंडर।

(अन्तरिती)

को सह सुचना आरी करकं पृश्वेंक्त संपरिता के वर्जन के लिए कास्याहियां कारशा हों।

क्त सम्पत्नि के वर्षन के सम्बन्ध मां कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस स्थान के राज्यन में प्रकाशन की तारीन से 45 दिन की अन्धि मा तत्त्वस्तुत्मी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अन्धि, जो भी अभीभ बाद में समाप्त होती हो, जे भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति स्वारा;
- (क) इस मूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारींस सं 45 विज् के भीतर उक्त स्थावर सम्मस्ति में हितबद्रभ किसी सन्य अधित द्वारा अभ्रहस्ताकारी के वास चिकित में जिला का सर्वोगे ।

स्पष्टिकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

श्रनुसुबो

कृषि भूमि--- तर्वे नं० 69. श्राण्य एस० नं० 69/2 श्रीर 69/3, टाडगपट्टो गाँव मेलम जिला।

> एम० साम्बेल मक्षम प्राधिकारो सहायक प्रायकर ग्रायुक्त (निरोक्षण) ग्रर्जन रेंज-I, मद्राम

तारीख': 9-10-1985

प्रक्प बाइं.टी.एन.एस. -----

सायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) को अभीन सुसना

भारत सरकार

कार्यालय, स**हायंक बायंकर वाय्क्त (निरीक्षण)** ऋर्जन रेंज—1, मद्राम मद्राम, दिनांक 9 अकनुबर 1985

निदेश सं० 34/फरवरी/1985—ग्रतः मुझे श्रीमती एम० सामुवेल.

आयकर अधिनियम. 1061 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चाम् 'एक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

ग्रीर जिनकी सं० एस० सं० 44/14 9.3.16 44/24 9.2.10, 44/14 4.9.3 69 ग्रींर 45/154 9.1.85 है तथा जो पेतमनटी गांव वीरपान्डी सेलम में स्थित है (ग्रींर इससे उपावढ प्रनुष्चों में ग्रींर पूर्ण ज्य से विजित है) रिजस्ट्रोकर्ता ग्रीधनारी के कार्यालय वीरपान्डी सेलम (दस० सं० 155/85) में रिजस्ट्रीकरण ग्रीधनियम 1908 (1908 के ग्रीधन तारीख फरवरी 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति से उचित बाजार मृज्य से कम के इश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास

करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्परित का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरिक्षियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्ध्वय से उकत अन्तरण विशेषक अधिक का मास्तिक का के किया नहीं किया गया है किया

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की शायत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक का दायित्रक में कभी फरने या उससे वचने में सृविधा के लिए और/या
- (क) ऐसी किसी जाय या जिली धन या जन्य जास्तियों का, जिन्हें भारतीय जायकर विधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त जिधिनियम या धन कर विधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया रा या किया थाना बाहिए था, छिपार में सुविधा के लिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुमरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिक्ति व्यक्तियों, अधीत :---

- (1) 1. पेरुमाल गोंडर 2. श्री ए० पी० मणि। (ग्रन्तरक)
- (2) श्री स्नार० परमनियम् । (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त सम्परित के अर्थन के लिए कार्यवाही करता हों।

उक्त सम्पत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राज्यत्र में प्रकाशन की प्रशेख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि साद में समाप्त हाती हो, के भीतर पूर्विक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्तित दूरारा;
- (भा) इस सुभाना को राजधन में प्रकायन नहीं तारीस है 45 दिन को भीतर उक्त स्थानर सपित में हित-अइथ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी की पास सिसित में किए जा सकेंगे।

स्पष्किरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदौं का, जो उक्त स्थितियम के कथ्याय 20 कं में परिभावित है, वहीं सर्थ होंगा को सम्यास में विकास गुर्सा है।

अनुसूची

कृषि भूमि—सर्वेनं ० 44/14 9. 3. 16, 44/24 9. 2. 10, 45/14. 4. इ. 3. 69, 45 पेन्तमपटी गाँव सेलम एस० एस० ग्रार० ऊ० वीरपान्डी (दस सं० 155/85)

> एम० सामुबेल सक्षम प्राधिकारी सहायक स्नायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) स्रजैव रेंज-1, मद्रास

दिनाँक : 9-10-1985

प्रस्प नाइ . टी. एन . एक . -----

बायकार बाधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के मधीन स्थाना

भारत सरकाड

कार्यासय, सहायक जायकर जायुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज-I, मद्रास

मद्रास दिनाँव 7 धक्तूबर 1985

निदेश सं० 37/फरवरी/85—-द्युः सूले श्रीमती एम० साम् वेल

भागकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके परचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रह. से अधिक हैं

ग्रीर जिनकी सं० ग्रार० एव० सं० 137/18 है जो पोत्तन्र गाँव में स्थित है (स्रोर इतसे उराबद्ध में स्रौर पूर्णक्य में बर्णित है) रिजण्डोकर्ता अधिकारी के कार्यालय वेलुर (सेलम) दस सं० 262 प्रीर 263/85) में रजिस्ट्री हरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन दिनौंक फरवरी 1985 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के इध्यमान प्रतिफाल को लिए अन्तरित की गई है और मभी यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाबार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्त-रिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफाल निम्नलियित उददांश्य से उक्त अंतरण लिखित श्री बास्तिबिक रूप से किंबिस नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण में तुई किसी गाय की बात्रस **उक्त** कार्यातमम व तथान कार दने क असरक की शिवस्य में भाषी कारते या उससे बचने में स्विधा कं लिए; और/या
- (म) एली किसी जाय या किसी धन या जन्म जास्तियाँ को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम 1922 १७९२७ वा ११) या उक्त मिनियम, मा न कर आधिनियम, 1957 (1957 का 27) कं प्रयोजनाथं अंतरिता द्वारा प्रकट नहीं किया गया था था किया जानाचाहिए था क्रिशने में साम्भा के लिए;

ज्ञात: अब,, उपल अभिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण , मं, उक्त अधिनियम की धारा 269 व की उपधारा (1) के अधीन, निम्नीलिशित व्यक्तियों, वर्षात :--

(1) श्री कें व्ययुगामि

(श्रन्तरक)

(2) 1. श्री पो० एत० तट्पन्न गौन्डर 2. चि० चिन्नप्पत ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जानी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपरित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप ए---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की सामील से 30 दिन को अवधि, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त ण्याक्तयां में से किसी व्यक्ति इवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक्ष है 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पान निस्ति में किए का सकींगं।

लाष्ट्रीकरणः--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त बिधिनियम के बध्याय 20-क में परिभाषित हों, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

भूमि : पोतत्र गाँव-- स्रार्० एस० सं० 137/1बी एस० ब्रार० ऊ० वेल्र (सेलम) दस सं० 262 म्रीर 263/85 ।

> एम० नाम्बेल सक्षम प्राधिकारी महायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-र (श्राई०मी) मद्रास

दिनांक : 7-10-1985

मंहर :

भावकर भाषिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारत 269-भ (1) के अभीन सुभना

ब्राह्त सहस्रह

कार्यालय, महायक जायकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेज-1. मद्राय

मद्रास दिनाँक 7 अक्तूबर 1985

निदेश सं० 38/फारवरी/85---अतः मुझे श्रीमती एम० साम्बेल

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) विसे श्लम इसके पश्चात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है"), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्प्रीत, जिसका उच्चित्र बाजार मृत्य 1,00,000/- रह. सं अधिक हैं जो अस्त र गाँव म स्थित

स्रीर जिनको सं० नर्वे सं० 139/3 है जो स्रतनुर गाँव म स्थित है (स्रीर इसमे उनब्रह में प्रोर पूर्णक्य त विणित है) रिजस्ट्री-कर्ता स्रविकारी के कार्यालय रासीपुरम (दन स० 328/85) में रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, दिनौं करवरी 1985

को पूर्वांक्त सम्पत्ति के खीनत बाधार भूत्य से कम के स्थमांब वितफान के लिए अन्तरित की गई है और म्भे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंक्त सम्पत्ति का खीनत बाबार वृत्व उसके ख्यमान प्रतिफान से, एसे दश्यमान प्रतिफान का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्त-रिता (अन्तरित्व) च बान एस अल एण के लिए उस पाया गया प्रतिफान निम्नान धन उद्देश्य 5 उस्त अन्तरण निम्बित में शास्त्रीवक रूप से किथत नहीं किया गया है:——

- (क) बल्लुरण में क्रूडि किसी आय की शावत अवश अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दासिएल मो कभी करने या उससे बचने में सुविधा उन्हें तुः और/का
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें आरतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रमाजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सांवधा के लिए;

बतः वयः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) व्हें अधीर, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ध— (1) श्री के० विश्वागीन्डर ग्रीर ग्रन्य।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री ऊ० जो० जनार्दनन ।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी जाकोष 🐎---

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से के 45 दिन की अविश्व या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविश्व , जो भी अविश्व बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,
- (ख) इस स्थाना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच सें 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिरुमक्थ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पान लिखित में किए जा सकरेंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उसत शौधीनयम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिवा श्वा ही।

अनुसूची

भूमि ग्रौर तिर्माण सर्वे सं० 189/3. श्रत्तन्र गाँव रामि-पुरम तालुक. सेलम जिला एम० श्रार० ऊ० रासिपुरम दस सं० 328/85 श्रौर 329/85 ।

> एम० सामुवेल सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-1(ग्राई०/सी) मन्नाम

दिनौंक : 7--10--85

प्रकथ बार्च, टी., एन., एस.,------

भागकर इंग्लिमस्, 1961 (1961 का 43) की पारा 269-व (1) के बचीन मुचना

भारत सरकार

कार्यालसः सहायक नायकर नायक्त (निरीक्षण)
ग्रर्जन रेंज-1 मद्राम
मद्राम दिनांक 9 ग्रक्तूबर 1985

निदेश सं० 40/फरवरी/85---अतः मुझे श्रीमती एम० साम्बेल

कासकर किंपिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269- व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को ... यह विक्थाम करने का कारण है फि स्थावर मंगत्ति जिसका उदित बाबार मृत्य :

1.00,000/- रु. में अधिक हैं
ग्रीर जिसकी सं० सर्वे सं० 101/1 श्रीर 101/2 वालवन्द्रीकोम्बै
गाँव है, जो में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध में श्रीर पूर्णरूप
से वर्णित है). रिजस्ट्रोकर्ती श्रधिकारी के कार्यालय सेंदमंगलम
(दस० सं० 192/85) में रिजस्ट्रोकरण श्रधितियम
1908 (1908 का 16) के श्रधीन फरवरी 1985

का पृथा कत सम्पर्ति के उज्ञित बाबार मृत्य से कम के दश्यमान धितफल के लिए अन्तरित की गई हैं, और मृश्ने यह विद्याल करने का कारण है कि यभापूर्वों कर संपरित का उचित् बाजार ब्रुक्ट, उद्यक्ते द्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिदात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तब पामा नया प्रतिफल, विम्निसित्त उद्यक्ति से उक्त अन्तरण किवित प्रीकारित कर से संपर्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है है—

- (क) अन्तरण त हुई किसी बाद की श्रास्त उक्त अभि-रिव्या के बधीन कर दन के अन्तरक के व्याधित के कमी करने मा उसमे अचले में मुलिया के लिए, बीर/या
- (ख) एसी किसी नाम या किसी भन या अन्य नास्तियों का, जिन्हों भारतीय भाय-कर निभिनियम, 1922 (1922 का 11) वा उक्ता अभिनियम या धनकार विभिन्यम, 1957 (1957 का 27) के प्रयासनार्थ बन्तरिती ब्वास प्रकट नहीं किया गया था या किया बाना चाहिए था, कियाने में सुविधा के लिए;

जत: जब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन ्निम्निलिश व्यक्तिसाँ, अधीत ्र—

(1) श्रो एम० पाँड्रंगन ।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री पी० बालसुश्रमणियन ।

(भ्रन्तरिती)

को यह मुचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया शुरू करता हुं।

जनत सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध मा कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस त्यान के रायपत्र में प्रकाशन की तारीस से
 45 दिन की जविधि या तत्संत्री व्यक्तियों पर
 स्थान की तामील से 30 दिन की जविधि, जो भी
 अविधि नाद में समाप्त हाती हो, के भीतर प्रतिकत
 व्यक्तियों में से किसी आंत्रत हुटाता;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र मों प्रकाशन की तारीख हैं
 45 दिन के भीतर उक्त स्थापर सम्पत्ति मों हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अथोहस्ताक्षरी के
 पास सिकिस मों किए का नकीता:

स्यास्टीकरण : -- इसमों अयुक्त कब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, कड़ी कर्य हुएं।, का सम्य बध्याय में दिया गढ़ा ही।

अनुसूची

कृषि भूमि — प्रवें सं० 104/1 स्रोर 104/2 वालवंदी-कोम्बै गाँव एम० स्रार्० ऊ० सेंदमंगलम दय० सं० 192/85 ।

> एम० सामुबेल सक्षम प्राधिकारी सहायक आयहर आनुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-I (श्राई०/मी) मद्रास

दिनाँक : 9-10-85

म हिर्ः

प्रकृष मार्चे हो , एन् , एस ,-----

नायकर अभिनियम 1961 (1961 का 43) की 269-च (1) के अभीन स्चना

ँ भारत सर्कार

कार्यालय, सहायक बायकर बायकत (निरीक्ण)

धर्जत रेंज-। मद्राय

मद्रास दिनाँवः १ श्रम्तूबर 1985

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

मोर जिल्की सं सर्वे सं 12 कोहुपालैयम गाँव है जो में स्थित है (प्रीर इसने उपावड में प्रीर पूर्णक्ष से विधित है) रिजस्ट्रीवर्ता प्रधिवारी के कार्यालय लिख्वेगेड़ (देसर सर्वे 468/85) में रिप्टिट्रीवरण प्रधिवियम 1908 (1908 का 16) के प्रधीन दिनांक फरवरी 1985

बा प्रश्नित गर्माता है डिल्ला कार्य मृन्य में अम के देशमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि मथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके रूपमान प्रतिफल सं, एसे रूपमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में यान्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) बन्तरण स हुई किसी जाय की बाजत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दान के क्लारक के दायित्व में कमी करने या उसस बचने मा सुविधा के लिए: कोर/या
- (क) एंसी किसी जाय या किसी धन या अन्य जास्तियों को, जिन्हों भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्यारनीय अन्तरिती द्वारा प्रकाद नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में सुविधा के निए;

नशः भन, उक्त निभिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण मं, मं, उक्त अधिनियम की भारा 269-भ की उपधारा (1) के सभीन, निम्निसियत स्योक्तयों, अभित् :—

- (1) श्री टी०के० विन्नागोन्डर श्रीर ची० सन्मुगम (श्रन्तरक)
- (2) श्री एन० नागराजन । (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हुई।

उक्स संपत्ति के वर्णन के संबंध में कोई भी बाक्षेप ः--

- (कं) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी न्यितायों पर स्चना की तामील से 30 दिन को अविधि, जो भी नविधि नोद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा:
- (ख) इस सूचना के राजपत्र मं प्रकाशन की सारीच स 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर मंपत्ति मं हिसबद्ध किसी अन्य स्थक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास जिसित में किए जा सकीं।

स्पष्टिनिकरणः ---- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त आयकर अधिनियम के अध्याय 20-क . में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याम में दिया गया है।

अनुसुची

कृषि भूमि --तिद्भंगलम गृद्ध की प्टगालैयम गाँव सर्वे मं० 18 एम० ओर० ऊ० तिदुचगेडु दस० सं० 468/85।

> एम० सामुबेल सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-! (श्राई/सी) मद्रास

दिनौक : 9-10-85

प्ररूप नाइ^द. टी. एन_ः एख_ा------

. . . .

नायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) करें भारा 269-म (1) के अभीन सुमा

भारत सहकाड

कार्यालय, सहायक आवकर नायुष्टा (निरक्षिण) ग्रर्जन रेंज-1 महाय

मद्राप दिनौंक 7 श्रक्तूवर 1985 निदेश मं० 48/फरवरी/85—स्त्रतः मृझे श्रीमती एम० साम्बेल

जानकर सिंधितियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके वश्यात 'उपत जिथितियम' कहा गया हैं), की भारा 269-ख को जभीन सक्ष्म प्राधिकारों की यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका स्वित नाजार मुख्य 1.00,000/- रहा ने जिसका है

ग्रीर जिसकी सं० डोर सं० 38/एफ 6 6 38/एफ 6 7 38एफ/6.8 38एफ/6.9 38एफ/6 10 38/एफ 6 38/एफ 6 38/एफ 6.8 उहाएफ 6.2 टिल्फ 6.3 टिल्फ 6.4 ग्रीर 38/एफ 6.1. सवर्र इवं रोड सीराराम पालीरम में िश्टा-है (ग्रीरहम में उपाटर में ग्रीराएं स्था में विक्ति है). पिरई-कर्ता श्रीध हारी के कार्यालय तिक्लेंगीड (दम सं० 289/85) र्जिस्ट्रीकरण श्रीधनियम 1908 (1908 रा 16) के श्रीधीन दिनौंक फरवरी 1985

को प्कोंक्स सम्पर्कत के शिवन वाजार मृत्य से कम के दरममान प्रतिकाल के जिए अलारित की गई है और मुभ्ने यह विद्यास करने का कारण है कि प्रथापुनोंक्त सम्बक्ति का उष्टित बाजार मृत्य, उसके व्यवमान प्रतिक्ष से, एसे व्यवमान प्रतिक्ष का पन्त्रह प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरियी (अन्तरित्यों) के बीच एसे अन्तरित के लिए सम पाता प्रवा प्रतिक्ता, निम्निजियत उद्देश्य से उक्त अन्तरूप लिकित में बान्तिक रूप से कियत नहीं किया गया है :—

- (क) अनुवारण से हुइ जिसी बाय की बायत, उक्त अधिरियम के अभीत का दाने के अनुनक के शामका भाकती हरने का उसमें सच्चे मी मुलिधा के लिया: कीपाला
- (स्त) पंती विश्वी साम ना किसी धन या अस्य आस्तियों सेन, जिन्हें भारतीय आसकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) वा उक्त निर्धानयम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती ब्वारा अकट नहीं किया गया था वा किया जाना काहिए, था छिपाने में माँवधा के सिए;

क्रक: क्रथा, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की अव्ययक कों, की: अक्क अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन: निम्निलिखिए व्यक्तियों, अर्थात :--- (1) थो जी मिण

(अन्तर्क)

(2) श्री एग० पलियप्पन ।

(श्रन्तरिती)

को यह स्था। बारी का के एवाक्त सम्पत्ति के अजन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति को धार्तन को संबंध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस मुचना के राज्यक में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अमिश सा तत्साम्यन्थी व्यक्तिमों पर स्थान की ताजीस से 30 दिन की अमिश आ भी अमिश बाद में समान्य होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति स्थातः
- (च) इस स्चना के सजपत्र में प्रकाबन की तारीच वें 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी व्यक्ति द्वारा, अभोत्स्ताक्षरी के पास विक्ति में किए जा सकोगे।

स्पर्टाकरणः -इसमे प्रयोक्त शब्दों और पद्धों का, जां उक्का जिलिसमा, के सभ्याय 20-क में 'परिभावित है, बहुी अर्थ होकेम को उस सभ्याय में दिया गया है।

अनुसुची

बुकान नं ० २०, तल मंजिल, झाबुआ टावर, 170, आर० एन० टी० मार्ग, इन्दौर में स्थित है।

भूमि और निर्माण डारसं० 38/एफ 6.6.38/एफ 6.7. 38/एफ 6.8 38/एफ 6.9 38/एफ 6.10 38/एफ 6 38/एफ 6.11 38/एफ 6.2 38/एफ 6.3 38/एफ 6.4 और 38/एफ 6.5 संकगिरि रोड निरुचेगेड एम० आर० ऊ० निरुचेंगेड दण ० सं० 289/85।

> एम० सामुवेल सक्षम प्राधकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरोक्षण) अर्जन रेज-I (श्राई० सी) मद्रास

दिनाँक: 7-10-85

माहरः

प्रका कार्य, दी. एत , एक , ------

भागभार अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-थ (1) के अभीन सूचना

भारत सरकाह

कार्यालय, सहायक नायकार नावृत्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेज-1 महास

मद्रास, दिनां ः 9 श्रक्तूबर 1985 निदेश लं∘ 51/फरवरों/85—श्रतः मुझे, श्रामती एम० विल,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति. जिसका उजित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

ग्रीर जिसकी सं० ग्रार० एस० सं० 193/1 ग्रीर चेक्कुपन्तक् श्रम्भतानपट्टी गांव है, जो टाङ्गपट्टी, सेलम जिला में स्थित है (ग्रीर इस्की उपाबद्ध में ग्रीर पूर्ण रूप से विणित हैं), रिजिस्ट्री-सर्ना श्रिधिलार्की से सार्यालय, टाङ्गपट्टी, सेलम (दग सं० 372/ 85) में भारताय गिलस्ट्रीस्ट्रण श्रिधिनियम, 1908 (1908 सा 16) के ग्रहीन, दिनोट 7-2-85,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के एएमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्स संपत्ति का उचित् बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिक्षत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और बंतरिती (अंतरितियाँ) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त कन्तरण लिखित में नास्तिविक इप से कथित नहीं किया स्या है:—

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त खिभिनियम के अभीन कर दोने के अंतरक के शायित्व में कमी करने या उससे त्रथने में सुविधा के सिए; बॉर/बा
- (वा) ऐसी किसी नाय या किसी धन या अन्य नास्तियाँ को, जिन्हों भारतीय नायकर निभीनयम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर निधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया भया था या किया जाना जातिए था, स्थिनने से स्विभा के सिए;

जतः जब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण को, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) को अधीनः, निम्निलिशित व्यक्तितयों, अर्थातः :— (1) था जिल सेलवम

(श्रन्तर ः)

(2) श्रामना वनिसामणि

(धन्तरितः)

का यह त्वना भारी कार के पृशांक्त सम्मृत्यि में वर्षन के विश्व कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त संपरित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी काक्षेप :--

- (क) इस स्थान के राजपण में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर मुखना की तामील से 30 दिन की अविधि , जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वावस व्यक्तियों में से किसी स्थित ब्वारा;
- (ख) इस म्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब भी 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्भ किसी बन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास विक्ति में किए जा सकोंगे।

ल्बक्टीकरण :---हसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उनक प्रिकिनियम के बन्धाय 20-क में परिभाषित है, बही नर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया एका है।

धनुसूची

्रिषि भूमि : अन्नतानपट्टा गांव टाडगपट्टा, सेलमं आर० एस० 193/1वा चेक्कुवंतो एस० आर० क० टाडगपट्टा दस सं० 372/85

> एम० सामुबेल नक्षम प्राधि जारी सहायक आस्यार आयुक्त (नरीक्षण) अर्जन रोज-(ग्राई०सी०)/मद्रास

दिनांक: 9:10~85

प्ररूप आइं.टी.एन.एस.-----

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्शालय, सहायक आयंकर आयंकत (निरीक्षण) श्रजन रेंज-1, महास

महास, दिनां ह 9 श्रक्तूबर 1985

निदेश सं० 53/क्र अरे/85--श्रतः नुझे, श्रीमती एम० स्रोवेगस,

कारकर अभिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें प्रशास 'गन्य अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-य के अर्धात सक्षत्र पाधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायम संपोत जिसका जिल्ल बाजार मृज्य

1.00.06⊍/- रा. सं अधिक है

श्री शिवति से ले होता सं 32 वी, जी श्री एस सं 66, श्री पड़ी ही, वार्ड 3, डिवीका भे हैं, जो, टाडन हों, लेम में स्थित है (पी इसी उनाबद्ध में श्री पूर्ण का ने विणति है) रिजिस्ट्रा कि श्री प्राप्ति हों स्वाप्ति हों। स्वाप्ति हों। स्वाप्ति श्री स्वाप्ति श्री स्वाप्ति हों। स्वाप्ति श्री स्वाप्ति श्री स्वाप्ति स्व

धा पूर्वाद्धतः संस्थात के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अतिरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण 6 कि स्थापलीका संपत्ति का उचित बाजार मृत्य उसके दश्यमान प्रतिफल सी, एसे दश्यमान प्रतिफल का पंत्रत प्रतिकात के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकात कि निग्तिक उद्देश्य में उक्त अन्तरण जिखित में वास्तियक स्थ से स्थित नहीं किया गया है ।——

- (क) अंतरण से हर्ष किसी अध्य की वासत, उक्त अधिनयम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कभी करने का उससे बचने में सुविधा के लिए; करेर/या
- (क) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों करें, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन- कर अधिनियम. 1957 (1957 का 27) के श्लोबनार्थ कर्नारती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था वा क्या जाना चाहिए था, खिपाने में सृष्धा के लिए।

कतः अय, उवत अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उवत अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, पिरत्यिक्त क्यांक्तयों, अर्थात् :---

- (1) श्रं मतो एल० भन्दुल रहमान साहिब (प्रन्तरक)
- (2) श्रीमती ए० सुरीय वेगम (ग्रन्तरिती)

का यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्थन के लिए कार्यचाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी सं 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियाँ पर सूचना की तानील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियाँ में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (ल) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- वद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पद्धीकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, यही अर्थ होरा के उस अध्याय में दिया गया है।

अनुस्ची

भ्मि श्रीर निर्माण डोर सं० 32-बी, जी० एस० सं० 66 एच० बा॰ वार्ड ---25, श्रान्डानट्टी लैन, वार्ड सं० 3, दिवोजन 'कि' टाडगन्ट्टी एस० श्रार० क० टाडगन्ट्टी दस सं 325/ 85 ।

> एम० सामुवेल सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर प्रायुक्त (निरोक्षण) श्रजनरोज-1 (प्राई०/सो०) पदास

दिनों हं 9-10-85

प्ररूप आई.टी.एन.एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, स**हा**यक आयकर बाय् ϕ स (निरीक्षण) **प्र**र्जन रेंज ϕ I, (ϕ) मद्रास

मद्रास, दिनांक 9 ध्रक्तूबर 1985

निदेश सं० 55/फ़रवरीं/85—अतः मुझे, श्रीमती एम० साम्बेल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को ग्रह विश्वास करने का आरण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसको सं० वार्ड-I, ब्लाक -9, टी० एस० सं० 163/1 डोर सं० 91-बी, है, जो क्ट्रुगलब्द्रो, टाडगपट्टी गांव, सेलम में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रीधकारी के कार्यालय, टाडगपट्टी (दस० सं० 264/85) में भारतीय रिजिस्ट्रीकरण श्रीधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधोन, दिनांक 2-1-1985,

को पूर्वोक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह जिल्लाम करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से आधक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिता (अंतरितयों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिक्ति उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अंतरक के बायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्ह⁵ भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा से लिए;

- (1) 1. एमः रंगतःमि चेद्वांयार ।
 - 2. जेयनाल
 - 3. म्राप्त कुप्तुरान भौर 4. श्री मार० राजनेकन । (मन्तरक)
- (2) एम॰ सम्पत्त ।

(भन्तिरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हो।

उक्त सम्पत्ति के बर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्चना के राज्यक में प्रकाशन की ताराख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रविकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः -- इसमों प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिन नियम, को अध्याय 20 क मों परिभाषित है, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

मनुस्ची

भूमि श्रौर निर्माण — त्रार्ड । ब्लाक 9, टी० एस० सं० 163/1, डोर सं० 91-बी, नटुगलाही मेईन रोड, टाडनाही, सेलम एस० श्रार० क० टाडगाही घस० सं० 264/85

श्रीमती एम० साम्वेल सक्षम प्राधिहारी सहाय ह प्राय हर प्रायुक्त (निरोक्षण) प्रजैन रोज-I (प्राष्ट्रीसा), मद्रास

असः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनमरण कें, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-थे की उपधारा (1) के अधीत, निस्निसिचित व्यक्तियों, अर्थीत :--

दिनां कः 9-10-85

प्रकप नाइ¹. टी एन्. एस. ----

अत्यक्तर लिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन स्चना

भारत तरकार

कार्यालय, सहायक वायकर वायक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेंज-I, (i/c) मद्रास मद्रात, दिनांक 7 श्रक्तूबर 1985 निवेश सं० 56/फ़रवरः/85--श्चतः मुझे, श्रामता एम० सामुबेल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करों का कारण है हि स्थावर स्पति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

भौर जितको सं० सर्वे सं० 92/2एक, पाइलपट्टा, कमलुट तालू है जो सेलम जिला में स्थित है (श्रीर इसने उपावद श्रनुसूची में भीर पूग रूप से विणित है), रिजस्ट्रांशती श्रीध शरा के कार्यालय कमलुर (देश सं० 232 श्रीर 233/85) में भारताय रिजस्ट्रां करण श्रीधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधान 1 करवरी 1985,

को पूर्वेक्त सम्मत्ति के उभित बाजार मूल्य से कम को क्यमान प्रतिफास के निए संतरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि सथापूर्वेक्त सम्मत्ति का उभित बाजार मूल्य, उसके क्यमान प्रतिफल का पन्द्रह भित्रत सं स्थान प्रतिफल का पन्द्रह भित्रत सं स्थान प्रतिफल का पन्द्रह भित्रत सं स्थान है और सन्तरक (अन्तरकों) और सन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के निए तस पासा गया हातिफल, निम्निसित्त उद्देश्यों से उक्त अन्तरण कि सिक्त सं स्थान स्थान

- (क) बन्तरण संहुई किसी बाग की बाब्ध, बन्द बिभिनिश्त्र के बभीन कर दाने के बन्तरक के दायित्य में कमी कहने या उससे ब्यन में सूदिया के खिए; भौद/बा
- (च) एंची किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियाँ को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया चा या किया जाना था, छिपाने में सुविधा के निए;

शतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ को, अनुसरण वा, मा, सक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) की स्थीन, निम्निसिस्त व्यक्तियों, अर्थात् ६—— (1) श्रामतः एन० राजध्माल श्रीर श्रन्थों

(भ्रन्तरक)

(2) टा० वा० रामन ।

(ग्रन्सरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वेक्त संपत्ति के अर्जन के सिष् कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (ख) इस सूचना के राजपश्र में प्रकाशन की तारीस के 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबबुध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पाइ निकास में विकास का सकींगे।

स्यक्षीकरण:---इसमें प्रयुक्त ग्रब्धों और पर्यों का, जो सक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषिक हैं, वहीं अर्थ होगा को उस अध्याय में विका देवा हैं।

अनुसूची

कुषि भृमि—सर्वे सं० 92/2एफ, पकलपट्टी गांव, मनुर तालूक, सेलम जिला एस० म्रार० क० कमलुरदस ० सं. 232/ 85 श्रौर 233/85 ।

> श्रीमती एम० सामुवेल सक्षम प्राधिकारी सहाय ह श्राय हर श्रायुक्त (निर्राक्षण) श्रर्जन रेंज--! (श्राई/सा), मद्रास-8 ।

दिनां क : 7-10-1985

प्ररूप आहें ..टी .. एन . . -----

नायकाः अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के कथीन सुच्या

भारत सरकार

भार्यकार, बहायक बायकर नायुक्त (निरक्षिक)

भजेंन रेंज-I, (भाई/सी) मद्रास भद्रास, दिनांक 9 अक्तूबर 1985

निदेश सं० 62/क़रवरी/85—मतः मुझे, श्रीमती एम० सामुबेल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्रधिकारों को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित आजार मृस्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

भीर जिसकी सं० सर्वे सं० 395/6, 395/4 श्रीर 395/5 भम्माबेप्ट गांव, है, जो सेलम ईस्ट, सेलम में स्थित है (श्रीर इससे उपायक प्रनुसूची में भीर पूर्ण कर से वणित है), रजिस्ट्रार्ती भिष्टिकारी के कार्यालय, सेलम ईस्ट (दस० सं० 503/85 श्रीर 504/85) में भारताय रजिस्ट्राकरण श्रीधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, दिनांक 25-2-1985

को पूर्वेक्त संपत्ति के उपित बाजार मूल्य से कम के द्रयमान प्रतिफल के लिए जन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त संपत्ति का उपित बाजार मूल्य, उस्कें द्रयमान प्रतिफल से, एोसे द्रयमान प्रतिफल का पंत्रह अतिवात से अधिक है और जन्तरक (अन्तरकों) और जन्तिरती (जन्तिरितवों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्निशिखित उद्देश्य से उनत अन्तरण चिखित में वास्त्विक इस से क्वित अन्तरण कि कि स्

- (क्ब्रूं सम्बद्ध व हुई किसी नाम की नानतः, उनकः अधिनियम के अधीन कर योगे के जन्तरक के दायित्व को कमी करने या उसके व्यन्ते में सुविधा के लिए; और/या
- [क] पंछी किसी नाम या किसी भन या अन्य नास्तियों की, चिन्हुं भारतीय नायकर निभिनयम, 1922 (1922 का 11) या उक्त निभिनयम, या भन-कर भिनियम, 1957 (1957 का 27) से प्रवाजनाथ अन्तरिती हवारा प्रकट नहीं किया प्रवा वा वा किया जाना जाहिए था, कियाने में सर्मिशा के विद्यः

बता अब उक्त नीधीनयम की धारा 269-म औं अनुसरक कें, जैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारत (1) अंबिधीन, निम्नुसिखित स्थित्यों, अर्थात ८——

- (1) श्रां सेंगोप्दु मूपलियार श्रांट श्रन्यों । (ग्रन्तररु)
- (2) श्री दामस्वामी गोंडर । (भ्रन्तिसी)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति को अर्जन के लिये कार्यवाहियां करता हो।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई बाक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सवधी व्यक्तियों पर सूचना की सामील से 30 दिन की अविधि, को भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इसरा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से किसी अन्य न्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पति में हितबहुष् निधित में किए जा सकर्गे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त जिथिनयम के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित हैं, वहीं अर्थ हांगा जो उस अध्याय में दिया स्या हैं।

अनुसूची

्रिवि भूमि -तर्वे सं. 395/6, 395/4 घीर 395/5 भन्माबेप्ट, सेलम ईस्ट सेलम एत० घार० क० सेलम ईस्ट-इस सं० 503/85 घीर 504/85

> धीमती एम० सामुबेख सक्तम प्राधि गरी सहाय ह प्राय तर श्रायुक्त (निर्राक्षण) धर्जन र्रेज—I (माई/सी), मद्रास -6 ।

दिनां क : 9-10-1985

प्ररूप कार्या.टी.एन.एस. 😁

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ(1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) प्रजैन रेंज-I, मद्राय

मद्राज, विनांच 7 धानतूत्रर 1985

निवेश सं० 63/कः (रः/ 35 - - ग्रातः, मृत्तो, श्रीमती एम० सामुवेल,

कायकर किंधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

भौर जिल्ला सं० प्लाट सं० 416, भगा नगर, पश्चिम, मद्रास-40 है (श्रोर इसते उत्तरह्र अनुसूत्रों में भोर पूर्ण रूपते विणत है), रिजस्ट्री तती श्रोधकारों के कार्यालय, भ्रण्णा नगर (दस० सं० 339/35) में भारतीय रिजस्ट्रीकरण श्रीधिनियम, 1908 (1903का 16) के श्रधीन, दिनांक फरवरी 1985,

को पूर्वाक्स सम्पन्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दरबमान प्रतिफरा के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह निष्वास करने का कारण है कि यथापूर्वाक्त सपर्तित का उचित बाजार मृत्य, उसके दरवमान प्रतिफल से एस दरवमान प्रतिफल का पन्तह प्रतिश्वत सं अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) बार अन्तरित (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय शवा ग्या प्रतिफल, निम्नलिखित उद्बेष्य से उक्त मृत्दरण निश्वत में बास्तिक रूप स किथत नहीं किया गया है —

- (ह) अन्तरण से हुई किसी आय की वाक्त, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक की दापित्व में कमी करने या उससे वचने में सुविधा कालए; और/या
- (क) प्रेसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों, की जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर आधीनयम, 1957 (1957 का 27) की प्रयाजनार्थ अन्तारती इवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना बाहिए था, छिपान में सीवधी के लिए।

श्रतः अस, उसत सिंधनियमं की धारा 269-ग के अमूसरण भी, में अन्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) को सभीन्, निस्नत्वित क्रिक्तम्में, झर्थात् ध— (1) श्रीवी० कुमार ।

(भ्रःतरक)

(2) श्रीमतीवी० जयलक्ष्मी।

(भन्तिरती)

की यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यशिह्या शुरू करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अनिधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (व) ६त सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 विन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास निचित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

अनुसुधी

भूमि भौर निर्माण-- शांट सं० 416, ग्राग्ण नगर परिवन महास-- 40 ।

एस॰ बार॰ बो॰ बण्ण नगर दस॰ सं॰ 338/851

एम० ∷मुवेत सक्षम प्राधिकारी सहायक मायकार घायुक्त (निरीक्षण) घर्जन रॅज–1,(माई०/सी०, महास-8

दिनाँक : 7-10-85

प्ररूप आई.टी.एन,एस.-----

44.1 ... 41.4.1.4.1

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सृचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंड--1, मद्रास

मदास, दिनां । 7 अक्तूवर 1985

निदेश सं० 37/काररी/35---प्रतः, मुझे, श्रीनतीर्म० साम्बेल,

आर कर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचाद 'उकत अधिनियम' कहा गया ह"), की धारा 264-म के अधीन सक्ष्म प्राधिकारों की, यह विश्वास करने का कारण ह" कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/-रा. से अधिक ह"

श्रीर निज्ञिति सं० श्रार० एउ० सं० 91, 92, 93, 94 श्रीर 96 श्रीर नई सं 91/180 है, जो मद्रार में स्थित है (श्रीर इडिले उपाबद श्रान्स में भीर पूर्ण रूप के बिणत है), रिशर्द्रार ति श्रीध तर्र के शायित्य, पेरीयमेट (दरा० सं० 125/85) में भारतीय रिजर्द्रीर रण श्रीध नियम, 1908 (1908 का 16) के श्रीध निष्कर कर्वर 1985,

को पृत्रों क्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके इत्यमान प्रतिफल से एसे इत्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरितीं (अन्तरित्यों) के बीच एसे अन्तरण के जिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित मं बास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- र्गंक) अन्तरण सं हुई किसी अप्रयं की बाबत, उक्त आँध-नियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे वचने में सुविधा के स्मिए; कौड़/वा
- (ण) ऐसी किसी बाय या किसी धन या बन्य जास्तियों को, जिन्हें भारतीय बायकर बिधनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त बीधनियम, या धन-कर बिधनियम, या धन-कर बिधनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया बाना चाहिए था, कियाने में सुविधा के लिए;

अतः भवः, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण मों, भों, उक्त अधिनियम की भारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिसित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्री विषोप गोनजवास ।

(भ्रन्तरक)

(८) श्रीमती शारदा परंवानी ।

(भन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (ख) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख स 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर स्थना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (च) इस स्चना के राज्यत्र में प्रकाशन की तारीच सै 45 दिन के भीतर उक्त रधावर संपरित में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा रुकींगे।

स्पष्टीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो जक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही वर्ष होगा, वां उस सभ्याय में दिक गया हैं।

अनुसुची

प्लाट (प्रिमिन्न हिंसा)---प्रार०एस०सं० 91,92,93, 94 और 96 और नई सि० 91/180 एस० प्रार० ऊ० पेरीयमेट दस० सं० 125/85 ।

> एम० सामुबेल सक्षम प्राधि ारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजैन रेंज-1 (ग्राई०/सी०), मद्रास-6

दिनोंक: 7-10-85

मोहर 🗯

والمسابق والمتعافل فالمتعافل فالمستوان والمنافية والمتعافل والمتعافل والمتعاون والمتعاون والمتعاون والمتعاون والمتعاون प्ररूप बाद .टी.एन.एस.-----

कादकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की थारा 269-घ (1) के अधीन स्थना

भारत सरकार

कार्यालय, रहाभक बायकर आयुक्त (निरीक्षण) धर्जन रेंज-1, मद्रास मद्रास, दिनांक 7 प्रक्तूबर 1985

निदेश सं० 72,फरवरी, 85---श्रतः मुझे, श्रीमती एम० साम्बल,

बाधकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गणा है), की धारा 269-व के अधीन सक्ष्म प्राधिकारी की यह विश्वाम करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित **बाजार म**ुल्य 1,00,000/-रा. से अधिक है

भीरजिलको सं० टी० एस०सं० 53,2 ग्रौर 40,2 पटं श्रणा नगर, मद्रास है, जो मद्रास में स्थित है (ग्रीर इसने उपाबब अनुमूची में भौर पूर्णेरूप के वर्षित है), रिज द्वोत्तर्ता प्रधिकारी के कार्यात्रय, अण्णा तगर (दर: स्० 40१/05) भारतीय रिनर्ट्िरण क्रिधितियम, 1908 (1908 दर्ग, 16) के अधीन, दिनांक फरवरी 1985,

को पूर्वोक्त सम्परित के उचित बाजार मृल्य से कम के रायमान बिनफरें के लिए अन्तरित की गई है और मफ्ते यह विक्वास करने करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्परित का उचित बाजार मृल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रशिक्षत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उदय इय से उक्त अन्तरण सिचित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किमी आयं की, बावत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अचने में सुविधा के लिए; और/या
- 🐚 एेसी किसी भाग या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या अन्त अधिनियम, याधन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया थाया किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

बत: बब, उक्त अविनियम की धारा 269-ग के अनुसरण 🖈, मी, उक्स अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अभीन, भिक्रनलिखित व्यक्तियों, अर्थात :---

(1) भेर बेबी और इन्यों

(अस्तरक)

(2) श्री एस० मुखगेसन ।

(भ्रन्तिरती)

को यह सुचना पारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति को अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता है।

जकत सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सुचना को राजपत्र गाँप्रकाशन की तारीक्ष से 45 दिन की अवधिया तत्संबंधी व्यक्तियाँ पर स्चना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पर्वोक्त व्यक्तियों में किसी व्यक्ति दवारा:
- (स) इससचना के राज्यत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर अवत स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पांच लिखित में किए जा सकरो।

स्पष्टोकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभागित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उम्र अध्याय में दिया गया है:

अनुसूची

भूमि श्रीर निर्माण टी० एस० सं० 5 8/का श्रीर 40.2 पार्ट, द्रारणा स्वार, सद्वार: ।

एसः अगर विशः क्रणा नगर दरः सं ४००,०५।

श्रीमती एम० साम्येल रक्षम प्रतिधारारी रहासक आयवर आयुक्त (किरीक्षण) फ्रजंन रेंज- 1 (फ्राई०/सी०), मद्रास

दिनांष: 7-10-85

प्ररूप आइ.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, रहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) धर्जन रेंज-1, मद्रास

मब्रास, दिनाकः 7 प्रमतुषर 1935

निवेश सं ० 114/फ व्वरो/ ७ 5---प्रतः मुझे, श्रीमंती एग० सम्बेरः

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें पहचात् 'उक्त अधिनियमा कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बासार मृत्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

भीर विराक्षी डीए सं० 3, बेन्स्टरायर स्ट्रीट, है तथा जो मद्रास-3 में स्थित है (और इने स्वावद्ध अनमूची में और पूर्ण रूप से विजन है), राविरद्रोगति अधिकारी से वायिक्य, सौकार पेट (दस० सं० 82/05) में भारतीय रविरद्धिकरण अधिन्यम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनाक फरवरी 1985

को प्रांकित संपत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के रहयमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और म्भे यह विश्वास करने का कारण है कि गथाप्वोंन्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके रहयमान प्रतिफल से, ऐसे रहयमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिश्त से अधिक है और उन्तरक (अन्तरकों) और अंत-रिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिबक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या जन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अभिनयम, या धन-कर अभिनयम, वा धन-कर अभिनयम, 1957 का 27) से प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में स्विधा के लिए।

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-म को अनमरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपभारा (1) को अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) कामाक्षी भीर 2 भन्य ।

(भ्रष्तरक)

(2) श्रीमती पश्चन दाई और 2 अन्य ।

(भन्तिरिसी)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—
(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तामें से 30 दिन की अवधि, यो भी
अवधि बाद में उमाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोकत
व्यक्तियों में भे किसी व्यक्ति द्वारा;

(क) इस सूचना के राजपत्र े प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर एकत स्थावर सम्पत्ति में हिस-सद्व चिनी अन्य व्याप्त दशारा, अक्षेत्रस्ताक्षरी के पास ितीबत धी किए जा पकीर्य।

रपध्दीकरण: --इममे प्रयुक्त कृद्धी और पदौं का, जो उकत अधिनियम, को शब्याय 20-क में परिभाषित है, रही अर्थ होगा जो उस अध्यम्य पें दिया गया है।

अन्स्घी

भूभि झाँर निर्माण डोर सं० 3, वेंशटटायर स्ट्रीट, मद्रास- 31 एस० झार० वी० सीकारपेट । इस सं० 82/85।

> एम० सामुवेज सक्षम प्राधिकारी सहायत श्रायकर प्रायुक्त (निरोक्षण) श्रजन रोज-1 (श्राई० सी०), स्वास- 6

विनांबः: 7-10-85

प्रकल्प कार्च. टी. एन. एस.

वाधकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन मृचना

भारत सरकार

कार्यालयः, सहायक आयकर बायक्त (निरीक्षण) ऋजैन रेज,—I, मद्राक्ष

मद्रास, दिनांक 7 श्रक्तूबर 1985

निदेण सं० 122/फरवरी/ 85-- अतः मुझे, श्रीती एम० सामुबेल,

बायकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रकात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है"), को धारा 269-च के अधीन सक्षम प्रधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,09,000/- का. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० डोर सं० 8, सेन्त्रगवल्ली स्ट्रीट , मद्रास- 23 तथा जो मद्रास स्थित में $^{\dagger}_{0}$ (श्रीर इसने उपाद्धद्ध अनुस्च (पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीवर्गा श्रिधकारी के कार्यालय, से स्वीयम दस सं० 612/85 में भारतीय रिजिस्ट्रेशन, 1908 (1908 द्या 16) के श्रिधीन दिनांक फरवरी 1985,

को पूर्वों कर संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दरममान प्रतिफल्न के लिए अंतरित की गई है और मूक्ते यह विख्यास करणे का कारण है कि यथापूर्वों कर सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दरममान प्रतिफल से एसे दम्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिद्यंत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और बन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे बन्तरण के लिए तम पाना गया प्रतिकास, निम्निसिन्त उच्चेच्य से उक्त अन्तरण सिन्ति में वास्तिनक रूप में कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की वाबत,, उक्त विधिनियम के विधीन कर दोने के बन्तरक अं विधित्व में कमी करने या उससे वचने में सुविधा के लिए; व्यक्टि∕वा
- (च) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों कारे, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में मृविधा के सिए;

(1) श्री क्रीं० जे० श्रदुलान्धन

(भ्रन्तरक)

(2) श्री के० रामकृष्णन

(ग्रन्तरिती)

कां यह सूचना जारी कारके पूर्वोक्त सम्परित को अर्जन को लिए कार्यवाहिया शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति कं अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्तेय :---

- (क) इस स्वा के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब छ 45 दिन की जबिंध या तत्सम्बन्धी म्यिक्तयों पर स्वता की तामीन में 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों भें में किसी व्यक्ति द्वारा;
- (छ) इस म्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं
 45 विन की भीतर उक्त स्थावर सम्पन्ति में हिन्दब्ध
 िकसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पाल

स्याद्धीकरण:---इसमं प्रयुक्त शब्दों और पर्दो का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हूँ, बहुी अर्थ हांगा जो उस अध्याय में विश नवा हैं।

भूमि ग्रौर निर्माण डोर सं० 8, सम्बग्बल्ली स्ट्रीट, मद्रास-23 एस० ग्रार०, औ० सम्बोधम दस्ता० सं० 612/85।

> एम० सामुबेल सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज- I (ग्राई०/सी), मद्रास- 6

गत: अंग, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त मिनियम की धारा 269-च की उपधारा ') के अधीन, निम्नलिमित व्यक्तियों, अर्थात् :---- 23-316G[|85

दिनांक : 7-10-85

साहर 🛭

कारत अपूर्ण ही . एवं . एवं . -----

लोनसम, 1961 (1961 का 43) की धारा ेल्ल-च (1) के बधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक बायकर आयुक्त (निरक्षिण) धर्जन रेंज-I. मद्रास

मद्रास, दिनौंक 7 भ्रक्तूबर 1985

निदेश सं० 125/फरवरी/85—अनः मुझे, एम० जाम्बेल

कासकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उनत अधिनियम' कहा गया हैं), की बारा 269- व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

1,00,000/- रा. स आधक ह श्रोर जिसकी सं० प्लाट सं० बी०-122 जवाहर नगर पेखल्लूर गाँव में स्थित है (श्रीर इससे) उपाबड़ श्रन्भूची में श्रीर पूर्ण रूप से बॉणत है) रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय सम्बीयम (दस० सं० 595/85) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रिधनियम 1908 (1908 का 16) के श्रश्रीन दिनौंक फरवरी 1985 को पूर्वोंक्त सम्पत्ति के उपित बाजार मृल्य म काम या स्थान म श्रीतफल के लिए जन्मरित की गई है और मुक्ते मह विस्वास करने का कारण है कि स्थापुनोंक्त सम्पत्ति का उपित बाजार

शुरूष, उत्तको स्वयमान प्रतिकल् से एसे स्वयमान प्रतिकल् का बन्द्र प्रतिकत्त से विश्वक हैं बौर खंतरक (बंतरकाँ) बौर अंतरिती (बंतरितियाँ) के बीच एँके अन्तरभ के लिए तय पाया नवा प्रति-क्य विकासित स्वयमित व क्यत जेतरण विश्वित में अन्तिक रूप से विश्वत नहीं किया गया है :---

- चि क्यार से हुई किसी आप की बाजल जम्म की कि नियम के जभीन कर दोने के अंतरक के दायिए को किए। का किसी करने या समस्य अवसी में स्विष्य को किए। की किए।
- (य) श्रेडी विश्वी बाव वा विश्वी धन वा बच्च काहित्यों की, विल्हें गारतीय अध्यक्त विधितयम, 1922 (1922 का 11) या उपत अधिनियम, का धन खर विधितयम, 1957 (1957 का 27) के ब्रवोचनार्थ बन्दरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गरा या विश्वा जाना चाहिए था. विद्यान में करित्य के लिए;

नतः त्रव, उक्र अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण ध. म., उक्त अधिनियम की धारा 269-व की जयधारा (1) च अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्री पी० राधाकुष्ण रेड्डी

(श्रन्तरक)

(2) श्रीमतीः एच० ग्रविदानी ।

(ग्रन्तरिसी)

को यह स्वना जारी करके पूर्वोक्स संपरित के वर्जन के सिर्य कार्यकार्ह्या शक्ष करता हो ।

उक्त संपरित के अर्जन के संबंध में कोई भी भारतेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की खबिथ या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्त व्यक्तियों में से किसी स्पक्ति द्वारा;
- (क) इस मुखना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मत्ति में हितबक्ष किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के गाम लिक्ति में किए जा सकेंगे।

स्यष्टिकरण:--इसमें प्रयुक्त कव्यों और पदों का, **ओ उनत** विधिनियम के अध्याय 20 क में परिभाषित है, वहाँ अर्थ होता को उस अध्याय के दिया नका है।

धन्सू घी

भूमि श्रौर निर्माण- प्लाट सं० श्री-122 जवाहर नगर/ पेटबल्लूर गाँव एस० श्रार० ऊ० सम्बीयम दस० सं० 595/85

श्रीमती एम० सामुबेल नक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) स्रर्जनरेंज - । (सी०/ग्राई०) मद्रास-6

दिनाँक : 7-10-85

प्रारूप आई. टी. एम. एस. -----

बायकर मिभिनियम, 1961 (1961 का 43) कौ भारा 269-ध (1) के मभीन स्पना

भारत सरकार

फायांक्य, सहायक शायकर वायक्त (निरक्षिण)

श्चर्जन रेंज—्री, मद्रास मद्रास, दिनौंक 7 श्चरुन्त्वर 1985

निदेश मं ० 12 7/फरवरी/85—श्रतः मुझं श्रीमती एम० साम्बेल

आप्रकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिस इत्तमं स्वकं प्रथ्यात् 'उक्त अधिनियमं कहा गया हैं), की भारा 269-स को अधीन सक्षम प्राधिकारों को यह विश्वास करन का कारण है कि स्थावर सर्पात, जिसका उचित बाजार मृत्व 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी। सं० डींग सं० 1, हैं जो, मोर स्ट्रीट, मद्रास-1 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबड़ में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णिता है) रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय मद्रास उत्तर (दस० सं० 131/85) में भारतीय रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम 1908 (1908 का 16)के श्रधीन दिनौंक फरवरी। 1985

का पूर्वेक्त संपर्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्वयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित को गई है और मुफ्ते यह विद्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके स्वयमान प्रतिफल से एसे स्वयमान प्रविफल का पन्तर प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तब पामा पामा गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेष्य से उक्त अन्तरण बिखत में बास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) जन्तरण सं हुइ किसी जाय की नावत, उक्त विधिनियम के बधीन कर देने के क्लरक के विधित्य में कमी करने या उससे क्यने में सुविधा के बिए; बरि/बा
- (का) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनयम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्बारा प्रकट नहीं किया गया धा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में तृतिधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपभारा (1) के ज्योल, निम्नलिखिङ पिक्तबों, अर्थात् :— (1) श्री एम० एम० मुना ।

(म्रन्तरक)

- (2) 1. मोईतीन फातीमा
 - 2. कुभारो वहीदा बानु
 - कुमारी शहीम ।

(ब्रन्तरिती)

का यह सूचना जारी कारके पूर्वोक्स सम्पर्तित के अर्जन के लिक्क कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्णन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकासन की सारीस से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त हांती हो, को भीतर पूर्वेक्ट प्रक्रिताओं में से किसी व्यक्ति खुवारा;
- (क) इस स्चता के राजपत्र में प्रकासन की तारीस सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थातर संपत्ति में हिसबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित व किए जा सकति।

स्पष्टीकरणः - इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदो का जो उक्क अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषिध है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया जा है।

अनुसुची

> एम० सामुवेल सक्षम प्राधिकारो सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेज-I (ग्राई०/सी०), मब्रास-6

दिनांक : 7--10--85

प्रकृष् बाह् टी एम् एस .-----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की। भारा 269-म (1) के अभीन संचना

नारत सरकार

कार्याक्षय, सहायक बायकर आयुक्त (निरक्षिण)

श्चर्जन रेंज-I, मद्रास मद्रास, दिनाँक 7 श्रक्तूबर 1985

निदेश मं० 133/फरवरी $_{l}85$ —श्रतः मुझे, श्रीमती एम० माम्बेल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रभात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-इ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्मत्ति, जिसका उचित्र नाजार मृल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

स्रोर जिसकी सं० डोर सं० 3 है जो वेलायुद्धत स्ट्रीट मुत्तै-यालपेट मद्रास-1 में स्थित हैं (श्रीर इससे उपाबद्ध में भीर पूर्ण रूप ने विणत हैं) रिजस्ट्रीकर्ता स्रधिकारी के कार्यालय मद्राम उत्तर (दम सं० 508/85) में भारतीय रिजस्ट्रीकरण स्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के स्रधीन दिनौंक फरवरी

का पूर्वाक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गर्व है और मुक्ते यह विश्यास कारने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित वाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिकल से, एसे व्यवमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिदात से अधिक है और अंतरक (बंदरकाँ) और जत-रिती (अंतरितियाँ) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रितिकल निम्नलिखित उद्ध्वेष्य से उच्त अंतरण लिखित में वास्तिबक स्मृत्ये कर्षिक वृक्षी किया गया है क्र-

- (क) अन्तरण से हुई किसी भाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे क्याने में सुविभा के लिए; और/बा
- (क) ऐसी किसी बाग या किसी भन या अन्य जास्तियों को जिन्हों भारतीय जागकर जिभिनयम, 1922 (1922 का 11) या उक्त किविनयम, या भन-कर जिभिनयम, 1957 (1957 का 27) की प्रयोजनार्थ अन्तिरिती इवाय प्रकट नहीं किया गया या किया जाना चाहिए था, स्थिपाने में सुविधा के निष्

जतः जज उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के जनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग की उपभारा (1) के अधीन, निम्निलिशित स्यक्तित्वों, ज्यांत ६── (1) श्री जे० ए० मेहमत जेईनाबुनाची।

(भन्तरक)

(2) जनाब एम० एस० अन्दुल रहमान (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्मत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस स्थान के रायपत्र में प्रकाशन की तारीय से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अविधि, धो भी अविधि नाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवेकिस व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक वै 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पन्ति में हितबक्ष किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पर्धाकरण :---- इसमें प्रयूक्त शब्दों और पदों का, वो सक् विभिन्तिस के अध्याय 20-क में परिभावित हैं, बही अर्थ होगा को उस अध्याय में विका गमा है।

अनुसूची

भूमि और निर्माण डोरसं० 3 वेलायुदन स्ट्रीट, मुत्तैयालपेट मदास-1 ।

जे० एस० म्रार०-II, मद्राम उत्तर दस० सं० 508/85

एम० सामुबेल सक्षम प्राधिकारी महायक स्रायकर स्रायुक्त (निरीक्षण) सर्जन रेंज-I (स्राई०/मी) मद्राम

दिनाँक : 7-10-85

मोहर 🧳

प्रस्प बार्च. दी. एन. एस.

नायकर मिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269 घ.(1) के मधीन सुम्ता

भारत सरकार

कार्यालय, सहाबक जाबकर जायुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज-I, मद्रास

मद्रास, दिनाँक 25 सितम्बर 1985

निदेश सं० 137/मार्च/85—म्ब्रतः मुझे 'श्रीमती एम• सामवेल

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (चिन इसमें इसके परवात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

स्रोर जिसकी सं० 485, पेंतीयन रोड़ एथमोर मद्रास-8 है जो में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद अनुसूची मे श्रीर पूर्ण रूप में विणित है). रिजस्ट्रीकर्ता श्रीधकारी के कार्यालय पेंरीयमेट (दस मं० 222/85) में भारतीय रिजस्ट्रीकरण श्रीधितयम 1908 (1908 का 16) के श्रीधन 16 मार्च 1985

को पूर्वेक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के क्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तिन्त की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्योंक्स सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके रूद्यमान प्रतिफल से एसे रूद्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकाँ) और (अंत-रितियाँ) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल मिन्मलिखित उद्वदेष से उक्त अंतरण लिखित में बास्तविक रूप

- (क) बन्तरण से हुए किसी नाय की नावत उन्त अभिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कभी करने या उससे बचने में मृतिभा के लिए: और/या
- (क) एंसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उच्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) को प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खियाने में सुविधा खेलिए।

कतः अस, उक्त सिधिनयम की धारा 269-ग सै सन्तरण हो, मी, उक्त सिधिनयम की धारा 269-व की उपधारा (1) ध प्रशीन विकास सिक्तियों, स्थातः—

- (1) श्रीमती एन० ग्रनुस्या
 2. श्री पी० जयराम
 3. श्रीमती एस० के० सलूचना
 (ग्रन्तरक)
- (2) श्रीमती ए० राजेण्वरी कुमारी ए० श्रीदेवी

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पृत्रोंक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हो।

उक्त सम्परित के अर्जन के संबंध में कोई भी आओर :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना को तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में में किसी व्यक्ति बुवारा,
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिंत- वद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहम्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पद्धीकरण: -- इसमी प्रयुक्त शब्दों आर पदों का, जी उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-के में परिभाषित हैं, बही अर्थ होंगा, जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

श्रन् सूची

भूमि श्रीर निर्माण सं० 485 पेंतीयन रोड़ एग्मोर मद्राम-8 ।

> एम० सामुबेल सक्षम प्राधिकारी महायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-1' मद्रास

नारी**व**: 25-9-85

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 अज 43) 🐗 धारा 269-घ (1) के मधीन स्वना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-।, मद्रास मद्रास, दिनांक 30 सितम्बर 1985 निर्देश सं० 164/मार्च/85--ग्रतः म्झे, श्रीमती एम०

मामुवेल बायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इतने इसके परभात 'उक्त अभिनियम' कहा नया है'), की धारा

269-स वो अधीन तक्षम प्राधिकारी समें यह विश्वास करने का कारन है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मुक्ब

1 .00 ,000 ∕ ~ रत. से अधिक **है**

श्रीर जिसकी संव डोर संव 2 श्रीर 3, ईस्ट मुत्तैया चेट्टी लेन, मद्रास में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में भ्रौर पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रजिस्ट्रीकर्ता भ्रधिकारी के कार्यालय, रायपुरम (दस सं० 518/85) में भारतीय राजस्द्री-करण प्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनाक फरवरी, 1985

को पृष्ठीक्त संस्पत्ति को उचित बाजार मूल्य 🗸 अप्र की दश्यमान प्रतिकस के लिए अन्तरित की गई है भीर मह रूपने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाषार मृज्य, उसके रूपमान प्रतिफल से, एमे रूपमान प्रतिकल 🐃 परक्र प्रशिवत से अधिक है और अंतरक (अंतरकॉ) और अंतरिती (बस्तिरिक्षा) के भीच एसे अन्तरण के निए तय पादा गया प्रतिकल, निम्निसिस उद्देश्यों से उक्त अन्तरण निस्ति मे बाम्सरिक रूप में किशत नहीं किया गया है :---

- (क) बन्धरम से हुइ किसी बाब की बाबश उक्त बरिध-भियम को वाधीन कर देन के अन्तरक के दायित्व में कमी करले या उलसे अवने में सुविधा के लिए: शीर/वा
- in) एंसी किसी नाथ या किसी धन या अन्य वास्तियो को, जिन्हें भारतीय अाब-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, बा भन-कट विभिनियम, 1957 (1957 का 27) के त्रयाजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया नका था या किया जाना चाहिए भा, छिपाने में सविधा के सिए;

बत: बब, उबत कीवनियम की धारा 269-न के अनुसर्थ भी. भी, उन्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधार (1) ल अभीतः, नेमनिक्सित व्यक्तिस्थितं, कथासः अ---

(1) श्रीमती प्रेमलता ग्रग्रवाल(2) श्री मदु कैलाश ग्रग्रवाल

(ग्रन्तरक)

(2) मैसर्स सैयद निजामुद्दीन

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करको पूर्वों क्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए काववादियां करता है।

क्यत राज्यति के अर्थन के तज्यन्य में और भी वाक्षेत्र :---

- (क) इस स्थान के राज्य में प्रकासन की वारीस से 45 विन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्चना की दासील से 30 दिन की नवधि, जो भी अवधि बाद में समस्त होती हो, के शीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में ते किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (ब) इब अरूपना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीश से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-अबुध किसी अन्य व्यक्ति बुबारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए वा संकर्नि।

स्थळाचित्र प्यः --- इसमें प्रयुक्त कर्ना और पदौका, जो उक्त अधिनियम, के अध्वाय 20-क म परिभाषित है, बहुति सर्व होता, जो उस अध्याय में दिया पया है।

वनुस्यी

भूमि और निर्माण डोर सं० 2 ग्रीर 3, ईस्ट मुत्तैया चेटी लेनट्, मद्रास-21

एस॰ मार० ऊ०ी: रायपुरम दस० सं० 518/85

श्रीमती एम० सामुबेल सक्षम प्राधिकारी सङ्ग्यक आपकर आध्वन (निरोक्षण) ध्रर्जन रेंज-I; मद्रास(

दिनांक: 30-9-1985

मोहर

प्ररूप आई.टी.एन. एस.-----

आयंकर अधिनियस, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

भागीलम, सहायक अध्यक्त माय्क्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेंज, कानपुर कानपुर, दिनांक 7 श्रगस्त 1985

निदेश सं० के-107/85-86---- ग्रतः, मुझे, एच० ग्रार०

राम

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 2.69-श्व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विषयास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्तिः, जिसका उचित बाजार मृत्य 1.00.000/- रहा से अधिक है

ग्रीर जिसकी मं० 124/मी/244 है तथा जो गोबिन्दनगर में स्थित है (ग्रीर इसमे उपाबड श्रन्मूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय, कानपुर में रजिस्ट्रीकरण श्रिधितयम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनांक 13-2-85

को प्वांक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृश्य से कम के क्यमान प्रिस्कल के लिए जन्तरित की गई है और मृभ्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्योंक्त संपत्ति का उचित बाजार मृश्य उसको क्रयमान प्रतिफल का एसे क्यमान प्रतिफल का पंक्र प्रतिकात से अधिक है और अंतरिक (अंतरकारें) और अंतरित (जन्तरितियों) के बीच एमें अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखन उद्वेश्य में उक्त अस्तरण लिखित में बास्त-िक कप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के शियत्व में कमी करने या उससे बचने में सूबिधा की लिए; और/या
- (क) एसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों कारे, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या अक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, ल्रिपाने में सुविधा के शिए?

भरः अध, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुमरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-य की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

- (1) श्री दर्शन सिंह सुपुन्न श्री तारा मिह 124 $\frac{1}{244}$, गीतिन्द नगर, कानपुर ।
 - (अन्तरक)
- (2) श्रीमती बीना जायनवाल पत्ति श्री राजेण जायस-वाल, बन्थरा बाजार, लखनऊ।

(ग्रन्नरिती)

- (3) कैतागण । (वह व्यक्ति, जिसके क्रिधभोग में सम्पत्ति है)
- (4) क्रेनागण । (बह व्यक्ति जिसके वारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हिनब**ढ़** है)

का बह सूचना बारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उनक संपरि के गर्नन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की वनिध मा तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी जवधि बाद में समाप्त होती हो, को भीतर पूर्वोक्त स्पक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ण) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति इवारा अधोहस्ताक्षरी के पास तिश्वित में किए जा सकोंगे।

स्पद्धीकरण: इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, को उक्त अधिनियम, को अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो जस अध्याय में दिया गवा है।

मन्यूची

म० नं ० 124/मी/244, गोविन्दनगर, कानपुर।

एच० श्रार० दास सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जेन रेंज, कानपूर

दिनांक: 7-8-1985

प्रकार नाहरे. टॉ. एन_ः एत_{ः म}----

नामकर निभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भाग 269-म (1) को अभीन स्चना

RITE COURS

कार्यालय, सहायक जायकर जायका (निरक्तिक) श्रर्जन रेंज, कानपूर

कानपुर, दिनांक 7 भ्रगस्त, 1985

निदेश मं० के-109/85-86---ग्रतः मुझे, एच० म्रार दास

कायकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269 क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० $125/\eta$ ल/24 है तथा जो गोविन्दनगर में स्थित हैं (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, कानपुर में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का16) के श्रधीन, दिनांक 8-2-85

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की पावत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (व) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना याहिए था, छिपाने में सविधा के लिए;

क्तः जव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) र अति , निम्लिकित व्यक्तियों . क्यांत् :---- (1) श्री बद्री प्रसाद शुक्ला सुपुत्र श्री जुगुल किशोर 106/354ए, गान्धी नगर, कानपुर।

(श्रन्तरक)

- (2) श्रीमती रजनी मित्तल पत्नी कैलाण नाथ श्रग्रवाल, 125/एल/24, गोविन्द नगर, कानपुर। (श्रन्तरिती)
- (3) क्रेतागण

(बहुव्यक्ति जिसके प्रधिभोग में सम्पत्ति है)

(4) ऋेतागण

(वह व्यक्ति, जिसके बारे में भ्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पनी में हितबद्ध है)

की यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हो।

उन्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी जाओप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन की सर्वाध या तत्संबंधी त्र्यक्तियों पर सूचना की तामील सं 30 दिन की सर्वाध, जो भी सर्वाध वाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त स्थानतयों में से किसी स्थानत हुवारा;
- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक है 45 दिन के भीतर उध्त स्थायर सम्पत्ति में हितबक्ष किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निकास में किए जा सकरेंगे।

न्यव्यक्तिकरणः----इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का. को उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया नदा है।

म० नं० 125/एल/24, गोविन्द नगर, कानपुर।

एच० श्रार० दास मक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, कानपुर

दिनांक: 7-8-1985

मोहर 🛭

प्ररूप आर्चा.टी.एन.एस.----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 45) **की** अस्ति १६०-घ (1) के अधीन स**फ**ना

भारत नरकार

कार्यालय , महायक अप्यवर आग्रक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, कानपुर

कालपुर, दिनांक 10 धक्तूबर, 1985

निर्देश सं० के-110/85-86—-ग्रतः, मुझे, एच० फ्रार० दास

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे हममाँ इसके पहचात 'उन्तर अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 स के अधीन सक्ष्म शिधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार शृंदर 1,00,000/- रा. से अधिक है

श्रीर जिन्नो सं० 24-ति/250 है तथा जो गोविन्द नगर में स्थित है (श्रीत इत्ते उनाबत अतुमूची में श्रीर पूर्ण रूप में वर्णित है), रिक्टिट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय कानपुर में रिक्ट्रीकरण बिविविष्म, 1908 (1908 का 16) के श्रिधेत 20-2-85

को पर्वोक्त समाति के जीवन वाजार मेल्य से कम के दशमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह विश्वास अपने का कारण है कि प्रथणनेकित संपरित कर अधिक राजार कर्मा, असले इत्यम् प्रतिकल से, होसे क्ष्णमान प्रतिकल का पन्द्रल प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अन्तरिति (अक्षिपितिणों) के गीच होंगे अन्तरण के किए तथ राजा गृहा प्रतिकास विश्वासित करावोद्य से उपने ब्रह्मका सिक्षित में बारतिबक रूप से स्थित नहीं किया गया है :---

- (क) कल्लानम में नार्ग किसमी गांध की शहर 374 मिंगियाल के कभीन कर तोने की फल्लान के दिगिया को उपने का निष्का की लिए; और या/
- (क) एमी किसी आग या किसी धन या कर्य क्राप्तियाँ थे, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या जक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, किसन का सुविधा के लिए;

ङत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 260-ग के अन्तरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 260-घ की उपधारा (1) के अधीर, निम्मिलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-24—316 GI/85 (1) श्री महेन्द्र नाल तिह एवं ग्रन्य ब्लाक 4, गीविन्द नगर, कानपुर

(प्रन्तरक)

(2) श्री चन्द्र लाल पुत्र धरम दास 122/303 शास्त्री नगर, कानपुर

(भ्रन्तरिती)

(3) भ्रन्तरिती

(वह व्यक्ति जिसके श्रधिभोग में सम्पत्ति है)

(4) भ्रन्तरिती

(वह व्यक्ति, जिसके बारे में श्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह संपत्ति में हितबद्ध है)

को यह म्चना जारी कारके प्रकेत संपत्ति के कर्जन के लिया कार्यवाहियां करता हो।

उक्त अम्पत्ति के शर्मन के संबंध में कोई भी बाक्षण :--

- (क) इस स्वता के राज्यव यो प्रकाशन की तारी**स से 45** दिन की अप्रधि या तत्समारधी व्यक्तियों पर स्वा। की तामील से 30 दिन की अविधि, को भी अविधि साद मी समाप्त होती हो, के भीतर प्रोंकिए व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपर्तित में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति : अधोहस्ताक्षरी से पास निविचन में किए जा सकत्य ।

स्पष्टीकारण:--इसमीं प्रयुक्त गब्दों और पदों का, भो उक्त अधिनियम की अध्याय 20-क मीं परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय मीं विया गया ही।

जमसंची

मकान नं॰ 124-सी/250 गोविन्द नगर, कानपुर

एच० श्रार० दास सक्षम प्राधिकरी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजीन रेंज, कानपुर

दिनांक: 10-10-1985

कोङ्ट 🖫

प्ररूप वार्ड.टी.एव.एव.----

नाथकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यातय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, कानपुर

कानप्र, दिनांक 10 श्रक्तूबर 1985

निदेश सं० के-111/85-86—ग्रतः मुझे, एच० भ्रार० वास

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, की धारा 269-ख के अधीन सक्ष्म प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर समात्ति, जिसका जिल्ल शाजार मृस्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

ग्रीर सिकी सं 0 112/210-ए है तथा जो ध्रायंनगर में स्थित है(ग्रीर इपसे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणत है) रिजस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, कनपुर में रिजस्ट्री-करण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के भ्रधीन, दिनांक 14-2-85

को पृषेक्ति सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के क्षयमान प्रतिफल को लिए अंतरित की गई है और मृश्ते यह विद्वास करने को कारण है कि ग्रथापृवेक्ति सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके क्ष्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक अंतरकों) और अंतरित्ती (अंतरितियों) के बीच एमे अंतरण के लिए तय पासा गया प्रतिफल, निम्निलियत उददेश्य से उसत अंतरण जिल्लित में पस्तिक कप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अंतरक में हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोनें के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/बा
- (का) एसी किसी आय या किसी धन वा बन्त आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) वा उक्त अधिनियम, वा धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के अयोजनार्थ अंसरिती द्वारा अकट नहीं किया गमा था या किया जाना जाहिए था, छिमाने में सुविधा के सिक्द;

गतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ण के जनूतरण में, में, उक्त अधिनियम की वारा 269-ण की उपभारा (1) के अधीन, निम्निशिश्वत व्यक्तितयों, अर्थात्--- (1) श्री उम्मेद राज कुराल एवं नरेश घन्द कुरास 112/210-ए स्वरूपनगर, कानपुर

(मन्तरक)

(2) श्रीमती मुन्नी माहेश्वरी परिन बृजेन्द्र बाबू माहेश्वरी श्रीमती राम खिलौना परिन श्री राजेन्द्र माहेश्वरी 111/313 हवं नगर, कानपुर।

(भन्तरिती)

(3) मन्तरिती

(वह व्यक्ति, जिसके झिधभोग में संपत्ति है)

(4) मन्तरिती

(वह व्यक्ति, जिसके बारे में भ्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह संपत्ती में हितबद है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के सिप फार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 4.5 दिन की अशीधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचन की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति व्यक्ति व्यक्ति
- (क्ष) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 4.5 दिन के भीतर उक्त स्थानर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पार लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि नियम, के अध्याय 20 क में परिभाषित हैं। वहीं कर्ध होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

बन्तुची

मकान मं॰ 112/210-ए म्रार्थेनगर, कानपुर।

एव० घार० वास सक्षम प्राधिकारी सहायक घायकर घायुक्त (मिरीक्षण) धर्जन रेंज, कामपुर

विनाम: 10-10-1985

मोहर 🔞

प्ररूप आई.टी.एन.एस.------

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-थ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक बायकर आयुक्त (निरीक्षण) भर्जन रेंज, कानपुर

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

भीर जिनको सं० 133-मो०-1/163 है तया जो ट्रान्तपोर्ट नगर में स्थित है (ग्रीर इतने उनाबद्ध श्रनुसूचो में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रोकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय कानपुर में रजिस्ट्रोकरण श्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख 25-2-85

को पूर्वोकत सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान तिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि अथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार वृष्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का बन्द्रह प्रतिकृत से आधक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में बास्तिक कप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) जंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उन्ते अधि-नियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व बें कमी करने या उससे बचने में सुविधा के फिए; जॉर/या
- (क) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम या धनकर अधिनियम, 195/ (1957 का 27) को प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

जतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के जनुसरण हैं, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के सभीन, निम्निसिविद व्यक्तियों, अधित :—

(1) श्री नवीन सर्विस स्टेसन पार्टनर स० इन्दर्राप्तह एवं श्रन्य 117/447 पान्डव नगर कानपुर

(भ्रन्तरक)

(2) श्रीमती कमलेश जायसवाल पत्नी श्री प्रेम प्रकाश जायसवाल 106/386 गाँधी नगर कानपुर श्रीमती उर्मिला देवी जायसवाल पत्नी श्री हर सहाय 104/91 ए० पी० रोड, कानपुर

(भ्रन्तरिती)

(3) भ्रन्तरिती

(वह व्यक्ति जिनके अधिभोग में सम्पत्ति है)

(4) भ्रन्तरिती
(वह व्यक्ति जितके बारे में श्रधोहस्ताक्षरी
जानता है कि वह सम्मत्ति में हिलबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हु।

उक्त सम्पत्ति को अर्जन को संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की ताराख से 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 विन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी करे 45 दिन के भीतर स्थावर सम्मित में हितदक्थ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त आधि -नियम, के अध्याय 20 -क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

वन्स्ची

मकान नं∘ 133/पी०-1/163 ट्रान्सपोर्ट नगर कानपुर

एच० म्रार० दास सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजेंन रेंज, कानपुर

तारीख: 10-10-85

क्लोहर 😘

प्ररूप आई.टी.एन.एस.----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की वारा 269-ध (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज कानपुर

कानपुर दिनौंक 10 श्रक्तूबर 1985

,नेर्देण सं० के० 113/85-86--श्रतः मुझे, एच० भार० दास

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया ही), की धारा 269-ए के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण ही कि स्थाकर संपत्ति जिसका उचित पाजार मूल्य

1,00,000/- रत. से अधिक है

भीर जिलको सं० 120/129 है जथा जो तरायत पुरका कातपुर में स्थित है (और इससे उपावद अनुसूची में भीर पूर्ण रूप से विजित है) रिजस्ट्रीकर्ती श्रीधिकारी के कार्यालय कातपुर में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रीधीन तारीख 25-2-85

का पृशेक्ति संपत्ति के उचित वाजार मृत्य से कम के द्रशमान प्रातंफल के लिए अतिरत की गई है और मृद्यों यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वाक्षण संपत्ति का उचित वाजार मृत्य, उसके द्रश्यमान प्रतिफल से, एसे द्रश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्ति (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्मलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निस्थित में बास्तीवक रूप से कीथत नहीं किया गया है:--

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बावत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विथा के लिए।

कतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :— (1) श्रीसती कीरास्पादेवी दिश्वता राजकुमार रमेश चन्द्र 120/429 लाजपत नगर कातपुर

(भ्रन्तरक)

(2) श्री: मोहन लाल सन भ्राफ राम जुनाल श्रादि 120/429 लाजनत नगर. कानपुर

(भन्तरिती)

(3) क्रोतागण

(वह व्यक्ति जिसके श्रधिभोग म सम्पत्ति है)

(4) ऋेदागण

(बड़ व्यक्ति जितने वारे में प्रधीत्स्ताकरी जानता है कि वह राम्सीत में हिसपत है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता ह्रं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्दन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सुचना के राजपत्र में प्रकारन की तारीक से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी क्यों क्तरों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि वाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से विक्ती व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उकत स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकीगे।

स्पद्धिकरण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधिनियम, को अध्याय 20-क में यथा परिभा• पिता है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

अनुस्ची

म॰ न॰ 120/429 नरायनपुरत्रा लाजगत नगर. कानपुर

> एच० ग्रार० दास सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त .(निरीक्षण) ग्रजन रेंज, कानपुर

तारीख: 10-10-85

おおべ 明確、これ、収税、収録、------

नायकर निभिन्यम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के सभीन सुपना

षारत सरकाड

धार्यासय, सहायक आयकर आयुवत (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, कानपुर कानपुर दिनौंक 10 श्रक्तूबर 1985

निर्देश सं० के० 114/85-86---म्रज्ञः मुझे, एच०

भार० दान

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इतमें इसके पश्चास् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पित्त, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

श्रीर जिन्नकी सं 18/535-ए० है एथा जो कीयलपुरी कानपुर में स्थित है (श्रीर इन्नते उनाबद्ध श्रनुपूर्वो में श्रीर पूर्ण कर से बर्णित है) रजिल्ट्रोक्ती श्रीधकारी के कार्याक्षय कानपुर में रजिल्ट्रोकरण श्रीधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रीम कारीख 26-2-85

का वृचोंक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के रूपमान त्रितिफल के लिए अन्तरित को गई हैं और मृक्षे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापृबंक्ति सम्पत्ति को उचित के जार मृत्य, असके रूपमान प्रतिफल में, ऐसे रूपमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निश्चित में बास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया हैं —

- (क) अन्तरण स हुई किसी बाय को बाबत, उच्च जीध-नियम के अधीन कार दोने के अन्तरक के दायित्व में क्रमी करने या अससे अपने में सुविधा के लिए; व्याप/या
- (स) एसी किसी नाय या किसी भन या जन्य कास्तियी का, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या उक्त अधिनियम, या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था, या किया जाना लाहिए था, खिपाने में स्विधा के लिए;

क्षक्षः श्रव, उक्त जिभिनियम की धारा 269-म के अनुसरण हैं, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ह—— (1) श्रीनती मान कीर बाइक श्राफ श्री भगवन्त सिंह 118/535 ए० कीरालपुरी कानपुर

(घन्तरक)

(2) श्रीमती कमला देवी खमेसरा एच०-71 किस्वई नगर कानपुर

(अन्तरिती)

(3) ऋतागण

(बह ध्यक्ति जितके श्रधिभोग म सम्मति है)

(4) क्रेतागण

(वह व्यक्ति जितके बारे में प्रधोहरताक्षरी जानता है कि वह सप्यक्ति में हिसबढ़ है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां कारता हो।

क्षवत सम्पत्ति के वर्णन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी व व 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूजित व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना का राजपत्र में प्रकाशन की तारीच है 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्परित में हित-बद्ध किसी जन्म व्यक्तित द्वारा अधाहस्ताक्षरों के पास निवित्त में किए जा सकींगे।

स्पक्कोकरण:--इसमें प्रयुक्त सब्दों और पदी का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिज्ञािकट है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

वनुसूची

म० म० 118/535 ए० कीशलपुरी कानपुर

एव० ग्रार० दास सक्षम प्राधिकारी सहायक भायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजन रेंज, कानपुर

तारीख: 10-10-85

प्ररूप आईं.टी.एन.एस.-----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-थ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रजंन रेंज कानपुर

कानपुर, दिनौंक 10 अक्तूबर 1985

निदेश सं० के०-115/85-86--- मत: मुझे, एच० मार० दास बायकर अधिनयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पहचात् 'उक्त 'धिनियम' कहां गया है) की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रत. से बिधक हैं श्रीर जितकी सं० 113/14 पाठ I है तथा जो ककना

श्रीर जितकी सं० 113/14 पा० I है तथा जो ढकना पुरवा में स्थित है (श्रीर इतसे उपान में श्रीर पूर्ण रूप से बॉणत है) रिजस्ट्रीन ता श्रीधनारी य कानपुर में रिजस्ट्रीकरण श्रीधनियम 1908 (1908 का 16) के श्रीधन तारीख 27-2-85

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित क्षाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित काजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का अन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अनतरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के सीच एसे अन्तरण के लिए तम पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिगक रूप से किथत नहीं किया गया है:——

- (क) जन्सरण में हुई किगी आय को बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बक्त में सुविधा के लिए; आर/या
- (ब) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियाँ की, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) या उक्त अधिनियम, या अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्ध अन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृविधा के लिए;

अतः अप, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निमालिखित व्यक्तियों, अर्थात्:— (1) श्रीमती विद्यायती पत्नी श्री गुरबचन तिह 118/439 कौशलपुरी कानपुर

(भन्तरक)

(2) श्री राम शंकर शुक्ला पुत श्री शिवगोपाल शुक्ला 128/269-एच०→2 किदवई नगर कानपुर

(भ्रन्तिरती)

(3) मन्तरिती

(वह व्यक्ति जिसके श्रधिभोग में सम्पत्ति है)

(4) मन्तरिती

(वह व्यक्ति जितके बारे में प्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकार की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिक्ति में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

धनुसूची

मकान नं॰ 113/14-पार्ट-^I धन कुट्टी-कानपुर

एच० झार० दास सक्षम प्राधिकारी सहायक भायकर घायुक्त (निरीक्षण) भर्जन रेंज, कानपुर

तारीख: 10-10-85

प्रकार बाही, टी. एन. एस.------

बायकर गणिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अभीन स्चना

बारत तरकार

कार्यालय, सहायक बायकर बाय्क्स (निरक्षिण) श्रर्जन रेंन, बानपुर

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मृज्य 1,00,000/- रह. से अधिक है

और जिनकी सं 117-एच०2/165 है तथा जो रा ादेव कानपुर में स्थित है (और इन्ते उपाबद श्रनुचूर्वी में और पूर्ण रूप से विगत है), रिनिट्रीं जिल्ली श्रीध गरी के वार्योदर, बातपुर में रिजिल्ड्रीं रूण श्रीधि राम, 1908 (1908 रा 16) के श्रीधीन तारीख 20~2~85

को प्वांश्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के रूपमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने कः कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृह्य, उसके रूपमान प्रतिफल में, एसे रूपमान प्रतिफल का गंद हु प्रतिशत में अधिक है और अन्तरक (अन्तरकाँ) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय गया गया प्रतिफल, निम्नलिकित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिध्क रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्स ब्रॉफीनयम के अधीन कार दन के बतरक के दायित्व में कमी करने या उससे वजने में स्विधा के स्विष् और या
- (क) एसी किसी बाय या किसी धर्म या अन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उस्त अधिनियम, या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) औं ध्यारनार्थ अधिनियम, विवास प्रकृत नहीं किया गया था या किया जाना वाहिए था, स्थिनाने, में सृविधा वे निए;

बतः थवं, उक्त विधिनियमं की भारा 269-ग के अनुसरण बी, मी, उक्त विधिनियमं की धारा 269-म की उपभारा (1) के व्योत, निस्तिनिवतं व्यक्तियों, संवित क्र---

- (1) श्री अम:ती: िंह एवं जो न्द्रि िंह 118/2 कीस पुरी, प्राप्युर (श्रमा:)
- (2) श्रीतती राता गुण्ता वादफ श्राफ, श्री घूष नाताः, 117/एष०-2/105 राज्ञदेत्र, सावपुर

(সংক্রটিরটি)

(3) ঋলেরিী

(पह कानित, जि.जे प्रविभाग में उपात्ति है)

(4) उपरोक्त (वह व्यक्ति, जि.के बारे में प्रक्रीहम्बाक्षरी जानता है ि जबह सम्पत्ति में दिवबद्ध है)

को यह स्वना कारी करके प्वोंक्स सञ्चास्त के अर्जन के जिल्ला कार्यवाहियां करता हुई।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेत्र .---

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक्ष से 45 दिन की अविधि या तत्सग्राधी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविधि, को औ अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रोंक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इवारा;
- (व) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबष्ट्रभ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अभाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए का सकोंगे।

न्यव्यक्तिरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जा उबत अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषिधः हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया। गया हैं।

अनुसूची

म० नं० 117/एच-2/165 ब्राह्मदेव ब्राह्मपुर

एच० घाउ० दात सक्षम प्रावि गरी सहायक घानकर श्रायुषत, (शिक्षण) धर्मन रेंग, कान्युर

सारीख: 10-10-85

मोहर ः

प्ररूप आई.टो.एन.एस.-----

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ (1) के अधीन मूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) धर्जन रेंज, गानपुर

रानपुर, दिली : 10 अपनुबर 1985

निदेश सं० के॰ 117/85 -86---प्रतः मुझे, एच० आर० दास,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उन्कत अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का करने का कारण है कि यथापृत्रों क्त सम्पत्ति का उचित बाजार 1,00,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जि.भी सं० 111/26-ए है तथा जो अशोध नगर में स्थित है (ऑड इस्ते उपायक श्रृत्ची में और पूर्ण रूप से एणित है), प्रिष्ट्रिती शिक्ष्मिरी के रायिता रामपु: में प्रिष्ट्रितिण शिक्षितम, 1908 (1908 सा 16) के श्रधीन तारीक 20-2-85

कां प्रविक्त सम्पत्ति के उचित बाबार मृल्य से कम के द्रियमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मृभे यह विश्वास कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाबार मृल्य भृत्य, उसके रहयमान प्रतिफल से, एमे दहयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरिक (अंतरिकों) और अंतरिती (अंतरितियाँ) के बीच एमे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नीलिखित उद्देश्य में उक्त अंतरण निचित में बास्तिवक क्य में कथित नहीं किया गया है ---

- (क) अन्तरक मं हुद्दं किसी बाय की बावस, उक्तर अधिनियम के अधीन कर योगे के अम्तरक के दायित्व में करने या उससे ध्वने मीं सुतिधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या जक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) को प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा को लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 169-ग के अनुसरण भूँ, मौं: अकत अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीर, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :— (1) श्री ए० हावं ! पिंह 119/64 एकीमायाप एम्बुइ

(%/T/S)

(2) श्री मध्यप पंत्रपती पुत्र, श्री नरायः याः पंज्ञवानी 111/414 श्रशोः नगर, ग्रासपुर

(भ्रन्तिती)

(৩) দলেনি

(घट कारित जित्रों अविशोग में समस्ति है)

(4) घरतिती (घर् काकेत विक्ति बारे में अप्रोहरतासरी जातता है कि घर रास्ति में दिवबंद है)

का यह स्चना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के सिष् कार्य-गिहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पृत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी बाओप: --

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी हर 45 दिन की अविध सा तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वान की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भी सर पूर्वी कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा।
- (ख) इस सचना के राजपन मा प्रकाशन की सारीत स 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मस्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास जिखित में किए जा सकोगे ।

स्पष्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदौं का, जो उसत अधिनियम की अध्याय 20-क में परिभाषित हौ, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया

अनुस्ची

मश्च नं० 111/20 ए० धरोह नगर-कारपुर

एच० आः० यास सक्षम प्राप्ति गरी सहाजः आजः आयुक्त (तिरीक्षण) धर्जा रेंज, राजपुर

सारीङ: 10 ⋅10 ⋅85

मोहर 🛚

आयंकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43 की धारा 269 घ (1) के अधीन स्चला

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रजैन रेंज-II मद्रास

मद्रास, दिनौंक 7 अक्तूबर 1985

निदेश सं० 211/ फरवरी 1985 - अंदः मुझे, श्रीमती एम० सामवेल

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

भीर जिसकी सं० बल्लम्पुदूर है तथा जो बल्लम में स्थित है (श्रीर इमसे उपायद्ध प्रनुसूची में श्रीर जो पूर्ण रूप से विणित है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय बल्लम लेख सं० 290/85 में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनौंक फरवरी 1985

को प्लेकिन स्पर्णान के उजित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई और मूझे यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्स सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती /अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण निश्चत में बास्तविक कप से कथिस नहीं कवा गया है :----

- (क) बनारण वे हुई किसी बाब की बाबस, सबस जिथानियम के जधीन कर दोने के अन्तरक के बाबित्य में कमी कुरने या उससे बचने में सुविधा में लिए; बारू/बा
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य जास्तियों को जिन्हों भारतीय आयक-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, का धन-कर अधिनियम, का धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती बुवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, स्थिपाने में सुविधा के सिक्ष;

जतः अब, ८क्त अधिनियम की धारा 269-ग के बनुसरण में., में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के जभीन निम्मनिक्ति, व्यक्तियों, बर्धात् :---17—316GI/85 1. श्रीमती सीत भय्यी।

(भ्रन्तरक)

2. श्री जी० श्रीनिवासन ।

(श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सभ्यति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्षन के संबंध में कोई भी वाक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की जबीं या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तासील से 30 दिन की जबीं प्रकाशन को तासील से 30 दिन की जबीं प्रवित्त प्रवित्त स्वाप्त होती हो, के भीतर प्रवित्त स्वाप्त में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्थाना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- क्यूध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोगे।

स्वाचिकरणः इसमें प्रयुक्त खब्दों और पदों का, को उक्त अर्देशीनयम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया यसा है।

अनुसूची

भूमि ग्रीर मकान बल्लम्पुदूर बल्लम एस० न १४। ८ए एड 74/8 बी. बल्लम, लेख सं० 290/85 ।

एम० सामुबेल सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजीन रेंज-II. मद्रास

दिनाँक: 7-10-1985

प्ररूप कार्ड : डी. एन. एस. - - - --

नायक र सिंधिनयम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-स (1) के अधीन स्वना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक जायकर जायकत (निरक्षिण) श्रर्जन रेंज-II मद्रास

मद्रास, दिनाँक 9 श्रक्तूबर 1985

निदेश सं० 8/फरवरी. 1985---श्रतः मुझे, श्रीमती एम० सामवेल

वायक र अधिनियम . 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है कि भारा 269-का के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विद्यास करने का कारण है कि स्थानर सम्पत्ति . जिसका उचित नाजार मुख्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

स्रौर जिसकी सं० सर्वे सं० 32/22 स्रौर 32/23 पहुक्कोठ्ठें है जो तन्जाबूर में स्थित हैं (स्रौर इससे उपाबद्ध स्रनुसूची में स्रौर जो पूर्ण रूप से वर्णित हैं) रजिस्ट्रीकर्ता स्रधिकारी के कार्यालय मद्राम नार्थ लेख सं० 437, 438 में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के स्रधीन फरवरी 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इच्यमान प्रतिफाल के लिए अन्तरित की गई है और बूक्ते, यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्येंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार बूल्य, उसके इच्यमान प्रतिफाल से, एसे इच्यमान प्रतिफास के पन्द्रह प्रतिचात से अधिक ही और अंतरका (अंतरका) और अंतरिती (अंतरितियाँ) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-कल निम्नलिखित उद्वेद्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक अप से कथित नहीं किया गया है गुल्क

- (क) मंतरण से हुन्दे किथी बाय की बावर, उक्त निधिन्त्रम के सर्वीय कर दोने में अंतहक से वादित्व में कमी करने या उससे वचने में सुविधा के लिए; बॉर/वा
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गय. वा या किया वाना वाहिए वा, कियाने में स्विधा के लिए;

बत: बब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग को अनुसरण को, मी, शक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) को अधीन, निम्नसिधित व्यक्तियाँ∏ अर्थात् छ≔न श्रीमती मुत्तुक्कण्णमाल ।

(भ्रन्तरक)

 मन्तर्स शेकरन ट्रेडिंग प्राइवेट लिमिटेड । (ग्रन्तरिती)

को यह स्वाना जारी करके प्रशेक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्णन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस स्वना के रावपन में प्रकाशन की तारीश है 45 दिन की विवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की विवधि, जो भी विवधि वाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति व्यक्ति स्
- (ब) इस सूचना को राजपन में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर सम्मास्त में हित-बहुध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निवित में किए जा सकीये।

स्पक्तिकरणः — इसमें प्रयूक्त शब्दों और पर्यों का, वो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, वो उस अध्याय में विधा गया है।

ननसर्वी

भूमि भौर मकान 5 चिन्नैया स्ट्रीट पठ्ठुक्कोठ्ठै कस्पा तंजाबुर. मद्रास नार्थे विलेख सं० 437 एन्ड 438/85 ।

> एम० सामुवेल सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकंर म्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-II मद्रास

दिनौक: 9-10-1985

मोहरः

प्रकल बाहाँ, टी., एम्., एस.,------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन स्वना

भारत जरकार

कार्यानय, सहायक आयकर आयुक्त (निरोधन)

अर्जन रेंज-II, मब्रास

मदास,, दिनांक 9 अन्तुबर, 1985

निवेश स० 90/फरवरी, 1985—अतः मु**झे श्रीमती एम०** सामुबेल

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उन्त वृधिनियम' कहा गवा हैं), की भारा 269-च के ख्भीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वाच करने का कारण हैं कि स्थावर सम्मित, जिसका उचित बह्मार मृस्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० 2/37, विलेज, रोले, नगम्बानकम रोड है तथा जो मदास-34 में स्थित है (श्रीर इसमे उपायद्ध अनुसूची में श्रीर जो पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय थौसन्डलैंड्स, लेख सं० 53/85 में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक फरवरी, 1985.

को प्वींयत सम्परित के उचित बाजार मृत्य से कम के ध्रयमान प्रतिकान को लिए कन्दारित को गर्छ हैं और मुम्मे यह विद्यास करने का कारण हैं कि यजाप्योंक्त सम्पत्ति का अधित बाजार मृत्य, उसके व्यमान प्रतिकल् से, एसे व्यवज्ञान प्रतिकल का पन्त्रह प्रतिशास अधिक है और अंतरक (अन्तरकों) और जन्तरिती (अन्तरितियों) के बीज एसे अन्तरण के लिए स्व ग्या गया प्रतिकल, निम्निचिचित उन्नियेय से उच्त अंतरक सिचित में बाक्तविक क्ष्म में कीजत नहीं किया गया है :——

- (क) जन्तरूग से हुई किसी नाम की बाबसः, उपध निर्मित्वम के वर्षीय कर्द्ध दोने के कस्तरूक के शाविष्य में ककी कहने वा उन्नचे वक्षणे में सुविधा के सिक्; कांद्ध/का
- (था) एसी किसी बाय वा किसी भय या अन्य आस्तियों की जिन्हों भारतीय आये-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या अक्त अधिनियम, या अन-कर अधिनियम, या अन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया जया था वा किया जाना काहिए था, किनाने में स्विभा के सिर्ध।

बतः क्या, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के बनुसरण को, मी, उक्त अधिनियम की भारा 269-म की उपधारा (1) को अभीन, निम्मलिखित व्यक्तियों, वर्षात् क्ष— (1) श्रीमति शकुन्तला।

(भन्तरक)

(2) श्री एन० राममूर्ति ।

(भन्तरितः)

को नष्ट्र सूचमां बारी करके पूर्वोक्त सकारित के नर्जन के लिए कार्यवाहिकां करता हूं।

उनत सम्पृतिः के क्यान के संबंध में कांद्रों भी बाक्षेप :----

- (क), का चुक्क के ट्राक्यन में श्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अवधि सा तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर स्थान की तासीस से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि साम में समाप्त होती हो, के मीतर पूर्वित्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दवारा;
- (ब) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उच्च स्थावर सम्पत्ति में हित-ब्रुथ किसी बन्य व्यक्ति द्वारा, जधोहस्ताक्षरी के पास सिसिस में किए जा सकोंने।

स्पष्यक्रियण :---इसमें प्रमुक्त शब्दों और पदों का, को उक्स अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हो. बहा अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

ग्रनुमूची

प्लाट नं. ।।, फ्लांर, डार सं. 2/37., विल्लंज, राही, नगन्याक म, मद्रास-34 में तासन्डली स, लेख सं. 53/85।

श्रीमती एम० सामुवेल सक्षम प्राधि हारः सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजेन रेंत्र,II मद्राम

हारीख: 9-10-1985

मोहर 🖫

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालयः, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रजेन रेज-II, मद्रास

मदास, दिनांक 9 सक्तूबर, 1985

निदेश मं० 91/फ़रवरी, 1985—श्रतः मुझे श्रीमतीः एम० साम्बेल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके एरचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00.000/- रु. से अधिक हैं

श्रीर जिसकें। सं 2. विल्लेज, रोड़, नुगम्बाक्मश्म रोड है, तथा जो महात में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद अनुसूर्च में श्रीर जो पूर्णका में वर्णत है), रिजन्द्र तो अधिशारों के जार्यालय, थाँ तर्जिक, लेख तं 99/85 में रिजिस्ट्रे के जार्यालय, थाँ तर्जिक, लेख तं 99/85 में रिजिस्ट्रे के जार्यालय, थाँ तर्जिक, लेख तं 99/85 में रिजिस्ट्रे के जार्यालय, थाँ तर्जिक, लेख तं 99/85 में रिजिस्ट्रे के फरवरी, को पूर्विकत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के करमान अतिफल के लिए उन्तरित की गई है और मूझे यह बिहवास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्ति सम्पत्ति का जिसते बाजार मूल्य, असके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का ग्रह प्रतिशत में अधिक है और अंतरक (अंतरका) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निती बत उद्वेष्य से उक्त अन्तरण कि सिद्धा में बास्तिबक रूप से किथा नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आयः की बाबत, उक्त नियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व को कमी करने या उससे अचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्ह भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 19 57 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

1. श्रोमती एम० शकुन्तला।

(भ्रन्तरक)

2. श्री ए० मदिवाणन ।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के उर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारी खंसे 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 विन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, को भीतर पूर्विकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति च्चारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिखित में किए जा सकेंगे।

स्पब्दीकरण:—इसमे प्रयुक्त शब्दों और पवों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याद 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

फ्लाट टो०-4, सं० 2, विल्लैज रोड, नुगम्बाक्कम रोड है मदास-34, थीसन्डलैंडस, लंख सं० 59/85 ।

> श्रीमती एम० साम्बेल सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायक्त (निरोक्षण) श्रर्जन रेंज-II, महास

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं,, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अभीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ः—

दिनाँक: 9-10-1985

प्रकल वार्ष्ं, टी, एन . एके , वर्णनाननानाना

नायकर निधिनयम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के बभीन स्वना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्चर्णन रेंज-ग्रा, मद्रास मद्रास, दिनांक 9 श्रक्तूबर, 1985

निदेश मं० 92/ फ़रवरी, 1985--- ग्रतः मुझे श्रामती एम० साम वेल,

षायकार अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिले इसमें इसके पक्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-स के अभीन सक्षम प्राधिकारी को यह निश्नास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाचार भूका 1,00,000/- रत. से अधिक है

और जिसकी सं० प्लाट 37, पालभूम्, कृष्णानगर, उत्तर उसमान रोड़ के नजदान, है, तथा जो महालिगपुरम, मदास-34 में स्थित है (भ्रीर इससे उपावड अनसूव: में श्रीर जो पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री इति अधिकार के कार्यालय, थीसन्डलैंडस, लेख संव 64/85, भें र्राजस्द्राहरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधान दिनां ए फरवरी, 1985,

को पृथीलक जम्पत्ति के जॉचत काचार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास कारने का कारण ही कि यथापुर्वेक्त संपत्ति का उपित मुल्य, उसके इदरमान प्रतिफल से एसे इदरमान प्रतिफल के *पन्द्रहप्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकां) आर वंतरिती (वंतरितियों) के वीच के एमे वन्तरण के लिए एक पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उ**ब्देश्य से उक्त अन्तर**ण निर्मित धा भारत विक रूप स कि पत नहीं किया गया है :---

- (अ) जम्मण्या से हुई किसी बाय की बायत, उन्नर अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के बारित्ज में कभी जरने या उत्तर्श वचने में समिधा के लिए; नौर्/वा
- (क) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य नास्तियों को, जिन्ही भारतीय भायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के अयोजनार्भ करतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया शवा भायाकियाजाना पाहिए भा, छिपाने में सुविधा बे निए।

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम को भाग 269-च की उपभाग (1) के अधीन. निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:---

1. श्रो सो० के० ग्रमरनाथ ।

(ग्रन्तरक)

2. तो के० एस० लक्ष्मी ।

ग्रन्त(रतः)

का बहु सूचना बारी करके पूर्वोक्स संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं ।

उक्त संपत्ति के कर्बन के संबंध में कोई भी माक्षेप:--

- (क) इक स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की शारीस से 45 विन की अवधि या तत्मं लंधी व्यक्तियाँ न्य स्चनाकी तामील से 30 दिन की अविभि, को 🕷 अविधि बाद में समाप्त हाती हो, के भीलर पुर्वेष्ट्रन व्यक्तियाँ में से किसी व्यक्ति क्यान:
- (ख) इस स्थाना को राजपत्र में प्रकाशन की नारीक्ष स . 45 बिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य अ्यक्ति द्वारा अधिहस्ताशारी के पास लिखिस में किए जा सकते।

स्वकारिकरण:--इसमें प्रयुवक शब्दों मौर पदी का, ओ उत्तरत अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो जस अध्याय में दिया त्या 😢 ।

अनुसूची

भूमि प्लाट सं० 37, पाल मून् कुष्णानगर, उत्तर उस मान रोड, के बाजु, महालिगपुरम, मद्रास-३4, में थौसन्द्रलेडस लेख सं० 64/85 ।

> श्रीमती एम० सामुबेस सक्षम प्राधिकारी: सहायक श्रायक श्रायक (1नरेक्षण) श्रर्जन रेज-11, मदास

दिनांक 9-10-1985 मोहर:

प्रथम बाहे. दी. एव. एव., -----

नाययार विभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भाष 269-म (1) के विभीत सुमना

BILL STATE

कार्यालयं, सहायक आवकर आयुक्त (निरक्षिण)

श्रर्जन रेंज-II, मब्रास

भादास, दिनांक 9 श्रक्तुबर, 1985

निदेश सं० 95/फ़रवरो, 1985—श्रतः मूझे श्रीमती एम० साम्बेल,

बावकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), जो कि धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी क्ये, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर भागत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रहः से अधिक हैं

प्रौर जिसकी संववेंकटेण्यरा नगर, बलसरवाक्कम, गांव, है, तथा जो मद्रास में स्थित है (प्रौरं इतसे उपाबद धनूसूची में प्रौर जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रोक्ता प्रक्षिकारी के कार्यालय, विकागस्वा-वक्तम, लेख संव 352/85, जो रजिस्ट्रोकरण प्रधिनियम, 1908 1908 का 16) के प्रधीन दिनांक फरवरी, 1985,

की वृजींक्त सम्पति के उचित बाचार मृत्य से कम के धर्यमान शितफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह क्लियास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके धर्यमान प्रतिफल को पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरिक (अंतरिकों) और अंकिरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के बीच सय पाया गया प्रतिक्का, निम्नलिखित उद्दोश्य से उक्त अंतरण बिखित में वास्त्र- विक क्प से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) जन्तरण से हुई किसी बाग की बास्त, उन्त अभिनियम के अभीग कर दोने के जन्तरक से श्रीयत्व में कभी करने या उद्यक्त वचने में सविभा के लिए; बॉर/बा
- (क) एसी किसी जाय वा किसी धन वा बच्च आस्तियों को, जिन्हों भारतीय जाय-कर विधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उनत अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-नार्थ जन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था वा किया थाना चाहिए था कियाने में सुविधा के लिए;

बतः थव, उक्तं विभिन्निय की भारा 269-ग वौ वन्तरण में, में, उक्तं अधिनियम की भारा 269-म की उपभारा (1) के अधीव, निक्निसित व्यक्तियों कथाँद ह—

1. अति एमा एमा हुनी का।

(भन्तरक)

श्रीचती हजिया ए० ग्रमीना बीवी।

(भन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पृत्रोंक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिख कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी वाक्षेप 🕮

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख में 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, वो भी जबधि नाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दवारा;
- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारी से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबष्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निश्चित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टिकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त विभिनियम के अध्याव 20-क में परिभाषिक हाँ, वही पर्ध होगा, जो उस अध्याय में किया गया है।

मन् सूची

भृ**मि** श्रौर **प**कान प्लाट सं० 2, बेंकटैश्वरा नगर, विरूगम्बानकम, लेख सं० 352/85 ।

> श्रीमती एष० सामूबेल सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायृक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-II, सद्वास

दिनांक 9•10-1985 मोहर ७

वचन वार्च . टी . एन . एस ------

आयकर अधिनियम,, 1961 (1961 का 43) की की धारा 269 ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार,

कार्यासयः, सहायक श्रायकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-II

मद्राम दिनांक 9 श्रक्तूबर, 1985

निदेश सं० 98/ फरवरी 1985—-श्रतः मझे, श्रीमती एम० सामुबेल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-च के ज्यीन सक्तम प्राधिकारों को यह विस्थास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूस्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

श्रौर जिसकी सं० 18. नागार्जुना नगर II स्ट्रीट रंगराजपुरम है जो कोडम्बाक्कम मद्रास-29 में स्थित है (श्रौर इसमे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर जो पूर्ण रूप मे विणन है) रिजस्ट्रीकर्ती श्रिधिकारी के कार्यालय कोडम्बाक्कम लेख मं० 505/85 में रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनाँक फरवरी 1985

को पूर्वोक्त संस्पति के उकित याजार मृत्य से कम के रहयमान प्रतिफल के लिए बंतरित की गई है और मृझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्वोंक्त संपत्ति का उकित बाजार मृत्य, उसके स्वयमान प्रतिफल से, एसे स्वयमान प्रतिफल का प्रमह प्रतिकत से प्रविच है बीर प्रच्यरण (क्लारकों) और प्रस्तरिती (प्रस्तरितियों) के बीच ऐसे प्रच्यरण के किए तब पावा गया प्रति-चय विश्वतिवित बहेग्य से उन्त प्रच्यरण विवित में वास्तविक लय से सहित नहीं किया गया हैं:---

- (क) जंतरण से इ.इ. किसी नाम की बाबत., खबत अधिनियम के जबीन कर योगे के जंतरक के शायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के बिए; और/वा
- (व) एसी किसी नाय या किसी धन या जन्म नास्तियाँ को; किसे बारतीय सायधर प्रक्रितियम; 1922 (1922 का 11) या उत्तत प्रविविद्यम; या जन- कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तिरती ध्वारा प्रकट नहीं किथा ग्रामा वा या किया जाना चाहिए वा; खिलाने म मुक्तिया के विका

बतः बकः, जनत कीिशनियम की भारा 269-ग के बनुबरण धीं, मीं, उनत अधिनियम की भारा 269-च की उपभासा (1) वें अधीन, निम्निनिवत न्यक्तियों, जधीन ह⊷ः श्री एन० पी० सूर्य कुमार और श्रीमती एम० ईप्रवर।

(अन्तरक)

2. श्रीमती बी० वेंकटरामन।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करकें पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीबा से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों धर कृषना की ताबीन से 30 दिन की अवधि, को भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस मूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिस-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिक्ति में किए जा सकोंगे।

स्वक्कीकरणः — इसमें प्रयुक्त शक्यों और पर्वो का, जो जकत विभिनियम, के अभ्याय 20 क में यथा परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अभ्याय में किया गवा है।

मनुसूची

भूमि श्रीर मकान 18 नागार्जना नगर II स्ट्रीट रंगराजपुरम कोडम्बाक्कम मद्राम-24 कोडम्बाक्कम लेखसं० 505/85

> एम० मामुबेल मक्षम प्राधिकारी सहायक स्रायंकर स्रायुक्त (निरीक्षण स्रर्जन रेंज-II महास

दिनाँक 9-10-1985 सो**ह**ार :

शक्य वाह^र. टी., एम., एस.,------

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की **धारा** 269-घ (1) के अधीन सूचना

नारव प्रकार

कार्यालय, सहायक आयकर गायुक्त (निरीक्षण) श्रजेन रेंज-II

मद्रास दिनाँक 9 ग्रन्तूबर 1985

निदेश सं० 103/फरवरी 1985--- अतः मुझे, श्रीमती एम० माम् वेल,

धायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परन हैं), की भारा 269-ज के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विद्यास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. में अधिक है

श्रीर जिपकी सं० 13 डा० सुब्बाराय नगर II स्ट्रीट है जो कोडम्बाक्कम मद्रास-24 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबढ़ श्रनुस्ची में श्रीर जो पूर्ण रूप से विणत है) रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यान्य कोडम्बाक्कम नेख सं० 524/85 में रिजस्ट्री-करण श्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनाँक फरवरी 1985

को पूर्वोक्स सम्परित के उपित काषार सस्य से कम के स्वयमान प्रतिफल के लिए अन्सरित की गई है और जुम्में यह विश्वास करने का कारण है कि स्थापूर्वोक्त सम्वत्ति का उपित बाजार स्थ्य, उसके स्वयमान प्रतिफल से, एसे स्वयमान प्रतिफल का अन्तर प्रतिकत का अन्तर प्रतिकत से अधिक है और अंतरक (अन्तर्कों) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एते अन्तर्क से किए तुक जारा गया प्रतिफल निम्निलिश्त उप्योख से सकत अंतरण किसित में अस्तिक रूप से किस्त नहीं किया जवा है हम्म

(क) बन्तरण से हुइ किसी आय की बाबत, उक्त श्रीभिनयम के अधीम कर देने के अन्तरक के वायित्व में कभी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या

एंसी किसी आय या किसी भन या जन्य जास्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अभिनियम, या भनकर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जान चाहिए था, खिलाने में सुविभा के लिए;

अतः श्रवः, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में में, उक्त अधिनियम की भारा-269-म की उपधारा (1) के अधीन निक्निलिखित क्लिक्क्यें, वर्षात् क्ष-- 1. श्री एय० एम० ग्रमीना बीवी।

(भ्रन्तरक)

2. श्रीमती के० एम० ग्रजीता बीवी।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना बारी करके पूर्वोक्त सम्मत्ति के वर्षन के निष्

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी नाक्षेप ह-

- हतः सूचना के उम्बंपन में प्रकाशन की तारीब वें 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की सबिध, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवेक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इवारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र मी प्रकाशित की तारी के 45 दिन के मीतर उस्त स्थावर सम्मत्ति में दित- बहुभ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पाछ सिविवत में किए जा सकेंगे।

स्वव्यक्तिरण :---इसमें प्रयुक्त सन्दों और पर्वो का, जो जनक विधिनयम के बध्याय 20-क में परिभाषित है, बही कर्थ होगा, जो उस मध्याय में दिया नवा है।

वन्त्र्यो

भूमि श्रीर मकान 13: डा० सुब्बाराय नगर: II स्ट्रीट: कोडम्बाक्कम मन्नास-24 कोडम्बाक्कम लेख सं० 524/85 ।

> ेएम० सामुबेल सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजन रेज-U- मद्रास

दिनॉक 9-10-85 मोहर :

श्वारत करकार

कार्यावय, यहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रजन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 10 श्रक्तूबर 1985

निदेश सं० के०—122/85—86——भ्रतः मुझे, ए**च**० श्रार० दास.

बायकर विभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इबावें इसके परचाल, 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण ए कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उणित जावार मृत्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

और जिसकी सं० 1800 है तथा जो में स्थित हैं (और इससे उपावड अनुसूची में और पूर्ण रूप मे वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधचारी के कार्यालय, कानपुर में रजिस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 वा 16) के श्रिधीन तारीख 22-2-85

को पूर्वोक्त संपरित के उचित बाजार मृस्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृस्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्नह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पावा गया प्रतिफल, निम्नितियत उद्देषय से उक्त अन्तरण जिलित के बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (५६) अस्तरण संधुद्ध किवी बाब की बाबसे, उक्त श्रीधनियम के जधीन कर दोने के अन्तरक के दानित्य में कबी करने वा उक्की दचने में वृष्टिया के लिए; बार/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या बन्य आस्तिवाँ को, चिन्हु भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) को प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपान यो स्वाया के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन. निम्नितिस्थित व्यक्तियों, अर्थात :---- 25---316GI/85

(1) मैं० वसवारी लाल एण्ड सदर्म, समाप्र

(ग्रन्तर्क)

(2) भ्राजाद सहगारी भ्रावास समिति लि० शिदवई नगर, जानपुर

(ग्रन्तरिती)

(3) श्रन्तरिती (बह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति , है)

(4) ग्रन्तरिती
(वह क्यक्रित, जिसके बारे में ग्रधोहस्ताक्षरी
जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबढ़ है)

की वह स्वता भारी करक प्रविक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के तर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचता के राजपण में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की जविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की सामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, से भीतर प्रवेशिक का बिसरों में हे किसी व्यक्ति द्वारा;
- (च) इस सूबना के राजपत्र में प्रकादार की तारीस सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपरित से हितबहुभ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताकारी के पाक लिखित में किए आ सकोंगें।

स्यव्यक्तिरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हु⁵, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

बमस की

श्राराजीं ने० 1800

एच० आर० दास ;क्षम प्राधिकारी नहासक सासकर प्रायुक्त (निरीक्षण) प्रजैन रेंज, कानपुर

नारीख: 10-· 10-- 85

प्रोहर:

प्रारूप आई.टी.एन.एसं.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) भ्रजन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 1.0 ग्रम्तूबर 1895 निदेश नं० के०--127/85-86----ग्रन: मुझे, एच० ग्रार० दास,

बायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) शिवले इसमें स्थिक परवात 'उक्त अभिनियम' कहा गया हैं। की भारा 269-च के अभीन सक्षम प्राभिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिनका उचित बाबार म्ल्य 1,011,000/-रा. में अधिक है

और जिसकों सं० 122/310 है तथा जो शास्त्री नगर में स्थित है (और इससे उपायद्ध ध्रनुसूची में और पूर्ण रूप मे वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय कानपुर में रिजस्ट्रीकरण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन तारीख 22-2-85

त्रों प्योंक्स संपरित के उचित बाबार मूच्य से कम के रहममान विकास के लिए अन्तरित की गई है जौर मुखे वह विकास करने का कारण है कि वधाप्तोंक्स सम्मित्त का उचित वाजार मूच्य , उनके क्यमान प्रतिफल से, ऐसे उच्चमान प्रतिफल का पंदह श्रीतकत ने मिथक है और मन्तरक (अन्तरकों) और बंतरिती (जन्तरितियों) के बीच ऐसे बन्तरण के निष् सन् गुवा ग्या ग्रीत-कस मिन्निसिंद्य सब्देश्य से उच्च सन्तरण विविद्य में बल्लिक कप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) जन्तरण सं हुई किसी जाय की बाबत, उक्त विधिनियम के वधीन कर दोने के बंतरक के दायित्व में क्सी करने या उच्चले क्यने में सुविधा के लिए; जीर/बा
- (च) ऐसी किसी बाब या किसी भन या बण्य शास्तियों को, जिन्हें भारतीय जायकर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती इसारा प्रकट नहीं किया रोग को विकास अपनि चाहिए था, कियाने भी भृषिका के लिए:

श्री बन्दरजीत सिंह एवं श्रन्य, पुत्रगण श्री दर्शन सिंह, पान्डु नगर, कानपुर (2) श्रीमती प्रेम लना श्रानन्द पत्नी

(1) श्री हरचरन मिह,

(भ्रन्तरक)

(2) श्रीमती प्रेम तता श्रानन्द पत्नी, श्री गिरधारी लाल श्रानन्द, 118/207 कौशलपुरी, कानपुर

(श्रन्तरिती)

(3) श्रन्तरिती (बहु व्यक्ति, जिसके श्रिधभोग में सम्पत्ति है)

(4) श्रन्तिरिती
(वह व्यक्ति, जिसके बारे में श्रधोहस्ताक्षरी
जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सुचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लि कार्यवाहियां करता हु।

तकत सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप:---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस । 45 दिन की जनिभ मा तत्सम्बन्धी व्यक्तियों प सूचना की तामील से 30 दिन की जनिश, जो भ जनिश बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्याग्त;
- (थ) इस सूचना के राज्यत्र मों प्रकाशन की तारीस 45 दिन के शीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हित बहुध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी । पास निवित मों किए वा धकींगे।

स्थव्यक्तिकरणः — इसमें प्रयुक्त शर्म और पदों का भो उक्त अधिनियम, के बध्याय 20-क में परिभावित ही, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया शक्त हैं।

अनुसूची

मकान सं० 122/310 शास्त्री नगर कानपुर

एच० खार० दास नक्षम प्राधियार गहायक खानकर सायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंक, कानपुर

तारी**ख**: 10-10-85

मोहरः

अतः थः। उत्तर अभिनियम की भारा 269-ण के अनुसरण वः, में, उक्ता जिभिनियम की भारा 269-ण की उपधारा (1) के वजींके जिन्दासिक स्माक्तियों, वर्भात् :—— प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरक्षिण)

श्चर्जन रेंज, बानपुर बानपुर, दिनांक 3 सितम्बर 1,985 निदेश नं० के०—15 /85—86-----ग्रतः मुझे, एच० ग्रार० दास,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 117/एल०/306 है तथा जो काकादेव कानपुर में स्थित है (और इसमे उपाबक्क प्रनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के व्यय्तिय कानपुर में रजिस्ट्रीकरण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन तारीख 15-2-85

को पूर्वाक्ष्त सम्पोत्त के उचित बाजार मूल्य से कम के खरमान प्रतिफल के लिए अंतरित को गई है और मुक्ते यह विश्वास करने करन का कारण है कि यथा पूर्वाक्ष्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसक उद्यमान प्रतिफल से, एमें खरमान प्रतिफल का प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बाच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखत उद्वेश्य स उक्त अंतरण लिखित में वास्तिविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अंतरण सं हुई िकसी आयं की बाबत, उक्त अधिन्यम के अधीन कर दोने के अंतरक को दायित्व ने कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; अरि/या
- (क) एंबी किसी आय या किसी धन या जण्य ब्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त स्थिनियम, या वक्कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्राय प्रकट नहीं किया गया वा या किया धाना वाहिए था, डिमाने में बुविधा के सिए;

अतः अधः, उकतः अधिनियमः की धारा 269-ग के अनुसरण मे, में, उक्त आंधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नीलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्री णिव प्रकाश पुत श्री माया प्रकाश निगम निवासी 104 ए०/96 रामबाग, कानपुर

(भ्रन्तरक)

(2) श्री कृष्ण मोहन श्रग्रवाल सन ग्राफ, श्री रामकुमार श्रग्रवाल, निचासी 117/एल०/306 काकादेव कानपुर

(भन्तरितीं)

(3) विकेतागण

(बह व्यक्ति, जिसके श्रधिभोग में सम्पत्ति है)

(4) केतागण (वह व्यक्ति, जिसके बारे में श्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है) को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपक्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियों करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (कं) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अनिध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि के बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोंका व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सुमना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तिमें ११ तिस्त में किए जा सकोंगे।

स्पष्टिकरणः—हसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्धों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिशा गया है।

अनुसूची

म० नं० 117/एल०/306 काकादेव कानपुर।

एक० म्रार० दास सक्षम प्राधिकारी सहायक भायकर घायुक्त (निरीक्षण) म्रर्जन रेंज, कानपुर

तारीख: 3-9-80

दास.

प्ररूप आहू .टी. एन . एस . -----

भायकर अभिनयम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, यानपुर व्यानपुर दिनांग 10 श्रक्तूबर 1985 निदेश नं० के०~161/85~86---श्रत : मुझे, एच० श्रार०

शायकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें पहलात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन संभन प्राधिकारी का, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्तिः जिसका उधित बाजार मृल्य

1,00,000/- रह. से अधिक हैं।

और जिसकी सं 117-एच०-2/190 है तथा जो पान्हु नगर में स्थित हैं (और इसमे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से चणित हैं), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय कानपुर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 वा 16) के अधीन नारीख 15-2-85

को पूर्वीकर संम्पास के उसित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रितिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्ति संपत्ति का उसित बाजार मूल्य, उसक दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रहें प्रतिकार से अधिक है और अंतरिक (अन्तरकों) और अंतरिती (अत्तरितिया) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निग्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक स्प से किथिए नहीं किया गया है :---

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन- कर अधिरियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनाथ अन्तरितो द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

भरः अव, उल्ल अधिनयम की धारा 269-म के अन्मरण भी, मी, उक्त अधिनयम की धारा 269-म की उपधारा (1) क अधीन, निम्हिलीखर अधिनतयों, अर्थात् :--- (1) श्री रामनारायन पित्डेरङ्ग्र दामोदरसरन रामबाग-लेन-2 कल्यान-जिला थाना।

(ग्रन्तरक)

(2) श्रीमती मधु श्राहुजा पत्नी श्री के० एल० श्राहुजा, 117-एच०-2/140 पान्डुनगर, कानपुर

(भ्रन्तिन्तीं)

(3) अतरिती (यह व्यणित, जिसके अधिभोग में सम्पत्तिम है)

(4) अन्तरिती (बह व्यक्ति, जिसके बारे में अ

(बह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

कां यह सूचना जारी कस्के पुर्वाक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अजन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियाँ पर सूचना की तासील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हों, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियाँ में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- वहुध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टिकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पवों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा परिभा-है, यही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

'ए' मकान नं० 117-एच०-2/190 पान्डुनगर कानपुर स्थित है ।

एव० ग्रार० दास सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त, (निरीक्षण) ग्रर्जन रेज, कानपुर

तारीख: 10-10-85

शस्य बार्चः, टी., धनः, एसः, ------

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अधीन स्मना

भारत संद्रकार

कार्यालय, सहायक कायकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेंज, ग्रानपुर कानपुर,दिनांक 1.0 श्रक्तूबर 1985

ि निदेश नं० के०⊶166/85–86---ग्रतः मुझे एच० प्रार० दासः

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी का यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मूल्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी सं 119/120-ए० हैं तथा जो दर्णनपुरवा में स्थित हैं (और इससे उपाबद धनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रिबस्ट्री-क्रित श्रिधिकारी के कार्यालय, कानपुर में रिजस्ट्री-करण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन तारीख 13-2-85

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के क्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूक्ते यह विक्ताम करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके क्यमान प्रतिफल में, ऐसे क्यमान प्रतिफल का जन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाम क्या प्रतिफल, निम्निकिशित उद्बंदिम से उक्त अन्तरण निकित में बास्तिक क्य में कथिन नहीं किया गया है :---

- (क) अत्याग सं इंड्रं फिसी आय को जानत उपन अधिक नियम के अधीन कर दोने के अत्याक के दाविस्य में कमी करने वा उससे बचने में सुविधा के लिये; अपन का
- (च) एसी किसी आय या किसी धन वा बन्य गास्तियों को, बिन्हें भारतीय आयकर मधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) जै प्रयोजनार्थ बन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया ग्या वा वा किया बाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा वे किए;

बंद बा, उन्त विधिनियम, की भारा 269-य के बनुबर का, में, उन्त अधिनियम की धारा 269-ए की उपभारा (1) के अधीन, निम्निसिस्त व्यक्तियों, व्यक्ति र—

श्री ज्ञानसिंह पुत्र,
 श्री दुलासिंह एवं प्रत्य.
 119/288 दर्शन पुरवा,
 कानपुर

(अन्तरक)

(2) श्री मुनेश्वर लाल अवस्थी पुत्र श्री गंगाचरण अवस्थी 19/288 दर्शन पुरवा कानपुर

(अन्तरिती)

(3) अन्तरिती

(बहु व्यक्ति, जिसके श्रिधिभोग में सम्पत्ति है)

(4) अन्तरिती
(वह व्यक्ति जिनके वारे में अर्थाहरनाक्षरी
जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पर्लल के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हु।

उक्त संपत्ति के अर्थन के सम्बन्ध र कोई भी आक्षेप ---

- (क) इस स्थान के राषपत्र में प्रकाशन की तारों है 45 दिन की अविधि या तत्सं मंधी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अविधि. जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पर्वे विश्व व्यक्तियों में से किसी व्यक्तियों का राष्ट्र
- (च) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीच स् 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिखित में किए जा सकोंगे।

स्पक्तीकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त जिथिनियम को अध्याय 20-क में परिशायित हैं, वहीं अर्थ हरेगा, जो उस अध्याय में दिया गवा हैं।

नन्त्ची

मकान नं० 119/120 ए० नया नं० 119/288-- बी० दर्शन पुरवा कानपुर

एच० श्रार० दास सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंजे, कानपूर

तारीख: 10-10~1985

माहर:

मुक्त बार्तुं हो । सुन् हर्त् ।

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अभीन सुचना

भारत तरकार

कार्यालय, सहायक जायकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, कानपूर

कानपुर, दिनांक 10 श्रक्तूबर 1985

निदेश नं० के०-172/85-86--श्रत: मुझे, एच० ग्रार०

दास, शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परेचार 'उक्त अधिनियम' कहां गया हैं), की भारा 269-च के अधीन सक्तम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य

1,00,000/- रह. से अधिक हैं

और जिसकी सं. $11/एल \cdot /258$ है तथा जो काकादेव, कानप्र में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अन्सूची में और पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, कानप्र में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीब 15-2-85

को पूर्विक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई और मुभ्ते यह विद्वास करने का कारण है

कि यह यथा पूर्वोंक्त संपत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके ध्रयमान प्रतिफल से, ऐसे इत्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तिविक रूप से किथत नहीं किया गया है:——

- (क) मुखरण सं हुई किसी बाद को बास्स, उसस मिनियम के बंधीन कर बाने के कल्लुक के बामित्स में क्सी करने या उससे बंधने में सुनिधा के निम्ह और/मा
- (क) एची किसी जाव या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आव-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोक्तार्थ अन्तरिती च्वारा प्रकट नहीं किया विवा वा वा विवा वाना वाहिए था, किनाने में नृतिथा के किया।

भारा: सभा, उन्हां वृधिनियम की भारा 269-मृ के वन्त्ररण वो, को उन्हां अधिनियम की भारा 269-च की उपधारा (1) को अधीन, निम्निसिंखत व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्रीमती शारदा रानी जौहरी वाइफ/ग्राफ,
 श्री एम० एस० जौहरी,
 117-452 पान्डू नगर,
 कानपुर

(भ्रन्तरक)

(2) श्रींमतीं भींरा जैन वाहफ/श्राफ.
 श्री लोकमन कुमार जैन,
 118/458 पान्डू नगर,
 कानपुर

(भ्रन्तरिती)

(3) क्रेतागण

(बह व्यक्ति, जिसके ग्रधिभोग में सम्पत्ति है)

(4) क्रेतागण (बह व्यक्ति, जिसके बारे में क्रधोहस्ताक्षर जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के नर्बन के संबंध में कोई भी अक्षेप :---

- (क) इस सूचना के रायपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविभ या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविभ, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्च स्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इंड सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीक के 45 वित्र के भीतर उन्त स्थावर सुम्मलि में हित- कुर्य किशी बन्ध व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के वास विश्वित में किए वा सकेंगे।

ग्रनसुची

म० नं० 117/एल०/258 काकादेख कानपुर।

एच० श्रार० दास सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) सक्षम प्राधिकारी ग्रर्जन रेंज, कानपुर

सारीख: 1.0--1.0--85

प्ररूप बार्च.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, तहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज, कानपुर कानपुर, दिनांक 27 सिसम्बर 1985

श्रीए जिसकी सं० 123 व 121 है तथा जो देव सैनी, कोल, श्रालीगढ़ में स्थित है (श्रीर इससे उपादक श्रानूष्यों में श्रीर पूर्ण रूप में विणित है), रिजस्ट्रोकर्ता श्रिक्षिश्चरी के कार्यालय श्रालीगढ़ में रिजस्ट्रीकरण श्रिक्षित्यम, 1908 (1908 का 16) के श्रिक्षीन, तार्रीख 21-2-85 सं० 1775

की पूर्विक्स सम्पत्ति के उपित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिकान के लिए अन्तरित की गई है जीर मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विक्त संपत्ति का उपित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकास से एसे दृश्यमान प्रतिकास का पन्द्रह प्रतिकास से अभिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिति (अन्तर्विक्ति को बीच एसे अन्तरका के लिए एव सम्प्राम्य प्रतिकास में किमो लिए एव सम्प्राम्य प्रतिकास में किमो लिए विश्वास स्थाप की लिए एक सम्प्राम्य प्रतिकास में अन्तर अन्तरण लिखित में सम्मालिक रूप में किया है किमा बसा है किमा

- (क) जंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अभीन कर दोने के जन्तरण क दावित्य में कभी करने मा उससे अभने में सुध्यिक। के लिए; और/मा
- (स) एंसी किसी बाव वा सिसी धन या बन्य वास्तियां कां, बिन्हें भारतीय बावकर विभिन्यम, 1922 (1922 का 11) या उक्त विभिन्यम, या धनकर विभिन्यम, या धनकर विभिन्यम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनाथ अन्सरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था वा किया प्राना जाहिए था. कियाने में सुविधा के लिए:

अतः बाब, उक्त अभिनियम की धारा 269-ग के अनुसरक में, मैं, उक्त अभिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के क्रमीन, निक्रमसिचित स्पक्तियों, अध्यान (1) श्रीधनवीर सिंह पुत्र श्री उदयवीर सिंह, निवासी विष्णुपुरी, नहसील कौब, जिला ग्रसीगढ़।

(अन्तरक)

(2) पंचगोल सहकारो आवास मिसित लि०, प्रलीगढ़ ।

(भन्तरिती)

(3) तथैव ।

(बह व्यक्ति, जिसके ऋधिभोग में सम्पक्ति है)

(4) तथैव ।

(वह व्यक्ति, जिसके बारे ग्रधोहस्साक्षरी जानसा है कि वह सम्पत्ति में हिन्नबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुने।

उक्त संपत्ति के अर्थन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी का से 45 दिन की अविधि या सत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीख में 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निखित में किए जा सकाँगे।

स्पष्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पतों का, जो छक्त अधिनियम, के अध्याय 20-के में परिधायित इं, वहीं अर्थ होगा जो उत्त अध्यक्त में विज्ञा गया है।

अनुसूची

न्नाराणी भूमि धरी खाता सं० 71 खेत नं० 123 121 स्थिति देव सैनी, कोस जिला ग्रमीगढ़ ।

> एव० ग्रार० दास सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरक्षिण) ग्रर्जन रेंज, कानपुर

मार्(ख : 27-9-1985

प्ररूप आर्थ. टी. एत . एस . ------

मायकर अभिनियम, 1961 (196) त्या (२) को धारा 269-ज (1) के अभीम सुचना

रार**ा सरका**र

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज, कानपुर कानपुर, दिनां र 10 श्रक्तूबर 1985

निदेश सं० ए.-129/85-86---- **ग्र**तः सुझे, एच० **ग्रा**र०

दास

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पञ्चाल 'जन्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- के अधीन सक्षम प्राधिकारी की. यह विकास करने का कारण है कि ल्यावर लंगीरत विभवा उचित बाबार मूख्य 1,00 000/- रा. से अधिक है

ग्रीर जिसकी मं० 4/64 है तथा जो सदरवाग में स्थित हैं (ग्रीर इससे उपाग्रह अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजिस्ट्री एतीं ग्रिधिकारी के रार्थालया, ग्रिकीशक में रिजिस्ट्री कर ग्रिशिवयम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिश्रीत तार्थ 26-2-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के रहयमान प्रतिफल को लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह निक्रास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके रहयमान प्रतिफल से एसे रहयमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (क्तरकाँ) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उक्तिय से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

अभ्यत्त्रण स हुइ किसी नाय की राष्ट्र, उपह अधिनियम के अधीन कर दोने के बंधरक के दायित्व में कभी करने या उससे व्यम में सृविधा के सिए; होरं/या

(क) एसी किसी बाय वा किसी वन या बन्य वास्तियों को, जिन्हें भारतीय आयक र अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया वा या किया जाना चाहिए था. छिपाने में मृविधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियमः की धारा 269-ग क अनुसरण नः, मी. ज्यस्य अधिनित्रण करे धारा 269-ग की एण्यारा (1) के अधीन, निम्नानिखित व्यक्तियों अर्थात् :-- (1) था/ अंजाय कुमार सूद, छर्रा---अतराला, श्रनागढ़ ।

(श्रन्सरक) -

(2) श्रामनः विधिय बँगम पृत्रीः श्रा अन्दुन मजीद या एवं अन्यः 4/64ः वदन यागः, अलीगढः ।

(ग्रन्तरिती)

(3) अन्तरित्रं।

(वह व्यक्ति, जिसके श्रिधिभोग में सम्पत्ति है)

(4) সন্ধ্িলের

(तह व्यक्ति, जिसके बारे में श्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्व है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यनाहियां करता है।

पक्त राष्ट्रीय स्टापन यह व्यवस्थ में कां**ड** भी **नाक्षेप** :---

- (क) इस स्वना के राज्यक में प्रकादन की तारीच से 45 दिन की अवधिया तत्संबंधी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील में 30 विन की अवधि को भी अवधि कार्यों समाप्त होती हो के भीतर पूर्वीकर
- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की 45 किए के और उक्त स्थानर सम्पत्ति में हितवक्ष किसी बन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पार सिविश्त में किए का सकेंगे।

न्यक्टीकरण ं--इसमें प्रस्कृत शब्दों और पदों का, **यो उपल** अभिनियम के अध्यास 20-क में परिभाषिट हो, यहां अधे होगा का इस अध्यास में दिसा गसा **हो।**

अमुसूची

म्हान नं० 4/61 बदर वाग, अलंगिक

गच**् श्राट्य दास** तक्षम प्राधिकारी सहस्य हे आखाडर श्रायुक्त (तिरोक्षण) स्रकेत रेंज, कानपुर

तार्राखः : 10--10**--198**5

शाहर 🟅

प्ररूप आइ. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) प्रजीन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 27 सिलम्बर 1985

निर्देश सं० ए-130/85-86--- म्रतः मुझे, एव० श्रार०

दास

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इस रें इसके परवात 'उक्त अधितीयम' कहा गया ही, की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण ही कि स्थावर सम्पत्ति. जिसका उचित बाजार मृख्य 1,00,000/- रु. से अधिक ही

ग्रीर जिसकी मं० 55 हैं तथा जो बाजगढ़ी, बरौली में स्थित हैं (श्रीर इससे उपाबड़ अनूसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित हैं) रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कायलिय श्रलीगढ़ में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख 26-2-1985

को प्रबंक्ति सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और स्भे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापबोंकत सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिकृत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) मौर अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नितिबित उद्देश्य से उम्स अन्तरण निर्मित से वास्तिबक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किमी आय की बाबत, उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में अभी करने या उसते बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया धा या किया जाना चाहिए था, खिपाने में स्विधा के लिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धरा 269-श की उपभारा (1) के लाधीन, निकालिशित व्यक्तियों, अर्थात् :---- 26—316GI/85

(1) श्राकाित प्रसाद, श्राप्रेम प्रकाण सुपुत श्री ज्योति प्रसाद, श्रीमतः प्रेमलता पत्नी श्री ाौति प्रसाद निवासं बाजगढ़ी बरौली, तह० कोल, श्रलीगढ़।

(अन्तरक)

(2) चौ० याहिया फ़ारुखी, माँ० इस्महीस फरची सुपुत स्व० था फर्जूल रहमान फ़ारुखी व श्रोमती जक्तिया जब्बार फ़ारुखी पत्नी श्री याहिमा फारुखी श्रादि निवासी सर सैय्यद नगर, दोधपुर, श्रालागढ़।

(प्रन्तरिती)

(3) तथंब

(वह व्यक्ति, जिसके ग्रवि-भोग में सम्पत्ति है)

(4) सथैम ।

(वह व्यक्ति, जिसके **बारे में** श्रश्नोहप्ताक्षरी जान**ता है कि वह** सम्मृत्ति में हि**सबढ़ है)**

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्स सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हो।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में को इंभी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तिकों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, को भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवस्थ किती अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निचित में से किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो जनव अधिनियम, के अध्याग 20-क में परिभाषिक हैं, तहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिवा गया है।

अम्स वी

28 त्रीघा खाता नं० 55 स्थित बाजगढ़ो पर**० बरौली,** तहसील कोल, श्रलीगढ़ ।

> एव**० श्रार० दास** सक्षम प्रा**धिकारी** सहाग े श्राय घर श्रायु**क्त (निरीक्षण)** श्रर्जन रें , कान**पुर**

तारीख . 27-9-1985 मीहर :

प्रसम्प बाह्र . टी. एव. एस.,-------

भायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की वारा 269-म (1) के वधीन स्वता

भारत सरकार

कार्यालय, महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

धर्जन रेंज, कानपुर कानपुर, दिनांक 27 सितम्बर 1985 निदेश सं० ए-132/85-86--- ग्रतः मृझे, एव० ग्रार० दास

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें क्षिको पहचात् 'उक्त जीधिनियम' कहा गया हैं), की भारा कि कि अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विकास करने का अधिन के स्थानित के का अधिन के स्थानित के स्थानित कि सक्षम प्राधिकारी को यह विकास करने का अधिन के स्थानित के

श्रीर जिसको सं० 27/135 है तथा जो देवसँनी तहसील कोल में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप व अणित है), रजिस्ट्रोकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, श्रलीगढ़ में रजिस्ट्रिं एपण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रीरंग तार्राख 26-2-1985

का पृथिवित सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के क्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृक्षे यह विक्वास कारने का कारण है कि यथापृष्ठित सम्पत्ति का उचित बाजार गृत्य, उसके दत्यमान प्रतिपल से एसे क्रयमान प्रतिफल का मन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकाँ) और अत्तरित्यें (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय भवा गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेष्य से उन्त अन्तरण िक्ष में वास्त्विक रूप से काथित नहीं किया गया है:—

- (कां) अन्त्रण से हुंद्र किसी आय की बाबत उक्त अधि-अधिनियम को अधीन कर दोने के अन्तरक की दावित्व में कसी करने या उससे वचने में सुनिधा क्षं किए;
- (स) ऐसी किसी जाय या किसी भन या बन्य ब्रास्तियों को जिन्हें भारतीय ब्रायकर ब्राधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त ब्राधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनाथ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए; ब्रीर/या

जत: शव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) े प्रथीस निम्नलिभित व्यक्तियों, अर्थात् स— (1) श्रो भंगला सुपुत्र श्री जन्दानिया, परगना व तहसील कोल, ग्रलीगढ़।

(भ्रन्तरक)

(2) पंचशील सहकारी श्रावास समिति सि०, अलीगढ़।

(श्रन्तरिती)

(3) सर्यव

(बह व्यक्ति, जिसके श्रधिभोग में सम्पत्ति है)

(4) तथैव

(वह व्यक्ति, जिसके बारे में ग्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितब**द्ध है**)

को बहु सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्जन के निष् कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्ष्प :---

- (क) इस कृषका के राज्यक के प्रकारन की शारील के 45 किया की क्वीच का स्वाप्त की क्विकारों पर सूचका की शामील के 30 दिन की अवधि, को भी तरि पूर्वित का किया में से किसी व्यक्ति क्वारा;
- (क) इस श्वाना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीत से 45 दिन के भीवर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्रभ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिक्षित में किए जा सकरेंगे।

स्पष्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उन्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया पदा है।

नगसची

भूमि खेती हेतु खाता सं० 27 खेत नं० 135 स्थित देव मैनी, परगना व तहसील कोल, श्रल गढ़ ।

> एच० श्रार० दास सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरक्षिण) ग्राजैन रेंज, कानपुर

तारीख : 27--9--1985

प्रकप वार्षः, टी., **एत**ु., एस्., धः----

नामकर निधनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-न (1) में नधीन सुभना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 10 श्रक्तूबर 1985

निवेश सं० ए-143/85-86----ग्रनः मुझे, एच० श्रार० दास,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उणित बाजार मृज्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

स्रौर जिसकी सं० है तथा जो दाऊदपुर श्रलीगढ़ में स्थित है (श्रीर इसमें उपाबद्ध अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप में विणित है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अलीगढ़ में रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख 15→2−1985

को पृत्रीयत सम्पत्ति के उचित नाजार मृत्य से कम के दश्यमाम प्रितिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृक्षे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण जिलिख में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) बन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत, उक्त अधिनियम के गर्भग कार दोने की बन्तरक औ बाबित्य में कनी करने वा उससे वचने में सुविधा के लिए; और/या
- (च) एसे किसी आम या किसी भन या अन्य आस्तियों कों, जिन्हों भारतीय आयकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मृविभा चें निष्

शत: बंब, उक्त अधिनियम की गारा 269-ग के बनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की गारा 269-थ की उपधारा (1) अं अधीन, निम्नीनिश्चित व्यक्तियों अधीन, निम्नीनिश्चित व्यक्तियों

- (1) श्री जमीला खातून निवासी किदवई राजभवन पटना । (अन्तरक)
- (2) सै॰ हुसैन ग्रहमद डी-15 मेडिकल कालोनी. एच॰ ग्रो॰ ग्रलीगढ़ ।

(अन्तरिती)

(3) तथैव

(बह व्यक्ति जिसके श्रधिभोग में सम्पत्ति है)

(4) तथैव

(वह क्यक्ति जि के वारे ने अधोहस्ताक्षरी जानना है कि वह सम्पत्ति से हिनबढ़ है)

को यह)सूचना जारी करके पूर्वीक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त कुमाति के अर्थन के संबंध में कार्ड भी अक्षा - --

- (क) इस सुचना के राजपंत्र में प्रकाशन की ताराध स 45 दिन की अवधि या तस्त्रंवयों के किए एक एक सुचना की तामील से 30 दिन की अवधि, की भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सृषना के राजपत्र में प्रकाशन को तारास स 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-ब्ब्भ किसी व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास सिखित में किए जा सकेंग।

स्पष्टोकरण: —-इसमों प्रयुक्त कब्का और पद्मा आ, प्रांत्याः विभिनियम, कि अध्याय 20-क शापरिभागित हैं, वहीं अधं शाणा जा उस अध्याव भाषिणः गवा है।

अन्स्ची

जमीन 341.82 स्वायर्ड यार्ड देवपुर लाकि १५

तारीख : 10-10-1985

प्रस्प बार्ड . ढी . एन . एस . -----

भावकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-भ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

वर्णालय, सहायक आयकर आयुक्त (निर्दाक्षण) अर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर। दिनांक 🖫 मित्रम्बर 1985

निवेश सं० ए-144/85-86----- प्रतः मुझे, एच० आर दास,

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्स अधिनियम' कहा गया है'), की भारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मून्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

भीर जिसकी सं० है तथा गम्भीरपुरा श्रलोगढ़ में स्थित है (भीर धसने उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रार पूर्ण रूप ने विणित है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय श्रलीगढ़ ने रिजस्ट्री-करण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 12-2-1985

को पूर्वेक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के क्यमान शितफल के लिए अन्तरित की गई हाँ और मूफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त संपत्ति का उचित नाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे स्वयमान प्रतिफल के पन्द्रह् प्रतिशत से अधिक है वार कंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितयों) के वीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिकित क्या से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक स्प से कियत नहीं किया गया है:—

- (क) मन्तरण से हुई किसी आब की शबत, उक्त मिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसके बचने में सुविधा के निक्; और/बा
- (ण) इसी किसी आय वा किसी भम या अन्य आस्तियों कारे, जिन्हें भारतीय आय-अन्र अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनियम, या भमकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपानं में सुनिभा के निक;

-... अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-स के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अभीष् निम्नीलियन व्यक्तियों, अर्थात् --- (1) श्रीमती मुन्नी लाल वर्मा पुत्र श्री प्यार लाल निवासी मौ० कानूनगोयान ग्रलीगढ़ व श्रीमती कृष्णा देवी पत्नी श्री जवाहर लाल वर्मा हा० नि० कानूनगोयान ग्रलीगढ़।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री नाथू राम पुत्र टुण्डेराम. निवासी विष्णुपुरी, ग्रलीगढ़ ।

(ग्रन्तरिती)

(3) तथैय

(बह व्यक्ति, जिसके ग्रधिभोग में सम्पत्ति है)

(4) तथैव

(वह व्यक्ति. जिसके बारे सें अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति सें हितबब है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस जूजना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दन की अविध्या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सुचना की तामील से 30 दिन की अविधि को भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुगास;
- (च) इस स्थान के राज्यन में प्रकाशन की तारीच से 45 'दन के भौतर उक्त स्थावर संपत्ति मा हत्व के किसी क्या व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पात स्थित में किए वा सकेंगे।

रम्ब्डिकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्यों का, को सकत अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हो, बहुरे अर्थ होगा जी उस अध्याय में दिया गया हैं।

ममृत्यी

एक प्लाट रकबई 1170.4 वर्ग मीटर स्थित गम्भीरपुरा अलीगढ़ ।

एच० ग्रार० दास सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, कानपुर

तारीख: 27-9-1985

प्रकार कार हो एवं एस.

भायकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269 व (३) के अभीट युक्त

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन जंज, कानपुर

कानपुर, दिनाँक 10 अक्तूबर 1985

निदेश सं० ए-153/85-86---- ग्रतः मुझे, एच० ग्रार० दास,

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसं इसमें इसके पश्वात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी का, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्मित, असका उजिन बाजार मूक्य 1,00,000/- रू. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० 60 है तथा जो आगरा में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची से और पूण रूप से विणत है), रजिस्ट्री—कर्ना अधिकारी के कार्यालय, आगरा में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन नारीख 25-2-85 को पूर्वीक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के इश्यमान श्रीतफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास फरने हा आरण है के स्थाप्य विकास फरने हा आरण है के स्थाप्य विकास फरने हा आरण है के स्थाप्य विकास करने हा आरण है के स्थाप विकास करने हा अन्तरित (अन्तरित की गई क्षेत्र करने के स्थाप करने कि स्थाप स्थाप करने कि स्थाप करने हिए स्थाप गया अधिका निम्मा क्षित करने कि सम्बद्ध के स्थाप के स

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त बीधनियम के अर्थान कर या के बन्तरक खे दायित्य में कृषी करने या उराई बाग्य में सुविधा के लिए, बार/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी अन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया भाषा किया जाना थाहिए था, छिपान के सविभा के निष्; और/या
- चतः हिंदा होना किया की भाग 269-ग विवास में, मी, जनत अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीत, निमालिसित त्यवित्यों, अर्थात् :---

(1) श्री द्वारिका प्रसाद पुत्रश्री दरोली, निवासी कोलक्खा श्रागरा वश्री बाबूलाल बगीची श्रागरा ।

(भ्रन्तरक)

(2) माँ प्रानन्द नई सहकारी द्यावास समिति द्वारा सचिव, विपित पाँडेय 572, गोकुल पुरा,श्रागरा।

(ग्रन्ति)

(3) तथैव

(वह व्यक्ति, जिसके स्रधिभोग सें सम्पत्ति है)

(4) নথঁৰ

(वह व्यक्ति, जिसके बारे में ग्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति सें हितबढ़ है)

को यह सूचना बारी करके पूर्वोक्स सम्पत्ति के वर्षन के लिए कार्यवाहिया शुरू करता हुं।

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 विन की अनिधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ। पर सूचभा की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी बन्धि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेंकित व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यारा;
- (ब) इस सुबना के राजपत्र में प्रकाशन की तारींश्व सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में दित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति ध्वारा, अभोहस्साक्षरी के बास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पव्यक्तिरण :----इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, को स्वक्त विधिनियम, को अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा को उस अध्याय में दिया नवा है।

धन्त्जी

जायदाद सं० 60 पर बनी कोलक्खा, आगरा।

एच० आर० दास सक्षम प्राधिकारी सहायक स्रायकर स्रायुक्त (निरीक्षण) स्रर्जन रेंज, कानपुर

तारीख: 10--10-1985

इक्न कहा, हो, एवं, एवं, ५०० ----

थावकर नांपनियन, 1961 (1961 का 43) की याछ 269-व (1) के नपीन क्षमा

काबीलय, सहायक भावकर मामुक्त (निरीक्षण)

HILD SAME

ग्रर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनाँक 10 ग्रक्तूबर 1985

निदेश सं० ए--150/85--86--- ग्रतः मुझे, एच० ग्रार० दास

जावकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसमें परमात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-च के अधीन सक्षम शांचिकारी को यह विकास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित वाचार मुख्य 1,00,000/-क. से अधिक हैं

म्रोर जिसकी सं० 647, 648, 648 वा 649 है तथा जो मऊ आगरा में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, श्रागरा में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख 13-2-1985

को पूर्वोक्त तस्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के बर्धमान प्रतिफल के लिए मन्तरित की नई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथस्पूर्वेक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, सबके दश्यमान प्रतिफल से एके दश्यमान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिक्रत अधिक हो और अन्तरिक (जन्तरिकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के सिए तय पाया गया विफल, विस्तिवित्त सब्देक्य से उच्त कन्तर्क किंग्रिक में वास्तिविक रूप से कथित नहीं किया गया है ।——

(क) अन्तरण से हुई कियों जाव की वाक्त, उक्त अधिनियम के बधीन कर दोने के जन्तरक के विदित्व में कभी करने या उक्कों क्यमें में शृतिका के जिस् और वा

क्षेत्र किसी नाम या किसी भन या नाम जासिकाँ को विक्षे भारतीय नायकर निर्मित्रमा, 1922 (1922 का 11) या अक्स नावित्यमा, वा वक्कार जीवित्वन, 1957 (1957 का 27) के प्रकोषनार्थ नक्षीरती क्षारा प्रकट नहीं किया क्या था या किया जाना जाहित्था. किया ने जुनिया के क्षित्र;

सतः अतः, सम्ब समिनियम की नाय 269-न के नमुख्यम में, में, उपत अभिनियम की नास 269-च के उपभाग्र (1) को अभीन, निम्नलिमित व्यक्तियों, अभृति :--- (1) श्री राम लाल व नंगा पुत्र श्री रोशन ग्रादि निवासी ग्राम मऊ, तहसील, जिला ग्रागरा ।

are a successioned are the construction of th

(ग्रन्तरक)

(2) दयानन्द नगर सहकारी श्रावास समिति लि०, द्वारा रामवीर सिंह वर्मा 6/264, प्रकास नगर, शाहगंज श्रागरा ।

(अन्तरिती)

(3) तथैव

(बहुब्यक्ति,जिसके श्रिध-भोग में सम्पति है)

(4) तथैव

(बह् व्यक्ति, जिसके आरे में ग्रधोहस्ताक्षरी जांनता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह कृषना बारी करके धृत्रोंक्त संपाल के कर्यन के लिए कार्यमाहियां करता हुं।

उक्त कम्पत्ति के अर्थन के बंबंध में कोई भी बाक्रोप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में त्रकायन की कारीब से 45 यिन की अविधि या तत्स्वंधी व्यक्तियों पर सूच्या की साधील से 30 दिन की अविधि, जो की क्विंग नाव की समाप्त हाती हो, से भीतर पृत्रेक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति स्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की साशीच सं 45 देन के भीतद उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बस्भ किसी अन्य व्यक्ति व्यारा अभोहस्साक्षरी के सस्य निधित में किए का स्केंगे।

स्वकाश्विद्द क्यां अयुक्त क्षव्दों और पर्दों का, जो स्वक् अधिनियम के अध्याय 20-क में नभा पाँदशाविक हं, बही अर्थ होगा. जो उस अध्याय में दिवा गता है।

वर्ज्जी

एक किता जमीत व तादाद 9676 वर्ग मीट[ः] ख० नं० 647, 648 का० 648 निवासी 649 बाक भौणा मुस्तकिला तहरोल व जिला श्रांगरा ।

> एन० स्नारक दास सक्षम प्राधिकारी महायक स्नायकर स्नायुक्त (निर्राक्षण) स्रजन रेंज, कानपुष

नारीख : 10-10-1985

प्ररूप आइ. . टी . एन . एस . ------

काथकर निभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-थ (1) के अधीन सुचना

भारत हरकार

कार्यालय, सहायक आग्रकर आग्रक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 10 श्रवसुबर, 1985

निर्देश सं० 154/85-86---अतः मुझे, एच० श्रार० दास, नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (चित्रे इसके इसके प्रभात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269- ध के अधीन सक्षम अधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रा. सं अधिक हैं

और जिसकी संख्या 1061 है तथा जो मऊ आगरा में 'स्थित है (और इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय आगरा में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, नारीख 21-2-1985

को पृशेक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के क्यामान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृत्रों यह विश्वास करने के कारण है कि स्थापूर्वेक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उपके क्यमान परिफल एं, एसे क्यमान प्रतिकश का बंदह प्रतिश्त से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया भया प्रतिकल कि निम्नितिसित उद्देश्य से उक्त अंतरण निस्ति में वास्तविक रूप से किश्रत नहीं किया गया है :---

- (क) जन्तरण ते हुई किसी जाय की बाबत उक्त बॉबर्ट नियम के जभीत कार दोने के जन्तरक के दावित्य भा कानों के गने या उससे बजने को त्विका के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी जाय या किसी धन या अभ्य आस्तियों को. जिन्हों भारतीय आयक्तर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) वा स्वत्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोधनार्थ कन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया नया वा या किया जाना चाहिए था, कियान में स्विधा के लिए;

बतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसर्ध में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (१) कं अधीन, निम्निजिति अधितस्थें, ज्ञाबीत् :--- श्री श्रीराम किणन लाल होरी लाल श्रादि निवासी मण्डी सईद, श्रागरा।

(भ्रन्तरक)

 श्री शिव प्रित सहकारी श्रावास समिति लि० सचिव श्री ग्रजय बंसल
 त बाग फरजाना,
 भागरा।

(भ्रन्तरिती

3. सर्यंव

(वह व्यक्ति, ज़िसके ऋधिभोग में सम्पत्ति है)

सदैव

(बह व्यक्ति, जिसके बारे में ग्रघोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हिनगढ़ है)

को वह बुचना कारी करके पृथांक्त सम्पत्ति के वर्षन के विश कार्यवाहियां करता हूं।

क्षम्य सम्मति के भवन के सम्मरूप में का की मी बाक्षेत्र---

- (क) इस सुचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति व्यक्तिया;
- (क) इस सृच्ना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्ष्री के पास लिखित में किए जा सकींगे।

स्पष्टीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पवाँ का जो उक्त अभिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विवा गया है।

श्रनुसूची

खेत नं० 1061/2 बी मौं० मऊ भु० त० व जिला ग्रागरा।

> एस० ग्रार० दास, सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, कानपुर

तारीख: 10-10-1985

प्ररूप आहुर. टी. एन. एस.-----

स्राथकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालयः, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) प्रजीन रैंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 27 सितम्बर, 1985

निदेश मं. ए-236/85-86---ग्रतः मुझे, ए० ग्रार० दास, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जैसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वात करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. ते अधिक है

और जिसकी मंख्या बंगला नं 84 है तथा जो झांसी में स्थित है (और इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में और पूर्ण रूप से बर्णित है), रिजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यात्रय झांसी में, रिजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख 28~2-1985 नं 1151

को पृथेकित सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विकत सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल के एसे दश्यमान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्यादेश से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिव रूप से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सूविभा के लिए; और/वा
- (क) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना आहिए था, छिपाने में सौबधा के लिए;
- ाः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण कें, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निक्रिक्ति ध्यक्तियों, क्योत् ::—

 श्री के० के० स्रातन्त
 मुपुत्र श्री जगत नारायण श्रानन्द
 निवासी 942 सिविल लाइन्स, झांसी व श्रीमती पुष्पा श्रानन्द
 पत्नी श्री बी० के० श्रानन्द
 इं ब्रेजी ग्रुप, साउथ बुडफीर्टे लन्दन।

2. मैं० राम नाथ इन्टरनेशनल कन्स्ट्रक्शन प्रा० लि० रंजीत म्टुडियो कम्पाउण्ड, दादर, बम्बई मैनेजिंग डाइरेक्टर श्री बी० के० सूद सुपुत्र श्री राम नाथ।

(भ्रन्तरिती)

(अन्तरक)

3. तथैव.

वह व्यक्ति, जिसके <mark>प्रधिभोग</mark> में सम्पत्ति है)

तदैव

(बह व्यक्ति, जिसके बारे में प्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हु।

उमत सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्वाना के राजपत्र मों प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अर्वाध बाद में समाप्त होता हो, के भीतर पूर्वीक्त ब्यक्तियों में में फिसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पर्ति में हितबक्ध किसी अन्य व्यक्ति इवारा अधे हस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकींगे।

स्पष्टीकरणं: -- इसमें प्रयूक्त शब्दो और पदों का, भो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हों, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया हो।

वन्स्ची

बंगला नं० 84 स्थित सिविल लाउन्स, झांसी।

एच० ग्रार० दास, सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, कानपुर

नारीख: 27-9-1985

मोहरः

प्ररूप बाइ. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-अ (1) के अभीन सुचना

भारत सरकार

कार्याचन, रहायक नायकार नामुक्त (निर्मालक)

श्रर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 11 श्रक्तुबर 1985

निर्देश सं० ए-237/85-86--श्रतः मुझे, एचं० श्रार० दास जायकर अभिनियम. 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसमें इसमें वक्षात् 'उक्त अभिनियम' कहा गमा हैं), की धारा 269-स के अभीन सक्षम श्रीधकारों को यह विश्वास करने का कारक हैं कि स्थावर संवत्ति, जिसका उचित सामार मृस्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

और जिसकी संख्या जैंमा कि ग्रनुसूची में है तथा जो कासगंज जिला एटा में स्थित है (और इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में और पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ना ग्रिधिकारी के कार्यालय कासगंज में रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्राधीन तारीख 7 फरवरी, 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उप्तिक बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मूभे वह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति या उप्तित आकार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिकल से एसे दश्यमान प्रतिकल के सम्बद्ध प्रतिकल से विश्व क्तरिकल के सम्बद्ध प्रतिकल से विश्व क्तरिक (बन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एवं बन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्निचित उद्वेष्ट्य से उक्त बन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) जीवरण के हुई फिली नाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अभीत कर दोने के अन्तरक के बावित्य में कमी करने वा उससे क्यने में सुनिधा के लिए; बौर/ण
- (क) इसी किसी शास या किसी भन या अन्य जास्तियों की जिन्हों भारतीय आवकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या अन्य अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) की प्रवोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिता था, स्त्रियाने में सुविधा के निए;

 श्री राधा चरण सपुत्र लाला पन्ना लालं निवासी गली भटरा मल हलवाई, हाथरस।

(अन्तरक)

2. श्री सूरज प्रमाद उर्फ सूरज नारायण सुपुत्र श्री ग्रशफीं लाल व देवेन्द्र कुमार सुपुत्र श्री सूरज प्रसाद मौ० मोहन गली नौबत राम "कास गंज, जिला एटा।

(भ्रन्तरिती)

तथैव

(वह व्यक्ति, जिसके ग्रधिभोग में सम्पत्ति है)।

4. तथैव

(वह व्यक्ति, जिसके बारे में श्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह स्वना भारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए आर्यवाहियां करता हो।

तकत संपत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी नाकंप :---

- (क) इस स्वान के राजपण में प्रकाशन की तारित से 45 दिन की जबीध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्वान की तामील में 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स कारी नामां में किसी व्यक्ति इवारा;
- (म) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति मेरू हितबद्ध किसी बन्य व्यक्ति द्वारा अभेहस्ताक्ष्री के पास निवित्त में किए जा सकते।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, थो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, यही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक नग कोठी दुर्माजिला जिसका कुल क्षेत्रफल तकरीबन 6455=450 वर्ग फुट हद श्ररबा कोठी पूरब में चब्तरा व दरवाजा कोठी भजकूर बादहे गली नौबतराम पश्चिम में दरवाजा कोठी बादह सड़क बाजार ने टण्ई।

एच० श्रार० दास सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, कानपुर

तारीख: 11-10-1985

प्ररूप आई.टी.एम.एस.-----

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-अ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार कार्यालय, सहामक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) ग्रर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनोक 10 ग्रम्तूबर 1985

सं० एम॰ - 258/85 - 86: - - श्रतः मुझे, एच० श्रार० दासः श्रायकर अधिनियमः, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269 - ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित झाजार मह्य

1,00,000/- रत. से अधिक है

श्रीर जिसकी संख्या 5/10 ख-न० है तथा जो मौजपुर श्राणरा में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रन्सूची में श्रीर पूर्ण रूप से वणित है), रजिस्ट्रीकर्त्ता श्रधिकारी के कार्यालय श्रागरा में, रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का

16) के प्रधीन, तारीख 25 फ़रवरी, 1985 को पूर्विक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विक्त संपत्ति का उचित वाजार मूल्य, उसके इश्यमान प्रतिफल से, ऐसे इश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्वरेय से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम को अभीन कर दोने के अंतरक के दायिल्ड में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन वा अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विभा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नितीसत् व्यक्तितसों, अर्थात् :---

- श्रीमती निर्माला लखानी
 ृपत्नी श्रां गोबिन्द राम,
 त्राग फरजाना सिविल लाईन्स ग्रागरा।
 (ग्रन्तरक)
- श्रीमती कान्ती देवी श्रग्नवाल पत्नी श्री सूरण प्रकाश श्रग्नवाल कोठी केवल सहाय वेलन गंज श्रागरा। (श्रन्तरिती)

3. तथव

(वह व्यक्ति, जिसके श्रधिभोग में सम्पत्ति हैं) ।

4. तथंब

(वह व्यक्ति, जिसके बारे में ग्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबढ़ है)

को मह सूचना आरी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपश में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधिया तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील में 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत
- (का) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकींगे।

स्पष्टीकरण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उन्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा परिभा-षित हैं, वहां अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

अम्सूची

सारणी (5-10 ख-न० 21 मि० 22 मि० 25 मि० 30 मि० 32 मि० 33 मि० लगाना 10) रु. मोहम्मद्यु भागरा।

एच० श्रार० दास सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायूक्त, (निरोक्षण) ग्रजैन रेज, कानपुर

तारीख: 10-10-1985

मोहर

प्रथम सम्बद्धाः हो हम हम .

बारकर गृथिनियम, 1961 (1961 का 43) की पाछ 209-न (1) जी अजीन क्वाना

भारत करकार

कार्याजन, सद्यावन्त्र भागम्बद भागुनव (गिर्द्यका)

म्रर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 10 फरवरी, 1985

निदेश सं० एम/249/85-86:—-अतः मुझे, एच० आर० दा स आयकर निर्मानस्म, 1961 (1961 का 43) (क्लि ध्वन इसके प्रशात् 'उक्त निर्मास' क्या गया ही, की धारा 269-च के जभीन सक्षम प्रामिकारी को यह विश्वास करने का कारण ही कि स्थावर सम्मत्ति, जिसका उचित वाधार मूल्य 1,00,000/- रु. से जभिक ही

ग्रीर जिसको संख्या चैक नं० 205 है सथा जो चुड़िपाल (घजर) में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद ग्रन्सूचा में ग्रीर पूर्ण रूप से विजित है), रजिस्ट्रांकर्ता ग्रिधकारा के कार्यालय हापुड़ में, रजिस्ट्रांकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) ग्रिधोन, तारीख 26 फरवरा, 1985

को पूर्वोक्स सम्मरित के उचित बाजार मूल्य से कह के क्लामान प्रतिफल के लिए अन्तिक्ति की गई है जार मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि स्थापुर्वोक्त सम्पत्ति का उचित व्यक्तर मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पत्त्रह प्रतिक्षत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तिरिती (अन्तिरितियों) के बीच ऐसे जन्तरण के निए तब पासा गया प्रतिकल, निम्निलिखित ज्ञायकों किया गया है:—

- (क) अन्तरण ते हुइ जिल्ली आव की, वालक, अवक अधिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक की दासित्व में कमी करने वा उत्तसे वचने में सूबिधा को जिल्ला; आर्थ/वा
- (क) होती क्षेत्रती भाव वा किसी भग का काव कारितानों को जिन्हें भारतीय कांत्रकर विभिन्निक, 1922 की 11) वा उक्त किमिनिक्क, या धर्म-कर विभिन्निक, या धर्म-कर विभिन्निक, 1957 (1957 का 27) की प्रवोजनार्थ अन्तरिती कुनारा प्रकट नहीं किया गया था वा किया जाना चाहिए था, छिनाने में सुविधा नेनिय;

अतः जब, उक्त जिनियम की भारा 269-ग के जनसरण में, मं, उक्त विधिनियम की भारा 269-ण की उपभारा (1) के अभीन, विश्वनिविद्यक व्यक्तियों, विश्वति :---- ' श्री दीवान सिंह, पुत्र श्री हरदयाल सिंह नित्रासी-चूड़ियाल, सहसीक हापुड़।

(ब्रन्तरक)

श्री राज पाल सिंह,
 श्री धरम पाल सिंह,
 पुत्र श्री दीवान सिंह चूड़ियाल,
 हापुड़।

(भ्रन्तरिती)

3. तदेव

(वह व्यक्ति, जिसके ग्रधिभोग में सम्पत्ति है)

4. सदेव

(वह व्यक्ति, जिसके बारे अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

का वह सूचका कारी कारके पूर्णेयन सम्मत्ति के अवीग के लिए कार्यमहिमां सरका हो।

उक्त सम्मति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी काक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राज्यक में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की वनीच ना तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तानीस से 30 दिन की बनीध, जो भी सनीच नाद में बमान्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स स्वित्वों में किसी कावित कृताया;
- (च) इत्तत्वना के राजपण में प्रकाशन की तापीच से 45 चिन के भीवार उक्त स्थावर संपत्ति में हित्तवस्थ किसी अन्य स्थावत क्यां कराय क्यां कराय किसी कान्य स्थापत क्यां कराय सिंचित में किए जा सकारी।

अनुसूची

चैक नं० 205 का पार्ट 2-3-4 रक्नई 13 बोघा, 3 बिस्वा 3 बिबाली चूड़ियाल, हापुड़।

> एच० स्नार० दास सक्षम प्राधिकारी सहायक द्यायकर स्नायुक्त, (निराक्षण) स्नर्जन रोज, कानपुर

तारीख: 10−10**--**1985

मोहर 🖫

प्रकथ आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 ष (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

भ्रजंन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनां ह 10 श्रक्तूबर 1985

निवेश सं० एम० 289/85 86:—-श्रतः मुझे, एच० श्रार०दास,

बावकार अभिनियम 1961 (1961 का 43) (विसे इत्तर्थे इसके परवात् 'उनत अधिनियम' बहा गया हैं), की धारा 269-च के अभीन सवाम प्राधिकारी को यह विश्वत करने का आरण हैं कि स्वावह सम्मत्ति, विसका उचित जावार मून्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

ग्रीर जिसकः संख्या 584 है तथा जो लांधला में स्थित है (ग्रीर इश्वतः उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण इव म विणत है) रजिस्ट्री क्वी ग्रिधिकारी के कार्यालय, बुढाना में, रिकस्ट्री-करण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रवान, तारीख 1-2-1985

मां पूर्वेक्त संवर्ति के स्थित यात्रार मूस्य स कम के स्थ्यमान प्रतिकल के निष् अन्तरित की नहीं हैं और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि म्यापूर्वेक्त सम्बद्धित का जीवत काणार शृष्य, उसके सरमान प्रतिकल से एक्से प्रवान प्रतिकल से प्रतिकल से प्रतिकल से प्रतिकल से प्रतिकल से विश्व प्रतिकल से स्था प्रतिकल से स्थान से स्थान नहीं सिमा गया है।

- (क) जन्तरण ने हुई किसी बाद की वासत, उक्स जिथिनियम के अभीन कर दोने के अंदरण के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; जीट्र/या
- (क) ऐंदी किसी नाव वा किसी धन मा बन्य बास्त्रजां की, जिन्हों भारतीय नायकार विधियवम 1922 हैं। 1822 की 11) वा बन्य विधियम, या धन-कर बहिपीयम, 1957 (1957 का 27) के प्रकारण मन्तर वहिपीयम, 1957 (1957 का 27) के प्रकारण मन्तर वहिपीयम, विधार प्रकार नहीं किया नवा था विधार के किए;

वतः वदः, उक्त विधानयम की धारा 269-ए की वनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए की उपधारा (1) के कीन, निम्नलिवित व्यक्तियों, वर्धात् ः— श्री जहरिहसन पुत्र मो० हसन शेख निवासी कोधला तहसील बुढाना, मु० नगर।

(प्रन्तरक)

2 श्री असगर प्रती प्रादि निवासी कांधला।

(भ्रन्तरिती)

3. तदीव

(बहु व्यक्ति, जिसके ग्रिधिभोग में सम्पत्ति है)

4. **त**दैव

(वह व्यक्ति, जिसके बारे में ग्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबब है)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोंक्त संपक्ति के अर्जन के लिए अर्थवाहियां सुक करता हूं।

उक्त सम्परित के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षंप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ब) इत स्वान के राजरत में प्रकाशन की तारीब से 45 बिन के भीतर उनक स्थावर सम्पत्ति में हित- बहुध किसी बन्द स्थावर तथाहरताक्षरी के लख सिवित में किए बा सकीन।

अनुसूची

भूमि कांश्रला परगनाकांश्रला।

एच० म्रार० दास सक्षम प्राधिकारी सहायक म्रायकर म्रायुक्त निरीक्षण म्रजैन रेंज, कानपुर

लारीख: 10-10-1985

बक्त बार्ट्र दी, ४५० **एव** प्रकारताल

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ज (1) के अधीन सूचना

ताइव चर्डवाइ

कार्यालय सहायक कामकर कामकत (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 10 अक्तूबर 1985

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त व्यिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वात कहने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिस्का उणित बाजार मुख्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

ग्रीर जिसकी संख्या है तथा जो ककराला में स्थित है (ग्रीर इसमें उपाबद्ध भ्रनुसूर्वा में ग्रीर पूर्ण रूप से बीणत है), रजिस्ट्रीकर्त्ता ग्राधिकारी के कार्यालय, जानसठ में, रजिस्ट्रीकरण ग्राधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्राधीन तारीख 22-2-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के क्ष्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृष्यमान प्रतिकल सं, एसे दृष्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिचत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देष्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तिक रूप में कथित नहीं किया गया है:—

- (क) वन्तरण ने हुडि किसी बाग की गायत अवस् विभिनियभ के वभीन कर दोन के अन्तरक वे कापित्व भी कमी कारन या अन्तर्स देखने यी कृष्टिक, के भिए; और/या
- (क) एती किसी जान वा किसी भग वा अप्य जास्तिकों को जिन्हें भारतीय जायकर जीभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त जिभिनियम, या धन-कर अभिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया गिता चाहिए था, कियाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग कं. अनुसरक में:, में:, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलि**वित व्यक्तियों, वर्धात**ः— 1. श्रं। विजेन्द्र पाल सिंह, नरेन्द्र पाल श्राविं पुत्र श्री कृपाल सिंह, ग्राम ६ इराला जानसठ, मु० नगर।

(भ्रन्तरक

2 श्री महाबीर सिंह पुत्र श्री स्वरूप सिंह, ग्रादि जानसठ, मुजफ्फ़र नगर।

(श्रन्तरिती

3. वही

(बह् व्यक्ति, जिसके श्रिधिभोग में सम्पत्ति हैं)।

4. वही

(वह व्यक्ति, जिसके बारे में श्रधोहस्ताक्षरी जानदा है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स सम्प्रसि के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुई।

दशक संपत्ति को कर्षन को संबंध में कांग्र' भी आर्थाप '---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में त्रकाशन की तारिक पे 45 दिन की जबिध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की सामील से 30 दिन की जबिध, जो भी जबिध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृत्तीक्त व्यक्तियों में से किसी त्रावस हवारा
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 4.5 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबक्ष किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

भवाष्ट्रिक : — इसमें प्रमुक्त सन्तों और पर्यों का, ओ उन्ते विधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित इं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

नत्त्री

जानसठ, मेरठ।

एन० ग्रार० दास सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त निराक्षण ग्रर्जन रेंज, कानपुर

तारीख: 10-10-1985

मोहर 🚁

- .------ em alaminar, <u>embe</u>

वस्थ वाष्'.टॉ. एव . एव. -

भारत श्रीभागियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ण (1) के अभीन सूचना

बारक ब्रेटका

कार्यासय सहायक जावकर जापूक्त (निरीक्षण)

प्रजीन रोज, नानपुर

कानपुर, दिनांक 10 ग्रन्तूबर 1985

निर्देश सं० एम० 358 :—- ग्रत मुझे, एच० ग्रार० दास, आमकर निर्धानयम, 1961 (1961 का 43) (जिसं श्वयं इसके पश्चात् 'उन्छ अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-च के नधीन सक्षम प्राधिकारी को यह निकास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाचार नृज्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी संख्या 743 है तथा जो श्रागरा में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसुची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्त्ता श्रधिकारी के कार्यालय श्रागरा में रिजस्ट्री-करण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख 27-2-1985

करं पूर्वीक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य सं कम के व्यवधान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विस्थास करने का कारण है कि यथापूर्वों कत संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रनिशत सं अधिक हं और अन्तरक (अन्तरकों) और (अंतरितिकों) के बीच एसे अंतरण के बिए तय पामा गवा प्रकि-का निम्नुनिचित उद्योख से वस्त बन्तुरम् विश्वत में वास्तिविक स्प से कथित नहीं किया गवा है —

- (ए.) अध्ययम् स इपुर्व फिक्षी भाग की बागसः, जनस् भाषानयम् वो भषीन् कर योग क वृत्युरकः व धारित्यः वो कृती कहन् या अवसे बुद्धने वे सुविकाः वे सिद्धः क्रीक्र/वा
- (क) एसी किसी नाय या किसी धन वा मन्य भारितयों को , जिन्हों भाउतीय नाय-कर विधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्तु विधिनियम, वा व्यक्त व्यक्षितियम, वा व्यक्त व्यक्षितियम, वा व्यक्त व्यक्षितियम, वा व्यक्त व्यक्षितियम, वा व्यक्त व्यक्तिवयम, विधिन्न विधिन्न

कराध सभ, अक्य सीर्थानयम, की भारा 269-ए की बनुबहरू व', ब', अक्य सीर्थानयम की भारा 269-ए की स्वभारा (1) के सभीन, निम्नकितिह ज्यूक्तिंश अर्थात् करू 1' श्री नरेन्द्र बेशल पुत्र श्री राजा रानी सी०/श्रो० राधा इन्जी० एण्ड कं० श्रागरा।

(भ्रन्तरक)

 श्री काली चरण गोपाल पुत्र श्री सत्यनारायण ग्रार०/ग्रो० ए 502 कमला नगर, ग्रागरा।

(श्रन्तरिती)

3. वही

(वह व्यक्ति, जिसके श्रधिभोग में सम्पत्ति है)

4. वही

(वह ब्यक्ति, जिसके बारे में प्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को वह सूचना वारी करने पूर्वोक्त सम्मत्ति सं अर्थन के निष् कार्यनाहियां करता हु।

रकत सम्पतित के वर्षन के तत्वन्य में आई भी नाक्षेप :--

- (क) इस स्वना के राजपन में प्रकाशन की तारीच है 45 दिन की जनिथ या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की जनिध, जो भी स्वीध नाह में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवापत स्वापत से स्वीध नाह में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवापत स्वापत स्
- (क) इस तृथना के राजपण में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबब्ध किसी जन्य व्यक्ति व्यारा अधोहस्ताक्षरी के पास दिस्तित में किए था सर्वों थे।

क्पकरीकरण :— इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, को उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा जा उस अध्याय में विया गया है।

मनुस्पी

जी० 502 कमला नगर, भ्रागरा।

एच० म्रार० दास, सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त, (निरीक्षण) भ्रजन रेंज, कानपुर

सारीख: 10-10-85

प्रक्य आहे. टी. एन. एस.-----

नायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ध (1) को अभीन सुचना

धारत सरकार

कार्यालय ्र सहायक वायकर भायक्त (निरक्षिण)

म्पर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 10 श्रवतूबर 1985

निदेश सं० एम/368/85→86:→-ग्रत: मुझे, एघ०ग्रार० दास, शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन मक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

ग्रीर जिसकी संख्या है तथा जो असरफी में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसुनी में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीवर्त्ता ग्रधिकारी के कार्यालय बनारस में, रजिस्ट्रीकरण श्रिशिनयम, 1908 (1908 वा 16) के श्रधीन, तारीख 12-2-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के छायमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई और मूओं यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृष्यमान प्रतिफल से, ऐसे इच्यमान प्रतिफल का पंग्रह प्रतिचात से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और संतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण संहुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-अधिनियम के अधीन कर उन के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में मृतिधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी बाय या किसी धन या बन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उकत अधिनियम का अप कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) जे प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था। क्रियान में मियाज के लिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्मार में, भी, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निमनतिवात व्यक्तयों, अधीन :----

श्री हरि भियत पुत्र भागमल
 भार-6 ग्रसकर (अन्तरक)

2. श्री प्रविधेष कुमार पुत्र श्री नन्द किमोर डी 511/199 सुरज कुंड बनारस।

(भ्रन्सरिती)

3. वही

(बह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)।

वही

(बह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)।

को यह सुजना आरी करके पूर्वोक्त सम्मत्ति के कर्जन के सिए कार्यवाहियां करता हुः

जकत सम्परित को अर्जन को संबंध मो कोर्ड भी आरंप ---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोजस व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं वें 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी बन्य व्यक्ति दवारा अधोहस्ताक्षरों के पार्र लिखित में किए जा सकतेंगे।

स्पद्धीकरणः ----इसमें प्रयुक्त शन्धों और पदों का., जो उक्त अधिनियम को अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विका स्ता हैं।

जनुष्यी

50/5-11-18 कस्ता असकर।

एच० श्रार० दास, सक्षम प्राधिकारी, सहायक श्रायकर श्रायुक्त, (निरीक्षण) अर्जन रेंज, कानपुर

नारीख: 10-10-1085

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, तहायक जायकर बायुक्त (निर्देशका)

श्रर्जन रेंज कानपुर

दानपुर, दिनांक 10 प्रक्तूबर, 1985

निदेश सं ० एम/ 376/85-86:--ग्रतः मुझे, एच०ग्रार० दास,

बायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (चित्र इसमें इसके पद्यात् 'जनत विधिनियम' महा गया है), की धारा 2'69-स के अभीन सक्तम प्राधिकारी को यह निस्थाध करने का कारण है कि स्थानर समाति, जिसका उचित वाबार मुख्य 1,00,000/- रत. से अधिक हैं ग्रीर जिसकी संख्या है तथा जो दादरी में स्थित है (ग्रीर इसमे उपाबद्ध अनुभूची म ग्रीर पूर्ण रूप ने वर्णित है), रजिस्ट्री उत्ती श्रधि अरी के कार्यालय दादरी में, रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, तारीख को पृष्टित अभ्यक्ति के उचित बाजार मूच्य संकम के कायमान प्रतिफल के लिए अन्दरित की गई है और मुक्ते यह विद्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वेक्त संपत्ति का बाजार मृल्य, उसके धरमधान प्रसिक्त दरयशान प्रतिकल के पन्द्रह प्रतिश्वत सं भौर अतरक (अंतरकाँ) और अंतरिती (अंतरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के सिए तय पाना गया प्रतिकक्ष, निकासिचित उब्दे रेय से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गवा 🗗 :---

- (३) अन्तरण से हुर्इ किसी माय की बलत, एकत अधिनियम के अधीन कर धेने के बन्तरक धे धायित्य में कभी करने मा उससे वचने में सूबिधा के जिए; और/वा
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, वा धनकर अधिनियम, वा धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनाओं अन्तरिती स्थारा प्रकट नहीं किया गया था वा किया धाना चाहिए था, कियाने में स्विधा के निए;

बत: अबं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के बनुसरण मं, मं, उक्त अधिनियम की गारा 269-च की उपभारा (1) के अधीन, निम्नलिसित व्यक्तियों, अर्थात:—

 श्रीमती मान्ती देवी बेवा दलपत सिंह ग्राम खुरशेद पुरा, वादरी गाजियाबाद।

(भ्रन्तरक)

 श्री चतर सिंह पुत्र हरी सिंह श्रादि दादरी, गाजियाबाद।

(ग्रन्तरित्।)

तदीव

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)।

3. वही

(बहु व्यक्ति, जिसके बारे में प्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि बहु सम्पत्ति में हितबढ़ है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करका हूं।

उक्क इंपरि के वर्णन के संबंध में कोई मी आक्षेप :---

- (क) इस श्वाम के राज्यम में प्रकाशन की तारीज ते 45 जिन की कवित मा तत्त्रंत्रंभी व्यक्तियाँ पर सूचना की तानीज से 30 जिन की सबित, जो भी जवित में सजाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (च) इस प्रवान के राजपत्र में प्रकासन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध विजयी बन्ध व्यक्ति बुवारा, नधोहस्ताक्षरी के पास किरिका में विक्ष का स्थीन।

स्पक्षीं क्षां -- म्हां प्रयुक्त कवाँ वीर पर्वो का, जो उक्त विभिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं वर्ध होगा को उस कथ्याय में दिया प्रवाही।

नगुसूची

स्रोत दादरी, गाजियाबाद।

एच० स्नार०दास, सक्षम प्राधिकारी सहायक स्नागकर श्रायुक्त, (तिरीक्षण) स्नर्जहारीय, कानपुर

तारीख: 10-10-1985

धक्य सार्धं .टी .एस .एस

मामकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा २६०-व(t) की मधीन न्यना

भारत सरकार

कार्यालय. सहायक वायकार वायक्त (निरीक्षण)

श्रजैन रेंज कानपुर

कानपुर, दिनांक 10 श्रक्तूबर, 1935

निर्देण सं० एम। 396। 85-86:---प्रतः मुझे, एच०ष्रार० दास, बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उवतः अधिनयम' कहा गया हों), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बण्जार मृत्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या है तथा को दादरी में स्थित है (और इससे उपाबद शनुसुची में और पूर्ण कर है विशिष्ठ है), रिक्ट्रिक्त क्रिक्ष तरी के कार्याच्य दादरी में, रिक्ट्रिक्ट का क्रिक्टिन तारीख 27-2-1985

को पूर्वोकर सम्परित के उचित बाजार मृल्य से कम के दश्यमान अपेनफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और बंतरक (बंतरका) और अतरिती (बंतरितियाँ) के बीच ऐसे बंतरण के लिए तय पामा गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य सं उक्त बन्तरण लिखित में प्रश्ताकर एम में कथित नहीं किया गया है :--

- (क) अन्यस्थ म हुइ किसी बाय की बावत, उदक आंधिनयम के अधीन कर दोने के अन्तरक को दायित्व में कभी करने वा उसरो गंभने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी बाय या किसी धन या बन्य जास्तियों को जिन्हों भारतीय आयंकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया अस्ति कार्य कार

कतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण के गैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की व्यप्भावा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् 28—316GI/85 श्री अवानीया, घोटा, गुरूबहायका, पुत श्री जयपाम, क्जीरपुर शहरी गाजियाबाव।

(भ्रन्तरक)

2. सर्वेप्रिय सहशारी द्यावास समिति लि० हारा द्राकोश कुमार पुत्र श्री वृशाकी राम, सेकेटरी, 769/777 करोल बाग, नई दिल्ली।

(भ्रन्तिरती)

3. वही

(यह व्यक्ति, जिस्के बारे में श्राधिमांण में समात्ति है)

4. बही

(बह टाकित, जिल्के **बारे में** श्रवाहरताक्षरी जानता **है** कि ब**ह** प्रस्ति में हिल्**बढ़ है**)

का देश मुचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त संपरित के अर्जन के संबंध में कांड़े भी काक्षंप :---

- (क) इस मुखना के राजपत्र मों प्रकालन की तारील स 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद मों समाप्त हांती हो, के भीतर पूर्विक्त व्यक्तिएगों मा से किसी क्यक्ति द्वारा;
- (का) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीका से 45 दिन को भीतर उक्त स्थात्रर सम्पत्ति में हितबक्ष्ण किसी अन्य स्थिति द्वाय, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगी।

स्पष्टीकरण:—इसमाँ प्रयुक्त शब्दां और पदों का, जो उक्त कि। नियम के अध्याय १० न में परिभाषित हैं, वहाँ अर्थ होगा, जो उस अध्यास में विसा भया है।

अनुसुची

गांव वजीरपुर पंगीवा दादरी।

एच० घार० दास, सक्षान प्राधि ारी, सहायक घायकर घायुका, (िरोक्षण) घार्जन रेंग कानपुर

तारोख: 10-10-1985

म्प बाहं, टॉ. एन. एत.

बायकर सधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के वभीन सुमा

भारत वहकार

कार्यालय, सहायक मायकर आयुक्त (निरीक्षण)

म्रजन रेंज, कानपुर

कानपुर, धिनांक 30 सिसम्बर, 1985

निदेश सं० एस-445/85~86:---- प्रतः सुझे, एच० श्रार० दास श्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित्त वाकार मृन्य 1,00,000/- रहा से अधिक हैं

ष्मीर जिसकी सं श्राप-13/10 है सथा जो राजनगर में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद श्रानुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रिजिस्ट्रीकृत्ती श्रीधकारी के वार्याक्षय गाजियाबाद में, रिजिस्ट्रीकृरण श्रीधनियम, 1908 (1908 का 16) के भाषीन, सारीख 25 -2-1985

को वृशेक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के द्रयमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुके यह विग्यास करने का कारण है कि मधायुगोंकत संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिकल से, एसे क्ष्यमान प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिक्षत में अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्निलिखत उद्देष्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से क्षिक नहीं किया गया है:—

- (क) बन्तरण संहुई किसी बाब की बाबत, प्रथस बिधिनियम के अधीन कर दोने के बस्तरण के दासित्व में कमी करने या उससे अधने में सुविधा के सिष्ट; धार/बा
- (क) एसी किसी नाय वा किसी वन मा नन्य ज़ास्तियों को. जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, वा भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तरियों दुआरा प्रकट नहीं किया तथा का का का किया के सिकान के

जतः बस, उक्त अधिनियम को धारा 269-ग के अनुसरण कै. मी, धक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीत :--- श्री यू० एस० श्रीवास्तव
 ५ कोर्ट रोड, दिल्ल;।

(भ्रन्तरक)

2. श्रीमती निर्मल श्रग्नवाल मार्फत यूनाइटेड हवील प्रा० लि० 149 जी० टा० रोड, गाजियाबाद,

(भ्रन्तरिती)

3. प्रन्तरिती

(वह व्यक्ति, जिस के श्रिधिभोग में सम्पत्ति है)।

4. **भन्त**रिसी

(वह व्यक्ति, जिलके बारे में भवोहस्ताक्षरां जानता है कि वह समात्ति में हिसबद्ध है)

को बहु सूचन। कारी कारके प्याँकत सपत्ति का अर्चन के जिए कार्यनाहियां कारता हुए।

जक्त संपरित के वर्णन के संबंध में कोई भी वाक्षेय 🖫 —

- (क) इस सूचना के राजपत्र मों प्रकाशन की तारिश से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील में 30 जिन की उठीया है। अं अविधि भाद मों समाप्त होती हो, के भीता पूनों कर स्वित्तियों में में किसी स्वित्त द्वारा;
- (व) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी शे थे 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पर्कित में क्षित्रवक् किसी जन्म स्पिक्त स्वारा अधाहस्ताक्षरी के पाम सिवित में किए वा सकेंगे।

स्वक्षीकरणः -इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जा उक्क अधिनियम, को अध्याय 20-क में परिभाषित ही, बही अर्थ होगा, को उस अध्याग प्रे विमा गया ही।

मन्त्र क

प्लाट नं० श्रार-13/10 राजनगर, गाजियाबाद । एच० श्रार० दास सक्षम प्राधिकारो, सहायक श्रायकर ग्रायुक्त, (निरक्षिण) श्रर्जन रेंज, कानपुर

सारीव: 30-9-1985

महिर् 🖫

प्ररूप आई.टी.एन.एस.----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक वायकर बायुक्त (निरीक्षण) श्रजन रेंज, कानपुर

क्गनपुर, दिनांकः 10 अक्तूबर, 1985

निदेश सं० एम० 450/85-86:—- अतः मुझे, एच० आर० दास आगकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

श्रीर जित्तकः संख्या जैसा ि अनुसूची में है तथा जो देहरादून में स्थित है (श्रीर इतंत उत्तवद्ध श्रनुसूचः में श्रीर पूर्ण रूप स विणित हैं), रिजिस्ट्राक्ती श्रीधकारः के जार्यालय देहरादून में, रिजिस्ट्राक्रण श्रीधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रयान, तारीख 1-2-1985

को पूर्विकत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के ध्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित कि गई है और मुक्ते यह विश्वास करन का कारण है कि यथापूर्विकत सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके द्रयमान प्रतिफल से, एसे ध्रयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिकृति से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवस रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अंतरक से हुई किसी आप ो बाबत, उक्त अधि-ित्यम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (ण) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) अर्के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

कतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के बार्टिंग निम्नलिखित व्यक्तियों, अधितः—

 श्रः ब्रह्म दत्त धर्मा सूपुत श्रः प्रभू दयां धर्मा निवासी 405 भोषा रोड, मु० नगर।

(भ्रन्तरक)

 श्री निरंजन स्वरूप बावरी, मु० नगर।

(भ्रन्तरितो)

3. वहीं

(वह व्यक्ति, जिसके <mark>श्रधिमोग</mark> में सम्पत्ति है)

4. वही

(वह व्यक्ति, जिसके बारे में प्रधोहस्तक्षरा जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कायदाहियां शुरू करता हु।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी जन्य ध्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पवों का, जो उक्त अधि-नियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

भन्स्ची

एप्रीवरूचर भूमि गांव जखान देहरादून।

एच० भार० दास सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजन रेंज, कानपुर

पारीख: 10-10-1985

प्रारूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269 च (1) के अभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक जायकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रजन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनां र 30 फिलाबर, 1985

निरेश सं० 460/35-36--प्रा. नुते एच० घार० दास, भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिस इसमी सिक परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

श्रीर जिउका संख्या 64 है तथा जो कवि नगर में स्थित (श्रीर इंडा जा बंद अपुपुत्रा में श्रीर पूर्ग का से विणित है), ोजिल्हा कर्ता अधि तरा के त्रायिका गावियाबाए में, रिजिल्हा करण श्रीधिनियम, 1906 (1908 का 16) के अवान सार/ख 4-2-1905

को पूर्याक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गर्द और मुक्ते यह विश्वास

करने का कारण है कि यथापूर्वोक्षत सम्पत्ति का उल्लित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसं दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अन्तरक (अनतरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसं अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निलिख में वास्तविक रूप से क्षियत नहीं किया गया हैं ——

- (क) अन्तरण स हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था. छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अवः, उक्त किथिनियम की धारा 269-ग के अनुकरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन. निम्नोजिक्त व्यक्तियों, अर्थात :—

श्रं प्रदोप जिह सुपुत श्रा तिलो : सिंह
 110 सुन्पर नगर, नई दिल्ली।

(ब्रन्दरिती)

 श्रीमती नीलम वर्धन पत्नी हवे वर्धन शंकर निवास पुराना किला लखनऊ।

(ग्रन्तरिती)

3. भन्तरितः

(वह व्यक्ति, जिज्ञके प्रधिभोग में सम्पत्ति है)

4. भन्तरिसी

(वह व्यक्ति, जिस्के बारे में भवोहसाक्षर, जानता है कि वह सम्पत्ति में हिसबद है)

को यह भूचना जारी करके पूर्वेक्स संपत्ति के अर्जन के सिए कार्यवाहिया शृरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षंप :--

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख थे 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी ध्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध कि सी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पार तिस्ति में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:---इसमें प्रयूक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त, अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

के० (२ ३) भागत् र, तस्य (२ भी ताद, त. तितास्य

एच० प्रार० दाए, खनम प्राप्ति हारी सहायक प्रायत्वर त्रायुक्त (निरीक्षण) धर्जन रेंज, कानपुर

प्तारीख: 30~9~1985

पहिरु

प्ररूप आइ. टी. एन. एस :----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीवण्ण)

श्रर्जन रेंज, प्रान्पुर

बानपुर, दिनां । 10 श्वन्तूपर, 1985

निदेश सं० एम 465/85-86---गाः नुझे एच० श्रार० दास आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

भार जिल्ला संकार एका ति अनुसूची में है एका जो मेरठ में स्थित है (श्रीर इस्ते उपाव असुमूची में श्रीर पूर्व रूप से विभिन्न हैं), स्विन्द्री ति काल तरों से स्वापित भागात में, स्विस्ट्राकाण प्राथितियान, 1903 (1908 का 16) के जारान, प्रसाख 16-2-1985।

का पृष्टिकत सम्पित्त के उचित बाजार मूल्य से कम के दरदमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दरयमान प्रतिफल से एंसे दरयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितियो) के बीच एंसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निचित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निकत में वास्तविक कप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई िकसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरण के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (च) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या जक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नही किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में स्विधा के लिए;

कतः वर्ष, उन्त मधिनियम की धारा 269-ग के जनूसरण भ, में, एकत अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, वर्थात् :— शा लेक्ट एख सुपुत श्री मीहा गांव विवासी पट्टी में गर बड़ीत मेरठ।

(अन्तरः)

 श्री जनदीस पन्द जैन सुपुत्र नाला दी। चन्द जैन बड़ीत मेश्ठ।

(भ्रत्तीरती)

3. વ**ર્દ્ધા**

(बहु व्यक्तित, जिसके ऋधिभोग में सम्मत्ति है)।

4. यही

(बहु बातित, जिन्नके बारे में अबंहरतक्षरी जानका है कि बहु सम्पत्ति में हिंदबढ़ है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यताहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति की अर्जन की संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजगत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वे वर्ष स्यवित्यों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीस से 45 दिन के भीतर उकत स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अवाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धोकरणः — इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उकत अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाष्ति हैं, बही अर्थ होगा. को उस अध्याय में दिया गया है।

धनुसूची

बड़ौत, दागपत, भेरठ।

एच० म्रार० दास सक्षम प्राविकारी सहायन भ्रायकर म्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजीन रेंज, कानपुर

तारीख: 10-10-1985

प्ररूप आइ टो. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 30 सितम्बर, 1985

निदेश सं० एम०493/85-86:—-ग्रत मुझे, एच० ग्रार० दास, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें पश्चाल् 'उक्त अधितियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विशास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मृल्य

1.00,000/- रा. से अधिक है

भीर जिसकी संख्या बी--2--1 हैं तथा जो नोयेडा में स्थित है (और इसने उपायद श्रनुमूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रिम्ट्रीकर्ता ग्रविकारी के कार्यालय दादरी में, रिम्ट्री-परण ग्रविक्यम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख 25 फरवरी, 1985

को प्वाकत सम्पान के उचित बाजार मूल्य से कम के इश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीकत सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे इश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय भ्या गया शीं फल, निम्मितियम उद्देश्य में उचन अन्तरण कि चिम्मित में यम्तिविक रूप से कथित मही किया गया है। ——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (म) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं िकया गया था या किया जाना चाहिए था, िष्ठपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियमं की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियमं की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अथितः :---

 मै० मिलन एम्ब्रायडरी महेन्द्र कुमार जैन 2/67 रूप नगर, दिल्ली।

(ग्रन्तरक)

 मै॰ यूनाइटेड इलैंकट्राड इण्डिस्ट्रीज मार्फत सुगील कुमार गोयल
 नारायणा बिहार, नई दिल्ली।

(भ्रन्तरिती)

भ्रन्तिरती

(वह व्यक्ति, जिसके श्रधिमोग में सम्पत्ति है)

4. धन्तरिती

(बहु व्यक्ति, जिसके बारे में प्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध हैं)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जां भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वित व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ध्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र मं प्रकाशनः की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्तिः में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उकत अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित है, यही अर्थ होगा जो उक्त अध्याय में दिया गया है।

वम्सूघी

प्लाट नं∘ बी⊸63, नोयेडा।

एच० घार० दास, सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त, (निरीक्षण) ग्रजंन रेंज, कानपूर

सारीख: 30-9-1985

भोहर 💈

प्रकृप सार्व - टी. एन्.. एस.. 🛩 🗝 🧸

भागकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक बायकर बायुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, कानपूर

कानपुर, दिनांक 30 सितम्बर 1985

निदेश सं० एस-495/85-86---श्रतः मुझे, एष० ग्रार० दास, आग्रकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनयम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका जिल्ला बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या 369 है तथा जो नोयेंडा में स्थित हैं (और इससे उपाबड़ श्रनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजर्टीवर्ता श्रीधमारी के कार्यालय दादरी में, रिजर्टीकरण श्रीधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रीधन, तारीख 25 फरवरी, 1985

को पूर्लीकत सम्पत्ति को उचित बाजार मूल्य से कम के रश्यमान प्रतिफल को लिए अन्तरित की गई है और मूभ्ते यह विश्वास करते का कारण है कि यथाप्कींकत सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य उसके रश्यमान प्रतिफल से एसे रश्यमान प्रतिफल का गन्द्र प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतिनियीं) के यीच एसे अन्तरण के निए स्य पाया गया प्रति फल, निम्निलिखित उद्वेषय से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) सम्तरण सं हुइ किसी बाय की बायत उक्त अधि-नियम के बभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व मे कमी करने या उससे बखने में सुविधा के लिए;
- (च) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों को, जिन्ही भारतीय आयकार अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अभिनियम, या भूब्र कर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया वा वा किया शाना वाक्षिए था, क्रियान में सुविधा लीतिए.

अकः अवः अवस विधिनविष को भारा 269-व व अन्सरण में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—- न्नी नरेन्द्र नाथ गुलाटी
 38/1 फर्स्ट फ्लोर वेस्ट फ्टेल मार्ग नई दिल्ली।

(भ्रन्तरक)

 श्री श्रीमित हरिजन्दर कौर पत्नी इन्द्रजीत सिंह श्रे-81 होज खास, नई दिल्ली।

(ग्रन्तरिती)

3. श्रन्तरिती

(वह व्यक्ति, जिसके प्रविभोग में सम्पत्ति है)

4. श्रन्तरिती

(बह ज्यक्ति, जिसके बारे में प्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि बह सम्पत्ति में हितबढ़ है)

को यह सूचना जारी कारके पुर्वादल राज्योंका को शर्मन का किस कार्यवाहियां बारता हुए।

उपत सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस मूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक्ष से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तित्यों पर गूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भोतर प्वोक्ष्य स्थित्यों में से किसी क्योंक्स द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हिल्ल सब्ध किसी अन्य व्यक्ति इवारा, अधांहस्ताक्षरी के पार निश्चित में किए का सकींगे।

स्पष्टीकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में यक्षा परिकारित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया प्रया हैं।

जन्स्ची

प्लाट नं॰ 369, सेक्टर XVA नोयेडा।

एच० श्रार० दास सक्षम प्राधिवः(री सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, कानपुर

नारीख: 30-9-1985

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक अत्यकर आयुक्त (निरक्षिण) श्रर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 30 सितम्बर 1985

निदेश सं० एम--497/85-86---श्रतः मुझे, एच० श्रार० दास, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसं इसमें सके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन मक्षम प्राधिकारी को यह विस्तास करने का कारण है कि स्थावर सम्भत्ति, जिसका उचित वाजार मूल्य 1.00,000/- कि. में अधिक है

भीर जिसकी संत्या बी--27 है तथा जो मोबेडा में स्थित है (और इसने ज्याबद अनुसूची में और पूर्ण रूप से बर्णित है), रजिस्ट्रीयानी प्रविकारी के बार्यालय, दावरों में, रजिस्ट्री-करण प्रविनियम, 1908 (1908 का 16) के प्राधीन तारीख 27-2--1985।

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाबार मुला से कम के धर्यमान प्रतिपत्त को गई है और मुझे यह विशाह करने का कारण है कि सथापूर्वोक्त संपत्ति का जीवल बाजार मुख्य, उसके द्वरमान प्रतिकल से, एमे द्वरमान प्रतिकल का पन्द्रह् प्रतिकत से जीवल के पन्द्रह प्रतिकत से जीवल के पन्द्रह प्रतिकत से जीवल है और अंतरक (इन्टर्न्जी) और अन्त-रिती (अन्तिरितयों) के बीच एरों अन्तरण की लए तब पाया गया प्रतिकल निम्मलिखित उद्देश्य से उसत अन्यारण जिक्ति में वास्तीयक इस से कथित नहीं किया गया हैं:---

- (क) अंतरण से हाई किसी आय की बाबत, अक्स अधिनियम के शधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व मों कमी करने या उससे दचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 को 11) या उन्नत अधिनियम, का धन-कर अधिनियम, का धन-कर अधिनियम, का धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

बत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण हो, हो, उबत अधिनियम की धारा 249-त की उपधारा (1) की अधीन, निम्नीतिस्ति व्यक्तियों, अर्थातु :---

 श्रीमरी सुखिनियर कीर पतीन सी-144 सर्वीदय इनक्लेव, नई दिल्ली।

(भ्रन्तरक)

 श्री एस० के० वैद सुपुत्र श्री श्रार० श्रार० वैद ए-112, सेक्टर V नोवेडा, गाजियाबाद।

(श्रन्तिरती)

3. भन्तरिती

(वह व्यक्ति, जिसके श्रविभोग में सन्पत्ति है)

4. ग्रन्त िती

(बहु व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह राग्पति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीयत सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शृष्ट करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त स्थिक्तियों में से किसी व्यक्ति दवारा;
- (ख) इस स्वारा के राजपत्र में प्रकाशन की तारी स से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, व्यह्स्ताक्षरी के पास विस्तित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होता, जो उस अध्याप में दिया गमा है।

वन्स्ची

प्लाट नं॰ बी-27 सेक्टर XIV मोधेडा गाजियाबाद।

एच० शार० दास सक्षम प्राधिकारी सहायक स्नायकर स्नायुक्त (निरीक्षण) स्नर्जन रेंज, कानपुर

तारीख: 30--9--1985

प्रकृषाद्ै.टी. एन . एस - -----

बायकर मीधनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के मधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक बायकर आयुक्त (निरीक्षण)

मर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 10 मक्तूबर 1985

िरो तं रूप 500/85-86--प्रतः मुझे, एच० भार० वास भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का ५3) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उथत अधिनियम' कहा गया है'), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1.00.000/- रा. सं अधिक हैं

और जित्ति संख्या 184 है तथा जो मेरठ फैन्ट में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से बणित है), रजिल्ड्रीकर्ता अधिकारों के कार्यालय मेरठ में, रजिल्ड्री-करण अधितियम, 1908 (1908 का 16) के मधीन, तारीख 18-2-1985

को प्वें पित सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्दरित की गई है और मूओ यह विश्वास करने का कारण है कि यथा प्वें किस संपत्ति का उचित भाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ए से दश्यमान प्रतिफल के पन्त्रह प्रतिश्वत से अधिक और अंतरित (अंतरितियों) के बीच ए से अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अपने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या कन्य कास्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या जकत अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती स्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अत: अब, अक्त अधिनियम की धारा 269-ग की, अनूसरण में . में उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्निस्थित व्यक्तियों, अधीक : → 29-316GI|85

1. श्रीमती रूप रानी पत्नी स्व० श्री विष्णु दास उन्ने वैष्णव दास श्राप्त०/ओ० धाल मण्डी, मेरठ।

(मन्तरक)

2. 1 श्री सतीश चन्द्र व मखलेश कुमार पुत्र स्व० श्री विष्णु दास

 श्रीमती राजबाला पत्नी श्री सुरेन्द्र कुमार
 पार०/ओ० दुर्गा वाडी सदर मेरठ कैन्ट।

(भ्रन्तरिती)

वहीं

(बह ध्यक्ति, जिसके **प्रधिमोग** में सम्बत्ति हैं)।

4. वहीं

(बह व्यक्ति, जिसके बारे में प्रवाहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के वर्जन के सिए कार्यशाहियां शुरू करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र मों प्रकाशन की तारी खंधी 45 दिन की अविध या तहसंबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकारन की तारीस से 45 दिन के भीतर उत्तर स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकों।

स्पद्धीकरणः — इसमें प्रयुक्त कब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में गरिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

गृह संख्या 184 सदर दाल मन्डी मेरठ कैन्ट।

एष० घार० दास सक्षम प्राधिकारी सहायक घायकर घायकत, (निरीक्षण) धर्जन रेंज, कानपुर

तारीख: 10-10-1985

मोहर 🛭

प्रकथ बाहाँ ही एन एस . -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धार्य 269-थ (1) के अधीन स्**प**ना

भारत सरकार

कार्मालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) प्रजीन रेंज कानपुर

कानपुर, दिनांक 30 सितम्बर, 1985

निदेश सं० एम०-502/85-86ः-श्रतः मुझे, एच० झार०

दास,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवाद 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृन्य 1,00,000/- रह. से अधिक हैं

और जिसकी संख्या ए-23 है तथा जो नोयेडा में स्थित है (और इससे उपाबद धनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्त्ता मधिकारी के कार्यालय गाजियाबाद में, रिजस्ट्रीकरण मधिनियम, 1908 (1908 का 16) के मधीन, तारीख 4 फरवरी, 1985

करे पूर्वा कर सम्पत्ति को उचित बाजार बूस्य से कम को दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं आए मुफ्ते यह विक्वास करने का कारण हैं कि यथाप्यों यत सम्पत्ति का उचित बाजार मूस्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का बैन्सह प्रतिशत से अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया स्या प्रतिफल, निम्नसिवित उद्देश्य से उच्नत अन्तरण निर्मित्त में बास्तविक रूप से कांबत नहीं किया क्या हैं:—

- (%) अन्तरण से हुई किसी जाम की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के जन्तरक के शामित्व में कनी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; जीह/बा
- (क) एंनी किसी बाय वा किसी भन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय बाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) को प्रयोज-नार्थ जन्तरिती द्वार प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, ख्रियाने में सुविध्य के जिए;

अव , उक्त अधिनियम मी धारा 269-ग के अनसरण
 में , उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1)
 अधिन , निम्निसित अधिक्तयों, अर्थात् क्ष्मान ।

 मै० धजन्ता इलैक्ट्रिक इन्स्ट्रमेंट सी०/ओ० विजय राय सरन, 3/51 राम गली विश्वास नगर, दिल्ली।

(मन्तरक)

श्री प्रवीण कुमार ्रिश्रवस्थी
पत्नी श्री राज कुमार श्रवस्थी
श्री~6/25 कृष्णा नगर, दिल्ली।

(मन्तरिती)

3. **भन्त**रिती

(वह व्यक्ति, जिसके भिधिमोग में सम्पत्ति है)।

4. भन्तरिती

(वह व्यक्ति जिसके बारे में ग्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

की यह स्थान जारी करके प्रविक्त सम्पत्ति के अर्जन के जिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपणि में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जा भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधे।हस्ताक्षरी के पार निस्ति में किए आ सकोंगे।

स्वयाकरण: — इसमें प्रयुक्त सब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है वहीं वर्ष होगा, जो उस अध्याय में दिया यक्त हैं ।

प्रनुसूची

प्लाट नं० ए~23 सेन्टर ^{IX} नोयेडा गाजियाबाद।

एष० ग्रार० दास, सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर श्रायुक्त, निरीक्षण भर्जन रेंज, कानपुर

तारीख: 30-9-1985

मोहर 🖫

प्रकृत बाद".टी.एन्.एस. - - --

शायकर विभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भाग 269-व (1) के बभीन सूचना

WING WINDLE

कार्यायम, बहायक वायकार वायक्त (निर्देशक)

अर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 30 सितम्बर, 1985

निवेश सं० एम 0-503/85~86: -- मत: मुझे, एच० श्रार० वास, आमकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को वह विकास करने का कारण है कि स्थामर सम्मित, जिसका समिद कारण मूज्य 1,00,000/- छ. ते अधिक है

और जिसकी संख्या 34 है तथा जो नोयेडा में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्त्ता अधिकारी के कार्यालय दादरी में, रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 28-2-1985

को प्वंकित सम्मन्ति के उचित बाबार बुस्व से कान के कामजान प्रतिफक्ष के लिए अस्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्वोंक्त सम्मन्ति का उचित बाबार भूस्य, उसके दश्यमान प्रतिकल से, एसे दश्यमान प्रतिकल का पन्नाद् प्रसिद्ध से बाधक है और अन्तरक (अन्दरकाँ) और अन्तरित्ति (अन्तरिविवाँ) के बीच एसे बन्तरण के सिए इव पाना कथा प्रतिकल, निम्निवित्त उच्चेदय से उक्त अन्तरण सिक्टित के बास्सविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) बन्तरण से हुइ जिसी नाम की नानत, उक्त विध-नियम के अभीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; वरि/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या बन्य बास्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) को प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा अकट नहीं किया गया धा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के निए;

शतः क्रम, उक्त ग्रीभिनयम की धारा 269-म के अनुसर्व में, में, उक्क ग्रीभिनयम की भारा 269-म की उपभारा (1) क ग्रीन, निकासिया व्यक्तियों, ग्रम्बंड ह---

- 1 श्री कुलदीप सिंह मोहल सी०-18 ईस्ट ग्राफ कैलाग नई दिल्ली। (ग्रन्तरक)
- 2. ब्रिग्रेडियर वी० पी० दुःगल कालेज भ्राफ काम्बोर महू (म० प्र०) ; (ग्रन्तरिती)
- 3. ग्रन्तरिती

(बह व्यक्ति, जिसंके भ्रधिभोग में सम्पत्ति है)।

4. ग्रन्तरिती

(यह व्यक्ति, जिसके बारे में श्रधोहस्ताकरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना चारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के खिए कार्वकाहियां क्रारक हूं।

जन्त, सम्मित के नर्जन के संबंध में कोई काक्षेप :----

- (क) इव सूत्रका में राज्यक में प्रकाशन की तारीक के 45 दिन की संबंधि जा तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तात्रीका से 30 दिन की अवधि, को भी अब्धीभं बाद में समाप्त होती हों, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तिकों के ते किती स्वक्ति दुकारा;
- (क) इस त्यान के राज्यन में प्रकाशन की तारीक से 45 विन को शीक्षर उसत स्थावर सम्मत्ति में दितवद्ध किकी नम्य काक्य द्वारा अभोइन्तानरी में गत सिवित में वे किस का क्योंगे।

रचक्कीकरण:--इसमें प्रमुक्त कन्दों बौर वर्ते का, को उक्क अनिविषय, के अध्यात 20-क में परिशाबिक है, वहीं अर्थ होगा को उस अध्याय में दिवा एवा है।

बनुसूची

प्लाट नं० 34 सेक्टर XXVI नोये**डा**।

एच० भार० दास, सक्षम प्राधिकारी, सहायक भायकर भायुक्त, (निरीक्षण) भर्जन रॅंज, कानपुर

सारीचा: 30-9-1985

प्रक्य बार्ष्य कील एनल एवंज वननवनक

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-थ (1) से ब्रंथीन सुप्ता

भारत बरका

व्यर्गालय, सहायक वायकार वायकत (निर्देशक)

घर्जन रेंज कानपुर

कानपुर, दिनांक 11 प्रवसूबर, 1985

निदेश सं० एम-505/85--86:----श्रतः मुझे, एघ० भ्रार० दास बायकर विभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जित इसमें इसके पण्यात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-च के अधीन सक्तम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्मत्ति, जिसका उपित बाजार मृल्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

और जिसकी संख्या प्लाट नं॰ एफ-9 है तथा जो नई दिल्ली में स्थित है (और इसते उपाबद श्रनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिल्ट्रीयत्ती श्रवियारी के कार्यालय दादरी में, रजिल्ट्रीयर्ता श्रवियारी के कार्यालय दादरी में, रजिल्ट्रीवरण श्रवित्यम, 1908 (1908 का 16) के सधीन, तारीख 19-12-34

को पूर्वेक्सि सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान् प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि सभापूर्वेक्त संपत्ति का उजित बाजार मूल्य, बसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का धन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिधी (अन्तरिक्षिं) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पासा गया प्रतिफल, निम्नलिश्वित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिश्वित वे वास्तरिक इप से कथित नहीं किया गया है क्ष्य

- (क) अंतरण से हुई फिसी बाय की बाबत, उक्त अधि-नियम को अधीन कर दोने के अन्तरफ को दाबित्य को कभी करने या उससे बचने में सृत्रिभा को सिन्न; बोर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य बास्तियों का, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त बिधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुविधा के लिए;

तः बन उक्त अधिनियम की धारा 269-ए को अनुसरण मे, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए की उपधारा (1) के अधीन, विस्निजित स्योक्तयों, सुर्थात् :-- मै० हैण्डल्म इम्पोरियम हाटा
 श्री स्तीश नन्दा पुत श्री एष० ग्रार० नन्दा
 ग्रार०/ओ० जे-2, एन डी एस ई भाग-1
 मई दिल्ली।

(मन्तरक)

2. मै॰ सुपर इलैक्ट्रानिक हाटा श्री दर्शन कुमार पुत्र श्री चन्द्र भान मार॰/ओ॰ ई--50, मई दिल्ली।

(भन्तरिती)

3. वही

(वह ध्यन्ति, जिसके ष्रधिभोग में सम्पत्ति है)।

4. वही

(बह ध्यक्ति, जिसके बारे में प्रधाहस्ताक्षरी जानता है कि बह सम्पत्ति में हितबढ़ हैं)

को यह सुचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कर्वनाहिया करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के संबंध में कोई भी अक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामीज से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (व) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीस सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी बन्य व्यवित द्वारा अधाहस्ताक्षरी सं गास सिहित में किए वा सकेंगे।

स्पब्दीकरण ह---इसमें प्रयुक्त खब्दों और पदों का, जो उनक अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषिक हैं, वहीं वर्ध होगा जो उस अध्याय में दिया चया हैं अ

नगसर्थी

प्साट मं एफ-9, सेक्टर VI

एच० ग्रार० दास, स्थाम प्राधिकारी, सहायक द्यायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजंन रेंज, कानपुर

तारीख: 11-10-1985

प्ररूप ' बाइ^{*}. टी : एन . एस . -------

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के बधीन स्वना

भारत सरकार

कार्थालय, सहायक वायकर वायक्त (निरक्षिण) शर्जन रेंज कानपुर

कानपुर, दिनांक 30 सितम्बर, 1985

तिरण सं०एम०--506/85--80:--प्रत: मुझे, एच० ग्रार० दास, क्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उन्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्रधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मृज्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

कीर जिसकी संख्या 55 है तया जो नोयेश में स्थित है (और इसते उपाबद अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणत है), रिजिस्ट्रीकर्ती अविकारी के कार्यालय बादरी में, रिजिस्ट्रीक्तर अविकार 1908 (1908 का 16) के अधीन, सारीख 25-1-1985

कां पृत्रीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य सं कम के रश्यमान शितफल के लिए अन्तरित की गई है और मृत्रों यह विश्वास करा का कारण है कि यथापृत्रीक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके रश्यमान प्रतिफल से, ऐसे रश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिकृत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निजिसित उद्देश्य से उक्त अंतरण निस्ति में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है है—

- (क) जन्तरण संहुई किसी जाय की बावत, उपके अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (च) ऐसी किसी बाय या किसी धन या जन्य जास्त्यों की, जिन्हें बारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-फार अधिनियम, 1957, (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या जि ।) बाना चाहिए था, छिपाने ये सृविधा के सिए।

ः सत्र, ःश्रमकः विधिनियम की धारा 269-त की जनसरण इ. मं, उपस अधिनियम की धारा 269-त की उपधारा (1) दे बधीन, निम्नजिवित व्यक्तियों, वधारा ध--- श्रीमती जसबीर कौर पत्नी कुलबीर सिंह,
 56/15 राजेन्द्र नगर, नई दिल्ली।

(भ्रन्तरक)

श्री सूरी विन्द्रा
 श्री→41 डिफेन्स कालोती,
 नई दिल्ली।

(मन्तिरिती)

3. धन्तरिती

(बहु व्यक्ति, जिसके ग्रधिभोग में सम्पत्ति है)।

. 4. अन्तरिती

(वह व्यक्ति, जिसके बारे में प्रयोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबढ़ है)

को यह स्वना बारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उसत संपति के अर्जन के संबंध में कोई भी जाक्षेप :---

- (क) इस स्थना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन की अविधिया तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्थना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति स्वारा;
- (क) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन को तारीक से 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- प्रदूध किसी अन्य व्यक्ति इवारा अधोहस्ताक्षरी के पास विश्वित में किए जा सकांगे।

स्वक्रीकरण ६— इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

वग्युची

प्लाट नं० 55 सेक्टर XV ए नोयेडा गाजियाबार।

एच० ग्रार० दास, सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त, (निरीक्षण) पर्यंन रेंख कानपुर

तारीख: 30-9-1985

धक्य काइ¹. टी. एन. **एस**.-----

भायकर अधिनियस, 1961 (1961 का 43) की भारा 26%-व (1) में अधीन स्वान

STATE STATE

कार्यासम, सहायक भायकर नामुक्त (निरीक्षण)

मर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 10 अक्तूबर, 1985

निवंश सं० एम० 623/85-86:-ग्रत: मुझे, एच० ग्रार० दास, शायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें दसकें परवात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विक्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित शासार मृज्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी संख्या है तथा जो मंसूरी में स्थित है (और इससे उपावब अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्सा प्रधिकारी के कार्यालय मंसूरी में, रजिस्ट्रीकरण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन, तारीख 14 फरवरी, 1985

को पूर्वोक्स सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के स्वयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफ्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके स्वयमान प्रतिफल से, एसे स्वयमान प्रतिफल का पन्दह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अन्तरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तब पामा ग्या प्रति-क्ष्म निम्मिसिश्त सब्देश्य से उक्त अन्तरण सिचित में धास्तिकक स्व वे क्षित गर्भी विकार स्था है अन्न

- (का) अध्यापन से हुई जिसी नाथ की नायत जनत निध-नियम के बंधीन कर दोने के जन्तरक के द्विपत्व में करी करने वा कवाने वजने वें कृतिया के जिए? ब्रोड/शा
- (व) रेबी किसी बाब या किसी थन या अन्य नास्तिकों की, विक्री भारतीय नामकर निर्मानयम्, 1922 (1922 का 11) या उक्त निर्मानयम् या थन-कर निर्मानयम् या थन-कर निर्मानयम् । 1957 (1957 का 27) के स्वाक्तार्थं अन्तरिती ह्नारा प्रकट नहीं किया नया भा या किया जाना चाहिए था, कियान में नुविधा की किए;

बता अव, उक्त की भीनयम की भारा 269-ए के अनुसरण में, माँ, उक्त विधिनयम की भारा 269-ए की उपभारा (1). के अभीन, विस्तिवित स्वितिवर्गों, कथाति:—

- श्री कृष्ण लाल बुबे पुत्र श्री राम धन दुबे,
 श्रार०/ओ० 23, ग्ररविन्द मार्ग देहरादून।
 (भ्रन्तरक)
- 2. श्री देव दत्त वर्मा एण्ड सन्स (एच० यू० एफ०) भार०/ओ० 11/14 राजेन्त्र नगर, सेक्टर 3, गाजियाबाद।

(मन्तरिती)

3. वही

(बहु व्यक्ति, जिसके ग्रधिकोग में सम्पत्ति है)।

4. वही

(वह व्यक्ति, जिसके बारे में भश्रोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबब है)

का वह ब्रामा वादी करको प्राधित कम्पास्ति के भवीत की निरु कार्यवाहियां शुरू करता हुई।

उक्द सम्बद्धि के कर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप ----

- (क) इस सूचना के रायपत्र में प्रकाशन की तारीत से 45 दिन की जबधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की जबधि, को भी जबधि बाद में समाप्त होती हो, के भीत्र प्रवेक्त व्यक्तियों में से किसी म्यक्ति प्रवास्त्र
- (व) इस स्वना के राजपन में प्रकाशन की तारीय वें
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवृष्ध किसी जन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी वें
 पास लिखित में किए जा सकी।

ल्ब्ब्बॉब्बरेज:--इसमें प्रयुक्त सन्दों और एवा का, वा उनक् सीधीनयम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बहुी वर्ष होना वो उन्न स्थाय में दिया नवा है।

मनुष्यीं

म्यू ब्लाक (होटल मयूर) वि माल मंसूरी।

एष० मार० दास संसम प्राधिकारी, सहायक बायकर मायुक्त, (निरीक्षण) मर्जन रेंक, कानपुर

तारीबः 10-10-1985

शहर 🗈

प्रकृत आहे <u>हो प्रकृतिक प्रकृतका स्व</u>

भायकर विभिनियम, 1961 (1961 का 43**) की** भारा 269-व (1) के वभीन ब्रूचना वाह्य व्यक्तक

श्रायांत्रय, सञ्चायक जायकात्र वायुवत (निरासिक)

ग्रर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनाँङ 11 प्र**प्रम्**वर 1985

निवेश सं 279 85-86 — अतः मुझे एक आर दास नामकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अभिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-च के अभीन सक्षम प्राभिकारी की वह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्मत्ति, विश्वका अभित बाबाए मुख्य 1,00,000/- क से अभिक हैं

कीर जिसकी सं है तथा जो बादरों में स्थित है (और इति जादक अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है) रिजिल्ट्री-वर्ता अधितारी के कार्याव्य पापरी में पिरस्ट्रिकरण अधितिरम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारींक 12-2-1905 को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूक्य से कम के ख्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूके यह विश्यास करने का कारण है कि यथाप्योंक्त सम्पत्ति का जीवत बाजार मूक्य, उसके ख्यमान प्रतिफल से, एसे ख्यमान प्रतिफल का पन्ह प्रतिचत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अतारितयों) के बीच एसे बंदरन के निष् त्य पावा गया प्रतिक कम, निम्निसित सबुवरेय से उक्त क्यारन पिषठ में वास्त्विक कम में कथित नहीं किया गया है दिन

- (क) जन्तरण से हुई किसी जाम की वासत, उक्त वीश्रीनयम के जभीन कर बोने के सम्तरक को दादिस्य में कभी करने वा उक्क वासने में कृतिभा के देवस; श्रीडा/वा
- (क) एंडी किसी नाय वा किसी वृत्त् वा कम्य वास्तिवों को विन्हें भारतीय आव-कर वीभीनवम, 1922 (1922 का 11) या उन्त अभिनियम या धन्कर वृधिनियम, 1957 (1957 का 27) से प्रयोजनार्थ जन्दरिती द्वारा प्रकट नहीं किया क्या था या किया जाना चाहिए था, कियाने में वृत्तिश के लिए;

नतः जब, उक्त बिधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण मं, मं, रफ्त सिधिनयम की भारा 269-ग की उपभारा (1) के अभीन, निम्निलिश्वत व्यक्तियों, वर्धात् :— (1) महेग शुपार जैन पुत्र श्री सुमती प्रसाद धार०/ओ ई-7 सालन्दी कालोनी, नई दिल्ली ।

(ग्रन्तरक)

(2) ढणा फेडरीकेशन प्रा० लि०
287/1, प्रपर पेलेस प्रचंडग बगलूर-सी० ओ०
प्रार० के० चौधरी,
प्रार०/ओ बी-23 ग्रेटर कैलाश-1
नई दिल्ल-6 चेयरमेन

(भन्तरिती)

का यह सूचना जारी करके पृथोंकत सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया बुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप ध-

- (क) इस सचना के राजपत्र में प्रकाचन की तारीब से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त हांती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (क) इस स्थान को राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर रूप्यक्ति में हितबस्थ किसी जन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी को पास लिखित में किए जा सकेगें।

स्माधिकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त बिधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

शन्स्यी

खत्रा नं॰ 349, 350, 357, 362, रङ्बई 7 पुढता स्थित ग्राम धुर्थीन पर तह, बादरी।

> एकः श्राटः दात सक्षम प्राधिवारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (दिरीक्षण) शर्जन रेंज, कातपुर

वितोह : 11-10-1985

सोहर १

प्ररूप बार्द. टी. एन. एस.-----

बायकर र रिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269- घ के अधीन स्चना भारत सरकार

कार्यालाः, सहायक आयकर आव्कत (निरीक्षण) **धर्जन रें**ज, कानपूर

कानपूर, दिनोक 11 अफ्तूबर 1985

िदेश सं० एम०/200/85-86---प्रतः मुझे एच० घार० दात आयंकर अधिनिःस, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें हमा ५ परचान 'उप्ता अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अर्धात सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1.,00.000/- १. तं जिथक ह

मीर जि.की सं व्याग 355 है तया जो हबींबपुर (दाररी) में त्या है (और इस उसमब घनुसूबी में और पूर्ण रूप से वर्षित है) तिनिट्री ति अवितरी के नामीवर धादरी भे दिवादी एम जीवेदिस 1903 (1903 वा 16) के प्रजी: तारींख 11--1--1935

को प्वंभित सम्प्रांत को उचित बाजार मुख्य से कम को रश्यमान प्रतिफल के लिए उन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि गथापूर्वीक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, प्रस्के दर मान प्रतिफल से एसे दरयमान प्रतिफल का पेन्नह शिक्षत स अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरिं तयों) वं बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिस्शि में बास्टविक रूप से अपना नहीं किया गया है :--

- (क) अन्तर में हुई किसी आए की बाबत, उक्त नियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी धारने या उससे बचने में सुविधा की लिए; और/५१
- '(रह) एरेनी किसी अगय या किसी धन या अन्य अगस्तियं। को जिन्हें भारतीय आयकार विभिन्यम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनिष्म, या धनकर श्रीधनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्धारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा को लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में उक्त अधिनियम की धारा 269 म की उपधारी (1) क्रो अधीन निम्नितिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

- (1) महेर इताः जैन पुत्र श्री पुनती प्रताद भार | अं। हे, कारान्दी कालोनी नहीं दिल्ली-- G (写/3でお)
- (2) युनाइटेड टेन्सालोजीत प्रा० लि०, 46/1, चर्च एट्रीट बंगलीर, हाटा फ्राट० थे० चोत्ररीं, पुत्र सोहा पास घीवरी, भार०/ओ: बी--29, प्रेटर कीराक--1, गर्ध दिल्ली

(द्राटा हिंदी)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता है।

उक्त सम्पत्ति को अर्जन को संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सुचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की उपिध या तत्सम्बन्धी व्यक्तिया पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो., के भीतर पूर्वोक्त क्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस स्टना के राजपण में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर सम्पान में हिताद्य किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधे हस्ताक्षरों के पास लिखित में किये जा सकी ।

स्प्रिक्तिकरण: --इसमें प्रयुक्त हार्दों और पर्वों का, जो उक्त अधिरियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याद है दिया गया हु ।

पनुसूची

खातरा नं० 355, रशबा ७-००-० पूखता हबींप्र यादरी।

एव० घार० दास संशम प्राचि :ारी सद्या इ प्रायक्तर प्रायुक्त (निरीक्षण) **ध**र्जन रेंक, सात्पूर

दिक्तेह : 11--10--1965 **-**

प्ररूप बाहाँ, टी. एन. एस. -----

आध्यक र अधिनियम, 1961 (1961 का 43) कौं भारा 269-भ (1) के अधीन स्थाना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ं अर्भन रेंग, राहपूर

ावपुर, विति : 10 अभनुधर 1985

चिदेश सं० एम ≅99/85--86---ऋत: मुझै, एख० ऋार०दा

आवकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पञ्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269 स के अधीन पक्षम पाधिकारी की, यह विकास करने का कारण हैं कि स्थायर सम्पीत, जिसका उचित बाजार बस्स 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

और किंदिशों में 0 352, 355 है तथा जो दादारी में स्थित है (और द: उत्तब्ध अनुदूती में और पूर्ण क्प क्णित से हैं) रिक्ट्री की चित्रियों के अपीट दादरीं में रिजिस्ट्री रण अधिक्रिम 1903 (1908 के 16) के प्रजीत तारीख 12-3-1985

की प्वांक्त सम्पत्ति के उनित क्षाआर मूल्य से कम के ट्रायमान प्रतिफाल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने करने का कारण है कि यथापृत्रींक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे स्थ्यमान प्रतिफल का वंद्रह प्रतिकृत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिकी (अन्तरितिकों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिस्ति उद्देष्य से उक्त मन्तरण निवित्त में अस्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (का) अन्तरण म हुई किसी काय की बाबत उन्हें अिक-रामध्य के अधान नहर दन के अन्तरक के दायिस्य के अभी कहन पा उत्तरी अपने में सुविधा के लिए; ये र/या
- (ण) एसी किसी आय या किसी धन या जन्य आस्तियों की,) जन्हें भारतीय आय-कर अधिनेयम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयाजनार्थ अस्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के निए

अत: अब, उवत अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, अक्त अधिनियम की धारा 269 म की उपभारा (1) के क्यों के स्वाप्त का अधीत अधीत अधीत अधीत 30—316GI/85

(1) श्री एतन भूषण, स्वर दाजार, दिल्ली।

- (भ्रन्तरक)
- (2) यूराइटेड टेम्नोलो(हरा प्रा० लि०, 46/1, चर्च स्ट्रीट, बंगलेर, हारा बी० के० यांधरी, 29, प्रेटर कैटाक, हाई दिल्ली

(अन्तरिती)

(3) अन्तरिती ।

(वह नाति जिनके अधिभाग में रामाति है)।

(4) श्रन्तरिती ।

(बहु ब्यापित, जिस्के दारे में अधी-हुनाक्षरी जारता है ि वह समाति में हितदड़ है)।

क्षं यह सूचना जारी करके पूर्वोकत सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

बन्द सम्पत्ति क सर्वति के सम्बन्ध को जाएँ। यो जाकीय :----

- (क) इस भूषना के राजपक मां प्रकाशन को ठारांख से 45 किन की अवधि या उत्सम्भन्ति व्यक्तिया पर सूचना को तामील से 30 धिन का अवधि, जो भी अवधि याद मां समान्त होती हो, में भीता पूर्विक्त व्यक्तिया मी में किसी व्यक्ति स्थारा;
- (ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन को तारीख के 45 दिन के भीतर उक्त म्यावर सम्पाल में दिल-बद्ध किसी बन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वश्वीकरणः - इसमें प्रयुक्त शब्दों और वदों का, जो उक्त अधितियम, क जन्माय 200क में प्रशिमाधित हाँ, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया। गया श्री

अनुसूची

ग्राम-ह्वीबपुर, ख सन्। नं० 352, 355 घादरी स्थित ।

एकः सारः प्राप्त असम् गति गरी सहायक्ष श्राद्यक्ष स्वायक्षणः श्राद्यक्षणः स्वायक्षणः श्राद्यक्षणः स्वायक्षणः स्व

दिनां : 10-10-1985

प्ररूप आहाँ. टी. एन. एस. ----

बायकर व्यापिनियम, 1961 (196) का 43) 🛍 चारा 269-घ (1) के वधीन सुचना .

भारत ारकार

कामालय, सहायक नायकर आयुक्त (नि.रीक्षण)

अर्जन रेंड, स्पन्प्र

गानपुर, रिस्त । ६३ अस्तुबर 1985

तिर्देश भे एम 281 85 - 86 - प्राः मझे, एच० प्रारः

भायकर अधिनियम, १९६१ (1961 का 43) (जिसे इसमें । इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ख के अधीन सामा आफिजारी को , यह विद्यासा **का कारण है कि** स्था र सम्पर्कः, जिलका स्वित कलार मन्य 1,00,000/- रा. भ अधिक हैं

और विक्रिकी में बराया नं 820 है तथा जो हबीवपुर (बाबरी) में स्थिए हैं। (जीए जीने प्रतानक अनुसूधी में और पूर्ण कामे क्षणित है) अधिकी क्षी अधि तरी के आयरिक पादरी में सीरार्ज़ (१९१९) प्रतिक्षिम 1908 (1900) 🕇 16) के अधीन वार्गांट 11-2-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के इयमान प्रतिफल को लिए अर्थान्त की गाँहीं आर मुक्ते वह विस्वास करने का कारण है । क यथाप्य क्त सम्मात्त का उपित बाजार मुल्य, उसवी दश्यमान प्रतिकल भी, एसि प्रथमान प्रतिकल का पद्रष्ट प्रतिकात स आंध्र है और अतरक (६ तरकाँ) कोर बंतरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एस अन्तरण के लिए तम गम गमा प्रति-कत निम्नलिश्वित उद्धादय हो जनत अलरण लिखित मा बास्तविक रूप सं कथित नहीं किया गया है :--

- (क) बन्तरण भे हुइ किसी आय की बाबत, उबत अधिनियम क अधीन कर दाने के अन्तरक के द्वायित्य म कमी कर्यया उर्श्यवचन की जीवधा हे लिए, और/या
- (स) एसी किसी आयं हा किया वन या अव्य आस्तियः को, जिन्हों भारतीय आय-कार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त आधिनियम, या धनकर विधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोख-नार्थ अन्तारती द्वार प्रकट नहीं किया गया था बा किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा बे निए;

अतः जब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण **बै, मैं, इन्त अधिनियम की धारा 260-घ की उपधारा (1)** के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् 💝

- (1) श्री महेत क्रवार कि पुत्र सुक्ती प्रसाद आ ः/जः ६ ।। एस्दी पानानी नई दिल्ली । (अन्तरक)
- (2) में र्लि क्या फेब्रेकिशन्य प्रा० दि०, 289/1, अपर पैलेस, बंगलीर । (अस्त्रारिती)

को यह सुचना आरी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हो।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के नवंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सुबना के २ जपत्र मां प्रकाशन का **तारीस** से 45 दिन की अयोध या त सम्बन्धी व्यक्तियों सूचना की ताम्रोल सं 30 दिन को अर्थाय, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तिका या स विश्वमी अधिवन द्वार्।
- (का) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस स 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हितबदुध किसी अन्य व्यक्तित द्वारा अधोहस्ताक्षरों के पास लिधिल में किए जा सकेंगे।

न्यानीक्षारणः --- इसमो प्रमुक्त शन्द**िनोर पदो का, जो उक्त** अभिनियम व अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया मया है।

अनुसची

खभरा नं० 329, हबीजपूर, दादरीं।

एव० प्राः० दास चलम प्रावि ारीं सहायक श्रायकर श्रायुका (ब्रिरीक्षण) श्चर्जन रेंज, टानपुर

হিনার : 1.1--10-1985

मोहर 🥫

प्ररूप आई. टी. एन्. एस. -----

नायकर व्यथितियः.. 1961 (198, का 43) की भारत 260-च (1) के अधीत रूचनर

भारत सर्कार

कार्यालय, महायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण)

अर्जन रेंज, रानपुर

राम्बर्ग, दिन्त । 🕕 प्रात्वा 1985

निर्देश पं० 85-86 - प्रतः गृझे एव० श्राणि दास बायकार ब्राधानियमः 1961 (1961 का 13) (जिसे इसमें इत्तरे परवाय (जिस्त विधिनाम) कहा गया हो), की भारा 239-स के अभीत गक्षा प्रतिकार को यह विद्यास दागने का कारण हाँ कि स्थादर शक्ति, जिसका सचित दाजार मूल्य 1,00,000/- रा. से शिषक हाँ

आँग जिस्सी गाँउ करण ये 307 है तया की क्यां में स्थित है (यह जवर असम असूद्भुन में गाँग पूर्ण का रे पणित है) जिल्हाता प्रविद्याता के क्षांकित दादर्ग में जिस्हेल्ला प्रविदिक्त 1908 (1908 में 16) के अपात कारीस्ट 12-2-1985

को प्वांकित सम्पन्ति के उचित बालार मृल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल को जिए अन्तरित को गर्ध है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण हो कि विश्वास है। अपर मुक्ते का जिल्ला वरणार मृल्य, उसके रश्यमान प्रतिफल से. एसे दृष्यमान प्रतिफल का पन्दह प्रतिकात से अधिक ही और अंतरक (अंतरकों) और तन्तरिती (अवांचितियों) है बीच ए ह अन्तरण के लिए तय पाया प्रतिफल, निम्तिविधित उद्वाह्य से उस्ति अन्तरण लिसित में बास्तविक भए से किथान नहीं किया भया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सिविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों कां, जिन्हों भारतीय अध्य-कर अधिनियस, 1922 (1922 का 11) या उनत अधिनियस, या धनकर अधिनियस, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-नार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में मृविधा अ

बत: जब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मो, मो, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधोन, निम्मिलिखित व्यक्तिश्लों, अर्थात् :--- (1) श्राट प्रोम्स भूषण पुत्र तरुर चल्दा, निकासी द्वार बालाता, नई दिल्ली ।

(ग्रन्त^र ∵)

(2) कुष्णा फेबर नेप्सार प्रस्थ लिए । 280/1, ब्रास्थ पेलेल, प्रश्रंहरस, बंगलीस ।

(भ्रन्दरिती)

की यह समा अहा करके पूर्वित्व सम्पत्ति के कर्जन के लिए शार्यवर्णकरता हो।

ज्ञात संस्थित के प्रजीत के गुध्यन्त्र में हैं उहाँ भी आधीर हैं ----

- (क) इस स्चन के राजा व में प्रशासन की तारीस में 15 दिन की अवधि या तत्सक भी व्यक्तियों पर नृजन। की जमील में 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समान होती को भीतार प्वेंक्ति यक्तियों में से किसी स्थिति इंदारा;
- (ख) इस सूच्या के राज के ये प्रकाशन की तारीक से 45 दिना में भीतार एकत न्यायण सम्मति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति ह्वारा अधिहम्साक्षरी के पाछ जिल्लाक में किए को सकींगे।

स्पद्धीकरण : — इसमें प्रमुक्त धाओं और वर्षों को, जो उक्त अधिनियम के विकास के वित

अन्**स्**ची

खुसरा नं० 357/7, दाइरीता

एन० श्राट**् दास** नश्चम आधिकारी सहाया ग्रायाट ग्रायका (निराक्षण) ग्राचि ^अत्र भारपुर

दिनां ह : 11-10-1985

भोहर :

कायकर जोधनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा धारा 269-ध (1) के अधीन स्थाना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयक्त आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, यानपुर

ातमपुर, दिना ३ ा। श्रक्त्वार 1985

निदंश सं० 35-286 -- श्रद्धाः मुझ एच० श्राप्य० दारा सायकर अधिनयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें असके परचात 'उकन जिधितयम' कहा गया है), को धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थान सम्पतित, जिसका अचित पाजार मृज्य 1,00,000/-क. से अधिक है श्रीर जिल्ला सं० 329 है तथा जो दावर में स्थित है

श्रीर जिज्ञका संच 329 है तथा जी बादर में स्थित है (ऑप इज़से जिज्ञबद्ध श्रमुसूज में श्रीप पूर्ण रूप से बणित है), रजिन्द्रा ती श्रीध तरा के अर्थालय दादरा में प्रकिरद्राकरण श्रीधनियम 1903 (1903 तम 16) के श्रीयोन नाराख 11-2-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान अतिफल के लिए अन्तरित की धर्म है और मुख्ते यह विववास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिवात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितात से अधिक है और अन्तरक के लिए तय वामा भवा कितिफल, लिम्सिक्ति उद्वेषय में उसते अस्तरक कि सिमह निमाल कर नाम्ताविक स्प में सिमह

- (क) अन्ताक से हुई किसी आय की बाबस, उक्त अधिनयम के अधीन कर दोने के अन्तर्क के दासित्व में कमी करने या उससे बचने में अधिक्या के लिए; और/या
- (क) एसी किसी बाव का किसी कर वा अन्य वास्तियों को, जिन्हों भारतीय जाय-कार जिभिनियम, 1922 (1922 का 11) वा सकत जिभिनियम, वा अनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना बाहियेथा. किया में मुनिया के सिष्ट्र;

(1) श्रां महेश कुमार पुत्र सुमतः प्रकाश निवासी-ई— ालन्दा कालोता नई दिल्ला ।

(ग्रन्तर इ

(2) इच्चा फेर्क्सकेस प्राय० चि०, 289/1, प्राप्त देलेज, प्रार्च इस बंगलीए । (ग्रन्सरित)

को यह सूचना जारी करके पृत्यों कर सम्मारित के अञ्चन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उपन सम्परित को अर्जन को सम्बन्ध में अह ही भी बाक्षाव:--

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीश है 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी अयक्तियाँ कर स्वना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किभी अयक्ति इशाराः
- (क) इस स्थान के राजपत्र मं प्रकाशन की दारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपरित में हिस बब्ध कियी अन्य व्यक्ति इतारा अभाहरताक्षरी के शह तिस्ति में किए जा सकेंगी।

स्पच्छीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दा और पदी का, जो उक्त किपिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होंगा जो उस प्रध्याय में विका समा हैं :

अस्स्ची

नं॰ 329, रहबा 5-0-0 पुष्ता, दादरी।

ण्च० द्वार० धास उक्षप पाधि तरो सहायञ्जायकर द्वायुक्य (निराक्षण) द्वार्यक्षेत्र, जनपुर

लतः लब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण मा, मी, अक्त रुधिनियम की धारा 260 ल की उपधारा (1) ल लागिन विक्तिनिया निकाल लागीन ---

दिनांक : 17←10-1985

भोहर :

प्रकृप बार्ष: टी.एन.एन.

बायकार मधिनियस, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन युचना

भारत सरकार

द्मायांलय, सहायक शायकर वायकन (निरीक्षण)

अर्केट रीत, जानपुर

राजपुर, दिला । 10 अवतूबर 1985

निवेश राज एकज-३०४/३५-३० —प्राः मृत्रे एवज प्रार्ज्ञहरू

भागमण अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'इक्ट इधिनियम' क्या नया हैं), की धार 269-अ क व्यथिन नक्षम प्राणिकारों को, यह विश्वाय करने का कारण हैं कि स्थानर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रहा से अधिक हैं

स्रोत जिल्ला गंग 329 है तथा में ह्वांबापून में विश्वत है (स्रोत बंग 5 मंद्र बाहुना जिल्ला है) रिकार बंग के प्रतिकार के विश्वत है। रिकार कार्य के विश्वत है। रिकार कार्य के विश्वत है। स्वीत कार्य के प्रतिकार कार्य के विश्वत है। स्वीत कार्य स्वीतिकास 1903 1903 में 160 के स्वात कराय 11-2-1985

को पुरोकन सम्पर्धा का लोकस बाजार मूला से कम के दश्यमान प्रतिफल को लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह विश्वास अरने का किला को लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह विश्वास अरने का किला को लिए का किला को मुल्य, उनकी दश्यमान प्रतिफल का बन्द प्रतिमात से अधिक हो और अंतरक (अंतरका) और अंतरिती (बंतरितिकों) के बीच एम अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिक्ष निम्मलिशित उद्देश्य से उकत अन्तरण लिश्वित में वास्तिवक का म संभित नहां विस्ता गया है :--

- (क) बन्तरण सं हुइ किसी आय की बाबत, उक्त बिधिनियम के अधीन कर दान के बन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; बरि/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियाँ की जिन्ही भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन- कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना आहिए था. छिताने से मियधा के लिए।

बत: अम उका अधिनियम की धारा 269-ग के अनुमरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्मिलिक व्यक्ति निम्मिक

- (1) आ नहार कुरात जैन पुद्ध गुरान्त प्रदाद जैन, ई -७, अधिनार अलोनेंग, नई बिल्ला । (प्रन्तराह)
- (2) ए.ण । एक कामस प्राच (च०) 28 में ... प्रान्त पेलीत प्राचित्रका, बंगलीत, हारा प्रार्व केव चीवरा पुत्र सीम्न साल बीवरी विव वाव 29 प्रेटर कैलाश-फार्ट, नई दिल्ली। (ग्रन्तरिती)
- (3) श्रन्तिकार। (उट्ट व्यक्ति जिल्लो श्रिधिमोग में ्रिकी है)।
- (३) अन्यस्थित । (३०) व्यक्ति जिल्ले वारे में अधिन हम्ब क्षत्री आयदा है ि तह सम्पति में दिखब हैं ।

करों यह भूषना जाना कराजं पुताबत भग्पति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां कुछ काला हो ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में काइ भी आक्षंप :---

- (क) इस मूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस स 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील में 30 दिन की संबंधि, जो भी अवधि बाद में संबोधन होती हो, के भीतर प्रविकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति हाता;
- (स) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकोंगं।

स्पष्टीकरण :---इसमें प्रयुक्त गव्दों और पदा का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वही अर्थ होगा जा उस अध्याय में दिया गया है।

वन्स्याः

खसरा नं० 329-9-0-0 ग्राम ह्ब/बगुर दादरी

एच० आर० दास राक्षम प्राधिकारी

सहाय ः ग्रायकर ग्रायक्त (निरोक्षण) ग्रजन रेज, कानपुर

दिनों 🥫 : 10-10-1985

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आधकर ऑधनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अभीन नुषता

भारत सरकार

का निया, सहायक जायकर जायक्त (निरक्षिण) श्रजीन रेंज, गासपुर

कानपुर, दिनांक 10 अक्तुबर 1985

निदेश सं वे/158/85-86---ग्रनः मुझे एक ग्राप्ट दास आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने भ्रष्ट कारण हैं कि स्थानर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रहः से अधिक हैं

प्रोरिजाको सं । 17/42/190 है, तथा जो पानू नगर का पुर में स्थित है (और इसमें उपाबद अनुभूतो में भीर ज ोपूर्ण एवं से बीजन है) रिजिट्टीकर्रा श्रिधकारी के कार्यालय, कारपुर में रिजिस्ट्टीकर्ण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रद्धीन दिगाँग 12-2-85

को पूर्वेक्ति संपत्ति को उधित बाजार मृत्य से कम को दरममान प्रतिफल को लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का अगरण है कि स्थापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दरममान प्रतिफल से, एमे दरममान प्रतिफल का पंदह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिक्त कि निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तरिक क्या में कर्ताभा नहीं क्रिया गया हैं:—

- (क) असरका म हुद्र किसी नाय की बानता, उक्क जिथिनियम के अभीन कर दाने के अन्तरक की दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के सिए; और/या
- (स) एसी किसी अाय या किसी धन या उत्त्य बास्तियों करें, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम 1922 (1992 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम या धनकर अधिनियम ग धनकर अधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रयाजनार्थ क्लिंगितियों द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना बाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

- श्री राम चन्द्र नरा-ण ६० दामोदर सदन रामत्राग लेन-2 जल्दाण चि० थाना
- 2 सी० ले० नामय धी० श्री सी० पृषठ कत्मय 117/4-1/247 पानू नगर कानपुर
- (3) केतागण ।

(वह व्यक्ति जिन्ने ग्रविभोग में सम्बद्धि है)।

(4) विक्रेतागण।

(बहु त्यकि: बिक्षके बारे में अधोहस्ताक्षरी **है** जि वह जनता की सम्मिति में हितबद्ध **है**)।

को यह सूचरा जारी करके पूर्वीका राष्ट्रीत के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के गम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील के 45 दिन की अविधि या तत्से बंभी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में रामाप्त होती हो, की भीतर प्रवेक्ति विकित्तयों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर प्रकृत स्थावर सम्पत्ति में दिसबद्ध किसी अन्य अयिक्त द्वारा स्थाहस्ताक्षरी के पास अविकास में किए जा स्कींगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्स अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित न्, बही अर्थ होगा, जो उस आधाय में दिया गणः है।

अनुसूची

117/एव 2/190 पानुनगर, कान्धुर ।

एक० स्राप्त दास पक्षम प्रास्तिकारि सहायक स्रायक्त स्रायक्त (निर्दक्षण) स्रार्जन रेंच, दानपुर

अत यर उत्तर दिशिनियम की धारा 269-ग **से अनुसरण** 21, मी, उक्त किथिनियम की धारा 269-**व की जयधारा (1)** के अधीर जिस्सीनिकत व्यक्तियों, **सर्धा**त ३

दिनाक 10--10--1985 मोहर : प्ररूप आई.टी.एन.एस.----

आयक्तर अधिविज्ञम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, ामपुर ानपुर, दिनोदा 10 अन्तुवर 1985

निदेश सं० वे.—159/35—86——यनः मुझे एच० श्रार०

दास

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके परचात् 'उवत अधिनियम' कहा गया हो, की धारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वत करने का कारण हो कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रा. से अधिक हो

स्रीय कि उने। पंच 117/एएस-2/90 है तथा जो पानू नगर, अवपुर में कियम हैं (अट इ.से उपावत स्नमुनी में स्रीर पूर्ण का वे बीवन हैं) कि स्मृत की प्रीध करों के वार्यालय कानपुर में का ल्ड्राकरण कवित्त स्व 1908 (1908 का 16) के स्रवीन कारोद्य 12-2-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य सं कम के दश्यमान प्रतिकान के लिए जन्दिर हैं कोर मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सपित का उचित बाजार मूल्य, उसक दश्यमान प्रतिकाल से, एस दश्यमान प्रतिकाल से, एस दश्यमान प्रतिकाल के पन्द्रह प्रतिश्चत से अधिक हैं और अंतरिका (अंतरितियाँ) के बीच ऐसे अन्तरण के अप क्ष्म गया प्रतिकाल, निम्नलिखित उद्वेश्य सं उक्त अन्तरण लिखित मा वान्तिविक रूप से कथित नहां किया गया है:—

- (क) अन्तरण सं हुई किसी आय को बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा . के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, धा धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूर्विधा के लिए;

जत: अब, उक्त अधिनियमं की धारा 269-ग के अनुसरण मो, मौ, उकत अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्हिलिखन व्यक्तियों, अर्थात् :— (1) श्रा धानच्य जाधावन निरु दामोदर रादन, रामक्षण लेन,2, कल्याण जिला थाना ।

(अन्तरक)

- (2) श्रांसती याणि ज्या कामथ पत्नी श्री सी० जे० कामथ नि० 117/एच-1/297, पानूनगर, कानपुर। (ग्रन्तरिती)
- (3) ऋतागण

बह व्यक्ति जिसके श्रदासामामें रम्पति है)।

(4) ऋतागण

वह व्याक्त जिसके वारे में अयोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पोध में हितब**स** है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हो।

उक्त सर्पात्त के अर्जन के सबंध म नोहं भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियां पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में ममाप्त हाती हो, के भीतर पृवाकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख में 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितब्द्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेगे।

स्पष्टीकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदौं का, जो अक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

वम्स्ची

ा 17/एच-2/190, पानुनगर, कानपुर ।

एव० शार० दार रक्षम प्राधितारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निर्दाक्ष) अर्जन रज, कानपुर

f ांक :10--10--1985 ∸ हर : प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर ऑधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) वर्जन रेंग, अअपूर

ालपुर,ियनोदा 10 अक्तूबर 1985 निदेश तं० के-160/85--86---प्रतः मुझे, एच० ग्रार०

दार आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें परचात् 'उनन अधिनियस' कहा गता है), की धारा 269-क के अधीन सक्षा प्राधिकारी को, यह विशास करन का कारण है कि स्थादर संभीत जिसका प्रीविद बाजार मूल्य

1,00,000/- घ. सं जांधक ही

क्रीर विश्वति सं० 11 मिण्य-2/100 है तथा जो पानूतगर, दातपुर में स्थित है (क्रील इ.से जनसङ्घ धानुसूची में क्रील पूर्ण कर ते वर्णित है) रिनिस्ट्री लिकिनेश्वर्रा के त्रविध दानपुर में लिस्ट्रो लिण क्रीविधम 1900 (1908 ला 16) के क्षवीन तरोख 12-2-1935

को पूर्विका संगत्ति के उचित बायार मूला में कम के स्वयमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई ही और मूझे यह विश्वास करने का कारण ही कि अधापूर्वोक्त संगिति का अधित दाजार मूल्य, उसके स्वयमान प्रतिफल सं, एमें स्वयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिगत से अधिक ही और अंतरक (अन्तरका) और अन्त-रिती (अन्तरित्तिकों) के बीच एगे अन्तरण के लए गय पामा गया प्रतिफल निम्नीलिखत उद्देश्य से उपत अन्तरण लिखित में सास्तिबक रूप में किथत नहीं किया गया है:——

- (क) अंतरण से हुई िकगी आय की बाबत, उक्त अभिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उसन दचने में भृष्टिया के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण भी, भी, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्मिलिसिन व्यक्तियों, अर्थात् :--

- (1) आर प्राचित्रक विधानि १५० जा नोदर ध्वन, प्रमदाग लेन-2, घल्याण जिला थाना । (अन्तरक)
- (2) श्रोधतो भियलेण महेष्त्ररी, पतना श्रो पो० सी० महेष्प्ररी, जी-7, णातीनगर, धानपुर।

(भ्रन्तरिती)

(3) कैता गण ; (बहु व्यक्ति जिङ्के अधिभोग में सम्पत्ति हैं)

(4) श्रेतश्गण।

(बह व्यक्ति जिसके दारे में प्रधो-हत्ताक्षरो जानता है कि बह सम्पति में हितदाइ है)।

का यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हुं।

उवत सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना हो राज्यन मो प्रकाशन की नारील से 45 दिन को जन्दिय या तत्पंत्रेथी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की कविया, जो भी अविध बाद मो समाया होती हो, को भीतर पूर्वेक्ति व्यक्तियों में से फिसी व्यक्ति सुवास:
- (क) इस सूचना के राजयय में प्रकाशन की तारील में 45 दिन के भीतन उदन स्थावर सम्पत्ति में हित-बन्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधाहस्ताक्षरी के पास विक्षित में किए जा सकेंगे।

रयष्टीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों वा, जो उक्त अधिनियम, के अध्याः 20-क में यथा परिभाषित है, यहाँ अर्थ होगा लो उक्त अध्याय में दिया गया है।

ान्स्ची

म० न० 117/एच-2/190 प/नुनगर गानपूर।

एत० पार० दास ास प्राधिकारी सहायक साथ ारका कुला (निरीक्षण) प्रजीन रोंग, कानपुर

दिनांक : 10-10-1985

प्ररूप बाइ". टी. एव. एस. ------

बायकर विभिनियम, 1961 (1961 का 43) की थारा 269-थ (1) के बंधीन स्थना

नारत चरुकार

कार्यासय, सहायक बायकर बाय्क्त (निरीक्षण)

धर्जन रेंज-3, मई दिल्ली
नई दिल्ली, दिनांक 9 अक्तूदर 1985
निदेश सं० श्राई० ए० सी०/एस्यू/3-एस० प्रार०--2--35/
2538---प्रतः मुझे धार० पी० राजेश
झायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (विसे इतने इतके पश्चात् 'उक्त अभिनियम' कहा गया हैं), की भारा
269-च के अभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका जिवत बाजार मुख्य
1,00,000/- सः सं गणिक हैं
धीर जिसकी सं० ए--28, ए--31, खसरा नं० 6/22, 23,
धीर 9,3/1, 8 धीर 13 शंजर गर्डन, नई दिल्ली में रियत

भार जिसका सक ए-28, ए-31, खसरा नक 6/22, 23, भीर 9/3/1, 8 भीर 13 मंत्रर गार्डन, नई दिल्ली में स्थित है (भीर इससे उपाद्ध अनुसूची में भीर पूर्ण रूप से धीणत है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकरी के वार्यालय नई दिल्ली में रिजस्ट्रीकरण भिधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख फरवरी 1985

को पृथेनित सम्परित को उचित बाजार मृत्य से कम को ध्रममान प्रतिफल को लिए अन्तरित की गईं है और मुभो यह निश्नाय करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पर्ति का उचित बाजार ब्रुब्ब, उसके ध्रममान प्रतिफल है, एसं व्यवमान प्रविफल का धन्त्रह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकार) और अंतरिती (अन्तरितयों) को बीच एसे बंतरण के सिए इन नाम ध्या प्रतिकात, निम्नकिसित उद्देशक से ब्रुक्त बंतरण बिजित से बास्तविक रूप से किस्ति नहीं किया स्था है:---

- (क) बंडरन संसूत्र निस्ती नाम की नान्स, उपक वीधिनियम के नधीन कर दोने के नसरक के दायित्य में कमी करने ना उचने नचने में सुनिया के निए; भीड/का
- (व) ऐसी किसी जाय मा किसी धन या बन्य जास्तियों की, चिन्हें भारतीय कायकर जीधीनयम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) खें प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट महीं किया बना भा या किया वाना चाहिए था किया वे सावधा के लिए,

नत: शव, उनत नीभीनयन की भारा 269-न के नगुसरम हो, मी, उनत अभिनियम की भारा 269-म की उपभारा (1) के अभीत: निम्नेजिनिक व्यक्तियों, अभीत्:—— 31—316GI/85 (1) श्रोनती राहुल देवी परनी श्री बलदेव, निवासी रचुनाय हिसार, (हरियाना)

(भग्तरक)

(2) श्री जै० के० सनगारी पुत्र श्री कुन्दन लाल निवासी→7-ए, कोतवाला रोड़, दिल्ली कैन्ट। (ग्रन्तरिती

की यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के जिल् कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्मतित के सर्वत के सम्बन्ध में कोई भी नासीप ६---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं से 45 दिन की सर्वीभ मा तरसम्बन्धी व्यक्तिमों पर स्थान की तामील से 30 दिन की सर्वीभ, जो भी स्वीभ बाद में समाप्त हाती हो, के भीतर प्रवेक्त स्थानतामों में से किसी व्यक्तित द्वारा;
- (व) इस सूचना को राजपंत्र में प्रकाशन की सारीख है

 45 दिन को भीतर उक्त स्थासर सम्पत्ति में हितबद्देश किसी मन्य स्थित इवारा, अभोहस्ताकारी में
 वास निविध्य में विकास को देखें ।

स्वध्यीकरण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पद्यों का, जो उक्त विध-नियम के सध्याय 20-क में परिभाषित हैं, हैं, वहीं वर्ष होगा जो उस अध्याय में दिया पया हैं।

धनसूचा

प्लाट नं० ए-28, ए-31, तावादी 200 वर्गगण, खसरा नं०622, 23, भौर 9/3/1, 8भौर 13, गंगर गार्डन, नई दिल्ली।

> मार० पी० राजेस सक्षम प्राधिकारी सहायक मायकर मायुक्त (निरीक्षण) मर्जन रेंज-3,नई दिस्ली

विनोक : 9-10-19**8**5

म्रो**हर** :

प्रास्प भाषं दी.एन.एस्.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) कीं धारा 269 च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यांत्रय, सहाबक भायकर जायुक्त (निरक्षिण) प्रजीन रेंज- 3 नई दिल्ली

नई ,दिल्ली दिनांक 9 ध्रम्तूबर 1985

निदेश सं० माई० ए०सी०/एक्यू०/3/एस० मार० 2/2-85/ 2539-- मत: मुझे ग्रर० पी० राजेश

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इतमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भाग 269-ख के अभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विष्यास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूख्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

भौर जिसकी सं० 21/27एहैं तथा जो तिलक नगर, नई विस्ती में स्थित हैं (भौर इससे उपाबद अनुसुर्चा में भौर पूर्ण रूप से वणित हैं) रजिस्ट्रीयन्त्री श्रिधकारी के वार्यालय नई विस्ती में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 जा 16) के अधीन तारीख फरवरी 1985

का पूर्वों कर सम्परित के उचित बाजार मूस्य से कम के क्ष्यमान प्रतिफल के लिए जन्तिरित की गई है और मूभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों कर सम्परित का उचित बाजार मूल्य उसके इश्यमान प्रतिफल से, एोसे इश्तमान प्रतिफल को पन्छ प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अंतरिती (अंतरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तब पाया गवा प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त अंतरण लिखित में बास्तियक रूप से किथत नहीं किया गया है अन्त

- (क) बंतरण से हुई किसी जाय की बाबत, सक्त जिथिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक को वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के सिए: और/या
- (ण) एसी किसी बाय या किसी धन ना अन्य जीस्तियों की, जिन्हों भारतीय बायकर अधिनियम, 192% (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गम। भरा था का फिला बाना चाहिए था, किया से सृश्विभा के लिए;

नतः जन, उनतः अधिनियमं की धारा 269-गं के अनुसरण मी, मी, उनते अधिनियमं की धारा 269-मं की उपधारा (1) के अधीन निम्निष्यतं व्यक्तियों, अर्थातः :—— (1) श्री हरदेव पुत्र नरायन वास, निवासी-19/44ए, तिलक नगर, नई विल्ली।

(भ्रन्तरक)

(2' ए० के० सक्सेना पुत्र रामेश्वर सिंह, 2.1/2.7ए, सिलक नगर, नई विल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारो करके पूर्वोक्त सम्पर्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

बन्त सम्पत्ति के अर्थन के संबंध में कोई भी आक्षेप :----

- (क) इस सूचना के राजपंत्र में प्रकाशन की तारी के 45 दिन की अविधि या तत्से वंधी व्यावतया पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जा भा अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वी कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (च) इस सृचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच क 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी जन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निचित में किए था सकेंगे।

पण्टीकरण:---इसमें प्रयूक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया एक.

मनुसूची

प्रो० बैरिंग नं० 21/27ए, तादादी 71-7वर्गे गज, तिलक नगर, नई दिल्ली।

> भार० पी० राजेश सक्षम प्राधिकारी सहायक भायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजंन रेंज-3, नई दिल्ली

दिनांदा: 9--10-1985

मोहर:

4. -31v

प्रचल बाहाँ शी एक एक .

अग्राक्तः करिस्तियत्र, 1961 (1961 का 43) **की पाछा** 269-व (1) की कपीन सुचना

प्रांच्या संच्यान

कार्याबर, सहायक आयकर जायूक्त (निरक्षिण) ग्रर्जन रेंज-3, नई दिल्ली

नई दिल्ली, विनांक 9 अस्तूबर 1985 निदेश सं० आई० ए० सीं०|एक्यू०|3|एस० आर०-2|

2-85/2540--म्रत: मुझे म्रार० पी० राजेश जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पर्वात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 व के अधीन सक्षय प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित जिसका चित्र बाजार मृख्य

1,00,000/- फ. से अधिक हैं
भीर जिसकी सं० ए-31, असरा नं० 6/22, 23 है तथा जो
9/3/1, 8 भीर 13, भंगर गाउँन नई दिल्ली में स्थित है
(भीर इससे उपाबंद भ्रनुसुची में भीर पूर्ण रूप से विणित है)
रिजस्ट्री गर्ना भिक्षिशारी के कार्यालय नई दिल्ली में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के भ्रष्टीन तारीख फरवरी 1985

को पृथिति सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के व्ययमान अतिकल को लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि सभाप्योंक्त संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिकल से, एसे दश्यमान प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अंतरिती (अंतरितियां) के बीच एसे अंतरण के लिए तब पाया गवा प्रतिकल, निम्नितियां उद्देश्य से उसत बंतरण सिक्ति में बास्त- विक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी बाब की बाबत, उकत बिच-नियम के जधीन कर दोने के सम्तरक के वायित्व में कमी करने या उत्तसे बचने में सुविधा के सिए: भार/या
- (स) एसी किसी अाय या किसी भन या अन्य जास्तियाँ करे, जिन्हें भारतीय जायकर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अभिनियम, या धन-कर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरती व्यारा प्रकट नहीं किया गया कर या किया जाना चाहिए वा कियाने में सुविधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की भारा 269-व की अनुसरक में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-व की उपभारा (1) के अधीर, निम्निसिक्त क्यक्तियों, अर्थात् ह---

- (1) राहुल देव पुत्र श्री बलदेव, निवासी-रव्युनाय भवन, हिसार, (हरियाना) (भ्रम्बरक)
- (2) श्री के० सी० भरुला, पुत टी० डी० भफला सीं-262,, विकास पुरी, नई दिल्ली (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के सिम्रु कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के वर्णन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन को तारीच से 45 विन की अविध या तस्सम्बन्धी स्विकतयों पर सूच्या की तामील ते 30 दिन की अविध, को भी वविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोकत व्यक्तियों में से किसी स्यक्ति द्वारा;
- (च) इस सूचना के राज्यत्र में प्रकालन की तारीच वें 45 दिन के भौतर उक्त स्थावर सम्परित में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास जिचित में किए जा सकों ने।

स्थळ किरण: --- इसमें प्रयुक्त करों और पक्ष का, जो सक्त विधिनियम के अध्याय 29-क में परिभाविश हैं, वहीं वर्ष होना की उस अध्यान में दिवा नवा हैं।

बन वर्षी

ण्लाट नं ० 28-ए, ए- 31, तावादी 200 वर्गगज, खसरा नं ० 6/22, 23, 9/3/1 8 भीर 13, शंकर गार्डन नई विल्ली।

> त्रारं∘ पी० राजश सक्षम प्राधिकारी सहायक भायकर भायुक्त (निरीक्षण) भर्जन रेंज-3, नई बिस्सी

दिनोक: 9-10-19**85**

मोहरः

प्रकप वार्षः टी. एन. एस. -----

बागकर बिधिनयम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म के अधीन स्वना

भारत सरकार

कार्यासया, सहायक वायकर वायक्त (निरीक्षण) मर्ज न रेंज- 3, नई दिल्ली

मई दिल्ली, दिनांक 10 मस्तूबर 1985

निर्देश सं० भाई० ए० सी०/एक्यू/ ३/एस० भार०-2/ 2-85/ 2541--- प्रतः मुझे, भार० पी० राजेस,

अनायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके एक्यात् 'अकत अधिनियम' कहा गया है'), की भारा 269-अर के बधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित्र वाजार मुख्य 1.,00,000/- रा. से अधिक ही

घौर जि.को सं० प्ताट नं० 48 है तथा जो शंहर गार्डन, नई दिल्लो में 'स्थित है (श्रोट इजी उनाबद अनुसूची में भीर पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजिस्ट्रोहिती अधिकारों के कायशिय मई विरुली में रिजिस्ट्रीकरण धाधिनियम 1908 (1908 का

16) के प्रधान तारीख फरवरी 1985

को पूर्विक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के द्रश्यमान प्रतिफल के लिए हत्तिरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके रूप्यमान प्रतिफल से एेते स्वयमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिचात स अभिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बोच ऐसे अन्तरण क लिए तम पूर्वा पदा प्रतिफल निम्नलिकित उद्देश्य से उक्त मन्तरण सिविध में बारतिक रूप से कथित नहीं किया प्रया 💕 :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आयः की वावत, उक्त नियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के किए थीर/या
- 📦 ऐसी किसी बाय या किसी भन या अन्य वास्तियों को जिन्ह[ा] भारतीय बायकर अधिनियम, (1922 का 11) या उक्त विभिनियम, भनकर विभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती बुवारा प्रकट नहीं किया वया था या किया जाना चाहिए था, क्रिपाने में सुविधा इंसिए∄

क्तः स्व, एक्त वीधीनवम की धारा 269-न के अनुसरक भी, भी, चनत विधिनयम की भारा 269-व की सपभारा (1) के बर्धीन, निम्नीसास्त्र व्यक्तियों, वर्धात् :---

- (1) डा॰ ब्जिन्दर सिंह पुत भी मिलाप सिंह, निवासी-वी-48, मंकर गार्ड न, नई दिल्ली ।
 - (घन्तरक)
- (2) 1. मंजित परनी राकेश,
 - 2. इस्तूरी लाल पुत्र श्री बुटा राम, 3. सुदर्शन एन्ड कृष्णा पुत्र कस्तूरी लाल, निवासी-6/22, पंजाबी थाग, नई दिल्ली ।

(भ्रम्बरिती)

को यहस्वनापारीकरको पूर्वोक्स सम्पत्तिको अर्थनको लिए कार्यमाहियां कराः हो।

उक्त सम्पत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकारन की तारीख से 45 दिन की बविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की जबिंध, जो भी वर्षीय बाद में समाप्त होता हो, के भीवर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दवारा;
- (डा) इ.स. सुचनाके राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबव्ध किसी बन्य व्यक्ति द्वारा वधे हस्ताक्षरी के पास मिबित में किए जा सकेंगे।

स्प**च्डीकरणः —-इ**समें प्रयुक्त सब्दो और पदों का. नो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में ९रिभाषित हैं, वहीं अर्थ होना जो उस अध्याय में दिया नया है।

वपृद्धवी

प्लाट नं• 48, सादादी 400 वर्ग गज, शंकर गार्डन, नई दिस्सी

मार•पी० राजेश सक्षम प्राधिकारी सहायक पायकर प्रायुक्त (निरीक्षण) धर्जन रॅंज-3, दिल्ली, नई विल्ली-11002

दिनौक : 10--10--1985

प्ररूप बार्च्, ठी , एन , एक ह-----

बायकार स्वीधीनयम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के संधीन सुपना

भारत तरकार

कार्यालय, सहायक आयक्तर आयुक्त (निरोक्कण) ग्रर्जन रेंज→3, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांच 10 शक्तूबर 1935

निदेश सं० माई० ए० सी०/एवगु०/3/एस मार-2/2-85/2542---प्रत:, मुझे, मार० पी० राजेश,

बायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है'), की भारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूक्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

मौर जिसकी सं० भूमि नं० 134 है तथा शिक्तक जे→1, राजांरी गार्डन, नई विस्ति में स्थित है (मीर इससे उपादक अनुसुनं। में भौर पूर्ण रूप से भणित है) रिजस्ट्रोकर्ती अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में रिजस्ट्रोकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख फरवरी, 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति को उचित बाजार मून्य से कम को द्वसमान प्रतिफल को लिए अन्तरित की एएं हो और मुक्ते रह विद्यास का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूस्य, उसके द्वसमान प्रतिफल को पन्तह प्रतिक्षत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) को बीच एति अन्तरण को लिए तय पाया गया प्रतिफल, जिम्नलिखित उद्देश्य से उक्त बन्तरण सिखित में अभिक रूप से किथत महीं किया गया है:--

- (क) अन्यरण से हुई किसी नाथ की बावत, उक्त वीधीनयम के वधीन कर दोने के जन्मरक के दायित्व में कमी करने मा उससे वचने में सूविधा के लिए; भार/या
- (व) ऐसे किसी आय या किसी भन या अस्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अभिनियम, वा भन-कर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्याजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया भा वा किया जाना चाहिए था, क्रियाने में सुविधा से विष्

बतः बय, उक्त अधिनियम की धारा 269-न की बनुसरक कें, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) जी अधीन, निम्नीमिक व्यक्तियों, वर्षात् ह—- (1) डी॰ एन॰ साउरा, पुत्र के॰ एन॰ साऊरा, ई-3, रतन पार्क, दिल्ली।

(अग्तरक)

(2) (1) एस० उरतार विह (2) गुरंबरन विह, पुत्र सरन विह, निवासी सो।बी्-2/209, पश्चिम विहार, दिस्ती। (भन्तरिती)

को यह स्थान चारी करके प्रवेशत सम्पत्ति के सर्वन के सिए कार्यवाहियां सुरू करता है।

उपत सम्परित के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी बासेप ह—

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की बविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थना की तामील से 30 दिन की जविध, जो भी जविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति वृवारा;
- (क) इस स्वाना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 विन को भीतर उनत स्थावर सम्पत्ति में हिसबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निवित में किये वा सकी।

रचळीकरणः ---इसमें प्रयुक्त सन्दों और पदों का, वो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस स्थाय में दिया क्या हैं।

बन्तुची [.]

ब्लाट भूमि नं० 134, ब्लाक जे- 1, सावादी 160 वर्ग गज, राजोरी गार्डन, विल्ली- 4 ।

> मार० पी० राजेश सक्षम प्राधिकारी सहायक मायकर मायुक्त (निरीक्षण) पर्जन रेंज-3, नई दिस्खी

विनांग ३ 10- 10-1985 मो**ह**र :

प्रकप बाई . दी . एन . एस . ------

बायकर सिंपीनयस, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-यं (1) के अधीन सूचना

भारतं सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) धर्जन रेंज-3, नई दिल्ली

नई विस्ली, विनांक 9 श्रमतूबर 1985

निदेश सं० आई० ए० सो०|एक्यु| 3|एस आर-2|2-85| 2543--- मतः, मुझे, भार०पी० राजेश,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रधात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन रक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृस्य 1,00,000/- रह से अधिक है

पौर जित्की सं० प्लाट नं० सी- 44की है तथा जी मिवाजी पार्क, नई दिल्ली में स्थित है (भौर इत्से उपाबद अनुसुची में भौर पूर्ण रूप विणत है) रिजस्ट्रीकर्ता श्रीधकारी के कार्यालय नई दिल्ली से रिजस्ट्रीकरण श्रीधिक्यम 1908 (1908का 16) के श्रीधीन तारीख फरवरी 1985

को पूर्योक्त सम्मत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम को स्वयमान प्रतिफल को लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके स्वयमान प्रतिफल से, एसे स्वयमान प्रतिफल के पंद्रह प्रतिकृत से अधिक है और अंतरिक (अंतरिकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरिण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निल खित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक क्ष्म से कथित नहीं किया गया है द

- (क) अन्तरण सं हुई किसीं जाय की बाबक, खबत अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने मा उससे बचने में सुविधा के सिए; काँदु/या
- (क) ऐसी किसी भाग या किसी भन या बन्य आस्ति। करें, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उकत अधिनियम, या धनकर आधिनियम, या धनकर आधिनियम, 1957 (1957 का 27) यह अयोजनार्थ अन्तारिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया आता चाहिए था, छिपाने में सुविधा चे सिए;

भरत वन, उक्त विधिनियम, की बारा 269-ग के बनुसरणी तो, मी, उक्त विधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के वर्धाम्य, निम्मीसवित व्यक्तियों, वर्धात् :--- (1) दर्शन सिंह पुत्र राम सिंह, 2. हरजित सिंह पुत्र अमरोक सिंह, सी- 44, शिक्षाजी पार्क, नई दिल्ली।

(भग्वरक)

(2) ग्रार० एन० विज पुत्र श्री एफ० सी० विज, ग्रीर शकुतला विज पत्नी भार० एन० विज, निवासी- 43,पैचाबी बाग,नई दिल्ली।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोधत सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के वर्णन के संबंध में कोई भी वाक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाइन की तारीस से 45 दिन की सर्वीभ या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की वर्वीभ, जो भी भविभ बाद में समाप्त होती हो, के भीटर पूबोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितब्ध्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिक्ति में किए जा सकोंगे।

स्पष्टोकरणः --- इसमें प्रमुक्त कटा वार पर्यो का, वा उक्त विश्व कि किया 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

बनुसूची

्त्राट ने॰ सो/44बी, तादादी 307.5 वर्ग गज, शिवाजी पार्क, नई दिस्ती ।

> ग्रार० पी० राजेश सक्षम प्राधिकारी सह्यक घायकर घायुक्त (निरीक्षण) मज़न रॅंज- 3,नई दिल्ली

दिनोक : 9+ 10+1985

मीहर :

प्रकम भाइ . दी . एन . एस . -----

भागकर विभिनियस, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के वभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भावकर बाबुक्त (निद्रामा)

मजन रेंज-3, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 9 श्रक्तूबर 1985

निदेश सं० माई० ए० सी०/एनय्]3/एस० मार०-2-85/ 2544-- मतः मुझे, मार० पी० राजेंग,

जायकर जीधनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

मीर जिसकी सं० लाट नं० सो 140 है तथा जो खसरा नं० 804,34, 837/7, तिहाड़ जेल, दिस्ली में स्थित है (ग्रीर इससे उपायद्ध मनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्शा श्रिधकारी के कार्यालय नई दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण मधिनियम 1908 (1908 का 16) के मधीन तारीख फरवरी 1985

को पूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूकों यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार भूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए स्य वाया गया प्रतिफल, निम्निलिचित उद्वेष्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिविक रूप वे किथा बहीं किया गया है :---

- (क) जन्तरण से हुन्दै किसी बाय की बावत, अच्छ अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने वा उत्तसके वचने में सुविधा के सिए; ब्रॉट/बा
- (क) ऐसी किसी नाय या किसी भन या नन्त आस्तिवाँ को, जिन्हों भारतीय नाय-कर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) वा उनत अभिनियम, का भगकर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना जाहिबे था कियाने जें से सिए;

भतः शव, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण है, मैं, उक्त अधिनिय की भारा 269-म की उपभारा (1) के अधीन. निम्निलिखित व्यक्तियों, वर्थात् :—— (1) देवेन्द्र सिंह पुत्र पृथ्वी सिंह, कें--40, फरोह नगर, दिल्ली।

(भ्रन्तरक)

(2) मेसस ग्रारं के इन्टरप्राइसेसेस प्रो श्रारं के गुप्ता पुत्र के एल गुप्ता, एस जी वी 80-81, चन्छीगढ़।

(मन्दरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपरित के वर्जन के लिए कार्यनाहियां करता हुं।

उक्क संपरित के वर्जन संबंध में कोई भी बाक्षप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की जबिध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की जबिध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (उ) इत स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब स 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास, सिवित में किए वा सकीये।

स्पष्टीकरणः --- इसमं प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्क अधिनियम, के अभ्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जा तस अभ्याय में दिया नया हैं।

धनुसूची

प्लाट नं॰ जी-140, ताददी 2900 बनगज, खसरा नं॰ 804/34, 837/7, सिंहाइ, नई दिस्ली।

> भार० पी० राजेश सक्षम प्राधिकारी सहायक भारकर धायुक्त (निरीक्षण) भर्जन रेंज-3, नई दिल्ली

विनौंक : 9-10-1985

प्रक्ष्य बाह् .टी..एन., एस...-----

भाषकर मिपिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के मधीन सूचना

भारत तरकार

श्वामंतिय, सहायक नामकर मायुक्त (निरीक्षक) भर्जन रेंज-3, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनौंक 9 भनतूबर 1985

निदेश सं० भाई० ए० सी०/एक्य्/3/एस० भार०-2/ 2-85/2545--भतः मुझे, भार०पी० राजेश,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पदवात् 'उक्त अधिनियम' कहा पया है), की प्रार्थ 269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विद्यास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मूक्य 1,00,000/-रा. से अधिक है

भीर जिसकी सं० प्लाट नं० 207बी, कटनी नं० 9 है सथा जो खसरा नं० 1989, ग्राम तिहाज़, नई दिल्ली में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में भीर पूर्ण रूप से बर्णित है) र जिस्ट्रीकर्ता श्रक्षकारी के कार्यालय नई दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण प्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख फरवरी 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति को उचित बाजार मृत्य से कम के ध्यमान प्रतिकास के लिए अन्तरित की गई है और मृत्ये यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके स्वयमान प्रतिकाल में, रा ध्वयमान प्रतिकाल के पन्त्रह प्रतिकात से आंवक हो बार अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथ पाया ग्या प्रतिकाल, निम्नीसिख उच्चेश्य से उक्त अन्तरण निचित में वास्तिक रूप से कवित वाहीं विश्वा गया है पु-

- (क) अन्तरण से हुइ किसी जाय की वावत , उपसे विधिनियम के जभीन कर दोने के जन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे वचने में सूनिधा के जिए; जीर/या
- (क) ऐसी किसी बाब या किसी धन या वन्त्र वास्तियों करों, जिन्हें भारतीय वायकर विधिनयमं, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियमं, या धवकर अधिनियमं, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अस्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना वाहिए था, कियाने में सविधा के लिए:

कतः वर, उक्त जीधीनयम कौ धारा 269-ग के जनुसरण मों, मीं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) की समान, निम्निलिकित व्यक्तियों, जर्मीत् ६—० (1) श्रीमती रमाकाम्स महोपटिह,
पुत्र श्री कनवर बहादुर सबसेना,
निवासी-31987मोरी गेट, दिल्ली,
एट प्रेजेन्ट 2-एम 20बी, लाजपत नगर,
नर्श दिल्ली।

(मन्दरक)

(2) श्री सितन्दर पाल सिंह, द्वारा हर मदर प्रीतम कौर, निवासी-ए-108, टैगोर गार्चन, नई दिल्ली। (मन्तरिती)

को यह सुचना कारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्थन के सिए कार्यवाहियां बुक् करता हुं।

बन्त संपृत्ति के वर्षन के संबंध में कोई भी वाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब सं 45 दिन की अविधिया तरसंबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, को भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबक्ष किसी बन्य ध्यक्ति द्वारा बथोहस्ताक्षरी के शप्त सिक्षित में किए जा सकेंगे।

स्वकाकरण:--इसमें प्रयास्त कथ्यों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, को अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो तस अध्याय में दिया गया है।

थन्स्यी

भूमि तावाढी 229 वर्गगज, प्लाट नं० 27वी, कटनी नं० 9, जसरा नं० 1989, ग्राम तिहाइ, दिल्ली स्टेट, भाबादी हुरी नगरः नई विल्ली।

> भार० पी० राजेश सक्षम पाधिकारी सहायक भायकर भायक्त (निरीक्षण) भर्जन रेंज−3, नई दिल्ली

दिनाँक : 9-10-1985

प्ररूप आइ. थी. एन. एस. -----

भायंकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के अभीन सुचना

मारत सुरकात

कार्याक्तय, सहायक शायकार आयुक्त (निरोधाण) श्रजीन रेंज-3, नई दिल्लो

नई दिल्लो, दिनाँक १ श्रक्तूबर 1985

निदेश सं० आई० ए० सी०/एक्पू/3/एस-आर०-2/2-85

2546 श्रतः मुझे, श्रार० पो० राजेस

आधकर अधिनियम्, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-क के अधीन सक्ष्म प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पन्ति, जिसका उचित बाजार मूस्स 1.00.000/- रा. से अधिक है

श्रीर जिन्हों सं २ प्याप्ट नं २ वी एल/134ए, है तथा जो श्राम जिल्लाह, नई दिल्ली में भिर्म है (श्रीर हो) उन्तबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्व का से जींगा है) रिल्ह्योहती श्रीध हारी के कार्यायम नई दिल्ली में रिल्ह्योहरण श्रीविध्यान 1908 (1908 का 16) के श्रामीत दारीब फरवरी 1985

को प्यक्ति सपत्ति के उचिन बाजार स्लय से कम के दृश्यकान कितिपन की लिए अंतरित की गई है और मफे यह विश्वास करने की कारण है कि स्थापबेंग्त सम्पन्ति का उचिन बाजार मृन्य असके दृश्यमान पतिफल स. एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह कितियात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित । अन्तरित के बीच एसे जन्तरण के लिए त्य पाया गया मातफल, जिम्मिनिसित उद्यश्यों से उक्त अन्तरण निचित में बासनिक क्षेत्र से किया गया हैं:—

- (क) अप्तारण में होड़ी फिसी काम की बाक्ट, उक्त अभिनियम के अभीन कर पने के अन्तरक के दामित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के सिए; और/या
- (क) ऐसे किसी बाय या किसी भन या अन्य बास्तिमों को, जिन्हों भारतीय बायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रमाजनार्थ अतिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया का या किया जाना चाहिए था, क्रियाने में सुविधा के लिए;

श्रतः एव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण तै, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—
32—316GI/85

(1) मोहिन्दर तिह पुत्र राम निह्, निवासी-जी-15/5ए, राजोरी गाडन, निद्वित्लो।

(भ्रन्तरक)

(2) एम० एल० पराशर पुत्र एच० श्रार० पराशर, सो०ग्रो० वो० वे० साई, तिवासी-बो-एल०/134, जैल रोड़, हरिनगर, नई दिल्लो।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के जिल कार्यवाही शुरू करता हूं।

उनत सम्पत्ति को कर्जन को संबंध को करोई भी आधाप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन को हार्सीय है 45 दिन को अवधि या तत्सवधी काविनयों भरे सूचना की तामील से 30 दिश को अधिया हों की अवधि बाद मा समाप्त हाली हत, के भोलद पृष्ट तर व्यक्तियों मों से किसी व्यक्तिया हवार
- (ह) इस सूचना को राजपण में प्रकाशन भी तालीक स् 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिंदी-बद्ध किसी व्यक्ति द्वारा, अधाहम्हाक्षरी के विल लिखित में किए जा सकतें।

स्पष्टीकरण: ---इसमें प्रयाकत शब्दों और पदों का, जो उन्हें अधिनियम के अध्याय 20-क मो परिभाषित हो बही अर्थ होगा जा उस अध्याय भारिता गया है।

अनुसूची

प्लाट नं० भी० एल०-134/ए, तादादी 200 वर्गगज,ग्राम तिहाड़, नई दिल्ली।

> श्रार० पी० राजेक सक्षम प्राधिवारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-3, नई दिल्ली

दिनौंक : 9-10-1985

में/हर:

प्ररूप बाइ. टी. एन. एस. -----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनाँक 10 श्रक्तुबर 1985

निदेश सं० थ्राई० ए० सी०/एक्यु०/3/एस० धार०—3/ 2-85/981——प्रतः मुझे श्रार० पी० राजध आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवाल् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विकास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित नाजार मूल्य 1,00,000/- का से अधिक हैं

ग्रीर जिनकी सं श्रीर जन्म है तथा जो न्यू राजेन्द्र नगर नई दिल्ली में स्थित हैं (ग्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप ने विज्ति हैं) रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी के कार्यालय नई दिल्ली में रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन तारीख फरवरी 1985

को पूर्वोक्त समास्ति के उचित वाजार मूल्य से कंग के दिवयान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूके यह विषयास करने का कारण है कि यथाएवींक्त सम्मित का उचित बाजार मल्य, असके देश्यमान प्रतिफल से, एसे देश्यमान प्रतिफल का कन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरित के निए तम पाया गए प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण कि सिल्य मारा प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण कि सिल्य मारा है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के मंतरक के दायित्व में कमी करने या उसम बनने में स्विधा के निए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अत: अस, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग औ अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ध की अवधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यविक्षयों, अर्थात् :--- (1) श्रीमती मोतिया रामी, निवासी-धार-749, न्यू राजेन्द्र नगर, नई विस्सी।

(भग्तरक)

(2) 1. श्री कृष्ण कुमार घरोड़ा,
2. विनोद कुमार, 3. संजय घरोड़ा,
4. राजीय घरोड़ा, 5. विद्या बन्ती,
निवासी 1416, पहाड़गंज, नई दिल्ली।
(घन्सरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के कर्चन के सिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्मत्ति के वर्जन के संजंभ में कोई वाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकायन की तारीच खें 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (स) इस स्थान के राजपन में प्रकाशन की तारीय से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्ध स्थावत द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में से किए वा सकोंगे।

स्पत्तीकरणः ---इसमें प्रयुक्त शब्दों बौर पदों का, को उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हाँ, वहीं अर्थ होगा को उस अध्याय में किया यस हैं।

पनुसूची

क्वार्टर नं ॰ मार-749, न्यू राजेन्द्र नगर, नई दिल्ली, तावदी 200 वर्गगज ।

> मार० पी० राजेश सझम प्राधिकारी सहायक मायकर मायुक्त (निरीक्षण) मर्जन रेंज⊶3, नई दिल्ली

दिनाँक: 10-10-1985

प्रकेष बाईं. टी. एन. एस.-----

नायकर निपनियम, 1961 (1961 का 43) की भार 269-म (1) के अभीन स्पना

भारत सरकार

कार्यासय, सहायक बायकर बायकत (निरीक्षक) धर्मन रेंज-3, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 9 प्रक्टूबर 1985

निर्देश सं॰ माई॰ ए॰ सी॰/एक्यू०/3/एस॰ भार०-3/ 2-85/984--श्रतः मुझे, भार० पी॰ राजेस,

कायकर किथानयम, 1961 (1961 का 43) (जिस इसमें इसके प्रचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है'), की भारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विस्तास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, विसका उचित वाजार अध्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

मीर जितकी सं० 5/49 है तथा जो फोल्ड राजेन्द्र नगर, नई दिल्ली में स्थित है (मीर इससे उपाद्ध अनुसूर्चा में भीर पूर्ण रूप से । विणित है) रिजर्ट्रान ती अधिकारी के कार्यालय नई दिल्ली में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के भधीन तारीख फरवरी 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृष्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विद्यास करने का कारण है कि स्थापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृष्यमान प्रतिफल का पन्तह प्रतिक्षत से विध्य है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्मनिवित उब्देश्य से उनत अन्तरण निवित के गस्तिक क्य से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) बन्तरण सं हुई किसी बाय की बावत, उपके वृत्तिविषय सं वृत्तीय कर दोने के अन्तर्क के दायित्व में कमी करने या उससे वचने में सुविधा वे दिए; ब्रोड/वा
- (ण) एसे फिसी बाब का किसी धन या अन्य आस्तियों ता, 1 अन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्ध अन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में वैधियां के सिए;

अतः अवः, उक्त विधिनियम की धारा 269-ण के, बनुसरण भा, मी, उक्त विधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (†) के क्ष्मीन, निम्नसिचित व्यक्तियाँ, वर्धात् :--- (1) श्रीम्रार०के० नलगार,पुत्रश्री किणनचन्द तलवार, निवासी—5/10, म्रोल्ड राजेन्द्र नगर, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) श्री गिरधारी लाल गुप्ता, पुत्न श्री राम किशोर गुप्ता, निवासी 32/18, स्रोल्ड राजेन्द्र नगर, नई दिस्ली।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

खनत सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में काहि भी पाश्रीय :---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन के तारीस स . 15 दिन की अविधि या तत्मभ्वनधी व्यक्तियों पर म्यना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृष्ठित व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (च) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारोख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितब्र्य किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षर कर किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षर कर किसी किसी किसी का सकनी।

स्पब्धीकरण हि— इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, को अध्याय 20-क में परिभाषिल हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

नन्स्ची

भनी हुई सरकारी प्रो० नं० 5/49, आबादी श्रोल्ड राजेन्द्र नगर, नई दिल्ली, तादादी 85.9 वर्गगज।

> आर० पी० राजेश सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर श्रायुक्त (निरीक्षण) अर्ज न रेंज-3, नई दिल्ली-110002

दिनांक: 9-10-1985

प्ररूप बाहाँ. टी. एन. एस. -----

भाषकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भाष 269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
प्रजीन रेंज-3, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनाँक 8 ग्रवतूबर 1985

निर्देश सं० श्राई० ए० सी०/एक्यु०/3/एस० श्रार०-3/ 2-85/985--ग्रतः मुझे श्रार० पी० राजेश,

आयफ र आधिनियम, 1961 (1961 का 43) (शिस इसमें क्सके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 खं अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

स्रोर िहनों सं० सं-27/28 है तथा जो एन० डी० एस० ई०, पार्ट-12, नई दिल्लों में स्थित हैं (स्रोर इनसे उपाइस सनुत्र्वां में स्रोर पूर्ण रूप से वींगत है) रिजस्ट्रोन ती श्रीधवारी के कार्यालय नई दिल्लों में रिजस्ट्रोनरण श्रीधनियम 1908 (1908 जो 16) के असोन साराख फरवरी 1985

का प्वाक्त सम्पत्ति के जिल्ल बाजार मूरा स कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा प्वेक्ति सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल के मन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच उसे, अंतरण के लिए तय पाया गया प्रातिफल, निम्नलिखित उद्दास्य स उक्त के लिए से किया गया है:—

- (क) सन्तरण संहुद किसी साथ को बाबत उसत सीध-नियम के संधीन कर दोने के अन्तरक की दायित्व में किसी करने या उससे संभने में सूविधा को लिये; सीड़/या
- (क) एंसी किसी अयं या किसी अन अन्य आस्तियाँ की, जिन्ही भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती युवारा प्रकट नहीं किया गया आ या किया आना आहिए था छिपाने में सुविधा से सिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ण को अनुसरण भौ, भौ, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) अ अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात क्र—

- (1) श्री देशेन्द्र कुमार वहारा, डब्स्यू –11,ग्रेटरकैलार:→2,नर्दे दिल्ली। (ग्रन्सरक)
- (2) श्री श्रमृत लाल वतरा, सी-27/28, एन **डी० ए**त० ६० पार्ट-2, नई दिल्ली।

(श्रन्तिरती)

को यह भूचना जारी कारके पूर्वीवत सम्पाला के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हु।

उक्त सम्पर्तित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीन से 45 दिन की अर्वाध या तत्संबधी व्यक्तियों पर सूचन की तामीन से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ह) इस स्वता के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थाबर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अथाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकर्ग

स्पष्टोकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाजित है, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया ग्या है।

अनुसूची

2-1/2, बना हुम्राघर, ताबादी 666 वर्गगज, सी-27/28, एन० डी० एस० ई० पार्ट-2. नई दिल्ली।

> भार० पी० राजेश सक्षम प्राधिकारी सहायक भायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) भर्जन रेंज-3, नई दिल्ली-110002

दिनाँक: 8-10-1985

प्ररूप आई'.टो.एन.एस,-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक नायकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-3, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनौंक 10 प्रक्तूबर 1985

िवें: सं० श्राई० ए० सोःं।एक्य्/3ंए त० श्रार०→3/2→85/ 936--प्रः: मुझे श्रार०पो० राजेः:

कायकर किंधिनयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इतके प्रकात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह धिक्यार करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उधित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

स्रोर ितिको सं० 11-151 है तथा जो मायविता नगर, नई दिलो में ल्यित है (स्रोर इनसे उताबद अनुसूर्व में स्रोर पूर्ण इत्य से विणित है) रिस्ट्रियता शिधदार दे पार्य तथ नई दिलों में रिलिट्रिक रण शिवितियम 1908 (1908 का 16) के स्रधीन तारीख फरवरी 1985

को पूर्विकत संगत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दर्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित को गई है और मूझे यह विष्यास करने का कारण है कि यथापूर्विकत संगत्ति का उधित दाजार मूल्य, उसके दर्यमान प्रतिफल से, ऐसे दर्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिकत से अधिक है और अंतरक (अन्तरकों) और अन्त-रिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में धास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है :——

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के शधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

बंद: जब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-य की उपधारा (1) के बधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

- श्रीमती एउगा कुमारी पत्नी श्री लाल चन्द्र मदन, सुपुत्रीस्व० श्रीतिलम दान, निवासी-3-ती/201, एन० श्राद्वि० टी० फरीदाबाद, (हिस्स्मा)
 श्रीमती चन्त्रेल कुमारी, पत्नी श्री एउग कुमार श्ररोड़ा,
 - 2. श्रामता चन्द्रज्ञ कुमारा, परनो श्रो एष्ण कुमार ग्ररोड़ा, निवासो: 61/बो, एष्ण नगर मथुरा (उत्तर प्रदेश) (श्रतक)
- (2) श्री मान लाल मेहता पुत्र श्री गोपाल धात मेहता, निवासी 11/151, मार्लीवना नगर, नई दिल्ली (श्रम्सीर्ली)

को यह स्थाना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां सूरू करता है।

उब्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारोख से 45 दिन की अविधि या तत्सवंधी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, को भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, को भीतर पूर्विकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टिफरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों वा, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

घनुसूची

प्रौ० नं व वैरिंग नं ० 11/151, मालविया नगर, नई दिल्ली, सादादी 73 वर्गगज।

मार० पी० राजेश सक्षम प्राधिकारी सहांयक स्नायकर स्नायुक्त (निरीक्षण) भर्जन रेंज-3, िल्ली, नई दिल्ली-110002

दिनौंक : 10~10-1985

मोहुर 🖫

प्ररूप बार्ड .टी . एन . एस . -----

भाषकार व्योधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के नधीन शुधना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक अयकर आयक्त (निरीक्षण) भ्रजन रेंज-3, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनाँक 8 प्रमत्बर 1985

निदेः: सं० आई० ए० सी० /एक्य्/3/एस० आर०-3/ 2-85/987---प्रतः मुझे आर०पी० राजेश

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसं इसमें इसके पश्चात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-न कं अधीन सक्षम प्राधिकारी का यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित, जिसका उचित बाजार मूच्य 1,00,000/- रु. से अधिक है और निकों सं० 2 है तथा जो व्यक्ति आर० ग्रीन पार्क.

म्रोटिना सं है 2 है तथा जो व्लाक मार० मीन पार्क, नई दिला सं दिया है (म्रोट इ.से उगाबद मनुसूची में भीर पूर्ण का से वॉगत है) रिजस्ट्रीकर्ता मधिकारी के कार्यालय नई दिलों ने रिजस्ट्री तरग भिवितिषम 1908 (1908 का 16) के भगोन ताराख फरवरी 1985

का पूर्वोक्त सम्पन्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृभी यह विद्वास करन भा कारण है कि यथापूर्वाक्त सम्पन्ति का उचित बाजार बृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसि दश्यमान प्रतिफल का

पद्रह प्रतिशत स अधिक है और अतरक (अतरकों) और अतरिती (अन्तारात्या) के बाद एस अन्तरण के निए तय पाया गया प्रति-केन किनानियत उद्देश्य स उन्ते अतरण निश्चित में दास्त्रिक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

- (क) बन्धरण सं हुए जिल्ली बाय की बायत क्या बाँधनियंत्र के बंधीन कर बंधे के बन्तरुक्त की बाँगरल में कमी कर्ने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ण) ऐसी किसी नाय या किसी भून मा नृत्य नास्त्यों का, जिन्हें भारतीय नाय-कार भृषिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त निष्मिम, या भनकर निर्मियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ नित्तिर्दा द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

(1) श्री जनवोश प्रजार पुत्र श्री एल० सूरज प्रजाय, निवासो-ए-6, होज खात, इन्स्लेब, नई दिल्ली:

(भन्तरक)

(2) श्री तिलोक चन्द गुप्ता पुत्र श्री राजा राम गुप्ता धीर श्रीमतो गोता देवो पत्नी श्री तिलोक चन्द गुप्ता, निवासो की →19, होज खात, नई दिल्ली। (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए काययाद्विया करता हु।

जक्त सम्परित के बजन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, को भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ल) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी करें 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पति में हिस्बब्ध किसी जन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास तिकित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदौं का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है,

बन्स्ची

2-1/2, सीन,कम-रेसिडेन्टल, बिस्डिंग, प्लाट नं ० 2, स्लाक 'धार' सादादी 200 वर्गगज, ग्रीन पार्क, नई दिल्ली।

> भार० पी० राजेश सक्षम प्राधिकारी सहायक भायकर भायुक्त (निरीक्षण) भजंन रेंज-3, नई दिल्ली

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-भ को, अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म को उपधारा (1) के अधीन निम्निलिखित व्यक्तियों, अधीत :—

दिनौक : 8~10-1985

मोहर 🛭

प्ररूप बाइं. टी, एन. एस.-----

भायकर जीपनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के ससीन सुचना

भारत सरकार

कार्यासय, सहायक नायकर नायक्त (निरक्षिण) प्रजी: रेंग-3, नई दिल्ली

नई दिल्ली, विनात 9 भ्राम्त्वर, 1985

निदेश सं० प्राई० ए० सी०/र्क्राॢ अएसम्रार-3/2-35/ 938 --प्रतः मुझे, ग्रार० पी० राजेश,

बायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भाउ 269-क के अधीन संक्षम प्राधिकारी को, यह विक्वास करने का कारण है कि स्थावर मध्यित, जिसका उचित बाबार मुख्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

श्रीर निज्ञकी सं० के-19 है तया जो होन खाज, नई दिल्ली में स्थित है (श्रीर इट्टोड एवड प्रमुक्तों में श्रीर पूर्गका से वॉणत है), टोस्ट्रोड में बोजारी के कार्यात्य, नई दिल्ली में मारतीय रिजस्ट्रोडरण श्रीधनियम, 1908 (1908 का 16) के अथीन, तारीख फरवरी 1985,

कर पूर्वोक्स सम्परित के उचित बाजार मुख्य से कम के दृश्यमान ब्रितिफ ल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृख्य, उसके दृश्यमान प्रतिफ ल से, एसे दृश्यमान प्रतिफ ल का पन्तक प्रतिकत्त से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निसिखित उद्दोश्य से २०१ अंतरण कि सिख में बास्तिक अप से कथित नहीं किय गया है:---

- (क) बन्दरण से हुई किसी नाय की नावन उक्त अधि-निवम के बधीन कर दोने के बन्दरक के दायित्व में कमी करने या उत्तसे वचने में तृतिभा के लिए; व्यट/या
- (क) होती किसी बाव का किसी भन वा कर्च बास्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, सा भन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वार प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाडिए था, कियाने में सुविधा के सिए;

अक्षः अब उक्त विभिनियम की भारा 269-न के अनसरक वी, वी, सक्त अभिनियम की भारा 269-क की उपभादा (1) वे अभीन, निम्नतियिक स्मिक्तियों, अभीव हिल्ला (1) श्रांतित मोता नन्दा सुपुत्री िशात कुमार चाउडा, पतित श्रांताल नन्दा, तिवासी---सी-163, डिकेंग कालोनी, नई दिल्लो।

(अल्डार्ह)

(2) मे० ग्लोब हाई-फैन्ड प्रा० लि०, हैं विग इट्ड राजस्टर्ड आरोफाड एन-10, कानाट डकंड, नई दिल्ली। चेनारमैं ते श्री के० के० चेलाडा पुत्र जो० डी० चेलडा, क्विसां---37, पूडा रोड, नई दिल्ली। (अटारेडो)

कार्यसह सूचना जारी कारके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के निल्ध कार्यवाहियां करता हुं।

जन्म संपरित के वर्णन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्थान की राजपत्र में प्रकाशन की तारी है है 45 दिन की अविधि या तत्मम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविधि, को भी कविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त स्पिक्तयों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्वान के राजपंत्र में प्रकाशन की नारीच के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी जन्य व्यक्ति द्वारा, अधाहस्ताक्षरी के पास निवित में किए वा धर्मगं।

स्पब्दृक्तिरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-नियम के अध्याम 20-कं में परिभाषित है, यही नर्भहोगा. जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुम्ची

प्रौ० वेरिगत० -के-19, होज खास, नई दिल्ली। तादादी---386 वर्गगण।

> श्रार० पी० राजेण सक्षम प्राप्ति ∴री सहायक श्रायक्तर श्रायुक्त (विरीक्षण) श्रजेंन रेंज-3,कई दिल्ली

तारीख: 9-10-1985

मोहरः

प्रकृष कार्ड . टी . एन . एस . -----

आयवर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा भारा 269-भ (1) के अभीन सुभना

भारत सरकार

क्षार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज्⊶3, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 9 अक्तूदर 1935

िदेश सं० अई० ए० सिं०/एक्यू०/3/एउ०-आर्र-3/2→ 05/909---अतः मुझे, आर० पी० राजेश, बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके परणात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है'), की धारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है' कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1.00.000/- रा. से अधिक है

- (क) बन्तरण में हुई किसी बाम की बाबत, उक्त अधिनयम के अधीन कर दोने के बन्तरक के दायित्व चें कमी करने या उससे बचने में सुविधा के । लए; और/या
- (म) एमी किसी आय या किसी धन वा अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थं अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अस, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारः (1) की अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

- (1) श्रीनती दमित कीर पत्नी रिवस्त दिह झानख निवासी---3329, रनजीत नगर, नदी दिल्ली। (झन्तरक)
- (2) श्री सुदेश कुमार भितिन (एघ०--पू०--एफ०) सुदेश कुमार भीक्षित, श्रीमती सुदेश बाहा भीजित, पत्नी सुदेश कुमार भीजित, मास्टर गीरिव भीजित, मास्टर निकम भीजित श्रील माहिए पुत्र श्री सुदेश कुमार भीजित, निवासी----24/2, मेतरोड, शिक्त नगर, दिस्ती ।

(भन्तिरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां ऋरटा हो।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकारन की तारीख पी
 45 दिन की अविधि बा तत्संबंधी व्यक्तिकों पर
 सूचना की तामील से 30 दिन की अपीर, जो भी
 अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्वींगद व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस राजना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस स 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पन्ति में हित-द्वथ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरें।

स्पष्टि, करणः -- इसमें प्रयुक्त कव्दों और पदों का, जो उक्त आयकर कथितियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याण 20-क में परिभाषित है, कही अर्थ होंगा करें उस अध्याय में दिया एया है।

जन संची

हाउच सं० 16/2368, गली सं०14, सादावी-227 वर्ग गम, खाएस सं० 393, रुपावा 'एन' वे निपुरा, दशमेशपुरा, करोड दाम, नई दिल्ली।

> आर० पी० राजेश सक्षम प्राधि ारी राहायक श्रायक्तर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रोजेन 3, दिल्ली, नई दिल्लीन-110002

विनोत्तः : 9--10--35

प्रकप बाह्र ,टी. एन. एस -------

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण)

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अधीन स्चना भारत सरकार

वार्यात्रय, तद्दावक पायकर भावस्त (मिरीक्रक)

म्रर्जन रेंज-3, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 9 ग्रक्तूबर 1985

निदेश सं० प्राई० ए० सो०/एक्यू०/3/एस०⊸ग्रार→3/2— 85/992—-ग्रतः मुझे, श्रार० पी० राजेश,

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (चिसे इसनें इसकें पश्चात् 'उन्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को वह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपत्ति, विसका जीवत वाबार भून्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० एच-447, है तथा जो न्यू राजेन्द्र नगर, नई दिल्ली में स्थित हैं (श्रीर इसमे उपाबद्ध श्रनुसुची पूर्ण रूप में वित्तिण हैं), राजस्ट्रीकर्ता श्रिधनारी के कार्यालय, नई दिल्ली में राजिस्ट्रीरण श्रीधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रीधीन दिनांक फरवरी 1985,

को पूर्वोक्त तम्पत्ति के उचित वाधार मृत्य से कम के ज्याचान प्रतिक्रण को लिए अन्तरित की गई है और मृत्रों यह विकास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संशील का अधित वाधार भृष्य, उत्तके व्ययमान प्रतिक्रत ते, ऐते असमान प्रतिक्रण का पंत्रह प्रतिक्रत से अधिक है और अंतरक (अंतरका) और अंतरिती (बन्हरितियाँ) के बीच एवं अन्तर्य के किए तब पावा पंता प्रविक्त क्षा निम्मीसिक्ष स्क्षेत्र वे उचके बन्तर्य विविद्य के वास्त-विकास का वे अधित नहीं विकास क्षा है क्षा-

- (क) सन्तरण वे हुई किसी आय की नायत उचत विध-प्रिम्ब में अधीय कड़ दोने के बन्दारक के शांवित्व के सकी शहने वा सबसे कचने के सुन्धा के फिए; ब्रोड/वा
- (क) एसी किसी बाय वा किसी थन या बन्य आस्तिवों की, जिन्हों भारतीय बाय-कर व्यक्तिवयम, 1922 (1922 का 11) या उनत विजित्यम, वा धन कर व्यक्तिवयम, वा धन कर व्यक्तिवयम, 1957 (1957 का 27) जे प्रयोजनार्थ बन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिनाने में स्विभा के लिए;

अतः अब उक्त विधिनियम की धारा 269-ग के वनुसर्व में, में, उन्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---\$3---316GI|85 (1) श्री चरनजीत लाल धयन पुत्र स्व० डा० रामजीदास धवन, निवासी——एस— 27, ग्रेटर कैलाण—2, नई दिल्ली

(अन्तरक)

(2) 1. श्रीमती इन्दिरा सहगल 2. कुमारी निलम सहगल 3. श्रादिविष्पा चन्द्रामण्या श्रलमाद, एच-447, न्यू राजेन्द्र नगर, नई दिल्ली , श्रलटरनाटिवली 26/9, श्रोल्ड राजेन्द्र नगर, नई दिल्ली, एट प्रैसन्ट श्रार-567, (पहली मंजिल), न्यू रान्जेंद्र नगर, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को वह सूचना जारी करके पूर्वोक्तः संपत्ति के वर्षन के शिक् कार्यवाहियां करता हुं।

जनत सम्पत्ति के अर्थन के संबंध में कोई भी बाबोध हू---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की ताड़ी वें 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियाँ पद सूचना की तामील से 30 दिन की बविध, को और वविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में में किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (व) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवक्ष किसी अन्य व्यक्ति द्वार अधोहस्ताक्षरी के पाक लिखित में किए जा सकांगे।

रमध्यीकरणः -- इसमें प्रयुक्त सन्दों और पदों का, को समस अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभावित इ., वहीं अर्थ होगेर जो उस अध्याय में विका गया है।

वनसूची

सरकारी बने हुए नवार्टर सं०-एन - 447, न्यू राजेन्द्र नगर नई दिल्ली, तादादी-- 200 वर्ग गर्ज /

> श्चार० पी० राजेश सक्षम प्राधिकारी सहायक श्चासकण श्रायुक्त (निरीक्षण) श्चर्जन रोज-3, दिल्ली, नई दिल्ली—110002

दिनांक : 9~10**~8**5

मोद्वर 1

वक्त बाह् . टी. एवं . एवं ..----

नायकर निभिनियम, 1961 (1961 का 43) का भाष 269-न (1) के ननीन स्वना

तास्त तरकार

कायाबाव, सञ्जानक कावकार नाय्क्स (निरीक्त) ग्रर्जन रेंज-3, नई विल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 8 मन्दूबर 1985 िनिर्देश सं० ग्राई० ए० सी०एक्यू/3/एस०-म्रार→3/2-85/ 994---ग्रतः म्झे, श्रार० पी० राजेश,

बावकर मिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परणात् 'उकत मिनियम' कहा गया हैं), की भार 269-स के अधीन सक्षम् प्राधिकारों को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाबार बूक्व 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

ग्रीरजिसकी सं० एम-16 है तथा जो मालविया नगर, नई दिल्ली, में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद ग्रनुसूची में पूर्ण रूप से क्रिणत है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली, में भारतीय रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन दिनांक फरवरी 1985,

को पूर्वेक्ति सम्पत्ति के उधित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रितिकल के लिए अन्तरित की गर्द है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि वधापनोंकत नंदित का अवित बाजार ब्रह्म, उसके दल्यमान प्रतिक स से, एसे अयमान प्रतिक स का पंत्रह प्रतिकत्त से स्थित है और नंतरक (जंतरकों) और नंतरित (अंतरितियों) के बीच देने बन्तरण के विद् तय नाम क्या प्रदिक्त कर निम्निलिखत उद्वेष्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तिकक कप से किथा नहीं किया गया है :——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की वाचक, उचक अभिनियम के वर्षीन कर दोने के बस्तरण के दायरण में कमी करने का उससे बचने में सुविधा के सिए; बॉर/मा
- (क) एंबी किसी बाय वा किसी धन वा बन्न कार्तिकों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रशोधनार्थ जन्ति एती ब्वारा प्रकट नहीं किसा क्या था वा किया धामा वाहिए था, कियाने में जिल्हा के लिए;

- (1) श्र**ीमती दयावन्ती पत्नी श्री पू**रन लाल खेडा निवासी → एन -- 4, मालविया नगर, नई दिल्ली (ग्रन्तरक
- (2) श्रीमती साविद्धी खन्ना पत्नी श्री सायन दास खन्ना, निवासी—-ए म- 16ए, मालविया नगर, नई दिल्ली (श्रन्सरिसी)

को सह कृषमा पारी करके प्यॉक्त सम्पत्ति के कर्षन के जिल्ह कार्यमाहियां करता हो ।

बन्द बन्दीत्व से वर्षम् से स्वयून्य में सोर्च भी नामोद्ध--

- (क) इस स्वना के राज्यत्र में प्रकाशन की तारीच ने 45 दिन की जनति वा तत्त्रसम्भी स्मित्तयों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अनिप्, जो भी नविष् वाद में तमाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर स्मित्तवों में से किसी समित्त स्मारा;
- (क) इस स्थान के राज्यन में प्रकारन की शारीय ते 45 दिन के भोधर उन्नत स्थानर सम्पत्ति में हितनपूर्व किसी सम्य व्यक्ति द्वारा मधोहस्ताक्षरी से पास सिन्दित में किस जा सकेंगे।

स्वयान्तरणः--इतमे प्रमृत्तः वन्ये स्रीर पर्यो सा, स्री क्यमं स्रीत्रिवन् , से क्याम 20-क में प्रतादिक हा, बही नर्थ होगा को तथ् अध्यान में दिवा क्या ही।

अनुसूची

प्रो॰ नं॰ एम-16ए, मालविया नगर, नई दिल्ली, तादादी-

म्रार० पी० राजेश सक्षम प्राधिकारी महायक भ्रायकर स्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजेंन रेंज-3, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, अक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपवास (1) अधीन, निम्नीलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ३---

दिनांक : 8-10-5

प्रचल जार्स <u>स्थारी स्था</u> सुरव हुल्लाक स्थानक

आप्तकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-प (1) के विधीन सूचवा

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक बादकार बाव्यक (विद्रक्षिण)

श्चर्जन रेंज-3, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 8 अन्तूबर, 1985

निदेश सं० श्राई० ए० सी०/एक्यू०/3/एस०-श्रार-3/2-85/8995--श्रतः मुझे, श्रार० पी० राजेश,

साय कर भाषात्रयम . 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-क के जधीन सक्तम प्राधिकारी की मह विकास करने की कारण हैं कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उपित बाजार मून्छ 1,00,000/- रहे. से अधिक हैं

ग्रीर जिसकी सं० प्रो० सं० 16/1507, है तथा जो नाईवाला करोल वाग, नई दिल्ली में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय नई दिल्ली में भारतीय रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिनयम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन, दिनांक फरवरी 1985,

को पूर्वोक्त सम्मिति के उपित बाबार मून्य सं कम के दश्यमान शितफल के लिए बंतरित की गई है और मूम्मे यह विश्वास करने का कारण है कि स्थापूर्वोक्त सम्पत्ति का उपित श्वास मूस्य, उसके दश्यमान पोतासन से एकि एक्स्मान की तन्ति का पन्तह प्रतिकृत से बिधक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (बन्तरितियों) के पीच एंसे अन्तरण के लिए तय गया गया प्रतिकृत, निम्नसिवित उप्रवेश्य से उन्त अन्तरण विशिव्य में शस्तिकृत स्प से क्षित नहीं किया प्रवाह है

- (क) बंतरण संहुई किसी बाय की बायत, उक्क अधि-नियम के जभीन कर दोने के अंतरक के समित्य औं कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; बॉर/ना
- (स) ऐसी किसी बाय या किसी धन या बन्च वास्तियों की जिन्हें भारतीय वायकर नीभनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त वाप्रिनियम, या धन-जन प्राथिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयांजनार्थ अंतरिसी ब्वारा प्रकट नहीं किया यवा था वा किया जाना वाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।
- अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) अक्षिपीन, दिस्नोलिखित ज्याक्तयां, अधादः :—

- (1) श्रीमती वीरा वाली पत्नी श्री हुक्म चन्द बागा निवासी---59/41, पंजाबी बाग,नई दिल्ली। (श्रन्तरक)
- (2) श्री भ्राशचाराज लाल भरोड़ा पुत्र श्रीवेशराज भरोड़ा निवासी—15/42, पंजाबी बाग, नई दिल्ली (भ्रन्तरिती)

की वह बूचना बादी करके पूर्वोक्त सम्मत्ति के वर्षन के सिद् कार अर्थहर्ग करता हो।

दक्त सम्पत्तित के अर्थन के सम्बन्ध में कोड़ भी आक्षेप :---

- (क) इत स्थान के रायपण में प्रकाशन की तारीय है 45 विन की जबीभ या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थान की तामीस से 30 विन की शबिभ, औं भी जबीभ बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवेक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (च) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीश के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास निवास में किए वा सकेंगे।

स्वच्दीकरणः ---- इसमें प्रयुक्त कर्यों और पर्वों का, जो उक्त विधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं वर्ष होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

बैरिंग स॰ 16/1507, गाईबाला करौल बाग, नई दिल्ती ।

श्रार० पी० राजेग सक्षम प्राप्तिकारी सहायक श्रायकर श्रायकत (केरीक्षण) अर्जन रेंज-3 दिल्ली, नई दिल्ली-110002

दिनाक : 8-10-85

प्ररूप शाहै.टी.एव.एस.-----

भावकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालया, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-3, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 10 प्रक्तूबर 1985

निदेश सं० श्राई० ए० सी०/एक्यू०/3/एस—श्रार-3/2-85/ 996—श्रत: मुझे, श्रार० पी० राजेश,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उधित बाजार मृल्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

ष्मीर जिसकी सं० हाउम सं० 85, है तथा जो ब्लाक 'ए' साउथ एक्सटेंशन सकीम पार्ट-2, नई दिल्ली में नियत है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप में वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय पिजस्ट्रीकरण श्रधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय पिजस्ट्रीकरण श्रधिकाम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, दिनांक फरवरी, 1985

को पूर्विकत सम्पत्ति को उचित बाजार मूल्य सं कम के रूपमान प्रतिकार को लिए अन्तरित की गर्द है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है

कि यंत्रापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से, एसे दृश्यमान प्रतिकल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और वंतरक (वंतरकों) और वंतरिती (वंसरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्मलिखिल उक्षेण से उक्त अन्तरण लिखित में यास्तिक रूप से कथित किया गया है:---

- (क) अन्तरण सं हुई किसी आय का बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोन के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अचने में स्विधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर आंतियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रवट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

जरः अब, उक्त अधिनियम की पारा 269-ए की अनुसरण बै भी, उक्त आधीनयम की भारा 269-ए की उपधारा (1) के अधीन: निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

- (1) एस० श्रजीत सिंह पुत्र डा० श्रर्जुन सिंह, एस० जगत सिंह पुत्र एस० मुल सिंह, निवासी—वैगकोक, थाईलैण्ड, ब्रारा श्रटारनी सरदार ए० एच० चावला पुत्र मुल सिंह निवासी—जी—9, ग्रीन पार्क एक्सटेंशन, नई दिल्ली। (ग्रन्तरक)
- (2) श्रीमती णारदा नागपाल परनी श्री पी एन० नागपाल निवासी--ए-430, डिफेंस कालोनी, नई दिल्ली (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

जक्त संपोत्त के अर्ज्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारींख सं 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर भूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रविक्श व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीध सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्तिः में द्वित-बद्ध किसी व्यक्ति दवारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पब्हीकरण :— इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याग में दिया गया है।

अनुसूची

हाउस सं० 85, ब्लाक 'ए' तादादी-197. 5 वर्ग गज, नई दिल्ली, साउथ एक्सटेंगन स्कीम पार्ट~2, नई दिल्ली ।

> ग्रारः पी० राजेश सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-3 दिल्ली, नई क्लिली-1100002

दिनांक : 10-10-85

प्रकृष आहे . टी . एन् . एस . ------

भागकर मिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अभीन स्चना

नाइत सङ्कार

कार्यालयः, सहायक आयकर आयुक्त (निर्दाक्तिण) ग्रजन रेंज-3, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनाक 10 श्रक्तूबर 1985

निर्देश सं० श्राई० ए० सी०/एकपू०/3/एस०—श्रार—3/2— 85/999—स्त्रतः सुझे, श्रार० पी० राजेश,

बायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चाए 'उक्त अभिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-स के अभीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विख्वास करने का कारण है कि स्थावर सण्पत्ति, जिसका उधित बाजार मूच्य 1,00,000/- रु. से अभिक हैं

1,00,000/- क. सं अधिक ही
श्रीर जिसकी सं अधि सं ० 90/16-ए, है तथा जो मालिया
नगर, नई दिल्ली में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची
में पूर्णरूप से बिण्त है), रिजम्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय',
नई दिल्ली, में भारतीय रिजम्ट्रीकरण श्रिधकारी के कार्यालय',
नई दिल्ली, में भारतीय रिजम्ट्रीकरण श्रिधिकारी के कार्यालय',
1908 का 16) के श्रिधीन, दिनांक फरवरी 1985
को पूर्वेक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान
प्रतिकान के लिए अन्तरित की गई है और मूम्में यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त मंपत्ति का उचित बाजार मूल्य
उसके दश्यमान प्रतिकल से, एसे दश्यमान प्रतिकल का पन्त्रह
प्रतिक्त से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती
(अन्तरितयाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए स्थ पाया गया
प्रतिकल, निम्मिलिखत उद्ध्वस्थ से उक्त अन्तरण लिखिस में

वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है ।:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाझत, उक्स अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या जन्म आस्तियाँ क्ये, फिन्हू भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा नकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्वैका से सिए;

मतः जब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुमरण में, में उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन : निम्मीलियत व्यक्तियों, अर्थान :---

- (1) श्री एम० सी० वासवानी पुत्र श्री जे० वासवानी निवासी---बी--1/51, मालविया नगर, नई दिल्ली। (श्रन्तरक)
- (2) श्री प्रेम प्रकाश पुत्र लाला बुटा राम भौर श्रीमती पुष्पावती पत्नी, श्री प्रेम प्रकाश, निवासी—90/16—ए, मालविया नगर, नई दिल्ली।

(भ्रन्तरिती)

्को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्षन के संबंध में कोई भी वाक्षेप :----

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीश्व से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी क्विथ बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवेक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
 - (च) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्तिः में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

न्यव्यक्तिरण :--इसमें प्रयुवत शब्दों और पदों का, श्रो उनक्ष अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषितः हैं, बहु अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गयः हैं।

वन्स्यौ

जी० हो० पी०, प्रो० बैरिंग सं०-90/16-ए, तादादी-100 वर्ग गज, मालविया नगर, नई दिल्ली ।

> श्रारः पी० राजेश सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजेन रेंज-3, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

दिनांक : 10-10-1985

माहर 🛚

वस्य वार्षे ही एवं एक :-----

नायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यासय, सहायक जायकर नायुक्त (विरक्षिण); श्रजीन रेज-3, नई दिखली

नई दिल्ली, धिनांक 8 श्रक्तूबर 1985 निर्देश सं० ग्राई० ए० सी०/एक्यू०/3/एस०-श्रार-3/2-8 5/1001--श्रतः मुझे श्रार० पी० राजेश,

वायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसकें इसकें प्रचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269--च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विकास करने का कारण हैं कि स्थावर समंत्रि, जिसका उन्धत नाजार मृस्य 1,00,000/-रा. से अधिक हैं

भीर जिसकी सं० 4-बी/62, है तथा जो श्रोल्ड राजेन्द्र नगर, नई दिल्ली में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से बाजित है), राजिस्ट्रीकर्ता ग्राधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय राजिस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, दिनांक फरवरी 1985,

को पूर्वकित संपरित के उपित बाबार मूल्य में कम के स्वयमान अतिकाल के निए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि वश्यपूर्वोक्त सम्मरित का उपित बाबार मूल्य, उसके स्वयमान प्रतिकल से एते स्वयमान प्रतिकल का वन्त्रह प्रतिक्षत से विश्व है और बन्तरक (बन्तरका) और बन्तरित (अन्तरितवा) से बीच एसे अन्तरण के लिए तब बाया गया प्रतिकल, निम्नतिबत उद्देश्य से उक्त अन्तरण कि बुद्ध में वास्तविक स्य से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) कर्षण में हुई किसी नाम की नामतः, असतः विधिक्षित्र के जभीन कर दोने के जन्तरक की दावित्त्र ,नें कमी करने या उससे वचने में सुविधा के सिए¦∖जीर∕वा
- (क) एकी कि की या कि की भन वा अल्ल बास्तियों को जिक्हों भारतीय नायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) वा उक्त अधिनियम, या भन-कर निधीनयम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या कि या जाना चाहिए था, कियाने में सुविधा डेलिए।

- (1) श्री सुरिन्दरा महलोत्ना 1506/27, नाईवाला करौल बाग, नई दिल्ली (ग्रन्तरक)
- (2) श्री रमन चावला 6/29, श्रोल्ड राजेन्द्र नगर, नई दिल्ली। (श्रन्तरिसी)

को यह सुचना चारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

जनक तम्बन्ति के वर्षन के संबंध में कोई भी वाक्ष्य :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की बविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामीन से 30 दिन की अवधि, को भी वविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रविश्व व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति व्
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 4.5 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मति में हितबद्ध िक सी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास ति। बित में किए वा सकोंगें।

बन्स् भी

4--बी/62, श्रोल्ड राजेन्द्र नगर, नई दिल्ली ।

स्रार० पी० राजेश सक्षम प्राधिकारी सहायक स्रायकर स्रायुक्त (निरीक्षण) स्रर्जन रेंज 3, दिल्ली, नई दिल्ली—110002

नतः नवः, उक्त निप्तियम की भारा 269-ग के ननुसरकः में मैं उभत निभिनियम की भारा 269-म की उपभारा (1) को अर्थान, निम्निलिसित व्यक्तियों, अर्थात् :--

दिनांक : 8-10-1985

प्रकृष् वाद् . दी . दन् . एव . -----

भायकर मिथिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) में सभीन सूचना

LIZA CHAS

कार्यातय, सहायक वायकर वायुक्त (निर्दोक्षण). श्रर्जन रेंज~3, नई दिल्ली

नई दिल्ली, विनांक 8 अक्तूबर 1985

निर्देश सं० श्राई० ए० सी०/एक्यू०/3/एस—धार—3/2—85/1003—-श्रतः मुझे, श्रार० पी० राजेश,

नावकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् उक्त अधिनियम' अहा नया हैं), की चारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विषवास अरने का कारण है कि स्थावर सम्पति, विसका उचित बाबार मूक्व 1,00,000/- रा. से अधिक है

स्रोर जिसकी सं० 643/644, है तथा जो डक्कल स्टोरी, न्यू राजेन्द्र नगर, नई दिल्ली में स्थित है (स्रौर इससे उपाबद्ध स्ननुसूची में पूर्ण का ने विणा है), रजिस्ट्रोकर्ना स्रधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण स्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के स्रधीन, दिनांक फरवरी 1985,

की पूर्वेक्ति संपत्ति के उचित बाजार मूच्य से कम के द्रस्यमान प्रतिफल के लिए अन्सरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूच्य, उसके द्रश्यमान प्रतिफल से, ऐसे द्रश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिक्कल, निम्निलिखित उद्वेदय से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिविक स्प से कथित नहीं किया गया है 🖫

- (क) मन्तरण से हुई किसी जाय की बाक्त, उक्त अभिनियस के अभीच कार दोने के अन्तरक के राजित्य में कामी कारने वा उक्त क्यने में सुविचा के थिए: नीर/या
- (क) एसी किसी जाय या किसी भन या जन्य आस्तिकों को, जिल्हों भारतीय जात-कर जभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उद्धा अभिनियम, या भन-कर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनीय अन्तिरिती व्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मृतिका के लिए;

- (1) श्रीमती शकुन्तला सेठ पत्नी श्री पी० एन० सेट निवासी----642, डबल स्टोरी, न्यू राजेन्द्र नगर नई दिल्ली । (श्रन्तरक)
- (2) श्री सुभाप चन्द्रा बतरा पुत्र श्री बी० डी० बतरा, निधासी—एफ-250, न्यू राजेन्द्र नगर, नई दिल्ली (ग्रन्तरिती)

को यह सुचना बादी करके पृक्षीका सम्मत्ति के वर्तन के अध् कार्यनाहियां करता हूं।

उन्ह पुरन्ति। के वर्षन् में प्रध्नारम में कोई भी जासीर :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीज़ से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामीस से 30 दिन की जबिध, जो शी नदिध नाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी स्परित द्वारा;
- (क) इस स्कान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी जन्य व्यक्ति इवारा अधोहस्ताक्षरी के पाध निच्छ में किए था सकेंगे।

लच्छी अपूरण:--इसमें प्रयुक्त बच्चों और वर्धों का, जो अवस अधिनियम के अध्याय 20-क में वरिश्रायित है, यही अर्थ होगा को उस अध्याय में विया गवा है।

भनुसूची

प्रो० बैरिंग सं० 643/644 इबल स्टोरी, न्यू राजेन्द्र नगर, नई दिल्ली, तादादी—123.66 वर्ग गज ।

स्रार० पी० राजेश, सक्षम प्राधिकारी, महायक स्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) सर्जेन रेंज-3 दिल्ली, नई दिल्ली—110002

कतः अत्र, उक्त अधिनियम कौ धारा 269-व के जनसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) हे अधीन, निम्निसिखित व्यक्तितयों, अधीतः हिन्स

विनांक : 8-10-85

प्ररूप आई.टी.एन.एम.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निर्काक्षण)

भ्रजंन रेंज-3, नई दिल्ली नई दिल्ली, दिनांक 8 श्रक्तूबर 1985 निर्देश सं० श्राई० ए० सी०/एक्यू०/3/एस०-ग्रार-3/ 2-85/1005--श्रतः मुझे, श्रार० पी० राजेश,

बायकार सिंपनियम, 1961 (1961 का 43) (विश्व इसमें इसके पश्णास 'उक्स अभिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-व के अभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति विसका उचित बाबार मूल्य 1,00,000/- रुठ. से अधिक ही

ष्मीर जिसकी सं० एन-4 है तथा जो मालविया नगर, नई दिल्ली, में स्थित है (श्रीर इमसे उपाबद्ध अनुमुची सें पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ती अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रजिट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक फरवरी 1985,

को प्रोंक्त सम्पर्ति के उचित बाजार मूल्य है कार के क्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते रह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्योंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृश्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान रित्तिष्क का पंद्रह प्रतिखत से अभिक है और नंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तम पता गवा प्रति-फल निम्निशित उद्देश्य से उच्त अन्तरण निम्निश्त में बास्त-विक क्य से क्षित नहीं किया गया है हुन्न

- (क) बन्तरण वे हुई किसी बाब की बायत उक्त बीध-नियम के अधीन कर दोने के बन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सविधा के लिए, बीर/वा
- (क) दंबी किसी बाद वा किसी भन वा कंच आस्तिवाँ को, विक्हें भारतीय वाय-कर विधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त विधिनियम, या वय-कर विधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिसी द्वारा प्रकट नहीं किया गया वा या किया बाना वाहिए था. कियाने में सुविधा के तिक्;

(1) श्री हरी बन्ध राय पुत्र वजीर चन्द शिखा, निवासी—वी~65, ईस्ट श्राफ कैलाश, नई दिल्ली ।

(श्रन्तरक)

(2) श्रीमती दया बन्ती पत्नी श्री पो० एल० खेड़ा, एन-4, भालविया नगर, नई दिल्ली। (श्रन्तरिती)

को बह सून्वना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्बनाहियां सूक करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के कुर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियां पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निचित में किए का सकेंगे।

स्पन्दिकरण: इसमें प्रयूक्त शब्दों और पदों का, जो उनस अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं नर्थ होगा को उस अध्याय में विया नवा है।

अमुस्ची

एन-4, तादादी-200 वर्ग गज, मालविया नगर, नई दिल्ली ।

> भ्रार०पी० राजेश मक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज–3 दिल्ली, नई दिल्ली–110002

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण बैं, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपभादा (१) के लुधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अधीत ्र-क

दिनौंक : 8-10-85

प्ररूप बाह्र .टी. एम. एस. ------

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-थ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायक आयकर आयकत (निरीक्षण) अर्थन रेंज-3, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 8 अक्तूबर 1985

निदेश सं० श्राई० ए० सी०/एक्पू०/3/एस०-आर--3/2-85,1006--श्रनः मुझे, श्रार० पी० राजेश,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्क अधिनियम' काला गया है) की धारा 269-खं के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिन्छा जिल्हा बाजार मूल्य 1,00,000/- का से अधिक ही

स्रोर जिसकी सं ० 1/5068-73, है तथा जो सन्त नगर, नई दिल्ली में स्थित है (स्रीट इनसे उपावण अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजिस्ट्रोकर्ता गधिकारी के कार्यालल, नई दिल्ली में भारतीय रिजिस्ट्रोकरण श्रिविनियम, 1908 (1908 का 16) के स्रधीन दिनां कि फरवरी 1985,

को प्रॉक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के द्रयमान प्रतिफाल के लिए अन्तरित की गई है और मृभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्वींक्त सम्मत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दर्यमान प्रतिफाल से एसे दर्यमान प्रतिफाल के पन्द्रह प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती बन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया ग्या प्रतिफाल, मिम्नलिखित उद्देष्य से उक्त अन्तरण विक्ति में सास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है :—

- (क) बन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत, उत्कल बिधिनियम के बधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; बौर/बा
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन- कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नही किया गया था या किया जाना चाहिए था, स्थिनने ये मुविधा के निए।

अहा अब, उभन अधिनियम की भारा 269-म **के अनुसरण** में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्निविधित व्यक्तियों, अर्थात् :--- 34--3!6GI|85

(1) श्री मृत्कोत दिह,
 नि । सि—1/5068, सन्त नगर, करौल बाग,
 नई दिन्ती ।

(अन्तरक)

(2) धोमती सर्वत ान्ता सर्मा, तिरासी—- ा/5078, सन्त नगर, नई दिल्ली । (ग्रन्तरिती)

कारे यह सूचना प्रारो कारके पूर्वोक्त सम्पन्ति, के अर्जन के निए कायसाहिता शुरू करता हुए ।

उभ्रत सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध मी कांई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्वना के इक्तिय के प्रकाशन की तारीख ते 45 दिन की अमिश का अस्थानकी व्यक्तियाँ पर स्वना की तारीख से 36 दिन की अमिश, जो भी अर्घाध वाद को समान्त होती हुई, के भीतर पृथींकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा:
- (स) इस सूचना के राजपत्र भी प्रकाशन की तारील से 45 दिन के शीवर उक्त स्थावर सम्पत्ति मो हित- बद्ध किनी की किन द्यारा, अधोह्य क्षरी के पास लिखित मों किमी जा सकींगे।

स्पष्टिशिरण: ---इत्मे तथान शान्ते और यद्यो का, जो जकत अधिनियात को अध्याद 20-क प्र अधिनियात को अध्याद 20-क प्र अधिनियात हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

ग्रनुमूची

प्रोप्त मंत्र 1/5068--73, यन्त नगर, नई दिल्लो ।

श्रार० पी० राजेश ाक्षम प्राधिकारी पहायस ग्रापकर शायकः (निरीक्षण) श्रजेन रेज—3, दिल्लो, नई दिल्लो—110002

दिनांक : 8-10-85

मोहर 🖫

प्रकृप आर्ड . टी. एन . एस . ------

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ध (1) के अभीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
श्रर्जन रेंज-3, नई दिल्ली
नई दिल्ली, दिनांक 10 श्रवतूबर 1985
निर्नेश मं० श्राई० ए० मी ्रिन्यू०/3/एस०-आर-3/285/1009--श्रतः मुझे, श्रार० पी० राजेण,
शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमे पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के

आयकर आधानयम, 1961 (1961 का 43) (जिस इसम पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीत सक्त प्राधिकारों की, यह विशास करने का कारण हैं कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रक. से अधिक हैं

और जिनकी मं० प्रो० एफ-5, है तथा जो माउथ एक्सटेंजन, सकीम पार्ट-2, नई दिल्ली में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण का से वींगत है), रजिस्ट्रोक्की अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रोक्कण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अभोन, दिनांक फरवरी 1985,

को पृवोकत संगत्ति के उचित बाजार मृन्य से क्रम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अदिरत की गई है और मृझं यह दिश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वाकत संपत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अन्तरकों) और अन्तर् रिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित मे वास्तिबक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या जक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अबः, उक्त अधिनियम की धारा 269-म के अनूसरण में, में, उक्षत अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन. निम्तिलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

(1) श्रीमती जगनीत कीर राव पत्नी एम० करम सिंह राव निवासी → एफ - 14, एन-डी--एस - ई, पार्ट-2, नई दिल्ली ।

(भ्रन्तरक)

(2) श्रीमती गुलजीत कौर पत्नी श्री एस० एस० ग्रहलुवालिया, निवामी → डी/2-49, पण्डारा, राड, नई दिल्ली (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति है अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हो।

उस्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की जाने हैं जे 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, क भीकर पूर्वित व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की नारील से 45 दिन के भीतर उक्त रथावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति ध्वारा, अभंहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण:---इसमं प्रयुक्त शब्दों और पदों था, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क मे यथा परिभाषित है, यही अर्थ होगा जो उक्त अध्याय में दिया गया है।

अमुसूची

बनो हुई प्रो० सं० एफ०-5, तादादी-328 वर्ग गज, नई दिल्ली माउथ एक्सटेंशन रकोम पार्ट-2, नई दिल्ली।

> श्रार०पी० राजेश नयभ प्राधिकारी सहायक भ्रायकर स्रायुक्त (निरीक्षण), श्रजेन रोज-3, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

दिनांक : 10-10-85

प्रकृत नाहाँ, टी. एवं इस .-----

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन स्चना

भारत चरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरोक्तण) अर्जन रेज-3, मई दिल्ली

नर्ष दिव्ली: विनांक 9 प्रवतूबर 1985 निर्देश सं० भ्राई० ए० मो०/एस्यू०/3/एस०-श्रार-4/ 2-85/1421--प्रतः मुझे, स्रार० पो० राजेश,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (भिसं इसमें इसके परवाद, 'उक्त अधिनियम' कहा गया है'), की धारा 269-ए को अधीन सम्बन्ध प्राधिकार। की, यह निक्तास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य,

1,00,000/- रा. से अधिक हैं।

श्रीर जिनकी सं० प्रो० मं० 2/499, है तथा जो खनरा सं० 642, ग्राम गोण्डनो, श्रालाईन आहरना, दिल्ली में स्थित है (ग्रीर इनव उपाबह श्रानु सूचा में पूर्ण रूप संवर्णित है), रिजस्ट्री-कर्ता श्रीय हारों के हायोजन, नई दिल्ली में भारतीय रिजस्ट्री-करण श्रीधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, दिनांक फरवरी 1985,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उक्ति बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकत के लिए अन्तरित के गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिकृत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और बंतरिती (अंतरितियों) के बीच एमें बतरण के लिए त्य गया गया प्रतिक्ष्त मिन्निसित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निस्ति में वास्तिबक रूप से किथत नहीं किया गया है :—

- (क) बन्तरण संहुई किसी नाय की वावत, उक्त नियम के अभीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (थ) एसी किसी जाय या किसी थन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती इवास प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में युविधा के लिए;

बतः वयः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग कै बनुसरण भा, माँ उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा ं (1) अ भागितः, निम्नीरुश्वित व्यक्तियों, अधाति हन (1) श्री जय राम दान पुत्र स्व० श्री रामदास निवासी--261, तेलोबाडा, शाहदरा, दिल्ली ।

(भ्रन्तरक)

(2) श्रो राजेन्द्र प्रकाश पुत्र स्व० श्री मुरारी लाल निवामरे-2/299, नेलावाड़ा, घाहदरा, दिल्ली । (श्रन्तरिता)

को यह सूचना जारी करके पृथीवत संपरित के वर्षन के विक् कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्थना के राजपत्र में प्रकाशन की तार्रांख से 45 चिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर गूनता की तामील से 30 दिन की अविधि, आंभी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीता पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति व्यक्ति हा
- (ब) इस भूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में ।हत-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

सम्बद्धीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो सक्स अधिनियम को अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ हांगा वां उस अध्याय मा िया नया है।

मनुसूची

वरिंग बनी हुई प्रो० नं०2/499, तादादी—112 वर्ग गज, खनरा मं०—642, प्राम—चन्द्रावली भलाई ग शाहदरा, प्राबादी तेलीबाडा भाह्यरा, दिल्ली ।

श्रार० पी० राजेश सक्षम प्राधि कारी सहायक श्रायकर श्रायकः (रिरंक्षण) श्रजंन रेंज-3, दिल्ली, नई जिल्ली→110002

दिनाँक : 9-10-85

प्रस्प आर्ष, टा. एव. एस. -----

भागकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धार ⊭69-5 (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

काथालय, सहायक आयकर आएक्त (निरोक्षण)
 म्र्यंत्र रेंग-3, नई दिल्लो
 नई दिल्ला, दिनौदः 10 सक्तूबर 1985
 निर्देश सं० आई० ए० सा०/एका/3/एस-म्रार-4/2-85/1422--माः मुझे, कार० परि० राजेग्र,

नायकर आंभिनियम. 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमे इसके परभात् 'उन्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन नक्षम प्राधिकारी के यह विश्वास करने का कारण है जिल्लावर सम्बंध का जिल्लाकार मृत्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

श्रौर जिलकी सं अो० सं० ६82-ए, है तथा जो श्राम—बन्द्रा-वाली अलाईज शाहदरा, दिल्ला में स्थित है (श्रीर इनमें उपाबढ़ अनुसूची में पूर्ण का से विणित है) रिल्ह्येशर्ला प्रधिकारी के कार्यालय, भई दिल्ला में पारतोब रिजिट्लोहरून श्रिधिनयम, 1908 (1908 जा 16) के अञ्चल दिल्ला करारों 1985,

1908 (1908 का 16) के अबील कि कि करायों 1985, को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाबार भूत्य से कम के दूरपमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई और मुझ यह निश्वास करने का कारण है कि यथाभूबेंक्ति सम्पत्ति का उचित बाबार भूल्य, उसफे दूरपमान प्रतिफल से एरी दूरपमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) बौर अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीध एक अन्तरण के लिए तम श्वाम गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्ध्यस से उनत अम्बरण किया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्ध्यस से उनत अम्बरण किया गया प्रतिफल स्प से अधित नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण में हुई किसी अप की बाबस, उक्क अधिनियम के सधीन घर दोने के अन्तरक के काधिक मा कर्म कारत या प्रती बायन मी सुविधन क रूप, और/या
- (१) एसी िन मी आय या किये अन या प्रस्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकार अधिनियम, 19:7 (1957 का 27) के अधाननार्थ अन्तर्रेशने देन ए अधार ने से किया जाना वाहिए था कियाने में सुविधा के लिए;

क्स: अब उक्त उधिनियम की धारा 269-ग के पन्सरण कों, में उक्त अधिनियम की धारा 263-घ की उपधारा (1) को अधीन, निम्नलिम्बित व्यक्तियों, अथित :--

- (1) श्री लौचा राम् गुष्ता पुत्र स्व० श्री चन्दर भान गुष्ता, नि ।सी----682-ए, काबुल नगर, शाहदरा, दिल्ली (श्रन्तरक)
- (2) श्री पवन कुमार लाट पुत्न श्री राधे ण्याम लाट, श्रीमती प्रमात्ना देत्री, पत्नी श्री राधे ण्याम लाट, नियासी——682—ए, काबुल नगर, शाहदरा, दिल्ली (ग्रन्तरिती)

को यह सूंचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां कनता हुं ।

उक्त राम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारींख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख स 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मित में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के शम लिखित में किए ज सकेंगे।

स्पद्धोक रण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, को उनत अधिनियम के अध्याय 20-क में पीरभाषित है, वहीं अर्थ होगा, को उस अध्याय में दिया गया है है

अनुसूची

बनी हुई प्रो० सं० 682-ए, तादादी-140 वर्ग गज, ग्राम-चन्दावाली, भ्रलाईज शाहदग, ग्राबादी, श्राफ काबुल नगर, शाहदरा, दिल्ली ।

> श्राटणपील राजेश सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-3, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

दिनॉक : 10-10-85

शोहर ध

प्रकार कार्यः, टी. एन्. एस.

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रजीन रेंज-3, नई दिल्ली

नई दिल्लो, दिनांक 9 अक्तूबर 1985

निदेश मं० आई० ए० मो०/एक्यू०/3/एस-प्रार-4/2-85/1423--प्रतः मुझे आर० पी० राजेश,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पद्मात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-इ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मृत्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

स्रीर जिसकी सं० 10, है तथा जा न्यू राजधानी इनक्लेब, दिन्ती में स्थित है (श्रीण इससे उपाबड़ अनुसूची में पूर्ण इप से वणित है), राजग्द्रीकर्सा स्रधिकारी के कथित्य नई दिल्ली में रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, दिनांक फरवरी 1985,

को पूर्वोवत सम्मंहित के उचित बाबार मूल्य से कम के दिख्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विद्यास करने का कारण है कि यथापृत्रोंक्त सम्पित्त का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एमें दृश्यमान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिज्ञा से अधिक है और अंतरिक (अंतरोकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एमें अन्तरण के लिए एवं पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबर, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के सिष्; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों करों, जिन्हों भारतीय आयकर अंतिर्यम, 1922 (1922 का 11) या उदल अधिनियम, या प्रन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

ात: धव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरफ में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) कुं अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात :---

- (1) श्रीमती समलेश बन्यल पत्नी श्री ग्रो० पी० बन्सल निवासी—-10, न्यू राजधानी बन्क्लेस, दिल्ली। (ग्रन्तरक)
- (2) श्रीमती उमा श्रग्रवाल पत्नी श्री बी० बी० श्रग्रवाल, श्री बी० वी० श्रग्रवाल, पृत्न श्री एम० एक० श्रग्रदाल, निवासी—जी-98, प्रीत विहार, दिल्ली । (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हु।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के मम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूजना के राजपण मा प्रकारन को तारीख ६ 45 दिन की जनीं मा तत्संबंधी व्यक्तियों एर सूजना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी वर्षी बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृत्रोंकर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति हुगारा,
- (ख) इस सूचना के राजपत्र मां प्रकाशन की तारीख कें 45 दिन के भीवर उक्त स्थावर सम्पत्ति मों हिसबद्ध किसी अन्य अधिकत द्वारा अनाहस्ताक्षरी की पास निश्चित मो किए बा सकति।

न्यष्टोकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदा का, जो उकत अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित, हैं, वहीं अर्थ हारेगा जो उस अध्याय में विया गया है।

ग्रन्सूची

10-न्यू राजधानी इन्क्लेब, दिल्ली ।

श्चार० पी० राजेण सक्षम प्राधिकारी सहायक श्चायकर आयुक्त (निरीक्षण) श्चर्जन रेंज-3 दिल्ली, नई दिल्ली-110002

दिनांक : 9-10-85

प्ररूप् आइ" टी. एम्. एस्. ------

सायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

क्यांनय, सहायक नायकर नायक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज- 3, नई दिल्ली

नई दिल्ला, दिनांक 10 ग्रस्तूबर 1985 निदेश सं० भाई० ए० सी०/एक्यू०३/एस०-प्रार-2/ 85/1424-- अतः मुझे, ग्रार० पी० राजेण,

नायकर अधिनियम, 1961 (1961का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी कां, यह विश्वास करने का कारण हुं कि स्थायर 'सम्पत्ति, जिसका उषित बाजार मृत्य 1,00,000/- रा. में आधिक ही

ग्रीर जिसकी सं० प्लाट सं०-6, प्रो० नं०-1/496, है तथा जो फैण्डम कालोनी, नई दिल्ली, में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध भ्रनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में रिजरद्वीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनांक फरवरी 1985

का पर्वेक्ति संपत्ति के उचित बाजार मृत्य ३ कम के दश्यमान लिए अन्तरित कः गप्ट करने कारण है मुभी यह विश्वास का यथापुर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मुल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एेसे इच्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तिविक रूप से कथित महीं किया गया हैं:---

- (क) मन्तरण में हुई किसी आम की माटत, अक्त अधिनियम को अधीन कर दोने के अन्तरक को दायित्व मो कभी करने या उससे बचने मों सुविधा केलिए; और/या
- (क) एसी किसी बाय वा किसी धन या वस्य जास्तियाँ को, जिन्हीं भारतीय आय-कर अधिवियम, 1922 (1922 का 11) या उकत विधिनियम,, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया भाषाकियाजाना चाहिए था, छिपाने भें भूतिभा के लिए;

अतः अवः, उक्त अधिनियमं को धारा 260 ग के। अनसरण था, मी, जिल भागानयम की यारा 269-ए की अपधारा (1) क अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

(1) 1. श्री कृष्णा चन्द्रा रस्तंगी 2. श्री विपिन चन्द्रा रम्तोगी, 3. श्री रमेश चन्द्रा रस्तोगी, पुत्र स्व० श्री गाला राम रस्तोगी ानशमा—-4868/2-ए, 24, दरिया गंज, नई दिल्ली

(अन्तरका)

(2) 1. श्री जिन्दर कुमार (एच०-यू०-एफ) द्वारा कर्ताश्री जतिन्दर कुमार पुत्र श्री किती चन्द श्रग्रवाल 2. श्री योगेश कुमार (एच०-यू०-एफ०) द्वारा कर्ता श्री योगेश कुमार पुत्र श्री किर्ती चन्द ध्रग्रवाल, 3. श्री विनोद कुमार (एच० यू०-एफ) कर्ता श्री विनोद कुमार, पुत्र श्री किर्ती कुमार चन्द प्रग्रवाल श्रौर 4. श्रीमती निर्माश्रयवाल पत्नी श्री रोहित श्रम्रवाल , निवामी--4, बीं० डीं० ईस्टेट, तिमारपुर,

दिल्ली

(ग्रन्तरिती)

की यह सूचना जारी करके पुर्वेक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हु।

जनत संपत्ति के अनग के संजय पा कोई भी धाराय

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख रें 45 दिन की अवधिया तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त च्यानियनो र य किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख स 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हिलक्दभ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिचित में किए वा सकेंगे।

म्पष्टीकरण:---इसमें प्रमुक्त शब्दों और पदौं का, अधिनियम के अध्याय 20-क में है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

यनमुचा

बना हुया प्लाट नं०-6, तावादी-500 वर्ग मिटर, म्यूनि-मियल सं० 1/496, फैंडस कालोनी, जी० टी०रोड, शाहदरा, गली नं ० - २, दिल्ली - 32, ग्राम-झिलमिला निमारपुर, फैंण्डम कालोनी, इण्डद्गिल एरिया ।

> श्रार० पी० राजेश सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर त्रायुक्त (निरीक्षण) म्रर्जन रेंज-3 दिल्ली, नई दिल्ली-110002

दिनांक : 10-10-85

प्रकार मार्ग , दी , वृत्र , पृत्र , जनवन्त्र , जनवन्त्र ,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भाग 269-व (1) के अभीन स्थना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज -3, नई दिल्ली नई दिल्ली, दिनांक 9 अक्तूबर 1985 निदेश सं १ प्राप्त ए० सा०/एका०/3/एम-आर 2-85/1425----- अत. सुसं, आए० ५१० राजेण,

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ख के अधीन, सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर मंपित्त, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रा. से अधिक हा

ग्रोर जिनकी पंज्ञे-2/8, है तथा जो कृष्णा नगर, ग्राम गोण्डली, शाहदण, दिल्ली में स्थित है (श्रीर इसे उपाबद्ध श्रतुसूची मे पूर्ण रूप से वर्षि हो), राजिस्ट्रीकर्ता राधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में रजिष्दीकरण श्रिधिनयम, 1908 (1908 का 16) के अजीन दिमांक फरवरी 1985, में पूर्वीवत संपरित के उचित बाजार मून्य से काम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अवस्ति को गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके रूपमान प्रतिफाल से, एसे रूपमान प्रतिफाल का पंद्रह प्रतिशत से ऑधक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों के बीच एंसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-फाल निम्नलिसित उद्दोश्य ये उक्त अंतरण लिसित में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरन संहुई किया नाग को धावल, उक्स मधिनिषय के मधीन कर दोने के नामारक खे दामित्य में कमी करने या उत्तरों बचने में सुविधा के लिए: बार/बा
- (का) ऐसी किसी बाय या किसी भन या अन्य जास्त्रको को, जिन्ही भारतीय वाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त विधिनियम या भन-कर विधिनियम, 1957 (1957 का 27) क प्रयाजनाथ करां करी हातरा प्रकट नहीं किया गर्या **भागा कि**या जाना माहिए के, क्रिक्स का साध्य के लिए:

बतः वव, उपत अभिनियम की धारा 269-ग के अनसरण में, में., उक्त अधिनियम की धारा 269-घ को उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:--

(1) श्री प्रेम चत्द बन्सल पुत्र स्व० श्री कृपाल राम जे-2/8, कुष्ण तगर, दिल्ली ।

(भ्रन्तरक) 🕟

(2) थो बी० अहर महस्याना पृत्व श्री राम चन्दर

के~ 7, कृष्ण नगर, दिल्ली ।

(भ्रन्तिरती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हां।

उक्त सम्परित के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप .--

- (क) इस सुचनाको राजपत्र में अकाशन की सारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सुचनाकी तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्वॉब्स व्यक्तिसर्वे में से किसी स्पन्ति बवारा;
- (स) इस सुधना के राजण्य में प्रकाणन की तालीस भी 45 दिन के भीतर उन्त स्थाबर मपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहरताक्षरी के पार लिसित मा किए वासकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जरे उक्स अधिनियम को अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिशा न्या है।

अन्त्वी

बनी हुई भी ० ईस्टर्न प्रोसन प्लाट मं ० जे-2/8, तादादी-101 वर्ग गज, आबादी-कृष्ण नगर, ग्राम, गौण्डली भाहदरा, दिल्ली।

> शार० पी० राजेश सक्षम प्राधिकारी महायक प्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज 3 दिल्ली, नई दिल्ली-110002

दिनिक 🕆 9-10-85

प्रकषः आहे. टी. एन्. एस., -----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यात्वयः, सक्ष्मकः आयकार आयकाः (निर्दाक्षकः) अर्जन रेज, 3, नई दिल्ली नई दिल्ली, दिनांकः 9 अक्तूबर 1985

निर्देण मं० स्राई० ए० सो०/एक्यू०/3/एस—स्रार-4/2--85/1428—स्रतः मुक्ते, भ्रार० पी० राजेण,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें बसके पञ्चात 'उचत अधिनियम' कहा गया हो, की धारा 260-थ के अधीन सक्षम पाधिकारी को यह विषयस करने का कारण हो कि स्थावन संपत्ति, जिसका उधिम माजार मृत्य 1.00,000/- का से अधिक ही

श्रीर जिसकी तं । श्री । श्री तह सं । 215, है तथा जो सं ० – डी – 6/13) कृष्ण नगर, दिन्ती में स्थित हैं (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप ने जिणत हैं), रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिनयम, 1908 (1908 का 16) के श्रिशीन, दिनांक फरवरी – 1985,

को पूर्विक्त सम्पति के उनित बाजार मूल्य से कम के श्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूर्फ यह विश्वास करने का कारण है कि वश्यपूर्वेक्त संपित्ति का जाचत बाजार मूल्य, उसके श्रयमान प्रतिफल में, एसे श्रयमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत में अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय गया गया प्रतिफल, निम्मनिषित उद्देष्य से उक्त बन्तरण सिक्ति में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरह के दायित्व में कभी करने या उससे अधने में शृविधा के लिए; और/मा
- (क) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आयंकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, था धन- अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनाथं अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

कतः मव, उक्त विधिनियम की धारा 269-ग की वनुसरक भी, भी, उक्त विधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के बधीन, निम्मालिखित ब्योजिन भी, अर्थात :--

- (1) सूत्रेशर मेजर (रिटायर्ड) मोहन सिह पुत्र श्री एस० जोगिन्द्र सिह, निजासी—डी-6/13, कृष्ण नगर, दिल्ली । (श्रन्तरक)
- (2) डा० ग्रार० के० कपूर पुत्र श्री ग्रो० पी० कपूर, ग्रीर डा० विनिता कपूर पत्नी श्री ग्रार० के० कपूर, निवासी---जे-1, कृष्ण नगर, दिल्ली। (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त संपत्ति के बर्जन के संबंध में कोई भी साक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तिहर्यों दर सूचना की तामील में 30 दिन की अविधि, जो भी अधिक बाद मो समाप्त हांती हों, के धीतर प्रवेक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा:
- (स) इस मुचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीध से 45 दिन के भीतर जनत स्थावर संपरित में विस्वत्य कि.मी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहरताक्षरी के ध्रम कि.नेन में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमं प्रयुक्त शब्दां और पदां का, जा उक्त अधिनियमं, के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गमा है।

अनुसूची

प्रौ० म्रोल्ड सं० 215 (न्यू डी--6/13) तादादी--233-1/3, वर्ग गज, तादादी, ग्राम-गौण्डली, कृष्ण नगर, दिल्ली। प्रारंग पी० राजेण सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) प्रजीन रेंज-3, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

दिनांक : 9-10-85

प्ररूप बाइ'.दी.एन.एस. ------

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के जभीन सुभना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज-3, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 4 ग्रक्तूबर 1985
निदेश मं ० श्राई० ए० सी/एक्यू०/3/37ईई/2-85ह/795---

जानकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिले इसमें इसके परचात् 'उन्त अधिनियम' कहा गमा हैं), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि बचाप्नोंकत सम्मति का उच्चित बाजार मूक्य 1,00,000/- रु. ते अधिक हैं

म्रतः मुझे, भ्रार० पी० राजेश,

ग्रीर जिसकी सं 0 33, है तथा जो दया नन्द विहार, दिल्ली में स्थित है (ग्रीर इसमे उपाबड़ ग्रनुमूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय, ग्रर्जन रेंज्—3, नई दिल्ली, ग्रायकर ग्रिधिनियम, 1961 के ग्राधीन, दिनांक फरवरी, 1985,

को पूर्वोक्त सम्परित के उचित बाजार मृतय से कम के द्यामान प्रितिफन के लिए जन्तरित को गई है और मृत्रे यह विक्यास करने का कारण है कि सभाप्यंक्ति संपरित का उचित आजार मृत्य, उसके दश्यमान अतिफन से एसे दश्यमान प्रतिफन का पन्द्रह प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (जंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तम पामा गमा प्रतिफन कन निम्निमिति उद्योगिय से अक्त अन्तरण कि सित में बान्तिक का का से अधिक कही किया मान्य हैं :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के १९४७ त्या किसी करने या जगाय अधने के स्विधा के सिए: और/बा
- (था) इसी किसी जान वा किसी अब ना नन्त आरिसार्वी की, विन्ही आरसीन नामकर नीधीनवसन, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर नीधीनवसन, 1957 (1957 का 27) के प्रवोधनार्थ नामारिसी ब्वाहा प्रकट नहीं किया नवा भा का फिला कारा नाहिस का, कियाने में सुविधा की सिए;

- (1) श्री श्रमरजीत मिह दुग्गल पुत्र श्री मनोहर सिह दुग्गल । निवासी—-एन-26, रजौरी गार्डन, नई दिल्ली । (श्रन्तरक)
- (2) श्री नारवन कुमार साराश्रोगी पुत्र श्री राम गीपाल साराश्रोगी, निवासी—23/4780, श्रन्सारी रोड, दरिया गंज, नई दिल्ली

(भ्रन्तरिती)

को यह स्थना भारी करके पृष्ठीकन संपर्तित के अजन हैं लिए कार्यवाहियां करता हा।

जनत सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :----

- (क) क्षम मुख्या के राजपन में प्रकाशन की लागीए से 45 दिन की निर्माण सा सत्यास्त्राणी व्यक्तियों पर स्थान की मानील में 30 दिन की अवधि, की भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त स्थितियों में से किसी व्यक्ति दुशरा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अभोहस्ताक्षरी के पास विक्रित में किए जा सकींगे।

'पथ्यीकरण:--इसमें प्रमुक्त सन्ते कर नदी का, को उनस विधिन्यन के अध्याय 20-क में परिभाषिक है, जहीं वर्ध होगा, को उस कथ्याय में टिया यक्षा है।

अनुसूची

तीन बैड रूम , एक जूबीन-कम-डाईनिंग, तीन टायलाटस, एक किचन, ग्राउण्ड फ्लोर श्रीर एक कमरा, श्रीर टायलाट पहली मंजिल, पर, प्लाट सं० 33, दया नन्द विहार, विकास मार्ग, दिल्ली, ताबादी—302.75 वर्ग गज ।

> श्रार० पी० राजेण सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्ष्म (निरीक्षण), श्रजंन रेंज-3, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

दिनांक : 4-10-85

बक्य शार्चा, टी. इस. एड. ----

बावकर बाधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा भारा 269-म (1) के अधीन सुधना

भारत तरकार

कार्यालय, सहायक बायकर बायक्त (निरीक्षक)

श्चर्णन रेंज-3, नई दिल्ली नई दिल्ली, दिनांक 4 अक्तूबर 1985 निदेण सं० श्चाई० ए० सी०/एक्यू०/3/37ईई/2-85/796---ग्रतः मुझे, श्चार० पी० राजेश,

नायकर निर्मानयम, 1961 (1961 का 43) (निर्मे इसमें इसके प्रमान 'उक्त अधिनियम' सहा गया हैं), की भारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपीता, विश्वका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रा. से जिलका है

ग्रीर जिसकी सं० पलैंट सं० 202, है तथा जो 22, कस्तूरबा गांधी मार्ग, नई दिल्ली में स्थित है ग्रीर इससे उपाबद श्रनुसूची में पूर्ण रूप से बणित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी के कार्यालय, ग्रर्जन रेंज-3, नई दिल्ली, भारतीय श्रायकर ग्रिधिनियम, 1961. के ,ग्रिधीन, दिनांक छरवरी 1985,

का प्वांक्त संपणि के उचित बाजार मृत्य से कम के क्राचान बितिफल को निए अंगरित की वहाँ हैं और मध्ये ग्रह निक्यास करने करने का कारण है कि मणाप्वोंकत संपत्ति का उणित बाजार मृत्य, उसके क्रमान प्रतिफल ते, ऐसे क्ष्मान प्रतिफल का पन्तह प्रतिशत से अधिक है और जन्तरक (अन्तरका) और अन्तरितीं (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पामा गया प्रतिफल , निम्नलिक्ति उष्हरेष्य से उच्त अन्तरण कि मिर्मासीक क्ष्म से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) जन्तरण संहुइं किसी जाव की वाबस, सक्त बीधिनियम के बधीन कर दोने के बन्तरक के दायित्व में कमी करने वा उसमें सबने में सृविधा के जिए; बाँड/बा
- ंश) ऐसी किसी नाय या किसी भन या अन्य जास्तियी की, चिन्हें भारतीय आवकर विभिन्निक, 1922 (1922 का 11) या उक्त अभिनिक्स, का धन-कर अभिनियस, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरती इवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, स्थिपान में सुविधा के किए,

बतः अधः, उक्त अधिनियमं की भारा 269-गं के बनुसर्गं कों, में, उक्त विधिनियमं की भारा 269-वं की उपभारा (।) के अधीर निम्निनिवित कवित्वों, वर्षातः—

- (1) श्रीमती सुषील कौर श्रीर एस० मजिन्धर सिंह, हाउस तं० 352, सेक्टर 9र्डी, चनण्डीगढ़ । (अन्तरक)
- (2) श्रीमती मधु गुप्ता और श्री रमेश गुप्ता, हाउस नं० 5212, जी० बी० रोड, दिल्ली। (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यकाहियां कुक करता हूं।

उक्त सम्बद्धि के वर्षन के सम्बद्ध में कोई भी वासीम :---

- (क) इस क्षता के राजपत में प्रकाशन की तारीय के 45 विश्व की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर कृत्यना की तानील से 30 दिन की अवधि, जो भी वर्षण बाब में बनाना होती हो, के भीतर पूर्वोनत कर्मक्तवों में ते कि की व्यक्ति स्वारा;
- (क) इस क्षण के राज्यन में त्रकासन की तारीय ने 45 बन के भीतर उसत स्थावर संपत्ति में हितवस्थ कि.सी सम्य व्यक्ति सुवारा सभोहस्ताक्षरी के गाम सिचित में किए वा संक्षिते।

स्वक्रीकरण: ---इतमें प्रवृत्त कर्मों मीत वर्षों का, में जवत श्रीधीनवय में अध्याय 20-क में परिभाषिक हैं, यही मुर्थ होना को उस मध्याय में विभा नया हैं।

अनुसूची

पलैट नं० 202, 22, कस्तूरबा गांधी मार्ग, नई दिल्ली।

श्चार० पी० राजेश सक्षम प्राधिकारी सहायक श्चायकर श्चाय्वत (निरीक्षण) श्चर्जन-रेंज 3, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

बिनांक: 4-10-85

प्ररूप आहाँ.टी.एन.एस. -----

कायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अभीन सूचना

भारत सरकार

कार्बालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण). भ्रर्जन रेंज, 3 दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 4 अक्तूबर 1985

मं० म्राई० ए० सी०/एम्यू/3/3/ईई/2-85/797→-म्रतः मुझे, म्रार० पी० राजेश.

आयकर जांधनियम 1961. (1961 का 43) (जिसे इसमें पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ख के अधीन सक्ष्म प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मून्य

1,00,009/- रु. सं अधिक हुँ
और जिसकी संख्या स्पेस नं डी' हैं तथा जो ई-4/15,
झण्डेवालान एक्सटेन्शन, नई दिल्ली में स्थित हैं (और इससे
उपाबढ़ प्रनुसूची में पूर्ण रूप से विणत हैं), रजिस्ट्रीकर्ता
प्रधिकारी के नार्यालय, अर्जन रेंज-3, नई दिल्ली, भारतींय
प्रायकर अधिनयम 1961, के अधीन, नारीख फरवरी. 198
को पूर्वोक्स संस्पत्ति के जीवत बाजार मूल्य से कम के क्यमान
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसक प्रथमान प्रतिफल से, एसे क्यमान प्रतिफल का
केन्न प्रतिकार सं अधिक है और अंतरक (अन्तरकों) और अंतरिती
(अन्तरितयां) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिइस निम्नां चिंतर उच्चरंग से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिवक
हन हे किथा नदी किया गया है :---

- (क) अंतरण से हुइ किसी बाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/मा
- (क) ए'सी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उस्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए भा, छिपाने में सुनिधा के लिए।

अवः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उबत अधिनियम की धारा 269-च की अपधारा (1) के अधीन, निम्मिशिक्त व्यक्तियों, अधीत :--- मै ० प्रशोका बिल्डर्स,
 ई-2/6, क्षण्डेचालान, एक्सटेन्शन,
 नई दिल्ली।

(ग्रन्तरङ्ग)

2. मैं० ईस्टर्न इन्टरीओरम प्रा० लि०, समबाबा चैम्बर, सीर पी० एम० रोड, बम्बई।

(भ्रन्सिरती)

को मह सूचना जारो करकं पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्ववाहिया करता हु।

जनत सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविध या तत्सवंभी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में सं किसी व्यक्ति द्वारा;
- (का) इस सुधना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- वद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्यारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: — इसमें प्रमुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में सभा परिभा-है, यही अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

नगत्त्व ची

स्पेम नं० 'डी'⊶मैंजनिन फ्लोर', ई-4/15, झण्डेबालान, एक्सटेन्णन, नई दिल्ली।

> श्चार० पी० राजेश सक्षम श्रधिकोर सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजेन रेंज, उ, दिल्ली

तारीख: 4-10-1985

१सम् आहो: टी. एत. एस ------

अस्थार लिशिनिधम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अभीन सुवना

भारत संस्कार

कार्यालय, सहायक नायकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज 3 दिल्ली नई दिल्लीं, दिनां ते 4 श्रक्तूबर, 1985 सं० श्राई० ए० सीं०/एक्यू/3/37ईई/2--85/798:---श्रत: मुझे, श्रार० पी० राजेण, श्रायकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इससं

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें क्स प्रधान जिस्ता अधिनियम कहा गया है), की धार 260-श के अधीन सक्षेत्र श्रीधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उजित शाजार मृख्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी संख्या फ्लैंट नं 17, पहलीं संजिल, है तथा जी वीं 5, राजेन्द्रा पार्क, नई दिल्ली में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप में विणित हैं) रिजिस्ट्रीकर्त्ता अधिकारीं के नार्यालय श्रर्जन रेंज-3, नई दिल्ली, भारतीय श्रायकर अधिनियम, 1961, के श्रधींन, तारींख फरवरीं,

को पूर्विवत सम्पत्ति के उचित बाबार मूल्य से कम के स्वयमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूफ्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विक्त सम्परित का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का बन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियां) के बीच एस अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-क्ष्य, निम्नितिश्वत व्यव्येष्य से अवत व्यन्तरण कि लिए तय पाया गया प्रति-क्ष्य, निम्नितिश्वत व्यव्येष्य से अवत व्यन्तरण कि लिए तथ पाया गया प्रति-क्ष्य, विम्नितिश्वत व्यव्येष्य से अवत व्यन्तरण कि लिए तथ से वास्त्र-

- (क) अवस्तान से हाई कियाँ नाय की सावस करना वृद्धिन अवस्था के मुपीन कर योगे में मुखाहक के सावित्य की कर्नी करने ना करने मुख्य में सूनिया के सिने; बार ना/
- (क) एसी किसी बाय या किसी धन या बच्च बास्तियों का, जिन्हों भारतीय बायकर जीधनियन, 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनियम, या धन-का अधिनियम, या धन-का अधिनियम, या धन-का अधिनियम, या धन-का अधिनियम, वा धन-का अधिनियम, विकास अन्तिर्ति क्वारा प्रकट नहीं किया नवा था वा वाना जाहिए था, जिनाने में बूरियमा की जिल्हा;

नतः क्या, उन्त विभिनियम की भारा 269-ग को, कनुसरण मो, मी, उन्त अभिनियम की भारा 269-ग की उपभारा (1) के सभीन, निस्सिन्सिक स्वीकार्यों, वर्षात् ध्—<

- मै० श्रशोक्ता बुल्डर्स एण्ड कन्ट्रम्शन, ६-2/6क झण्डेवालान एक्सटेन्शन, नई दिल्लीं। (श्रन्तरक)
- 2 श्री प्रान नाथ मी/ओ० पटना कृष्णा स्टोर, स्टेंगन रोड, पटना।

(भन्तरितीं)

का यहः सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपर्तित को कर्जन के लिख् ार्ववाहियां गुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :----

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी अमित्तवों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, वो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से फिसी अमित बुवारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपरित में हित- क्ष्मि किसी अन्य व्यक्ति स्वारा, अभोहस्ताक्षरों के गास सिकित में किए जा सकोंग।

स्थानकरणः ----इसमें प्रयुक्त करूरें और पदों का, को उनकें अधिनियम के मध्याय 20-क में परिभाषित हैं, तहीं अर्थ होगा जो उस मध्याय में विया गया है।

अन्त्र्जी

फ्लैट नं० 17. पहलीं मंजिल, बीं-5, राजेंन्द्रा पार्क, पूसा रोड, नई दिल्लीं

> आर० पी० राजेश, सक्षम श्रधिकारीं महायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, 3, दिल्लीं

तारींख: 4-10-1985

मोहर 🖫

प्रस्ता बाह्ये. द्वी. **एम. एव**ं चारण्य

बायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जः रेंज-3, नई दिल्ली

. नई दिल्लीं, दिनां : 4 श्रक्तूबर, 1985 सं० श्राष्ट्री० ए० सीं०/एक्यू/3/37ईई/2~85/799:----श्रतः ममे, श्रार० पीं० राजेश.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें पश्चात् 'उक्त अधिनियमा कहा गया हुं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हुं कि स्थायर संपत्ति जिमका उचित बाजार मूल्य

1,00,000/- रु. से अधिक हैं।
और जिपकी संख्या विंग नं वीं, 12, कार पाकिंग, हैं,
तथा जो 5, विज्ञानी ताना परेनन, नई दिल्ली में स्थित हैं
(और इपने उपाबद्ध "नुसूत्री में पूर्ण रूप से विंगत हैं)
रिजस्ट्री जिता पिश्वारी के अधीन राजिया, अर्जन रेंज-3, नई दिल्ली,
भारतीय आया र अधिनियम, 1961, के अधीन, तारीख
फरदरीं, 1985।

में प्लॉक्त भएपस्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के व्यवसाय प्रिति एल के लिए अन्तरित को गई है और मृभ्ने यह विकास करने का कारण है कि मथापूर्वोक्त सम्परित का उचित बाजार मृत्य, उसके देवसमान प्रतिफान से एके दश्यमान प्रतिफान के पन्तर्स प्रतिशत में अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) बौर कन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के निए तय तथा गया ग्रीपिका, निम्नितियत उद्देवस से उदस अन्तरण निस्तिस में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) जन्तरण सं हुई किसी बाप की बावत , खबत अभिनियम के अभीन कर दोने के जन्तरक कें दासित्य में कमी करने वा उससे बचने में सुविधा के सिए; और/वा
- (क) ऐसी किसी या किसी धन या अन्य बास्तियाँ को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या ए या अधिनियम, वा धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) की अयोजनार्थ अन्तरिती व्वार प्रकट गहीं किया जवा धा या किया जना वाहिए था, छिपाने में सुनिधा की किए:

क्ष्म: क्षाब. जन्म अधिनियम की धारा 269-व **वे बन्धरन** में, में, उक्त अधि^{निश्}म की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीर, निम्नीमिश्चित व्यक्तियों सर्थात्:— मै० नोम दत्त बुल्डर्स (प्रा०) लि०,
 56, अम्यूनिटीं सेन्टर,
 ईम्ट ग्राफ कैलांग, नई दिल्लीं।

(ग्रन्तरका)

2. श्रीं भ्रश्वनीं कुमार गीयल, मास्टर श्रमिल कुमार गीयल (माइनर) मास्टर श्रमत कुमार गीयल (माइनर) निषासी एम 285, ग्रैटर कैलाश→2, नई दिल्ली।

(अन्तरितीं)

स्रो बहु सूचना जारी करके पृथांकित सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

जनस सम्पत्ति के नर्जन के संबंध में कोएं श्री आसीप ः---

- (क) इस स्वान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 वित्र की अवधि मा तत्सम्बन्धी व्यक्तियों न्या स्वान की सामील से 30 दिन की अवधि , जो भी अवधि भाद में समाप्त होती हों, के भीतर पूर्वेक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी का से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निवित में किये कर सके गै।

स्वकारिकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त किश्वियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, को उस अध्याय में हिस्सा वृक्ष हैं।

अम्स्ची

कम्पलींट विंग नं० बीं, इन्मिटिंग 12, कारपार्विंग, लोबर ग्राउण्ड पलोर, बिल्डिंग नं० 5, निकातीं धामा प्लेस, नई दिल्ली।

श्रार० पीं० राजेश, सक्षम प्राधि गरी, महायक श्राय प्र श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंग-3, नई दिल्ली,

मारींख: 4-10-1985

मोहर 🖫

प्रक्य नाह[े].दी. एन . एच . -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की अपरा 269-भ (1) के अभीन स्मना

भारत तरकार

कार्यासय, सहायक नायकर नायुर्वेद (निरीक्षण) अर्जन रेज 3, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 4 भक्तूबर, 1985/

निदेश सं० श्राई० ए० सीं०/एक्यू/3/3 रईई/2--85/800:---श्रत: मुझे. श्रार० पीं० राजेश,

जायकर जिथिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-अ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को मह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,60,000/- रह. से जिथिक है

और जिमकों संख्या 5, है तथा जो बिकाजीं कामा प्लेस नई विल्लीं में स्थित है (और इतसे उपाबद्ध अनुसूचीं में पूर्ण रूप से बर्णित है), रजिस्ट्रीं ज्ता श्रीधनारीं के दार्यालय अर्जन रेज—3, नई दिल्लीं, शास्त्रींय आयान श्रीधनियम, 1961, के अर्धीन, तारींख फरवरी, 1985।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उणिस बाधार मूल्य से कम के क्रयमान प्रतिकल के लिए जन्दिस की गई है और मुओ यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त संपत्ति का उणित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल के पन्छह प्रतिकतः से अधिक है और अंतरक (अंतरकाँ) औम अंतरिती (अंतरित्वाँ) के भीच एसे अन्तरण के लिए सब पाया गया प्रतिफल, निम्नीलिखत उच्चेष्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किथदा कहीं किया गया है:—

- (क) कंग्सप्प से हुव किसी नाव की वासता, उपरा अधिनियम के वधीन कर दोने के बन्सरक के दासित्य में कनी करने या उससे वचने में सुविध्य के सिक्; बॉर/या
- (क) एसी किसी शाय बा. किसी भन बा अन्य आस्तिओं को, जिन्हों भारतीय आय-कर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अभिनियम, शा भनकर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) को प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना जाहिए था, क्रिपान से सुविधा के सिए:

बतः बन, उक्त अभिनियम की धारा 269-ए की अनुसरण भैं, मैं, उक्त अभिनियम की धारा 269-ए की उपधारा (1) के नामीन, निम्नितिवित व्यक्तियों, अर्थात् :--- मै० सोम दत्त बुल्डर्स प्रा० लि०,
 कम्युनिटी सेन्टर,
 ईस्ट ग्राफ कैलाश,
 नई दिल्लीं।

(भ्रन्तरक)

 मै० नरेन्द्र श्रानन्द (एच० यू • एफ०) श्रीमती निर्मल मानन्द, सीं० 202, डिफेंस कालोनी, नई दिल्सीं।

(श्रन्तरितीं)

को यह सुबना जारी करके पूर्वोक्त सम्प्रति के अर्थन के तिए कार्यवाहियां करता हुं।

उसत संपत्ति को वर्णन को संबंध में कोई भी वाक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पड़ सूचना की तामील सं 30 दिन की अविधि, जो बी अविध यां में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख है 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति इवारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिकित में किए जा सकेंगे।

स्यक्तिकरण:---असमे प्रयुक्त शब्दों बाँर पदाँ का, था उक्तू बिधानबम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, यही अर्थ होगा थो उस अध्याय में विका गवा है।

श्रनुसूची

कम्पलीट विंग नं० 'डी', कार्नटंग आफ 7, कार पार्किंग, लोचर ग्राउण्ड फ्लोर, बिल्डिंग नं० 5, बिकाजी कामा ज्लेस, नर्ड दिल्ली।

> ग्रार० पी'० राजेश, सक्षम प्राधिकारीं सहायक श्रायक्षर भायुक्त, निरीक्षण) ग्रर्जन रेज 3,नई दिल्ली

सारीष: 4-10-1985

त्ररूप बुद्धः टी. एम. एस.-----

भावकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्याजन, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

भ्रजेंन रेंज-3, नई दिल्ली

सई दिल्ली, दिनांवः 4 अवनुबर 1985

निवेश र्स०मा ६०ए० सी०।एक्यू। 3| 37ईई | 2-85| 801:-प्रतः मुक्ते, म्रार० पी० राजेश,

भागकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह जिस्सास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित गाजार मूल्य 1,,00,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सख्या एल० जी० 2, है तथा जो बिकाजी कामा प्लेस नई दिल्ली में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसुची में पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्त्ता अधिकारी के कार्यालय धर्जन रेज-3, नई दिल्ली, भारतीय श्रायकर श्रिधिनयम, 1961, के श्रधीन, तारीख फरवरी, 1985

को पृथिक्त सम्पत्ति के उधित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए कन्तिरत की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्पत्ति का उधित बाजार भूक्ष, जनके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का बंग्रह उतिकत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे जन्तरण के लिए तय पावा गवा किराक्त निम्नितियों उद्देष्य से उक्त अन्तरण लिखित में बालाबिक हम से किथा नहीं किया गया है:---

- (का) जनतरण ते हुई किसी आयः की बाबत, सनत नियम के जधीन कर दोने के अंतरक के वायित्व में कर्मी करने या उससे अजने में सुविधा के शिए; और/या
- (क्) एसी किसी बाथ या किसी धन या अन्य आरित्यों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, बा धनकर अधिनियम, बा धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया धा या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुविधा के लिए;

जत: उब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनूसरण मैं, में, उक्त अधिमित्रम की धारा 269-म की उपभारा (1) के अभीन, निम्मलिकित व्यक्तित्त्यों, अर्थात् :--- भाई मुफ्जीन निंह एण्ड पत्स (एच० यू० एफ०), मी० ग्रो/होदण प्रेसिडेन्ट, 4/23 बी, आशफ प्रती रोड, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

 श्रीमती निर्मल श्रानन्द, कुमारी बाईन श्रानन्द (माइनर), कुमारी भारती श्रानन्द (माइनर) निवासी सी० 202, डिफेंग कालोनी, नई दिल्ली।

(ग्रन्तरिती)

को बह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्ववाहियां करता हुं।

उस्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप "--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस में 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होता हो, के भीतर पूर्वेक्ति क्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस मूजना के राजपंत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्ष किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अक्षेहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्वच्छीकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषिक हौ, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

जनसमी

रिकिपिटन मं० एल० जी-2, लोबर ग्राउण्ड फ्लोर, 5, बिकाजी कामा प्लेस, नई दिल्ली, तादादी 325 वर्ग फिट।

श्रार० पी० राजेश, सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (तिरीक्षण) श्रजेंन रेंज-3, नई दिल्ली

मारीख: 4-10-85

मोह्नर:

भागकाः व्यक्तिसम्बद्धः 196३ (1961 का 43) की भारा ५,० घ (1) के अधीन मुचना

भारत नरकार

कार्यालय. सहायक आयकर बायुक्त (निर्देशक) श्रर्जन रोंज 3 दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 4 ग्रक्तूबर, 1985

मायकार अधिनियम. 1961 (1961 का 43) (विसं इसमें इसमें गुज्यान उपत लिधिनियम कहा गया ही). की धारा 260-क के अधीन सक्षण प्राणिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हो कि प्रावर सम्पत्ति, जिसका उपति सम्पर मृत्य 1,00,000/- रन. से अधिक ही

श्रौर जिसकी संख्या 305, है तथा जो 5/67 पदम सिंह रोड करोल बाग, नई विल्ली में स्थित है (श्रौर इससे उपा-बद्ध श्रनुसुची में पूर्ण रूप से विलित है), रजिस्ट्रीकर्त्ता श्रधिकारी के नार्यालय, श्रर्जन रेंज-3, नई दिल्ली, भारतीय श्रायकर श्रधिनियम 1961, के श्रधीन, तारीख फरवरी,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उणित बाजार मूल्य से कम के व्यवनाम श्रीतफल के लिए अंतरित की गई है और मुभे वह विकास कारते का जातक है कि प्रकापर्वोक्त संपत्ति का उणित बाजार मूख्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से एने दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अपिक है और अंतरक (अंतरका) और (अंतरितियों) हे बीक लोगे अंतरण के सिए तम पामा गया प्रतिक् क क, निम्निलियत उद्विषय से उस्त अन्तरण सिवित में बास्त-

- हैंक) कलारक से हुन्दें किसी जाय की बाबता, उक्त किंदिनबस की अधीन कर दोनें की अस्तरक कें बाधित्य में कमी करने या उससे बचने में स्विक्ट कि कि सा और/या
- (क) एत्मी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की एत्सी काम या अन्य आस्तियों 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किमा आना शाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

श्ररःः, श्रवः अक्त क्रांशिन्यमः, की धारा 269-त सी सनुसरकः मं अक्त अधिनियमः की धारा 269-व सी उपधारा (1) को स्थीनः, निम्नसिक्तिः व्यक्तिकाँः, वर्षात् मान्न मै॰ पाल मोहन अन्द्रकृशन कम्पनी,
 6/3792, जांदनी चौक, दिल्ली।

(ग्रन्तरक)

श्रीमती ऊषा माला,
 26, नार्थ एवेन्यू पंजाबी बाग,
 नई दिल्ली।

(भ्रन्तरिती)

को यह स्वना जारी करके पूर्वीक्त संपर्तित के अर्जन के किए कार्वनाहियां कुडता हुं।

क्ष्मच संपत्ति के वर्षन वाँ संबंध में कोई भी बाक्षप '----

- (क) इस स्वान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की अवधि ना तत्त्वस्वन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तानीस से 30 दिन की जबधि, को भी क्षमी वाद में समान्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वाय;
- (क) इत त्यान के राजपत्र के प्रकाशन की तारीक है 45 दिन के शीतर उक्त स्थावर संख्यात के हित-क्यूथ किसी जन्म व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के वास सिकित में किए का तकींगे।

स्वकानिकरणः ---इसमें प्रयुक्त सन्धी और पदों का, को उनस विधित्वम के लध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं वर्ध होगा को उस लध्याय में विद्या वर्षा हैं।

अनुसूची

नं० 305, दूतरी मीजिल, 5/67, पदम सिंह रोड, अक्ट्यू० ई० ए, करोल बाग, नई दिल्ली, तादादी 282 वर्ग फिट।

> श्चार० पी० राजेण, सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) श्चर्यन रें-ज3, दिल्ली

तारीच: 4-10-85

मोहरः

प्रथम बार्च हो ,युन हुनु हुनन्दरहरण्य

वानकर क[भीनवन, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के नभीन स्वना

भारत तरकार

कार्यासय, सहायक भाषकर शायुक्त (निरोक्तक)

श्रर्जन रेंज 3 दिल्ली

नई विल्ली, दिनांक 4 ग्रक्तूबर, 1985

निदेश सं० प्राई० ए० सी०/एक्यू/3/37ईई/2~85/805:--ग्रत मुझे, ग्रार० पी० राजेश,

बावकर बॉमिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिले इसमें इसके गरपाय जिले वापीनियम कहा गया है), की गए 269-च में बंधीन सक्षय प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण ही कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित भाषार मृज्य 100,000/- रा. से मधिक है

श्रीर जिसकी संख्या ए-1/31 है नथा जो जनक पुरी, नई दिल्ली में स्थित है (श्रीर इससे उपाबंद श्रनुसूची में पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, श्रर्जन रेंज→3, नई दिल्ली भारतीय श्रायकर श्रिधिनियम 1961, के श्रिधीन, तारीख फरवरी, 1985।

को पूर्वोक्त सम्मत्ति के उचित बाधार मृत्य चे काम के स्थानाव प्रतिकास के लिए अन्तरित की गई और भाको यह विश्वास

करने का कारण है कि यथाप्योंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, असके दृष्यमान प्रतिफल से, एसे दृष्यमान प्रतिफल का बन्द्र प्रतिप्रत ने बाधिक है और बंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया बतिक स, निम्नतिथित उद्देश्य के अन्तरण विविद्य में बास्तिक संग में कथित नदीं किया गया है :---

- (क) करवरण से हुन जिल्ली बाग की वावसं, ध्यक्ष महिन्दित्वय के बागीन कर दोने के सम्बद्ध्य के बहिन्द्रम के स्वती करने वा उक्क वयने के द्विधा के सिक्; क्षीर/वा

जत: शव, उक्त विभिन्नम की भारा 269-ग के जन्मरण कें, मी, उक्त विभिन्नम की भारा 269-ग की उपधारा (1) के ज्ञणीन निक्तिविक्त स्पक्तियों, वर्षात :— 36—316GI/85 1. शि जार १००० १००० १०६, निवासी—2.४८ शुर १९५२ आई० जी**० फ्लैट)** राजीरी महोत की दिल्ली।

(ग्रन्तरक)

श्री युत्तान पह्यः
 पुत्र श्री गदन चाः पह्यत्,
 निवसी 283/16 ए. विश्य गाईन,
 नई दिल्ली।

(श्रन्तरिती)

को यह बुचना भारी करक वृथोंकत सम्पत्ति के वर्षक से विक् कार्यवाहिकों करता हुं।

क्यत क्यारित के नर्बन के संबंध में कोई भी नाओर :---

- (क) इस सकान की राष्ट्रांत्र वर अकाशन की पारीय के 45 निवा को अध्या एकत त्यावर सम्पत्ति में द्विष्य नक्ष विकास सम्पत्ति में द्विष्य नक्ष विकास सम्पत्ति में द्विष्य नक्ष विकास सम्पत्ति में पांच किलीया के उन्हें अधिका ।

स्वक्रीकरणः इत्रमं प्रयक्ति भाष्टां भारतं का त्र अस्ति भिन्न तियस को ४ को 20-का में परिभाषित हैं। नहीं अर्थ प्राप्त कर अध्यास में विका गवा है।

प्लाट नं । 11 + 1/34, ने 12 + 105, नई दिल्ली तादादी 666 वर्ग मीटर,

ाहणक मी**क राजेश,** पक्षम प्राधिका**री** एवं १ १७४१ पर छश्युक्त (नि**रीक्षण)** एवं ४ रोज **3 दिल्ली**

तारीख: 4-10-1985

मोहरः

प्ररूप बार्षे, टी, एन, एस्। -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ख (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालयः, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
श्रर्णन रेंज 3 दिल्ली
नई दिल्लीः दिनांकः 4 श्रक्तवर 1985

आक्तर अधिनियम , 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिस्का उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

स्रोर जिसकी संख्या क्यार्टर नं० 7/40 है तथा जो स्रोत्क राजेन्द्र नंगर, नई दिल्ली में स्थित है (स्रोर इससे उपाबद सन्सूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीवन्ती स्रिधवारी के कार्यालय, प्रजेन रेंज→3, नई दिल्ली, भारतीय स्रायकर स्रिधिनयम, 1961, के स्रिधीन, तारीख फरवरी, 1985 को पूर्योक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के खरणमान प्रतिफल के लिए अन्तरिता की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यभान प्रतिफल से एसे खर्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितयों) के बीख एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा अदिर/श और∕या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः बन, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ज की उपधारा (1) के अधोन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् हि— श्रीमती निर्मेला देवी द्याया परनी श्री एस० पी० ग्रायां, निवासी 7/40, श्रोफड राजेन्द्र नगर, नई दिल्ली।

(ग्रन्तरक)

 श्री ध्रमोक कुमार पुत्र श्री चमन लाल, हाउस नं० 4295, गली नं० 59, रैगरपुरा करोल बाग, नई दिल्ली।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यत्राहियां फरता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपंत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तिमों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि आद में समाप्त होता हो, के भीतर पूर्विकत व्यक्तियों में में किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितसब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधे हस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण; --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदौं का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

मन संची

क्वार्टर नं० 7/40, श्रांत्य राजेन्द्र नगर, नई दिल्ली सरकारी क्वार्टर तादादी 85.9 वर्ग गज।

श्चार० पो० रा**जे**श यक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्चर्जन रेंज 3, दिल्ली

तारीखा: 4-10-1985

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की थारा 269 घ (1) के अधीन स्पना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकार आयुक्त (निरीक्षण) म्रर्जन रेंज-3, दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 4 ग्रक्तूबर 1985

निदेश मं० प्राई० ए० सी०/एक्यू/3/37/2-85/8807:---श्रतः मुझे, श्रार० पी० राजेण,

बायकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (विश्व इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थादर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

और जिसकी संख्या फ्लैंट नं० 104, हैं नथा जो प्लाट नं० 11, युमुफ सराय, नई दिल्ली में स्थित हैं (और इससे उपाबत अनुमूची में पूर्ण रूप से विणित हैं), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय प्रजन रेंज-3, नई दिल्ली, भारतीय आपकर अधिनियम 1961, के अधीन, नारीख फरवरी, 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के स्थमान प्रतिकल के लिए भन्तिरत की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उपित बाजार मृत्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह् प्रतिशत से स्थित है और प्रस्तरक (अन्तरकों) और बग्तिरत्य (अम्बरितियों) के बीच ऐसे भन्तरण के लिए तम पाया गया विकतः; निम्नलिखित उद्देश्य से उचत स्थारण सिकत में बाश्विक रूप से क्षित नहीं किथा रूस है :---

- (क) बन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोनें के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूबिधा के लिए; बार/या
- (स) एती किली आद या किसी धन या अन्य आस्मियों को जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, मा अन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा एकट नहीं किया गया था या किया जाना बाहिए था, छिपाने में श्रीकाम के लिए;

अत: अदा, उत्तर अधिनियम की धारा 269-ए के अससरण मो, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए की उपधारा (।) के अधीन, विकासिक व्यविदयां, अधीत्:--- श्रीमती लिलता थापां एण्ड मास्टर भूपेश थापर, निवासी के 31, ग्रीन पार्क, नई दिल्ली।

(श्रन्तरक)

 श्रीमती साधन नावला, भास्टर वत्न नावला, मास्टर करन वाला, मास्टर करन नावला, हाउस नं० 164, सेक्टर 11-ए, भण्डीगढा।

(श्रन्तरिती)

की यह सुचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्थन के लिए कार्यनाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी वाक्षेप :----

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीत उ 45 दिन की अत्रिथ या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अपन्ति, ा भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त स्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन को तारील म 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकते।

स्वकाषिकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, शो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

मन्स्ची

फ्लैट नं २ 104, पहली मंजिल, प्लाट नं ० 11, युमुफ साय, नई दिल्ली, तादादी 240 वर्ग फिट ।

> श्राप्तः पीः राजेण, सक्षम पाधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजीन रेज-3, दिल्ली

तारीख: 4--10--1985

गोहर 🖫

प्रश्चम व्याप्त े १९११ एम् प्राः, मननगडनगण्य-

वायकर व्यक्तियनः । 961 (1961 का 43) की साथ २६७-७ (३) के अधीन सुकता

भावाः सनकार

कार्यानव, महायक ६००कर माय्क्स (निर्वाधाण) ग्रामेन रेज-3, दिल्ली

नई दिल्ली, न्दिगांह म अन्तूबर, 1985

निदेश मं० आई०ए० शी०/५२२/3/37ईई/2→85/808→**-**भातः मुझे, श्रार० पी० राजेश.

बायकार विधिनियम, १९६३ ा १६३ का ४3) (विसे इसकें इसके पश्चात् (प्रावन भी भीता का का भाग हों), की धारा 269-ब के बधीन सक्षम प्राधिका भी का , यह विकास करने का कारण हों कि स्थायर संपत्ति भिन्नका का नावभागर मूल्य 1,00,000/-रु. से अधिक ही

और जिसकी संख्या गर्लट तर 308 है तथा जो ए-2, मिलन सिनेमा काम्पलकड, नई किर्ति म िगा है (और इसमें उपाबट अनुसूची में पूर्व क्य में वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्त्ता प्रधिकारी के कार्यालय, अर्थन रुजन् 3, नई खेल्ली, भारतीय प्रायकर अधिनियम, 1961, के अधीन, नारीख फरवरी, 1985

को पृषेकत सम्पत्ति के उपित नाजार मृष्य से कम के परवजान प्रतिफल के लिए अंति ति की मा हैं। आर मृफ्ते यह विश्वास करने का कारण हैं। कि बसायुनिक्त सम्पत्ति का उपित बाजार मृस्य, उसके दृश्यमान प्रीतफल से एसे दृश्यम न प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक ही और अन्तरक (अन्तरकों) और मन्द्रहा (अन्तरितियों) के सीच एसे अन्तरण के निए तव बाया गया प्रतिक्रल, निम्नितिवित उद्देश्य से उक्त अन्तरण जिस्तर में सास्तिविक रूप से कथित नहीं किया गया हैं:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय को बावत, उक्त विधिनियम के अर्थन कर पाने के इन्द्रारक के सवित्य ने कमी करने या असले समने में बुविधा के लिए; वार/या
- (च) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों जी, चिन्हीं भारतीय आयकर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अभिनियम, या भनकर अधिविजयम, 1987 (1987 का 27) के प्रयोजन के लिए का अधिविज्ञ के स्थितियों के लिए।

बतः जब सक्त क्षेत्रीय । एक १७८ १६०-**ग के अनुसरण** मो, मौ, उक्त अधिकि के २५ १८० १६०-१ की उपधारा (1) के अधीन: के ति । । । । । १०० – डा० विकास चन्दर कश्यप (एच० यू० एफ०), गणेश बिला, जं→212, सांकेत, नई दिल्ली।

(भ्रन्तरक)

2. श्री मोहम्मद जमशेद, 5104, कुदरजकुला स्ट्रीट, खुरेश नगर, सदर बाजार, दिल्ली।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना अ।री करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि वाद में समाप्त होता हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्वारा;
- (ख) इस मूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख है 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधे हस्ताक्षरी के पास जिल्लित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः --- इसमें प्रयुक्त धव्यो और पदों का, जो उक्त अधिनियमः, कं अध्याय 20-क में परिभाषित ह*, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

नगस ची

फ्लैंट नं० 308, ए-2, मिलन सिनेमा, काम्पलेक्स, नजफगढ रोष्ट, नई दिल्ली तादादी 365 वर्ग फीट।

> ग्रार० पी० राजेश सक्षम प्राधिकारी ,सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-३, दिल्ली

तारीख: 4~10-1985

प्रस्थ बार्ष्ट्, दी. एन. एस..------

नायकर विभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के वधीन जुवना

भारत सरकार

कार्यांत्रम, सहारक आयकार काम्युक्त (सिरीक्रण)

ग्रर्जन रज-3, दिल्ली]

नई दिल्ली, दिनांक 4 ग्रम्तूबर 1985

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परणात् 'उन्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-च के अभीन सक्षम प्राधिकारी को यह निक्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्मत्ति, जिसका उचित नामार मूक्य 1,00,000/- रु. से अभिक है

और जिसकी संख्या णाप नं०3, मेठी भवन 7, है तथा जो क, राजेन्द्रा प्लेस, पूसा रोड, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ना श्रधकारी के कार्यालय, अर्जन रेज-8, नई दिल्ली, भारतीय श्रायकर ग्रधिनियम, 1961, के श्रधीन, नारीख फरवरी, 1985

को पृष्डिक्त संपत्ति के उभित बाजार मूल्य सं कम के क्याबान ब्रिक्तिक के लिए अन्तरित की गई हैं और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण हैं कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उभित बाजार बूक्य, उसके श्रव्यमान प्रतिपाल से एसे श्रव्यमान प्रतिफल का बन्द्र शितवात से अभिक हैं और अन्तरक (अन्तरकार्ग) और अन्तरक (अन्तरकार्ग) के बीच अन्तरण के लिए तय वासा भवा प्रतिकाल निम्नलिक्ति उद्देश्य से उन्तर अन्तरण लिखित के बार्स कार्य के सार्वाचिक कर से कथित नहीं किया गया हैं :---

- (क) अन्तरण सं इंद्र किसी नाव की वावत उपत अहिंद निव्म के सवीय कर दंन के अन्तरक के वावित्व के कमी करने वा वससे तवने में सुविधा के किन्दे; आहि/का
- (क) एसी किसी बाय वा किसी बन वा अन्य बास्तियों की, विन्हें भारतीय वायकर विश्वनियम, 1922 (1922 की 13) या उक्त यथिनियम, या अव-कर विश्वनियम, या अव-कर विश्वनियम, 1957 (1957 की 27) के प्रवेशनार्थ अन्यरित ध्वारा अवट नहीं किया वया वा विश्वा जाना चाहिए था, कियाने में बृदियम के विषय;

श्रीमती कृमन्द गुप्ता,
 8क, सुन्दर नगर, नई दिल्ली।

(भ्रन्तरक)

श्रीमती मनजीत कौर,
 डी-245, निर्माण बिहार,
 नई दिल्ली।

(भ्रन्तरिती)

की वह स्वना चारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के बचन के विष् कार्यशाहियां शुरू करता हुं।

उक्त बन्दित के वर्षन् के बन्दन् में केंद्र' भी बाब्द् ह—-

- (क) इक सूचना के राजवन में प्रकाशन की तारील हैं
 45 दिन की नवीं ना तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
 की तासील से 30 दिन की नवीं प्रवेश भी नवीं वास में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्रांतर ब्रांतर;
- (७) इस सूथना के श्रमपत्र में प्रकारत की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थानर संपरित में हित-बब्ध किसी जन्य व्यक्ति द्वारा मधोहस्ताक्षरी के पास मिकित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पवाँ का, जो उक्त अधिनियम के बध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं बर्ध होगा जो उस वध्याय में दिशा क्या है।

श्रनुसूची

शाप नः 3, सेठी भवन 7, राजेन्द्रा पलेस, पूसा रोड, नई दिल्ली तादादी 207 वर्ग फुट।

> श्रार० पीं । राजेण, सक्षम ग्रधिकारो, सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजीन रेंज-3; दिल्ली

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:——

तारीख: 4-10-1985

प्रकृष बाह्र .टी .एन .एस . ------

बायकर बरिधनियम, 1961 (1961 का 43) का भारा 269-म (1) के जभीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालक, सहायक भायकार भायका (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज-2, विल्ली

नई दिल्ली, विनांक 16 सितम्बर, 1985

निदेश सं० प्राई० ए० मी०/एक्यू/2/37ईई/2--85/809ए---ग्रतः मुझे, ग्रार० पी० राजेश,

वायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पाजात (जिसे जिसके अधिनियम) कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उजित बाजार मूक्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी संख्या स्पेस नं० 5, है तथा जो एन० डब्स्यू० ए०, पंजाबी बाग, ग्राम मावीपुर, नई दिल्ली में स्थित है (और इसमे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से बणित है), रजिस्ट्रीकर्त्ता श्रधिकारी के कार्यालय, अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली भारतीय श्रायकर श्रधिनियम 1961, के श्रधीन, तारीख फरवरी, 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य ते कम के इश्यमान प्रतिफल के लिए बंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफम का पन्त्रह प्रतिचात से अधिक है और बंतरक (बंतरकों) और बंतरिती (अंतरितियों) के धीच एसे बंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नेलिखित उद्वेश्य से उसते अन्तरण विश्वित में बास्तविक कप से कथित नहीं किया गया है:----

- (क) बलादण से हुए किसी बाल की सावस्त, उत्तर अधिनियम से अधीन कर दोने से अन्तरक के सामिश्य में सभी करने वा उत्तर्थ बुलभे में सुविधा के सिन्ध; बांद्र/या
- ्ग) एसी किन्दी नाय ना किन्दी धन ा नन्य नास्तिनों को, जिन्ही भारतीय नायकर निधितियम, 1922 (1922 का 11) या अन्ति निधितियम, या धन-कोर मधितियम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती ब्वास प्रकट ही किया नया था किया जाना वाहिए था, पिपाने में सुविधा के निए;

भराः भव उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखिन व्यक्तियों, अर्थात :--- मैं० पाल मोहन कनस्ट्रनशन कम्पनी,
 6/4792, चांदनी चौक, दिल्ली।

(भ्रन्तरक)

श्रीमती कृष्णा सचदेवा,
 ए, 52, डब्ल्यू० ई० ए,
 नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को अह स्वता बारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के वर्ण के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुई।

उक्त सम्मारित के कर्पन के सम्मान्ध में कोई भी शाक्षेत्र :--

- (क) इन स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की गारीस से 4 दिन की सबिध या तस्सम्बन्धी व्यव्तियों पर गूचना की तामील से 30 दिन की अविध , जो भी अविध हों से समस्य होती हो, के भी नर पूर्वोक्त । वृद्धिया वो से किसी व्यक्ति दुवारा.
- [क] हा। व्यक्त के राज्यम में प्रकारण की तारीओं के 45 किए के बीवर वचन स्थायर बम्मारित में हितबहुध [कड़ी बुन्य] न्यांकर हुमारा मुश्लोहरताकड़ी के शब्द (बहुबत में क्षिप मा ककोने है

स्कृतिकरणः नासको असुनस् अन्यो सौर क्यों का, सो उपस् शीधनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,, 'हीं अर्थ होना को सस अध्याय यो दिया गया है।

वन्स्ची

स्पेस नं० 5 एन० डब्ल्यू० ए० पंजाबी बाग, ग्राम मादीपुर, नई दिल्ली, तादादी 513 वर्ग फीट।

> ग्रार० पी > राजेश, सक्षम प्रधिकारी, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (नेरीक्षण) श्रर्जन रेंजे•्र, दिल्ली,

तारीख: 16~9-1985

त्रकृप काई .टी . एव . एस . -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन सुचना

भारत मरकार

कार्यालय, सहायक नायकर नायुक्त (निरक्षिण)

ग्रर्जन -रेंज 3, दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 4 ग्रन्तूबर, 1985

सं० म्राई० ए० सी०/एक्यू/3/37ईई/2~85/810:---म्रतः, मझे, म्रार० पी० राजेश,

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हुँ), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

ग्रौर जिसकी संख्या 2 ए, है तथा जो बिकाजी कामा प्लेस नई दिल्ली में स्थित है (ग्रौर इसमें उपाबद्ध ग्रनुसुची में पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्त्ता ग्रीधकारी के कार्यालय, ग्रर्जन रेज-3, नई दिल्ली, भारतीय ग्रायकर ग्रिधिनियम, 1961, के ग्रिधीन, तारीख फरवरी, 1985

को पूर्वोक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के द्रश्यमान प्रतिफल को लिए अन्तरित की गई है और मुभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वाक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके क्षण्णान प्रतिफल से, ऐसे क्षयमान प्रतिफल का मन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण निम्निलिखित में गस्तिक रूप से किथत नहीं किया यहा है:——

- (क) बंतहण से हुई किसी बाय की बाबत, उबस अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कसी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; बौद्ध/बा
- (क) एसी किसी बाय या किसी धृन या बन्य बास्तिकों क्ये, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या पन-कार अधिनियम, 1957 (1957 का 97) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती त्वारा पक्त नहीं किया गया था या किया काला काहिए था, जिल्लान में सुविधा के बिद्ध;

्वतः वन उक्त निर्धानयम का भाग 26) म के अनुसरण के, के, इक्त निर्धानयम की धारा 269-व की उपधारा (1) के बंधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् हु--- श्री कैलाश नाथ एण्ड एसोसियेशन,
 1006, कंचन जुला, 18, बाराखम्बा, रोड,
 नई दिल्ली।

(भ्रन्तरक)

2. श्रीमती नूतन गुप्ता पुत्र डा० श्रीनल गुप्ता, दिप्त श्रांफ पादरीटिक्स एल हुबयालट हास्पिटल पी० श्रो० बाक्स 100 मादीनाट एल सन्नजाह, एल० जुवाली, किंगडोम, श्रांफ साउदी श्ररब, (श्रन्तरिती)

को यह सूचना वा<u>री</u> कहके पूर्वोक्त संपरित के नर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के कर्जन के संबंध में कोई भी त्राक्षंप :--

- (क) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन को तारीख से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की जविध, जो भी जबिध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी बन्च व्यक्ति इवारा, नथाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकने।

स्पद्धीकरणः इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त जीवनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

वर्ष्णी

सोप स्पेस नं० एफ -1, और एफ -2, तादादा 109 वर्ग फट, श्रौर 220 वर्ग फिट, पहली मंजिल, म-टी सटोरीड कर्माशयल बिल्डिंग, ए० एल० पी. एस०, 2 ए, बिकाजी कामा प्लेस, नई दिल्ली।

> ग्रार० पी० राजेश, सक्षम ग्रधिकारी, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरक्षण) ग्रर्जन रेंज 3, दिल्ली

तारीख: 4-10-85

प्रकृष बाह्य हो हो । प्रमूच प्रसूच ---

बायकर बिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की थारा 269-म (1) के बधीन स्थना

बाउव भ्रम्ब

कार्यानय, सहायक आयकर आमृक्त (निरीक्षण)

प्रजीन रेंज-3, विल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 4 प्रक्तूबर, 1985

सं० ग्राई० ए० सी'० /एक्यू/3/37ईई/2-85/811:---श्रत: मुझे, ग्रार० पी० राजेश,

बायकर जिथिनियम, 1961 (1961 का 43) (विसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं।, की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

म्रीर जिसकी संख्या हाउस नं० 4, रोड नं० 7, है तथा जो पंजाबी बाग, नई दिल्ली में स्थित है (म्रीर इससे उपाबच्च मनुसुची में पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्टी मधिकारी के कार्यालय, मर्जन रेंज-3, नई दिल्ली, में भारतीय भ्रायकर मधिनयम, 1961, के भ्रधीन, नारीख फरवरी, 1985 के प्रवेक्त सम्मन्ति के उपायक सम्म में कम के प्रयोग

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूओ यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का श्वित बाजार मूल्य, उशके दश्यमान प्रतिफल से ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निसित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निवित में बास्तिक रूप से किथत नहीं किया नवा है:—

- (क) जन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत, उक्त विधिनियम के वृधीन कर बोने के जन्तरक के सावित्य में कभी करने ना सबसे बचने में बूर्डिया के सिए; बौर/या
- (वा) ऐसी किसी बाय या किसी धन या बन्य बास्तियों की, जिन्ही भारतीय बायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) को प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, स्थिपने में स्विधा के किए;

बतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण जे, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) की बधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अधीत ह—- श्री राम लुभाया हान्डा, निवासी 30/3, पंजाबी बाग, एक्सटेन्शन, नई दिल्ली।

(ग्रन्तरकः)

श्री जी० डी० गुण्ता,
 4 बी/46, स्कूल मार्ग, श्रोल्ड राजेन्द् नगर,
 नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

की यह भूचना चारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी जाओप ह--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की ताराच के 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी अ्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 विन की अविधि, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रविक्ष व्यक्तियों में में जिल्ही व्यक्ति द्वारा;
- (च) इस सूचना के राजयत में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पर्वाकरण :---इसमें प्रयुक्त कब्दों और पद्धों का को उनके अधिनियम के अध्याय 20-क में परि-भाषित ही, वहीं अर्थ होगा को उस अध्याव में विया गया ही।

नगत्त्री

हाउस नं० 4, रोड नं० 7, पंजाबी बाग, नई दिल्ली, एक्सटेन्सन, तादादी-1080 वर्ग फीट।

> ग्रार०पी० राजेश सक्षम श्रधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-3, दिल्ली

तारीख: 4-10-1985

प्ररूप आइ. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1931 (1961 का 43) कौं धारा 269-म (1) के अधीन सूचना

धारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) प्रजन रेंज-3, दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 7 अक्तूबर 1985

र्स ० म्राई० ए० सी०/ए∓यू/3/37ईई/2→85/812:--म्रत: म्झे, म्रार० पी० राजेंग,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिनारी को गह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

श्रीर जिसकी संख्या फ्लैंट नं 614 वी. है तथा जी 9, विश्वाजी शामा पलें , नई दिल्ली में स्थित है (श्रीर इसरे उपाइड अनुसुची में पूर्ण रूप में इणित है), रिजस्ट्रीयत्ती श्रिधवारी के शायांत्रय, श्रुजंत रें ज 3, नई दिल्ली में भारतीय श्रायक्षर श्रिधित्यम, 1961, के श्रिधीन, नारीख फरवरी 1985 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित जाजार मूल्य से कम के स्थमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूम्में यह विश्वास करने का कारण है कि यथापुर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके स्थमान प्रतिफल से, ऐसे स्थमान प्रतिफल का पन्द्रह भित्रक से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गमा प्रतिफल, निम्नलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखत में वास्तिश्वर रूप से किया नहीं किया गया है:—

- (क) बन्तरण से हुई किसी आय की वायत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक औ दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में सुविधा के लिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- 37-316/GI85

 स्क्बेडर लीडर श्रीनल गुण्डा, श्रीमती सीता गुण्डा, श्रीर एनंस एस. पी० गुप्ता, 31, लेलेश फार्स, पोस्ट श्राफिस खानपुर, नई दिल्ही।

(भ्रन्तरक)

2. मै॰ खेरका दैस्तीहरू रावीस्य (प्रा॰) लि॰, 21-ए, शकीपर सायानी, यजकत्ता-17। (ग्रन्तरिती)

को यद सूचना जारी तरहे बॉक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाणियां शुरू करता हो ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी जाक्षेप :---

- (क) इस रचला को राजपण भी प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अधिक का स्त्रसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद मी समाप्त होती हो, को भीतर पूर्वित व्यक्ति में से किजी व्यक्ति द्वारा,
- (स) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 िन के भी द उत्का श्यावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास निवित्त मा कि ए जा सकीगे।

स्पष्टीकरणः—इसमाँ प्रयुक्त शब्दाँ और पदाँ का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क मों परिभाषित है, वहां अथ हांगा जा उस अध्याय में दिया गया है।

बन्स्ची

पलैट नं० 614 वो 9,क्षिताजीकामा पलेंस, नई दिल्ली। य/सी तःदादी 353 वर्ग फिट।

> श्चार० पी० राजेश सक्षम श्रधिकारी महायक्ष श्रायकार श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजीन रोज-3, दिल्ली

तारीख: 7-10-05

मोहर 🛭

प्रकार मार्ड, टी, एम, एवं : ५ ० ० ०००

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अधीन सुभाग

भारत महस्रार

कार्याजन, बहायक कायकर जायकत (निरक्षिण)

ग्रर्जन रेंज-3, दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांदः 4 श्रमतूबर, 1985

मं० आई० ए० सी ि।एक्टू। 3। 37ईई। 2— 85/813:——अन मुझे, फ्रार० पी० राज्ञा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भार 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी था, यह विश्वास करने का शारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उजित बाबार मूल्य 1.00,000/- क. से अधिक है

श्रीर जिस्की संख्या यू० जी० के न 8, है तथा जो 3, बिकाजी कामा पलें 5, तई दिल्ली म स्थित हैं (श्रीर इसके उपाबद्ध श्रनुमुची में पूर्ण रूप हो विणित है), रिजस्ट्रीक्स श्रिधकारी के वार्यालय अर्जन रोज 3, नई दिल्ली, भारतीय श्रायकर श्रिधिनयम, 1961, के श्रिधीन, तारीख फरवरी, 1985

को प्रवेक्ति संपरित के उचित बाजार मृत्य से कम के धरमान पतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृक्षे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापतोंक्त संपत्ति का उचित बाजार भन्य, जमके देश्यमान प्रतिफल से एसे धर्यमान प्रतिफल का पन्द्रह कतिकत में अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरित्यों) के बीच एमे अन्तरण के लिए तय पाया गया धतिफल, निम्नलिखन उद्देश्य से उक्त अन्तरण निश्चित

- (क) बन्तरण सह्य किसी आय काँ अधित, उपल अभिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे क्यने में सुविधा के निए; और/बा
- (स) ऐनी किसी बाध या किसी धन या अन्य ब्रास्तियों की जिन्ही भारतीय बायकर अधिनियम, 1922 (1922 को 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर बिधिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ध्वारी शक्त नहीं किया गया था किया जाना चाहिए धा जियाने में सुविधा के निए।

1. श्री सोम दत्त बुफडर्स प्रा० लि०, 56, कम्युनिटी सेन्टर, ईस्ट ग्राफ कैलाम, नई दिल्ली।

(अन्तरः)

 श्री हरीण चन्क, समैंटर 9, फ्लैट नं० 850, ग्रार० के० पुरम, न दिल्लो

(ग्रन्तरिती)

का यह सुचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति क अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के कर्जन के संबंध में कोई भी आओप हु-

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की शारीख है 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवेक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्थान को राजपत्र में प्रकाशन की सारोक से 45 दिन को भीतर उसत स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

श्यव्योकश्याः— इसमें प्रयुक्त शक्यों और पश्चें का, जो उन्त आधीनयम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

अन्सूची

किन्नोसक नं० यू० जी० के० 8, ऊपर माउण्ड फ्लोर, 5 बिकाजी कामा प्लेस, नई दिल्ली, नादादी 54 वर्ग फिट,

> मार० पी० राजेश, पक्षम प्रतिकारी, सहायक द्यायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रोज 3 दिल्ली

अनः लब, उक्न अधिनियम की भारा 269-श के अन्सरण वं, में उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) में अर्थान, निम्ननिकित व्यक्तियों, अरुति :----

तारीख: 4-10-85

प्ररूप आई. टी. एन. एसा.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय., सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेंज 3 दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांः 7 अक्तूबर 1985

मं० ऋाई० ए० मो०/एनयू/ 3/37ईई/ 2~85/814:---ऋत मुझे, श्रार० पी० राजेश.

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उधित बाजार मृज्य 1.00,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिस्की संख्या 61/6 है तथा जो श्रोल्ड राजेन्द्र नगर, नई दिल्ली में स्थित है (श्रीर इसने उपायड श्रतुमुची में पूर्ण का से बाँगा है), कोन्द्री उत्ती श्राधिकारी के कार्यालय श्रार्जन रोज-3, नई दिल्लो, भारतीय श्राधकर श्राधिनयम, 1961, के श्रार्थान, तारोख फरवरी, 1985

को पूर्विक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यभान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतिस्ती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तियक रूप से किथत नहीं किया क्या है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूविधा के लिए:

अतः ६व, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में. में इप्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नीलिखिट व्यायतयों, अर्थात् :-- 1-मैंश्रोमती वायराम कौर पत्नी श्री भगत सिंह, निवासी 61/6 ग्रील्ड राजेन्द्र नगर, नई दिल्लो।

(श्रन्तरक)

- श्रीमती भारती तार्लारका निवसी 6/65, डब्ल्यू० ई० ए, करोल बाग, नई दिल्ली।
- (2) श्रीमती इन्दिस तार्लास्या पत्नी श्री हरी चन्द , निवासी 4 डी/33, श्रोल्ड गजेन्द्र नगर, नई दिल्ली।

(ऋन्तरिती)

को यह सूचना जारा करके पूर्वोक्त रान्यीर का अर्जन के जिए कार्यवाहियां करता हो।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सुचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों भर स्चना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होता हो, के भीतर पूर्विक्र व्यक्तियों में ने नो व विष्य द्वारा,
- (स) इस सृष्टना के राजपत्र मों प्रकाशन की तारीक्ष से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति मों हितबद्ध किसी अन्य क्यक्ति द्वारा अधे हस्ताक्षरी के पास लिखित मों किए जा सकींगे।

स्पर्ध्वीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दां और पदों का, जो उक्त अधिनियमः, के अध्याय 20-क में रिभाषित हैं, वहीं अर्थ क्रोगः जो उस अध्याय में दिया गया है।

ग्रन्सुन:

सरकारी बनी हुई प्रोठ नं 61/6, श्रीलंड राजेन्द्र नगर, नई दिल्ली तादादी 85.9 वर्ग गज।

> श्चार० पी० राजेण, सक्षम श्रीधकारी, सक्षयक श्रायकर श्वायुक्त (निरीक्षण) श्रजेन रोज 3 दिल्ली

नारोख: 7--10-85

प्रमूप मार्च. टी. एन एस : -----

भागकार विधिनियम, 1961 (196) का 43) की चारा 269-भ (1) के अधीम महना

भारत कर धर

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) ग्राजीन में अ-८, दिल्ली

नई दिल्ली, दिनों ३ ७ ८३ वर ४५ १ १८५

सं० श्राई० ए० जो*ा*एका*,त्राठा* (३५ ४५) ४ । ५:----श्रत मुझे, ग्रार, पी. क्रजेश,

बायकर अधिनियम, १९३१ (१९६) का 🛠 🕻 🕽 (जिस 🕻 इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' अहा गया ही), की भारा 269-स को अधीन सक्षत प्राधिकार कर वर पिछलास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, विसका जीवत बाजार मुल्य 1,00,000∕- रु. से अधिक हैं।

ग्रीर जिसकी सहना पहल नंव 209, हे तथा की रास विहास दिल्लों में स्थित है (भौर उपन हताकह अतस्ता में पूर्ण क्ष्य से बागित है), ए तस्कारको ए ४ राजी है। साली राज्याची रोंज-2, नई दिल्ला, भारतीय राज 70 फालिंग्स, 1961. के प्रवीन, नारोख फाजरी, १५३३

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उ यत बाजा, अनुवास कमा के १९४४का प्रतिफाल को लिए अपनिस्ति की अर्थ है और मुद्धे यह गिराह-कारने का कारण है कि एकान्यानक अपरिकार है। उर्जन प्राचार मृत्य, उसके दश्यमान अध्यक्षत से एमि धरामान प्रतिकल का **पन्त्रह प्रतिकात से अधिक ह**ै को अस्तरत (ज्यारकार क्षेत्र मन्तरिती (मन्तरितियाँ) के बीच रुसे अन्तरण के लिए तय **पामा गया प्रतिफाल. विस्त्रीलिधित उपदायम में । उपत अन्तरण** लिखित में बास्तविक रूप से जीधन नहीं किया गया है :----

- 🌇) अन्तरण संसूर्य किसी कार की शायट, उपक मिपिनियम के अभीन हाएं दोन के फलाएक की दायित्व में कभी कारण या नसस त्वले हैं। सुक्रिया कं लिए: मार्चिया
- (च) ऐसी किसी काय या दिल्ली धन दः अन्य अहांस्त्यां को जिन्ही भारतीय आगकार आधानियन, 1922 (1922 का १1) या जनत आधीनयम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया न्या भाग किया जाना चाहिए था, ध्रिपाने में सुविधा ने निए:

बतः भ्य, उपर मधिनियम को अस्य 200-म के अनुसर्क **बी, भी, उक्त अधिनियन की ध**ा 269-य को उपपास (1) <table-of-contents> अभीन, निम्नसिसित व्यक्तियों, अर्थात 🦶 🛶

1. श्रा इन्दरजीत तनेजा पूत्र श्रा भागा राम ।सो।ग्रो० तनेना फोटोहटेट, फर्नाक्रासुरी, मार्बीट, बांदनो चौक, दिल्ली ।

(भ्रन्तरक)

2. श्रीमती कुमकुम, पत्नी श्रो एए० एए० बारेएनी, निवासी 3925, कोशल्यालान पहाड़ गंज, नई दिल्ली !

(अन्तरिती)

का यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवा**हियां** करता हा ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप रूजा

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियाँ पर सुचना की तागील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाध होती हा, के भीतर प्रविक्त कारिनाई ें ने कि ते त्रावित द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपा भे प्रकाशन की तारीस से 45 दिन 🗟 भौतर उन्त स्थावर संपत्ति मे हितबद्भ किसी अन्य व्यक्ति दुवारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिसित मं फिए का पक्ती।

स्पष्टीकरण:-इसमे '।युक्त शब्दों और पदौं का, जो उन्त अधिनियय, के अध्याय 20-क में परिभाषित 8, बड़ी कर्ध होता जो उस अध्याम में दिया यया है।

अनुमुची:

वकन्ड रिसिडेन्टर प्लाट नं० 209, राम बिहार दिल्ली, तादादी 254.67 वर्ग गज,

> श्रार० पी० राजेश सक्षम प्राधिकारी सहायक प्रायक्त प्रायक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-3, दिल्ली

तारीख: 7--10--1935

प्राक्षप बार्ड . टी . एन . एत . ------

कायकर जॉधनियम, 1961 (1961 का 43) की के धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

जारक भगकार

कार्यासय, सञ्चयक आयकर आयुक्त (विरोक्षण)

ग्रर्जन रेंज 4, दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांदा 4 ग्रक्तूबर 1985

निदेश सं० ग्राई० ए० सी०/एक्यू/ 3/ 37ईई/ 2-- 85/ 86:---म्रत: मुझे, भार० पी० राजेश.

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त कधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का का कारण है कि यभाप्केंक्त संपत्ति का उचित बाबार मृत्य, 1,00,000/- रा. से अधिक है

ग्रीर जिसकी संख्या स्पेस् नं० 8, प्लाट नं० 1, है तथा जो कोश्यलर पार्क, होंज खार, नई दिल्ली में स्थित है (ग्रीर इसमें उपादड अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्री-दार्त्ता ग्रीधिकारी के दार्यात्य, ग्रर्जन रेंज--3, नई दिल्ली भारतीय आयार ग्रीधिनियम, 1961, के ग्रद्धीन, तारीख, फरवरी, 1985

को प्वेंक्ति सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विद्यास करने का कारण है कि स्थाप् वोंक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल के प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकां) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकात, निम्नसिचित उद्देश्यों से उक्त अन्तरण कि लिए से विद्या में वास्त्विक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) बन्दरण संहुद्दं किसी बाय की बावत्, अवस्य विभिन्त्य के अभीन कर बंने के बन्दरक के द्वित्व में कभी करने वा अवसे बचने में तृष्िभा के लिए; बार/मा
- (क) एंसी किसी बाय या किसी धन वा बन्स वास्तियां को धन्हों भारतीय बाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) वा उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था वा किया बाना चाहिए था, कियाने में सुविधा हो किए;

अतः अब , उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अन्सरण कें , में , उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन , निम्नलिखित व्यक्तियों , अर्थात् :---

 मैसे सुर्या इन्टरप्राइजेज प्रा० लि०, नं० 1, कौशल्या पार्क, हौज खार., नई दिल्ली।

(ऋन्तरक)

 श्रीमती फुल बिन्दरा पत्नी श्री नन्द किमार बिन्दरा, निवासी एल--34, कीर्नि नगर, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचपा जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के वर्णन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उस्त सम्मिक के वर्णन के सम्मन्ध में कोई भी वाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी खंध 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी अयिवतयों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समान्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (च) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित्रब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षर के पास निवित में किए वा सकींगे।

स्यष्टोकरण:---इसमें प्रशृक्त सब्दों बाँर पर्यों का, जो उनक अभिनियम के अध्यास 20-क में परिभाषित हैं, यहीं वृधे होगा भी उस अध्यास में दिस्स गुंसा है।

ध्रनुसूची

स्रेर: नं० 9, ग्राउण्ड फ्लार दिल्डिंग प्लाट नं० 1, कोशन्या पार्क, होज खास, नई दिल्ली, तादादी 190 वर्ग फिट।

> श्रार० पी० राजेण, स्क्षम प्राधिनारी, सहायन ब्रायकर ब्रायुक्त (निरीक्षण) ब्राजेन रोज 3 दिल्ली

तारीख: 4-10-85

प्ररूप बार्ड , दी , एन , एस , *********

नायकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अधीन स्थना

HIST USER

कार्यालय, सहायक आयकर आय्वत (निरीक्षण)

ऋर्जन रेंज्∸3, दिल्ली

नई दिल्ली, दिनां ३ 16 रि.सम्बर, 1985

र्देश सं० फाई० ए० स्;०/एक्यू/ 2/ 37ईई/ 2- 85/ 71 6 ए:--इत मझे, इप्राय पीट प्रायोग,

नायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चाक् 'उ क्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन अक्षम प्राधिकारी को यह विस्वास करने का कारण कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका अधित बाजार मृह्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

श्रीप जिसकी संख्या फ्लैट नं० 11 है तथा जो 9, पूमा रोड नई दिल्लों में स्थित है (और इसने उपादड अनुसूचों में में पूर्ण रूप के वर्णित है), रजिस्ट्रोक्त क्रिधिकारो के कार्याक्य, अर्जन रोप-2, नई विल्ला, भारतीय आयवर अधिनियम, 1961, के अवान, तारीख फरवरी, 1985

को पूर्वोक्ट सम्पर्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्रश्यमान प्रतिफल को लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि सभागुर्वोक्त सम्पत्ति का उचित प्राचार भत्य, उराक्षे दश्यभान प्रतिफल से एंसे दश्यमान प्रतिफल का पद्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अंतरक (अंतरकाँ) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फाल निम्नलिखित उदुदोश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त-वि रूप संकिथित नहीं किया गया है:---

- (क) सन्तरण संहुई किसी बाय की बाबत, उक्त आध-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दर्शयहरू में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के जिए. मॉर/था
- एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियाँ बर्ग, जिन्हाँ भारतीय गायकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या अक्ल आधिनियम, या भनकार अधिनियम, 1957 (१९५७ का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहां किया गया या कि का जाना चाहिए था, छिपानं अर्थ स्विधाके लिए;

कतः वयः, उक्त अधिनियमं की धारा 269-ग के अनुसरण भों, मों, उक्त अधिनियम की धारा २६९-व की उपधारा (1) 📭 मधीन, निम्तिसीत व्यक्तियों, सभीत :----

1. श्री हर्रावन्दर सिंह मारवा सी । ग्री ० मैं ० जनरल सेल्स एजेन्ली, 108, गुरू सानक ऋाटा मािट, कण्मीरी गेट, दिल्ला।

(ग्रन्तरक)

2. श्री मोहिन्दर नाथ (2) श्रोमती महेश नागिया, (3).श्री राजिव नागिया, निवसी 65/8, रोहनक रोड, नई दिल्लो।

(ऋन्तरितो)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त संपरित के अर्जन के सम्बन्ध मा कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्संबधी ध्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त हाती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति युवारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उत्तर स्थावर सम्परित मो हितबदुध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधांहस्ताक्षरी के पास विख्ति में किए भासकी।

स्पष्टीकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उचल अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उक्त अध्याय में दिया गया हु ।

अनुसूची

प्लैट नं० 11, 9, पूसा रोड, नई दिल्लो नादादी 1044 वर्ग फिट

> श्रार० प²० राजेंग, उक्षम प्राधिकारी, राहाय ह आया हर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रोज 2 दिल्ली

नारीख: 16--7--1985

प्रकप करहाँ, टी. एम. एस.------

बायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 260-व (1) के अधीन सुवना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आवस्य (निरक्षिण) शर्जन रोज-3, दिल्ली

नर्डं दिल्ली, दिनांच 4 श्रक्तूबर, 1985

निदेश सं० आई० ए० सी०/एक्यू 3 | 3 7ईई | 2 — 85 | 81 7 : → अत: मुझे, आर० पी० राजेश,

आयधर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अभिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का स्तरण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं.

प्रांश विसकी संस्था वी—9 है तथा जो रसजीत नगर, वस्युनिटी रोंटर (प्रांग इसमें उपाबद प्रमुची में पूर्ण कप में विणित है), रिविस्ट्रोशनी यधिकारी के कायनिय, प्रजीन रेंज-3, नई दिल्ली भारतीय साराधार प्रिविनियम, 1961, के अधीत, नारीख फरवरी, 1985

भ्ये प्कोंक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के स्थमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफ्ते यह विश्वास कारि का कारण है कि स्थाप्वित संपत्ति का जीवत वाजार ब्रूच, उनके दृष्टमान प्रतिफल से, एसे इक्ष्णमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तिरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिकाल निम्निर्णित उद्देष्ट्य में उत्तत अन्तरण निम्नित में बास्तर बिक रूप से कथित रही किया गया है:--

- (क) बन्तरण में हुई किसी बाय की बाबत उक्त बिध-नियम के बधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सिवध्य ने सिए; धौर/या
- (का) एसी किसी आय या किसी धन या कत्य बास्सियों की जिन्हें भारतीय बायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिसी देवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिएाने में स्विभा के लिए;

अतः अप, सक्त विधिनियम, कौ धारा 269-ग कौ अन्सरण में, मैं अक्त अधिनियम की धारा 269-ध की उपधारा (1) के बधीन, निम्नीलिंबित व्यक्तिः, अर्थात् ए— मै० गुक्त नानदा दान्स्ट्रकशन दाम्पनी,
 भ्रार० बी ७/बी, ग्रीन पार्क एक्सटेन्शन मार्कीट,
 नई दिल्ली।

(भ्रन्तरक)

श्रीमती रेनुया सोनी,
 जी--185, नारायणा बिहार,
 नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

कां यह मूचना जारी करके पूर्वीका सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिंग करता हो।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी-आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राज्यत्र मों प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्मम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की सामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद मों समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख़ से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शन्दों और पदां का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसुची

श्राफम स्पेस तादादी 224 वर्ग फट, मैंजनिन फ्लोर, मल्टी स्टोरीड दिल्डिंग नं० बी-9, रनजीत नगर, याम्युनिटी सेन्टर, नई दिल्ली।

> आए० पो० राजेण, लक्षम प्राधिकारी सह(यक आयक्तर भ्रयुक्त (निरीक्षण), श्रजेनरोंज-3 दिल्ली

· तारीखाः 4→10**—**95

प्ररूप बाई. टी. एन. एस., -----

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269(व) (1) के अधीन स्वना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज-3, दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 7 अक्तूदर 1985

निदेश सं० ग्राई० ए० मी०/एक्यू/3/37ईई/2~85/818:~ श्रतः मुझे, श्रार० पी० राजेश,

कायकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हु"), की भार 269- के उधीन मक्षम प्राधिकारी को यह विद्यास करने का कारण है कि स्थावर सम्बन्ध जिसका उचित गजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी संग्या प्लाट नं० 365, है तथा जो गगन बिहार, दिल्ली में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुमुची में पूर्ण क्ष्य से विणा है), रिवस्ट्रीकर्ता श्रीध हारी के वार्यालय, श्रजंन रेज-3, नई दिल्ली, भारतीय श्रायकर श्रीधनियम, 1961, के श्रधीन, तारीख फरवरी, 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल को लिए अंतरित की गई है और मूके यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृन्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल में, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिश्वत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय प्रया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण जिल्ला में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक की धायित्य में क्रमी करने या उद्यस अचने जें सुविधा असे सिए; और/या
- (क) एसे किसी आय या किसी अन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) औं प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृविधा से सिए !!

न्तर: अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण ।, में,, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)। अके अधीत, निम्नजिस्ति व्यक्तियों, अर्थात् :—-

- श्री के० एल० मनचन्दा,
 श्राई० ए० सी० रेडियेश्री/एच० डिविजन,
 11, गगन दिहार, नजदीक बेगुमानट,
 एयंपोर्ट, हैदरादाद, (श्रान्ध्र प्रदेश)।
 - (भ्रन्तरक)
- श्रीमती उषा जैन,
 सी-90, निर्माण बिहार, दिल्ली।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी रूपके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां गुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी है से 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पर्वेक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिखित में किए जा मकोंगे।

स्पष्टीकरण :---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों कर, जो उक्त अधिनियम के बध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं वर्ध होगा जो उस अध्याय में विद्या गुवा है,।

यन्स्ची

प्लाट नं० 365, गगन बिहार, दिल्ली, तादादी—222-537 वर्ग गज ।

श्रारः पी० राजे ग , सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज 3, दिल्ली

नारीख: 7→10→1985

मोहरः

प्ररूप बार्ड.टी.एन.एस.-----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-थ (1) के अधीन सूजना भारत सरकार

कार्यालय, सहायक मायकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज-3, दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 4 ग्रक्तूबर 1985

निर्देश सं० श्राई० ए० सी०।एक्यू, 3/37ईई/2-85/819-- श्रत मुझे, श्रार० पी० राजेश,

मायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पहचात् 'उकत अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-ए के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मुख्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी संख्या प्लैंट नं० 202, है तथा जो 5, एन० इब्ल्यू० ए, पंजाबी बाग, नई दिल्ली में स्थित है (भ्रीर इससे उपाबद्ध अनुमुची में पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अर्जन रेज-3, नई दिल्ली भारतीय आयकर श्रिधिनियम, 1961, के श्रिधीन, नारीख फरवरी,

का पृथींकत सम्पत्ति के उचित बाजार मृख्य से कम के श्रथमान प्रतिफल के लिए अन्दरित की गई है और मुम्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पृथींकत संपत्ति का उचित बाजार मृख्य, उसके श्रथमान प्रतिफल से, एसे स्वयमान प्रतिफल के पन्त्रह प्रतिश्वत से अधिक है और अंतरिक (अंतरिकों) और अंतरिती (अंतरिक्यों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वरेष्य से उक्त अन्तरण निश्वित में वास्तविक रूप से किया नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अवने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर कि धनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

कतः अव, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिसित व्यक्तितयों, अर्थात् :—— 38—316GI[85

 मैं० पाल मोहन कन्स्ट्रक्शन, कम्पनी, 6/4792, चांदनी चौक, दिल्ली।

(भन्तरक)

 श्री रिव बजाज, एच-81/1, शिवाजी पार्क, नई दिल्ली।

(ब्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के कर्जन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितदस्थ किसी अन्य व्यक्ति ब्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास तिकित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण: ----- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उपल अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

समस्यो

पलैट नं० 202, दूसरी मीजिल,पाल मोहन एपार्टमेंट, 5, एन० डब्ल्यू० ए पंजाबी बाग, नई दिल्ली।

> ग्रार० पी० राजेण सक्षम प्राधिकारी सहाबक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजीन रोज 3, दिल्ली

तारीख: 4-10-1985

प्ररूप आई. टी. एन. एस.------

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म् (1) के मधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रजंन रेंज-3, दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 7 ग्रक्तूबर, 1985

निर्देश सं. श्राई० ए० सि०/एक्य्/3/37ईई/2 85/820--श्रत मुझे, श्रार० पी० राजेश

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परणाल 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-ख भी अधीन सक्षम प्रीधिकारी को, यह विश्वाग करने कारण है फि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

ग्रीर जिल्ही संख्या वान्ट प्लाट नं० 33, है सथा जो इसने उपाबद्ध श्रनुसूची में पूर्णक्ष से विणत है), रिजस्ट्री बक्ती अधिनारी के कार्यालय, श्रर्जन रेज-3, नई दिल्ली, भारतीय श्रायकर श्रिधिनियम, 1961, के श्रिधीन, मारीख फरवरी 1985

को पूर्वोक्त संपरित के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिपन्न के लिए अन्तरित की गई है और मुम्ने यह विश्वास का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ,, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्नह प्रतिक्त से अधिक है और अंतरक (अंतरका) और अंतरिती (अंतरितयाँ) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिक्रल, जिम्निसित उद्दृश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक क्ष्य से अधित नहीं किया गया है:—

- (थ) जन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दासित्व में कमी करने या उत्तसे अचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उस्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती इवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना साहिए था. एउपाने को स्विभा के लिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मों, मों, उक्त अधिनियम की धारा 269-मं की उपधारा (1) अधीन, निम्नजिसित व्यक्तियों, अधीन ह—

श्रीमती अमृत कौर,
 2263/1, शिदीपुरा,
 दिल्ली।

(ग्रन्तरक)

श्री अद्निया दल,
 11-वी, रिजन्द्रा पार्क,
 नई दिल्ली।

(ग्रन्तिरिती)

को यह सुचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां कुरू करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के जर्षन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सेंबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्तियों हो से
- (च) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारींच से 45 दिन के भीतर उक्त सम्पत्ति में हितबह्भ किसी अन्य व्यक्ति ह्यारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकीं।

स्पब्दोकरण: -- इसमें प्रयुक्त कब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, यही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

नगसर्थी

वैं। न्ट प्ताट नं 33, न्यू राजधानी इनक्लेब, दिल्ली-92, तादादी---253.16 वर्ग गज।

श्रार० पी० राजेश सक्षत प्रशिकारी, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) गर्जन रोज-3, दिल्ली नई दिल्ली-110002

नारीख: 7-10-1985

प्ररूप वार्ष: टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालयः, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-3, नई दिल्ली नई दिल्ली, दिनाँक 7 अन्तूबर 1985

निदेश सं० श्राई० ए० सी०/एक्यू/3/37ईई/2-85/836--अतः मुझे, आर० पी० राजेश,

वायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के वधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य

1,,00,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी संख्या 10009, प्लाट नं० 2, ब्लाक 18, है तथा जो डब्स्यू० ई० ए, करोल् वाग, नई दिल्ली में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में पूर्णरूप से विष्णत है), रिजिस्ट्रीकर्त्ता श्रिधकारी के कार्यालय, श्रर्जन रेंज-3, नई दिल्ली, भारतीय श्रायकर श्रिधिनियम, 1961, के श्रधीन, तारीख फरवरी 1985

को पूर्णेक्ध सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल को लिए उन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल का पद्में दश्यमान प्रतिफल का पद्में दश्यमान प्रतिफल का पद्में प्रतिकात में अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से अधिक नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत, उक्त नियम के अधीन कर दोने के अंसरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के <u>शिल्ए</u>; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिजियम, 1922 (1922 का 11) मा उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 19 57 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिसी व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना जाहिए था, छिपान में सृविधा के लिए;

अतः जन, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुबरण मं, मैं,, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधास (1) के जधीन, निम्नलिसित व्यक्तियों, अर्थातु :---

- , 1. 1. श्री सुशोल कुमार सचदेवा,
 - (2) श्री राजोव सचदेवा, निवासी---हाउस नं० 3470, निकोलन्तन रोड, दिल्ली,
 - (3) श्री हरविन्दर पाल निह म्रोक्षा
 - (4) श्री सुरिन्दर पाल तिह, निवासी---38/43, पंजाबी बाग, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

2. (1) श्री ए० वेंकटसवारा राव भीर

(2) श्री ए० कृष्णा मोहन, निवासी 1-103, श्रशोक निकेतन, डी० डी० ए० कालोनी, नारायणा, नई दिल्ली।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स सम्पत्ति के कर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति को अर्जन को सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्ट व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: -- इस्क्रमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो जक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिखा गया है।

अनुसूची

म्यूनिसिपल नं० 10009, प्लाट नं० 2, ब्लाक नं० 18, डब्ल्यू० ई० ए०, करोल बाग, नई दिल्ली, तादादी 240 वर्ग गज।

> भ्रार० पी० राजेश, सक्षम प्राधकारी सहायक श्रायकर स्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज 3, दिल्ली नई दिल्ली-110002

तारीख: 7-10-1985

मोहरः

इस्त बार्च्य होत्र पुरात हरात राज्या

बावकुछ विधिनियम र 1961 (1961 का 43) की पारा 269 (प) (1), जे वधीन बुजना

बारुव बरकार

कार्यातम्, सहायकं जायकर वास्त्रकः (नि<u>रा</u>शिम्) धर्णन रेंज-3; दिल्ली

नई दिल्ली, दिनाँक 7 अक्तूबर 1985 निदेश सं० आई० ए० सी०/एक्यू/3/37ईई/2-85/4-85/ 877—अतः मुझे, आर० पी० राजेश

नासकर निधित्यम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसर्म इसके बस्थात् 'उस्त निधित्यम' कहा गया हैं), की भारा 269-ज के अधान सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका जीवत वाजार मृत्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

थौर जिसकी संख्या फ्लाट नं 33, है तथा जो ब्लाक टी यू, प्रीतम पुरा, विशाखा इनक्लेव, दिल्ली में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्री-कर्त्ता प्रधिकारी के कार्यालय, ग्रर्जन रेंज-3, नई दिल्ली भारतीय ग्रायकर ग्रिधिनयम, 1961 के ग्रधीन, तारीख फरवरी, 1985

भी पूर्वोक्त सम्पत्ति के उपित बाजार भूल्य से कम के अध्यक्षान विकल्प के लिए अंतरित की नहीं है और नुके यह विकास करने का काइण हैं कि वचापूर्वोक्त करनित का जीवत वाचार भूल्य, उसके अध्यमान प्रतिफल से, एसे अध्यमान प्रतिफल का अल्ब्ह प्रतिचय से विभक्त है और बंदरक (अंतरकों) और बंदरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया अधा प्रतिफल निस्तिवास अध्यक्षिय से अन्त अंतरण सिवित में बास्तिवृत्त कम से किथत नहीं किया गया है दि—

हुँकहुँ संग्रहण के हुई कि की बाव की बावता, उक्त स्थितियम के स्थीत कर देने के संग्रहक के बावित्य में कभी कहने या उससे स्थाने में ग्रुविधा के विष्: श्रीट्रीमा

(वा) पेती किसी जान या किसी धन या अन्य जास्तियों को जिन्हें भारतीय नाय-कर निधिनयम, 1922 (1922 का 11) या उक्त निधिनयम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रवोजनार्थ जन्तरिती व्वास प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के निए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, में उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीम, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ह— श्री देव घरोड़ा, ए-25, कृष्णा पार्क, नई दिल्ली।

(भ्रन्तरक)

श्रीमश्री रचना ग्रोबर,
 3244, कुचा हिफज राना,
 बहादुर गढ़ रोड, दिल्ली।

(भ्रन्तरिती)

सहें बहु शुक्रवा जाड़ी कड़के दुर्वाच्छ इन्यृत्ति के वर्तन के दिए कार्यवाहिकों कड़ता हो।

उक्त कम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बासीप ह---

- (क) इस सूचना के हायपण में मकायन की तारीच के 45 दिन की जनिय में तत्त्वस्वन्धी कारिकों पड़ सूचना की तामील से 30 दिन की जनिय, जो भी जनिय बाद में समाप्त होती हो, हो भीतर पूर्वोक्त स्वित्वों में वे किसी स्पन्ति ब्राह्म;
- (व) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब र 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्प्रीत में हितबद्ध किसी जन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ता(।रो के पाह निवित्त में किए जा सकोंगे।

स्वक्कृतिस्य:—इसमें प्रवृक्त कर्यों और पदों का, को उस्त अधिनियम के अध्याय 26-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा को उद्देश साय में दिका गया हैं।

नरुपुर्वी

प्लाट नं० 33, ब्लाक टी यू, प्रीतम पुरा, विशाखा इनक्लेब, दिल्ली।

> श्रार० पी० राजेश सक्षम प्राधिकारी, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज 3, नई दिल्ली-110001

तारीख: 7-10-1985

प्रकम बाइ दी एन एव . -----

बायकर विविश्यम, 1961 (1961 का 43) की भार 269-म (1) के अभीन स्वता

मारत तरकार

कार्यालय , सहायक बायकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेज-३, नई दिल्ली नई दिल्ली, दिनाँक ७ श्रक्तूबर 1985 निर्देश मं० स्राई०ए०सी०/एक्यू/३/३७ईई/२–85/4–85/ 885—स्रत: मुझे, श्रार० पी० राजेश

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की पारा 268-क के अधीन सकाम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उधित बाजार मृल्य 1,00,000/-रा. से अधिक है

श्रार जिसकी संख्या पौली र्वा—6, है तथा जो राजा पार्क, नई दिल्ली में स्थित है (श्रार इससे उपावढ़ श्रनुस्ची में पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्चा श्रधिकारी के कार्यालय, अर्जन रेंज−3, नई दिल्ली, भारतीय श्रायकर श्रधिनियम, 1961, के श्रधीन, तारीख फरवरी 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दरयमान प्रतिफल को लिए अन्तरिती की यह बार मुक्य यह विदयस कम्दे का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्परित का उचित बाजार मूल्य, उसके दरयमान प्रतिफल का पन्तर प्रतिक्त से स्वित्तर का उचित बाजार मूल्य, उसके दरयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिस्त से अधिक है बीर अन्तरक (अन्तरका) और बम्बरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे बन्तरण के लिए तम पास यया प्रतिफल निम्बितिब उद्दूर्विय से उक्त अन्तर्य निस्तर में वास्तविक रूप से किश्त नहीं किया गया है :—

- (क) सम्बर्ध से हुन् किडी बाव की बावत, जनत श्रीपायम के बचीन कर दोने के क्लारक के क्षियल में कमी करने वा सबसे क्याने में सुनिका के सिन्; बॉर/बा
- (क) एंडी किसी बाय या किसी धन या बन्य आस्तिकों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 1957 का 27) के प्रवाज-नार्थ अंतरिती ख्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया बाना बाहिए था कियाने में सुविधा के लिए;

कतः सम्, क्या विशिष्य की भारा 269-म के अध्वरण को, भी उत्तर विभिनियम की भारा 269-म की उपभारा (1) के अभीत, निम्नकि<u>ष्यिल</u> व्यक्तियों_क सम्बद्धि ड—— श्रीमती रानी मारवा,
 बी-63, रामा पार्क, नजकगढ़ रोड,
 नई दिल्ली।

(श्रन्सरक)

श्री देविन्द्र कुमार गांधी,
 बी-58, सारदा पुरी, रमेश नगर,
 नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना बारी करके पूर्वोक्त सम्मति के वर्षन के सिक्ष कार्यवाहियां करता हु ।

उक्त सम्परित के वर्षन के सम्बन्ध में कोई की बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन की अविधि या तत्त्वस्वन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की वविध, वां भी वविध बाद में झनाप्त होती हो, के नीतर प्वॉक्ड व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति स्वार;
- (क) इस सूचना के सक्तपत्र में प्रकाशन की सारीका ते 45 दिन के भीतर उक्त स्वावर सम्भीत में हितकपूध किसी सन्य व्यक्ति द्वारा सभोहस्ताक्षरी के पास सिवित में किए का सकींगे।

स्थव्यक्तिकरण:---इसमें प्रयुक्त वन्दों नौर पर्यो का, को खबड़ अधिनियम के सभ्याय 20-क में परिभाषित है, नहीं अर्थ होगा, को उत सभ्याय में दिया बना है।

वन्स्ची

पोली-बी-6, रामा पार्क, नई दिल्ली, तावाधी 250 वर्गे गज।

> मार० पी० राजेश सक्षमं प्राधिकारी, सहायक आयकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-3, दिस्ली, नई दिस्सी-110002

तारीख: 7-10-1985

प्रक्य भार् ्टी. एन . एस ु-----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) को अधीन सुमना

भारत सरकार

कार्यातय, सहायक जायकर काम्क्त (निरीक्षण)
श्रजंन रेंज-2 दिल्ली
नई दिल्ली, दिनाँक 16 सितम्बर 1985
सं० ग्राई० ए० सी०/एक्यू/2/37ईई/2-85/582--श्रतः मुझे, कै० वासुदेवन,

बायकर बीधनियम, 1961 (1961 का 43) (चिन्ने इसमें इसके पश्कात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि रुधावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

ग्रं ि व संख्या स्पेस नं० 1, पलाट नं० ए-1/3 है त जो नैनीवाला वाग, श्राजादपुर, दिल्ली में स्थित है (श्रीर इससे उपावद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, श्रर्जन रेंज-2, नई दिल्लो, भारतीय श्रायकर श्रिधिनयम, 1961 के श्रिशोत, तारोख फरवरी 1985 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्ध्यमान श्रिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उपित बाजार मूल्य, उसके द्ध्यमान श्रिकल से, एसे द्ध्यमान श्रिकल का पन्द्रह श्रीतफल से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अंतरिती (अन्तरितिया) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गमा श्रीतफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उकत अन्तरण लिखित में बास्त्रविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने वा उसले अचने में सृषिधा के लिए; और/या
- (स) ए सी किसी लाग या किसी धन या अन्य जास्तियों को, जिन्हों भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, जिन्माने में सुविधा के लिए;

अत: अंथ, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण को, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीर, निम्निसिखत व्यक्तियों, अंधृति ६—

मै० श्रार० पो० सूढ एण्ड कम्पनी लि०,
 ईरोज सिनेमा बिल्डिंग, जंगपुरा एक्तटेंगन,
 नई दिल्ली।

(भ्रन्तरक)

2. मैं रिलाइबल आगरो इंजीनियरिंग सर्विसि (प्रा०) लि०, जी० टी० न्यू कोर्ट रोड, जालन्धर।

(भ्रन्तरिती)

को यह तुषना जारी करके पृथींक्त सम्पत्ति के वर्षन के निष् कार्यवाहियां कारता हो।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी नाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास तिसित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

वन्युची

स्पेस नं 0 1, प्राउण्ड प्रलोर, बिल्डिंग एट प्लाट नं ए-1/3, नैनीवाला बाग, श्राजादपुर, दिल्ली, तादादी 342 वर्ग फिट ।

> के० वासुदेवन सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-2, दिल्ली, नई दिल्ली—110002

तारीख: 16-9-1985

त्रक्ष आर्'.टो..एष..एष अन्यवस्थान

नावकर निभिनियम,, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-थ (1) के अधीन सूचना

नारुत् चरकार

कार्यालय, सहायक बायकर कामृक्त (निरीक्षक)

अर्जन रेज-3, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनाँक 16 सितम्बर 1985

मं० श्राई० ए० सी० एक्यू/2/37ई $\delta/2-85/583--$ अतः महो, के० नामुदेवन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रपाद 'उन्त निधीनयम' कहा गया हैं), की भारा 269-व के नधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वात करने का कारण है कि स्थानर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/-क से नधिक हैं

ग्रोर जिमकी संख्या फ्लैंट नं० जी-2 है तथा जो 18, माज्य पटेल नगर, नई दिल्ली में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय, श्रर्जन रेंज-2, नई दिल्ली, भारतीय श्रायकर श्रिधिनियम, 1961 के श्रिधीन, तारीख फरवरी 1985

को पूर्वोदत सम्मति के दिवत बाजार मुख्य से कम के क्यमान क्रितिक के लिए बन्तिरित की गई हैं और मुक्ते यह विश्वास कारने का कारण है कि स्थापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उपके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल के बन्त्रह प्रतिचत से बिधक है और संतरक (बंतरकों) और बंत-रिती (बंतिरितिबाँ) के बीच एसे बंतरण के लिए तम पागा क्या प्रतिकत निम्मिसिचित उद्बेश्य से उच्त बंतरण निवित्त बे बास्तिबक कम से किथत नहीं किया गया है है---

- (क) बन्तरक से हुई किसीं काम की वावस्त, उक्स वृधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक को समित्व में कनी करने या उससे वचने में बुन्तिधा से निए; बरि/वा
- (वा) एसे फिसी नाथ या किसी धन या जन्य जास्तियों को, जिन्हें भारतीय नायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया नया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के सिष्ट ।

इत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में मैं, डक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) में अधीन, निम्नेलियिह व्यक्तियों, अर्थात् :-- मैं० कैलाश नाय एण्ड एसोसियेटस,
 1006, कन्चन जुंगा, 18, वाराखम्बा रोड,
 नई दिल्ली।

(अन्तरक)

न्यू बैंक श्राफ इण्डिया,
 1, टालस्टाय, मार्ग,
 नई दिल्ली।

(भ्रन्तरिती)

को यह ब्यना वारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के श्वन के सिव कार्यनाहियां कुक करता हुं ।

चक्य सम्पत्ति के सूर्यन के सम्बन्ध में कोई भी जानेतृ हैं---

- (क) इस ध्रमचा के रावप्त में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की अविधि मा तत्सम्बन्धि व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की जव्धि, को भी विधि मा कि मा मा से समाप्त होती हो, के भीतर पृथीकत स्थितताों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति व्यक्ति हो.
- (च) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मित्त में हितबद्ध किसी बन्य व्यक्ति द्वारा मधोहस्ताक्षरी के पाच निवित में किए चा सकेंगे।

स्वयद्विकरण हि—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, को उक्त विभिन्नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हीं, वहीं वर्ष होगा को उस अध्याय में दिया पदा हैं.

अनुसूची

फ्लॅंट नं० जी-2, ताबाबी 1414, बर्गे फिट, ग्राउण्ड फ्लोर, प्रोप्रोजिड ग्रुप हार्जीसग स्कीम 'श्रजुध्या एपार्टमेंट', 18, साउथ पटेल नगर, नई दिल्ली।

> के० वासुदेवन, सक्षम प्राधिकारी, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रर्जन रेंज-2,दिल्ली नई दिल्ली-110002

तारीख: 16-9-1985

प्ररूप आई.टी.एन.एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 ष (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-2, दिल्ली नई दिल्ली, दिनाँक 16 सितम्बर 1985

निर्देश सं० भाई० ए० सी०/एक्यू/2/37ईई/2-85/584--

भ्रतः मुझे, के० वासुदेवन,

नायकर निधनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परकार (उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

भीर जिसकी संख्या स्पेस नं० 3, प्लाट नं० ए-1/3 है तथा जो नैनीवाला बाग, म्राजादपुर, दिल्ली में स्थित है (ग्रीर इससे उपाधक ग्रन्सची में पूर्णरूप से वर्णित है), रजिस्टी-कत्ती ग्रधिकारी के कार्यालय, ग्रर्जन रेंज-2, नई दिल्ली, भारतीय श्रायकर श्रिष्ठिनियम 1961, के श्रधीन, तारीख फरवरी, 1985 को गुर्वोक्त सम्पत्ति के उणित बाजार भ्ल्य से कम के इच्छमान प्रतिकस के सिए अन्तरित गड्ड की विक्यास करने का कारण वयाप्नोंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके इत्यमान प्रतिकल से, एसे व्ययमान प्रतिकल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है भौर बंतरकः (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) को बीच एंसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिसित अपूर्वके से उक्त कररण लिखित में वास्तविक रूप से कथित शहीं किया गवा है :----

- (क) बन्तरण से हुई किसी जाव की बाबत, उक्त अधिनियम से अधीन कर दोने के बन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा दायित्व की लिए; और/या
- (क) एसी किसी जाय या किसी धन या अन्त जास्तियाँ को जिन्ह भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, का धन-कर अधिनियम, का धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया भा वा किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के सिए;

भतः भवः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) से अधीन, निम्निचित स्वित्यों अधि :--- मै० भ्रार० सी० सुढ एण्ड कम्पनी लि०, ईरोज सिनेमा विल्डिंग, जंगपुरा एक्सटेन्शन, नई दिल्ली।

(भ्रन्तरक)

द पंजाब कमिशनर फाइनेन्स (प्रा०) लि०,
 19, जी० टी० रोड,
 जालन्धर।

(ग्रन्तरिती)

का यह स्थाना कारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के निए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

सकत सम्पत्ति के कर्जन के संबंध में कोई भी जाकीप ह----

- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की जबीध वा तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की जबिध, जो भी जबिध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी न्यानित द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपंत्र में प्रकाशन की तारी के से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी जन्म स्थावत द्वारा, क्षोहस्ताक्षरी के पास हिहिकत में किए जा सकेंगे।

स्वक्रीकरणः ---इसमें प्रयुक्त सन्दों और पदों का, जो उक्त. जीशीनका, के जभाव 20-क में परिभाषित ही, वहीं कर्ष होगा, जो उस सभ्याय में दिया भवा ही श्री

जन्सूची

स्पेस नं० 3, इन्टरमेडीटयेट फ्लोर, प्लाट नं० $\eta-1/3$, नैनीवाला बाग, प्राजावपूर दिल्ली, तादावी 638 वर्ग फिट।

के० वासु देवन सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजन रंज-2, मई दिल्ली-110002

दिनाँक: 16-9-1985

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269 म (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आय्क्त (निरीक्षण) धर्जेत रेंज-2, दिल्ली

मई दिल्ली, दिनौंक 16 तिरास्त्रर 1985 निर्वेश सं० प्राई० ए० सी०/एक्यू/ 2/37ईई/2-85/585---भतः मुझे, के० वासुदेवन,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हों), की धारा 269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रा. से अधिक ही

ष्ट्रीर जिज्ञकी संबदा स्पेस नं० 2, प्लाट नं० ए-1/3 है, तथा जो नैनिजाला जाग, ब्राह्मपुर, दिल्ली में रिथत है (ब्रीर इनसे उपाबद्ध अन्स्ची में पूर्ण रूप से वार्णित है), रिजस्ट्री-कर्त्ता श्रीधनारी के नार्यालय, श्रर्जन रेंच-2, नई दिल्ली, मारतीय श्रायनर श्रीधनियम, 1961, के श्राधीन, तारीख फरवरी 1985

को पूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य से कस के दश्यमान प्रतिफल के लिए उन्तरित की गर्द है और मृक्षे यह विश्वास करने का कारण है कि

सभापबींक्त सम्पत्ति का उचित बाजार सन्य, उसके दश्मान प्रतिफल सो, एसे रश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखत खब्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अंतरण से हुई किमी आय की बाधत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक की दायित्य में कमी करने या उससे वचने में सुविधा के लिए; और/या
- (च) एमी किसी आय या किसी धन या अन्य ब्रास्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्कन अधिनयम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोक्तार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

बत: अब:, उवत अधिनियम की धारा 269-ग के अनस्रण में, में, उक्त अधिनियभ की धारा 269-घ की उपधारा (1) के क्यीन नियमिलिशित व्यक्तियों, अर्थात :—
39—316GI/85

 मै० धार० सी० सुढ एण्ड कम्पनी लि०, ईरीज तिनेमा बिल्डिंग, जंगपुरा एक्सटेन्यन, नई दिल्ली।

(भ्रन्तरक)

2. दि पंजाब कश्मीर फाइनेंन्स (प्रा०) लि०, 19, जो० टी० रोड, जालन्धर।

(प्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्धेवत सम्पत्ति के अर्जन के सिर कार्यवाहिया करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :--

- (क) इस म्बना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 15 दिन की अविधि या तत्सेवंधी व्यक्तियाँ पर चिना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी /विधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इ.स. सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीत से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरो।

स्पष्टीकरण:— इसमें प्रयुक्त रुद्धों और पदों का जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अन्स्ची

स्रेत नं० 2, वेनमेंट पत्रोर, प्लाटनं० ए 1/3, नैनीवासा बाग, आजादपुर, दिल्ती, तःयादी-368 वर्ग फिट।

> के० वासुदेवन, सक्षम प्राधिकारी, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज 2,नई दिल्ली-110002

तारीखा: 16-9-1985

माहर 🖁

प्ररूप आइ².टो.एन.एस.-----

अगमकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन मूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) प्रजीन रेंज-2, नई दिल्ली

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्यात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

भीर जिसकी संख्या पलैट नं० एफ-2, है तथा जो 18, साउथ पटेल नगर, नई दिल्ली में स्थित है (फ्रीर इनसे उपाबद प्रनुसूचो में पूर्णका से वंशित है), रिजरहोक्सी प्रधिकारी के कार्यालय, प्रजीन रेज-2, नई दिल्ली, भारतीय पायकर प्रधिनियम, 1961 के प्रधीन, तारीख फरवरी, 1985

को पूर्वोक्त संपत्ति के अचित बाजार मृन्य में कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई ही और मुक्ते यह दिनदास करने का कारण ही कि अध्ययूर्वोमन संपत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल मी, एमी दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक ही और अन्तरण (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एमें अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उबत अन्तरण लिखित मों बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया ही:——

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन- कर अधिनियम, 1057 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

जत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्मरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिसित व्यक्तियों, अर्थात् :--

 मै० कैलाघा नाथ एण्ड एसोतियेट्स, 1006, कंचतर्जुगा, 18, बाराखम्बा रोड, नई दिल्ली।

(भन्तरक)

न्यू बैंक भाफ इण्डिया,
 टालस्टाय, भार्ग,
 नई दिल्ली,

(भग्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्स सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति को अर्जन को सम्बन्ध में मार्ह भी वाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन को तारी सं 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अभोहस्ताक्षरी के पास निस्तित में किए जा सकोंगे।

स्पद्धीकरण:—-इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित है, यही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

पलैंट न०-एफ-2 तादादी- 1560 वर्ग फीट, पहली मिजंस ग्रूप हाउमिंग सकीम 'ग्रजूध्या एर्पाटमेंट, 18,साऊथ पटेल नगर, नई दिल्ली

> कें वासुदेवन, सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजंन रेंज-2, नई दिल्ली-110002

तारीख: 16-9-1985

प्ररूप बाह्र .टी .एन .एस . -----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) प्रजीन रेंज,-2, नई दिल्ली मई दिल्ली, दिनांक 16 सितम्बर 1985

निर्देश सं॰ ग्राई॰ ए॰ सो॰/ए॰यू/2/37ईई/2-85/587:---

प्रत: मुझे, के० वासुदेवन,

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है'), की धारा 269-श्व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का स्टारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य ',00,000/- रु. से कृधिक हैं

भौर जितकी संख्या प्रो० नं० 11/5 है तथा जो वैस्ट पटेल नगर, नई दिल्लो में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रोकर्त्ता श्रधिकारी के कार्यालय भर्जन रेंज-2, नई दिस्ली, भारतीय श्रायकर श्रधिनियम, 1961, के भर्धीन, तारीख फरवरी, 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति को उचित बाजार मूल्य से कम के इश्यमान प्रतिफल को लिए अंतरित को गई हैं और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण हैं कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एंसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से आधक हैं और अंतरक (अंतरकों) और अंत-रिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में भास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है;—

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अंतरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; चरि/या
- (घ) एसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्ह भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया बाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए:

श्री करतार कुमार,
 निवास: 5130/29, भैन बाजार पहाड़ गंज,
 नई दिल्ली।

(भ्रन्तरक)

श्री विशम्भर नाथ,
 12/28, वैस्ट पटेल नगर,
 नई दिल्ली।

(मन्तरिती)

को यह सूचना जारी करकं पृथीक्त सम्पत्ति के अर्जन के किए कार्यवाहिया शुरू बारता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की ताराख से 45 दिन की अवधि. या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किती अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास तिसित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः ---इसमें प्रयूवत शब्दों और पदों का, जो उकत अभि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

भ्रनुसूची

प्रो० नं० 11/5, धैस्ट पटेल नगर, न**ई दिल्ली तावावी** 200 वर्ग गज।

के० वासुदेवन सक्षम ग्रधिकारी, सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-2 दिल्ली-110002

अतः अव, उक्त अधिनियमं की धारा 269-ग के अनुसरण ते. में, उक्त अधिनियमं की धारा 269-व की उपभारा (1) अधि अधीन, निम्नतिवित् व्यक्तियों, अर्थात ६—

तारीख: 16-9-198**5**

प्ररूप मार्च, टी. एन. एस., ------

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की बाय 269-व (1) के बधीन सुबता

भारत सरकार

आर्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) धर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 16 जितम्बर 1985 निदेश सं श्राई ० ए० सी ०/एक्यू / 2/3 7 ईई / 2~85 / 588:-**ग्र**त: मझे, के० वास्देवन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परकात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की 269- अ के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

भौर जिसकी संख्या 214 है तथा जो भ्रगोक विहार, फेज-1, दिल्ली में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबढ़ ग्रन्सूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्त्ता श्रधिकारी के कार्यालय, भर्जन रेंज-2, नई दिल्लो भारतीय श्रायकर श्रधिनियम, 1961. के प्रधीन, तारीख फरवरी 1985

को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मुख्य से कम के इत्यमान प्रतिफल को लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार **अल्प, उसके दश्**यभान प्रतिफाल संधासंदश्यमान प्रतिफाल का पेंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल, निम्नलिखित उद्दोष्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्त-विक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- **्क) बन्तरण से हुइ' किसी आय की बाबत सक्तु** अधिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक आवै द्यापित्युमें कमी करने वाउससे वचने में सुविधा के लिए; बॉर∕या
- (का) एोसी किसी अाय या किसी धन या अन्य अगस्तियौँ का, जिन्हां भारतीय भाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयाजनार्थ अन्तरिती दुवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में व्यविभाके लिए;

1. श्रीमती चरनजीत बतरा पत्ना थां डी० प्रार० बतरा. ए-103, अशंक विहार, फेज-2; दिल्ली ।

(प्रन्तरक)

2. श्रीमती प्रेमलता गायल, एच-214, प्रशीक विहार फेज-1, दिल्ली ।

(भन्तरिती)

को यह स्थान जारी करके प्यॉक्ट सम्पन्ति के वर्षन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

सकत सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्सेप:---

- (क) इस् स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच खै 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सचना की तामील से 30 दिन की अप्रविधा, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के शि**ट्य ⊬र्वॉक्ट** व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्यारा;
- (ख) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारनेख वें 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति मे हितवहुध किसी अन्य व्यक्ति दवारा अभोहस्ताक्षरी के पाक लिखित में किए जा स्केगे।

स्यक्टोकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदा का, भा उपन बिधिनियम, के अभ्याय 20-क में प्रिभाषित है, वहीं वर्ष होंगा जो उस अध्याय के विका न्या है 👃

धनुषुषी

एफ-214, प्रशोक विहार, फेफ-1, दिल्ली।

के० वासुदेवन सक्षम प्रधिकारी, सहायक प्रायकर भायकत (निरीक्षण) मर्जन रेंज 2 दिल्ली,-110002

बतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)

के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ध--

तारीख: 16-9-85

प्ररूप कार्द. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) को धारा 269-म (1) के अधीन सुमना

भारत् सरकाड्

कार्यालय, महायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) प्रजैन रैंज-2, दिल्ली

नई दिस्लो, दिन¹क 16 सितस्बर 1985 निदेश संबद्घाई० ए० सो०/एकपू०/2/37ईई/2-85/589:---ग्रत: मुझे, के० वासुदेवन,

बायकर बिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसमें इसमें एक्षात् 'उकत अधिनियम' कहा गा है), की धारा 269-अ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रहन से अधिक है

भीर जित्रको संख्या सो० जो एक-11 है तथा जो भ्रयन्त दिलबुग इण्डस्ट्रोयल इण्डेट, जो० टो० करनाल, रोड, बिल्ली में स्थित है (श्रीर इतते उराबद श्रनुसूची में पूर्ण रूप से वर्गित है), रिजिस्ट्रोक्ती श्रधिकारी के नार्यालय, धर्मन रेंज 2, नई दिल्ली भारतीय श्रायकर श्रधिनियम, 1961 के भाषीन, कारीख करवरी, 1985

का पृतिकत सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य सं कम के द्रामान प्रतिकत के लिए अंतरित की गई है और मूक्षे यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य स्म्य, उसके द्रायमान प्रतिकत सं, एसे द्रायमान प्रतिकत का पंत्रह प्रतिकत से अधिक है और अंतरक (जंतरका) और (चन्तरित्यों) के बीच एस अन्तरण के लिए नय पाया नया प्रतिकत, निम्नलिसित उद्देश्य से उच्त अन्तरण लिसित बास्तिक क्ष्य में कथित नहीं किया गया है:---

- (क) बन्तरण से हुई फिटी बाय की बावत उक्त बीध-नियम के बधीन कर दोने के बन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; बार्ट/या
- (क) ऐसी किसी जाय या किसी भन या जन्य जास्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अभिनियम, वा भन-कर अभिनियम के 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए; और/या

अतः अव, उक्त अधिनियमं की धारा 269-ग के अन्सरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निसिखित व्यक्तियों, अधीत्:— 1, मैं॰ पाली पातिल इण्डल्ट्रीजस, 2/68, रूप नगर,दिल्ली।

(ग्रन्तरक)

श्रीमती सरोज गुप्ता,
 बी-43, श्रशोक विहार, फैज-1,
 नई दिल्ली।

(भन्तरितो)

को यह सृजना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां गुरू करता हुं।

उक्त सम्परित के वर्जन के संबंध में कोई भी वाक्रोप :--- 🥇

- (क) इस स्वान के राजपत्र में प्रकाशन की तारी है हैं 45 दिन की अपिथ या तत्संबंधी व्यक्तियों पे. स्वान की तामील से 30 दिन की अपिथ, जो भी अविध बाद में समाप्त हाती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के एजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास निवित में किए जा सकेंगे।

स्यष्टीकरणः ----इसमें प्रयुक्त शब्दां और पदों का, जो उक्ता विधानियम के अध्याय 20-क में पीरभाषित ही, वहीं अर्थ होगा को उस अध्याय में दिया। यस ही।

अनुसूची

सी० जो० एक 11, महारल दिल खुश इंग्डस्ट्रीयश इंग्डेंट, जो० टी० करताल रोड, दिल्लो, सादादी 778 वर्ग फिट।

> के॰ वासुदेवन सक्षम घ्रष्टिकारी, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरक्षिण) पर्जन रेंज-2, दिल्ली,I दिल्ली,-110002

तारी**ख: 16-9-198**5

प्रक्प बाइ. टी. एन. एस.----

अक्षाप्त अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के बभीत सूचमा

बाइब स्टब्स

कार्यालय, सहा एक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्राजंन रेंज-2, दिल्ली

नई दिल्ली, यिनांक 16 सिलम्बर 1985 निर्देश पत श्राई० ए० सी०/एक्यू/2/37ईई/2-85/590:---

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने धण कारण है कि स्थावर सम्पिता, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/-रा. से अधिक हैं

म्रीर जित्तको संख्या वेत्रमेन्ट नं० सी० बी-5 है तथा जो म्राज्ञ दिलखुक इण्डरट्रोयल इस्टेट, जी० टी० करनाल रोड, दिल्ली में स्थित है म्रीर इससे उपाबद मनुसूचा में पूर्ण रूप से धींगत है), रिलस्ट्रोवस्ती मधिवारी के कार्यालय मर्जन रेंज-2 नई दिल्ली भारतीय मायकर मधिनियम, 1961 के मधीन, तारीख फरवरी, 1985

को पूर्विशत सम्पत्ति के उचित बाबार मूस्य से कम के दृश्यान अतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों कत संपत्ति का उचित वाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिषत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियां) के बीच एसे उन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देशय से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिविक रूप से किथत नहीं किया गया है है—

- (क) जन्तरण सं हुइं किसी बाव की बाबत उक्स अधिनियम के अधीन कर दोने के बन्तरक के वायित्व में कमी करने या उसने बच्चने में स्विधा के सिए; भौर/या
- (क) ऐसी किसी आय था किसी धन वा बन्य बास्तियाँ की, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम 1957 (1957 का 27) के स्थोजनार्थ जन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया नवा वा वा किया चाना चाहिए था, डिपान वें ब्विधा अंकिए;

अतः अथ, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में. में, उक्त अधिनियम की भारा 269-म की उपभारा (1) हे अधीन, जिम्निलिखित व्यक्तियों, अभीत् ६ श्री कृष्णा नारायग एण्ड श्री श्रलोक कुमार गुण्ता,
 68, मेडिकल भन्तारी रोड, दरिया गंज,
 नई दिल्लो।

(घन्तरक)

श्रीमती गुलधन सेठी
पत्नी श्री हरीध भुमार सेठी,
ए०-16, गुजरानवाला टाउन फेज-2,
णो० टी० करनाल रोड,
दिल्ली।

(श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पृथाँकत सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाधियां शुरू करता हु।

बक्त बम्पत्ति के बर्चन के बम्बन्ध में स्वादी भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी व से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण :---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं कर्य होगा जो उस सध्याय में विया गया है।

वन्स्वी

बैतर्नेट नं० सी० बी~5, श्रम्तल, दिलखुग इण्डस्ट्रीयश इस्टेट, जो० टो० करनाल, रोड, दिल्लो, तादादो-763 वर्गफिट।

> के० यासुदेवन, सक्षम घधिकारी सहायक भायकर धायुन्त (निरीक्षण) धर्जन रेंज-2, दिल्ली नई दिल्ली-110002

सारीखाः 16-9-1985

प्रकप बाई. टी. एन. शस. ------

बाधकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-थ (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर काय्क्त (निरीक्षण) ग्राजैन रेंज-2, दिल्ली

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थार्ट सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00-000/- रा. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० जी-29, है तथा जो 2, ओल्ड रोहतक रोड, दिल्तो मं स्थित है (श्रीर इससे उगवद्ध श्रनुसूची में भीर पूर्ग रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ना श्रधिकारी के कार्यालय भर्जन रेंज-2, नई दिल्लो भारतीय श्रायकर श्रधिनियम, 1961 के श्रवीन, तारीब फरवरी 1985

को पृथेकित सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से क.८ के रहममान प्रतिफल के लिए अन्तिरत की गई है और मृक्षे यह विश्वाम करने का कारण है कि यथा प्रवेक्ति सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अध्यक्ष है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उच्चेंच्य से उक्त जन्तरण लिखित में वास्तिबक रूप से किथल नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के बाधिन्य में कमी करने या उससे बचने से सुविधा के निए∷ और/या
- (क्ष) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को. जिन्ही भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भनकर अधिनियम, या भनकर अधिनियम, या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृविष्ण के लिए:

अतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनसरण ब्रों, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग की उपभारा (1) के अभीन, निम्नलिसित व्यक्तियों, वर्थातः :----

- 1. मैं एलाईड कन्स्ट्रक्णन कम्पनी, जी-5, दिपाली, 92, नेहरू फीस, नई दिल्ली। प्रान्तरक)
- श्री रनजीत गोयल, निवासी बी-7/1, सफदरजंग इनक्लेब, नई दिल्ली।

(भ्रन्तिरती)

क्यं यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त स्म्पित्त के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस मुचना के राजपत्र मी प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अधि के भीतर पृश्वेक्ट व्यक्तियों में किसी व्यक्ति देवारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीय से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर संपत्ति में हितब्द्ध किसी उन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेगे।

स्परवीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनिष्णम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनसची

फ्लैट नं० जी-29, ग्राउण्ड फ्लोर, तादादी-278 वर्ग फिट, 'एलाईड हाउस, प्लाट नं० 2, मोल्ड रोहतक रोड, बिस्ली।

> के० वासुदेवन सक्षम श्रीधकारी सहायक मायकर (भ्रायुक्त निरीक्षण) भ्रजेन रेंज-2 रिस्ली नई दिल्ली,-110002

तारीख: 16-9-1985

प्ररूप आई.टी.एन. एस. -----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के बधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायकत (निरीक्षण)
श्रार्जन रेंज-2, नई दिल्ली
नई दिल्ली, विनांक 16 सितम्बर 1985
निर्देश सं० भाई० ए० सी०/एन रू/2/37ईई/2-85/592:---

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसकों इसकों दक्षकों प्रकात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-इस के अधीन सक्ष्म प्राधिकारी को यह विक्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रहा से अधिक है

भीर जिनकी संख्या जी-18 है तथा जो 3, घोल्क रोहतक रोड, दिल्ली में स्थित है (भीर इससे उपाबद धनुमूनी में पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजिस्ट्रीकत्ती अधिकारी के कार्यालय भने। रेंज-2, नई दिल्ली भारतीय आयकर अधिनियम 1961 के भवीन तारीख फरवरी, 1985

करं प्वेरित सम्पत्ति के उचित बाजार मल्य से कम के दरयभान श्रीतफल के लिए अन्दरित की गई है और मफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा प्वेकित संपत्ति का उचित ग्राजार मल्य, उसके दरयमान प्रतिफल से, एंसे दरयमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिवात से विधिक हुन और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एंसे अन्तरण के लिए तथ पामा ग्या प्रतिफल, निम्निलिखित हद्देश्य से उन्ते अन्तरण लिखित में बास्तिबक कम से कथित श्री किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायिस्व में कमी करनेया उससे बचने में सुविधा के सिए; और/या
- (श) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियाँ करो, जिन्हाँ भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

बत: अत. उका अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मी, मी, उक्त अधिरिया भी धारा 769-भ की उपधारा (1) को अधीन निम्निक्कित व्यक्तियों, सर्थातु :---- मैं० एस० बी० सेल्स प्रा० लि०, यू० बी-1, घन्सल भवन, 16, कस्तूरबा गांधी मार्ग, नई दिल्ली।

(प्रस्तरक)

2. श्री योगिन्दर सिंह भीर श्रीनती गिरीराज तिह, निवासी-गोविन्द निवास, गोल बाग रोष्ट्र भरतपुर (राजस्थान)।

(मन्तरिती)

को यह म्चना भारी करके पूर्वेक्त सम्पत्ति के अर्जन को लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कांई भी जाक्षेप :--

- (क) इस मुख्ता के राजपक में प्रकाशन की तारी का से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी स्वक्तियाँ दर सुखना की तामील से 30 दिन की अवधि, जा भी कविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी स्वक्ति द्वारा;
- (क) इस मुचन के राजपत्र में प्रकाशन को तारीक से 45 दिन के भीतर उन्त स्थायर संपत्ति में हितबहुध फिगी कन्य व्यक्तित इत्रारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों कौर पदौं का, जो उक्त अधिनियम, को अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

जन्स्वी

इण्डस्ट्रीयल स्पेत नं० जी-18, प्रातण्ड फ्लोर, प्रोपोजिङ बिस्डिंग, भिन्डोतेष्ट हाउा, ५४% नं० 3, भ्रोलंड रोहतक रोड, दिल्लो तादादी 172 वर्ग फिट।

> कै० वासुदेवन, सक्षम मधिकारी, सहायक मायकर म्रायुक्त (निरीक्षण) म्रजैन रेंज-2 दिल्जी नई दिल्जी-110002

सारीज: 16-9-1985

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आधकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269 प (1) के अभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 16 सितम्बर 1985 निर्देण सं० भ्राई० ए० सी०/एक्यू/2/37ईई/2-85/593:---श्रत मुझे, के० वासुदेवन,

अगयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विद्यास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

श्रौर जिसकी संख्या जी-22, तथा जो 3, श्रोल्ड रोहतक रोड, दिल्ली में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्त्ता, श्रिधकारी के कार्यालय श्रजंन रेंज-2, नई दिल्ली भारतीय श्रायकर श्रिधनियम, 1961 के श्रधीन, तारीख फरवरी, 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इध्यमान प्रतिपत्न के लिए अन्तिरत की गई है और मुक्ते यह विद्यास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिपत्त से, एसे दृश्यमान प्रतिपत्त के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरिक (अंतरिकों) को अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण को लिए तय पाया गया प्रतिपत्त , निम्नलिखित उद्वेच्य से उक्त अन्तरण निचित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी भाग का वाबत, उक्स अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सूनिधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य अस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूबिधा के सिए;

अंत: अब, उक्त अभिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिवियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नितिखित व्यक्तियों, अकृति :---- मैं० एस० बी० मेल्स प्रा० लि०, बुल्डर्स एण्ड प्रोमोटर्स, यू बी-1, ग्रन्सल भवन, 16, करतूरबा गांधी मार्ग, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

 श्रीमती प्रसिमा हिसजा पत्नी श्री सतीश चन्दर,
 26/4, ईस्ट पटेल नगर, नई दिल्ली।

(श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स सम्पत्त के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तानील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्रत व्यक्तियों में किसी व्यक्ति द्वारा;
- (व) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबव्ध किसी बन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी को पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पथ्डीकरण:---इसमें प्रयुक्त कव्यों और पर्दों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, यही अर्थ हावेगा जो उस अध्याय में दिवा गया है।

अम्स्ची

इण्डस्ट्रीयल स्पेस नं० जी-22, ग्राउण्ड फ्लोर, प्रोपोजिङ बिर्लिडग, सिण्डीकेट हाऊस, प्लाट नं० 3, श्रोल्ड रोहतक रोड, दिल्ली सादादी 235, वर्ग फिट।

> के० वासुदेवन, सक्षम प्राधिकारी, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-2, दिल्ली-110062

तारीख: 16-9-1985

इक्य नाहैं। टी. एन. एस.-----

नाथकर नीपनियमः, 1961 (1961 का 43) की पाउ 269-व (1) के वर्षीन क्वना

बार्ड सरकार

कार्यालय, सहायक जायकर जायुक्त (निरक्षिण) अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 16 सितम्बर 1985 निर्देश सं० थ्राई० ए० सी०/एक्यू/2/37ईई/2-85/594:--भ्रत: भुझे, के० वासुदेयन,

बायकार विधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात 'उनक विधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, विश्वका उचित वादार मृख्य 1,00,000/- रा. से विधिक है

ग्रीर जिसकी संख्या जी-23 तथा जो 3, ग्रोल्ड रोहनक रोड, दिल्ली में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय ग्रजन रेंज-2, नई दिल्ली भारतीय ग्रायकर ग्रधिनियम, 1961, के ग्रधीन, तारीख फरवरी, 1985।

को पूर्वोक्स संपत्ति के दिण्त बाकार भून्य से कन के अवसान प्रतिकाश के लिए अन्तर्भित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि संभापूर्वोक्स सम्पत्ति का उचित बाजार भूज्य उसके कायमान प्रतिकास से, एसे कायमान प्रतिकास का वस्त्रह प्रतिकास से अभिक है और अंतरक (अन्दारकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरिक के सिए तम पावा गमा प्रतिकास निम्मिकीयां क्यूबरेश से अवस्त बंतरण जिसित में बास्तरिका कर से कालाद नहीं किया गमा है :—

- (क) बन्तरण ते हुई कियी बाद की बादत, उक्त वीधीन्त्र की व्यीत कर दोने के ज्ञाहर की दादित्व में कमी करने वा उत्तर्ध वज्ने में सुविधा के निए; बाड़/बा
- (थ) एती किसी बार वा किसी धन वा बन्य आस्तियों को, विन्हीं भारतीय वाषकार विधिनयम, 1922 (1922 का 11) या उच्छा अधिनियम, या धनकार वृधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रकोचनार्थ भन्तरियों द्वारा प्रकट नहीं किया गया था वा किया का चाहिए था किया वे वृधिया के विश्व;

बतः। मन, उसत विधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरक कों, नीं, अक्त विधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) दे बधीन, निस्निस्थित व्यक्तियों, वर्षात् क्र--- मैं० एस० बी० सेल्स प्रा० लि०, बुल्डर्स एण्ड प्रोमोटर्स, यू० बी~1, अन्सल भवन, 16, करत्रबा गांधी मार्ग, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

2. मैं० भ्रार० के० मेहता एण्ड सन्स (एच० यू० एफ०) सी० -6/9, माडल टाउन दिल्ली (लोकल पता) 4/21, जबाहर नगर, (एच० ग्राई० जी० पलैट) जयपुर (पत्नाचार का पता)।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां सूक करता हूं।

जनत् बन्नरित को नर्जन को सम्बन्ध मां कोई भी नाजीप क्र----

- (क) इस ब्या के राज्यत्र में प्रकातन की तारीक छ 45 विन की नवीच या तत्सवंधी व्यक्तियों पर स्वना की ताबीज से 30 विन की वर्वीच, को बी शक्षि ताब में समान्त होती हो, के भीतर प्रविद्ध स्वतित्यों में है किसी स्वविद्य कुशारा;
- (७) इत श्वा के हावप्त में प्रकादन की वारीय है 45 बिन् के बीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-वद्ध किसी मन्त्र स्थावत द्वारा, नभोहस्ताकरों से एक निवित में किए वा सकेंदे।

स्वच्छीकरणः ---इसमें प्रमुक्त सन्धां नरि पूर्वो का, का उत्तक् विभिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हूँ, यही कुर्व होगा वो उस क्ष्यार में विका गया है।

नन्सूची

इण्डस्ट्रीयल स्पेस नं० जी-23, ग्राउण्ड फ्लोर, प्रोपोजिड बिल्डिंग, सिण्डीकेट हाउस, 3 श्रोल्ड रोहतक रोड दिल्ली, तादादी-166 वर्ग फिट।

> कें० वासुदेवन, सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजन रेंज-2, दिल्ली-110002

तारीख: 16-9-1985

मोहर 🕄

प्रकृत वार्षः दीः एनः एवः ------

नावकर निवित्तम्न, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अभीन सूचना

माउच चुडकार

कार्यास्य, सहायक बायकर बायुक्त (विडीलक्)

भ्रजीन रोंज -3, दिल्लीं

14/14 ए, आशफ अलीं रोड, अप्रवाल हाउम, नई दिल्ली नई दिल्लीं, दिलींश 16 सितम्बर, 1985

निदेश सं० प्राई० ए० सी०/एक्यू/2/37ईई/2--85/595:-----ग्रत: मुझे, के० वासुदेवन,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (विसे इसमें इसके परचाल 'उन्स अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-स के अधीन, सक्षम प्राधिकारों को, यह विस्तास करने का कारण है कि स्थावर सम्मत्ति, विस्ता उचित वाचार मुख्य 1,00,000/- रह. से अधिक हैं

. और जिन्की संख्या पलैट नं० 306 है तथा जो 3 ओल्ड रोहतर रोड. दिल्लीं में स्थित है (और इससे उपाबद्ध प्रतुमूचीं में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रींकर्त्ता ग्राधिकार के कार्यालय ग्रर्जन रेंज-2, नई दिल्लीं, भारतींय ग्रायकर ग्राधिनियम, 1961 के ग्राधींन, तारींक फरचरीं.

को पूर्वोक्स सम्परिस के उचित बाजार मूल्य सं कम के दश्यजान भितक्कस के लिए बन्तरित की गई है और मूजे वह विश्वास करने का कारण है कि मधाप्यों कस संपरिस का उचित बाजार बृक्य, उसके क्यमान प्रतिकल से, एसे श्र्यमान प्रतिकल का चंद्रह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकार) और अन्तरिती (अन्त्रितिकार) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया चना इतिकस, निम्मीकाचित उद्योग्य से उसते अन्तरण स्थित

में बास्तविक रूप से कवित नहीं किया गया है :---

- (क) क्ष्यरण वे. हुई किसी भाव की बाबस डक्स विविध्य के विभीव कार वोने के बन्तरक की दायिस्त्र में कमी करने या उससे बचने मीं सुविधा के लिए; बरि/या
- (क) एंसी किसी आय या किसी धन या जन्य अस्तियों को, जिम्हें भारतीय जाय-कर अधिनियम, 1923 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अन-कर अधिनियम, या अन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के अयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था वा किया जाना चाहिए था कियाने में स्विधा के लिए;

बतः वब, सन्त विभिनितन की भारा 269 न के अनुसरण दं, में उन्त विभिनियम की भारा 269 म की उपभारा (1) हो सुधीन, निम्तनिचित व्यक्तियों, वश्रीह स्थल मैं० एस० बीं० सेल्स (प्रा०) लिं०, बुल्डर्स एण्ड प्रोमोटरस, यू० बीं० 1 धन्सल भवन, 16, कस्तुरबा गांधीं मार्ग, नई दिल्लीं।

(भ्रन्तरक)

2 मास्टर सैयद म्नन्यर पुत्र श्री सैयद म्नहमद, सीं०/ओ० वाजिदसन्स, 505, कुशल बाजार, 32-33, नेहरू पलेस,

(भ्रन्यरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के जिए कार्यनाहियां एक करता हूं।

जनत सम्परित के वर्षन के बम्बन्ध में काई भी बाक्षण :---

- (क) इस स्वान को राजपन में प्रकाशन की टाराइ थ 45 दिन की संबंधि या तत्स्वच्यामी स्थापितयाँ पर स्वान की तासीस से 30 दिन की बद्धि, जो भी बद्धि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर क्वितायों में से किसी व्यक्ति इताय;
- (च) इत त्वजा के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 रिंग के भीतर उक्त स्थावर स्थात्ति में हितबद्ध किसी कम्म भ्यादेशत व्वाच अधोहस्ताक्षरी के नास स्थितिन में किए जा सकेंगे।

स्पष्टिकरणः --- इसमें प्रमुक्त शब्दों और पर्दो का, भो उक्त अधिनियमं, के अध्याय 20-क में परिभाषित हुँ, यही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गवा है।

धनुसूची

इण्डस्ट्रीयल फ्लैट नं० 306, तीसरी मंजिल, प्रोपोजिड बिल्डिंग मिन्डींकेट हाउस, हलाट नं० 3, ओल्ड रोहतक रोड, दिल्ली, तादादीं 335 वर्ग फिट।

> के० वासुदेवन, सक्षम प्राधिकारी, गहाय इ श्राय इर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-२, दिल्ली

नारींख: 16-9-1985

प्रकप बार्चा टी. एम., एस., च - - ----

भागकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भाग 269-म (1) के अभीत स्चना

भारत सरकार

कर्मालय, सञ्चायक आयकर काय्क्त (निरक्षिण) श्रजन रेज 2, दिल्ली

4/14 ए, भाषाफ भली रोड, अप्रवाल हाउम, नई दिल्ली नई दिल्ली, विनाह 16 क्षितम्बर, 1985

निदश सं० प्राई० ए० सीं०/एम्यू/2/4% ईई/2--85/596:——अत मुझे, के० वास्देवन,

अगयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें ध्रसके परकात 'उकत अधिनियम' कहा गया हैं), क. धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थानर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मल्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

और जिसको संख्या फ्लैट नं 106 है, तथा जो 2, ओल्ड रोह्तक रोड, बिल्लीं में स्थित है (और इसमे उपाबद्ध अनुसूचीं में पूर्ण रूप से चणित है), रजिस्ट्री उत्ती अधिकारीं के वार्यालय अर्जन रेंज 2, नई दिल्लीं भारतीय श्रायकर अधिनियम 1961 के अधीन, तारीख फरवरीं, 1985।

को प्रवेक्ति संपत्ति के उचित बाजार मृत्य सं कम के दश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरिस की गर्द है और मृत्रे यह विश्वास करने का कारण है कि यथमप्रवेक्ति संपत्ति का उचित वाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तररित (अन्तरितयाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उच्चेश्य से उन्त अन्तरण निखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

- (क) बन्तरण सहाई विसी बाए को बाबत. उंधन अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने वा उसके बचने हैं हिवास के किए:
- (स) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों कों, जिन्हों भरितीय बाय-कर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भनकर अभिनियम, या भनकर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना जाहिए था, किया है सृविधा के चिए।

्र गतः सव, उसत् व्यिभिनयम की धारा 269-ग के अन्मरण में, भी, उसत् अधिनियम की धारा 269-थ की लपभाग (1) हो सभीन, निम्मलिखिल व्यक्तिया कर है--- मै० एलाईड कम्स्ट्रक्शन नम्पनी, जी-5, दींपाली, 92, नेहरू पलेस, नई दिल्लीं।

(भ्रन्तरक)

श्रीमती राज रानी
पत्नीं श्री टेक चन्द,
ई-153, श्रमर कलोनी,
लाजपत नगर, नई दिल्ली।

(भ्रन्तरिती)

को यह स्थान जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्ज्याहिया करता हुए।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के संबंध में कोई भी वास्तेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र मों प्रकाशन की सारीखं से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी अयिवत्यों पर सूचना की हामील से 30 दिन की अविध जो भी अविध बाद मों समाप्त होती हो, के भीतर प्रविकत व्यक्तियों यो से बिसी स्थिकत द्वारा,
- (ख) इसं सूचना के राजपत्र मों प्रकाशन की तारीख सें 45 दिन के भीतर जबत स्थावर सम्पत्ति मों हित विकास किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास किसिवत में किए बा सकेंगे।

श्याकारण ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पद्यों की, को उक्त जीभीनयम, को अभ्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होंगा, को उस अध्याय में निया स्या हैं।

पनुसूची

फ्लैट नं० 106, तादादीं-425 वर्ग फिट, एलाईड हाउस, 2, ओल्ड रोहतक रोड, विपरींत माहजादा धाग, दिल्लीं

तारीख: 16-9-1985

200 Table 1 Table 2001 | 1 table 200 | 10 |

प्रकार नाहरू ही .चन-्या ,-----

नायकर निध्नियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के नेथीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्ष्ण) भार्जन रेंज 2, दिल्ली

श्राण २० ८, १५००म 4/14 ए. श्राणफ श्रालीं रोड, श्रायचाल हाउम, नई दिल्ली

नई दिल्लीं, दिनांक 16 सितम्बर 1985

निदेश सं० श्राई० ए० सी०/एक्यू/2/37 ई/2-85/597:---श्रतः मुझे, के० वासुदेवन,

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्जात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्मक्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिपकी संख्या सी० बी-11 है, तथा जी० टी० करनाल रोड, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबक अनुसूचीं में पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्त्ता ग्रधिकारी के कार्यालय श्रजैन रेज-2, नई निल्ली भारतीय श्रायकर श्रिधिनियम, 1961 के श्रधीन, तारीख फरखरी, 1985

को पूर्वोक्त संपत्त के उपित बाजार मृत्य से कम के द्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफ्ते यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उपित बाजार मृत्य, उसके द्रयमान प्रतिफल से एसे द्रयमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरक्रें) और अन्तरित (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नितित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में बास्त-विक क्ष्म से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) बन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरण के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, किपाने में सविधा के लिए;

अप्त: अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के जन्सरण जें, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निसिक्ति व्यक्तियों, जयित :— मैं० पीली पानील इण्डस्ट्रीज,
 2/68 रूप नगर,
 दिल्ली।

(ग्रन्तरक)

श्री गंजानस्य पुत्र श्री बहादुर चन्द,
 48 डी गांबी मार्ग,
 श्री गंगा नगर, राजस्थान।

(भ्रन्तिती)

को यह सूचना चारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां सूक करता हूं।

उनत सम्पत्ति के कर्जन के संबंध में कोई भी आक्षोप :--

- (क) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि वाद में सवाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिकित में किए जा सकेंगे।

स्पक्रीकरण:---इसमें प्रगुक्त सब्दों और पदों का, जो उक्त सिंध-नियम के अध्याद 20-क में परिभाष्ति हैं, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

प्रनस्ची

बेसमेन्ट नं० सी० बी-11, अन्यत दिलखुश इण्डस्ट्रीज इस्टेट, जी० टी० वरनाल रोड, दिल्ली।

> के० थासुदेवन सक्षम प्राधिकारी सहायक प्रायक्षर ब्रायुक्त निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज 2 विल्ली

तारीख: 16-9-1985

माहर :

त्रक्ष बाइं:टी.एव.एत.-----

जाबध्वर जीभनिवस, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अधीन सुचना

भारत संस्कार

कार्यालय, सहायक वायकर वायकत (निरक्षिण) अर्जन रेंज 1 दिल्लीं

नई दिल्लीं, दिनांक 16 सितम्बर 1985

निदेश सं० आई० ए० मीं०/एक्यू/2/37ईई/2-85/508:--श्रतः मुझे, के० वासुदेवन,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269--स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण ह" कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूख्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी संख्या यू० जीं—के हैं तथा जो डीं० 1, डीं 2, नजफगढ़ रोड, कर्माणयन काम्पलेषस, नई दिल्ली में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रिजम्द्रीकर्ता अधिकारी के गार्यालय, अर्जन रेंज—2, नई दिल्ली भारतीय आयकर आधिनियम, 1961 के अधीन, तारीख फरवरीं, 1985

को पूर्वोक्त संपत्ति के उच्ति बाबार मूल्य से कम के दृष्यमान प्रतिफल के लिए जन्तरित की वह है और मूम्के यह विद्वास करने का कारण है कि यथामूर्वोक्त सम्मरित का उचित बाजार मूल्य, उसके दृष्यमान प्रतिफल से एसे दृष्यमान प्रतिफल के पन्त्रह पतिकत से अधिक है और जन्तरक (अन्तरकाँ) और जन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए सब वाया गया प्रतिफल, निम्निसिबत उद्वोदय से उक्त अन्तरण निम्निसित में वास्तिथिक रूप से किया गया है:—

- (क) जन्तरण से हुई किसी आय क्याँ वाबत, उक्त जिभिनियम को अभीन कर दोने के अन्तरक को दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा ले लिए; और/वा
- (का) ऐसी किसी या किसी भन वा अन्य अंतिस्तरों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था किया जाना चाहिए था, कियाने में स्विधा के निए।

अतः क्या, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, में, अक्त अधिनियम की भारा 269-च की उपधारा (1) के अधीतः, निस्तिसिक्त व्यक्तियों, अर्थात् :— मैं० शिवलोक प्रोपरटींज, श्रादिनाथ सरीं हाउस, विपरींत सुपर बाजार, कनाट सर्कम, नई दिल्लीं।

(भ्रन्तरक)

2 श्री श्रगोक कुमार राजा (2) श्री सन्त स्वरूप राजा, रोड नं∘ 10, प्लाट नं० 13, ईस्ट पंजाबी बाग, नई दिल्ली।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना बारी करके पूर्वोक्त सम्मत्ति के वर्षन के तिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के बर्बन के संबंध में कोई भी वाक्षेप :--

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं हैं
 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियाँ पर
 सूचना की तामीं से 30 दिन की अविध, जो भी
 अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोंक्छ
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यारा;
- (ख) इस स्थना के राज्यत स्थापक का तारी खंध 45 दिन के भौतर उक्त स्थावर संपरित में हिसबब्ध किसी बन्ध व्यक्ति द्वारा जभोहस्ताक्षरी के पास सिखित में किए जा सकीं।

स्मक्कीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, को उक्त अधिनियम, के मध्याय 20-क में परिभाषित हाँ, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

नग्तुची

यू० जीं--8, डीं1 डीं 2, नजफगढ़ रोड, कर्माशयल काम्पलेश्स, नई दिल्ली, तादादीं 400 वर्ग फिट।

> के० चासुदेवन, सक्षम प्राधिकारीं सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज 2 दिल्लीं

तारीख: 16-9-1985

प्रकर ्यार्ट्ट द्वित्र एक्त एक्त सम्मन्त्र

बायकर बिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धार 269-च (1) के अभीन सूचना

भारत सरकार

कार्वालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 16 सितम्बर 1985

निर्देश सं० माई० ए० सी०/एक्यू०/2/37-ई ई/2-85/599- - यस:, मुझे, के० वासुदेशन,

कायकर विभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उन्त विभिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-ख के अभीन सक्षम प्राधिकारी को वह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मृत्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

ग्रीरजिसकी सं० यू-जी-7 है, तथा जो डी-1, डी-2, नजफगढ़ रोड़, कमिशयल काम्पलेक्स, नई दिल्ली में स्थित है (भ्रीर इससे उपाबद श्रनुसुची में श्रीर पूर्ण रूप से थिंगत है), रिजस्ट्री-कर्ता श्रीध होरी के कार्यालय, श्रर्जन रेंज-2, नई दिल्ली, में भारतीय श्रायकर श्रिधिनियम 1961, के श्रिधीन तारीख फरवरी, 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उजित बाजार मूस्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह बिस्वास करने का कारण है कि युवापूर्वोक्त संपृत्ति का उजित् बाजार मृत्य उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे क्ष्यमान प्रतिफल का पन्तह प्रतिशत से अधिक है और अन्तर्क (जन्तर्कों) और अन्तरिती (जन्दरितियाँ) के बीच एसे जन्तर्ण के निए तय् वाया गया प्रतिफल निम्मिनियत उन्हर्षक से अक्त जन्तर्ण जिल्ला में बारतिक कम ने क्षित गही किया नवा है के

- (क) अन्तरण संहुई किसी आय की बावत उक्त। विधिनियम के वधीन कर दोने के अन्तरक के दासित्व वें कभी करने या उससे वचने में सुविधा के लिए; वरि/या
- (क) एंसी किसी बाय या किसी धन या बृत्य बास्तियों का. जिन्हों भारतीय आय-कर बिधनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त बिधनियम, वा धन-कर अधिनियम, वा धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में स्विधा के लिए;

बतः जब, उक्त विधिनियमं की धारा 269-त के वनुसरण हों, में, उक्त विधिनियमं की धारा 269-त की उपधारा (1) के अभीन, निम्नसिवित व्यक्तियों, जबति ६—

मैं० शिवलोक प्रोपर्टीज,
 ग्रादिनाथ सरी हाऊस विपरीत सुपर बाजार,
 कनाट सर्कस, नई दिल्ली

(ग्रन्तरक)

श्री श्रगोक प्रकाण राजा,
 श्री सन्त स्वरूप राजा,
 रोड़ नं०-10, प्लाट नं०-13, ईस्ट पंजाबी बाग,
 नई दिल्ली

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के नर्चन के सिए कार्यवाहियां करता हो।

बक्त सम्पत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी वासेप:---

- (क) इत स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की सारीस सं 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील सं २० दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में स्पाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ख्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील सं 45 दिन के भी एर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्भ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरों के पास लिखित में किए का सकोंगे।

स्पष्टिकरण: ---इस्पें प्रयुक्त शुक्तें बौद्ध पतों का, को उक्क अभिन्यम के अध्याय 20-क में परिभावित हैं, यही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया नवा है।

ग्रनुसूची

यू-जी-7, डी-1,डी-2,नजफगढ़ रोड़, कमशियल काम्पलेवस नर्षे दिल्ली, सादादी- - 348 वर्ग फीट ।

> के० वासुदेवन सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जंन रेंज-2, नई दिल्ली

दिनांक : 16-9-1985

मांहर 😅

प्रकृत बाह्", टी., एव., एस., ----

नायकर निधिनयम, 1961 (1961 का 43) की चारा 269-च (1) के वर्धीन सूचना

भारत सरकार

कार्याकव, सङ्ग्रमक वायकर वाय्क्य (निरीक्य) अर्जन रेंज-I, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 16 सिसम्बर 1985

निवेंश सं० ग्राई० ए० सी०/एक्यु/2/37ईई/2-85/600 ग्रतः मुझे के० वासुदेवन,

बाधकर विभिन्नम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चाक्ष 'उक्त अभिनियम' कहा गया है), की भारा 269-क के अभीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, विसका उचित बाबार मृत्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

श्रीर जिसकी संख्या फ्लेट 108 है तथा जो बी-1/2, श्राजाद कर्माशयल हम्पलैक्स (नैनीवाला बाग) दिल्ली में स्थित है (श्रीर इसमें उपाबद्ध श्रनुसुची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्रीवार्ता श्रधिकारी के कार्यालय श्रजन रेज 2, नई दिल्ली में भारतीय श्रायकर श्रधिनियम 1961 के श्रधीन तारीख फरवरी 1985

की पूर्वोक्त सम्मस्ति के अभित बाबार मृत्य से कम के उत्थमान बितिकल की लिए अन्तरित की गई है और मृत्रो नह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्मित्ति का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्मित्ति का कारण हो कि यथापूर्वोक्त सम्मित्ति का कारण वाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिकत तो, एसे दश्यमान वितिकल की पंदह प्रतिकृत से अभिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिक (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तर्थ के लिए इस पाया भ्या प्रतिकृत निम्निवित्त उत्वर्धिय से उसत अन्तर्थ (सिवत में बास्तविक इस से अधिक महीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी काय या किसी धन या अन्य जास्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, १९२३ (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, ४२ गय-कर अधिनियम, ४२ गय-कर अधिनियम, १९७७ (1957 का 27) औ प्रयोजनार्थ जन्तरिती युवारा प्रकट महर्ग किया अवा था या किया जाना वाहिए था कियाने वें सुविधा के जिए।

बतः बन, तकत विभिनियम की भारा 269-ण के वनुसरण की, भी, उनत विभिनियम की भारा 269-ण उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, वर्षात् हि—

(1) भनोट प्रोक्टींक एवा इन्डस्ट्रीज लि॰ 102-103, राजा हाउस,30-31, कनाटुप्लेस, नई दिल्ली।

(ग्रन्सरक

(2) श्री बी० बी० राजपाल भीर श्रीमती सरोजराजपाल पुत्र श्री जी० डी० राजपाल, निवासी 24, दरिया में,4832 प्रहलाद लेन, नर्ड दिल्ली।

(भ्रन्तरिती)

को यह स्वना बारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्वन के निए कार्यवाहियां करता हुई।

सकत संपरित के अर्धन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की वारीज के 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की दामील से 30 दिन की अविधि, जो भी बनिध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यवस्तः
- (क) इंस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीक ने 45 दिन के भीतर उपत स्थावर सम्पत्ति भे हिंदा- बव्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिकित में किए जा सकरेंगे।

स्वध्दीकरणः - इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याग 20-क में परिभाषित हैं, नहीं कर्ष हुएंग को उस अध्याभ् में दिया गया है।

श्रनुसूची

फ्लेंट नं० 108, तादावी 385 वर्गफीट, पहली मंजिल, बिल्डिंग टुबी कन्सट्रवड प्लाट नं० बी → 1/2, श्राजाद वामिशयल काम्पलेक्स, (नैनीवाला बाग), दिल्ली ।

> के० वासुदेवन सक्षम प्राधकारी सहायक ग्रायक'र ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जं न रेंज∽2, नई दिल्ली

दिनांक : 16-9-1985

> आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 (1) के अधीन समना

> > भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)
प्रजीन रेज-2, नई दिल्ली

नई दस्ली, दिनांक 16 सितम्बर 1985

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इमके क्याना (उक्त अधिनियम) कहा गया है), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर मम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1 00,000/- रा. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० फ्लेट नं० 118 ई तथा जो 2, ओल्ड रोहनकः रोड़, दिल्ली में स्थित हैं (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसुची में श्रीर पूर्ण क्यासे विजित हैं) जिस्होक्षती अधिकारी केवायिलय श्राजन रेंज -2, नई दिल्ली में भारतीय आयकर अधिनियम 1961 के श्राधीन नारीख फरवरी 1985

को पूर्विभत सम्पन्ति के उन्तिन साजार मून्य से कम हो इत्यमान प्रतिफल के लिए सन्तरित की गई है और सूक्षों यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वितिह सम्पत्ति का उणित साजार सृत्य, असके क्ष्यमान प्रतिपास से, एसे क्ष्यमान प्रतिपास का पन्त्रह प्रतिवात से सीधक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरितों (अंतरितियों) के बीध एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रति-कब, निस्तिवित उद्देश्य ने उत्तर कस्तरण विविद्य में बास्य-विक रूप से क्षित नहीं किया गया है है—

- (क) अन्तरण सं शुर्ष किसी शाव की वाबत, जनस अभिनियम के बधीन कर दोने के अन्तरक के वासित्य भी कड़ी करन या उसमें बचन में सुविधा के लिए; कार्क/मा
- (क) एसी किसी बाध या किसी धन था बन्च ब्रास्तियां की, बिन्हें भारतीय बाय-कर ब्रीधनियम, 1922 (1922 का 17) या उक्त ब्रीधनियम, या धनकर ब्रीधनियम, या धनकर ब्रीधनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ बन्तिरिती द्वारा दकार गई। किया या था का कि किया जाना बन्हिए अ छिपाने भे ग्रीचा के लिए;

अत: अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, शतर अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) में अधीत, िश्चितिथित व्यक्तिक्षों, अर्थात ;-41—316GI|8\$

- (1) ईलाईड जन्यद्रवर्णन अम्पनी, जा--5, 92, दिनाली नेहरू प्लेस, नई दिल्ली । (अन्तरक)
- (2) मे॰ सून्त इतक्दिए इन्डस्ट्रीज (इन्डिया), 3370, मुचा गाल गुजारी, दिल्ली गेट, दिल्ली।

(अन्तिरते)

को ग्रष्ट मृष्यना पारी करके पृथेक्ति सम्पत्ति के ल्रप्णन के लिए कार्यशाहियां करता हुं।

न नम् वर्षपास्त्र के बाजभा ने स्थापना जो बागाजी भी पारकीय ३००

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 विक् की अविध या तत्त्वकाणी व्यक्तियों वर सूचना की तामील से 30 विक की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीवर व्यक्तियों में किसी व्यक्ति व्यक्तिस्
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन करें! तारीक है 45 दिन के मीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितववृथ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पाइ स्न∴नत मा किए जा सकोगे।

स्पाद्धीकरण : --इसमें प्रयूक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

समय भी

फ्लोट नं० 118, तादादी 425 वर्गफीट, एलाईड हाउस 2, म्रोल्ड रोहनक विपरीत शहजादा बाग, दिल्ली।

> के० वासुदेवन संसम्य प्राधिकारी सहायक श्राय ःर कायुक्त (किरीक्षण) पर्जान रेंक-2, नर्ड दिल्ली

दिनांक : 16~9~1985

प्ररूप आहाँ. टी. एन. एस. ------

बायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यातय, सहायक आयक र आय्क्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज~2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 16 सितम्बर 1985

निदेश सं० प्राई० ए० सी०/एक्यु/2/37ईई/2~85/602 श्रतः स्हो, के० वास्देवन,

नायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उकत अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विक्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित जाजार मृत्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० सपेस नं० बी-24 है तथा जो 2, श्रोल्ड रोहतक रोड़, दिल्ली में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसुची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है) रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिक री के कार्यान्य श्रजन रेंज-2, नई दिल्ली में भारतीय श्रायकर श्रीधिनियम 1961 के श्रधीन तारीख फरवरी 1985

को पूर्विकत शम्पत्ति को उचित वाजार मृत्य से कम के ध्रयमान प्रतिफल को लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह विध्वास करने का कारण हो कि श्थापृषाँकत संपरित का उचित बाजार मृस्ब, उसके द्रयमान प्रतिफल से, एसे ध्र्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिकात से अधिक ही और अन्तरक (अन्तरक्यों) और अंतरिती (अंतरितियाँ) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पावा गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त दन्तरण सिखित में वास्तविक रूप से किखत नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण स हाई किसी बाव का बाबत, उक्त बिधिनियम के बधीन कर वने के अंतरक के दाक्ति में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; बॉर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी थन या बन्य ब्रास्तियों फो, जिन्हों भारतीय बायकर अधिनियम, 1922 (1922 कें। 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुविधा के सिए;

(1) इलाईड क्नम्यद्रवान क्रम्पनी,
 जी; 5, 92, दिपाली नेहरू पलेस,
 नई दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) श्री जितेन्द्र कान सांचर, श्री ग्ररून सांचर, श्रीमती ग्रचला सांचर, श्रीमती ग्रचला सांचर, निवासी 34, पंजाबी बाग नई दिल्ली।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

चक्ट सम्मलि के अर्थन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं से 45 बिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 बिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त व्यक्तिया में से किसी व्यक्ति बुकारा;
- (च) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिसबब्ध किसी अन्य विकत द्वारा अभोहस्त्याक्षरी के पास निश्चित में किए जा सकोंगे।

स्वव्यक्तिरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वो का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

मन्स्धी

स्टोर स्पेस नं० बी-24, इलाईड हाउस, मादादी 275 वर्गफीट, 2, श्रोल्ड रोह्तक रोड़, विपरीत शहजावा बाग, दिल्ली।

> कें० वासुतेवन सक्षम प्राधिकारी सहायक स्रायकर स्नायुक्त (निरीक्षण) स्रर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

कतः अन्, उकत अधिनियम की गरा १६५ घ को असराया व. मी. उपत विधिनियम की भारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

दिनांक :16~~1985

प्ररूप नार्षः टी, एनः, एसः,-----

बायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की बाहा 269-व (1) के अभीन स्वना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

ऋर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 16 सितम्बर 1985

निदेश मं० ग्राई० ए० मी०/एक्यु/ 2-37ईई/ 2-85/ 605---ग्रतः मुझे के० वास्देवन,

आयकर अधिनाम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है),, की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित् बाजार मृत्व 1,00,000/- रु. से अधिक है

प्रौर जिसकी मं व बेसमेंट स्पेस नं व 25, इलाईड हाउस है, तथा जो 2, ब्रोल्ड रोहतका रोड, दिल्ली में स्थित है (ब्रौर विपरीत शहजादा दाग, दिल्ली में म्थित है (ब्रौर इसमें उपाबस अनुमुची में श्रीर पूर्ण कप से विणत है) रिजस्ट्रीकित प्रधिकारी के वार्यालय अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली में भारतीय आयगर अधिकियम 1961 के अधीन नारीख फरवरी, 1985 की पूर्वीकत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास फरने, का कारण है कि यथापूर्वीकत सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके ख्यमान प्रतिफल से, एसे ख्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिकार से अधिक है और अंतरक (अंतरका) और अंतरित (अंतरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, जिम्मिसिसत उद्देश्य से उक्त अन्तरण निष्ति से वास्त-धिक रूप से किथा नहीं किया गया है क्ष्य

- (क) अन्तरण संहुई कि.सी बाय की शावत, उच्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; बाँड/वा
- (च) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तिकां की, जिन्हों भारतीय आज-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रशासनार्थ अनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रशासनार्थ अनियम देशारा प्रकट नहीं किया गया था वा किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुविधा के लिए;

अत: श्रव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-स की उपधारा (1) है क्रफीरा निस्तिचित व्यक्तियों, अर्थत् .च्या (1) इलाईड जन्सट्रक्शन जम्पनी, जी~5, 92, नेहरु प्लेस, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) श्री जितन्द्र लाल साचर, श्री ग्ररून साचर, श्रीमती राज माचर, श्रीमती ग्रचला साचर, निवासी 34/72, पंजाबी बाँग, नई दिल्ली।

(भ्रन्तरिती)

का यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के कर्बन के सम्बन्ध में काई भी आक्षेत्र ---

- (क) इस सूचना के राज्यत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन की जन्म या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामीन से 30 दिन की जन्म , वो भी अविध नाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इनाश;
- (क) इस स्कान के राजपत्र में प्रकाशन की तारी हा सं दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकोंगे।

स्यष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त सब्दों और पवाँ का, जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया गया है।

अनुसूची

बेसमेंट स्टोर स्पेस बी-25, नादादी 275 वर्गफीट, इलाईड हाउस, 2, श्रोल्ड रोहनक रोड़, विपरीत गहजादा बाग, दिल्ली।

> के० वासुवेबन सक्षम प्रात्धकारी सहायक ग्रायकां प्रत्येषका (निरीक्षण) अर्जनरेंज∼2,नई दिल्ली

दिनांक : 16-9-1985

मोहर .

शक्य नार्द्धः हो । एवं : एक्: : :------

भागकर मीधीनवस, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के संधीय क्षारा

WITE STATES

कार्यालय, सहायक जाधकर जायुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 16 मितम्बर 1985

मानकर निर्मित्यमं, 1961 (1961 का 43) चिन इसमें इसके दश्काल अक्त मधिनियमं नक्क गया है, की आउ 269-ख के जधीन स्थाम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थानर सम्पत्ति, निमन्त उचित श्राधार मृत्य 1,00,000/-रा. से अधिक हैं

ग्रीर जिसकी सं० फ्लेट न० 11 है तथा जो 6/16, रूप नगर, दिल्ली में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूक न वर्णित है) रजिस्ट्रीलर्ता अधिकारी के कार्यालय श्रर्जन रेज-2, नई दिल्लो में भारतीय आयकर श्रिधिनयम 1961 के श्रिधीन तारीख फरवरी 1985

को पूर्वेक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उक्के काबमान अतिफल में, एसे काबमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिसत्त से अधिक है जीर कन्तरक (जन्तरका) और कन्तरिती क्तियाँ) के बीच एसे जन्तरण के लिए तय पावा गवा प्रतिफल, निम्ललिखित उद्देश्य से उक्त कन्तरण निम्ललिखत व्यावा की कास्तिक क्या में कास्ति नहीं किया गवा है :—

- (क) अन्तरण ते हुई किती बाब की वाबत, उक्त बिधिनियब के अधीन कर दोने के अन्तरक के दियत्व में कमी करने या उससे वचने में सुविधा के लिए; और/मा
- (क) इंसी किसी नाथ या किसी धन वा लत्य जास्तिवों की, जिस्हों भारतीय जात-कर जिथिनयस, 1922 1922 का 11) या उच्छ विधिनयस, वा धन-कर जीधिनयस, वा धन-कर जीधिनयस, 1957 (1957 का 27) को जोजनार्थ अपिरियस, 1957 (1957 का 27) को जोजनार्थ अपिरियस वासा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना नाहिए था, खिपाने में सुविधा की निय;

अत: अब, अक्त अधिनियम की धारा 269-ए के अनमरण मों, मों, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए की उपधार (1) की अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

- (1) श्रोमती साविजी देवी सारोगी,
 2. श्रा गोपाल प्रसाद सारोगी,
 श्री ग्रणीत कुमार सारोगी,
 निवासा-डी-10, श्रणोद विहार-1, दिल्ली
 (श्रन्तरक)
 - (2) श्री गोरी शंकर क्षुनझुनवाला, निवासी-जे-12/16ए, राम कतोरा राष्ट्र वारानसी (यु०पी०)

को यह सूचना जारी कर**कं** पृत्रकित सम्पाल्त के अर्जन के जिल् कार्यवाक्षियों करश्र ह[ा]।

- (क) इस श्रृणना में राज्यत्र में प्रकाशन की लारीस से 45 दिन की अवधिया तत्सम्बन्धी अविद्या पर सूजना की तामील सं 30 दिन की अवधि , को भी वद्धि वाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र मों प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीत र तकते स्थातर सम्पतितः मों हित बहुभ किसी जन्म क्यक्ति इवारा अभोहम्ताक्षरी के पास स्थितित मों किए का मकीर।

स्वकारिकरणः --- इसमे प्रयुक्त सम्बाँ भीर पड़ों का, का स्वका अभिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाविष्ठ ही, कही वर्ष होगा. को उस सध्याय में दिवा नवा ही।

बार्य स्ट्री

फ्लट नं० 11, ऊपर ग्राउन्ड फ्लोर, तादादी 280 वर्ग फीट, 6/16, रूप नगर, दिल्ली ।

> के० वासुदेवन सक्षम प्राधिकारी सहायक स्रायकर स्रायुक्त (निरीक्षण) स्रर्जन रेंज–2, दिल्ली

दिनांक : 16-9-1985

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269- ख के अधीन स्थान

भारत सरकार कार्यालयः, सहायक आयकर आयक्त (निरक्षिण)

ग्रर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनां ा 16 सिनम्बर 1985

निदेश या शाई० ए० सी ाएक्यु ा 2 | 37ईई | 2-85 | 607 | -- श्रतः मझे के० वामुदेवन,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हो), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हो कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1.,00,000/- रा. से अधिक ही

स्रीर जिसकी मं० फ्लेट नं० 21. हैतथा जो 6/16, रूप नगर विल्ली में स्थित है (स्रीर इस्ते उपाबद्ध अनुसूची में स्रीर पूर्ण रूप से विणित है) रिजिस्ट्रोंकर्ता स्रिधकारी के सर्वालय सर्जन रेंज-2, नई दिल्ली में भारतीय स्रायकर अधिनियम 1961 के स्थीन तारीख फरवरी, 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान उद्दृष्ट्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित अतिफल से, एसे ख्रयमान प्रतिफल के प्रसुष्ट प्रतिशत से अधिक हैं और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के सीच एसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित नहीं किया गया हैं:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1022 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जान आहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

गतः लट अवत अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अभीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्धातः :——

- (1) श्रामती ाविद्यी देवी, श्रा गोपात प्रसाद सारागी, श्रा प्रशोदः कुमार नारोगी, निवासी-डोट10, प्रशोज विहार-1, दिल्ली। (भ्रन्तरक)
- (2) श्री लक्ष्मन दान, निवासी-43-ई।, कमला नगरदिल्ली (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध से कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध , जो भी अविध बाद में समाप्त होता हो, के भीतर पूर्विक्त व्यक्ति हों में से किसी व्यक्ति दवारा;
- (स) इस सुभना के राजपश में प्रकाशन की तारी स 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अल्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरों के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण:---इसमा प्रयुक्त काढ्यों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, तहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया गयर हैं।

अनुसुधी

फ्लेट नं० 21, पहली मंजिल, तादादी 925 वर्गफीट, 6/16, रूप नगर, दिल्ली।

> कै० वाचदेवन तक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर स्नायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंब-2, नई दिल्ली

दिनांक : 16--9--1985

मोहर /

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आय्क्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज- ', नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 16 सिसम्बर 1985

निवेश सं० श्राई० ए० सी०/एक्यु/ /37ईई/ -85/ 608--ग्रत: मुझे, के० वासुदेयन,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियमः' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० फ्लेंट नं० 12 है तथा जो 6,16, रूप नगर, दिल्ली में स्थित है (श्रीर इसमें उपादब श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप में विणित है) रिजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी के कार्यालय श्रर्जन रेंज-2, नई दल्ली में भारतीय श्रायकर श्रिधिनयम 1961 के श्रिधीन तारीख फरवरी, 1985

को प्रशेषित सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विकत सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिकात स अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बांच एसे अन्तरण के लिए स्य पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिबक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त नियम के अभीन कर दोने के अंतरक के दायित्य में कमी करने या उससे अचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मैं, में, उक्त अधिनियम की धारा 269 म की उपधारा (1) के अधीन,, निम्निनिचित स्थितियों, अर्थात् ्— (1) श्रीमती साविती देवी सारोगी, श्री गोवात प्रसाद सारोगी, श्री श्रमोक कुमार सारोगी, निवामी-डी-10, श्रमोक विहार-1, दिल्ली।

(प्रन्तरक)

(2) श्री विजया शंकर झुनझुनवाला,
 ज-12/16ए, राम कोतारा रोड़,
 वारानसी (यु०पी०)

(भ्रन्तरिती)

को यह स्वना जार करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यश्राहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध , जो भी अविध बाद गों समाप्त होता हो, के भीतर पूर्वित व्यक्ति यों मों से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (स) इस सूबना को राजपत्र मो प्रकाशन की तारीस से 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति मो हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधेहस्ताक्षरी के पास लिखित मो किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण: ---इसमें प्रयुक्त शस्त्री और पर्दों का, जो उक्त अधिनियम,, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

ध्रन्सूची

फ्लेंट नं० 12, ऊपर ग्राउन्ड फ्लोर, 6/16, रूप नगर, दिल्ली, सादादी 835 वर्गफीट ।

> के० वासुदेवन पक्षम प्राधिकारी सहायक म्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) मर्जन रेंज~2, नई विल्ली

दिनांक : 16~9~1985

प्रकप जार्ष .टी.एन.एस.-----

नायकर निर्धानयम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के निर्धान सुचनः

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक जामकर बायुक्त (निरीक्षण)
श्रर्जन रेंज-1, नई दिल्ली
नई दिल्ली, दिनांक 18 सितम्बर 1985

िनदेश सं० म्राई० ए० सी०/एक्य्/1/37ईई/2-85/ 1496--म्प्रत: मुझे म्रार०पी० राजेश

नाधकर निधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परजात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाकार मृस्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी सं० प्लाट नं० ए 2 और बी 2 हैं तथा जो प्लाट नं० ए-19, कनाट सर्कस नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध प्रनुसूची में और पूर्ण रूप से विणत है) रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय प्रजन रेंज-1, नई दिल्ली में भारतीय प्रायकर श्रधिनिवम 1961 के श्रधीन तारीख फरवरी 1985

. कां पूर्वोक्त सम्पत्ति के उधित बाजार मध्य संकम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है

कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके रूपमान प्रतिफल से, एसे रूपमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अंतरक (अंतरकाँ) और अंतरिती (अंतरितियों) के सीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिसित उद्वेष्य से उक्त उन्तरण लिखित में वास्तिविक रूप से कियत नहीं किया गया हैं:---

- (क) अन्तरण से हुँई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व मों कमी करने या उससे बचने मों स्रौवधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों कां, जिन्हों भारतीय आयक्तर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उटल अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा 'पकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

(1) रूचिका कन्सट्रक्शन (प्रा०) लि,०
 15/4581, दरिया गंज, नई दिल्ली ।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री वी० के० दिलवाली, 22, जौर बाग नई दिल्ली।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना कारी करके पूर्वे का सम्पत्ति के अर्जन क लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सबंध में कांई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस स 45 दिन की अविधि या तलाम्बाधी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील सं 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो के गीतर पूर्वोक्त क्यक्तियाँ में से किसी व्यक्ति (अनरा)
- (च) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पक्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षणी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वक्यिकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, हही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

नगयनी

प्लेट नं॰ ए2, और बी 2, प्लाट न॰ ए-16, कनाट सर्कस नई दिल्ली तादादी 1283 वर्गफीट।

> श्रार०नी० राजेश सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) स्रर्जन रें-1, नई दिल्ली

भतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269- व के अनुसरण मो, मो, पक्त अधिनियम की धारा 269- व की उपभारा (1) के अधीन पंतानिनियत व्यक्तियों, अधीक : ...

दिनांक : 18-9-1985

प्ररूप आईं.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन स्वना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयस्त (निरक्षिण) ग्रर्जन रेंज-1, नई दिल्ली नई दिल्ली, दिनांक 18 सितम्बर 1985 निदेश सं० ग्राई० ए० सी०/एक्यु/1/37ईई/2--85/ 1497---ग्रत: मुझे ग्रार० पी० राजेश

जायकर अधिनियम. 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'जन्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269 ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृस्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

और जिसकी सं० फ्लेट न० 1, है तथा जो बी-81, ग्रेटर केलाण, नई दिल्ली में स्थित है (और इसमे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से बणित है) रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय ग्रर्जन रेंज-1, नई दिल्ली में भारतीय ग्रायकर ग्रिधिनियम 1961 के ग्रिधीन तारीख फरवरी 1985

को पर्शिक्त सम्पन्ति के उचित बाजार मृत्य से काम के द्रश्यमान प्रितिका के लिए अन्तरित की गई ही और मृत्रों यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उनके द्रश्यमान प्रतिकल से एमें द्रश्यमान प्रतिकल का पंत्रह प्रतिक्षत से अधिक है और एसे अंतरक (जन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरिशियों) के बीच एमें बन्तरण के निए तय पाया श्या शतिकत, निम्निलिखत उद्देश्य से उक्त जन्तरण निकित में बास्तिक रूप में कथित नहीं किया गया है।—

- (क्क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-नियम के अधीन .कर दोने के अंतरक के दायित्व में कभी करने या उससे अचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य जास्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतिरिती इ्षारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उसत अभिनियम की धारा 269-ग के जन्मरण को, भी, उसत अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निक्नसिवित स्यन्तियों, अधीत् :--- (1) ङा० जीवन सिंह श्ररोड़ा, एस०--1, ग्रेटर जैलाग, नई दिल्ली।

(श्रनारक)

(2) में ० देशी जन्दास,190, कनाट प्लेस, नई दिल्ली ।

(भ्रन्तरिती)

का यह सूचना आरो करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यकाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में काई भी जाकीय :---

- (क) इस स्भाना के राजपत्र में प्रकाशन की ताराख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्भाना की तामील से 30 दिन की अवधि, को भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में में किसी व्यक्ति सुवारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीस से 45 दिन के भीतर स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति ब्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकोंगे।

ह- आदितरणः --- इसमें प्रयूक्त शब्द। और पर्दों का, जो उक्त अधि विस्तान, के अध्याय 20 का में परिभाषित हैं, बही अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

यम् सूची

प्लेट नं० 6, लोम्रर उपर ग्राउत्रा फ्लोय, **बी→86,** ग्रेटर कैलाश—6, नई दिल्ली, नादादी 1932 वर्गफीट।

> ग्रार०पी० राजेश सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) प्रजंतरेंज्ञच1, नई दिव्ली

दिनांक : 18--9--1985

प्रकृप आहें, टी. एन्, एकं, -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-थ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-1, नई दिस्ली

नई दिल्लो, दिनांक 18 सितम्बर 1985

और जिस्की सक फ्लंट नंक 919ए हैं तथा जो .89 नेहरू प्लेस, नई दिल्ली में स्थित हैं (और इससे उपाबड़ अनुसूची में और पूर्ण का से वर्णित हैं) रिविश्वार्ण अधिकारी के कार्यान्य अर्जन रेंग--6, नई दिल्लो में भारतीय आयकर अधिनियम 1961 के अधीन तारीख फरवरी 1985 को पूर्जी सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के स्वयमान प्रतिकान के लिए अन्तरित की गई हैं और मुक्ते यह विक्याम

प्रतिकान के लिए अन्तरित की गर्द हैं और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण हैं कि यथापर्नोवन सम्पन्ति का उचित बाजार मृत्य, असके दश्यमान प्रतिकाल से, एमें दश्यमान प्रतिकाल का पन्द्रह प्रतिकात से अधिक हैं और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एमें अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिकाल, निम्निविधित उद्देश्य में उक्तत अन्तरण लिखित में गम्तविश्व हुए से व्यथ्त नहीं किया गया हैं:--

- (क) बन्तरण में हुई किसी बाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या उन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर गणिनियम, 10?? (1922 का 11) या तक्त अधिनियम, वा भन-कर अधिनियम, 1057 (1957 का २२) की प्रबोजनार्ध अन्तरिती दवारा प्रकट नहीं किया गया था किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए:

(1) कुमारी श्रारती सुपुती श्री जे० श्रार० च**ड्ड,** निवासी-2सी/4, न्यू रोहतक रोड़, नई दिल्लो।

(भन्तरक)

(2) कुमारी कविता कनवार, सुपुती श्री एस० के० कनवार, निवासी-ई-319, ग्रेटर कैलाश-2, नई दिल्ली ।

(श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यशाह्या करता हु।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोड़ भी बाक्षेप !--

- (क) इस स्थान के राजपत में प्रकाशन की तारीं हैं 45 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त हाती हो, के भीतर पूर्वी वन अपिकत्यों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्ष किसी अन्य व्यवित द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित मा किए जा सकेंगे।

स्पट्टीकरणः — धूनमी प्रयंक्त शब्दों अर्थ पद्दों का जो उक्त अधिनियम है अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होंगा, जो उस अध्याय में दिया गया

अनुसूची

फ्लेट नं० 919ए, 89 नेहरू प्लेस, नई दिल्ली, तादादी 129 वर्गफीट ।

> भ्रार०पी० राजेश 'सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-1,नई दिल्ली

दिनांक : 18-9-1985

प्रकप बाह् .टी. एन, एस. ... -----

भाषकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भाष २६२-म (1) अंत्रश्रीत सुवता

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) प्रार्जन रेंज-1, नई दिल्ली

नई दिल्ली, विनांक 18 सितम्बर 1985

निदेश सं० श्राई० ए० सी०/एक्यु/1/37ईई/2-85/1489--श्रतः मुझे श्रार० पी० राजेश

बायकर शिंधिनियम, 198) (1981 का 43) (जिसं इसमें इसके प्रकार 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-व के अधीन सक्त्र गाधिनोत्ती गारे, यह जिल्लाम करते का कारण हैं कि स्थावन सम्मित, जिल्ला प्रकार भूत्य 1,00,000/- रह. से अधिक हैं

और जिसकी सं फ्लेट नं 106, है तथा जो ए1, बारा खम्बा रोड़, नई दिल्ली में स्थित हैं (और इसमें उपाबद्ध धनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित हैं) रिजस्ट्रोकर्ता अधिवगरी के कार्यालय धर्जन रेंज-1 नई दिल्ली में भारतीय आयकर धिनियम 1961 के अधीन तारीख फरवरी 1985

को प्रवेक्त सम्पत्ति को उचित बाजार मृत्य से कम के इस्यमान प्रतिफल को लिए अन्तरित की गई है और मृश्ते गह विश्वास करने का कारण है कि गथापूर्वीवत सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य' उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल के पंदह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तर्भ को निस् उथ पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उचत अन्तर्भ कि कित में बास्तिविक रूप से किश्त नहीं किया गया है :--

- (क) अन्तरण से हाई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व मो कमी करने या उससे बचने में स्विधा के निष्
- (क) ऐसी किसी आय या किसी वन या अन्य आस्तियों की, विक्ती भारतीय अध्यानकार कीर्णाणण्य 1000 (1922 का 11) से इस्ल अधिनियम या अनकार अधिनियम या अनकार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अनसरिती दवारा प्रस्ट नहीं किया गया था था दिक्या थाना चाहिए था, स्थियन में स्विधा के लिए;

 अतः भवः, उक्त विधितियमं की धारा 260 स में तममस्क में, में उक्त विधितियमं की धारा 260-म को संपंधार (1) में तभीन, निम्निविक्तिय किलागों क्षेत्रीम तम्म (1) कैम्प्टन हरदेव सिंह करलर, श्रीमती बलविन्दर कौर करलर, श्री हरशीत सिंह करलर, श्रोमती परमजीत करलर, निवासी-सी-380 शिकेंस कालोनी,

(भन्तरक)

(2) श्रीमती सतोष राय मास्टर प्रनव जस राय, कुमारी प्रेरना राय, निवासी-3/8, रानी श्लासी रोइ, नई दिल्ली।

(मन्तरिती)

कां यह स्वना कारी करके पृथांक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त खब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के सभ्याम 20-क में परिभाषित हाँ, बहु नर्थ क्षेत्र, को उस अभ्याम में दिया समा हाँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब है 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में सम्राप्त होती हो, के भीतर पूर्वोंक्ट व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति वृवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन को तारीख की 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वास अधोहस्ताक्षरी के पास सिखित में किए जा सकोंगे।

अनुसूची

फ्लेट नं० 106, 21 बाराखम्बा रोड़, नई दिल्ली, तादादी 650 वर्गफीट।

> मार० पी० राजेश सक्षम प्राधिकारी सहायक मायकर बायुक्त (निरीक्षण) धर्जन रेंज-1 नई दिल्ली

दिनांक : 18-9-1985

प्ररूप आर्द्दा. एन. एस. ------

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अभीन सुचना

भारत सरकार

कार्थालय, सहायक जायकर आयुक्त (निरीक्षण)

धर्जन रेंज-1, नई दिल्ली नई दिल्ली, दिनांशं 18 सितम्बर 1985

निवेश सं० आई० ए० सी०/एवयु/1/37ईई/2~85/1500 भतः मुझे भार० पी० राजेश

नायकर निधित्तयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उन्स निधित्तयम' नहा गया हैं), की भारा 269-च के सभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थानर सम्पत्ति, जिसका उणिस नाजार मृज्य, 1,00,000/- रा. से अधिक है

भीर जिसकी सं० पलेट नं० 9, है तथा जो बाराखम्बारोछ, नई दिल्ली में स्थित है भीर इससे उपायद अनुसुची में और पूर्ण रूप से विणित है) रिजस्ट्रीशर्ती अधिकारी के कार्यालय अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली में भारतीय रिजस्ट्रीशरण आयहर अधि-नियम 1961 के भवीन तारीख फरवरी 1985

का पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य स कम के उद्यमान शित्रक के तिए बंतरित की गई है और मुक्ते यह विक्तास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजात मूल्क, उसके ब्रयमान प्रतिकास से, एसे ब्रयमान प्रतिकास का म्लक्क प्रशिक्त से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और बंतरिती (बंतरितियों) के बीच एसे बंतरण के नियंत्रय पाया स्या शित्रक कि निम्नसिति उद्देश्य से उन्त बन्तरण मिनिक्स से गल्किक क्षत्र के किया नहीं कि या गया है:---

- (क) ज्लारण वंशुर्द किसी भाग की शक्त, स्वस्थु स्वीपनिक्त के सभीन कर दोने के जन्तरण अ स्वीक्त के कभी करने वा बहुते वचने के सुविक्श से सिक्; बीड़/स्त
- (क) एसी किसी जाव या किसी भने या संख्य खास्तियाँ की, जिल्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, १९२२ (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, का भन-कर अधिनियम, का भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रवाजनार्थ अन्तरिती बुगरा अकट नहीं किया चुग जा वा किसा जाना जाहिए था, क्लियन के सिका के निए.

बेशक बन, जनत अभिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण मं, मं, उक्त अभिनियम की भारा 269-म की उपभारा 1।) वे अभीत, जिल्लीसिक स्थानित्यों, वर्णत्:— (1) मैं० के तथ नाथ एन्ड एसे सिएटस, 1006, के राजुर्भा, 17, बायखम्बा रोड़, नई दिल्ली

(भ्रन्सरक)

(2) श्री एवीन्द्र सिंह जेन्मी , निवासी--ए--27, पंचर्णात्रा पार्के, नई दिल्ली।

(अन्सरिती)

को यह स्चना जारी करके (बॉयत सम्परित के बर्जन के किस कार्यवाहिया अगरत हुए।

उपल सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई आक्षेप :---

- (फ) इस स्वता के राज्यक को प्रकाशन की तारीस से 15 दिन के भीतर उक्त क्यावर सम्पत्ति में हिताबब्ध राचना को तामील से 30 दिन की अविध, जो भी क्यांध बाद में समाप्त होती हों, के भीतर पूर्वोक्त विस्तिकों भी से किसी व्यक्ति इवारा;
- (क्ष) इस सचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख हैं 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षारी के पास ेशियत में किए आ सट्टेंगे।

स्पष्टीकरण '----इसमें अयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में पीप्तभाषित हैं, वहीं कर्य होगा जो उस मध्याय में दिया गया हैं।

अन्तर्या

रिसिडेन्टस फ्लैट आन दूसरी मंजिल, (नार्य टावर) कार पालिंग स्वस, प्रोपोलिङ, मरुटी ग्रुप हाउसिंग, स्कीम 'निगिरी' प्रवार्टमेंटस १, बाराखम्या रोड़, नई दिल्ली, तादादी 1600 वर्गफीट ।

> श्चार० पो० राजेश सक्षम प्राधिकारी सहत्यक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्चर्जनरेंज⊶1, नईदिल्ली

दिनांक : 18-9-1985

Almost Miles, Tall Sol Man concerned

आयकर अधितियम, 1961 (1961 का 43) को धारा 269-अ (1) के अधीन सुच्चा

भारत स्रकात

कार्यास्य, सहायक मायकर मायुक्त (निर्रीक्षण)

प्रन रेंज-1, नश दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 18सितम्बर 1985

निदेश सं० फ्राई० ए० सी०/एक्यू/1/37ईई/2-85/ 1501----फ्रत: मुझे फ्रार० पी० राजेश

आप्यकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसं इसमें इसके प्रकार उनत अधिनियम कहा गया है), की भारा 269-इस के अधीन सक्षम शिक्कारों को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 1,90,000/- रु. से अधिक है

ष्मीर जिसकी सं० फ्लेट नं० जी-1, हैरथा जो 11, हनुमान रोड़, नई दिल्ली में िषत है (श्रीत इससे उमयद्ध अनुषुची में ष्मीर पूर्ण रूप से विमान है) जीन श्रीत ब्रियि असी के कार्यालय श्रर्जन रेंड-1, नई दिल्ली में भारतीय श्रायकर षिनियम 1961 के असीन धारीख फाउरी 1985

का पूर्वांक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूम्में यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्दोंकत सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अतरक (अतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्दृष्य से उक्त अन्तरण निविधित में वास्तविक रूप से किथा गया है:—

- (६६) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उल्ल अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक को दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपानं में सुविधा के लिए;

चतः, जब, उक्त अधिनियम की धारा 269-भ के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-भ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) स्कीपर धनसदृष्टान (प्रा) थि०, 22, दानपाखम्या रोड, नई दिल्ली।

(श्रन्तरक)

(2) मास्टर विकास सहाय श्रीरविकास सहाय (माईतर) पुत्र श्री एस० एच० सहाय, निवासी 15सी, श्रंकुर एश्रपार्टमेंट, 10 लाई सिहारोड, कलडाता।

(ग्रन्तिरती)

का यह स्थान जारी कारक पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कायवाहिया करता हो।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी जाक्षेप :---

- (क) इस म्चना के राज्यत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रविकत स्यवित्यों में से किसी स्यक्ति द्वारा:
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की कारी ख से 45 दिन के भीतर उकत स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पट्टीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उनके अधिनियम, के अध्याय 20 के में परिभाषित है, वहीं अर्थ होग्र जो उस अध्याय में विवा गया है।

मन्स्ची

फ्लैट नं० जी-1, (रियर) ग्राउन्ड फ्लोर, 1, हनुमान रोड़, नई दिल्ली, तादादी 971 धर्गफीट।

> भार० पी० राजेण समन प्राधि ारी सहायक घायकर म्रायुक्त (निरीक्षण) मुर्जन रेंज-1, नई दिल्ली

दिन।क : 18--9--1985

प्रकृष बाई .टी.एन.एस. ------

बासकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) काँ धारा 269-मं (1) के स्थीन सूचना

सारत संद्रकान

कार्यालय, सहायक नायकार नायक्त (निरीक्षण) धर्जन रेंज-1, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांका 19 सि म्बार 1935

निवेश सं० आई० ए० सी ्रीएन मुी 3 क ईई 2-- 85 | 1502-- अतः मुझे आर० पी० राजेश बायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें शसके पश्चात 'उक्त अभिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-ब के अभीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाबार मृस्य 1,00.000/- रा. से अधिक हैं और जिसकी सं० एकीट इस 30 है तथा जो नेहरू प्लेस, नई दिल्ली में स्थित हैं (और इसी उपाय अनुसुनी में और

म्बार जिसकी सं कि प्रश्नी इन 30 है तथा जी नेहर प्रस्, नई दिल्ली में स्थित है (म्बार इस्ती उपायद अनुसुनी में मीर पूर्ण इन दे विणित है) यो जिल्ली सि भारतीय आयकर अधिनियम 1961 के अधीन तारीख फरदरी 1985

को पृशंक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूला से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित को गई है और मुभ्ने यह विश्वास हरने का कारण है कि यथाप्यक्ति मम्परित का उचित बाजार मृल्य उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और बन्त-रिती (अन्तरितियों) के भीच ऐसे अन्तरम के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्वेष्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तरिक रूप से कथित नहीं किया हमा है ६——

- (क) अन्तरण से दृष्ट किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने की अन्तरक वाँ दायित्व में कमी करने या उससे बचने यो सुविधा के लिए, ब्रॉडिंग्सा
- (क) ऐसी किसी जाय या भन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आय-कर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अभिनियम, बा भन-कर अभिनियम, बा भन-कर अभिनियम, 1057 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना शाहिए था. छिपाने में सुविधा के सिए;

जतः जवः, उक्त अधिनियम कौ धारा 269-ग कौ जनसरण रूं, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) क अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ६—- (1) मैं० फ्रन्सल प्रोपटींच इन्डल्ट्रीय (प्रा०) लिए 115, फ्रांजन भवा, 16, पस्तूरचा गांधी मार्ग, नई दिल्ली।

(द्वतरह)

(2) केनरा बैंक मार्थल हाउस, पालियामेंट स्ट्रीट, हनुमान रोड़, नई दिल्लो।

(प्रस्तिरती)

को यह बुचना चारी करके पृत्रोंक्त सम्परित से अर्जन के सिन्न कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उन्द सम्पत्ति के नर्पन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षप्:--

- (क) इस स्वरं, ते राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सें 45 दिन की स्विध सा हत्संबंधी व्यक्तियों पर स्वान की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी बनिध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर स्थानकारों में हो किसी स्युधिस बुवाराह
- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित्बवृष्ट किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभाहस्ताक्षरी के पास् निचित में किए वा सकेंग।

स्पद्धिकरणः --- इसमें प्रयक्त शब्दों और पदों का, जो उक्तु अधिनियम क अधाय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया। स्वाहै।

नग्स्त्री

कम्पलीट छठी पलीर की पाटीभ्रन्सन 11966 वर्गेफीट कम्पलीट सांतवीं फ्लोर पाटीटन्सन 11966 वर्गेफीट कम्पलीट घाठवीं फ्लोर पाटीटेन्सन 11966 वर्गेफीट कम्पलीट नीवीं फ्लोरिबिट घाउट पाटीटेन्सन 11966 वर्गेफीट ग्राउम्बक्तेरिकनेट नं 0 13, 14, 15, 16, 17, 13, 3807 वर्गेफीट, 19 गीर 20, 38, नेहरू प्लेस, नई दिल्ली।

> मार० पी० राजेश स्रमा प्राधिकारी सहायक प्रायकार श्रायुक्त (निरीक्षण) प्रजीन रैंज, नई दिस्सी

दिनांक : 19-9-1985

प्ररूप बाई. टी. एन. एस.

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अभीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक बायकर बायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली

नई दिरली, दिनांक: 18 सितम्बर 1985

निदेश सं० अ.६० ए० सी:०/एक्न्यु/1/37ईई/2--85/ 1503----अतः मुझे, अ:र०पी:० राजेश

'आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसकें इसकेंप्रचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 26%-छ के अधीन सक्ष्म प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कार्प है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 100. ১९६/- रा. से अधिक है

श्री: शिस्ति: निर्ागिष भारतेगटस है तथा जो 9, कारा खम्का रोड़, नई दिस्ती: में स्थित है (भीर इस्ते उपाबद्ध 'अनुसूची में भी: पूर्ण रूप की विजित है) रिक्ट्रिटी प्रधिकारी के जायिया अर्जन रेंग्र—1, नई दिल्ली में भारतीय आयकर अधिनियम 1961 के अधीन तारीख फरवरी 1985

हो पृश्वाकत सम्परित के उचित बाजार मृत्य से कम के दरयमान प्रतिफल के लिए उन्तारित की गई है और मुक्ते यह विषयार करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके धरयमान प्रतिफल से, एसे दरयमान प्रतिफल का एन्द्रह प्रतिकृत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरित्यों) के बीच एसे अन्तरण के लिए त्य पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण के लिए निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण के लिए निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण के लिए से स्वार्थ के स्वर्थ के स्वर्य के स्वर्थ के स्वर्थ के स्वर्य के स्वर्थ के स्वर्य के स्वर्थ के स्वर्य के स्वर्य के स्वर

- (क) कन्तरण से सुद्द किसी आय की बवत, उक्त अभि-नियम के अधीन कर दोन के अंतरक के वायित्व में कमी करने या उससे धचने में सुविभा के लिए; अरेर/या
- (क) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन- कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंसरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूविधा के लिए;

क्षाम: क्रय, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण कों, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) को अधीन, निम्नलिखित, व्यव्सियों, अर्थात् ः— (1) मैं के नाथ नाथ एटी एसे डिएटस,
 1006, कंच नजुमां, 18 बाराखम्या रोड़,
 नई दिल्ली।

(भन्तरह)

(2) सुनरमो मोतल कारपेट मेडिकल प्रोडक्टस प्रा० लि॰ 3, मालचा मार्ग, नई दिल्ली।

(भ्रन्तिरति)

को ग्रह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई आक्षेप :----

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक्ष से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में सै किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी ख से 45 दिन के भीतर उचत स्थावर सम्पत्ति में हितवव्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में से किए जा सकेंगे।

स्पब्दीकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, को अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

नन्स्वी

ए पर्लेट तादावी 1600 वर्गफीट भीर भान भोपन कार पारिंग, स्पेश प्रोपोजिंख, मल्टोन्स्टोरीज ग्रुप हार्डीस्य स्कीम, निलीगीर भपार्टमेंट, 9, भाराखम्या रोड़, नई दिल्ली।

> भार०पी० राजेश प्रकान प्राविकारी सहायक भायकर ऋायुक्त (निरीक्षण) भाजने रेंग-1, नई दिल्ली

दिनोकः : 18-9-1985

मोहर 🖫

प्ररूप आर्ड.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर वायुक्त (निरीक्षण) ग्रजैन रेंग~ 1, नई विल्ली

नहें दिल्ली, दिनांक 18 सितम्बर 1985

निदेश स० ऋई० ए० सी०/एकर्/1/37ईई/2-35/1504 भातः मझे आर०पी० राजश

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके एक्दात् 'उवत अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्ष्म प्राधिकारी की यह विश्वास करने का भारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

मीर जिसकी सं० पतेट नं० 501-ए है तथा जो 6, नेहरू प्लेस, नई दिल्ली में स्थित है (भीर इस्न उपायक अनुसूची में भीर पूर्ण रूप से बणित है) रिजस्ट्रीस्ती श्रीधकारी के बायलिय अर्जन रेंग्नरी, नई दिल्ली में भारतीय आयकर अधिकाम 1961 के अर्जीत तारीख फरवरी 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित हाजार मृत्य से कम के रश्यमान रितिफल के लिए अन्तरित की गई है और मभ्ने यह िश्वाम हरने का कारण है कि ग्रथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित हाजार ल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का न्द्रह प्रतिशत से अध्यक्ष है और अंतरक अंतरकों) और अंत-रिती (अंतरितियाँ) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलित उद्देश्य से उक्त अंतरण निकित में भास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्स अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; आर्र/या
- (ह) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्ह भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या जक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया धा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के सिए:

वतः वदः वदः विधिनियमं की धारा 269-ग के वनुसरण में, में उक्त अधिनियमं की धारा 269-घ की उपधारा (1) के वधील, निम्मलिखित स्यक्तियों, कर्षात् :--- (1) मैं ॰ प्रसाद एल्ड वःम्पनी 9/5, हस्ट पटेल नगर, नई विल्ली।

(अन्तरत)

(2) श्री राघव बहुन श्रीर श्रीमती सुभाष बहुन, निवासी 13/34, नार्थ वेस्ट एवेन्यु, पंजाबी बाग, नई दिल्ली।

(अंग्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति को अर्जन को सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूजना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्याक्तियों पर सूजना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति प्रवास,
- (ह) इस रूबना के राजपत्र में प्रकाशन की तारोब से 45 दिन के भीटर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्ष किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकींगे।

स्पष्टीकरण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उकत अधि-नियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही कर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अन्स्यी

फ्लेट नं० 501ए, 'देविका टावर' 6 नेहरू प्ले∷, नई दिल्ली, तादादी 525 वर्गफीट।

> श्रार० पी०राजश सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायक्त (विरोक्षण) शर्जन रेंज-1, नई दिल्ली

दिनांबः : 18-9-1985

मांडुर :

प्रारूप आई.टी.एन.एस.-----

ब्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 थ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आय्क्त (निरक्षिण) भूजेन रेंज-1, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 18 सितम्बर 1985

निदेश सं० आई० ए० सी०/एक्प्, 1/37ईई/2-85-1505 इत: भुझे आर० पी० राजेश

नायकर जी धनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विकास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उधित बाजार मृस्य 1,00,000/-रा. से अधिक हैं

भीर जिसकी सं० पलेट नं० 226 है तथा जी 6, नेहरू प्लेड नई दिल्ली में स्थित है (भीर इससे उपायद अनुसूची में भीर पूर्ण रूप से पीणा है) प्रोजस्त्री तो अधि हारी से सामस्य अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली में भारती। आधशर अधिनियम 1961 के अवीत तारीख फायरी 1985

को प्रविकास सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के एरयमान् प्रित्तिकार के लिए अर्जाटक को गर्द हैं और मार्स यह विश्वास एरने का कारण है कि यथाप्चोंक्स सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्र प्रांतशत से अधिक है और अतरक (अतरकों) और अंतरिती (अन्तिरित्यों) के बीच एमें अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिसित उद्देष्य से उक्त अन्तरण निश्वित में बाग्तिबक रूप से कथित नहीं किया गया है —

- (क) अन्तरण संहुई किसी आयं की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी बाद यह किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय बाय-कर विभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिमाने में वृतिभा के तिए;

(1) मै॰ प्रगति लग्द्रक्शन लग्दनी (देविहा दाघर)
 चोयो मंजिल, दिटगला हाउस,
 73-74, नेह्र प्लेस, नई दिल्ली।

(भ्रन्तरक)

(2) श्रोमती निलिप कौर, एक-173, मानसरीवर ग.ईन, दिल्ली।

(प्रभारिती)

को यह स्वना जारी करके प्रशेषत सम्पत्ति के अर्जन के निए कार्यवाहियां शूरू करता हुं।

उसत सम्पत्ति के अर्थन सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस स्वरा के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्मम्बन्धी अयिक्तयों पर स्वना की तामील में 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रविकत अयिक्तयों में शे किसी व्यक्ति द्वारा,
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन के भीतर नकत स्थावर संपरित में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरगः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहां अर्थ हाना जो उस अध्याय में दिया गया है

अनुसूची

पनेट न॰ 226, मल्टी स्टीरीड, बिल्डिंग विवित्त. टावर 6, नेहुर प्रोप, नई बिस्ती, तादादी 197 वर्गफीट ।

> भार० पो० राजेश सभन प्राधिकारी सङ्ख्या प्रायक्त प्रायुक्त (िरीक्षण) प्रार्जन रेंग- 1, नई विल्लो

जा: जब, उकत अधिनियम की धारा 269-ग के जनसरण में, में, उकत अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

विनोक : 19-9-1935

प्रथम बाइ , टी. एन., एव. ------

बायकर जीभीनयम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के जभीत स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक वायकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-1,नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 18 सितम्बर 1985

निदेश सं० थ्राई० ए० सी०/एम्यू, 1/37ईई/2-85/1506---धतः स्हो श्रार० पी० राजेण

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रथात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रु. सं अधिक है

भीर जिसकी सं० पतेट नं० बी-12 है तथा जो 22, बारा खम्बा रोड, नई दिल्ली में स्थित है (और इसने उपाबंद अनुसुची में भीर पूर्ण रूप से विणित है) रिजस्ट्रीटर्स अधिकारी के बार्यालय अर्जन रेंश-1, नई दिल्ली में भारतीय आयकर भीधिनियम 1961 के अधीन तारीख फरवरी 1985

का पूर्वोबत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मून्हें यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंक्त मन्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके इश्यमान प्रतिफल से, ऐसे इश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया मया प्रतिफल, निम्नलिसित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में बास्तिवक रूप से कथित न्हीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण सं हुइ किसी आय की भावत, उक्त अभिनियम के अभीन कर दने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे वचने में सुन्वका अ सिए; और/वा
- (ख) ऐसी किसी आय हा किसी धन या अन्य आस्तियों की. जिन्हें भारतीय आय-कर नाधानयम 1922 (1922 को 11) या उनत अधिनयम या धन-कर जोधीनयम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था गुण्डिया प्रकट नहीं किया गया था गुण्डिया की लिए,

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण को, भी, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ को उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- 43--316GI/85

(1) स्कीपर सेल्ज प्रा० लि० स्कीपर भवत, 22, बाराखम्बा रोड, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) कमान्डर ग्रमर सिंह (रिटायर), श्री कुतदीप सिंह, निवासी--प्री--2वी/81, जनकपुरी, नई दिल्ली।

(धन्तरिती)

की शह सुषमा जारी करके पूर्वाक्त अंपांत क बर्जन के जिल्ह कार्यवाहियां करता हो।

उक्त सम्पत्ति को अर्थन को सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्वता के राजपत्र में प्रकाशन की तारिक से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तिमों शर स्वता की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स ध्यक्तियों में से किसी व्यक्ति स्वारा:
- (च) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख है 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर मम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के गम लिसित में किए का स्कींगे।

स्पष्टीकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होता जो उस अध्याय में दिया गया है।

अन्स्ची

पर्लेट नं० यु० जो 12, 22 बाराखम्बा रोड़, नई दिल्ली, सादाक्षी 200 वर्गफीट।

ग्रार० पी० राजेश सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जनरेंज→1,नईदिल्ली

दिनांक : 18-9-1985

प्रकृष आहूं.टी.एन.एस.

नायकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अधीन सुमना

HINE EXELS

कार्यासयः, सहायक जायकर जायुक्त (निरक्षिण)

म्रर्जन रेंज~1, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांवः 18 सितम्बर 1985

निदेश सं० ग्राई० ए० सो०/एक्यु/1/37ईई/2-85/ 1507--- मुझे ग्रार० पी० राजेश

मायकर मिनियमं, 1961 (1981 का 43) (जिसे इसमें इसके परकाल् 'उमल मिनियम' कहा गयः हैं), की धारा 269-च के सभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थानर सम्पत्ति, जिनका जांचत वाजार मूक्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

भीष जिसकी सं० सिमेंट नं० 6, तथा जो 49-50, नेहर प्लोस, नई दिरलें में स्थित है (भीर इससे उपावद भनुसभी में भीर पूर्ण रूप से विणित है) रिजस्द्रीय ती अधिकारी के कार्याख्य प्रजन रेज-1, नई दिरली में भारतीय आयवार भिधिनियम 1961 के अधीन तारीख फरवरी 1984

को प्वांक्त सम्पत्ति के जिया बाजार मूल्य से कम के स्वयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वान करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार प्रच, इसके रश्यमान प्रतिफल से, एमें स्वयमान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरकां) और अंतरिती (अंतरितियां) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (का) कमारण सं हुई किसी आग का बाउत, स्थल विधिनियम से स्थीन सर दोने के संतरक के वायित्य में कभी करने या उससे बचने में मीवधा जै लिए: खोर/बा
- (ब) एसी किसी आय ए किसी या या त्या लिए वां करों, जिस्हों भारतीय लागकार अधिनित्या, 1000 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ बंदीरती द्वारा अकट नहीं किया नया या का किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

नतः नन, उन्त अधिनियम की धारा 269-न के जन्मरण में, में, उन्त अधिनियम की धारा 260 स की नगराका (; । के अधीन, निम्निसिस्त व्यक्तियों, अधीक :--- (1) मेजर बी० हान्का सीमती भाषा हान्डा, ध्रॉर लेफिट विभिन हान्डा, ध्रौर श्रीमती विद्या मल्होत्ना, सी/भ्रो श्री भ्री० पी० हान्डा, एच० 396, डी बी ए, फ्लेटस, नरायणा, नई विल्ली।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री संजीव शर्मा, पुत्र एम॰ एल॰ शर्मा और श्री सुधीर शर्मा पुत्र एम॰ एल॰ शर्मा, द्वारा यू/जी श्रीमती वीना शर्मा, जी-91, जालका जी, नई दिल्ली।

(मन्तरिती)

को यह स्थना चारी करके प्याँकत सम्पत्ति के वर्जन के विष कार्यवाहियां करता हूं।

उक्ट संपरित के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी नार्कन:---

- (क) इस स्वता के रावपण में प्रकाशन की तारी के 45 दिन की अवधि भा तत्सम्बन्धी व्यक्तियों कर स्वता की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवाकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्राह्माः
- (व) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की ठारीव के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिल-बक्त किसी अन्य स्थावत बुबारा अधोहस्ताक्षरी के शक्त विविद्य में किए जा सकींगे।

त्पव्यक्तिरणः - इसमें प्रयुक्त सन्दों और पदों का, को उक्त विश्वनियम के अध्याय 20-क में परिभावित हैं, दही वर्ष होगा को उस अध्याय में दिवा गया है।

क्रम प्रची

बेसमेंट नं० 6, रेड रोज, 49-50 मेहर प्लेस, मई दिल्ली, तासादी 748 वर्गफीट।

> मार० प० राजम सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर भायुक्त (निरीक्षण) भजन रेंज-1, नई दिल्ली

विनांक: 18-9-1985

प्रकप बाइ .टी.एन.एस. -----

बावकर विभिन्नियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अभीन स्वना

नारत तरकार

कार्यांचय , सहायक जायकर जायकर (निरक्षिण) धर्जन रेंज-1, नई दिल्ली

नई दिल्ली दिनांक 20 सितम्बर 1985 निदेश सं॰ भाई॰ ए॰ सी॰/एक्पू/1/37ईई/2-85/ 1508—भतः मुझे भार॰ पी॰ राजेश

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसं ध्यमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है'), की धारा 269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वाय करने का कारण है' कि स्थावर सम्पत्ति, विसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

मीर जिसकी सं 18 है तथा जो टोडर मल है, नई विस्ली में स्थित है (मौर इससे उपाबद मनुसूर्यः में भौर पूर्ण रूप से विणित है) रजिस्ट्री इतों मधिकारों के कार्यालय अर्जन रेंज-1 मई विस्ती में भारताय मायकर मधिनियम 1961 के मधीन साराख फरवरी 1985

को पूर्वों कत सम्परित को अचित वाजार मूल्य से कस को स्वयमान प्रतिफल को लिए अंतरित की गई हैं और मूझे यह विश्वास करने का कारण हैं कि यथापूर्वों कत सम्परित का उचित बाजार मूल्य, असके स्थ्यमान प्रतिफल से एसे स्थ्यमान प्रतिफल का पन्त्रह् प्रतिखत ने विभक्त हैं बीर अंतरक (अंतरका) और अंतरिती (अन्तरितियाँ) को बीच एसे जन्तरण को लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्मलिखित उद्वेष्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक कप से कथित नहीं किया गया है।

- (क) जन्तरुण से हुई किसी नाम की बाबत, उनत जीभीनयम को जभीन कर दोने की जन्तरुक के खिराद में कमी करने या उससे बजने में सुविभा के किए; बॉट/बा
- (च) एची किसी बाज वा किसी भन या जन्य बास्तिकों की, जिन्हीं आरतीय नायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) वा उक्त अधिनियम, या भनकर निधिनयम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ कन्द्रीरती ब्वारा प्रकट वहीं किया गया था या किया आजा आहिए था, किया में सुविधा के सिए;

अतः वार्य, उपत विभिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मं, भी, बचत विभिनियम की भारा 269-म की उपधारा (1) क अधीन. विस्तिस्थित व्यक्तियों, अर्थात् :---

- (1) किन इन्टरप्राइसेस (प्रा०) लि० ई-4, झन्डेनालान एक्नाटेंशन, नई दिल्ली । (ग्रन्तरक)
- (2) श्रंत्र श्रिखिल कुमार, एक-3, महारानी बाग नई दिल्ली।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उपल सम्परित के अर्थन के सम्बन्ध में काई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, को भी अविध बाद में समाप्त होता हो, के भीतर पूर्वीक्त क्यायत्यों में या किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य अधिकत द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास

हास्य किरण: --- इसमें प्रमुखत कब्दों और पदों का, को उन्हें अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, यही अर्थ होगा, जो उस मध्याम में दिश मया हैं।

जन्सू औ

एक कमरा श्रीर कोमन टायलेट, ग्राउन्ड फ्लोर, 18, टोडर मल रोड़, नई दिल्लं।

> श्वारः पी० राजेश सक्षम प्राधिकारी सहावक श्रायकर श्रायूक्त (निरीक्षण) श्वर्जन रेंज-1, नई दिस्सी

दिनोंक : 20-9-1985

प्ररूप बाहै. टी. एन. एस. -----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अधीन स्चना

नारत नरकार

कार्यालय, सहायक वायकर आयुक्त (निरीक्षण)

भ्रजीत रेंज--1, नई दिल्ली नई दिल्ली, दिनांक 20 सितम्बर 1985 निदेश सं० भाई० ए० सी०/एकपू/1/37ईई/2-85/ 1509---भ्रतः सुम्ने, भ्रार० पी० राजेश

आयाजर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धार 269 के के अधीन मक्षम प्राधिकारी की नह निक्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृख्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

भीर जिल्लको सं० 18 है तथा जो टोडर मल रोड़, नई दिल्लों में स्थित है (श्रीर इतने उनाबद्ध श्रनुसूचों में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजल्ट्रा हर्ता श्रिध हारों के कार्यालय धर्जन रेंज-1, नई दिल्लों में भारतीय श्रीयक्रर श्रिधिनियम 1961 के भिधीन तारीख फरवरी 1985

का पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह निश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय बाया गया प्रतिफलन, निम्नलिशित उद्दोष्य से उस्त अन्तरण के लिए तय वाया गया प्रतिफलन, निम्नलिशित उद्दोष्य से उस्त अन्तरण के लिए तथ

- (क) अन्तरण से हुइ किसी जाय की बाबत, सक्त विविव्यक्ष की ब्योड कड़ दोने की अन्तरक की बाहित्य में कभी कड़ने या बढ़ने वृष्णे में ब्रिया के लिए; और/या
- (ण) एती कियी नाम या किसी धन या जन्म नास्तियां को, जिन्हों भारतीय नाय-कार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कार अधिनियम, या धन-कार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था वा किया जाना चाहिए था, क्रियमों भें सुविधा हो लिए;

जतः जन, उत्तर अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण कों, मी, शक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (१) को अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

- (1) ब्रिज इन्डरअहसेत प्रा० लि०, ई-4, ब्रन्डेबालान एक्तर्देशन, नई दिल्ली। (ब्रन्टरह)
- (2) श्रीमती मनिया कुमार, एक-3, महारानी बाग, नई दिल्ली । (श्रन्तरिती)

को वह सूचमा बारी कारके पूर्वोक्स संपृत्ति के वर्जन के जिल कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

बक्त संपरित के अर्जन के संबंध में कोई भी धाक्षेप :---

- (क) इस स्थाना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी व वें 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवेंकर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा:
- (क्ष) इस सूचना के राजपत्र मों प्रकाशन की सारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति मों हितबहुध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिसित मों किए का सकांचे।

स्थब्दिकरण:--इसमें प्रयुक्त शस्त्रों और पदों का, थे। उक्स अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया स्था हैं।

वनस्यी

एक कमरा, किया, कौनन टायलेट, गाउन्ड फ्लोर, 18, टोडर मल रोड़, नई पिल्लों।

> भार० पी० राजेश सक्षम प्राधिकारी सद्यायक भ्रायकर भायूक्त (निरीक्षण) सर्जन रेंज, नई दिल्ली

दिनांक : 20-9-198**5**

प्ररूप बार्च . टी . एन . एस . -----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के जभीन स्थना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक बायकर बाय्क्स (निरक्षिण) भर्जन रेंज-1. नई दिल्ली

नई बिल्ली, बिनांक 20 सितम्बर 1985 निदेश सं अर्दि ए सी /एन यू 1 37ईई 2-85 1510 **भ**तः मुझे, भार० पो० राजेश,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पक्चातु 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रु. से अधिक है भी जि.हो सं० फ्लेट नं० ए-1503 है तथा जो 22, बारा खन्ता रोड़, नई दिस्ता में स्थित है (ग्रीर इतत उत्तबह भान्ता में भ्रीर पूर्ग का से विणित है) रिजिस्ट्रांस्ती भाज अरं। के कार्यालय भागेन रेंज-1, नई दिख्ला में भारतीय भाग हर भधिनियम 1961 के भ्रातान साराख फ़रवरी 1985 फो पूर्वोक्त सम्पत्ति को उचित बाजार मूल्य से कम को रायमान कें लिए अन्तिरत प्रतिफल की गइ है विश्वास यह करने का कि यथा पूर्वेक्ट सम्पत्ति का उचित बाजार मृस्य, उसके दरयमान प्रतिफल से, ऐसे रायमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक हैं मौर अंतरक (अंतरकों) और अंतरिशी (अंतरितियों) को बीच एंसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नसिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है ::---

- (क) जन्तरण से हुई किसी भाय की बायत, उक्ट मिनियम के अभीन कर दोने को बंहरक के धायिरन में कामी कारने या उससे बचने में सुविदाः केलिए; भौर∕बा
- (व) एरी किसी बाद वा किसी धन या बन्य वास्तिया ्को, जिन्ही भारतीय वायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भाग-कार अधिनियम, 1957 (1957 को 27) की प्रयोजनार्थ अंतरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया थायाकियाजानाचाहिए था, छिपाने में सुविधा चे चिए;

अत: अब. उक्त अधिनियम की धारा 269-ध को, अनुसरक , मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिकित अ्यक्तियाँ, अर्थात् :---

(1) स्कोपर सेट्ड प्रा० लि०, 22, बारा खम्बा रोड़, नई दिल्लो ।

(श्रन्तरह)

(2) श्री राजेश कुमार ग्रामशास ग्रीर ने।रज कुमार भग्नवास (माईनर), भौर नितिन कुमार मग्रवास, पुत्र श्रो एउ०पो० श्रमवाल, ई-54 एन० डो० एउ० ई०-1, नई विल्ली। (भ्रग्तरिती)

का यह सूचना जारी करके पूर्वोंक्स सम्पत्ति के. अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुई।

बक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में को**र्ड** भी आक्षप : —

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी का से 4.5 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी क्यक्तियाँ सुचना की तामील से 30 दिन की श्विध, जो भी कविभ बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्वॉक्त म्यक्तियां में से किसी व्यक्ति दुवाय्;
- (क) इस सुचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबबुध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिचित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त सन्दों और पदों का, जो जनक व्यधिनियम, के अध्याय 20-क में पीरभाषित है, वही अर्थ होगा को उस अध्याय में दिया गया है।

धनुसूपी

फ्तेट नं॰ ए-1503, 22, बाराखम्या रोड़, नई दिल्ली, तावादी 441.80 वर्गफ़िट।

> मार० पो० राजेश सक्षम प्राधिकारी **ॅॅंबहायक मायकर मायूक्त (निरोक्षण)** श्रजन रेंज-1, नई हिल्लो

दिनांक : 20-9-1989

मोहर 🛭

प्ररूप बाहाँ, टी. एवं. एवं. - - - ---

धायफर व्यभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के वधीन स्वना

शास्त बरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) भर्जन रेंज-1, नई दिल्ली

नई पिल्ली, दिनोह 20 सितन्बर 1985

निदेश सं० भ्राई० ए० 'सें।०/एका/1/37ईई/2-85/ 1511---श्रतः मुझे, श्रार० पी।०राजेश प्राकृत समितिसम् 1061 (1061 का 42) (स्थिते हम

आधकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-स के अधीन सक्षम शिधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पंति, जिसका उपित बाजार मृस्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

भीर जिल्ला सं० श्रक्तावल है तथा जो 19, बाराखम्बा रोड़, नहे दिस्ता में स्थित है (प्रोर इत्ती उताबद आपूत्री) में ग्रीर पूर्त का से बर्गित हैं) प्रताहति श्रिवित्तरा के कारीला अर्जा रेंग-1, नहे दिस्ता में भारताय आयक्तर ग्रीध-नियम 1961 के भागान ताराख फरवरी 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के स्थमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह निश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके स्थमान प्रतिफल से, एसे स्थमान प्रतिफल के पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गमा प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से किथित नहीं किया गया है हि—

- (क) मृत्युण से हुई किसी नाय की वायतः, समय अध्यासम्बद्धे सधीन कर्य योगे के बन्तरक के राज्यिल में कमी करने या उससे बजने में सुविधा के निए; और/या
- (ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन्-कर् अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वास् प्रकट नहीं किया नवा था या किया जाना आहिए था, खिपाने में सुविधा के लिए;

गत. जब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसर्भ मं, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-भ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निश्चित व्यक्तियों, अर्थात् ६—

(1) भै॰ कैलाश नाथ एन्ड एशोसिएटस, 1006, कंवनगूर्गा, 18 बाराखम्बा रोड़, नई विल्ली।

(श्रन्तरक)

(2) श्रीमती भना गोताल खुल्लर, परमी श्री रघूनरेग गोताल खुल्लर, निशासी-ए-2/173, सक्रवरजंग इन्कलेब, नई दिल्ली।

(मन्तरिती)

को यह सूचना बारी करके पूर्वोक्त सम्मृति के वर्जन के सिए कार्यवाहियों करता हैं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षप :---

- (क) इस स्वना के राज्यत्र में प्रकशन की तारीब वे 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त स्वित्यों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (स) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं से 45 दिन के भीतर सक्त स्थायर सम्पत्ति में हितबब्ध किती बन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास

स्पट्टीकरण :---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उन्हरं विधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

अनुसूची

एक घोरन कार पाकिंग, स्पेत बेत्रमेंट, प्रोपडींज मल्टो स्टोरोस, कर्माराजल बिल्डिंग, 'ब्रध्नाचल' 19, बाराखम्बा रोड़, मई दिल्लो ।

> मार० पी० राजेश सक्षम प्राधिकारी सहायक मायकर मायुक्त (निरीक्षण) मुद्रैन रेंज्∽1, नई दिस्ली

विनोक : 20-9-1985

ध्रम् आहे<u>, हो, पुर, पुर</u> ुग्ल्यक्त्रकण्य

भाभकर जभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के सभीन स्थना

भारत संद्रकार

कार्यासय, सहायक आयकर बायकर (निरीक्षण) अर्जन रेंज 1 नई दिल्ली

नई दिल्ली दिनांक 20 सिसम्बर 1985 निवेश सं० ग्राई०ए०सी०/एक्यू०/1/37ईई/के-85/1512→ ग्रतः मुझे, ग्रार० पी० राजेश,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का शरण हैं कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित बाजार मूल्य :,00,000/- रु. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० एक लार पार्तिंग रूपेस, है तथा जो 1 श्रासक्षमका रोड़, नई दिल्ली में रियत है (और इससे उपानंद्र अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री:त्ती श्राव गरीं के वार्यालय, श्रर्जन रेंज-1, नई दिल्ली, भारतीय श्राय हर श्रविनियम 1961 के श्रवीन तारींख फरवरीं 85

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के दृश्यमान श्रितिफल के लिए अन्तरित की गई है जोर मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापुर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल के, एंडे दृश्यमान प्रतिफल का बन्द्रह प्रतिकृत अधिक है और अंतरक (अंटरकॉ) और बंतरिती (अंतरितियाँ) के बीच एंसे अंतरण के निए तय बाबा गया प्रतिफल, निम्नलिखित अध्योध से उक्त अंतरण के सिखल में वास्तियक क्या से किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुइ किसी बाय की वावतः, उक्त सिंधिनियरः के अधीन कर दोने के अन्तरक के इस्मिटन में कमी करने या उससे वचने में बुविधा के सिए: बॉट/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी वन या जन्य जास्तियी को जिल्ही भारतीय आयकार जिल्ही सरतीय आयकार जिल्ही सरतीय अयकार जिल्ही स्वारा प्रकल किया या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) की प्रवोजनार्थ अन्तरिती इवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, कियाने में स्विधा की लिए।

जल: अज, उक्त जिथिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण जो, मी, उक्त जिथिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्मिचित व्यक्तियों, अर्थात **** (1) मैजर्स कैलाग नाथ एन्ड एसोिंदिटेट्स्, 1006, कचंतजुगी 18, बाराखम्बा रोड्, नई दिल्ली

(प्रकारक)

(2) श्रीमती उषा चन्ना परनी श्री खेखराज चन्ना, बी-3/19, वस्त्रत विहार, नहीं दिस्सी.

(भ्रःतरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिक करता हुं।

जक्त सम्पत्ति के खर्जन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस स्वान के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी क्यित्तयों पर स्वान की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्वोंक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (व) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक्ष के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपरित में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के एाम लिखित में किए जा सकी।

स्पष्टिकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, थी अक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाधित हैं, वहीं अर्थ होगा खें उस अध्याय में दिया गया है।

ग्रभ्यू थी

चन ओपन कार पार्तिम स्तेत, लोक्टर बेत्रसेस्ट प्रोपोजिङ मर्टी-तटोल्डि समागीयत बिल्डिंग, 'प्रवासचत', 19, बारा खम्बा रोड, नई दिल्ली,

> षार० पी० राजेश संसम प्राधिकारी सहायक षायकर श्रायुका (निरीक्षण) षर्जन रेंज 1 दिल्ली, नर्ष दिल्ली

सारीथ : 20-9-1985

मारत तरकार

कार्यालय, सहायक वायकर वाय्क्त (निद्रीक्रण) भर्जन रेंज १ नई दिल्ली

न**ई** दिल्ली दिनोत 20 जितम्बर 1985 निदेश सं० भाई० ए० सी०/एमपू०/1/37-**ईई**/2-25/ 1513---खत: मुझे, खार० पीं० राजेश,

भागकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रकास 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धार 269- के अधीन सक्तम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

श्रीय जिनकीं सं० फ्तेष्ट नं० 302, है तथा जो 13, दाल सेटाम मार्ग, नई बिल्ती में स्थित है (और इपने उपाबक श्रापुत्री में पूर्ण का से परिता है), यिक्ट्रीडली श्रीवतारीं के जार्यातम, श्रानेत रैंज-1, नई बिल्ती, भारतीय श्रायकर श्रीविकाम 1981 के श्रवीत तारीक फल्परी 1985

को पूर्वेक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मुख्य से कम के दृष्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित को गर्ड है और मुझे यह निववास करने का कारण है कि यथापुर्वेक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य उसके दृष्यमान प्रतिकल से, ऐसे दृष्यमान प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और चंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तथ पाया गया इतिकल, निम्नीलिंगत उद्देष्य से उक्त अन्तरण लिकिन में बास्तिकल अप से कथित नहीं किया गया है क्

- ऐक) अप्तरण से हुई किटी आय की शबस, उक्छ विधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक की दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के सिए; बॉर∕या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियाँ को जिन्हों भारतीय जायकार जिम्मिनयम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) अं अयोजनार्थ जन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गवा या किया जाना आहिए था, सिनाने में मिथिधा के जिया;

क्य: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-भ के अनुसरक में, में उभत अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नीसिंखत व्यक्तियों, अधीत इ--- (1) मैजर्स बक्सी, बिजाम, बिहास, बज्दूपतन बज्जनी प्राव्हिक, 13, धालस्टाय मार्गे, नर्षे दिस्ती,

(भ्रःउरह)

(2) श्रीमती विमल नाय और धुमारी सारिका नाय (माइनर) डॉ-834, न्यू फैंडत कालोबी, नई दिल्ली (भग्नरिती

को यह सूचना जारी करके पृथोंकत सम्परित के अर्जन के लिए कार्य-वाहियां करता हुं।

वक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस स्वान के श्वपत्र में प्रकाशन की तारी से से 45 दिन की अविध या तत्स वंधी व्यक्तियों पर स्वान की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी बविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर करित यों में हो कि सी व्यक्ति बुवारा;
- (का) इस तृपना की राजपश्च में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकांगे।

स्पष्टि करण: --- इस में प्रयुक्त कव्दों और पदों का, जो उक्त कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जा उस अध्याय में दिया गया है।

भग्त्यी

बुिंग भाफ भाफित फैनेट नं० 302, तादावी-696 वर्ग फिट, प्रोनोजिश्व मन्ट-सटोरीयश्व बिल्डिंग, 13, टालस्टाय मार्ग, नश्च दिल्ली,

> धार० पी० राजेश सक्षम प्राधि ारी सहायक प्रायक्तर भायुका (िरीक्षण) प्रजंतरोंज 1 दिल्ली, नर्धे दिल्ली

तारीज: 20-9-1985

सम्भव सहर्षः यो । १५ । एस - -----

आसकर अंजिन्यम, 1961 (1961 का 43) की भारत 269-म (१) के अभीत सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायक आयकर आयुवत (निरीक्षण) श्चर्जन रेंज 1 नई दिल्ली

नई दिल्ली दिनांक 20 शितम्बर 195

निदेण सं० ग्राई० ए० सीं०/एक्पू०/1/37ईई/2-85/ 1514--- प्रत: मुझे प्रार० पी० राजेण,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विक्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, विश्वका उचित बाकार मृत्य 1,00,000 / - रु. से अधिक हैं।

और जिपकी यं० परेट नं० 1404, है तथा जो 89, नेहरू पलेप, नई दिल्ती, में स्थित है (और इसमे उपाबढ़ अनुसूची में पूर्ण रूप ने वर्णित है), रजिस्ट्री इनी प्रधिकारी के कार्या-लय, अर्जन रें-1, नई दिल्लीं, भारतीय ग्रायकर प्रधिनियम 1961, के प्रधीत तारीख़ फरवरीं 1985।

ही पर्वोक्त सम्पत्ति के उचित्र बाजार मृत्य से काम के **राधमान** प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विक्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का **उचित बाजार** मूल्य, उसके धरयमान प्रतिफल से, एसे धरयमान प्रतिकास का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरका) और अंतरिली (असरिंगितयाँ) के बीच एंसे अंतरण के लिए तय पास गया प्रति-फल निम्मलिस्डित उद्देश्य में एउट यंगाच निर्मियत में यानांत्रक •प से कथित नहीं किया गया है :----

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत उक्त अधि-नियम के अभीन कर देने के अन्तरक के वाबित्व मों हाथी कारते का कारती। एक्च का राविका के विल्लु; ज्योज / छा।
- (ख) एंसी किसी आय या किसी धन या कन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम,, या धम-कार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रणेजनार्थ अन्तरिती दवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया नान चाहिए था कियाने में सकिथा अ नारः

अतः अव, उक्त विधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269--घ की उपधारा (1) के अधीतः, निम्नलिखितः व्यक्तियों,, अर्थातः :---

44---316G1/85

(1) शुर्वावत विकास कर पूर्वक श्रीमतीं **श्रमृत सिंह** मुा तिप्∕ेष्ट विधान हिंह, और श्रीमनी में ना जंदर, दिवासी-**-ई-I**I, अंगवात एक भेरण । वह दिल्ली,

(ग्रन्सरक)

(2) श्रीमती तायर तान पत्नी ष्टा० ऑहम्मद एजामित खातः और डा० मौहम्मण मुजामिल खान पुत्र श्री श्राप्त पुर अनिः मीं/ओ श्री एम० ए० यू० खान, 122, िखाया चापतेत वर्ष दिल्ली

(ग्रन्तरितीं)

को यह सुफता बरनी अन्य हाल जह परणिल को अर्थन के किए कार्यवाहियां घुरः करता हूं।

जबत सम्मार्थ के अर्फन के सम्बन्ध में कीए भी बाधीप द-

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीय से 45 दिन की प्रविध ए। शृहसम्बन्धी व्यक्तियों पर सुचना की सामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद भें समाप्त हांती हो, के भीतर पूर्वें व्य र प्रकाश हा से किसी स्वक्रित **हवाग**ः
- (क) इस सुखना के राज्याक में प्रकाशन की सारीच 📌 45 दिस के फीलर उक्त ध्यक्षर संपत्ति में हिस-बब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी 🖷 पारणी पीना । 🗀 अपन्यक्रमा

स्मक्टीकरण. - इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदी का, वो उक्त अधिनियम ा प्रभाग 20-क से परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अभ्याय में दिवा

अनुसूची

फ्लैंट नं 1404/ए, लाकाबी-548 वर्ग फिट, **89**, नेहरू पलेव, नई दिल्ती. (यूव भींव) ।

श्रार०पीं० राजेशः ाक्षम प्राधिकारी न्छान अन्यास आयुक्त (निरी**क्षण)** प्रार्थ रेंक-1 दिल्लीं, नई दिल्लीं

तारीख: 20-9-1985

प्ररूप आइ.टी.एन.एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्याजय , सहायक भायकर भायक्त (निरीक्षण) भर्जन रेंज नई दिल्ली

नई विल्ली दिनांक 20 सितम्बर 1985

⊶—प्रत: मुझे, भार०पी० राजंश, गणकर विभिन्नसम् 1961 (1961

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उधित बाजार मूल्य

1,00,000/- रु. से अधिक हैं और जिसकीं सं० स्पेस नं० 9, हैं तथा जो 28, बाराखम्बा रोड़, नई दिल्लीं, में स्थित हैं (और इससे उपाबब ग्रनुसुनी

राड़, नह । दल्ला, म । स्थत ह (आर इसस उपावक अनुसूचा
में पूर्ण रूप ने वर्णित है), रजिस्ट्रींक्सी ग्रधिकारीं के कार्यीलय, ग्रर्जन रेंज-2, नई दिल्जी, भारतींय ग्रायकर ग्रधिनियम
1961. के ग्रधींन तारींख फरजरीं 1985।

को पूर्विक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्वयमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे स्वयमान प्रतिफल का पन्मुह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में

वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के वायित्व में कभी करने या उससे बचने में सृत्रिधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) मैजर्स गोपाल धास इस्टेटस और हार्ऊिसग प्रा० लि०, 28, बाराखम्बा रोड़, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

(2) श्रींमतीं चन्दर कान्ता पत्नीं श्रीं बाल राज कपूर और श्रीं राजींव कुमार कपूर पुत्र बाल राज कपूर, निवासी-1/7, डब्लू-एच-एस, टिम्बर मार्कीट, मेन रिंग रोड़, क्रितीं नगर, नई दिल्लीं,

(भन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति को अर्जन को सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस स्वान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बव्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्मक्टीकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का जो उक्त । अधिनियम, के अध्याय 20 - क में यथा परिभा-षित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अन्स्ची

स्पेस नं० 9, पांचवीं मंजिल, डा० गोपाल दास भवन 2के, बाराखम्बा रोड़, नई दिल्ली, तादादी-687.46 वर्ग फिट,

> श्रार० पीं० राजेश सक्षम प्राधिकारीं, सहायक श्रायकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज 1 विल्लीं, नई दिल्ली

तारीख: 20-9-1985

त्रकष कार्ड ु टी. एत., एत.,-----

बावकार विधित्यम्, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-त (1) के बचीन सुवना

मारतः चरमार

कार्यांस्य, सहायक वायकर बायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज 1 नई दिल्ली

नई दिली, दिनाँक 20 सितम्बर 1985 निदेश सं० ग्राई० ए०सी०/एक्यू०/1/37ईई/2-85/ 1516---श्रतः मुझे, श्रार० पीं० राजेश,

बायकर मिनियम, 1961 (1961 का 43) (विसं इत्तर्जे इसके प्रभात 'उक्त मिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्भावर सम्बत्ति, विसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/-रा. से अधिक हैं

और जिल्की सं० पेस नं० 18. है तथा जो 28, बारा-खम्बा रोड़, नई दिल्ली, में स्थित है (और इसमे उपाबढ़ अनुसूची में पूर्ण रूप से विणित है). रिजस्ट्रीं क्ती श्रिधकारी के कार्यालय, श्रर्जन रेंज-1, नई दिल्ली, भारतीय श्रायकेर श्रिधिनयम 1961 के श्रशीन तारींख फरवरीं 1985

को पूर्वोवत सम्मित्त के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमाय प्रितिकल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्मित्त का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिकत से बिधक है और बन्तरक (बन्तरकों) और अंतरिती (बन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देष्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिवक रूप में कथित नहीं किया गया है:—

- (क) जन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे अधने में सुविधा के लिए; और/या
- व) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती बुदारा प्रकट नहीं किया गया किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा कै लिए;

अतः सम, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनूसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के समीन, निम्निविधित व्यक्तियों, अधीद मान्स मैंसर्स गोपाल दास इस्टेट हाऊसिंग प्रा० लि०,
 28, बाराखम्बा रोड़,
 नई दिल्लीं,

(भ्रन्तरक)

(2) श्रीमती चन्दर कान्ता पत्नी श्रीं बाल राज कपूर और श्री राजीच कपूर पुत्र श्री बल राज कपूर, 1/7, डब्लू०एच०एस०, टिम्बर मार्कीट, मैन रिंग रोड़, कितीं नगर, नई दिल्लीं

(भ्रन्तरिती

को यह स्वना जारी करके पूर्वोक्स सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

क्यत क्रमारित के वर्षात में सम्बन्ध में आहे ही बालोर !--

- (क) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीख में 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी की पास विकास में किए जा मकरो।

स्पष्टिकरणः --- इसमें प्रयुक्त काट्यों और पदों का, भी उपके उधिनियम के अध्याय 20-क में यथा परि-भाषित हैं,, वहीं मर्थ होगा जो उस कथ्याय में दिया गया है।

अनुस्ची

स्पेस नं० 10, पाचवी मंत्रित डा० गोताल दास भवन, 28, बाराखम्बा रोड़, नई दिल्लीं, तादादीं-1844.92 धर्म फिट,

> आए० पीं० राजेण तक्षम प्रधितारी सहायक आयकर प्रायुक्त (निर्शक्षण) अर्जन रेंग 1 दिल्ली, न्हें दिल्ली

तारींख: 20-9-1985

प्ररूप आइ. टी.एन.एस .------

बायकर किथिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंग । नई जिल्लां

नई दिल्ली दिवार 13 विकास 1985

निवेश मं० श्राई० ए० विज्यान्य्य । (37-ईई/2-85/ 1517---श्रतः मुझे, श्रावण पी० विज्या

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया ही), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिपका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- क. से अधिक है

और जिसकी संग्राह तंत्र १८०० है तथा जो मयुरा रोड़, नई दिल्ती, में स्थित है (४११ गर) उन्नज्ज अनुभूची में पूर्ण रूप ने वॉका है) अनिस्ट्री जी अधिआरी के नार्या-लय, अर्थन रें 1-1, उई दिल्ला, अर्थीन आप १८ अधिनियम 1961 के अधीर वार्यीड करवरी 1985

को पूर्वोक्स सम्पत्ति को अधिक आजार मूल्य स कम के **४२यमान** प्रतिकल के लिए अन्तारह की गर्छ है आर मूक्क यह विश्वास करने का कारण है

कि यथा पूर्वित सम्पत्ति का जीवत बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल सं, एसे दश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक हैं और धतरक (अंत्रिकों) की अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्गरिय से उनत अन्तरण लिखित के बार्लिबक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के कांक्रिक में कार्य के उक्ष के में मृद्धिया के लिए; और/या
- (च) एंसी किसी आय या किसी धन या उन्ये आस्तियों की, जिन्हें भारतीय अयक्तर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उपत अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1937 का 27) के प्रयांजनार्थ अन्तिरिती व्वारा प्रकट नती किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में सृविधा के लिए;

गतः अग, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनूसरण भी, भी, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के उपधारा (1) के श्रीन निम्निक्षिक अधितयों, अर्थात् :--

- (1) श्री अलिन भाटिया, निवासीं → 3-वीं/2, गंगा राम हास्पिटल मार्ग, नई दिल्लीं (अन्तरक)
- (2) मैजर्स अम्पोटेन्ट माटर्स, जम्माटेन्ट हाऊत, एफ ब्लाक (मिडिल सर्वल) कनाट पर्वेम, नई दिल्ली,

(अपन्तरितीं)

को यह सूचना जारी करके पूर्वांक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां घुरू करता हूं।

उक्त संपत्ति के जज्जीन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी खंसे 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र म प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बक्व किसी व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पव्यक्तिरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया। गया है।

अनुसूची

प्लाट नं ए-39. मोहन की-ओपरेटिन इन्हर्स्ट्रीयल ईस्टेट, मथूरा रोड़, नई दिल्ली, प्लाट तादादी-2456.15 वर्ग मीटर, ।

> ग्रारः पी० राजेश गक्षम प्राधिकारी महायरः श्रायकर श्रायुक्त (किरीक्षण) श्रजेंक रेंज दिल्लीं, नई दिल्लीं

तारींख: 23-9-1985

प्ररूप आहर्.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) को भारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज । नई दिल्लीं

नर्ष दिल्लीं दिनांस 23 सितम्बर 1985

निदेश सं० श्राई० ए० सीं०/एक्यू०/1/37-ईई/2-85/ 1518---श्रतः मझे, श्राप०पी० पार्चेशः

कायकर जिभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,930/- रु. से अधिक हैं

और जिएकी मं० फ्लेट न० 410, है तथा जो जाट फ्लेस नई दिल्ली, में स्थित हैं (ऑर इनमें उपायक श्रनुसूची में पूर्ण रूप से विणित हैं), रिजस्ट्री जिल्ली अधि एसी के जायिक्य, श्रजीन रेज-1, एई दिल्ली, भारतीय सायक अधिनियम 1961 के श्रीन, तारींख फरवरी 1985

का प्रविकः सम्पत्ति के उपित वाधार मृत्य सं कर के दश्यमान इतिफल कं लिए कन्तरित की गई हैं और मृतं यह विद्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित वाधार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल सं, एसे दश्यमान प्रतिफल का उन्तरक (अन्तरका) और बन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे बन्तरण के लिए स्य पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उव्वदिय से उकत अन्तरण लिखित में वास्तिथक रूप से कथित नहीं किया गया हैं:——

- (क) बन्तरण से हुई किसी नाम की बाजर संकत बाधि-नियम की बभीन कुद दोने के बन्तरुक को बायित्व में कमी करने या उत्तरी वचने में स्विभा के लिए; बीद/बा
- (च) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिसी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, कियाने में सृविधा के सिए;

अतः अवः, उक्त अधिनियमं की धारा 269-वं क अनुसरणः में, मंं, उक्त अधिनियमं की धारा 269-वं की उपधारा (1) के अधीन, निम्निविधित व्यक्तियों, सर्वात ≟— (1) मौबर्स एमपोटेन्ट बुस्डर्स, एफ-14, एनाट पलेख, नई दिल्ली,

(भ्रन्तरहा)

(2) श्री राजन भाटिया और श्रीमती कविता भाटिया, निरामी-- 3वीं/2, गंग राम हास्पिटल मार्ग, नई दिल्ली

(भ्रन्तिं)

को यह सूचना जारी करके पर्योजन सम्पत्ति के अधिक के निए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षंप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, जो भीतः पूर्वेक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति वृवारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारींख सें 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधीहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

 स्थळित्याः—-१समें प्रयुक्त शब्दी और पदी का, को जलत अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा को उस अध्याय में विका कवा है।

अगसची

फ्लेट नं० 410, चौथीं मंजिल, सम्पीटेन्ट हाइहस, ब्लाश (मिडीन सर्कल) अनाट पलेस, नई दिल्ली तादादी 672 वर्ग फ्रा

> श्राप्तः पीतः राजेश राक्षमः पाधिनारी सहायकः आयकर शामुक्तः (निरीक्षण) अर्जन रेंग । दिल्लीं, नई दिल्लीं-1

तारींख : 23-9-1985

प्ररूप बाइं.टी.एव.एस. -----

भायकार विभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के वभीन सुचना

नारत सरकार

कार्गालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज 1 नई दिल्लीं

नई दिल्ली दिनांक 23 सितम्बर 1985

निदेश सं० आई० ए० सीं०/एक्यू०/1/37-ईई/2-85/ 1519,--अतः मझे, आर० पीं० राजेश,

बायकार विधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पर्वात् 'उन्त अविनियम' कहा गया है), की धारा 269-च वं अधीन सक्षम प्राधिकारी की वह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपीत्त, जिसका उजित बाबार मृत्य 1.60.000/- का से अधिक है

1,00,000/- रु. से अधिक हैं
और जिनकीं सं० फ्लेट नं० 112-ए, हैं तथा जो 14-एफ, कनाट पलेस, नई दिल्लीं, में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनुमूचीं में पूर्ण रूप से विणित हैं), रिजस्ट्रींकर्त्ता अधिकारीं के कार्यातम, अर्जन रेंज-3, नई दिल्लीं, भारतींय आयकर अधिनियम 1961 के अधींन तारींख फरवरीं 1985 को पूर्वोंका संपत्ति के उचित बाजार मृल्य से बम के रूपमान अविफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मुम्में यह विश्वास करने का कारण हैं कि यथापूर्वोंक्त संपत्ति का उचित बाजार मृल्य, इसके रूपमान प्रतिफल से एसे रूपमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिकृत से अधिक हैं और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरिताों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण विवित्त में मास्तिक इप से किथत नहीं किया गया हैं:—

- (क) मन्तरण से हुई किसी भाग की बाबत उपल अधिनियम को सभीन कर दोने के बन्तरक के बायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुध्यभा के लिए: मीर/या
- (क) एसी किसी बाव या किसी धन या बन्य बास्तियाँ की, बिन्हीं भारतीय बाय-कर अधिन ग्रम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनयम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, कियान में सुविभा के सिए;

(1) श्रीं नरेन्द्र ग्राष्ट्रद,
 सीं-202, डिफेंस कालोनीं,
 नई दिल्ली,

(ग्रन्तरक)

(2) श्रीमती कनवल रानी विज, कुमारी निरु विज और कुमारी दिप्ती विज, निवासी⊸ए-5/1, राना प्रताप बाग, दिल्ली

(भ्रन्तिरती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपरित के अर्थन के लिए लिए कार्यवाहियां करता हुं।

जबत सम्पत्ति के वर्णन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राज्यत्र में प्रकाशन की तारीब है 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वान की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकारन की लागीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध कि ते अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिखत में किए जा सकेंगे।

स्पट्टीकरण:—-भसमे प्रयूक्त शब्दों और पदों का, भी उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया नया है।

गनुसूची

फ्लैंट नं 112-ए, कम्पोटैन्ट हाऊन, कनाट फ्लैस, नई दिल्लीं, तावादीं-751.92 वर्ग फिट ।

> ग्रार० पी० राजेश सक्षम प्रणेधकारी महायक ग्रायकर श्रायुक्त (निर्मोक्षण) ग्रजन रेंज-1 दिल्ली नई दिल्ली

बतः शय उक्त विधिनियम की भारा 269-ण के वनुवरण में, में, उक्त विधिनियम की भारा 269-च को उपभारा (१) के विभीन विस्तितिकीक्षत व्यक्तियों, वर्षात् :—

तारींख: 23--9-19**8**5

माहर:

प्ररूप नाष् .टी. एन. एस. =========

बायकर विभिनियस, 1961 (1961 का 43), की भारा 269-म (1) के जभीन सूचना

भारत वरकार

कार्यालय, सहायक वा<mark>यकार वाय्वत (निरुक्षाण)</mark>

म्रर्जन रेंज । नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनां ए 23 सितम्बर 1985

शायकर श्रीधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इस्में इसके प्रशाद 'उक्त श्रीभिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-ल में श्रीम सक्षम प्राभिकारी को यह निस्तास करने का कारण है कि स्थावर सम्परित, जिसका उजित बाजार मुख्य

1,00,000/- र. से अधिक हैं
और जिसकीं सं० फ्लैट नं० ए-1501, है तथा जो 89,
नेहरू पलेस. नई दिल्ली. में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध
अनुसूचीं में पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रिजस्ट्रींक्ली अधिकारीं
के वार्यालय, अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली, भारतीय आयकर
अधिनयम 1961 के अधींन, तारींख फरवरीं 1985
का पूर्वोंक्त सम्मित्त के उचित बाजार मूल्य से कम के क्यमान
रितफल के लिए जन्तरित की गई हैं और मूज यह विश्वास
करने का बारण है कि यथापूर्वोंक्त सम्मित्त का उचित बाजार
पूष्प, उसके क्रयमान प्रतिफल से, ऐसे क्यमान प्रतिफल का
पन्तह प्रतिकात से अधिक हैं और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती
भागरितियों) के बीच ऐसे बानरण के किए तम पाना जना
प्रतिफल निम्मितिसित उन्देश्य से उसक अन्तरण लिखित में
बाकतिक क्या से कियत नहीं किया पना हैं

- (क) अन्तरण सं हुई किसी बाय की बावस , डामक बहिवियम के सभीत कर दोने के बन्तरक के दादित्व मी कसी करने ना उसके वथने में सुविधा के सिए; बीर/या
- (स) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय वायकर विभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त विभिनियम, वा धन-कर विधिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती स्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया बाहा बाहिए था, खिपाने में अविधा के लिए;

(1) सकीपर मेल्स प्रा० लि०, सकीपर भवन, 22, बाराखम्बा रोंड, नई दिस्लीं

(श्रन्सरक)

(2) श्रीं दींपक सेठीं और श्रींमतीं मन्तोष सेटीं, निवासीं--17-सीं, ब्लाक-एच, साकेत, नई दिल्ली

(ग्रन्तरिती)

को बहु स्थान पारी करको पृत्रांतित सम्पत्ति की वर्षत् के विष् कार्यवाहियां करता हो।

वक्त कमरित के वर्षन के सम्बन्ध में कोई थी बाक्षेत्:---

- (क) इस ब्रुपना के राजवृत्र में प्रकारण की सार्तित से 45 दिन की नविध या तत्संजंभी व्यक्तियों पर सूचवा की सामीत से 30 दिन की नविध, को भी नविध बाद में बनाना होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (क) इक तुमता के राज्यत्र में प्रकाशन की तारीच के 45 दिन के भीतर उक्त स्थानर सम्पत्ति में दित-ब्रथ्भ किसी अन्य स्थानत व्यारा, अभोत्तराक्षरी के पास सिविस में किये वा सकोंगे।

स्वच्छीचरणः -----द्तमं प्रयुक्त सम्बागित पर्यो का, जो उनस् सीमिश्यम के सभ्याय 20-क में परिश्रावित हैं, बहुी अर्थ होगा जो उस सभ्याय में विवा गया है।

अनुस्ची

फ्लैंट नं० ए-1501, 89, नेहरू पक्षे, नई दिल्ली, तादादी-299.06 वर्ग फिट ।

श्चारः पीं० राजेश सक्षम प्राधिकारी महायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज 1 दिल्ली, नई दिल्ली

अत: तथ, तकत अधिनिषम की धारा 269-ग के अनुवरन वें, में, उचन अधिनिषय की धारा 269-च को उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिसित व्यक्तियों, अर्थात् :---

तारीं**वा** : 27-9-1985

माहर 🖫

क्षण बाहा टा ए । भा

मायकर मधिनियम, 1961 (1961 को 43) की पाउ १६५-व (1) व स्थापन सुभाग

मारत सरकार

कार्यातर महायक आयक्त (गिरोक्तण) अर्जन रेंग । गई दिल्ली

नई दिल्ली दिनां: 20 शितम्बर 1985

निदेश सं० आई० ए० सीं०/एक्यू०/ा/3.7-ईई/2-85/ 1521—-प्रत: मुझे, आर० पी० राजेण.

और जिसकी संव जैरिंग नंव 3, है तथा जी भगवान वास रोड़, नई दिल्ली, में स्थित हैं (और इसमें स्वाबद अनुसूची में पूर्ण रूप के विणित हैं), रिजिस्ट्री नी प्रियागरी के नार्यान लय, अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली, भारतीय आलकर अधिनियम 1961, के अधीन नारीख फरवरी 1985।

को पर्योक्त सम्पत्ति के प्रिचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और पूम्में यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का बंद्रह प्रतिश्वत से अधिक है और जंतरक (वंसरकों) जर बंच रिती (अंतरितियों) के बीच एसे जंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिवित उद्देश्य से उक्त भंतरण निचित्व में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) कृत्तरण में हुइ किसी नाय की नावत, उच्छ अभिनियद के अधीन कर दने के शंतरक के दायिक में कभी करने या उससे वचने में शृतिया के तिए; और/वा
- (था) ऐसी किसी साय या किसी धन या अन्य जास्तियों की, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, ख्रियाने में सुविधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण कें, के जन्म कि धिनियम की धारा 269-म की उपभाग (1) के अधीन, निक्तिलियत व्यक्तियों, अर्थात :----

्रांग प्राप्त स्थान स्यान स्थान स्य

. (भ्रन्तरक)

(2) शिक्ताता ईस्टेट प्राइवेट लिमिटेड, 1106, श्रगोता ईस्टेट, 24, बाराजम्बा रोड़, नई दिल्ली,

(धन्तरिती)

को वह बुजना जारी कारके प्रविक्त सम्परित के वर्जन के निष्
कार्यवाहियां करता हूं।

उचन सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोड़ों भी बाक्षेत्र हरू

- (क) इस भूषना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 विषय की नगीस या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामीस से 30 दिन की नगीभ, जो भी नगीभ वाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति स्वादा;
- ू (व) इत सूचना के राजपण मा प्रकाशन की तारीच व 45 दिन के भीतर उक्त स्थानर संपत्ति में हित-बब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निकास में किथ वा बकेंचे।

ल्बर्क्स्करणः— इसमें प्रमुक्त सन्धा नीर वर्षे का, वो उन्हा अधिनियम के मध्याय 20-क में परिभाषित हैं। यही वर्ष क्षेपा वो उस मध्याय में दिवा क्या क्षे

यनुसुची

प्रौ० नं० 3, भगवान दान, रोड़, नई दिल्लीं, टोटल कवरथड एरीया श्राफ ग्राउन्ड फ्लोर, पहलीं मंजिल, बरसातीं फ्रोर, ग्राऊट हाऊन ब्लाक इज 23830 वर्ग फिट,

> श्चारः पीं० राजेश ंक्षम प्राधि गरीं भहायम श्वाप १९ प्रायुक्त (िरीक्षण) श्रर्जन रेंज-1 दिल्ली, भई दिल्ली

तारीख: 20-9-1985

मोहर 🛦

प्ररूप भार्षः टो. एन. एस. ----

आयकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा २६५ छ २१) के अधीन सुभना

भारत सरकार

कार्यालय, महायक धायकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रानि रैंज 1 नई दिल्ली

नई दिल्ली दिनांक 23 सितम्बर 1985

निदेश सं० श्राई० ए० सीं०/एक्यू०/1/37-ईई/2-85/ 1522---श्रतः मझे, श्रार० पीं० राजेश.

नायकर निधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उन्स निधिनियम' नहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विद्यास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उपित बाजार मूख्य 1,00,000/-रा. से जिधिक हैं

और जिसकीं सं० फ्लेट नं० 101, एच-2, है तथा णापिंग सेन्टर कम-कम्यूनिटीं फैंपलेटिंग, कालका जीं, नई दिल्लीं में स्थित हैं (और इपमें उपाबद्ध अनुसूचीं में पूर्ण रूप से विणित हैं), रिजर्मी ति अधिकारीं के आर्यालय, अर्जन रेंग-1, नई दिल्लीं, भारतींय आयक्ष अधिनियम 1961, ने अधींन तारीख फरवरीं 1985

को पृथा कित संपत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दूरममान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है मुक्ते यह विद्यास करने का कारण है कि यह पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृष्यमान प्रतिफल से, एसे दृष्यमान प्रतिफल के पन्त्रह प्रतिकात से अधिक है और अंतरिक (अंतरका) और अंतरिती (अंतरितियाँ) के बीच अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निक्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वासविक रूप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरम् संहुदं किसी साव की शब्स, उन्तर अविनियंत्र के अभीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कभी करने वा उसके अधने में सुविधा के लिए: और/वा
- (भ) ऐसी किसी जाय वा किसी भन वा अस्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्तर अधिनियम, या भनकर विभिनियम, या भनकर विभिनियम, 1957 (1957 का 27) के अयाजनार्थ अस्तारिती दवार प्रकट नहां किया जा या या किया जाना काहिए या जिल्ला में मुनिया के सिए:

अत: अब, उक्त अधिनियम को धारा 26ध-ग के अनुसरण में, मैं. उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (१) के सधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात :---

(1) मेसर्म साकेत प्रोपरटींज (प्रा०) लि०, मी-538, डिफीस ालोमीं, नर्ड दिल्लीं.

(अन्त्राप्टः)

(2) डा० हरबन्म लाल लिखा, डा० श्रीमतीं सरीज लिखा, और श्री श्रीय लिखा, डीं-62, हौंज खास, नई दिल्ली,

(अन्तरितीं)

को वह सूचना जारी करके वृत्रीवत सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हु।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख स 45 दिन की अविध या तत्संबंधी अधिकतयों भर सूचना की ताबील से 30 दिन की जबिध, जो. भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की नारीस सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हिनबद्ध किसी अना व्यक्ति द्वारा अधोहम्लाक्षरी के पास लिभिक्ष में किस् वा सकेंगे।

स्थाधीकरण :----इसमें प्रयुक्त शख्दों और पदों का, जो उकत अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हौ, वहीं अर्थ होगा को उस अध्याय में दिया गमा है।

अनम्ची

फ्लैंट नं । 101, नादादीं-189 ब्लाट नं एच-2, शापिंग मेल्टर कुम-इम्युनिटीं फैंग्लेटिन, कालकाजी, नई दिल्लीं.

> श्रार० पीं० राजेण सक्षम प्राधि गरीं अहाय रु श्राय पर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रार्वेन रेंज-1 दिल्ली, सर्वे दिल्ली

नारींख: 25-9-1985

प्ररूप बार्ड : दी. एन. एस. ------

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-थ (1) के अभीन स्चना

ताइव चरका

कार्यालय, तहायक भायकर भायकत (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-1 नष्टे दिल्लीं

नर्ष दिल्ली दिनां ∌ 23 शितम्बर 1985

निदेश सं० श्राई० ए० सीं०/एक्यू०/1/37-ईई/9-85 1583 —श्रतः मुझे, श्रार०वी० राजेण,

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भाग्र 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थामर सम्पत्ति, जिसका उजित नाचार मृज्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

और जिसकीं सं० जी एफ 32, है तथा जो 22, कस्तूरबा गांधी मार्ग, नई दिल्लीं, में स्थित है (और इसमे उपाबद्ध अनुसूत्रीं में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रींकर्त्ता अधिकारीं के कार्यालय, अर्जन रेंज-2, नई दिल्लीं, भारतीय आयकर अधिनयम 1961 के अधीन तारींख फरवरी 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दरयमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दरयमान प्रतिफल से, ऐसे दरयमान प्रतिफल का पन्न्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकार) और अन्तरिती (अन्तरितियार) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तम पाया गया प्रतिफल, निम्निलिकित उद्विश्य से उक्त अन्तरण सिक्ति में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (कं) अन्तरण से हुई किसी आय की आवत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी बाय या धन या अन्य आस्सियों को, जिन्हों भारतीय आगकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रशेवनार्थ अन्तरिती बुवारा प्रकट नहीं किया बाबा वा किया बाना वाहिए था, किया में सविका के लिए:

कतः थवः, उत्तत अभिनियमं कौ भारा 269-मं कै जनुतरक में, में, उक्त अभिनियमं की भारा 269-मं की उपभारा (1) के अभीन, निम्निलिक्ति व्यक्तियों, जर्भात् ह—— (1) श्रीमतीं गिरीराज कुमारी पत्नी स्व० श्रीं चन्द्रा चुर सिंह, 1, तथागा राज मार्ग, नई दिल्ली,

(भ्रन्तरक)

(2) श्री के एल ० डन्ग नेत्र श्री थाना राम डन्ग, और श्री मनमोहन इच्णा डन्म पुत श्री के ० एल ० डन्ग, 100/16, डबल मटोरीं, लाजपत नगर, नई दिल्लीं,

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हो।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राज्यत्र में प्रकाशन की तारी सं 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की व्यक्तियों पर अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्स स्थावर सम्मत्ति में हितबव्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिक्षित में किए जा सकींगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रमुक्त शक्यों और पर्यों का, जो उन्त विधानियम, के बध्यान 20-क में परिभाषित है, वहीं कर्ष होगा, जो उस अध्याय में दिया मना है।

अनुसूची

जीं नं (ग्राउड फ्लोर) 22, कस्तूरबा गांधीं मार्ग, नई दिल्लीं, नादादीं-198 वर्ग फिट.

श्रार० पीं० राजेश सक्षम प्राधिकारीं सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज 1 दिल्लीं- नई दिल्लीं

सारीख: 23-9-1985

प्ररूप आइ°. टी. एन. एस.-----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अधीन सुभना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
श्रर्जन रेंज-1 नई दिल्ली
नई दिल्ली, दिनांक 23 सितम्बर 1985
. निदेश सं० ग्राई० ए० सं०/एक्यु/1/37-ईई/2-85/

आयवार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है'), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रू से अधिक है

श्रीर जिसकी सं फलेट नं 3 बं, है तथा जो 73-74, सटीला हाऊस, नेहरू पलेस, नई दिल्ली, में स्थित हैं (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में पूर्ण रुप से वर्णित हैं), रजिस्ट्री-कत्त. अधिकारी के कार्यालय, श्रजन रेंज-1, नई दिल्ली, में भारतीय श्रायकर श्रिधिनियम 1961 के श्रिधान तारीख़ फरवरी 1985

को पूर्वेक्सि सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रति अल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह दिश्वास करने का कारण है

ंक यक्षा पूर्वेक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके क्ष्यमान प्रतिफल से, एसे क्ष्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से उधिक हैं और बंतरिता (अंतरितियों) के भीच एसे अन्तरण के लिए तय पामा गया प्रतिफल, निम्निलिखत उक्षेप्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित महा किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय करी बाबत, उक्स अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्व मों कभी करने या उत्तसे बचने मीं सृविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखत व्यक्तियों, अर्थात् :— (1) श्री गुरचरन श्ररोड़ा, सिंह पुत श्री सम्पुरन सिंह श्ररोड़ा, निवासी एम-114, ग्रैटर कैलाण-2, ए-37 डाडाए फैंबेटस मुनिरका, नई दिल्ली

(मन्तरक)

2) श्री प्रो० पो० धवन पुत स्व० श्री बी० ग्रार० धवन, निवासी डब्लु-2/4, पटेल रोड़, पटेल नरर, नई दिल्ली,

(श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्मत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियों करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :----

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीक से 45 दिन की अविधि या तरसंबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी जविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- सब्ध किसी व्यक्ति व्यक्ति , अधोहस्ताक्षरी के पास तिखित में किए जा सकेंगे।

स्मक्टीकरण: ——इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो अकत अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विद्या गया है।

बन्सूची

फ्लैंट दुकान नं० 3बी, पहली मंजिल, तादादी-369 वर्ग फ़िट, 73-74, सटोला हाऊस, नेहरू पलेस, नई दिल्ली4

> ग्रार० पो० राजेश सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज 1 दिल्ली, नई दिल्ली

तारीख: 23-9-1985

प्रारूप आई .टी. एन . एस

आएकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकार आयुक्त (निरीक्षण)

भ्रजन रेंज-1 नई विल्ली नई दिल्ली दिनांक 23 सि**त**म्बर 1985

निदेश सं० आई० ए० सी०/एक्यु०/1/37-ईई/2-85/ 1525 आध: मुझे, आर० पां० राजेश,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/~ रा. से अधिक है

भौर जिसकी संख्या पर्लंट नं० 710, हेमकुन्ट, टावर' है तथा जो 98, नेहरू पर्लेस, नई दिल्ली में स्थित है भौर इससे उपाबड अनुसूत्रों में पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्री-कत्ती अधिकारी के कार्यालय, अर्जन रेज-1, नई दिल्ली में भारतीय आधार अधिनियम, 1961 के अर्थीन, तरिंख फरवरी 1985

को पूर्विक्त सम्परित के उचित बाजार मूल्य संकम के रूपयमान प्रतिकास के लिए अन्तरित की गई है और

मुमें यह विश्वास करने का कारण है कि यथा
पूर्वेक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके द्रियमान प्रतिफल से ऐसे द्रियमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और
अतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितयों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निसित उद्देश्य से
उक्त अंतरण लिखित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया
गया है:—

- (क) अन्तरण संहुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर कृते के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (भ) एसी किसी आय या किसी भन या अस्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अस्तरित व्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सविभा के लिए;

जरु: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-य के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्निनिसित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्रां मोहिनी सुर्राः पत्नीः
 श्रां विजय सुर्राः,
 निवासीः 24वः/6,
 देश बन्धु गुण्ता रोष्टः,
 देव नगरः, नई दिल्ली ।

(भ्रन्तरक)

(2) श्रीमती बेबी श्रापती मेहता श्रीमती सरोज मेहता, निवासी ए-14, डिफ्रेंस कालोनी, नई दिल्ली, श्रौर मास्टर पुनित नायर, निवासी सी-115, लाजपत नगर-1, नई दिल्ली।

(अन्तरितः)

की यह सूचना जारी करके प्योंक्ट अम्पत्ति के अर्थन के सिष् कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध मां काई भी आक्षंय :---

- (क) इस स्पान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्पान की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी बन्धि नाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कर व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितब्र्थ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास निधित में किए का सकींगे।

स्पष्टीकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया क्या है।

अनुसूची

फ्लैट नं० 710. हेमकुन्ट टावर, 98 नेहरू पलेस, नई दिल्ली, तादादी-430 वर्ग फ़िट,

> ंग्रार० पीं० राजेश सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज 1 दिल्ली, नई दिल्ली

तारीख: 23-9-1985

प्ररूप बाइं.टी.एन.एस. -----

भागकर मांधनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अधीन सूचना

शारत रहकाड

कार्यालय, सहायक सायकर नायृक्त (निरीक्षण)

ध्रार्जन रेज-1 नई दिल्ली

नई दिल्ली दिनांक 23 सितम्बर 1985

निदेश माँ० श्राई० ए० मो०/एक्यु०/1/37-ईई/2-85/ 1526 स्रतः मुझा श्रार० पो० राजेश.

नायकर निधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परुषात् 'उनत निधिनियम' कहा गया हैं), की धारी 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह निस्वास करने का कारण है कि स्थानर सम्परित, जिसका उचित नाजार मृस्य 1,09,000/- रु. से अधिक हैं

ग्रीर जिसकी संख्या की-6, है तथा जो 59, नेहरू पलेस, नई दिल्ला, में स्थित है (ग्रीर इससे उपावड श्रनुसूची में पूर्ण सैंप से वर्णित है), रजिस्ट्राकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, श्रर्जन रेंज-1, नई दिल्ला, भारताय श्रायकर श्रधिनियम 1961 के श्रेशीन, नाराख फरवरी 1985

को प्रवीवित संपरित के उचित बाजार मृत्य सं कम के द्रश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विद्यास मुखे यह विद्यास करने का कारण है कि प्रथा पूर्वोवित संपत्ति का उचित बाजार मृत्य,, उसके द्रश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरिक (अन्तरिकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निसित्त उद्देश्य से उच्त अन्तरण लिखत में वास्तविक रूप से किवत नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तर्भ चं हुई किसी बाम की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तर्क के दाधित्व में कमी करने वा उससे वजने में सुविधा के किए; बीट्र/वा
- (क) एसी किसी नाथ वा किसी धन या जन्य जास्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) वा उपत निधिनियम, मा धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) खे इस्सेचनार्थ अध्यक्ति इचारा श्वक वहीं किया नवा था वा किया थाना नाहिए था किन्हमें में सविधा के सिए;

भार: मन, उन्त मिनियम की पास 269-म के अमूकरण मों, भी, उन्नत अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) को अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात :--- (1) मौसर्स सार्व्यात महन्त एनड सन्स (एच यु एफ) एस-434, ग्रेटर कौलाश-2, नई दिल्ली।

(श्रन्तरक)

(2) श्री बनारसी लाल श्री रातस्वरूप और मुनील कुमार, जी-83, मस्जिद मीठ, नई दिल्ली।

(प्रन्तरितः)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यगाहक करता हूं।

जनत सम्पत्ति को अर्थन के सम्बन्ध में कार्श्व भी बाक्षेत्र :---

- (क) इंच स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच है 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी जनिथ बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवेकित स्थानता में से किसी व्यक्ति हवारा;
- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशित की तारीय से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में दित-वर्ष किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास निवित्त के किए का सकोंगे।

रचकाकरणः - इसमें प्रमुक्त शब्दों और पदों का, को उक्क वीधनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया वस हैं।

भनुसूची

बी-6 (बिसमेन्ट) 59, नेहरू पलेत, नई दिल्ली, तादादी 1118 वर्ग फिट

> ग्रार० पो० राजेश सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज 1 दिल्लों, नई दिल्ली-1

तारोख: 23-9-19**8**5

मुक्य बार्ड . ट्री . एन् . एस . ------

भावकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के नधीन स्मना

बाइद ब्रुक्ट

कार्यालय, सहायक कार्यकर वायुक्त (निरीक्षक)

श्चर्णन रेंज-1; नई दिल्लं।

नई दिल्लं। दिनांक 23 सितम्बर 1985

निदेश सं० श्राई० ए० सो०/एक्यु०/1/37-ईई/2-85/ 1527----श्रतः मझे, श्रार० पी० राजेशा,

कायकर किभिनियम, 1961 (1961 का 43) (विश्व इस्कों इसको पश्चात् 'उक्त अभिनियम' कहा गया हैं),, की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

और जिसकी संख्या फ्लेट नं 1, है तथा जो बी-81, ग्रैटर कैलाई-1, नई दिल्ली, में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबढ़ अनुमूची में पूर्ण क्य से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्त्ता ग्रधिकारी के वार्यीलय, ग्रजीन रेंज-1, नई दिल्ली, भारतीय आयकर श्रधिनियम 1961, के श्रधीन, तारीख करवरी 1985

को पूर्वों कत संप्रित के उचित बाजार मृत्य से कम के सम्यवान् प्रतिफल के लिए जन्तरित की गई हैं और मुक्ते यह निक्तास् करने का कारण हैं कि यथापूर्वों के सम्पत्ति का उचित बाजार बृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे स्थ्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक हैं और जन्तरक (जन्तरकाँ) और जन्तरिती (अंतरितियाँ) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया यया प्रतिफल, निम्निखिबत उद्देश्य से उक्त अन्तरण जिलित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया हैं —

- (क) जन्तरण सं हुइ किसी शायकी वावत, उक्त अभिनिया, खेवशीन कर देने खे अन्तरक खे दायित्व में कभी करने ना उत्तसे वजने में सुविधा के सिए; और/वा
- (क) एसी किसी बाय या किसी धन या बन्य बास्तियों को, जिन्हों भारतीय बाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर विधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया क्या था की किया जाना चाहिए था, खिपाने में स्विधा के खिए;

बत: भव, जनत विविधियम की भारा 269-ण की बम्सरण भे, में उक्त अधिनियम को भारा 269-व की उपभारा (1) की अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थीत्:— (1) डा० जिल्लन सिंह श्ररोड़ा, एस-5, ग्रेंटर कैलाग-1, नई दिल्ली।

(भ्रन्तरक)

(2) मैं जर्स देविचन्दाल, 19-ए, कनाट पलेस, नई दिल्लो ।

(भ्रन्तरिती)

भी बहु सुचना चारी करके पूर्वोक्त हम्पत्ति के बर्चन के सिए कार्यवाहियां शुरू करता हु"।

क्षमत बंदित के बर्धन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेय ---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 रियम की व्यक्तियों पर क्यान की तामीस से 30 दिन की बन्धि, को भी वर्षि याद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवेक्त व्यक्तियों में से किसी स्थावत कुनारा;
- (व) ह्य वृषना के राव्यन के प्रकारक की सारीक हैं 45 जिब में प्रीत्र क्यत स्वाद्य क्यारित के हित्बवृष क्रिकी मृज्य ज्यारिक ह्यारा मृश्हितालकी के याक हिमीबत के किए जा क्योंने ।

स्पष्टिकरण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उन्हें व्यक्तित्व, के बच्चाव 20-क में परिकालित है, वहीं वर्ष होगा, को छस् बच्चाव में दिका भवा है।

अनुसूची

फ्लैट नं०-1, लोवर श्रीर ग्राउन्ड फ्लोर, बी-81, ग्रीटर कैलाग-1, नई दिल्ली, तादादी-1932.90 वर्ग फ़िट,

> ग्नार० पो० राजेश सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-1, दिल्ली, नई दिल्ली

तारीख: 23-9-1985

त्रक्त बाह[®]् दी वृष्_{ति} तृष्_{या}ः स्व

कायकर व्यक्तितवन, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के स्थीन स्वना

नारव वरकार धार्यानम, सहामक वास्कर वायुक्त (निरक्षिण)

् श्रर्जन रेंज-1, नई दिल्ली नई दिल्ली, दिनांकः 23 सितम्बर 1985 निदेश् सं० श्राई० ए० सी०/एक्यू०/1/37-ईई/2-85/ 1528--श्रतः सुझे, श्रार० पी० राजेश,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विद्यास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूस्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी संख्या फ्लैट दूसरी मंजिल, है तथा जो 9, बाराखम्बा रोड़, नई दिल्ली, में स्थित है (श्रीर इससे जपा-बद्ध धनुमुखी में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्त्ता ग्रधि-कारी के कार्यालय, श्रर्जन रेंज-1 नई दिल्ली, भारतीय ग्राय-कर श्रधिनियम 1961, के श्रधीन तारीख फरवरी 1985

को पूर्वोक्त सम्बक्ति के उचित बाजार मृस्य से कम के द्ययमान अतिफल के लिए बन्तरित की गई है कि मुक्ते वह विश्वास करने का कारण है कि स्थापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृज्य, उसके द्ययमान प्रतिफल से एसे द्रयमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिश्वत से अधिक है और अन्तरक (बन्तरकों) और बन्तरिती (बन्तरितियों) के बीच एसे बन्तरक से लिए। तब बाया गया प्रतिफल, निम्नसिखित उच्चेष्य से उचित बन्तरण निम्नसिखित उच्चेष्य से उचित बन्तरण निम्नसिखत में बास्तविक रूप से किन्तर बहीं किया गया है है—

- (क) जन्तरण ते हुई किसी नाथ की वाबत, अक्त वीधीनयब के जधीन कर दोने के बन्तरक के दामित्व में कमी कारने या उत्तते बचने में बुनिधा के बिक्ट; बीहर/बा
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया या वा किया जाना था, कियाने में सविधा के विष्:

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्ः— मैजर्स कैलामनाथ एसोसियेटस,
 1006; कचनजुगा, 178,
 बाराखम्बा रोड़, नई दिल्ली ।

(ग्रन्तरकः)

(2) श्री हरिवन्दर पाल सिंह श्राप्तद, एनत्3, एन डी एस ई, पार्ट-1, नई दिल्ली।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोंक्त सम्पत्ति को अर्जन के लि कार्यवाहियां करता हुं।

उनत सम्पत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी वासंप :----

- (कं) इस सूचना के राज्यक में प्रकासन की तारीक से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दूधारा;
- (च) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरों के पास तिस्ता में किए जा सकेंगे।

स्पक्तीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, को उक्क विभिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा को उस अध्याय में दिया नवा हैं।

अनुसूची

ए रिसीडेन्टल फ्लैंट दूसरी मंजिल श्रीर कार पाकिंग स्पेस, प्रोपोजड मल्टी सटोरीयड ग्रुप हाऊसिंग सकीम 'निलगिरी एपटिमेन्ट^{*} 9, बाराखम्बा रोड़, नई दिल्ली, तादादी 1600 वर्ग फुट ।

> म्रार० पी० राजेश सक्षम प्राधिकारी महायक म्रायकर म्रायुक्त (निरीक्षण) स्रर्जन रेंजैं 1 दिल्ली, नई दिल्ली

नारीख: 23~9~1985

प्ररूप बाहाँ, टी. एन. एस. -----

आयकार अधिशिनयम, 1961 (1961 का 43) की भागा १६२-छ (1) को निधीन सुधना

भारत तरकार

कार्यानय , सहायक आयुक्त (निरक्षिण) ग्रर्जन रेंज-1, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांश 23 सितम्बर 1985

निदेश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/1/37-ईई/2-85/ 1529—अत: मुझे, श्रार०पी० राजेग,

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उपल अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 2'69-ख के अधीन सक्षम प्राधिकान्दी को यह विद्वास करने का कारण हैं यि अधीन सम्मीत. जिसका उतित साभार मुख्य 1,00,000/-रु. में अधिक हैं

ग्रीर जिसकी संख्या पर्लंट नं० 906, है तथा जो 15, टालस्टाय मार्ग, नई दिल्ली में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध ग्रानुसूची में पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्त्ता श्रिधिकारी के कार्यालय, ग्राजन रेंज-1, नई दिल्ली, भारतीय ग्रायकर ग्रीधिनयम 1961 के ग्राधीन सारीख फरवरी 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इश्यमान प्रतिकल के लिए अंतरित की गई हैं और मूक्के यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उजित बाजार शृष्य, उसके इश्यमान प्रतिकल से, एसे इश्यमान प्रतिकल का उन्द्रह प्रतिशत में जिथक हैं और अंतरिक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरिशियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उब्देश्य से उक्त अन्तरण निधित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अंतरण से हुः किसी जाय की बाबत, उक्त बिश्नियम के अधीन कर बेने के अंतरक के शियत्व में कमी करने था उससे अचने में स्विधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी बाय या किसी धृत या अन्य आस्तियां करें, जिन्हों भारतीय आयकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उकत अधिनियम, या पन-कार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) क प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, कियाने में सुनिधा के लिए:

बतः मन, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण को, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) वी अधीन: निम्निजिटित व्यक्तिकों, अधीन अस्त (1) श्रीमती बिज बाला पत्नी श्री हरिण चन्द्रा, श्री रमन कुमार पुत श्री हरिण चन्द्रा श्रीर एम० बी० सक्सेना. निवासीं-वी-1/148, जनवः पुरी, नई दिल्ली ।

(भ्रन्तरक)

(2) श्रीमती मनिषा केजरिवाल पत्नी श्री पत्रन कुमार अजरिवाल, निवासी-श्रार-15, नेहरू इनक्लेव, नई दिल्ली,

(प्रशास्त्रो)

को यह सूचना जारी करके पूर्वेक्ति सम्पक्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्क सम्पत्ति को अर्चन को सम्बन्ध मी कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीब लें 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की बब्धि, जो भी बब्धि बाद में समाप्त होती हो, की भीतर पूर्विक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधांहस्ताक्षरी के पास लिखित में दिये जा सकरें।

स्पाद्धीकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हो, बहुति अर्थ हारेगा, जो उस अध्याय में जिया स्था हो।

अम्सूषी

फ्लैंट नं० 906, 15, टालस्टाय मार्ग, नई दिल्ली, तादादी-425 वर्ग फिट,

> म्रार० पी० राजम पृक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) म्रर्जन रेंज-1,दिल्ली, नई दिल्ली

तारीख: 23-9-1985

पक्ष आहाँ .टी . एन . एस . -----

भागकर कपिनियव , 1961 (1961 का 43) की भाग 269 व (१) के अधीन सुचना

शारत सरकार

ायलिय, सहायक भायकर आयुक्त (निरक्षिण)

ग्रर्जन रेंज-1 नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 23 सितम्बर 1985

बाबकर अधिनियम, 1961 (1961 का 53) (बिसे इसमें इसमें इसके परवात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-ख के अभीन सम्क प्राधिकारों को वह विश्वास करने का बारण हैं कि स्वावर सम्बत्तिः, जिनका स्वित बाजार मुख्य 1,00,000/- रू. में अधिक हैं

श्रीर जिसकी मंख्या 11/6 है तथा जो वसन्त विहार, नई दिल्ली में स्थित है (श्रीर इसने उपाबद्ध श्रनुमूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्त्ता अधिवारी के वार्यालय, श्रर्जन रेंज-1, नई दिल्ली, में भारतीय आयकर श्रिधिनयम 1961 के श्रशीन दारीख फरवरी 1984।

को पूर्वोक्त संपरित को उचित बाजार मृत्यं से कम के एरमान प्रतिफल को लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्मत्ति का उचित बाजार पृथ्य, उसके एरमान प्रतिफल से. ऐसे एरमान प्रतिफल का पृष्ठ प्रतिकात से अधिक हो और अन्तरण (ज्ञारकों) और अंतरिती (बन्तरितियों) के पीच एके मन्तरण के लिए तय धामा गया प्रति-क्य विश्वतिविद्य उद्योक से उन्द्र अन्तरण निवित में बास्तविक क्य वे कवित कहीं किया कम तुष्ट---

- (क) अन्तरण से हुई किसी बाय का बाबत, अक्त विधिनयम के अभीन कार दोने के बन्तरक के राष्ट्रिक में काकी कारने या उन्हर्स बचने में जुनिका से रिक्क: आंट्र/बा
- (का) प्रेंति किसी जान ना किसी गाणा कर आरितयाँ को, किसू भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1322 का 11) या उनत अधिनियम, आ वस-कर विधिनियम, 1957 (1957 का 27) वै अदोजनार्थ जैतिरिती द्वारा पत्तट वहीं किया गरा था या किया जाना जाहिए था। विधान में मुनिधा के लिए;

(1) श्रीमती कमला सुरी एन-115, ग्रेटर कैंगाश-1, नई दिल्ली ।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री सत्या पाल जैन, ए-96, यू फैडम कालोनी, नई दिल्ली ।

(अन्तरिती)

भो यह सुधना बारी करके प्रवेक्ति सम्पन्ति के अर्जन के जिए ार्यमहियाँ काता हो :

उन्त सन्वति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप ८---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब हैं 45 दिन की अवधि मा तत्संबंधी स्याबसमा पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि भाद में समाप्त होती हो, के भीतर पर्योक्त स्वर्शकारों में सिंगी सर्कित मुनन्ता;
- (क) इस सुमना के अज्याप भी प्रकायन की तारीक वें 45 विन के भीतन उक्त स्थावर सम्पर्कि में हितवहुध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधिहस्ताक्षरी के पास िर्मिक्त में विकार के अपरोंगे.

स्थलनिकरणः -- इतने प्रम्कतः शब्दों और वर्षों का, श्री स्थल स्तितिकत्, से शब्दाय 20-क ने प्रिशासिक हैं तहीं क्षी स्वेता यो उस संभाव में दिवा वया है।

वन्स्ची

रिमिडेन्टल प्राट नं० ए-11/6, बमन्त विहार, नई दिल्ली, कन्सटकटीड बिल्डिना कर्वड एरीया 1566.68 वर्ग फिट, सर्वन्ट ब्लाण

> श्चार० पी० राजेण ाक्षम पाधि हारी जहाय हु आय हर श्वायुक्त (निरक्षिण) अर्जन रेंज-1 दिल्ली, नई दिल्ली

तारीख: 23-9-1985

महेर :

प्ररूप आर्द्धे.टी. एन. एस------

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धार 269-घ (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्याचय, सहायक आयकर जायुक्त (निरीक्षण)

प्रजिन रेंज-1, नई दिल्ली नई दिल्ली, दिनांक 23 सिसम्बर 1985 निदेश सं० भ्राई० ए० सी०/एक्यू०, 1, 37-ईई/ 3-85/ 1531—श्रतः मुक्ते, श्रार० पी० राजेण,

गायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें सके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धाच 269-च को अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाचार बृल्य 1 00.000/- उ. से अधिक है

श्रीर जिसकी संख्या नं० सी-5, है तथा जो बी-19, महारानी बाग, नई दिल्ली, में स्थित हैं (श्रीर इसमें उपाबद्ध श्रनुमुची में पूर्ण रूप में विणत हैं), रिजस्ट्रीकर्त्ता श्रधिकारी के कार्या-लय, श्रजैन रेंज-1, नई दिल्ली, भारतीय श्रायकर श्रधिनियम 1961, के श्रधीन तारीख फरवरी 1985

को पूर्वोक्त सम्मत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्वयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और सूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित क्षाजार मूल्य, उसके स्वयमान प्रतिफल से, ऐसे स्वयमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (यन्तरकों) और अंतरिती अंतरितिगों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण सिवित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की वायत, आयकर अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक को दायित्व में कमी करने या उससे दचने में सुविधा के लिए; और/या
- (च) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों कों, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-अप अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती देवारा प्रकट नहीं किया गया था या धिक्त काना चाहिए था जिसाने कें सिवस्त के सिए;

अत: अब, उक्त आधानयम का धार। 269-ग के अन्सरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) दे अधीन, निम्नीलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्री अमोक चटर्जी, ज्याट नं० सी 5, पोस्टल पता, बी-19, महारानी काग, नई दिल्ली,

_______.

(2) श्रीमती ज्योतसना सुरी पत्नी लिलत सुरी, निवासी-1-डी, सागर एपीटमेन्ट, 6, तिलक माग, नई दिल्ली।

(श्रन्तरिती)

(भ्रन्तरक)

को यह सूचना जारी करके प्रक्रित सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हां।

ज्ञान सम्मिन के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख जे 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की ताबील से 30 दिन की अविधि, जो भी अधिक वाह में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस स्वना के राजपत्र मं प्रकाशन की तार्शित से 45 दिन के भौतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित वह्म किसी जन्म व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी ज्या हिसीसात में किए जा सकेंगे।

स्थव्दिक्तरण:—हसमं प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनिनम के अध्याय 20-क में परिभाषित हुई, बह्दों अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गई हैं।

असमर्थ

प्लाट नं० सी-5, बी-19, महारानी बाग, नई दिल्ली, तादादी-476 वर्ग फिट, ग्राउन्ड फ्लोर, ग्रौर 476 वर्ग फिट पहली मंजिल,

> श्रार० पी० राजेश सक्षम प्राधिकारी, सहायक श्रायकर श्रायुक्स (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-1 दिल्ली, नई दिल्ली

सारीख: 23-9-1985

प्रकास आह". त्र्री. एस. एस. =====

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यात्मः सहायक आयक्तः आयुक्तः (निरक्षिण)
श्रर्जन रेंज-1 नई दिल्ली
नई दिल्ली दिनांक 24 सितम्बर 1985
निदेश सं० श्राई० ए० सी०/एक्यू०/1/37-ईई/2-85/1532---श्रतः मुझे, श्रार० पी० राजेश,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसं इसमें इसके पश्चात् 'उकत अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्रधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि यथापूर्वीक्त सम्पत्ति का उचित बाजार

100,000/- रा. से अधिक हैं
और जिसकी मंख्या फ्लैंट नं० 1214-ए, है तथा जो 38,
नेहरू फ्लेंस, नई दिल्ली, में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध
अनुसूची में पूर्ण रूप से बणित हैं), रिजिस्ट्रीकर्सा अधिकारी
के कार्यालय, ग्रर्जन रेंज-1, नई दिल्ली, भारतीय आयकर

श्रधिनियम 1961 के अधीन तारीख फरवरी 1985

का पूर्वेक्ति सम्पत्ति के उधित बाजार मृत्य से कम के ध्यमान शितफल के लिए अंतरित की गई हैं और मृत्रे यह विश्वास करने का कारण हैं कि प्रथाप्तावत सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसकी अध्यमान प्रांतफल में, एसे दश्यमान प्रतिपत्त का सन्तरिक्त का पत्थह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अंतरकाँ) और जंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के निए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिसित उद्देश्य से उसते अन्तरण निस्ति में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्त्रण से हुईं किसी आय की बाबत, उक्त आभानयम के अभीन कर देने के बन्तरक के अधित्व में कनी करने वा उक्के वचने में बृविधा के भिक्त करें/बा
- (क) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उस्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) अं प्रयोजनार्थ बन्तरिसी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

बतः बब, उक्त बीधनियम की धारा 269-ग के बनुसरक में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) को बधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :— श्रान्मल प्रोपरटीज एन्ड इन्डस्ट्रीज प्रा० लि०, 115, श्रान्सल भवन, 1 , कस्तूरवा गांधी मार्ग, नई दिल्ली,

(ग्रन्सरक)

(2) श्रीमती एम० डी० णर्मा पत्नी श्री ए० श्रार० णर्मा, डा० मधु शर्मा पत्नी श्री प्रवीस शर्मा, साधना णर्मा पत्नी मेजर डी० के० शर्मा, निवासी सी-4/34, सफदरजंग डिपलोपमेन्ट एरीया, नई दिल्ली 4।

(श्रन्तरिती)

को यह सूचना चारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्षन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप .---

- (क) इस स्थान के राषपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रविक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति व्यक्तियों
- (स) इस स्थान के राक्ष्य में प्रकाशन की ताराध के 45 दिन के भीतर उन्त स्थावर सम्पत्ति में हिल-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षणी के पास निवित्त में किए वा सकीय।

स्वक्तीकरण:--इसमें प्रयुक्त शस्य और पदों का, जो जक्त जिथिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो जस अध्याय में दिया गया हैं !

अनुसूची

फ्लैंट न० 1214-ए, 38, नेहरू प्लेस, नई दिल्ली, 4 तादादी 450 वर्ग फिट,

> ग्रार० पी० राजेश सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजंन रेंज-1, दिल्ली, नई दिल्ली

नारीख : 24-9-1985

प्रकृप बाइ". टी. एन. एव., ----

वायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के वधीन स्वा

नारत वजनार

कार्यातय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेज-18 मई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 24 सितम्बर 1985

नायकर ग्राधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसं इसमं इसके वहवात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी का यह विश्वास करने का शारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित गाजार मूल्य 1.00.000/- रू. से अधिक हैं

1,00,000/- रु. सं अधिक हैं
और पिनसिकी सख्या फ्लैंट नं० यू-बी-1एं, हैं तथा जो 22,
बाराखम्बा रोड़, नई दिल्ली, में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से बिणत हैं), रिजिस्ट्रीकर्त्ता अधिकारी के कार्यालय, अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली, भारतीय
आयकर अधिनियम 1961 के अधीन तारीख फरवरी 1985
को पूर्वोक्त सम्मांत क उपित आजार मृत्य से काम के दश्यमाव
अतिकन के लिए अंतरित की गई हैं और मुक्ते यह विश्वास करने
का कारण हैं कि यथापूर्वोक्त संप्रांत का उपित बाजार मृत्य,
उसके दश्यमान प्रतिभाव से, श्री अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितयाँ) के बीच एसं अन्तरण के निष्य तथ पाया गया
प्रतिभक्त, निम्मीकिंखन उद्धविशां से उक्त सन्तरण निष्या
में भारतिकर रूप सं कियत नहीं किया गया है दिन्स

- (क) अन्तरम से हुए किसी नाम की नामक, अनक मिनियम के मुनीन कर दोने के मन्तरक के समितन में कभी करने या उन्तर देशने में सुविधा के लिए; मौक/या
- (ण) एसी किसी आय या किसी भन या जन्य आस्तियाँ का जिन्हों भारतीय आय-कार अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अभिनियम, या भन-कर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) जो प्रयोजनार्थ अन्ति रेसी द्वार प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए था, क्रिपाने में स्विधा के लिए।

शतः जयः, उत्तर जीभिनियम की भाषा 269-ए के अनुसरण मों, मीं. उत्तर अधिनियम की भारा 269-ए की उपभारा (1) के अभीमा, निम्नसिखित क्षिक्तकों, क्षात क्षेत्रच मास्टर बिनित सचदेवा,
 1097-डी, न्यू फैंडस कालोनी,
 नई दिल्ली,

(अन्तरक)

(2) श्री म्रार० के० मिश्रा, ए-16-सी, मुनिरका, डी डी ए, फ्लैटम, नई दिल्ली,

(ग्रन्तरिती)

का यह स्थान जारी करके पृत्रोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यकाहियां करता = -

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी जाक्षेप :--

- (क) इस स्थान के राजपत्र मा प्रकाशन का तारांस भ 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियाँ पर स्थान की तामील से 30 दिन गर प्रांतर, जो भी अविध बाद माँ समाप्त लांसी हों, तो भीतर प्रांतर व्यक्तियां माँ से किसी व्यक्तियां कांसी हों.
- (च) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीत से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबव्ध किसी बन्य व्यक्ति द्वारा अधात्तस्ताधारी के पास्तृ लिखित में किए जा मकोए।

स्पक्कीकरण: - इसमी अयुवत अन्दर्ग लोग पत्ती कता, अरे उकत अभिनियम के अध्याय 20-क गा पारभाषित हैं, वहीं अर्थ होंगा को उस अध्याय में दिया नया हैं।

अनुसूची

पर्नैट नं० पूत्री-1ए, 32, बाराखम्बा रोड्, नई दिल्ली, तादादी-600 वर्ग फिट,

ग्रार० पी० राजेश सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-1 दिल्ली, नई दिल्ली

तारीख : 24-9-1985

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आश्रकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रजन रेंज-1 नई दिल्ली

नई दिल्ली दिनांक 24 सितम्बर 1985

निदेश मं० ग्राई० ए० सी०/एख्यू०/1/37-ईई/2-85/ 1534----ग्रत: मुझे, श्रार० पी० राजेश,

कायकर निधित्तमम, 1961 (1961 का 43) (फिले इसमें इसके प्रधात 'उक्त निधित्तम' कहा गया हैं), की भार 269-- के निधीत सक्षम प्राधिकारी को यह निस्थास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्मत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- छ. से अधिक है

और जिसकी संख्या फ्लैंट नं०-50क, है तथा जो 38, नेहरू क्लेस, नई दिल्ली में स्थित में (और इससे उपान्नद्ध अनुसूची में पूर्ण च्य से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्त्ता श्रिधकारी के कार्यान्य, अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली, भारतीय आयकर श्रिधनियम 1961, के अधीन नारीख़ फरकरी 1985

को पूर्वोक्त संपत्ति के उधित बाजार मूल्य से कम के दश्ममान प्रतिफल को लए अंता रत को गई है और मूफ्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वाकत संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में अस्तिक रूप में किथत नहीं किया गया हैं:——

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाक्स, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे अधने में सुविधा के लिए; और/बा
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों कां, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयांजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के सिए।

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुतरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपभारा (1) के अधीन, निम्निचित व्यक्तियों, अर्थात् के— (1) भ्रन्सल प्रोपरटीज एन्ड इन्डस्ट्रीज प्रा० लि०, 115, अंसल भवन, 16, कसतूरबा गांधी मार्ग, नई दिल्ली,

(ग्रन्तरक)

(2) स्वदेण कुमार राजपाल पुत्न राम किशन राजपाल, निवासी-6/29, ईस्टं पटेल नगर, नई दिल्ली,

(भ्रन्तरिती)

कार्यवाहियां गुरु करता हूं। को बहु सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए

जक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सेवंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, यो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अक्षंहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वव्यक्तिरूप:—इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो अवव अधिनियम, के अध्याय 20-के में यथा परिश्च-हैं, यही अर्थ होगा जो उस अध्याय में किया गवा है।

जन्सू जो

फ्लैंट नं० 507, 38, नेहरू प्लेस, नई दिल्ली, ताबादी-560 वर्ग फिट,

> श्चार० पी० राजेश सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर स्रायुकत (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-1, दिल्ली, नई दिल्ली

ता**रीख**: 24—9—1985

मोहर 🛭

प्रकार वार्ष . दर्र . **एक . एक** . -------

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-1, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 24 सितम्बर 1985

निवेश सं० श्राई० ए० सी०/एक्यू०/1/37-ईई/2-85 1555---श्रतः मुझे, श्रार० पी० राजेश,

स्पायकार अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसमें इसमें दरकार, 'उक्त अधिनियभ' कहा गया है), की भारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह धिक्कास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाबार मृल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० फ्लैंट नं० 1219 है तथा जो 38, नेहरू फ्लेस, नई दिल्ली, में स्थित है (और इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), राजिस्ट्रीकर्त्ता श्रधिकारी के कार्यालय, श्रजीन रैंज-1, नई दिल्ली, भारतीय श्रायकर अधिनियम 1961 के अधीन तारीख फरबरी 1985

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित नाजार मूल्य से कम के द्रश्यमान प्रतिकन के लिए अंतरित की गई हैं और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि सथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित नाजार मूल्य, उसके द्रश्यमान प्रतिकल से, एसे द्रश्यमान प्रतिकल का पल्का प्रतिकल का का का का का क

- (क) मन्तरण संहुई फिर्का ग्राम की नावतः, उक्त ब्रीचनिवम के बचीन कर दोने के बन्तरक के द्यांतरक में क्रमी करने वा उच्चे क्षणे में ब्रीचुचा के किए; बौर/या
- (भा) एसी किसी जाय या किसी भन या जन्य आस्तियाँ का, जिन्हाँ भारतीय अवय-कर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरित्री इवारा प्रयट नहीं किया गया धा या किया जाना चाहिए था छिपाने में जिन्मा के सिए;

(1) श्रन्सल प्रोपरटीज एन्ड इन्डस्ट्रीज प्रा० लि०, 115, श्रन्सल भवन, 16, कस्तूरबा गांधी, मार्ग, नई दिल्लीं,

(ग्रन्तरक)

(2) णरद चन्दर डिन्गरा पुत्र श्रोहरी चन्द डिन्गरा, निवासी-बी-15, ग्रेटर फैलाश-1, नई दिल्ली।

(भ्रन्तरिसी)

को यह सूचना बारी करकं पूजाँक्त सम्परित के वर्षन के विष कार्यवाहियां शुरु करता हो।

उन्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई सी वाक्षेप :---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीय वें
 45 विष् की वर्षि या तत्त्वम्याची व्यक्तियों पर
 सूचना की तामीत से 30 दिन की वर्षि, को भी
 वर्षि भाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवेचिक
 व्यक्तियों में से किसी स्थानित स्वाराः
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी के से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिसबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिवित में किए जा सकींगे।

अमुसूची

> श्चारः पी० राजेश सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-1, दिल्ली, नई दिल्ली

बत: जब, उक्त अधिनिवस की धारा 269-ग के जन्मरण में, में, उपल अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्हिस्टिक्ट य**िकटकों, समित** :---

तारीख: 24-9-1985

प्रकृत मार्थ हो । एमं । एस : -----

आसकर अधिनियम, 1961 (1964 का 43) की भारा 269-म (1) के सभीत स्चना

भारत बहुकार

कार्यासय, सहायक कायकर जायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेज-1, नई दिल्ली

नई विल्ली, दिनांक 24 सितम्बर 185

निदेण सं० 1/37ईई/2-85/1536——ग्रतः मुझे, श्रार० पी० राजेश,

कायकर विभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पक्षात 'उक्स विभिनयम' कहा गया है, की भार 269- के अभीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० फ्लैट नं० 104 है तथा जो डब्ल्यू०-III ग्रेटर कैलाश-2, नई दिल्ली में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी के कार्यालय, ग्राजन रेंज-1, नई दिल्ली, भारतीय ग्रायकर 1961 के ग्राधीन, दिनांक फरवरी, 1985

को पृबोंक्स संपर्तिस को उचित बाजार मृत्य में कम को अवस्थान प्रतिकास को लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विषयास करने का कारण है कि स्थार्थोंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य उसके करमान प्रतिकास को सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य उसके करमान प्रतिकास को बाइ प्रतिकास से सिधक है और जन्तरक (जन्तरका) और जन्तरिती (जन्तरितियाँ) को गीय समिति अन्तरण के लिए स्थ पाया गवा प्रतिकास, निम्नितिवित उद्योग्य से उकत जन्तरण जिलिक में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किजी बाव की वाबतः, उक्त अधिमियम के बधीन कर दोने के अन्तरक कें दायित्व में कनी करने या उससे वचने में सुविधा अंक्षिश्च सीद्या
- (का) एंसी किसी बाय या किसी भन या अस्य बास्सियों की, जिन्हों भगरतीय आप-सार सिधिनिया, 1022 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरियी बवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपानं में मुविधा के सिए;

बतः अस, तक्त अधिनियम की बारा 269-व के अवृत्ररूप में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के क्यीन, निम्निसित व्यक्तियों वर्धात् स— (1) श्रीमती सन्तोष चौधरी, जी-48, श्रीन पार्क, मैं० कमल इन्टरप्राइजिज द्वारा सोल प्रोपर्टिज, नई दिल्ली।

(ग्रन्तरक)

(2) श्रीमती बीना भाटिया पत्नि श्री एम० के० भाटिया, निवासी-45, हे मन्ट कालोनी, नई दिल्ली।

(भ्रन्तरिती)

को यह स्वता जारी करके प्रावेश संपत्ति के सर्वत के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

रक्त सम्पत्ति के बर्जन के संबंध में कांडे भी आक्षेप :--

- (क) इस स्वना के राजपत्र मं प्रकाशन की तारील सं 4.5 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविधि, को भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पर्वोक्त व्यक्तियों मा से किसी व्यक्ति दवान।
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उन्नत स्थावर सम्परित में दितबद्ध किसी बन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किस जा सकेंगी।

स्याधीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दा और वदा का, आं अक्श अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जे उस अध्याय में दिया गया है।

प्रनुसूची

फ्लैट नं ० 104, ग्राउण्ड फ्लोर, डब्ल्यू०-III, ग्रेटर कैलाश -2, नई दिल्ली, तादादी 1250 वर्ग फिट।

> भ्रार० पी० राजेश सक्षम प्राधिकारी महायक भ्रायकर श्रायुक्ष्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-1, दिस्ली।

दिनांक: 24-9-1985

मोहर ११

प्ररूप आहरें. टी. एन. एसा -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालय, सष्टायक आयकर आयुक्त (निशीमण)

श्रर्जन रेंज-1, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 24 सितम्बर 1985

िखेश सं० आई० ए० मी०/एक्यू०/1/37ईई/2-85/153~ अतः मझे, आर० पी० राजेश,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-स के अभीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिस्का उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० पलैट नं० 701 है तथा 26-ए, बारा-खम्बा रोड, नई दिल्ली में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध: श्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रीधाकारी के कार्यालय, श्रजैन रेंज-1, नई दिल्ली, भारतीय श्रायकर श्रीधिनियम 1961, के श्राधीन तारीख फरवरी, 1985

को प्वांक्त रम्पत्ति के उचित बाजार मृन्य से कम के स्थमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके द्रश्यमान प्रतिफल से एसे स्थमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गवा प्रतिफल निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है :——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ल) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्ही भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ प्रयोजनार्थ अन्तिरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूविधा के लिए:

अतः उस, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मैं, मै, उक्त अधिनियम की धारा 269-स की उप गरा (1) के अधीन,, निम्नलिसित व्यक्तियों, अधीत् :--- (1) श्री सी० एस० सचदेवा श्रीर श्रीमती रेणु जनेजा, 20, बन्गलो रोड, दिल्ली।

(ग्रन्तरक)

(2) कुमारी चेरी खन्ना डी-9, हौज खास, नई दिल्ली।

(श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हां।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप ह---

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तात्रील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होता हो, के भीतर पूर्वेक्ति व्यक्ति यों में से फिसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्दभ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभेहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियमः, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही कर्ध होगा जो जस अध्याय में दिया गवा है।

मन्स्ची

प्लैंट नं॰ 701, म्राकाश दीप, 26-ए, बाराखम्बा रोड, नई विल्ली, तादादी-433 वर्ग फिट।

> म्रार० पी० राजेश सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रर्जन रेंज-1, नई दल्ली

दिनांक: 24-9-1985

प्रकार नार्यं हो . प्रमृत् प्रस्त ----

बायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अभीन सूचना

भारत सरकाड

कार्यासय, महायक जायकर आयुक्त (निरक्षिण) आर्जन रेंज-1, नई दिली नई दिल्ली, दिनांक 24 सितम्बर, 1985

निदेश सं० झाई० ए० सी०/एक्पू० /1/37ईई/2-85/1538—न्य्रतः मुझं, प्रार० पी० राजेश आरकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमं इसके पृथ्वात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मुख्य

1,00,000/- फ. से विधिक हैं

भीर जितकी सं पत्रैट नं 20, है तया जो ई-492

भेटर केलाश-2, नई दिल्ली में स्थित है (भीर इससे उपाबक्ष

भनुसूची में भीर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता भिध-कारी का कार्यालन, भर्जेन रेंज-1, नई दिल्ली, भारतीय भायकर भिधिनियम 1961 के भिधीन, तारीख फरवरी, 85 को प्रकेष मुम्पत्ति के जीवत बाबार मृल्य से कम के इष्यमान

प्रायकर प्रधिनियम 1961 के प्रधीन, तारीख फरवरी, 85 को प्रशेक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृस्य से कम के दृश्यमन प्रतिफल को लिए बन्तरित की गई है और मृक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि प्रधाप्त्रोंकत सम्पत्ति का उचित बाजार मृक्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का वन्त्रह प्रतिकृत से बिधक है और बन्तरक (बन्तरका) और बंतरिती (बंतरितिया) के बीच ऐसे बंतरण के लिए तय पाया क्या प्रतिफल निम्निलिखत उद्देश्य से उक्त बंतरण निविद्य से बास्तिबक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) बंतरण से हुए किसी नाय की बाबत, उक्त बन्धिनियम के बंधीन कार दोने के अन्तरक की बायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा नी लिए: बडि/या
- (सं) एसी किसी बाय या किसी भग ता बन्च जास्तियों करे, जिन्हों भारतीय अाय-कर सिंधीनयम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अभिनियम, या भन-कार अभिनियम, 1957 (1957 का 27' को प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया भया था या किया बाना चाहिए था, छिपाने सुविधा के लिए:

(1) पाल एण्ड पाउल बिल्डसं लि॰, 70, रीगल बिल्डिंग, नई दिल्ली।

(भ्रन्तरक)

(2) श्रीमती जसमीत कौर वाघवा, ई-516, ग्रैटर कैलाण-2, नई दिल्ली ।

(म्रन्तरिती)

को यह स्वना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के जिल्ला कार्यवाहियां शुक्र करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख वै 45 जिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की सविध, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्ट स्विक्तियों में से किसी व्यक्ति हुआह.
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की हारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितब्द्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकीं।

स्युक्तीकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदौं का, **यो उस्त** अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाशनक है, यही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया १७

अनुसूची

फ्लैट नं० 202, ई-499, ग्रेटर कैलाश-2, नई बिल्ली ताबादी 1700 वर्ग फिट, टोटल प्लाट एरिया 50 वर्ग गज।

> भ्रार० पी० राजेश सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुवत (निरीक्षण) भ्रजन रेंज-1, दिल्ली।

दिनांक: 24-9-1985

प्ररूप काई.टी.एम.एस.-----

वायकर जिथिनियस, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

भारत तरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-1, नई दिल्ली नई दिल्ली, विनांक 24 सितम्बर, 1985 निदेश सं० ग्राई० ए० सी०/एक्यू०/1/37ईई/2-85/1539---

भतः मुझे, भ्रार० पी० राजेश

नियंकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके एक्वात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्रधिकारी को यह विक्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/-रा. से अधिक हैं

श्रौर जिसकी सं० फ्लैंट नं० 201है तथा जो ई-492, ग्रैटर कैलाश-2, नई दिल्ली, में स्थित (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, श्रजेंन रेंज-1, नई दिल्ली, भारतीय श्रायकर श्रतिनियम 1961 के श्रधीन तारीख फरवरी, 85

को पूर्वेकिश सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के इश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गर्ड हैं और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण हैं कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का वन्द्रह प्रतिशत में अधिक हैं और अंतरक अंतरकों) और अंत-रिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखत उद्विश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया हैं:---

- (क) अंतरक से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अंतरक के त्यादिक में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी बाय या किसी धन या अन्य बास्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सृविधा के लिए:

क्तः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण क्रें, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग को उपधारा (1) ते अधीन, क्रिप्रेलिसित न्यिक्तयों, अर्थात् :-

- (1) पाल एण्ड पाउबल बिल्डसें लि॰, 70, रीगस बिल्डिंग, नई दिल्ली।
 - (भन्तरक)
- (2) श्रीमती निर्मेला खंजा, सी/मो जगत इण्डस्ट्रीज लि॰, पी॰ भ्रो॰ जगजीत नगर, जिला कपूर-थला, पंजाब।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हैं।

उक्त सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख ते 45 दिन की अधीधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी कन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जो संकैंगे।

स्पब्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पवाँ का, को उक्त कथि-नियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विद्या गया हैं।

अन्स्ची

पर्लंट 201, ई-492, ग्रेटर कैंबा श,-2, नई रिस्की,

भार० पी० रावेशा सक्षम प्राधिकारी सहायक भागकेर आयुक्त (निरोक्षण) भर्जन रैंज, नई दिल्ली

तारीख: 24-9-85

प्रक्रम बार्ड . टी . एउ . एस . ------

कार्यकार जाभानसम्, 1961 (1961 का 43) की वारा 269-च (1) के सभीन स्चना

नारतं सरकार

कार्यांत्रय, सहायक आधकर आयुक्त (निरीक्षण)

मर्जन रेंज-1, नई दिल्ली नई दिल्ली, दिनीक 24 सितम्बर, 1985

ेनिवेश सं०म्नाई०ए०सी।एक्यू०/1/37ईई/85/1541---मतः मुझे, मार० पी० राजेश

कस्तक र की भिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पक्षान (जिसे इसमें इसके पक्षान (जिसे इसमें इसके पक्षान (जिसे इसमें कहा प्राप्त हैं), की भाष 26,9-का के सुभीन सक्तम प्रिकारी को यह विद्यास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- कि. से अधिक हैं

मीर जिसकी संख्या फ्लंट नं 606, है तथा जो 13, टाल स्टाय मार्ग, नई दिल्ली में स्थित हैं (मीर इससे उपाधन अनुसुधी में घौर पूर्ण रूप से विणत हैं), रिजस्ट्रीनित प्रधिकारी मार्थित हैं। रिजस्ट्रीनित प्रधिकारी मार्थित मार्

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की वावत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने वा उससे क्चने में सुविधा के किए; आर/वा
- (व) एसी किसी बाय या किसी धन या बन्य बहिस्त्यों को, जिल्हों भारतीय बायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उत्तर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जात। चाहिए था, छिपाने में सुविधा और जिल्ही

बत: सब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, में उक्त अधिनियम की भारा 269-ग की अपभारा (1) के अधीन, निम्मतिबित व्यक्तियों, अधित् k

(1) मैं ॰ बक्णी विक्रम विश्वास कन्स्ट्रक्शन्स कम्पनी (प्रा॰) िं ॰, 13, टाल स्टाय मार्ग, नई दिल्ली।

(म्रन्तरक)

(2) मैं० हार्सटमानन इण्डिया (प्रा०) लिं०, 37/ 40, नगर राइ, पूना।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया शुरू करता हो।

उनत सम्पत्ति की अर्थम की चुम्बरथ में कोई भी वारलंप .---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन की अविधिया तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (च) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख चं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हिसबडण किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अथोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्यो का, जो उनक अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभावित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया मया हैं।

अनुसूची

बुक्तिंग ग्राफिस फ्लैट नं० 606, 390 वर्गे फिट, प्रो-पोजड मल्टी-स्टोरीड बिल्डिंग, 14, टालस्टाय मार्ग, नई दिल्ली।

> ग्रार० पो० राजेश सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजीन रेज-1, दिल्ली

दिनांक: 24-9-85

मोहर 🖫

प्रारूप बाइं.टी.एन.एस.

भायकर किंधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकार आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 24 सितम्बर, 1985

निवेश सं० प्राई० ए० सो० एक्यू०/1/37ईई/2-95/1542 अस्तः मुझे, प्रार पी० राजेश

बायकर बाँधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त बिधिनियम' कहा गया है), की धार 269-च के अधीन सक्षत्र प्राधिकारी को यह विश्वास करने का धारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रह. से अधिक है

भीर जिसकी सं० स्पेस नं० 63-ए, है तथा जो 17, धारा-खम्बा रोड, नई विल्लो में स्थित है (श्रीर इसी उनायद अनुसूची में भीर पूर्ण रूप सं विणा है), रोजस्ट्री स्ति अधितारी के बार्यातय, अर्जन रोज-1, नई दिल्ली, भारतीय आयनर भारतार अधिनियम 1961, के अधीत, तारीख फरवरी,

को पूर्विकत सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के रहयमान बितिकत के निए अन्तरित की गई है और मूओ यह विश्वास करने का कारण है कि सभापूर्विक संपरित का उचित बाजार बुस्थ, उसके रहयमान प्रतिकल से, एसे रहयमान प्रतिकल का फलाई प्रतिकत से अभिक है और अन्तरक (अंतरका) और अप्यरिती (अन्तरितिया) के बीथ एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकत निम्नितियत उद्वर्ष से उक्त अन्तरण निम्बित में बास्ब-निक्त कर बेलिए नहीं किया गया है द—

- क्षिप्रं अभारक तं हुए किसी बाय की वावस्त, अवस्त अधिनियम को अधीन कर घोने को अन्तरक के बायित्व में कमी करने वा अवस्ते वजने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अस्य आस्तियों को, चिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उनत विधिनियम, या अनकर विधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ कन्तिरती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया चाना आहिए था कियाने में ध्रिया के विध्य;

कार वस्त वस्त विधिनियम की बारा 269-म की, वनुबरण वी, भी, उन्त विधिनियम की पास 269-म की उपभास (1) वी विभीन भिम्नितिचित व्यक्तियों वसित है— '1) मै॰ गुजराल ईस्टेट (प्रा॰) लि॰, 17, धारा-खम्मा रांड, नई विस्ली

(श्वरः)

(2) श्रीनती पुष्पा सहगत्न, श्रीनती दीया दावर, निवासी-4, सरदार पटेल मार्ग, नई दिल्ली (अम्हरिती)

की यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के वर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पर्शि के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (त) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूपना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारीस के 45 दिन के भीतर उक्त स्थानर सम्पत्ति में हित-बब्ध किसी व्यक्ति व्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिस्ति में किए जा सर्जेंगे।

स्पव्यक्तिरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्यों का, जो उक्त अभिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

सन्सची

स्पेस मं० 63-ए, लोवर ग्राउण्ड पनोर, 'विजय बिरुडिंग 17, भाराखम्थः रोड, नई विस्तो, तावावी 219.4 वर्ग फिट।

> मार० पी० राजेन सक्षम प्राधिकारी सहायक मायकर भायुक्त (निरीक्षण) भर्जन रॅज-1, नई दिस्स

बिनोक: 24-9-1985

प्रारूप आई.टी.एन.एस.-----

बादकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269 घ (1) के अभीन सूचना

भारत संस्कार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, 1,नई दिल्ली

नई विल्ली, वितांक 24 खितम्बर, 1935

निदेश सं० श्रई अए० से । प्राः | 1/37ईई | 2-35 | 1543--भतः मृत्ते, श्रां २० पी० राजेश
बायकार अधिनियम 1961 (1961 को 43) (बिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उनत अधिनियम' कहा गया हैं)., की धारा
'269-श्व के अधीन सक्षम शिधकारी को यह विश्वास करने का
कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित् बाबार मृत्य
1,00,000/- रा. से अधिक हैं

धीर जिस्की एलैंट नं० 307, है तथा जो 12, नेहरू प्लैंड नई दिल्ली में स्थित हैं (ग्रीर इसी उनाबद प्रतुस्तों में धीर पूर्ण रूप से विज्ञान रोजन्द्री स्ति शिवारों के बार्यात्व, क्रजैंत रेंज-1, नई विस्सी, भारतीय धायकर धायकर प्रधिनियम, 1061 के प्रधीन तारीख फरवरी,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मून्य से कम के स्वयमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मूओ यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मून्य उसक स्थ्यमान प्रतिकल सं, एसं स्थ्यमान प्रतिकल का पंद्रह प्रतिकृत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरित को के बीच एसं अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण सिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

- (क) बन्तरम् वं हुई किसी बाव् की बाव्त, उक्त वर्षित्यम् के वर्षात कर दोने के बन्दरक की वायित्व में कमी करने या उससे बच्चने में बृद्धिया के सिए; ब्रांड/वा
- (च) ऐसी किसी नाय या किसी भन या नन्य नारिस्त ना किसे, जिन्हें भारतीय नाय-कर निभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उत्तर निभिनियम, वा भनकर निभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

सतः क्षतः, उनतः निधिनियमं की धारा 269-गं के जन्तरथ मा, मा, उनतं निधिनियमं की धारा 269-गं की उपधारा (१) संज्ञीन, निम्नलिसित न्यनितमं नथान्तः— (1) मैं ० एक पोर्टरा इण्डिया प्राप्त, किनेमा विल्डिय नेहरू पतेत, नई दिल्ली।

(अध्वर ह)

(2) मैसर्स गोयल टिन वर्क्स (प्रा०) लि०, 94, राजेन्द्र नगर, इण्स्ट्रीयल ईस्टेट, पोस्ट ग्राफिस मोझन नगर, गाजियादाद, (उत्तर प्रदेश) (अधारेशा)

को यह सूचना जारी करको पृत्रोंकत सपत्ति को वर्जन के लिए कार्यनाहियां पुरु करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई वाक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीय से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी कविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्ट व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (क) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीख वें 45 विन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबव्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निवित में किए जा सकींगे।

स्पष्टिकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त कायकर अधिनियम, ने अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

वन्स्वी

क्लैट मं॰ 307, ताबादी 710 वर्ग फिट, म्रोरियम, 12, मेहरू12 नेहरू पलेस, नई विली

> द्यार०पी० राजेश सञ्जन प्राधिकारी सहायक भागकर भागुक्त (निर्दाक्षण) भर्जन रेंज-1, नदीविस्सी

विनोक: 24-9-85

में हर:

प्ररूप आर्द्द: टी. एन. एस.-----

अयिकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) को धारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्याजर, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

दिल्ली

सितम्थर, 1985

सी०/एकय्०/1एस० झार०-3/

2-05/675---असः मुझे, आर० पी० राजेश भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके रक्षात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हु"), की धारा 269-स के यधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हु कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मून्य 1.,00,000/- रु. से अधिक हुँ भीर जिल्ली में स्थित है (और इशि उन्नाबद अनुसूत्वी में में और पूर्ण रूप से थिना है), रिक्ट्रीनर्ता अधित्री के वार्याका, नई दिल्ली में रिजस्ट्रीनरण अधिनियम 1908

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त नियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के सिए; और/या
- (च) ऐसी किसी आया या जिल्ही अन को कर्क अमेरिस्टिमें को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या जकत अधिनियम, या भन्कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती वृवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूर्विधा के निए;

लतः ४व, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए के अनूसरण मैं, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए कुन्ने ज़्यूधारा (1) के अधीर, निम्होलिसत व्यक्तियों, अर्थात् :---

- (1) बिस्ताट शन्तद्वनात एष्ड प्रापाटील (प्रा०) लि॰, 22, याराखम्या रोड, नई विल्ली (प्रायक्तरा)
 - (2) माधियो : ईस्टेट (प्रात्) लिल, 7, खागर एउ।र्ट-मेंट्ः, 6, तिलक मार्ग, नई विल्ली (मन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उत्रा सम्पन्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी कविध बाद में समाप्त होता हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किही व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचता के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस हो 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबस्थ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधे हस्ताक्षरी के पास निकित में किए जा सकेंगे।

स्पव्हीकरणः --- इसमें प्रयूक्त पथ्दों और पदों का, जो उक्कत अधिनियम, के बध्याय 20-क में रिभाषित हैं, वहीं अर्थ हु। या जो उस अध्याय में दिया गया हो।

पनुसुचीः

प्रो० न॰ ई-155, ग्रेटर कताश-2, नई विल्लो, सावादी 1500 वर्ग फिट

> मार्० पी० राजेश सक्तम प्राधिकारी संद्वाया प्रायक्त प्रायक्त (निरोक्षण) प्रजन रेंज-1, विक्ली।

दिनांक: 25-9-85

प्ररूप आई. टी. एन. एस.-----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालयः, सहायक भागकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, नई हिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 25 सितम्बर, 1985

निदेश सं० प्राई० ए० सी०/एंबयू०/1/एंस०प्रार०-3/2-85/676--प्रतः मुझे, घार० पी० राजेश बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके रक्षात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के वधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1.00.000/- रा. से अधिक हैं

भीर जिसकी सं० एफ०-2, काजपत नगर-3 है तथा जो नई दिल्ली में स्थित है (भीर इससे उपाबद धनुसूची में भीर पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय नई दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख फरवरी, 85

को पूर्थिक्ट सम्पत्ति के उचित बाजार मूह्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए उन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का जारण है कि यथापूर्विकत सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उम्ले दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिशत स अधिक ही और अंतरक (अंतरकों) कोर बंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिकत स्द्देश्य से उक्त अन्तरण लिखिश में बाक्तिक रूप से स्टिश्त अर्थी किया गया हैं:—

- (कं) अन्तरण से हुई फिसी आयः की बाबत, उक्त मिगम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे अधने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी जाय या किसी धन या अन्य कास्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या जंक्त अधिनियम, या धनकर शिधनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया का या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सूविधा स्टेसिए;

अतः हव, उक्त अधिनियम की भारा 269-म के कन्हरूक ₹, गैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-म की उपभारा (1) के अधोन, निम्नोलिंखत व्यक्तियों, क्योंत्:—

- (1) श्री राज कुमार सूद सुपुत्र स्व० श्री भाना राम, निवासी 3-ई/2, लाजपत नगर, नई दिल्ली (अन्तरक)
- (2) श्री महिन्बर पाल सिंह बिन्धरा पुत्र श्री चरन सिंह बिन्दरा निवासी 9-मंगल, बिल्डिंगस भगीरथ पैलेस, दिल्ली।

(मन्तरती)

को यह स्वना अपरी करके प्यक्ति सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिएां करता हो।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कीई भी आक्षेप :--

- (क) एक सूचना के राजपत्र में प्रकारन की तारीक से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियां पर सूचना की तागील से 30 दिन की अविधि, जो भी कविधि बाद में समाप्त होता हो, के भीतर पूर्वोक्त स्वक्तियों में से विभी व्यक्ति दुवारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक्ष से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति दुनारा अधंहस्ताक्षरी के पास सिविधत भी किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः --- इसमें प्रयुक्त इन्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियमः, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ हुगेगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

अनुसूची

प्रौ॰ बैरिंग भूमि तादादी 200 वर्ग गज, प्लःट वं॰ 2, क्लाक 'एफ लाजपत नगर-3, नई दिल्ली।

> भार० पी० राजेश सक्षम अधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रॅज-1,नई दिल्ली

दिनोक: 25-9-1985

मोहर 🖫

प्रकप काइ¹.डी.एन.एस.-----

सावकर सीधीनयम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-य (1) के सधीन मुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक बायकर बायुक्त (निरीक्षण) धर्जन रेंज-1, नई दिरुली

नई दिल्ली, बिनांक 8 ग्रक्टूबर, 1985

निदेश सं० भाई० ए० सी०/एइपू०/1/एस० भार०-3/2-85/677---भतः मुझे, भार० पी० राजेश आयकर बिश्नियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसक पश्चात् 'उक्त अभिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-स के अभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार भूल्य 1.00.000/-रा. से अधिक हैं

भीर जित्तको सं० प्रों० नं० (हाउस नं० 77) है सथा जो सुन्वर नगर, नई विली में स्थित है (भीर इससे उपावद अनुसूची में भीर पूर्ण रूप से बणित है), रजिस्ट्रीकर्ता मधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण मधिनियम 1908 (1908 का 16) के भवीत, तारीख फरवरी 1985

क्यं प्रशंकित सम्पत्ति के उचित बाजार मृस्य से कम के दरयमान प्रिंग्कित के लिए अन्तरित की गड़ हैं और मुझे यह विश्वास कि का कारण है कि यथा प्रोंकित सम्पत्ति का उचित बाजार मिला, जसके दरयमान प्रतिफल से, एसे दरयमान प्रतिफल के पंक्र प्रतिकात में अधिक है और अंतरक (अंतरका) और अंतरिती कि जिल्ला में अधिक है और अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, जिल्ला कि उद्देश्य में उक्त अंतरण निवित्त में बास्तविक का में किया गया है:—

- (क) क्रक्रपण में हुई किसी नाय की बाबत, उक्त प्रधिनियम के अधीन कर दोने के बन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
- (अ) एसी किसी बाय या किसी भन या बस्य जास्तियों का, जिन्हों भारतीय जायकर जिथिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त विधिनियम, वा धनकर अर्धिनियम, 1957 (1957 का 27) के अयाजनाथ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था था किया जाना वाहिए था. खियाने में सविधा के तिए;

जत: जब, उक्त अभिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण पें, में अक्त अभिनियम की भारा 269-म की उपभारा (1) के अभीत, जिल्लासिकत व्यक्तियों, सर्भाद:—— (1) कुमारी अषा मेहरा रिजस्ट्रार आफ द हाई कोर्ट आफ दिस्ली, नई दिली, उसके उपरान्त (1) श्रीमली हर प्यारी विडो (2) डा॰ सुधीर कक्कड़, सन्स (3) डा॰ सुषमा कपूर पिल डा॰ विजय करूर, सुपुती (4) कुमारी सोभना सुपुती स्व॰ श्री मेजर दया शंकर पुत्र स्व॰ श्री गौरी शंकर और बरिमाधीर भवानी शंकर पुत्र स्व॰ श्री गौरी शंकर और बरिमाधीर भवानी शंकर पुत्र स्व॰ श्री ग्रागैरी कर , निवासी 5, हैली रोड़ नई दिस्ली।

(घन्तरक)

(2) श्रो लग्न∷ज कुनार 28, तुगलक क्रेसकेंट, नई दिल्ली।

(मन्तरिती)

को यह सुचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उपत संपत्ति के वर्षन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस स्वान के राजपत्र में प्रकादन की तारीत से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्वान की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इवारा;
- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित्य द्थ किसी जन्य व्यक्ति द्वारा जथाहस्ताक्षरी के पास सिक्ति में किए जा सकेंगे।

स्पद्धांकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, को उक्त अधिनियम, के बध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं बर्थ होगा जो उस बध्याय में दिया गया है।

नगुसुची

प्रौ• (हाउस)नं० 77, सुन्वर नगर, नई विल्ली, तादावी 0.179 एकरस

> भार० पी० राजेश सक्षम प्राधिकारी सहायक भायकर भायुक्त (निरीक्षण) भाजेंन रेंज-1, नई दिल्ली

दिनांक: 8-10-1985

बोहेर ७

प्रकृत कार्च , टी , एस , एस

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की थारा 269-च (1) के बधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यांसर, सहायक जायकर बायुक्त (निरीक्तक)

भ्रजीन रेंज-1, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 25 मितम्बर, 1985

निदेश सं० ग्राई० ए० सी०/एक्यू०/1/एम० ग्रार०-3/ 678——श्रतः मुझे, क्षार० पी० राजेण

नायकर निर्मानयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात 'उक्त निर्मानयम' कहा नया हैं). की बारा 269- व में नपीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विकास करने का कारन हैं कि स्थावर संपत्ति विसका उचित वाकार मून

1,00,000/- रु. से अधिक है भीर जिसकी सं प्री कि न कि सी का को का कि न की का लोगी, नई दिल्ली में स्थित है (श्रीर इसमें उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विष्त है), रिजस्ट्रीकर्ता अधि-कारी के कार्यालय, नई दिल्ली में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (190 का 16) के अधीन, तारीख फरवरी, 85

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मृत्य में कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अम्तरित की गई ए अरि भमो यह विश्वास करने का अमरण है कि बचापुर्वोक्त सम्प्रतिस का उचित जायार मृत्य, असके व्ययमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिद्वत सं व्यापक है बार मंतरक (अंतरकों) और जंतरिती (वंतरितियों) के बीच एवे वंतर्य के लिए तब पाया चवा प्रतिक्त का विम्मिनियत क्वायम से जंतर अस्तरण विश्वित में बातर-विक रूप है कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण वे हुई जिली जान की जानत वकत अभिजितन के अधीन कर देने के जन्मरक दाजित्व के कमी करने वा बससे वचने के सुविधा के जिल्ह; कोर/जा
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या जन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकार अधिभियम, 1922 (1922 का 11) वा अक्त अधिभियम, या अन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया क्वा वा का किया काना वाहिए था. कियाने में सुविधा के लिए;

चतः शवः उक्त अभिनियमं की भारा 269-ग के अनुसरण , मैं, उक्त अधिनियमं की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अभीतः निज्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ः— 48—316GI/85 (1) श्री एस० गुरबचन जिंह पुत्न एस० **हरनाम** सिंह, निवामी-मी-14, कालिन्दी कालोनी, नई नई दिल्ली

(अन्तरक)

(2) श्री एम० वरयासम सिंह पुत एम० हरनाम सिंह श्रीमती सतनाम कौर पित एस वरयाम सिंह ग्रीर एम० एम० तारलोचन सिंह पुत्र एस० वरयाम सिंह, निवासी सी-44, कालन्दी कालोनी, नई दिल्ली।

(भ्रन्तरिती)

को यह स्वता जारी करकें पूर्वोक्त संपत्ति के अर्थन के विक कार्यवाहियां करता हां:

बक्त सम्परित के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी आश्रोप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की शारी है दें 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों दर सूचना की तामील से 30 दिन की बद्धि, को धी अविधि बाद में अमान्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्ड व्यक्तियों के से जिस्सी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक क 45 दिन के भीतर उन्हा स्थावर सम्पत्ति में शितवब्ध किसी बन्य व्यक्ति द्वारा अधीहरतालरी के वास विश्वित में फिए जा सकेंगे

अनुसृची

1/2 भाग, प्रौ० न० मी-14, टादादी-231 वर्ग गज काल्व्दी कालोनी, नई दिल्ली।

> ग्रार० पी० राजेश सक्षम प्राधिकारी महायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजेंन रेंज-1, नई **दिल्ली**

विनांक: 25-9-1985

मोहरः

प्रकृष नार्षः टी. एव. एव. -----

बाधकार बाभिनयम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के बधीन सुजना

भारत**्यारकार**

कार्यालय, सहायक मायकर मायकत (निरीक्षक)

धर्णन रेंज-1, नई विल्ली नई दिल्ली, दिनांक 30 सितम्बर, 1985

निर्देश सं० भ्राई० ए० सी०/एबयू०/1/एस०म्रार०-3/2-85/679—श्रतः सृष्टे, झार० पी० राजेश बायकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-च छे अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विकास करने आ कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूस्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० ई-17, ब्लाक नं० बी-1, है तथा जो एक्सटेंगन, मोहन को-ग्रापरेटिव इण्डस्ट्रीज इस्टिट लि०, नई दिल्ली में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनयम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख फरवरी, 85

को पूर्णिकत सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दर्शमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मृत्रे यह विद्यास करने का कारण है कि स्थाप्वा कत सम्पत्ति का उचित बाबार शृस्य, उसके दर्यमान प्रतिफल से ऐसे दर्यमान प्रतिफल का पन्दह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकार्) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उकत अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है

- (क) अन्तरण से हुई िकसी आय की बाबस, जक्त नियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे अचने में सुविधा के लिए; के लिए; और/या
- (क) एमी किसी आग या किसी धन का जन्य आस्तियों को जिस्हा भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 .,००० छा ११) या एकन अधिनियम या भगकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) को प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वास प्रकट नहीं किया गण था या किया जाना चाहिए था, किवाने जें सुविधा को लिए;

बत: बब, उक्त सिधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण तै, तैं उक्त विधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निक्नलिकिन व्यक्तियों, वर्षात :--- (1) विनोद कुमार जिन्दल, सूतुपुत श्री फकीर चन्द जिन्दल' निवासी-2604, नई बस्ती, नया बाजार,

(ग्रन्तरक)

(2) मैं यूनिक एलाईज (प्रा०) लि०, ई-17, मोहन को-म्रापरेटिय इण्डस्ट्रियल ईस्टेट लि० म्लाक बी-1, एक्सटेंशन, नई दिल्ली, द्वारा द्वारा डायरेक्टर श्री फकीर चन्द।

(ग्रन्तरिती)

का यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्मत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रविकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (का) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अथोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंग

स्वक्तीकरण:--इसमें प्रयस्त सन्दों और पदों का, जो उच्न जिपिनियस, के अध्याय 20-के में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं!

नम्स्ची

प्लाट भूमि तावादी-1378.25 वर्ग गज, प्लाट ई-17, ब्लाक नं० बी-1, एक्सटेंशन, मोहन को-ग्रापरेटि इण्डस्ट्रियल ईस्टेट, लि०, नई दिली।

> ग्रार० पी० राजेश गक्षम प्राधिकारी महायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजेन रेंज-1, नई दिल्ली

दिनांक: 30-9-1985

प्रकृत नार्ष ल टी. १२. १६ ० ० ० ० ०

नायकर निर्मानयम, 1961 (1961 का 43) की पार 269-प (1) के नधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालयं, बद्धायक भागकर मान्यद (निर्दीक्ष्

श्रजंन रंज-1, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांः 25 सितम्बर, 1985

निदेश मं० प्राई० ए० सी०/एकपू०/1/एम० ग्रार०-2/85/680----प्रनः मुझे, ग्रार० पी० राजेश

बायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) (चिन्ने प्रवृष्टें इसके प्रवृष्टें (उक्त मिधिनियम) कहा गया हैं), की धारा 269-छ के मधीय संश्रुप्त प्राधिकारी को यह निष्यां करने का कारण है कि स्थावर संस्पित, जिसका जिलत बाजार मृत्यू 1,00,000/- का से अधिक है

श्रीर जिसकी मं० ई-357 है तथा जो ग्रेटर कैलाम-2, नई दिल्ली में स्थित है (श्रीर हमने उपाबद श्रनुसुवी में श्रीर पूर्ण रूप में विणित है), रिजस्ट्रीयती श्रीधनारी के कार्यालय, नई दिल्ली में रिजस्ट्रीयरण श्रीधनियम 1908 (1908 वा 16) के श्रीधन, दिनों उपरवरी 85

कों पूर्वोक्त समपत्ति के जीवत बाबार मूल्य से कन के कावनान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हूं और मूक्ते यह विश्वात करने का कारण हूं कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाबाड़ मूल्य उसके रश्यमान प्रतिकल से, एसे स्थ्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिकास से अधिक हूं और अंतरक (अंतरका) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिक्का कम निम्मितिस्त उद्देश्य से उक्त बन्तरण निस्ति में नक्ताक्कि कप से किथत नहीं किया गया है :——

- (%) बन्तर्भ सं शुर्धः किसी बाद की बावतः, उत्तर गीर्धानयम् के अभीन कर दोने के जन्तरक के सावित्व में कमी करने वा उत्तरे बचने में सुविधा के लिए; सीट/वा
- (स) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य जास्तियों का, जिन्ह भारतीय आयकर किधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त विधिनियम, या चल-कर व्यधिनियम, या चल-कर व्यधिनियम, 1957 (1957 का 27) औं प्रयोजनार्थ बन्तरिती इंदारा प्रकट नहीं किया गंदा वा या किया बाना चाहिए कः, क्रियाने में दृषिणा के लिए।

जतः जकः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के जनुसूरण काँ, मीं. उक्त अधिनियम की भारा 269-ण की उपधारर (1) के ज्धीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) श्री श्रार० सी० सहगल, पी-15, मालविया नगर, नहें विल्ली।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री जे० सी० महीस्त्रा, ई-346, ग्रेटर कैलाग 1, नई दिल्ली।

(भ्रन्तरिती)

को वह त्यमा बारी करके पूर्वोक्क सम्बक्ति के वर्षन के जिह कार्यवाहियां करका हुए।

उन्तर सम्मति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षय हुनन

- (क) इस त्याना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीय क्षे 45 दिन की जनभि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों वर त्याना की तामील से 30 दिन की जनभि, को की जवभि बाद में समाप्त झोती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इवाय;
- (व) इस त्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवव्ध सिचित्त में किए जा तकोंगे।

स्पष्टिकरण: - इसमें प्रमुक्त शब्दों और पर्दों का, को उक्क अधिनियम के अध्याय 20-क में प्रिशाविष्ठ हैं, वहीं अर्थ होगा, को उस अध्याय में दिया स्या है।

वन्तुवा

्लाट नादादी-250 वर्ग गज, ईन्357, ग्रेटर कैलाण~ 2, नई दिल्ली।

> ग्रंट० पी० राजेण सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (तिरीक्षण) श्रर्जन रोज-1, दिल्ली।

বিদানি: 25-9-1985

मोहर

भक्त नाव[े]. सी ् पुत्_ं पुत्_य------

बातकार वृधिनियन्, 1961 (1961 का 43) की बारा 269-व (1) के कपीन स्वात

भारत सरकार

कार्यासय, सहायक बायकर बायुक्त (निरीक्य)

ग्रर्जन रेंजा, नई विल्ली नई दिल्ली, दिनांक 30 मितम्बर, 1985

निदेश सं० म्राई०ए० सी० /एयू०/1/एस० म्रार०-3/2-85/682---म्रत: मुझे, म्रार० पी० राजेण

बाबकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिले इसमें इसके परकात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राध्यिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर मस्पात, जिस्का उचित बाबार बुख्य 1,00,000/- रु से अधिक है

और जिसकी सं प्रौ० न० 2-905, है तथा जो ग्रोटर कैलाश
-2, नई दिली में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध प्रनुसुची
में ग्रीर पूर्ण रूप से विणित है, र्राचर्स्ट्रीर तो ग्रधिकारी के
कार्याला, नई दिल्ली में राजस्ट्राजण्ण ग्राधिनियम, 1908
(1908 का 16) के श्राधान, प्रतीख फरवरी 1985

को पूर्वो क्त सम्पित्त के उत्तित बाजार मूल्य सं कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वो क्त सम्पित्त के उत्तित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एमे दश्यमान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए त्य पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिविक रूप से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) जन्तरण से हुई किसी जाय को नायत, उक्त विधिनियम को अभीन कर दोन के बुक्दरक से करिक्य में कवी कर्त्य वा स्वयूषं अपने के सुविका के सिए; बॉट/वा
- (क) एसी किसी आम या किसी धन रा अन्य बास्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर आधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कार अधिनियम, 1957 (1947 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट : हीं किया जया था वा किया जावा चाहिये था, कियाने वे सुविवा के सिए;

अतः अब, उन्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण भों, मीं, उन्नत अधिनियम की धारा 269-घ की उपथारा (1) के अधीन, निम्निल्खित न्यांक्तयों, अर्थाट् ६—— (1) श्री प्रदीप गंकर भट्ट श्रीर ग्रागिश गंकर भट्ट पुत्र श्रम्बा गंकर भट्ट, निवासी 13/24, ब्ल्यू ईए, करोल बाग, नई दिल्ली, द्वारा श्रटारनी सतीश सेठी।

(म्रन्तरक)

(2) श्री सोम नाथ घई, श्रौर चन्दर माहन घई पुत स्व० श्री चरन दास, घई, निवासी-92/2, थापर नगर, मेरट।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्त के अर्जन के लिए कार्यवाहियां गुरू करता हुं।

उन्त संपत्ति के वर्णन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :--

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामीन से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि नाथ में स्पाप्त होती हो, के भीतर प्रवेक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इतारा;
- (क) इस स्थान के राजपन में प्रकाशन की तारीच से 45 विन के भीतर पूर्वोक्त उन्नस स्थानर सम्प्रीत में हितवब्ध किसी अन्य अपनित इनारा अभोहस्ताअरी के पास लिखित में किए वा सकींगे।

स्पष्टीकरण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त विधिनियम, के जध्याय 20-क में परिभाषिद हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया विधा है।

अनुसूची

रियर प्रोणन दूसरी मंजिल, प्रौ० न० ई 605, ग्रेटर कैलाग-2, नई दिल्ली।

> श्चारः पी० राजेश सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त निरीक्षण) श्रजेंन रेंज 1, नई दिल्ली

दिनांक: 30-9-19**85**

प्रकप बाई. टी. एन, एड्.-----

बायकर व्यक्तियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-ल (1) के अभीन स्वना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण)
प्रजीन रेजि।, नई दिल्ली
नई दिल्ली, दिनाक 30 सिनम्बर, 1985
निदेश सं० ग्राई० ए० सी०/एक्यू०/1/एस० ग्रार-3
8/682--प्रसः मुझे, ग्रार० पी० राजेश

कायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके प्रवाद 'उक्त अधिनियम', अझ गया है, की भारा 269-ख के अधीन संक्षम प्राधिकारी को, यह विकास करने का कारण हं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं श्राई-बी/135 है तथा जो लाजपत नगर नई दिल्ली में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूर्वी में ग्रीर पूर्णरूप से विजित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण श्रिधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन, तारीख 15 फरवरी 85

को पृभी कत सम्मित्त के उपित बाजार मृत्य से काम के क्षम्यभान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृक्षे यह विश्वास करने के कारण है कि यथापूर्वों कत संपत्ति का उपित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल ने, एसं दृश्यमान प्रतिफल का पन्सह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरितीं (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण कि बित में वास्तिवक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुंद्द किसी आय की बबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दासित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के निए; और/य।
- (था) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य जास्तियों हो। जिन्हों भारारंग्य झागकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयासनार्थ अतिरिती ब्यारा प्रकाट नहीं किया गण था या किया जाना चाहिए था, छिनाने में सविधा चे लिए;
- जतः अस्, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के जनुसरण नें, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, गिम्नियिसित व्यक्तियों, अर्थात ---

- (1) श्री नाथू राम शर्मा पुत्र श्री मूल राज शर्मा, तिवासी-2, न्यू म्युनिसिपल सा मार्किट (डी० एस०) लोधी कालोनी, द्वारा जनरल अटारनी श्री प्रकाश चन्दर मिलक निवासी-आई-बी/135, लाजपत नगर, नई दिल्ली
- (2) श्री सिनिन्दर कुमार मॉलक पुत्र श्री प्रकाश चन्दर निवासी बी/135, लाजपत नगर, नई दिल्ली।

(ग्रन्तरिती)

को यह स्थानः जारी करके पूर्वोक्त सम्मत्ति के वर्जन के निए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उपत सम्पत्ति के गर्यन के सम्बन्ध मां कार्य भी आक्षेप :---

- (क) ध्स सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीय के 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की वर्वाध, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हों, के भीतर पूर्वोक्त का वित्तयों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (म) श्रम सूचना की शायपण में प्रकाशन की तारीय व 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पर्शि में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अक्तिहासका के एम लिखित में किए जा सकेंग ।

स्यष्टीकरण: ---इसमें प्रयुक्त सन्यों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में यथा रिभाणित है, वहीं अर्थ क्षोंगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अगुस्ची

प्रौक्त नः आहित्बी-135, तादादी 100 वर्ग गज, लाजपत नगर, नह दिल्ली।

> म्रार० पी॰ राजेश सक्षम प्राधिकारी सहायक म्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) म्रर्जन रेंग दिल्ली

दिनांक: 30-9-19**85**

ं **शक्य बाइ**ं,; टी., एन्., एस. -----

नानकर विभिनित्न, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के नभीन स्थान

नारत चरवाड

कार्यासय, बहायक आवकर बायुक्त (निरीक्रण)

श्चर्जन रेंज-1, नई दिल्ली नई दिल्ली, दिनांक 30 सितम्बर, 1985

ित्वेश सं० श्राई० ए० सी०, एक्यू०, 1, एस० श्रार०-3
2-95/683- - अतः मुझे, श्रार० पी० राजेश

कायकर निधनियम, 1961 (1961 का 43) (णिट इसके इसके पंचात उक्त निधनियम कहा गया है) की धारा 269-च के अधीन रक्षम प्राधिकारी को, वह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्परित, जिसका उजित वाजार सस्य 1,00,000- रा. सं अधिक है

और जिसकी सं० पलट न०-227 है तथा जो गेटर कैलाश नई निल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में धौर पूर्ण से वर्णिन है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्याल्य, नई दिल्ली में भारतीय रिजस्ट्रीव रण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, फरवरी 1985

को पूर्व कर सम्परित को उचित बाजार मून्य से कम के उत्तयमाप प्रतिफल को लिए अन्तरित की गई है और भूके यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्जोक्त संपरित का उचित बाजार मूल्य, उसके दक्यमान प्रतिफल से, एसे दक्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरक के बिए तब पाया गया प्रतिफल जिम्मिबिखित उद्विष्य से उच्त बन्तरूच निवित में बास्तविक क्य से कथित नहीं कि वा गया है :----

- (क) नन्तर्य तं हुई किसी बाद की वाब्त्, उपत वीवीनवा से व्यीत कर दोने से अन्तरक से खीद्रक में कमी करने या खससे व्यत में अविधा के निए; बौर/वा
- (क) एसी किसी आम या किसी धन या अन्य आस्तियों को, चिन्हों भारतीय आयकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उनत अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया नया वा वा किया जाना चाहिए था, फियाने में स्विधा के निए;

जतः जन, उक्त अधिनियम की धारा 269-त के अमृतर्थ मों, मौं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ध की उपधारा (1) के अभीग, निम्नलिक्ति व्यक्तियों, अर्थातः :--- (1) श्री राम सरन दास श्रनेजा निवासी ई-277, ग्रेटर कैनाम 2, नई दिल्ली।

(प्रन्तरक)

(2) श्री पंज शाह्य, शाह्याल शाह्य और जयन्त शाह्य, निवासी ई-277, पेटर कैलाण-2, नई नई दिल्ली।

(%न्तरिती)

को बहु कुथना वारी करके पूजाँक्छ संपत्ति के अर्थन के कियू ,कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त कमिति के अर्थन के संबंध के कोई भी बाधाय :---

- (क) इन् ब्रूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की सबीध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामीस से 30 दिन की कविध, जो भी जबिध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीक सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी जन्म व्यक्ति द्वारा नशोहस्ताक्षरी के पार दिख्त में किए का सकींगे।

स्पष्टीकरणः ---- इसमें प्रयुक्त शल्यों और पदों का, जो उक्स विधिनियम, के वध्याय 20-क में परिभाषिक हैं, वहीं वर्थ होगा, जो उस वध्याय में विधा यस है।

धनुसूची

हाऊस नं० ई-277, यँटर कैलाश-2, नई दिल्ली, सादादी-600 वर्ग फिट।

> ग्रार० पी० राजेश सक्षम प्रधिकारी सहायक श्रायकार श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजीन नेति-1, गई दिल्ली

दनांक: 30-9-1985

मोहर 🕆

प्ररूप भार्ष: टी. एन. एस. -

नारकर मीभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भार भारा 269-म (1) के अभीन सुचना

भारत तरकात

कार्यासय, सहायक भायकर आयक्त (निर्दाशक)

धर्जन रेंज-1, नई दिल्ली नई दिल्ली दिनांक 25 सितम्बर, 1985

निदेश सं० प्रार्ट०ए०सीं०/एसपू/1/एस० प्रार०-3/2-85/ 684--श्रतः मुझे, श्रार० पीं० राजेश

जानकर अधिवियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायन सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्ये 1,00-000/- रु. से अधिक हैं

और जिपकीं सं० मीं-353 हैं तथा जो ष्ठिकेंग कालोनीं, नई दिल्लीं में स्थित हैं (और इपमे उपाबढ़ अनुसूचीं में और पूर्ण रूप मे विणत हैं), रिजिस्ट्रीं हर्ता श्रिधि गारीं के कार्यालय, नई दिल्लीं में रिजिस्ट्रीं हरण श्रिधितियम, 1908 (1908 का 16) के अबीं, तारीख फरनरीं, 85

को पूर्वेक्ति सम्पत्ति के उच्चित बाजार मूल्य से कम के इच्यमान प्रतिकाल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है

कि यथा प्रविक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके क्रयमान प्रतिफल से, एसे ध्रयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एमे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्न-निश्चित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तिक रूप से अधित नहीं किया गया है:--

- (क) शान्तरण सं शृह किसी नाम की वावत, उक्त अधिनियम की अधीन कर दोने के बन्तरक नी श्रीयत्व में कमी करने वा उत्तसे वचने में सुविधा के सिन्ध; बर्डिशा
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या जन्य जास्तियाँ को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्ध अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया जा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुनिधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियमं की धारा 269-ग के अनुसरण के के उक्त अधिनियमं की धारा 269-क की उपधास (1) के अधीन, निम्नितिमित व्यक्तियों, अर्थात् :— (1) श्रींमतीं तर्वन कौय पत्नि स्व० श्रीं जगतार सिंह निवासी 13/18, ईस्ट पटेल नगर, नई दिल्लीं।

भ्रन्तरक)

(2) श्रीं बीं० एस० श्राहूजा (2) श्रींमतीं मोहिन्दर कौर (3) श्री रिचन्दर सिंह श्राहुजा (4) श्रींमतीं भूषिन्दरा, निवासीं सीं-353, डिफेंस कालोनीं, नई दिल्लीं।

(श्रन्तरितीं)

को यह स्वना जारी करके पूर्वोक्त सञ्पत्ति के वर्जन में किए कार्यवाहियां करता हुं

जनत सम्पत्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई वाक्षेप हु----

- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीच सं 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी स्वक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, खो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, से भीतर पृबंक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी बन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के णक सिचित में किए जा सकोंगे।

स्वच्छीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पवों का, जो उत्तर अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाविक हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विका वया हैं।

बनसची

प्रौ० वैरिंग नं० सीं-353, डिफय कालोनीं, नई दिल्लीं तादादीं-325 वर्ग गज।

> ग्रार० पीं० राजेण सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-1, न**ई** दिल्ली

दिनांक: 25-9-85

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेंज-1, नई दिल्लीं

नई दिल्ली, दिनां । 25 भितम्बर, 1985

निदेश सं० ग्राई० ए० सीं०/एक्यू०/1/एस ग्रार०-3/
2-85/685—श्रतः मुझे, ग्रार० पीं० राजेश
बायकार अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उन्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा
269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्नास करूने का
कारण हैं कि स्थापर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृन्य
1,00,000/- स्त. से अधिक हैं
विश्वार प्राधिकारी प्राधिकार 15 विश्वी प्राधिक हैं तथा

और जिस्सीं मं० दूसरीं मंजिल, 15, सिरीं फोर्ट, है तथा जो रोड़, नई दिल्लीं में स्थित हैं (और इससे उपाबद अनु-सूचीं में और पूर्ण रूप में घणित हैं), रजिस्ही इति प्रधि-कारीं के बार्यालय, नई दिल्लीं में रजिस्ट्रीं करण प्रधिनियम, 1908 (1908 ला 16) के प्रधीन, नारींख फरवरीं, 85

को पूर्वेक्ति सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल कं लिए अन्तरित की गईं है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त सम्पति का उचित बाजार बुख्य, असके क्रयमान प्रतिफल से, एसे क्रयमान प्रतिफल से पंसह प्रतिकृत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितिगों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निसिखत उद्देष्य से उक्त अन्तरण लिखित वें बास्तियक क्ष्य से क्षित्व महीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्सरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी बाय वा किसी धन या बन्य बास्तियों कर्रा जिन्हों भारतीय बायकर अधिनियम. 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम., या भन-कर अधिनियम. 1957 (1957 का 27) के प्रजीवनार्थ बन्तीरती द्वार प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए बा, क्रिपाने में सुविधा के लिए:

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिगित व्यक्तियों, अर्थात् :--

(1) श्रींमती ह्र कोर पत्नी स्थ०श्री जय राम दास, एस /श्री एस० पी० मदान, मोहन लाल, पी० एन० मदान, डीं० के० मदान श्रींमती चन्द्रकान्ता नारंग, श्रीमती काशुबन्ती कुमारी योगेण और श्रींमती निर्मल खोसला, निवासी ई-221, ग्रेटर कैलाश-2, नई दिल्ली।

(ग्रन्तरकः)

(2) कुमारीं सुरिन्दर सोढ़ीं पुत्रीं स्व० श्रीं दलीपं सिंह मोढ़ीं, निवासी बीं-87, डिफेंस कालोनीं, नई दिल्लीं।

(ग्रन्तरिती)

का यह सूचना जारी करके पृत्रोक्त सम्पत्ति के वर्षन् के सिर कार्यवाहिमा करता हुं।

उनत सम्मित्ति के अर्थन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस स् 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियाँ में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब क 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी जन्य व्यक्ति ब्वारा अधोहस्ताक्षरी की पाव विवित में किए वा सकोंगे।

स्पष्टांकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, को उक्त अधिनियम के अध्याय 20 क में परिमाधित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

ननुसूची

दूसरीं मंजिल, प्रौ० नं०-15, सिरी फॉर्ट रोड़, नई दिल्ली, ताक्षादीं 400 वर्ग गज।

> श्चार० पीं० राजेश पक्षम श्रधिमारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजेन रोज-1, नई दिल्ली

दिनांक: 25-9-85

प्रकल बाध". टी. एन. एवं.------

सीपनिथम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के सभीन सुचना

भारत सरकार

कार्याजय, सहायक नायकर नायक्त (निरीक्षण)

धर्मन रेंप-1, नई दिल्ली
नई दिल्ती, दिनो: 25 जितम्बा, 1985
िदेग सं० घाइ० ए० सीं०/एक्यू०/1/एस० घान०-3/285/687---ना: मुझे, घान० पी० राजेश
बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इस में पहचान 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 769-व के बधीन मक्ष्म पाधिकारी को यह विकास करने का बारण है । का क्ष्मां संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,070/-

अति विक्तीं सं० पाट नं० एम०-324 है तथा जो ग्रेटर कैनाग-1, नई दिल्तों में लिया है (और इक्ते उपाबद अनुसूत्री में और पूर्ण कर से वर्णित है), पिएड़ी ति अधि-तारों में आर पूर्ण कर से वर्णित है), पिएड़ी ति अधि-तारों में पार्यों ति एड़ि का में मारतीय पिएड़ी त्या अधि-तियम 1903 (1903 ता 16) के अधिन, तारे के फाररी, 15 को पर्वोक्त मम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य में कम के दृश्यमन अतिफल के निए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्योंक्त मम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य उसके क्यमान प्रतिफल से एमे क्ष्यमान प्रतिफल का पंदह प्रतिकृत में अधिक है और अंतरक (अंतरका) और अंतरिती (अंतरितयों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया ग्या प्रतिफल, निम्निमिन्ति उदहरेष्य में उक्त अन्तरण सिचित में बास्तिकत, निम्निमिन्ति उदहरेष्य में उक्त अन्तरण सिचित में बास्तिकत, निम्निमिन्ति उदहरेष्य में उक्त अन्तरण सिचित में बास्तिकत, स्था से अधित नहीं किया गया है :——

- (क) अंतरण से हुई किसी बाय की बाबत उक्त अधि-निवास के अधीन कर दोने के बल्लरक के शायिल्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के स्थित बार/या
- (क) ऐसी किसी आह या किसी भन या जन्य आस्तियों भी. पिक्रं भारतीय सायकर क्रिनियम . 1922 (1922 का 11) या उसत अभिनियम, या भनकर अभिनियम . 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया स्या था या किया जाना चाहिए था. क्रियाने से वृत्यभा के लिए;

कतः कव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण कै, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) ांत :--- (1) श्री लक्ष्मी नारायण धारात, निवासी-1-६५/ 156, बाजपत नगर, नई धिल्ली।

(अन्तरक)

(2) श्रीनिती रमन श्रातन्द, डी-289, डिफेंस कालोनी नई दिल्ली

(भ्रन्तरितीं)

को यह सुचना चारी करके पूर्वों कर सम्परित के अर्जन के सिष्

उबत सम्पत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस मुचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक सं 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ एव सूचना की तामील में 30 दिन की अवधि, का औं अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृथाकर व्यक्तियाँ में से किसी स्पिक्त द्वाराः
- (च) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की हारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिसबद्ध प्र किसी जन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निधित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के कथ्याय २०-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

ण्याङ नं० 324, ब्याङ (एस' ग्रेटर कीलाश-1, सहै दिस्त्री, सादादी-204200 घर्ग गण।

> षार० पीं० राजेश सक्षम अधिवारी सहाय∋ आयापर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, दिल्ली।

दिनोग: 25-9-1985

शक्य बाहें, ठी. एन. एस. -----

बायकर जीभीनयन, 1961 (1961 का 43) की भारत 269--न (1) को अभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालयः, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ध्रर्जन रेंज,1, नई दिल्ली नई दिल्लीं, दिनांक 30 ितम्बर, 1985 निदेश सं श्राई० ए० सीं०/एनयू०/1/एस० श्रार०-3/2-85/687--- भ्रतः मुझे, श्रार० पीं० राजेश नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिने इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), काँ <mark>भारा</mark> 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वाम कारने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उपित बाबार मृत्य 1,00,000/- रा. से अधिक है और जिसकीं सं० ए-18 है तथा जो चितरन्त्रन पार्क, नई दिल्लीं में स्थित है (और इ.से उपायड अनुमूचीं में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रिएट्रीम्ति अधि गरी के ार्याल्य, नई दिल्लीं में स्थित है (और इ.से उपादद अनुसूची में और पूर्ण रूप से चर्णित है), रिल्ट्रीं हर्ता श्रीध ारी के ार्या-लय, नई दिल्ली में रिस्ट्री रण श्रविधिम, 1908

(1908 टा 16) के अधीन, तारीं ए फ.चरीं, 85
को पूर्वोक्स संपरित के उचित बाजार मृत्य सं कम के द्रायमान
अतिकस के लिए अन्तरित की गई है और मूझे मह विष्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्स सम्पत्ति का उचित बाजार
क्षण, उसके क्रयमान प्रतिफल से, एसे क्रयमान प्रतिफल का
क्षण, उसके क्रयमान प्रतिफल से, एसे क्रयमान प्रतिफल का
क्षण, उसके क्रयमान प्रतिफल से, एसे क्रयमान प्रतिफल का
क्षण, उसके क्रयमान प्रतिफल से, एसे क्रयमान प्रतिफल का
क्षण, उसके क्रयमान प्रतिफल से, एसे क्रयमान प्रतिफल का
क्षण, उसके क्रयमान प्रतिफल की के बीच एसे अन्तरण के लिए क्षय
वावा गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त बन्दरण
किवित में नास्तविक क्रय स किथत नहीं किया गया है —

- [क) बलारण से हुई किसी बाम की बाबत उपल शिंक हैंश्यम खे बभीन कर दोने के बलारक के बाजित्य में लगी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; बीद/बा
- (क) एसी किसी बाब या किसी धन वा बन्द बास्तियां को, विमही भारतीय बायकर विधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन कार विधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोख-वार्थ बन्दरिती क्वाय प्रकट नहीं किया बया वा वा किया बाना वाहिए था क्वियाने में सुविधा के खिए;

बंद: क्ष. उक्त अभिनियम की धारा 269-न के अनुबरण की, में, अक्त अधिनियम की धारा 269-म की उत्पारा (1) के अधीन, निश्निविधित व्यक्तियों, क्षांत हों

(1) श्रीमती शांति लता कोस परिः स्व० श्री भजीत कुमार बोस, निवासी सी-1/49 लाजपत नगर नाई दिल्ली

(भन्तरक)

(2) श्री हरेग मोहन सोहनी, पुत्र स्व० श्री इन्ह्य प्रसाव साहिनी, श्रीमती घरणा सोहनी परिन श्री हरेशमोहन सोहन ए०-18, चितप्लजन पार्क, नहीं दिल्ली

(पग्तरिती)

को यह सुचना जारी करके पूर्वीक्त कन्दरितः के अर्वमः के जिल्हा कार्जवाहियां करता हुन्।

उक्त सम्परित के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी काक्षेप निक

- (क) इस स्वां के रावपत्र में प्रकावन की तारीब वे 45 दिन की अविश्व का तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वांन की तामील से 30 दिन की अविश्व को भी वविश्व बाद में समाप्त होती हो, के शीलर क्वोंबा. व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इसार;

रन्ध्योक्तरणः-—इसमें प्रयुक्तः क्षक्यों और पदी का; की उक्त अभिनियन के अध्याद 20-क औं परिप्राधिष्ठ ही, वही अर्थ होगा, को उस अध्याद में विका नया ही।

मनुसूदी

त्री० न० ए-18, चितास्त्रत पार्के, नई, दिल्ली, तादादी-320 वर्गे गरा।

> भारः पी० राजेश सक्षम मधिकारी सहायक भागकर भागुकत (निरीक्षण) भर्जन रेंज-1, दिल्ली,

दिनोह: 30-9-85

ं प्रकृष आहाँ .टी. एन. एस. ------

कांयकर कॅपिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारो 269-च (1) के नधीन सुचना

अगरत सरकार

कार्यांतम, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

भर्जन रेज-1, नई पिल्ली नई पिल्ली, दिनी : 30 जिस्का, 1985 संबद्धारिक एक मीकीएयार्थी (एउट का

निदेश सं श्राधि ए॰ सीं । एस्पू । 1/ए ३० श्राप्त । /2-85/ 668 - श्रतः मुझे, श्राप्त । पीं राजेश

बारसकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चाद 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-क के अधीन सक्षत्र प्राधिकारी को यह विश्वास करने का आगरण है कि स्थापन सम्पत्ति, जिसका उपित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिन्नी संव प्रीव नंव एन-158 है तथा जो प्रेटर कैताश -1, तहें दिस्ती में स्थित हैं (और इन्ते उपायत अनुसूची में और पूर्ण रूप से विश्ति हैं), रिवस्ट्री ती प्रिधि गरी के बार्या में, तहें दिस्ती, में रिजस्ट्री एण प्रिधियम 1908 (1908 वर 16) के प्रधीन, तारींक फरवरीं, 85

को पूर्वोक्त सम्मति के स्वित बाबार मृख्य से कम के स्त्यमान प्रतिकल के लिए बन्दरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापुर्वोक्त सम्मति का उचित बाजार मृख्य, उसके स्वयमान प्रतिकल से, एसे स्वयमान प्रतिकल का पन्त्रह प्रतिकल से अभिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गढ़ा प्रतिकल, निम्नलिचित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिचित में बास्तिक स्म से कियत नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुंदे किसी जाय की बाबत, उक्त अधिनियस के अधीन कर बेने के अन्तरक के शियत्व में 'कमी 'करने 'या उससे अचने में सुविधा भी सिए; और मा
- (क) एंसी किसी बाव या किसी धन या जन्य आस्तियाँ कां, जिन्हीं भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 [1922 का 11] या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जनतीरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया । आता वासिद्ध था, कियाने में सुविधा के लिए;

वतः सथ, वयत सीर्थनियम की भारा 269-ए के अनुसरण मा, मी, उक्त सीर्थनियम की भारा 269-ए की उपधारा (1) को सभीन, निम्निसिंखत म्युक्तियों, मुर्थात् ६----

- (1) श्री इन्यर सेट भएषा द्वारा श्रद्धारनीं, निवासी-16ए/16, डब्ल्यू-ई-ए-, करोल बाग, नई दिल्लीं (श्रन्तरक)
- (2) श्रीभितीं संतोष भाटिया पत्नि श्री जगदींश चन्दर भाटिया, विवासीं राजेन्द्र नगर, सिविल लाइन्स मुरादाबाद।

(ग्रन्तरितीं)

का यह स्वना जारी करके पूर्वोक्त सम्प्रीत के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उबत सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस है 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृथीकत स्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (त) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकीये।

स्पष्टीकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदां का, औं उक्त अधिनियम, के मध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

फन्ट प्रोगन, ग्राउण्ड फ्लोर, प्रौ० नं० एन 158, ग्रेटर कैलाग-1, नई दिल्ली।

> श्चार० पीं० राजेश सक्षम प्राधिरारी सहायङ श्रायःर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-1, नई दिल्ली

বিনার: 30-9-1985

प्ररूप बार्ड . टी , एन . एस , -------

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ण (1) के अधीन सुचना

भारत तरकार

कार्यासय, सहायक बायकर बायुक्त (निर्देशक) श्रजन रेंज-I, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनौंक 30 सितम्बर 1985

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्पू०/1/एस० **आर०-3/** 2-85/689--श्रत: मुझे, श्रार० पी० राजेश

बायकर बांभानियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), को भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विशास करने का कारण हैं कि स्थावर सपरित, जिसका उचित बाजार मृत्य 1.00.000/- रा. से अधिक हैं

मार जिनको सं० एन-158 है तथा जो ग्रेटर कैलाश-1, नई दिल्लो में स्थित है (श्रीर इनसे उपाबद अनुसूची में भीर पूर्ण रूप से वर्गित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, नई दिल्लो सें रजिस्ट्राकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन तारीख फरवरी, 1985

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रहयभान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूम्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वाक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके रहयमान प्रतिफल से एसे रहयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथ पाग गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्स अन्तरण चिवित में बास्तिषक रूप से किथत नहीं किया यथा है दे—

- (च) ऐसी किसी बाय या किसी भन या जन्य जास्तियाँ को, जिन्हें भारतीय बाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोध-नार्थ जन्तरिती ब्वास प्रकट नहीं किया गया वा वा किया जाना वाहिए था जियाने में सुविध? वी जिए!

बता अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग को अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-व को उपभारा (1) औं अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीन हैं—

- (1) श्री इन्दर सेत मारवाह पुत्र श्री घाई० डी० मारवाह, निवासी 16-ए/16, डब्ल्यू० ई०ए० करोल बाग, नई दिल्ली।
- (2) श्री राजेन्द्र प्रसाद सेठ पुत्र स्व॰ श्री मूलगन्द ग्रेठ, निवासी 4375/4, बी॰ मुरारी लाल लेन, ग्रन्सारी रोड, दरियागंज, नई दिल्ली

(भन्तरिती)

क्रो यह सूचना चारी कारके पूर्वोक्त संपरित के बर्चन के सिद्ध कार्यवाहिया कुरू करता हु"।

उक्त सम्पत्ति के नर्जन के सम्बन्ध में कोई श्री बाक्षेत्र :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीश श्री 45 दिन की जमिश या तत्सम्बन्धी व्यक्तियां पर स्वना की तामीस से 30 दिन की वविश्व को भी स्विश्व में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी स्थक्ति द्वारा;
- (व) इस सूचना के शायपत्र में प्रकाशन की तारीच वें 45 विन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी क्या व्यक्ति द्वारा क्योहस्ताक्षदी के पाड़ लिखित में किए वा सकेगे।

स्वच्योकरण:---इसमें प्रयुक्त सन्दों जीर पदी का, जी उक्त विधिनयम के बध्याय 20-क में परिभावित हाँ, वहीं वर्ष होगा जो उस वध्याव में दिया गवा है।

यनुसूची

पसैट रियर चौसन, बूसरी मंजिस, प्रो० मं० एन०-158, ग्रेटर कैंसाथ-1, नई दिस्सी।

> मार• पी० राजेश समम प्राधिकारी सहायक मायकर प्रायुक्त (निरीक्षण) भवंग रेंज-1, नई दिक्सी

तारीच : 30-9-1985

मोहर 🗈

प्रकप बाइं.टी.एन.एस.-----

वायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के वधीन सूचना

भारत चरकार कार्यांकय, चक्क्यक भागकर आवृत्तत (निरीक्षण) धर्जन रेंज-1, नई दिल्ली

नई बिल्ली, बिनौक 30 सितम्बर 1985

साधकर तिथानियम, 1961 (1961 का 43) (विश्व ध्वाने इसके वश्वात् 'उक्त विभिन्नम' कहा गया हैं), की भारा 269-स के बधीन तक्षण प्राधिकारी को वह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित नावार मूक्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

धीरजिसकी सं० 158 है तथा जो ग्रेटर कैसाध:-1, नई दिरमी में स्थित है (भीर इससे उपाबद भनुदूषी में भीर दूर्ण रूप से धींगत है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्याक्य, नई दिरबी में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, कारी ज फरवरी, 1985

को पूर्वों बस सम्परित को उचित बाधार मूल के कन को स्वयं नाम श्रीसफल को लिए बंतरित की गई हैं और मुओ वह विश्वात करने कारण है कि स्थावर संपरित, जिसका उचित बाजार अन्य कलके क्ष्यमान प्रतिफल से, एसे स्वयं प्रतिफल का पन्य हित्सत से विभिन्न हो बीर बन्तरक (बंतरकों) और बंतरिती हैं बन्तरित से विभन्न का पन्य हित्सत से विभन्न के बीच एसे बन्तरक से निए तम पान पना प्रतिफल, निम्निसित उद्विस्यों से उच्त बन्तरण लिखित में बालसिक कम के करियस नहीं किया गया है के—

- (क) बन्धरण से हुई किसी भाव की बावत, अकत बीधनियम के बधीन कर देने के बन्धरक हैं शायित्व में कती करने या उत्तरे वचने में बृष्टिया है किए; बॉड/वा
- (क) ऐसी किसी नाम या किसी थन या नम्म नास्तिनों को जिन्हों भारतीय आयकर निधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त निधिनियम, या धन-कर निधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया बना का वा का का कराने में सुनिया के किस। वा वाना वाहिए था, किसने में सुनिया के किस।

बतः स्थः, उन्त अधिनियम का भारा 269-म से बन्धर्य त्रो, त्रो, यन्त अधिनियम की भारा 269-म को उपकारा (1) के अधीम, निम्नतिबित व्यक्तियों, अर्थात् अ—

- (1) श्री इन्दर सेन मारवाह,
 पुत्र श्री भाई० डो० मारवाह,
 निवासी 16-ए/16,
 डडस्यू० ई० ए० करौस बाग, नई दिरसी।
 (ग्रन्तरक)
- (2) भी के॰ एम॰ दुमा पुत्र स्व॰ श्री पी॰ एन॰ दुमा भीर श्रीमती मिनी दुमा पत्नी श्रीके॰ एम॰ दुमा, नियासी 8/49, श्रंगपुरा एक्सर्टेशन, नई दिस्सी।

(भग्तरिती)

को यह तुषना बारी करके पूर्वोक्त सम्मित्त के अर्जन के लिए कार्वपाहियां करता हुं।

कमत सम्परित को वर्जन को सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप :---

- (क) इत त्था के राजपण में प्रकाशन की तारीच वें 45 दिन की अविध मा तत्संबंधी ज्यावितयों पर ज्यान की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्छ व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (थ) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी बन्ध स्थावत द्वारा कथाहस्ताकरी के बाद सिवित में किए वा सकतें।

स्वक्षीकरणः — इतने प्रयुक्त सन्दों और पश्ची का, वां स्वक्ष विधिनियम, के बध्याय 20-क में परिशायित ही, वहीं वृथि होगा को स्वस क्ष्याय में दिया वृशा ही।

नर्त्या

प्लीट क्राप्ट पॉसन, इसरी मंजिल, प्री॰ नं॰ एन-188, पेटरफैनाध-1, नई दिल्ली, तादादी 300 वर्ग गण।

> मार० पी० राजेश सक्षम प्राधिकारी सहायक भायकर भायुक्त (निरीक्षण) भगैन रेंज-1, नई दिक्ली

तारीच : 30-9-1985

चक्त (सार्थ के की_{र स्}रम् : पूर्व हेन न प्र कर

बायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के बधीन बुचना

नारत सरकाड

कार्यालय, अहायक कामनार सामृक्ता (दिर्गानय) असर्वेन रेंग्रन्थ, नई क्रिस्मीः

नई दिल्ली, दिनौंक 30 सित्रम्बर 1985

िर्देश सं० आई० ए० सी० /एसपू०/ 1/एस० आरर०~3/ 2-85/691—-मतः मुझे, मार० पी० तालेश

बायकर बधिनियम, 1961 (1961 का 43) (विसे इसमें इसके पश्यात् 'जनत विभिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-व के अधीन सक्तम प्राधिकारी की यह विस्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति ,जिसका उचित वाचार मुक्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

मोर जिन्नकी सं ० प्लाट मं० 12-वी है तथा जी काटेगरी-2, भूग 'ए', कालिन्द्री कालीनी, नई चिल्ली में स्थित हैं (मीर इन्ने उपावन मनुष्या में भीरपूर्ण रूप से बणित है), रिजर्ट्री-कर्ता मधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में रिजस्ट्रीकरण मधिनरम, 1908 (1908 का 16) के मधीन, हारी ब फरवरी, 1985

को पूर्वोकत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्थ्यमान अतिफान के लिए जन्तरित की गई है और मुक्ते यह निक्वाध करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उपित बाजार मूल्य, उसके स्थ्यमान अतिफास से, एसे स्थ्यमान प्रतिफान का यन्द्रह प्रतिकात से अभिक है और जन्तरक (जन्तरकों) जोड़ कन्तरिती (जन्तरितियों) के बीच एसे जन्तरम से निम्म तब जनामा जया प्रतिफाक, रिनम्मीक्रिकित स्वकृष्टे से सकत जन्तरम विकास में सारतिक स्पार्त क्षित कही किया यहा है कन्न

- (क) अन्तरन ने हुई किसी वाय की वायतः, वयतः वीभिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक वी दायित्व में कमी करने या उससे वचने में हुई व्या के सिए; बॉर/या
- (क) एसी किसी आय या किसी अब या किसी आरितकों का, जिन्हों भारतीय जाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त जिन्सिन, का ज्वकार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तरिती द्वार प्रकट नहीं किया न्या-या किया-या किया-या किया-या किया-या किया-वा वाहिए था कियाने में सुविधा के विद्या:

नतः अत्र , शक्त वीभीनवन की पारा 269-म की बायाया है । बायाया की भारा 269-म की वपवार्य (1) क वभीन कि निग्निसिंक व्यक्तियाँ । व्यक्ति क्रांचिक विश्व क्रिक्ट (1)

(1) मैं क सतोश कुमार सूच एण्ड कस्पनी, ईरोज सिनेमा बिल्डिंग जंगपुरा एक्सटेंशन, नई दिल्ली, द्वारा पार्टनर श्री सतीथ कुमार सूच ।

(मन्तरक)

(2) श्री दलीय कुक्कू पुत्र श्री झाई० बी० कुक्कू, झार०—114, सेटर कैसाथ, नई बिस्सी।

(मन्तरिती)

को यह व्यवका बारी करके पूर्वोक्त संस्थित के वर्षन के जिद्र कार्यवाहियां करता।

क्ष्या सम्पन्ति के सुर्वात् के स्कृतका को कार्य थी नामीप उ---

- (क) इस सूचना के राजपन् में प्रकादन की तारीबा से 45 दिन की नविश्व मा तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पृष्ट सूचना की तामील से 30 दिन की बविध, को बी कविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्च व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- ्(ब) इंस स्वता के प्रवन्त में प्रकाशन की शारीब के 45 दिन के शीतर इक्स स्थानर सम्पत्ति में हिश्वबृध किसी बन्य स्पत्तित बूबाय अभोहस्ताक्षरी के पाव विवित्त में किए वा सुकेंगे।

स्वकाकिरण: इसमें प्रयुक्त सन्दाँ और पदौ का, वो उक्त अभिनियम के कथ्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं वर्ष होगा को इस कथ्याय में दिक्त क्या है।

ALC: Y

प्रो० बैरिंग प्लाट नं• 12-वी, नाटेगरी-2, वृष्प 'ए', कालिग्दी कालोनी, नई दिल्ली, हादाही 46.34 वर्ष मीटर।

> धार० पी० राजेश सक्षम प्राधिकारी सहायक सायकर सायुक्त (निरीक्षण) सर्जन रॅंज-1, नई दिस्की

शारीम : 3000-1985

प्ररूप आई. टी. एत. एस.:-----

बायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धाराः 269भ्य के बचीन स्वनाः

भारत सरकार

कार्यांतर, सहायक आग्रम्भर अंग्रज्जन (निरक्षिण) धर्जन रेज-I, नई ब्रिटकी

नई दिल्लो, दिनौंक 30 सिहम्बर 1985

निर्देश सं० प्राई० ए० सी०/एक्यू०/ 1/एस० प्रार०→3/ 2-85/692-ए---प्रतः सुझे, प्रार० पी० राजेस्, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके रक्षात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचिता बाजार मूच्य 1.,00-000/- रु. से अधिक हैं

भौर जिसकी संप्या भूमि शाधारी 2 वि.चे है श्या जो 10 विषये, ग्राम | विज्वासन, नई दिश्ली में स्थित है (गीर इससे उपावक धनुसूची में भीर पूर्ण रूप से विज्ञारी है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यात्म नई दिल्ली में भारताय रिजस्ट्रोकरण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन सारिक फरवरी—85

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजर मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृभ्ते यह विश्वास करते का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार ऐसे दश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से किथक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरक के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उच्छा अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया प्या है:---

- (कं) अन्तरण से हुई किसी आरः की बाबत, उक्त नियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूबिधा के किए; और/या
- (ब) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों की जिन्ही भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उच्चत अधिनियम, या अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-अन्तरिती ब्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना वाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः यसं, उक्त अधिनियमं की धारा 269-ग के अनुसरण भीं, भीं, उक्त की धाना 269-थ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निसिस्त व्यक्तियों, सर्धात्:— (1) मैं दिल्ली टावेर्ड. एएड इस्टेटर (प्रा०) चि० 115, मन्त्रस भवन, 16, कस्तुरबा गीधी मार्ग नद्वी दिल्ली

(ग्रन्तः रक)

(2) श्रीमती सुदेश वर्मा,
कुमारी ग्रानिसा वर्मा,
कुमारी सीतिया वर्मा,
सो/ग्री श्री जे० ग्री० महलीवा,
निवासी श्री०-2/12, व.न्स विहार,
नर्ष दिल्ली

(बर्:िर्दाः)

को यह सम्बन्ध जारी करके पूर्वोक्त राम्पत्ति के अर्जन के फिए कार्यशाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकारन की तारीक स 4. दिन की अवधि या तरहम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचन की तामील से 30 दिन को अवधि, जा भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृशेषत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 4.5 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पन्ति में हितवव्ध किसी उन्य व्यक्ति व्यारा, उशाहस्ताकरी के पास स्तिरास में किए जा सकींगे।

स्पर्धाकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्यार 20-क में परिभाषित हैं, वहां अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

नन्त्र्चीं

मृषि भूमि तादावी---2 निषे 10 निष्ये, रेक्ट नं०-45, खतरा मं०-18(1-08) 12 एन फ.स्ट एस्ड 19(1-02) ग्राम निजकासन, नई दिल्ली।

> भार० पीक राजेश सक्षम प्राधि ारी सहायक भागगर भागुक्त (िरोक्षण) अर्जन रेंज-1, नई दिल्ली

तारी**कः 30-9-**19785

मोहरः

प्रकप बाई. टी. एन. एत.-----

शायकर सभिनियम, 1961 (1961 का 43) की 269-च (1) के सभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यांसरः, सहायक बायकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज्र⊸I, नई दिल्ली

मई दिल्ली दिनांक 30 सितम्बर 1985

इसके प्रचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उपित बाजार मुक्य 1.,00,000/- रु. से अधिक है

भीर जिसकी संख्या प्रो० नं० भाई०--4/44 है तथा जो लाज:रत नगर, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाध्य धनुसूची में और पूर्ण हम से विणतः है), रजिस्ट्रीकर्ता धाववारी के कार्यालय नई दिल्ला में भारतीय रजिस्ट्री-करण प्रविनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन तारीख फरवरी--85

को प्यंक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफाय के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्योंकत सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का गंवह उतिगत से अधिक है और अंतरिक (अंतरकाँ) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बाज एसे अन्तरण के लिए तय पाया जया प्रतिफल निम्नलिकित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण सिवित के बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (कं) अन्तरण से हुई जिसी आय की बाबत, अक्त नियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व के कमी करने या उससे बचने में सूविधा के किए; बीर/या
- (क) एसी किसी आय या किसी भन या अन्य जास्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिसी ब्वारा प्रकट नहीं किया यया भा या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सूविधा के सिए;

नत: वन, उक्त मधिनियम की धारा 269-त के बन्सरक में में, उक्त विधिनियम की धारा 269-त की उपधारा (1) के बधीन, निम्मिनियन व्यक्तियों, मर्थात् :---

(1) श्री इशार धाउ, पुत्र श्री बिल्लू शाम डी० डी० ए० फ्लेंट मं• 31, निती बाग, नई दिल्ली

(मन्तरक)

(2) श्री भाजय कुमार पुत्र, श्री राज कुमार, 69, दिल्लो एडमिनिस्ट्रेसन फ्लेट, ग्रेटर कैलाश नई दिल्ली

(चन्तरिती)

को यह स्थान जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के नर्जन के लिए कार्यग्रहियां करता हु।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस मूचना के राजपत्र में प्रकारन की तारीक से 45 दिन की अविधि या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की हामील से 30 दिन की अविधि, यो भी अविधि बाद में समाप्त होता हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्वना के राअपत्र में प्रकाशन की तारी के से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबव्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधे हस्ताक्षरी की पास लिकित में किए जा सकेंगे।

स्पव्यक्तिरणः ---इसमी प्रयुक्त एथ्दा और पदी का, जो उक्त अधिरियमः, के अध्याय 20-क मी परिभाषित ही, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय मी दिया गया है।

मनुसूची

संरकारो बनी हुई प्रो० नं० माई०--4/44, ऑस्ड डबस स्टोरी साजरत नगर, नई दिल्ली

> घार० पी० राजेक सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजैन रेंज⊶1, नई दिल्ली

तारीब : 30--9-1985

शक्या बाहु । हर्रे पुन् पुन् । प्रकार

TOTAL SERVICE OF THE SECTION OF THE

बायकर विभिन्निय , 1961 (1981 का 43) की बारा 269-च (1) के सभीन स्वना

पाइत चडकार

कार्यातयः, सहायक बायकर बायक (निरीक्षण) प्रजंन रेंज∽1, नई विल्ली

मई दिल्ली, दिनांक 1 प्रक्तूबर 1985

निर्देश सं० म्राई० ए० सी०/एक्यू०/1/एस० मार०-3/ 2-85/694--- मत: मुझे, मार० पी० राजेश,

जायकर जिमित्यम. 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चाल् 'उक्त जिमित्यम' कहा गया है), की भारा 269-स के शधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विक्वास करने का क्षरूरण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाबार मृत्य 1,00,000/- रत. में अधिक हैं

और जिसकी संख्या प्रौ० नं० 4 ग्राई०/42 है तथा जो लाजपत मगर, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रश्चिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण प्रधि-नियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन तारीख फरवरी-1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उच्चित बाजार मृत्य से कम के जयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मभें, यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित भाजार मुस्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ए'से दृश्यमान प्रतिफल का वंद्रह प्रतिशत से मिथक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्सरितियों) के बीच एसे अन्तरण के निए तय पाया गया श्रीतफल, निम्नलिकित उद्देश्य **से उस्त अन्तरण जिल्हित** बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरन संसूर्य कियी भाव की बाबस्त, खब्रस विभिनियम के विभीन कर दोने औ वन्तरक के र।यित्य में कमी करने या उत्तरी नचने में सुनिधा में निए; नौर∕ना
- (थ) एसी किसी बाय या किसी धन वा अपन आस्तियाँ को, जिन्ही भारतीय वायकर विधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-रूर मरिपनियम, 1957 (1957 का 27) **फ**रे प्रथाधन में बन्तरिती दवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया वाना चाहिए था, छिपाने में सुनिधा के लिए;

जत° मध् उक्त अधिनियम की धारा 269-न के अन्सरज में, मंग, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपभाग (1) फे कभीत, निम्नलि**बित व्यक्तियाँ, वर्धात् :---**

50-316GI/85

(1) श्री इशार दास पुत्र, श्री बिल्लु राम, निवासी 31-डी॰ डी॰ ए॰ फ्लैट, निती बाग, नई दिल्ली

(धन्तरक)

(2) श्रीमती श्राशा देवी बेरी परती, श्री प्रार० कें बेरी निवासी 1195, सेक्टर 9 फरीदाबाद हरियाणा

(धन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हुः

उक्त सम्परित के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप :---

- (क) इस स्थाना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन की जबिथ या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जा भी वविभ बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रबंकि व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (च) इस स्थना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच व 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्य किसी बन्य व्यक्ति व्यारा अभोहस्ताक्षरी के पास निवित में किए आ सर्केंगे।

स्वव्यक्रियणः---इसमें प्रयुक्त सन्दर्गे मीर पद्यों का, जो उक्त जिमिनियम के जभ्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिवा नवा है।

नन्स्यो

सरकारी बनी हुई त्री० नं० 4-1/42, ओल्ड डबल स्टोरी, लाजनत नगर, नई दिल्ली

> भारः पी० राजेश सक्षम प्राधिकारी सहायक मायकर मायुक्त (निरीक्षण) मर्जन रेंंः, नई दिल्ली

तारीख: 1-10-1985

बुक्य नार्च । दी । एन । एसु । -----

बायफर अधिनियस, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अधीन सूचना

भारत तरकार

कार्यांसय, सहायक जायकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज-1, नई प्रदल्ली

मई दिल्ली, दिनांक 1 भक्तूबर 1985

् निर्देश सं० धाई० ए० सी०/एक्यू०/1/एस० धार०-3/ 2-85/695--धत: मुझे, धार० पी० राजेश,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पर्धात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह दिश्यास करने का कारण है कि स्थावर सम्मत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

भौर जिसकी संख्या प्रौ॰ नं॰ ई॰-266 है तथा जो ग्रेटर कैलाग, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रविकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिनयम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन तारीख फरवरी

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पंद्रह प्रतिवात से अधिक है

और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एंसे अंतरक के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखिट इक्षेप से उथत अन्तरच जिलित में बास्तिविक रूप से कथित हों किया गया है:---

- (क) बन्तरथ वं हुई किसी आय की बाबत, उक्त बीभनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के सिए; बीर/या
- (क) एसी किसी बाम वा किसी धन या जन्य जास्तियों का, जिन्हों भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या जक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, वा धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना वाहिए था, छिपाने में स्विधा के सिष्;

अर्थ: अथ, उक्त अभिनियम की भारा 269-ग के अन्सरण मैं, मैं, उक्त अभिनियम की भारा 269-घ की उपभारा (1) कै अभीन, निम्मीसिक्त अधिकती अभीत् :-

- (1) मं ग्रमरजीत सिंह जौहर एन अम्पनी सी०→139 डिफैंस कालोनी, नई दिल्ली, द्वारा सोल प्रो० ग्रमरजीत सिंह जौहर, (ग्रन्तरक)
- (2) श्रीमती निक्की देवी पश्नी स्व० श्री रामानन्द, निवासी ए-2/3, राना प्रतःप बाग, दिल्सी,

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पात्त के अजन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उनत संपत्ति के वर्णन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्स अविकतमों में से किसी स्थिकत द्वारा;
- (क) इस त्यना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी बन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिकित में निस् जा सकोंगे।

स्वाक्रीकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया वया है।

नन्स्ची

वूसरी मंजिल प्री० नं० ई०-266, ग्रेटर कैलाश-1, नई दिल्ली।

> भारः पीः राजेश सक्षम प्राधिकारी सहायक भायकर भायक्त (निरीक्षण) प्रजैन रेंज- 1, नई दिल्ली

तारीब: 1-10-1985

ब्रह्म बाडें टी. एन. एस.-----

नामनर निपित्यम, 1961 (1961 का 43) की धाक 269-म (1) के स्थीत स्थता

मार्थ राज्याच

कार्यासय, सहावक आवकर बाब्स्क (निरक्षिण) गर्जन रेंज-1, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 30 सितम्बर 1985

निर्देश सं० घाई० ए० सी०/एक्यू०/1/एस०-घार०→3/
2→85/695-ए, घतः मुझे, ग्रार० पी० राजेश,
बावकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (चित्र इंडर्म इंडर्म प्रथात् 'उक्त अधिनियम' कहा नदा हैं), की धारा
269-च के बधीन सक्तम प्राधिकारी की यह विश्वात करने का कारण हैं कि स्वावर सम्पत्ति, जिसका उच्चित बाजार जुल्ब 1,00,000/-रा. से अधिक हैं

और जिसकी सं० भूमि तावादी-2 बीघे, 10 विश्वे, है तथा जो ग्राम-बिजबासन नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्राधिकरी के कार्यालय, नई दिल्ली में रिजस्ट्रीकरण भारतीय ग्राधिनयम, 1908 (1908 का 16) के भ्रधीन तारीख फरवरी→85

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के क्रयकान मितफल के लिए बन्तरित की गई है और मुक्ते यह विकास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाकार बूक्य, उसके क्रवमान प्रतिफल से, एसे क्रयमान प्रविक्रस का बंबह प्रतिकात से बिभक है और बंतरक (बंतरकों) और बंतरिकों (अन्ति रितियों) के बीच एसे बन्तरण के लिए तब पावा क्या किरुस, निम्नसिक्त उक्ष्यका से उक्त बन्तरण सिक्ति में बास्तिक क्य से क्षिक महीं किया नवा है :---

- (क) करवरण ते हुई किसी बाव की बावक, उक्क वरिपनियम के वणीन कर दोने के बण्यरक के दाविस्य में कवी करने या उबसे वचने में दुविका वी सिद्ध; बीड़/मा
- (य) ऐसी किसी बाय वा किसी धन वा अन्य वास्तिओं का, जिन्हें भारतीय आयकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनाथ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया बाना चाहिए था कियाने में सविधा के सिए;

बद: बब, उक्त विभिनियम की भाष 269-ग के कनुसरण कों, में, उक्त विभिनियम की भारा 269-व की त्वधारा (1) के वर्धन, निम्नसिवित व्यक्तियों, वर्धात ह—- (1) मैं० दिल्ली टार्बरस एन्ड इस्टेट (प्रा०) लिं० 115, प्रन्सल भवन, 16, कस्तुरबा गांघो मार्ग, नई दिल्लो,

(मन्तरक)

(2) श्रीमती सुदेश वर्मा,
कुमारी ग्रनिता वर्मा,
कुमारी सोनिया धर्मा,
पुत्ती श्री जे० बी० महलौता,
निवासी बी-2/12, वसन्त विहार,
नई दिल्ली,

(मन्तरिती)

को यह सूचना वारी करके प्यांक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यनाहियां करता हुए।

बक्तः सम्बन्धि के बर्जन के संबंध में कोई भी बाक्षंप ---

- (क) इस स्वान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब के 45 दिन की अविध मा तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पद क्वाना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी बनीध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवेक्ति व्यक्तियों में ने किसी व्यक्ति द्वारा.
- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकासन की तारीच से 45 वित्र के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- कह्म किसी मन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास निवित्त में किए जा सकेंगे।

स्पच्छिकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त जिथिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होना, जो उस अध्याय में दिया गया है।

कृषि भूमि तादादी 2 बीघे, 10 बिषवे रेक्टगंलु नं०-45, कीला नं०-13 (2-10) ग्राम-बिजवासन नई दिल्ली,

> भार० पी० राजेश सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) भर्जन रेज-1, नई दिस्सी

तारीख: 30-9-85

प्ररूप आर्घ.टी.एन.एस.-----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-प (1) के अभीन स्पना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर बाय्क्त (निरक्षिण) मर्जन रेंज़→1, नई दिल्ली नई दिल्ली, दिनौंक 30 सितम्बर 1985 निदेश सं आई० ए० सी०/एक्यू०/1/एस० भार०-3/ 2-85/696--अत: मुझे, आर० पी० राजेग,

बायकर विभिनिधम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें थरचात् 'उदश अधिनियम' कहा गया है"), की भारा 269-ख के नभीन शक्षम प्राधिकारी कां, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मृत्य

1,00,000/- रतः से मिथक ही

भौर जिलको संख्या प्रो० नं० एम०-29 है क्या जो ग्रेटर कैल।श-2, नई दिल्लो से स्थित है मीर इससे उपावस भनुसूची में भीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रोक्षर्ता प्रधि-कारी के कार्यालय, नई दिल्लो में भारतीय रजिस्दीकरण पश्चितियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधान, तारीख फरवरीं−85

को पूर्वोच्छ सम्परित के उचित बाजार मृत्य से कम के रायमान प्रतिपाल को लिए वंतरित की गई है और मुझा यह विश्वास करने का कारण है कि। यभाप्येक्ति संपत्ति का उचित बाजार बुस्य, उपके रूपमान प्रतिफल से, एसे रूपमान प्रतिफल का बन्द्रह प्रिकात से अधिक है और अन्तरक (बन्तरकों) और बन्त-रिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निलिखित उद्देदिय से उस्त अन्तरण निष्कित में अगस्तविक रूप से कथित नहीं किया गया ह^क :----

- (क) अंतरण से हुइ किसी आय की शबत, अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सविधा के लिए: वरि/या
- (क) ए'सी किसी जाय या किसी धन या अन्य वास्तियाँ को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का के प्रयोजनार्थ अन्तरिती बुबारा प्रकट नहीं गया था या किया जाना जाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

बतः बब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-भ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निजिक्ति व्यक्तियों, अर्थात :---

- (1) श्रीमती रमन मानस्य पत्नी, थीं भरोक कानन्व निवासी डी०-289, डिफेंस कालोनी, नई दिल्ली. द्वारा घटारनी श्री एम० घार० सहगल, (मन्दरक)
- (2) श्री धरन श्री० रनका पूत्र, श्री भनवर लाल रनका, निवासी बी०-21, पंचशिला इनक्लेव, मद्री दिल्ली। (भन्तरिती)

को यह स्वना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के सिए कार्यवाहियां करता हां।

जनत सम्पत्ति के नजीन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजफन में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की वविध या तत्संबंधी व्यक्तियाँ स्चनाकी तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी जनिव जाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्ड व्यक्तियों में से किसी स्पन्ति हुनारा;
- (व) इस स्वता के राज्यम में प्रकाशन की शादीब से 45 विन को भौतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिल-बबुध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, वधोहस्ताक्षरी के पास सिविद में किए का सकेंगे।

स्पद्धक्रिकरणः — इसमें प्रयुक्त सब्दों और पदों का जो सब्द विभिनियम, के बध्याय 20-क में यथा परिभा-षित है, वही वर्ष होगा जो उस वध्याय औ विया गया ह**ै**।

नपूर्व

पहली मंजिल, प्रो० मं० एम०-29, साम्राद्वी 1500 वर्ग फीट, ग्रेटर कैलाश-2, नई दिल्ली।

> भार० पी० राजेश सक्षम प्राधिकारी सहायक धायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) पर्जन रेंज-1, नई दिल्ली

वारीचः ३०-७-85 मोहर :

शक्य. नारं . दी . एरं . एस . ----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सुबना भारत सरकार

कार्यासय, सहायक बायकर मायुक्त (निरीक्षण) धर्जन रेंज-1, नई दिल्ली

नई दिल्ला, दिनौक 1 अक्तूबर 1985 निर्देश सं० श्राई० ए० सो०/एक्यू०/1/एस० भार०-3/

2-85/697—मात: मुझे, म्रार० पीं० राजेश, बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसमें इसमें दियात् 'उन्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, पिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

भीर जिसकी संख्या फ्लैटनं० 3/पार्ट प्रा० नं० एस०-457 है तथा जो ग्रेटर कैलाया, नई दिल्ली में स्थित है (भीर इससे उपावक भ्रमुस्चा में भीर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ती प्रविकारों के कार्यालय, नई दिल्ली में भारताय रिजस्ट्रीकरण श्रीधिनियम, 1908 (1908 का 16) के मधीन तारीख फरवरी-85

की पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित नामार मून्य से कम के धर्यमान वितिक्त के लिए अन्तरित की गर्व है और मूम्में यह विश्वास करने का कारण है कि यथ पूर्वोक्त संपत्ति का उचित नामार मून्य उसके रश्यमान प्रतिकास से एसे श्रथमान प्रतिकास का पंद्रह प्रतिशत से लिएक हैं और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के नीच एसे अन्तरण के लिए तय काया गया प्रतिकास, निम्निसित उद्देषय से उसत अन्तरण निचित में वास्तिक रूप से किश्त नहीं किया गया हैं—

दायित्य में कभी करने या उससे वचने में स्विधा के लिए; बीर/या

- (क) अन्तरण संहुई किसी आय की बाबत, उक्त अभिनियम को अभीन कर दोने के अन्तरक के
- (ण) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य बाहितयां को जिन्हों भारतीय आयकर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना जाहिए था, कियाने में सुविधा के सिग्र;

कतः सब उक्त अधिनियम की धारा 269-न के बनुसरक में, में., उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, विस्तिचित स्पृतिस्ति।, अधीत :---- (1) श्री प्रवेध कुमार क्षमाड़ पुत्न, श्री हरी राम क्षमाड़ निवासी ईं०→603, ग्रेटर कैलाग-2 नई दिल्ली।

(मन्तरक)

(2) श्री रुप चन्द बहुल पुत, स्व० श्री घानी चन्द बहुल पीर, श्री विकम बहुल पुत, स्व० तारा चन्द बहुल, निवासी एस०-457, ग्रेटर कैलाग-2

(भन्तरितो)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अवंग के लिए कार्यकाह्यां करता हुं।

जनत संपत्ति के नर्जन के संबंध में कोई भी वाक्षेप :---

- (क) इस स्वान के राजपत्र में प्रकाशन की धारीक से 45 दिन की सवित या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्वान की तामील से 30 दिन की वविध, वो भी सविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा
- (चं) इस स्थना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस है 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-सद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास निस्ति में किए था सकेंगे।

स्यव्यक्तिरणः — इसमें प्रयुक्त सम्यों और वया का, जो उन्स अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया वया हैं।

अनुत्वी

प्लैट नं० 3, पार्ट भाष प्रो० नं० एस०-457 ग्रेटर कैसाय-2, नई जिल्लो।

> भार० पी० राजेश सक्षम प्राधिकारी सहायक भायकर भायुक्त (निरोक्षण) भर्जन रेंज→2, नई दिल्ली

सारीख: 1-10-85

मोद्धर:

प्ररूप बाई. टी. एस. एस. न्यान

नायकर मिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के सधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यास्य , सहायक बायकर वायक्त (निर्देशक)

मजेंन रेंज-1, नई दिल्ली नई दिल्ली, दिनौंक 30 सितम्बर 1985

निदेश सं० श्राई० ए० सी०/एक्यू०/1/एस० श्रार०-3/ 2-85/698--- ग्रत: मुझे, भार० पी० राजेश,

नायकर विभिनियम, 1961 (1961 का 43) (विश्व दस्ते इसके पक्ष्यात् 'उक्त मिनियम' कहा गया है'), की भारा 269-व के अभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विस्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मुख्य 1,00,000/- रा. से अभिक **ह**ै

मौर जिसकी संख्या युनिट नं० सी, प्रो० नं० एस०-168 है तथा जो ग्रेटर कैलाफ-2, नई दिल्ली में स्थित है (भीर इससे उपाबदा भनुसूची में भीर पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्टीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रजिस्दीकरण मधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख फरवरी-85

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के ध्रयमान प्रतिएजन के लिए नंतरित की गई है और मुक्ते यह निक्वास करने करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्पत्ति का उचित बाबार मुख्य, उसके बस्यमान प्रतिफाल से, ऐसे दस्यमान प्रतिफाल का पन्पक्ष प्रतिकात से अधिक हैं और अन्तरक (जन्तरकाँ) बीख अन्तरिती (अंतरितियाँ) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिकास, निम्निसिसिस उत्देश्य से जनत नन्तरण लिकित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) नंतरच से हुई किसी नाय की बाबत, उक्त मधिनियंत्र के मधीन कर दोने के जन्तरक की वायित्व में कमी करने या इससे बचने में सुविधा के प्रिए; और/वा
- (क्र) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य जास्तियों को, जिन्हें भारतीय गायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ संतरिती चुनारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना जाहिए था, कियाने में सुविधा के लिए:

ंबतः वयं,∴उक्त विभिनियमं की भारा 269-नंके बन्सरक् में. मं, उक्त अभिनियम की भारा 269-म की उपभारा (1) के अभीत, निम्नलिकित व्यक्तियों, वर्षात् ५---

(1) श्री सुदर्शन प्रग्रवाल पुत्र, भी मानक चन्द निवासी ६०-467 ग्रेटर फैलाय-2, नर्फ दिल्ली।

(मन्तरक)

(2) कुमारी शकुन्तला वेवी सुप्रती, श्री सी० वी० एस० राजा राव, कुमारी धनुषमा बैनर्जी, (माइनर) निवासी-21, रजत भवाटेंसेंट, माउन्ट पसन्ट रोइ, बोम्बे।

(मन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्तः सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हो।

उक्त सम्पत्ति के बर्चन के संबंध में कोई भी नामेप ह---

- (क) इस स्वता के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्ट स्यक्तियों में से किसी स्यक्ति दवाय:
- (बा) इस सचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबव्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा वधोहस्ताक्षरी के पास तिषित में किए जा सकेंगी।

स्वध्यक्तिरमः--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्यों का, यो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा को उस अध्याय में विधा गया है।

वन्त्वी

युनिट नं० 'सी' बरसाती फ्लोर झाफ प्रो० नं० एस०-168, ग्रेटर कैलाग्र-2, नई विल्ली।

> मार० पी० राजेश सक्षम प्राधिकारी महायक भायकर मायुक्त (निरीक्षण) घर्जन रेंज-1, मई दिल्ली

तारीच: 30-9-85

प्रकृत वार्ष .डी. पुन , प्रच . ------------

मणकर विभिन्यम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के अधीन सूचना

भारत संस्कार

कार्याशय, सहायक कायकर आयुक्त (निरक्षिक)

प्रजंन रेंज-1, नई दिल्ली नई दिल्ली, दिनौक 30 सितम्बर 1985 निवध सं० ग्राई० ए० सी०/एक्यू०/1/एस० ग्रार०-3/ 2-85/698-ए---भ्रतः मुझे, ग्रार० पी० राजेश,

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसमें पश्चात् 'उनत अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ज के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह निश्नास करने का कारण है कि स्थानर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार बुक्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

मीर जिसकी संख्या कृषि मूमि तादादी - 2 बीघे है तथा जो 12 बिश्वे ग्राम बिजवासन, नई दिल्ली में स्थित है (ग्रीर इसमें उपावदा श्रनुसूची में भीर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रिजस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के भधीन तारीख फरवरी - 85

का प्रॉक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृज्य से कम से क्षत्रमाय प्रतिफल के लिए संतरित की गई है और मुझे बहु विस्थात करने का कारण है कि स्थाप्वॉक्त सम्पत्ति का उचित बाजार सृज्य, उसके क्ष्यमान प्रतिफल से, एसे क्ष्यमान प्रतिफल का बल्ह प्रतिकात से निषक है और नंतरक (बंतरकों) और संतरिती (बंतरितियों) के बीच एसे संशरण के लिए तय पाया प्रति-कच निम्निविधित उद्घेष्ण से उच्य बंतरण विधित में बास्तिक कम से करियत वहीं किया वया है ---

- (क) अन्तरण संहुदं किसी नाव की वावत, अक्त अभिनियत के अभीत कर दोने के अन्तरक के वायित्य में कमी करने या उससे बलने में सुनिधा के सिए; और/वा
- (च) ऐसी किसी नाय या किसी धन या अन्य जास्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रशोजनार्थ अन्तिरती व्वारा प्रकट महीं किया गवा धा या किया चाना चाहिए था, कियाने में सुविधा के सिए;

अतः जन, उन्त निर्माणना की भारा 269-व के जनुसरण में, में, उन्त अभिनियम की भारा 269-व की उपभारा (1) को जभीत् निर्माणिका व्यक्तिकों, अभीत् हल्ल (1) मैं दिल्ली टार्बरस एन्ड इस्टेट (प्रा॰) लि॰, 115, मन्सल भवन, 16, कस्तुरबा गौधी मार्ग, नई दिल्ली।

(घन्तरक)

(2) मैं० मार० के० व्यक्ता एन्ड सन्स,
 नी० 7/3, माशफ मिल रोड़,
 नई दिल्ली।

(मन्तरिती)

को यह सूचमा जारी कारके पूर्वोक्त सम्पृत्ति के वर्जन के सिए कार्यनाहियां करता हो।

उक्त कम्परित के वर्षन के संबंध में कोई भी बाक्षोप :---

- (क) इस सुणका के राजपत्र में प्रकाशन की तारीश सं 45 दिन की अविधिया तत्संबंधी व्यक्तियों पर सुणना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्ट व्यक्तियों में किसी व्यक्ति व्यारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी क से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध भिक्ती अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास विकास में किए जा सकोंगे।

स्वव्यक्तिरणः---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ हात्रेगा जो उस अध्याय में दिया पया है।

पनसर्ची

कृषि भूमि ताथाद्री-2 बीषे 12 बिश्वे, रेक्टेगंल नं० 77, खसरा नं० 12 ए म (1-0) कामी नं० 175 धम (1-12) ग्राम-बिजवासन, मई दिल्ली

> भार० पी० राजेश सक्षम प्राधिकारी सहायक भायकर भायुक्त (निरीक्षण) भर्जन रेंज-1, नई दिल्ली

तारीख: 30-9-85

प्रकृत बाह् , द्वी., एत , एक ,-----

बायक अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की बाद्धा 269-व (1) के बधीन सुचना

भारत चर्कार

कार्यालय, सहायक बायकर वाय्क्त (निरीक्षण)

पर्जन रेंज⊶1, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनौरु 1 प्रस्तुबर 1985

निर्वेषा सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/1/एस० आर०-3/2-85/699---अतः मुझे, आर० पी० राजेषी, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-स थे अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विद्यास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृख्य 1,00,000/- रह. से अधिक हैं

भीर जिनकी संख्या ए-श्राई/36, लाजपत नगर, नई दिल्लों है तथा जो नई दिल्लों से स्थित है श्रीर इससे उपाबक्ष भानुपूर्वा में श्रीर पूर्ण का से बॉगत है), रिजस्ट्रीकर्ता मधि-कारों के कार्यालय नई दिल्लों में भारतीय रिजस्ट्रीकरण भूमिवियम, 1908 (1908 का 16) के मधीन, सारीख फरवरों—85

को पृश्वेंक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के इत्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास कररे का कारण है कि यथाप्वोंक्त संपत्ति का उचित बाजार पृत्य उसके इत्यमान प्रतिफल से, एसे इत्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए त्य पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है है—

- (क) बन्तरण वे सुद्द किसी भाग की बावत, अक्त अधिनियम के सभीन कर दोने के बन्तरल के बागित्व में कभी करने या उससे वचने में सुविधा के लिए; बीड/वा
- (भ) एसी किसी जाय या किसी भन या जन्य जास्तियों का, जिन्हों भारतीय आयकर किंभिनयम, 19?2 (1922 का 11) या उसत अभिनियम, या भनकर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना जाहिए था, स्थिपाने से न्यां की निए;

जतः जबः, उक्तः विधिनियमं की भारा 269-ग के अनुसरण कों, मीं, उशक्त विधिनियमं की भारा 269-घ की उपभारा (1) इं बभीन नित्तिलिखित, व्यक्तियों, व्यक्ति ह——

- (1) श्री सुरिन्धर कुमार पन्धी पुन्न, श्री धिवा धात, 4, नार्थ एन्ड रोड़, घलिपुर रोड़, दिल्ली। (मन्तरक)
- (2) श्रीमती नीलम कटारिया, परनी श्री एस० के० कटारिया, निवासी 2 एल। 87, लाजपत नगर, नई दिल्ली

(मन्तरिती)

की यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्मति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुए ।

उक्त सम्पत्ति की अर्जन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस स्थान के राजएन में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की सविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की सविध, जो भी अविध शब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (च) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतार उकत स्थावर सम्पत्ति में हित- बहुभ किसी अन्य स्थावत द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास निर्मालत में किए के सकता ।

स्पद्धीकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो जक्त अभिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, दही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया क्या है ।

बनुसूकी

ए-1/36, लाजपत नगर, नई दिल्ली सादावी-100 वर्ग गज।

> भार० पी० राजेश सक्तम प्राविकारी सहावक भावकर भायुक्त (तिरीक्षण) भाजैत रेंज-1, मई दिल्ली

सारीख: 1-10-85

प्ररूप बार्च.टी.एन.एस. -----

बायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 4J) की भारा 269-च (1) के बधीन स्थना

भारत तरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आवक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज-1, नई दिल्ली नई दिल्ली, दिनांक 1 श्रक्तूबर 1985 निर्देश संख्या श्राई० ए० सी०/एक्यू०/1/एस० श्रार०-3/ 2-85/700---श्रन: मुझे, श्रार० पी० राजेश,

भावकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धास 269 व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाज़ार मूल्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

ग्रीर जिसकी संख्या प्लाट नं० 10/23 है तथा जो कालकाजी, नई दिल्ली में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप मे विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन तारीख फरवरी 85

को प्वाँक्त संपत्ति के उचित बाजार मृस्य से कम के दश्यमान प्रतिकल के लिए अंतरित की गईं और मुफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्योंकन मणीन को उपचन काजान मृत्य, उसके द्रियमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पत्यक्ष प्रतिसत से अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरक के लिए तब पावा ववा प्रतिफल, निम्निलिखित उद्बदेश्य से उन्तर अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया हैं:—

- (क) अंतरण से हुई किसी जाय की बाबत, उक्त अधि-विभिनिष्म को अधीन कर दोन के अन्तरक के दावित्य वो कभी करने या उससे बचने यो मृजिधा के िन्छ, वॉर/वा
- (क) एसी किसी जाय या किसी धन या अन्य आसितकों को, जिन्हों भारतीय आय-कार निधिनसम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनफर विधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था वा किया जाना चाहिए था, कियाने में स्विधा औ निए।

बक्त बब्द, उक्त अधिनियम की धारा 269-स के बनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-स की उपधारा (1) के अधीन, निम्नित्सित व्यक्तियों, अर्थात् :—

51--316G1/85

(1) श्रीमती हरबन्श कौर पत्नी, श्री दयाल सिंह, 10/23 ए, कालकाजी एक्सटेंशन, नई दिल्ली

(ग्रन्थरक)

(2) श्री सुरिन्दर कुमार गुप्ता पुत्र,
श्री प्रेम चन्द्र गुप्ता,
श्रीमती उमिल पत्नी,
श्री रिवन्दर कुमार ग्रीर,
श्रीमती किरन वती पत्नी,
श्री प्रेम गुप्ता
निवासी—57, गली राजा केदार नाथ,
चावड़ी बाजार, दिल्ली

(भ्रन्तरिती)

को बहु सूचना बारी करके पूर्वोक्त सम्पर्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

जक्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षोप :---

- (क) इस सूचना को राजपूत्र में प्रकाशन की तारीं कर्स 45 दिन की अधिभ या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अधिभ, आ भी अब्धि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पर्वाक्ष व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वार:
- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की सारीच सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में दितवद्य किसी जन्म व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पाव सिस्ति में किए जा सकोंगे।

स्पष्टिकरण: ---इसमें प्रयूक्त शब्दों और पदों का, जो जक्त विधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बहूरी अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गवा है।

श्रनुसूची

प्लाट नं० 10/23, तादाद्री 200 वर्ग गज, कालकाजी एक्सटेंशन, तर्ष्ट दिल्ली

ग्रार० पी० राजेश नक्षम प्राधिकारी सहायक स्रायकर स्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजन रेंज-1, नई, दिस्की

तारीख: 1-10-85

प्रकथ बार्ड, टी. एन. एस.-----

आयकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भार 269-च (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कायां तय, सहायक आधकर आयुक्त (निरक्षिण) श्रार्जेन रेंज-1, नई दिल्ली नई दिल्लों, दिनाँक 1 अन्तूबर 1985

निर्देश: सं० ग्राई० ए० सी०/एसयू०/1/एस० ग्रार०-3/ 2-85/701---श्रत: मृझे, श्रार० पी० राजेश,

शायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अभिनियम' कहा गया है), की भारा 269-स के अभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

और जिसकी संव प्रोंव नंव एसवन्न 118 है तथा जो ग्रेटर कलाश, नई दिल्ली में स्थित हैं (और इसमे उपाबख अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ती अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनयम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख फरवरी—85

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के क्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि सथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उमके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्सरका) और अन्सरिती (अन्तरितिया) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिकित में गम्तिवन हम में किया गया है :---

- (क) बन्तरण स हुइ' किसी बाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कथ दोने के अन्तरक के बागित्व मा कमी करन या उसमें बलते में स्विधा के लिए; और/या
- (क) एसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हीं भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रदाजनार्थ असी स्ति साम किया चाना चाहिए जा, जियाने में सुविधा के लिए;

बतः बाब, उत्तर अधिनियम, की धारा 269-ग के अन्सरण में, में, उक्षत अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के कभीत, निम्तिविकान व्यक्तियों, अर्थात् :—

- (1) श्रो देव दत्त शर्मा, पुत्र स्व० श्री द्रौलत राम, निवासी ए-6, रिंग रोड़, पहली मंजिल, एन०-डी०-एस०-ई० पार्ट-1, नई दिल्ली (शन्तर-
- (2) श्रीमती साथी ए० मन्गहानी पत्नी, श्री ग्रशोक एस० मन्गहानी, निवामी ई०-376, ग्रेटर कैलाश-2, नई दिल्ली

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्षन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के बर्जन के संबंध में कोई भी बाक्षेप :---

- (क) इस स्वान के राजपत्र में प्रकाशन की तारी का से 45 विन की जबीध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वान की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति स्थारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में कियो जा सकने।

स्वव्यक्तिरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20 क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विका भया है।

अनुसूची

लोषर ग्राउंड फ्लोर (बेसमेन्ट) प्रौ० नं० एस०~118, ग्रेटर कैलाश→2, नई दिल्ली, तादादी 300 वर्ग गज।

> ग्रार० पी० राजेश सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-1, नई दिल्ली

तारीख: 1~10-85

प्रकृष आहे. टी. एन. एस्.-----

जासकर अधिनिसम, 1961 (1961 क्य 43) की धारा 269-च (1) के अभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालयः, तहायक जायकर जायुक्त (निरोक्तण)

प्रजीन रेंज-1, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनाँक 1 ग्रन्सूबर 1985

निर्देश सं० प्राई० ए० सी०/एक्यू०/ 1/एस० प्रार०-3/

2-85/702--श्रत: मुझे, श्राट० पी० राजेश, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसमें पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिस्का उचित बाजार मूल्य 1.,00,000/- रा. से अधिक है

भौर जिसकी संख्धा पलैट नं० 1, प्रो० नं० एस०-455 है तथा जो ग्रेटर कैलाग-2, नई दिल्ली में स्थित है (भौर इससे उपायढ़ धनुसूची में भौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रोकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रोकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का

16) वे अधीन, तारीख फरवरी—85
को पूर्योक्स सम्पत्ति के उचित बाबार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित, की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्स सम्पत्ति का उचित बाजार मूक्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे स्थ्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच। एसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल निम्निकित उद्देष्ट्य से उक्त अन्तरण लिखित में

क्ल्स्तिक रूप से कथित नहीं किया ग्या है:---

और/या

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत, उक्त नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के शायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
- (व) एती किसी जाव या किसी भन या जन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय जायकर जीनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्स अभिनियम, या धनकर अभिनियम, या धनकर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए था, कियाने में सुविभा के लिए;

जतः स्व, उन्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नीनीवत व्यक्तियों, नर्मात् :--- (1) श्री श्रहन मित्तल पुत्र, श्री वी० बी० मित्तल, निवासी ई०-18, ग्रेटर कैलाश-2, नई दिल्ली

(श्रन्तरक)

(2) श्री राम लाल सुद पुत्र, स्व० श्री गोपी राम सुद, निवासी एम०-458, ग्रेटर कैलाश-2, नई दिल्ली

(भ्रन्तरिती)

को ग्रह सूचना जारी अरके पृत्रोंक्त सम्पत्ति के अर्जन के छिण कार्यवाहियां करता हो।

जक्त सम्पत्ति के अजन ये सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होता हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में में किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिस**बक्ध** किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधे हस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:---इसमी प्रयासत इन्दीं और पदों का, जो उक्स अधिनियज्ञ. के अध्याय 20-क मी परिभावित हीं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में निया गया ही।

प्रमुक्त

पार्ट ग्राफ प्रो० नं० एत०~458, ग्रेटर कैनाशा-1, नई दिल्ली तादादी 50 वर्ग गज।

> भ्रार० पी० राजेश सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-1, नर्ष दिल्ली

तारी**ख**: 1-10-85

प्ररूप नाई. टी. इन. एड.-----

भायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अभीन स्वना

नारत वरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीकाण)

प्रजीन रेंज-1, नई दिल्ली नई दल्ली, दिनाँक 1 प्रक्तूबर 1985 निदेश सं० प्राई० ए० सी०/एक्यू/1/एस० प्रार०-3/ 2-85/703--प्रतः मुझे प्रार० पी० राजेश आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (विसं दसमें इसके प्रचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धाए 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारों को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूक्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

ग्रीर जिनकी सं० फ्लेट नं० 5, प्रो० नं० एस-457 है तथा जो ग्रीटर कैलाश-2 नई दिल्ली में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणित है) रिजस्ट्रीकर्ता ग्रीधिकारी के कार्यालय ग्रार्जन रेंज-1 नई दिल्ली में रिजस्ट्रीकरण ग्रीध-नियम 1908 (1908 का 16) के ग्राधीन तारीख फरवरी 1985

को पूर्वेक्स सम्पर्तित के उपित बाजार मूल्य से कन के स्वमान श्रीतफल के लिए अन्तर्गरत की गई है और मुक्ते यह विक्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्सि सपात्त का उपित बाजार मूल्य उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे सश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंसरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के सिए तय किया गया प्रतिफल, निम्निवित उक्षेत्र से उक्स अंतरण किवान में बास्तिक स्प से स्थित नहीं किया पना है :--

- (क) बन्तरण सं क्ष्म किसी बाब की वावत , जनत विभिन्नियम के वभीन कर दोने के जन्तरक के शायित्व में क्रमी करने या उससे वचने में सुविभा के चिए; वरि/शा
- (च) ऐसी किसी बाय या किसी भन या बत्य वास्तियों को चिन्हें भारतीय वायकार विभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उच्त विभिनियम, वा भद-कर विभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के सिए।

बतः वयः, उक्त विधिनियमं की धारा 269-ग के बनुबरण के, कें, उक्त विधिनयमं की धारा 269-ण की उपधारा (1) के बधीन निम्नितिश्व व्यक्तियों, वर्षात् रू-- (1) प्रवेश कुमार कनकड़ पुत्र श्री हरी राम कनकड़. नियासी-ई-603, पैटर कैलाश-2, नई दिल्ली।

(म्रन्तरक)

(2) घनश्याम दास, पुत्र शोभा राम और
हर्ष वारधान पुत्र श्री गनेश दास,
निवासी-18, मीर्या वाली कालोनी, गुडगाँव,
(हरियाना)

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचला जारी करके पूर्वीक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हो।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के संबंध में कोड़ भी वाक्षप :---

- (क) इत स्थान के राजधन में प्रकाशन की तारी वं 45 दिन की जबिध या तत्संबंधी व्यक्तिमाँ पर स्थान की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी बविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स स्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इवारा;
- (क) इब सूचना वे हाब्यून में मुक्तबन की तारीय वे 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरेंगे।

स्पष्टिकरण:----इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्क अधिनियम, के अध्याय 20-क में परि-भाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याव में दिया गया है।

मन्स्ची

प्लेट नं० 5, पार्ट म्राफ प्रो० नं० एस० 457, तादादी 870 वर्ग फीट, ग्रैटर कैलाम-2, नई दिल्ली, टोटल एरिया वर्ग वर्ग गज

धार०पी० राजेश सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर स्रायुक्त (निरीक्षण) सर्जनरेंज−1,नईदिल्ली

दिनौंक : 1-10-1985

मोहरः

जावकर जीधीनयम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के जधीन स्चान

नाहत बहुकत

कार्यालय, सहायक वायकर वाय्क्त (निरीक्तन)

श्रर्जन रेंज-1, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनाँक 1 अक्तूबर 1985

निदेश सं० भ्राई० ए० सी०/एनयू/1/एम० भ्रार०-3/2-85—मृतः मुझे भ्राई० पो० राजेश आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रुपये विश्वक हैं

भौर जिसकी सं० प्लाट नं० ई-529 है तथा जो ग्रैटर कैलाश-2, नई दिल्लो में स्थित है (भौर इससे उपाबद्ध प्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से विणित है) रिजस्ट्रीकर्ती ग्रिधिकारी के कार्यालय नई दिल्ली में रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम 1980 (1908 का 16) के ग्रिधीन नारीख फरवरी 1985

को पूर्वोक्त सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के स्वयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपर्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दरममान प्रतिफल से, एसे स्वयमान प्रतिफल का पन्यह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकाँ) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :——

- (क) मंतरण से हुई किसी बाय की बाबत, उक्त विधिनियम के अभीन कर दोने के बन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए बाडिंग्या
- (क) ऐसी किसी बाय या किसी धन या अन्य बास्तियों की जिन्ही भारतीय भायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उस्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया वा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मुस्लिन के किए।

बतः अब, उक्त विधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण बो, मी, उक्त विधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखिट व्यक्तियों अर्थात् :--- (1) श्रीमती विर बाला विसारिया, श्री श्रालोक नारायन बिसारया, श्रीर कुमारी गीता बिमारया, निवासी-हाउस नं० 777, क्टर 22-ए, चन्डीगढ़।

(भ्रन्तरक)

(2) मेसर्स सरस्वती बिल्डर्स , जी-1, दरिया गंज, दिल्ली ।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

सकत सम्परित के अर्धन के सम्बन्ध में कोई भी आक्रोप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र मं प्रकाशन की तारीच सं 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील सं 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्ट स्यक्तियों में से किसी स्यक्ति द्वारा:
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हिसबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास जिस्ति में किए आ सकरेंगे।

ीकरणः--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उन्हर्स अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिशा गया हैं।

वव्स्वी

प्लाट नं० ई-529, ग्रैटर कैलाश-2, नई दिल्ली, तादादी 400 वर्गगज ।

> ग्रार० पी० राजेश सक्षम प्राधिकारी महायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजन रेंज-1, नई दिल्ली

दिनौंक : 1-10-1985

इक्त नाइं.टी.एन.एव.------

आयकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भार 269-म (1) के मधीन समना

भारत सरकार

कार्यालय, महायक बादकर शायक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेंज-1, नई दिल्ली नई दिल्ली, दिनौंक 30 सितम्बर 1985

निदेश सं श्राई ए सी । एवय / 1/एस श्रार - 3/ 2-85/705--ग्रतः मुझे ग्रार० पी० राजेश

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (विसे इसमें इसके परभात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है"), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उ**षित बाजार मृस्व** 1,00,000/- रत. से अधिक है

भ्रौर जिसकी सं० प्रो० नं० एस-22 है तथा जो ग्रैटर कैलाश-2, नई दिल्ली में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध ग्रन्सुची सें ग्रौर पुर्ण रूप में वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय नई दिल्ला में रजिस्ट्रीकरण प्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख तारीख फरवरी 1985

कते पर्वोक्त संपरित के उत्थित बाबार सम्य से कम के दश्यमान परिकल के लिए अन्तरित की गई है और मझे यह विश्वास कारन का कारण ही कि विधापनीहित संपत्ति का उचित ग्रन्थ, उसके द्रध्यमान प्रतिफल से ए'से द्रम्यमान प्रतिफल का पन्दक्ष प्रतिशत में अधिक ही और अन्तरक (अन्तरकारें) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एमें अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्दर्श्य से उक्त अन्तरण प्लिसित में वास्तविक रूप में की भत नहीं किया गया है :--

- (क) अन्सरण संहुइ किसी नाय की वावस, क्या अधिनियम के अधीन कर वेने के अन्तरक ने ्यायित्व में कमी करने वा स्थान वचने में स्विधा श्रे शिष्; वर्षर्∕गा
- (अ.) रामी किसी आज या **किसी पण वा जन्य वारिसकों** का, जिन्हु भारतीय बाय-कर अधिनियम, 1922 (१५०%) कर १३) या उक्त अभिनियम, १० भनकर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) को प्रयोजनार्थ अन्तरिती बुबारा प्रकट नहीं किया नदः। भावा विकास जाना चाहिए था कियाने के क्षांत्रका के **किए**:

अतः अद, अक्त विधिनियम की भारा 269-न के वन्सरन में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) कं अधीन निम्नलिखित व्यक्तियाँ वर्णात ए--

(1) श्री प्रनिल कुमार सिंगल, श्रोमती स्वनी सिंगल, निवासी-डी-289, डिफेंस कालोनी, नई दिल्ली।

(भन्तरक)

(2) श्रीमती सूर्या मुकर्जी, पत्नी श्री पी० के० मुकर्जी, निवासी-क्यु-3, बिलगाचिया विला, कलकत्ता, सी/श्रो, श्री राजन मेहरा, नियासी 11/2, ईस्ट पटेल नगर नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को वह सूचना जारी करके प्वीक्त सम्पत्ति के वर्जन के सिक् कार्यवाहियां शुरू करता हो।

बनस सम्मरिस के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी नाक्षांच् :---

- (क) इस स्वया के राजपत्र में प्रकाशन की तारीय में 45 विन की अविध या तुत्सम्बन्धी स्पन्तियों कर स्थना की तामील से 30 दिन की श्रवधि, वो मी जनपि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवेक्त अविलयों में में किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्थाना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीय व 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवबुध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधीष्ट्रस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रमुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बहुरी अर्थ होगा को उस अभ्याब में गया हुवै।

बन्स्ची

ग्राउन्ड फ्लोर, विद बेसप्तेंट ग्राफ प्रो० नं० ग्रेटर कैलाश-2, नई दिल्ली, तादाद्री 300 वर्गगज ।

> भार० पी० राजेश सक्षम प्राधिकारी महायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजन रेंज-1, नई दिल्ली

दिनाँक : 30--9--1985

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) को अधीन सम्बना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आय्क्त (निरीक्षण) ग्राजीन रेंज-1, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनाँक 30 सितम्बर 1985

निदेश सं० ग्राई० ए० मो०/एक्यु/1/एस० ग्रार०-3/2-85/706—-ग्रतः मुझे ग्रार०पी० राजेश आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-न के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विस्थास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मन्य

1,00,000/- रत. में अधिक हैं

भौर जिसकी सं० प्रो० नं० एम०-22 है तथा जो ग्रेटर कैलाश-2, नई दिल्ली में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में भौर पूर्ण रूप सेवर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय नई दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण श्रिधनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन नारीख फरवरी 1985

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के रूरयमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मृभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दूरयमान प्रतिफल से, एमें रूरयमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एमें अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिसित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निसित में वास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है:--

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती ख्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, ख्रियाने में सिष्धा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की भाग 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिसित व्यक्तियों, अधीत् :--- (1) श्री श्रनिल कुमार सिंगल, पुत्र स्वर्ना सिंगल, निवासी--डी--289, डिफोंस कालोनी, नई दिल्ली।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री अभिजीत मुकर्जी,
पुत्र श्री पी० के० मुकर्जी,
निवामी-क्यू-3, बिलगा विला, कलकत्ता,
सी/श्रो श्रो राजन मेहरा,
निवासी-11/2, ईस्ट पटेल नगर,
नई दिल्ली।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्स सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हो।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, यो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील में 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पन्धिकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, ओ उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभा-है, यही अर्थ होगा ओ उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

पहली मंजिल, प्रो० नं० ए; 22, ग्रैटर कैलाश-2, नई दिल्ली, तादादी 300 वर्गगज ।

> श्रार० पी० राजेश सक्षम प्राधिकारी महासक प्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज--1. नई दिल्ली

दिनांक : 30-9-1985

मोइर :

प्रकप भार्ड टी. एन. एस. - - - -

अधिकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के बभीय स्वना

भारत ब्रुकाड

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) श्रर्जन रेंज-1, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 30 सितम्बर 1985

निदेश सं श्राई० ए० सी०/एक्यू/1/एस० श्रार०-3/2-85/707--श्रतः मुझे श्रार० पी० राजेश आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनियम' कहा ग्या हैं), की भारा 269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित माजार मृत्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

ष्मीर जिसकी सं० प्रो० नं० एस-22 है तथा जो ग्रैटर, कैलाग,-2, नई दिल्ली में स्थित है (ग्रीर इस उपाबद्ध प्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रुप से विणित है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय नई दिल्ली, में रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख फरवरी 1985

को पूर्विक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के क्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्विक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एोसे अंतरण के लिए तम पाया गया प्रतिकल निम्निनिसित बद्दिश्य से उक्त अन्तरण निविद्यत में बास्तविक क्य की मत नहीं किया गया है .--

- (क) बन्तद्रण से हुई किसी बाय की बायसा, बयस अभिनियम के अभीन कार दोने के अन्तरक के शाबित्य में कभी कारने या सबसे स्थाने में सुविधा के निष्; और√वा
- (क) एसी किसी जाव या किसी धन या अन्य बास्तियों का, जिन्हों भारतीय बाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त किधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिसी व्यारा प्रकट नहीं किया अन्तर था या किया जाना चाहिए था, किया से स्विका के किए;

बतः अब, जक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण बो, भी, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) को अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातः :--- (1) श्री श्रनिल कुमार सिहल, श्रीमती स्वर्ना सिहल, निवासी-डी-289, डिफेंस कालोनी, नई दिल्ली

(ग्रन्तरक)

(2) श्रीमती सरमिष्ठा मुकर्जी,
पुत्रो श्री पी० के० मुकर्जी,
निवासी-क्यु-3, बिलगाचिया विला, कलकत्ता,
सी/स्रो श्री राजन मेहरा,
निवासी-11/2, ईस्ट पटेल नगर,
नई दिल्ली।

(भ्रन्तरिती)

को यह सुचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यसाहियां करता हूं।

वक्त सन्पत्ति के वर्णन 🗠 नंबंध में कोई भी नाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील के 30 दिन की अवधि, जो भी विश्वित में समाच्या होती हो, के भीतर पूर्वोक्य अवस्थित में से किली अवस्थित द्वारा,
- (का) इस मुखना क राज्यत्र माँ प्रकाशन की तारीच से 45 बिन के भीतर उचत स्थावर संज्यात्त माँ हितवद्भ विकी बच्च म्यांकर सुवार, सभीहरताक्षरी के पास विवित्त मा किए जा सकारी।

स्यक्रीकरण: ---- इसमें प्रयुक्त कव्यों और पदों का, जो उक्त अभिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गवा हैं।

नन्स्ची

दूमरी मंजिल, प्रो० नं० एस~ 2 2, ग्रैटर कैलाश, नई दिल्ली ताबादी 30 € वर्गगज ।

> श्रार० पी० राजेश सक्षम प्राधिकारी महायक श्रायकर द्यायुक्ष्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-1,नई दिल्ली

दिनांक : 30-9-1985

प्रकप आइं.टी.एन.एस. -----

च्याकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) धर्जन रेंज-1, नई दिल्ली नई दिल्लो, विनांक 30 सितम्बर 1985

निदेश सं∘ भ्राई० ए० सी०/एक्पु/1/एस श्रार०⊶3/ 2~85/707ए—-प्रतः मुझे भ्रार० पी० राजेश समकर कोधनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें

श्रायकार किंधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पहचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-श्रा के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपति, जिसका उपिन बाजार मृत्य 1,00,000/-रा. से अधिक है

1,00,000/-ए. से अधिक हैं

ग्रीर जिन्नकी सं॰ कृषि भूमि तादावी 9 विषे हैं तथा जो

8 बिरने, ग्राम बिजनानन, नई विल्लो में स्थित हैं (श्रीर इससे

उनाबद्ध अनुभूनो में श्रीर पुर्ण कर से विणित हैं) रिजस्ट्रीकर्ता

ग्रीकिशरी के कार्यातन नई दिल्लो में रिजिस्ट्रीकरण श्रीकियम

1903 (1903 का 16) के श्रिमो तारोज फरवरी 1985

को पूर्वेक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के दश्यमान

शितफ न के लिए अन्तरित की गई हैं और मुक्ते यह विश्वासं
करने का कारण है कि स्थाप्योंकत संपत्ति का उचित बाजार

मृल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का

पन्त्रह प्रतिभात से अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरकों) और

नम्मरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय

पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण

किवित में बास्तिविक रूप से किथत नहीं किया गया हैं:—

- (क) अन्तरण संहुई किसी जाय की बाबत,, उक्त सांभिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के रायित्व में कमी कारने या उत्तते बचने में सुविधा के सिए; बार्/बा
- (व) एसा किसी आय या किसी भन अन्य आन्तियों का जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उत्तर अधिनियम, या भनकर अधिनियम, या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयाजनार्थ अन्तरिती इवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

कतः जय, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण की, मैं, उक्त आधिनियम की धारा 269-य की उपधारा (1) की अधीत जिम्लालिश्वत स्यक्तियों, अधीत :--- 52-- 31(CI/E5

(1) मैं० सी० लयाल एन्ड कम्पनी, (कन्त), प्रा०) लि० , 115, प्रन्सल भवन, 16 कस्तुरबा गांधी मार्ग, नई दिल्ली।

(भ्रन्तरक)

(2) मै॰ क्रारं कें बन्ता एन्ड सन्स, बी-7, क्रांसफ क्रलों रोड़, नई दिल्ली। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारो करके पूर्वेक्ति सम्पत्ति के अर्जन क कार्यवाहियां करता हो।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तरमंबंधी व्यक्तियों पर स्वता की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रविक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (ख) इस स्वना के राजपत में प्रकाशन की तारीख बैं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के गास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उज्जा अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषिष्ट हैं, बही अर्थ होंंं जा उस अध्याय में दिया नया हैं।

अन्स्ची

क्रिय भूमि तादादी 9 विवे 8 विषये, रेक्ट नं० 77, खसरा नं० 8 (4-0), 9 (4-0), 13 एम (1-0), ग्राम विजवासन, नई दिल्ली।

> आर० पी० राजेण नक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजेन रेज-1, नई दिल्ली

विनांक : 30~9-1985

इक्प बाइं. टी. एन. एस. -----

सायकर सभिनियस, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के सधीव स्वना

धारत सरकार

कार्यासय, सहायक बायकर बायुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज-1, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 30 सितम्बर 1985

निर्देश सं० श्राई० ए० सी०/एकपु/1/2एस० श्रार०-3/2-85/707बी—श्रतः मुझे श्रार० पी० राजेश आयकर अधिनियम, 196! (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विष्यास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाबार मृस्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

ौर जिसको स० कृषि भूमि 8 विये, 1 5 बिग्वे है तथा जो रेवन्यु इस्टेट, ग्राम बिजवामन, नई दिल्ली में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध ग्रानुस्ची में ग्रौर पुणं स्य संवर्णित है) रिजस्ट्री-कर्ता ग्रिधिकारी के कार्यालय नई दिल्ली में रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिनयम 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन तारीख फरवरी 1985

को पर्योक्त सम्पत्ति के उचित बाकार मृत्य से कम के दश्यमान अतिफल के लिए जन्तरित की गई है और मुभे यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाकार शृत्य, उसके दश्यमान प्रतिफल सं, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह चित्रज्ञ से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरिधिकों) के बीच पोगे अन्तरण के लिए तम प्राण गया प्रतिक्त कि निम्निलिति उद्देश्य से अक्त अंतरण लिखित में बाग्तिक क्या के दिस्सा नहीं किया दशा है :—

- (क) कल्परण से हुई किसी आय कर सबत, उक्त भीभिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के वायित्व में कमी करने या उसते वचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किकी बाय या किसी धन या जन्म कास्तियों की, विक्हों भारतीय करण्यात अधिनिष्ठय, 1922 (1922 का 11) या उस्त अधिनियम, या बार प्राप्त करण्या १५०० (१९३० १९७०) के प्रयोजनार्थ अंतरिती इवारा प्रकट नहीं जिल्ला गया था या किया जाना चाहिए था, कियाने हो मुविधा के सिए;

बत्तः अब, उक्त अधिनियमं की धारा 269-गं के अनुसरण बाँ, माँ, उक्त अधिनियमं की धारा 269-वं की उपधारा (1) क्षेत्रभीन, निम्मलिकित व्यक्तियाँ, अर्थादः :— (1) श्रीमती साविस्री देशी, पत्नी श्रजीत सिंह, ग्राम बिजवासन, नई दिल्ली।

(मन्तरक)

(2) मैं विल्ली टावर्स एन्ड इस्टेंट (प्रा०) लि॰, 115, भ्रन्सल भवन, 16 कस्तूरबा गांधी मार्ग, नई दिल्ली

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना चारी क्रके न्वॉक्ट सम्पत्ति के वर्षन के सिए कार्यवाहियां करता हूं।

जनत सम्पत्ति के बर्जन के सम्बन्ध में कांहें भी बासोप :---

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच से 45 दिन की नविभ या तत्सम्बन्धी स्पक्तियों पड़ स्वना की तामील से 30 दिन की नविभ, को भी नविभ बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवेक्ति स्पन्तियों में से किसी स्पक्ति ब्रांग्स;
- (क) इस स्वाना के राजपत्र में प्रकाशन की तारींब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावक सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य स्थावत स्वारा, अभोहस्ताक्षरी के पास सिवित में किए वा सकेंगे।

ज्याबिकरणः --- इसमें प्रयुक्त सन्तर्भे बौर पदों का, को स्वत् विधिनियम, के वध्याय 20-क में परिभाषित हाँ, वही वर्ष कोगा को उस वध्याय में दिवा क्या हाँ।

वन्त्र्यी

कृषि भूमि तादादी 8 बिये, 15 बिमी, खसरा नं ० 175 मेत (8-15) रेव सु इस्टेंड, ग्रांत िजनारतन, नई रिहती।

> द्यार॰ पी॰ राजेश सक्षम प्राधिकारी सहायकः द्यायकर द्यायुक्त (निरीक्षण) द्याजेंन रेंज-1, नई दिल्ली

विनोक: 30-9-1985

मोहर

प्रकप आई.टी.एन.एस.----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अधीन सूचना भारत सरकार

मर्जन रेंज-1, नई विल्ली नई विल्ली, विनोक 25 सितम्बर 1985

निदेश सं० प्राई० ए० सी०/एकप्/1/एस० आर०-3/2-85/707सी---प्रतः मुझे आर० पी० राजेश बायकर कीधिनयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त किधिनयम' कहा गया है), की धारा 269-च के बधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रा. सं अधिक है

स्रीर जित्तको सं० प्रो० नं० एक-30 एक-41 है तया जो काइ ते। गई दिश्तों में शिगा है (प्रीर इनते उनाबद अनुपूत्रों में स्रीर पुर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय नई दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के स्वीन तारीख फरवरी 1985

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उजित काजार मूल्य से कम के दश्यमार प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूओ यह विश्वाक करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उजित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल के बन्दह प्रतिकृत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के निए तय पाना गया प्रतिफल, निम्नितिक्त उद्योग्य से उक्त अन्तरण किकित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है ----

- (क) अन्तरण से हुर्इ किसी आय की आसत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के उन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अपने में सृविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हां भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सर्विधा के सिए;

कतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधान, निम्नालिकित अयिन्तयों, अर्थात्:—

- (1) श्रीमती राम दुलारी पन्नी स्व० श्री आम प्रकाश, निवासी-26, राहनक रोड़, नई दिल्ली। (भ्रन्तरक)
- (2) मैं कम्टोनेटस विल्डर्स, कम्पीटेट हाउस, एफ-41 मिडिल सर्कल, कनाट प्लेस, नई दिल्ला ।

(भ्रन्तरिती)

को ग्रह स्थाना धारी करके पूर्विक्त सम्पत्ति के वर्धन के लिए कर्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :----

- (क) इस स्वाना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं है 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वान की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त हाती हो, के भीतर पूर्विट व्यक्तियों में संफिसी व्यक्ति इवारा;
- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं है के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में दित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकारी।

ह्यक्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्क अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

मन्स्ची

लोकेशन एफ 30 से एफ-41, ग्रीर एफ-14, कनाट प्लेस, नई दिल्ली, तादादी 376.25 वर्गमीटर।

> आर० पी० राजेश सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) भर्जन रेंज⊶1, नई विस्ली

विनांक : 25--9-1985

प्रक्य नाइ. टी. एन्. एस्.-----

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन स्चना

भारत् सरकार

कार्यालय, सहायक वायकर वायकत (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-1, नई दिल्ली

नई दिल्ली', दिनांक 30 सितम्बर 1985

निदेश सं० प्राई० ए० सी०/एकपु/1/एस० प्रार०-3/2-85/707-डी---प्रतः मुझे आर० पी० राजेश शायकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-श के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं कृषि भूमि तावावी 4 विघे, 13 विषये हैं तथा जो ग्राम विजवासन, नई दिल्ली में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबत श्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणत है) रिजस्ट्री-कर्ता धिधकारी के कार्यालय नई दिल्ली में रिजस्ट्रीकरण प्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन तारीख फरवरी 1985

को प्रवेक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गईं है और मृझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथाय्वक्ति सम्पत्ति का उचित बाजार मृस्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उन्नत सन्तरण लिखित में नास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) बन्तरण सं हुई किसी थाय की बानए, उनस वृष्टित्वत से सपीन कड़ दोने के बन्तरक की सामित्य में कभी कड़ने वा खब्र वे बज़ने के सृष्टिया के लिए; बीड/या
- (का) एसी किसी आय या किसी धन या किसी आस्तियों का, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयासनार्थ अन्तिरती ध्वारा प्रकट नहीं किया गया वा वा किया वाना आहिए था, डिमान वें सुन्धा के लिए;

कतः जन, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की अनुसरण , मं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) को सभीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :— श्री रती राम पुत्र श्री जय काल, निवासी-गांव व पोस्ट धाफिस बिजवासन, तहसील महरोली, नई दिल्ली ।

(भ्रन्तरक)

(2) मैं ॰ मनचली ट्रेडिंग कम्पनी , 10 आई आर आई एस, कुफी पाराडे कोलाबा, बम्बई।

(भग्तरिती)

को यह स्चना जारी करके पृथेक्ति संपरित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हु।

उक्त संपत्ति के वर्जन के संबंध में कांड भी बार्क्ष :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी से से 45 दिन की बर्बी या तत्सवधी व्यक्तिया पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवेक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति स्वारा,
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबक्ष किसी अन्य व्यक्ति क्वारा अधोहस्ताक्षरी के पात्र किसिक्त में किए जा सकारी।

स्पद्धीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, को उक्त किपिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा, को उस अध्याय में दिया गया ही।

वन्त्रवी

कृषि भूमि तादादी 4 बिषे, 12 बिस्बे, 74/1, ग्राम बिजवासम सहसील महरौली, नई दिल्ली ।

> मार० पी० राजेश सक्षम प्राधिकारी सहायक प्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण) प्रार्जन रेंज-1, नई दिल्ली

दिनांक: 30-9-1985

प्रकृष बाहा. टी. एन. एस.-----

नायकर विभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-प (1) के अधीन स्पना

भारत सरकार

कार्वासय, सहायक कायकर काय्क्त (निरीक्षण) शर्जन रेंज-1, नई दिल्ली

मई दिल्ली, दिनाम 25 सितम्बेर 1985

निशेग सं० माई० ए० सी०/एनपू/1/एस० मार० 3/2-85/707एफ--प्रतः मुझे भार० पी० राजेश आयकार आभानयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पहचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है'), की भारा 269-ध के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं भीर जितकी सं० कृषि भूमि तावादी 1 विथे, 07 विश्वे 176 मेत 10 बिथे 13 विश्वे हैं तथा जो ग्राम बिजवासन, नई दिल्ली में स्थित हैं (और इससे उपाबद्ध मनुसूची में भीर पूर्ण रूप से वणित हैं) रिजरट्रीकर्ती क्रिकारी के कार्यालय नई विल्ली में रिजरट्रीकरण क्रियालय 1908 (1908 का 16) के प्रधीन तारीख फरवरी 1985

को पूर्वोक्त सम्मित्त के उचित बाजार मूल्य से कम के द्रयमान मितिफल के लिए अंतरित की गई हैं और मूओ यह विश्वास करने का कारण हैं कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,, उसके द्रयमान प्रतिफल से, एसे द्रयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से आधक हैं और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नितिबत उद्देश्य से उच्त बंतरण लिखित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया हैं:—

- (क) अन्तरण में हुई किसी जाय की वाबत, उक्त अधिनियुत्र के स्थीन कर दोने के बन्तरक के बाबिरण में कमी करने वा उससे व्यन में सुविधा के सिए; बॉर/या
- (क) ऐसी किसी जीय या किसी जिन या जिन्य अधिरियों करे, जिन्ह भारतीय जीय कर अधिरियों में 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिरियम, या धनकर अधिरियम, या धनकर अधिरियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना शाहिये था, कियाने जे सुविधा में सिए;

कतः जब, उक्त विधितियमं की भारा 269-न को वन्सरक को, की, उक्त विधितियमं की भारा 269-म की उपभारा (i) के बधीन, निम्नसिवित व्यक्तियों, वर्धात् :--- (1) मैं ० सी ० लंगाल एण्ड कम्मनी, (कन्सट) प्रा० लि० 115, धन्सल भवन, 16 कस्तूरबा गांधी मार्ग, नई दिल्ली ।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री नरेन्द्र सिंह मान, निवासी पोस्ट श्राफिस वाषस 242, द प्लेस, मुसकट (ग्रोमान) ।

(मन्तरिती)

को यह स्वना वारी करके प्रॉक्त संव्यक्ति के अर्थन के लिए कायवाहियां सुरू करता हूं।

उचल संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी शाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं
 45 दिन की अविभि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर
 सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, को भी
 अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विकत
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति हुनारा;
- (क) इस सूचना की राजपंत्र में प्रकाशम को तारीक से 45 दिन को भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हितकक्ष किसी बन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पाव सिक्षित में किए का सकती।

स्पब्दीकरण :---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो अक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा को उस अध्याय में दिया 'वया हैं।

मनुसूचा

कृषि भूमि तादादी बेरिंग स्नसरा नं० 1/28/4, 1 विधे, सीर 07 विश्वे 178 मेन 10 विधे और 13 विश्वे, टोटल 12 विधे , ग्राम बिजवासन, मई दिल्ली ।

> चारः पौ० राजेश समय प्राधिकारी सञ्चायक भायकर भायुक्त (निरीक्षण) भर्जन रेंज-1, नई दिल्ली

विनोक : 25-9-1985

मोहर 🖰

प्ररूप बाह्र : दी. एन. एस. -----

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-प (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

भायांलय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) धर्जन रेंज-1, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 30 सितम्बर 1985

निदेश सं० आई० ए० सो०/एकपू/1/एस० आर०-3/2-85/708--अतः मुझे आर० पी० राजेश बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-छ के अधीन सक्षम प्राधिकारी का यह विद्धास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित शाचार मृत्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं और जिसकी सं० प्लाट नं० एम-39 है तथा जो ग्रैटर कैलाश-2, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद अनुसूची में और पूर्ण रूपसे विजत है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय नई दिल्ली में राजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) वे अधीन तारीख फरदरी 1985

को पूर्णिकत सम्पत्ति को उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह दिश्वास एतं का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल स, एसे दश्यमान प्रतिफल के पन्तृह प्रतिकृत से अधिक है और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एमें अन्तरण के लिए त्य पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्शब्द से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित महों किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुन्हें किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) को प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

ं अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीर. निम्न्लिकित व्यक्तियों, आहि :-- (1) श्रीनती रमन भानन्द पत्नी श्री ग्रगोक भानन्द निवासी-डी-289 डिफेंस कालोनी, नई दिल्ली, द्वारा भटार्नी, श्री एम० भार० सिंहल।

(भ्रन्तरक)

(2) श्रीमती निगस मिलक पत्नी एम० एम० मिलक, महेश मोहन मिलक, पुत्र एच० के मिलक, निशासी एस-439, ग्रैटर कैलाश-1, नई दिल्ली।

(धन्तरितो)

को यह स्वना जारी करके पृथींक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के अउर्जन के संबंध में कोई भी आक्षंप :--

- (क) इस स्थान के राजपन में प्रकाशन की तारीब सं 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जरें भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोदत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बब्ध किसी व्यक्ति द्वारा, अभोहस्ताकरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पब्दीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पत्रों का, जो उकत अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

धनुसूदी

्राउन्ड पतोर, बनी हुई प्रो० नं० प्लाट एम०-39 ग्रैटर कैलाग,-2, नई विस्ली, तावादी 250 वर्गगंज।

> मार० पी० राजेश सक्षम प्राधिकारी सहायक भायकर भायुक्त (निरीक्षण) भर्जन रेंज~1, नई दिल्ली

दिनांक : 30~9~198**5**

प्रकप बार्ड. टी. एन. एस. ------

आधकर विभिनियम, 1961 (1961 को 43) की भारा 269-म (1) के संधीन स्चना

भारत सरकार

क्षावीलय, सहावक वायकर बायुक्त (निरीक्षण)

प्रजेन रेंज-1. नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 3 अस्तुबर 1985

निदेश सं० प्राई० ए० सी०/एक्यू/1/एस० म्नार०-3/ 2-85/692--प्रतः मुझे, प्रार० पी० राजेश

नायफर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके परभात् 'उक्त अधिनियत्र' कहा गया है), भी धारा 269- के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00000/-रत. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० के~93 है तथा जो कालकाजी, नई दिल्ली में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित हैं) रिजरट्रीवर्ता भ्रधिकारी के वार्याहत्य नई दिल्ली में भारतीय र स्ट्रिकरण प्रधिनियम ,1908 (1908 का 16) के प्रधीन तारीख फावरी 85

को पर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के रहयमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई

है और मुझे वह विश्वास करने का कारण है कि यथापर्विक्स सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंत-रक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंत-रण के लिए हम पामा गमा प्रतिफल, निम्नलिश्वित उददेश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया हु :--

- (क) बन्तरम ते हुई किसी बाय की बाबत, उला अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्सरक अहे दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के निए; और/या
- (ध) श्रमी किसी नाम मा किसी भन मा जन्म जास्तियों को, जिन्हें भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उत्तः अधिनियम, या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) की प्रयोजनार्थं अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, फियाने में मिविधा 🗬 सिए:

नत. ६थ, उनत निभिनियम की भारा 269-ए की ननुसरंक को, मी, अक्त अधिनियम की भाग 269-म की उरभाग (1) के द्रभीत, निम्नसिवित व्यक्तियों, वर्धातु:--

- (1) श्रीमती भगवानी तवानी श्री राजेन्द्र कावानी श्री हेमन्त लावानी ग्रीर श्री प्रकाश तावानी, निवासी-7/49, शास्त्री नगर, घरमदाबाद । (भ्रन्तरक)
- (2) श्री एयाम दास, निवासी-फें ० 9 3-बी, कालकाजी, नई दिल्ली । (श्रद्धारितीः)

को यह स्चना जारी करके पूर्वीवत सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हां।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षंप .---

- (क) इस सुचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन को अवधि वा तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सुषना की तामील सं 30 दिन की अवंधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त हाती हों, के भीतर पर्वोक्त व्यक्तियों में सं किसी व्यक्ति क्वारा,
- (च) इस संचना क राजपत्र में प्रकाशन को तारीस सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में जित्रकथ किसी अन्य व्यक्ति ६वारा अधाहस्ताक्षरों के पान लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वध्दोकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदौ का, अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया नवा है।

अनुसूची

प्रो० नं के - 93, कालका जी, नई दिल्ली, तादादी 100 वर्गमीटर ।

> मार० पी० राजेश सक्षम प्राधिकारी सहायक भागकर भागका (निरोक्षण) प्रर्जन रेंज-11, नई दिल्ली

दिनांक : 3~10~1985

ग्रक्त नहर्द , हो . एन . एस . ------

सावकर स्थितियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के सधीन स्कृत

भारत सरकार

कार्यालय, सङ्ख्यक अध्यक्त अस्पृक्त (निरीक्षण) ग्रजीन र्रेज, पूना

पूना, दिनौक 16 घगस्त, 1985

िर्देश सं० 37 ईडी 232 85-86 - गतः सुसे, धनिन कुमार

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसम इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है'), की भारा 269-च के अधीन स्थाम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है' कि स्थाबर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृज्य 1.00.000/- रहा से अधिक हैं

बीर जिन्नकी संव यूनिट नंव 2, प्लाट पुष्पम भगार्टमेंट में पहला मंजिला, (क्षेत्रकल 747 चीव फूट है, क्ष्या जो नासिक में स्थित है (ओर इनसे उनाबढ़ अनुसूची में और पूर्ण रूप में बॉणत है), रिनस्ट्रीकर्ती अधिकारी के कार्यालय सहायक आवार आयुका निरोक्षण अर्जन रेंग में, रिजस्ट्रीकरण अधिकान, 1908 (1908 का 16) के अंग्रोन, तारीब जून 1985

को प्रयोक्त भम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के रायमान प्रतिफल को लिए अन्तरित की गई हैं और मृश्वे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा प्रोंकित सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके रायमान प्रतिफल से, ऐसे रायमान प्रतिफल के पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरित (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तम पामा गया प्रतिफल, निम्नित्ति जित उद्दोष्य से उक्त अंतरण लिखित में बास्तिक कप से कथित नहीं किया गया हैं:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत, उक्त आंधनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व भे कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; अर्र/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य अस्तियों कां, जिन्हां भारतीय आयकर अधिनियम, 1/922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) को प्रयोजनार्थ अन्तिरती द्यारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

मतः अव, अकत अधिनियम की धारा 269-य के बनुसरक में, में, अयत ऑधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीय, निम्नसिवित स्यक्तियों, अर्थात् :--- मतसं भाषं बिल्डसं 257-ए, ज० एत० रोड़ टेम्पर भाषा इन्डस्ट्रांज समाट यांच मंपनो, गिरगम बस्बई।।

(अन्तरक)

 श्री नोतिर ज० होमजी, पुष्पम भ्रपार्टमेंटस नीम्बक रोइ, नातिक-2।

(अन्जरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के सिए -कार्यवाहियां करता हूं।

जनत संपत्ति को अर्जन को संबंध में कोई भी साक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाइन की तारीब से 45 दिन की अविध था तरसंबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीटर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस स्वना के राजपन में प्रकाशन की तारीज से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित्ब्बुध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिसित में किए जा सकेंगे।

स्पव्हीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो ब्रह्त अधिनयम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हो, यही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया मया है।

प्रमूषी

जीता को रजिल्ड्रोक्टत करु 37ईई/232/85-86 जो जून 1985 को सहाय ह छाय हर छायुक्त तिरोक्षण मर्जत रेंज, पूता के दक्तर से लिखा गर्मा है।

> मितिल कुमार सञ्जन प्राधि हारी सह।यक आयकर आयुक्त (िरीक्षण) सर्गत रेंज पूता

सारी**च**: 16-8-1-085

मीहर:

UNION PUBLIC SERVICE COMMISSION New Delhi, the 11th September 1985

No. A. 32014/1/85-Admn. III—The President is pleased to appoint the following regular Section Officers of the CSS Cadre of the Union Public Service Commission to officiate as Desk Officers on ad-hoc basis for the period indicated against each until further orders, whichever is earlier:—

S. N	Name	Period of ad-hoc appointment		
 l.	Shrì R.P. Saroj	1-9-85 to 31-10-85		
2.	" Ram Autar	1-9-85 to 31-10-85		
3.	" Sudesh Kumar	1-9-85 to 31-10-85		
4.	" N.P.S. Gujral	1-9-85 to 31-10-85		
5.	" Krishan Lal II	6-9-85 to 31-10-85		
б.	" Yash Pal Dabas	6-9-85 to 31-10-85		
7.	" Anil Kumar	2-10-85 to 31-10-85		
8.	" Rajinder Singh	6-9-85 to 15-10-85		
9.	" O.P. Kautia	6-9-85 to 1-10-85		

2. The above noted persons shall draw special pa^y @ Rs. 75/- p.m. in terms of Dtptt, of Personnel and A.Rs. (now Deptt. of er. and Training) O.M. No. 12/1/74-CS(I), date 11-12-1975.

The 27th September 1985

No. A-32018/4 '83-Admn.IL.—In continuation of this office Notification of even number dated 4-4-1985, the Chairman, Union Public Service Commission, hereby appoints the following Programme Assistants-cum-Console Operators in the office of Union Public Service Commission as Programmers in the Commission's office on ad-hoc basis for a further period of 3 months w.e.f. 1-10-1985 to 31-12-1985 or until further orders whichever is earlier:—

- 1. Shri D. R. Anand
- 2. Shri V. K. Vohra.
- 3. Smt. Rita Tulsaney.

These appointments are purely on ad-hoc basis and will not confer upon these officers any title for regular appointment or seniority in the post of Programmer.

The 30th September 1985

No. A.32014/1/85-Admn.III.—Ad-hoc appointment of Shri K. L. Gulati as Section Officer for the period from 6-9-85 to 20-10-85 notified vide this office Notification No. A. 32014/1/85-Admn.III. dated 11-9-1985 is hereby treated as sancelled.

The 1st October 1985

No. A-32011/2/85-Adm.I.—The Chairman, Union Public Service Commission is pleased to appoint Shri M. C. Khorana, a permanent Grade 'A' officer of CSSS cadre of UPSC, working as Private Secretary to officiate as Under Secretary in Grade I of CSS on ad-hoc basis for a period of 3 months w.e.f. 16-9-1985 or until further orders, whichever is earlier, under the powers vested in him vide Regulation 7 of UPSC (Staff) Regulations. 1958.

The 4th October 1985

No. A.32014/1/85-Admn.III.—The President is pleased to appoint Shri B. B. Sahni, Assistant of the CSS Cadre of the Union Public Service Commission as Section officer on adhoc basis in the office of the Union Public Service Commission w.c.f. 3rd October 1985 to 16th November 1985.

M. P. JAIN, Under Secy, Per. Admn. Union Public Service Commission

CENTRAL VIGITANCE COMMISSION

New Delhi, the 7th October 1985

No. 51-PRS-064.—The Central Vigilance Commissioner appoints Smt Jyotsna Diesh (Indian Postal Service), at present Deputy Secretary in the Commission, as Director (scale 53-316GI/85

Rs. 2000 (2250) in the containsion with effect from 40th June 1985.

÷....

No. 51-PRS-115—Consequent on completion of his tenure in the Central Vigilance Commission, Shri R. P. Mathur (MES: 428001), Ministry of Defence, who has been officiating as Technical Examiner (Civil) in this Commission on deputation basis, is relieved of his duties in this Commission and his services are placed at the disposal of the Ministry of Defence (E-in-C's Branch Army Headquarters) with effect from the afternoon of 7th October 1985.

The 11th October 1985

No. 2/2/84-Admn—The Central Vigilance Commissioner hereby appoints Shri Prem Nath, Executive Engineer (Elect.) of the Central Public Works Department as Technical Examiner (Flect.) in this Commission in officiating capacity on deputation basis in the scale of pay of Rs. 1100—50—1600 with a special pay of Rs. 200'- per month with effect from the forenoon of 1st October 1985 until further orders.

The 14th October 1985

No. 2/8/85-Admn.—The Central Vigilance Commissioner hereby appoints Shri K. K. Grovtr, a nermanent Assistant in the Commission, as Section Officer in the Commission in officiating canacity on ad-hoc basis for the period from 14-10-85 to 30-11-85, or until further orders, whichever is earlier.

The 15th October 1985

No. 2/8/85-Admn.—The Central Vigilance Commissioner hereby appoints Shri S. P. K. Naidu. (IAS: AP: 73) as Commissioner for Departmental Inquiries in the Central Vigilance Commission in officiating capacity in the scale of pay of Rs. 1500—60—1800—100—2000 with a special pay of Rs. 300/P.M. with effect from the forenoon of 4th October 1985, until further orders.

K. L. MALHOTRA Under Secy. (Admn.) for Central Vigilance Commissioner

ENFORCEMENT DIRECTORATE FOREIGN EXCHANGE REGULATION ACT

New Delhi the 14th October 1985

No. A-11/1/78. -Shii A. D. Narayanan, Asstt. Enforcement Officer, Madras Zonal Office is appointed to officiate as Enforcement Officer, Bangalore Unit of this Directorate with effect from 9th January 1978 and until further orders.

K, VIJAYAN Dy. Director (Admn.)

MINISTRY OF PERSONNEL AND TRAINING,
ADMN. REFORMS, PUBLIC GRIEVANCES & PENSION

LETTE OF BUILDING AT TAKEN

(DEPARTMENT OF PERSONNEL AND TRAINING) CENTRAL BUREAU OF INVESTIGATION

New Delhi-3, the 14th October 1985

No. A/19036/3/75-Ad.V.—Shri D. M. Rao, Dy. Supdt. of Police, CBI/CIU(C)/New Delhi retired voluntarily under Rule 48A of CCS Pension Rules, 1972 on 30th September 1985 afternoon.

No. A-19020/1/82-Ad.V. The service of Shri A. S. Bal, IPS (MP-1963) Dy. Inspir Genl. of Police, Central Bureau of Investigation, Special Police Establishment, were placed at the disposal of Govt. of M.P. with effect from the afternoon of 20th May 1985 on repatriation.

No A '19036/11 '83-Ad.V.—The services of Shri D. B. Bhende, D. Surdt, of Police on deputation to Central Bureau of Investigation from Gujarat State Police, were on repatriation placed at the disposal of Gujat Government with effect from 30th September 1985 afternoon.

No. 3/34/85-Ad.V.—The President is pleased to appoint Shri M. L. Kumawat, IPS (AP-1972) as Superintendent of Police on deputation, in the Central Bureau of Investigation. Special Police Establishment with effect from the forenoon of 18th September 1985 and until further orders.

No. 3/35/85-Ad.V.—The Director, Central Bureau of Investigation and Inspector General of Police/Special Police Establishment is pleased to appoint Shri S. P. Paladia, ASO, an officer of the Railway Protection Force (Central Railway) to officiate us Dv. Supdt. of Police on deputation in CBI with effect from the forenoon of 23rd September 1985 until further orders.

CENTRAL FORENSIC SCIENCE LABORATORY

The 16th October 1985

No. 1-17/84-CFSL/8446.—The President is pleased to appoint Shri D. R. Rohilla Senior Scientific Assistant (Document Divn.) to officiate as Senior Scientific Officer Gr. II (Document Divn.) on ad-hoc basis in Scientific Aid Unit/C.B.I., Madras with effect from 4-10-85 (FN) for a period of six months in the first instance or till the post is filled on a regular basis whichever is earlier.

No. 1-27/81-CFSI /8447.—In continuation of notification No. 1-27/81-CFSI. dt. 3-9-85 the President is pleased to annoint Dr. S. K. Lahri. Senior Scientific Assistant, Central Forensic Science Laboratory, CBI. New Delhi as Senior Scientic Officer (Gr. II), (Lie-Detector) in the Central Forensic Science Laboratory, CBI. New Delhi we f. 1-10-1985 (FN) on ad-hoc basis for a further period of 6 months or till the nost is filled up on regular basis, whichever is earlier.

R. S. NAGPAL Administrative Officer (E) Central Bureau of Investigation

MINISTRY OF HOME AFFAIRS

BURFAU OF POLICE RESEARCH & DEVELOPMENT

New Delhi-110 003, the 14th September 1985

No. 6/14/80-Adm.I.—The Director General, Bureau of Police Research and Development is pleased to appoint Shri S. K. Mukhonadhyay Junior Scientific Officer in the Central Forensic Science Laboratory, Calcutta under this Bureau as Junior Scientific Officer in a substantive canacity w.e.f. 5-5-83.

D MAILIMDER
Loint Assistant Director

DIRFCTORATE GENERAL, CRP FORCE

New Delhi, the 15th October 1985

No. P.VII-5/85-Estt-I.—The President is pleased to appoint the following Officers on promotion as Deputy Inspector General of Police, in the C.R.P.F. in a temporary capasity until further orders:—

- 1. Shri N. K. Tewary.
- 2. Shri P. V. Subba Rao
- 3. Shri B. Chakraborti.
- 2. On their appointments as Deputy Inspectors General of Police, they have assumed the charge of the post on the afternoon of 20th September 1985.

D. D. GUPTA Deputy Director (Estt.)

New Delhi-110003, the 16th October 1985

No. O II-901/77-85-Adm-3.—Shri Kirpal Singh, Section Officer of the CRPF has been promoted to the grade of Joint Assistant Director/Audit Officer with effect from the forenoon of 30th September 1985.

No. O.II-7/85-Adm-3.—Shrl Snoarmal, Subedar Major (Office-Supdt.) of the CRPF has been promoted to the grade

of Section Officer in the Directorate General, CRPF, New Delhi, with effect from the forenoon of 30th September 1985.

No. O.II-5/885-Adm-3.—Shri Ajit Singh, Subedar Major (Office Supdt.) of the CRPF has been promoted to the grade of Section Officer in the Directorate General, CRPF, New Delhi, with effect from the forenoon of 16th September, 1985.

KISHAN LAL Dy. Director (Adm.)

New Delhi-110 003, the 11th October 1985

No. O.II-1096/73-Estt.—Consequent upon his voluntary retirement from service under Rule 43(d) of CRPF Rules, Shri Sital Singh has relinquished charge of the post of Dy. S.P., 37 Bn, CRPF on 01-4-85 (FN).

No. O.II-2122/85-Estt(CRPF).—The Director General, CRPF, is pleased to appoint Dr. Tarun Sekhri as JMO in the CRPF on ad-hoc basis with effect from 3-9-85 (FN) to 23-9-85 (FN).

No. D.I-29/85-Estt-I.—The services of Shri M. S. Sethi, Assistant Commandant, GC, CRPF, Dimapur are placed at the disposal of Government of Punjab on deputation basis with effect from 31-8-85 (AN).

No. O.II-2006/85-Estt.—The Director General, CRPF is pleased to appoint Dr. S. Sidhartha Rao, as JMO in the CRPF on ad hoc basis w.e.f. 7-9-85 (FN) for a period of 3 months or till the recruitment to the post is made on regular basis, whichever is earlier.

No. O.II-2047/85-Estt.—The Director General, CRPF is pleased to appoint Dr. Dinesh Chandra Goswami as JMO in the CRPF on ad-hoc basis wef 16-9-85 (FN) for a period of 3 months or till the recruitment to the post is made on regular basis, whichever is earlier.

M. ASHOK RAJ Assistant Director (Estt)

New Delhi-110003, the 15th October 1985

No. E.32015(4)/83/85-Pers.I.—On transfer on deputation Shri N. Thabah, assumed the charge of the post of Assistant Commandant in CISF Unit, CPT, Calcutta with effect from the afternoon of 13th September. 1985.

(Sd.) ILLEGIBLE Director General / CISF

OFFICE OF THE REGISTRAR GENERAL INDIA New Delhi, the 16th October 1985

No. 10/44/82-Ad.I.—The President is pleased to appoint Shri R. C. Sachdeva. a Section Officer of the Central Secretariat Service, Ministry of Home Affairs, and presently working as Assistant Director in the office of the Registrar General, India, New Delhi, by transfer on deputation on ad hoc basis, as Assistant Director in the same office, by transfer on deputation on regular basis, with effect from 1-10-1985 till further orders.

No. 11/8/84-Ad I—The President is pleased to appoint, by promotion, the under-mentioned officers in the grade of Deputy Director of Census Operations, to the grade of Joint Director of Census Operations, in the pay scale of Rs. 1300-50-1700, on a regular basis, in a temporary capacity, with effect from the date(s) given against their names in column 3 until further orders. They are posted to the respective offices in which they have been working as Deputy Directors of Census Operations

with the same headquarters as at present, as indicated in the column 4 of the statement below:—

	Name of Officer	Date of appointment to the grade of Joint Director of Census Operations	Name of the office in which working/ posted
1	2	3	4
1. Sh	ri J.C. Kalra	25-9-85 (FN)	Office of the Director of Census Operations, Punjab, Chandigarh.
2. Sh	ci S.R. Luhad	ha 24-9-1935 (FN)	Office of the Director of Coasus Operations

2. The above mentioned officers will be on probation for a period of two years.

V. S. VERMA, Registrar General, India

NATIONAL CIVI.

€ ∪LLE**GE**

Nagpur-440001, the 24th September 1985

No. 2205/7A.—On the recommendation of Departmental Promotion Committee, Shri Prehlad Singh, Ad-hoc Administrative Officer, National Civil Defence College, Nagpur has been appointed as Administrative Officer in an Officiating capacity with effect from 1st August, 1985 (F.N.) till Shri S. K. Srivastava, the permanent incumbent returns and joins duty after expiry of his deputation period.

A. K. GHOSH, Director

MINISTRY OF LABOUR & REHABILITATION LABOUR DEPARTMENT (LABOUR BUREAU)

Shimla-17004, the 1st November, 1985

No. 23/3/85-CPL.—The All-India Consumer Price Index Number for Industrial Workers on Base: 1960—100 increased by one point to reach 619 (Six hundred nineteen) for the month of September, 1985. Converted to Base: 1949—100 the index for the month of September, 1985 works out to 752 (Seven hundred fifty two).

J. N. SHARMA, Director, Labour Burcau, Shimla-4.

MINISTRY OF HINANCE

DEPARTMENT OF ECONOMIC AFFAIRS

CURRENCY NOTE PRESS

Nasik Road, the 4th October 1985

No. ESC-1-10/13560 —General Manager, Currency Note Press, Nasik Road is pleased to appoint the following Inspectors Control to the post of Dy. Control Officer (Group 'B' Gazetted) in the pay scale of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200 on regular basis wef 19-9-1985 (FN) until further orders.

- 1. Shri S. V. Chafekar
- 2. Shri V. A. Pethkar
- 3. Shri S. S. V. K. Rao (proforma promotion)
- 4. Shri U. V. Sapre.
- 5. Shri B. V. Sabnis

They will be on probation for a period of two years.

S. D. IDGUNJI, General Manager Currency Note Press

INDIA GOVERNMENT MINT Bombay, the 14th October 1985 BOMBAY MINT DAIRY ORDER

No. 173.—Shri S. D. Damle, Officiating Assay Supdt. (Gazetted) stand reverted to his substantive post of Asstt. Assay Supdt, (Non-Gazetted) wef 1-10-85.

Sd./- ILLEGIBLE General Manager

INDIAN AUDIT AND ACCOUNTS DEPARTMENT OFFICE OF THE DIRECTOR OF AUDIT-I CENTRAL REVENUES

New Delhi, the 15th October 1985

No. Admn.I/O.O. No. 273.—The Director of Audit, Central Revenues-I, hereby appoints the undermentioned officiating, Audit Officers of this office, in a substantive capacity against permanent post of Audit Officer in the time scale of Rs. 840-1200 with effect from 1-10-1985.

- (1) Shii S. K. Gupta
- (2) Shri Prema Nand.

The 18th October 1985

No. Admn.I/O.O. No. 277.—The Director of Audit, Central Revenues, is pleased to appoint Shri Surinder Pal Singh Walia, Section Officer as Assistant Audit Officer (Group 'B' Gazetted) in the scale of Rs. 650-30-740-35-880-EB-40-1040 with effect from the forenoon of 1st of October, 1985 until further orders.

Sd./- ILLEGIBLE Dy. Director of Audit (Admn.)

OFFICE OF THE ACCOUNTANT GENERAL ANDHRA PRADESH

Hyderabad, the 14th October 1985

No. $\Delta G(\mathrm{Au})1/\Delta dmn.1/8-132/85-86/111$,—Shri N. Prabhakara Rao, Audit Officer, Office of the Accountant General (Audit), Andhra Pradesh, Hyderabad retired from service on the Afternoon of 30-9-1985.

Sd./- ILLEGIBLE Sr. Dy. Accountant General (Admn.)

OFFICE OF THE ACCOUNTANT GENL, (A&E) J&K Srinagar, the Oth October 1985

No. Admn.-1/A&E/60(19)/85-86/3230—The Account nat General Jammu & Kashmir has appointed the following Section Officers to the posts of Accounts Officers in the pay scale of Rs. 840-40-1000 E.B.-40-1200 in an officiating capacity with effect from the date in heated against each till further orders:—

Their intersuscentiatity will be in the same order as shown below (+-)

1. Sh. Bansi Lal Raina 25-4-83 (Promoted non-on-ally from this dat: but actually resumed charge w.c.f. 7-6-85 (F.N.)

2. Sh. S.P. Gupta

16-12-83

(Prompted not on all from this date but actually resumed charge wielf. 5-8-85

Sh. Rahat Khan
 Sh. Vidya Dhar Sharma
 Sh. Vog Ji Dessi
 3-7-85 A.N.
 8-7-85 F.N.
 16-7-85 A.N.

 $\begin{array}{cccc} & A. \ K. \ SHARMA \\ Sr. \ Dy. \ Accountant \ General \ (\mbox{$\Lambda\&E$}) \end{array}$

OFFICE OF THE ACCOUNTANT GENERAL UTTAR PRADESH

Allahabad, the 7th October 1985

No. AG(Au)1/Admm/13-7/1433.—Following officiating Audit Officers have been appointed in substantive capacity in Audit Officers' Cadre in the Office of the Accountant General (Audit) U.P., Allahabad with effect from 1st August 1985.

S/Shri Uma Shankar Bhatt. Dulal Chand Chowdhury.

M. CHAITERJI, Sr. Deputy Accountant General (Admn.)

MINISTRY OF FINANCE DGOF HQRS, CIVIL SERVICE ORDNANCE FACTORY BOARD

Calcutta, the 14th October 1985

No. 40/G/85.—On attaining the age of superannuation, Shri A, K. Basu Offg. S.O. (Subst. permt. Assistant) retired from service with effect from 30th September, 1985 AN.

V. K. MEHTA DDG (Estt)

MINISTRY OF COMMERCE DEPARTMENT OF TEXTILES OFFICE OF THE DEVELOPMENT COMMISSIONER FOR HANOLOOMS

New Delhi, the 8th October 1985

No. 19001/36/85-DCH/Admn I --- The President is pleased to appoint Smt. Ranjana Sinha. IAS (MH: 75) as Joint Development Commissioner for Handlooms, in the office of the Development Commissioner for Handlooms. Ministry of Commerce, Department of Textiles, wef the fore-noon of 7th October, 1985.

P. K. DATTA Addl. Development Commissioner (Handlooms)

OFFICE OF THE DEVELOPMENT COMMISSIONER (HANDICRAFTS)

New Delhi-110 066, the 15th October 1985

No. 34/14/83-Admn.f.—The President is preased to appoint Smt. Neera Yaday, IAS (UP-71) presently working as Joint Development Commissioner (Handicrafts) as Additional Development Commissioner for Handicrafts (Scale Rs. 2000-2250) by upgrading the post of Joint Development Commissioner for Handicrafts (Deputy Secretary leve) to that of Additional Development Commissioner for Handicrafts (Director leve) as a measure personal to her for the remaining period of her tenure at the Centre, until furth r orders.

SHIROMA NI SHARMA Development Commissioner for Handicrafts

. . William China China China China

MINISTRY OF INDUSTRY DEPARTMENT OF INDUSTRIAL DEVILOPMENT OFFICE OF THE DEVELOPMENT COMMISSIONER (SMALL SCALE INDUSTRIES)

New Delhi, the 10th October 1985

No. A-19018(785)/85 Admn.(G).—The President is pleased to appoint Shri P. D. Tashering as Assistant Director (Gr. 1) (Economic Investigation) at Branch Small Industries

Service Institute. Shillong under Small Industries Service Institute, Gauhatt with effect from the forenoon of 31st May, 1985, unil further orders.

The 16th October 1985

No. A-19018(788)/85-Admn.(G).—The President is pleased to appoint Shii Samarendra Sahu as Assistant Director (Gr. 1) (1-conomic-Investigation) at Small Industries Service Institute, Ahmeuabad with effect from the forenoon of 1-6-1985 until further orders.

No. A-19018(392) /79-Admn.(G).—The President is pleased to permit Shri N. A. Ramakrishnan, Asstt. Director (Gr. I) (Mechanical) Extension Centre, Madurai, under Small Industries Service Institute. Madras to retire voluntarily from Government service with effect from he fornoon of 3-9-1985 in terms of Rule 48-A of the Central Civil Services (Pension) Rules, 1972.

No. A-19018(786)/85-Admn.(G).—The President is pleased to appoint Shri Jagjit Singh Soni as Asstt. Director (Gr. 1) (Economic-Investigation) at Branch Small Industries Service Institute, Itanagar under Small Industries Service Institute, Gauhati with effect from the forenoon of 31-5-85 until further orders.

No. A-19018(585)/82-Admn.(G).—The President is pleasto appoint Shri Ashok Kumar Jha, as Asstt. Director (Gr.I) (Glass/Ceramics) at Small Industries Service Institute, Kanpur with effect from the forenoon of 18-9-85 until further orders.

> C. C. ROY Dy. Director (Adma.)

DIRECTORATE GENERAL OF SUPPLIES & DISPOSALS (ADMINISTRATION SECTION-6)

New Delhi-110001, the 24th September 1985

No. A-17011/39/72/A-6.—Shri K. Subramanyam, permanent Assistant Inspecting Officer (Engg.) in the Office of Dy. Director of Inspection Hyderabad has been retired from Government Service on the afternoon of 31st August 1985 under FR 56(J).

The 4th October 1985

No. A-17011/43/72/A.6.—Siddheswar Mukherjee, perma nent Assistant Inspecting Officer (Engg.) in the office of the Director of Inspection, Calcutta, retired from service in the afternoon of 31st August 1985 on attaining the age of superannuation.

R. P. SHAHI

Dy. Director (Admn.)

for Director General of Supplies & Disposals

ISPAT, KHAN AUR KOILA MANTRALAYA (KHAN VIBHAG)

GECLOGICAL SURVEY OF INDIA

Calcutta-16, the 17th September 1985

No. 9377B/A-19010(1-VKT)/84-19A.—Shri V. K. Tikku, Senior Technic: Assistant (Geol.) •Geological Survey of India is appointed by the Director General, Geological Survey of India on promotion as Assistant Geologist in the same Department on pay according to rules in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-FB-40-1200 in an officiating capacity with effect from the forenous of 6th April, 1985 until further orders.

The 16th October 1985

No. 9750B A-19012(3-DMS)/85-19B.—Shri Deo Muni Singh, Senior Tech. Asstt. (Chemical), GSI, has been appointed on promotion to the post of Asstt. Chemist in the Geological Survey of India by the Director General, GSI, on ray according to rules in the scale of pay of Rs. 650-30-740 35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200/- in a temporary

capacity with effect from the forenoon of the 22nd August, 1985, until further orders.

A. KUSHARI

Director (Personnel), Geological Survey of India

INDIAN BUREAU OF MINES

Nagpur, the 11th October 1985

No. A.19011(357)/84-Estt.A.—The President is pleased to appoint on the recommendation of the Union Public Service Commission Shri Tuhin Ray to the post of Assistant Controller of Mines in the Indian Bureau of Mines in an officiating capacity with effect from the forenoon of 20-9-85, until further orders.

G. C. SHARMA Asstt. Administrative Officer for Controller General Indian Bureau of Mines

Nagpur, the 11th October 1985

No. A.19011(25)/85-Estt.A —On the recommendation of the Departmental Promotion Committee, Shri S. C. Nebhani, Asstt. Ore Dressing Officer, Indian Bureau of Mines has been promoted to the post of Deputy Ore Dressing Officer in Indian Bureau of Mines in an officiating capacity with effect from 13th September, 1985 (Forenoon) until further orders.

The 14th October 1985

No. A.19012(193)/85-Estt.A.—On the recommendation of the Union Public Service Commission, Shri S. 5. Sapkal has been appointed to the post of Asstt. Mining Engineer in Indian Bureau of Mines in an officiating capacity with effect from the forenoon of 17th September, 1985.

P. P. WADHI Administrative Officer for Controller General Indian Bureau of Mines

MINISTRY OF SCIFNCE & TECHNOLOGY INDIA METEOROLOGICAL DEPARTMENT

New Delhi, the 10th October 1985

No. A. 38019/II/83-E.I.—On attaining the aute of superannuation, the undermentioned Assistant Meteorologists of India Meteorological Department retired from the Covt. Service on the dates mentioned against their names:—

S. Name No.	Date on which officer retired
1. Shri K.R. Narayanan	31-5-1985
Shri R. Ashok Raj	30-6-1985
3. Shri K. K. Zutshi	31-7-1985
4. Shri P.C. Mandal	31-7-1985
5. Shri P.A. Kamble	31-7-1985
6. Miss J.J. Mirchandani	31-7-1985

The 11th October 1985

No. A.38019/II/83-E.I.—Dr. V. Venkateswa'lu, Director, Meteorological Centre, Hyderabad under Regional Meteorological Centre, Madras, India Meteorological Department, retired Centre, Madras, India service with effect from 31-5-85 on attaining the age of superannuation.

K. MUKHERJEE Meteorologist (Establishment) for Director General of Meteorology

DIRECTORATE GENERAL: ALL INDIA RADIO

New Delhi-1, the 14th October 1985

No. 4(30) /80-SI.—Smt. Archana Rajkumar Programme Executive, Ali India Radio, Bhopal expired on 29th September. 1985.

I. S. PANDHI Dy. Director of Administration for Director General

MINISTRY OF INFORMATION & BROADCASTING DIRECTORATE OF ADVERTISING & VISUAL PUBLICITY

New Delhi, the 16th October 1985

No. A. 12026/4/85-Est.—Shri S. S. Aggarwal, an ad-hoc Senior Accountant of Directorate of Advertising & Visual Publicity is appointed to officiate as Accounts Officer on an ad hoc basis in the same organisation with effect from the forenoon of 10th October, 1985, until further orders.

SHAHLA HAIDAR Director

DIRECTORATE GENERAL OF HEALTH SERVICES

New Delhi, the 14th October 1985

No. 4(30)/80-S1.—Smt. Archana Rajkumar Programme General of Health Services is pleased to accept the resignation of Shri A. Dinakaran, from the post of Scnior Scientific Officer at Jawaharlal Institute of Post-graduate Medical Education and Research, Pondicherry, with effect from afternoon of 1st July, 1985.

P. K. GHAI Dy. Director Administration (C&B)

DEPARTMENT OF ATOMIC ENERGY DIRECTORATE OF PURCHASE & STORES

Bombay-400 001, the 11th October 1985

No. DPS/41/3/85-Adm./27321.—The Directorate of Purchase and Stores, Department of Atomic Energy appoints Shri Anil Madhay Parulckar a Permanent Asstt. Accountant and officiating Accountant to officiate as an Assistant Accounts Officer on an ad-hoc basis in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-880-EB-40-960 from 17-6-85 (FN) to 9-8-85 (AN) in the same Directorate.

The 16th October 1985

No. DPS/2/1(5)/82-Adm./7000.--The Director, Directorate of Purchase and Stores Department of Atomic Energy appoints Shri K. T. Lakshmanan a permanent Purchase Assistent to officiate as an Asstt. Purchase Officer on an ad-hoc basis in the set e of pay of Rs. 650-30-740-35-810-FB-35-880-40-1000-EB-40-1200 from 7-10-85 (FN) to 31-12-55 (AN) or until further orders whichever is earlier in the same Directorate.

P. GOPALAN Administrative Officer

ATOMIC MINERALS DIVISION

Hyderabad-500 016, the 15th October 1985

No. AMD-1, 9/82-Rectt.—Director, Atomic Minerals Division, Department of Atomic Energy hereby appoints Shri A. Chalapatni Rao, officiating Section Officer (Accounts), Central Railway to officiate as Assistant Accounts Officer in the Atomic Minerals Division on deputation basis with effect from the foreness of August 7, 1985 until further orders.

No. AMD-16/8/85-Rectt.—Director, Atomic Minerals Division Department of Atomic Energy hereby appoints Shri Ram Nath, a permanent Upper Division Clerk and officiating Accountant, Atomic Minerals Division, to officiate as Assistant Accounts Officer in the same Division on an ad-hoc basis with effect from August 19, 1985 to September 20, 1985 vice Shri I. S. Mokha, Assistant Accounts Officer, proceeded on leave.

S. PADMANABHAN
Sr. Administrative & Accounts Officer

HEAVY WATER PROJECTS

Bombay-400 008, the 15th October 1985

No. HWPs/Rect-4/OP/3817.—Ch'ef f xecutive, Heavy Water Projects, appoints Shri R. Ganesan, Public Relation Officer, Heavy Water Plant (Tuticorin) to officiate as Labourcum-Wellare Officer, in the same office, in a temporary capacity on ad-hoc basis w.e.f. March 17, 1984 (FN) to June 20, 1985 (AN).

Smt. K, P. KALLYANIKUTTY Administrative Officer

DEPARTMENT OF SPACE

VIKRAM SARABHAI SPACE CENTRE

Trivandrum-22, the 8th October, 1985

No. VSSC/EST/A/85/1247—The Director, VSSC hereby appoints the following officials as Scientist/Engineer'SB' in the scale of pay R₃. 650-30-740-35-810-E, B₂-35-880-40-1000 E.B.-40-1200/- in the Vikram Sarabhai Space Centre (VSSC) of the Department of Space on a purely temporary and provisional basis with effect from the dates shown against each and until further orders: —

Sl. Name	Divn,	Date of appoint-
No.		ment
1. G. Satyanarayana	181	J5-5-1985
2. K. Auroprem	ELS	23-5-1985
3. V. Sridhar	ISI	19-7-1985
4. Rajarama Nayak	ISI	15-7-1985
5. K.S. Mani	SROSS	5-8-1985
6. P. Vinod	ELS	7-8-1935
7. V.P. Joy	CGD	5-8-1985
8. U.M. Sreenivasan	CGD	13-8-1985
9. H. Kumar	IPD	5-8-1985

G. MURALIDHARAN NAIR Adını, Officer-II (EST) For Director, VSSC

OFFICH OF THE DIRECTOR GENERAL OF CIVIL AVIATION

New Delhi, the 11th October 1985

No. A. 2026/2/82-ES.—The Director General of Civil Aviation s pleased to extend the deputation period of Shri Chandra Pal Sharma as Hindi Officer in the Office of Principal, Civil Aviation Training Centre, Allahabad by one more year w.e.f. 2-9-85.

M. BHATTACHARJEE Deputy Director of Administration

New Delhi, the 11th October 1985

No. 32014/4/84-EC(.) The Director General of Civil Aviation is pleased to extend the period of ad-hoc appointment

of the following Assistant Communication Officers in the Civil Aviation Department for the pario Undicated against each:

SI. Hame Nol		Period of ad-hoc appointment extended		
	From	To		
S/Shri				
l· J. H. Nau	1-7-84	2-1-85		
2. R. P. Joshi	1-7-84	2-1-85		
3. Balbir Singh	1-7-84	2-1-85		
K. S. N. lyer	1-7-84	2-1-85		
5. D. N. Haldar	1 - 7-84	2-1-85		
6. R. Arul Pragasam	1-7-84	2-1-85		
7. P. K. Das	1-7-84	2-1-85		
8. G. Eranna	1-7-84	2-1-85		
9. J. B. Krishnan	1-7-84	2-1-85		
10. A. S. Sivara nakrishnan	1-7-84	31-1-85		
11. M. S. Singhal	1-7-84	31-1-85		
12. P. Bose	1-7-84	28-2-85		
13, S. S. Sandhu	1-7-84	28-2-85		
14. B. M. Gulati	1-7-84	31-3-85		
15. S. P. Vasawada	1-7-84	31-3-85		
6. Kaur Singh	22-7-84	31-5-85		
17. J. S. Vedi	1-7-84	31-5-85		
18. J. Ghosh	1-7-84	30-6-85		
19. Jagdish Chand	1-3-85	3 0- 6-85		
20. G. N. Nailwal	2-1-85	30-6-85		
21. C. L. Sen Chowdhury	1-7-84	30-6-85		
22. R. K. Bepari	1-7-84	30-6-85		
23. G. L. Chawla	1-7-84	15-7-85		
24. D. S. Karmalkar	1-7-84	15-7-85		
25. A. K. Biswas	1-7-84	15-7-85		

V. JAYACHANDRAN Deputy Director of Administration

New Delhi, the 8th October 1985

No. A.31013/1/81-ES—The President is pleased to appoint the undermentioned 16 officers in a substantive capacity in the grade of Airworthiness Officer in the Civil Aviation Department with effect from the dates mentioned against their names:—

	~		
S/Shri			
1. N. Jaisimah (DP)		•	12-1-78
2. R.C. Gupta (DR)			5-3-79
3. S.S. Nat (DR) ,			17-6-79
4. S.L. Vohra (DP)			Do.
 S.N. Basu (DP) . 			Do.
6. S.S. Kuner(DR)			Do.
7. Anupam Bagchi (DP)			25-1-82
8. P.M. Goyal (DR)			25-1-82
9. S. Majunıdar (DP)			Do.
10. H.M. Phull (DP)			Do.
11. Mohd. Mustafa (DR)			Dσ,
12. L.A. Mahalingam (DP)		-	Đo.
13. Deba Prasanna Ghosh (1	OP)		Do.
14. Harihar Frasad (DR)			Do.
15. L.M. Mathur (DP).		•	Do.
D.P. Ghosh (DR)			Do.

VED PRAKASH,
Deputy Director of Administration

FOREST RESEARCH INSTITUTE AND COLLEGES

Dehra Dun, the 17th October 1985

No. 16/442/85-Ests-L.—On the recommendations of the Union Public Service Commission, the President, Forest Research Institute and Colleges, Dehra Dun, is pleased to appoint Dr. Kulraj Singh Kappoor as Research Officer (Other than Engineering and Statistical), under the Scheme "Forest Soil-cum-Vegetation Survey" at Jabalpur Centre under Forest Research Institute and Colleges, Dehra Dun with effect from the forenoon of 2-9-1985, in a temporary capacity, until further orders."

J. N SAXENA Registrar Forest Research Institute and Colleges

DIRECTORATE GENERAL OF INSPECTION CUSTOMS & CENTRAL EXCISE

New Delhi, the 16th October 1985

No. 25/85.—Shri D. K. Saha lately posted as Assistant Collector (Cus.) Calcutta on his transfer to the Delhi Beaches of Customs Excise and Gold (Control) Appellate Tribunal in the DGICCE. New Delhi vide Ministry's Order No. 98/85 dated 9-7-1985 issued vide letter F. No. A-22012/42/85-Ad.H assumed charge of the post of J.D.R. Group 'A' with effect from 9-9-1985 (FN).

A. C. SALDANHA Director General of Inspection

MINISTRY OF SHIPPING & TRANSPORT DIRECTORATE GENERAL OF SHIPPING

ENGRICATION OF THE

Bombay-400 038, the 14th October 1985

No. 11-Tr(4)/85.—The President is pleased to appoint Shri Bijan Krishon Rov as Engineer Officer in the Directorate of Marine Engineering Training, Calcutta on ad-hoc basis with effect from 26-6-1985 (F.N.) until further orders.

A. CHANDRA Dy. Director General of Shipping

CENTRAL WATER COMMISSION

New Delhi, the 15th October 1985

No. A-19012/1(38/85-Fstt.I.—On his selection through Union Public Service Commission, Chairman, CWC, appoints Shri Ashok Kumar to the post of F.A.D. (HM) in Central Water Commission in the pay scale of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB 40-1200, in an officiating capacity on regular basis with effect from 27-3-1985.

Shri Ashok Kumar will be on probation for a period of two years with effect from 27-3-1985,

S. MAHADEVA AYYAR Under Secv.

MINISTRY OF INDUSTRY & COMPANY AFFAIRS (DEPARTMENT OF COMPANY AFFAIRS) COMPANY LAW BOARD

OFFICE OF THE REGISTRAR OF COMPANIES

In the matter of the Companies Act, 1956 and of M/s. B. K. Foams Private Ltd.

Bangalore-560009, the October 1985

No. 3844/560/85-86.—Notice is hereby given pursuant to sub-Section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956, that the name of M/s. B. K. Foams Private Ltd. has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

In the matter of the Companies Act, 1956 and of M/s. Halakki Krishi Udyama Private Ltd.

Bangalore-560009, the October 1985

No. 4208/560/85-86.—Notice is hereby given pursuant to sub-Section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956, that the name of M/s. Halakki Krishi Udyama Private Ltd. has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

In the matter of the Companies Act, 1956 and of M/s, Damodar Bagh Private Ltd,

Bangalore-560009, the 17th October 1985

No. 2507/560/85.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that at the expiration of three months from the date hereof the name of M/s. Damodar Bagh Private Ltd. unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved,

In the matter of the Companies Act, 1956 and of M/S L.V. Mudhol & Sons Roller Flour Mills Private Ltd.

Bangalore-560009, the 17th October 1985

No. 6362/560/85.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that at the expiration of three months from the date hereof the name of M/s. I. V. Mudhol & Sons Roller Flour Mills Private Ltd. unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

In the matter of the Companies Act, 1956 and of M/s. Fortech Engineers Private Ltd.

Bangalore-560009, the 18th October 1985

No. 3677/560/85-86—Notice is hereby given pursuant to sub-Section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956, that the name of M/s. Fortech Engineers Private Ltd. has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

In the matter of the Companies Act, 1956 and of M/s. Shobha Chemicals Private Ltd.

Bangalore-560009, the 18th October 1985

No. 3047/560/85-86.—Notice is hereby given nursuant to sub-section (3) of Section 560 of the Companies Act. 1956 that the name of M/s. Shobha Chemicals Private Itd. has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

Sd/- ILLEGIBI.E Registrar of Companies Karnataka, Bangalore

3/834

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, PUNE 106/107, KOREGAON PARK, PUNE-1

Pune, the 9th September 1985

Ref. No. IAC Λ CQ/CA-5/37G/58/1985-86.—Whereas, I. ANIL KUMAR.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/and bearing No.

property having a rair masset man and bearing No.

Property at S. No. 30A, Dasak, Nasik situated at Nasik (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at S. R. Nasik in April, 1985

to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax 1957 (27 of 1957);

(1) Shri Gulam Hussain Gulam Rahul Khan, C. o Koyana Co-operative Housing Society Ltd., Nasik Road, District Nasik.

(Transferor)

(2) The Chairman, Koyana Co-operative Housing Society Ltd., Dasak, Nasik Road, Nasik, Dist. Nasik, (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within period of forty five days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of thirty days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within fortyfive days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property at S. No. 30A, Dasak, Nasik. (Property as described in the sale deed registered in the office of the Sub-Registrar, Nasik, under document No. 58/1985-86 in the month of April, 1985.)

ANIL KUMAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Poona

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said ct, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the loresaid property by the issue of this notice under subsction (1) of Section 269D of the said Act, to the following presons namely —

Date: 9-9-1985

Scal 4

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, PUNE
106/107, KOREGAON PARK, PUNE-1

Pune, the 13th September 1985

Ref. No. IAC ACQ/CA-5/37EE/10995/1984-85.--I, ANIL KUMAR,

being the Competent Authority under Section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (Forematter referred to us the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing C.S. Plot No. 19/2, C.S. No. 2209/1-2-3 Waten Nagar Colony, Takgaon Dabhade, Tal. Meval District Pune situated at Pune

(and more fully described in the Schedule agnesed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) In the office of the Registering officer at IAC Acqu. Range, Pune in March, 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforeasid property and I have remon to believe that the fair market value of the property as aforeasid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen percent of such supercond considerationathat the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the Bability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and for
- (h) facilitating the concealment of any measure or any measure or only moneys or other assets which have not been or which aught to be disclosed by the transferred for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Acx. or the Weelth-en: Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisit on of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—
54—316GI/85

(1) Shri P. C. Naidu, G. G. Kulkarni, D. G. Parulekar, S. G. Copole, D. P. Joshi, P. T. Waghmare, P.O. Kamishet, Yul. Mayal, Dist. Pune

(Transferor)

(2) Smt. S. S. Chaturvedi, B-16, Maval, Flat No. 5, Moledina Road, Func-1.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in griding to the under demand:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the days of publication of this notice in the Cifficial Garette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period existing later;
- (b) by any other person interested in the said insmovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Classific.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said tet, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

C.S. Plot No. 19, 2, C.S. No. 2209/1-2-3 Watan Nagar, Colony, Talgaon Dabhade, Tal. Mawal, Dist. Pune. (Area 745 sq. ft.)

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C., Acquisition Range, Pune, under document No. 10935/1984 85 in the month of March, 1985).

ANIL KUMAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Poona

Date: 13-9-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE 106/107, KOREGAON PARK, PUNE-1

Pune, the 13th September 1985

Ref. No. JAC ACQ/CA-5/37EE/2023/1985-86.— I, ANIL KUMAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1.00,000/- and bearing No.

Bramha Darshan, Flat No. 16, 2nd floor Oswal Park, Shivaji Negar, Pune situated at Pune

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at IAC. Acqu. Range. Pune in August 1985

at IAC, Acqu. Range. Pune in August 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Bramha Builders,
 Oswal Park, Shivajinagar,
 Pune.

(Transferor)

(2) Shri Shanti Kumar Jain and Sneh Luta Jain, 585/14 Indrani Darshan, Near Church, Dehu Road, Pune.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:--

- (a) by any of the aforesaid persons within a revied of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazetta.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Bramha Darshan, Flat No. 16, 2nd floor, Oswal Park, Shiyajinagar, Pune-5. (Area 750 sq. ft.).

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C., Acquisition Range, Pune, under document No. 2023/1985-86 in the month of August 1985.)

ANIL KUMAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Poona

Date: 13-9-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA,

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE 106/107, KOREGAON PARK, PUNE-1

Pune, the 13th September 1985

Ref. No. 1AC ACQ/CA-5/1763/1985-86/37EE.— I, ANIL KUMAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|-

and bearing No. Plot No. 32, S. No. 129, C.T.S. No. 803, Village Kothrud, Pune situated at Pune

(and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred under the Registeration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at IAC, Acqn. Range, Pune in June, 1985

which is less than the for an apparent consideration fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of fauncies with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evanton of the No. of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any inserin arming from the transf mad/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1923 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tux Act, 1957 (27 of 1957);

New, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) Mrs. Shantabai M. Tamhankar, Shri M. Y. Tamhankar, Shri D. M. Tamhankar, 4/53 Vishal-pregad Co-operative Housing Society, Vile Parle, Bombay. (Transferor)

(2) M/s Antarkar & Associates, 8/11 Sfurti Society, Bombay Poona Road, Pune-3.

(Transferec)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 32, S. No. 129, C.T.S. 803, Village Kothrud, Pane-29

(Area 11,631 sq. ft.)

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C., Acquisition Range, Pune, under document No. 1763/1985-86 in the month of June, 1985.)

ANIL KUMAR Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Poona

Date: 13-9-1985

FORM NO. LT.N.S.---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACI, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

> ACQUISITION RANGE 106/107, KOREGAON PARK, PUNF-1

> > Pune, the 13th September 1985

Ref. No. IAC ΛCQ/CA-5/37EE/2568/1985-86.— Whereas, 1, ANIL KUMAR,

being the Competent Authority under Section 2698 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00.000; and bearing No.

Rs. 1,00.000/- and bearing No.
Block No. 7 in the proposed ewaership building of Plot No.
15, S. No. 691/2-B Bib/ewadi, Pane situated at Pune

(and morefully described in the schedule annexed here.o), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the at IAC, Acqu Range, Pune in July, 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, is respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other saset; which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, in the Westle-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Dattatraya Appaji Patil, Trister Construction Co., Plot No. 25, S. No. 41, Karvenagar Housing Society, Pune-29.

(Transferor)

(2) Mrs. Nirmala N. Kandade,61, Madhug.ri Apartments,408 Sion Trombay Road, Chembur, Bombay.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested is the said immevable property within 45 days from the date of the publication of this motion in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of said Ast, what have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Block No. 7 in the proposed ownerhip building at Plot No. 15, S. No. 694/2 B Bibvewadi, Pune. (Area 1032 sq. 1f.)

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C., Acquisition Range, Punc, under document No. 2568/1985-86 in the month of July, 1985.)

ANIL KUMAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Poona

Date: 13-9-1985

FORM TINS

(1) Mandkeshwar Vishnu Deosthan, 502-B Narayan Peth, Punc-30.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) M/s V. B. Parasnis & Associates, 1112 Sadashiv Peth, Punc-30.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE 106/107, KOREGAON PARK, PUNE-1

Pune, the 13th September 1985

Rcf. No. IAC ACQ/CA-5/37EE/1104/1985-86.-Whereas, I, ANIL KUMAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable

property having a fair market value exceeding Rs. 1.00,000/- and bearing No. Land and building at 503/B Narayan Peth. Pune situated at

Pune

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering Officer at IAC, Acqn. Range, Pune in July, 1985

fac. Acqn. Range, Pune in July, 1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than afteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---- Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aferential persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the res-pective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Ast. shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the limbility of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and for

THE SCREDULE

Land and building at 503/B Narayan Peth, Poona, (Property as described in the agreement to sale registered in the office of the I.A.C., Acquistion Range, Pune, under document No. 1104/1985-86 in the month of July, 1985.)

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

ANIL KUMAR Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Poona

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act. to the following Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the persons namely : --

Date: 13-9-1985

(1) Smt. Anusayabai G. Gaikwad, and Mr. Bhagwan B. Jadhav, Bibwewudi, Punc.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) M/s Jagtap Bros. 23/5 Premnagar, Pune Satara Road, Pune-9.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE 106/107, KOREGAON PARK, PUNE-1

Pune, the 6th September 1985

Ref. No. IAC ACQ/CA-5, 37EE/10303/1984-85.—Whereas, I, ANIL KUMAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income—tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to us the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. S. No. 689/1 Bibwewadi, Pune situated at Pune (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at IAC, Acqn. Range, Pune in Feb., 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforemaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and Ref. No. IAC ACQ/CA-5, 37EE/10303/1984-85.-

more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the narries has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said not, in respect of any income arising from the transfer; and/or.
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not becan or which ought to be disclosed by the transferes for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax, Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

S. No. 689, 1 Bibwewadi, Punc. (Property as described in the agreement to sale registered n the the office of the I.A.C. Acquisiton Range, Pune, under document No. 10303/1984-85 in the month of Feb., 1985.)

> ANIL KUMAR Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Poona

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 6-9-1985

FORM ITNS ---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II 54, RAFI AHMED KIDWAI ROAD CALCUTTA

Calcutta, the 27th September 1985

Ref. No. AC-48/R-11/Cal/85-86.—Whereas, I. SHAIKH NAIMUDDIN.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (harrinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value

exceeding Ps. 1,00,000/- and barring No.

10/1/F. situated at Diamond Fia, bour Road, Calcutta-27, (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of Registration (1908) in the office of Registration (1908) (16 of 1908) in the office of Registration (1908) (16 of 1908) in the office of Registration (1908) (16 of 1908) (17 of 1908) (17 of 1908) (17 of 1908) (18 of 1908)

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, andlor
- (h) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferres for the surposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the laste of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Greenwich Holdings (P) Ltd., 160/C, Chittaranjan Avenue, Calcutta-7.

(Transferor)

(2) 1. Smt. Krishna Devi Bhaiya2. Smt. Madhu Bhaiya both of

232, Chittaranjen Avenue, Calcutta-6.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of thet said property many be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a person of 45 days from the date of publication of this netice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other verson interested in the said immovable property, within 45 days from the data of the sublication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

221.19 Sqr. meter flat No. 4B, situated at 10/1/E, Diamond Harbour Road, P. S. Alipore, Calcutta-27. Registered before Competent Authority on 12-2-1985 vide Sl. No. 39.

SHAIKH NAIMUDDIN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
54, Rafi Ahmed Kidwai Road
Calcutta-16

Date: 27-9-1985

FORM NO. I.T.N.S .-

NOTICE UNDER SECTION 269D|1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II 54, RAFI AHMED KIDWAI ROAD CALCUTTA

Calcutta, the 7th October 1985

Ref. No. AC-50/R-II/Cal/85-86.—Whereas, I, SHAIKH NAIMUDDIN,

the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereleaster referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. Rs. 1.00,000/- and bearing No.

62/3 situated at Mahaima Gandhi Road, Calcutta-82

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of Registering Officer at S. R. Alipore, 24-Parganas on 13-2-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason so believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (22 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Sri Tarak Nath Saha of 91/4C, Tollygunge Road, Calcutta-33.

(Transferor)

(1) (1) Sri Santosh Chandra Saha.

(2) Smt. Anjana Saha, Both of 555/N, Mahatma Gandhi Road, Thakurpur, Calcutta.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid parsons within a period of 45 days from the date of publication of the notice in the Official Gamette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

2.201 cottahs land with building situated at 62/3, Mahatma Gandhi Road, (555/N, Mahatma Gandhi Road, New number) P. S. Thakurpukur, Calcutta. More particularly described in Deed No. 1087 of S. R. Alipore, 24-Pargams of 1985.

SHAIKH NAIMUDDIN
Competent Authority
Acquisition Range-II
54, Rafi Ahmed Kidwai Rond
Calcutta-16

Date 7-10-1985 Seal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE NOOME JAY ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-IV 54, RAFI AHMED KIDWAI ROAD CALCUTTA

Calcutta, the 31st July 1985

Ref. No. AC-7/Acqn. R-IV/Cal/85-86.—Whereas, I, SANKAR K. BANERJEE, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hersinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. situated at Mouja-Raidi P. S. Kulti Dt. Burdwan (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of Registering Officer at Asansol on 8-2-1985.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than afteen per cent of such apparent consideration and that the sensideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the chiect of '....

(a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the said. Act, in respect of any income arising from the transfers and for

(b) facilitating the concentment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferrer for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the mid Act, or the Wealth-test Act, 1957 (27 of 1957);

New, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the admission property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following pursons, namely:—
55—316GI/85

(1) Smt. Minati Mukherjee . W/o. Nikhil Ranjan Mukherjee . E. W. Dt. Burwdan.

Curansferor)

(2) Sri Kali Kinkar Chattopadhaya 411), Palm Avenue Calcutta-700 019.

viltan-ferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the analysis and

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publicative of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires twice:
- (b) by any other person interested in an will manufactor property, within 45 days from the direct of the publication of this notice in the Official Carette.

Explanation:—The terms and explosion on the land to are defined in Chapter Kak of the east had shall have the same assuming as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land: 10 cottahs with building.

Address: Mouza-Raidi, P. S. Kulti, Dt. Burdwan.

Deed No. 799 of 1985

SANKAR K. BANFRITE Complicat Antolio Acquesicon Range-IV 54, Rafi Ahmed Kidwai Road Calenta-Io

Date: 31-7-1985

(1) Miss Lila J. Shahaney of Ashley house, Boat Club II Avenue, Madras, PIN-600 028.

(2) Mr. A Goopta of Flat No. 5-C, 8/2A, Alipore Park Road, Calcutta-27.

(Transferor)

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II 54, RAFI AHMED KIDWAI ROAD CALCUTTA

Calcutta, the 24th July 1985

Ref. No. ΔC -34/R-II, Cal/85-86.—Whereas, I, SHAIKH NAIMUDDIN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 8/2A situated at Alipore Park Road, Calcutta-27, (and more fully described in the Schedule annexed hereto).

has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of Registering Officer at Competent Authority at on 12-2-1985 for an apparent consideration which is less than the fair

market value at the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the carties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the limbility of the transferor to pay tax under the said Act, is respect of any income arising from the transfer; Saul Are
- (b) facilitating the concealment of any income or any messeys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (1) of 1922) or the said Act. or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957))

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period appear inter;
- (b) by any other person interested u the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :-- The laying and expressions used berein as are defined in Chapter XXA of the said Act, simil have the name crossing as given in that Dogwood

THE SCHEDULE

1560 Sft. flat situated at 8/2A, Alipore Park Road, Calcutta-27. Registered before Comptetent Authority vide Sl. 37 on 12-2-1985.

> SHAIKH NAIMUDDIN Compilent Authority Acquisition Range-II 54, Rafi Ahmed Kidwai Road Calcutta-16

New therefore, in pursuance of Section 269C of the said Agt, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesand property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 24-7-1985

FORM TOTS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE BANGALORE-560 001

Bangalore-560 001, the 27th July 1985

Ref. No. Notice No. 987/85-86.—Whereas, 1, R. BHARADWAJ,

R. BHARADWAI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) thereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Plot No. S. 22, 23 and 24 situated at Panaji Goa. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferre under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Office at II has, Coa, Under do unent No. 176/210, dt. 26-2-1985, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the poperty as africiand exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such the index as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of transfer with the object of :---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferer for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

row, therefore, in pursuance of Section 269-C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the atoresaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) Mr. Suresh Anant Kamat & 2. Mrs. Usha Suresh Kamat, 'Churchview', Panaji. Goa-403 001.

(Transferor)

(2) Palm Grove Co-operative Housing Society, Ltd., Palm Grove Apartments,, Tonca-Caranzolem, Goa.-403 002.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

SEPLANATION:—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the safe Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Registered Document No. 176/210 dated 26-2-1985) Plot Nos. 22,23, & 24 of property Plam grove admeasuring 550 m2, 475 m2 & 570 m2 situated at Panaji, Goa.

> R. BHARADWAJ Competent Authority Acquisition Range Bangalore-560 001

Scal:

Date: 26-7-1985

(1) Shrimathi Mary Mical Pereira Azamanagar Kangaali Road, Belgaum.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shrimati Janabai Maunti Enjal, Head Quarters Road, Shivaji Nagar Belgaum.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE BANGALORE-560 001

Bangalore, the 30th September 1985

Ref. Notice No. 1008/85-86/8-8/Acq/B.—Whereas, I. R. BHARADWAJ, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the 'said act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1.00,000/- and bearing No. 4805/6 3, 9. No. cituated at Belgaum Shivaji Nagar, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been stansisted under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Office at Belgaum on 23-2-1985

(and more fully described in the Schedule annexed herete), has been manifered under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Office at Belgaum on 23-2-1985

for an appropriate confinential which is less than the fair mark to the confinential property, and I have reason to be the training and the property as atteres a waccel, the apparent consideration therefor by mark that the consideration to such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the perfect has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which occur to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, a hereby include proceedings for the acquisition of the aformand a hearty by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Registered Document No. 4354 Dated 23-2-1985) R. C. C. house measuring 780 Sq. ft, in the plot area of 1476 sq. feet situated at Shivaji Nagar, Belgaum.

> R. BHARADWAJ Competent Authority Acquisition Range Bangalore-560 001

Date: 30-9-1985

TERRITORI LAGUELE EL

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA.

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560 001

Bangalore-560 001, the 1st October 1985

Ref. No. 62/D/R-224/37EE/84-85|ACQ|B.—Whereas, I, R. BHARDWAJ,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act, have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing No. 458 and 459 situate at Gogol, Margao, (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of

1908) in the Office of the Registering Officer at Dharwar under Registration No. 139/84-85 on 5-2-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(1) Sri Krishna Narayan Kar. Sri Prabhar Narayan Kare, Srinivas Narayan Kare and Sri Sadanand Narayan Kare, All are residing at House No. 17 Old Market, Margao, Goa.

:: :ansferor)

(2) M/s. Akor Real Estates Pvt. Ltd., Vetho Building, Panaji, Goa

(Transferee)

Ojections, if any, to the acquisition of the section property may be made in writing to the under the

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of profiles and the motion in the Official Gazette of the second was from the service of notice on the respective persons, whichever period expires lates:
- (b) by any other person interested in the main immovable property, within 45 days and the publication of this notice that the art Structure.

EXPLANATION:—The terms and expression was restein as and defined in Charter the said Act, shall have the start of the given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the limiting of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and /or

(b) facilitating the concealment of any mome or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

THE SCHEDULE

(Registered Document No. 139/84-85 40/22 5-2 85).

One-half of the property known as Gogoth under a regularity model of the property known as Gogoth under a regularity model of the property known as Gogoth under a regularity model of the property known as Gogoth under a regularity model of the property known as Gogoth under a regularity model of the property known as Gogoth under a regularity model of the property known as Gogoth under the property

R. BHARDWAJ Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range,

1 acquisition 7500 001

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subrction (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Date: 1-10-1985

FORM I'NS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE,
BANGALORE-560 001

Bangalore-560001, the 1st October 1985

Notice No. 1009/85-86.—Whereas, I, R. BHARDWAJ, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Bangalore, being the Composer Authority under Section 2698 of the Income-tax A. 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the 'said Act have leased to believe that the instantable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Survey No. 195, 196, 246, 247, 248, 249 and 253 situated at Surla Picholi, Goa (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Bicholim on Peb. 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the afterest of personty, and I have reason to believe that 'file in that value of the property as aforestid except) the apparent consideration herefor by more than iffect, per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the grander to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which people to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1923 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax hat, 1937 (27 of 1957):

Now therefore, in purmance of Section 269°C of the said Act, I nereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the saue of this notice under submiction (1) of Section 269°D of the most with said following persons, ramely:—

(1) 1. Shri Anant Dattaram Surlacar Alias Bhaskar Uttom Sinai Surlacar and (2) His wife Smt. Ratan Anant Surlacar, R/o Surla—Goa.

(Transferor)

(2) Village Panchayat of Surla, Through its Chairman/Sarpanch Shri Narayan Keshav Ghadi, R/o Surla, Bicholim, Goa.

(Transferee)

Objections, if any, so the acquisition of the said preperty may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforessid persons within a persod of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazotte or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gasette.

MEPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Registered Document No. 487/84 dated Feb. 85)

Agricultural land at Surla Bicholi Goa, measuring 34,500 sq. mtrs.

R. BHARDWAJ
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range,
Bangalore

Date: 1-10-1985

MALM TOTAL

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF ENDIA

OFFICE OF THE INSPECTENG ASSETANT COMMERCEMENT OF UNCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560 001

Bangalore-560001, the 1st October 1985

Notice No. 1110/85-86.—Whereas, I,
R. BHARDWAI, Inspecting Assistant Commissioner of
Income-tax, Acquisition Range, Bangalore,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (Income-tax Act, 1961 (43 of 1961)) (Income-tax Batulem of Panaji
(and more fully described in the Schedule annexed hereto).
In the Office of the Registering Officer at
Ilhas, Panaji on 4-2-1985

for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as
aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by
more than affece per cent of such apparent consideration and
that the consideration for such apparent consideration and
that the consideration for such apparent consideration and
that the consideration for such apparent consideration and

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
 of the transferor to pay tax under the said Act, in
 respect of any income arising from the transfer;
 and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

w, therefore, in pursuance of Section 269C of the said I hereby initiate proceedings for the acquisition of the said property by the issue of his notice under subm, (1) of section 269D of the said Act to the following sons, namely:—

- (1) 1. Miss Entemia Carchina Rosa
 A lea Ribeiro de Salatina,
 Folainhas, Panaji-Gea,
 2. Mr. Alfredo Coatano Pitagoras Ribeiro de
 Santana and his wife Mrs. Marta Lira Astimisia de
 Sa e Ribeiro, Pembay-600054,
 3.Mr. Marto Char Candido Ribeiro de Santana,
 Fontainhas Panaji
 4. Mr. Rui Alvaro Fransico Ribeiro de Santana &
 his wife Mrs. Zenobis Diana Bentriz dee Costa
 Azaredo de Ribeiro de Santana.
 Sunsbine Building, General Barnard Guades Road,
 Panaji—Goa.

 (Transferor)
- Mr. Narendra Damodar Naik Karmali Kaera, Curchorem, Goa.
 (Transferee)

Objections, it may, to the negrisition of the said property may be made in various to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons which a period of
 45 days from the date of publication of this notice
 in the Official Gazette or a period of 30 days
 from the service of notice on the respective persons,
 which was puriod complete later;
- (b) by any other person haterested in the said immees able property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the mid Act, shall have the swore meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Registered Document No. 78 dated 4-2-1985)

Plot No. 1 admeasuring 493-75 sq. mtrs. of the property known as "Arady" or "Bo'ulem" situaed at Batulem.

R. BHARDWAJ
Competent Authority
Inspecting Assis ant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range,
Bangalore

Date: 1-10-1985

PORM TINE

ROPROM 切りが MECTION 269D(1) OF THE (たい) そにもごるだ。ACT, 1961 (43 OF 1961)

WILL SENMENT OF DIREA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT

ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560 001

Bangalore-560001, the 1st October 1985

- (a) facilisating the reduction or evasion of the liability of 就e transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and lor:
- (b) facilitating the concentrate of any income or any moreove or other assets which have not been or which cought to be disclosed by the transferor for the moreover of the Indian Income-tax Act, 1952 or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the anid Act, 1 feet in Sate proceedings for the acquisition of the afformation of the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Mohd. Kaka S/o Sayad Kaka Saya Ali Old Bus Stand, Hospet, Dist. Bellary.

(Transferor)

 Shri K. N. Janardhan Iyengar, Old Bus Stand, Hospet, Diat. Bellary.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this motion in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Burlanamon: —The terms and expressions used bessig as not defined in Chapter XXA of the said Aut, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Registered Document No. 21/84-85 dated 6-2-85)

House D. No. 78 Ward No. 9 situated at Old Bus Stand Hospet.

R. BHARDWAJ Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Pangalore

Date: 1-10-1985

FORM ITNS ———

MOTICA UNDER SECTION 1490(1) OF THE INCOME. TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE. BANGALORE-560 001

Bangalore-560001, the 1st October 1985

C.R. No. 62/DR.253/37EE/84-85/ACQ/B.—Whereas, I, R. BHARDWAJ, Inspecting Assistant Commissioner of

Income-tax, Acquisition Range, Bangalore, being the Competent Authority under section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (bereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immer-

able property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 158, 546 of Book B-2 &3 situated at Cerjitem of Candoli Village (and more fully described in the schedule annex d hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at 1908) in the Office of the Registering Officer at Ilhas on February 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aferesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than afteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respective of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferos for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the atoresaid property by the issue of this notice under section (1) of Section 269D of the said Act, to the fallowing persons, namely ;--56—316GI/85

enter datas. Managarines enteres estres estres estres estres de la companya de la companya estres de la companya est (1) Mr. Luis Vicente Santana Fereira & Others, (Transferor)

> (2) M/s Alcon Real Estates Pvt. td., Velho Building, Panaji—Goa-403001.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

Explanation :-- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same mouning as given is that Chapter,

THE SCHEDULE

(Registered Document No. - dated 18-2-85)

Landed property known as "Azulianchi Gally or Gogolla" situated at Gogol, Margao, Goa within limit of Margao Municipality.

> R. BHARDWAI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Bangalore

Date : 1-10 4985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560 001

Bangalore-560001, the 1st October 1985

Notice No. 1112/85.—Whereas, I, R. BHARDWAI, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Bangalore, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs, I,00,000/- and bearing No. LR. No. 255 Survey No. 278 situated at Nuvem Taluka of Salcete (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Margao, Goa on Feb. 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent considera-

tion therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the

said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and for
- (b) facilitating the concealment of any income or any Moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceeding for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely.—

 Shri P. D. L. Caeiro, Cairo Nagar, Navelim, Salcete—Goa.

(Transferor)

(2) Shri Dominick Santana D'Costa Velsao, Falvaddo P.O. Cansaulim, Salcete—Goa.

(Transferee)

Objections, if any, to the aquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a raid of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Registered Document No. 73/84 dated Feb 1985)

Flat No. 1 on the ground floor of the building known "Highway Apartments" situated at Nuvem Taluka of Salcete having built up area 75 sq. mtrs. The plot No. 2 admensuring 1025 sq. mtrs within the village Panchayat of Nuvem.

R. BHARDWAI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range,
Bangalore

Date: 1-10-1985

(1) Shri Gangappa Adiveppa Bilgi R/o Savadatti Dist, Belgaum.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Shrirenuka Industries Savadatti Managing Partner Sn. Prakasn Kuwajappa Sonwalkar Savadatti Dist. Belgaum R/o Mudalgi Taluka Gokak Dist. Belgaum.

(Transferce)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER

OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560 001

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

Bangalore-560 001, the 1st October 1985

(a) by any of the aforesaid persons within period of forty five days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of thirty days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

Notice No. 1113/85-86.-Whereas, I, R. BHARDWAJ, Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax, Acquisition Range, Bangalore, sioner of Income-Tax, Acquisition Range, Bangalore, being the Competent Authority under Section 269B of the neome-tax 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the Sand Act) have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000]—and bearing No. R.S. No. 28/1 situated at Savadatti Dist. Belgaum (and more unity described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the Office of the Registring Office at Savadatti on 11-3-1985 for an apparent consideration which is less than the fair

(b) by any oher person interested in the said immovable property, within forty five days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Same Act, shall have the same meaning as given in the Chapter.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the Object of:

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer, 4nd∕or

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the Act. or the Wealth-tax Act, 1937 (27 of 1957).

Non-agricultural land measuring one Acre & seven Guntas situated at Savadatti Dist. Beegnum.

[Registered Document No. 849 daed 11-3-85]

R. BHARDWAJ Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax

Acquisition Range, Bangalore

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the afore-said property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the fail Act to the following persons. namely .-

Date: 1-10-1985

scal:

and the control of th

FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560 001

Bangalore-560 001, the 1st October 1985

Notice No. 1114/85-86 C.R. No. 62/ACQ/B.—
Whereas, I, R. BHARDWAJ, Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax, Acquisition Range, Bangalore, being the Competent Authority under Section 2098 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'taid Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing
—Municipal No. I-527/3 situated at Station Bazar, Gulbarga (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the Office of the Registering Office at

1908), in the Office of the Regisering Office at

Gulbarga on 30-3-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exce ds the apparent consideration therefor by more than fifteen per civil of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as a result to and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the limiting of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any moome or any moneys or o her assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferoe for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax AR, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesand property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

(1) Shrimathi Patali Begum w/o Mohd. Sharfuddin R/o Jawarji Rd., Gulbarga.

(Transferor)

(2) Shrimathi Fatima bee w/o Abdul Shookur R/o Station Bazar, Gulbarga.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immevable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION ... The serins and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Ast, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

[Registered Document No. 3052 dated 30-3-85]

House measuring 1290 Sq. feet situated at Station Bazar, Gulbarga.

> R. BHARDWAJ Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Bangalore

Date: 1-10-1985

scal:

Sirai on 18-3-1985

FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560 001

Bangalore-560 001, the 3rd October 1985

Notice No. 1115/85-86 C.R. No. 62/ACQ/B.—Whereas, I. R. BHARDWAI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the impossible property having a fair market value exceeding movable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,0001- and bearing No.

C.T.S. No. 22990 situated at Sirni (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the Office of the Registring Office at Sirni no. 18.3 1085

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, is respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

(1) Shri Anil Kumar Vardharaj Acharya R/o Marigudi Galli Sirsi Dist. Karwar.

(Transferor)

(2) Shri Mukund Govind Pai R/o Rayar Galli Şirsi, Dist. Karwar.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette of a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

[Registered Document No. 1932 dated 18-3-1985]

R.C.C. Building in City Survey No. 22990 measuring 686-1/9 sq. vards situated at Sirsi Dist. Karwar.

> R. BHARDWAJ Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Bangalore

dow, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following

persons, namely ---

Date: 3-10-1985

(1) Shivappa (2) Nagesh Ambi Savadatti Dist. Belgaum.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Chandrashekhar 6/0 Mallikarjunappa Mamani Savaqatti Dist. Belgaum.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560 001

Bangalore-560 001, the 3rd October 1985

Notice No. 1116/85-86 C.R. No. 62/ACQ/B.—

Notice No. 1716/85-86 C.R. No. 62/ACQ/B.—Whereas, I, BHARDWAJ, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the inmovable property naving a fair market value exceeding Rs. 1,00,000] and bearing No. R.S. No. 11/C/1/2 situated at Savadatti Dist. Belgaum and more tally described in the Schedule annexed hereto).

R.S. No. 11/C/1/2 situated at Savadatti Dist. Belgaum (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the Office of the Registering Office at Savadatti on 24-4-1985

for an apparent consideration which is less than the fuir market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction e. evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

[Registered Document No. dated 24-4-85]

Agricultural land measuring 3 Acres situated at Savadatti Dist. Belgaum.

R. BHARDWAJ
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bangalore

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby in tiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, cannely....

Date: 3-10-1985

seal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560 001

Bangalore-560 001, the 1st October 1985

Notice No. 1117/85-86 C.R. No. 62/ACQ/B.—Whereas, I, BHARDWAJ,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|- and bearing No.

R.S. No. 27 situated at Sondatii Village Dist. Belgaum (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transfeired under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registrating Officer Sondatti on 29-5-1985

sondatti on 29-3-1983 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

(1) Shrimati Laxmovva w/o Gadgeppa Bijjur, R/o Savadatti Dist. Belgaum.

(Transferor)

(2) Shri Virupaxappa s/o Karabasappa, Mamani Taluka Savadatti Dist. Belgaum.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the Publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

[Registered Document No. 257/85-86 dated 29-5-85]

Agricultural land R.S. No. 27, 3 Acres 15 Guntas at Savadatti Dist. Belgaum.

R. BHARDWAJ
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bangalore

Date: 1-10-1985

seal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME. TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560 001

Bangalore-560 001, the 3rd October 1985

Notice No. 1118/85-86 C.R. No. 62/ACQ/B.— Whereas, I, R. BHARDWAJ, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000]—and bearing No. 365-367 situated at Sufinakatte Extr. Tirthahalli Town Dist. Shimoga

Shimoga

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the Office of the Registring Office at Shimoga Tirthahalli Town on 14-2-85

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than Miteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneya or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforessid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, manuely:—

(1) Shri B. H. Abdul Razak S/o B. Hassan Saheb and others, Doddi Road, Tirthahalli Town Shimoga Dist.

(Transferor)

(2) Shri M. Y. Krishnappa s/o Yallappa Gouda Ganapathi Temple Street Hosanagar Town Dist. Shimoga.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :- The terms and expressions used because are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Charter.

THE SCHEDULE

[Registered Document No. 488/84-85 dated 14-2-85]

Building along with site and Rice mill installed in site bearing Asstt. No. 365-367 situated at Subinakatte Extn.

> R. BHARDWAJ Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Bangalore

Date: 3-10-1985

scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A. P.)

Hyderabad, the 19th September 1985

Ref. No. RAC No. 373/85-86.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), hereinafter referred to as the 'said Act', have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rt. 1,00,000]and bearing No.

Building situated at Railpet, Guntur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Guntur on July, 1985

market vaule of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent o fsuch apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the limbility of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-ax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the anid Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following person framely :- 57—316GI/85

(1) Sri Somaroutu Veera Sekhara Rao, S/o Vcera Rughavaiah, Railpet. Guntur.

(Transferor)

(2) I. Sri Desu Ramamohana Rao, S/o D. Subbaraidu,
2. Sti Desu Uma Maheswara Rao, S/o D. Subbaraidu

3. Sri Deu Hari Prasad Rao, S/o D. Subbaraidu Ramachandrapura Agraharam, Gantur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of sublication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other posson interested in the said immovable not active within 45 days from the date of the publication of the notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Building No. 9.9-39, Rollpot, Cuntur (total area 1839 (1. 17.19) registered by the SRO, Guntur vide Document No. (1997/85) in the month of 7/1985.

M. JEGAN MOHAN Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range Hyderabad (A,P.)

Date: 19-9-1985

FORM I.T.N.S .-

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A. P.)

Hyderabad, the 7th October 1985

Ref. No. RAC No. 374/85-86.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

property having a fair charket value exceeding Rsfl 1,00,000/- and bearing I and & Building situated at Punjagutta, Banjara Hills (and more fully described in the schedule annexed herete) has been transfered under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad on 2/1985 for an apparent consideration which is less than the fair

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the partis has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the eaid Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (1) of 1922) or the soil Act, or he Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesa'd property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

- (1) I. Mrs. C. Neela Subia W/o A/M C. D. Subia
 - 2. Miss C. Necla Subia D/C A/M C. D. Subia
 - Miss C. Anjali Subia
 D/o A/M C. D. Subia,
 No. 40, Lovelle Rd., Civil Line Line area,
 Bangalore-1.

(Transferor)

- (2)1. M/s SOL Hospitals (P) Ltd.,
 - 2. M/s SOL Pharmaceutical Ltd.,
 - M/s. Girija Investments (P) Ltd., 6-3-348, Dwarkapuri Colony, Punjagutta, Hydorabad-4.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Building & open land with horticulture and admeasuring 5044 sq. yds. at H. No. 6-3-348, Puniagutta, Banjara Hills, Hyderabad registered by the S.R.O., Hyderabad vide Document No. 1293/85.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
Hyderabad (A.P.)

Date: 7-10-1985

FORM ITNS----

M/s Virgo Constructions, Kep: by its Mg: partner Sri B. N. Reddy, Banjara Hills, Hyderabad.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

W/o V. L. Moorthy, D. G. Police Road, Road No. 11, Bunjara Hills,

(2) Smit. Shanti Murthy,

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISTION RANGE, HYDERABAD (A. P.)

Hyderabad, the 7th October 1985

Ref. No. RAC No. 375/85-86.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable attemptive having a fair market value exceeding. property having a fair market value exceeding

ks. 1,00,000]- and bearing

Prat situated at Kantisekhara Apartments, Punjaguita and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of

1908) in the office of the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hydrabad on 2/1985 in an approximate consideration which in loss than the fair market value of the mforestid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforestid exceeds the apparent consideration therefor by more than influence cost of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the contribution has not been trained in the said between the parties has not been truly stated in the said instrument of transition with the object of the

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforcial persons within a period of 43 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publi-ention of this notice in the Official Gazette?

EXPLANATION:—The serms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

- (a) facilitating the reduction or eventor of the liability of the transferor to pay tax under the said Ast, in respect of any income arising from the transfer; and fort
- (b) (scilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Iscome-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. .957 (27 of 1957);

Fiat No. 16, on IV Floor in Kantisekhara Apartments, at Purjaguita, Hyderabad registered by the S.R.O., Hyderabad vide Document No. 753/85.

THE SCHEDULE

M. JEGAN MOHAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range Hyderabad (A.P.)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act. to the following personn, namely ---

Date: 7-10-1985

FORM TINS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF NCOMETAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A. P.)

Hyderabad, the 7th Outober 1985

Ref. No. RAC No. 376/85-86.—Whereas, I, M. JEGAN MOIIAN,

being the Competent Authority under Section 2018 of the freeme-tax Act, 1961 (45 of 1964) (Inceination referred to a the 'said Act'), have remove to to zero that the property having a fair market value exceeding to, 1,00,000 and bearing No.

Flat situated at Kantisekhara Apaliments, Punjagutta (and more fully describe i in the sciendule renexed here), has been transforred under the Registroflem for, 1908 (15 of 1908) in the office of the Registering Officer in Hyderabad on 2/1985

for an apparent considers for which is less that the fair starket value of the aforesal phone is, and there reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agrees to between the partice has not been truly stated in the mid instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the limited to pay the water the sold Ast. In respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other sences which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the World-Rex Act, 1957 (27 of 1957);

 M/s Virgo Constructions, Rep; by its Mg: partner Sri B. N. Reddy, Baniara Hills, Hyderabad.

(Transferor)

(2) Smt. M. Sriranganayakamma, W/o M. Venkateswara Rao, H. No. 6-3-354/8/7, Hadi Nagar, Banjara Hills P.O., Hyderabad.

(Transferee)

Objections if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 hays from the date of pursucation of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whilever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immevable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION 1—The turns and eigensions used learning as are defined in Chapter XXA of the earli Ast, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 6, Block-E, in Kuntisekhara Apartments, at Punjagutta, Hyderabad registered by the S.R.O., Hyderabad vide Document No. 751/85.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
Hyderabad (A.P.)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby intinte proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:

Date: 7-10-1985

Seal

FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-FAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A. P.)

Hyderabad, the 7th October 1985

Ref. No. RAC No. 377/85-86.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (herematter reterred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000)- and bearing No.

First situated at Kancisikhara Apartments, Punjagutta (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad on 2/1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties and not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other amets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

New, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:----

M/s Virgo Constructions.
 Rep: by its Mg: partner Sri B. N. Reddy.
 Banjara Hills.
 Hyderabad.

(Transferor)

 Sri Atif Mohd Aquil Ansari, S/O late Arif Md. Hakeem Ansari, Frat No. 4. Block C, Kantisekhara Apartments, Punjagutta,

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 4, Block C, Kantisekhara Apartments, at Punjagutta, Hyderabad registered by S.R.O., Hyderabad vide Document No. 754/85.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
Hyderabad (A.P.)

Date: 7-10-1985

Scal ·

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A. P.)

Hyderabad, the 7th October 1985

Ref. No. RAC No. 378/85-86.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN,

M. JEGAN MOHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00.000/- and bearing
Rs. 1,00.000/- and bearing
Fiat situated at Kantisekhara Complex Punjagutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Hyderabad on 2/1985

Hyderabad on 2/1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Ast, in respect of any income arising from the transfer and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpo es of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the foresaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) M/s Virgo Constructions. Rep : by its Mg : partener Sri B. N. Reddy, Banjara Hills, Hyderabad.

(Transferor)

(2) Sri A. Narayana Murthy, S/o AVRL Bhujanga Rao, 2-2-1137/3/C, Nallakunta, Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :-- The terms are expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chanter.

THE SCHEDULE

Fiat No. 14, II Floor, Block D m Kantisekhara Complex, at Punjagutta, Hyderabad registered by the SRO Hyderabad vide Document No. 752/35.

> M. JEGAN MOHAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range Hyderabad (A.P.)

Date: 7-10-1985

Leal:

FORM ITNS— (1) M/s, Sunrise Builders

 M/s, Sunrise Builders, H. No. 11-5-308, Red Hills, Hyderabad.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (2) Smt, K. Virginia Chandra Paul, Rest House Road, Bhimavaram, E. G. Dist.,

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 7th October 1985

Ref. No. RAC. No. 379/85-86.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to so the 'spid Act'), have reason to believe that the immovable property having a flar maket value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat situated at Arun Apartments, Red Hills (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act. 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Hyderabad in February, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than affecen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said in towards.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any taxonos arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferor for the purposes of the Indian Income-tax Ast, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Westler Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 26%C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the audersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires inter;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation: :—The terms and expressions used hereig as are defined in Chapter XXA of the said Ast, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 208, in Arun Apartments, at Red Hills, Hyderabad registered by the S.R.O., Hyderabad vide Document No. 1165/85.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad, (A.P.)

Date: 7-10-1985

Soal:

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

37814

GOVERNMENT OF INDIA

 Shri M. P. Purushothaman, 18/31, Sai Nagar, Tirumalgiri, Alwal, Secunderabad-15.

(Transferor)

(2) Smt. M. Raiya Laxmi, 28. Janata Flats, Punjagutta, Hyderabad.

(Transferge)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

' Hyderabad, the 7th October 1985

Ref. No. RAC. No. 380/85-86.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to us the Said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding R.: 1.60,000/- and bearing

No. Plat situated at Kantisekhara Apartments, Punjagutta tand more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad in February, 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than filteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the ebject of:

Objections, if any, to the acquisition of the said property, may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Flat No. 47, on VI Floor, Block No. D in Kantisekhara Apartments at Punjaguita, Hyderabad registered by the S.R.O., Hyderabad vide Document No. 1190/85,

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad, (A.P.)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Date: 7-10-1985

NOTICE 'JNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT. 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 7th October 1985

Ref. No. RAC. No. 381/85-86.—Whereas, I,
M. JEGAN MOHAN,
being the Competent Authority under Section 269B of the
knoome-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the said Act') have reason to believe that the
knowable property, having a fair market value exceeding
Rs. 1,00,000,- and bearing
No. Land situated at Venkatapuram Village, Mylavaram Tq.,
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16
of 1908) in the office of the Registering Officer at
Mylavaram in February, 1985
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more
than fifteen per cent of such apparent consideration and that
the consideration for such transfer us agreed to between
the parties has not been truly stated in the said instrument
of transfer with the object of:—

(a) facilitating to reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, is respect of any income mising from the transfer and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assess which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I bereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

58—316GI/85

 Shri Gajavalli Narasimha Rao, S/o, Ramulu; Smt. G. Nagaratnamma W/o. Ramulu Ammasetty Vari Street, Vijayawada-1.

(Transferor)

 Smt. Sanka Jayalaxmamma W/o. Venkata Swamy, Brahmin Street, Vijayawada-1.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1.9th share in dry land and 1/9th share in rice mill and machinery situated at Venkatapuram, Mylavaram Tq., Krishna Dist. registered by the SRO, Mylavaram, Krishna Dist. vide Document No. 116/1985.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date: 7-10-1985

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 7th October 1985

Ref. No. RAC. No. 382/85-86.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1.00 0001 property, having a fair market value exceeding Rs, 1,00,000|and bearing

No. Building situated at Kanuru Vill., Vijayawada (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Vijayawada in February, 1985 for an appropriate consultation, which is less than the fair

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid streeds the apparent consideration therfor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising fro in the transfer; and or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); (1) Sh. Aachanta Kutumbarao, S/o. Rammohan Rao & Others, Vuyyur (Transferor)

1(2) Gorintla Venkateswara Rao, S/o. Narasimharao Mollapadu Post & Village, Vuyyur Tq., Krishna Dist.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XAA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Building at Kunuru in RS, No. 202/3, Vijayawada Tq., (Total Area 1062-91 sq. yds.) registered by the SRO, Vijayawada vide Document No. 854/85.

M. JEGAN MOHAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax-Acquisition Range, Hyderabad, (A.P.)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 2691) of the said Act, to following persons namely :-

Date: 7-10-1985

FORM ITNS----

(1) Shri Raghavareddy A., H. No. 3-4-526/2/3/C, Barkatpura, Hyderabad.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (2) Smt. S. Ratnaveni, H. No. 3-4-526/2/3/B, Barkatpura, Hyderabad.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 7th October 1985

Ref. No. 383/85-86.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

able property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Land situated at Chikkadpally, Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad in February, 1985

Hyderabad in February, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Total area 665 sq. yds. of land at Chikkadpally, Hyderabad registered by the SRG., Chikkadpally vide Document No. 143/85.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad, (A.P.)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the sald Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 7-10-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 7th October 1985

Re'. No. RAC. No. 384/85-86.—Whereas, 1, M. JEGAN MOHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing
No. Land situated at Peda Kakani. Guntur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act. 1908 (10

has been transferred under the Registration Act, 1908 (10 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Countur in February, 1985

Log an apparent consideration which is less than the fair

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforemic exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(*) Shri Lella Jagapathi Rao S/o. Nagaish, Peda Kakani, Guntur.

(Tansferor)

 Smt. Dr. Tatineni Nagamani W/o. Dr. Chigurupati Hari Prasad, Chandra Mouh Nagar, Guntur,

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the saud property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 39 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SHEDULE

Land total area AC 1-78 cents at Peda Kakani, Guntur Dist., registered by the SRO, Guntur vide Document No. 771/85.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 7-10-1985

Seal

FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOMB-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 7th October 1985

Ref. No. RAC. No. 385/85-86.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinatter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Land situated at Patamata, Vijayawada (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1903 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Vijayawada in February, 1985 reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than filteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of igansfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and for
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I, hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act. to the following persons, namely—

 Shri Katragadda Ankinedu, S/o Raghuramaiah & Others, Siddartha Nagar, Vijayawada-10.

(Tansferor)

(2) Shri Sunkara Bhaskara Rao, S/o. Laxmaiah & Others, Siddartha Nagar, Vijayawada-10.

(Transferee)

Objections if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned -

- (a) by any of the arcresaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapt. XXA of the said Act, shall have the said meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Dry land 0-50 cents in RS. No. 13/1, at Patamata, Vijayawada registered by the SRO, Vijayawada vide Document No. 1062/85.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date : 7-10-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 7th October 1985

Ref. No. RAC. No. 386/85-86.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000]—and bearing No. Land situated at Ramvarapupadu Village (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Vijayawada in February, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferrer for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

New, therefore, in pursuance of Section 969°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Shri Dhronadula Harindra,
 D. Ramarao,
 Ramvarappadu Village, Vijayawada.

(Tansferor)

(2) Shri Ramchandra Vishramtumbaru, S/o. Vishram Athmaram Tumbaru, Gunadala, Vijayawada,

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a person of 45 days from the date of publication of this meties in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chaper XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Vacant land of 1420 sq. yds. in RS, No. 128 Ramvarappadu village, Vijayawada registered by the SRO, Vijayawada vide Document No. 655/85.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date: 7-10-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 7th October 1985

Ref. No. RAC. No. 387/85-86.—Whereas, I M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinalter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 100,000/and bearing No.

House situated at Chikkadpally, Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Chikkadpally in lebruary, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration, therefor by more than

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Shii M. Venkata Rao, S/o, Venkataswara Rao, Plot No. 10, Aravinda Nagar, Near Ashoknagar Extension, Hyderabad.

(Transferor)

(2) Smt. Seri Manipushpa, W. o. S. Rami Reddy, Jogipet, Medak Dist.

(Transferee)

Objections if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land total area 267 s, yds, under Door No. 1-1-336/108 situated at Chikkadually, Hyderabad registered by the SRO., Chikkadpalli vide Document No. 211/85.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, samely:—

Date: 7-10-1985

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE AMONDER TAN ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 7th October 1985

Ref. No. RAC. No. 388/85-86.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000; and bearing

No. Plat situated at Chikkadpally, Hyderabad (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Chikkatbally in February, 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and for
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferor for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Smt. K. Shakuntala, W/o. R. Ramulu, 1-8-556/3, Chikkadpally, Hyderabad.

(Transferor)

(2) Shii C. H. Venkata Rao, S/o. Veerabhadria, 1-8-430/10, Chikkadpalli, Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the repective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that

THE SCHEDULE

Flat No. 2 on 1 Floor in the premises of H. No. 1-8-556/5, Chikkadpally, Hyderabad registered by the S.R.O., Chikkadpally vide Document No. 235/85.

M. JFGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons mamely:—

Date: 7-10-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 7th October 1985

Ref. No. RAC. 389/85-86,-Whereas, I, M. JEGAN MOHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immov-

no as the said Act) have reason to believe that the intermovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000]- and bearing No. Flat situated at Venkatkrupa Apartments, Domalguda (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Chikkedpolly in February 1985.

Chikkadpally in February, 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of ransfer with the object of :--

(a) facilitating the reduction or evenion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been which ought 20 be disclosed by the transferoe for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); (1) M/s. Eskay Associates, Rep : by Shri V. V. Kamath, 1-2-24, Gaganmahal Road, Hyderabad.

(Transferor)

(2) Smt. M. Susheela W 'o, Dr. M. K. Mcnon, Flat No. 105, D. No. 1-2-24, Domalguda, Hyderabad.

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned --

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Flat No. 105 in Venkatkrupa Apartments at Domalguda-D No. 1-2-24, Hyderabad registered by the S.R.O., Chik-Ladpally vide Document No. 264/85.

M. JEGAN MOHAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-free Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Now, therefore, in pursuance of Section 2690 of the same Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-ection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--59-316G1/85

Date: 7-10-1985

FORM TINA

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF, 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 7th October 1985

Ref. No. RAC. No. 390/85-86.—Whereas, I. M. IEGAN MOHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000₁- and bearing No. Flat situated at near: Saibaba Temple, Patamata (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Vijayawada in February 1985

for all apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument transfer with the object of:

- (a) facilitating the reduction or evasion of the transferor to pay tax under the said Act to respect of any income arising from the transfer and for
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the storestid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) 1. Shri Vallurupalli Prabhu Kishore,

S/o, Kesaviao Chowdary.Shri Gopuraju Venkata Narasimha Raju,

S/o. Rangaraju, for M/s. Continental Builders, Ring Road, Vijayawada.

(Transferor)

(2) Shri Kacumuri Bapiraju S/o. Krishanam Ruju, Flat No. B-11, Santhi Apartments, Patamata, Vijayawada.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

A flat bearing No. B-11 near: Saibaba Temple Patamata, Vijayawada, admeasuring 1050 s.ft. registered by the SRO Vijayawada vide Document No. 946/85.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date: 7-10-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMB-TAX ACT, 1961 (49 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

DEFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 7th October 1985

Re!. No. RAC. No. 391/85-86.—Whereas, I. M. JEGAN MOHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act.,) have reason to believe that the impossible the second to the said Act., and the said Act., and the said Act., and the said Act., are the said Act., and the said Act., and the said Act., and the said Act., are the said Act., and the said Act., and the said Act., are the said Act., and the said Act., and the said Act., are the said Act., and the said Act., and the said Act., are the said Act property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/and bearing

No. Plat situated at Aruna Builders, Mogalrajpuram (and more fully described in the Schedule annexed herete), has been transferred under the Registration A 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Vijayawada in February, 1985

for an apparent consideration which is less than the fair Market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transfere for the purposes of the Indian Income-tax Ast, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) M/s, Aruna Builders, Rep: by its Mg. Partner, Shri V. S. Panduranga Raju, Mogalrajpuram, Vijayawada. (Transferor:

(2) Shri Kambammet Raghavendra Rao S/o. Anjaneya Vara Prasad, Nidadhavolu, WG Dist.

(Transferce)

37895

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aferential persons within a period of 45 days from the date of publication o liftis notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Ast, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A Flat in Aruna Builders, at Mogalrajpuram, Vijayawada admeasuring 615 sq. yds. registered by the SRO, Vijayawada vide Document No. 1163/85.

M. JEGAN MOHAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Now, therefore, m pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under satsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:--

Date: 7-10-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA ****FICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.) Hyderabad, the 7th September 1985

Bhopal, the 7th September 1985

Ref. No. 392/85-86.—Whereas, I, (1 GAN MOHAN, being the Competent Authority under Section 2698 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding 1.00.000/- and bearing No. Flat situated at Labbipet, Vijayawada (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and registered under the registrated Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Vijayawada in February, 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen percent of such apparent consideration or the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/ar
- (b) facilitating the concealment of any moome or any moneys or other assets which have not been or which sught to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Datla Appalaraju, S/o. Venkataraju Kavitam, Narsapur Tq., W.G. Dist.

(Transferor)

 Smt, Kamepally Vijayalaxmi, W/o. Joshi Bahu, Labbipet, Vijayawada.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immedable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazetts.

EXPLANATION:—The terms and expressions used berein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A flat on Second Floor about 900 s.ft. at Labbipet, Ward No. 11, Block-4, Vijayawada registered by the SRO., Vijayawada vide Document No. 762/85.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad (A.P.

Date: 7-10-1985

(1) Smt. Puthala Satyanarayanamma, W/o. Appa Rao, Balaga Village, Srikakulam Dist.

(Transferor)

(2) Shri Reddi Ramamurthy, S/o. Sivanarayana. Balaga Village, Srikakulam Dist.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 7th September 1985

Ref. No. 393/85-86.—Whereas, I, J. JEGAN MOĤAN,

J. JEGAN MOHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinaster referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a tair market value exceeding Ro. 1,00,000/- and bearing No. Land situated at Balaga Vill. Srikakulam Dist. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

of 1908) in the office of the Registering Officer at Srikakulam in February, 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Ast, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been ar which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property many be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land Ac 1.01 1/2 cents Balaga village, Srikakulam district registered by the S.R.O., Srikakulam vide Document No. 446/85.

> M. JEGAN MOHAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 7-10-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 7th October 1985

RAC No. 394/85-86.—Whereas, 1, M. JEGAN MOHAN, being the Competent Authority under Section 2698 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/and bearing No.

Land situated at Waltair Ward, Ramnagarfi Vizag (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1961 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at S. R. O. Anna Nagar (Doc. No. 224/85). Vizag on 2/1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tex under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceeding for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Sri Konda Subba Rao, S/o K. Veerabhadrudu, 10-7-78, Ramnagar, Visakhapatnam.

(Transferor)

Smt. Vamala Devi Choraria
 W/o Sri P. C. Choraria
 Smt. Pushpa Devi Choraria
 W/o Sri T. K. Choraria,
 H. No. 10-38-21A, Visakhapatnam.

(Transferee)

Objections, it any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as giver in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land admeasuring 480 sq. yards at Waltair Ward, Ramnagar, Visakhapatnam registered by the SRO, Vizag vide Document No. 1460/85.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range,
Hyderabad (A.P.)

Date: 7-10-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACI, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOMETAX

> ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 7th October 1985

RAC No. 395/85-86.--Whereas, I, M. JEGAN MOHAN, being the Competent Authority and, r Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to at the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000- and bearing No.

Plat situated at Meghna Apartments, Secunderabad (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1961 (16 of

1961) in the Office of the Registering Officer at Marredpally on 2/1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by most than the fair market of such apparent consideration and that the influen per cent of such apparent consideration and that the sousileration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of are as with the object of :---

- (a) facilitating the reduction or cvasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- th) facilitatig the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or this Act, or the Wealth-tax Act, 1952 (27 of 1957).

(1) M/s Meghna Constructions, 225/A, "Triveni", Marredpally Road, Secunderabad-26.

(Transferor)

(2) 1. Mr. Ashok Chawla & 2. Mrs. Manica Chawla, Flat No. 11, Meghna Apartments, West Mariedpally, Secunderabad-26.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property any be made in writing to the undersigned

en america, or or enterprise a linear,

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publications of the notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-able property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 11, Meghna apartments, West Marredpally, Secunderabad registered by the S.R.O., Marredpally vide Document No. 481/85.

M. JEGAN MOHÁN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range,
Hyderabad (A.P.)

Now, theretore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the storesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, appeals to

Date: 7-10-1985

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE. HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 7th October 1985

RAC No. 396/85-86.-Whereas, I, M. JEGAN MOHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe first the immevable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.
Land situated at Chandulal Bowli, Silkh village

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1961 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Marredpalli on 2/1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesoid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of cansfer with the object of :-

- in incilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; andlor
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been er which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax, Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, meretor; in pursuance of Section 269C of the said Act. I haveby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

(1) Smt. K. V. Rukkamma W/o K. Venkat Reddy & Others, Chandulal Bowli, Sikh Village, Secunderabad.

(Transferor)

(2) The Sanjesvalah Nagar Coop Housing Society, 103, Jayanti Apartments, "Chandralok complex", Secunderahad.

(Tramsferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Genette.

deplanation. The terms and expressions used berein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land Ac 2-00 at S. No. 25 Chandulal Bowli, Sikh village, Secunderabad registered by the S.R.O., Marredpally vide Document No. 440/85.

> M. JEGAN MOHAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date: 7-10-1985

PART III—SEC. 1]

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 7th October 1985

RAC No. 397/85-86.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000|- and bearing No.
Building situated at Peddibhotlavari Street, Governor pet
(and more fully described in the Schedule annexed herete),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of
1908) in the Office of the Registering Officer at
Vijayawada on 2/1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than tifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(1) Sri Kommareddy Ramakrishna Rao S/o Seetha Ramayya & Others, Suryaraopet, Vijayawada.

(Transferor)

37901

(2) Sri Enibilli Mothi Rao, S/o Nooka Raju, Suryaraopet, Viiayawada.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of forty five days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of thirty days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; andler

THE SCHEDULE

Door No. 27-17-28, Peddibhotlavari Street, Governor pet, Vijayawada registered by the S.R.O., Vijayawada vide Document No. 702/85.

(b) facilitating the concessment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tox.
Acquisition Range,
Hyderabad (A.P.)

New, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the representative processes of this notice under subsection (1) of Section 269°D of the said Act, to the following name of the said Act, to the following 60—316GI/85

Date: 7-19-1985

FORM ITNS ----

 Smt. A. Subadhramma W/o A. Satyanarayana Raju, Towli Chowki, Hyderabad.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (2) M/s Raasi Cement Ltd., Rep: by Sri AVNK Sastry, (Reg: Office at H. No. 1-10-125, Ashok Nagar), Hyderabad-20. (Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 7th October 1985

RAC No. 398/85-86.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

Premises situated at Khurso Manzil A.C. Guards (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Hyderabad on 2/1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than different per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given that Chapter.

THE SCHEDULE

Undivided share of the premises H. No. 11-4-646, and separately marked as 11-4-646/F admeasuring 475 sq. yds. in Khusro Manzil, situated at A. C. Guards, Saifabad, Hyderabad registered by the SRO, Hyderabad vide Document No. 1194/85.

M. JEGAN MOHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range,
Hyderabad (A.P.)

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269°D of the said Act, to the fellowing persons, namely:—

Date: 7-10-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 7th October 1985

RAC No. 399/85-86.--Whereas, I, M. JEGAN MOHAN, being the Competent Ambacity under Section 1898 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (herennelser reduced to as the 'said Act'), have reason to believe that the immercable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-and bearing No.

Premises situated at Khusro Manzil A.C. Guards, Saifabad (and more fully described in the Schedule annexed herete), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Hyderabad on 2/1985

ter an apparent consideration which is less than the fuir market value of the aforesaid property and I have reason to then the felbelieve that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cont of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the earther has not been truly stated in the said instrument of annefer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or emains of the liability of the transferor to gay tax under the said Act, in respect of may income assuing from the transfer,
- (b) facilitating the concentment of any incases or any meneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the parposes of the Indian Income-tax Act, 1982 (11 of 1922) or the said Ast, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1969);

(1) Smt. B. Butchi Rajaiah W/o Sri BV Narasimha Raju, Kumudavalli, Bhimavaram Tq., WG Dist.

(Transferor)

(2) M/s Raasi Cement Ltd., Reg: office at H. No. 1-10-15, Ashok Nagar, Hyderabad-20.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective person-whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Undivided share of the premises H. No. 11-4-646, and separately marked as 11-4-646/F, admeasuring 475 sq. yds in Khusro Manzil, situated at A.C. Guards, Saifabad, Hyderabad registered by the SRO, Hyderabad vide Document No. 1239/85.

> M. JEGAN MOHAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
> Acquisition Range,
> Hyderabad (A.P.)

New, therefore, in principance of Section 260C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the sequentian of the afercent property by the issue of this motion under subsection (1) of Section 2000 of the said Act, to the following persons, manely :---

Date: 7-10-1985

FORM ITN9-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

Cuddapah Dist. GOVERNMENT OF INDIA

COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT

Hyderabad, the 7th October 1985

RAC No. 400/85-86.--Whereas, I. M. JEGAN MOHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 o 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000 and bearing No. Cine theatre at Rajampet Cuddapan Dist. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Rajampet on 2/1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the obect of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- facilitating the conceanment of any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the Indian Income-tax Act. 1922 (b) facilitating the concealment of any income or any the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or he said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

(1) Mr. Syed Ghouse Mohinddin, 12/312, Vurutoor Gangaiah Street, Cuddapah.

(Transferor)

(2) Sri Shaiek Khaja Nawab S/o Abdul Sammed, Egavagadda Street, Rajampet P.O.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of matice on the respective persons, whichever period captres later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of the notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, and shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

30% share in partnership firm of M/s Raunak Theatre, Rajampet town, Cuddapah dist., registered by the S.R.O., Rajampet vide Document No. 155/85.

M. JEGAN MOHAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Date: 7-10-1985

operation of the companies of the compan

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 7th October 1985

Ref. No. 401/85-86.-Whereas, I, M. JEGAN MOHAN, Ref. No. 401/85-86.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000]—and bearing No. Gaganmahal Road, Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Chikkadpally in February 1985

at Chikkadpally in February 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as efferenced. said exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :----

- (a) facilitating the reduction or evenion of the lightly of the transferor to pay tex under the said Act. in respect of any income arising from the transfer; andlor
- (b) facilitating the concealment of any income or any recentaining the concentrating of any income of any recently or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1928 (11 of 1922) or the easist Act. or the Woulth-hav Act, 1957 (27 of 1977);

Now, therefore, in pursuance of Section 269 of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) Sri M. Laxminarayana, S/o late Brahmaiah & Others, 1-2-42, Gaganmahal Road, Hyderabad.

(Transferor)

(2) Dr. Khursheed Ali S/o Mirfazal Ali & Others, 22-4-218, Kotla Alija, Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the asquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette, or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-able property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter,

THE SCHEDULE

House No. 1-2-42 admeasuring 160 sq. yds. at Gagan-mahal Road, Hyderabad registered by the S.R.O., Chikkadpally vide Document No. 168/83.

> M. JEGAN MOHAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
> Acquisition Range,
> Hyderabad (A.P.)

Date: 7-10-1985

FORM NO. I.T.N.S.----

NUTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 of 1961)

(1) Sri K. Venkataratna Sarma, 3-6-145, Himayat Nagar, Hyderabad.

(Transferor)

(2) D. T. Krishna Murthy, 5-8-510/1, Chirag Ali Lane, Hyderabad.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOMETAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 7th October 1985

RAC No. 402/85-86.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to balieve that the language Rs. 1,00,000|- and bearing No.
Plot situated at Jamisthanpur, Hyderabad (and more fully described in the schedule annual herete), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Chikkadpally on 2/1985 for an apparent consideration which is less than the first market value of the aferencial property and I have reason to believe that the foir market value of the property and I have reason to believe that the foir market value of the property and that the consideration for such apparent consideration and that the consideration for such apparent consideration and that the consideration for such transfer to agreed to between the partitions not been truly stated in the sold integers.

jestions, if any, to the acquisition of the said property be made in writing to be undersigned:—

- (a) by any of the aferencial personal 46 days from the date of
- e interested in the said immevwithin 45 days from the date of the notice in the Official Com-

and expressions used herein as I in Chapter XXA of the selfper XXA of the

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay this under the said Act. in respect of any income arising from the transfer;

THE SCHEDULE

Plot No. 14 in H. No. 1-7-145 in Jamisthanpur, near: Musheerabad, Hyderabad, admeasuring 257 sq. yds registered by the SRO, Chikkadpally vide Document No. 261/85.

M. JEGAN MOHAN Compount Authority Inspecting Assistant Commission Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acq uisition of the administration of the second property by the term of the said Act, to the following регледа, патрелу:-

Date: 7-10-1985

Seel:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(1) Sri S. Bhattacharya, 11-5-306, Red Hills, Bazar Ghat, Hyderabad.

(Transferor)

(2) 1. Sri Mohd. Basheeruddin, 2. Salma Iqbal, H. No 5-9-841, Gunfoundry, Hyderabad.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HŶDERABAD (A.P.)

Hyderabad, the 7th October 1985

Ref. No. RAC No. 403/85-86.—Whereas, I, M. JEGAN MOHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to the 'Said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/and bearing No. House situated at Mahendra Hills, Secunderabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Marredpally in February 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of forty-five days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Incomplete house on Plot No. 85 in Survey No. 74/12, Mahendra Hills, East Marredpally, Secunderabad registered by the S.R.O., Marredpally vide Document No. 264/85.

M. JEGAN MOHAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Hyderabad (A.P.)

New, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice sub-section (1) of Section 269D of the Said Act to the fellowing persons, namely:—

Date: 7-10-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF TWO INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSETANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 27th September 1985

Ref. No. ASR/85-86/29.—Whereas, I, J. PRASAD, IRS being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (horsinafter referred to see the 'said Act'), have reason to believe that the immovable ne the 'said Act'), have reason to believe that the property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing
No. A plot of land situated at College Road, Pathankot (and more fully described in the Schedule annexed herein), the same transferred under the Registration Act, 1908 (16)

has been transferred under the Registration Act, 1908 of 1908) in the Office of the registering Officer at S.R. Pathankot in Feb., 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by mass than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said leastruspent of transfer with the object of !-

(a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferor to say tax under the said Act, in respect of any meeme arising from the transfer; int/a

(b) facilitating the concentment of any lessure or any mencys or other assets which have not been ex which ought to be disclosed by the transferen for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-test het. 1957 (27 of 1987):

(1) Shi Lachhman Singh so Shri Ishar Dass, rlo College Road, Pathankot.

(Transferor)

(2) Shri Inderjit Singh soo Shri Lachhman Singh, College Road, Pathankot.

(Transferee)

(3) As at S. No. 2 tenants if any.
(Person in occupation of the property)

(4) Any other

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. year sected empires later;
- (b) by any other person interested in the said issumov able property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein to use defined in Chapter XXA of the sald Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A plot of land measuring 3 K-4 M situated at College Road, Pathankot, as mentioned in sale deed No. 2858 dated 8-2-85, of registering authority, Pathankot.

> J. PRASAD IRS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax Acquisition Range, Amritant

Now, therefore, in pussuance of Section 249C of the said Act, I, haveby initiate precedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subscript (1) of Section 2497) of the said Act, to the following persons, namely :---

Date: 27-9-85

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 11th October 1985

Ref. No. ASR/85-85/30.—Whereus, 1, MRS. DIVJOT KOHLI, IRS.

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|- and bearing No.
One property situated at Shakurpura, Batala,

has been transferred under the (and more fully described in the schedule annexed hereto), Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

S. R. Batala, in Feb. 1985

tor an apparent consideration which is less than the fuir market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of wansfer with the object of :-

- (a) two littating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) Section 269D of the said Act, to the following persons namely:— 61-316GI/85

(1) Shri Prem Nath Malhan clo Shri Chanan Mal, Cinema Road, Batala.

(Transferor)

(3) As at S. No. 2 above & tenants if any.
Rour Qilla, Distt. Sundergarh (Orissa)
clo Electro Engineers Karachi Road, Rour Qilla,

(Transferce)

(3) As at S. No. 2 above & tenants if any. (Person in occupation of the property)

(4) Any other

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period employs later t
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter,

THE SCHEDULE

One property situated at Dera Baba Nanak Road, Shakur-Teh: Batala as mentioned in sole deed No. 4205 dated 4-2-85 of registering authority, Batala.

> MRS. DIVIOT KOHLI, 1RS Competent Authority pecting Assistant Commissioner of Income-Tax Acquisition Range, Amritsar

Date: 11-10-85

FORM ITNS ---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amitsar, the 11th October 1985

Ref. No. ASR/85-86/31.—Whereas, I, MRS. DIVJOT

KOHII, IRS being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable and the income tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable and the income tax and the said Ref. 100 0000 property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000[and bearing

No. Agricultural land situated at Vill Palesaur, Tarn Taran (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at S.R. Tarn Taran, on Feb., 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which eight to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 26910 of the said Act to the following persons. namely:-

(1) Sh. Dalipa s/o Shri Labhu, r/o Vill: Palampur, Teh: Tarn Taran, Distt. Amritsar. (Transferor)

(2) Sh. Sohel Singh soo Sh. Teja Singh roo Vill. Palasaur, Teh: Tarn Taran, Distt. Amritsar.

(Transferce)

(3) As at S. No. 2 & tenants if any.

(Person in occupation of the property)

(4) Any other

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said preperty may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person intertsted in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural and situated at vill: Palasaur, Teh: Tarn Taran as mentioned in sale deed No. 3872 dt. 26-2-85 of registering authority, Tarn Taran.

> MRS. DIVIOT KOHII, IRS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Amritsar

Date: 11-10-85

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 11th October 1985

Ref. No. ASR[85-86]32.--Whereas, I MRS. DIVJOT

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. One property situated Vill. Anandpur, Pathankot (and more fully described in the Schedule annexed hereto)

No. One property situated Vill, Anandpur, Pathankot (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at at S.R. Pathankot on March 1985

at S.R. Pathankot on March 1985
tor an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more
than fifteen per cent of such apparent consideration and that
the consideration for such transfer as agreed to between
the parties has not been truly stated in the said instrument
of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evalen of the liability of the transferor to pay tax under the said. Act, in respect of any income arising from the transferand/or.
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Smt. Chander Kanta woo Sh. Banarsi Dass, roo Baknor, Teh: Pathankot.

(Transferor)

(2) Shri Satish Kumar slo Sh. Kidar Nath, rlo Pethankot, Teh: Pathankot.

(Transferee)

(1) As at S. No. 2 overleaf & tenants if any.
(Person in occupation of the property)

(4) Any other

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the proresaid persons within a period of 45 days from the date publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persona, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1/5th share of property situated at Anandpur Teh: Pathankot, as mentioned in sale deed No. 3391 dt. 27-3-85 of registering authority, Pathankot.

MRS. DIVIOT KOHLI, IRS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Amritsa

Posto: 11-10-85

FORM I.T.N.S .--

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, AMRITSAR Amritsar, the 11th October 1985

Ref. No. ASR|85-86|33.—Whereas, I MRS. DIVJOT KOHLI, IRS

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property and a fair market value exceeding

immovable property, having a fair market value exceeding exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. One property situated at Vill: Anandpur, Pathankot (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering Officer at S.R. Pathankot on March 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evenion of the limbility of the transferor to pay tax under the sold. Aust in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been et which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Sh. Ved Mittar s|o Sh. Labhu Ram, r|o Indra Colony Pathankot through Shri Jagdish Raj s|o Sh. Diwan Chand, Taragarh, Teh: Pathankot.

(Transferor)

(2) Smt. Shanti Devi wo Sh. Didar Nath, so Sh. Achhar Mal, Gandhi Nagar, Pathankot.

(Transferee)

- (3) As at S. No. 2 overleaf and tenants if any.
 (Person in occupation of the property)
- (4) Any other

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the underwigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this natice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gamette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

2|5h share of propery situated at Anandpur, Teh. Pathankot, as mentioned in sale deed No. 3385 dt. 27-3-85 of registering authority, Pathankot.

MRS, DIVIOT KOHLI, IRS

Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Amritant

Date : 11-10-85

NUTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amrigar, the 11th October 1985

Ref. No. ASR,85-86[34. Whereas, 1 MRS. DIVJOT KOHLI, IRS

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the im-

movable property, having a fair market value exceeding Re, 1,00,000/- and bearing No.

No. One property situated at Vill: Anandpur, Pathankot, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1961 (43 of 1961) in the office of the Registering Officer at at S.R. Pathankot, on March, 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have remove to bolieve that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;

(b) facilitating the concealment of any income or any monoys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1928) or the said Ast, or the Weelth-ter Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby instate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

(1) Sh. Ved Mittar s|o Sh. Labhu Ram, r|o Indra Colony, Pathanko; through Sh. Jagdish Raj s|o Sh. Diwan Chand, Taragarh, Teh: Pathankot.

(Transferor)

- (2) Smt. Sangita Aggarwal w o Shri Narinder Kumar Aggarwal, rlo Gandhi Nagar, Pathankot. (Transferee)
- (3) As at S. No. 2 overleaf & tenants if any.

 (Person in occupation of the property)

(4) Any other

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, winehever period expires later;
- (b) by any ceher person interested in the said immov able property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EMPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Ast, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

2/5th share of property situated at Anandpur, Teh: Pathankot, as mentioned in sale deed No 3390 dated 27-3-85 of registering authority, Amritsar,

> MRS. DIVJOT KOHII, IRS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Runge, Amritsar

Laste : 11-10-85 Scal:

FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOMETAX

ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 11th October 1985

Ref. No. A KOHLI, IRS ASR|85-86|36.—Whereas, I MRS. DIVJOT

being the Competent Authority under Section 269B of the faconic-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to se the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1.00.000/- and bearing
No. A plot of land situated at Teh: Pathankot

(and more fully described in the Schedule annexed herete).

has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at at S.R. Pathankot on March 1985 for an apparent consideration which is loss than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid property as a foresaid believe that the fair market value of the property as aforesaid. exceeds the apparent consideration therefor by more than fitteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the Mahill of the transferor to pay tax under the said Act, respect of any income arising from the
- (b) facilitating the concealment of any instance or say moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferes for the purposes of the Indian Income-tex Act, 1982 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-ear and, 1957 (27 of 1957);

(1) Shri Ashok Kumar soo Shri Kidar Nath, rlo Sujanpur, Teh: Pathankot.

(Transferor)

(2) Sh. Ashnil Kumar Makkar slo Shri Krishan Lal Makkar, rlo Dhangoo Road, Pathankot.

(Transferee)

(3) As at S. No. 2 overleaf & tenants if any. (Person in occupation of the property)

(4) Any other.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property stay be made in writing to the undersigned:--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publi-cation of this notice in the Official Gazotte.

Explanation: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A plot of land measuring 1440 sq.ft. situated in Vill. Saili, Teh, Pathankot, as mentioned in sale deed No. 3222 dt. 12-3-85 of registering authority. Pathankot.

> MRS. DIVJOT KOHLI, IR9 Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax-Acquisition Range, Amritaar,

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid receive by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Date: 11-10-85

Scel :

+ORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 11th October 1985

Ref. No. ASR/85-86/36,—Whereas, I MRS. DIVJOT KOHLI, IRS

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to us the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair mrke value exceeding

able property, having a fair mrke value exceeding
Rs. 1,00,000/- and bearing
No. A plot of land situated at Teh: Pathankot,
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
1908) in the office of the Registering Officer at

Pathankot on March, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property an aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than differen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

(b) facilitating the concealment of any income of any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

(1) Shri Ashok Kumar s/o Shri Kidar Nath, r/o Sujanpur, Teh; Pathankot.

(Transferor)

(2) Sh. Ashnil Kumar Makkar s/o Shri Krishan Lal Makkar, r/o Dhangoo Road, Pathankot.

(Transferee)

- (3) As at 5. No. 2 overleaf & tenants if any, (Person in occupation of the property)
- (4) Any other.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the anid property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as even in that Chapter

THE SCHEDULE

A plot of land measuring 1440 sq. ft. situated in Vill: Saili, Tell: Pathunkot, as mentioned in sale deed No. 3222 dt. 12-3-85 of registering authority, Pathankot.

MRS. DIVJOT KOHLI, IRS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Amritsar

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by to usue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the follownersons namely to

Date :11-10-1985

FORM I.T.N.S.---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amnitsan, the 11th October 1985

Ref. No. ASR 85-86 37 .-- Whereas, I MRS. DIVJOT Ref. No. ASR 85-86 37.—Whereas, I MRS. DIVJOT KOHII. IRS being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinsafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000;—and bearing

No. A plot of land situated at Teh: Pathankot (and more fully described in the schedule annexed herets), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering Officer at S.R. Pothankot on March, 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of any aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent con-idetation therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been bruly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

> facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax moder the said Act, in respect of any income arising from the transfer; wr.d /or

(b) facilitating the concealment of any mesome or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transfered for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I heroby initiate proceedings for the acquisition of the aferesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely

(1) Shri Inderjit slo Shri Kidar Nath.

rlo Sujanpur, Teh. Pathankot, Distt. Gurdaspur.

(2) Shri Ashnil Kumar Makkar slo Shri Krishan Lal Makkar, rlo Dhangu Road, Pathankot.

(3) As at S. No. 2 overleaf & tenants if any.

(Person in occupation of the property)

(4) Any other.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the asquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :----

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immevable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION .—The terms and expressions used bereig as are defined in Chapter XXA of the seld Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A plot of land measuring 1440 sq.ft. situated in Vill. Saili, Teh. Pathankot, as mentioned in sale deed No. 3224 dated 14-3-85 of registering authority Pathankot.

> MRS. DIVJOT KOHLI, IRS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Incomo-tox Acquisition Range, Amritsar

Date: 11-10-85

Seel:

TO SECTION AND ADDRESS OF THE PROPERTY OF THE PARTY OF TH

FORM J.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 11th October 1985

ASR|85-86|38.—Whereas, I MRS. DIVJOT KOHLI, IRS

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000]- and bearing
No. A plot of land situated Teh: Pathankot
(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in he Office of the Registering Officer
at S.R. Pathankot on March 1985

of S.R. Pathankot on March 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market vaule of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per centof such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the patties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the effect of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/er

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-ax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957)

(1) Smt. Neelam d|o Sh. Bhagwan Dass,
r|o Dorayla, Teh. Distt. Gurdaspur,
(2) Shri Ashnil Kumar Makkar s|o Shri Krishan Lal

Makkar, Dhangu Road, Pathankot.
(3) As at S. No. 2 overleaf & tenents if any.

(Person in occupation of the property) (4) Any other.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A plot of land measuring 1620 sq.ft. situated in vill. Saili, Tch: Pathankot, as mentioned in sale deed No. 3223 dt. 13-3-85 of registering authority Pathankot.

MRS. DIVJOT KOHLI, IRS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Amritsar

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the eforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following meranna, namoly:--

62—316GI[85

Date: 11-10-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT. 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 11th October 1985

Ref. No. ASR|85-86|39.—Whereas, I MRS. DIVJOT MRS. DIVJOT KOHLI, IRS.

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|-and bearing

No. One property situated at Tagore Colony, Amritsar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under

the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer

at S.R. Amritsar on April 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per court of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

New, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Sh. Inderjit Singh Slo Sh. Sulakhan Singh Sood, Tagore Colony, Mall Road, Amritsar.

(Transferor)

(2) Shri Sudarshan Kumar Vig s|o Shri Daulat Ram Vig c|o M|s. Kumar Woollen & Silk Mills, Partap Bezar, Amritsar.

(Transferee)

- (3) As at S. No. 2 overleaf & tenants if any.
 (Person in occupation of the property)
- (4) Any other.

 (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforemid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immevable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazotte.

EXPLANATION:—The terms and expressions used hereis as are defined in Chapter XXA of the saxi Ast, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One property No. 5, situated at Tagore Colony, Amritan, as mentioned in sale deed No. 758 dt 17-4-85 of registering authority, Amritsar.

MRS. DIVJOT KOHLI, IRS
Competent Authora
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Amritsar

Date: 11-10-1985

FORM LTN.L----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE ENCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 11th October 1985

Ref. No. ASR/85-86/40.—Whereas, I, MRS. DIVJOT KOHLI, IRS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immervable property, having a fair market value

property, having a fair market value

Ro. 1,00,000/- and bearing

One property situated at Tagore Colony, Amritsar,
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16
of 1908) in he Office of the Registering Officer
at Amritsar on Feb. 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the atoresaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fateen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and the transferce(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the sald Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1997):

(1) Shri Inderjit Singh s|o Shri Slakhan Singh Sood, Tagore Colony, Mall Road, Amritsar

(Transferor)

(2) Shri Sudershan Kumar Vig s/o Shri Daulat Ram, r/o Partap Bazar, c/o Kumar Woollen & Silk Mills, Amritsar. (Transferee)

(3) As at S. No. overleaf & tenants if any.

(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the cold property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used hreein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One property No. 5, situated at Tagore Colony, Amritsar, as mentioned in sale deed No. 8203 dated 13.2.85 of registering authority, Amritsar.

MRS. DIVIOT KOHLI IRS.
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range,
Amritsar.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aferesaid property by the issue of the notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

Date: 11-10-85.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE. JALANDHAR

Jalandhar, the 15th October 1985

Ref. No. A.P. No. 5871.—Whereas, I, J. L. GIRDHAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Urban Estate, Ialandhar, tand more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Jalandhar on February, 85,

to an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I bave reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of wansfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, is respect of any income arising from the transfer; sad/or
- the facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferes for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-lax Act. 7957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the eforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :-

(1) Shri Jugal Kisore #/o Sham Lal r/o E-63, Industrial Area, Jalandhar.

(Transferor)

(2) Shri Jagdish Singh s/o Harl Singh and Raghvir Kaur w/o Jagdish Singh r/o P.O. Bhikhiwind Tchsil & Diett. Amritsar.

(Transferee)

(3) As S. No. 2 above.

(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Property No. 1185 Phase No. I, situated in Urban Estates, Jalandhar and persons as mentioned in the registered sale deed No. 5006 of February, 85 of the Registering Authority, Jalandhar.

> J. L. GIRDHAR Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Jalandhar.

Date: 15-10-1985.

FORM ITMS-

NOTICE UNDER SECTION 2400(1) OF THE INCOME. TAX ACT, 1961 (46 OF 1961)

GOVERNMENT OF EVENA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, **JALANDHAR** Jalandhar, the 15th October 1985

Ref. No. A.P. No. 5872.—Whereas, I, J. L. GIRDHAR,

being the Competent Authority under Section 269% income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter to as the 'said Act'), have reseen to believe that movable property having a fair market value of Rs. 1,00,000 and bearing No.

cituated at

Jalandhar, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in he Office of the Registering Officer

of 1908) in he Office of the Registering Officer Jalandhar on February, 85. for an apparent consideration which is less then the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that tabe fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor (s) and the transferor (s) has not been trusty stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax unifor the said Ass to respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the consealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1988 (11 of 1922) or the said Act, or the Wooldh-tax Act, 1957 (27 of 1967);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-tection '1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

(1) Shri Satish Kumar Kohli 1/0 Govind Ram r/o 616-R, Model Town, Jalandhar.

(Transferor)

(2) Smt. Pritam Kaur w/o Harbhajan Singh and Ravinder Kaur w/o Manmohan Singh r/o 227-R, Model Town, Jalandhar.

(Transferee)

(3) As S. No. 2 above.

(4) Any other person in occupation of the property)
(4) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this nation in the Official Gueste or a period of 30 days from the survive of nation on the respective persons. (a) ed empires later;
- within 45 days from (b) by any other pe

Explanation:—The terms and expressions used harein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property Kothi No. 227-R, Model Town, Jalandhar and persons as mentioned in the registered sale deed No. 4649 of February, 1985 of the Registering Authority, Jalandhar.

J. L. GIRDHAR Competent Authority Inspecting Austr. Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Jalandhar.

Date: 15-10-1985.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE,

JALANDHAR

Jalandhar, the 15th October 1985

Ref. No. A.P. No. 5873.—Whereas, I, J. L. GIRDHAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. situated at

Kapurthala.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Kapurthala on February, 85

tor an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the nability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

 Shri Jai Gopal \$/0 Lahori Lal and Smt. Saroj Bala w/o Jai Gopal, r/o Mohala Kasaban, Kapurthala.

(Transferor)

(2) (i) Prithpal Singh s/o Harbans Singh,
(ii) Smt. Iqbal Kaur w/o Harbans Singh,
(iii) Smt. Gurvinder Kaur w/o
Prithpal Singh,
Gurunanak Nagar,
Raipur (M.P.).

(Transferee)

(3) As per S. No. 2 above.

(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the day of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property and persons as mentioned in the Registered Sale deed No. 2331 of Feb. 1985 as of the Registering authority, Kapurthala.

J. L. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range,
Jalandhar.

Date: 15-10-1985.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIN-

SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 15th October 1985

Ref. No. A.P. No. 5874.—Whereas, I, J. L. GIRDHAR,

being the Compeent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. situated at Jalandhar.

(and more fully described in the Schedule annexed L eto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

Jalandhar on February, 85,

for an apparent consideration which is less than fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby nitiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269°D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Shri Sandeep Nanda s/o Rajinder Nanda r/o 1/1, Preet Nagar, Ladowali Road, Jalandhar through Sh Mukhtiar Rajinder Nanda, (Transferor)
- (2) Smt. Harjit Kaur w/o Kulwant Singh and Roomi Monga w/o Harjit Singh and Harjit Singh s/o Joginder Singh and Manjit Singh s/o Pritam Singh r/o 128 Shaheed Udham Singh Nagar, Jalandhar.

(Transferee)

(3) As S. No. 2 above.

(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersgned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used hereni as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property building No. FQ-332 situated in Rainak Bazar, Jalandhar and persons as mentioned in the registered sale deed No. 4757 of February, 1985 of the Registering Authority, Jalandhar.

J. L. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range,
Jalandhar.

Date: 15-10-1985.

Seal'.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

AIGHT TO THEMMENOD

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTY. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 15th October 1985

Ref. No. A.P. No. 5875.—Whereas, I, J. L. GIRDHAR,

being the Competent Authority under Section 259B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immerable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

situated at

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in Office of the Registering Officer at Jalandhar on February, 85,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent coansideration therefor by more than fifteen por cent of such apparent coansideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay eax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of he advanced property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, manually:—

 Shri Satya Paul Sekri s/o Lachhman Dass hrough Sh. Sumant Sekhi r/o 178-New Jawahar agar, Jalandhar.

(Transferor)

(2) Smt. Maju Jain w/o Narinder Kumar r/o NJ-253, Mitha Bazar, Jalandhar.

(Transferce)

(3) As S. No. 2 above.
(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the afercanid persons within a period of 45 days from the date of publication of this natios in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same attending as give in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property No. 178 (Portion) situated in New Jawahar Nagar, Jalandhar and persons as mentioned in the registered sale deed No. 4946 of February, 1985 of the Registering Authority, Jalandhar.

J. L. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range,
Jalandhar.

Date: 15-10-1985.

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 15th October 1985

Ref. o. A.P. No. 5876.—Whereas, I. J. L. GIRDHAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,00/- and bearing No. situated at Jalandhar.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer Jalandhar on February, 85, for an apparent consideration which is less than the fair

market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Inconte-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Sout. Pushpa Sekri w/o Satya Pal Sekhi r/o .78 New Jawahar Nagar,

Jalandhar.

(Transferor)

(2) Smt. Kirair lain w/o A.dl Kuma: 1/0 N'-253, Mi ha Bazar, Ja'andhar,

(Transferee)

(3) As S. No. 2 above.

(Person in occupation of the property)

(4) Any other person intrested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be reade in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforestid persons within a period of A5 shalls from the dat of publication of this notice to the Offic at Cazerte or a period of 30 days from the sacross of natice on the respective persons, we ichover the right exist exclusive.
- (b) by any other person interested in the said immov-able propert, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are Jefined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given to that Charter

THE SCHEDULE

Property No. 178-New Jawahar Nagar, Jalandhar (portion) and pusous as mentioned in the Eightration sale deed of 4947 of Tebroary, 1985 of the registering authority, Jalan-

J. L. GIRDHAR Competent Authority Imprecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Jalandhar.

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the a quisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following regions, namely:— 63 -316GI/85

Date : 15-10-1985.

FORM ITNS ----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, **JALANDHAR**

Jalandhar, the 15th October 1985

Ref No. A.P. No 5877.—Whereas, I, J. L. GIRDHAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinatter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that 'he immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

Jalandhar,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering Officer

Jalandhar on February, 85, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the sa'd Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :---

(1) Shri Satya Paul Sckhri r/o Lachhman Dass r/o 178, New Jawahar Nagar, Jalandhar.

(Transferor)

(2) Shri Kishori Lal S/o Ramji Dass r/o NJ-253, Mitha Bazar, Jalandhar.

(Transferee)

(3) As S. No. 2 above.

(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property No. 178-New Jawahar Nagar, Jalandhar (Portion) and persons as mentioned in the registered sale deed No. 4973 of February 1985 of the Registering Authority, Jalandhar.

> J. L. GIRDHAR Competent Authorn Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range. Jalandhar.

Date: 15-10-1985.

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, JALANDHAR

Jalandhar, the 15th October 1985

Ref. No. A.P. No. 5878.—Whereas, I, J. L. GIRDHAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the band Act.) have reason to believe that the immerable property, having a fair market value exceeding. exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No situated at

Jalandhar, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering Officer at

of 1908) in the Office of the registering Officer at Jalandhar on February 1985, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of im-

(1) Harjit Singh s/o Gurbachan Singh r/o 611-Niodel Town, Julandhar through Mukhtiar Satnam Singh. (Transferor)

(2) Shii Sant Lal s/o Kesar Dass r/o Jalandhar.

(Transferee)

(3) As S. No. 2 above., (Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Frehanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

menays or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the trumferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Woolth-tax Act, 1957 (27 of 1937):

THE SCHEDULE

Property House No. 92 situated in Basti Sheigh (Narain Nagar), Jalandhar and persons as mentioned in the registered sale deed o.fl 4794 of February, 1985 of hte Registering Authority, Jalandhar.

J. L. GIRDHAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range,
Jalandhar.

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the anid tet, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D or the said Act, to the following persons, namely:—

Dafe: 15-10-1985.

FORM ITYS-----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (4) OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, MADURAI

Madurai, the 7th October 1985

Ref. No. 95/Feb./85/MDU.—Whereas I, Mrs. M. SAMUEL, being the Competen. Authority under deather 20th of the Income-tax Act, 1961 (33 of 197) determated deferred to as the 'said Act'), have rearen to this a that the manovable property having a fair marker value exceeding Rs. 1,00.000/- and bearing No. RS. No. 160/7, Plot No. 351 in K. K. Nagar, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registra log Act 1908 (16 of 1908) in the Office of the registerin. Officer at JSR-I, Mahal, Madurai-1 (Doct. No. 629/85) on February, 1985

for an apparent consideration which is icas than the four-market value of the aforesaid property, and I have remon to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by there than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the and Act, as respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other axiets which have any hoese or which ought to be disclosed by the Lansferce for the purposes of the Indian Recome tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act. or the Wouldstax Act, 1957 (27 of 1937);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Sri P. Abdul Rahman and Sri P. Asan Gani, Sons of A. Peer Mohamed Rowthar, Door No. 26, Chockalinga Nagar Hnd St., Avaniapuram, Madurai-12.

(Transferor)

 Smt. M. Poongothai, w/o S. Manimaran, No. 8, Thirayiam Pillai Hospital Lane, South Gate, Madurai-1.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of notice, on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

HXPIANATION:—The teems and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and Building at R.S. No. 160/7, Plot No. 351, East 3rd Cross St., K. K. Nagar, Madural.

I.S.R.L.Mahal, Maddurai

Doct. No. 629 /85

Mrs. M. SAMUEL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II (i/c)
Madurai

Date: 7-10-1985.

Company of the Compan

FORM I'INS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, MADURAI

Madurai, the 7th October 1985

Ref. No. 95A/Fcb./85/MDU.—Whereas I, Mrs. M. SAMUEL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

R.S. No. 160/7, Plot No. 351 in K.K. Nagar, Madurai (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act. 1909 (16).

R.S. No. 160/7, Plot No. 351 in K.K. Nagar, Madurai (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering Officer at J.S.R.I., Mahal, Madurai (Doct. No. 630/85 on February, 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen percent of such apparent consideration and the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferor for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

New, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the fellowing persons, namely:—

(1) Sri P. Abdul Rahman and Sri P. Asan Gani, Sons of A. Peer Mohamed Rowthar, Door No. 26, Chockalinga Nagar Hnd St., Avaniapuram, Madurai-12.

Sri S. Manimaran,
 8/0 K. A. Sangaiya,
 No. 8, Thiraviam Pillai Hospital Lane,
 South Gate, Madurai-1.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of the nation in the Official Gazette or a period of 50 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

I XPLANA (ION :--The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and Building at R.S. No. 160/7, Plot No. 351, East 3rd Cross St., K. K. Nagar, Madurai.

J.S.R.I., Mahal, Madurai,

Doct. No. 630/85.

Mrs. M. SAMUEL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-ray
Acquisition Range, Madurai (i/c)

Date: 7-10-1985.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, MADURAI

Madurai, the 8th October 1985

Ref. No. F. No. 5/Feb./85.—Whereas I, Mrs. M. SAMUEL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 - and bearing T.S. No. 1805/2B, Srinivasa Nagar 5th St., situated at Srirangam, Trichy (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred by the Havitan American (1996).

has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Sub-Registrar. Srirangam

Document No. 271/85 on February, 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) racilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) S. Somasundaram Pillai, s/o Chelliah 18, Srinivasa Nagar, 5th Cross, Trichy-5.

(Transferor)

(2) R. Gurusamy, s/o Ramu, 44-B, Allimal St., Trichy-8.

(Transferce)

Objections if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and Building in T.S. No. 1805/2B. 5th Cross St., Srinivasa Nagar, Trichy-8.

Sub-Registrar, Srirangam. Document No. 271/85.

Mrs. M. SAMUEL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Madurai

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:-

Date: 8-10-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, MADURAL

Madurai, the 8th October 1985

Ref. No. F. No. 19/Feb/85.—Whereas I, Mrs. M. SAMULL

being the Competent Authority under Section 2698 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'suid Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/and bearing

T.S. No. 2080, Block No. 39 Ward No. 2, Ramachandra-puram, Tennur, situated at Tiruchirappalli

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at S.R.O. Woriyur Document No. 681/8,

on February, 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more unabled fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of said exceeds the apparent consideration therefor by more than

- (a) facilitating the reduction or evasion of liability of the transferor to pay tax under the said Act, is respect of any income arising from the transfer; ari lor
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Weelth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) S. Manivel, s/o M. Subbiah, Mrs. M. Prema, w/o S. Manivel, No. 11, Amma Mandapam Extension, Srirangam, Tiruchirappalli-6.

(Transferor)

(2) S. Kunjithapatham, w/o K. Santhanam, No. 12-B, Williams Road, Contronment, Trichy.

(Transferee)

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLINATION - I've terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and Building in T.S. No. 2080, Block No. 39 Ward No. 2, Ramachandrapuram, Tennur, Trichy.

Sub-Registrar, Srirangam.

Document No. 681/85.

Mrs. M. SAMUEL Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Madurai

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following nersons, namely:-

Date : 8-10-1985 Seal :

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(1) V. Rengarajan, w/o R. Venkatarama Iyer, Thillai Nagar Cross St., Trichy.

(Transferor)

(2) Smt. Kamakshi Ammal, w/o Palaniyandi. Kalpalayam, Lalgudi Taluk.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-STONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE. MADURAI

Madurai, the 8th October 1985

Ref. No. F. No. 28/Feb./85.—Whereas I, Mrs. M. SAMUEL,

being the Competent Authority under Section 2698 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 1 60,600; and bearing T.S. No. 68/1, situated at Thennur,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 1908) in the Office of the Registering Officer at

Sub-Registrar, at Woriyur Document No. 353/85 on February 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of uansfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evanon of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer: 2 2d /OF
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the saki Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

may be made in writing to the undersigned :--

Objections, if any, to the acquisition of the said property

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person intersted in the said immov able property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :-- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and Building in Thennur Village, Ward No. 3, Block T.S. No. 68/1.

Sub-Registrar, Woriyur.

Document No. 353/85.

Mrs. M. SAMUEL Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Madurai

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the mid Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Sation 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 8-10-1985

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(1) David Granjah Pothirajulu, East Veli Street, Madurai.

(Transferor)

(2) M. Florance Robinson, Secretary, Arulagam, Pasumalai, Madurai.

(Transferce)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, MADURAI

Madurai, the 8th October 1985

Ref. No F. No. 35/Feb./85.—Whereas I, Mrs. M. SAMUEL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act), have reason to believe that the immovable property, having a tail market value exceeding Rs 1.00.000/- and bearing No

R.S. 470/2, situated at Madakulam, Madurai (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering office at Joint Sub-Registrat IV, Madurai, Doc. No. 3166/84 on February, 1985

for an apparent consideration thich is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction of evasion of the limbility of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer.

and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the understand:—

- (a) by any of the aforegaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

R.S. No. 4702 Madakulam Village, Madurai. Vacant land. Joint Sub-Registrar IV, Madurai. Doc. No. 3166/84.

Mrs. M. SAMUEL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Madurai

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said let, I herthy initiate proceedings for the acquisition of the aforcsaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

64-316GL 85

Date: 8-10-1985

FORM ITNS ----

NOTICE UNDER SECTION 269-D (1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, MADURAI-2

Madurai, the 8th October 1985

Ref. No. F. No. 39/Feb/85.—Whereas I, Mrs. M. SAMUEL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000-and bearing No.

Survey Ward No. 2, Subramaniapuram 4th St., Karaikudi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been fransferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Joint Sub-Registrar-II, at Karaikudi Doc. No. 195/85 on February, 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- va) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfert and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);
- Now. therefore, in pursuance of Section 269°C of the said act. I bereby initiate proceedings for the acquisition of the storesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

(1) Smt, B. Ramalakshml and othtrs, 100. 10-B. Subramaniapuram 4th St., Karaikudi.

(Transferor)

(2) G. Parvathi Achi, w/o Sfi N. Ganesan Chettiar, A.T.S.N. House, North first strett, Kallal, Pasumpon Dist.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisit it of the said property of may be made in writing to the understance :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning is given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and Building in Subramaniapuram 4th St., Karaikudi. Joint Sub-Registrar-II, Karaikudi. Document No. 195/85.

> Mrs. M. SAMUFL Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Madurai

Date: 8-10-1985

FORM ITNS----

(1) Kasthuri Ammal, w/o Arumugham, 20, Church Second St., New Town, Karaikudi.

Banker

(2) St. Pl. Kr. Karoppan Chettiar, s/o Palaniappa Chettiar,

Kanadukathan, Karaikudi Taluk.

(Transferor)

(Transferec)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, MADURAL

Madurai, the 8h Ocober 1985

Rei. No. F. No. Mrs. M. SAMUEL, No. 40/Fcb/85.-Whereas 1.

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'sail Act'), have reason to believe that the immovable

property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Survey Ward No. 3, Sekkalaikottai Village,

situated at Karaikudi

mansfer with the object of: -

(and more fully described in the Schedule annxed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Joint Sub-Registrar-II, at Karaikudi Document No. 210/85

on February, 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in theat Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arming from the transfer.
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which cught to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Land and Building in Survey Ward 3, Schkalaikottai Village, Karaikudi.

Joint Sub-Registrar-II, Karaikudi, Document No. 219/85.

Mrs. M. SAMUEL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Madurai

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :--

Date: 8-10-1985

See:

FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(Transferor)

(2) Smt. J. Soundaravalli,
S. o T. P. Jagadeeschandra Bose,
42/14, P. K. S. A. Arumugha Nadar Road,

S/o T. S. Krishnasamy Iyengar, No. 9, Lady Desikachari Road,

(1) Shri T. K. Narasimhan,

Madras-4.

Sivakasi,

(Transferce)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION PANGE, MADRAS-560 001

Madras, the 8th October 1985

Ref. No. F. No. 44/Feb/85.—Whereas, I, MRS. M. SAMUEL,

being the Competent Authority under Section 2698 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding is. 1.00 000/- and hearing

Rs. 1,00,000/- and bearing A.P.S. No. 5/12/7. Viswamatham Village, situated at Sivikasi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Sub-Registrar Sivakasi Document No. 2/4/85 on Feb. 1985

1908) in the Office of the Registering Officer at Sub-Registrar Sivakasi Document No. 2/4/85 on Feb. 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the atoresaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly a said in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1937 (27 of 1957);

Objections, if lany, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested is the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and Building in A.P.S. No. 312/7, Viswanatham Village, Siyakasi

Sub Registrar, Siyakasi Doc. No. 274/85.

MRS, M. SAMUEL Comnetent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range. MADRAS

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 8-10-1985

Seal

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT, COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, MADRAS-560 001

Madras, the 8th October 1985

Ref. No. F. No. 62/Feb 85.- - Whereas, I, MRS. M. SAMUEL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tux. Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'xaid Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing S. No. 68, 69, 70 and 67 and 80 situated at Pudur Village, Shenco(tai (and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Sub-Registrar Shencottai Document Nos. 175 to 181/85 on February, 1985

on represent, 1985
for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the limbility of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer:
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax, Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269 C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :--

(1) Shri R. Haribara Ramasubramaniam. S/o Ramalingam 1, ... Amman Sannadhi, Shenkottai.

(Transferor)

(2) Shri Anthonisamy, S/o Selvanayagam, Bharathi Nagar Colony, Melagram, Tenkasi.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

The times are expressions used become as are defined in Chapter XXA of the said EXPLANATION Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Lands in Pudur Village, Shenkottai. Sub Registrar, Shenkottai. Document Nos. 175 to 181/85.

> MRS. M. SAMUEL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, MADRAS

Date: 8-10-1985

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

CFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, MADRAS-560 001

Madras, the 8th October 1985

Ref. No. F. No. 79 Feb/85, -Whereas, I. MRS. M. SAMUEL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinatter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding R₃, 1,00,000 - and bearing T.S. No. 2791 1-2 shuated at Tallakulam, Madurai Town

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under he Registration Act 1908 (16 of 1908) in he effice of the Registering Officer at Sub-Registrar, Tailakulam Document No. 534/85 in February, 1985

for an apparent consideration, which is less than the fair market value of the atorcsaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration to such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been for which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under Subsection (1) of Section (2691) of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) Shri R. Annamalai S/o Ramanathan, 16, Muthu K. A. Rm. St., Devakottai.

(Transferor)

(2) Shri Bhayani Dayanesh, 20-A, Jawahar Road, Chokikulam, Madurai-2.

(Transferec)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Vacant land in T.S. No. 2791, 1-2 Tullakulam, Madurai, Sub-Registrat, Tallakulam Doenment No. 534/85 on I-ebruary, 1985

> MRS. M. SAMUEL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisit on Range, MADURAI-2

Et. te : 8-10-1985 Scal :

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, MADRAS-560 001

Mudras, the 8th October 1985

Ref. No. F. No. 80. Feb/85.—Whereas, I, MRS. M. SAMUEL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the "said Act") have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1.00,000:- and bearing T.S. No. 827/2, 827/3, 934/1, 934/2, 934/4, 934/10 and 934/12 Door No. 2, Race Course Road, simulated at Machania.

situated at Madurai
(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Sub-Registrar, Tallakulam Doc. No. 543/85 in February, 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been er which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I, hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:— (1) M's. Madura Coats Limited, New Jail Road, Madurai 625-001.

(Transferor)

(2) M/s. Indian Oil Corporation, Indian Oil Bhavan, 139, Nungarabakkam High Road, Madras.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this metics in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein and are Jofined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and Building situated in T.S. Nos. 927/2, 927/3, 934/1, 934/2, 934/4, 934/10 and 934/12 in No. 2, Race Course Road, Madurai

Document No. 543/85 -S.R.O. Tallakulam

MRS. M. SAMUFL Competent Authori y Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, MADURA1-2

Date : 8-10-1985

FORM !TNS--

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE. MADURAI

Madurai, the 8th October 1985

Ref. No. F. No. 82/Feb/85.--Whereas, I. MRS. M. SAMUEL,

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Property and bearing No.
D. No. 9-3-26, 9-3-27, 9-3-28, 9-3-29 and 9 6-6 in Ward No.
9 in Pallathur Village, Pasumpon Mathuramalingam Distt.
(and more fully described in the Schedule annexed hereto).
has been transferred under the Regis ration Act, 1908 (16 of 1908) in the effice of the Registering Officer

Joint Sub-Registrar-II. Madras North Document No. 541 '85 in February, 1985

for an apparaent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparnt consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the partis has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(h) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the I ndian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons namely :-

(1) M/s. Chittinad Company (P) Ltd., In voluntary liquidation, No. 64, Armenian Street, Madras-1 and Mr. R. N. Veerappan, No. 3, Chittaranian Street, Teynampet, Madras.

(Transferor)

(2) Smt. Valliammai Achi, Smt. A. Sivakami, und Smt. Nachal, No. 28, P.R.M.P. Street, Pallathur, Pasumpon Muthuramalingam Dist.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publi-cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and Building in Door Nos. 9-3-26, 9-3-27, 9-3-28, 9-3-29 and 9-6-6 in Pallathur Village, Pasumpon Dist. Joint Sub-Registrar-II, Madras North Doc. No. 541/85.

MRS. M. SAMUEL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, MADURAI-2

Date: 8-10-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, MADURA1-2

Madurai, the 8th October 1985

Ref. No. F. No. 84/Feb/85.—Whereas, I, MRS. M. SAMUEL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred w as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.
T.S. No. 231, 232, 233, 234 & 235
situated at Sekkalai Road, Karaikudi
(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of

1908) in he office of the Registering Officer at Joint Sub-Registrar-I, Karaikudi, Document No. 50/85 in February, 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I, hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this office notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---65--316GI/85

 Shri N. A. Marimutha Pillai S/o N. Arumugham Pillai, Ganesapuram, New Shandy Road, Karaikudi.

(Transferor)

(2) Shri Nirmalkumar N. Metha S/o Chandul Singh Metha, 4, K. V. Say Lane, Sekkalai Road, Karaikudi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

T.S. No. 232, No. 7, Sekkalaikottai Village, Karalkudi-Land and Building.

Document No. 50.85. Joint Sub-Registrar-I, Karaikudi.

M. SAMUEL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range,
MADURA

Date: 8-10-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II MADRAS-600 006

Madras, the 8th October 1985

Ref. No. 2/Feb.85.--Whereas, I, MRS. M. SAMUEL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immov-

able property, having a fair market value exceeding

Rs. 1.00,000/- and bearing No.
Door No. 222. Block No. 17, undivided share—96/51000
Alagappa Chettiar Road, situated at Purasawalkam,
(and more fully described in the Schedule annexed hereto)

has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Madras North/Doc. No. 288/85

in February, 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfers and/gr

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :-

(1) Sri Alathoor Rajendran S/o Alathoor Doraswamy Chettiar, 57, Gangadareswarar Koil Street, Purasawalkam, Madras-84.

(Transferor)

(2) Smt. Akila Kannan W/o P.R. Kannan, F. 4/2, Sector 6 Vashi, New Bombay-400 703,

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat: Undivided interest in land (962/51000) at 87, Dr. Alagappa Chettiar Road, Madras-84.

Mndras North/Doc. No. 288 85.

MRS. M. SAMUEI. Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II MADRAS-600 006

Date: 8-10-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II MADRAS-560 001

Madras, the 8th October 1985

Ref. No. 3/Feb.85.—Whereas, I, MRS. M. SAMUEL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 1, A. P. Arasu Street situated at Rammagar Ambattur, Madras

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Madras North Doc. No. 295/85

in February, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer;

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the Said Act to the following persons. namely :--

(1) Mrs. Hemlatha Gopinath and others, , Sivaganga Road, Madras-34.

(Transferor)

(2) Sri S. A. Moorthy, Plot No. 132 T.R. Mani Street II Cross, V.O.C. Nagar, Madras-75.

(Transferce)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this noitce in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-able property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Land and Building at Ambattur, Madras. (Madras North -Doc. No. 295/85).

MRS. M. SAMUE! Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Progerit MADRAS

Date: 8-10 1935 Scal .

FORM I.T.N.S.---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, MADRAS-560 001

Madras, the 8th October 1985

Ref. No. 14/Feb.85.—Whereas, 1,

MRS. M. SAMUEL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to so the said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000- and bearing

No. 2, Kellys Lane Kilpauk situated at Madra:-10.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Purusawalkam Doc. No. 174/85

in February, 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than Afteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, is respect of any income arising from the transfer; and or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other ameets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 26°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this not co under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persona gamely :--

(1) Mrs. Parvathy Varma and others Rep. by Power Agent Sri P. V. Menon No. 2, Kellys Lane Kilpauk, Madras-10.

(Transferor)

(2) Mrs. J. Ebenezer Ammal, No. 277, Mint Street, Madras-3.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of the notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and Building at Madras-10, (Purusawalkam Doc. No. 174/85).

> MRS. M. SAMUEL Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-II **MADRAS**

Date: 8-10-1985

FORM I'INS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(1) Mrs. Chandrika, 20, Dr. Thoma Road, Thtgaraya Nagar, Madras-17.

(Transferor)

(2) Sri T. R. Ranganathan, 3, Nyriappa Maistry Street, Partk Town Madras-3.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 8th October 1985

Ref. No. 18/Feb,85.-Whereas, I.

MRS. M. SAMUEL being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have icason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000- and bearing No. 7.S. No. 25 B. No. 53 situated at Pubyur Village Egmore

Nungambakkam Taluk

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of

1908) in the office of the Registering Officer a Kodambakkam Doc. No. 253.85 on Feb. 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:— Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the res-pective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
 of the transferor to pay tax under the said Act, in
 respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-ta: Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act, or he Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Land at Pul yur Village Egmore Nungambakkam Taluk, Madras. (Kodambakkam Doc. No. 253/85),

> MRS. M. SAMUEL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-11 Madra 3-600 006

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the accuisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Date: 8-10-1985.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF I'HE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 8th October 1985

Ref. No. 29/Fcb.85.—Whereas, I,
MRS. M. SAMUEL
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
memory having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/and bearing No.

No. 40, Dr. A. L. Mudaliar Road, situated at K. K. Nagar,

Madras

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of

1908) in the office of the Registering Officer at Virugambakkam Doc. No. 275/85 on Feb. 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aroresaid property and I have reason to be oblive that the fair market value of the property as aforesaid proceeds the apparent consideration therefor by more than affect the apparent of the property and the the fair market of the property as aforesaid property and the property as aforesaid the property as aforesaid the property and the property and the property as aforesaid the property and the property as aforesaid the property and the property as aforesaid the property as aforesaid the property as aforesaid the property and the property as aforesaid the property as a property as aforesaid the property as aforesaid th fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any rioneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferoe for the purposes of the Indian Incometax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

(1) Sri C. V. Govindarajan, No. 14, Fourh Lane, Nungambakkam High Road, Madras-34.

(Transferor)

(2) Mrs. Begy I awrence,3, Revahi Sreet, Vadapalani, Madras-26,

(Transscree)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning us given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and Building a K. K. Nagar Madras. Virugambakkam (Doc. No. 275/85).

> MRS. M. SAMUEL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Madras 600 006

Now, therefore in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Date: 8-10-1985.

Scal f

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMENSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 7th October 1985

Ref. No. 23/Fcb. 85/R-II.—Whereas, I, MRS. M. SAMUEL

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000- and bearing

Rs. 1,00,000|- and bearing
No. Door No. 21, Main Road, Collectorate Colony, situated
at Aminjikarai, MDS.29

tand more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Kodambakkam/Doc. No. 391/85 on Feb. 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Weslth-tax Act, 1937 (27 of 1957);

Sti A. Rangasamy Naidu,
 Collectorate Colony, Main Road,
 Madras-600 029.

(Transferor)

(2) Smt. Samboornam Mani, 69, 3rd Cross st., Collectorate Colony, Aminuikarai, Madras-29.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the sald property may be sade in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and Building: 21, Main Road, Collectorate Colony, Aminjikarai, Madras-600 029. Kodambakkam/Doc. No. 391/85.

> MRS. M. SAMUEL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Madras-600 006

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, 1 hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesard property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following rersous, namely:—

Date: 7-10-1 ,85.

FORM ITNS--

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 8th October 1985

Ref. No. 31/Fcb.85.—Whereas, I, MRS. M. SAMUEL

being the Competent Authority under Section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value.

property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. S. No. 233 part—K. K. Nagar situated at (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Viruganibakkum, Doc. No. 347/85 on Feb. 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; andler
- (b) facilitating the concealment to any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following aforesaid property by the issue of this notice under subnersons namely:—

 Sri H. C. Ananathanarayanan, 36, Paasumuthi Street, Madras-24.

(Transferor)

 Veturi Sundara Rama Murthi, 21, Ashoka Avenue, Madras-24.

(Transferee)

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this nation in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property as specified in schedule to Doc. No. 347/85. Virugambakkam/Doc. No. 347/85.

MRS. M. SAMUEL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Madras-600 006

Date: 8-10-1985.

Scal

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 7th October 1985

Ref. No. 33/Feb.85.—Whereas, 1,

MRS. M. SAMUEL

MRS. M. SAMUEL.
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the 'said Act'), have reason to believe that the
inmovable property having a fair market value exceeding
Rs. 1,00,000 and bearing
No. D. No. 22/439, Old T.S. No. 6/1300 New T.S. No.
6/1416, 1417, Oppanakkara Street & Raja Street situated at

Coimbatore Town

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of

1908) in the office of the Registering Officer at Coimbatore/Doc. No. 553/85 on Feb. 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transferor(s) and transferee(s) has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Ast, in respect of any income arising from the transfer, **and/or**
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or ether assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-66-316GI/85

 Sri A. Ravindra Mohan (2) P. Mahendra Mohan, sons of Sri S. R. Purushotham Chettiar, 459, Vel-Jappa Gounder St., K. K. Pudur, Coimbatore.

(Transferor)

(2) Mrs. K. S. Fardhana Begum, w/o. M. A. Mohamid Yousuf, No. 9, 6th Lane, Dr. Radhakrishnan Road, Mylapore, Madras.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and Building: D. No. 22/439/ Old T.S. No. 6/1300, New T.S. No. 6/1416 & 1417, Oppanakkara St. & Raja St., Coimbatore Town.

Coimbatore/Doc. No. 553/85.

MRS. M. SAMUEL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Madras-600 006

Date: 7-10-1985.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 8th October 1985

Ref. No. 56/Feb. 85.—Whereas, I,
MRS. M. SAMUEL,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property, having a fair market value
exceeding Rs. 1,00.000|- and bearing
Anaimalai, Pollachi situated at Tiruppur
(and more fully described in the schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of
1908) in the office of the Registering Officer at
Anaimalai/Doc. No. 210/85 in Feb. 85
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more
than fifteen per cent of such apparent consideration and that
the consideration for such transfer as agreed to between
the parties has not been truly stated in the said instrument
of transfer with the object of :---

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income of any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Weighth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, derafore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, persons, namely:—

(1) Sri S. C. Amukkusami gounder, S/o Sr. Chenniappa gounder, Subbagoundenpudur, Marchnaickenpalayam. Pollachi.

(Transferor)

(2) 1. Sri Jagannathan S/o Kalpanagounder, Universal Road, Tiruppur.

2. Sri Mayilsami, Darapuram Road, Thiruppur,

Sri Samiappagounder,
 Kaveri St., Odakarai,
 Thiruppur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Agricultural lands: Anaimalai Sub Dist., Pollachi, Tiruppur.
Anaimalai/Doc. No. 210/85.

MRS. M. SAMUEL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II,
Madras-600 006

Date: 8-10-1985

PORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 7th October 1985

Rcf. No. 69/Feb. 85.—Whereas, I, MRS. M. SAMUEL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-and bearing

Thekkampulta village situated at Coin batore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Mctupalayam/Doc. No. 321/85 in Feb. 85 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property and I have reason to

Mctupalayam/Doc. No. 321/85 in Feb. 85 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- va) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; andlor
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (37 of 1957).

(1) Sri R. V. Anantha Krishna Iyer, and his wife Smt. Visalakshmi Ammal, No. 25, Covai Pudur, Coimbatore.

(Transferor)

(2) Sri K. Lakshmana Perumal, No. 3, Trichy Road, Coimbatore.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said preperty may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aferesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazetta or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land: Mettupalayam Thekkampatta Village, Coimbatore, Mettupalayam/Doc. No. 321/85.

MRS. M. SAMUEL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-II, Madras-600 006

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 7-10-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

Madras-600 006. the 8th October 1985

Rcf. No. 76/Feb. 85.—Whereas, I, MRS. M. SAMUEL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 100,000|- and bearing

F. No. 350/2, T. S. No. 12/104/1B situated at Sanganoor.

F. No. 350/2, T. S. No. 12/104/1B situated at Sanganoor, Coimbatore TK. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Gandhipuram/Doc. No. 351/85 in Feb. 85 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of: said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability or the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) Sri R. Palanivelu S/o P. Ramasamy. Professor Engineering College, Guindy, Madras-25.

(Transferor)

 Sri M. Jayakumar
 S/o M. M. Panicker, India Arts Bureau, X.cnt. Road. Coimbatore-12.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (b) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this noitee in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Vacant Site: T. S. No. 12/104/1B, S. F. No. 350/2. Sanganoor village, Coimbatore. Gandhipuram/Doc. No. 351/85.

> MRS. M. SAMUEI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II. Madras-600 00%

Date: 8-10-1985

FORM ITNS--

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 8th October 1985

Ref. No. 86/Feb. 85.-Wheeras, I, MRS. M. SAMUEL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value Rs. 1,00,000|- and bearing No.
4D Apartment in 'C' Block situated at Fourth floor 'Anu-

4D Apartment in C Block situated at Fourth floor 'Anugraha' N. H. Road. Madras-34 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Thousandlights Doc. No. 41/85 in Feb. 1985 for an apparent consideration which is less than the fair

market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and for
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the Act, to the following persons namely:-

(1) Mr. Gali Chandra Banerjee S/o Shri G. Krishniah, 'Chandra Bhavan' Prajasakjhi Nagar, Vijayawada-520008.

(Transferor)

(2) Smt. V. R. Pushpavathi Devi, 132, Lake View Road, West Membalam, Madras-600 033.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Building at Nungambakkam High Road, Madras-34, (Thousandlights Doc. No. 41/85).

> MRS. M. SAMUEL Competent Authority
> Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II. Madras-600 006

Date: 8-10-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 7th October 1985

Ref. No. 93/Feb. 85.—Whereas, I,

Ref. No. 93/Feb. 85.—Whereas, I, MRS. M. SAMUEL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|- and bearing No. 67A. Sathangadu Village St., Sathangadu situated at Village, Kaladipet, Mds.-19 (and more fully described in the Schedule annexed hereto).

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Thiruvottivur/Doc. No. 481/85 in Feb. 1985 for an apparent consideration which is less than the fair

market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the sald Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 259D of the said Act, to the following persons, namely:— (1) Sri G. Ganesan son of Govindaswamy, No. 6, III Cross Street, Sastri Nagar, Adayar, Madras-21.

(Transferor)

(2) Sri V. Shanmugham son of A. R. Viravan, No. 85, II St., Sastri Nagar, Tondiarpet, Madras-81.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter,

THE SCHEDULE

Land and building: Door No. 67-A, Sathangadu Village St., Sathangadu Village, Kaladipet, Madras-19, Thiruvottiyur/Doc. No. 481/85.

> MRS. M. SAMUFL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-11. Madras-600 006

Date: 7-10-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 8th October 1985

Ref. No. 97/Fcb. 85.—Whereas, I, MRS. M. SAMUEL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

Property as specified in schedule 10 situated at Document No.

486/85

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Kodambakkam/Doc. No. 486/85 in Feb. 85 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer so agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transferor. endlor

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269-C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) Sri T. Munuswamy, 106, Murugesa Naicken St., Kodambakkam, Madras-24.

(Transferor)

(2) M/s. Vasan Brothers, 23, Eldams Road,

. (Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herin as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property as specified in schedule to Doc. No. 486/85. Kodambakkam/Doc. No. 486/85.

> MRS. M. SAMUEL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Madras-600 006

Date : 8-10-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

 Sri Inturi Sambiah, Old No. 6, New No. 7, Dr. Subbrayanagar, 1st Street, Madras-24.

(Transferor)

 Dr. A. R. Srinivasan and Others, 31, Rangaiar Street, Madras-17.

(Transferec)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 8th October 1985

Ref. No. 104/Feb. 85.—Whereas, I. MRS. M. SAMUEL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

111, Dr. Subbrayanagar situated at 1st Street, Madras-24 (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

1908) in the office of the Registering Officer at Kodambakkam Doc. No. 533/85 in Feb. 85 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said

Act, shall have the same meaning as given that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and vacant building at Dr. Subbrayanagar 1st Street, Madras-24. (Kodambakkam Doc. No. 533/85).

MRS. M. SAMUEL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II. Madras-600 006

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, ramely:—

Date: 8-10-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II. MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 8th October 1985

Ref. No. 114/Feb. 85.-Whereas, I.

IRS. M. SAMUEL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/and bearing No.

S. F. No. 46/1, Uppilipalayam Village situated at Singanallur Coimbatare

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Singanallur/Dec. No. 441/85 in Feb. 85

for an apaprent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cert of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transia. with the object of:

- (a) facilitating the reduction or evasion of the fiability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or:
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or he said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-67-316GL/85

(1) Sri K. Lakshminarayana S/o Kosaraju Gopalarayadu, Manager (R & D). Tanuku.

(Transferor)

(2) Sri R. Jayadevan S/o S. Kangasamy Naidu, 2/206, Kirapalayam, PO, Coimbatore Dist.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a persod of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a persod of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immevable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and Building: S. F. No. 46/1, Singanallur, Uppilipalayam Village, Coimbatore. Sing nallur/Doc. No. 441/85.

> MRS. M. SAMUEL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II. Madras-600 006

Date: 8-10-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX, ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 7th October 1985

Ref. No. 117/Feb.85/R.II.—Whereas, I, MRS. M. SAMUEL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair marker value exceeding Rs. 1,00.000]—and bearing No. Ward 3, Block No. 5, Door No. 293, Kgspa Durampuram, situated at Darampuram, Erode

Rs. 1,00.0001- and bearing No. Ward 3, Block No. 5, Door No. 293, Kaspa Darampuram, situated at Darampuram, Erode (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Darampuram/Doc. No. 476/85 in February, 1985 or an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and er
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely;—

 Sr. K. Govindasamy Gounder, and sons, Sri G. Ravichandran, G. Rajasekaran, Smt. G. Sarada, w/o Sri Govindasamy Gounder, III St., Door No. 154, Gandhipuram, Coimbatore Town.

(Transferor)

(2) Sri M. Sridhar, D. No. 28A. Vasantha Road, Kaspa Darapuram Town, Darapuram.

(Transferce)

Objections if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (h) by any person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, and shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and Building: Ward No. 3, Block No. 5, Door No. 293, Kaspa Darapuram, Darapuram, Erode.

Darapuram/Doc. No. 476/85.

M. SAMUEL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II,
Madras-600 006

Date: 7-10-1985

Seal;

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269 D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600,006

Madras-600 006, the 8th October 1985

Ref. No. 122/Feb.85.—Whereas, I, MRS. M. SAMUEL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. A. K. Swamy Nagar, III St., situated at Madras-10 (Purasa-

walkam)

(and more fully described in the Schedule annexed hereto),

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registration Officer at Madras South/Doc. No. 482/85 in February, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fitteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said between the parties has not been truly stated in the said instrument of trunsfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and /or
- (b) facultating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

(1) Sri V. Balabadran, 63, A. Swamy Nagar, III St., Madras-10. (Transferor)

Sri K. Balakrishnan, L-36, Bharathidasan Colony, K. K. Nagar, Madras-78.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforcsaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions user herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and Building: A. K. Swamy Nagar, III St., Madras-(Purasawalkam). Madras South/Doc. No. 482/85.

> MRS. M. SAMUEL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Madras-600 006

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :~~

Date: 8-10-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

 Mr. S. Ayesha Begum and Others. 1032, New Street, Vaniyambadi, North Arcot District.

(Transferor)

(2) Mr. S. M. K. Mohamed Ali Jinnah, 19, Mohammed Hussain Street, Royapettah, Madras-14.

(Transferce)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 8th October 1985

Ref. No. 131/Feb.85.---Whereas, I,

MRS. M. SAMUEL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

No. 6, Vallaba Agraharam Street, situated at Triplicane, Madras-5

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of

1908) in the office of the Registering Officer at Triplicane Doc. No. 76/85 in February, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to be several exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration therefore by more than fifteen per tent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957): Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SHEDULE

Land and Building at No. 6, Vallaba Agraharam Street, Triplicane, Madras-5.

(Triplicane Doc. No. 76/85).

MRS. M. SAMUEL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Madras-600 006

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:---

Date: 8-10-1985

MOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 7th October 1985

Ref. No. 141/Feb.85.—Whereas, I, MRS. M. SAMUFL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereiaafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Res. 100.000% and heaving No.

Rs. 1.00,000]- and bearing No.
Nos. 77 and 78, IL Ward, Kumbakenam Town situated at (and more fully descirbed in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registration Coffeen of

1908) in the office of the Registering Officer at for an apparent consideration which is less than the fairmarket value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument

of transfer with the object of-

(a) facilitating the reduction or evision of the liability of the transferor to pay tax under the said Ast, in respect of may income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1937 (37 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Sr. S. Mahclingam Chattiar and minors, 33, Sarojuni Street, Madras-17.

(Transferor)

(2) Sri Venkatesa Ramanathan, Minor and Karthiban, minor, by fahter and guardian, T. N. Rajagopal, No. 74, Thiruyenamalam, Valangiman Tk., Tanjore District.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (b) by any of the aforcsald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette, or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person Interested in the said immovable property within 45 days from the date of the rublication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in the Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and Building: H Ward, Nos. 77 and 78, Kumbakonam Town.

Madras South/Doc. No. 381/85.

MRS. M. SAMUEL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Madras-600 006

Date: 7-10-1985

Scal ·

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(1) M/s. Suresh Arts, 58, Pantheon Road, Egmore, Madras-8.

(Transferor)

(2) Mr. M. Sankaran. 22, Fourth Croes Street (East), Shenoy Nagar. Madras-30.

(Transferce)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 8th October 1985

Ref. No. 150/Feb.85.--Whereas, I. MRS. M. SAMUEL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|- and bearing No. Sir Thyagaraya Road situated at Madras-17 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of

has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Madras Central, Doc. No. 131/85 in February, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesain exceeds the apparent consideration therefor than bitteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facintating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;

(b) facilitating the concealment of any income of any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax. Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given to that Chapter.

THE SCHEDULE

Land at Sir Thyagaraya Road, T. Nagar, Madras-17. (Madras Central, Doc. No. 131/85).

MRS. M. SAMUEL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Madras-600 006

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following

Dato: 8-10-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 7th October 1985

Ref. No. 164/Feb.85.—Whereas, I. MRS. M. SAMUEL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to us the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000[- and bearing

Rs. 1,00,000] and bearing Vacant land 1569 sq. ft. of Door No. 20 West End. Street, Goralapuram, Madras-86

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Regi tering Officer

1908) in the office of the Regi tering Officer at Madrea Central/Doc. No. 188/85 in February, 1985 for an a-parent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair

market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

 Sri K. S. Narayanan, No. 20, West End Street, Gopalapuram, Madars-86.

(Transferor)

(2) Mr. S. Rengaraj, No. C. 4 Lloyds Colony, Lloyds Estate, Madras-600 014.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
 45 days from the date of publication of this notice
 in the Official Gazette or a period of 30 days from
 the strvice of notice on the respective persons
 whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Vacent Land: Door No. 20, West End Street, Gopalapuram, Madras-86. Madras Central/Doc. No. 188/85.

MRS. M. SAMUEL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of income-tax
Acquisition Renge-II, Madras-600 006

Date: 7-10-1981

Scal:

FORM LT.N.S.---

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II. MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 8th October 1985

Ref No. 165/Feb.85.—Whereas, I. MRS. M. SAMUEL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 37-L. New No. 96, Madras-32, Palmash No. 174, Patta No. 101 being part of R.S. No. 20, 21 and 22 (Zamin) Adyar Village, Plot No. 98, 7th Ward, situated at Saidapet (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering Officer at Madras Central/Due. No. 189/85 in February, 1985 or an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than "five a read of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the chiest of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
 of the transferor to pay tax under the said. Act,
 in respect of any income arising from the transfers
 and/or.
- (b) racilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which eught to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Mr. A. M. Ahmed Yaseen and four others, No. 7, Rutland Gate 2nd Street, Madras-6.

(Transferor)

(2) Madras Fertilisers Ltd., Manali, Madras-600 068.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and Building: 37-L New No. 96, Madras-32, Plot No. 98, 7th Ward, Saidapet Municipality.
Madras Central/Doc. No. 189/85.

MRS. M. SAMUEL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Runge-II, Madras-600 006

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 8-10-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 8th October 1985

Ref. No. 167/Feb.85.—Whereas, J. MRS. M. SAMUEL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act), have reason to believe that the immflovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

Plot Nos. 1 and 2 R.S. 436 situated at Madras

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of

1908) in the Office of the Registering Officer at Alandur Doc. No. 200/85 in Fabruary, 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifther part of such apparent consideration and that the fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Neelama Chinnappa Chinnappa No. 1/40 E North Parade Road, Madras-16, St. Thomas Mount.

(Transferor)

(2) Mr. Joseph George Vellathotam, 1/56 Anna Nagar Fast, Madras-102.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice or the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used kerein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and Building R.S. No. 436 Plot Nos. 1 & 2, Madras

(Alandur Doc. No. 167/85).

MRS. M. SAMUEL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Renge-II, Madras-600 006

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following nersons, namely :- 68-316GI/85

Date: 8-10-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE UNCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 8th October 1985

Ref No. 168/Feb.85.—Whereas, I, MRS. M. SAMUEL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'sa'd Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1.00,000 /- and bearing No. 12, Bheemanna Mudali Garden Street, situ

Garden Street, situated at

Teynampet, Madras-18 (and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Mylapore Doc. No. 109/85 in Feb. 1985, for an approximation of the Registering of the Registration of the Registering Officer at Mylapore Doc. No. 109/85 in Feb. 1985, for an approximation of the Registering Officer.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instru-ment of (ransfer with the object of :—

(a facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income of any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

 T. S. Janakiammal and another, 6-3-609-192/1 Anand Nagar, Khairathabad, Hyderabad-500 004 (A.P.) (Transferor)

(2) Smt. C. IndíraW/o R. Chandrasekhar,No. 3, Dr. Rengachary Road, Mylapore, Madras-4. (Transferee)

Objections if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and Building 12, Bheemanna Mudali Garden Street, Teynampet, Madras-18. (Mylapore Doc. No. 109/85.)

> MRS. M. SAMUEL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Madras-600 006

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisit on of the aforesail property by the issue of this notice under sub-Section (4) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Date: 8-10 1985

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 8th October 1985

Ref. No. 195/Feb.85.—Whereas, .,
MRS. M. SAMUFL,
being the Competent Authority under Section 269B of the
locome-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding
Rs. 1,00,000-) and bearing No.
Flat No. H in third floor situated at 29, Ramaswamy Street,
T. Nagar, Madrus-17
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
have here transferred update the Position of the 1908 (4).

has been transferred under the Registration Act 1908, (16 of 1908) in the Office of the Registration Gricer at T. Nagar Doc. No. 224/85 in February, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exeeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfe as agreed to between the parties has been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which eught to be disclosed by the transferrer for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) H. Kamaladevi, 28, Ellis Road, Mount Road, Madras-600 002.

(Transferor)

(2) Sri C. S. Balakrishnan and Sushila Balakrishnan. 29, Ramaswamy Street, Madras-17.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Building at 29, Ramaswamy Street, T. Nagar, Madras-17. (T. Nagar Doc. No. 224/85.)

MRS. M. SAMUEL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Madras-600 006

Date: 8-10-1985

NOTICE UNDER SECTION 269 D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-11, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 8th October 1985

Ref. No. 196/Feb.85.—Whereas, I,

MRS. M. SAMUEL. MRS. M. SAMUEL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000; and bearing No. 20, Thambiah Reddy Street, situated at West Mambalam, Madras-33

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer

at T. Nagar Doc. No. 230/85 in February, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to be true the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; end/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been et which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following transfer with the object of :--

(1) Smt. R. Vasumathi, 20, Old No. 18, Thambiah Reddi Street, West Mambalam Madras-33.

(Transferor)

(2) Sri T. Ramalingam, Manager, Marketing Dn., Sietex Controls (P) Ltd., , V. S. Mudail Street, Saidapet, Madras-15.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the sald property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days, from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other persons interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building No. 20 Old No. 18, Thambiah Reddy Street, West Mambalam, Madras-33. (T. Nagar Doc. No. 230/85.)

MRS. M. SAMUEL Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Madras-600 006

Date: 8-10-1985

Scal:

 Smt. Seethai Achi, w/o Arunachalam Chettiar, Muppatheru, Vallam.

(Transferor)

(2) Sri G. Srinivasan, s/o Govindapillai, Vallam.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 7th October 1985

Ref. No. 211/Feb. 85.—Whereas, I, MRS. M. SAMUEL, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Vallampudur situated at Vallam (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Vallam/Doc No. 290/85 in February, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—
 - (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 daws from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
 - (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) tacilitating the reduction or evasion of the liability
 of the transferor to pay tax under the said Act, in
 respect of any income arising from the transfer;
 and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

THE SCHEDULE

I.and and Building: Vallampudur, Vallam, S. No. 74/8A and 74/8B.
Vallam/Doc. No. 290/85.

MRS. M. SAMUEL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Madras-600 006

Date: 7-10-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE

GOVERNMENT OF INDIA

(1) Mrs. Muthukannammal, 18, V Cross St., Lake Area, Madras-34.

(Transferor)

(2) M/s, Sekaran Trading Pvt. Ltd., 67, Cathedral Road, Madras-86.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II MADRAS

Madras-600 006, the 9th September 1985

Rcf. No. 80/Feb. 85.—Whereas, I, MRS. M. SAMUEL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|- and bearing S. Nos. 32/22 and 32/23, Pattukottai situated at Village, Tanjore dist.

(and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Madras North/Doc. No. 437 and 438/85 in Feb., 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to be receive that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Capacita.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the flability of the transferer to pay tax under the said. Act in respect of siny hiddens wilding from the transferer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the partitions of the Indian Incometax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

No. 5, Northern row of Chinnaih St., Pattukottai Kaspa, Tanjore.

Madras North/Doc. Nos. 437 and 438/85.

MRS. M. SAMUEL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Madras

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, naturely:—

Date: 9-10-1985

Scal:

FROM I.T.N.S.---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

 Mrs. Sakunthala, 2258/1, Bhutgoswamy Vattaram, Manojiappa Street, Thanjavur-613 001.

(Transferor)

(2) Mr. N. Ramamoorthy, 9, V. V. M. Street, Vellore-4, North Acrot District.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-II
MADRAS

Madras-600 006, the 9th September 1985

Ref. No. 90/Fcb. 85.—Whereas, I, MRS. M. SAMUEL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|—and bearing No. 2/37 Village Road, Nungambakkam sutiated at High Road, Madras-34 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Thousandlights Doc. No. 53/85 in Feb., 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation: The terms and expressions used herein an are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reducction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons. namely:—

THE SCHEDULE

Flat in the second floor at D. No. 2/37, Village Road, Nungambakkam Madras-34.

Thousandlights/Doc. No. 53/85.

MRS. M. SAMUEL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax Acquisition Range-II

Date : 9-10-1985

Seal

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II MADRAS

Madras-600 006, the 9th September 1985

Ref. No. 91/Feb. 85.—Whereas, I, MRS. M. SAMUEL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 2, Village Road, situated at Nungambakkam High Road, Madras (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act. 1908, (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Thousandlights Doc. No. 59/85 in Feb., 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (A) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by this issue of the notice under subsection (1) of Stetion 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Mrs. M. Sakunthala, Flat No. D-4, No. 2, Village Road, Nungambakkam Road, Madras-34.

(Transferor)

(2) Sri A. Mathvivannan, 1, Natesan Colony, C. V. Raman Road, Alwarpet, Madras-18.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other persons interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat at D-4, No. 2, Village Road, Nungambakkam High Road, Madras-34.

Thousandlights Doc. No. 59/85.

MRS. M. SAMUEL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Madras-600006

Date : 9-10-1985 Seal :

FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(1) Sri C. K. Amarnath, C-286, V Avenue, Ashok Nugar, Madras-83.

(Transferor)

(2) Smt. K. S. Lakshmi, 6, Padmanabhan St., T. Nagar, Madras-17.

(Transferce)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II MADRAS

Madras 600 006, the 9th October 1985

Ref. No. 92/Feb. 85.--Whereas, I, MRS. M. SAMUEL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tix Act 1961 (43 of 1961) Thereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value

exceeding Rs. 1,00,000; and bearing Plot 37, Pala Mutau Krishna Nagar situated at Near North Usman Road, Mahalingapuram, Madras-34

Usman Road, Mahalingapuram, Madras-34 (and more furly discribed in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Thousandfights, Doc. No. 64 85 in Feb., 1985 for an a parent considers on which is less than the fair market value of the aforemant property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 day; from the date of publication of this notice in the Official Guzette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expures ther;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 5 days from the date of the publi-cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income ansing from the transfer;

(b) facilitating the concealment of any income any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Land: Plot No. 37, Pala Muthu Krishna Nagar, Near North Usman Road, Mahalingapurani, Madras-34. Thousandlights/Doc. No. 64/85.

THI. SCHEDULE

MRS. M. SAMUEL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Madras

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subscion (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :- 69-316GI/85

Date: 9-10-1985

Scal :

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX AC1, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(1) Sri M. M. Hancefa, 19, Shaik Dawood St., Royapetta ,h Madras-14.

(Transferor)

(1) Shri Haji A. Amina duwa, 2/16A1, New St., Valoothor, Thanjavur dist.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II MADRAS

Madras-600 006, the 9th October 1985

.Ecf. No. 95/Feb. 85.—Whereas, 1, MRS. M. SAMUEL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to us the 'said Act') have reason to believe that the immovable as the said Act') have reason to believe that the immovable property having a air market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Ground, building, shops etc. situated at Venkateswara Nagar, Valasaravakkam village, Madras (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Office at Virugambakkam Doc. No. 352/85/85 in Feb., 1985 market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of icensite with the object of :-

- Objections, if any, to the acquistion of the said property may be made in writing to the undersigned :--
 - (a) hy any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
 - (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.
- Explanation:-The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

- b) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the mid Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which cught to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Iucome-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Building and ground: Plot No. 2 (Part), Venkaieswata Nagar, Valasaravakkam village, Saidapet taluk.

Virugambakkam/Doc. No. 352/85.

MRS, M. SAMUEI.
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Madras

Now, therefore, in rursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiat: proceedings for the acquisition of the afortsaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Date : 9-10-1985

FORM ITNS -----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-II MADRAS

Madras-600 006, the 9th September 1985

Ref. No. 98 Feb. 85 .- Whereas, I.

MRS. M. SAMUEL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to us the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|-

property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000| and bearing
No. 18, Nagarjuna Nagar, II St., situated at Rangarajapuram, Kodambakkam, Madras-24
(and more fully discribed in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Kodambakkam/Doc. No. 505/85 in Feb. 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of the said instrument of transfer with the object of the said instrument of transfer with the object of the said instrument of transfer with the object of the said instrument of transfer with the object of the said instrument of transfer with the object of the said instrument of transfer with the object of the said instrument of transfer with the object of the said instrument of transfer with the object of the said instrument of transfer with the object of the said instrument of transfer with the object of the said instrument of transfer with the object of the said instrument of transfer with the object of the said instrument of transfer with the object of the said instrument of transfer with the object of the said instrument of transfer with the object of the said instrument of the said instrument of transfer with the object of the said instrument of transfer with the object of the said instrument of

- (a) facilitating the feduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer-الارادانية
- (b) facilitating the concealment of any mesome of any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or this Act, or the Wealth-tax Act, 1952 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely .-

(1) Mr. N. P. Suryakumar and Mrs. M. Eswar, 18, Nagarjuna Nagar, 11 St., Rangarajapuram, Kodambakkam, Madras-24.

(Transferor)

(2) Mrs. B. Venkataraman, 7, Subbaraya Chetty St., Triplicane, Madras-5.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

l xplanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and Bullding: 18, Nagarjuna Nagar, H St., Rangara-japuram, Kodambakkam, Madras-24.

Kodambakkam/Doc. No. 505/85.

MRS. M. SAMUEL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Madias.

Date: 9-10-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(1) Sri S. M. Amina Beevi, 2-7, West St., Podakudi, Tanjore dist.

(Transferor)

(2) Smt. K. M. Ajitha Bivi, 7/70-A, Railadi St., Adiyakka Mangalan, Tanjore dist.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-

SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-II MADRAS

Madras-600 006, the 9th September 1985

Ref. No. 103/Feb. 85.—Whereas, I, MRS. M. SAMUEL,

being the Competent Authority under Section 269B of the theome-tax Act, 1961 (4% of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

No. 13, Dr. Subbaraya Nagar, II St., situated at Kodambakkam, Madras-24

(and more fully described in the scheduled annexed hereto) has been transferred under Registration Act 1961 (16 of 1961) in the office of the Registeing Officer at at Kodanbakkam/Doc. No. 524/85 in Feb. 1985

at Kodambakkam/Doc. No. 524 85 in Feb. 1985 for an apparent consideration which is less than the tair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

dxplanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) inclinating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Land and Building: 13, Dr. Subbarayo Nagar, U.St., Kodambakkam, Madras-24.

THE SCHEDULE

Kodambakkam/Doc. No. 524/85.

MRS. M. SAMUEL
Competent Authority
Inspecting Assit. Commissioner of Income-lag
Acquisition Range-II

Now, therefore, in pursuance of section 2000 of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 260D of the said Act, to the following persons; namely:—

Date: 9-10-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Sm.t Shanthini, W∕o Shri Sakkarai Pulavar, 48, Sowrashtra Nagar 9th Street, Madras-94.

(Transferor,

(2) Smt Ponni,W/o Shri Nagappan,24, Bajanai Koil Street, Madras-94.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-II MADRAS

Madras-600 006, the 9th September 1935

Ref. No. 156/Feb. 85.-Whereas, I,

MRS. M. SAMUEL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable

property having a fair market value exceeding Rs. 1.00.000/- and bearing No. 48, Sowrashira Nagar 9th street situated at Puliyur Village Choolaimedu Madras-94

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Madras Central 122/85 in Feb., 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of --

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Land and building Puliyur village Madras-94, Madras Central Doc. No. 122/85,

> MRS. M. SAMUEL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tox Acquisition Range-II Madras

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-action (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons mamely :--

Date: 9-10-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II MADRAS

Madras-600 006, the 9th October 1985

Ref. No. 157/Feb. 85,-Whereas, I,

Ref. No. 157/Feb. 85.—Whereas, I, MRS. M. SAMUEL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Per. 1.00 (90) and having

Rs. 1.00,000]- and bearing
No. 819/84280th undivided share situated at and interest in No. 819/84280th undivided share situated at and interest in the land of 35 grounds 281 sft. in Nungambakkam Mylapore (and more fully described in the Schadule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act. 1908 (16 of 1908) in the officer of the Registration Officer at Madras Central/Doc. No. 117/85 in Feb. 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by given therefor her given therefor her given the constant of the constant which is the constant of the constant where the constant of the constant where the constant of the

said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer, andior
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) M/s. Pass Foundation & Engg. Comp., 601, Amia Salai, Madras-6.

(Transferor)

(2) Mrs. Usha Reddy, W/o Shri Suchitra, 14, V.O.C. Main Road, off Arcot Road, Kodambakkam. Madras-24.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publi-cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Charter

THE SCHEDULE

Flat: (819/84280—undivided share and interest in the lund) of 35 grounds and 281 SFT, R. S. No. 3/1 (part) O.S. No. 3045, in Nungambakkam, Mylapore taluk. Madras Central/Doc. No. 117/85.

MRS. M. SAMUEL. Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Madras

Date: 9-10-1985

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX ACQUISITION RANGE-II MADRAS

Madras-600 006, the 9th September 1985

Ret. No. 159/Feb, 85.-Whereas, I,

MRS. M. SAMUEL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000] and bearing No. R.S. No. 3839/6 part

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of al 1908), in the Office of the Registrating Office.

at Madras Central/Doc. No. 106/85 in Feb., 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the four market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- in) modificting the reduction or evadors of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

New, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the usue of this notice under tub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

- (1) Sri R. M. Krishnaswamy, No. 7, 1st St., Cenatoph Road, Madras-18.
- (2) Sri Goundamani, 27, Kamarajar St., Madras-18.

(Transferor)

· Later seems (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a perice of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 15 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazante.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein so are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in the Chapter.

THE SCHEDULE

Land: R. S. No. 3839/6 part. Madras Central/Doc. No. 106/85.

> MRS. M. SAMUEL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-II Madras

Date: 9-10-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(1) Sri S. Balasubramanian, Minor B. Srinivasan rep. by his father and guardian S. Balasubramanian, 67. Dr. Hadhakrishnan Road, Madras-4.

(Transferor)

(2) Gemini Pictures Circuit P. Ltd., 601. Mount Road, Madras-6.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPLCTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II MADRAS

Madras-600 006, the 9th September 1285

Ref. No. 161/Feb. 85.-Whereas, I,

MRS. M. SAMUEL, heigg the Competent Authority under Section 269B of the Income-tay Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000[-

No. 601, Mount Road, Madras R. S. No. 3/10 and 3/11 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been ran-ferred under the Registration Ac', 1208 (16 of

nas been ransferred under the Registration Ac', 1208 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at, Madras Central/Doc. No. 172 in Feb. 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

Objections, if any, to the acaquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Guzette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publica-tion of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: --- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act. in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Land and Building: 601, Mount Road, Madras-6. Madras Central/Doc. No. 172/85.

THE SCHEDULE

MRS. M. SAMUEL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Madras

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following nersons, namely :--

Date: 9-10-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II MADRAS

Madras-600 006, the 9th October 1985

Rcf. No. 166/Feb. 85.—Whereas, I,
MRS. M. SAMUEL,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Incometax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act') have reason to believe that the immovable

as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 24, Ganapathy Colony, Madras-18 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Madras Central Doc. No. 193/85 in Feb., 1985, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the fid instrument of transfer with the object of: of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer. and/
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of Indian Income-tax Act, 1922 (11 1922) or the said act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the Said Act to the following perons, namely :--70-316GI/85

(1) Sri P. S. Narayanan and Sri P. S. Raju, Mrs. Rajam Sankaranarayanan, 24, Ganapathy Colony. Madras-18.

(Transferor)

(2) Mr. R. Ramamurthy, 5, Rice Mills St., Tiruthuraipoondi. Mr. G. Swaminathan, 122, Mannargudi Road, Tiruthurapoondi.

(Transferee)

Objections if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforsaid persons within a period of forty-five days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and Building: 24, Ganapathy Colony, Madras-18. Madras Central / Doc. No. 193/85.

> MRS. M. SAMUEL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax Acquisition Range-II Madras

Date: 9-10-1985

(1) Mrs. Kantha S. Sohanlal, 17, Srinivasan Street, Mandavalli, Madras-28.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Sri G. Ramaswamy, 5, Fifth Street, Dr. Radhakrishna Road, Mylapore, Madras-4.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 9th October 1985

Ref. No. 169/Feb.85.-Whereas, I. Mrs. M. SAMUEL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000. and bearing No. exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 17, Oliver Road, Mylapre situated at Madras-4

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office

of the Registering Officer at Mylapore Doc. No. [11/85 on Feb. 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:— Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

Two residential flats and one vacant site in D. No. 17, Oliver Road, Mylapore Madras-4.

(MYLAPORE DOC No. 111/85).

(b) facilitating the concealment of any income or any resonately or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1937);

> MRS. M. SAMUEL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Madras-600 006

Now, therefore, in pursuance of Section Zone Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the follow. ing persons, namely :--

Date: 9-10-85

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 9th October 1985

Ref. No. 176/Feb.85.—Whereas, 1, Mrs. M. SAMUEL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/and bearing No. Old No. 72/3 New

No. 24 situated at East Abhiramapuram Second Street, Mylapore Madras-4

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Mylapore Doc. No. 134/85 on Feb. 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than the fair market which apparent consideration and that the fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the lability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Smt. Angeline Emilion, Thiru Emmanuel Emillion, Parkview Apartments First Floor, No. 8-3-A Prakasam Road, T. Nagar, Madras-17.

(Transferor)

(2) Mr. P. S. Subramaniam, No. 6, Devanathan Street, Madras-28.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publi-cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

l and and Building at Mylapore. (MYIAPORE DOC No. 134/85).

MRS, M. SAMUEL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Madras-600 006

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :---

Date: 9-10-85

FORM I.T.N.S.----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) Sri S. P. Saradambal, 10, Norton I Street, Mandavalli, Madras-28.

(Transferor)

Sri S. Radhakrishnan,
 Chidambaraswami II Street,
 Mylapore Madras-4.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 9th October 1985

Ref. No. 177/Feb.85.—Whereas, I, Mrs. M. SAMUEL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000|- and bearing
No. 10. Norton I Street,
situated at Mandavall, Madras-28
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16
of 1908) in the office of the Registering Officer at
Mylapore Doc. No. 155/85 on Feb. 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and Building at Mandavali Madras. (MYLAPORE DOC No. 155/85).

MRS. M. SAMUEL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Madras-600 006

Date: 9-10-85

(1) Sri G. Ganesan, 8, Jagadesan St., Madras-17.

(2) Sri R. Bharathan,

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

22, Burkit Road, Madras-17.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 9th October 1985

Ref. No. 190/Feb.85.—Whereas, I, Mrs. M. SAMUEL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/and bearing exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Block No. 137, T.S. No. 6263 and 7576

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of

1908), in the office of the Registering Office at T. Nagar Doc. No. 149/85 on Beb. 1985 for an apparent consideration which is less than the

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than filteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
 46 days from the date of publication of this notice
 in the Official Gazette or a period of 30 days from
 the service of notice on the respective persons,
 whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immevable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Ast, in pect of any income arising from the tram and/or
- THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transfered for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); T. Nagar/Doc. No. 149/85.

Block No. 137, T. S. No. 6263 and 7576.

MRS. M. SAMUEL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Madras-600 006

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby imitate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Date: 9-10-85

FORM NO. I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE ENSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 9th October 1985

Ref. No. 191/Feb.85.—Whereas, I, Mrs. M. SAMUEL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinefter referred to as the 'said Act')' have reason to believe that the immevable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Old No. 2, 2A (New) and 2B situated at Madllev Road, T. Nagar, Madras (and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at T. Nagar Doc. No. 159/85 in Feb. 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion or the liability of the transferor to pay tax under the mid Ast, in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concentment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferes for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-ins Act, 1937 (27 of 1937);

New, therefore, in pussuance of Section 269C of the said Act, I hereby infiltate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons camely:—

(1) Sri P. Kannan, 19, Pracharasabha Road, T. Nagar, Madras-17.

(Transferor)

(2) Sri M. Ganeshan, 11, Dhanappa Mudali Street, Mylapore Madras-4.

(Transferee)

Objections, if any, to the asquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and Building at Madley Road, T. Nagar, Madras. (T. NAGAR DOC No. 159/85).

MRS. M. SAMUEL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II

Date: 9-10-85

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

 Sri Lalchand N. Nandwani and another, Flat No. 42/9, Motilal St., T. Nagar, Madras-17.

(Transferor)

(2) Mrs. Kanti Sundaram, 5, Kasturi Estate, II St., Cathedral Road, Madras-86.

(Transferce)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 9th October 1985

Ref. No. 199/Feb.85—Whereas, I, Mrs. M. SAMUEL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1.00,000/- and bearing Flat No. 42/9. Motilal St..

No. BL-52, Kh. No. 870, Vill. Tchar, situated at New Delhi St., situated at T. Nagar Madras (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering Officer at T. Nagar/Doc No. 235/85 in Feb. 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforsald property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than diffeon per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act. in

andlor

respect of any income arising from the transfer;

(b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

FLAT: No. 42/9, Motilal St., T. Nagar, Madras. T. Nagar/Doc. No. 235/85.

MRS. M. SAMUEL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Madras-600 006

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

Date: 9-10-85

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 9th October 1985

Ref. No. 238/Feb.85.—Whereas, I, Mrs. M. SAMUEL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market, value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing loor No. 9, T.S. No.

4738, Gokulam Colony, situated at Krishna Koil St., T. Nagar, Madras-17

and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at T. Nagar/Doc. No. 165/85 in Feb. 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the exceeds the apparent consideration instead by hore than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in temperat of any income aroung from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the mid Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons. minsely :---

 Sri K. V. Raman, s/o N. Krishnaswamy Iyer, No. 54, Bharat Tirta Co-op. Housing Society, 409/410, Sion Trombay Road, Chembur, Bombay-Now: -9, Krishna Koil St., Gokulam Colony, T. Nagar, Madras-17. (Transferor)

(2) Smt. Parvathy Parthasarathy, 2 M. V. Parthasarathy, No 8, Tilak St., Extension, T N.agar, Madras-17,

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

LAND: Door No. 9, T.S. No. 4738, Krishna Koil St., Gokulam Colony, T. Nagar, MADRAS-17. T. Nagar/Doc. No. 165/85.

MRS. M. SAMUEL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition II, Madras-600006.

Date: 9-9-1985

FORM NO. I.T.N.S.----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 10th October 1985

Rsf. No. 7/Feb.85.—Whereas, I, Mrs. M. SAMUEL, being the Competent Authority under Section 2098 of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00 000], and bearing S. No. 250/2 and 250/1 and 249/12 situated at in Velachery Madras (and more fully described in the scheduled annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at MADRAS NORTH/Doc. No. 397/85 and 556/85 on Feb. 1985

1985

for an apparent consideration, which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) factitating the concealment of any income to any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-action (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

71--316GI/85

(1) Mr. M. Raju Naicker and 13 others, 24. Orandianman Koʻl St. Velachery, Madras-42. Mrs. Ealikutty Peters and Miss Shirin Peters, 2, Krishnamma Road, Madras-34.

(Transferor)

(2) Southern Petrochemical Industries Corpn. Ltd., 97, Mount Road, Madras-32. (GUINDY). (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property

may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Vacant land in S. No. 250/1, 249/1B/2, 250/2, Vellacherv village, Sa'dapet Taluk, Chingleput dist. Madras North/Doc. No. 556/85 and 397/85.

MRS. M. SAMUEL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Madras-600 006

Date : 10-10-1985 Seal :

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-II,
MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 10th October 1985

Ref. No. 99/Feb.85.—Whereas, I, Mrs. M. SAMUEL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act)', have reason to believe that the immovable preperty, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000]—and bearing No. 65. Kodambakkam Village situated at Madras (and more fully described in the Sakada and Sakada

65. Kodambakkam
Village situated at Madras
(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Kodambakkam Doc. No. 510/85 in Feb. 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any mioneys or others assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Koladai Vadivelu,
 Mathala Narayanan Street,
 Mylapore Madras-4.

(Transferor)

(2) Rajamannar & Smt. Sithalakshmi, 33, Kaliamman Koll Street, Virugambakkam Madras-92.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
 45 days from the date of publication of this notice
 in the Official Gazette or a period of 30 days from
 the service of notice on the respective persons,
 whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazetta

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Vacant land bearing Plot No. 65 T.S. No. 39 in Kodambakkam Village.
(KODAMBAKKAM DOC. No. 510/85).

MRS. M. SAMUEL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissione: of Income-tax
Acquisition Range-II
Madras-600 006

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 69D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 10-10-85

Scal:

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

rep. by its Sri A. C. Muthia, (President) Adyar Villa, Madras-85. (Transferor)

(1) The Madras Polo and Riders Club

(2) M/s. East Coast Constructions & Industries rep. by its partner Mr. A. M. Seyed Abdul Cader, No. 4, Moores Road, Madras-6.

(Transferce)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 10th October 1985

Ref. No. 121/Feb.85.—Whereas, I, Mrs. M. SAMUEL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the imnovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000| and bearing No.

T. S. No. 7 part of Block No. 20 situated at Vellachery Village Saidapet Taluk Madras (and more fully described in the schedule annexed hereto)

has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Saidapet Doc. No. 125/85 in Feb. 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such apparent as agreed to and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act. in respect of any income arising from the transfers

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land at Vellacherry Village T.S. No. 7 part of Block No. 20, Saidapet Taluk:

MRS. M. SAMUEL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Madras-600 006

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Date: 10-10-85

Soul:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-1AX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Cmt. Karra Kamala, wife cf Sri Karra Dakshnamurthy, 24, Dr. Rednakrishnan Galal, Mylapore, Madras-4.

(Transferor)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006.

Madras, the 9th October 1985

Ref. No. 136/Feb. 85,--Whereas, I MRS. M. SAMUEL,

being the Competent Authority under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000]—and bearing No.

24. Dr. Rudhakrishnan Salai situated at Medras-4 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Register ng Officer at Mylapore/Doc. No. 229/85 on Feb. 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to oelieve that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferrer for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act. to the following persons, namely:—

(2) Smt. Ahalya Bai, w/o late Babu, and other, 110, Constable Road, Madras-23. (Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Land and Building: Door No. 24, Old Door No. 10-B/2, Edward Elliots Road, Mylapore, Madras—now known as Dr. Radhakrishnan Salai, Mylapore, Madras-4.

MRS. M. SAMUEL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Madras-600 006

Deto: 9-10-1985

FORM I.T.N.S .-

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACOUISITION RANGE-II. MADRAS-600 006.

Madras, the 10th October 1985

Ref. No. 138/Feb. 85.—Whereas, I MRS. M. SAMUEL,

being the Competent Authority under Section 269B of the member fax Act, 1961 (45 of 1961) therematter telerred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a tur market value exceeding. Rs. 1,00,000/- and bearing No. Plot No. 94 in Kalakshetra Colony, situated at Thiruvanniyur,

Madras

(and more fully described in the Schedule annexed hereto).

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has seen transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Madras South/Dec. No. 275/85 on Feb. 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more that fifteen per cent of such apparent consideration and the that lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or
- (b) facilitating the conceniment of any income of any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1937);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the equisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

التاريخ الماريخ الماريخ التاريخ الماريخ (1) Smt. C. S. Uma Maheswari, No. 21, Arundale Nagar, Thiruvanmiyur, Madras-41.

(Transferor)

(2) Mrs. M. N. Uma Maheswari 'Ashram', Kallakuruchi, South Arcot Dist.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION --- The forms and expressions used herein as are defined to Chapter XNA of the said But, shall have the same menning as given in title Chaptes

THE SCHEDULE

Land and Building: No. 94, Kalakshetra Colony, Thiruvanmiyur village, Madras.

Madras South-275/85.

MRS. M. SAMUEL Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II Madras-600 006

Dato: 10-10-85

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006.

Madras, the 9th October 1985

Ref. No. 155/Feb. 85.—Whereas, I MRS. M. SAMUEL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinaster referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat at Nungambakkam with 819/84280th undivided share in land measuring 35 grds. and 281 sft. situated at Madras (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Madras Central/Doc. No. 118/85 on Feb. 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or:
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

(1) M/s. Parsn Foundation and Engg. Company, 601, Anna Salai, Madras-6.

(Transferor)

(2) Miss M. Suchitra, Minor D/o Sri M. Uttam Reddi, No. 14-V.O.C. St., Kodambakkam, Madras-24.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat: 819/84280th undivided share and interest in the land of 35 grds. and 281 sft. in R. S. No. 3/1 (Part) O.S. No. 3045, Nungambakkam, Mylapore Taluk.

Madras Central (Doc. No. 118/85).

MRS. M. SAMUEL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Madras-600 006

Date : 9-10-1965

FORM NO. LT.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006.

Madras, the 10th October 1985

Ref. No. 170/Feb. 85.—Whereas, I MRS. M. SAMUEL,

of transfer with the object of t-

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000]- and bearing No. 17, Oliver Road, situated at Mylapore Madras (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Mylapore Doc. No. 112/85 in Feb. 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-

said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that

the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act. in respect of any income arising from the transfer; andler
- (b) facilitating the conceanment or any motions or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, 1 hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons—samely:—

 Sri J. Sri Ram, C/o G. Ramaswamy,
 Fifth Street,
 Dr. Radhakrishnan Road, Mylapore, Madras-4.

(Transferor)

(2) Mrs. Kancha S. Sohanlal, 17, Srinivasan Street, Mandavali, Madras-28.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immerable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flats No. 17, Oliver Road, Mylapore Madras-4. (Mylapore Doc. No. 112/85)

MRS. M. SAMUEL,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Madras-600 006

Date: 10-10-85

Scal:

FORM UINS-

NOTICE UNDER SECTION 269(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006.

Madras, the 9th October 1985

Ref. No. 180/Feb. 85 .-- Whereas, I, MRS. M. SAMUEL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, et. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to 25 the 'said Act') have reason to believe that the immovable scoperty, having a tur-market value exceeding

Rs. 1.00,000/- and bearing T.S. No. 13/253-part (Block No. 21) situated at Urur village, Adyar, Madras

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office

of the Registering Officer at Adayar/Doc. No. 293, 294 and 295/85 in Feb. 85 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cept of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) tacilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be declosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-lax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

- (1) Shree Padmanab Dasa Rama Varma,) o mer Ruier of Trivancore, Kaudiar Palace, Trivandrum, Kerala State. (Transferor)
- (2) Mr. Balan Canuite Pecris, Mr. Subash Pecris, and Mr. Robert Pecris, No. 22/, Janpettah St., Colombo-13, Srilanka.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of cublication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION .— The terms and expressions used herein as are defined in Counter NNA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land: T.S. No. 13/253 part, Block 21, Urur village, Adyar, Saidapet taluk.

Aday::r/Doc. Nos. 293, 294, 295/85.

MRS. M. SAMUEL Competent Au hority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Madras-600 006

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Date: 9-10-1985

37997

PORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006.

Madras, the 9th October 1985

Ref. No. 181/Feb. 85. -- Whereas, I MRS. M. SAMUEL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 and bearing No. Block 21, Urur village, Adyar, situated at Saidapet Taluk,

Madras

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of

has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Adyar/I)oc. No. 296/85 on Feb. 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the imbility of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferoe for the purposes of the indian income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—72—316GI/85

(1) Shree Padmanabha Dasa Rama Varma. Former Maharaja of Travancore, Kaudiar Palace, Trivandrum, Kerala State. (Transferor)

(2) M/s. Chennai Thinakuran (P.) Ltd., 106, Kutchery Road, Mylapore, Madras-4. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said preparty may be made in writing to the undersigned:-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the pub-lication of this notice in the Official Gazzette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land: Block No. 21, Urur village, Adyar, Saidapet, Adyar/Doc. No. 296/85.

MRS. M. SAMUEL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II Madras-600 006

Date: 9-10-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-600 006.

Madras, the 7th October 1985

Ref. No. 9/Feb./85.—Whereas, I MRS. M. SAMUEL.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Plot No. A2. 116, No. 12, situated at 6th East Cross Street, Gundhi Nagar, Kashinsur Village (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has ben transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer

1908) in the Office of the Registering Officer at Katpadi (Doct. No. 561/85) on February, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid to be a second said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of .—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the Mability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; su6/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Is some-tax. Act, 1922 (11 of 1922) or the said Ac., or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1937):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following nersons, namely :--

Sri N. Gopala Krishnamurthy, S/o K. Narasimmalu Naidu, No. 12, 6th East Cross Street, Gandhi Nagar, Vellore-6.

(Transferor)

(2) Sri D. Deivasigamani Chettiar, Sri Selva Vinayagar Rice Mill, 9/9A. Netaji Road. (Power Office Road), Shenbakkam, Vellore, N.A. Dist.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- by any other person interested in the said immevable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and Building at Door No. 12, 6th East Cross Road. Gandhi Nagar, Vellore-6.

S.R.O., Katpadi, Doct. No. 561/85.

MRS. M. SAMUEL Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Madras-600 006

Date: 7-10-1985

FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-600 006

Madras, the 7th October 1985

Ref. No. 11/Feb/85.-Whereas, 1,

MRS. M. SAMUEL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Re. 1,00,000/- and bearing

No. 54 (R.S. No. 166/4), Alagapuram Pudur Village situated at Madras

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

of 1908) in the office of the Registering Officer at Suramangalam (Doct. No. 281/85) in February, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the mid instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferes for the purposes of the Indian Income-sax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the accusaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

 Sri V. Arjunan and 3 Others, Convent Road, Kutta Street, Alagapuram Pudur, Salem Taluk and Dist.

(Transferor)

(2) Sri C. Jayakumar and Sri C. Kasilingam, Sons of K. Chinnasamy Gounder, Door No. 34, Court St., Erode Town, Periyar Dist.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gasetts or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expired later;
- (b) by any other person interested in the said immaovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural lands at No. 54 (R.S. No. 166/4), Alagapuram Pudur Village, Salem.

S.R.O., Suramangalam, Doct. No. 281/85.

MRS. M. SAMUEL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Madras-600 006

Date: 7-10-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-J, MADRAS-600 006

Madras, the 7th October 1985

Ref. No. 30/Feb./85.-Whereas, I,

Ref. No. 30/Feb./85.—Whereas, I, MRS. M. SAMUEL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000]- and bearing No. Door No. 452, Trichi Main Road, Gugai, situated at Salem Town.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Tadagapatty (Doct. No. 600/85) on February, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen president of such apparent consideration and that the fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) factivating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :---

Sri S. Soundararajan, S/o K. P. Seetharam Chettiar, Door No. 450, Trichi Main Road, Gugai, Salem Town.

(Transferor)

(2) Sri M. R. Mohanasundaram, Son of Sri M. Ramalingam, Door No. 2, No. 1, Pillalyar Koil St., Gugai, Salem-636 006.

(Transferce)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and Building at Door No. 452, Trichi Main Road, Gugai, Salem Town.

S.R.O., Tadagapatty. Doct. No. 600/85.

MRS. M. SAMUEL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I(i/c) Madras-600 006

Date: 7-10-1985

FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I. MADRAS-600 006

Madras, the 9th October 1985

Ref. No. 31/2/85.—Whereas, I MRS. M. SAMUEL,

being the Competent Authority under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

as the said Act, have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000]—and bearing No. 69 Re-survey No. 69/2 and Survey No. 69/3 situated at Tadagapatty Village, Salem Dt., Doc. No. 553/85 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Tadagapatty, Salem at Salem Dt., on 26-7-84

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the aid Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

1) 1. Sri Chithan, S/o late Arumuga Gounder,

- 2. Smt. Savithri, w/o A. Chithan,
- 3. Smt. S. Lakshmi, w/o Sri V. Subramanian, Seelnaickenpatty, Thalappa Gounder Kattu Valavu, Tadagapatty Village, Salem D.T. (Transferor)
- (2) Sri K. Ramasamy Gounder, S/o Sri Kolandai Gounder, Ramakrishnapuram East, Karur Town, T.K., Thiruchi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the servict of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agriculture land at Survey No. 69, Resurvey No. 69/2 and 69/3, Tadagapatty Village, Salem Dt.

S.R.O. Tadagapatty, Doc. No. 553/85.

MRS. M. SAMUEL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax. Acquisition Range-I(i/c) Madras-600 006

Date: 9-10-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-600 006

Madras, the 9th October 1985

Ref. No. 34/2/85.—Whereas, I, MRS. M. SAMUEL. being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing
S. No. 44/14, 9.3.16, 44/24, 9.2.10, 44/14.4.9.3, 69 and 45/
154.9.1.95 situated at Pethaampatty village, Vecrapandy, Salem

Salem (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Veerapandy, (Doc. No. 155/85) on 4-2-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and 1 have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been trained in as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the Hability
 of the transferor to pay tax under the said Act, in
 respect of any income arising from the transferor; and or
- (h) facilitating the concealment of any income or Any moneys or other assets which have not been or which emplit to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Ast, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

- (1) 1. Sri Perumal Gounder, s/o Sri Chinna Gounder,
 - 2. Sri A. P. Mani, S/o. Sri Perumal Gounder, Pethaampatty village, Veerapandy, Salem.

(Transferor)

(2) Sri R. Paramasivam, S/o Sri Ramasamy Gounder, 258, Advytha Orpange Road, Fairlands, Salem Town.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-able property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agriculture land at survey Nos. 44/14.9.3.16, 44/24.9.2.10. 45/14.4.9.3.69, 45 at Pethaampatty village, Salem.

(S.R.O. Veerapandy; Doc. No. 155/85).

MRS. M. SAMUEL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I(i/c) Madras-600 006

Date: 9-10-85

FORM NO. I.T.N.S.----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-600 006

Madras, the 7th October 1985

Ref. No. 37/Feb./85.—Whereas, I, MRS. M. SAMUEL. being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immevable property having a fair market value exceeding Rs. 1.00,000/and bearing Rs. No. 137/1B situated at Pothanur Village (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Velur (Salem) Doct. No. 262 and 263/85 in February, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evaden of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

 Sri K. Karuppusamy, S/o Kalianna Gounder, Mel Sathambur Post, Namakkal Taluk, Salem Dist,

(Transferor)

(2) I. P. S. Karuppanna Gounder,
 2. C. Chinnappan,
 Managing Partners,
 Sivasakthi Finance,
 Paramathy, Namakkal Taluk,
 Salem Dist.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have same meaning as given in the Chapter.

THE SCHEDULE

Vacant land at Pothanur Village in R. S. No. 137/1B. S.R.O., Velur (Salem). Doct. No. 262 and 263/85.

MRS. M. SAMUEL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I(i/c) Madras-600 006

Date: 7-10-85

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 7th October 1985

Ref. No. 38/Feb./85.—Whereas, I.
MRS. M. SAMUEL.
baing the Competent Authority under Section 269B of
the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the 'said Act') have reason to believe that the im-

movable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing:

No. Survey No. 189/3 situated at Athanur Village,
(and more fully described in he Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at
Rasipuram (Doc. No. 328/85 and 329/85)
in February 1985,
for an apparent consideration which is less than the fair

for an apparent consideration which is less than the fair market vaule of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by racre-than fitten per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of .:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer:
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(4) Sri K, Chinna Gounder & Others, Thattankuttaiyan Pudur, Athanur Village, Rasipuram Taluk. Salem Dist.

(Transferor)

(2) Sri O. G. Janardhanan, Managing Director, Sree Spinning Mills Pvt. Ltd., 140, Pension Line Road, Gugai, Salem-6.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building at Survey No. 189/3, Athanur Village, Rasipuram Taluk, Salem Dist.

S.R.O., Rasipuram Doct. No. 328/85 and 329/85.

MRS. M. SAMUEI Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I (i c) Madras-600 006

Date: 7-10-1985

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-1AX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-I MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 9th October 1985

Ref. No. 40/Feb./85.—Whereas, I, MRS. M. SAMUEL.

being the Competent Authority under Section 269R of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00 000/- and bearing No.

Survey Nos. 101/1 and 101/2 situated at Valavandhikombal

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Sendamangalam (Doct. No. 192/85) in February 1985, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such apparent a segreed to between the parties has not been truly stated in the said instruween the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the sald Act, to the following versons, namely :-73--316GI/85

(1) Sri M. Pandurangan, S/o Manickkam Chettier. East Bazaar Street, Sendamangalam.

(Transferor)

(2) Sri P. Balasubramanian, S/o Raju alias Pa'uni Muthu Udaiyar, Ramanathapuram Pudur.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) facilitating the concealment of any income or any able property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural lands at Valavandhikombai Village in Survey os. 101/1 and 101/2. S.R.O. Sendamongalam Doct. No. 192/85.

> MRS. M. SAMUEL Competent Authority
> Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
> Acquisition Range-I (i/s) Modras-600 006

Date: 9-10-1985

Seal ;

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 9th October 1985

Ref. No. 46/Feb.85.—Whereas, I, MRS. M. SAMUEL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), hereinafter referred to as the 'said Act', have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Survey No. 13 situated at Kottapalayam Village, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Tiruchengode (Doct. No. 468/85) in February 1985, for a apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 26°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Sri T. K. Chinna Gounder and C. Shanmugam, Vellaiyankadu, Thirumangalum Village, Tiruchengode Taluk, Salem Dist.

. =====

(Transferor)

(2) Sri N. Nagarajan, S/o Narayanaswamy, Managing Partner in Amudhasurabi Finance, Door No. 106B. Velur Road, Tiruchengode Taluk and Town, Salem Dist.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of he aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons; whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the sub-lication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULB

Agricultural lands at Tirumangalam Group Kottapalayam Village in Survey No. 13.

S.R.O., Tiruchengodo Dect. No. 468/85.

MRS. M. SAMUEL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Incometax Acquisition Range-I (i/c) Medris-600 006

Date: 9-10-1985

Scal:

Sri V. Mani,
 S/o Veerappan,
 38F/6.6 Sankagiri Road,
 Tiruchengode.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (4) OF 1261;

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Sri S. Palaniappan, S/o Sellappa Gounder, Adaiyur Village, Kanniampatti Post, Ja'ukandapuram Via, Sankari Durg Taluk, Salem Dist.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE-I MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 7th October 1985

Ref. No. 48/Feb./85.—Whereas, I,
MRS. M. SAMUEL.
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter reterred to
as the 'said Act') have reason to believe that the immovable
property having a fair market value exceeding
Rs. 1,00,000/- and bearing No.
Door Nos. 38/F6.6, 38F6.7, 38/F6.8, 38F.6.9,
38/F6.10, 38/F6.4 sand 38/F6.5, Sankagiri Road,
situated at Seetharampalayam.
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of
1908) in the office of the Registering Officer at
Tiruchengode (Doct. No. 289/85) in February 1985,
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
lifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of:—

(a) facilitating the redunction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and Building at Door Nos. 38/F6.6/38F6.7, 38/F 6.8, 38/F6.9, 38/F6.10, 38/F6, 38/F6.11, 38|F6.2, 38|F6.3, 38|F6.4 and 38|F6.5, Sankagiri Road, Tiruchengode, S.R.O., Tiruchengode Doct, No. 289|85,

MRS. M. SAMUEL
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I (i/c)
Madras-600 006

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the Mortsaid property by the issue of this notice under subjection (1) of Section 269D of the said Act to the following sections, namely:—

Date: 7-10-1985

FORM I.T.N.S.--

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

TO THE RESIDENCE OF THE PROPERTY OF THE PROPER

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 9th October 1985

Ref. No. 51/2/85.—Whereas, I,
MRS. M. SAMUEL,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding
Rs. 1,00,000/- and bearing
No. Resurvey No. 193/1 and chekkupanthy
situated at Annatharinatty village, Tadegapatty, Salem Dt.
(and more fully described in the schedule annexed pareto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of
1908) in the office of the Registering Officer at
Tadagapatty (Doc. No. 372/85) at Salem on 7-2-85,
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property, and I have reason
to believe that the fair market value of the property as
aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by
more than fifteen per cent of such apparent consideration
and that the consideration for such transfer as agreed to
between the parties has not been truly stated in the said
unstrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act. In respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the atoresald property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Sri G. Selvam, S/o Cri Chinnannan, Kaattur, Aamanaakondulayampattym Salem.

(Transferor)

(2) Smt. Vanithamanl, W/o V. V. Paranichamy Chettiar, No. 86, Moongapaddy St., Salem-6.

(Transferee)

Objections if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land at Annadhampatty village, Tadagapatty, Salem, Resurvey No. 193/1B chekkupan'hy. SRO: Tadahapatty, Doc. No. 372/85.

MRS. M. SAMUEL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I (1/c)
Madras-600 000

Date : 7-10-1985 'Seal :

beal :

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACI, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 9th October 1985

Ref. No. 53/2/85.—Whereas, I,

MKS. M. SAMUEL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinatter referred to me the 'said Act'), have reason to believe that the immovable Property having a fair market value exceeding

Property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

No. Land and building at Door No. 32-B, G.S. No. 66,
Andipatty Line, Ward 3, Division K., Tadag-patty, Sa em, situated at Tadagapatty, Salem,
(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Tadagapatty, Salem Doc. No. 325/85 on 23-1-1984, for an apparent consideration which is than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to

market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration there or by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transferor and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys of other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee to the purposes of the Indian income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

(1) Sri L. Abdul Rehman Sahib, S/o Sri La.cmiyan Sahib, Door No. 47, Nagap an Main Road, Pension Line, Salem Town.

(Transferor)

(2) Smt. A. Surya Begum, W/o Sri B. Anwar Basha, Door No. 6, Street No. 3, Ramasamy Padyachi Street, Rasipuram Town and tk. Sulem.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazetto.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given. in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building at Door No. 32-B. G.S. No. 66. H.B. Ward-25, Andipatty Line, Ward No. 3. Division 'K', Tadagapatty, Salem Town. SRO: Tadagapatty; Doc. No. 325/85.

MRS. M. SAMUEL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I (i/c) Madras-600 006

pursuance of Section 269C of the said proceedings for the acquisition of the the issue of this notice under sub-269D of the said Act, to the follow-

Date: 9-10-1985

Senl:

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 9th October 1985

Ref. No. 55/2/85.—Whereas, I,
MRS. M. SAMUEL,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property having a fair market value exceeding
Rs. 1,00,000/- and bearing No.
waard 'I', Block 9, T.S. No. 163/I, Door No. 91-B,
situated at Kerungalpatty, Tadagapatty vi.lage, Salem,
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of
1908) in the office of the Registering Officer at
Tadagapatty. (Doc. No. 264/85) on 2-1-85,
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferees for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act. to the following persons, namely:—

Sri S. Rangasamy Chettiar,
 S/o Sri Kolappa Chettiar,
 Sri Jayapal
 Sri R. Kuppuraan, and
 Sri R. Rujasekaran,
 Door No. 91-B, Karungalpatty Main Road,
 Tadagapatty, Salem.

(Transferor)

(2) Sri M. Sampath, S/o. Shri Manickam Chettiar, Door No. 40-B, Rajaram Nagur, Komarasamypatty, Salem Town.

(Transferce)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expi es later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building at Ward T. B'ock 9, T.S. No. 163/1, Door No. 91-B. Karungalpatty Main Road, Tadagapatty, Splein.
SRO: Tadagapatty, Doc. No. 264/85.

MRS. M. SAMUEL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I (i/c)
Modras-600 006

Date # 9-10-1985. Seal :

NOTICE UNDER SECTION 259D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

 Smt. N. Rájammal and Others, Pukalpatti Post, Omalur Taluk, Salem Dist.

(Transferor)

(2) Sri T. V. Raman, S/o Vaiyepuri, Meiyanur, Salem-4.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-I MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 7th October 1985

Ref. No. 56/Feb./85.—Whereas, I,
MRS. M. SAMUEL,
being the Competent Authority under Section 269B of
the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter reterred
to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding
Rs. 1,00,000/- and bearing No.
Su vey No. 92/2F situated at Pakalpatti,
Omalur Taluk, Edem Dist,
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of
1908) in the office of the Registering Officer at
Omatur (Doct. No. 232/85 and 233/85) in February 1985,
for an apparent consideration which is less titlan the fair
market value of the aforesaid property, and I have reason
to believe that the fair market value of the property as
aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by
more than fifteen per cent of such apparent consideration
and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the sa'd instrument of transfer with the object of—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication or this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immerable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been for which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1937 (27 of 1957);

Agricultural lands in Survey No. 92/2F at Pakalpatti Village. Omalur Talur, Salem Dist. S.R.O., Qmalur Doct. No. 232/85 and 233/85.

MRS. M. SAMUEL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-1 (i/c) Mc.dras-600 006

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Pate: 7-10-1985

Scal

FORM I.T.N.S.

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 9th October 1985

Ref. No. 62/2/85.—Whereas, I, MRS. M. SAMUEL. being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter reterred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00 0001- and bearing No. Survey No. 395/6 etc. 395/4 and 395/5 situated at Amnupe tai village, Salem East, Salem, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been trans e-red under the Regist at on Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering Officer at Salem East (Doc. No. 503/85) and 504/85 on 25-2-85, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the prope ty as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by note than fifteen percent of such apparent consideration and the con-ideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferes for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act. or the Wealth-tax Act, 1957 (2) of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the atoresaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the tottowing persons, namely:—

(1) Sri Sengottu Mudaliar and others, 5/0 Sri Mariniutnu Mudaliar, 13-A. Weavers' Colony, Kamaraj Nagar, Ammapet ai, Salem.

(Transferor)

(2) Sri Ramasamy Gounder, S/o Sri Chel'appa Gounder, Chellappan Forest, Ett.manickam patty village, Salem T.k.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land at S. No. 395/4, 395/5 and 395/6, Ammanapettal, Salem East, Salem. (SRO: Salem East; Dcc. No. 503/85 and 504/85).

MRS. M. SAMUEL,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range-I (i/c)
Madras-600 006

Date : 9-10-1985

Scal:

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 7th October 1985

Ref. No. 68/Feb./85.—Whereas, I, MRS. M. SAMUEL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'aid Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1.00,000 and bearing No.

Plot No. 416, Anna Nagar West, situated at Madras-40, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) on the Office of the Registering Officer at

Anna Nagar (Doct. No. 338/85) in February 1985, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction of evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income of any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby intiate proceeding for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—74—316GI/85

 Sri V. Kumar, S/o N. Viswanathan, No. 3, Madha Church Street, Mandavellipakkam, Madras-28.

(Transferor)

Smt. V. Jayalakshmi,
 54, 16th Main Road,
 Plot No. 1619, Anna Nagar West,
 Madius-40.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and Building at Plot No. 416, Anna Nagar West, Madras-40. S.R.O., Anna Nagar Doct. No. 338/85.

MRS. M. SAMUEL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-1 (i/c)
Madras-600 006

Date: 7-10-1985

Scal;

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-I MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 7th October 1985

Ref. No. 87/Feb./85.—Whereas, I, MRS. M. SAMUEL.

MRS, M. SAMUEL., being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000]- and bearing
No. R.S. Nos. 91, 92, 93, 94 and 96 and New No. 91/180, signatural of

situated at

situated at (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Periamet (Doct. No. 125/85) in February 1985, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of: of transfer with the object of :-

(a) racilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

h) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the iforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

(1) Sri Kishore Gokaddas. S/o Gokaldas D. K. Builder. No. 4, Hanumantharayan Koil Lane, Madras-3.

(Transferor)

(2) Smt. Sharda Parvani, W/o Madhulal Parvani, 991, Poonamallee High Road, 'B' Block, Third Floor, Madras-84.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, which stress action acres in the period of the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said manovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Flat with undivided share of interest in the land in R.S. Nos. 91, 92, 93, 94 and 96 and New No. 91/180. S.R.O., Periamet Doct. No. 125/85.

MRS. M. SAMUEL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-J (i/c) Mudras-600 006

Date: 7-10-1985

Scal:

FORM TINE-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I MADRAS-600 006

Madras-600 006, the 7th October 1985

Ref. No. 72/Peb./85.—Whereas, I, MRS. M. SAMUEL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immevable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. T.S. No. 58/2 and 40/2 part situated at Anna Nagar, Madras, (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act. 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Anna Nagar (Doct. No. 488/85) in February 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) familiaring the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Ast, 1922 (11 of 1922) or the said Ast, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in purmance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269°D of the said Act, to the following persons, namely:—

 K. Baby and Others, Old No. 27, New No. 15, Eastern Road, Shenoy Nagar, Madras-30.

(Transferor)

(2) Sri S. Murugesan, No. 5, Ranganathapuram II Street, Chetpet. Madras-31.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immevable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: The terms and expressions used herein and defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and Building at T.S. No. 58/2 and 40/2 part, Anna Nagar, Madras, S.R.O., Anna Nagar Doct. No. 488/85.

MRS. M. SAMUEL Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I (j.c) Madras-600 006

Date: 7-10-1985

Scal :

FORM LT.N.S .----

 Kamakshi and 2 Others, No. 3, Venkatarayar Street, Madras-3.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Pawn Bai and 2 Others, No. 3, Venkatarayar Street, Madras-3.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOMETAX.

ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-600 006

Madras, the 7th October 1985

Ref. No. 114/Feb./85.—Whereas, I,
MRS. M. SAMUEL,
being the Competent Authority under Section 269B or the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the 'said Act') have reason to believe that the
immovable property, having a fair market value exceeding
Rs. 1,00,000/- and bearing No.
Door No. 3, Venkatarayar Street situated at Madias-3
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908, (16
of 1908) in the Office of the Registering Officer at
Sowcarpet (Doct. No. 82/85) in February, 1985
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason
to believe that the fair market value of the property as
atoresaid exceeds the aparent consideration therefor by more
than fifteen per cent of such apparent consideration and that
the consideration for such transfer as agreed to between the
parites has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned —

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gasette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immeriable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used librain as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

(b) facilitating the conceasulent of any income or any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); Land and Building at Door No. 3, Venkatarayar Street, Madras-3.
S.R.O., Sowcarpet, Doct. No. 82/85.

MRS M SAMUEL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I i/c) Madras-600 006

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 7-10-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME. TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

Mr. D. J. Arulanandan, No. 8, Senbagavalli Street, Madras-23.

(Transferor)

(2) 1. Shri K. Ramakrishnan, 2 Mrs. Suseela, 22, Somasundaram Street, Madras-23.

(Transferce)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-600 006

Madras, the 7th October 1985

Ref. No. 122/Feb./85.—Whereus, I. MRS. M. SAMUEL, being the Competent Authority under Section 269B of the mcomc-tax Ac. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable

property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Door No. 8, Senbagavalli Street, situated at Madras-23 (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering Officer at Sembiam (Doct. No. 612/85) in Rebruary, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to

believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons; whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

LAND AND BUILDING at Deor No. 8, Scnbagavalli Street, Madras-23. S.R.O., Sembiam Doct. No. 612/85

> MRS. M. SAMUEL Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I(i c) Madras-600 006

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the adorsald property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 7-10-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(1) Sri P. Radhakrishna Reddy, S/o P. Munuswamy Reddiar, 14, 6th Main Road, Jawahar Nagar, Madras -12.

(Transferor)

(2) Mrs. H. Abidabee, W/o Mr. N M. Haytah Basha, 4/2, Astabujam Road, Choolai, Madrag -12.

(Transferce)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-600 006

Madras, the 7th October 1985

Ref. No. 125/Feb./85.—Whereas, I.
MRS, M. SAMUEL,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding
Rs. 1,00,000/- and bearing No.
Plot No. B-122, Jawahar Nagar, Peravallur Village
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of
1908) in the office of the Registering Officer at
at Sembiam (Doct No. 595/85) on February, 1985
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

New, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publications of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and Building at Plot No. B-122, Jawahar Nagar, Peravallur Village.

S.R.O., Sembiam Doct. No. 595/85

MRS M SAMUEL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax Acquisition Range-I i/c) Madras-600 006

Date: 7-10-1985

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-I, MADBAS-600 006

Madras, the 7th October 1985

Ref. No. 127/Feb./85.—Whereas, I, MRS. M. SAMUEL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Door No. 1, Moore Street, Madias-1 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at MADRAS NORTH (Doct. No 131/85) on February,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (n) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the ladian income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

(1) S. M. Moosa, No. 2. Adiyapatham Street, Madras-1.

__ . _ _ . _ . _ _____

(Transferor)

(2) 1. Mrs. Mohideen Fathima,
2. Miss Wahecda Banu,
3. Miss Shaheem,
No. 2, Adiyapatham Street,
Madras-1.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons; whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this potice in the Official Gazette

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Vacant site at Door No. 1, Moore Street, Madras-1 - S.R.O., Madras North Doct, No. 131/85

MRS M SAMUEL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I (i/c) Madras-600 006

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 7-10-1985

FORM NO. I.T.N.S.----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-600 006

Madras, the 7th October 1985

Ref. No. 133/Feb./85.—Whereas, I. MRS. M. SAMUEL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-Rs. 1,00,000/- and bearing No.

Door No. 3 situated at Velayudan Street, Muthialpet, Madras-1

Door No. 3 situated at Velayudan Street, Muthialpet, Madras-1 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registration Officer.

has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Madras North (Doct. No. 508/85) in February, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than afteen per cent of such apparent consideration and that the parties has not been truly stated in the said instrument of consideration for such transfer as agreed to between the transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; andlor.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefort, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 I. A. Mohamed Jainabu Nachi, 25, Venkata Maistry Street, Madras-600 001.

(Tamfetor)

 Janab M, S. Abdul Rahman, 40, Chinnathambi Street. Madras-600 001,

(Transferee)

Objections if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the anid immerable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the official gazette.

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and Building at Door No. 3, Velayudan Street, Muthial pet, Madras-1 J.S.R.-II, Madras North Doct. No. 508/85

MRS. M. SAMUEJ.
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I (i/c)
Madras-600 00ts

Date: 7-10-1985

Seat

FORM I.T.N.S.-

MOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-600 006

Madras, the 7th October 1985

Ref. No. 137/March/85.—Whereas, I.

MRS, M. SAMUEL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereimafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

485, Pantheon Road, Egmore, Madras-8

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Periamet (Doc. No. 222/85) in March 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of ransfar with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax moder the said Act, in respect of any income arising from the transfer; sed/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (*7 of 1957);

New, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following cersons, Hamely :---75-316GI/85

(1) (i) Smt. N. Anusuya, (ii) Thiru P. Jeyaram (iii) Smt. S. K. Sulochana No. 71, Kalathiappa Mudali Street, Vepery Madras-7.

(Transferor)

(2) (i) Smt. A. Rajeswari (ii) Kumari A. Sridevi, No. 1, Bishop Wallers Avenue South, C.I.T. Colony, Madras-4.

(Transferec)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a perlod of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

FXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

LAND AND BUILDING - No. 485, Pantheon Road. Egmore, Madras-8.

(S.R.O. Periamet - Doc. No. 222/85)

MRS. M. SAMUFL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I (i/c) Madras-600 006

Date: 7-10-1985

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT. 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-600 006

Madras, the 7th October 1985

Ref. No. 164/March/85.—Whereas, I, MRS. M. SAMUEL,

the Competent Authority under Section 269AB of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-3s. 1,00,000/- and bearing No.

Door No 2 & 3, East Muthiah Chetty Lane, situated at

And more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Income-tax Act, 1961 in the

has been transferred under the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Registering Officer at Royapuram (Doct. No. 518/85) in February, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more

believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the conscealment of any income or any moneys of other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferes for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Ast. I, hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 265 of the said Act. to the following persons, namely:—

Mrs, Premlata Agarwal,
 Mr. Madhu Kailash Agarwal,
 No. 156, Mint Street
 Madras-600 079.

(Transferee)

(2) M/s. Syed Nizamuddeen, No. 15, East Muthiah Chetty Lane, Madras-600 421.

(Transferor)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meanings as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and Building at Door No. 2 and 3, East Muthiah Chetty Lane, Madras-21. S.R.O., Royapuram Doct. 518/85

MRS. M. SAMUEL Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I (i/c) Madras-600 006

Date: 7-10-1985

(4)

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX 106/282, KANCHAN BHAWAN GANDHI NAGAR OPP. LANIN PARK, KANPUR-208 012

Kanpur, the 7th August 1985

Ref. No. K-107/85-86.—Whereas, I, H. R. DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing No. 124/c/244 situated at Govind Nagar

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the I.T. Act 1961 in the Office of the registering officer at Kanpur

Rules, 1962 under registration No. 5619 date 13-2-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteer, per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the linbility of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any facome arising from the transfer; and for:
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the atoresaid property by the issue of this notice under sussection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Darshan SinghS/o Shri Tara Singh124/c,244 Govind Nagar Kanpur

(Transferor)

(2) Smt. Veena Jaiswal W/o Shri Rajesh Jaiswal Banthora Bazar Lucknew.

(Transferee)

(Person in occupation of the property)

(Person whom the undersigned knows to be interested in the propert

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gezette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

H. No. 124/C/244 Govind Nagar, Kanpur.

H. R. DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Kanpur

Date: 7-8-1985

3

FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-

TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, 106/282, KANCHAN BHAWAN GANDHI NAGAR OPP, LANIN PARK. KANPUR-208 012

Kanpur, the 7th August 1985

Ref. No. K-108/85-86.-Whereas. I. H. R. DAS,

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to

as the 'snid Act'), have remon to believe that the immovable property having a fair market value Rs. 1,00,000/- and bearing No. 125/6/24 situated at Govind Nagar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and registered under the registration Act, 1908 (16 of 1908 in the office of the Registering Officer at Kanpur under registration No. 5460 on 8-2-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-.

(a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising (rom the transfer; and /or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957):

(1) Shri Badri Prasad Shukla. S/o Shri Jugal Kishore. 106/354A, Gandhi Nagar, Kanpur.

(Transferor)

(2) Smt. Rajni Mittal, W/o Shri Kailash Nath Agarwal, 125/L-24 Govind Nagar, Kanpur.

(Transferce)

 $-D_{0-}$ (Person in occupation of the property) (4) –Do-

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-able property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

H, No. 125/L/24 Govind Nagar Kanpur

H. R. DAS Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Kanpur

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section of Section 269D of the said Act, to the following persons mamely:

Date: 7-8-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, 106/282, KANCHAN BHAWAN GANDH! NAGAR OPP. LANIN PARK, KANPUR-208 012

Kanpur, the 10th October 1985

Ref. No. K-110/85-86.—Whereas, I, H. R. DAS.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 124 C|250, situated at Govind Nagar, Kanpur

had more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and registered under the registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at at Kanpur under registration No. 6212 date 20-2-85 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apprent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (h) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the section (1) of Section 260D of the said Act, to the following aforesaid property by the issue of this notice under subpersons, namely:—

Shri Mahendra Pal Singh
 S/o Charan Singh & Others
 35/4, Block 4, Govind Nagar, Kanpur.

(Transferor)

(2) Shri Chandulal,S/o Late Dharam Das122/303 Shastri Nagar Kanpur

(Transferee)

3. —Do—
(Person in occupation of the property)
—Do—

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House No. 124/C/250, Govind Nagar, Kanpur.

MRS. M. SAMUEL
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Kanpur

Date: 10-10-1985

FORM ITNS ...

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, 106/282, KANCHAN BHAWAN GANDHI NAGAR OPP, LANIN PARK, KANPUR-208 012

Kanpur, the 10th October 1985

Ref. No. K-110/85-86.—Whereas, I, H. R. DAS.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, howing a fair market value exceeding

as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00.000/- and bearing No. 112[210-A situated at Arya Nagar Kanpur (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and registered under the registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Kanpur under registration No. 5714 on 14-2-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrurant of transfer with the object of:

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

 Shri Ummedraj Kural & Others, S/o. Shri Beliram Kural, 112/210-A, Swarop Nagar, Kanpur.

(Transferor)

Smt. Munni Maheswari,
 W/o Sri Brijendra Babu Maheswari
 Smt. Ram Khilona
 W/o Shri Rajendra Maheshwari,
 111/313, Harsh Nagar, Kanpur

3. —Do— (Person in occ —Do—

(Person in occupation of the property .

---Do--(Person whom the undersigned knows to be

i the undersigned knows to be interested in the property) (Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein at are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House No. 112/210-A Arya Nagar Kanpur.

Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Kanpur

Date: 10-10-1985

(3)

(4)

FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE 106/282/KANCHAN BHAWAN, GANDHI NAGAR OPP. LANIN PARK KANPUR-208012

Kanpur, the 10th October 1985

Ref. No. K-112/85-86,—Whereas, I, H. R. DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1.00,000/- and bearing

No. 133-P-1/163, situated at Transport Nagar Kanpur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and registered under the registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Kanpur under registration No. 6484 on 25-2-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, is respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Naveen Service Station Partner Sardar Inder Singh & Others, 117!,447 Padav Nagar Kanpur

(Transferor)

(Transferce)

(2) Smt. Kamlesh Jajswal, W.o. Prem Prakash Jaiswal, 106/386, Gandhi Nagar Kanpur Smt. Urmil Devi Jaiswal W/o Shti Harsahay, 104/9, 1-A. P. Road, Kanpur.

> -Do-(Person in occupation of the property) -Do-

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

H. No. 133/P-1/163 Transport Nagar, Kanpur.

H. R. DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Kanput

Mow, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate preceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :---

Date: 10-10-1985 Seal:

en en la companya de la companya del companya de la companya del companya de la companya del la companya de la FORM ITNS---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE 106/282, KANCHAN BHAWAN GANDHI NAGAR OPP. LANIN PARK, KANPUR-208 0J2

Kanpur, the 10th October 1985

Ref. No. K-113/85-86.—Whereas, I, Ref. No. K-113/85-86.—Whereas, I, H. R. DAS, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 120/429 No. 120/429 situated at Narain Parwa, Lajpat Nagar, Kanpur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Kanpur under registration No. 6588 dated 25-285 for an parent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument

of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b' facilitating the concealment of any income any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1923 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

(1) Kaushalya Devi W/o Raj Kumar, Rameshchandra, R/o 120/429, Lajpat Nagar Kanpur.

(Transferor)

(1) Shri Mohan Lal S/o Rum Kripal & Others, 120/429, Lajpat Nagar, Kanpur.

(Transferee)

(3)—Do-(Person (s) in occupation of the property)

---Do---(4)

> (Persons whome the undersigned knnows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publiction of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in the Chapter.

THE SCHEDULE

H. No. 120/429 Narainparwa, Lajpat Nagar, Kanpur.

H. R. DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Kanpur

Date: 10-10-1985

FODM ITNE

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTI. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE 106/282, KANCHAN BHAWAN GANDHI NAGAR OPP. LANIN PARK. KANPUR-208 012

Kanpur, the 10th October 1985

Ref. No. K-114/85-86.—Whereas, I.

H. R. DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1.00.000/- and bearing

No. 118/535A,

situated at Kaushalpuri, Kanpur (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and registered under the registration Act. 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Kanpur under registration No. 6591 dated 26-2-85 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the sald instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-Jan Act, 1957 (27 of 1957);

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquistion of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—76—316 GI[85]

 Shri Man Kaur W/o Shri Bhagwant Singh 118/535-A, Kashal puri, Kannur.

(Transferor)

(2) Smt. Kanta Devi Khancsra H-71, Kidwai Nagar, Kanpur.

(Transferee)

- (Person (s) in occupation of the property)
- (4) -Do-

(Persons whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within forty-five days from the date of publication of this notice in the official Gazétte.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House No. 118/535-A. Kaushalpuri, Kappur.

H. R. DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range. Kanpur

Date * 10-10-1985 Seal ;

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE 106/282, KANCHAN BHAWAN GANDHI NAGAR OPP. LANIN PARK. KANPUR-208 012

Kanpur, the 10th October 1985

Ref. No. K-115/85-86.--Weereas, I, H. R. DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|-Rs. 1,00,000/- and bearing No. 113/14 P-I.

situated at Dhakapurwa, Kanpur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and registered under the registration Act. 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Kanpur under registration No. 6591 dated 26-2-85 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer, and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection 1) of Section 269D of the said Act to the following person namely:— (1) Smt. Vidhvawanti W/o Shii Gurbachan Singh, 118/439. Kaushalpuri, Kanpur.

(Transferor)

(2) Shri Ram Shanker Shukla S/o Shri Sidh Gopal Shukla R/o 128/269—H-2 Kidwai Nagar,

(Transferee)

---Do-(Person (s) in occupation of the property)

(4) —Do—

(Persons whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House No. 113/14 P-I, Dhaknapurwa Kanpur.

Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Kanpur

Date: 10-16-1985

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE 106/282, KANCHAN BHAWAN GANDHI NAGAR OPP. LANIN PARK, KANPUR-208 012

Kanpur, the 10th October 1985

Rcf. No. K-116/85-86.—Whereas, I.

H. R. DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing

No. 117/H-2/165

situated at Kakadeo, Kanpur

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and registered under the registration Act. 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Kanpur under registration No. 6127 date 20-2-85

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; andlor
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax 1957 (27 of 1927);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Amarvii Singh & Joginder Singh Ahuja S/o Niranjan Singh 118/2, Kaushalpuri, Kanpur.

(Transferor)

- (2) 1. Smt. Rana Gupta W/o Sri Dhru Narain
 - Shri Awdhesh Narain Gupta S/o Sri Ram Narain Gupta 117/H-2/165, Kakadeo, Kanpur.

(Transferce)

(3) —Do—

(Person (s) in occupation of the property)

(4) —Do—

(Persons whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if, any to the acquisition of the said property may be made is writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publications of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House No. 117/H-2/165, Kakadeo, Kanpur.

H. R. DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Kanpur

Date: 10-10-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE 106/282, KANCHAN BHAWAN GANDHI NAGAR OPP. LANIN PARK. KANPUR-208 012

> > Kanpur, the 10th October 1985

Ref. No. K-117/85-86.—Whereas, I.

H. R. DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing

No. 111/26A,

No. 111/20A, situated at Ashok Nagar, Kanpur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and registered under the registration Act. 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer Act. 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Kanpur under registration No. 6204 date 20-2-85 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1952 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the afore-said property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act. to the following persons, namely :-

(1) Sardar Harban Singh S/o Shri Daulat Singh R/o 119/64, Nascemabad Kanpur.

(Transferce)

(2) Shri Madhay Panjevani 5/o Shri Narain Das Panjevani 111/414, Ashok Nagar, Ranpur.

(Transferor)

--Do---(3)(Person (s) in occupation of the property)

(4) —Do-(Persons whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to be acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any oher person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House No. 111/26A, Ashok Nagar, Kanpur,

H. R. DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Kanpu

Date: 10-10-1985

Scal :

3 8033

FORM ITNS--

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE 106/282, KANCHAN BHAWAN GANDHI NAGAR OPP. LANIN PARK, KANPUR-208 012

Kanpur, the 10th October 1985

Ref. No. K-122/85-86.-- Whereas, I.

H. R. DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the moome-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable Rs. 1.00,000/- and bearing No. 1800 Arazi

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and registered under the registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Kanpur under registration No. 6348 date 22-2-85 for an apparent consideration which is less than the fair

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/er
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

(1) Shri Banwari Lal & Others, Kanpur.

(Transferor)

 Azad Sabkari Avas Samiti Ltd. Kidwai Nagar, Kanpur.

(Transferee)

(3) —Do—
(Person (8) in occupation of the property)

(4) —Do—
(Persons whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires late;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Arazi No. 1800.

H. R. DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Kanpur

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I bereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the Act, to the following persons, namely:—

Data: 10-10-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE 106/282. KANCHAN BHAWAN GANDHI NAGAR OPP. LANIN PARK, KANPUR-208 012

Kanpur, the 10th October 1985

Ref. No. K-127/85-86.-Whereas, I,

H. R. DAS,

being the Competent Authority under section 2698 of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred 60 as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 1.00,000/- and bearing

No. 122/310

situated at Shastri Nagar, Kanpur (and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred and registered under the registration Acr. 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Kanpur under registration No. 6354 date 22-2-85 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferes for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, the following persons, namely :-

Shri Har Charan Singh, Inderiit Singh & Others S/o Sri Darshan Singh,

(Transferor)

(2) Smt. Prem Lata Anand W/o Girdhari Lal Anand 118/207, Kaushalpuri Kanpur.

(Transferce)

- ---Do---(3)(Person (s) in occupation of the property)
- --Do-(Persons whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of that said, Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House No. 122/310, Shastri Nagar, Kanpur.

H. R. DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Kanpur

Date: 10-10-1985

FORM ITNE-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE 106/282, KANCHAN BHAWAN GANDHI NAGAR OPP, LANIN PARK, KANPUR-208 012

Kanpur, the 10th October 1985

Ref. No. K-156/85-86.—Whereas, I.

H. R. DAS. being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter reterred to as the 'Said Act') have reason to believe that the immov-

able property having a fair market value exceeding Rs. 1.00.000/- and bearing

No. 117/L/306

transfer with the object of :--

situated at Kakadeo Kanpur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and registered under the registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Kanpur under registration No. 5644 date 15-2-85 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

(1) Shri Shiv Prakash S/o Maya Prakash Niyam 104 A/96 Rambagh, Kanpur.

(Transferee)

(2) Shu Krishna Mohan Agarwal S/o Ram Kumar Agarwal 117L/306 Kakadeo Kanpur.

(Transferor)

(3) ---Do-(Person (s) in occupation of the property)

(4) ---Do-(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House No. 117/L/306 Kakadeo, Kanpur.

H. R. DAS Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Kanpur

Date: 3-9-1985

Scal :

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-ΓΑΧ ΛCT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE 106/282, KANCHAN BHAWAN GANDHI NAGAR GPP. LANIN PARK, KANPUR-208 012

Kanpur, the 10th October 1985

Ref. No. K-161/85-86.—Whereas, I.
H. R. DAS.
being the Competent Authority
under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the said Act,) have reason to believe that the immovable property, having a fair matket value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.
Rs. 1,00,000/- and bearing
No. 117/H-2/190 situated Pandu Nagar, Kanpur
(and more fully described in the Schedule approved hereto)

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and registered under the registration Act.

has been transferred and registered under the registration Act. 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Kanpur under registration No. 5610 date 15-2-85 which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as a second to between the apparent consideration for such transfer as agreed to betwen the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or

(b) facilitating the concealment of any Income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); (1) Shri Ram Narain Punderkar S/o Narain Gopal R/o Damodar Sadan, Rambagh Lane No. 2 Kalyan Distt. (Thane).

(Transfero:

(2) Smt. Madhav Ahuja W/o Shri K. I., Ahuja R/o 117/H-2/190 Pandu Nagar, Kanour.

(Transferce)

(3)—Do--(Person (s) in occupation of the property)

(4) -Do-

> (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immev-able property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House No. 117/H-2/190 Pandu Nagar, Kanpur.

H. R. DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Kanpur

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforosaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:-

Date: 10-10-1985

FORM ITNE

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT. 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE 106/282, KANCHAN BHAWAN GANDHI NAGAR OPP. I ANIN PARK, KANPUR-208 012

Kanpur, the 10th October 1985

Ref. No. K-166/85-86.—Whereas, I.

Ref. No. K-100/65-60.—Tractors
H. R. DAS,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act') have reason to believe that the immovable
property, having a fair market value exceeding
Rs. 1.00,000/- and bearing
No. 119/120A
iterated at Darshanpurwa, Kanpur

situated at Darshanpurwa, Kanpur (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and registered under the registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Kanpur under registration No. 5647 date 13-2-85

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than afteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been trully stated in the said instrument of anafer with the object of :--

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferer to pay tax under the said Ast, in respect of any income arising from the transfer;

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) o rihe said Act, or the Wealth-tax. Act. 1957 (27 of 1957):

New, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sab-action (1), of Section 269°C of the said Ass. Is the following persons, namely:— 77—316 GI|85

(1) Shri Gyan Singh S/o Dola Singh & Others 119/288, Darshanpurwa, Kanpur,

(Transferor)

(2) Shri Mureshwan Lal Awasthy S/o Ganga Charan Awasthy 119/288, Darshanpurwa, Kannur.

(Transferee)

(3) --Do-(Person (s) in occupation of the property) interested in the property)

(4) —Do-(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gasette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein are as defined in Chapter XXA of the said Act, and shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House No. 110/120 A, New No. 119/288.B Mohalla Darshanpurwa, Kanpur,

> H. R. DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tex Acquisition Range, Kanpur

Date: 10-10-1985

Scal:

FORM TINS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1861)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACOUISITION RANGE 106/282, KANCHAN BHAWAN GANDHI NAGAR OPP, LANIN PARK, KANPUR-208 012

Kanpur, the 10th October 1985

Ref. No. K-172/85-86.—Whereas, I, H. R. DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1.00,000/- and bearing

No. 117/L/258 situated at Kakadeo, Kaupur

(and more fully described in the Schedule annoxed hereto), has been transferred and registered under the registration Act,

1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Kanpur under registration No. 5193 dated 15-2-85 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by ,more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to setween the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act, or the Wealth-tax Act .957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforestid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act. to the following persons, namely :-

(1) Smt. Sharda Rani Jauhori & Others W/o Sri S. S. Jauhori 117/450, Gaudu Nagar Kanpur.

(Transferor)

(2) Smt. Meera Jain W/o Sri Lokman Kumar Jain 118|458, Gandhi Nagar, Kanpur.

(Transferee i

(3) ---Do-(Person (s) in occupation of the property)

(4) (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazotte

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as able property, within 45 days from the date shall have the same meaning as given in that Chanter.

THE SCHEDULE

House No. 117/L/258, Kakadeo, Kanpur.

H. R. DAS Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Kannur

Seal:

Date: 10-10-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACOUISITION RANGE 106/282, KANCHAN BHAWAN GANDHI NAGAR OPP. LANIN PARK, KANPUR-208 012

Kanpur, the 27th September 1985

Ref. No. A-124/85-86.--Whereas, I, H. R. DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable, property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

No. 123 and 121

situated at Devsaini, Kole (and more fully described in the Schedule annexed hereto), (and more fully described in the Schedule annexed herefo), has been transferred and registered under the registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Aligarh under registration No 1775 date 21-2-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration. more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Shri Dhanveer Singh, S/o Udaiveer Singh, R/o Vishnupuri, Vol, Aligarh.

(Transferor)

(2) Panchsheel Sahakari Avas Samiti Ltd.,

(Transferce)

- (3) --Do-(Person (s) in occupation of the property)
- (4) –Do (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agri, land bearing A/6 No. 71 field No. 123 and 121 situated at Dev Saini Kole, Distt. Aligath.

Н. В Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income Acquisition Range K. a.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 2.69D of the said Act to the following persons, namely :-

Date . 27-9-1735

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE. 106/282, KANCHAN BHAWAN, GANDHI NAGAR, OPP. LANE PARK, KANPUR-208-012

Kanpur-208 012, the 10th October 1985

Ref. No. A-129/85-86.-Whereas, I, H. R. DAS,

being the Competent Authority under Section 2698 of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the im-

to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1.00.000]—and bearing No. 4|64, situated at Dadar Bagh, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Rogistration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Aligarh under registration No. 1898 on 26-2-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer:

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Incone-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Shri Sanjeev Kumar Sood Vill. Chbarra, Atrauli, Aligarh.

(Transferor)

(2) Smt. Vijith Begum D/o Abdul Majeed Khan, 4/64. Badar Bagh, Aligarh.

(Transferce) (Transferce)

(3) —do—

(Person in occupation of the property)

(4) -do-

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforcsaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publica-tion of this notice in the Official Gazotte.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House No. 4/64 Badar Bagh, Aligarh,

H. R. DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax Acquisition Range Kanpur

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the afcresaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Date: 10-10-1985

JOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

PFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE 106, 282, KANCHAN BIJAWAN, GANDHI NAGAR, OPP. LANIN PARK, KANPUR-208-012

Kanpur-208 012, the 27th September 1985

Ref. No. A-130/85-86.—Whereas, I, R. DAS,

ing the Competent Authority under Section 269B of the come-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinalter referred to as e 'said Act'), have reason to believe that the immovable operty, having a fair market value exceeding s. 1,00,000/- and bearing

55, situated at Bajgadi Baroli, Aligath, and more fully described in the Schedule annexed hereto) is been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 108) in the Office of the Registering Officer at

igarh under registration No. 1982 on 26-2-1985, r an apparent consideration which is less than e fai market value of the aforesaid property and I have son to believe that the fair market value of the property aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by se than fifteen per cent of such apparent consideration and it the consideration for such transfer as agreed to between parties has not been truly stated in the said instrument of nater with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and|or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other sasets which have not transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Weelth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

'ow, therefore, in pursuance of Section 269C of the said hereby initiate proceedings for the acquisition of the resaid property by the issue of this notice under subsci (1) of Section 269D of the said Act, to the following ons, namely :--

(1) S/Shri Kanti Prasad, Pram Prakash, S/o Sri Jayti Prasad and other R/c Bajgadi Par, Baroli Tel. Kol. Distt. Aligarh and Smt. Saroj Bala, W/o Narain Kumar, Rlo Chudiwali Gali, Hathras, Aligarh.

(Transferor)

(2) Mohd. Yahiya,
Mohd. Ismail Farukhi,
S/o late Sri Faryjulrahman Farukhi,
Smt. Zakiya Zalbar,
W/o Sri Yahiya Farukhi,
R/o Sarsayed Nagar, Dathpen, Aligarh.

(Transferee)

(3) —do— (Person in occupation of the property)

(4) —do— (Person whom the undersigned knows

to be interested in the property)
Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of c 45 days from the date of publication of this notice? in the Official Gazette or a period of 30 days from a the service of notice on the respective persons: whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation: - The terms and expressions used he cein as defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as giver s in that-Chapter.

THE SCHEDULE

Agri, land 28 Bigha bearing A/c No. 55 situated at Bajigadhi Baroli.

> H. R. DAS Compete it Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range Kanpur

hte: 27-9-1985

(Transferec)

FORM ITNS...

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, 106/282, KANCHAN BHAWAN, GANDHI NAGAR, OPP. LANIN PARK, KANPUR-208 012

Kanpur-208 012, the 27th September 1985

Ref. No. A-132/85-86.—Whereas, 1,

H. R. DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000] and bearing
No. 27, 135 situated at Davsani, Teh. Kol,
(and more fully described in the Schedule innexed hereto),
has been transferred and registered under the registration
(Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Aligarh

under registration No. 1881 date 26-2-1985

flor an apparent consideration which is less than the fair warket value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid ex needs the apparent consideration therefor by more than fifth was per cent of such apparent consideration and that the constitute attention for such transfer as agreed to between the cons tile ation for such transfer as agreed to between the partie whas not been truly stated in the said instrument of transfe t with the object of:—

- (a) fac illitation the reduction or evesion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and, for
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferses for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Shri Mangla, S/o Srl Nat Ram, R/o Chandaniya, Teh. Kol, Aligarh,

(Transferor) (2) Panch Sheel Sahakari Adrash Samiti Ltd., Aligarh.

(3) —do—

(Person in occupation of the property)

(4) ---do---

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by tray of the aforesaid persons within a period of 4.5 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later,
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publi-cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agri. land bearing A/c No. 27/135 situated at Devsani Teh, Kol. Aligarh.

> H. R. DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of ncome-tax
> Acquisition Range Kanpur

New, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :--

Date: 27-9-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE, 106/282, KANCHAN BHAWAN, GANDHI NAGAR, OPP. LANIN PARK, KANPUR-208-012

Kanpur-208 012, the 10th October 1985

Ref. No. A-143/85-86.—Whereas, J. H. R. DAS.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-

and bearing situated at Dodpur, Aligarh (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

Aligarh under registration No. 1637 on 15-2-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act. in respect of any income arising from the transfer ead /or

(b) facilitating the concealment of any income of any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act. to the following persons, tamely :--

(1) Smt. Jamita Khatun Gani, R/o Kidwai Raj Bhawan, Patna.

(Transferor)

(2) Shri Syad Hussain Ahamad D-15, Medical Colony, M.O. Aligarh.

(Transferee)

(3) —do—

(Person in occupation of the property).

(4) —do—

(Person whom the undersigned knows.

to be interested in the property),

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforosaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said.

Act, shall have the same meaning as given. in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land 341-82 sq. yds. situated at Dodpur, Aligarh.

H. R. DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range Kanpur

Date: 10-10-1985

FORM TINS------

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE 106/282, KANCHAN BHAWAN, GANDHI NAGAR, OPP. LANIN PARK, No. A-144/85-86.—Whereas, I,

Kanpur-208 012, the 27th September 1985

Ref. No. A-144/185-86.—Whereas, J. H. R. DAS,

H. R. DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00.000/- and bearing No. situated at Gambheerpura, Aligarh (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of

has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of

nas been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Aligath under registration No. 1433 12-2-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Shri Munni Lal S/o Shri Pyarelal R/o Mohal, Kanoongoyan, Aligarh, Smt. Krishna Devi W/o Shri Jawahar Lal R/o Kanoongoyan, Aligarh.

(Transferor)

(2) Shri Nalhu Ram S/o Tunde Ram R/o Vishnu Puri, Aligarh.

(Transferee)

(3) -do-

(Person in occupation of the property)

(4) —do—

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property

may be made in writing to the undersigned :--

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: --- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A Plot of 1170.4-sq. ft. in area situated at Gambheer Pura, Aligarh.

> H. R. DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range Kanpur

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :--

Date: 27-9-1985

Scal:

FORM ITNB-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, 106/282, KANCHAN BHAWAN, GANDHI NAGAR, OPP. LANIN PARK, KANPUR-208-012

Kanpur-208 012, the 10th October 1985

No. A-150/85-86.-Whereas, I, Rcf.

H. R. DAS, veing the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|-

No. 647, 648K, 648M, 649 situated at Mau, Agra

(and more fully described in the Schedule annaxed heree), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer Agra under registration No. 8014 on 12-2-1985

for an apparent consideration which is less than the fact market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair warket value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of ransfer with the object of .-

of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; **und**/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transfere for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1937 (27 of 1937);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this office notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:— 78-316 GI|85

(1) Shri Ramji Lal, Nange & others, R/o Vill. Mau, Teh. & Distt. Agra.

(Transferor)

(2) Shri Daya Nand Nagar Sahakari Awas Samiti Ltd., Agra. C/o Sri Ram Vir Singh Verma 6/264, Prakash Nagar, Shah Nagar, Agra,

(Transferee)

(3) -do-

(Person in occupation of the property)

(4) -do-

(Person whom the undersigned knows

to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of said property may be made in writing to the undersigned :---

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given

THE SCHEDULE

Property area 9676 Kh. No. 647, 648 ka, 648 Mi, & 649 Bake Mauja Mau, Teh. & Distt. Agra.

> H. R. DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range Kanpur

Date: 10-10-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, 106/282, KANCHAN BHAWAN, GANDHI NAGAR, OPP. LANIN PARK, KANPUR-208-012

Kanpur-208 012, the 10th October 1985

Ref. No. A--53/85-86.—Whereas, I, H. R. DAS,

the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immov-

to as the said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair marketing value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 60 situated at Agra (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registration Officer at Agra under registration No. PP on 25-2-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been for which ought to be disclosed by the transfere for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, m pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 769D of the said Act, to the following persons, namely:-

(1) Shri Dwarika Pd. S/o Sri Dalosi R/o Kolkhan. Agra.

(Transferor)

(1) Shri Vipin Pandey Scaty Ma Anandmai Sahakari Awas Samiti 572, Gokulpura, Agra.

(Transferee)

(3) —do---(Person in occupation of the property) (4) -do-

(Person whome the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property No. 60 situated at Kolkhan, Agra.

H. R. DAS Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range

Date: 10-10-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE J06/282, KANCHAN BHAWAN GANDHI NAGAR, OPP. LANIN PARK, KANPUR-208-012

Kanpur-208 012, the 10th October 1985

Rcf, No. Λ -154/85-86.—Whereas, I, II. R. DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 and bearing

No. 1060 situated at Mau, Agra

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Agra under registration No. 8276 on 21-2-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:

(1) Shri Kishan Lal, Bahori Lal, S/o Sri Tulisi Ram and others R/o Mand Siedd, Agra.

(Transferor)

(2) Shiv Sakti Sahakari Awas Samiti Ltd. C/o Sri Ajai Bansal, 7, Bag Farjana,

(3) —do—

(Transferee)

(Person in occupation of the property)

(4) -- do-

(Person whome the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall nave the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Field No. 1061/2B. 2B. Mo. Mau, Teh, & Distt. Agra-

H. R. DAS Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range Kanpur

Date: 10-10-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, 106/282, KANCHAN BHAWAN, GANDHI NAGAR, OPP. LANIN PARK, KANPUR-208-012

Kanpur-208 012, the 27th September 1985

Ref. No. 85-86.—Whereas, I, H. R. DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable

property having a fair market value exceedings Rs. 1,00,000|- and bearing No. 84, situated at Civil Line, Jhansi, (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of

1908) in the office of the Registering Officer at Jhansi under registration No. 1151 on 28-2-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Ast, in respect of any income arising from the transfer; and/or;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsecion (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely

 Shri K. K. Anand S/o Sri Jagat Narain Anand R/o 942, Civil Lines. Jhansi, Smt. Puspa Anand W/o Sri V. K. Anand R/o 52, Braji Gr., South Would Fot London.

(Transferor)
(2) M/s Ramnath International Construction Pvt. Ltd. Ranjit Studio Compound Dadar, Bombay, M.P. Sri V. K. Sood S/o Sri Ram Nath.

(Transferee)

(3) —do—
(Person in occupation of the property)

(4) —do—

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning, as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Bangla No. 84 situated at C. L. Jhansi.

H. R. DAS
Competent Authority
Inspecing Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
Kanpur

Date: 27-9-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, 106/282, KANCHAN BHAWAN, GANDHI NAGAR, OPP. LANIN PARK, KANPUR-208-012

Kanpur-208 012, the 11th October 1985

Ref. No. A-237/85-86.—Whereas, I, H. R. DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. situated at Kasgani

(and more fully described in the Schedule annexed hereto),

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Kasganj under registration No. 2528 on 7-2-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property confideration therefore by as aforsaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; andlor
- (b) faccilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

(1) Shri Radha Charan S/o Shri Panna Lal R/o Gali Matramal Halwai. Hathras.

(Transferor) (2) Shri Suraj Prasad Ali Suraj Naranan S/o Shii Asharfi Lal Davendra Kumar S/o Suraj Prasad M. Mohan, Gali Nobat Ram,

Kasganj,

(Transferee)

(3) —do— (Person in occupation of the property)

(4) -do-(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One Kodhi, situated at Gali Naubat Ram, Kasganj area 6455—450 sq. ft.

> H. R. DAS Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range Kanpur

Date: 11-10-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE 106/282, KANCHAN BHAWAN, GANDHI NAGAR, OPP. LANIN PARK, KANPUR-208-012

Kanpur-208 012, the 10th October 1985

Ref. No. 258/85-86.-Whereas, I. H. R. DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-

and bearing No. 5 situated at Muhamadpur, Agra (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration

Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Officer at

Agra under registration No. 8481 on 25-2-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and for
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :-

(1) Smt. Nirmla Lakhmi W/o Shri Govind Ram, 5 Bag, Fayana, Civil Lines, Agra.

(Transferor)

(2) Smt. Kanti Devi Agrawal W/o Shri Suraj Prakash Agrawal R/o Kothi Kawal Sahay, Belangani. Agra.

(Transferce)

(3) —do—

(Person in occupation of the property)

(4) —do—

(Person whom the undersigned knows

to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazetta.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the sail Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Araji S. 10 K. No. 21 M. 22M 25 M. 30 M. 32 M. 33 M. Lagani R/o, situated at Mohamadpur, Agra,

H. R. DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range Kanpur

Date: 10-10-1985

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, 106/282, KANCHAN BHAWAN, GANDHI NAGAR, OPP. LANE PARK, KANPUR-208-012

Kanpur-208 012, the 10th October 1985

Ref. No. M/249/85-86.—Whereas, I,

H. R. DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable

as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000]- and bearing Chock No. 205 situated at Churiyal (Hapur) (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act. 1908, (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Hapur under registration No. 1746 on 26-2-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid

believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer wth the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; andlor
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tox Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the sad Act, to the following persons, namely:---

(1) Shri Diwan Singh S/o Daryab Singh R/o Churiyal, Hapur.

(Transferor)

(2) Shri Rajpal Singh & Dharam Pal Singh S/o Diwan Singh, Churiyal, Hapur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Ast, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Chock No. 205 whose part 2-3-4 Ranbai 13 Bigha, 3 Vishwa or 3 Viswansi, Churiyal, Hapur.

H. R. DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range Kanpur

Date: 10-10-1985 Seal:

FORM ITNS ~

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQQUISITION RANGE 106/282, KANCHAN BHAWAN GANDHI NAGAR OPP. LANIN PARK KANPUR

Kanpur-208 012, the 10th September 1985

Ref. No. M-289/85-86.—Whereas, I, H. R. DAS.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'sald Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 584, situated at Kandhalu

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the I.T. Act, 1961 (43 of 1961) in the Office of the I.A.C. ACQ, III, at Budbana under registration No. 5041 date 1-2-85

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, is respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which sught to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269C of the said Act, to the following persons, namely:—

Shri Jahri Hasan
 S/o Mohd. Hasan Sekh,
 R/o Kandhala Budhana,
 Muzaffar Nagar,

(Transferor)

(2) Shri Asgar Ali Ete, R/o Kandhala.

(Transferce)

(3) Do

(Person(s) in occompation of the property)

interested in the property)

(4) Do (Persons whom the undersigned knows to be

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meanings as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Kandhala, Pangana Kandhala.

H. R. DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Kanpur

Date: 10/10/85

 Shri Vijendra Pal Singh and Shri Narendra Pal Singh etc.
 S/o Shri Kripal Singh Vill. Kakrala Jansath. Muzaffar Nagar.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE 106/282, KANCHAN BHAWAN GANDHI NAGAR OPP. LANIN PARK KANPUR

> Kanpur-208 012, the 10th September 1985

Rcf. M/343/85-86.—Whereas, I, H. R. DAS,

ri. R. DAS.
being the Competent Authority under Section 269B of
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding
Rs. 1,00,0000]—and bearing

Rs. 1,00,0000]- and bearing
No. situated at Kakrala
(and more fully described in the schedule annexed hereto).
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer
at Jasath under registration No. 1621 date 22/2/85
for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the across and property by the issue of this notice under sub-action (1) of Section 269D of the said Act to the following nirsons. namely .-

79-3 16 GI|85

(2) Shri Mahanbir Singh S/o Shr iSwarup Singh etc., Jansath,

Muzaffar Nagar.

(Transferce)

(3) Do (Person(s) in occoupation of the property)

(4) Do (Persons whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-able property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter-

THE SCHEDULE

Jansath Meerut.

H. R. DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Kanpur

Date: 10/10/85

Scal:

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE 106/282, KANCHAN BHAWAN GANDHI NAGAR OPP, LANIN PARK KANPUR

Kanpur-208 012, the 10th October 1985

Ref. No. M/358/85-86.—Whereas, I, H. R. DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (he einafter referred to mu the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|- and bearing No. 743 situated at Agra (and more fully described in the Schedule annexed hereto), have been transferred under the Registration Act 1908 (16

has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Agra under registration No. PP date 27/2/85 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and the consideration for such transfer as agreed to believe the the consideration for such transfer as agred to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability at the transfer to pay tax under the said Act, in respect or any income arising from the transfer; andlor

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act; 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the isue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) Shri Narendia Bansal S/o Shri Rajja Ram C/o Radha Cugg. & Co., Agra.

(Transferor)

(2) Shri Kali Charan Gopal S/o Shri Satya Narayan, R/o D-502, Kamla Nagar, Agra.

(Transferce)

(3) Do. (Person(s) in occoupation of the property)

(4) Do (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meanings as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

G-502 Kamla Nagar, Agra,

H. R. DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Kanpur

Date: 10/10/85

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, 106/282, KANCHAN BHAWAN GANDHI NAGAR OPP. LANIN PARK KANPUR

Kanpur-208 012, the 10th October 1985

Ref. No. M/368/85-86.—Whereas, I, H. R. DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000|- and bearing No. 101, 1, Kaushalya Park, Hauz Khas situated at Asgarpur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Agarpur Varanasi under registration No. 54 on 12/2/85 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Ast, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1937 (27 of 1957);

(1) Shri Har Kishan S/o Shri Bhag Mal, R/o Asgarpur.

(Transferor)

(2) Shri Avdbesh Kumar S/o Shri Nand Kishore, R/o D-511/199, Suraj Nund, Varanasi.

(Transferce)

(3) Do.

(Person(s) in occoupation of the property)

(4) **D**o.

(Persons whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (a) by any of the aforesaid persons within a period of able property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

FXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meanings as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

5/5-11-18 Pusta Asgarpur.

Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Kanpur

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 10/10/85

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (49 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACOUISITION RANGE 106/282, KANCHAN BHAWAN GANDHI NAGAR OPP. LANIN PARK KANPUR

Kanpur-208 012, the 10th September 1985

Ref. No. M/376/85-86.—Whereas, I.

H. R. DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Incometax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing cityuted at Deleri

situated at Dadari situated at Dadari (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and registered under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registring Officer at Dadari under registration No. 1725 dated 28/2/85 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to have that the fair market value of the property as afore-

believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideraion for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Smt. Shanti Devi Widow Late Shri Dalpat Singh, Vill. Uhmsedpur Dadari, Ghaziabad.

(Transferor)

(2) Shri Chatar Singh S/o Shri Harl Singh etc., Dadari, Ghaziabad.

(Transferee)

(3) Do

(Person(s) in occoupation of the property)

(4) Do

(Persons whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the afterestid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agriculture Dadri, Ghaziabad.

H. R. DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax. Acquisition Range, Kanpur

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 260D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 10/10/85

Scal :

FORM NO. I.T.N.S.----

NOTICE UNDER SECTION 249D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE 106/282, KANCHAN BHAWAN GANDHI NAGAR OPP. LANIN PARK KANPUR

Kanpur-208 012, the 10th September 1985

Ref. No. M/396/85-86.—Whereas, I, H. R. DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. situated at Dadri (and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering Officer at Dadri under registration No. 1913 date 27/2/85 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesald property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

 Shri Kashmira, Sera, Gursahain S/o Shri Jag Ram, R/o Vajidpur, Dadari Ghaziabad.

(Transferor)

(2) Sary Priya Sahakari Awas Samiti Ltd., Through Ashoka Kumar S/o Bulaki Ram, Karaul Bag, New elhi.

(Transferce)

(3) Do (Person(s) in occoupation of the property)

(4) Do (Persons whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazetts.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Vlilage, Vazidpur, Pargana, Dadari.

H. R. DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Kanpur

Date: 10/10/85

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

COMMISSIONER OF INCOME-TAX OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT

ACQUISITION RANGE, 106/282, KANCHAN BHAWAN, GANDHI NAGAR, OPP. LANIN PARK, KANPUR-208 012

Kanpur-208 012, the 30th September 1985

Ref. No. M-445/85-86.—Whereas, I, H. R. DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable to the said Act'), have reason to believe that the immovable to the said Act'). property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-

and bearing No.
R-13/10 situated at Raj Nagar,
(and more fully described in the Schedule annexed hereto)
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16
of 1908) in the office of the Registering Officer at
Ghaziabad under registration No. 20001 dated 25-2-85,
for an appropriate consideration which is less than the fair for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of Indian Income-tax Act, 1922, (11 of 1922) of the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

(1) Shri U. S. Srivastava & Smt. Mohini Srivastava, 5-A, Court Road, Delhi-6.

(Transferor) (1) Shri Nirmal Agarwal, C/o, Un Ltd., 149 G. T. Road, Ghaziabad. United Wheels (P)

(Transferee) (3) As per S. No. 2.

(4) As per S. No. 2.

(Person(s) in occupation of the property)

(Person(s) whome the undersigned knows

to be intetested in the property).

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. R-13/10, Raj Nagar, Ghaziabad.

H. R. DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Kanpur

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :--

Date: 30-9-85.

Sen1:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, 106/282, KANCHAN BHAWAN, GANDHI NAGAR, OPP. LANIN PARK, KANPUR-208 012

Kanpur-208 012, the 10th Ocotber 1985

Ref. No. M.450/85-86.—Whereas, I. H., R. DAS.

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value excedeing Rs. 1,00,000|-and bearing No.

situated at Dehradun, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and registered with the Competent Authority u/s. 269AB of the said Act read with rule 48DD of Income-tax Rules, 1962 under registration No. 4 1163 at Dehra Dun date 1-2-1985

apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property, as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument to transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferrer for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property, by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Brahm Dutt Sharma, S/o Sh. Prabhu Dayal Sharma, R/o 405 Bhopa Road, Muzaffarnagar.

(Transferor)

(2) Shri Niranjan Swarup, Babri, Muzaffarnagar.

(Transferce)

- (3) As per S. No. 2.

 (Person(s) in occupation of the property)
- (4) As per S. No. 2.

 (Person(s) whome the undersigned knows to be interseted in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural Land, Vill. Jakhan, Dehradun.

H. R. DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range,
Kanpur

Date: 10-10-85.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, 106/282. KANCHAN BHAWAN, GANDHI NAGAR, OPP. LANIN PARK, KANPUR-208 012

Kanpur-208 012, the 30th September 1985

Ref. No. M-460/85-86.—Whereas, I, H, R. DAS.

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 1.00,000/- and bearing No. 64, situated at Kavi Nagar,

(and more fully described in the Schedule below) 19340 date 4-2-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties hea not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Ast. in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of thee said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

(1) Shri Pradeep Singh, S/o Trilok Singh, 110 Sunder Nagar, New Delhi.

(Transferor)

(2) Smt. Neelima Vardhan w/o Harsh Wardhan, Shankar Niwas Purana Kila, Lucknow.

(Transferee)

- (3) As per S. No. 2. (Person(s) in occupation of the property)
- (4) As per S. No. 2. (Person(s) whome the undersigned knows interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immevable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House No. K.A. 64 Block A Sect. 18, Kavi Nagar, Ghaziabad.

> H. R. DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Kanpur

Date: 30-9-85.

Scal:

FORM TINS...

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMEN'I OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE 106/282, KANCHAN BHAWAN, GANDHI NAGAR, OPP. LANIN PARK, KANPUR-208 012

Kanpur-208 012, the 10th Ocother 1985

Ref. No. M-465/85-36.—Whereas, I.

H, R. DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing No.

situated at Barat (Meerut), (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and registered under the Registration Act. 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Baghpat under registration Baghpat date 15-2-85, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following مراجبته فأعلالتمامة 80--316O1|85

(1) Shri Sekhar Chand s/o Mohan Lal. R/o Patta Mehan Baraut, Meerut.

(Transferor)

(2) Shri Jagdish Pd. Jain s/o Lala Deep Chand Jain, Baraut, Mecrut.

(Transferee)

- (3) As per S. No. 2. (Person(s) in occupation of the property)
- (4) As per S. No. 2. (Person(s) whome the undersigned knows interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- at by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Baraut. Baghpat, Meerut.

H. R. DAS Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Kanpur

Date: 10-10-85.

Seal.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, 106/282, KANCHAN BHAWAN, GANDHI NAGAR, OPP. LANIN PARK, KANPUR-208 012

Kanpur-208 012, the 30th September 1985

Ref. No. M-493/85-86.—Whereas, I, H. R. DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1.00.000/- and begging No.

Rs. 1.00,000/- and bearing No. B-2-1 situated at NOIDA,

38062

(and more fully described in the Schedule below),

has been transferred and registered under the Registration Act. 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering

Officer at Dadri on 25th February 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, is respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the conceniment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

a zaza de la composição de la composição de la composiç (1) M/s. Milan Ambradari C/o Mahendra Kumar Jain, 2/67 Roop Nagar, Delhi.

(Transferor)

(2) M/s. United Electord Industries, C/o. Shushil Kumar Goel, 11, Narain Vihar, New Delhi.

(Transferee)

(3) As per S. No. 2. (Person(s) in occupation of the property)

(4) As per S. No. 2. (Person(s) whom the undesigned knows to be intetesred in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said Immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EMPLANATION: -The terms and expressions fised herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. B-63, No.oa.

H. R. DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-fax Acquisition Range. Kanpur

Date: 30-9-85,

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, 106/282, KANCHAN BHAWAN, GANDHI NAGAR, OPP. LANIN PARK, KANPUR-208 012

Kanpur-208 012, the 30th September 1985

Ref. No. M-495/85-86,—Whereas, 1, H. R. DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have resson to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000]- and bearing No. Shop No. 5-6-7 on G. F adm. 846 sq. ft. at Janak Chambers 369 situated at, Noida, (and more fully described in the Schedule annexed hereto)

has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of

1908) in the office of the Registering Officer
Dadri, under registration No. Nil date 5-2-85
to an apparent consideration which is less than the have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by mor than fifteen per cont of such apparent consideration and that the consideration for such ranger as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferero to pay tax under the said Act, in respect or any income arising from the transfer; and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Ast, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

(1) Shri Narindra Nath Gulathi, 388/1 lst Floor West Patel Marg, New Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Harijindar Kaur w/o Inderject Singh, K-81 Hauze Khas, New Delhi.

(Transferee)

- (3) As per S. No. 2. (Person(s) in occupation of the property)
- (4) As per S. No. 2. (Person(s) whome the undersigned knows to be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

No. 369 Set. XVI, Noida.

H. R. DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Каприг

Date: 30-9-85.

Scal:

FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, 106/282, KANCHAN BHAWAN KANPUR-208 012

Kanpur-208 012, the 30th September 1985

M-497/85-86.—Whereas, I, H. R. DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|- and bearing No.

Registrar at

B-27 situated at NOIDA tund more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 or 1908) in the Office of the Registering Officer at

has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Dadari under registration No. 481, 482 date 27-2-85 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

 Sukhvindar Kaur Bhasin C-144, Sarvodaya Enclave, New Delhi.

(Transferor)

(2) S. K. Vaid s/o R. R. Vaid A-112-Sct-V-NOIDA, Ghaziabad.

(Transferce)

(3) —do—
(Person(s) in occupation of the property)

(4) --do--(Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later,
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as a defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. B-27 Sector XIV NOIDA, Ghaziabad.

H. R. DAS
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Kanpur

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the eformation property by the issue of this notice under subing persons, namely:—

Date: 30-9-1985

Scal

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, 106/282, KANCHAN BHAWAN GANDHI NAGAR OPP. LANIN PARK, KANPUR-208 012

Kanpur-208 012, the 10th October 1985

Ref. No. M/500/85-86.—Whereas, I, H. R. DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000-1 and bearing No. 184

situated at Meerut Cantt.

and more fully described in the Schedule annexed hereto)
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Meerut under registration No. 5911 date 18-2-85

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than than fifteen per cent of such apparent consideration and fifteen per cent of such apparent consideration and that the that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of ransfer with the object of

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer respect of any income arising from the transfer; andlor
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferoe for the purposes of the indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the mid Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

New, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, of the fellowing persons, namely :-

(1) Smt. Roop Rani w/o Shri Vishnu Das R/o Dal Mandi, Meerut.

(Transferor)

(2) Shri Satish Chandra Akhlesh Kumar s/o late Shri Vishnu Das R6 Durga Bari Sadar, Meerut Cantt.

(Transferee)

(Person(s) in occupation of the property) (Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the raid immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

H. No. 184 Sadar Dal Mandi, Meerut Cantt. Date: 30-9-1985

> H. R. DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Kanpur

Date: 10-10-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE,
106/282, KANCHAN BHAWAN
GANDHI NAGAR OPP. LANIN PARK,
KANPUR-208 012

Kanpur-208 012, the 30th September 1985

M-502/85-86.—Whereas, I, H. R. DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000-Rs. 1,00,000/- and bearing No. A-23 situated at NOIDA

(and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Dadri under registration No. 273 plus 274 date 4-2-85 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by mere than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (a) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferes for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or this Act, or the Wealth-tax Act, Act, 1957 (27 of 1957);

 Ajanta Flectric Instrument c/o Vijai Raj Saran 3/51 Ram Gali Vishwash Nagar, Delhi.

(Transferor)

(2) Prayeen Ayasthi w.o Rai Kumar Ayasthi D-6/25 Krishna Nagar, Delhi.

(Transferee)

- (3) —do—
- (4)—do— (Person(s) in occupation of the property) (Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, it any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable preperty, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given

THE SCHEDULE

Plot No. A-23 set, IX NOIDA, Ghaziabad.

H. R. DAS Competent Auth Inspeceting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Kanpur

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate preceedings for the acquisition of the aforesald property by the issue of his notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

Date: 30-9-1985

FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, 106/282, KANCHAN BHAWAN GANDHI NAGAR OPP. LANIN PARK, KANPUR-208 012

Kanpur-208 012, the 30th September 1985

M-503/85-86.-Whereas, I, H. R. DAS, M-203/85-86.—Whereas, I, H. R. DAS, being the Competent Authority under Section 269/B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. C-34 situated at Set. XXVI NOIDA (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act. 1908 (16 of

(and more fully described in the Schedule annexed netwo), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Dadri under registration No. date 28-2-85 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the appearent consideration therefor by more than lifteen pair cent of such apparent consideration and that the infloen user cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Ast, in respect of any income arising from the transfer-
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been at which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 3222 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :--

(1) Kuldeep Singh Mahas. C-18-East of Kailash, New Delhi,

(2) Brig. V. P. Duggal College of Combat MHOW-Cantt (M.P.)

(Transferor)

(Transferee) (3) --do--

(4)—do— (Person(s) in occupation of the property) (Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 34 Set. XXVI NOIDA, Ghaziabad.

H. R. DAS Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Kanpur

Date: 30-9-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-1 AX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, 106/282, KANCHAN BHAWAN GANDHI NAGAR OPP. LANIN PARK, KANPUR-208 012

Kanpur-208 012, the 11th October 1985

M-505/85-85.-Whereas, I. H. R. DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 o 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000]and bearing

Plot No. 9 situated at New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Dadri under registration No. date 19-12-84

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of .--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/er
- (b) facilitating the concealment of any income or any moreys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act. or the Westb-tax Act 1957 (27 of 1957);

(1) Mrs. Handloom Emporium, through Shri Satish Nanda s/o Shri H. R. Nanda R/o J-27, NDSF Part-I, New Delhi.

(2) M/s. Super Electronic through Shri Darshan Kumar s/o Shri Chandra Bhan R/o F-501, New Delhi.

(Transferee)

(Transferor)

(3) --do-

(Person(s) in occupation of the property)

(4) —do—

(Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a seriod of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, which ever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. F-9 Sector VI.

H. R. DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Kanpur

Now, morefore, in pursuance of Section 269-C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the atoresaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 11-10-1985

Scal:

FORM ITNE

NOTICE UNDER SECTION 269-D (1) OF THE INCOMP.
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACOUISITION RANGE, 106/282 KANCHAN BHAWAN GANDHI NAGAR OPP. LANIN PARK, KANPUR-208 012

Kanpur-208 012, the 30th September 1985

M-506/85-86.—Whereus, I, H. R. DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 55 situated at NOIDA (and more fully described in the Schedule annexed hereto).

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering officer at Dadri under registration No. 201 date 25-1-85

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the sale Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely.—
81—316GI/85

(1) Smt. Jasbir Kaur w/o Kulbir Singh 56/15 Rajendra Nagar, New Delhi.

(Transferor)

(2) Sunni Binda & Mohit Bindra, B-41 Defence Colony, New Delhi.

(Transferee)

3) ---do---

(4) —do—
(Person(s) in occupation of the property)
(Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective periods. whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions well force as are defined in Chapter XXA of the and Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 55 Sec. XVA NOIDA, Ghaziabad.

H. R. DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Kanpur

Date: 30-9-1985

Seal;

- (1) Shri Krishanlal Dua Soo Shri Ram
 Dhan Due Roo 23, Arvind Marg Dehradun.
 (Transferor)
- NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Deo Dutt Verma & Sons (HUF) R|o 11|14 Rajendra Nagar Sector-3 Ghaziabad.

whichever period expires later,

GOVERNMENT OF INDIA

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE. 106/282
KANCHAN BHAWAN GANDHI NAGAR
OPP. LANIN PARK, KANPUR

Kanpur-208 012, the 10th October 1985

Ref. No. M-623 85-86.—Whereas, I H. R. DAS being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immevable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. situated at Mussoorie

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Mussorie

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the sold instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concentment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

New Block (Hotel Hayur) The Mall Mussorie.

H. R. DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Kanpur

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

Date: 10-10-85

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE. 106/282 KANCHAN BHAWAN GANDHI NAGAR OPP. LANIN PARK, KANPUR-208 012

Kanpur-208 012, the 11th October 1985

Ref. No. 279/85-86.—Whereas, I, H. R. DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing No.
349, 50, 57, 62 situated at Dadari
(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Dadari under registration No. 1397 dated 11-2-85 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; andlor
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or wich ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act(I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

(1) Shri Mahesh Kumar Jain So Sumati Pd. Rlo E-7 Kalandi Colony New Delhi.

(Transferor)

(2) Krishna Fabrications Pvt. Ltd. 289|1 Upper Palace Archady. Bangalore c|o R. K. Chaudhari R|o B-29 Greater Kailash-I New Delhi (Chairman).

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Khasra No. 349, 50, 57, 62 Rakabi 7 Puktha situated at Habilpur Dadori,

> H. R. DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Kanpur

Date: 11-10-85

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 of 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, 106/282 KANCHAN BHAWAN GANDHI NAGAR OPP. LANIN PARK, KANPUR

Kanpur-208 012, the 11th October 1985

Ref. No. [85-86.—Whereas, I H. R. DAS]
being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), has reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing
No. 355 s'tuated at Habibpur (Dadri) (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and registered under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at at Dadari under registration No. 1393 date 11-1-85 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifthen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferes for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Mahesh Kumar Jain Soo Shri Sumriti Pd. Roo E Kalandi Colony, New Delhi.

(Transferor)

(2) United Technologies Pvt. Ltd.
 46|1 Shurch Street Bangalore Through
 R. K. Chaudhari S|o Sohanlal Chaudhari
 R|o B-29 Greater Kailash-I, New Delhi.
 (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned....

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter-

THE SCHEDULE

Khasara No. 355 Rakover 7-0-0 Pantha Habibpur, Dadari.

H. R. DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Kanpur

Date: 11-10-85

FORM ITNS----

(1) Shri Ratan Bhushan Sadar Bazar Delhi-6.

(Transfer c

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) United Technologise (P) Ltd. 46|1 Charch Street Bangalore C|o V. K. Chaudhry 29 Greater Kailash, New Delhi.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, 106/282 KANCHAN BHAWAN GANDHI NAGAR OPP. LANIN PARK, KANPUR

Madras-208 012, the 10th October 1985

Ref. No. M-299|85-86.—Whereas, I H. R. DAS being the Competent Authority under section 269Bof the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), hereinafter referred to as the said Act, have reason to believe that the property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 352, 355 situated at Dadari

(and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the Office of the Registering Office at Dadari under registration No. 426 date 12-2-85 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforeasid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforeasid screeds the apparent consideration therefor by more said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between tive parties has not been truly stated to the said instrument of transfer with the object of :--

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferes for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the mid Act, or the Weelth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:--

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Khashra No. 352, 355 Dadari.

H. R. DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Kanpur

Date: 10-10-85

FORM ITNS------

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OI FICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, 106/282 KANCHAN BHAWAN GANDHI NAGAR OPP. LANIN PARK, KANPUR

Kanpur-208 012, the 11th October 1985

Ref. No. M|281|85-86.—Whereas, I H. R. DAS being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

No. 4329 situated at Hubibpur (Dadari)
(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registeration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Dadari under registration No. 1396 date 11-2-85 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforeparties has not been truly stated in the said instrument of said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957)

(1) Shri Mahesh Kr. Jain S|o Sumati Pd, Jain R|o E, Kalandi Colony, New Delhi.

(Transferor)

(2) Krishna Fabrications Pvt. Ltd. 289|1 Upper Apekash Achard Bangalore. (Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Khasra No. 329 Habibpur Dadari.

H. R. DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Kanpur

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 11-10-85

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISIION RANGE, 106|282 Kanchan Bhawan Gandhi Nagar Opp. Lanin Park, Kanpur

Kanpur-208 012, the 11th October 1985

Ret. No. 85-86.—Whereas, I. H. R. DAS being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1.00,000/- and bearing No.

No. Khasra 357 situated at Dadari (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Dadari for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Shri Prem Bhushan Slo Ratan Chand Rlo Sadar Bazar, New Delhi.

(Transferor)

(2) Krishna Fabrications Pvt. Ltd. 289|1 Upper Palace Archideg. Bangalroe. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Khasra 357 7 Dadari.

H. R. DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Kanpur

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, 1 hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 11-10-85

FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Shri Mahesh Kumar Jain Soo Sumiti Pd. Roo E-7 Kalandi Colony, New Delhi.

(Transferor)

(2) Krishna i abrications Pvt. Ltd. 2019|1 Apar Palace Archdya Bangalore. THE SCHEDULE

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE. 106/282 KANCHAN BHAWAN GANDHI NAGAR OPP. LANIN PARK, KANPUR

Kanpur-208 012, the 11th October 1985

Ref. No. /85-86.—Whereas, I, H. R. DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/No. 329 situated at Dadari (and more fully described in the schedule below) has been transferred and registered under the registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registring Officr at Dadari under registration No. 1395 date 11-2-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of

transfer with the object of :--

- (a)) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferrer for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the sald Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act. to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later,
- b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

No. 329 Rakba 5-0-0 Pukta Dadari.

H. R. DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Kanpur

Date: 11-10-85

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, 106/282 KANCHAN BHAWAN GANDHI NAGAR OPP. LANIN PARK, KANPUR

Kanpur-208 012, the 10th October 1985

Ref. No. M-308|85-86.-Whereas, I H. R. DAS being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immevable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/and bearing No

No. 329 situated at Dadar' (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Dadari under registration No. 1394 date 11-2-85

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any meneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferes for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

82-316GI|85

Company of the Control of the Contro (1) Shri Mahesh Kumar Jain Sjo Sumati Parkash Jain E-7 Kalindi Colony. New Delhi.

(Transfer

(2) Krishna Fabrication (P) Ltd. 289|1 Upper Palace—Aich Duch—Bangalore C|0 R. K. Chaudhry S|0 Sohanlal Chaudhry B-29 Greater Kailash I, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given to that Chapter.

THE SCHEDULE

Khasara No. 329-Vill Habibour Dadari.

H. R. DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Kanpur

Date: 10-10-85

NUTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACOUISITION RANGE, 106, 282 KANCHAN BHAWAN GANDHI NAGAR OPP. LANIN PARK, KANPUR

Kanpur-208 012, the 10th October 1985

Ref. No. K-158/85-86,-Whereas, I H. R. DAS being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable Property having a fair market value exceeding Rs, 1,00,000/- and bearing No. No. 117/112/190 situated at Pandu Nagar Kanpur (and more fully described in the schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Kanpur under registration No. 5616 date 12-2-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tex under the said Act, in respect of any income arising from the transfers and for
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now. therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Shri Ram Chandra Narain R|o Damodar Sadan, Rambaghi Lane No. 2 Kalyan Distt. Thana.
- (2) Shri C. J. Kamath Slo Shri C. M. Kamath, 117|M-1|247, Pandu Nagar Kanpur

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gamette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immevable preservy within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION:—The terms and expressions used berein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

H. No. 117 H2 190 Pandu Nagar, Kanpur.

H. R. DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Kanpur

Date: 10-10-85

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, 106|282 KANCHAN BHAWAN GANDHI NAGAR OPP. LANIN PARK, KANPUR

Kanpur-208 012, the 10th October 1985

Ref. No. K-159|85-86.—Whereas, I H. R. DAS being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|- and bearing

able property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|- and bearing No. 117|H2|190 situated at Pandu Nagar Kanpur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Kanpur under registration No. 5607 date 12-2-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/er

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the sforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely.—

(1) Shri Ram Chandra Haram R|o Damodar Sadan Rambagh Lane-2, Kalyan Distt. Thana.

(Transferor)

(2) Smt. Shashikala Kamath woo Shri C. J. Kamath R/o 117/H-1/247, Pandy Nagar, Kanpur. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

H. No. 117|H-2|190 Pandu Nagar, Kanpur.

H. R. DAS
Competent Authorty
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Kanpur

Date: 10-10-85

Seal

- (1) Shri Ram Chandra Narain Rlo Damodar Sadan Rambagh Lane 2 Kalayan Thana.
- (2) Smt. Mithlesh Maheswari woo Shri P. C. Maheswari G-7 Shanti Nagar Kanpur.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 260D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE 106|282 KANCHAN BHAWAN GANDHI NAGAR OPP, LANIN PARK, KANPUR

Kanpur-208 012, the 10th October 1985

Ref. No. K.160/85-86.—Whereas, I, H. R. DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. No. 117/H2/190 situated at Pandu Nagar Kanpur (and more fully described in the schedule below) has been transferred and registered under the registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Office at Kappur under Registration No. 5613 date 12-2-85 for an apparent consideration which is less than the fair for an apparent consideration which is less than the fair narket value of the aforesaid property and I have reason to bolieve that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the

parties has not been truly stated in the said instrument of

transfer with the object of the

- Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—
 - (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
 - (b) by any other person interested in the said immer-able property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.
- EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion o fthe liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or
- b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferor for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

THE SCHEDULE

H. No. 117 H-2 190 Pandy Nagar Kanpur.

H. R. DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Kanpur

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under su section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Date: 10-10-85

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACOUISITION RANGE-III. AGGARWAL HOUSE. 4/14-A. ASAF ALI ROAD. NEW DELHI

New Delhi, the 9th October 1985

Ref. No. IAC/Acq.III/SR-IJ/2-85/2538.--Whereas, I, R. P. RAJESH.

being the Competent Authority under Section 269B of the

Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000]and bearing No.

No. A-28, A-31, Kh. No. 6/27, 23 and 9/3/1, 8 and 13 situated at Shanker Garden, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering Officer at

New Delhi in February, 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and or
- (b) facilitating the concesiment of any mome or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferor for the purposes of the Indian Income tax Act, 1988 (11 of 1922) or the said Act, or the Weelth-tax Act, 1957 (27 of 1937):

Now, therefore, in pursuance it section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice union of the section (1) of Section 269D of the said Act, so the following persons namely :--

(1) Rahul Devi W/o Baldev. R/o Raghunath. Hissar.

(Transferor)

(2) J. K. Shangari S/o Kundan Lal. 7-A, Kotwali Road. Delhi Cantt.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. A-28, A-31 measuring 200 sq. yds. Kh. No.6/22, 23 and 9/3/1, 8 and 13 Shunker Garden, New Delhi.

> R. P. RAJESH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-III. New Delhi

Date: 9-10-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE

INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, AGGARWAL HOUSE, 4/14-A. ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 9th October 1985

Ref. No. IAC/Acq.III/SR-II/2539/2-85.—Whereas, I. R. P. RAJESH.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immervable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 and bearing No.

No. 21/27-A. Tilak Nagar situated at New Delhi (and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering Officer at

New Delhi in February, 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and for
- (a) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subpersous, namely:—

(1) Hardev S/o Narain Dass. R/o 19/44-A, Tilak Nagar. New Delhi

(Transferor)

(2) A. K. Saxena S/o Rameshwar Singh, 21/27-A. Tilak Nagar, New Delhi

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immerable preperty, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property bearing 21/27-A, buil on 71-7 sq. vd. Tilak Nagar, New Delhi.

R. P. RAJESH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III,
New Delhi

Date: 9-10-1985

Seal

FORM ITNE-

(1) Rahul Dev S/o Baldev, R/o Reghu Nath Bhawan, Hissar.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) K. C. Bhalla S/o T. D. Bhalla, C-262, Vikas Puri, New Delhi.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFIGE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-III, AGGARWAL HOUSE, 4/14-A. ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 9th October 1985

Ref. No. IAC/Acq.III/SR-II/2540/2-85.—
Whereas, I. R. P. RAIFSH.
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tex Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
us the 'said Act'), have reason to believe that the immevable property having a fair market value exceeding
Re. 1,00,000/- and bearing No.
A-31, Kh. No. 6/22, 23, 9/3/1, 8 and 13 Shanker
Garden situated at New Delhi
(and more fully described in the schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at New Delhi in February, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid expected the apparent consideration therefor by more than aftison per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of ransfer with the object of :—

ca) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1937);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this metice in the Official Gasette or a period of 36 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used berein he are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 28, A-31, measuring 200 sq. ft. Kh. No. 6/22, 23 9/3/1, 8 and 13 Shanker Garden, New Delhi.

> R. P. RAJESH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, New Delhi

Act, 1 hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 9-10-1985

FORM ITNS----

N'VIICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-UI, AGGARWAL HOUSE, 4/14-A. ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 10th October 1985

Ref. No. IAC/Acq.III/SR-II/2-85/2541.— Whereas, I. R. P. RA'ESH. being the Competent Authority under Section 269B of the

Income tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Plot No. 48. Shanker Garden situated at New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi in February, 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(1) Dr. Brijender Singh S/o Milap Singh, R. o B-48. Shanker Garden, New Delhi.

(Transferor)

(2) Manjit W/o Rakesh Kasturi Lal S/o Sh. Boota Ram. Sudarshan & Krishan S/o Kasturi Lal, R/o 6/22 Punjahi Bagh, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the O fficial Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given at that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer,
- (b) Jacilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957):

THE SCHEDULE

Plot No. 48, measuring 400 sq. yds. Shanker Garden, New Delhi.

> R. P. RAJESH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III. New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the acoresaid property by the issue of this notice under sub-section

Date: 10-10-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(1) D. N. Kaura S/o K. N. Kaura, E-3, Rattan Park, Delhi.

(Transferor)

(2) S. Kartar Singh, Gurcharau Singh S/o Saran Singh, R/o B-2/209, Paschim Vihar, Delhi.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-III, AGGARWAL HOUSE. 4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELIII

New Delhi, the 10th October 1985

Ref. No. IAC/Acq.III/SR-II/2-85/2542.—-Whereas, I. R. P. RAJESH. being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/and bearing No.

Land No. 134, Block J-1, Rajouri Garden, situated at New

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act. 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at New Delhi in February, 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of rransfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and /or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the dae of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 134, Block 1-1, 168 sq. vds. Rajouri Garden, New Delhi.

> R. P. RAJESH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III. New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the sald Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :-

83-316GI|85

Date: 10-10-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME TAX,

ACQUISITION RANGE-III, AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 9th October 1985

"Ref. No. IAC/Acq.III/SR-II/2543/2-85.—Whoreas, I, R. P. RAJESH.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000- and bearing No.

Plot No. C/44-B. Shivaji Park, situated at New Delhi (and prore fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at New Delhi in February, 1985

New Delhi in February, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (2) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subjection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

(1) Darshan Singh S/o Ram Singh, Hariit Singh S/o Amrik Singh, C/44, Shivaji Park, New Delhi.

(Transferor)

(2) R. N. Vij S/o F. C. Vij & Shankuntla Vij, W/o Sh. R. N. Vij, R/o 43. Punjabi Bagh, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. C/44-B, measuring 307.5 sq. yds. Shivaji Park, New Delhi.

R. P. RAJESH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner.of Income-tax Acquisition Range-III. New Delhi

Date: 9-10-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-III, AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELIII

New Delhi, the 9th October 1985

Ref. No. IAC/Acq.III/SR-II/2544/2-85.—Wheresa, I, R. P. RAJESH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000[-

and bearing No. Plot No. C-140, Kh. No. 804/34, 837/7, Tehar, situated at

New Delbi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of of the 1908) in the Office of the Registering Office at

New Delhi in February, 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /en
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which hape not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax. Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) Davinder Singh Slo Prithvi Singh K-40, Fatch Nagar, Delhi.

(Transferor)

(2) M/s. R. K. Enterprises, Prop. R. R. Gupta S/o K. L. Gupta, S.C.O. 80-81, Chandigarh.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later,
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette,

EXPLANATION: -The terms and expressions used become as are defined in Chapter XXA of the said. Act shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Plot No. G-110 measuring 200 sq. yds.: Kb. No. 804|34, 837]7, Tehar, New Delhi,

> R. P. RAJESH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Rev. 41. Nev Delhi

Da'c : 9-10-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-UI,
AGGARWAL HOUSE.
4/14-A, ASAF ALL ROAD,
NEW DELHI

New Delhi, the 9th October 1985

Ref. No. IAC/Acq.III/SR-II/2545 2-85.—Whereas, I, R. P. RAJESH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tal Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 and bearing No.

Plot No. 27-B. Khatoni No. 9, Kh. No. 1989, Vill. Tehar situated at Hari Nagar, New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

New Delhi in February, 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the marties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or avasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, andlor
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been er which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-Am. Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 2691) of the said Act, to the following persons, namely:-

 Smt. Rama kant, adopted S/o Sh. Kanwar Bahadur Saxena, R/o 3187, Mori Gate, Delhi. at present II-M, ZO-B, Laipat Nagar, New Delhi.

(Transferor)

(2) Sh. Satinder Pal Singh through her mother Pritam Kaur, R/o A-108, Tagore Garden, New Delhi.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 220 sq. vds. Plot No. 27-B. Khatoni No. 9, part of Khasra No. 1989, situated at Vill. Tihar Delhi state abadi known as Hari Nagar, Delhi.

R. P. RAJESH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range-III.
New Delhi

Date : 9-10-1985

FORM 1.T.N.S.——

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

Mohinder Singh S/o Ram Singh, R/o C-15/5-A, Rajouri Garden, New Delhi.

(2) M. L. Prasher S/o H. R. Prashar, C/o V. K. Sai, BL-134, Jail Road, Hari Nagar,

New Delhi.

(Transferor)

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, AGGARWAL HOUSE, 4/14-A. ASAF ALI ROAD, NEW DELIII

New Delhi, the 9th October 1985

Ref. No. 1AC/Acq.111/SR-11/2-85/2546.--Whereas. 1, R. P. RA1FSII,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act)' have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

Rs. 1,00,000/- and bearing No.
Plot No. BL/134-A. Vill. Tehan situated at Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at New Delhi in February, 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer;

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferes for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Plot No. BL-134-A measuring 200 sq. yd. vill. Tchar. New Delhi,

THE SCHEDULE

R. P. RAJESH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range-III,
New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 9-10-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-III, AGGARWAL HOUSE. 4/14-A, ASAF ALI ROAD. NEW DELHI

New Delhi, the 10th October 1985

Ref. No. IAC/Acq.111/SR-111/2-85/981,—Whereas. 1, R. P. RA, ESH,

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing No.
B-749, New Rajinder Nagar,
situated at New Delhi
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

New Delhi in February, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of .—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Ast, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the uransferee for the purposes of the Indian Income-ta: Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Shrimati Motia Rani R/o R-749, New Rajinder Nagar, New Delhi.

(Transferor)

(2) I. Shri Krishan Arora,

2. Vinod Kumar, 3. Sanjay Arora, 4. Rajiy Arora, 5. Vidya Wanti, R/o 1416. Pahargani, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:--

- (a) by any of the aloresaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

200 sg. vds. Cr. No. R-749, New Rajinder Nagar, New Delhi.

> R. P. RAJESH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III. New Delhi

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 10-10-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX AC1, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSITANT COMMISSIO. ER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-III, AGGARWAL HOUSE.
4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 9th October 1985

Ref. No. IAC/Acq.III/SR-III/2-85/984.—Whereas, I. R. P. RAJESH, being the Competent Authority under Section 2698 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to us the 'mid Act'), have reason to believe that the immevable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 5/49, Old Ruinder Nagar, situated at New Delhi (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi in February, 1985

New Defin in February, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or
- (b) facilitating the concealment or any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

 Sh. R. K. Talwar S/o Kishan Chand Talwar R/o 5/10, Old Rajinder Nagar, New Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Girdhari Lal Gupta S/o Shri Ram Kishore Gupta R/o 32/18, Old Rajinder Nagar, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this natice in the Official Gazetts or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires leave;
- (b) by any other person interested in the said immersable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazatte.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that chapter.

THE SCHEDULE

Government Built up property No. 5/49, situated in the abadi of Old Rajinder Nagar, New Delhi, area 85.9 sq. yds.

R. P. RAJESH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III,
New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:

Date: 9-10-1985

FORM ITNS ____

(1) Shri Davinder Kumar Batra, W-II, Greater Kailash-II, New Delhi.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Shri Amrit Lal Batra, C-27/28, NDSE II. New Delhi.

(Transferce)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE-III, AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROΛD NEW DELHI

New Delhi, the 8th October 1985

Ref. No. IAC/Acq.III/2-85, 985.—Whereas, 1,

Rci. No. 1AC/Acq.111/2-85, 985.—Whereas, 1, R. P. RAJESH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1.00,000/- and bearing No.

C-27/28,

38092

situated at NDSE II, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

New Delhi in February, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair murket value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the agreed to between the parties has not been truly stated in the wild instrument of transfer with the object of :

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or

THE SCHEDULE

21 storeyed house built on 66 sq. yds. situated at 27|28, NRSE II, New Delhi.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 2957 (27 of 1957);

R. P. RAJESH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III. New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesald property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :--

Date: 8-10-1985

FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-III,
AGGARWAL HOUSE,
4/14-A, ASAF ALI ROAD,
NEW DELHI

New Delhi, the 10th October 1985

Ref. No. IAC/Acq.III/SR-III/2-85/986.—Whereas, I, R. P. RAJESH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinaster referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the Immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000]-and bearing No.

11/151, Malviya Nagar,

situated at New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering Officer at New Delhj in February, 1985

New Delhi in February, 1985 for an apparent consideration which is less than the fatr market value of the nofresaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) tacilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act. in respect of any income arising from the transfers and for

(b) fucilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

84-316 GI|85

Smt. Krishna Kumari
 W/o Sh. Lal Chand Madan
 D/o late Sh. Pritam Dass.
 R/o 3-C/201, N. I. T. Faridabad,
 Haryana.
 Smt. Chandresh Kumari
 W/o Sh. Krishan Kumar Arora
 R/o 61/-B. Krishna Nagar,
 Mathura U. P.

(Transferor)

(2) Sh. Madan Lol Mehta S/o Sh Goval Das Mehta, R/o 11/151, Malviya Nagar, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULB

Property bearing No. 11/151, situated at Malviya Nagar, New Delhi, measuring 73 sq. yds.

R. P. RAIESH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Incometax
Acquisition Range-UI,
New Delhi

Date: 10-10-1985

FORM LT.N.S.~

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-III, AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 8th October 1985

Ref. No. IAC/Acq, III/SR-III/2-85/987.—Whereas, 1. R. P. RAJESH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1.00,000/- and bearing No.

2. Block R. situated at Green Park, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto),

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering Officer at New Delhi in February, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as the reason to be a superior of the property and the reason to be apparent consideration therefore have more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been 'ruly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Sh. Jagdish Pd. S/o Sh. L. Suraj Persad R/o A-6. Hauz Khas Enclave. New Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Trilok Chand Gupta S/o Shri Raja Ram Gupta and Smt. Gceta Devi W/o Shri Trilok Chand Gupta R/o D-19. Havz Khas. New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as gives in that Chapter.

THE SCHEDULE

24 storeyed shop-cum-residential building on Plot No. 2. Block No. R measuring 200 sq. yds. in the colony known as Green Park, New Delhi-16.

> R. P. RAJESH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III. New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :---

Date: 8-10-1985

NOTICE UNDER SECTION 269 D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-III,
AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD,
NEW DELHI

New Delhi, the 9th October 1985

Ref. No. IA R. P. RAJESH, IAC/Acq. III/SR-III/2-85/989.--Whereas I.

k. P. RAJESH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. H. No. XVIP 2368. Gali No. 14 Kh. No. 393, situated at Karol Bagh, New Delhi (and more fully described in the Schedule approved bereto)

(and more fully described in the Schedule annexed hereto)

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 19081908) in the office of the Registering officer at New Delhi in February. 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said netween the parties has not been truly stated in the said

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been er which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Smt. Daljit Kaur w/o Ravinder Singh Anand, r/c 3329, Ranjit Nagar, New Delhi.

(Transferor)

(2) Sudesh Kumar Bhasin (HUF) Sudesh Kumar Bhasin Smt. Sudesh Bala Bhasin w/o Sudesh Kumar Bhasin, Master Navin Bhasin, Master Vikram Bhasin, Master Gauray Bhasin, all minor sons of Sudesh Kumar Bhasin, r/o 24/2, Main Road, Shakti Nagar, Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notion in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, winchever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given that Chapter.

THE SCHEDULE

H. No. XVI/2368, Gali No. 14, measuring 227 sq. yds. Khasra No. 393, Block 'N' beadonpura, known as Dashmeshpura, Karol Bagh, New Delhi.

R. P. RAJESH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tex Acquisition Range-IIL New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of said Act, to the following persons, namely:—

Date: 9-10-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-III,
AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD,
NEW DELHI

New Delhi, the 9th October 1985

Ref. No. IAC/Acq.III/SR-III/2-85|988.—Whereas, I, R. P. RAJESH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-and bearing No.

K-19. Hauz Khas, situated at New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registeration Act, 1903 (16 of 1908) in the Office of the registering Officer at New Delhi in February, 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as adoresaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesald property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Smt. Mona Nanda d/o Kishan Kumar Chopra, w/o Shri Pal Nanda, r/o C-163, Defence Colony, New Delhi.

(Transferor)

(2) M/s. Globe Hi-Fabs. Pvt. Ltd., having its regd. office at N-10, Connaught Circus, New Delhi its Chairman Shri K. K. Chopra s/o Sh. G. D. Chopra, r/o 37, Pusa Road, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULB

Proptrty bearing No. K-19, Hauz Khas, New Delhi. measuring 386 sq. yds.

R. P. RAJESH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III,
New Delhi

Date: 9-10-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-III,
AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD,
NEW DELHI

New Delhi, the 9th October 1985

IAC/Acq. III/SR-III/2-85|992.—Whereas I, Ref. No. R. P. RAJESH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|- and bearing No.

H-447, New Rajinder Nagar,

situated at New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto)

has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 19081908) in the office of the Registering officer at New Delhi in February, 1985 tor an apparent consideration which is less than the fair maker value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fitteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of Tansfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Shri Charaniit Lal Dhawan s/o Late Dr. Ramji Dass Dhawan, r/o S-27, Greater Knilash No. 2, New Delhi.

(Transferor)

(2) Smt. Indira Sehgal, 2. Miss Neelam Sehgal, 3. Adiveppa Chandramappa Almad, H-447, New Rajinder Nagar, New Delhi, alternatively 26/9, Old Rajinder Nagar, New Delhi, at present R-567, (1st floor), New Rajinder Nagar, New Delhi.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said propertymay be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the sale Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULB

Govt. built quarter No. H-447, New Rajinder Nagar. New Delhi, Area 200 sq. yds.

> R. P. RAJESH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this note; under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely,:--

Date: 9-10-1985

Seni :

 Smt. Daya Wantl w/o Shri Puran Lal Khera, r/o N-4, Malviya Nagar, New Delhl.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Smt. Savitri Khanna, w/o Shri Sain Dass Khanna, r/o M-16A, Malviya Nagar, New Delhi.

(Transferce)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOMETAX
ACQUISITION RANGE-III,
AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD,
NEW DELHI

New Delhi, the 8th October 1985

Ref. No. IAC/Acq. III/SR-III/2-85/994.—Whereas I, R. P. RAJESH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|- and bearing No. M 16A, situated at Malviya Nagar, New Delhi (an I more fully described in the Schedule annexed hereto).

has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at New Delhi in February, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by most than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chan er XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property No. M-16A, Malviya Nagar, New Delhi measuring 100 sq. yds.

R. P. RAJESH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III,
New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Delhi: 8-10-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-III, AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

Bhoral, the 12th August 1985

Ref. No. IAC/Acq. III/SR-III/2-85/995.—Whereas, I, R. P. RAJESH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 100 000/- and bearing No. XVI/1507,

xV1/1507, situated at Naiwala, Karol Bagh, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Peristories Office of

has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at New Delhi in February, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

 Smt. Veera Wali wd/o Shri Hukam Chand Bagga, r/o 59/41, Punjabi Bagh, New Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Asocharaj Lal Arora, s/o Shri Desh Raj Arora, r/o 15/42, Punjabi Bagh, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gozette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever 'period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Portion of house bearing No. XVI/1507, Naiwala, Karol Bagh, New Delhi.

R. P. RAJESH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-inx
Acquisition Range-III,
Delhi/New Delhi

Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the Now, merefore, in pursuance of Section 269C of the said aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 8-10-1985

FORM I.T.N.S.---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, AGGARWAL HOUSE. 4/14-A. ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 10th October 1985

Ref. No. IAC/Acq. III/SR-III/2-85/996.--Whereas I. R. P. RAJESH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) thereinafter referred to the 'said Act'), have reason to believe that the immovvab'e property, having a fair market value exceeding Rs. 100 0001- and bearing H. No. 85, Block 'A'. South Extn. Scheme-Part-II, situated at New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto),

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at New Delhi on February, 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid. exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act. in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the ourposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27) of 1957);

(1) S. Ajit Singh s/o Dr. Arjan Singh, S. Jagat Singh s/o S. Mool Singh, r/o Banghok, Thailand, through their attorney Sardar A. S. Chawla, c/o Mool Singh, r/o Bangkok, Thailand, New Delhi.

(2) Smt. Sharda Nagpal w/o Shri P. N. Nagpal, r/o A-430, Defence Colony, New Delhi.

(Transferec)

(Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the asoresaid person within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immevable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House No. 85, Block 'A', measuring 197.5 sq. yds. consisting of 3 rooms, varandah, bath room, kitchen, latrine and stair case, situated at New Delhi Scuth Extn. Scheme-Part-II, New Delhi.

> R. P. RAJESH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-111, Delhi/New Delhi

mow, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesald property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Date: 10-10-1985

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Shir M. C. Vaswam 270 Sh. C. J. Vaswam, 170 B-1751, Malviya Nagar New Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Prem Prakash s/o Laia Buta Ram and Mrs Pushpa Wati w/o Sh. Prem Prakush, r/o 90/16-A, Malviya Nagar, New Delhi,

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 10th October 1985

Ref. No. IAC/Acq. III/S-III/2-85/999.—Whereas I, R. P. RAJESH, R. P. RAJESH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter refetred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. G.B.P. Property bearing No. 90/16-A, Malviya Nagar, situated at New Delhi

situated at New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16

has been transferred under the Registration Act, 1908 (10 of 1908) in the Office of the Registering Officer at New Delhi on February, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to betaand that the consideration for such transfer as agreed to bet-ween the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in

- (a) facilitating the reductio nor evasion of the liability
 of the transferor to pay tax under the sald Act, in
 respect of any income arising from the transfer; and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

GB..P. Property bearing No. 90[16-A, measuring 100 sq. yds. situated at Malviya Nagar, New Delhi

R. P. RAJESH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III. Delhi/New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following numely :--85-316GI|85

Date: 10-10-1985 Seal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III,
AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD,
NEW DELHI

New Delhi, the 9th October 1985

Ref. No. IAC/Acq. III/SR-III/2-85/1001.—Whereas R. P. RAJESH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000|- and bearing No. 4-B|62, situated at Old Rajinder Nagar, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

New Delhi on February, 1985 for an apparent consideration which is less than he fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and for
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

 Shri Surendra Malhotra, 1506/27, Naiwala Karol Bagh, New Delhi.

(Transferor)

 Shri Raman Chawla, 6/29, Old Rajinder Nagar, New Delhi,

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immorable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein, as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

4-D/62, Old Rajinder Nagar, New Delhi.

R. P. RAJESH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III,
Delhi/New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Date: 8-10-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOMETAX,
ACQUISITION RANGE-III
AGGARWAI. HOUSE, 4/14-A. ASAF ALI ROAD
NEW DELHI

New Delhi, the 8th October 1985

Ref. No. 1AC/Acq. 111/SR-111/2-85/1003.—Whereus, I, R. P. RAJESH.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-and bearing No.

643/644 situated at Double Storey, New Rajinder Nagar, New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transfered under the Registeration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at New Delhi on February 1985

for an apparent consideration what is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the raid Act. or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Smt. Shakuntla Seth
 W/o Shri P. N. Seth,
 R/o 642, Double Storcy,
 New Rajinder Nagar, New Delhi.

(Transferor)

(2) Sh. Subhash Chandra Batra, S/o Shri B. D. Batra, R/o F. 250, New Rajinder Nagar, New Delhi.

(Trausferee)

may be made in writing to the undersigned :---

Objections, if any, to the acquisition of the said property

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever world expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property bearing No. 643/644, Double Storey, New Rajinder Nagar, New Delhi area 123.66 sq. yds.

R. P. RAJESH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III New Delhy

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date 8-10-1985

(1) Hari Bans Ray. S/o Wazu Chand Sikka, R/o. B 65, East of Kailash, New Delhi.

(2) M15. Daya Wanti,

New Delhi.

W/o. Shri P. L. Khera, N-4. Malviya Nagar,

(Transferor)

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX AC1, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-III
AGGARWAI HOUSE, 4 14-A, ASAF A I ROAD
NEW DEI HI

New Delhi, the 8th October 1985

Ref. No. 1AC/Acq. 1006/III/SR-III/2-85,--- Whereas, I. R. P. RAJESH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (herei after referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000- and bearing No.

N-4 situated at Malviya Nagar, New Delhi

(and more fully described in the Schedule arnexed hereto), has been transfered under the Registeration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering Offic r at New Delai in Echiuary, 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the arriesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therfor by more than fifeen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of ---

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or

(b) facilitating the concealment of any income or any 1957 (27 of 1957):

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a seried of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the dute of the publication of this notice in the Official Cazette.

EXPLANATION:--The terms and expressions used heroin as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act,

N-4, measuring 200 sq. yds. Malviya Nagar, New Delhi.

R. P. RAJFSH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III
Delhi/New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 2690 of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely . -

Date 8-10-1985 Scal .

FORM INS-

(1) Sh. Surjit Singh, R/o. 1/5068, Sant Nagar, Karol Bagh, New Delhi. (Transferor)

NUTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-(NCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. Swarn Kanta Sharma, R/o. 1/5078, Sant Nagar, R/o 1/5078, Sant Nagar,

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-III AGGARWAL HOUSE, 4 14-5, ASAF ALI ROAD NEW DELHI

New Delhi, the 8th October 1985

Ref. No. IAC Acq. III /SR-III, 2-85/1006.—Whereas, 1,

R. P. RAJESH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinatter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|- and bearing No

1/5068-73, Sant Nagar, New Delhi situated at (and mole fully dolerabed in the schedule annexted hereto), has been transferred under the Registeration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering Officer at New Delhi in February 1985

for an apparent consideration, which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated va the said instrument of transfer with the object of:-

a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;

(b) facilitating the concealment of any noome or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-ax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said iramovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property No. 1/5068-73, Sant Nagar, New Delhi.

R. P. RAJESH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III Delhi/New Delhi

Now, therefore in pursuants of Section 26°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the Issue of this notice under subsection (1) or section 26°D of the said Act, to the following mentions, namely :-

Date: 8-10-1985

FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-III AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD NEW DELHI

New Dolhi, the 10th October 1985

Ref. No. IAC/Acq.-III/SR-III/2-85/1009.--Whereas, I, R. P. RAJESH,

being the Competent Authority under Section 2693 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000]- and bearing No. Prop. No. F-5, South Extn., Scheme Pare-II situated at New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed herete) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi in February, 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Said Act in respect of any income arising from the transfer; andlor
- (b) freshitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the canaferee for the purposes of the Indian Incometa. Act, 1922 (1 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Smt. Jagjit Kaur Rao, W/o. S. Karam Singh Rao, R/o F-14, N. D. S. F. Part-II, New Delhi.

(Transferor)

(2) Smt. Guljit Kaur, W/o Sh. S. S. Ahlowalia, R/o D-11/49, Pandara Road, New Delhi. (Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other persons interested in the said memovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazatte.

EXPLANATION:—The terms and expressions used hersin as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Built-up property No. F-5, measuring 328 sq. yds. in Now Delhi.

> R. P. RAJESH Competent At thority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tay
Acquisition Ra age-III
Delhi/New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 26% of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :--

Date: 10-10-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-JII AGGARW W. HOUSE, 4 14-A ASAF ALI ROAD NEW DELHI

New Delhi, the 9th October 1985

Ref. No. 1AC/Acq.-III/SR-IV/2-85-1421.—Whereas, I, R, P. RAJESH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the Said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1.00,000/- and bearing Prop. No. II/499, Kh. No. 642, Vill. Chandrawali Alias

Shahdura, situated at Delhi-

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on February 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration, therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as, agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or eventen of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and /ar
- (lb) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which engist to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1947 (27 of 1937);

(1) Sh. Jai Ram Dass, S/o Late Sh. Ram Dass, R/o 261, Teliwara, Shahdara, Delhi-32,

(Transferor)

(2) Sh. Rajendar Prakash, S/o Late Sh. Murari Lal, R/o. II/299, Teliwara, Shahdra, Delhi-32.

(Transferee)

if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expire. later,
- (b) by any other person incrested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning at given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Bearing a built up property No. I1/499, area measuring 122 sq. yds., out of Khasra No. 642, situated at Vill, Chandrawali talas Shahdara, in the abadi of Teliwara, Shahdara, Delhi-32.

> R. P. RAJESH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III Delhi/New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-action (1) of Section 269D of the said Act, to the fellowing persons, namely :-

Date: 9-10-4985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-III
AGGARWAL HOUSE, 4 14-A, ASAF ALI ROAD
NEW DELHI

New Delhi, the 10th October 1985

Ref. No. IAC/Acq.-III/SR-IV/2-85/1422.—Whereas, I, R. P. RAJESH.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovunder Section 269B of able property, having a fair market value exceeding Rs. 1.00,000/- and bearing No. Prop. No. 682-A, Vill. Chandrawali alias Shahdara,

situated at Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908; in the office of the Registering Officer at

New Delhi on February 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have season to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of trunsfer with the object of :

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be elisclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act. or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269c of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under eat section (1) of Section 269D of the said Act, to the follow-

ing persons, namely :--

(1) Lachhi Ram Gupta, S o Date Sh. Chander Bhan Gupta, R, o 682-A, Kabool Nagar, Shahdara, Delhi

(Transferor)

(2) Shri Pawan Kumai Iat S'o Sh Radhey Shayam Lat & Shrimati Pormetma Devi W o Sh Radhey Shayam I at, Rlo 682-A, Kabool Nagai, Shahdara, Delhi. (Transferee)

Objection, if any to the a quisition of the said property may be made in writing to the undersigned .-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immmovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Built up Property no 682-A, area 140 sq. yds. at village Chandrawali ulias Shahdara in the abadi of Kabool Nagar, Shahdara, Delhi

> R. P. RAIESH
> Competent Authority
> Inspecting Assistant Company of Income-tax Acquisition Range-III New Delhi

Date: 10-10 1285

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-III AGGARWAL HOUSE 4/14-A, ASAF ALI ROAD NEW DELHI

New Delhi, the 9th October 1985

Ref. No. IAC/Acq.III/SR-IV/2-85/1423.—Whereas, I, R. P. RAJESH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Res. 100,000 (a and bearing

Rs. 1,00,000/- and bearing
No. 10, New Rajdhani Enclave, Delhi situated at Delhi
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16
of 1908) in the Office of the Registering Officer at
New Delhi in February 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; andler
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the atoresaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

86—316GI[85]

 Smt. Kamlesh Bansal W o Sh. O. P. Bansal, R/o. 10, New Rajdhani Enclave, Delhi-92.

(Transferor)

(2) Smt. Uma Agarwal
W/o Sh. B. B. Agarwal and
Sh. B. B. Agarwal
S/o Sh. S. L. Agarwal,
G-98, Preet Yihar,
Delhi-92.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires latery
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gamette.

EXPLANATION:—The .c.ms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

10, New Rajdhani Enclave, Delhi-92.

R. P. RAJESH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III
Delhi/New Delhi

Date: 9-10-1985

FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME. TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE-III AGGARWAL HOUSE 4/14-A, ASAF ALI ROAD NEW DELHI

New Delhi, the 10th October 1985

Ref. No. IAC, Acq.III/SR-IV/2-85/1424.--Whereas, I.

Ref. No. 1AC ACQ.111/SR-1V/2-85/1424.—Whereas, 1, R. P. RAJESH, being the Competent Authority under Section 2608 of the Income-tent Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the Immovable property, having a fair market value embedding Rs. 1,00,000/- and bearing

Plot No. 6, Municipal No. 1/496, Friends Colony, situated

at Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering Officer at New Delhi in Feb., 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid succeeds the apparent consideration therefor by more than Missen per cent of such apparent consideration and that the appenderation for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of

wansfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

New, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-

section (1) of Section 269D of the said Act, to the following

ecreons, namely ;-

(1) Shri Krishan Chandra Rastogi, 2. Shri Vipin Chandra Rastogi and 2. Shi Vipin Chandra Rastogi and 3. Sh. Ramesh Chandra Rastogi, all sons of late Lala Ram Chandra Rostogi, R/o 4868/2-A, 24-Daryaganj, New Delhi.

(Transferor)

(2) Sh. Jatinder Kumar, HUF, through its Karta, Sh. Jatinder Kumar S/o Sh. Kirti Chand Agarwal, 2. Sh.Yogesh Kumar HUF, through its Karta, Sh. Yogesh Kumar S/o Sh. Kirti Chand Agrawal, 3. Sh. Vinod Kumar HUF, through its Karta Sh. Vinod Kumar S/o Sh. Kirti Chand Aggarwal, and) Smt. Neeraja Aggarwal wo Sh. Rohit Aggarwal, all R/o 4, B. D. Estate, Timarpur, Delbi-7.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a persod of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Countie or a period of 50 days from the service of potice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by may other person interested in the said immovstate property, within 45 days from the date of the publication of the notice in the Official Gazatte.

EXPLANATION: .-- The terms and expressions used herein as are ed in Chapter XXA of the said Ast. shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Bulit up plot No. 6, measuring 500 sq. mtrs. Municipal no. 1/496. Friends Colony, G. T. Road. Shahdara, Street No. 2, Delhi-32, known as Vill. Ihilmila Tahirpur, in the abadi of Friends Colony, Industrial Area.

R. P. RAJESH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III Delhi/New Delhi

Date: 10-10-1985

Seal ·

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

> ACQUISITION RANGE-III AGGARWAL HOUSE 4/14-A, ASAF ALI ROAD NEW DELHI

New Delhi, the 9th October 1985

Ref. No. IAC/Acq.III/SR-IV/2-85/1425.—Whereas, 1, R. P. RAJESH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a lair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing
No. J-2/8, Krishan Nagar, Vill. Chaundh Shahdare, situated at New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed herete) has been transferred

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office

of the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the officer of the Work Delhi in Feb., 1985 market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concediment of any income or any motive of other issue, which have no been of the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :-

Shri Prem Chand Bansal S/o late Shri Kirpal Ram Bansal, J-2/8, Krishan Nagar, Delhi-51.

(Transferor)

(2) Shri B. R. Sardana S/o Shri Ram Chander Sardana R/o K-7, Krishan Nagar, Delhi-51

(Transferce)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this pointe in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. Whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as git n in that Chapter.

THE SCHEDULE

Built up property built on Eastern portion of a plot No. J-2/8, area about 101, sq. yds. abadi of Krishan Nagar, vill. Ghoundali Shahdara, Delhi-51.

> R. P. RAJESH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III Delhi/New Delhi

Date: 9-10-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE-III AGGARWAL HOUSE 4/14-A, ASAF ALI ROAD NEW DELHI

New Delhi, the 9th October 1985

Ref. No. IAC/Acq.III, SR-IV, 3-85/1426.—Whereas, I,

R. P. RAJESH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable

property having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing Prop. Old No. 215 (New No. D-6/13), Krishana Nagar situated at Delhi-51

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at New Delhi in Feb., 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid expeeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the wonsideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, is associated of any income arising from the transfer; and/or
- **D) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922

 ** of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I bereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely --

 Sub. Major (Retd.) Mohan Singh S/o Shri S. Joginder Singh, R/o No. D-6/13, Krishan Nagar, Delhi-51.

(Transferor)

(2) Dr R. K. Kapoor Dr. R. K. Kapoor S/o Sh. O. P. Kapoor and Dr. Vintia Kapoor W/o Shri R. K. Kapoor, R/o No. J-1, Krishan Nagar, Delhi-51.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquistion of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION :-- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Property Old No. 215, (New No. D-6/13), measuring 233-1/3, sq. yds. in the area of Vill. Ghondli, in Krishana Nagar, Delhi-51.

R. P. RAJESH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-III Delhi/New Delhi

Date: 9/10/1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF ENDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

> * ACQUISITION RANGE-III AGGARWAL HOUSF 4/14-A, ASAF ALI ROAD NEW DELHI

New Delhi, the 4th September 1985

Ref. No. IAC/Acq.III/37EE/2-85/795.—Whereas, I, R. P. RAJESH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immuvable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,009/and bearing No.

No. 33, Daya Nand Vihar situated at Delhi-92

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of

the Competent Authority at at !A.C. ACQ. III, New Delhi in Feb., 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of ;--

(a) facilitating the reduction or evasion of the fiability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Ast, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:— (1) Shri Amarjit Singh Duggal S. o Sh. Manohai Singh Duggal, R/o N-26, Rajouri Garden, New Delhi,

(Transferor)

(2) Shri Sharwan Kumar Saraogi S o Shii Ram Gopal Saraogi, R/o 23/4780, Ansari Road, Darya Ganj, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said iramovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Clauette

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Semi-constructed & unlinished & unfurnished structure consisting of three bed rooms, one drawin-cum-dining, three toilets, one kitchen, one garage on G. F. and one room and a toilet on F.F. on plot no. 33, Dayanand Vihar, Vikas Marg, Delhi-92. (Plot area 302.75 sqyd.)

R. P. RAJESH Competent Authority. Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III Delhi/New Delhi

Date: 4-10-1985

FORM ITNS.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(1) Smt Sushil Kau and Sh S Majinder Singh, H No 352, Sector 9-D, Chandigarh.

(Transferor) (2) Smt Madhu Gupta and

Sh Ramesh Gupta, H No 5212, G B Road, Delhi-6

(Transferec)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX

> ACQUISITION RANGF-III AGGARWAL HOUSE 4/14 A, ASAF ALI ROAD NEW DELHI

New Delhi the 4th October 1985

Ref No IAC/Acq III/37EH/2-85/796 —Whereas, I,

Ref No IAC/Acq III/37EH/2-85/796—Whereas, I, R P RAJESH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 1,00,000/- and bearing Flat No 202 22 Kastorba Gandhi Marg situated at New Delhi:

Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the IT Act, 1961 (43 of 1961) in the office of the Registering Officer

at IAC ACQIII, New Delhi in Feb., 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the considuation for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of -

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EAPIANATION -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Flat No 202, 22, Kasturba Gandhi Marg, New Delhi-1 Area

> R P. RAJESH Competent_Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
> Acquisition Range-III Delhi/New Delhi

Now therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

4-10 1985 Date Scal

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF ENDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE III AGGARWAL HOUSF, 4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 4th October 1985

Ref. No. IAC/Acq.III/37FE/2-85/797.—Whereas, I, R. P. RAJESH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 and bearing

Space No. 'D', E-4/15, Jhandewalan Extension, situated at New Delhi

transfer with the object of :-

tand more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the I.T. Act. 1961 (43 of 1961) in the Office of the Registering Officer at I.A.C. ACQ.III, New Delhi on February, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair

I.A.C. ACQ.III, New Delhi on February, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the aid instrument of

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferree for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1972 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

 M/s. Ashok Buildets, E-2/6, Jhandewalan Extension, New Delhi.

(Transferor)

(2) M/s. Eastern Enteriors Pvt, Ltd., Sembave Chambers, Sir P. M. Road, Bombay-400001.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persona whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Space No. 'D', E-4|15, Jhandewalan Extension, Extension, New Delhi.

R. P. RAJESII
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III.
Delhi New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the afore-aid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following pers was, namely:—

Date: 4-10-85

Scai :

FORM No ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE ENCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-III AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALL ROAD, NEW DETHI

New Delhi, the 4th October 1985

Ref No IAC Acq III, 37EF/2 85, 798 —Whereas, 1, R P RAIFSH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 1,00,000]- and bearing Flat No 17 at 1st Floor on B-5 Rajindra Park situated at New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the IT Act, 1961 (43 of 1961) in the Office of the Registering Officer at

IAC ACQ III, New Dolhi on February, 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of '-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, sad/ar
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been er which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Ast, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuause of Section 269C of the said Act, I bereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the followpersons namely :---

(1) M/s. Ashoka Builders & Construction, L-2/6, Ihandewalan Extension, New Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Pian Nath Co Patna Kirayana Store, Station Road, Patna-800001

(Transferee)

Objections, if any, to the acquirtion of the said property may be made in writing to the una-traigned :-

- (a) by any of the aforesast persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Constite or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immevable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 17 at 1st floor on B 5, Rajindra Park, Pusa Road, New Dolhi

> R P RAJESH
> Competent Authority
> Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
> Acquisition Range-III Delhi New Delhi

Date: 4-10-85

MOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE III AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 4th October 1985

Ref. No. IAC/Acq.III/37EE/2-85/799,---Whereas, 1. R. P. RAJESH.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-

property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/and bearing No. 8, consisting or 12 Car Parking situated at 5, Bhikaji Cama Place, New Delhi (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the LT. Act, 1961 (43 of 1961) in the Office of the Registering Officer at LA.C. ACQ.III, New Delhi on February, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparant consideration and that the

fifteen per cent of such apparant consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or:

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1937 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269°D of the said Act, to the following remons. summely:—87—316 GI|85

(1) M/s. Som Datt Builders (P) Ltd., 56, Community Centre, East of Kailash. New Delhi.

(Transferor)

(2) Mr. Ashwoni Kumar Goyal, Master Anil Kumar Goyal (Minor), Master Aman Kumar Goyal (Minor), R o M-285, Greater Kailash-II, New Delhi.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Complete Wing No. B, consisting of 12 Car Parking on Lower Ground Floor in Building No. 5, Bhikaji Cama Place, New Deshi.

R. P. RAJESH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-11
Delhi/New Delhi

Date: 4-10-85

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE III AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 4th October 1985

Ref. No. IAC/Acq.III/37EI-/2-85/800.--Whereas, I,

R. P. RAJESH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable and the said Act') have reason to believe that the immovable and the said Act. property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000]-

and bearing No.

5, Bhikaji Cama Place s'tuated at New Delhi
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the I.T. Act, 1961 (43 of 1961)

has been transferred under the 1.1. Act, 1901 (43 of 1901) in the Office of the Registering Officer at 1 A.C. ACQ.III. New Delhi on February, 1985 for an apparent consideration which is less Jan the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the and Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely (1) M/s. Som Datt Builders (P) Ltd., 56, Community Centre, East of Kailash, New Delhi.

(Transferor)

(2) M/s. Narendar Anand (HUF), Mrs, Nirmal Anand, C-202, Defence Colony, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Complete Wing No D, consisting of 7 Car Parking on Lower Ground floor in Building No. 5, Bhikaji Coma Place, New Delhi.

> R. P. RAJFSH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Delhi/New Delhi

Date: 4-10-85 Seal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

 Bhai Surjit Singh & Sons (HUF), C/o Hotel President, 4/239, Asaf Ali Road, New Delhi.

er til Telegramman i efter menyerany i er en sen i en

(Transferor)

(2) Mrs. Nirmal Anand, Miss Bhinu Anand (Minor), Miss Bharti Anand (Minor), R/o C-202, Defence Colony, New Delhi.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE III AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAI: ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 4th October 1985

Ref. No. IAC/Acq.III/37EE/2-35/801.—Whereas, I, R. P. RAJESH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00.000|- and bearing No. LC-2, in 5, Bhikaj Cama Place situated at New Dtlhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the I.T. Act, 1961 (43 of 1961) in the Office of the Registering Officer at I.A.C. ACQ.III, New Delhi on February, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein an are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/o:
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Receiption No. LG-2, on Lower ground floor, in 5, Bhikaji Cama Place, New Delhi. Area 325 sq. ft.

R. P. RAJESH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III,
Delhi/New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Date : 4-10-85

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE III AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 4th October 1985

Ref No IAC/Acq III/37EE/2-85/802—Whereas, I, R. P. RAJESH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 1,00,000 and bearing No 385, Second Floor, 5/67 Padam Singh Road, WEA, situated at Karol Bagh, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the LT Act, 1961 (43 of 1961) in the Office of the Registering Officer at 1 AC, ACQ III, New Delhi on February, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(1) M/s Pal Mohan Construction Co, 6/4792, Chandui Chowk, Delhi-6

(Transferor)

(2) Mis Usha Matta, 26, North Avenue, Punjabi Bagh, New Delhi,

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

No 305, on second floor, 5/67, Padam Singh Road WEA. Karol Bagh, New Delhi. Area 282 sq. ft.

THE SCHEDULE

(1) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Weakh-tax Act, 1957 (27 of 1957).

R P RAJESII
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III
Delhi/New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date 4-10-85 Seal .

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-III AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 4th October 1985

Ref. No. IAC/Acq-III/37EE/2-85/805.-Whereas I, R. P. RAJESH,

being the Competent Authority under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 /(43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1.00,000 and bearing

No. A-1/31, Janak Puri situated at New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the I.T. Act, in the Office of the

has been transferred under the I.T. Act, in the Office of the registering Officer at I.A.C. ACQ. III, New Delhi on Feb. 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforsaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as asserted to be transfer. that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: md/or
- (b) facilitating the concealment of any income or say moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922). or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Shri Jassu Mel s/o Sh. Dharam Dass, r/o. 216-H, (MIG Flat), Rajouri Garden, New Delhi.

(2) Shri Yuv Raj Sehgal s/o Sh. Madan Lal Sahgal, 283/16-A₀ Vishnu Garden,

New Delhi.

(Transferee)

(Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice m the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the pul cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. A-1|31, Janak Puri, New Delhi Measuring 666 sq. mtrs.

> R. P. RAJESH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III Delhi/New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:--

Date: 4-10-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-III AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delbi, the 4th October 1985

Ref. No. IAC/Acq-l11/37EE/2-85/806.—Whereas I, R. P. RAJESH,

Income-tax. Acquisition Range, Bangalore, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1.00.0001- and bearing No.

as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1.00.000]—and bearing No. Qr. No. 7/40. Old Rajinder Nagar, situated at New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the I.T. Act, 1961 (43 of 1961) in the Office of the Registering Officer at I.A.C. ACQ. III. New Delhi on Feb. 1985 for an apparent consideration which is less than the

I.A.C. ACQ. III. New Delhi on Feb. 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferes for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1937 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the Issue of this notice under subsection (1) or Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Smt. Nirmala Devi Arya wd/o Shri S. P. Arya, Old Rajinder Nagar, r/o 7/40, New Delhi. (Transferor)

(2) Sh. Ashok Kumar s/o Sh. Chaman Lal House No. 4294 Gali No. 59, Regarpura, K. Bagh,

New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
 45 days from the date of publication of this notice
 in the Official Gazette or a period of 30 days from
 the service of notice on the respective persons,
 whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA or the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Qr. No. 7/40, old Rajinder Nagar, New Delhi. Area Govt. Built Quarter 85.9 sq. yds.

R. P. RAJESH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III
Delhi/New Delhi

Date: 4-10-1985

FORM ITNE-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-III AGGARWAL HOUSE, 4/14-A. ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 4th October 1985

Ref. No. IAC/Acq-III/37EE/2-85/807.—Whereas I, R. P. RAJESH,

being the Competent Authority under Section 269 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|and bearing

Flat No. 104 Plot No. 11, Yusaf Sarai, situated at New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the I.T. Act in the Office of the registering Officer at I.A.C. ACQ. III, New Delhi on Feb. 1985

for an apparent consideration which is, less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any incoms arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income of any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transfered for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tux Act. 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the sent Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the insue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the fellowing persons, namely :---

(1) Smt. Lalit Thapar & Master Bhupesh Thapar r/o K-31, Green Park, New Delhi.

(Transferor)

(2) Smt. Sadhna Chawala, Master Varun Chawala & Mater Karan Chawala, H. No. 164, Scctor 11-A, Chandigarh.

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 104, First Floor on Plot No. 11, Yusaf Sarai, New Delhi. Area 240 sq. ft,

> R. P. RAJESH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III Delhi/New Delhi

Date: 4-10-1985

FORM ITN9-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 4th October 1985

Ref. No. IAC/Acq-III/37EE/2-85/808.—Whereas I, R. P. RAJESH.

being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|- and bearing Flat No. 308, A-2, Minan Cinema Complex, situated at New

Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the I.T. Act. 1961 (43 of 1961) in the office of the Registering Officer at I.A.C. ACQ, III, New Delhi in Feb. 1985 for an apparent consideration which is less than the fair

market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, is respect of any income arising from the transfer andlor

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the Said Act to the following nersons, namely :-

(1) Dr. Vikash C. Kashyap (H.U.F.) Ganesh Villa, J 212, Saket, New Delhi-17.

(Transferor)

(2) Mohd. Jamshed, 5104, Qudratullah Street, Quesh Nagar, Sadar Bazar, Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning is given in that Chapter.

THE SCHIDULF

Flat No. 308, A-2, Milan Cinema Complex, Najafgarh Road, New Delhi. Area 365, sq. ft.

> R. P. RAJESH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III Delhi/New Delhi

Date: 4-10-1985

FORM ITNS

The latest the same of the sam

NOTICE UNDER SECTION 269D(I) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE-III AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 4th October 1985

Ref. No. IAC/Acq-IJI/37EE/2-85/809.—Whereas I, R. P. RAJESH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe

that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|- and bearing Shop No. 3, Sethi Bhavan, 7, Rajendra Place, situated at Pusa Road, New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the I.T. Act, 1961 (43 of 1961) in the Office of the Registering Officer at

in the Office of the Registering Officer at I.A.C. ACQ 111, New Delhi in Feb. 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the flability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concentment of any income or any moneys or other assets which have not been as which ought to be disclosed by the transferor for the surposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269°D of the said Act, to the following persons, namely:—

88--316 GT|85

(1) Mrs. Kumud Gupta, 87, Sundar Nagar, New Delhi-3.

(Transferor)

(2) Mrs. Manjeet Kaur, D-245. Nirman Vihar, New Delhi-92.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop No. 3, Sethi Bhavan, 7, Rajendra Place, Pusa Road, New Delhi-8, Arca 207 sq. ft.

R. P. RAJESH
Competent Authority
Inspecing Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III
Delhi/New Delhi

Date: 4-10-1985

(1) M/s. Pal Mohan Construction Co., 6,4792 Chandani Chowk Dolhi.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

Mrs. Krishna Sachdeva 9Λ/52 W.Ε.Λ. New Delhi.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-III
AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 16th September 1985

Ref. No. IAC|Acq-II|2-85|37EE|809A.—Whereas I. R. P. RAJESH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1.00,000/-and bearing No.
5, N.W.A. Punjabi Bagh Village Madipur situated at

New Delhi

New Delhi (and more ully, described in hte Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1961 (43 of 1961) in the Office of the Registering Officer at I.A.C. ACQ. II, New Delhi on Feb. 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesad property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to betand that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instru-ment of transfer with the object of :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; andlor

THE SCHEDULE

5 N.W.A. Punjabi Bagh Village Madipur, New Delhi.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been for which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

R. P. RAJESH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Delhi/New Delhi

New, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:--

Dats : 16-9-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, NEW DELHI

New Delhi, the 4th October 1985

Ref. No. IAC/Acq.III/37EE/2-85/810.—Whereas, I, R. P. BAJESH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable Property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000-and hearing No.

and bearing No.

2-A, Bhikaji Cama Place, situated at New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the J.T. Act 1961 (43 of 1961) in the Office of the registering Officer at I.A.C. Acq. III, New Delhi on Feb. 1985

for an apparent consideration which is less than the tair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than atteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of .—

 M/s. Kailash Nath & Associates, 1006, Kanchenjunga, 18, Barakhamba Road, New Delhi-110001.

(Transferor)

(2) Mrs. Nutan Gupta, C/o Dr. Anil Gupta, Deptt. of Paedriatics, Al Huwaylat Hospital, P.O. Box 10083, Madinat AI Sananjah, AL JUBAIL, Kingdom of Saudi Arabia.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immevable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Weslth-tax Act, 1937 (27 of 1937);

Shop SPACE No. F-1, and F-2, areas 109, srt. and 220 srt. respectively with balconies included, on first floor of proposed multi-storeyed commercial bldg. ALPS at 2-A, Bhikaj Cama Place New Delhi-66.

R. P. RAJESH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III, Delhi/New Delhi

Date: 4-10-85 Seal:

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I bereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection '11 of Section 269D of the said Act, to the following personal and well:—

FORM NO. I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, NEW DELHI

New Delhi, the 4th October 1985

Ref. No. IAC/Acq.III/2-85/37EE/811.--Whereas, I, R. P. BAJESH,

R. P. BAJESH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing H. No. 4, Rd. No. 7 Punjabi Bagh Extn. situated at Naw Delhi

New Delhi

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the I.T. Act, 1961 (43 of 1961) in the Office of the registering Officer at

I.A.C. Acq. III, New Delhi on Feb. 85 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) Sh. Ram Lubhaya Handa, R/o 30/3, Punjabi Bagh Extn., New Delhi.

(Transferor)

(2) Sh. G. D. Gupta, 4B/46, School Marg, Old Rajinder Nagar, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, which-ever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the same Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reductoion or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/er

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

House No. 4, Road No. 7, Punjabi Bagh Extn., New Delhi. Area 1080 sq. ft.

> R. P. RAJESH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-ta Acquisition Range-III, Delhi/New Delni

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice hereby under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Date: 4-10-85 Scal :

FORM ITNS

(1) Sq. Ldr. Anil Gupta, Mrs. Seeta Gupta, & Col. S. P. Gupta, 31, Sainik Earm, P.O. Khanpur, New Delhi-62.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) M/s. Khemka Technical Services (P) Ltd., 21-A, Shekespear Saraini, Calcutta-17.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, NEW DELHI

New Delhi, the 7th October 1985

Rcf. No. IAC/Acq. III/37EE/2-85/812.—Whereas, I, R. P. BAJESH,

k. P. BAJESH,
being the Competent Authority under Section 269B of the
knowne-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding
Rs. 1,00,000|- and bearing
Flat No. 614, B, at 9 Bhikaji Cama Place,
inverted at New Politic

situated at New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the IT. Act in the Office of

the Registering Officer at I.A.C. ACQ.III, New Delhi on Feb. 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have it son to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than tifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:— Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; andlor
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferoe for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the and Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Flat No. 614-B, at 9 Bhikaji Cama Place, New Delhi. Under Construction. Area 353 sq. ft.

THE SCHEDULE

R. P. RAJESH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Delhi/New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 7-10-85

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-III, NEW DELHI

New Delhi, the 4th October 1985

Ref. No. IAC/Acq.III/37EE/2-85/813.—Whereas, I. R. P. BAJESH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Art, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'suid Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00.000 and bearing No. UGK-7, at 5. Bhikaji Cama Place, situated at New Delhi (and mark fully described in the Schedule appared beauty)

fund more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the I.T. Act in the Office of the Registering Officer at I.A.C. ACQ. III, New Delhi on Feb. 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer us agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the transferor to pay tax under the said Asia respect of any income arbing from the transactor.

(b) facilitating the concentment of any income or any moneys or other asset which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income ax Act, 1922 (11 of 1922) or the mid Ast, or the Wealth-tax Act, 1937 (27 of 1937);

(1) Som Datt Builders (P) Ltd. 56, Community Centre, East of Kailash, New Delhi.

(Transferor)

(2) Harish Chandra,Sector, 9, Flat No. 858,R. K. Puram, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforestals persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable graphity, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazetto.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Ast, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Kiosk No. UGK-7, on upper ground floor at 5, Bhikaji Cama Place, New Delhi. Area 54 sq. ft.

> R. P. RAJESH Competent Authority
> Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Delhi/New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 2690 of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons namely :---

Dated: 4-10-85

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOMETAX,

ACQUISITION RANGE-III, NEW DELHI

New Delhi, the 7th October 1985

Ref. No. IAC/Acq.III/37EF/2-85/814.—Whereas, J, R. P. BAJESH. being the Competent Authority under Section 269 B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the binmovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/4 and bearing No. 61/6, Old Rajinder Nagar, situated at New Delhi (and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred under the I.T. Act in the Office of the Registtring Officer at I.A.C. ACQ. III, New Delhi on Feb. 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferrer for the purposes of the Indian Income-tax Ast, 1932 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the Act, to the following persons, namely:—

 Smt. Waryam Kaur w/o Sh. Bhagarat Singh r/o 61/6, Old Rainder Nagar, New Delhi.

(Transferor)

(2) Smt. Bharti Talrea W/o, Sh. Tikam Chand Talreja R/o 6/65, W.E.A. Karol Bagh, New Delhi-. Smt. Indra Talraja W/o Sh. Shree Chand R/o 4D/33, Old Rajinder Nagar, New Delhi. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by may other person interested in the said immevable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in the Chapter.

THE SCHEDULE

Govt. Bilt 61/6, Old Rajinder Nagar, New Delhi rebuilt into 31 storey. (85.9 sq. yds.)

R. P. RAJFSH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III, Delhi/New Delhi

Dated: 7-10-85

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, NEW DELHI

New Delhi, the 7th October 1985

Ref. No. IAC/Acq.III/37EE|2-85|815—Whereas, I, R. P. BAJESH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Vacant residential Plot No. 209, Ram Vihar, situated at Delhi-92. (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the I.T. Act in the Office of the Registering Officer at I.A.C. ACQ. III, New Delhi on Feb. 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforewaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of

transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Sh. Inderjit Taneja,
 S/o Sh₄ Bhoja Ram, C/o Tanja Photostate,
 pleasure Gdr. Mkt. Chandni Chowk, Delhi.

(Transferee)

(2) Smt. Kumkum W/o Sh. S. S. Varshney, R/o 3925, Keseruwalan, Pahr Ganj, New Delhi-55.

(Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Vacant residential plot No. 209, Ram Vihar, Delhi-9' measuring 254 67 syd.

R. P. RAJESH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III, Delhi/New Delhi

Dated: 7-10-85

FORM ITNS ---

NOTICE UNDER SECTION 269 D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 4th October 1985

Ref. No. IAC/Acq.III/37EE/2-85/816,-Whereas, I, R. P. RAJESH,

R. P. RAJESH, being the Competent Authority under Seation 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs 1,00 000/- and bearing Space No. 8, Plot No. 1, Kaushalye Park situated at Hauz Khae, New Delhi (and many fully described in the Schedule 1998).

(and mne fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the I.T. Act in the Office of the Registering Officer at

I.A C. ACQ. III, New Delhi on Feb., 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as storesa d exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act. in respect of any income arising from the transfer; and or

(b) [acilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1937);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the sakt Act, I bereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:--89-316GI/85

(1) Surya Enterprises Pvt. Ltd., No. 1, Kaushalya Park, Hauz Khas, New Delbi.

(Transferor)

(2) Mrs. Phool Bindra, Wo Sh. Nand Kishore Bindra, L-34, Kirti Nagar, New Delhi.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective person, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immov-able property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION .—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Space No. 8 on ground floor of building on plot No. 1, Kaushalya Park, Hauz Khas, New Delhi. Area 190 sq. ft.

R. P. RAJESH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III Delhi/New Dalhi

Date: 4-10-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUSITION RANGE-II, AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD. NEW DELHI

New Delhi, the 16th September 1985

Ref. No. IAC/Acq. II/2-85/37EE/816A.—Whereas, I, R. P. RAJESH,

Income-tax, Acquisition Range, Bungalore, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'sald Act'), have reason to believe that

the immovable property, having a fair market value exceeding R_S, 1,00,000/- and bearing

Flat No. 11 at 9, Pusa Road, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the I.T. Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at I.A.C. Acq. II, New Delhi Feb., 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evenion of the installity of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising trees the transfer; find for
- (b) facilitating the controllment of any income or any moneys or other the first which have not been or which ought to be and and by the transfered for the purposes of the fixing income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceeding, for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Harvinder Singh Marwah C/o Messrs, General Sales Agency, 108, Guru Nanak Auto Market, Kashmere Gate, Delhi

(Transferor)

Shri Mahinder Nath
 Mrs. Mahesh Nagie and
 Shri Rajiv Nagia
 65/81, Rohtak Road,
 New Delhi.

ANT ANTENDED AT STREET

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the mid immovable property within 45 days from the date of the publication of the notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used nerein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter,

THE SCHEDULE

Flat No. 11 at 9 Pusa Road, New Delhi.

R. P. RAJESH
Competent Authorary
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-III
Delhi/New Delhi

Date: 16-9-1985

Scal ;

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-III, AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 4th October 1985

Ref. No. IAC/Acq.III/37EE/2-85/817.—Whereas, 1. R. P. RAJESH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act', have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. No. 9-9 Renyt Nagar Com. Centre situated at New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the I.T. Act in the Office of the Registering Officer at

has been transferred under the I.T. Act in the Office of the Registering Officer at 1.A.C. ACQ. III, New Delhi on Feb., 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than filten per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of: of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) M/s. Guru Nanak Construction Co. R-7/8, Green Park, Etension Market, New Delhi,

(2) Mrs. Renka Soni, G-185, Naraina Vihar, New Delhi.

(Transferor)

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in the Chapter.

THE SCHEDULE

Office space measuring 224 sq. ft. on meznine floor in multi-sto-eyed building No. B-9, Ranjit Nagar Com. Centre, New Delhi.

> R. P. RAJESH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III Delhi/Now Delhi

Dai 4-10-1985 Seal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-HAX, ACQUISITION RANGE-III, AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD, New Delhi

New Delhi, the 7th October 1985

Ref. No. IAC/Acq.III/37EE/2-85/818.—Whereas, I. R. P. RAJESH,

being 'he Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to be the 'said Act') have reason to believe that the Immovable property having a fair market value exceeding Re 1.00 000 (- and bearing

Immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Plot No. 365, Gagan Vibra situated at Delh-92 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the I.T. Act, 1961 (43 of 1961) in the Office of the Registering Officer at I.A.C. ACQ. III, New Delhi on Feb., 1985 for an apparent consideration which is less than the fair

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the suid Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

 Mr. K. L. Manchanda, I.A.C. Radio O/H Divn., 11, Gagan Vihar, Near Bequmeet, Airport Hyderabad, A.P.-16.

(Transferor)

(2) Mrs. Usha Jain. C-90, Nirman Vihar, Delhi-92.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the unders.gned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 365, Gagan Vihar, Delhi-92, Area 222.53 sq. yds.

R. P. RAJESH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III
Delhi/New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act. to the following persons, namely:—

Date : 7-10-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

UFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 4th October 1985

Ref. No. IAC/Acq.III/37EE/2-85/819.—Whereas, I, R. P. RAJESH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value of Rs. 1,00,000|-and bearing

Flat No. 202, 5, NWA, Punjabi Bagh situated at New Delhi (und more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the I.T. Act, 1961 (43 of 1961) in the Office of the Registering Officer at I.A.C. ACQ. III, New Delhi on Feb., 1985

for an apparent consideration which is less than the fair natket value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforeand exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument

of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) M/s. Pal Mohan Construction Co., 6/4792, Chandni Chowk, Delhi-6.

(2) Shri Ravi Bajaj, H-81/2, Shiyaji Park, New Delhi

(Transferce)

(Transferor)

Objection, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 202, II floor, Pal Mohan Appartments, No. 5, NWA, Punjabi Bagh, New Delhi.

R. P. RAJESH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III
Delhi/New Delhi

Date: 4-10-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Smt. Amrit Kaur, 2263/1, Shaidipura, Delhi,

(Transferor)

(2) Mr. Aditya Datt, 11-B, Rajindra Park, New Delhi.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-III, AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 7th October 1985

Ref. No. IAC/Acq.III/37EE/2-85/820.-Whereas, I, R. P. RAJESH,

being the Competent Authority under Section 269B of the mount tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding ks. 1,00,000/- and bearing
Vacant Plot No. 33, New Bajdhani Enclave situated at

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the I.T. Act, 1961 (43 of 1961) in the Office of the Registering Officer at

Registering Officer at
Registering Officer at
Registering Officer at
I.A.C. ACQ. III, New Delhi on Feb., 1985
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette of a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (2) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; andlor

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Vacant Plot No. 33, New Rajdhani Enclave, Delhi-92, Area 253.16 16 sq. yds.

> R. P. RAJESH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III Delhi/New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this nerice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Dato: 7-10-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-III, AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 7th October 1985

Ref. No. IAC/Acq.III/37EE/2-85/4.85/936.—Whereas. I, R. P. RAJESH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immevable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Municipal No. 10009, Plot No. 2, Block 10, situated at

Municipal No. 10009, Plot No. 2, Block 10, situated at W.E.A. Karol Bagh, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the I.T. Act, 1961 (43 of 1961) in the Office of the registering Officer at I.A.C. Acq. III, New Schliff Edward 1084 Delhi in February, 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by the more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instruments of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Weelth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269-C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) Mr. Sushil Kumar Sachdeva,

2. Mr. Rajeev Sachdeva, r/o H. No. 3470 Nicholson Road, Delhi.

3. Mr. Harvinder Pal Singh, &

Mr. Surineder Pal Singh, r/o 38/43, Punjabi Bagh, New Delhi-26.

(Transferce)

(2) 1. Mr. A. Venkateswara Rao & 2 Mr. A. Krishna Mohan, r/o 1-103, Ashok Niketan, DDA Colony, Nariana, New Delhi-28,

(Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said point of may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the same immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazetto.

EXPLANATION:-The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Municipal No. 10009, Plot No. 2, Block No. 18 W.E.A. Karol Bagh, New Delhi-5, Land measuring 240 sq. yds.

> R. P. RAJESH Competent Authority
> Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Delhi/New Delhi

Date: 7-10-85

Seal 1

TANDA A PERSONAL PROPERTY OF THE PROPERTY OF T

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-III.

AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 7th October 1985

Rof. No. IAC/Acq. III/37EE/2-85/4-85/877.—Whereas, I. R. P. RAJESH.

being th. Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) thereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the in movable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/ - and bearing No. Plot No. 33. Block TU, Pitam Pura situtted at Vishakha

Enclave, Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the I.T. Act, 1961 (43 of 1961) in the Office o the registering Officer at I.A.C. Acq. III, New

Delhi in February, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfers end/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the saio Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesa d property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :--

(1) Sh. Dev Arora, A-25, Krishna Park, New Delhi.

(Transfero:)

(2) Mrs. Rachna Grover. 3244, Kucha Hafiz Ranna, Bahadur Garh Road, Delhi.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said p operty may be made in writing to the undersigned:-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXV of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULB

Plot No. 33, Block TU, Pitam Pura, Vishakha Fnclave, Delhi.

> R. P. RAJESH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Delhi/New Delhi

Date: 7-10-1985

and a second and the second and the

FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Smt. Rani Marwaha, B-63, Rama Park, Najafgarh Road. New Delhi.

(Transferor)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Sh. Davinder Kumar Gandhi, B-58, Sharda Puri, Ramesh Nagar,

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-III, AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

New Delhi, the 7th October 1985

Ref No. IAC/Acq. III/37EE/2-85/4-85/885.—Whereas, R, P, RAJESH. being the Competent Authority under Section 269B of the

Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immevable property having a fair market value exceeding Rs. 1.00,000/- and bearing No

Plot B-6, Rama Park, situated at New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the I.T. Act, 1961 (43 of 1961) in the Ollice of the registering Officer at I.A.C. Acq. III, New Delhi in February, 1985

for an appaient consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believed that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with hte object of :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in chapter.

- (a) faciliating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act. in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (a facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (\$1 of 1922) or the said Act, of the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1967);

Plot No. B-6, Rama Park, New Delhi, Area 250 sq. yards.

THE SCHEDULE

R. P. RAJESH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III. Delhi/New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this netice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---90-316GT/85

Date: 7-10-85

FORM ITNS----

(1) M/s R. C. Sood Company Limted Eros Cinema Buliding Jangpura, New Delhi.-14. (Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Reliable Agro Engg. Services
(P) Ltd. GT New Courts Road Jullunder (Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-III, AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 16th September 1985

Ref. No. IACI/Acq.II/2-85/37EE/582.—Whereas, I. R. P. RAJESH,

k. P. RAJESH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereimafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Plot No. A-1/3, Naniwala Bagh, Azadpur Delhi situated at Space No. 1. Grapped Eleger

Space No. I, Ground Floor

Space No. I, Ground Floor (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the I.T. Act, 1961 (43 of 1961) in the Office of the registering Officer at I.A.C. Acq. III, New Delhi m February, 1985 for an apparent consideration which is less that the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration. more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilizating the reduction or evasion of the fability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer. and /ec
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been for which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immevable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

l'XPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Space No. I, Ground Floor Plot No. A-1/3, Naniwala Bagh Azadpur, Delhi

> R. P. RAJESH Competent Authority
> Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Runge-III, Delhi/New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Date: 16-9-1985

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

 M/s Kailash Nath & Associates, 1006, Kanchenjungra, 18 Barakhamba Road, New Delhi.

(2) New Bank of India, 1, Tolstoy Marg, New Delhi. (Transferor)

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX.

> ACQUISITION RANGE-II, AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 16th September 1985

Ref. No. IAC/Acq.37EE/2-85/583/IAC/Acq.II,N Delhi.—Whereas, I. K. VASUDEVAN.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000]- and bearing

No. 2 Ajudhia Apartments at 18 South Patel Nagar, N. Delhi situated at

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the I.T. Act, 1961 (43 of 1961) in the Office of the Registering Officer at New Delhi on February 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of;—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Residential flat No. G-2 Plinth area 1414 sq. ft. on the ground floor of the proposed group Housing Scheme AJUDHIA APARTMENTS at 18 South Patel Nagar, New Delhi.

K. VASUDEVAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III, Delhi/New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Date: 16-9-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (45 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, AGGARWAL HOUSE, 4/14-A. ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 16th September 1985

Ref. No. IAC/Acq.II/2-85/384.—Whereas, l. K. VASUDEVAN. being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 and bearing

Plot No. A-1/3 Naniwala Bagh, Azadpur, Delhi situated at Space No. 3. Intermediate Floor, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the I.T. Act, 1961 in the Office of the Registering Officer at

on Feb. 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which engit to be disclosed by the transferre for the surpress of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

 M/s. R. C. Sood & Company Limited Eros Cinema Building Jangpura Extn., New Delhi.

(Transferor)

 The Punjab Kashmir Finance (P) Ltd., 19, G. T. Road, Jullunder.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Space No. 3 on Intermediate Floor Plot No. A-1/3, Nani-wala Bagh, Azadpur, Delhi.

K. VASUDEVAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceeding for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 16-9-1985

FORM LT.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT 'OMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, AGGARWAL HOUSE 4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 16th September 1985

Ref. No. IAC/Acq.II/2-85/37EE/585.—Whereas, I, K. VASUDEVAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the being the Competent Authority under Section 2025 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

Space No. 2 on Busement Floor A-1/3, Naniwala Bagh, Anadour Delbi

Azadpur, Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registeration Income Tax Act, 1961 in the office of the Registering Officer New Delhi in February, 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer are agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of --

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957): (1) R. C. Sood & Company Limited, Eros Cinema Building, Jagpura Extension, New Delhi.

(Transferor)

(2) The Punjab Kashmir Finance (P) Ltd., 19 G. T. Road, Jullunder,

[Transferee]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Space No. 2 on Basement Floor in the building at Plot No. A-1/3, Naniwala Bagh Azadpur, Delhi.

> K. VASUDEVAN Competent Authority
> Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
> Acquisition Range-II, Delhi/New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the atoresaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 16-9-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II. AGGARWAL HOUSE 4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 16th September 1985

Ref. No. IAC/Acq.-II/2-85/586.—Whereas, I, K. VASUDEVAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereafter referred to as the 'saki Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding exceeding Rs. 1,00.000/- and bearing

No. F-2, Ajudhiya Apartments at 18 South Patel Nagar

situated at New Delhi
(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registeration Income Tax Act, 1961 in the office of the Registering Officer

IAC. Range-II at New Delhi in February, 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/er
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

(1) M/s Kailash Nath & Associates, 1006, Kanchenjunga, 18 Barakhamba Road, New Delhi.

(Transferor)

(2) New Bank of India, 1, Tolstoy Marg, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Residential flat No. F-2, plinth area 1560 Sq. Ft. on first floor of Group Housing Schemes Ajudhiya Apartments at 18 South Patel Nagar, New Delhi.

> K. VASUDEVAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax—Acquisition Range-II, Delhi/New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:--

Date: 16-9-1985

FORM ITNS------

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

Shri Kartar Kumar, C/o 5130/29 Main Bazar Paharganj, New Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Rishamber Nath, 12/28 West Patel Nagar, New Delhi.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, AGGARWAL HOUSE 4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 16th September 1985

Ref. No. IAC/Acq.-II/2-85/587.—Whereas, I, K. VASUDEVAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Prop No. II/5 West Patel Nagar situated at New Delhi (and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred under the Registeration Income Tax Act, 1961 in the office of the Registering Officer at IAC. Range-II, New Delhi in February, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the seld instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act. or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immevable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Prop. No. 11/5 West Patel Nagar, New Delhi.

K. VASUDEVAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Delhi/New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 16-9-1985

FORM NO. I.T.N.S.

and the state of the first of the state of t

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-IAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II. AGGARWAL HOUSE 4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 16th September 1985

Ref. No. IAC/Acq-II/2-85/588.—Whereas, J, K. VASUDEVAN.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

perty, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. H-214, Ashok Vihar Phase-1, situated at Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registeration Income Tax Act, 1961 in the office of the Registering Officer at New Delhi in February, 1985

for an appearent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the said, Act, in suspent of site income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the communication any income or any managers or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferrer for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C at the said Act, I horsely initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Mrs. Charanjeet Batra,
 W/o Shri D. R. Batra,
 A-103, Ashok Vihar, Phase-II, Delhi.

(Transferor)

(2) Smt. Prem Latal Hoyal, H-214, Ashok Vihar Phase I, Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of the notice in the Official Ganette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

H-214, Ashok Vihar Phase I, Delhi.

K. VASUDEVAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Delhi/New Delhi

Date: 16-9-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE

INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II. AGGARWAL HOUSE 4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi the 16th September 1985

JAC/Λcq.-II/2-85/37FE/589.—Whereas, I, No K. VASUDEVAN,

being the Competent Authority

transfer with the object of :-

under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000]- and bearing No. CGF-11, Ansal's Dilkhush Industrial Estate, situated at

G. T. Kainal Road, Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Income Tax Act, 1961 in the office of the Registering Officer at New Delhi in February, 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than filteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

91-316GI/85

(1) M/s Poly Panel Industries. 2/68, Roop Nagar, Delhi-7.

(Transferor)

(2) Smt. Saroj Gupta, B-43. Ashok Vihar Phase-I, New Delhi.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective servens. whichever period expires inter;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this potice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaining as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

CGF-11, Ansal's Dill.hush Industrial Estate, G.T. Karnal Road, Delhi.

> K. VASUDEVAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Delhi/New Delni

Date: 16-9-1985

FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II. AGGARWAL HOUSE 4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 16th September 1985

Ref. No. IAC/Acq-II/2-85/37EE/590.—Whereas, I, K. VASUDI-VAN,

K. VASUDF VAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. CB-5, Ansal's Dilkhush Industrial Estate, situated at G.T. Karnal Road, Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto).

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registeration Income Tax Act.

has been transferred under the Registeration Income Tax Act. 1961 in the office of the Registering Officer at IAC Acq.-II, New Delhi in February, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facultating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

(1) Shri Krishana Narain and Shri Alok Kumar Gupta, 68 Medical Assn. Road, Daryaganj, New Delhi.

(Transferor)

(2) Mrs. Gulshan Sethi, W/o Shri Harish Kumar Sethi, A-16, Gujrewalan Town, Phase-II G. T. Karnal Road, New Delhi.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the erid immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazetta.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used hereix as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

CB-5, Ansal's Dilkhush, Industrial Estate, G.T. Karnal Road, Delhi.

> K. VASUDEVAN Competent Authority
> Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Delhi/New Delhi

Date: 16-9-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Allied Construction Co., G-5, Deepali, 92 Nahru Place, New Delhi. (Transferor)

(2) Shri Ranjit Goel, B-7/1, Safdarjang Enclave, New Delhi.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II

AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD

NEW DELHI

New Delhi, the 16th September 1985

Ref. No. IAC/Acq-II/2-85/591.—Whereas, I, VASUDEVAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having fair market value exceeding Rs. 1,00,000[-

and bearing Flat No. G-29 Ground Floor, Plot No. 2, situated at Old

Rohtak Road, Opposite Shahzada Bagh, Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration I.T. Act, 1961 in the office of the Registering Officer at IAC Acq.11, New Delhi on Feb 1985

for an apparent consideration which is less than the fai market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of the notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chanter.

(a) facilitating the reducion or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, respect of any income usining from the transfer; nadi/or

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any ranneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Flat No. G-29, Ground Floor area 278 sq. ft. to be constructed in "Allied House" flated factories Plot No. 2; Old Rohtak Road, Opposite Shahzada Bagh, Delhi.

> K. VASUDEVAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II

Now therefore, in pursuance of section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the llowing persons, namely :-

Date 16-9-1985 Seal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II AGGARWAL HÖUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD NEW DELHI

New Delhi, the 16th September 1985

Ref. No. IAC/Acq.II/2-85/37EE/592.—Whereas, I, K. VASUDEVAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the im-movable property, having a fair market value exceeding movable property, having a fair market exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. G-18, Plot No. 3 Old Rohtak Road, Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration I.T. Act, 1961 in the office of the Registering Officer at IAC Acq.II, New Delhi on Feb 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market vaule of the afgreesid property and I. have

market vaule of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-ta-Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-tection (1) of Section 269D of the said Act to the following pursons, namely toM/s. S. B. Sales Private Limited, UB-1, Ansal Bhawan, 16 Kasturba Gandhi Marg, New Delhi,

(Transferor)

(2) Mr. Yoginder Singh & Mrs.
Giriraj Singh Resident of Gobind Niwas, Gol Bagh
Road, Bharat Pur (Rajasthan). (Transferee)

Objections, it any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Industrial Space No. G-18, on ground floor in our proposed building Syndicate House on plot No. 3, Old Rohtak Rd., Delhi having a super built up area of 172 Sft.

> K. VASUDEVAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Delhi/New Delhi.

Date 16-9-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-II AGGARWAL HÖUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD NEW DELHI

New Delhi, the 16th September 1985

Ref. No. IAC/Acq.II/2-85/37EE/593--Whereas, I, K. VASUDEVAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable

respecty having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing

Industrial Space No. G-22, Plot No. 3, situated at Old Rohtak Road, Delhi.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under 'the Registration I.T. Act, 1961 in the office of the Registering Officer

tor an apparent consideration which is less than the 'u.

market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the by more than consideration for such transics as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in espect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or others assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-ta-Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I bereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:

- (1) M/s. S. B. Sales Private Limited, Builders & Promoters UB-1, Ansal Bhawan, 16 Kasturba Gandhi Marg, New Delhi.
- (Transferor) (2) Snrt. Pratima Hasija wife or Shri Satish Chander 26/4, East Patel Nagar, New Delhi.

(Transferec)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovlable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Industrial space No. G-22, on ground floor in our proposed building on plow No. 3, Old Rohtak Road, Delhi having a super Built up area of 235 sft.

K. VASUDEVAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Delhi/New Delhi.

Date 16-9-1985

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT. 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT, COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II AGGARWAI. HÖUSE. 4/14-A, ASAF ALI ROAD NEW DELHI

New Delhi, the 16th September 1985

Ref. No. IAC Acq.II/2-85/37EE/594.—Whereas, I, K. VASUDEVAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961(43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1.00.000/- and bearing Industrial Space No. G-23, Syndicate House, situated at 3 Old Rohtak Road, Delhi.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration I.T. Act, 1961 in the office of the Registering Officer

at IAC Acq.II, New Delhi on Feb 1985 at IAC Acq. II, New Delhi on Feb 1985

for an apparent consideration which is less than the
fair market value of the aforesaid property and I have
reason to believe that the fair market value of the
property as aforesaid exceeds the apparent consideration
therefor by more than fifteen per cent of such apparent
consideration and that the consideration for such transfer
as agreed to between the parties has not been truly stated in
the said instrument of transfer with the objects of :--the said instrument of transfer with the objects of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- rasilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferoe for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957): (b) fasilitating the concealment

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) M/s. S. B. Sales Private Limited, Builders & Promoters UB-1, Ansal Bhawan, 16 Kasturba Gandhi Marg, New Delhi. (Transferor)

(2) M/s. R. K. Mehta & Sons (HUF) C-6/9, Model Town, (Local Address) 4/21, Jawahar Nagar (HIG) Flats, Jaipur. 302004 (Correspondence address).

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be used in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of actice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immer-able property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: ---The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Ast, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Industrial Space No. G-23, on ground floor in our proposed building Syndicate House 3 Old Rohtak Road, Delhi, having a super built up area of 166 sft.

K. VASUDEVAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Delhi/New Delhi.

Date 16-9-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II AGGARWAI HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD NEW DELIHI

New Delhi, the 16th September 1985

Ref. No 1AC/Acq-II/2-85/37FE/595. -- Whereas, 1, K. VASUDEVAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the Rs. 1.00.000/- and bearing No.
Flat No. 306 Plot No. 3, Old Rohtak Road, Delhi has been transferred under the Registration I.T. Act, and more fully described in the schedule annexed hereto 1961 in the office of the Registering Officer at IAC Acq II, New Delhi on Feb 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and

that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of

transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; andlor
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

- M/s. S. B. Sales Private Limited, Builders & Promoters UB-1, Ansal Bhawan, 16 Kasturba Gandhi Marg, New Delhi.
 - (Transferor)
- (2) Master Syed Anwar S/o Sh. Syed Ahmad, C/o Wajidsons, 505; Kusal Bazar 32-33. Nehru Place New Delhi.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as givenin that Chapter.

THE SCHEDULE

Industrial flat No. 306 on third floor in our proposed building Syndicate House on plot No. 3, Old Rohtak Road, Delhi having a super built up area of 335 sft.

K. VASUDEVAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-11 Delhi/New Delhi.

Date 16-9-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Allied Construction Co., G-5, Deepali, 92 Nehru Place, New Delhi. (Transferor)

(2) Mrs. Raj Rani W/o Shri Tek Chand E-152, Amar Colony, Lajpat Nagai New Delhi. (Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

FFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-IJ AGGARWAL HÖUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD NEW DELHI

New Delhi, the 16th September 1985

Ref. No. IAC/Acq.II/2-85/37EE/596.—Whereas, I, K. VASUDEVAN,

seing the Competent Authority under Section 269B of the sucome-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to at the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 106, 2 Old Rohtak Road opposite situated at Shazada Bagh, Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto)

has been transferred under the Registration I.T. Act, 1961 in the office of the Registering Officer at IAC Acq. II. New Delhi on Feb 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Weslth-tax Act, 1957 (27 of 1957),

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 106, measuring 425 sft in Allied House, 2, Old Rohtak Road, Opposite Shazada Bagh Delhi.

> K. VASUDEVAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II
> Delhi/New Delhi.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following ersons, namely:-

Date 16-9-1985

Sea"

FORM NO. ITNS

NOTICE UNDER SECTION 260-D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

PART III-SEC. 1]

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME TAX,

ACQUISITION RANGE-II, AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD. NEW DELHI

New Delhi, the 16th September 1985

Ref. No. IAC/Acq.II/2-85/37EE/597.—Whereas, I, K. VASUDEVAN.
being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinalter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 100 000/- and bearing No. CB-II, Ansal's Dilkhush Industrial Estate, situated at G. T. Karnal Road. Delhi (and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration I.T. Act, 1961 in the office of the Registering Officer for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason 10 believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fitteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) M/s. Poly Panel Industries 2/68, Roop Nagar, Delhi.

(Transferor)

38157

(2) Sh. Gajanand. S/o Sh. Bahadur Chand, 48-D. Gandhi Park, Sh. Ganga Nagar, Rajasthan.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Basement No. CB-11. Ansal's Dilkhush Industrial Estate, G.T.Karnal Road, Delhi.

K. VASUDEVAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
New Della

Now, thereore, in pursuance of Section 269C of the said act. I hereby initate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 209D of the said Act, to the following persons, namely:—
92—316GI/85

Date: 16-9-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 44 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

> ACQUISITION RANGE-II, AGGARWAL HOUSE, 4/14-A ASAE SIJ ROAD, NEW DELIH

New Delhi, the 16th September 1985

Ref. No. IAC/Acq.II/2-85/37EE/598.—Whereas, I. K. VASUDEVAN.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (bereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 4G-8 in D1 D2

Nagafgarh Road Commercial Complex, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration I.T. Act, 1961 in the office of the Registering Officer IAC Acq. II, New Delhi on Feb. 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforexed property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more that fifteen ner cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the narties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957))

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shivok Properties, Adlnath Shree House Oppo Super Bazar Con, Circus. New Delhi.

(Transferors)

(2) Mr. Ashok Prakash Raja Mr. Shant Swaroop Raja Road No. 11, Plot No. 13, East Punjabi Bagh, New Delhi.

(Transferees)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Ganette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used berein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 4G-8 in D1-D-2, Nagafgarh Road, Commercial Complex New Delhi.

K. VASUDEVAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
New Delhi

Date: 16-9-1985

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II. AGGARWAL HOUSE 4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 16th September 1985

Ref. No. IAC/Acq.II/2-85/37EE/599.—Whereas, I. VASUDEVAN.

being the Competent Authority under Section 269B of the tncome-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to us the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 - and bearing No.

Rs. 1,00,000/- and bearing No.
4G-7 D1. D2 Nalafgarh Road
has been transferred under the Registration I.T. Act,
1961 in the office of the Registering Officer
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid series that the lan market value of the property a toresame fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of massfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any anomous or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the doresaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act. to the following persons, namely:—

(1) Snovlok properdes, Adinath Shive House Opp. Super Bazar, Con. Circus. New Dethi.

(Transferor)

(2) Mr. Achok Pridash Raja Mr. Shant Swaroop Itaja Road No. 10, Plot No. 13, East Punjabi Bagh, New Delhi.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesald persons within a period of
 45 days from the date of publication of this notice
 in the Official Gazette or a period of 30 days from
 the service of notice on the respective persons,
 whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, wi hin 45 days from the date of the publi-cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The trems and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Space No. 4G-7 in Plot No. D1, D2 Najafgarh Road, Commercial Complex, New Delhi.

> K. VASUDEVAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Delhi/New Delhi

Date: 16-9-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT. 1961 (43 OF 1961)

المستعلق في المستعلق المستعلق المستعدد المستعدد المستعدد المستعدد المستعدد المستعدد المستعدد المستعدد

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-II,
AGGARWAL HOUSE,
4/14-A, ASAF ALI ROAD.
NEW DELHI

New Delhi, the 16th September 1985

Ref. No. IAC/Acq.II/2-85/37EE/600.—Whereas, I. K. VASUDEVAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Plot No. 108. B-1/2, Azadpur Comm. Complex (Naniwala Bagh) situated at Delhi (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration I.T. Act, 1961) in the office of the Registering Officer IAC, Acq. II, New Delhi on Feb. 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than diffeen per cent of such appearent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
 of the transferor to pay tax under the said Act, in
 respect of any income arising from the transfer;
 and/or;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Bhanot properties and Industries Limited 102-103 Raja House. 30-31 Nehru Place New Delhi.

(Transferor)

(2) Shri B. B. Rajpal & Snit. Saroj Rajpal S/o Shri G. D. Rajpal, 24 Darya Gani, 4832, Frahlad Lane, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said preperty may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 108, B-1/2, Azadpur Comm. Complex (Naniwala Bagh), Delhi.

K. VASUDEVAN Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Delhi/New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act. to the following persons, namely:—

Date : 16-9-1985

NUTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, AGGARWAL HOUSE. 4/14-A. ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 16th September 1985

Ref. No. IAC/Acq.II/2-85/37-EE/601,—Whereas. I. K. VASUDEVAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereitafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the introvable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/and bearing No.
Flat No. 118, Allied House. 2 Old Rohtak Road situated at Opposite Shahzadabagh Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1961 (43 of 1961) in the Office of the Registration Officer at I.A.C. Acq-II, New Delhi on February, 1985

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1961 (43 of 1961) in the Office of the Registering Officer at I.A.C. Acq-II, New Delhi on February, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of !—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act. in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any which ought to be disclosed by the transferee for moneys or other assets which have not been or the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

 Allied Construction Co. G-5, 92, Deepali Nehru Place, New Delhi.

(Transferor)

(2) M/s. Rurat Electronic Industries (India) 3370, Kucha Jalal Bukhari Delhi Gate, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undehsigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Offical Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 118 Allied House 2 Old Rohtak Road, Opposite Shahz adabagh Delhi.

K. VASUDEVAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 16-9-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-IAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II, AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 16th September 1985

Ref. No. IAC/Acq.II/2-85/37EE/602.—Wheeras, 1, K. VASUDEVAN.

being the Composent Authority under Section 269AB of the Income-tax Act, 1.261 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable

as the said Act), have receson to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1.00.000/- and bearing
No. B-24 2. Old Rohtak Road Opposite Shahzada Bagh situated at Delhi (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1961 (43 of 1961) in the Office of the Registering Officer at I.A.C. Acq-II, New Delhi on February, 1985 February 1985

february 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and /of

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other easets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Allied Construction Co., G-5. 92 Deepali Nehru Place, New Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Jatinder Lal, Sachar, Shri Arun Sachar, Mrs. Raj Sachar, Mrs. Achila Sachar, 34/72 Punjabi Bagh, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Guzette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Space No. B-24, Allied House, 2, Old Rohtak Road, Opposite Shanzada Bagh, Delhi.

K. VASUDEVAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Delhi/New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subjection (1) of Section 269D of the mid Act, to the following persons, namely :---

Date: 16-9-1985

NUTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACOUISITION RANGE-II, AGGARWAL HOUSE, 4/14-A.: ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 16th September 1985

Ref. No. IAC/Acq.II/2-85/37EE/605.—Whereas, I. K. VASUDEVAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

Basement Space B-25. Allied House 2 Old Rohtak Road. Opposite Shahzada Eagh, situated at Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1961 (43 of 1961) in the Office of the Registering Officer at I.A.C. Acq-II, New Delhi on February, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any inone's or other assers which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I nereby initiate proceedings for the acquisition of the aforessio property by the issue of this notice under sub-Section (I) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Allied Construction Co. G-5, 92 Deepall, Nehru Place, New Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Jatinder Lal, Sachar, Shri Arun Sachar, Mrs. Rai Sachar, Mrs. Achila Sachar, 34/72 Punjabi Bagh, New Delhi-110026.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective personal whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Cazette.

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Basement Space B-25. Allied House 2 Old Rohtak Road, Opposite Shahzada Bagh, Delhi.

K. VASUDEVAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Raper II
Delhi/New Delhi

Date: 16-9-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(1) (1) Mrs. Savtri Devi Sarogi (2) Mr. Gopal Prasad Sarogi (3) Mr. Ashok Kumar Sarogi R/o D-10 Ashok Vihar Phase-I. Delhi-52.

(Transferor)

(2) Shri Gauri Shanker Jhinihinniwala. r/o J12/16A Ram Katora Road, Varanasi (U.P.)

(Transferce)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACOUISITION RANGE-II, AGGARWAL HOUSE, 4/14-A.: ASAF ALI ROAD. NEW DELHI

New Delhi, the 16th September 1985

Ref. No. IAC/Acq. II/2-85/37EE/606.—Whereas, I, K. VASUDEVAN. being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value

Rs 100,000/- and bearing

Flat No. 11, 6/16 Room Nagar Delhi-7
has been transferred under the Registration Act, 1961 (43 of 1961) in the Office of the Registering Officer at I.A.C. Acq-II, New Delhi on February, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer: andior
- ()' facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Waelth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the maio Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the follow-ing persons, namery:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned .-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the Jate of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 11 Upper Ground Floor in 6/16 Roop Nagar, Delhi-7.

> K. VASUDEVAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisit on Range-II. Delhi/New Delhi

Date: 16-9-1985

FORM ITNS-----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMF-FAX ACT. 1951 (43 OF 1961)

(1) (1) Mrs Savta Devi Sarogi (2) Mr Gopal Prased Sarogi (3) Mr Ashok Kumai Sarogi,

R/o D-10 Ashok Vihar Phase-I Delhi-52

(Transferor)

(2) Shr. 1 achman Doss, R 'o 43-D Kamla Nagar.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE-II. AGGARWAI HOUSE. 4/14-A ASAF ATT ROAD. NEW DELHI

New Delhi, the 16th September 1985

Ref. No. IAC/Acq.II/2-85/37EE/607 - Whoreas, I. VASUDEVAN.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

minovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000'- and bearing
No 21, 5/16 Roon Nagar Delhi-7
(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Income Tax Act, 1961, in the Office of the Registering Officer IAC/Acq. Range-II, New Delhi on February, 1985
for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such apparent consideration and that the consideration are the consideration are the consideration and the consideration are the consideration are the consideration and the consideration are the consideration are

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons with a period of 45 days from the date of publication of this notice m the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 43 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

Explanation.— The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor, to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; andio
- (b) facilitating the concealment of any Income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Flat No. 21, 6-16 Roop Nagar, Delh -7.

II. VASUDEVAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissione, of Income-tax acontention Range-II Delhi New Delhi

New therefore, in pursuance of Section 269C of the said Ver, I hereby initiate molecular for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons concells: 93-316GI/85

Date: 16 9-1955

FORM 1.T.N.S.--

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-IAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISTTION RANGE-II, AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 16th September 1985

Ref. No. IAC/Acq.1I/2-85/37EE/608.—Whereas, I. VASUDEVAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the

immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000]- and bearing
Flat No. 12, 6/16 Roop Nagar, Delhi-7
(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Income Tax Act, 1961, in the Office of the Registering Officer IAC/Acq. Range-II, New Delhi on February, 1985

New Delhi on February, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

(1) (1) Mrs. Savtri Devi Sarogi

(2) Mr. Gopal Farshad Sarogi
(3) Mr. Ashok Kumar Sarogi,
R/o D-10. Ashok Vihar Phase-I, Delhi-52.

(Transferor)

(2) Shri Vijay Shanker Jhinjhinniwala, R/o J12/16A Rama Katora Road, Varanasi (U.P.).

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Flat No. 12, 6/16 Roop Nagar, Delhi-7.

K. VASUDEVAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax.

Acquisition Range-H. Delhi/New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, 1 hereby initiate proceedings for the acquisition of the anoresuid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 16-9-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Ruchika Constructions (P) Ltd., 15/4581, Darya Ganj, New Delhi

(Transferor)

(2) Shri B K. Dilwan 22, Jor Bagh, New Delhi.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOMETAX

GOVERNMENT OF INDIA

ACQUISITION RANGE-I, AGGARWAL HOUSE, 4'14-A ASAF ATT ROAD, NEW DELHI

New Delbi, the 18th September 1985

Ref No 1AC / Acq I/37EE 2-85/1496 — Whereas, I, R. P. RAJESH, being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a tair market value exceeding R_b, 1.00,000/- and beating Flut No A2 & B2 on Plot A-19 Connaight Circus, situated

Flat No. 42 & B2 on Plot A-19. Connaught Circus, situated at Delhi, measuring 1283 sq. ft. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Income-Tax Act, 1961, in the Office of the registering Officer at IAC/Acq Range-I. in February 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—
 - (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
 - (a) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
 of the transferor to pay tax under the said Act, in
 respect of any income arising from the transfer;
 and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys of other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Flat No A2 & B2 on plot No A-19, Connaught Circus, New Delhi, measuring 1283 sq ft.

R P. RAJESH
Compet nt Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-1,
Delhi/New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely —

Date : 18-9-1985 Seal .

FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Dr. Jiwan Singh Arora, \$5, Greater Kailash-I. New Delhi.

(Transferor)

(2) M/s Devichands. 19A, Connaught Place, New Delhi-1.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-L AGGARWAI HOUSE, 4,14-A ASAF ALI ROAD, NEW DEI HI

New Delhi, the 18th September 1985

Ref. No. IAC/Acq.I/37FE/2-85 1497.--Whereas, I, R. P. RAJFSH,

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 1 (LG.F.) B-81, Greater Kailash-1, mg 1932 sq.

ft. situated at New Delhi and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Income-Tax Act, 1961, in the Office of the registering Officer at IAC/Acq. Range-I. in February 1985

to an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair marker value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or

(5) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for

the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922

(11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the Act, to the following persons, namely:—

Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The trems and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 1, on lowe, and upper ground floor at B-81, Greater Kailash-I, New Delhi, mg. 1932 sq. ft.

R. P. RAJESH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tux Acquisition Range-1 Delhi/New Delhi

Date: 18-9-1985

Seal -

FORM INS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-I, AGGARWAL HOUSE, 4/14-1, ASAF ALL ROAD, NEW DELIH

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT

New Delhi, the 18th September 1985

Ref. No. IAC/Acq.I/37EE/2-85/1498.—

Whereas, J. R. P. RAJESH, being the Conjectent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000 - and bearing

Flat No. 919A, 89, Nehru Place, ing. 129 sq. ft. situated at

New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Income Tv. Act, 1961, in the Office of the registering Officer at IAC/Acq. Range-I

in February 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; andlor
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

(1) Miss. Arti Chadda d/o Sh. J. R. Chadda, R/o 2-C/4, New Rohtak Road. New Delhi.

(Transferor)

(2) Kr. Kavita Kanwar d/o Sh. S. K. Kanwar, R/o F-319, Greater Kailash-II. New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of the notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 919-A at 89, Nehru Place, New Delhi, apxt. 129 sa. ft.

> R. P. RAJESH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Delhi/New Delhi

Date: 18-9-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

> ACQUISITION RANGE-I, AGGARWAL HOUSE,

4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DLLHI

New Delhi, the 18th September 1985

Ref. No. 1AC/Acq.I/37EE/2-85/1499.—Whereas, I, R. P. RAJESH,

being the Competent Authority under section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) (heremafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/and bearing

Flat No. 106, 21, Barakhamba Road, mg. 650 sq. ft.

situated at New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the I.T. Act, 1961 in the Office of the Registering Officer at

IAC/ACQ. Range-I, on February 1985

to an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income around, from the transfer.
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:--

 Capt. Hardev Singh Kler, Mrs. Balvinder Kam Kler, Mr. Harpreet Singh Kler, Mrs. Parmjit Kler, C-380, Defence Colony, New Delhi.

(Transferor)

(2) Mrs. Santosh Roy, Master Pranay Jus Roy, Miss Prerna Roy, 3/8, Rani Jhansi Marg, New Delhi-55.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said mannovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 106 in 21, Barakhamba Road, New Delhi covered area 650 sq. ft.

> R. P. RAJESH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-I, Aggarwal House. A4/14A Asaf Ali Road. New Delhi

Date: 18-9-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISTION RANGE-I, AGGARWAL HOUSE, 4/14-A. ASAF ALI ROAD, **NEW DELHI**

New Delhi, the 18th September 1985

Ref. No. IAC/Acq.I/37EE/2-85/1500.—Whereas, I, R. P. RAJESH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 and bearing No. Residential Flat in 9, Barakhamba Road, mg. 1600 sq. ft.

situated at New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the I.T. Act, 1961 in the Office of the Registering Officer at

IAC/ACQ, Range-L, on February 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by

more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act. in of any income arising from the transfers respect andlor
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) of the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the reforesaid property by the issue of this notice under sub-. section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :-

(1) M/s. Kaiiash Nath & Associates, 1006, Kanchenjunga, 18. Barakhamba Road. New Delhi-110001.

(Transferor)

(2) Shri Ravinder Singh Jhelumi, S-27, Panchsheel Park, New Delhi.

(Transferec)

Objections, if any, to the acquisition of the sald property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A residential flat on 2nd floor (North Tower) and a Car Parking Space in proposed multi-storeyed group housing scheme 'NILGIRI APARTMENTS' at 9, Barakhamba Road, measuring 1600 sq. ft.

> R. P. RAJESH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-I,
> Aggarwal House, 4/14. Asaf Ali Road, New Delhi

Date: 18-9-1985

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMUTAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISTION RANGE-I, AGGARWAI HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 18th September 1985

Ref. No. IAC/Acq.I/37EE/2-85/1501,—Whereas, I, R. P. RAIESH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000, - and bearing

Flat No. G-1 (Rear) Ground floor, 11, Hanuman Road

situated at New Delhi measuring 971 sq. ft.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the I.T. Act, 1961 in the Office of the Registering Officer at

IAC/ACQ. Range-I, on February 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) fucilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) M/5. Skipper Construction Co. (P) Ltd., 22, Barakhamba Road, New Delhi-110001

(Transferor)

(2) Master Vishal Sahay and Vikas Sahay (Minors), Ss/o Shei S. S. Sahay, 15-C Ankur Apartments, 10, Lord Sinha Road, Calcutta-700071.

(Transferce) -

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires lates,
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. G-1 (Rear), Ground Floor, 11. Hanuman Road, New Delhi-110001, Mg. 971 sq. ft.

R. P. RAJESH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax. Acquisition Range-I, Aggarwal House, 4/14, Asaf Ali Road. New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :-

Date: 18 9-1985

FORM I.T.N.S.-

(1) M/s Ansal Proporties & Industries (P) Ltd. 115, Ansal Bhawan, 16, Kasturba Gandhi Marg, New Delhi-1.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE NICOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Canara Bank, Marshal House, Parliament Street, Hanuman Road, New Delhi,

(Transferce)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTI, COMMISSIONER

OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-I, AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI New Delhi, the 19th September 1985

Ref. No. IAC/Acq.I/37EE/2-85/1502.--Whereas, I, R. P.

being the Competent Authority under section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

No. Flats in 38, Nehru Place, New Delhi situated at New Delhi.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transfered under the 1 T. Act 1961 in the Office of the registering Officer at IAC, Acq. Range-1 in February

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of ;—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (b) by any other person interested in the said immovable 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanatio&:-The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;
- and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11. of 1922) or the said Act. or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957): THE SCHEDULE

Complete six floor without partitions—11966 sq. ft.
Complete 7th floor without partitions—11966 sq. ft.
Complete 8th floor without partitions—11966 sq. ft.
Complete 9th floor without partitions—11966 sq. ft.
Ground floor Flat No. 13, 14, 15, 16, 17, 18, 19 and 20 at 38! Nehru Place, New Delhi.

R. P. RAJESH Competent Authority Inspecting 'ssistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, New Delhi.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid vionerty by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons. stamely :--94--316GI/85

Date: 19-9-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, AGGARWAL HOUSE, 4|14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 18th September 1985

Ref. No. IAC Acq. I | 37EE | 2-85 | 1503.—Whereas I, R. P.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

No. A flat admeasuring 1600 sq. ft. and open car parking space in proposed multistoreyed group housing scheme 'NILGIRI APARTMENTS' situated at 9, B.K. Road, New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the I.T. Act 1961 in the Office of the registering Officer at IAC/Acq. Range-I, in February 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of ...

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1937 (27 of 1937);

Now, therefore, in pursuance of Section 296C of the said Act, I kereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) M|s. Kailash Nath and Associates, 1006, Kanchenjunga, 18, Barakhamba Road, New Delhi-1. (Transferor)

(2) Supreme Metal Craft Medical Products
Private Limited, 3, Malcha Marg, New Delhi-21,
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

A flat admeasuring 1600 sq.ft. and an open car parking space in proposed multi-storcyed Group Housing Scheme 'NILGIRI APARTMENTS' at 9, Barakhamba Road, New Delhi-1.

R. P. RAJESH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, New Delhi,

Date: 18-9-1985

FORM LT.N.S.---

(1) M|s. Prasad & Co., 9|5. East Patel Nagar, New Delhi.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Shri Raghav Bahl and Mrs. Subhash Bahl, R|o 13|84, North West Avenue, Punjabi Bagh. New Delhi.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-I,
AGGARWAL HOUSE, 404-A.

AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 18th September 1985

Ref. No. IAC-Acq.I[37EE]2-85[1504.—Whereas I, R. P. RAJESH

being the Compotent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property heaving a fair market value exceeding

No. Flat No. 501-A, at 6. Nehru Place, mg. 525 sq. 11. situated at New Delhi

(and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transfered under the I.T. Act 1961 in the Office of the registering Officer at IAC/Acq. Range-I, in February

1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of the said instrument of transfer with the object of the said instrument of transfer with the object of the said instrument of transfer with the object of the said instrument of transfer with the object of the said instrument of transfer with the object of the said instrument of transfer with the object of the said instrument of transfer with the object of the said instrument of transfer with the object of the said instrument of transfer with the object of the said instrument of the said instrument of transfer with the object of the said instrument of the said i

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

I me study does a location on a values of the hability of the transferor to pay tax under the said Act, is respect to any increase driving from the trunsfer; and not

THE SCHEDULE

Plat No. 301 A. in Devika Tower, 6, Nehru Place, New Delhi, measuring 525 sq.ft.

to resultating the conceatment of any income or any names, or either taxing which have not been or which ought to be arsclosed by the transferer for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

R. P. RAJUSH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Leome-tax Acquisition Range-I, New Delhi.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of faction 260D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 18-9-1 85

FORM ITNS

(1) M[s. Pragati Construction Co., (Devika Tower), 4th floor Sheetla House, 73-74, Nehru Place, New Delhi.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT 1961 (43 OF 1961)

(2) Mrs. Nirlep Kaur, F-173, Mansrover Garden, Delhi.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-I, AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

New Delhi, the 18th September 1985

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Ref. No. 1AC|Acq.1|37E+|2-85|1505.—Whereas I, R. P. RAJESH

K. P. RAJESH being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (her inafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing
No. Flat No. 226, at 6, inchiu Place, New Delhi mg. 185 sq.ft. situated at New Delhi (and more fully described in the Schedule aureaged bareto).

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto); has been transfered under the I.T. Act 1951 in the Office of the registering Officer at IAC/Acy, Range-F, in February 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian In ome-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Booked centrally Air conditioned Flat No. 326 in Multi Storeyed building, Devika Tower, 6, Nehru Place, New Delhi, measuring 187 sq.ft.

> R. P. RAJESH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range I, New Delhi.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Date: 18-9-1985

FORM I.T.N.S.---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-I, AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALL ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 18th September 1985

Ref. No. IAC]Acq.I[37EE[2-85]1506.—Whereas I, R. P. RAJESH

heing the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a tain market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

Rs. 1,00,000/- and bearing
No. UB-12, 22, Barakhamba Road, New Delhi .
measuring 200 sq. ft.,
situated at New Delhi
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the LT. Act 1901 in the Office of
the registering Officer at 1AC/Acq Range-1, in February 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consinderation theregor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the combideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; ieď/er
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

(1) Skipper Sales Private Ltd., Skipper Bhawan, 22, Barakhamba Road, New Delhi.

(Transferor)

(2) Cdr. Amar Singh (Retd.) & Mr. Kuldeep Singh Rio C-2B[81B, Janakpuri, New Delhi. (Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gezette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persent whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. UB-12, at 22, Barakhamba Road, New Delhi, measuring 100 sq.ft.

R. P. RAJESH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, New Delhi.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the afercuald property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Date: 18-9-1985

Senl

NUTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISTION RANGE-I, AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD,

New Delhi, the 18th September 1985

Ref. No. 1AC/Acq.I/37EE/2-85/1507.—Whereas, I, R. P. RAJESH,

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/and bearing No.

Basement 6, 49-50, Nehru Place. Mg. 748 sq. ft. situated at New Delhi

tand more fully described in the Schedule annexed hereto), has be n transferred under the I.T. Act, 1961 in the Office of tne Registering Officer at

IAC/Acq. Range-I, on February 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be dislcosed by he transferee for the purposes of the Indian Incometax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforest id property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) Maj. V. Handa, Maj. V. Handa,
Mrs. Shashi Handa, and
Lt. Vipin Handa &
Mrs. Vibha Mehrotra
C/o Shri O. P. Gandhi,
H-396, DDA Plats, Naraina,
New Delhi.

(Transferor)

(2) Mr. Sanjiv Sharma Soo Shri M. I. Sharma & Mr. Sudhir Sharma S/o Shri M. L. Sharma
Through u/g Mrs. Veena Sharma,
G-91, Kalkaji,
New Delhi-19.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication or this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Basement No. 6, Red Rose. 49-50. Nehru Place, New Delhi-19, measuring 748 sq. ft.

> R. P. RAJESH Competen: Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, A4/14A Asat Ali Road, New Delhi

Date: 18-9-1985

38179

FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) M/s. Brij Enterprises (P) Ltd., E-4 15, thandewalan Extension, New Delhi-55.

(Transfere

(2) Shri Akhil Kumar, F-3, Mabarani Bagh, New Delhi.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-I, AĞGARWAL HOUSE 4/14-A, ASAF ALI ROÁD.

New Delhi, the 20th September 1985

Ref. No. IAC/Acq J 37EE/2-85/1508.—Whereas, I, R. P. RAJESH,

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to us the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1.00 000, and beginn No.

Rs. 1.00 000, and bearing No One room and common todiet on G.F. at 18, Todar Mal Rd., situated at New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed has been transferred under the I.T. Act, 1961 in the Office of the Registering Officer at IAC/Acq. Range-I, on February 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore the fair market called the property as more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in hapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

as facility ing the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; മയ്ർ / വ

(10) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 11 of 1922) or the said Act. or the Wealth-tax (657 (27 of 1957):

THE SCHEDULE

One room and common toilet on Ground floor at 18, Todar Mal Road, New Delhi.

> R. P. RAJESH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
> Acquisition Range-4/14A Asaf Ali Road New Delhi

rica, therefore, in parsuance of Section 209 C of the and Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 28°D of the said Ast, to the following persons, namely --

Date: 20-9-1985

FORM I.T.IN.S.---

(1) Brij Enterprises (P) Ltd., L-4 15, Jhandewalan Extension, New Delhi-55.

(Transferor)

(2) Smt. Manisha Kumari, F-3, Maharani Bagh, New Delhi.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE *NCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, AGGARWAL HOUSE 4/14-A, ASAF ALI ROAD,

New Delhi, the 20th September 1985

Ref. No. IAC/Acq.I/37FF/2-85/1509.—Whereas, I, R. P. RAJESH,

being the Competent Authority under Section 469B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable properly having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing No.
One room, kitchen and common toilet on ground floor at 18, Todarmal Road, New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the 1.T. Act, 1961 in the Office of the Registering Officer at

IAC/Acq. Range-I, on February 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immervable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Expranation:—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferer to pay tax under the said Ast, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

One room, kitchen and common toilet on ground floor at 18. Todar Mal Road, New Delhi.

> R. P. RAJFSH Competent Authority Inspecting Assit, Commissioner of Income-tax Acquisition Range I, 4/14A Asaf Ali Road, New Delki

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (I) of Section 269(D) or the said Act, to the following persons, namely :---

Date: 20-9-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

LOFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD,

New Delhi, the 20th September 1985

Ref. No. IAC/Acq.I/37EE/2-85/1510.—Whereas, I, R. P. RAJESH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-

and bearing No. Flat No. A-1503, at 22, Barakhamba Road, Mg. 441.80 sq. ft.

situated at New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the I.T. Act, 1961 in the Office of

the Registering Officer at IAC/Acq. Range-I, on February 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of property as aforesaid believe that the fair market value of property as aforesaid believe that the fair market value of property as aforesaid. exceeds the apparent consideration therefor by more than afteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer andlor
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act. to the following persons, namely:—
95—316G1/85 (1) Skipper Sales Pvt. Ltd., 22, Barakhamba Road, New Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Rajesh Kumar Aggarwal & Noeraj Kumar Aggarwal (Minor) & Nitin Kumar Aggarwal (S/o Shri S. P. Aggarwal, E-54, N.D.S.E.-I, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the public cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. A-1503 at 22, Barakhamba Road, Ntw Delhimeasuring 441.80 sq. ft. New Delhi.

> R. P. RAJESH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-i, 4/14A Asaf Ali. Road, New Delh

Date: 20-9-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

38182

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, AĞGARWAL HOUSE 4/14-A, ASAF ALI ROAD,

New Delhi, the 20th September 1985

Ref. No. IAC/Acq. I/37EE/2-85/1511.—Whereas I, R. P. RAJESH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and 'ocaring No.

Open Car parking at 'ARUNACHAL' 19, B. K. Road, situated at New Polisi

situated at New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the I.T. Act, 1961 in the Office of

In the Confect of the Registering Officer at IAC/Acq. Range-I, on February 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid the content of the content of the property as aforesaid the content of the property as aforesaid the content of the property as a foresaid the content of the property as a foresaid the content of the property as a foresaid the property as a fo said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; andlor
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, thtrefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

(1) M/s. Kailash Nath & Associates, 1006, Kanchenjunga, 18. Barakhamba Road, New Delhi.

(Transferor)

[PART III—SEC. 1

(2) Mrs. Ava Gopal Khullar w/o Mr. Raghuvanesh Gopal Khullar, A-2/173, Safdarjung Enclave, New Delhi-29,

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the sald property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons; whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the public cation of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as giver in that Chapter.

THE SCHEDULE

One open car parking space in the Lower Basement of proposed multi-storeyed commercial building 'ARUNACHAL' 19, Barakhamba Road, New Delhi-1,

R. P. RAJESH Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, 4/14A Asaf All Road, New Delhi

Date : 20-9-1985

— (1) M/s, Kailash Nath & Associates, 1006, Kanchenjunga 18, Barakhamba Road, New Delhi-1.

(Transferee)

(2) Mrs. Usha Channa, W/o Mr. Lekhraj Channa, B-3/19, Vasant Vihar, New Delhi-57.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

UFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-I, NEW DELHI AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD

New Delhi, the 20th September 1985

Ref. No. IAC/Acq. J/37EE/2-85/1512.—Whereas, I, R. P. RAJESH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

One car parking space, in Barakhamba Road, situated at New Delhi

for an apparent consideration which is less than the fair has been transferred under the I. T. Act 1961 in the Office of the registering Officer at IAC/Acq. Range-I, on February 1985

have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer

as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immore, able property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Guzette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or One open car parking space in the Lower basement of proposed multi-storeyed commercial building, 'Arunachal' 19, Barakhamba Road, New Delhi-1.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I,
4/14A Asaf Ali Road,
New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice—under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following person: namely:—

Date: 20-9-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-J, AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD NEW DELHI

New Delhi, the 20th September 1985

Ref. No. IAC/Acq. I/37EE/2-85/1513.—Whereas, I,

being the Competent Authority under sction 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable

property having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing No. No. Flat No. 302 at 13 Tolstoy Marg mg, 696 sq ft. situated at New Delhi

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the I. T. Act 1961 in the Office of the registering Officer at IAC/Acq. Range-I, on February 1985

to; an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

- M/s Bakshi Vikram Vikas Construction Co., (P) Ltd., 13 Tolstoy Marg, New Delhi.
- (2) Mrs. Vimal Nath & Miss Sharika. Nath (Minor) D-834, Friends Colony, New Delhi.

(Transferee)

(Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (h) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Booking of office Flat No. 302 measuring 696 sq. ft. in the proposed multistoreyed building at 13, Tolstoy Marg, New Delhi.

> R. P. RAJESH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax Acquisition Range-I, Aggarwal House, 4/14-A, Asaf Ali Road, New Delhi

Date : 20-9-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I AGGARWAL HOUSE. 4/14-A, ASAF ALI ROAD NEW DELHI

New Delhi, the 20th September 1985

Ref. No. IAC, Acq. I, 37FE/2-5/85/1514,--Whereas, I, R. P. RAJESH.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 1404 at 89, Nehru Place, mg. 548 sq. ft situated

at New Delhi

(and more fully described in the Schedule annxed hereto) has been transferred under the I. T. Act 1961 in the Office of the registering Officer at IAC/Acq. Range-I, on February, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair

market value of the aforceaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than ifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act. to respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957, (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

(1) Sh, Surjit Singh HUF, Mrs. Amrit Surjit Singh, Capt, Jaspal Singh and Mrs. Gunita Grover, E-11 Jangpura Extn. New Delhi.

(Transferor)

(2) Mrs. Nayver Khan, W/o Mohd. Muzzammil Khan and Dr Mohd. Muzzammil Khan, S/o, Mr. R. U. Khan, C/o. Mr. MAU Khan, 122, Sidharatha Enclave, New Delhi-14.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said inumovable property, within 45 days from the date of the publications of this notice in Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said /set, shall have the same meaning as given that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No 1404/A, measuring 548 sq. ft. in 89, Nehru Place, New Delhi (Under construction),

> R. P. RAJESH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Aggarwal House, 4/14-A, Asaf Ali Road, New Delhi

Date: 20-9-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE ENCOMP-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD NEW DELHI

New Delhi, the 20th September 1985

Ref. No. IAC/Acq. 18/37EE/2-85/1515.--Whereas, I, R. P. RAJESH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to 23 the said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market valut exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

No. Space No. 9, at 28, Barakhamba Road, mg. 687 sq. ft. situated at New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the I. T. Act 1961 in the Office of the registering Officer at IAC/Acq. Range-1, on February, 1985

fact/Acq. Range-I, on February, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the abject of : of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the hability of the transferor to per tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;

tacilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, is pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceeding for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

- (1) M/s. Gopal Das Estates and Housing Pvt. Ltd., 28, Barakhamba Road, New Delhi-110001.
 - (Transferor)
- (2) Mrs. Chander Kanta, W/o Sh. Bal Raj Kapoor, and Mr. Rajiv Kumar Kapoor, S/o. Bal Raj Kapoor, 1/7, WHS. Timber Market, Main Ring Road Kirti Nagar, New Delhi-15,

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gezette

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Space No. 9, on 5th floor in 'Dr. Gopal Das Bhawan' 28. Barakhamba Road, New Delhi-1, measuring 687.46 sq. ft.

R. P. RAJESH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I. Aggarwal House, 4/14-A, Asaf Ali Road, New Delhi.

Date: 20-9-1985 Seal:

FORM ITNS----

(1) M/s. Gopal Das Estates and Housing Pvt. Ltd., 28 Barakhamba Road New Delhi-110001,

(Transferor)

(2) Mr. Chander Kanta, W/o Sh Bal Raj Kapoor, and Sh. Rajiv Kapoor S/o. Sh Bal Raj Kapoor, 1/7, W.H.S. Timber Market Main Ring Read, Kirti Nagar, New Delhi-15.

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE ENCOMP. TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE-I AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD NEW DELHI

New Delhi, the 20th September 1985

Ref. No. IAC/Acq. I/37EE 2-85/1516.—Whereas, I, R, P. RAJESH,

being the Competent Authori y under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/and bearing

No. Space No 10 at 28, Barakhamba Road, mg 1844 sq. ft.

situated at New Delhi (and more fully described in the Schedule annxed hereto) has been transferred under the I. T. Act 1961 in the Office

of the registering Officer at IAC/Acq. Range-I, on February, 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

Objections, if any, to the acquisision of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the pub-lication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of pay income arising from the transfer; and or

Space No. 10 on 5th floor in Dr. Gopal Das Bhawan, 28, Barakhamba Road New Delhi-1, measuring 1844.92 sq. ft.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

R. P. RAJESH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range I, Agranval House, 4/14-A, Asaf Ali Road, New Delhi.

Now, meretore, in purmance of Section 269C of the tree Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely --

Date: 20-9-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

The second secon

GOVERNMENT OF INDIA

(1) Mr. Alin Bhatia, R/o. 3-B/2, Ganga Ram Hospital Marg New Delhi.

(Transferor)

(2) M/s. Competent Motors, Competent House, F-Block (Middle Circle), Connaught Place. New Delhi.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I AGGARWAL HOUSE, 4/14-A. ASAF ALI ROAD NEW DELHI

New Delhi, the 20th September 1985

Ref. No. IAC/Acq. I 37EE 2-85/1517.—Whereas I, R. P. RAJESH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding 1,00,000|- and bearing

Plot No. A-39, Mohan Co-operative Indl Estate, situated at Mathura Road, New Delhi, measuring 2000 sq. mt, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the J. T. Act 1961 in the Office

of the registering Officer at IAC/Acq. Range-I, on February, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of the notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

THE SCHEDULE

Plot No. A-39, in Mohan Co-operative Industrial Estates, Mathura Road New Delhi, Plot Area 2456-15 sq. mts. out of this only 2000 sq. mtrs. released under land ceiling & Regulation Act, 1976.

> R. P. RAJFSH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, New De!h

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 9-9-1925

38189

FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Mas. Competent Builders. F-14 Connaught Place, New Delhi,

(Transferor)

(2) Mr. Rajan Bhatia & Mrs. Kavita Bhatia, R/o. 3B/2 Ganga Ram Hospital Marg. New Delhi.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-I AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD NEW DELHI

New Delhi, the 23rd September 1985

Ref. No. IAC/Acq. 1/37FF 2-85/1518.—Whereas, I, R. P. RAJESH,

being the Conspecent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 and bearing No.

Flat No. 410 on 4th floor, Competent House, situted at Conuaught Place New Delhi, area 672 sq. ft. (and more fully described in the schedule annexed hereto). that here rank discrete in the Schedule annexed increase, has been transferred under the I. T. Act 1961 in the Office of the registering Officer at LAC/Acq Range-1. In behruary, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair

market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:— Objections, if any, so the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION — The terms and expressions used horein or are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the some meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been so which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Flat No. 410 on 4th floor in Competent House F-Block (Middle Circle) Connaught Place. New Delhi—Area 672 sq.

R. P. RAJESH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I New Delhi.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1° of Section 269D of the said Act, to the following person namely:— 96_316 GI/85

Date :23-9-1985

~ <u>- 710 - 7</u> FORM ITNS---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Shri Narender Anand, C-202, Defence Colony, New Delhi-24.

Company of the compan

(Trnasferor)

(2) Mrs. Kanwal Rani Vij Miss Neeru Vij and Miss Dippty Vij, R/o A-5/1, Rana Pratup Bagh, Delhi-7.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

> ACQUISITION RANGE-I AGGARWAI. HOUSE 4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 23rd September 1985

Ref. No. IAC/Acq-1/37EE/2-85/1519.—Whereas 1. R. P. RAJESH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000- and bearing Flat No. 112-A, at 14-F Connaught Place, mg. 751 sq. ft. situated at New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the I.T. Act 1961 in the office the registering Officer at

IAC/Acq. Range-I, on February, 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, is respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other amous which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the curposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

FXPLANATION:—The terms and expressions used berein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 112-A, Competent House, Connaught Place, New Delhi-1, measuring 751.92 sq. ft.

> R. P. RAJESII Competent Authoria Inspecting Assistant Commissioner of Income-to-Acquisition Range-I New Delhi

Date: 23-9-1985 Scal:

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I nereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesald property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 23rd September 1985

Ref. No. IAC/Acq. I/37EE/2-85/1520.—Whereas I, R. P. RAJESH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000[-

and bearing No. Flat No. A-1501, at 89, Nehru Place, mg. 299.06 sq. ft. situated at New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the I.T. Act, 1961 in the office

of the registering Officer at IAC/Acq. Range-1 on rebruary 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforehald exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of -

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferes for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957))

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the mid Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

(1) M/s. Skipper Sales Private Ltd., Skipper Bhawan, 22, Barakhamba Road, New Delhi.

(Trnasferor)

(2) Mr. Deepak Sethi & Mrs. Santosh Sethi, R/o 17-C, Block-H, Saket, New Delhi-17.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette,

EXPLANATION .-- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. A-1501, at 89, Nehru Place, New Delhi, measuring 299-06 sq ft.

> R. P. RAJESH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
> Acquisition Range-I
> Aggarwal House 4/14A Asaf Ali Road, New Delhi

Date: 23-9-1985

FORM LT.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOMETAX

ACQUISITION RANGE-I AGGARWAL HOUSE. 4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 20th September 1985

IAC/Acq. -1/37EE/2-85/1521.—Whereas 1. R. P. RAJESH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act) have reason to believe that the immovable

as the said Act) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 3, Bhagwan Dass Road, New Delhi, mg. 23930 sq. ft. situated at New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the LT Act, 1961 in the office of the Registering Officer at

IAC/Acq. Range-I on February 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; andlor
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforestid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Shri Madan Mohan Lall, Shri Ram P.L. Sanskriti Bhawan, Jhandewalan, New Delhi.

(Truasferor)

(2) M.s. Aditya Estates Private Ltd., 1106, Ashoka Estate, 24, Barakhamba Road, New Delhi.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property No. 3, Bhagwan Dass Road, New Delhi, total covered area of Ground Floor, 1st Floor, Barsati Floor out house Block is 23830 sq. ft.

R. P. RAJESH Competen: Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-I Aggarwal House 4/14A Asaf Ali Road, New Delhi

Date: 20-9-1985

FORM I.T.N.S.——

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE-I AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALL ROAD, NEW DIJ HI

New Delhi, the 23rd September 1985

Ref. No. IAC, Acq. 1/37EF/2-85/1522.---Whereas I, R. P. RAJESH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a tan market value exceeding Rs. 1,00.000/- and bearing No.

Flat No. 101, H-2, Shopping Centre-cum-community facilities,

measuring 189 sq. ft. Lalkaj, situated at New Delhi, trand more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the LG. Act, 1961 in the office of the registering officer at

IAC/Acq. Ranged on 1 dreasy 1985

fac //2cq. Range-I on I drivery 1985 for an apparent consideration which is less than the fair marker value of the of the of the receiver and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than the consideration for such transfer as agreed to between the market have real than transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Ect, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

(1) M/s. Saket Properties (P.) Ltd., M/s. Saket Properties (r.) La., C-538, Defence Colony, New Delhi-24. Transferor)

(2) Dr. Harbans Lal Leekha, Dr. (Mrs.) Saroj Leekha & Mr. Ajay Leekha, D-62, Hauz Khas, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforcaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 dam from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Hat No. 101, Area 189 sq. ft. app : at plot No. H-2, Shopping Centre-Cum-community facilities at Kalkaji, New Delhi.

R. P. RAJESH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-T Aggarwal House 4/14A Asaf Ali Road, New Delhi

Date: 23-9-1985

FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

1 **3**250 44 222 74

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-I AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 23rd September 1985

Ref. No. IAC/Acq.-I/37EE/2-85/1523.--Whereas J, R. P. RAJESH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. GF-32 (Ground Floor) in 22, Kasturba Gandhi Marg, situat-

ed at New Delhi-1, measuring 198 sq. ft.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the I.T. Act, 1961 in the office of the registering officer at

IAC/Acq. Range-I on February 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, so respect of any income arising from the transfer, andlor
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Mrs. Giriraj Kumari w/o Late Chandra Choor Singh, 1, Tayaga Raj Marg, New Delhi-11.

Transferor)

(2) Mr. K. L. Dang s/o Sh. Thana Ram Dang and Mr. Manmohan Krishan Dang s/o Sh. K. L. Dang, 100/16, Double Storey, Lajpat Nagar, New Delhi-24.

(Transferce)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

GF-32 (Ground Floor) in 22, Kasturba Gandhi Marg, New Delhi-1, mg. 198 sq. ft.

> R. P. RAJESH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income tax Acquisition Range-1 Aggarwal House 4/14A Asaf Ali Road, New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 23-9-1985

FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 23rd September 1985

Ref. No. IAC/Acq.I/37EE/2-85/1524.—Whereas I, R. P. RAJESH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 3-B, 73-74, Sheetla House, Nehru Place, situated at

New Delhi, measuring 369 sq. ft. (and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the I.T. Act, 1961 in the office of

the registering officer at IAC/Acq. Range-I on February 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Ast, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Sh. Gurcharan Singh Atora, s/o Sh. Sampuran Singh, M-114, Greater Kailash-II, (A-37D, D.D.A. Flats, Munirka), New Delhi. Transferor)

THE PERSON NAMED IN COLUMN 2 ASSESSMENT OF THE PERSON NAMED IN COLUM

(2) Sh. O. P. Dhawan, s/o Late Sh. B. R. Dhawan, r/o W-2/4, Patel Road, Nagur, New De'hi-8.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publi-cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat/shop, No. 3B on First Floor measuring 369 sq. ft. on 73-74, Sheetla House, Nehru Place, New Delhi-19.

> R. P. RAJESH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I Aggarwal House 4/14A Asaf Ali Road, New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :-

Date: 23-9-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMEN'T OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I AGGARWAL HOUSE, 4/14-A. ASAF ALI ROAD, NEW DEI.HI

New Delhi, the 23rd September 1985

Ref. No. IAC/Acq.-1/37FE/2-85/1525.—Whereas 1, R. P. RAIFSH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (bereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000]-

and bearing No. Flat No. 710, Hemkunt Tower, 98, Nehru Place situated at New Delhi, measuring 430 sq. ft. (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the LT. Act, 1961 in the office of the registering officer at

IAC/Acq. Range-I on February 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Smt. Mohini Sari w/o Mr. Vijay Smi-24B/6, Desh Bandhu Gupta Road, Dev Nagar, New Delhi-5,

Transferor)

(2) Baby Arti Menta N/G Mrs. Saroj Mehta r/o A-14, Defence Colony, New Delhi-24 and Master Punit Nayyar C-115, Lajpat Nagar-I, New Delhi-24.

(Transferee)

Objections, if any to the aquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

FAPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same incaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 710. Hemkunt Tower, 98 Nehru Place, New Delhi-19, covered area 430 sq. ft.

> R. P. RAJESH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I Aggarwal House 4/14A Asaf Ali Road, New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 23-9-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-1 AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 23rd September 1985

Ref. No. IAC/Acq.I/37EE/2-85/1526.—Whereas I, R. P. RAJESH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immevable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. No. B-6 (Basement) 59, Nehru Place, mg. 1118 sq. ft. situat-

ed at New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the I.T. Act. 1961 (43 of 1961) in the Office of the

in the Office of the IAC/Acq. Range-I on liebruary 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the aforesaid exceeds the apparent consideration more than fifteen per cent of such apparent consideration indicates the excellent of such apparent consideration. and that the consideration for such transfer as agreed o between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Said Act in in respect of any income arising from the transfer; and/or:
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely --- 316GI/85

- (1) M/s. C. P. Mahant & Sons (HUF) 9-434, Greater Kailash-II, New Delhi-48 (Trnasferor)
- (2) Mr. Bansri Lal, Mr. Ram Saroop & Sunil Kumar, G-83, Masjid Moth, New Delhi-48.

(Transferec)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persona, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

B-6 (Basement) 59, Nehru Place, New Delhi-19, measuring 1118 sq. ft.

> R. P. RAJESH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income tax Acquisition Range-l Aggarwal House 4/14A Asaf Ali Road, New Delhi

Date: 23-9-1985

Seal .

(1) Dr. Jiwan Singh Arora, S-5, Greater Kailash-I, New Delhi.

(Trnasferor)

(2) M/s. Devichands, 19-A, Connaught Place, New Delhi.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME. TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

> ACQUISITION RANGE-1 AGGARWAL HOUSE 4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 23rd September 1985

Ref. No. 1AC/Acq.-I/37EE/2-85/1527.—Whereas L. R. P. RAJESH,

N. P. RAJESH, voing the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 1, B-81, Greater Kailash-I, mg. 1932 sq. ft. situated at New Delbi

at New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the I.T. Act. 1961 in the office of the registering officer at

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer andlor
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 1 on Lower and Upper Ground Floor at B-81, Greater Kailash-I, New Delhi, mg. 132 50 sq9. ft.

> R. P. RAJESH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I Aggarwal House 4/14A Asaf Ali Road, New Delhi

Now, uncrefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following ATTOMS, namely :---

Date: 23-9-1985

FORM ITNS.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

 M/s. Kailash Nath & Associates, 1006, Kanchenjunga, 18, Barakhamba Road, New Delhi-1.

(Transferor)

(2) Sh. Harvinder Pal Singh Anand N-3, N.D.S.E. Part-I, New Delhi.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 23rd September 1985

IAC/Acq-1/37EE/2-85/1528.—Whereas 1, R. P. RAJESH,

R. P. RAJESH, being the Competent Authority under Section 269 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00.000; and bearing No. A residential flat on 2nd floor, car parking at Nilgiri Apartments at 9, B. K. Road, situated at New Delhi, mg. 1600 sq. ft.

andler

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transfered under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

1908) in the office of the Registering Officer at IAC/Acq. Range-I on February 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the post-less here truly stated in the said intervent. the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability

of the transferor to pay tax under the said Act, in

respect of any income arising from the transfer;

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957).

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A residential flat on 2nd floor and a Car Parking Space in proposed multi-storeyed group housing scheme Nilgiri Apartments at Barakhamba Road, New Delhi-1. Area (mg) 1600 Sq. ft.

> R. P. RAJESH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I Aggarwal House 4/14A Asaf Ali Road, New Delhi

Date: 23-9-1985

TO CM TINS -

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

 Mrs. Brij Bala w/o Sh. Harish Chandra, Mr. Raman Kumar s/o Sh. Harish Chandra & M. B. Saxena, B-1/148, Janak Puri, New Delhi-58.

(Transferor)

(2) Mrs Manisha Kejriwal w/o Sh. Pawan Kumar Kejriwal, R/o R-15, Nehru Enclave, New Delhi-19.

(Transferce)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I AGGARWAL HOUSE,

4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 23rd September 1985

Ref. No. IAC/Acq-1/37EE/2-85/1529.—Whereas I, R. P. RAJESH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Ast'), have reason to believe that the immovtude property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000]- and bearing

Flat No. 906 at 15, Tolstoy Marg, mg. 425 sq. ft. situated at New Delhi

tand more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at IAC/Acq. Range-I in February 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of ransfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tex under the said Ast, in respect of any income arising from the transfer.
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other essets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act. or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the ecquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given to that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 906, at 15, Tolstoy Marg, New Delhi, measuring 425 sq. ft.

R. P. RAJESH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-1
Aggarwal House
4/14A Asaf Ali Road, New Delhi

New, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 23-9-1985

FORM NO. I.T.N.S.-

(1) Mrs. Kamla Suri N-115, Greater Kailash-I, New Delhi,

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. Satya Pal Jain, A-96, New Friends Colony, New Delhi. (Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-I AGG∆RWAL HOUSF, 4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 23rd September 1985

IAC/Acq.-I/37EE/2-85/1530.—Whereas 1, R. P. RAJESH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/and bearing No. Residential Plot A-11/6, Vasant Vihar, mg. 1566 sq. ft. situation of the North Park.

ed at New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the LT. Act, 1961 in the office of the registering officer at

Inc registering officer at IAC/Acq. Range-I on I-ebiuary 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any meneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 249C of the mid Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following регзепа пальеју :---

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of the notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the name meaning as given ir that Chapter.

THE SCHEDULE

Residential Plot No. A-11/6, Vasant Vihar, New Delhi including constructed building, covered area 1566.68 sq. ft. including garage and servant Block.

> R. P. RAJESH Competent Authority
> Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
> Acquisition Range-I Aggarwal House 4/14A Asaf Ali Road, New Delhi

Date: 23-9-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(1) Ashok Chatteriee Plot No. C-5, Postal Address B-19, Maharani Bagh, New Delhi.

(Transferor)

(2) Mrs. Jyotsna Suri W/o t.alit Suri r/o I-D, Sagar Apartment,
6, Tilak Marg, New Delhi.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-1 AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD NEW DELHI

New Delhi, the 23rd September 1985

Ref. No. IAC/Acq.1/37EE/2-85/1531.—Whereas, I. R. P. RAJESH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Plot No. C-5, B-19, Maharani Bagh mg. 476-467 sq. ft.

situated at New Delhi.

(and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred under the Income Tax Act. 1961 in the Office of the registering Officer at IAC/Acq. Range-I, on February, 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the lair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the Object of:

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer;

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (b) by any of the aforesaid persons within a period of forty five days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of thirty days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within forty five days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. C-5, B-19, Maharani Bagh, New Delhi, mg. 476 sq. ft. Ground Floor, and 476 sq. ft. 1st floor. and 476 sq. ft.

> R. P. RAJESH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax. Acquisition Range-I Aggarwal House 4/14A, Asaf Ali koad, New Delhi.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons. namely :---

Date: 24-9-1985

FORM ITNE-

_- - - - - _____ <u>- ___ = ___ = __</u>

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-1 AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD NFW DELHI

New Delhi, the 24th September 1985

Ref. No. IAC/Acq.I/37EE/2-85/1532.—Whereas, I, R. P. RAJESH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to se the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000]-and bearing No. Flat No. 1214-A, 38. Nehru Place, mg. 450 sq. ft. situated

at New Delhi.

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Income Tax Act. 1961 in the Office of the registering Officer at IAC/Acq. Range I, on February, 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-sald exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the sounderation for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of ransfer with the object of :-

- (a) raciitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitaing the concealment of any income or any mioneys or other assets which have not been at which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said section (1, of Section 269D of the said Act, to the following aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :---

(1) Ansal Properties & Industries (P) Ltd., 115, Ausal Bhawan, 16, K. G. Marg, New Delhi. (Transferor)

(2) Mrs. M. D. Sharma w/o A. M. Sharma,
Dr. Madhu Sharma,
w/o Pradip Sharma,
Mrs. Sadhna Sharma,
w/o Maj. D. K. Sharma,
all R/o C-4/34, Safdarjung Development Area, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 1214-A at 38, Nehru Place, New Delhi, measuring 450 sq. ft.

> R. P. RAIFSH Competen: Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I Aggarwal House 4/14A, Asaf Ali Road, New Delhi.

Cate: 24-9-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-I AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD NEW DELHI

New Delhi, the 24th September 1985

Ref. No. IAC/Acq.I/37EE/2-85/1533.—Whereas, I, R. P. RAJESH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. UB-1A, 22, Barakhamba Road, mg. 600 sq. ft.

situated at New Delhi.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Income Tax Act, 1961 in the Office of the registering Officer at IAC/Acq. Range-I, on February, 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: end"/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

(1) Master Vineet Sachdeva, 1097-D, New Friends Colony, New Delhi.

(Transferor)

(2) Mr. B. K. Mishra, A/16C, Munirka, DDA Flats, New Delhi-67. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Cazette.

Explanation:--The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. UB-1A, at 22, Barakhamba Road, New Delhi, measuring 600 sq. ft.

> R. P. RAJESH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I Aggarwal House 4/14A, Asaf Ali Road. New Delhi.

Date: 24-9-1985

FORM TINS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD NEW DELHI

New Delhi, the 24th September 1985

Ref. No. IAC/Acq.I/37EE/2-85/1534.--Whereas, I, R. P. RAJESH,

heing the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 507, at 38, Nehru Place, mg. 560 sq. ft. situated at

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been hansferred under the Income Tax Act. 1961 in the Office of the registering Officer at IAC/Acq. Range-I, on February, 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration thereof by more than fifeen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1927) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

(1) Ansal Properties & Industries (P) Lid., 115, Ansal Bhawan, 16, K. G. Marg, New Delhi.

(Transferor)

(2) Swadesh Kumar Rajpal S/o Ram Kishan Rajpal, R/o 6/29, East Patel, Nagar, New Delhi-8.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property eray he made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazetie or a period of 30 days from the pervice of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 507 at 38, Nehru Place, New Delhi, measuring 560 sq. ft.

> R. P. RAJESH Competent Authority
> Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I Aggarwal House 4/14A, Asaf Ali Road, New Delhi.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following pernamely !-

Date: 24-9-1985

Seal:

98-316GI/85

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE VICOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD . NEW DELHI

New Delhi, the 24th September 1985

Ref. No. IAC/Acq.1/37EE/2-85/1535.--Whereas, I, R. P. RAJESH,

being the Composent Auth rity under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immortable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/and bearing No. Flat No. 1219 at 38, Nehru Place mg. 584 sq. ft. situated at

New Delhi.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto)

has been transferred under the Income Tax Act, 1961 in the Office of the registering Officer at IAC/Acq. Range-I, on February, 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of manager with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to day an under the said Act, in respect of any income arising from the transfers
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-atx Act 1957 (27 of 1957);

- (1) Ansal Properties & Industries (P) Ltd.; 115, Ansal Bhawan, 16, K. G. Marg, New Delhi. (Transferor)
- (2) Shri Sharad Chander Dhingra. S/o Mr. Hari Chand Dhingra, R/o B-15, Greater Kailash Enclave-I, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this netice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, which-ever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immov-able property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :-- The terms and expressions used herein at are defined in Chapter XXA of the said ACL shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 1219 at 38, Nehru Place, New Delhi, mg. 584

R. P. RAJESH Competent Author ty Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-I Aggarwal House 4/14A, Asaf Ali Road, New Delhi.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act. to the following nersons namely

Date: 24-9-1985

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD NEW DELHI

New Delhi, the 24th September 1985

Ref. No. IAC/Acq.I/37EE/2-85/1536.--Whereas, I. R. P. RAJESH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), hereinafter referred to us the 'said Act'), have reason to believe that the immovable

property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 104, Ground Floor, W-111, Gr. Kailash-II, situated at New Delhi, measuring 1250 sq. ft. (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Jacobs Town Act. 10(1) in the has been transferred under the Income Tax Act, 1961 in the Office of the registering Officer at IAC/Acq. Range I, on February, 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) factlitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice, under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :--

(1) M/s. Kamal Enterprises through sole proprieress Smi. Santoch Chaudhary G-48, Green Par, New Delhi.

(Transferor)

(2) Mrs. Veena Bhatia W/o Mr. S. K. Bhatia, R/o 45, Hamkunt Colony, New Delhi. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a neriod of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Cazette.

Faplanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 104, Ground Floor, W-111, Greater Kailash-II. New Delhi, measuring 1250 sq. ft.

> R. P. RAJESH
> Competent Authority
> Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
> Acquisition Range-I Aggarwal House 4/14A, Asaf Ali Road, New Delhi.

Date: 24-9-1985

Soal:

(1) C. S. Sachdev & Mrs. Renu Juneja 20, Bungtow Road, Delhi-7.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269-D (1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Miss Cherry Khanna, D-9, Hauz Khas, New Delhi-16.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

FFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD NEW DELHI

New Delhi, the 24th September 1985

Ref. No. IAC/Acq.I/37EE/2-85/1537.---Whereas, I, R. P. RAJESH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tan Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 and bearing No. Flat No. 701 at 26A, Barakhamba Road, mg. 433 sq. ft.

situated at New Delhi.

(and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred under the Income Tax Act, 1961 in the Office of the registering Officer at IAC/Acq. Range-I, on February 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair marker value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income urising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :--

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULB

Flat No. 701, Akash Deep 26A, Barakhamba Road, New Delhi-1, measuring 433 sq. ft.

> R, P. RAJESH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-Aggarwal House 4/14A, Asef All Road, New Delhi.

Date 24-9-1985 Seal:

FORM 1TNS-

(1) Pal & Paul Builders Ltd., 70, Regal Building, New Delhi.

(2) Smt. Jasmeet Kaur Wadhwa,

(Transferor)

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD NEW DELHI

New Delhi, the 24th September 1985

Ref. No. IAC/Acq.I/37EE/2-85/1538.—Whereas, I, R. P. RAJESH,

the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinater referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 202, E-492, Gr. Kailash-fl, mg. 550 sq. yards

situated at New Delhi.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Income Tax Act, 1961 in the Office of the registering Officer at IAC/Acq. Range-I, on February 1985

on February 1985 for an apparent consideration which is less than the falt market value of the atoresaid property, and I have reason to believe that the falt market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said toutrument of transfer with the chief of ment of transfer with the object of-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (12 of 1922) or the Said Act or the wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

E-516, Greater Kailasa-II, New Delhi.

- (a) by any of the aforesaid rersons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of the notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 202, E-492, Greater Kailash-II, New Delhi, having area of 1700 sq. ft. alongwith one-sixth undivided area of total plot area of 550 sq. yds.

R. P. RAJESH Competent Authority Inspecting Assistaant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I Aggarwal Heuse 4/14A, Asaf Ali Road, New Delhi.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :-

Date 24-9-1985 Seal :

(1) Pal & Paul Builders Ltd., 70, Regal Building, New Delhi.

(2) Smt. Nirmala Khanna, C/o Jagat Jit Industries Ltd. P.O. JagatJit Nagar, Distt. Kapurthala, Distt. Kapurthala, Punjab-144802.

(Transferor)

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-I AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD NEW DELHI

New Delhi, the 24th September 1985

Ref. No. IAC/Acq.I/37EE/2-85/1539.--Whereas, I. R. P. RAJESH,

being the Competent Authority under Section 269B of the as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000-and bearing No.

Flat No. 201, E-492, Greater Kailash-II, mg. 550 sq. yds.

situated at New Delhi.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Income Tax Act, 1961 in the Office of the registering Officer at IAC/Acq. Range-I, on February 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(4a) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 [11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the sald immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 201, E-492, Greater Kailash-II, New Delhi, having area of 1700 sq. ft. alongwith one-sixth undivided area of total plot area of 550 sq. yds.

R. P. RAJESH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I
Aggarwal House
4/14A, Asaf Ali Road, New Delhi.

Date : 24-9-1985

Seel :

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-I AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, NEW DELHI ASAF ALI ROAD

New Delhi, the 24th September 1985

Ref. No. IAC/Acq. I/37EE/2-85/1541.—Whereas I, R. P. RAJESH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Incometax Act 1961 (43 of 1961) (bereinafter referred to as the 'Said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-

and bearing No. Flat No. 606 at 13, Tolstoy Marg, mg. 300 sq. ft. situated at New Delhi

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Income Tax Act, 1961 in the Office of the registering Officer at IAC/Acq. Range-I, on February 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act. in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the conealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) M/s. Bakshi Vikiam Vikas Construction Co., (P) Ltd., 13, Tolstoy Marg, New Delhi.

(2) M/s. Horstmann India (P) Ltd. 37/40, Nagar Rd. Poona-411 014. (Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (b) by any any of the aforesaid persons with a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Booking of office Flat No. 600 measuring 390 sq. ft. in the proposed multistorewed building at 13, Tolstoy Marg, New Delhi.

> R. P. RAJESH Competent Authority
> Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Rance-I Aggarwal House
> 4/14A, Asaf Ali Roud, New Delhi.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:

Pate 24-9-1985 Seal:

FORM I.T.N.S.---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD NEW DELHI

New Delhi, the 24th September 1985

Ref. No. IAC/Acq.I/37EE/2-85/1542,--Whereas, I, R. P. RAJESH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinatter referred to as the 'sa'd Act') have reason to believe that the immov-

to as the 'sa'd Act') have reason to believe that the immovable property have a fair market vaule exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Space No. 63A (LGF) at 17, B. K. Road, 219 sq. ft. situated at New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Income Tax Act, 1961 in the Office of the registering Officer at IAC/Acq. Range-I, on February 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesa'd property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the eard insuru-ment of transfer with the object of—

- (4) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in tespect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferes for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons namely :-

- (1) M/s. Gujral Estates (P) Ltd. 17, Baraknamba Road, New Delhi-110001. (Transferor)
- (2) Mrs. Pushpa Sahgal, Mrs. Deepa Davar, R/o 4, Sardar Patel Marg, New Delhi. (Transferee)

Objections, if any, to the acquistion of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Cuzette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Space No. 63-A, on Lower Ground Floor in 'VIJAYA' building at 17, Barakhamoa Road, New Delhi-1 measuring 219.4 sq. ft.

> R. P. RAJESH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Ranne-I Aggarwal House 4/14A, Asaf Ali Road, New Delhi.

Date: 24-9-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION KANGE-I AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD NEW DELHI

New Delhi, the 24th September 1985

Ref. No. JAC/Acq. I/37EE/2-85/1543.—Whereas, I, R. P. RAJESH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tait, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

Flat No. 307 at 12, Nehru Place, mg., 710 sq. ft. sltuated at New Delhi.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Income Tax Act, 1961 in the Officer of the registering Officer at IAC/Acq. Range-I, on February 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

'a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the conceniment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the seid Act, to the following persons namely.—

99-316GI/85

- (1) M/s. Exporters, India Paras
 Cinema Building Nenru Place, New Delhi.
 (Transferor)
- (2) M/s. Goyal Tin Works (P) Ltd.,94, Rajinder Nagar Industrial Estate,P.O. Mchan Nagar, Gaziabad, (U.P.)

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the end immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 307, measuring 710 sq. ft. situated at Osian, 12, Nehru Place New Delhi.

R. P. RAJESH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-taw
Acquisition Range-I
Aggarwal House
4/14A, Assf Ali Road, New Delhi.

Date 24-9-1985 Seal:

(1) M/s. Decent Construction & Properties Pvt. Ltd., 22, Barakhamba Road, New Delhi.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

 M/s. Aavishkak Estates (P) Ltd.,
 Sagar Apartments, 6, Tilak Marg, New Delbi.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 25th September 1985

Ref. No. IAC/Acq.I/SR-III/2-85/675.—Whereas, I. R. P. RAJESH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000]—and bearing

exceeding Rs. 1;00,000/- and bearing No. E-155, Gr. Kailash-II, mg. 1500 sq. ft. situated at New Delhi (and more fully described in the Schedule annxed hereto) has been transferred under the I.T. Act, 1961 in the office of the registering officer at

New Delhi on February 1985

endlor

for an apparent consideration which is less than the fair to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;

(b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property. may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meening as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property No. E-155, Greater Kailash-II, New Delhi, measuring 1500 sq. ft.

> R. P. RAJESH Competent Authority Acquisition Range-I Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Delhi/New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 25-9-85 Seal .

FORM I.T.N.S.--

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-I AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 25th September 1985

Ref. No. IAC/Acq.I/SR-III/2-85/676.—Whereas, I, R. P. RAJESH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-

property, having a fair market value exceeding Rs. 1.00,000/and bearing No. F-2, Lajpat Nagar-III, mg. 200 sq. yds. situated at New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at New Delhi on February 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer: and /or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the same of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:— Sh. Raj Kumar Sood s/o Late Sh. Bhana Ram R/o III-F/2, Lajpat Nagar, New Delhi.

(Transferor)

(2) Sh. Mahinder Pal Singh Bindra .o Sh. Singh Bindra r/o 9-Mangal Bulldings, Bhaghirat Palace, Delhi.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-able property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property bearing land admeasuring 200 sq. yds. known and numbered as Plot No. 2, Block F, Lajpat Nagar-III, New Delhi.

> R. P. RAJESH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-I Delhi/New Delhi

Date: 25-9-85

(Transferee)

FORM ITNS---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE UF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 8th October 1985

Ref. No. IAC/Acq.I/SR-III/2-85/677.—Whereas, I, R. P. RAJESH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the Immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000]—and bearing No.

Prop. (House No. 77, Sunder Nagar, situated at New Delhi Sunder Nagar, situated at New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of of 1908) in the effice of the Registering Office at New Delhi on February 1985

for an apparent consideration which is less than the full market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Incometax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Miss Usha Mehra, Registrar of the High Court of Delhi at N. D. on behalf of 1. Smt. Har Pyari Widow, 2. Dr. Sudhir Kaicker son, (3) Dr. Sushma Kapur wife of Dr. Vijay Kapur, daughter and 4. Miss Shobha daughter, of late Dr. Major Dayn Slanker son of Shri Gauri Shankar and Brigadier Bhawani Shanker son of late Shri Gauri Shankar all r/o 5, Hailley Road, New Delhi. (Transferor)

(2) Lovral Kumar, 2B, Tughlak Crescent, New Delhi-1'.

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immuvable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property (House) in 77, Sunder Nagar, New Delhi erected on 0.179 Acres.

R. P. RAJESH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I
Delhi/New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the section (1) of Section 269D of the said Act. to the follow-aforesaic property by the issue of this notice under subpersons, namely:—

Date: 8-10-85

Seal .

FORM I.T.N.S.---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOMETAX,
ACQUISITION RANGE-I
AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD,
NEW DELHI

New Delhi, the 25th September 1985

Ref. No. IAC/Acq.-I/2-85/SR-III/678.—Wherens, I, R. P. RAJESH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reuson to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000]- and bearing No. 1 share of property No. C-14, Kalindi Colony, mg. 231 sq. yards stuated at New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of of 1908) in the office of the Registering Office at

New Delhi on February 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the proporety as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act. to the following persons, trainely:—

 Shri S. Gurbachan Singh s/o S. Harnam Singh R/o C-14, Kalindi Colony, New Delhi.

(Transferor)

(2) Shri S. Waryam Singh s/o S. Harnam Singh, Smt. Satnam Kaur w/o S. Waryam Singh and S. Tarlochan Singh s/o S. Waryam Singh, R/o C-14, Kalindi Colony, New Delhi.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette of a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gaeztte.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said. Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1/2 share of property No. C-14, measuring 231 sq. yds. Kalindl Colony, New Delhi.

R. P. RAJESH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I
Delhi/New Delhi

Date: 25-9-85

Scal .

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-1 AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 30th September 1985

Ref. No. IAC/Acq.I/SR-III/2-85/679.—Whereas, I. R. P. RAJESH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. E-17, Block No. B-1, Extn., Mohan Co-op. Indl. Estate Ltd., situated at New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on February 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesal exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

- (1) Shri Vinod Kumar Jindal s/o Shri Faqir Chand Jindal R/o 2604, Nai Basti, Naya Bazar, Delhi. (Transferor)
- (2) M/s. Unique Alloys (P) Ltd., E-17, Mohan Co-op. Lndl. Estate Ltd., Block B-1, Extn. New Delhi, through its Director Sh. Faqir Chand Jindal. (Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chaper XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot of land measuring about 1378.25 sq. yds. Plot No. E-17, Plock No. B-1, Extn. Mohan Go-op. Indi. Estate Ltd., New Dolhi.

> R. P. RAJESH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
> Income Tax Building,
> Acquisition Range-I
> Delhi/New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aroresald property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Dato: 30-9-85

FORM LT.N.S.-

(1) Sh. R. C. Sengal, P-15, Malviya Nagar, New Delhi.

(2) Sh. J. C. Malhotra,

(Transferor)

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF ENDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 25th September 1985

Ref. No. IAC/Acq.I/SR-III/2-85/680.—Whereas, I, R. P. RAJESH.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000]- and bearing No.)-357, Gr. Kailash-II (Plot) mg. 250 sq. yards situated at New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at New Delhi on February 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of t-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

(b) facilitating the concealment of any facome or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferes for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Weelth-tax Act, 1957 (87 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

E-346, Greater Kailash-I, New Delhi.

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person, interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazetta.

Explanation: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULR

Plot of 250 sq. yds. B-357, Greater Kailash-II, New Delhi.

R. P. RAJESH Competent Astractive Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I Delhi/New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, ramely :--

Date: 25-9-85

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

A SECTION OF THE PROPERTY OF T

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-I AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 30th September 1985

Ref. No. IAC/Acq.I/SR-III/2-85/681.—Whereas, I,

R. P. RAJESH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-taxt Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovthe property, having a fair market value exceeding
Rs. 1,00,000 and bearing No.
Rear portion of 2nd floor of property No. E-605, situated at

Greater Kailash-II, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of

1908) in the Office of the Registering Officer at New Delhi on February 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-and exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, MANUAL OF
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-Tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

arow, meretore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the atoresaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D \$1 he said Act, to the following persons namely:-

(1) Shri Pradeep Shankar Bhatt and Ashish Shankar Bhatta sons of Ambn Shankar Bhatt, 13/24, W.E.A. Karol Bagh, New Delhi, through attorney Satish Soth.

- (Transferor)
- (2) Shri Som Nath Ghal and Chander Mohan Ghal ss/o late Charan Dass Ghai, R/o 92/2, Thapper Nagar, Meerut. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other persons interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :-The terms and expressions used herein to are defined in Chapter XXA of the sain Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULK

Rear Portion of 2nd floor of property No. E-605, Greater Kailash-II, New Delhi.

> R. P. RAJESH Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I Delhi/New Delhi

Date: 30-9-85

PART III—SEC. 1]

FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-I

AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 30th September 1985

Ref. No. IAC/Acq.I/SR-III/2-85/682,-Whereas, I, R. P. RAJESH,

k. P. KAJESH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1.00,000/- and bearing No. I-B/135, Lajpat Nagar, measuring 100 sq. yards situated to New Delbi.

at New Delhi

has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of

1908) in the Office of the Registering Officer at

New Delhi on February 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income erising from the transfero
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 26°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice ander subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following narsons, namely

100-316GI/85

(1) Shri Nathu Ram Sharma s/o Sh. Mool Raj Sharma R/o 2, New Municipal Market (D.S.) Lodi Colony, through general attorney Sh. Parkash Chander Malik r/o 1-B/135, Lajpat Nagar, New Delhi-24.

(Transferor)

38221

(2) Shri Satinder Kumar Malik s/o Sh. Parkash Chander R/o I-B/135, Lajpat Nagar, New Delhi. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property No. I-B/135, measuring 100 sq. yds. situated at Lajpat Nagar, New Delhi.

> R. P. RAJESH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I Competent Authority Delhi/New Delhi

Date: 30-9-85

FORM I.T.N.S.-

(1) Shri Ram Saran Dass Ancia, F-2 7, Greater Kailash-II, New Delhi.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Pankaj Sahay, Shaival Sahay, Abhijit Sahay & Jayant Sahay of E-277, Greater Kailash-II. New Delhi.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 30th September 1985

Ref. No. IAC/Acq.I/SR-III/2-85/683.--Whereas, I,

Ref. No. IAC/Acq.i/SR-III/2-85/683.—Whereas, I, R. P. RAJESH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'faid Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|- and bearing Flat No. E-277, Gr. Kailash-II, mg. 600 sq. ft. situated at New Delhi.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

at New Delhi on February 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer. and/or

(b) facilitating the conceanment of any income or any moneys or other nasets which have not been or which cught to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

FAPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House No. E-277, Greater Kailash-II, New Delhi, measuring 600 sq. ft.

> R P. RAJESH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I Aggarwal House 4/14A Asaf Ali Road, New Delhi.

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following tersons, namely :-

Date: 30-9-1985

FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-I
AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD,
NEW DELHI

New Delhi, the 25th September 1985

Ref. No. IAC/Acq.1/SR-HI/2-85/684.--Whereas, I,

Ref. No. IAC/Acq.175R-111/2-85/684.—Whereas, 1, R. P. RAJESH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said 'Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value Rs. 1,00,000]- and bearing No.

C-353, Defence Colony, mg. 325 sq. yards situated at New Delhi.

(and more fully described in the schedule annexed hereto) (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi in February 1985 for an apparent consideration which is less than the fair

market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesa'd property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

(1) Smt. Swaran Kaur W/o Late Shri Jagtar Singh at present r/o 13/18, East Patel Nagar, New Delhi.

(Transferor)

(2) 1. B. S. Ahuja
2. Smt. Mohinder Kaur
3. Shri Ravinder Singh Ahuja

4. Smt. Bhupendra, all r/o C-353, Defence Colony, New Delhi. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respect persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publi-cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property bearing No. C-353, Defence Colony, New Delhi, measuring 325 sq. yds.

> R. P. RAJESH Competent Authority
> Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I Aggarwal House 4/14A Asaf Ali Road, New Delhi.

Date: 25-9-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 25th September 1985

Ref. No. IAC/Acq.J/SR-III/2-85/685.--Whereas, I, R. P. RAJESH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/and bearing No.

Second floor of 15 Siri Fort Road, mg. 400 sq. yds. situated at New Delhi

situated at New Delni (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at New Delhi in February 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as *foresaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act; 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Sec ion 269D of the aid Act to the following persons, namely :-

- (1) Smt. Har Kaur w/o Late Jai Ram Das, Shiri S. P. Madan, Moban Lal, P. L. Madan, S. K. Madan, D. K. Madan, Smt. Chander Kanta Narang, Smt. Khush Wanti Km. Yogesh and Srit. Nirmal Khosla all 1/0 E-221, Greater Kallash-II, New Delhi (Transferor)
- (2) Miss Surinder Sodhi d/o Late Dalip Sodhi, B-87, Defence Colony, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other persons interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Second floor of property No. 15, Siri Fort Road. New Delhi measuring 400 sq. yds.

> R. P. RAJESH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-1 Aggarwal House 4/14A Asaf Ali Road, New Delhi.

Date: 25-9-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELIII

New Delhi, the 25th September 1985

Ref. No. IAC/Acq.I/SR-III/2-85/686,—Whereas, I, R. P. RAJESH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'),

have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

Plot No. S-324 Gr. Kailash-I, mg 204 sq. yds. situated at New Delbi.

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at New Delhi on February 1985

for an apparent consideration which is less than

the fair market value of the aforesaid

property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than firteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been traily stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Mr. Lachhmi Narain Kalra, 1-F/156, Lajpat Nagar, New Delhi-24.

(Transferor)

(2) Mrs. Raman Anand, D-289, Defence Colony, New Delhi,

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned .--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 324 in Block 'S' Greater Kailash-I, measuring 204 sq. yds. New Delhi.

R. P. RAJESH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III
Aggarwal House
4/14A Asaf Ali Road, New Delhi.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the Act. Act. 1 bereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date; 25-9-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-I
AGGARWAL HOUSE
4/14-A, ASAF ALI ROAD
NEW DELHI

New Delhi, the 30th October 1985

Ref. No. IAC/Acq.I/SR-III/2-85/687.—Whereas, I.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a full market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

A-18, Chitranjan Park, mg. 320 sq. yds. situated at New

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

New Delhi in February, 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesold property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesold exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the control of this notice under subsection (1) of Section 26 and Act, to the following section (1) of Section 26 persons, namely :---

(1) Smt. Shanti Lata Bose W/o Late Sh. Ajit Kumar Bose, R/o C-1/49, Lajpat Nagar, New Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Harshmohan Seoni S/o Late Shri Inder Prasad Seoni, Smt. Chandra Seoni W/o Shri Harsh Mohan Seoni, both R/o A-18, Chitranjan Park, New Delhi,

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforcsaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property No. A-18, Chitranjan Park, New Delhi area mg. 320 sq. yds.

> R. P. RAJESH Competent Authority
> Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
> Acquisition Range-1
> Aggarwal House 4/14-A, Asaf Ali Road New Delhi

Date: 30-9-1935

(1) Sh. Inder Sen Marwaha through attorney R/O 16A/16, W.E.A. Karol Bagh, New Delhi.

(2) Mrs. San osh Bhatia

Civil Lines, Moradabad.

W/o Shri Jagdish Bhatia,

R/o Rajinder Nagar,

(Transferor)

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-

SIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-I
AGGARWAL HOUSE
4/14-A, ASAF ALI ROAD
NEW DELHI

New Delhi, the 30th October 1985

Ref. No. IAC/Acq.I/SRIIII/2-85/688.—Whereas, 1, R. P. RAJESH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

Front portion on G.F. Property No. N-158, G. K.-J. situated

at New Delhi

at New Deimi (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at New Delhi in February, 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to be-tieve that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fitteen per cent of such apparent consideration and the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) highlating the concealment of any moome of my which ought to be disclosed by the transferer for the purrouses of the indust income-tax Act 1922 11 of 1922) or the said Act, or the Wenlin tax Act. 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person intersted in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Front portion on Ground floor of property No. N-158, Greater Kailash-I, New Delhi.

> R. P. RAJESH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-I Aggarwal House 4/14-A, Asaf Ali Road New Delhi

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely:-

Date: 30-9-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-I 4/14-A, ASAF ALI ROAD NEW DELHI

New Delhi, the 30th October 1985

Ref. No. IAC/Acq,I/SR-II1/2-85\$689.—Whereas, I,

R. P. RAJESH, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable to be a fair market value exceeding

no has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at New Delhi in February, 1985

an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; andlor
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Weslth-tax Act. 1997 (27 of 1937);

(1) Sh. Indersen Marwaha S/o Sh. I. D. Marwaha, 16Λ/16, W.E.A. Karol Bagh, New Dolhi,

(Transferor)

(2) Sh. Rajnider Parsad Seth S/o Late Mool Chand Seth, R/o 4375/4-B, Muarari Lal Lane, Ansari Road Darya Ganj, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publi-cation of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat at rear portion of second floor of property No. N-158, Greater Kailash-I, New Delhi.

> R. P. RAJESH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-l Aggarwal House 4/14-A, Asaf Ali Road New Delai

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act. to the following persons, namely :--

Date: 30-9-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

- FFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-I AGGARWAL, HOUSE 4/14-A. ASAF ALI ROAD NEW DELHI

New Delhi, the 30th September 1985

Ref. No. IAC/Acq.I/SR-III/2-85/690.--Whereas. I. R. P. RAJESH,

R. P. RAJESH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|- and bearing No. N-158, Greater Kalash-I situated at. New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under

the Registeration Act., 1908 (16 of 1908) in the Office of the registering Officer

at New Delhl in February, 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; andlor
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subvection (1) of Section 269D of the said Act, to the followbe genone, namely :--101-316GI/85

(1) Sh. Indersen Marwaha S/o Sh. I. D. Marawaha, R/o 16A/16, W.E.A. Karol Bagh, New Delhi.

(Transferor)

(2) Sh. K. M. Dua S/o Late P. N. Dua and Smt. Meena Dua W/o Sh. K. M. Dua, R/o 8/49, Jangpura Extn., New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned '-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used berein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat at front portion of second floor of property No. N-158. Greater Kailash-I, New Delhi, area 300 sq. yds. of floor.

> R. P. RAJESH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I Aggarwal House 4/14-A, Asaf Ali Road New Delhi

Date: 30-9-1985

FORM IINS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

ARTILIS MARKELITTELLISMA, QUANTO AND ARTILIA STRA WITH THE

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE-I ÄĞUÄKNVÄL HOUSE 4/14-A, ASAR ALE ROAD NEW DELHI

New Delhi, the 30th October 1985

Ref. No. IAC/Acq.1, SR-III/2-85/691.—Whereas, I, R. P. RATESH,

being the Competent Authority neder Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to us the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a rain market value exceeding Rs. 1.00,000/-

and bearing No.

Plot No. 12-B Category-H Group A' Kolindi Colony, situated at New Park, stranging \$1670 pg, yd. of 1716 share i.e.

46.34 og. mirs.
(and more fully dear but in the Charle's annoved hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Court of the at New Delhi in February, 1985 for an apparent more

at New Delhi in February, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the for market value of the property as aforesaid exceeds the apparent sport extremely the therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to be tween the parties has not been studied which is the said instrument of tenefor with the said instrument. of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evision of the liability of the source of the part out ander the and Act, in respect of any in once arising from the transfert andlor
- (b) facilitating the conservations of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or said Act, or the Wealth-tax Act 337 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this review under subsection (1) of Section 269D or the said Act, to the follows ing persons, namely '--

(1) M/s. Satish Kumar Sood & Co., Jangpura Extn., Eros Cinema Building, New Delhi though its partner Sh. Satish Kumar Sood.

(Transferor)

(2) Sh. Dilip Hukku S/o Sh. I. R. Hukku. R-114, Greater Kailzah, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 lays from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-able property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazetta

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property bearing Plot No. 12-B, Category-II, Group A' Kalindi Colony, New Delhi, measuring 46.34 sq. mtrs.

R. P. RAJESH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I Aggarwal House 4/14-A, Asaf Ali Roud New Delhi

Date: 30-9-1985

_____ -_- .

FORM ITNS---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-I AGGARWAL HOUSE 4/14-A, ASAF ALI ROAD NEW DELHI

New Delhi, the 30th October 1985

Ref. No. IAC/Acq.I/SR-III/2-85/692-A.-Whereas, I, R. P. RAJESH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-cax Act, 1961 (43 of 1961) (herinafter referred to an the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Agr. land mg. 3 bighas 10 biswas situated at village Bijwasan

New Delhi

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and registered under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at New Delhi in February, 1985.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; andjor

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, 1 hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) M/s. Delhi Towors & Estates (P) Ltd., 115, An.al Thawan, 16, K. G. Marg, New Delhi-110 001.

(Transferor)

(2) Mrs. Sudosh Verma, Miss Anita Verma, Miss Sonia Verma C/o Sh. J. B. Malhotra, B-2/12, Vasant Vihar, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforestid prisons whim a period of 45 days from the days of publication of this notice in the Otheral Greette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, which ever period expres biters
- (b) by any other reason is a send in the said immovable property, within 45 days from the date of the pubheation of the netice in the Official Gazette

Explanation:—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, whall have the same meaning as proved in that Chamer.

THE SCHEDULE

Agreintlural land measuring 2 bighas 10 biswas comprised in Rect. No. 45, Kharra No. 18 (1-08), 12m East & 19 (1-08) situated in village Bijwasan, New Delhi.

> R. P. RAJESH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Kange-I Aggarwal House 4/14-A, Asaf Ali Road New Dollar

Date: 30-9-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPICTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-I AGAGRWAL HOUSE 4/14-A, ASAF ALI ROAD NEW DELHI

New Delhi, the 30th October 1985

Ref. No. IAC/Acq.I/SR-III/2-85/693.—Whereas, J. R. P. RAJESH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Ac.') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1.00.090/- and bearing No.

movable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00.000/- and bearing No. Govt. built property No. I-IV/44, old double storey situated (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registrating Officer at

1908) in the office of the Registering Officer at Lajpet Nagar, New Delhi on Feb. 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforestid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforestid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been fruly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Incometax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, ⁷ hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons. namely:—

(1) Sh. Ishar Dass S/O Rh. Biai Ram, DDA Flat No. 31, Niti Bagh, New Delhi.

(Transferor)

(2) Sh. Ajay Kumar S/o Sh. Raj Kumar, 69, Delhi Admn. Flats, Greater Kailash, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of not ce on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Govt. built property No. I-IV/44, old double storey, Laj-pat Nagar, New Delhi-24.

R. P. RAJESH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range-I
Aggatwal House
4/14-A, Asaf Ali Road
New Delhi

Date: 30-9-1985

PORM ITNS --

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACI, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX **ACQUISITION RANGE-I** AGGARWAL HOUSE 4/14-A. ASAF ALI ROAD **NEW DELHI**

New Delhi, the 1sa October 1985

Ref. No. IAC/Acq.I/SR-III/2-85/694.—Whereas, I. R. P. RAJESH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1.00,000|- and bearing No. Govt. built property No. 1V-I/42, old double storey situated at Lajpat Nagar, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred under registerat on Act, 1908 (16 of 1908) in the Officer of the Registering Officer at New Delhi in February, 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid! exceeds the apparent consideration therefor by more than filteen per cent of such apparent consideration and thus the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, is respect of any income arising from the transfers and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act. or the Wealth-tar Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, the pursuance of Section 269C of the said Act, I, hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) Sh. Isher Dass S/o Sh. Billu Ram R/o 31-DDA Flats, Nitl Bagh, New Delhi.

(Transferor)

(2) Smt. Asha Devi Berry W/o Sh. R. K. Berry, R/o 1195, Sector 9, Faridabad, Нагуапа.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of the notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Govt. built property No. IV-1/42, old double storey, Lajpat Nagar, New Delhi.

> R. P. RAJESH
> Competent Authority
> Imspecting Assistant Commissioner of Income-tax
> Acquisition Range-I Aggarwal House 4/14-A, Asaf Ali Road Naw Delh

Date: 1-10-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

> ACQUISITION RANGE-I AGJARWAL HOUSE 4/14-A, ASAF ALI ROAD NEW DELHI

New Delhi, the 1st October

Ref. No. IAC/Acq.I/SR-III/2-85/695.—Whereas, I. R. P. RAJESH,

being the com etent Authority

under Section 269B of the income-tax. Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have leason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding.
Rs. 1,00 000 and bearing No.

Second floor of property No. E-266, Gr. Kailash-I situated at New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

under the Registeration Act, 1908 (16 of 1908) in the officer or the registering Officer

at New Delni in Feb.uary, 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by mong than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the ilability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11. of 1922) or the said Act, or the Weslth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) M/s. Amarjit Singh Johar & Co., C-139, Defence Colony, New Delhi, through its sole prop. Amarjeet Singh Jonar.

(Transferor)

(2) Smt. Nikki Devi W/o Late Ramanand, R/o A-2/3, Rana Partap Bagh, Delhi.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a reviod of 30 days from the service of notice on the respective persons which ver period expines later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publi-cation of this natice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Second floor of property No. E-266, Greater Kallash-I, New Delhi.

> R. P. RAJESH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I Aggarwal House 4/14-A, Asuf Ali Road New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid proper y by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Date: 1-10-1985

(1) M/s. Delhi Towers & Estates (P) Lid., 115, Ansal Bhawan, 16, K. G. Marg, New Delhi-110 001.

(Transferor)

COTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-I AGGARWAL HOUSE 4/14-A. ASAF ALI ROAD NEW DELHI

New Delhi, the 30th September 1985

Ref. No. IAC/Acq.I/SR-III/2-85/695-A.—Whereas, I, R. P. RAJESH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have teason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing
Agr. land mg. 2 bigahs and 10 biswas situated at Village Bijwasan, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed here'o) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi in February, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under said. Act. in respect of any income arising from the transfer, and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the anid Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1937);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:

(2) Mrs. Sudesh Varma, Miss. Anito Varma, Miss. Sonia Varma D/o Sh. J. B. Molhotra, B-2/12. Vasant Vihar, New Delhi.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 Jays from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explantion:—The terms and expressions used herein as are defined in Chipter XXX of the raid Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land measuring 2 Bgihas and 10 biswas comprised in Rectangle No. 45 Kila No. 13 (2-10) situated in village Bijwasan, New Delhi.

R. P. RAJESH
Competent Authors y
Inspecting Assistant Commissioner of Incomertax
Acquisition Range-I
Aggarwal House
4/14-A, Asaf Ali Road
New Delhi

Dated: 30-9-85

Ceni :

FORM NO. I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-1AX
ACQUISITION RANGE-I AGJARWAL HOUSE 4/14-A, ASAF ALI ROAD NEW DELHI

New Delhi, the 30th September 1985

Ref. No. IAC/Acq.I/SR-III/2-85/696.—Whereas, I, R. P. RAJESH,

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (heremater referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Re 1.00.000/and bearing No.

First floor of property No. M-29, Gr. Kailash-II situated at New Delhi, measuring 1500 sqq. ft. (and more tuny according in the schedule annexed hereto), has been transferred under registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Officer of the Registering Officer at New Delhi in February, 1985

for an apparent consideration which is less than the fair for an apparent consideration which is tess than the fair market value of the afores id property and I have reason to believe this the fair ma ket value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of wansler with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the trunsier; ind or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purpoles of the Indian Income-tax Act, 1722 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Smt. Raman Anand W/o Sh. Ashok Anand, R/o D-289, Defence Colony, New Delhi, through attorney M. R. Sehgal.

(Transferor)

(2) Shri Arun B. Ranka S/o Mr. B. Bhanwar Lal H. Ranwa C/o D-21, Panchsheela Enclave, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publi-cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein an are defined in Chapter XAX of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

First floor of property No. M-29, measuring 1500 sq. ft. Approx. Greater Kailash-II, New Delhi.

> R. P. RAJESH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Runge-I Aggarwal House 4/14-A, Asof Ali Rond New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for he acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :-

Date: 30-9-1985

FORM 1.T.N.S.--

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I AGBARWAL HOUSE 4/14-A, ASAF ALI ROAD NEW DELHI

New Delhi, the 1st October

Ref. No. IAC/Acq I/SR-III/2-85/697.—Whereas, I. R. P. RAJESH,

being the Comretent Authority under Section 269AB of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the Immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 and bearing

Flat No. III/part of property No. S-457, Greater Kalash-II situaetd at New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred

under the Registeration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering Officer at New Delhi in February, 1985 for an appurent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more

than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of .--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ough; to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Sh. Parvesh Kumar Kakkar S/o Sh. Hari Rac Kakkar, R/o E-603, Greater Kailash-II New Delhi.

(Transferor)

(2) Sh. Roop Chand Behl S/o Late Dhani Chand Behl and Sh. Vikram Behl S/o Late Tara Chond Behl, S-457, Greater Kailash-II, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this in the official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of the notice in the Official

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XX.1 of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. III, part of property No. S-457, Greater Kallash-II. New Delhi.

> R. P. RAJESH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I Aggarwal House 4/14-A, Asaf Ali Road New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the foresaid property by the issue of this notice under sub-ection (1) of Section 269D of the said Act, to the following ersons, namely :-102---316GI/85

Date: 1-10-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-J, AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI.

New Delhi, the 30th September 1985

IAC/Acq. I|SR-IΠ/2-85/698.—Whereas, I. R. P. RAJESH.

R. P. RAIESH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs, 1,00,000/- and bearing Unit No. C. on Barsati floor of property No. situated at S-168, Gr, Kailash-II, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transfered under the Registeration Act, 1908 (16 of 1908) in the registering Officer at New Delhi in February 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I, hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :-

ಪ್ರಾರಂಭ ಜನವನ ನಿಮ್ಮ ಸಂಪರ್ಧ ಪ್ರಕ್ಷಣಗಳ ಮಾಡುವ ಸಂಪರ್ಧ ಪ್ರಕ್ಷಣಗಳು ಮಾಡುವ ಪ್ರಕ್ಷಣಗಳು ಮಾಡುವ ಪ್ರಕ್ಷಣಗಳು ಮಾಡುವ ಪ್ರಕ್ಷಣಗಳು (1) Sudarshan Aggarwal, S/o Nanak Chand R/o. E-467, Greater Kailash-II, New Delhi.

(Transferor)

(2) Miss Shakuntala Devi, D/o. C. V. S. Raja Roa and Miss Anupama Banerji (Minor), R/o. 21, Rajat Apartments, Mount Pleasent Road, Bombay.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Unit No. 'C' on Barsati floor of Property No. S-168, Greater Kailash-II, New Delhi.

> R. P. RAJESH Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I Aggarwal Hope, 4/14-A, Asaf Ali Road, New Delbi.

Date: 30-9-1985

(1) M/s. Delhi Towers & Estate₃ (P) Ltd., 115, Ansal Bhawan, 16, K. G. Marg, New Deshi-1100 01.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) M/s. R. K. Khanna & Sons, B-7/3, Asaf Ali Road, New Delhi.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-I, AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI.

New Delhi, the 30th September 1985

Ref. No. IAC/Acq. I/SR-III/2-85/698-A.—Whereas, I, R. P. RAJESH,

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000]

property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|and bearing No.
Agr. Jand mk. 2 bigha, and 12 biswas situated at
Village Bijwasan, New Delhi
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transfered under the Registeration Act, 1908 (16
of 1908) in the Office of registering Officer at
New Delhi in February 1985.

for an appaient consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transrefor to pay tax und the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any snoneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said. Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this socioe 43 days from the date of publication of this source in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land measuring 2 Bighas 12 Biswas comprised in Rectangle No. 77 Khasra No. 12m (1-0), Kaimi No. 175m (1-12) situated in vilage Bijwasan,

> R. P. RAJESH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Aggarwal House, 4/14-A, Asaf Ali Road, New Delhi.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C .. he said Act, I, hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following mercons. namely:

Date: 30-9-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI.

New Delhi, the 1st October 1985

Ref. No. IAC/Acq. I/SR-III/2-85/699.—Whereas, I, R. P. RAJESH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (heremetter referred to

as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

A-I/36, Lajpat Nagar, mg. 100 sq. yds. situated at New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transfered under the Registeration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering Officer at

New Delhi in February 1985 for an arparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any mindeys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-iax Act, 1957 (27 of 1957):

(1) Surinder Kumar Punchni, S/o Shive Das, 4, North End Road, Alipur Road, Delhi.

(Transferor)

(2) Neclam Kataria, W/o. Sh. S. K. Kataria, R/o. II-L/87, Lajpat Nagar, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Guzette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A-I/36, Lajpat Nagar, New Delhi, measuring 100 sq. yards.

R. P. RAJESH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-Aggarwal Houte, 4/14-A, Asaf Ali Road, New Dolhi.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Date: 1-10-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAI ALI ROAD, NEW DELHI.

New Delhi, the 1st October 1985

Ref. No. IAC/Acq I/SR-III/2-85/700.-Whereas, I. R. P. RAJESH,

the fig. 1. RANGER, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00 000/- and bearing Plot No. 10/23, Kalkaji Extn, mg. 200 sq. yds. situated at New Delhi

New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transfered under the Registeration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering Officer at

New Delhi in February 1985 for an apparent consideration which is less than the falr market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of .--

- (a) facilie-ting the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been Οľ which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tux Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

(1) Smt. Harbans Kaur, wd/o. Dayal Singh, R/o. 10/23A, Kalkaji Extn. New Delhi.

(Transferor)

(2) Surinder Gupta, S/o Prem Chand Gupta, Smt. Urmil W/o. Ravinder Kumar, and Smt. Kiran Wati, W/o. Prem Gupta, all R/o. 57, Gali Baja Kedar Nath, Chawri Bazar, Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 45 days from the service of notice on the respective persons whichever period expides later;
- (b) by any other person interested in the said immovaable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULB

Plot No. 10/23, measuring 200 sq. yds. Kalkaji Extn, New Delhi.

> R. P. RAJESH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Jucome-Tax Acquisition Range-I, Aggarwal Hou e, 4/14-A, Asaf Ali Road, New Delhi.

Date: 1-10-1985

FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX. ACQUISITION RANGE-I, AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI.

New Delhi, the 1st October 1985

Ref. No. IAC/Acq. I/SR-III/2-85/701,-Whereas, I. R. P. RAJESH.

being the Competent Authority under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Re. 1,00,000|- and bearing No. L.G.F. (Ba ement) Property No. S-118, mg. 300 sq. yds.

situated at New Delhi.
(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transfered under the Registeration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering Officer at New Delhi in February 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefore by more than futern per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer—as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:— (1) Dev Dutt Sharma S/o. Late Daulat Ram, R/o A-6, Ring Road, First Floor, N.D.S.E. Part-I, New Delhi.

(2) Mrs. Sati A. Manghnani, W/o Ashok S-Manghnani R/o. E-376, Greater Kailagh-II, New Delhi,

(Transferce)

(Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: The burnes and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; ezui∕or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); THE SCHEDULE

Lower Ground Floor (Basement) of Property No. S-118, Greater Kailash-II, New Delhi, Mg. 300 sq. yds.

> R. P. RAJESH Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-I, Aggarwal House, 4/14-A, Asaf Ali Road, New Delhi.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said A t, to the following persons, namely:—

Date : 1-10-1985

Seal 1

FORM ITMS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-I, AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD. **NEW DELHI**

New Delhi, the 1st October 1985

Ref. No. IAC/Acq. I/SR-III/2-85/702.—Whereas, I, R. P. RAJESH

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the Said Act) have reason to believe that the

referred to as the Said Act) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000]—and bearing Flat No. 1, part of Property No. S-458, situated at Greater Kailash-II, New Delhi, measuring 50 sq. yds. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transfered under the Registeration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering Officer at New Delhi on February 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transferi and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (A) of 1922) or the said Act, or the Weslth-tax Act, 1957 (27 of 1957); (1) Arun Mittal, S/o. V. B. Mittal, E-18, Greater Kailash Enclaye-II, New Delhi.

(Transferor)

(2) Ram Lat Sud, Slo Late Gopi Rum Sud, R/o. S-458, Greater Kailash-I, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Part of property No. S-458, Greater Kailash-I, New Delhi, measuring 50 q, yds.

> R. P. RAJESH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Aggarwal Hou e, 4/14-A, Asaf Ali Road, New Delhi.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act. to the following persons, namely :--

Date: 1-10-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-I, AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELL

New Delhi, the 1st October 1985

Ref. No. IAC/Acq. I/SR-III/2-85/703.--Whereas, I, R. P. RAJESH

In the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000], and bearing

Rs. 1,00,000]- and bearing
Flat No 5, Part of property No. S-487, Greater Kailash-II,
mg. 870 sq. ft. New Delhi.
(and more fully described in the Schedule annexed hereto).
has been transfered under the Registeration Act, 1908 (16
of 1908) in the office of the registering Officer at
New Delhi on February 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property, as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; andlor
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

(1) Parvesh Kumar Kakkar, S/o. Sh. Hari Ram Kakkar, R/o. E-603, Greater Karlash-II, New Dalhi.

(Transferor)

(2) Ghansham Dass, S/o. Sobha Ram and Harsh Vardhan, S/o. Sh. Ganesh Dass, R/o 28, Main Wali Colony, Gurgaon (Haryana).

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter:-

THE SCHEDULE

Flat No. 5, part of property No. S-457, measuring 870 sq. ft. Greater Kailash-II, New Delhi. Total area of plot 557 sq. vards.

> R. P. RAJESH Competent Authority
> Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Aggarwal Hou e, 4/14-A, Asaf Ali Road, New Delhi.

Date: 1-10-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 30th September 1985

Ref. No. IAC/Acq. 1/SR-III/2-85/704.—Whereas, I, R. P. RAJESH

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe

that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000|- and bearing Plot No. E-529, Greater Kailash-II, mg. 400 sq. yds. situated

Plot No. E-52 at New Delhi.

(and more fully described in the Schedule annexed herete)

has been transferred under the Registeration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering Officer at New Delhi on February 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer at agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay that under the said Act, in respect of any income arising from the transfers and /ar
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferes for he purposes of the radian lacous-tax Ast, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the mid Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid preserty by the issue of this notice under subsection (1) Section 269D of the said Act, to the following persons, Namely :-103-316GI/85

(1) Smt. Vir Bala Bisarya, Shri Alok Narain Bisarya, & Miss Gital Bisarya, all r/o House No. 777, Sector 22-A, Chandigarh.

(2) M/s. Saraswati Builders. G-1/16, Darya Ganj, Delhi. (Transferor)

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 50 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said able property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:— The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the side Ast, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. E-529, Greater Kailash-II, New Delhi, measuring 400 sq. yds.

> R. P. RAJESH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Aggarwal House 4/14-A, Asaf Ali Road, New Delhi.

Date: 30-9-1985

Soul :

FORM ITNE-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-I,
AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD,
NEW DELHI

New Delhi, the 30th September 1985

Ref. No. IAC/Acq. 1/SR-III/2-85/765.—Whereas, I, R. P. RAJESH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Re 100 000l- and bearing

Rs. 1,00,000|- and bearing G. F. with Basement property No. S-22, Gr. Kailash-II situatd at New Delhi, measuring 45% of 300 sq. yds. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transfered under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the registering Officer at New Delhi on February 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with object of —

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under that said Act, in respect of any income arising from the transfer; and for
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

 Mr. Anii Kumar Sehgal, Mrs. Swarna Sehgal, R/o. D-289, Defence Colony, New Delhi.

(Transferor)

(Transferce)

(2) Mrs. Suvra Mukherjee, W/o. Sh. P. K. Mukherjee, R/o. Q-3, Belgachia Villa, Calcutta, C/o. Mr. Rajan Meehra, 11/2, East Patel Nagar, New Delhi.

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Ground Floor with Basement of Property No. S-22, Greater Kailash-II, New Dslhi-II, mg. 45% of 300 sq. yds.

R. P. RAJESH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I,
Aggarwal House,
4/14-A, Asaf Ali Road, New Deihi.

New, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the afterward property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, mancia:

Date: 30-9-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1), OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 30th September 1985

Ref. No. IAC/Acq. I/SR-III/2-85/706.—Whereas, I, R. P. RAJESH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing No. F. F. of Property No. S-22, Gr. Kailash-II, mg. 33% of 300 sq. yds. situated at New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transfered under the Registeration Act, 1908 (16 of 1908) in the registering Officer at New Delhi on February 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any magneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferree for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Mr. Anil Kumar Sehgal, Mrs. Swarna Sehgal R/o. D-289, Defence Colony, New Delhi.

(Transferor)

(2) Mr. Abhijit Mukherjee, S/o. Sh. P. K. Mukherjee, R/o. 3, Belgachia Villa, Calcutta, C/o, Mr. Rajan Mehra, 11/2, East Patel Nagar, New Delhi. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date or publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immerable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

First Floor of Property No. S-22, Grenter Kailash-II, New Delhi, mg. 33% of 300 sq. yds.

R. P. RAJESH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I,
Aggarwal House,
4/14-A, Asaf Ali Road, New Delhi.

Date: 30-9-1985

FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-I, AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 30th September 1985

Ref. No. IAC/Acq. I/SR-III/2-85/707.—Whereas, I, R. P. RAJESH, being the Competent Authority under Section 269B of the Iscome-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Second floor of Property No. S-22, Greater Kailash-II, situated at New Delhi, measuring 22% of 300 sq. yds. (and more fully described in the Schedule annoxed hareto). has been transfered under the Registeration Act, 1908 (16 of 1908) in the registering Officer at New Delhi on February 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any insense arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said net, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the advanced property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- Mr. Anil Kumar Sehgal,
 Mrs. Swarna Sehgal,
 R/o D-289, Defence Colony, New Delhi.
 (Transferor)
- (2) Miss Sharmistha Mukherjee,
 D/o. Sh. P. K. Mukherjee,
 R/o. Q-3, Belgachia Villa, Calcutta,
 C/o. Mr. Rajan Mehra, 11/2, East Patel Nagar,
 New Delhi.

Objections, if any, to the acquisition of the mid property may be made in writing to the materalaned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Guzette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whishever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Second floor of property No. S-22, Greater Kailash-II, New Delhi, measuring 22% of 300 sq. yds.

R. P. RAJESH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I,
Aggarwal House,
4/14-A, Asaf Ali Road, New Delhi.

Date: 30-9-1985

(1) M/s C. Lyall & Co. (Const.) (P) Ltd., 115 Ansal Bhawan, 16, K. G. Marg, New Delhi.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) M/s, R, K, Khanna & Sons B-7, 3, Asaf Ali Road, New Delhi.

and the same and t

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I. AGGARWAI HOUSE, 4/14-A, ASA¹⁷ ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 30th September 1985

Ref. No IAC/Acq. I/SR-JII/2-85/707-A.—Whereas, I, R. P. RAJ SH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

Agr. land mg. 9 bighas and 8 biswas situated in village

Bijwasan, New Delhi, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transfered under the Registeration Act, 1908 (16 of 1908) in the registering Officer at

New Delhi on February 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; sad/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other easets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

104—316G1/85 Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires inter:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land measuring 9 Bighas 8 biswas comprised in Rect. No. 77, Khasra No. 8 (4-0), 9 (4-8), 13m (1-0) aituated in village Bijwasan, New Delhi.

> R. P. RAJESH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Aggarwal Hou.e, 4/14-A, Asal Ali Road, New Delhi,

Date: 13-9-1985

Scal: .

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(1) Smt. Savitri Devi W/o Shri Ajit Singh R/o Village Bijwasan, New Delhi.

(Transferor)

(2) M/s. Delhi Towers & Estates (P) Ltd., 115, Ansal Bhawan, 16, K. G. Marg, New Delhi-110 001.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX. ACQUISITION RANGE-I, AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 30th September 1985

Ref. No. IAC/Acq.I/SR-III/2-85/707-B.—Whereas, I,

R. P. RAJESH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

Agri. land admeasuring 8 Bighas 15 Biswas comprised in Kh. No. 175 min (8-15) situated in Revenue

Estate of vill. Bijwasan (and more fully described in the schedule appeared berato)

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office

of the Competent Authority at New Delhi on February, 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such trainfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer:
- (h) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tay Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovements able property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said. Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural and admeasuring 8 Bighas 15 Biswas comprised in Khasra No. 175 min (8-15) situated in the Revenue Estate of village Bijwasan, New Delhi.

R. P. RAJESH Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Aggarwal House 4/14-A, Asaf Ali Road. New Is bi

riow, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act. to the following persons, namely :-

Date: 30-9-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, AGGARWAL HOUSE, 4-14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 25th September 1985

Ref. No. IAC/Acq.I/SR-II1/2/85/707-C.-Whereas, I,

R. P. RAJESH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/and bearing

Property known as F-30 to F-41, Connaught Place situated

at New Delhi, area 376-25 sq. meters (and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on February, 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aloresaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aformaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the transfer with the object of :---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act. of the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

(1) Smt. Ram Dulgari W/o late Sh. Om Parkash, 26, Rohtak Road, New Delhi.

(2) M/s. Competent Builders, Competent House, F-14, Middle Circle, Cannaught Place, New Delhi.

(Transferor)

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the res-pective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publi-cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herem are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Location-F-30 to 41, known as F-14, Cannaught Place. New Delhi, measuring 376.25 sq. meters.

> R. P. RAJESH Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Aggarwil House 4/14-A, Asaf Ali Road, New Delhi

New, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the follow-**ம்த** (சுருக்கை, பயாலிy .—

Date: 25-9-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, AGGARWAL HÖUSE, 4 14-A, ASAF ALI ROAD. NEW DELHI

New Dellin, the 30th September 1985

Ref. No. 1AC/Acq.1 SR-J11/2-85/707-D.—Whereas, I, R. P. RAJESH,

being the Competent Authority under Sect on 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (he winafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable p.operty having a fair market value exceeding

Rs. 1,(0,000]- and bearing

Agri, Lind mg. 4 Bigha and 12 Biswas stuated at village Bijwasan, New Delhi

has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

New Delhi on February, 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforess id exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the estitution or symplem of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arbing from the transfer sad/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Incometax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Mr. Rati Ram S/o Mr. Jai Lal R/o V. & P.O. Bijwasan, Tch. Mehrauli. New Delhi.

(Transferor)

(2) M/s. Manchali Trading Co., 10, 'IRIS' Cuffic Parade Colba, Bombay.

(Transferce)

Objections, if any, so the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
 45 days from the date of publication of this notice
 in the Official Gazette or a period of 30 days from
 the service of notice on the respective persons. whichever period expires later:
- (b) by any other person interested to the said immovalds property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazetta.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as liven in that Charter

THE SCHEDULE

Agricultural land measuring 4 bigha 12 biswas in 74/1 in village Bijwasan Teh. Mehrauli, New Delhi.

R. P. RAJESH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Aggarwal House 4/14-A, Asaf Ali Road, New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aferesaid property by the usue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following POTRUME, TRACKETY

Date: 30-9-1985

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1901)

GOVERNMENT OF INDIA

(1) Mi/s C Lyall & Co., (Const.) (P) Ltd., 115, Ansal Bhawan, 16. K. G. Marg, New Delhi-1.

(Transieror)

(2) Shrì Narender Singh Mann R/o P.O. Box 242, The Palace, Muscat (OMAN).

(Transferce)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 25th September 1985

Ref. No. IAC/Acq.I/SR-III/2-85, 707-F.—Whereas, I, P. RAJESH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/and bearing No.

Agri. 1 and bearing kh. No. 179, 4, 1 Bigha and 07 Biswas, situated at 176 10 Bihas & 13 Biswas totalling 12 Bighas in vill. Bijwasan, New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Officer of the registering Officer at

New Eelhi on February, 1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesald exceeds the apparent consideration therefor by more than arteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transferor andlor
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferree for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Ad, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, numely :---

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by an of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazetto.

EXPLANATIOR: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultur il land bearing Khasra No. 179/4, 1 Bigha and 07 Biswas, 176, min 10 Bighas & 13 Biswas totalling 12 Bighas situa ed in village Bijwasan, New Delhi.

R. P. RAJESH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Aggirwal House 4/14-A, Asaf Ali Road, New Delhi

Date: 25-9-1985

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-I, AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 30th September 1985

Ref. No. IAC/Acq.I/SR-III/2-85/708.—Whereas, I, A. P. RAJESH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax-Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/and bearing No.

Ground floor of property built on Plot No. M-39 situated at Greater Kailash-II, mg. 250 sq. yds. (and more fully described in the Schedule annexed hereto)

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred as per deed registered under the Indian Registra ion Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registrenia Officer at Chikkadpally in January, 1985 New Delhi on February, 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe hat the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of gransfer with the object of:—

(a) fucilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Smt. Raman Anand W/o Sh. Ashok Anand R/o D-289, Defence Colony. through atorney M. R. Sebgal.

(Transferor)

(2) Mrs. Nargis Malik W/o M. H. Malik Maliesh Mohan Malik S/o H. K. Malik R/Q S-439, Greated Kailash-I, New Delhi.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immova able property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

ExpLanation:—The terms and expressions used htrein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Ground floo of property built on Plot No. M-39, at Greater Kailash-II, New Delhi, measuring 250 sq. yds.

R. P. RAJESH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Agearval House
4/14-A, Asaf Ali Road, New Delai

Date: 30-9-1985

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ΛSAF ΛLI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 3rd October 1985

Ref. No. IAC/Acq.I/SR-III/2-85/692.—Whereas, I, R. P. RAJESH.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value

exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

K-93, Kalkaji, area 100 sq. yds. situated at New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at New Delhi on February, 1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market, value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/er
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferres for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said ct, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aloresaid property by the issue of this office notice under sub-section (1) of Section 269°D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Smt. Bhagwani Thawani, Mr. Rajendra Thawani, Mr. Hemant Thawani and Mr. Parkash Thawani, R/o 7/49, Shastri Nagar, Ahmedabad-13.

(Transferor)

(2) Shri Shyam Dass, K-93-B, Kalkaji, New Delhi...

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires fater;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property No. K-93, Kalkaji, New Delhi, mg. 100 sq. vds.

R. P. RAJESH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
Aggarwal House
4/14-A, Asaf Ali Road, New Delhi

Date: 3-10-1985

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, PUNE

Pune, the 16th August 1985

Ref. No. IAC ACQ/CA-5/37EE/222/1985-86 - Whereas, I, ANIL KUMAR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act.) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Unit No. 2 in Pushpam Apartment on first floor, ownership flat situated at Nasik

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and registered under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer,

at I.A.C., Acqn. Renge, Punc in June, 1985 for an apparent consideration which is less than the for market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per control such apparent conside alien had that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument transfer with the object of :--

 M/s Sharp Builders, 257-A v S. Road, Temple of Industries, Opp. Sam orth Watch Co., Girgam, Bombay. (Transferor)

(2) I. Shri Nishti J. Humji, Pushpam Apartments, Trimbak Road, Nasik-2.

 Mrs. Rosban Faly Irani, Sarosh Bungalow Trimbak Road, Nasik.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days for the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette,

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein wre defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any meome of any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-ax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Unit No. 2 in Pushpam Apartment on first floor-ownership

(Area 747 sq. ft.).

(Property as described in the agreement to sale registered in the office of thel A.C., Acquisition Range, Pune, under document No. 232/1985-86 in the month of June, 1985.)

ANIL KUMAR Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range Poons

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 16-8-1985